अमर प्रेम

इरविंग स्टोन

राजपाल एंण्ड सन्ज़, दिल्ली

अनुवादक · आशुतोष

मूल्य	:	चार रुपये
प्रथम संस्करण	:	अक्तूबर, १९६०
प्रकाशक	:	राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली
मुद्रक	:	शिक्षा भारती प्रेस, दिल्ली

१

वह ड्रेसिंग टेबल पर झुक गई और दीवाल मे लगे सुनहरी फ्रेम वाले शीशे मे अपना मुख देखने लगी। यह सोचकर उसे आश्चर्य हुआ कि व्यक्ति अपने चेहरे के अध्ययन मे कितना ही समय बिता देता है फिर भी उसको उसका पर्याप्त ज्ञान नही होता। निस्सन्देह उसकी नाक मे तो कोई परिवर्तन नही हुआ था। वह उसी प्रकार छोटी और नुकीली थी, किन्तु, अन्य सब कुछ उसके स्वभाव के साथ बदलता प्रतीत होता था। उसका ऊपर का पतला होठ उसके चेहरे पर बहुत सुन्दर लग रहा था तथा निचला भरा हुआ और आकर्षक था। उसके चौड़े माथे पर लटकती हुई लट सुनहरी थी और शेष केशराशि गहरे भूरे रग की। उसकी बडी-बडी गहरी नीली आखो की दृष्टि देखने मे तीक्ष्ण किन्तु भीतर से अत्यन्त गहन थी। आज रात वह प्रसन्न थी और उसकी आखो मे कभी-कभी अनायास झलकने वाली निराशा दृष्टिगोचर नही होती थी।

उसे आभास हुआ कि कोई उसे देख रहा है। उसने शीशे के दाहिनी ओर दृष्टि डाली। उसकी पद्रह वर्षीय बहन उसपर दृष्टि गडाए खड़ी थी।

'युवको के मध्य पाखडपूर्ण आचरण दिखाने वाली लडकी की भांति' एन ने ऊचे स्वर मे कहा, 'जैसा मा कहा करती है, तुम भी अशिष्ट ढग से वक्ष के उभार का प्रदर्शन कर रही हो।'

मेरी अपने गहरे नीले रग के रेशमी गाउन की ओर देखने लगी जो उसने स्वय बनाया था। वह गाउन कंधे तक नही पहुचता था और झालरदार छोटे आस्तीनो पर कढाई हुई थी। उसके मुख को सुन्दर कहने वाले लोग बहुत कम थे किन्तु वे प्रायः यह अवश्य कहते थे कि वह बहुत प्यारी लगती है। इस बात पर सभी सहमत थे कि उसके समान सुन्दर-मासल कधे और गोल बाहे लेक्सि-

गंटन मे अन्य किसी भी युवती की नही थी क्योकि उनमे उभरी हुई हड्डिया और गड्ढे नही थे।

उसने दोबारा शीशे मे ऊपर देखा तो उसे एन उत्तेजित भाव से अपनी चोली को उभारकर बाधती हुई दिखाई दी।

'उतावली मत बनो एन, तुमपर भी यौवन आएगा।'

'मेरी! इस भोज का लाभ अवश्य उठाओ, मा ने कहा है, कि यदि तुम इस बार सैंडी से विवाह-प्रस्ताव नही प्राप्त करती तो यह तुम्हारे लिए आखरी अवसर⋯'

मेरी उसकी ओर घूमी और असाधारण तीखी आवाज मे बोली, 'नही, मा ने ऐसी कोई बात नही कही।' उसके कपोलो पर रक्तिमा दौड गई और वह पुनः धीमी आवाज़ मे बोली :

'तुमने सभवतः मा को इतना ही कहते सुना है कि उसे आशा है कि इस भोज के कारण कोई मुझसे विवाह का प्रस्ताव करेगा।'

'यह तो एक ही बात है, या नही ?'

'तुम्हारे लिए होगी एन।'

वह खिडकी की ओर गई जहा से पीछे का बाग और बग्घीखाना दिखाई देता था। वहा घास का मैदान पहाडी की तलहटी मे बहने वाले छोटे-से झरने तक फैला हुआ था। पश्चिम मे डूबता हुआ सूर्य दहकते हुए लाल अगारे के समान दिखाई देता था। नगर की सीमा पर एल्कहार्न क्रीक तक खेतो पर बैंगनी रग की आभा छिटकी हुई दिखाई देती थी, जिस दृश्य के कारण उस प्रदेश का नाम नीली घास का प्रदेश विख्यात हो गया था।

क्षणभर उसने विचार किया कि उसे अपनी सौतेली मा बेट्सी हम्फरी को मां कहना कितना कठिन लगता है। फिर सोचने लगी कि एक ही माता-पिता के चार बच्चो मे कितना बडा अंतर हो सकता है। उसकी सबसे बडी बहन एलेजबेथ, जिसका विवाह हो चुका था और जो स्प्रिंगफील्ड, इलीनाइस मे रहती थी, मा की तरह सहृदय, प्रसन्नचित्त तथा स्थिरस्वभाव वाली थी। जिस समय मा की मृत्यु हुई एलेज़बेथ की अवस्था केवल साढे ग्यारह वर्ष की थी परन्तु उसने सब बच्चो को सभाला और उनके लिए अपने स्नेह का भण्डार खोल दिया। उसकी दूसरी बहन फ्रासेस, जो एलेजबेथ के पास स्प्रिंगफील्ड मे रहती, बहुत गंभीर और मौन

प्रकृति की थी। उसकी अपनी मुखाकृति ऐसी थी कि वह किसी भी भाव को छिपा नही सकती थी। उसके मन मे जो भी भाव पैदा होता वह अनायास उसके चेहरे पर उभर आता। कमरे मे उसके साथ रहने वाली एन को लोगो के शब्दो को तोड़-मरोडकर उन्हे परस्पर लडाने मे बहुत आनन्द आता था।

बाहर के बडे कमरे मे धीमी आहट सुनाई दी। मामी सेली ने दरवाज़ा खोला। वह बडी कुरूप-सी स्त्री थी।

उसकी भौहे खिची हुई और बाल पीछे की ओर बधे हुए थे। नीचे के दांतों की पक्ति पूरी थी जबकि ऊपर के दातो मे से एक भी नही था। उसने न केवल मेरी और उसकी बहनो का पालन-पोषण किया था वरन् उनकी मां की भी सहायक रही थी क्योकि दादी पारकर ने उसे एलेज़ा पारकर टाड को विवाह के उपहार के रूप मे दिया था। उस बूढी नीग्रो स्त्री ने मेरी के गाउन की ओर देखते हुए अनुमोदनसूचक सिर हिलाया।

मेरी की चोली उसकी कमर पर अग्रेजी के 'वी' अक्षर के रूप मे बधी हुई थी और नीचे उसकी झालरे क्रिनोलीन के पेटीकोट पर फैली हुई थी।

'बहुत सुन्दर, किन्तु भडकीला नही।'

'यह प्रसन्नता की बात है मामी सेली, कि तुमने मेरा गाउन पसन्द किया है। मेरा विचार है कि पिता न्यू ओरलियन से मेरे लिए मोतियो की जो माला लाए थे उसे आज पहनू।'

'तुम्हारा प्रेमी नीचे आ गया है। मै जानती थी कि तुम चाह रही होगी, कि मैं यह बात तुम्हे आकर बताऊ। यह बुरी बात है कि उसकी उम्र इतनी अधिक है। खैर आशा है कि आज रात वह अवश्य विवाह का प्रस्ताव करेगा।'

मेरी हसी। आठ वर्ष पूर्व जब वह बारह वर्ष की थी उसके पिता ने उसके लिए एक सफेद रग का नाचने वाला टट्टू खरीदा था। कुछ दिन बाद वह उस पर चढकर मेन स्ट्रीट से आशलैड तक कोई डेढ मील दूर हेनरी क्ले के घर गई थी। श्री क्ले वाशिंगटन नगर मे कांग्रेस के अधिवेशन के लिए जाने वाले थे और प्रस्थान के पूर्व उन्होने कुछ महान राजनैतिक व्यक्तियो को सहभोज के लिए बुला रखा था। उन्होने मेरी को देखा तो कुछ क्षण के लिए क्षमायाचना कर बाहर आ गए।

'श्री क्ले, देखिए यह मेरा नया टट्टू है। पिता ने इसे उन बनज़ारो से खरीदा

है जो गत सप्ताह यहा ठहरे थे ।'

'यह तो अपने सवार की ही तरह उत्साही दिखाई देता है ।' फिर उन्होने उसे टट्टू पर से उतारा था और कहा था, 'आओ मेरी, तुम ठीक भोजन के समय पहुची हो ।'

केंटुकी की विधान सभा का अध्यक्ष जान जे० क्रिटेडन जो गहरी भूरी आखो, चील की चोच की-सी नाक और सुन्दर सिर वाला आकर्षक युवक था, उसके तथा श्री क्ले के बीच मेरी को बैठाया गया । वहा उसने कुछ व्यक्तियो से राष्ट्रपति एण्ड्रयू जैकसन की कटु आलोचना सुनी कि कैसे वह शासन के अधिकारो को हथियाने, सुप्रीम कोर्ट की अवहेलना करने और बार-बार विशेषाधिकार के प्रयोग द्वारा विधान सभा को अशक्त करने के प्रयत्न करता रहता है । ऐसी चर्चाओ के बारे मे वह बहुत कुछ जानती थी । कभी उसके पिता श्री क्ले और अन्य राजनैतिक साथियो को भोजन पर आमन्त्रित करते थे तो प्राय. उसे भी अपने साथ ले जाते थे ।

जब वहा कुछ देर के लिए खामोशी हुई तो अकस्मात् मेरी बोली थी, 'श्री क्ले, पिता कहते है कि अमेरिका के भावी राष्ट्रपति आप होगे । मेरी इच्छा है कि मै वाशिंगटन नगर मे जाकर व्हाइट हाउस मे रहू ।'

इसपर श्री क्ले खूब हसे थे, 'बहुत अच्छा, यदि मै कभी राष्ट्रपति बना तो मै आशा करता हू कि मेरी टाड मेरे सबसे पहले मेहमानो मे से एक होगी ।'

'मैंने पिता से प्रार्थना की थी कि वह राष्ट्रपति बन जाए किन्तु वे कहते थे कि वे आपको ही राष्ट्रपति बनाना चाहते है । मेरे पिता भी विचित्र व्यक्ति है श्री क्ले ! मै तो समझती हू कि वह राष्ट्रपति बनना ही नही चाहते ।'

मेज़ पर बैठे हुए सभी लोग खिलखिलाकर हस पडे थे । केवल श्री क्ले और मेरी थे । उसने दृष्टि ऊपर उठाई थी और कहा था 'श्री क्ले, यदि आपने तब तक विवाह नही किया होगा तो मै आपके लिए प्रतीक्षा करती रहूगी ।'

उसने मोतियो की माला गले मे बाध ली और कालीन बिछी सीढियो पर भागती हुई चली गई । फिर सफेद पत्थर की पटरी पर जाते हुए अजीर के वृक्ष के समीप आकर रुकी जहा से शामियाने के नीचे बैठे हुए लोग दिखाई दे रहे थे । सबका ध्यान हेनरी क्ले की ओर लगा हुआ था । उनके पास केंटुकी के सिने-

टर श्री क्रिटेंडन, काग्रेस मे लेक्सिगटन के प्रतिनिधि नवयुवक रिचर्ड मैनीफी और उसके पिता बैठे हुए थे। राबर्ट टाड अडतालीस वर्ष के एक आकर्षक व्यक्ति थे परन्तु उनकी गरदन बहुत ही छोटी थी और ऐसा लगता था कि जैसे उनका सिर दोनो कधो के बीच गडा हुआ हो। उन्होने लम्बे काले बालो को कानो पर फैला रखा था और चोगे की शक्ल का नीला कोट, बूटो मे बधी सफेद पतलून, और ऊचे कालर तथा झालरदार कमीज पहने वे बहुत सुन्दर लग रहे थे। वे शात स्वभाव के व्यक्ति थे किन्तु कभी-कभी क्रोध से अभिभूत हो जाते थे। ब्ल्यू ग्रास (नीली घास) प्रदेश मे उनकी वेशभूषा सबसे सुन्दर समझी जाती थी और यह माना जाता था कि कपडो और आभूषणो के सम्बन्ध मे उनकी रुचि सर्वोत्तम है। मेरी को उनसे यही स्वभाव और सुरुचि उत्तराधिकार मे मिली थी किन्तु इतनी परस्पर समानता के कारण व्यक्तियो के सम्बन्धो मे जो उलझन पैदा हो जाया करती है उसके होते हुए भी वे एक दूसरे के बहुत निकट थे।

उसे अजीर के वृक्ष के नीचे देखकर उसके पिता ने धीमी आवाज़ मे पुकारा, 'प्रिय मेरी, इधर आओ और कुछ पुराने मित्रो को नमस्कार करो।'

शेष मार्ग उसने बहुत उत्सुकता और उत्साह के साथ तै किया। तभी श्री क्ले ने उसे अपने कडे हाथो मे एक क्षण के लिए थाम लिया और उसके दोनो गालो पर प्यार की मुहर लगा दी।

'मेरी, तुमसे फिर मिलकर बहुत प्रसन्नता हुई' उन्होने प्रसन्न भाव से कहा, 'जब कभी भी मैं वाशिंगटन से वापस आता हू तुम और भी अधिक सुन्दर दिखाई देती हो। क्या अब भी तुम मेरी प्रतीक्षा कर रही हो ?'

'हा' ' इस बात की कि आप राष्ट्रपति बन जाए।' उसकी आखो मे शरारत थी।

वह उन लोगो के बीच मे बैठ गई जिनका उसके पिता के तथा उसके अपने जीवन मे बडा महत्व था, और श्री क्ले की बातो को ध्यानपूर्वक सुनने लगी। उनकी आवाज़ इतनी सशक्त थी कि पहाड को भी छेद सकती थी किन्तु उसे उस आवाज मे अवर्णनीय माधुर्य और प्रेम प्रतीत होता था। उनके सिर पर दोनो ओर लटकते हुए थोडे-से सुर्ख-से बाल, लम्बा चेहरा, गड्ढे वाली ठुड्डी, नीली गहरी आखे और लम्बा भारी-भरकम शरीर देखकर उसके मन मे आया कि वे अपने घोर शत्रु एण्ड्र्यू जैक्सन से कितने मिलते-जुलते हैं।

वह समझती थी कि जैक्सन ने अनुचित रूप से हेनरी क्ले को व्हाइट हाउस से वंचित रखा है।

रिचर्ड मैनीफी आकर उसके पास बेंच पर बैठ गया। दो वर्ष पहले हैरोड्स-बर्ग के व्हिग सम्मेलन मे उसके पिता का नाम लेफ्टिनेंट गवर्नर के पद के लिए प्रस्तावित किया गया था और मैनीफी ने कहा था कि टाड का नाम न रखा जाए। उस निराशाजनक घटना के पश्चात् आज पहली बार फिर मेरी ने मैनीफी को देखा था।

'मेरी, क्या तुमने मुझे क्षमा कर दिया है?' उसने बडे मधुर भाव से कहा। 'तुम्हारे पिता ने ही मुझे वैसा करने के लिए कहा था।'

'आपको उनकी बात नही सुननी चाहिए थी।'

उसकी आवाज़ मे अब भी क्रोध झलकता था। उसके पिता ने उसकी पीठ पर हाथ रखा और दृढ किन्तु प्रेमभरे शब्दो मे कहा, 'तुम मुझसे क्रुद्ध रहती हो मेरी! क्यो यह ठीक है?'

हा, कभी-कभी उसे अपने पिता को समझने मे कठिनाई होती थी। उसके पिता लेक्सिगटन को बसाने वाले छ: व्यक्तियो मे से एक के पुत्र थे। उन्होने ट्रासिलवानिया विश्वविद्यालय मे लैटिन, ग्रीक, तर्कशास्त्र और इतिहास का अध्ययन किया था तथा आनर्स सहित स्नातक की परीक्षा पास की थी। यद्यपि उन्हे बीस वर्ष की अवस्था मे वकालत का कार्य करने की अनुमति मिल गई थी और उन्हे लेक्सिगटन के महान प्रतिभाशाली व्यक्तियो मे से एक माना जाता था परन्तु उन्होने वकालत का धधा नही किया जबकि उनकी बेटी यह समझती थी कि यह वृत्ति सब धधो की अपेक्षा अधिक आकर्षक है। वकालत की बजाय वे नगर मे एक किराने की दुकान के मालिक थे। उनके ऊन और सन के थैलो के कई कारखाने थे और साथ ही वे केटुकी बैक की लेक्सिगटन शाखा के प्रधान भी थे। क्ले और क्रिटेडन जैसे व्यक्तियो ने जिस कार्य मे प्रतिभा का प्रदर्शन किया और जिसे उनकी बेटी अत्यधिक पसद करती थी उस कार्य की अपेक्षा श्री टाड निर्माता बनकर नये उपक्रमो के लिए पैसा एकत्र करना अधिक पसद करते थे।

टाड का नौकर चादी की ट्रे मे पुदीने का शरबत बनाने की वस्तुए लिए हुए आया। ज्योही उसने चम्मच के पिछले भाग से प्याले मे उस सुगधित पुदीने को दबाने की रस्म आरम्भ की, लोगो ने आगामी व्हिग सम्मेलन और राष्ट्रपति-पद

के लिए डेनियल वेब्स्टर, जनरल विनफील्ड स्काट और विलियम हेनरी हैरीसन के सम्भावित नाम-निर्देशन के विषय मे जोशीली चर्चा आरम्भ कर दी। नेलसन ने कुचले हुए पत्ते हटा दिए थे और टाड के तहखाने की पुरानी शराब प्यालो मे डालने से पहले प्यालो को बर्फ के टुकडो से आधा भर दिया था। मेरी ने मन ही मन कहा कि इन तीन व्यक्तियो के नाम-निर्देशन की सभावनाए शीघ्र समाप्त हो जाएगी और हेनरी क्ले को मनोनीत कर दिया जाएगा। क्या वे ही व्हिग पार्टी के नेता, उसके मस्तिष्क तथा उसकी सघर्षशील आत्मा नही है ?

नेलसन अब दूधिया रग के रस मे दानेदार चीनी हिला रहा था। जब यह शीरा अच्छी तरह घुल गया और दूधिया रग का हो गया, तो नेलसन ने इसे बर्फ पर डालना आरम्भ किया, प्यालो के किनारो पर जल-कण उभर आए थे। नेलसन ने प्यालो को पुदीने की टहनियो से सजा दिया। क्ले ने एक घूट भरते हुए कहा

'यह निर्विवाद सत्य है कि केंटुकी मे बूढा नेलसन सबसे अच्छा पेय बनाता है। हमे इसे अपने साथ व्हाइट हाउस ले जाना पडेगा।'

श्री क्ले द्वारा 'हमे' शब्द के प्रयोग से उसे अतीव प्रसन्नता हुई और वह लजा गई, इसका अभिप्राय था कि प्रशासन मे राबर्ट टाड का बहुत महत्वपूर्ण स्थान होगा। उनका धधा राजनीति था। उन्होने केंटुकी की विधान सभा मे २१ वर्ष क्लर्क के पद पर काम किया था। उनका घर लेक्सिगटन की व्हिग पार्टी का अनौपचारिक रूप से मुख्यालय था। किन्तु वे सदा बिना पद की लालसा के एक व्यापार-प्रबधक के समान सामने आए बिना काम करने मे सतोष अनुभव करते रहे थे।

मेरी ने सोचा, हेनरी क्ले इन सब बातों को बदल देगे। हम अवश्य वाशिंगटन मे कोई अच्छा मकान किराये पर लेकर रहेगे और उच्च समाज के साथ मेल-जोल बनाएगे।

२

घर प्रकाश से जगमगा रहा था। सामने की बैठक और अन्दर परिवार के बैठने के कमरे के साटन के पर्दे खोल दिए गए थे। छत से लटकते हुए शीशे मीनाकारी वाले तांबे के फानूसो मे लगी बत्तियो के प्रकाश से चमचमा रहे थे। दोनो कमरो मे ज़री की कढाई वाले हरे सोफे अगीठियो के दोनो ओर दीवारो के साथ लगा दिए गए थे।

मेरी ने बग्घी के मार्ग से आगे वाली पत्थर की चार सीढिया पार की और सामने के खुले दरवाज़े मे प्रवेश किया जिसपर हाथ की चित्रकारी वाले चौखटे लगे हुए थे। एक आन्तरिक तनाव होते हुए भी मेरी के मन मे अपनी विमाता बेट्सी हम्फरी टाड के लिए एक गहरी श्रद्धा थी। मेरी को उसकी बात याद आई, 'सात पीढियो मे कही किसी महिला का जन्म होता है।' मेरी को यह मानना पडा कि वह भवन और उद्यान किसी सुरुचि वाली महिला ने ही निर्माण कराए थे। उसके इस विचार को इस कारण और भी अधिक बल मिला कि वह भवन वस्तुतः विलियम पामेटियर की सराय थी जिसे राबर्ट टाड ने भवन के मालिक के दीवालिया हो जाने पर मोल ले लिया था। बेट्सी ने उस विशाल भवन को एक सुन्दर घर मे बदल दिया था। उसकी छते बारह फुट ऊची थी। दरवाज़ो पर मढे हुए चौखटे लगे थे और नीचे के प्रत्येक कमरे तथा ऊपर सोने के कमरो मे अगीठियो पर खुदाई की हुई लकडी के तख्ते लगे हुए थे।

पिता के पुर्नविवाह के समय उसकी आयु आठ वर्ष की थी। तब से आज बीस वर्ष की हो जाने तक उसने अनेक बार मन ही मन विचार किया था कि यदि दादी मा हम बच्चो मे विमाता के प्रति विरोधी भावनाए न पैदा करती तो हो सकता था कि हमारा परस्पर प्रेम हो जाता। वर्षो तक मेरी को यही विचार घुन की तरह खाता रहा कि उसे कोई नही चाहता। क्या इसी कारण वह उस दिन की प्रतीक्षा नही कर रही थी, जब उनका विवाह हो और वे दूसरे घर चली जाए ? आज रात बेट्सी नीचे नही आई क्योकि छठे बच्चे को जन्म देने के पश्चात् अभी तक उसका स्वास्थ्य अच्छा नही हुआ था, परन्तु मेरी जानती थी कि यह वास्तविक कारण नही था। वह ऊपर की मञ्जिल मे इस कारण रहना

चाहती थी कि मेरी अपने भोज पर स्वय लोगो का अतिथि-सत्कार करने का आनन्द ले सके।

पिछले हिस्से की बैठक मे से हरे मखमल वाली कुर्सिया और चेरी की लकड़ी वाला सोफा हाल मे लाए गए थे। मेरी को उस बैठक मे सगीतज्ञ अपने वाद्य-यन्त्रो का स्वरसधान करते हुए सुनाई दिए। रियूबन, हेनरी और जार्ज तीन विख्यात सगीतज्ञ कर्नल ग्राहम के सम्बन्धी थे। इन्होने ही ग्रीष्म ऋतु मे ग्राहम स्प्रिङ्ग के अवसर पर अपने सगीत का कमाल दिखाया था। वही प्यानो के स्वर के साथ वायलिन और गिटार के स्वर मिला रहे थे। मेरी ने उनका स्वागत किया और निर्देश किया कि अमुक-अमुक नृत्य के साथ नये फैशन का वाल्ट्ज सगीत बनाए।

'मेरे विचार मे ग्रैड मार्च से आरम्भ किया जाए तो बडा मजा रहेगा। ऐसा प्रतीत होगा, मानो हम मोसिये गीरो के यहा होने वाले भव्य 'बाल' नृत्य का अनुभव कर रहे है।'

'मिस टाड, जिस समय आप कहे हम सगीत आरम्भ करने के लिए तैयार है।'

इतने मे किसी अकेले घुडसवार के मुख्य द्वार पर आने की टाप सुनाई दी तब उसने सैडी मैक्डानल्ड की आवाज सुनी।

मैक्डोनल्ड एक मझले कद का आदमी था। उसकी आखे और बाल भूरे रग के थे। उसके चेहरे पर चित्ती के निशान भी थे और कुछ धब्बे गालो से लेकर होठो तक फैले हुए थे। उसके इस रग और स्काटलैण्ड के परिवार से सम्बन्धित होने के कारण उसका नाम सैडी पड गया था। केवल ट्रासिलवानिया विश्व-विद्यालय का रजिस्ट्रार ही जानता था कि उसका असली नाम थामस है।

'सैडी नमस्कार! तुम तो नये भूरे रग के वास्कट और हल्के नीले रग के कोट मे खूब सुन्दर दिखाई देते हो।'

'यह तो विशेष रूप से आप ही की पार्टी के लिए बनवाई गई है। मैं इसे वापसी पर मिसिसिपी भी ले जाऊगा और वहा सब लोग मुझसे ईर्ष्या करेगे।'

दस बज रहे थे। खुली बग्घिया मुख्य सडक से बगले के अन्दर मार्ग पर आनी आरम्भ हो गई थी। सबसे पहले उसकी प्रिय सहेली मार्गरेट विकलिफ आई, जिसने हल्के नीले रग के महीन रेशम से बने हुए पुराने फैशन के वस्त्र पहने हुए थे और

कानो मे अपनी मा की हीरे की बालिया पहन रखी थी। उसके साथ उसका मंगेतर विलियम प्रेस्टन भी था जिसने हाल ही मे लुइसविले मे वकालत आरभ की थी। इसके बाद इजाबेला बोडली आई। उसने भारी सफेद रेशम के कपडे पहन रखे थे। उसकी स्कर्ट पर सफेद फर की झालर लगी हुई थी और उसपर गोटे की कढाई हुई थी। इज़ाबेला और मेरी श्रीमती मेटेली के स्कूल की अन्तिम कक्षाओ मे चौदह वर्ष की आयु से अठारह वर्ष की आयु तक इकट्ठी एक कमरे मे रही थी। उसके साथ फ्रास का नवयुवक विद्यार्थी जेक्स बैरिये था। उसके स्कूल की एक और सहेली कैथरीन ट्राटर थी जो कि अभी न्यू ओरलियन से वापस आई थी। उसने अपने बाल ऊचे-ऊचे गुच्छो मे बाध रखे थे। उसने लगभग बारह फुट घेरे का, गहरे गुलाबी रग का फ्राक पहन रखा था। उसकी चचेरी बहिन मार्गरेट स्टुअर्ट नवयुवक थामस क्रिटेडन के साथ आई। टाड परिवार के डाक्टर एलिशा वारफील्ड की तीन लडकियो मे सबसे छोटी लडकी राबर्ट विकलिफ के साथ आई। अधिकतर नवयुवक ट्रान्सिलवानिया विश्वविद्यालय के विद्यार्थी थे।

सारा घर हसी और उत्साह से परिपूर्ण था। मेरी मे आज बडा उत्साह था। उसे औपचारिक पार्टियो पर आतिथ्य सत्कार करना अच्छा लगता था। अपने परम मित्रो को अपने निकट पाकर प्रसन्नता की एक तरल अनुभूति से उसकी आखे चमक रही थी। हर एक की प्रशसा भरी दृष्टि उसके वक्ष और सुन्दर कधो पर टिकी हुई थी। उसे लोगो का स्वागत करने का स्वानुभूत कौशल प्राप्त था। किसीका उत्साह से हाथ दबाती, किसीका गाल चूम लेती, किसीसे उसकी रुचि का प्रश्न पूछती और किसीके गाउन या वास्कट की प्रशसा मे एक-आध शब्द कह देती।

वे सब लोग सामने वाली बैठक मे एक बडा घेरा बनाकर खडे थे और टाम क्रिटेडन से वह कहानी सुन रहे थे जो उसने आज के आबजर्वर नामक पत्र मे पढी थी। यह कहानी उस आदमी के विषय मे थी जिसने अपनी होने वाली वधू को विवाह के समय यह कहा था :

'मैने तुम्हे अपने हृदय की सब बाते नही बताई। तीन बातो के लिए मैं विशेष आग्रह करूगा, मैं अकेला लेटा करूगा, मै अकेला खाया करूगा, मैं अकारण ही तुमपर दोषारोपण करता रहूगा।' उसकी होने वाली पत्नी ने शर्तों

को मन्जूर करते हुए उत्तर दिया, 'यदि तुम अकेले लेटोगे तो मैं तो अकेले नही लेटूंगी, यदि तुम अकेले खाओगे तो मैं पहले खाऊगी और अकारण दोष निकालने के विषय मे मैं यह ध्यान रखूगी कि तुम्हे दोष निकालने का कभी अवसर ही न मिले।'

सवा दस बजे अन्तिम अतिथि परिवार का आगमन हुआ। मेरी ने रियूबन की ओर रूमाल से सकेत किया और सगीत आरम्भ हो गया। नाच के उस भव्य जलूस का नेतृत्व मेरी और सैडी ने किया। उन्होने दोनो बैठको, हाल के रास्ते, पिता के पुस्तकालय और परिवार के बैठने वाले कमरे का चक्कर लगाया। इसके पश्चात् बैंड ने राउड नृत्य की धुन बजाई। सब अतिथि दोनो बैठको मे से घूमते हुए गोल चक्कर मे नृत्य कर रहे थे। मेरी अनथक उत्साह और कौशल के साथ लोगो के बीच घूमती हुई नाच रही थी और वह हर किसी युवक के साथ नृत्य करते हुए आनन्द का अनुभव कर रही थी।

ठीक आधी रात के समय जब कि तीनो सगीतज्ञ 'सरकेसियन' नृत्य की कई प्रसिद्ध धुने बजा चुके थे, नेलसन ने खाने के कमरे का दरवाजा खोला। लाल अखरोट की मेज़ पूरी लम्बाई मे रख दी गई थी। काली साटन के गद्दोवाली खाने के कमरे की कुर्सिया दीवार के साथ रख दी गई थी। चादी के बत्तीदानो मे एक दर्जन मोमबत्तिया जल रही थी। इनके प्रकाश मे मेजपोश का रेशमी कपड़ा खूब चमक रहा था। मेज़ के ऊपर चादी के प्यालो मे बरफ से ठण्डे किए हुए तरबूज़, फ्रास का बन्द डिब्बो का मास और मोसिये गीरो हलवाई के यहा बनी हुई बादाम की मिठाई, आदि चीज़े रखी हुई थी। नेलसन बर्फ से ठण्ड किए हुए शैम्पेन के गिलास ट्रे मे रखकर सब लोगो मे घूम रहा था।

भूख की ज्वाला कुछ शान्त होने के पश्चात् ये सब ट्रान्सिलवानिया मे दूसरे दिन होने वाले उपाधि-वितरणोत्सव के विषय मे बातचीत करने लगे कि वहा क्या कुछ होगा। लडकिया दार्शनिक सस्थाओ और अडेल्फी मे हुए वाद-विवादो की चर्चा करने लगी, जहा वे सब इकट्ठी गई थी, और वसन्त ऋतु की दौड़ो की बातचीत चली जिनमे लडको ने अपने-अपने प्रिय घोडो पर दाव लगाकर एक दूसरे को हराया था, फिर जो नाटक उन्होने देखे थे उनके विषय मे वार्ता चलने लगी अर्थात् शेक्सपियर का 'मर्चेन्ट आफ वेनिस' व वाशिंगटन इर्विंग का 'स्पैक्टर ब्राईडग्रुम', और 'डम्बबेल' तथा 'फैमिली जार्स' जैसे सुखान्त नाटक। पुरुष अपने

अध्ययन काल के विषय मे तथा आगामी जीवन की आशाओ के बारे मे बातचीत करते रहे ।

मेरी ने अपना केक एक ओर रख दिया । उसकी आकृति गम्भीर हो गई, उसकी आखो की चमक मद्धिम पड गई । कल उसको भी डिग्री मिलेगी परन्तु कोई विश्वविद्यालय सम्बन्धी जलूस न होगा । मारीसन का गिर्जाघर प्रशसा करने वाले मित्रो तथा सम्बन्धियो से भरा हुआ नही होगा । कोई विख्यात तथा योग्य प्रोफेसर व्याख्यान नही देगा । कोई प्रधान स्वर्णाक्षरो से लिखी हुई उपाधि उसे नही देगा । निस्सदेह कल वह अपनी शिक्षा समाप्त करेगी । कोई भी यह नही कह सकता था कि उसने इतना परिश्रम नही किया जितना कि उसके साथ बैठे अन्य युवको ने किया था ।

तो क्या कोई भी यह नही कह सकता था ? निस्सदेह ऐसा कहने का किसी-मे सामर्थ्य ही न था··· क्योकि किसीको भी पता न था । वह श्रीमती मेटेली का स्कूल छोडने के पश्चात् दो वर्षो से ट्रान्सिलवानिया मे शिक्षा प्राप्त कर रही थी । वह घर पर दिया हुआ स्कूल का कार्य करती, पाठ्य-पुस्तको का अध्ययन करती, निबन्ध लिखती और जो विवादास्पद विषय होते उनको अपने पहले स्कूल-मास्टर जान वार्ड से समझती थी । केवल वह ही मेरी की योजना को जानता था ।

मेरी ने सिर ऊपर उठाया । उसने अपने सहपाठियो की ओर देखा । उनमे से बहुत-से इस बात पर ही फूले नही समाते थे कि मेरी ने उनकी पढाई और पुस्तको मे विशेष रुचि दिखाई थी । परन्तु उनमे से कुछ ने उससे यह भी पूछा था कि वह क्यो इतनी माथापच्ची करती है ? क्योकि एक सुन्दर युवती के लिए इतिहास तथा तर्कशास्त्र जैसे नीरस विषयो मे समय लगाना कदापि उपयुक्त नही हो सकता । खैर, यह भी एक निष्कपट धोखा था जिसका आज अन्त हो रहा था । उसके पास ही बैठे हुए सैडी ने उससे पूछा, 'मेरी, तुम इतनी चुप क्यो हो ?'

'यू ही कुछ सोच रही थी ।'

वह उसकी ओर झुका और बोला, 'आओ, मेरे साथ बाहर चलो, मैं तुमसे कुछ बाते करना चाहता हू ।'

३

वे दोनो टाड के बाग की तलहटी मे पुल के बीच मे इस प्रकार सटे खड़े थे कि उनके कधे स्पर्श कर रहे थे। सैडी नदी के दृश्य और मिसिसिपी मे मैकडानल्ड जागीर के विषय मे बातचीत कर रहा था। उसके पिता ईस्टर के दिनो मे स्वर्ग सिधार गए थे। सैडी को इकलौता पुत्र होने के कारण सारी जागीर तथा खेती-बाडी का प्रबन्ध अपने हाथ मे लेना था। वह बोला, 'वह भवन सब ओर से बलूत के वृक्षो से घिरा हुआ है। उसमे यूनानी ढग के मज़बूत खम्भे लगे हुए है और उनके तीन ओर छायादार गैलरिया बनी हुई है। कमरे अठारह फुट ऊचे हैं और उनमे फ्रेच ढग की खिडकिया बनी हुई है जो कि बाग की ओर खुलती है। उस भवन को नये सिरे से सजाने की आवश्यकता है। दीवारों पर पुराने फैशन का कागज लगा हुआ है। अगीठी की लकडी पर काफी खुदाई की हुई है। मेरा विचार है तुम इसे भी बदलना चाहोगी। इस काम के लिए पैसा काफी है और माता जी सारा काम तुम्हारे हाथ मे ही सौप देंगी''।'

वह कुछ बेहोशी-सी अनुभव करने लगी क्योकि सैडी उसके सामने विवाह का प्रस्ताव रख रहा था। मेरी ने सोचा कि सैडी उसे कितनी अच्छी तरह समझता है क्योकि वह उसे अपनी जागीर के बडे भवन को सजाने का कार्य सौप रहा है।

सैडी कह रहा था, 'खेती-बाडी को सुचारु रूप से चलाने का कार्य स्वामी का उत्तरदायित्व है परन्तु इसके अतिरिक्त अन्य सब कुछ घर की मालकिन के हाथो मे होता है। घर मे प्रत्येक व्यक्ति की प्रसन्नता उसीपर निर्भर करती है। केवल अपना परिवार ही नही अपितु दो सौ दास भी उसकी ओर ही निहारते हैं। उसके पास हर कमरे की चाबिया होगी, उसे बाग मे काम करने वालो को सिखाना होगा। रसोइयो, घर की नौकरानियो का प्रबन्ध करना होगा और उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। यह बहुत उत्तरदायित्वपूर्ण जीवन है परन्तु वह सब गुण तुममे विद्यमान है।'

सैडी ने प्रेम के आवेश मे उसके दोनो कधो को पकडकर अपनी ओर घुमाया। यद्यपि वे बहुत समय से एक दूसरे के मित्र थे किन्तु प्रेम का ऐसा आवेशपूर्ण

व्यवहार इससे पूर्व कभी लक्षित नही हुआ था।

वह बोला, 'देखो मेरी, कल डिग्री मिलने के पश्चात् हम दोनो को विवाह कर लेना चाहिए। मैने मोसिये गीरो को पहले ही कह दिया है। वह कहता है कि वह इस विवाह के उपलक्ष्य मे ऐसी शानदार पार्टी तथा नाच का प्रबन्ध करेगा जैसा कि आज तक लेक्सिगटन मे कभी नही हुआ। हम सारी कक्षा को आमन्त्रित करेगे ।'

मेरी ने अपना गाल उसके गाल पर रख दिया और उसे यह जानकर स्वय आश्चर्य हुआ कि उसकी आखो मे आसू थे। सैडी को भी उसके आसुओ का आभास हुआ।

'क्यो मेरी, मुझे आशा है कि तुम हर्ष के आसू बहा रही हो।'

वह पीछे हट गई और उसने अपने गालो से आसू पोछे, फिर वह वहा खडी हुई उसके कन्धो के ऊपर से अपने घर की ओर देखती रही जो कि रात्रि मे प्रकाश से खूब चमक रहा था।

'प्रिय सैडी ! यह तो कृतज्ञता के आसू है क्योकि आज जीवन मे प्रथम बार मुझसे विवाह का प्रस्ताव किया गया है।'

'पहली बार, परन्तु ऐसा क्यो ? तुम तो ब्ल्यू ग्रास मे सबसे आकर्षक युवती हो।'

वह सोचने लगी, वास्तव मे ऐसा क्यो नही हुआ ? क्या इसका कारण यह था कि उसने किसी युवक की ओर कभी कोई विशेष ध्यान नही दिया था अथवा उन नवयुवको के मन मे उसके प्रति कभी प्रेम जागरित नही हुआ था। टाड-परिवार की युवती होने के नाते वह सब स्थानो पर गई थी। ब्ल्यू ग्रास मे हर स्थान पर उसका स्वागत हुआ था। पिछले पाच वर्षों से वह सब पार्टियो, पिक-निको, भोजन तथा नृत्य-उत्सवो मे बराबर सम्मिलित होती रही थी। वह ट्रासिलवानिया के विद्यार्थियो तथा प्रोफेसरो से घुल-मिल गई थी। जिन लडको के साथ उसने अपने बचपन के आनन्दमय क्षणो को व्यतीत किया था वे उसे बहुत पसद थे। उसने मेटेली के अपने सहपाठियो को परस्पर प्रेम करते तथा प्रेम को विवाह-बधन मे परिणत होते देखा था। किन्तु वह कभी युवको के आकर्षण का केन्द्र नही बनी। पर ऐसा क्यो ? क्या इसलिए कि वह भावनाओ मे बही नही···या उसके लिए तैयार न थी।

क्या डेसमौन्ड फ्लेमिंग के साथ भी यही बात नही हुई थी ? वह अभी केवल २६ वर्ष का ही था कि उसने अश्वपालक के नाते अपना नाम पैदा कर लिया था। उसके पास दो सौ एकड चारे की भूमि थी जिसके एक किनारे पर उसने श्वेत रग की घुडसाले बना ली थी। मेरी ग्रैंड फेयरवेल बाल के उत्सव पर उससे मिली थी। इस उत्सव का आयोजन टेक्सास, लूज़िआना, मिसिसिपी तथा अलबामा के स्त्री-पुरुषो की ओर से किया गया था। कुछ ही दिन पूर्व जब मेरी मोसिये गीरो की दुकान पर पेस्ट्री लेने गई थी तो वह उसे ऊपर की मजिल मे नृत्य के लिए की गई सजावट आदि दिखाने ले गया था। वह नृत्य के तीनो कमरो को देखकर आश्चर्यचकित-सी रह गई थी। कमरो मे चेरी के तहदार दरवाजो पर पालिश किया हुआ था। उनके खुलते ही छत पर बनी भव्य चित्रकारी दिखाई देती थी। मोसिये गीरो ने अपनी दीवारो पर फल से लदे हुए सन्तरो के वृक्षो के चित्र बनाए हुए थे। ऐसा प्रतीत होता था कि मेरी सन्तरो के पेडो के मध्य खडी हो।

वह शीघ्रता से ओरियर तथा बर्कले की दुकान पर कुछ वस्तुए खरीदने चली गई थी और अपनी दर्जिन को बुलाने के लिए एक लडके को भेजा। उसने निश्चय किया कि इस नाच के लिए ऐसी गाउन बनवाएगी जिसमे स्कर्ट सगतरी रग का होगा और झालरदार पेटीकोट पर हरे पत्ते कढे होगे। एक बड़ा हरा पत्ता चोली पर कढा होगा और उसके वक्ष पर सुनहरे सन्तरो का गुच्छा बना हुआ होगा।

दर्जिन की सहायता प्राप्त होते हुए भी इस वेश-भूषा को ठीक समय पर तैयार करने के लिए उसे कठिन परिश्रम करना पडा परन्तु यह सब दौड-धूप उपयोगी सिद्ध हुई क्योकि उसे देखकर लोग चकित रह गए थे। उस स्थान की सजावट के साथ मेरी की वेशभूषा कितनी मिलती-जुलती थी ! लोगो ने गाउन की न केवल प्रशसा ही की अपितु खूब हास्य-विनोद भी रहा और सब लोगो ने बार-बार उसे अपने साथ नाचने के लिए आमन्त्रित भी किया।

यह सब तो हुआ किन्तु डेसमौन्ड फ्लेमिग तो उसे दिल ही दे बैठा। वहा वह सबसे सुन्दर युवक था। उसके बाल घुघराले थे और नक्श तीखे। वह चुस्त कपडे पहनता था, जिनमे से उसके अग-प्रत्यग अधिक उभरे हुए दिखाई देते थे। उसने मेरी के चारो तरफ कई चक्कर काटे फिर उसे बाह पकडकर मिल स्ट्रीट

के सामने वाले लोहे के जगले के समीप ले गया ।

वह मध्यम रग के व्यक्तियो की ओर कोई विशेष ध्यान नही देती थी । वह काले बाल, गहरी रहस्य भरी काली आख वाले व्यक्तियो को अधिक पसद करती थी । कुछ भी हो, जब लोग आपस मे एक दूसरे पर व्यग्य कसते तो मेरी को पता चलता कि आकर्षण का कुछ आधार अवश्य है । कुछ दिनो के बाद विकलिफ के जन्म-दिन के उत्सव पर जब डेसमौड अपनी एक बहुत बढिया घोडी के मर जाने पर, जो कि उसने कुछ दिन पूर्व खरीदी थी, शोक गीत गा रहा था तो मेरी बीच मे ही बोल पडी थी :

'मुझे घोड़ी की शरीर-रचना के विषय मे व्याख्यान देने का क्या लाभ क्योकि मै तो उसके गर्दन के बालो और टखनो के बालो मे भी भेद नही कर सकती ।'

वह कुछ खीजकर बोला था, 'घोडे मे तुम्हारी रुचि तभी हो सकती है जब कि मै उसे किसी पुस्तक के पन्नो मे बन्द कर दू । जिस बात का सामान्य जीवन से सम्बन्ध न हो वह तुम्हे पुस्तक मे कैसे मिल सकती है ?'

'पुस्तको मे भी तो यही मिलता है कि घुडदौड मे ग्रे ईगल घोडा जीतेगा अथवा वेडनर ।'

लज्जा से उसके गाल लाल हो गए और उसकी दृष्टि जेब मे पडी पुस्तक की ओर गई । इसके बाद वह हस पडा ।

'मैं घोडो के लिए पागल हू और तुम घर के लिए । इन शब्दो मे कुछ समानता तो है ही ।'

वह इस विवाद के लिए तैयार नही थी । अकस्मात् उसकी बाईं आख की भौहे ऊपर चढ गईं । और वह असमजस की प्रतिमा-सी दीखने लगी और जब तक उससे उत्तर न बन पडा उसकी यही स्थिति रही ।

'गृहनिर्माणविद्या महान् कलाओ मे से एक है''

'क्यो मेरी, क्या एक घोडे को विजेता घोडा बनाने के लिए कला की आवश्यकता नही होती ? एक बढई कुछ ही मास मे अपने लिए मकान बना सकता है परन्तु अच्छी नस्ल के घोडे को सिखाने मे कई वर्ष लग जाते है ।' उसने मेरी को अपने हाथो मे ले लिया और देर तक उसके साथ इतनी तीव्र गति से वाल्टज नाच करता रहा कि उससे कोई भी थक जाता और फिर बोला, 'मुझे पहले इसका आभास ही नही हुआ परन्तु तुम्हे भी तो इतनी कुशल बनने मे कई

पीढिया लगी होगी।'

'अच्छा तो अब मेरा भी सितारा चमकने लगा है। क्योकि तुमने मुझे अपने प्रिय घोडो की श्रेणी मे ही सम्मिलित कर लिया है।'

अगले सप्ताह भर वह उससे प्रतिदिन मिलती रही। कभी-कभी पास के खेतों मे नाच पर, कभी फसलो को देखते हुए और कभी चरागाहो पर घोडे की सवारी करते हुए। वे आपस मे आलिंगन भी करने लगे थे। एक दिन जब वह जगली वृक्षो के झुण्ड के नीचे बैठे हुए थे जहा अगूर तथा मधुर सेबो की सुगन्ध आ रही थी डेसमौण्ड ने उसे बाहुपाश मे कसकर एक चुम्बन ले लिया था। उसी दिन दुपहरी बाद उसने मेरी से पूछा :

'मेरी, मेरे माता-पिता बाहर गए हुए हैं और नैशविले से घोडे खरीदने वाले कुछ बडे व्यापारी आ रहे है। क्या तुम रविवार रात के खाने पर उनका आतिथ्य कर सकोगी ?'

'क्यो नही डेस ? मुझे तो ऐसा करने मे बडी प्रसन्नता होगी ? तुम उन लोगो की एक सूची बना देना जिसमे प्रत्येक का कुछ परिचय भी दिया हो ...।'

मेरी ने हर एक का स्वागत उसका नाम लेकर किया और सबसे उनके फार्म तथा अस्तबल आदि के विषय मे एक-दो प्रश्न पूछे। मेज के किनारे बैठी हुई वह अपनी प्रसन्नता सब ओर बिखेर रही थी। उसने इस बात का विशेष ध्यान रखा था कि हर एक व्यक्ति के पास ऐसा साथी बैठे जिसका सामीप्य उसके लिए प्रसन्नतादायक हो। एक बातूनी आदमी के पास उसने सुसन ब्लैकमैन को बिठाया जो बाते सुनने मे बडा निपुण था। एक पतले चुप रहने वाले आदमी के पास उसने फर्न हैडले को बिठाया जो कि एक चतुर बातूनी था। मेज के दूसरे सिरे से डेसमौण्ड ने मेरी की ओर एक कृतज्ञतापूर्ण दृष्टि डाली।

खाने के अन्त मे जब मिठाई की प्लेटे सजाई जा रही थी तो मेरी कुर्सी पर पीठ टेककर कुछ आराम करने लगी और उसने यह अनुभव किया जैसे कि वह विदेश मे खाना खा रही हो क्योकि जो बाते हो रही थी वे उसकी समझ से बाहर थी। वे लोग कोनल बुफर्ड की घोडो की नस्ल, औरेंज बाय नामक घोडा, हैरोड्सबर्ग तथा चार्लस्टन के घुडदौड के मैदान, चूने के चश्मो के पानी के विषय मे, जिसके कारण ब्ल्यू ग्रास के घोडे तगडे रहते है, चर्चा कर रहे थे।

जब वह दरवाजे पर खड़ी अतिथियो को विदा कर रही थी तो काफी देर

हो चुकी थी। डेसमौण्ड ने अपना एक हाथ उसके कन्धो पर रखा हुआ था। मेरी के मन मे सन्तोष तथा शान्ति के भाव थे। वह यह अनुभव कर रही थी कि यह उसका घर है, ये उसीके अतिथि है और उसका पति उसके पास खडा है।

जब मेरी की बग्घी अस्तबल मे से लाई गई, डेसमौण्ड ने उसे आलिगन मे बाध लिया और उसके अधरो का चुम्बन लेकर बोला :

'मेरी टाड, यदि कल इन लोगो ने मेरे अस्तबल के आधे घोडे न खरीद लिए तो इसमे तुम्हारा कोई कसूर न होगा।'

उसने मेरी को फिर कसकर अपनी बाहो मे बाध लिया। यदि मेरी अब उसकी ओर से विवाह का प्रस्ताव चाहती तो इस प्रेमालिगन का थोडा प्रत्युत्तर देना ही पर्याप्त था।

क्या उसके स्वप्नो और समस्याओ का समाधान इसीमे था? उसने बचपन मे ही यह निश्चय कर लिया था कि वह किस प्रकार के मनुष्य से विवाह करेगी। सामान्य शारीरिक सौन्दर्य का उसके लिए कोई महत्व न था। वह सदा ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्तियो की सराहना और पूजा करती थी जो सभ्य जगत् के रहस्य जानते हो। हेनरी क्ले जैसे महान् पुरुष उसे पसन्द थे और उसे एण्ड्रयू जैक्सन जैसे व्यक्ति पसन्द थे चाहे उसके राजनीतिक विचारो से वह तनिक भी सहमत न थी। वह एक नवोदित नवयुवक से विवाह करना चाहती थी किन्तु वह सदा यह सोचती थी कि वह व्यक्ति ऐसा हो जो एक योद्धा की तरह जीवन-सग्राम मे प्रवेश करता हुआ जनसाधारण की सेवाओ मे अपने को लीन कर सके।

कुछ देर तक वह डेसमौण्ड की छाती से लगी रही, फिर उससे अलग हो गई और अपनी बग्घी की ओर चल पडी। रात की शीतल वायु उसको आह्लादित कर रही थी। उसे उस स्वतन्त्रता का आभास हुआ जो कि अपरिवर्तनीय फैसले से प्राप्त होती है। उसने यह निश्चय किया कि वह फिर किसीके चगुल मे नही फसेगी विशेषकर ऐसे चगुल मे जिसके लिए वह स्वय उत्तरदायी हो।

उसका ध्यान फिर सैडी की ओर आया और वह बोली, 'मै यह नही जानती कि यह मेरे लिए पहला प्रस्ताव क्यो है? शायद इसलिए कि मैंने अभी तक किसीको प्यार नही किया।'

'मेरी, तुम मेरी बहुत अच्छी मित्र रही हो।'

'हा! वस्तुतः अन्य किसी लडके की अपेक्षा मैंने तुम्हे अधिक पसद किया

है किन्तु मुझे आशका होती है कि मैं अपने व्यवहार मे ईमानदार नही थी······ ।'

'देखो मेरी, मैं तुम्हारी त्रुटियो को जानता हू—तुम्हारा भभक जाने वाला क्रोध, तुम्हारे वे परिहासपूर्ण वाक्य, जो कभी-कभी बहुत कष्टदायक होते हैं; इन सब के बारे मे मुझे पता है किन्तु यह कभी नही हो सकता कि तुम ईमानदार न रही हो ।'

'सैडी, मुझे यह जानकर दु:ख हुआ था और क्रोध भी आया था कि ट्रान्सिल-वानिया विश्वविद्यालय किसी स्त्री को अपने पवित्र स्थान मे प्रवेश की अनुमति न देता था अत. मैंने स्वय उस पाठ्यक्रम का अध्ययन किया था । सम्भवतः यदि तुम यह जान जाते कि मैं तुम्हे क्यो बार-बार मिलने जाती हू तो तुम मेरी ओर इतने आकृष्ट न होते ।'

'क्यो मेरी, मैं तो सब कुछ जानता था ?'

मेरी आश्चर्य भरी दृष्टि से उसकी ओर देखने लगी मानो वह उसकी बात पर विश्वास न कर रही हो । उसके माथे पर दो लाल धब्बे उभर आए ।

'तुम कैसे जान सकते थे । मैंने तो कभी एक शब्द भी मुह से नही निकाला । क्या तुम्हारा यह अभिप्राय है कि नगर भर मे हर किसीको इस बात का पता है ?'

'मैं समझता हू ऐसी बात नही । मैं तो आरम्भ मे ही बात के रहस्य को समझ गया था। यदि मुझे पता न लगता तो मैं तुम्हारी इतनी सहायता क्यो करता ?'

मेरी के चेहरे पर विषाद की कालिमा छा गई और उसके कन्धे झुक गए ।

'ओह तो क्या मेरी बात इतनी स्पष्ट थी·········जब कि मैं यह सोचती थी कि मै बहुत चतुर हू ।'

सैडी ने अपने कन्धे को इस प्रकार झटका मानो वह इस विषय को कोई महत्व ही न दे रहा हो । फिर बडे प्यार से मेरी के चेहरे को अपने हाथो मे ले-कर कहा, 'मेरी, तुम तो आनन्द का स्रोत हो । तुम स्वय चाहे कैसा अनुभव कर रही हो; अपने निकटस्थ सभी लोगो के लिए आनन्द बिखेर देती हो और मैं इसे अत्यधिक पसद करता हूं क्योंकि मैं स्वय जो नीरस व्यक्ति हू ।'

मेरी ने मन ही मन कहा, 'ओह सैडी, मैं भी तो यही चाहती हू कि मेरे चहुओर

हर्षोत्साह का वातावरण हो।'

उसने चाह भरे लहजे मे कहा, 'नि सन्देह लेक्सिगटन छोडने की अनिच्छा के लिए मैं तुमपर दोष नही लगा सकता क्योकि यह मनोरम पहाडियो से घिरे हुए प्रदेश मे एक अत्यन्त सुन्दर नगर है।'

वह सोचने लगी, क्या वह लेक्सिगटन छोडने के लिए वास्तव मे इतनी अनिच्छुक है? वह विश्वविद्यालय, पुस्तकालय, स्कूलो, पुस्तकभडारो, गोष्ठियो, थिएटरो और सगीत-सस्थाओ वाले इस नगर पर इस बात के लिए गर्व करती थी कि इसे 'पश्चिम का एथेस' कहा जाता है। यह नगर न केवल सामाजिक गति-विधि और फैशन का केन्द्र है वरन् हेनरी क्ले का निवास-स्थान वहा होने के कारण राजनीतिक सघर्ष का भी केन्द्र है। इस नगर के बाजारो के फर्श पिसे हुए चूने के पत्थर से बने हुए है। उनके दोनो किनारो पर फलो से लदे हुए वृक्षो की पक्तिया हैं, दिन भर बग्घियो और गाडियो की चहल-पहल रहती है। नगर का हर कोना स्वच्छ और साफ है। ईंटो के खुले घर वृक्षो और झाडियो से घिरे हुए है। न्यूयार्क, बोस्टन और फिलाडेल्फिया से आने वालो ने यह स्वीकार किया है कि सामाजिक शान-बान, सुविधाओ और घरेलू साज-सजावट की दृष्टि से लेक्सिगटन सर्वश्रेष्ठ नगरो मे से एक है। यह कितनी विचित्र बात है कि जिस जन्मभूमि मे किसी कुसुम की जडे गडी हुई हो वही उस कुसुम के खिलने का स्थान न हो।

मेरी को उस मौन वातावरण मे लोहे की जजीरो की झनझनाहट और एक कराहट की आवाज सुनाई दी। टाड-गृह के सामने से दासो का एक दल जा रहा था। उन लोगो और घर के बीच केवल एक पगडडी का ही अन्तर था। भारी जजीरो मे बधे हुए दो-दो पुरुष दल के आगे-आगे चल रहे थे और इस प्रकार उनकी एक लम्बी पाक्ति बनी हुई थी। इसी तरह दो-दो स्त्रियो के हाथ बधे हुए थे और उनमे से कुछ ने सोते हुए बच्चो को उठा रखा था। वे लोग लगभग बीस घण्टे से चल रहे थे क्योकि उनके मार्ग मे लेक्सिगटन मे दासो की जेल ही एक पडाव था जहा वे आराम कर सकते थे। गत छ वर्षो से जब से ये लोग बडे बाजार के इस जेल-गृह मे आए थे मेरी उन दासो के समूह को धक्के खाते हुए देखा करती थी। इस दृश्य को देखने पर वह सदा भयभीत हो जाया करती थी। खाड़ी के उस पार सीमा पर एक निशान लगा हुआ था जिस-

से भागने वाले दासों को पता चल जाता था कि उस स्थान पर उन्हे भोजन मिल सकता है और उनकी रक्षा हो सकती है। उसकी माता को इस बारे मे कुछ पता नही था किन्तु उसके पिता जो दक्षिण प्रदेश मे व्यापार किया करते थे, दास-प्रथा का विरोध करते थे। उसने तथा मामी सेली ने अपने रहस्यो को भली प्रकार छिपा रखा था।

उसने तभी सैंडी के चेहरे की ओर देखा और बोली, 'नही सैंडी, मैं लेक्सिंगटन को छोड सकती हू किन्तु यदि कोई ऐसी शक्ति हो जो मुझे कही और खीच ले जाए।'

'और वह शक्ति मैं नही हू ?'

सैंडी ने अत्यन्त दु:ख का अनुभव किया। तब वह सैंडी की ओर झुक गई और उसने हल्के से अपने होठो से उसके गाल का स्पर्श किया। उसकी आवाज़ धीमी तथा अपनी ही व्यग्रता से भरी हुई थी। वह बोली, 'सैंडी, हम एक दूसरे के बहुत अच्छे मित्र रहे है, किन्तु क्या प्रेम का अर्थ इससे कुछ अधिक नही होता ?'

४

प्रात: ८ बजे नाश्ते की घटी ने उसे जगा दिया। वह तुरन्त बिस्तर से उठी और लाल पर्दों को ऊपर उठा दिया। मौसम स्वच्छ था और उसको आज डिग्री लेने के लिए जाना था। सगमरमर की बनी हुई हौदी मे उसने घडे से पानी उडेला और अपना हाथ-मुह धोया तथा शीघ्रता से अपने बालो मे कघी कर उन्हे इस प्रकार फैला दिया कि वे लहराने लगे। प्रात.काल की पोशाक पहनने से पहले उसने मेज पर लगे हुए शीशे मे अपने आपको एक नजर देखा और मन ही मन प्रसन्न हो गई। टाड्-परिवार के लोग प्राय: मोटे हो जाया करते थे इसलिए वह प्राय. मोसिये गीरो की पेस्ट्रिया तथा चाची चेनी के चाकलेट नही खाया करती थी ताकि उसकी कमर पतली रहे। कुछ झुककर उसने शीशे मे अपना चेहरा

देखा। शीशा हृदय की आकृति का नही था जिसे ब्ल्यू ग्रास के नवयुवक बहुत पसन्द किया करते थे, उसमे उसके गुलाबी रग, लम्बी भौंहे और नीली बडी-बडी आखो के कारण वह चेहरा बहुत प्रसन्न और भावपूर्ण दिखाई देता था। उसने रिबन का डिब्बा खोला और अपने माथे पर बिखरी सुनहरी लट को बाधने के लिए सुनहरी रिबन निकाला।

उस कमरे मे जब वह प्रात. जागती थी तो बहुत प्रसन्नता का अनुभव करती थी। दो वर्ष पूर्व जब वह स्प्रिडफील्ड मे एलेजबेथ से मिलकर आई थी तो उसके पिता ने उसकी विमाता से अनुरोध किया था कि वह उसे यह कमरा अपनी रुचि के अनुसार सजाने की अनुमति दे दे। जब उस कमरे मे ट्विल के झालरदार पर्दे लगा दिए गए, सोफो और कुर्सियो पर गहरे लाल रग का कपडा लगा दिया गया, बिस्तर पर ज़री की धारियो वाली नीली रेशम की चादर बिछाई गई और दो पहियो वाली कुर्सी को सजा दिया गया तो वह एक साथ सोने और बैठने का कमरा बन गया। इसे देखकर बेट्सी ने रूखेपन से कहा कि यह सजावट तो इतनी खर्चीली है कि वैसी उसकी रुचि भी नही हो सकती। मेरी और पिता ने एक दूसरे के सामने यह स्वीकार किया था कि कमरे की सजावट कुछ अधिक भडकीली दिखाई देती है किन्तु उन्हे यह पसन्द थी।

वह यह देखने के लिए हाल के सामने वाली खिडकी के पास जा खडी हुई कि बडे बाज़ार मे क्या कुछ हो रहा है। सडक की दूसरी ओर मैक्सवेल-परिवार के मकान के सामने डाक्टर वारफील्ड की बग्घी खडी थी। मेरी ने बग्घी को पहचान लिया और यह समझ लिया कि श्रीमती मैक्सवेल के फिर बच्चा होने वाला है। अकस्मात् उसे उस चार जुलाई की घटना का स्मरण हो आया जब वह फ्लावर गार्डन मे हेनरी क्ले का भाषण सुनने गई थी। उस समय वह केवल साढे छः वर्ष की थी और भाषण का एक शब्द भी नही समझ सकी थी किन्तु उसकी आवाज़ और व्यक्तित्व प्रभावपूर्ण थे। फिर भोज का कार्यक्रम आरम्भ होने से पहले ही उसे अकस्मात् नगर वापस लाया गया था। उसे यह बात विचित्र लगी थी कि डाक्टर वारफील्ड और डाक्टर डडले की एक घोडे से चलने वाली बग्घिया दरवाज़े के सामने खडी थी। उसकी मा के बच्चा होने वाला था, किन्तु सभी बच्चो के जन्म के समय मे मामी सेली को ही परिचर्या-कार्य करना होता था जबकि इस बार डाक्टरो को बुलाया गया था।

उस रात उसे नानी के घर सुलाया गया था और रोने की आवाज़ सुनकर उसकी नीद खुल गई थी। तब वह दौडकर खिडकी के पास गई थी और वहा उसने देखा था कि पिछले आगन मे रस्सी पर तकियो के गिलाफ लटके हुए है। इसका यह अभिप्राय था कि कोई मर गया है। सम्भवतः नवजात बच्चा ही मर गया था। यह देख उसे स्मरण हो आया था कि जब वह दो वर्ष की थी तो उसका भाई राबर्ट पैदा हुआ था और जन्म के बाद अगली गर्मियो मे उसकी मृत्यु हो गई थी। तत्पश्चात् जब वह घर लौट आई थी तो उसने चाची मेरिया को यह बात कहते सुना था, 'नेलसन, गाड़ी तैयार करो और शोक-अवसर सम्बन्धी कार्ड बाट आओ।'

उसे आश्चर्य हुआ था कि शोक-अवसर के कार्ड क्या हैं ? सामने के हाल मे उसे कार्डो का ढेर पडा हुआ दिखाई दिया जिनके किनारो पर काले रग की लकीर खिची हुई थी। उसने एक कार्ड उठाकर पढा जिसमे लिखा था, 'आप तथा आपके परिवार से निवेदन है कि आप श्री राबर्ट एस० टाड की पत्नी श्रीमती पी० एलेज़ा के शोक-समारोह पर पधारे। शव को आज ६ जुलाई, १८२५ की शाम को चार बजे उनके भवन से निकाला जाएगा।'

उस दिन से और विशेषतः पिता के पुनर्विवाह के पश्चात् उसके लिए सभी कुछ बदल गया था।

श्रीमती मैक्सवेल के घर से डाक्टर निकला और अकस्मात् उसके विचारो की शृखला टूट गई। उसने देखा, बूढा नेलसन पहियो वाली गाडी पर मास, फल और सब्ज़िया लादे हुए घर लौट रहा है। मेरी हाल वाला कमरा पारकर बच्चो के सोने के कमरे मे एमिली को जगाने के लिए चली गई। एमिली परिवार मे सबसे अधिक सुन्दर थी और मेरी का उससे सब सौतेले भाई-बहनो की अपेक्षा अधिक प्यार था। मेरी को देखते ही एमिली की नीली आखो मे प्रसन्नता की चमक पैदा हो गई। मेरी ने एक कपडे से उसका हाथ-मुह धोया, उसके लाल बालो पर कघी की, रेशमी छीट के कपडे पहनाए और दोनो हाथो से उठाकर अपने कधे पर बैठा लिया। फिर उसे अच्छी तरह उठाए हुए सीढियो से नीचे उतरकर खाने के कमरे मे चली गई।

उसके पिता काम पर जा चुके थे। बेट्सी अभी नीचे नही आई थी। मेज़ के चारो ओर उसकी सौतेली बहने—दस वर्षीय मार्गरेट और छ वर्षीय

मारथा बैठी हुई थी और दो सुन्दर सौतेले भाई अर्थात् नौ वर्षीय सैमुअल तथा सात वर्षीय डेविड बैठे हुए थे। एन नाश्ते के समय कभी नही जागती थी। उसका सगा भाई जार्ज, जिसके जन्म पर मा की मृत्यु हो गई थी, चौदह वर्ष का हो गया था। वह सदा रसोई मे ही खाना खाया करता था। वह हकलाता था अतः सभवतः उस दोष को छिपाने के लिए ही वह इस प्रकार लुकता-छिपता था तथा एकाकी-सा जीवन व्यतीत किया करता था। बच्चो ने मेरी का शानदार स्वागत किया। वे कह रहे थे :

'बहुत अच्छी पार्टी थी''' सुन्दर मेरी''' तुम बहुत शरारती हो''''हमे कल तुम्हारे टखने दिखाई दे रहे थे।'

उसने प्याले मे से ताज़े कटे हुए फल निकालकर खाए यद्यपि अपनी सौतेली मा के साथ उसका कुछ मन-मुटाव रहता था किन्तु इन नन्हे-मुन्ने बच्चो के साथ उसे अपने सगे भाई-बहिनो से भी अधिक प्यार था। चिरकाल से वह अपने सगे भाई-बहिनो के साथ जिस घनिष्ठ प्रेम की आकाक्षा करती रहती थी, वह अब कुछ वर्षों से असम्भव प्रतीत होने लगा था क्योकि लेवी अब बहुत शराब पीने लग गया था और जार्ज ने इधर किसीको देखा नही कि वह अपने कमरे मे चला जाता था। अतः उसने काले बालो वाले हसमुख सैमुअल और तीखे नाक तथा लाल बालो वाले डेविड को ही अपना मित्र बना लिया था। वह उनके साथ घुडसवारी के लिए निकल जाती थी और रात को देर तक उन्हे कहानिया सुनाया करती थी।

तभी मेरी को सीढियो पर धीमी किन्तु धीर गति से आती हुई सौतेली मा के कदमो की आवाज़ सुनाई दी और वह समझ गई कि कदमो की यह आहट उस नारी की नही जो नाश्ते के लिए आ रही हो वरन् उसकी है जो जानकारी प्राप्त करने के लिए आ रही हो।

बेट्सी टाड ने बैंगनी रग का मखमली चोगा पहने हुए कमरे मे प्रवेश किया। मेरी को अपनी सौतेली मा की आयु का ठीक-ठीक कभी पता नही लगा था। उसका अनुमान था कि वह लगभग अडतीस वर्ष की होगी। बेट्सी, ठीक मध्य मे से माग निकालती थी और बालो को आगे लाकर दोनो ओर कुण्डल सा बनाती थी। मेरी ने उसे कभी सुन्दर नही समझा था। उसकी नाक बहुत लम्बी और नुकीली थी। उसका चेहरा पतला था और उससे सख्ती के भाव टपकते

थे। किन्तु मेरी को यह अवश्य स्वीकार करना पडा था कि उसके चेहरे पर निरन्तर जो प्रतिभापूर्ण भाव झलकता था उसके कारण वह आकर्षक लगती थी। वह कडे नैतिक नियमो का पालन करती थी। उसे विवाह के समय मातृ-हीन छ: बच्चे मिले थे जिनके प्रति उसने अपने कर्तव्य का पूर्ण पालन किया था जब कि उसने स्वय भी छ बच्चो को जन्म दिया था।

बेट्सी हम्फरी को पढने का बहुत शौक था। उसके दो चाचा अमेरिकी सिनेट के मेम्बर थे इसलिए उसे राजनीति का खूब ज्ञान था। वह सदा मेरी को उसके जन्मदिन के अवसर पर कविता की पुस्तकें जैसे राबर्ट बर्न्स या एली-जेट एक्सट्रेक्ट्स की प्रतिया दिया करती थी। क्रिसमस के अवसर पर वह सदा अपनी सौतेली बेटी को यूरोप प्रदेश की यात्रा सम्बन्धी पुस्तको के बडल दिया करती थी और कभी-कभी इन पुस्तको को मगवाने के लिए कई मास पूर्व लदन और पेरिस लिखना पडता था। प्राय ये पुस्तके वाल्टर स्काट की 'हिस्ट्री ऑफ स्काटलैड,' इगलैड, आयरलैड और फ्रास सम्बन्धी पुस्तके, मैडम डी सेवाइन के 'पत्र', ड्रेसडन का 'आर्ट आफ ट्रेवलिग कम्फरटेबली' और अन्य बहुत-सी अच्छी-अच्छी रचनाए होती थी जो आजकल ऊपर की मजिल मे अलमारियो मे पड़ी हुई थी।

बेट्सी ने कमरे मे प्रवेश करते ही पूछा, 'क्या तुमने उसके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया ?'

'नही मा ! मैं स्वीकार नही कर सकती थी।'

'सच तो यह है कि मैं बहुत निराश हो गई हू। सैडी बहुत अच्छे परिवार का लडका है।'

'तुम यह तो नही चाहोगी कि मै एक ऐसे व्यक्ति से विवाह करू जिससे मैं प्रेम नही कर सकती ?'

'ऐसा लगता है कि तुम्हारे हृदय मे प्रेम का स्थान नही रहा।'

'कोई यह कैसे कह सकता है ?'

'मन मे यह धारणा बनाए रखकर कि तुम अब भी स्कूल की लडकी ही हो। क्या तुम निश्चय से कह सकती हो कि तुम कल्पना-लोक मे किसी तड़क-भडक वाले कवचधारी वीर की प्रतीक्षा नही कर रही हो ?'

'मेरे मन मे ऐसी कोई नाटकीय कल्पना नही है। बात इतनी-सी है कि मुझको

इस बात मे जल्दी करने की ज़रूरत नही—या ज़रूरत है ?'

श्रीमती टाड की आखो से क्रोध टपकने लगा किन्तु उसने शीघ्र ही अपने पर काबू पा लिया।

'तुम्हारे इस प्रश्न मे बहुत चतुराई दिखाई देती है। नही मेरी, तुम्हे जल्दी नही करनी चाहिए। यह तुम्हारा ही घर है, कोई तुम्हे यहा से निकलने के लिए बाध्य नही कर सकता।'

मेरी के हृदय मे अपनी सौतेली मा के प्रति सहानुभूति के भाव उमड आए। बेट्सी छ: वर्ष से इस घर मे रह रही थी और वह राबर्ट टाड की पहली पत्नी के बिस्तर पर सोया करती थी। मेरी को यह बात बहुत अखरती रही और वह यह भी जानती थी कि इतने वर्ष तक वेस्ट शार्ट स्ट्रीट मे नानी पारकर के पडोस मे रहने के कारण सौतेली मा के प्रति उसका मन-मुटाव और भी अधिक हो गया था क्योकि नानी के हृदय मे इस कारण बेट्सी के प्रति अत्यन्त घृणा के भाव थे कि बेट्सी ने उसकी मृत बेटी का स्थान ग्रहण कर लिया था और नानी के इन भावो ने मेरी के अच्छे-भले जीवन मे विष घोल रखा था। जब बेट्सी ने अपने पति को इस बात के लिए तैयार कर लिया कि वह पाल-मेटियर की सराय खरीद ले तो राबर्ट टाड को नया घर खरीदने और उसे सजाने के लिए अपनी पहली पत्नी की कुछ भूमि बेचनी पडी थी। मेरी ने अपना हाथ बढाकर मेज़पोश पर रखे हुए अपनी सौतेली मा के सफेद और कमजोर हाथ पर रख दिया।

श्रीमती टाड ने 'आबज़र्वर' पत्रिका उठाकर ऊचे स्वर मे पढना आरम्भ किया :

'बाल्टीमोर, मेरीलैण्ड की श्रीमती डी वार्थोल्ज लेक्सिंगटन के नागरिको को सूचना देती है कि वह मई के प्रथम सोमवार को आदरणीय जे० वार्ड के स्कूल के कमरो मे नवयुवतियो के लिए एक स्कूल की स्थापना कर रही है।'

'मेरी, मुझे प्रसन्नता है कि डाक्टर वार्ड ने अध्यापन-कार्य बन्द कर दिया है। मै समझती हू, उसके चले जाने से तुम्हारे मार्ग की आखिरी रुकावट दूर हो गई है।'

'कैसी रुकावट मा ?'

'अब तुम वयस्क लोगों का-सा जीवन व्यतीत कर सकोगी।'

'किन्तु मै तो अभी बीस ही वर्ष की हू ।' उसकी आवाज़ मे कई उतार-चढाव पैदा हुए । उसने अपनी आवाज पर काबू पाने का प्रयत्न किया और बोली·

'किसी दिन उस उचित काम के लिए मुझे भी अवसर मिलेगा और उसके आने पर मै उसका उत्सुकता से स्वागत करूगी ।'

५

उसने हल्के पीले रग की मखमल का जम्पर पहना जिसपर झालरे बनी हुई थी । मेज़ पर से लाइनेन के बने हुए दस्ताने उठाए, तिनको से बना हुआ नया हैट पहना, जिसमे पीला रिबन बधा हुआ था और वह स्कूल के अपने जाने-पहचाने मार्ग पर चल पडी । पहले वह पी० जी० स्मिथ की दूकान के पास से गुज़री जहा रग-रोगन, प्रसाधन का सामान, इत्र आदि बिकते थे । गली के उस पार मैकलियर तथा ओ कानेल नाम की दुकाने थी जिनकी अलमारियो मे चीनी, काफी और मसाले रखे हुए थे । वह एक क्षण के लिए फ्रासीसी और भारतीय नये वस्त्रो को देखने के लिए बडे बाज़ार के उस पार ह्यू ऐण्ड कम्पनी की दूकान के सामने रुकी और फिर नार्थ मिल स्ट्रीट की चढाई चढने लगी ।

डाक्टर वार्ड का स्कूल मार्केट और सेकेंड स्ट्रीट के कोने पर लाल ईंटो का बना हुआ एक बडा भवन था । उसके पास ही कालेज लाट नाम का बडा मैदान था । जब वह सुनसान केन्द्रीय हाल मे से गुज़र रही थी तो उसका ध्यान दोनो ओर के कमरो की ओर गया जिनमे उसने सात वर्ष तक अध्ययन किया था । आठ वर्ष की आयु मे उसने स्कूल मे प्रवेश किया था और चौदह वर्ष की आयु मे वह स्नातिका बनी थी । लेक्सिगटन मे फीमेल सेमिनरी या ग्रीन हिल बोर्डिङ्ग स्कूलो मे, जो लडकियो के लिए बहुत अच्छे स्कूल समझे जाते थे, विज्ञापन दिया था :

'विचारो, भावो और आचार-व्यवहार को परिष्कृत करने की ओर पूरा ध्यान दिया जाएगा तथा प्रयत्न किया जाएगा ।' लेक्सिगटन के अधिकतर लोगों

ने युवक लडके और लडकियों को इक्ट्ठे शिक्षा देने के सम्बन्ध मे डाक्टर वार्ड के प्रयोग को सन्देह और अविश्वास की दृष्टि से देखा था किन्तु राबर्ट टाड ने इस अवसर को हाथ से न जाने दिया क्योकि वह समझता था कि इससे मेरी को वास्तविक शिक्षा मिल सकती है।

जिन दिनो वह स्कूल जाया करती थी उसे प्रात ५ बजे से पूर्व उठना पडता था। बत्ती के प्रकाश मे वस्त्र पहनने पडते थे और नाश्ते से पूर्व प्रार्थना करने के लिए उन गलियो मे से गुज़रना पडता जो प्राय बर्फ से ढकी रहती थी। प्रथम वर्ष के अन्त मे कुछ लोगो ने अपनी लडकियो को वहा से हटा लिया था और कहा था, 'डाक्टर वार्ड हमारी लडकियो मे स्त्रियोचित गुण नही रहने देगा।'

लेक्सिगटन मे इस बात को प्राय अशिष्टता समझा जाता था। एक बार यह समझ लिया जाता कि किसी युवती मे स्त्रियोचित स्वभाव नही रहा तो फिर उसके लिए घर-वर ढूढने की सब आशाए समाप्त हो जाती है।

मेरी सीढिया चढकर उस छोटे कमरे मे चली गई जो डाक्टर वार्ड ने गत दो वर्षों से उसे दे रखा था। उसने खिडकी के पास जाकर उसे नीचे से खोला। उसके खुलते ही वह छोटा-सा कमरा, जिसमे एक मेज, कुर्सी और एक पुस्तको की घूमने वाली अलमारी थी, वसन्त ऋतु की स्वच्छ हवा से भर गया। पुस्तकों की अलमारी को धकेलते हुए उसे अपने अध्ययन-काल के प्रारम्भिक दिनो की याद आ गई जब उसने कक्षा मे प्रथम आने के लिए कठोर परिश्रम किया था किन्तु हर बार कम से कम एक और कभी दो या तीन लडके उससे अधिक नम्बर प्राप्त कर लेते थे। उस काल के स्मरण मात्र से उसके हृदय मे प्रसन्नता की लहर दौडी, न केवल इसलिए कि उन दिनो प्रतिस्पर्धा और मुकाबले की धुन मन मे समाई रहती बल्कि इसलिए कि डाक्टर वार्ड ने उसकी तीव्र गति से विकासशील बुद्धि को उसकी क्षमता के बाहर के क्षेत्र मे ला पहुचाया था। अर्थात् उसकी प्रतिभा का पूर्ण विकास हो गया था।

तेरह वर्ष की आयु मे उसने वार्ड अकादमी से स्नातिका की उपाधि प्राप्त की। उन्ही दिनो उसके पिता ने मेन स्ट्रीट नामक मुहल्ले मे घर खरीदा और उसकी बहिन एलेजबेथ ने ट्रासिलवानिया के कानून के छात्र निनियन डब्ल्यू० एडवर्ड के साथ विवाह किया जो इलीनाइस के गवर्नर का पुत्र था। राबर्ट टाड जानता था कि एलेज़बेथ के चले जाने पर मेरी कैसा अनुभव करेगी। इस-

लिए उसने उसे शीघ्र ही मैडम विक्टरी शारलाट लीक्लेयर मेटेल के बोर्डिङ्ग स्कूल मे प्रविष्ट करा दिया था। जब नेलसन उसे गाडी मे वहा छोडने गया था और जब उसने हेनरी क्ले के बडे दरवाज़े के समीप हरियाली से ढके हुए स्कूल के बरामदे मे सामान उतारा था उस दिन से मेरी को वहा की हर वस्तु पसन्द आने लगी थी।

श्री आगस्टस वाल्डमेयर मेटेल और उसकी पत्नी फासीसी क्रान्ति के विस्थापित लोग थे क्योकि श्री वाल्डमेयर मेटेल बादशाह का इतिहासकार रहा था। उन्होने विज्ञापन मे कहा था, 'जो नवयुवतिया शिक्षा के लिए उन्हे सौंपी जाएगी उनकी सौन्दर्य-वृद्धि और आचार-व्यवहार के परिष्कार मे कोई कसर नही रखी जाएगी।' मेरी ने फ्रासीसी साहित्य, फ्रासीसी भाषा, अग्रेजी साहित्य और अग्रेजी निबन्धकला का अध्ययन आरम्भ किया। प्रतिदिन एक घण्टा वह प्यानो सीखती थी और एक घण्टा नाट्यकला का अध्ययन करती थी जिससे मेटेल-परिवार ने उसके स्वर के सुरीलेपन को दूर किए बिना दक्षिण प्रदेश के-से धीमे स्वर मे कथोपकथन के उसके स्वभाव को दूर करवा दिया था।

मिलने वाले को रात के समय आने की अनुमति नही थी, अत श्रीमती मेटेल प्यानो लेकर बैठ जाती और उसके पति अपना वायलिन लेकर बजाने लगते तथा फिर वे घण्टो आधुनिकतम प्रकार के अनेक नृत्यो का अभ्यास करवाते थे।

डाक्टर वार्ड के स्कूल मे मेरी ने जो जी लगाकर अध्ययन किया था उसका लाभ मेटेल स्कूल मे प्राप्त हुआ। प्रथम वर्ष उसने कक्षा मे सबसे अधिक अक प्राप्त किए। अगले तीन वर्षो मे उसे मोलियर कारनेल और रेसीन के नाटको मे मुख्य अभिनेत्री का पार्ट दिया गया। ये नाटक छात्रो के परिवारो और मित्रो को दिखाने के लिए खेले गए थे और मेरी को स्कूल मे सबसे अधिक लोकप्रिय तथा परिहासप्रिय युवती चुना गया था।

जब वह साढे अठारह वर्ष की आयु मे स्नातिका हुई तो राबर्ट टाड उस द्वारा पढाई और अन्य कार्यक्रमो मे जीते हुए पुरस्कारो को देखकर इतना प्रसन्न हुआ कि उसने उसे नये वस्त्र, स्लीपर, हैट, दस्ताने, इत्र और आभूषण खरीदने तथा अपनी विवाहित बहन एलेजबेथ से स्प्रिङ्गफील्ड मे जाकर मिल आने के पूर्ण अधिकार दे दिए।

वर्ष के अन्त मे वह डाक्टर वार्ड के पास गई और उससे पूछा कि क्या वह विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के दिनो मे डाक्टर के ट्रासिलवानिया की ओर खुलने वाले कमरो मे से एक का प्रयोग कर सकती है।

उसने सीढियो पर कदमो की ऐसी धीमी आहट सुनी जैसे पतझड मे पत्ते गिर रहे हो। डाक्टर वार्ड ने स्वागतार्थ हाथ बढाते हुए कमरे मे प्रवेश किया। उसके धुध की तरह सफेद बाल सिर पर बल खा रहे थे। वह सदा ही एक अवर्णनीय शोभा वाला जामुनी रग का सूट पहना करता था किन्तु नित्य नये बौद्धिक उत्साह मे रगे हुए और नये-नये ढग से मानवज्ञान प्राप्त करने वाले अपने छात्रो के सामने वह नित्य प्रति नवीन तथा आकर्षक मानसिक परिधान के साथ आया करता था।

जान वार्ड कनेक्टीकट का वासी था और देर तक नार्थ कैरोलिना का बडा पादरी रहा था जहा उसका स्वास्थ्य खराब हो गया था और उसे ठीक करने के लिए उसे लेक्सिगटन आना पडा था। मेरी की दृष्टि मे जान वार्ड उसके प्रिय पूर्वज आदरणीय जान टाड की ही प्रतिमूर्ति था। जान टाड प्रेस्बीटेरियन पादरी रह चुका था जिसने वर्जीनिया मे इतने उच्च स्तर का स्कूल स्थापित किया था कि सारे देश के छात्र वहा आया करते थे। मेरी के तीन चचेरे दादो और तीन पितामहो ने उसी स्कूल मे शिक्षा प्राप्त की थी। यही जान टाड वर्जीनिया विधान सभा के सदस्य बने थे और इन्होने विधानसभा से ट्रासिलवानिया विश्वविद्यालय को स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की थी। फिर उन्होने अपनी बहुत-सी पुस्तके ऐलगेनी के उस पार भिजवाई थी ताकि नये कालेज का पुस्तकालय अच्छा बन सके।

मारीसन गिरजे से सगीत की ध्वनि आ रही थी। मेरी और डाक्टर वार्ड खिडकी के पास खडे होकर सगीत सुनने लगे। नीचे बाजार मे १८३९ की कक्षा के छात्र व्यायाम के लिए सफेद वस्त्र पहने कालेज लाट मे घूम-फिर रहे थे। डाक्टर वार्ड ने मेरी की दृष्टि मे कुछ कठोरता का आभास पाकर कहा, 'मुझे खेद है कि मेरे पास ऐसी खाल नही जिसपर मेरी टाड का नाम खुदवा सकू। यदि तुम पुरुष होती ।'

उसने अपने हाथ आगे बढा दिए और अपनी हथेलियो को इस प्रकार ऊपर की ओर उठाया ताकि नीचे के मैदान का दृश्य दिखाई न दे।

वह बोली, 'सम्भवत मैने स्प्रिङ्गफील्ड मे बहिन से मिलकर वापस लेक्सिगटन लौट आने में गल्ती की है ? मैं देश-बहिष्कृत नही बनना चाहती थी और क्या अब भी मैं अपने ही नगर मे बहिष्कृत नही हो गई हू ? क्या लोग यह नही कहते कि इस शिक्षा ने मेरे स्त्री-सुलभ गुणो को नष्ट कर दिया है ?'

नीचे लेक्सिगटन के सैनिक दस्ते लाल झालर वाली नीली वर्दी, उभरे हुए बटन, लाल फुन्दो वाले काले हैट पहने ड्रिल के लिए जमा हो रहे थे जो डिग्रिया मिलने के बाद होनी थी। उसके पिता ने भी १८१२ के युद्ध मे ऐसी ही वर्दी पहनी थी जब वे पाचवी केन्टुकी रेजिमेट मे भर्ती होकर गए थे।

डाक्टर वार्ड ने धीमे से कहा, 'मै आज सदा के लिए अपने दरवाज़े बन्द कर दूगा और तुम अपने बाहर के जीवन मे पदार्पण करोगी तथा तुम्हे अब और योजनाए नही बनानी होगी और न ही अध्ययन करना होगा।' वह क्षण भर के लिए मेरी की पतली-पतली अगुलियो की ओर देखता रहा और फिर बोला, 'मेरे लिए तो वस्तुत यह अन्त है किन्तु तुम्हारे लिए यह प्रारम्भ है। तुम्हे कभी हतोत्साह नही होना चाहिए।'

'किस विषय मे ?'

वह इतनी अधिक आश्चर्यचकित थी कि उसकी उलझन उसकी आवाज़ मे लक्षित हो रही थी। 'नारी के जीवन का मोड कहा है ? उसका आरम्भ कहा है, क्या मैं वकील, डाक्टर या वास्तुकला-विशारद बन सकती हू ?'

'मै एक बडा पादरी बनना चाहता था किन्तु मेरा स्वास्थ्य ठीक न रहा और मैने बच्चो को पढाकर अपने जीवन को सम्पन्न बना लिया। मैं तुम्हारा उपदेशक बनने की बजाय तुम्हारा अध्यापक बनना ही पसन्द करता। मैं समझता हू कि आखिर मुझे अधिक सफलता मिलेगी।'

'क्या आपका यह अभिप्राय है कि भाग्य की घटनाए इतनी अधिक महत्वपूर्ण नही होती जितनी कि चरित्र की स्थिरता ?'

'सभवत तुम्हे अपने पति और पुत्र की सहायता से ससार मे अपना स्थान स्वय बनाना होगा। यदि तुम्हारे लिए यही एक मार्ग हो तो तुम्हे इससे घृणा नही करनी चाहिए। अब तुम चली जाओ मेरी ! नही तो प्रेसीडेट मार्शल अपना भाषण आरम्भ कर देगे और वे लोग गिरजाघर बन्द कर देगे। सम्भवत तुम्हे यह पता करने मे समय लगे कि जीवन मे तुम्हारे लिए क्या कुछ है किन्तु

आखिर हिसाब लगाने पर तुम्हारा जीवन अच्छा ही रहेगा और तुम्हे पूरा पुरस्कार मिलेगा।'

'धन्यवाद डाक्टर वार्ड, आपने भी तो अभी सुनहरे अक्षरो मे खुदी हुई डिग्री मुझे दी है।'

६

जब डिग्रियो के वितरण का उत्सव समाप्त हुआ तो मेरी ने अपनी सहेलियों से विदा ली और घर की ओर चल पडी। उस समय उसके हृदय मे प्रात काल की घटनाओ के सम्बन्ध मे अनेक भावनाए उमड रही थी। इसी धुन मे उसने नित्य प्रति के मार्ग से लौटने का प्रयास न किया। उसने देखा कि गिरजा-घर और वेस्ट शार्ट के बीच के खड का बाजार बग्घियो और गाडियो से भरा पडा था जिनके बम ऊपर को उठे हुए थे। वहा उसे पता चला कि उस दिन वह सोमवार था जब न्यायाधीश लेक्सिगटन के न्यायालय मे आकर मास भर के मामलो के फैसले किया करते थे। और आसपास तीन मील के प्रदेश के लोग आनन्दोत्सव मनाने के लिए आया करते थे।

मार्केट स्ट्रीट कुछ ही दूरी पर चीप साइड से जा मिलती थी। अब उसे उस मार्ग से घूमकर जाना पडा जहा दोनो ओर फर्नीचर की सजी हुई दुकानो मे बिस्तर, पुरानी अगीठिया, पुराने हल, कुल्हाडिया, घोडो का साज सामान, शीशे की मरम्मत के औज़ार, टीन के बर्तन, बेत की कुर्सिया बिकती थी और बूढी स्त्रिया मुरब्बे और शीरे के मर्तबान बेच रही थी। उस भीड मे दवाइया बेचने वाले सबसे अलग ही दिखाई दे रहे थे। उन्होने तग कोट और फर वाले हैट पहन रखे थे। उनकी एक ही बोतल सब बीमारियो को दूर कर सकती थी।

पैदल रास्ते पर चलना कठिन देखकर वह न्यायालय के सामने कटे हुए घास के मैदान मे चली गई। किन्तु वहा चलना और भी कठिन था क्योकि वहा गायो, बछडो, घोड़ियो, बछेडियो और सैकड़ो घोडो का समूह था और

उन्हे बेचने वाले ऊचे स्वर मे बोलिया लगा रहे थे। उसने क्रय-विक्रय करने वालो की भीड के एक ओर से अपना रास्ता बनाया और बडे बाजार मे पहुच गई और जब वह घर की ओर घूमने वाली थी कि उसने उन्हे देखा।

सर्वप्रथम उसकी इच्छा हुई कि वह वहा से भाग जाए किन्तु उसके पाव भारी हो गए और वह मानो बाध्य-सी होकर चौक के दक्षिण-पश्चिमी कोने के सीढियो के खड की ओर चली गई जो मूलत इसलिए बनाई गई थी कि स्त्रिया उनकी सहायता से जीन वाले घोडो पर चढ-उतर सकेगी। किन्तु जहा तक उसे स्मरण था अनेक वर्षों से उस खड को नीग्रो की नीलामी के लिए प्रयोग किया जा रहा था। वहा नीग्रो को सबसे अधिक बोली बोलने वाले के हाथ बेच दिया जाता था।

सर्वप्रथम उसकी दृष्टि नीलामी करने वाले पर पडी। जिसने घुटनो तक लम्बा कोट, कम्बल का बना हुआ वेस्ट कोट, बछडे के चमडे के बूट पहन रखे थे और सफेद फर वाले हैट सिर पर पीछे की ओर धकेल रखा था। बाजार मे खड के एक ओर उन दासो का एक समूह खडा हुआ था जो गत रात उसके मकान के सामने से गुजरा था। सम्भवत. वे केन्टुकी के नीग्रो थे। छः वर्ष पूर्व उसके पिता हेनरी क्ले, उनका भतीजा कैसियस क्ले और उनके मित्र ब्रेकिनरिज और क्रिटेंडन वालो ने विधान-मण्डल से एक बिल पास करवा लिया था जिसके अन्तर्गत राज्य मे दासो को लाकर पुन बेचने पर रोक लगा दी गई थी। तब से दासो की जेले अधिकतर खाली रहती थी। सामने की पक्ति मे दासो के बडे-बडे व्यापारी खडे थे और एक नीग्रो नवयुवती की ओर देख रहे थे।

'आइए साहब, आप इस फुर्तीली लडकी के लिए क्या देते हैं? इसके मस्तिष्क और शरीर स्वस्थ है। यह आपके लिए बहुत अच्छा खाना पकाएगी, कपडे धोएगी और उन्हे इस्त्री किया करेगी। बोलिए आप क्या देना चाहते है?'

जब बोली आरम्भ हुई तो नीलामी करने वाले ने कहा, 'श्रीमान् जी, बोली बढाइए। यह वैसी ही स्वस्थ लडकी है जैसी हम कई बार नीलामी के दिन यहा बेच चुके हैं।' फिर उसने वस्त्र को ऊपर उठाते हुए कहा, 'देखिए इसके सभी अग स्वस्थ हैं' फिर ऊपर से जम्पर को कमर तक खीचते हुए, 'बोलिए क्या दाम बोलते है।'

मेरी ने सिर नीचा कर लिया और उसे उस दिन की याद आ गई जब

पहले दिन मध्याह्न-पश्चात् वह अपना बस्ता उठाए डाक्टर वार्ड की अकादमी से वापस पैदल आ रही थी और उस स्थान पर पहुची थी जहा दासो को बेतो से पीटा जाता था। जब वह भीड को धकेलते हुए आगे पहुची थी तो उसने ऐसा दृश्य देखा था जिसे वह कभी नही भूल सकी। एक नीग्रो के हाथ दस फुट लम्बे तख्ते के साथ बाध रखे गए थे और उसकी पीठ से खून की धारे बह रही थी। वह अपने स्थान पर एक प्रस्तर-मूर्ति की तरह स्तम्भित खडी रही थी। तब शेरिफ ने कहा था—'उन्तालीस बेत लगाए जा चुके है' उसके बाद नवयुवक नीग्रो के हाथ खोल दिए गए थे और उसके पास खडी एक नीग्रो स्त्री को कमर तक नगा कर दिया गया था। उसकी छाती पर पहले लगा हुआ एक निशान दिखाई दे रहा था। गाय की खाल का बना हुआ हटर उसकी जख्मो से भरी पीठ पर मारा जा रहा था।

उसे किसीके चीखने की आवाज सुनाई दी और जब सब लोग आश्चर्य भरी दृष्टि से उसे घूरने लगे तो उसे अनुभव हुआ जैसे उसीकी चीख निकल गई थी। वह अधाधुध भीड से बाहर निकल आई थी और घर की ओर दौड पडी थी। उसका शरीर ऐठ रहा था। उसे तुरन्त बिस्तर पर लिटा दिया गया था। डाक्टर वारफील्ड को बुलाया गया था किन्तु जब उसके पिता लौटे थे और उन्होने बिस्तर के किनारे बैठकर उसे अपनी छाती से लगा लिया था तब कही उसने बताया था कि उसने क्या देखा है।

'पिता जी ऐसी बातो की क्यो अनुमति दी जाती है ? यहा लेक्सिंगटन मे मनुष्य दूसरे मनुष्यो के साथ ऐसा व्यवहार क्यो करते हैं ?'

'क्योकि उन्हे मनुष्य नही समझा जाता। उन्हे अन्य सम्पत्ति की तरह खरीदा और बेचा जाता है। उनके शरीर पर घोडे या खच्चरो की तरह निशान लगाए जा सकते हैं।'

'किन्तु पिता जी, क्या आप इसे बन्द नही कर सकते ?'

'प्यारी बच्ची, हम प्रयत्न कर रहे है। हम नित्य ही इस भयानक बात से छुटकारा पाने के लिए प्रयत्नशील रहते है जिसमे हम बुरी तरह जकडे हुए है। अमेरिकन उपनिवेश-सस्था आज़ाद काले लोगो को वापस अफ्रीका भेजने के लिए पैसे एकत्र कर रही है।'

'किन्तु पिता जी, जो आज़ाद हैं उन्हे तो सहायता की आवश्यकता ही नही।

सहायता की आवश्यकता तो उन्हे है जिन्हे न्यायालय के चौक मे पीटा जाता है· ··· आपकी सस्था उन्हे वापम अफ्रीका क्यो नही भेजती है ?'

पिता ने तब बेटी को आलिंगन मे बाध लिया था फिर उनकी अंगुलियां ऐसी ढीली पड गईं कि उनसे निराशा व्यक्त हो रही थी। जब उन्होने बोलना आरम्भ किया तो उनकी आवाज भर्राई हुई थी।

वे बोले, 'मेरी, ये दास करोड़ो डालर के है। हमे उनको इनके स्वामियो से खरीदना होगा। हमे इतना धन कहा से मिल सकता है ?' वे बिस्तर से उठ खड़े हुए और फर्श पर इधर-उधर चक्कर लगाने लगे, 'कोई भी दासता को निर्मूल नही कर सकता।'

'क्या हम उनके स्वामियो से यह नही कह सकते कि हमें यह पसन्द नही है ?'

'नही' उनके स्वामी इसे अपना व्यक्तिगत विरोध समझेगे। मेरी, ऐसी भयानक बाते सदा नही हुआ करती। तुम्हे ऐसी बात को भुला देना चाहिए और यह स्मरण रखना चाहिए कि देश के अन्य सभी स्थानो की अपेक्षा यहा केंटुकी मे उनके साथ अधिक अच्छा व्यवहार किया जाता है। यहा कोई भी उन्हे पीटता नही और उनके शरीर पर चिह्न नही लगाता। दासो के व्यापारियो की अपेक्षा सबसे अधिक कमीना व्यक्ति वह है जो नीग्रो के साथ दुर्व्यवहार करता है।'

यह सोचते-सोचते उसका ध्यान फिर सामने के दृश्य की ओर गया। उसके सामने एक नवयुवती चार सौ डालर मे बिक गई थी और फिर व्यापारी उस लडकी की मा की नीलामी खूब ऊचे स्वर मे बोल रहा था। उसकी मा पाच सौ डालर मे बिक गई और उसे जहाज द्वारा नात्शे भेजा जाना था। उस लडकी के पिता को मिसिसिपी की दासो की मडियो के लिए बेच दिया गया। अन्त मे उनके आठ वर्ष के बालक को चौकी पर खडा किया गया और उसकी नीलामी दो सौ डालर मे हुई।

उन चार व्यक्तियो के परिवार को खीच-खीचकर अलग-अलग जेलो मे भेजा जाना था। वे इतने दुःख से चिल्ला रहे थे कि मेरी का हृदय दहल उठा। वह लौटने लगी किन्तु पीछे से किसीने उसका हाथ पकड लिया और उसके कान मे एक कठोर आवाज़ सुनाई दी, 'नही, ठहरो, और यह सब देखो। फिर तुम अपने जीवन का एक भी दिन भयानक प्रथा पर आघात किए बिना नही गुजारोगी।'

यह कैसियस क्ले की आवाज थी जो टाड-परिवार के घनिष्ठ मित्रो मे से एक था।

'कैश, मुझे कितनी प्रसन्नता हुई है कि तुम यहा हो, मैं तो बेहोश ही होने वाली थी।'

उसे ऐसा प्रतीत हुआ कि कैसियस के समीप होने से उसे नव चेतना मिल गई है। वह यह नही जानती थी कि वह जिस शक्ति का अपने अन्तर मे आभास पा रही है वह कैसियस के उस दृढ हाथ की थी जिससे उसने उसकी कलाई पकडी हुई थी अथवा ऐसे व्यक्ति के निकट होने के कारण थी जो खुल्लम-खुल्ला दासता का विरोध करने का साहस रखता था।

कैसियस क्ले का पैतृक घर मेडिसन काउटी मे था और जब ट्रासिलवानिया मे उसका कमरा जल गया था तो वह टाड-परिवार मे आकर रहने लगा था। उस समय मेरी केवल ग्यारह वर्ष की थी और वह बीस वर्ष का था किन्तु उसने कभी मेरी को बालिका नही समझा था। मेरी ने अब तक जितने लोग देखे थे उनमे वह सबसे अधिक सुन्दर था। चेहरे पर दृढ निश्चय का भाव दिखाई देता था। उसकी दृष्टि मे ओज था, ठुड्डी उभरी हुई तथा सीधी और तिरछी थी। सिर पर घने-गहरे भूरे बाल थे। टाड के घर मे एक वर्ष बिताने के बाद वह दो वर्ष के लिए येल चला गया था और उपाधि प्राप्त करके वापस लेक्सिगटन लौट आया था। उसने कानून का अध्ययन किया था और राजनीतिक जीवन आरम्भ करने का निश्चय किया था। वह दो वर्ष तक विधान सभा का सदस्य रह चुका था और उसने दास प्रथा के विरुद्ध लिखना तथा भाषण देना आरम्भ कर दिया था। उसकी प्रवृत्ति मे शेर की-सी ओजस्विता तथा भेड के बच्चे जैसी मृदुलता का सम्मिश्रण था। मेरी के प्रति वह सदा सहानुभूतिपूर्ण रहता था किन्तु मेरी ने उसे अत्यधिक क्रुद्ध अवस्था मे भी देखा था। जब वह येल से वापस आया तो उसने मेरी जेन वारफील्ड से विवाह कर लिया। मेरी ने सदा उससे प्रेम किया था जैसे कोई विकासशील बालक किसी वयस्क व्यक्ति से प्रेम करता है किन्तु फिर भी मेरी को यह आभास हो गया था कि लेक्सिगटन मे यही एक व्यक्ति था जिससे वह विवाह करने की इच्छा कर सकती थी।

जब सब नीग्रो ले जाए गए तो मेरी और कैसियस भीड़ को चीरकर बाहर आ गए।

क्ले बोला, 'मेरी, तुम्हारा चेहरा पीला हो गया है। चलो मोसिये गीरो की दुकान पर आइसक्रीम खाए।'

वे रिची की पुस्तको और स्टेशनरी की दुकान के पास से गुजरे जिसकी खिडकियो मे बासुरिया, नफीरिया और अन्य वाद्य-यन्त्र सजे हुए थे। फिर जेम्स मार्श की फर्नीचर की दुकान के पास से गुजरे जहा वेनेशियन पर्दे और स्प्रिगदार कुर्सिया सजी थी। गली के कोने पर जहा मिल स्ट्रीट की चढाई आरम्भ होती थी थामस हजिन्स की पसारी की दुकान थी जहा मसाले, टर्की के तम्बाकू और हवाना के सिगार की तेज गध आ रही थी। मिल और शार्ट स्ट्रीट के कोने पर मैथूरियन गीरो का दो मजिला पक्का भवन था जहा निचली मजिल मे केटुकी की प्रसिद्ध मिठाइया रखी हुई थी।

ज्योही कैसियस ने मेरी के लिए दरवाजा खोला एक घण्टी की धीमी आवाज़ सुनाई दी। काउटर पर मसाले के भरे हुए बद, पीली चीनी के बने हुए गुलाब के फूलो से सजे सफेद केक तथा अडे और खाड की बनी हुई मिठाइया रखी थी। जब से मेरी ने मेटेल के स्कूल मे पढना और फ्रासीसी सीखना आरम्भ किया था, मैथूरियन गीरो उसका मित्र और प्रशसक था। वह दुकान के पीछे के मार्ग के पर्दे से बाहर निकला। उसका कद पांच फुट था और सिर बिल्कुल गजा। ट्रासिलवानिया के छात्र कक्षा समाप्त होने पर उसकी दुकान पर आया करते थे और उनका दावे से यह कहना था कि उस व्यक्ति की चौडाई भी पाच फुट थी। ज्योंही उसकी दृष्टि कैसियस और मेरी पर पडी उसने अपने हाथ ऊपर छत की ओर उठा दिए और अत्यधिक प्रसन्नता मे स्वागत करता हुआ बोला.

'श्रीमान् क्ले और कुमारी मेरी, तुम तो नित्य अधिकाधिक प्रिय दिखाई देते हो।'

'ओह श्रीमान् गीरो, तुम सदा ही झूठी प्रशसा करते हो।'

'मुझे तुम लोग सदा ही प्रिय रहे हो। कहो मैं आज क्या सेवा करू ?'

'श्री गीरो, आज तो हमे कुछ आइसक्रीम खिलाओ।'

जब फ्रासीसी गीरो चला गया तो मेरी बोली, 'दादी मा हम्फरी ने अपने सब दासों को अपने इच्छा-पत्र द्वारा आज़ाद कर दिया था और मेरे पिता तथा माता भी वैसा ही करने वाले है परन्तु कैश ? क्या अब हमे अपने घरेलू नौकरो को आजाद कर देना चाहिए ? उनमे से कुछ नेलसन और चेनी जैसे लोग बहुत

बूढे हो गए है। वे लोग आज़ाद होने पर अपना जीवन कैसे व्यतीत कर सकेंगे ? मेरे पिता ने कभी भी किसी नीग्रो दास को दड नही दिया। कभी-कभी उन्होने काफी बुरी बाते भी की है जैसे उस मूर्ख नौकरानी ने ही किया था—उसने शराब पी ली थी और नन्ही एमिली को उठाकर बाज़ार ले गई थी तथा उसे वहा गुम कर आई थी। उसपर भी उसे केवल झिडकिया ही मिली थी।'

श्री गीरो लौट आया। मेरी ने किनारे तक भरे दो गिलासो पर दृष्टि डाली।

'कैश, क्या यह हमारा उपेक्षा-भाव नही कि······ हम यहा आइसक्रीम खा रहे है ·· जब कि वे बेचारे जिन्हे हम अभी देखकर आए है· · '

'हमारे आइसक्रीम खाने से उन्हे कोई हानि नही पहुचेगी किन्तु जब तुम सीमित दासता का भी पक्ष लेती हो तो तुम उन्हे हानि पहुचाती हो।'

'क्या मै दासता का पक्ष लेती हू··· यह कैसे कैश क्ले···· · ?'

'तुम समझती हो कि एक बुराई को समय के अनुकूल बनाया जा सकता है। आधी दर्जन घरेलू नौकर परिवार का भाग होते है··· · किन्तु उन्हे कही जाने की स्वतन्त्रता नही होती। प्रिय मेरी, विश्व मे बहुत कम वस्तुए त्रुटिरहित होती हैं और इस प्रकार दासता नितान्त बुराई है। जो व्यक्ति इस बुराई के एक किनारे का भी स्पर्श करता है वह इसके बधनो मे नितान्त जकडा हुआ है।'

'कही तुम अतिवादी तो नही बनते जा रहे ?'

कैसियस ने इस आरोप से बुरा नही माना और बोला, 'हा मेरी, कभी-कभी अतिवादी होना पडता है। शनै -शनै· के काम मे असहनीय देर हो जाती है। कल की प्रतीक्षा नही की जा सकती।'

मेरी ने अनुभव किया कि कैसियस ठीक ही कह रहा है। दासो के आयात पर प्रतिबध सम्बन्धी कानून बनाने के पश्चात् ऐसा प्रतीत होता था कि दासता समाप्त हो जाएगी क्योकि केटुकी मे तो इसका कोई लाभ ही नही था, कारण यह कि बडे-बडे खेत बहुत कम थे और चावल या कपास नही बोई जा सकती थी। कुछ दासो को स्वतन्त्र कर लाइबेरिया भेज दिया गया था। प्रेस्बीटेरियन गिरजे ने दासो को शिक्षा देने की योजना आरम्भ की। उसके पिता ने पचास गुलामो के स्वामियो से मिलकर एक सगठन बनाया और दासो के सब बच्चों को स्वतन्त्र कर देने का आन्दोलन आरम्भ किया।

कैसियस क्ले प्रतीक्षा कर रहा था कि वह दृष्टि ऊपर उठाए। जब फिर उसकी दृष्टि उससे मिली तो वह दुःखभरी आवाज मे धीरे-धीरे कहने लगा, 'दूसरो की तरह तुम्हारे पिता भी किसी दिन ऐसी स्थिति मे फस जाएंगे जिसमे उन्हे भी इतनी ही घृणास्पद बात करनी होगी जैसी आज इस अभागे परिवार को वेचने वाले आत्मवचको ने की थी।'

जब वह घर वापस पहुची तो घर भर मे खूब शोर-सा मचा हुआ था। अभी-अभी उसकी बहिन फ्रासेस का पत्र आया था जिसमे उसने लिखा था कि उसने स्प्रिगफील्ड, इलीनाइस के एक डाक्टर विलियम वालेस से विवाह कर लिया है। अपनी दूसरी बेटी के विवाह पर जहा राबर्ट टाड को हर्ष का अनुभव हुआ था वहां इस बात पर क्रोध भी आया था कि विवाह मे उन्हे बुलाया तक नही गया। उन्हे परिवार के प्रति मोह था और इस बात पर सन्देह नही किया जा सकता था कि उन्हे इस बात पर बहुत दु ख हुआ था कि विवाह जैसी महत्वपूर्ण सूचना भी पत्र द्वारा भेज दी गई। उनके माथे पर लालिमा-सी छा गई। वे बोले, 'मुझे विश्वास है कि यह विलियम वालेस एक श्रेष्ठ व्यक्ति है। फ्रासेस कहती है कि उसके ग्राहक उससे अनुरोध करते हैं कि वह चिकित्सा-वृत्ति आरम्भ कर दे किन्तु मेरी समझ मे यह नही आता कि मेरी पुत्री ने मुझे आमन्त्रित किए बिना क्यो विवाह कर लिया है।'

मेरी ने सान्त्वना देते हुए कहा, 'देखिए पिता जी, स्प्रिगफील्ड आने-जाने मे तीन दिन लग जाते है और वह जानती है कि आप कितने अधिक व्यस्त रहते हैं।'

'मै इतना व्यस्त कभी नही होता कि अपनी बेटी के विवाह पर ही न जा सकू', वे चिल्लाए मानो वे चाहते हो कि दूर इलीनाइस मे बैठी फ्रासेस उसे सुन ले, 'क्या मेरी पहली पत्नी के सब बच्चे, अपनी-अपनी राह चलना चाहते हैं और लुके छिपे विवाह कर लेना चाहते है··· अपने पिता को भी सूचना दिए बिना ही !'

मेरी ने पुन पिता को शान्त करने का प्रयत्न किया और बोली, 'वे स्प्रिङ्ग-फील्ड मे अकस्मात् और अनौपचारिक रूप से अपना विवाह कर रही है। नवयुवक जोडे जबतक चाहते है इक्ट्ठे फिरते है और जिस दिन विवाह का निश्चय करते हैं, विवाह कर लेते है। मुझे याद है जब मैं एलेजबेथ के पास

थी। दो नवयुवको को विवाह की रस्म के दिन तक विवाह की अनुज्ञप्ति नही मिली थी।'

'मुझे तो यह गंवारू और जल्दबाजी का काम दिखाई देता है।' राबर्ट टाड फिर कुछ नर्म पड गए और शान्त भाव से बोले, 'खैर सीमान्त प्रदेश का यही रिवाज है·· ···· किन्तु वे एक मधुशाला मे क्यो रह रहे है ? विवाहित जीवन आरम्भ करने का यह क्या ढग है ?'

मेरी ने कहा, 'हा, स्प्रिङ्गफील्ड मे यही प्रथा है। पश्चिम मे मधुशाला का अभिप्राय एक होटल का शराबखाना नही है। 'ग्लोब' एक नया सुसज्जित होटल है और नगर की सामाजिक गतिविधियो का केन्द्र है।'

राबर्ट ने दबी आवाज़ से कहा, 'तो क्या मैं समझू कि तुम भी मुझे छोड जाओगी। एलेज़बेथ ने फ्रांसेस के विवाह तक उसे अपने घर रखा था और निस्सन्देह वह तुम्हे भी पत्र लिखेगी······।'

अब मेरी के माथे पर रग उतरने-चढने लगे। वह बोली, 'मुझे तो अभी आमन्त्रित नही किया गया। इसके अतिरिक्त मुझे विवाह करने की धुन नही है।'

उसे अपने ऊपर ही क्रोध आया कि उसने क्यो अपनी आवाज़ को भारी कर लिया था, क्योकि यह इस बात का निश्चित चिह्न था कि वह भावुक हो उठी है। उसके पिता ने उसे लाइनेन से ढके हुए सोफे पर अपने समीप बैठ जाने के लिए सकेत किया जिसपर लाल और बैगनी रग के फूल कढे हुए थे। फिर उन्होने उसके हाथ को अपने हाथ मे लिया और अगुलियो मे अगुलिया डाल दी जो कि परस्पर मिलती-जुलती थी। जब उसने खडित गर्व के भाव से अपने पिता की ओर देखा तो उसे दिखाई दिया कि उनकी आखो के गिर्द काले घेरे बन गए थे।

'क्रुद्ध न होओ मेरी बच्ची। मैं ऐसा इस कारण कह बैठा हू कि मुझे तुम से, एन से, तुम्हारे दो भाइयो से बहुत प्यार है······और मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं शनैः-शनैः तुमसे दूर होता जा रहा हू। क्या तुम एन की बात मुझे समझा सकती हो ? सभवतः वह तुम्हे अपनी गुप्त बातें या इच्छाए बताती हो। लेवी अब होटल मे जाकर रहना चाहता है और जार्ज ! न जाने उस चौदह वर्ष के बालक के मन मे क्या कुछ है ? वह क्यो सदा मुझसे आंख चुराता है ?'

मेरी इसका उत्तर नही देना चाहती थी किन्तु उसके पिता उत्तर की

प्रतीक्षा मे उसीकी ओर देख रहे थे ।

'जब जार्ज अभी बच्चा था तो लोग कहा करते थे कि यही वह बालक है जिसके कारण बेचारी एलेज़ा स्वर्ग सिधार गई थी । मन की गहराइयो मे तुम भी यही कहती रही हो और मैं समझता हू कि जार्ज को सदा इस बात का ज्ञान रहा है ।'

कुछ देर मौन-से रहने के बाद फिर राबर्ट टाड बोले; उनकी दृष्टि दूसरी ओर थी और आवाज धीमी थी ।

'मेरी, तुम यहा अप्रसन्न तो नही हो ? तुम कही चली तो न जाओगी··· और फिर मुझे पत्र लिख दोगी कि तुमसे किसी सर्वथा अपरिचित व्यक्ति ने विवाह कर लिया है······ ?'

'नही मैं ···अप्रसन्न नही हू ।'

'मुझे प्रसन्नता है मेरी ! तुम्हारी मा सचमुच तुम्हे बहुत प्यार करती है । उसने तुम्हारे लालन-पालन मे बहुत निष्ठा और प्रेम से काम किया है··· ।'

वे फिर इस प्रकार मौन बैठे रहे मानो मौन भाव से ही उसके आश्वासन की माग कर रहे हो ।

मेरी ने बडे विनीत और मधुर भाव से उत्तर दिया, 'यह तो मेरे सौभाग्य की बात है कि मा के साथ मेरा स्वभाव बहुत कुछ मिलता है । अत. यदि हम कभी झगड भी पडती है तो उसका कोई महत्व नही । आपके घर की देखभाल के लिए आपको पत्नी की आवश्यकता थी ही ···और आपको भी प्यार चाहिए था ।'

राबर्ट ने आभारपूर्ण भाव से मेरी को चूम लिया और बोले, 'तुम सदा मेरी सुयोग्य बच्ची रही हो । तुम्हारे सभी बच्चे सुयोग्य बनेगे ।' प्रसन्नता से उनका चेहरा रक्तिम हो गया, 'हम अगले सप्ताह ब्यूना विस्टा जाने की सोच रहे हैं । तुमने सर्दियो मे पढाई मे बहुत परिश्रम किया है । अब तुम गाव मे जाकर कुछ आराम कर सकोगी ।'

मेरी खिडकी से बाहर गुलाब के नये खिले फूलों की ओर देखती रही । ब्यूना विस्टा मे काफी बडा परिवार होगा और वहा घर मे बहुत-से अतिथि होगे । वहा तो किसी क्षण भी, किसी कोने मे भी कोई अकेलापन अनुभव नही करेगा ।

मेरी फिर पिता की ओर मुडी और कहने लगी, 'मैं समझती हू कि गर्मिया लेक्सिगटन मे ही बिताऊगी । मैं यहा जार्ज की देखभाल करूगी । जब आप नगर

से लौट आने का निश्चय करेंगे तो आपको घर साफ-सुथरा मिलेगा। इसके अतिरिक्त मुझे कुछ बातो पर विचार भी करना है।'

७

जून के अन्त मे ब्ल्यू ग्रास मे गर्मी और लू का आगमन हुआ। अनावृष्टि के कारण गावो मे गेहूं की फसल केवल एक फुट ऊची हो सकी तथा पटसन के पौधे भी बहुत ही पतले रहे। लेविंसगटन के लोग अपने-अपने गाव मे अर्थात् क्रैब आर्चर्ड अथवा ग्राहम स्प्रिंग चले गए।

मेरी अपना अधिकतर समय एकात मे ही बिताती थी और केवल इस बात का प्रयत्न करती थी कि जार्ज सारा दिन उसके पास रहे। उसने अपने निराश हृदय की सब खुशी जार्ज पर ही न्यौछावर कर दी थी।

जब प्रात काल वह अपनी शृगार की मेज पर बैठकर अपने लम्बे-लम्बे बालो मे कघी किया करती थी या जब सोने की तैयारी करती थी तो ऐसा अनुभव होता था कि जीवन के अनिश्चित काल मे जो अपरिचित प्रेमी बरबस उसकी दृष्टि की गहराई मे कही समा जाता था और उसे धुधला कर देता था, उससे उसकी बाईं आख के समीप की त्वचा कुछ काली पड गई थी।

ऐसे अवसर पर वह सुन्दर नही लगती थी, किन्तु जब कोई असमजस मे पडा हो और उसकी अपनी ही दृष्टि शीशे मे से उसकी ओर घूर रही हो तो वह सुन्दर कैसे लग सकता है? यो तो उसने सोचने के लिए यह समय मागा था किन्तु यदि सच्चे दिल से सोचा जाए तो क्या बीते दिनो मे वह कुछ निश्चय कर सकी थी अथवा किसी उलझन का हल ढूढ सकी थी?

जब वह इस एकाकीपन से उकता गई तो उसने अपने कुछ मित्रो को अगले रविवार टाड-परिवार के उद्यान की तलहटी मे एल्कहार्न की खाडी पर पिकनिक के लिए पत्र द्वारा आमन्त्रित किया। खाडी के चहुओर के छायादार वृक्षो के नीचे मेजे लगा दी गईं और उनपर सफेद मेजपोश बिछा दिए गए। बर्फ मे लगे

हुए शर्बत के प्याले रखे गए, ठडा मास और मीठे फल परोसे गए। लोगो के मनोरजन के लिए जादूगरो के किसी राह चलते टोली को खेल-तमाशा दिखाने के लिए बुलाया गया।

दिनभर के खेल-तमाशे और आनन्दोत्सव से एक प्रयोजन सिद्ध हो गया कि उसके अन्तर मे जो अपरिचित आ बैठा था वह गायब हो गया।

अगले प्रात॰ अभी भगवान अशुमाली की प्रथम किरणो ने खिडकी मे से झाका ही था कि उसे सदेश मिला कि उसकी नानी पारकर उससे मिलना चाहती है। मेरी ने मलमल के सादा कपडे पहने। उसके जम्पर पर फूल कढे हुए थे। उसने बालो मे एक रिबन बाधा और नानी के घर जाते हुए मार्ग मे केवल एक प्याला काफी पीने के लिए रुकी।

नानी पारकर का घर उसके जन्म के घर के निकट, बडे बाजार मे स्प्रिग-स्ट्रीट और वेस्ट शार्ट के बीच के खड मे था। उसके जन्म का घर छोटी ईटो का बना हुआ सुन्दर भवन था। जहा उसने जीवन के आनन्द भरे दिन बिताए थे। नानी का घर लेक्सिगटन मे सबसे पहले ईंटो से बना घर था और इस समय तक भी वह सबसे बडा भवन था जो कि पुराने ढर्रे की वास्तुकला का नमूना था। सोने के कमरे के ऊपर दो बुर्ज थे जिन्हे कैप्टनो की पत्नियो ने घटाघर की तरह बनवाया था। नानी पारकर यहा सिरे पर घटो खडी क्षितिज की ओर निहारा करती थी। एक बार मेरी ने पूछा था :

'नानी, तुम किसी जहाज़ की प्रतीक्षा मे क्यो खडी रहती हो जब कि हमे एल्कहार्न खाडी मे नौका चलाने मे ही कष्ट होता है ?'

'मैं यहा से नगर को देखा करती हू और मुझे पता होता है कि वहा क्या हो रहा है।'

टाड-परिवार के बच्चो को इस बात पर कोई सदेह नही था कि नानी की यह बात केवल डीग ही नही है। सामने के दरवाज़े की ओर जाते हुए मेरी बडबडा रही थी। निश्चय ही नानी पारकर सैण्डी के प्रस्ताव के बारे मे जानती थी··· और यह भी जानती थी कि मेरी इन गर्मियो मे अकेली रह रही है। नानी यही समझती थी कि मेरी का ऐसा करना चिता के कारण है। जब नानी-मेजर राबर्ट पारकर की दुल्हन बनकर पेनसिलवानिया से घोडे पर सवार हो-कर लेक्सिगटन मे आई थी तो यह नगर झोपड़ियो का एक समूह मात्र था और

तभी से नगर का ऐसा कोई कोना नही था जो नानी के भवन के बुर्ज से दिखाई न देता हो।

जब मेरी उन बडे-बडे कमरो से गुजर रही थी जिनकी छते सोलह-सोलह फुट ऊची थी और खिडकिया १४ फुट ऊची थी, जहा स्थान-स्थान पर सगमरमर की बनी हुई सुन्दर अगीठिया थी, जिनके कोनो पर फूल और पत्ते बने हुए थे तो वह मन ही मन कह रही थी कि नानी के पास धन है, शक्ति है और आकाक्षाए हैं किन्तु उसके पास परिष्कृत अभिरुचि नही।

वह लकडी की सीढी पर चढ गई और चक्कर लगाकर दूसरे बुर्ज पर पहुची। वहा नानी पारकर खडी खिडकियो से बाहर देख रही थी। वह एक क्षण के लिए चुपचाप खुडी नानी की चौडी पीठ और सत्तर वर्ष के बूढे सिर पर कसकर बधे हुए बालो के जूडे को देखती रही। आज से उन्तालीस वर्ष पूर्व जब नानी का विवाह हुए अभी ग्यारह वर्ष बीते थे मेजर पारकर स्वर्ग सिधार गए थे। किन्तु इस लम्बे काल मे किसीको उसके पास प्यार भरा हृदय लेकर आने का साहस नही हुआ था।

एक बार जब एक चचेरे भाई ने इतना ही कहा था कि क्या वह उस व्यक्ति को अपने साथ ले आए जो उसे बहुत चाहता है तो नानी ने दृढ शब्दो मे यह कहा था, 'एक सच्ची स्त्री केवल एक बार प्रेम करती है।' उसका यह भी विश्वास था कि यह सिद्धात पुरुषो पर भी लागू होना चाहिए। यही कारण था कि उसने राबर्ट टाड को दोबारा प्रेम करने और विवाह कर लेने के अपराध के लिए कभी क्षमा नही किया था।

पीछे मुडकर देखे बिना ही वह बोली, 'तुमने मिसिसिपी के उस लडके के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है ?'

'मुझे उससे प्रेम नही था।'

नानी पारकर घूमी और कहने लगी, 'किन्तु वह एक अच्छा साथी था और उसके चले जाने से तुम्हारा जीवन शून्य हो गया है।'

बुर्ज मे सख्त अखरोट की लकडी की एक काले रग की कुर्सी पड़ी थी। मेरी उस ओर बढी, उसके घुटनो मे कम्पन था।

'निस्सदेह आपका कहना ठीक है। मैं सर्वथा एकाकी हू और, और···कुछ भयभीत भी।'

'किन्तु बेटी ऐसा क्यो ? तुम तो स्वस्थ और सुन्दर युवती हो।' नानी की आवाज़ कठोर हो गई, 'देखना बेट्सी हम्फरी तुम्हे भी फ्रासेस की तरह ही लेक्सिगटन से बाहर न खदेड दे।'

'किन्तु नानी, वह थोडे ही किसी को बाहर निकालती है ?'

नानी ने इसे नही सुना।

'इस खिडकी से बाहर देखो जहा मैदानो पर सूर्य चमक रहा है। मैं वहा घास के तिनको, प्रत्येक पशु-पक्षी, प्रत्येक पहाडी और नाले को जानती हू। केंटुकी का ही दूसरा रूप स्वर्ग हो सकता है। मेरी ब्ल्यू ग्रास के उस बड़े दायरे मे ही कही तुम्हारा होने वाला साथी है।'

मेरी ने मुह बनाकर व्यग्यभरे स्वर मे कहा, 'किन्तु दुर्भाग्य की बात है कि आबजर्वर पत्र वहा उपलब्ध होने वाले लोगो के बारे मे विज्ञापन नही देता। उदाहरणत' मैमथ वारियर अथवा घोडो का आयात करने वाले राडहटर का विज्ञापनो मे कही उल्लेख नही किया गया। मेरी आकाक्षा इससे कही अधिक है, जिसका कोई अन्त नही।'

उसका खून खौल उठा, वह उठी और नानी के सामने आ खडी हुई। उसकी आंखो से आग बरस रही थी। वह कहने लगी, 'मुझे ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है जो मेरे साथ समानता का व्यवहार करे। मुझे ऐसा व्यक्ति चाहिए जिसे अपने ऊपर इतना अधिक विश्वास हो कि वह मुझे धक्का देने की बजाय कधो पर उठा सके। मैं ऐसा व्यक्ति चाहती हू जो कि सुन्दर और शिष्ट युवती की बजाय कुछ अधिक चाहता हो। इन सब बातो के अतिरिक्त मैं ऐसा व्यक्ति चाहती हू जिसमे प्रतिभा और परिष्कृत आत्मा हो, महत्वाकाक्षाएं हो और उसके लिए साहस भी।'

'किन्तु तुम जिन नवयुवको को अधिक गभीर व्यक्ति समझती हो' नानी पारकर ने एक आख बद किए हुए बात जारी रखी, 'उन्हे वस्तुतः कुछ भी पता नही होता कि वे स्त्री से क्या चाहते है। किसी पुरुष के कृत्यो को दृष्टिगत रखते हुए तुम्हे उससे विवाह नही करना चाहिए। यह कोई परिहास की बात नही है। तुम्हे तो सर्वोत्तम व्यक्ति को चुनना चाहिए और फिर उसे यह विश्वास दिला देना चाहिए कि वह अपनी आदर्श पत्नी मे जो कुछ गुण चाहता है वह सब तुममे हैं। जब तुम इस मार्ग पर ले आओ तो धीरे-धीरे उसके विचार

बदल दो और यह काम ऐसे हो कि उसे पता तक न लगे।'

इतना कहते-कहते नानी ने बाई आख पूरी खोल दी और दाई आधी बदकर ली, 'क्या तुम एक पुरुष के स्वप्नो का अग बन जाना चाहती हो ? तो धीरे-धीरे उसे यह पता लगने दो कि तुम प्रतिभाशालिनी हो और ठीक निर्णय कर सकती हो—किन्तु यह बात धीरे होनी चाहिए······ बस इतनी मात्रा मे कि उसे अखरे नही। जब तुम्हारा विवाह हुए पाच या दस वर्ष हो जाएगे तो तुम अपने विवाह का स्वरूप ही बदल लोगी और तुम्हे वे सब बाते प्राप्त हो जाएगी जो तुम चाहती हो। चिरकाल से पत्नियो ने इस योजना का प्रयोग किया है।'

'क्या आपने नाना के साथ ऐसा ही किया था ?'

'निस्सदेह मेरी बच्ची। जब उनके साथ मेरा विवाह हुआ तो वे त्रुटिहीन पति नही थे। सार्वजनिक जीवन मे मै उनकी सहायक थी किन्तु अपने पारिवारिक जीवन मे मैं उनसे जो बाते मनवाना चाहती उन्हे मनवाने मे मुझे समय लगा था और फिर वे मेरे अनुकूल पति बन गए। विवाह तो सभी दौडो से लबी दौड है, इसमे बहुत साहस और श्रम की आवश्यकता है। तुम अपनी पुस्तके और बौद्धिक प्रेरणाओ को छोड दो। तुम्हारी अति सुन्दर आखे है। उन्हे प्रकाशित करो। अपने सौदर्य, अपनी गरिमा, और स्वाभाविक आकर्षण का प्रयोग करो जिसे सम्भवत· तुम गर्मियो के लिए छुपाए बैठी हो। तुम जैसा व्यक्ति चाहती हो उसे चुन लो और फिर उसे अपने मनोनुकूल बना लेने मे तुम्हे अधिक समय नही लगेगा।'

पैदल घर लौटते हुए मेरी केवल यह सोच रही थी कि नानी को भी उसके विवाह न करने की चिन्ता नही है।

मामी सेली एक पत्र हाथ मे लिए द्वार पर मिली। वह पत्र उसकी बहन एलेजबेथ का था और लेक्सिगटन-ओहायो की गाडी द्वारा अभी-अभी आया था।

उसमे उसने समाचार दे रखे थे कि फ्रासेस ने विवाह की रस्म मे सफेद साटन का कैसा गाउन पहना था और एलेजबेथ ने अतिथियो के लिए पाच तहो वाला केक बनाया था। फिर एक पक्ति ऐसी थी जिसे क्षण भर के लिए मेरी आश्चर्य-भरी दृष्टि से देखती रही।

'···प्यारी मेरी, अब फ्रासेस का तो विवाह हो गया और वह 'ग्लोब' होटल मे

रहने के लिए चली गई है और हमारे घर में एक जगह खाली हो गई है ।....'

उसने सोचा 'खाली जगह' शब्द का प्रयोग कितना विचित्र था जैसे वहां कोई नौकरी खाली पड़ी हो ।

मेरी को उन दिनों का स्मरण हो आया जब वह दो गर्मियों पूर्व अपनी बहन से मिलने के लिए गई थी । उस समय स्प्रिंगफील्ड एक छोटा-सा गांव था जिसमें पन्द्रह सौ से कम लोग रहते थे । चहुंओर सुनसान मैदान था । ऐसा प्रतीत होता था मानो शतरंज की बिसात कल्पनारहित भाव से वहां बिछा दी गई हो । थोड़ी ही दूरी पर बस्ती अनाज के खेतों से जा मिली थी जहां ऊपर नीलाकाश छाया हुआ था और गर्म हवा में कौए उड़ते हुए दिखाई देते थे । गलियां कच्ची थीं और निवासगृहों तथा मण्डी के बीच पटरियां नहीं बनी थीं ।

छः मील की दूरी पर संगमन नदी थी । वहां मेरी को लेक्सिगटन के अपने बाग की झील का स्मरण हो आया था । मण्डी के चौक में हरा-भरा मैदान बहुत प्रिय लगता था । चौक के चहुंओर गोदाम, पंसारी, दवा बेचने वालों और कपड़े की दुकानें थी और अच्छी पुस्तकों की भी एक दुकान थी। किन्तु जिसने लेक्सिगटन और ब्ल्यू ग्रास को देखा हो उसे स्प्रिंगफील्ड और संगमन नदी के आसपास का क्षेत्र अप्रिय तथा वीरान ही दिखाई देता है।

इसपर भी उसने वहां गर्मियां मज़े में गुज़ारीं। आश्चर्य की बात यह थी कि लेक्सिगटन के बहुत-से लोग वहां चले आए थे और वे अपने घर-बार का समाचार पाने के लिए तरसा करते थे । उसकी दो बहनों और बहनोई के अतिरिक्त उस-के तीन चचेरे भाई भी वहां थे जो बड़ी मनोरंजक प्रकृति के व्यक्ति थे । वे थे जान टाड स्टुअर्ट, जान जे० हार्डिन और स्टीफेन टी० लोगन । वे वकालत का काम करने के लिए वहां आ गए थे । उसके प्रिय चाचों में से एक डाक्टर जान टाड वहां डाक्टरी का धंधा करता था । उसका बहनोई निनियन एडवर्ड इलीनाइस के गवर्नर का पुत्र था और उसे पिता से उत्तराधिकार मे काफी ज़मीन और सम्पत्ति मिली थी । एडवर्ड-परिवार का मकान नगर में सबसे बडा और सुन्दर मकान था और स्प्रिंगफील्ड के सामाजिक जीवन का केन्द्र था । थोडे ही दिनों में मेरी अनुभव करने लगी थी कि उसे व्यक्तिगत कठिनाइयों और स्प्रिंगफील्ड नगर के

भद्देपन का ध्यान न रहा और वह उस हरे-भरे मैदान की बस्ती के आनन्दोल्लास में ही खो गई।

वहा शायद ही कोई ऐसा दिन बीतता था जब उसके सम्मान मे कोई पार्टी या नृत्य न होता हो। उसे सदा इस बात पर आश्चर्य होता था कि सीमा के इस साधारण गाव मे भी स्त्रिया बहुत सुन्दर लिबास पहनती थी। वहा सुन्दर बग्घिया थी और अनेक प्रकार के बौद्धिक कार्यक्रम हुआ करते थे। उसने एडेल्फी और यूनियन फिलासफिकल सोसायटी मे जिस प्रकार के वाद-विवाद सुने थे; वैसे ही वाद-विवाद स्प्रिगफील्ड यग मेन सस्था मे हुआ करते थे। लेक्सिगटन के समाचारपत्रो मे ऐसे अच्छे राजनीतिक समाचार और सम्पादकीय लेख नही होते थे जैसे कि स्प्रिगफील्ड के 'सगमन जरनल' और 'इलीनाइस रिपब्लिकन' मे देखने को मिलते थे। स्प्रिगफील्ड के जीवन के इस पहलू से मेरी बहुत प्रसन्न थी। यहा के लोग खाते, पीते और सोते हुए सदा राजनीति की ही बाते करते थे। यद्यपि नगर के अधिकतर लोगो की विचारधारा मे व्हिग पार्टी का प्रभाव था किन्तु डेमोक्रेट भी काफी थे और अच्छे वक्ता थे। मेरी के वहा आने के चार मास पूर्व ही विधान सभा ने राज्य की राजधानी वेंडेलिया से स्प्रिगफील्ड लाने के लिए मत दिया था। १८३७ मे अभी वह वहा से लौटी नही थी कि उन्होने सफेद पत्थर का एक शानदार राज्य-भवन बनाने के लिए सार्वजनिक चौक मे खुदाई आरम्भ कर दी थी।

क्या उसने राज्य-भवन के बारे मे 'आबज़र्वर' मे एक कहानी नही पढी थी? वह पिता के पुस्तकालय मे चली गई जहा देश भर के समाचारपत्रो के ढेर पडे थे। बाल्टीमोर के 'नाइल्स रजिस्टर' पत्र का ढेर सबसे बडा था और देश मे उसे बहुत लोग पढते थे। वह 'आबज़र्वर' के पुराने पत्र देखती रही और आखिर उसे वह समाचार मिल गया। वह पिता के डेस्क पर बैठ गई जिसके ऊपर अध्ययन करते हुए सर वाल्टर स्कॉट की पत्थर की मूर्ति बनी थी। उसने पढा :

'शानदार भवन। स्प्रिगफील्ड मे इलीनाइस राज्य का नया राज्य-भवन बन रहा है और वही भविष्य मे सरकार का केन्द्र होगा। इसपर १२०, ५०० डालर का व्यय होगा। यह भवन तीन एकड़ भूमि मे १३२ फुट लम्बा, ८९ फुट चौड़ा और ४४ फुट ऊंचा होगा।'

उसका बहनोई निनियन डब्ल्यू० एडवर्ड इलीनाइस विधान सभा का सदस्य था। उसके चचेरे भाई जान जे० हार्डिन भी, जो वकालत करते थे, उस सभा के सदस्य थे। वे लम्बे कद के थे, सुन्दर लिबास पहनते थे और उसके चेहरे पर प्रतिभा का प्रकाश था। वे सब लोग एक बार मेरी को डेनियल वेब्स्टर का भाषण सुनने के लिए नगर से बाहर जगल मे वृक्षो के एक झुड मे ले गए थे। एक दिन उसे एक होटल मे की गई राजनीतिक सभा मे भी ले गए थे।

वहा उसने अमेरिका भर से आए हुए नवयुवक राजनीतिज्ञो को देखा था जो बडे सतर्क और विभिन्न विषयो, समस्याओ और अपने विचारो के सम्बन्ध मे बहुत जोशीले थे। वे सब राजनैतिक क्षेत्र मे बहुत उन्नति करने का निश्चय किए हुए थे और वे खुल्लम-खुल्ला यह बात स्वीकार करते थे कि इसी कारण वे इलीनाइस आए थे क्योकि यह राज्य नया था और यहा प्रतिस्पर्धा और सख्त मुकाबले की कम सभावना थी।

उसे इस बात के स्मरण मात्र से ही आनन्द की अनुभूति हुई कि उन लोगों का वक्तव्य खूब मनोरजक था। एक तो वरमाउट का स्टीफेन डगलस ही था जो चौबीस वर्ष का नवयुवक था। उसका सिर बहुत बडा और टागे बहुत ही छोटी थी। उसके विचार जोशीले थे और वह प्रभावी वक्ता था। उसके दो साथी कट्टर डेमोक्रेट थे, जिनमे से जेम्स शील्ड्स का जन्म आयरलैंड मे हुआ था। वह बहादुर सिपाही रह चुका था। उसकी प्रकृति दयापूर्ण तथा स्नेहशील थी किन्तु साथ ही स्वभाव मे क्रोध और दिखावे की लालसा भी थी। दूसरा लीमैन ट्रम्बुल था। वह मौन प्रकृति का गरिमायुक्त और सुन्दर व्यक्ति था तथा बेलीविले मे वकालत करता था। व्हिग पार्टी का सदस्य जोशुआ स्पीड था जो निश्चय ही नगर मे सबसे सुन्दर युवक था और एक समृद्ध दुकान का साझीदार था किन्तु उसके स्वभाव मे अस्थिरता थी और जितना ही शीघ्र वह किसीके प्रेम-पाश मे बधता था उतना ही शीघ्र वह उस सम्बन्ध को तोड भी डालता था। उसका व्हिग साथी जेम्स माथेनी था जो मेरी के पिता के समान किसी सगठन मे चुपचाप ही काम करता था।

निस्सदेह वे बडे मनोरजक लोग थे और मेरी ने उनके साथ जितना भी समय बिताया था खूब आनन्द का अनुभव किया था। वे यौवन और उत्सुकता मे इतने अधिक मदमाते थे कि पुरुषो और स्त्रियो के बीच विचारधारा सम्बन्धी

सीमा-रेखा नही खीच सकते थे। वस्तुत अभी इस नगर के सामाजिक नियमो का कोई स्वरूप नही बना था अतः उसे उस बैठक मे एक बराबर का साथी समझ लिया गया था। इसके अतिरिक्त क्योकि उसके परिवार के सब लोग व्हिग पार्टी के सदस्य थे और वह उनके नेता हेनरी क्ले के साहचर्य मे पली थी अतः उन्होने उसे अपनी ही पार्टी का सदस्य मानकर खूब स्वागत किया था।

वे तीन मास आनन्द की लहरो मे पलक झपकते ही बीत गए थे। उस वातावरण मे रोमास की किसीने आशका भी नही की थी। जिन लोगो मे उसने अभिरुचि दिखाई थी वे तो अपना राजनीतिक जीवन बनाने के लिए ही प्रयत्नशील थे और उन्हे बीवी-बच्चो का बोझ सभालने की चिन्ता नही थी। वह भी पति ढूढने के लिए स्प्रिंगफील्ड नही गई थी और न ही एलेजबेथ ने उसे इस हेतु गर्मियों के बाद वहा रहने के लिए बुलाया था और मेरी इसका कारण भी जानती थी कि जैसे मा यह चाहती थी कि पहले बडी बहन का विवाह हो और उसके बाद छोटी का, उसी प्रकार एलेजबेथ चाहती थी कि वर-प्राप्ति के क्षेत्र मे मेरी फ्रासेस के मुकाबले मे न खडी हो। मेरी ने वहा से लौटते समय उन नये मित्रो से विदा ली और बग्घी मे बैठकर ऐल्टन की ओर चल पडी, जहा उसने लेक्सिगटन की यात्रा के लिए पहला स्टीमर पकड लिया था।

किन्तु अब फ्रासेस का विवाह हो गया था अत. अब जगह खाली थी।

८

बैक मे घाटा पडने के कारण टाड-परिवार के लोग, आशा के प्रतिकूल बहुत पहले सितम्बर मे ही लौट आए। मेरी ने वर्षों से अपने पिता को इतना चिंतित नही देखा था। उनकी सामान्यतः गुलाबी और सफेद त्वचा दुबली और नीली पड गई थी। घाटे का उत्तरदायित्व उसके पिता के सिर था क्योकि उन्होने ही सगठन के प्रधान के नाते सौदे की मजूरी दी थी और स्टीवेन्स, जो बडी खेती का स्वामी था और अफीम का निर्माता था, मर चुका

था और उसीके हिसाब मे गडबड थी ।

जब वह वेस्टर्न एम्पोरियम में कुछ शानदार गर्म कपडे बदलवा रही थी तो वहा कैसियस छडी खरीदने के लिए आ पहुंचा। उसने मेरी का प्रेमपूर्वक स्वागत किया और फिर बोला :

'तुम्हारे पिता के घाटे का समाचार सुनकर मुझे बहुत दु:ख हुआ है किन्तु मैं समझता हू कि उन्होने योही यह बात दिल मे लगा ली है।'

'मैं चाहती हूं कि तुम मेरे साथ घर चलो और यह बात पिता जी से भी कहो।'

'मैं तो इस समय नही जा सकता क्योकि मैं व्यक्तिगत रूप से अपने परम मित्र, तुम्हारे पिता का विरोधी हो गया हू।'

'विरोधी ? पर ऐसा क्यो ?'

'उन्होने अभी आदेश दिया है कि स्टीवेन्स के दासो की सार्वजनिक नीलामी की जाए। उसमे यह प्रतिबन्ध भी नही लगाया गया कि एक परिवार के दासो को अलग-अलग न बेचा जाए; न ही यह प्रतिबन्ध है कि नीग्रोओ को नदी के उस पार न भेजा जाए।'

मेरी चुपचाप खड़ी सुनती रही। जब क्ले ने अपनी बात समाप्त की तो वह बोली :

'मुझे खेद है कैश ! मैं जानती हू कि तुम्हे इससे कितना दु:ख होता है।'

वह दुकान मे जिस वस्तु को चुन रही थी उसे उसने वही रख दिया और घर की ओर चल पडी।

उसके पिता घर पर न्[illegible] थे। वह ऊपर अपने कमरे मे चली गई और मध्याह्न पश्चात् की धूप को रोकने के लिए हरे पर्दे डाल दिए। राबर्ट टाड छः बजे लौटे। वे थके हुए तथा घबराए हुए प्रतीत होते थे।

'पिता जी, मुझे आज कैश मिला था। वह कहता है कि आप स्टीवेन्स के दासो को मडी मे बेच रहे हैं।'

'हा, सो तो हमे करना पडेगा।'

'किन्तु आप तो सदा इस प्रथा के विरुद्ध रहे हैं और कहा करते हैं कि यह अमानुषिक है ?'

उसके पिता हाथ मलने लगे।

'दासो को बेचने से जो कुछ भो प्राप्त हो सकता है हमे ले लेना चाहिए। हम केवल इससे ही अपना घाटा पूरा कर सकते है।'

'क्या आप इस बात के लिए अनुरोध नही कर सकते कि परिवार को इकट्ठा बेचा जाए ?—व्यापारी लोग उन्हे न खरीदे।'

'इससे तो उनका मूल्य आधा रह जाएगा। मैंने सभी बातो से सुरक्षा कर ली थी किन्तु स्टीवेन्स की मृत्यु का क्या हो सकता था। यदि मेरा ही पैसा फंसा होता तो मै कर सकता था ·· किन्तु यह तो लोगो का धन है। बैंक को शुरू करते समय उन लोगो ने मेरे साथ ही पैसा जमा किया था·· ·· ।'

वह धम्म से कुर्सी पर बैठ गया और उसने दोनो हाथो से अपने मुह को छिपा लिया। मेरी ने तुरन्त उसके पास जाकर उसके गले मे बाहे डाल ली और बोली :

'पिता जी, कोई और साधन भी तो हो सकता है।'

उसका पिता 'न' सूचक सिर हिलाते हुए दु खभरी दृष्टि से उसकी ओर देखने लगा।

'नही मेरी, मैं तो फस गया हू। स्टीवेन्स के दासो को सबसे अधिक बोली बोलने वालो के हाथो बेच दिया जाएगा। ठीक उसी तरह जैसे उसके घोडो, हलो और रुई धुनने की मशीनो को बेचा जाएगा। यह हमारे व्यापार के ढाचे का एक पहलू है ; जब तक मैं बैंक का प्रधान हू···'

'क्या प्रधान पद के लिए यह मूल्य चुकाना बहुत अधिक नही है ?'

टाड लज्जा से रक्तिम हो गए और उन्होने एक तीखी दृष्टि से उसकी ओर देखा।

'मेरी, तुम तो बच्चो की-सी बातें कर रही हो। तुम बडी होकर जीवन की यथार्थता को समझ सकोगी। केंटुकी मे दासता की प्रथा मैंने तो आरम्भ नही की ? तुम जानती ही हो मैंने इसे समाप्त करने के लिए प्रयत्न किया है। स्टीवेन्स को तो मैंने नही मारा ? मैंने तो केवल बैंक का कुछ धन उसे ऋण रूप मे दिया था। मुझे अपने उत्तरदायित्व तो निभाने ही हैं, चाहे मैं उन्हे पसन्द न करू····अथवा मेरी आदर्शवादी बेटी पसंद न करे····'

वे अपनी भावनाओ में ही इतने खो गए थे कि बेट्सी के कमरे मे प्रवेश करने की आवाज़ उन्हे सुनाई नही दी। बेट्सी क्रोध भरी दृष्टि से मेरी की

ओर देखने लगी और बोली :

'पिता का विरोध करने का तुम्हें कैसे साहस हुआ ! यहां बैठकर निर्णय देने का अधिकार तुम्हें किसने दिया है ? इस प्रकार बढ़-चढ़कर बातें करने की तुम कैसे अधिकारी हो गई हो ?'

'बेट्सी ! कृपया रहने दो।'

'नहीं राबर्ट, तुम बीच में न बोलो। मैं नहीं चाहती कि जो जीवन तुम्हारे लिए पहले ही विपत्तिजनक है उसमें यह और विष घोले।' उसने मेरी का हाथ पकड़ लिया और जबरदस्ती करने की बजाय इच्छाशक्ति से ही उसे खड़ा कर दिया।

'तुम्हें अपने आप पर लज्जा आनी चाहिए कि पिता की विपत्तियों को और बढ़ा रही हो। क्या तुम समझती हो कि तुम जैसी बच्ची के उपदेश के बिना उनकी मुसीबतें कम है ? क्या इस घर की कर्ता-धर्ता तुम हो ? जब भी कोई ऐसी बात होती है जो तुम्हे पसन्द नहीं होती, तुम उसमें हस्तक्षेप करने लगती हो। हमें भी यह बात पसन्द नहीं। हम भी नहीं चाहते थे कि स्टीवेन्स मर जाए, हमें घाटा उठाना पड़े और चिन्ताओं का पहाड़ सिर पर टूट पड़े। किन्तु अब क्या करना चाहिए इसके लिए हम एक दूसरे को कोसते तो नहीं ? हम इस भार-वहन में एक दूसरे की सहायता ही करते है। अब तक तो तुम्हें ये सब बातें सीख लेनी चाहिएं थीं।'

तभी ऐसा लगा कि उसका क्रोध शांत हो गया और शक्ति क्षीण हो गई। राबर्ट टाड ने अपनी पत्नी की कमर में हाथ डाल दिए।

'बेट्सी, तुम्हें···अपनी इस स्थिति में···इतना क्रोध नहीं करना चाहिए।'

यह सुनते ही मेरी अवसन्न-सी हो गई। बेट्सी पुनः गर्भवती थी जब कि अलेग्ज़ैंडर अभी छः ही मास का हुआ था। उन्होंने उसे नहीं बताया था किन्तु उसे बताने की आवश्यकता भी क्या थी ? वस्तुतः उसका इससे क्या सम्बन्ध था ?

मेरी खड़ी हो गई और अपनी विमाता की ओर जाकर बड़े विनीत और परिष्कृत ढंग से बोली :

'आप ठीक ही कहती है मां ! पिता जी जो कुछ भी उचित है वही कर रहे हैं, मैं यह जानती हूं।'

'उन्होंने सदा उचित कार्य ही किया है और ऐसा करते भी रहेंगे।'

बेट्सी की आवाज़ ऊची और साफ थी। मेरी ने अपनी विमाता की घृणा भरी दृष्टि की ओर देखते हुए अनुभव किया कि किसीसे इतना अधिक प्रेम होना कितना आश्चर्यजनक है। यह तो उसकी भलाई और हितो को अपने हितो से भी अधिक समझना है। इतनी दुर्बल होने पर भी वह एक और बच्चे की मा बनने वाली है और फिर भी उसके लिए एक शेरनी की तरह ससार भर से लडने के लिए तैयार है। उसने बेट्सी का माथा चूम लिया।

'यह मेरी गलती थी मा। मै वचन देती हू ऐसा फिर कभी नही होगा।'

बूढे नेलसन ने उसके थैले और बक्स बग्घी मे रख दिए। अपने सौतेले भाई-बहनो से प्रेमभरी विदा लेते हुए उसे काफी समय लग गया। एमिली तो रोने ही लग पडी और मेरी को उसका अगाध प्रेम जानकर प्रसन्नता हुई। मार्गरेट और मार्था भी उसके जाने पर उदास दिखाई दे रही थी। सैमुअल और डेविड यह जानना चाहते थे कि लेक्सिगटन उस पुराने नगर स्प्रिगफील्ड जैसा अच्छा क्यो नही जहा वह जा रही थी। वह चलने ही वाली थी कि जार्ज उद्यान मे एक वृक्ष के पीछे से बग्घी मे आ कूदा और उसने मेरी के कधे पर अपना सिर छिपा दिया।

उसके पिता के चेहरे पर प्रसन्नता का कोई चिह्न नही था। वे जानते थे कि मेरी अपना सब कुछ साथ ले जा रही है, यहा तक कि अपनी किताबो के दो सदूक भी ले जा रही है और यदि वह स्प्रिगफील्ड मे स्थायी रूप से न भी रही तो भी लेक्सिगटन वापस नही आएगी।

नेलसन ने घोडो को चाबुक लगाया। सेली और अन्य नौकर चाकर द्वार मे खडे हाथ हिलाते हुए विदा कह रहे थे।

बग्घी स्प्रिग स्ट्रीट के दक्षिण की ओर घूम गई और फिर मिल और वाटर स्ट्रीट से होती हुई लेक्सिगटन और ओहायो रेल रोड के नये डिपो के पास पहुची। सफेद पत्थर की सिलो पर रेलवे की पटरी बनी हुई थी और उसपर छोटा 'नाटावे' इजन खडा था, जिसका नया रग-रोगन चमक रहा था। गाडी का एक ही डिब्बा था जिसमे लगभग बारह यात्री बैठे हुए थे जो गाडी की रेलिंग पर झुके हुए देर से आने वाले यात्रियो को देख रहे थे।

जार्ज और नेलसन ने मेरी का सामान इजीनियर को दे दिया और उसने उसे लकड़ियो के ढेर के ऊपर अन्य लोगो के सामान के साथ रख दिया। फ्रैंकफर्ट

पर पहुचकर उसे घोडागाडी करनी पडेगी जो उसे लाउसविले तक बावन मील ले जाएगी। लाउसविले से उसे ओहायो नदी की किश्ती मिल जाएगी और कैरो के निकट, जहा ओहायो नदी मिसिसिपी नदी मे मिल जाती है उसे भाप से चलने वाली नौका मिल जाएगी जिस द्वारा वह लाउस से ऐल्टन तक जाएगी। ऐल्टन से फिर एक बार उसे घोडागाडी मिलेगी और यदि सडके ठीक हुई तो ऐल्टन से स्प्रिंगफील्ड पहुचने मे केवल दो ही दिन लगेगे। यदि रास्ते मे कोई गडबड न हुई तो लगभग दो सौ मील का यह मार्ग तै करने मे आठ या नौ दिन लग जाएगे।

बस कुछ ही क्षरण बाद गाडी वाटर स्ट्रीट को पीछे छोडती हुई आगे बढ जाएगी और उसके बाद उसे लेक्सिगटन दिखाई नही देगा। मेरी चीनी पैदा करने वाले वृक्षो, काफी की पत्तियो और चीड के वृक्षो की ओर देखती रही जिनके पत्तो का रग अक्तूबर के आरम्भ की धुध से बदल गया था। फिर उसकी दृष्टि गिलहरियो की ओर गई जो पहले तो नाटावे इजन द्वारा उनके शात वातावरण मे हस्तक्षेप के कारण मानो उसे कोसने लगी और फिर अपनी लम्बी-लम्बी पूछो को उठाकर तितर-बितर हो गईं। और अनायास उसके आसू बहने लगे।

तभी इजीनियर ने सीटी बजाई और इजन एक धचके के साथ चल पडा। सीटी की आवाज ने मेरी को एन की तीखी आवाज याद दिला दी और उसे स्मरण हो आया कि विदा होते समय एन ने उसे कहा था

'मेरी, अधिक देर न करना। तुम्हारे बाद उस खाली जगह के लिए मेरी बारी है।'

९

चादी के बत्तीदान मे एक छोटी-सी मोमबत्ती को जलाते हुए वह मुस्कराई। वह मोमबत्ती उसने बैठक की उत्तरी खिडकी मे रख दी मानो स्प्रिंगफील्ड के नवयुवको को सूचना दे रही हो कि वह आ गई है। इस प्रथा को लेक्सिगटन

मे कितना विचित्र समझा जाता ! उस चालीस फुट लम्बी बैठक मे एडवर्ड-परिवार चाय-पार्टिया, शाम के सहभोज और नृत्य के कार्यक्रम किया करता था। कमरे मे दृष्टि दौडाते हुए उसने सोचा कि शेरैटन और चिपैनडेल का पुराने ढग का फर्नीचर, सुन्दर खुदी हुई मेज़, चादी के कटोरे, बिल्लौर के फूलदान और निनियन को पिता से उत्तराधिकार मे मिले परिवार के तैलचित्र तथा एलेज़बेथ की घरेलू सरल अभिरुचि की शेष सजावट की वस्तुओ का उस कमरे मे बडा विचित्र-सा समन्वय प्रतीत हो रहा था। सन्दल और महागनी के फर्नीचर पर चौडे कपडे के गिलाफ चढाए हुए थे। दीवार पर रग-बिरगी अबरी लगी हुई थी। और अगीठी का सफेद पत्थर नीचा था। इन सब वस्तुओ से एलेज़बेथ की रुचि का परिचय मिलता था। इनकी सजावट के साथ मेल करने के लिए निनियन ने लम्बी-लम्बी खिडकियाँ बनवा दी थी जिनके लकडी के चौखटे गहरे काले रग के थे। छत पर बडी-बडी कन्दीलें लटक रही थी और फर्श पर बहुत ही कीमती फ्रासीसी कालीन बिछा हुआ था।

यह कालीन पहले बेलविले मे उसके पिता की बैठक मे बिछा रहता था। इस प्रकार ये सब वस्तुए एक दूसरे के साथ मेल नही खाती थी और न सजावट मे एक दूसरे की सहायक ही थी किन्तु फिर भी इन वस्तुओ का मेल एडवर्ड-दम्पति के विवाहित जीवन के समान ही सफल प्रमाणित हुआ था।

मखमल की पट्टी और धागे से उसने अपनी काली मखमल के जालीदार लिबास मे झालरे बनाईं और जब वह शीशे के प्यालो मे मुरब्बे और बादाम के दानो को देख रही थी, बरामदे से उसकी बहिन एलेजबेथ बडे विजय भाव से एक पाच तहो वाला अत्युत्तम केक हाथ मे लिए हुए कमरे मे आई। इस केक के चारो ओर ऊची-ऊची मीनारे बनी हुई थी। स्प्रिङ्गफील्ड मे ऐसा केक पहली बार देखने मे आया था। केक के ऊपर मीठे की तह जमी हुई थी। मेरी को एलेज़-बेथ की आकृति मे अपनी मा की झलक दिखाई दी और उसने अपने इस दिवा-स्वप्न को झटक देने के लिए सिर को जोर से हिलाया। एलेजबेथ कद मे उससे कुछ अधिक लम्बी थी। उसके कधे चौडे और मुह पतला था। उसने अपने बालों की माग सिर के बीच मे से निकाली हुई थी और बाल दोनो कानो को पूरी तरह ढापते हुए पीछे गर्दन पर जूडे की शक्ल मे बधे हुए थे। यद्यपि वह मेरी से केवल पाच ही वर्ष बडी थी किन्तु उसके आगे के बाल मटियाले रग के

हो गए थे। वह गर्भवती होने के कारण बडी सावधानी से चल रही थी।

मेरी को इस स्थिति मे एलेज़बेथ और अपने मे एक पीढी के काल का अन्तर दिखाई दिया।

मेरी जानती थी कि इलीनाइस मे व्हिग सभा के परिणाम पर एलेज़बेथ और निनियन को कितनी अधिक निराशा हुई थी। राष्ट्रपति-पद के लिए अगले निर्वाचन के समय इलीनाइस के व्हिग सदस्यो ने पाच सदस्यो को निर्वाचकगण मे रखने का प्रस्ताव किया था और निनियन का नाम इन नामो मे सम्मिलित नही किया गया था।

मेरी ने प्रसन्न भाव से कहा, 'निनियन को इलिनाइस का अगला गवर्नर होना चाहिए।'

'क्या कोई इस उच्च पद के लिए मेरा नाम निर्देश कर रहा है?'

निनियन एडवर्ड कमरे मे आया। तीस वर्ष की आयु मे वह राज्य का 'एटर्नी जनरल' बन गया था और विधान सभा मे उसका दूसरी बार निर्वाचन हो चुका था। अपने पिता से उसने भूमि, भण्डार, खेत और भवनो के रूप मे अनन्त धन उत्तराधिकार मे पाया था। इसके अतिरिक्त पिता के कारण ही वह इलीनाइस मे विख्यात भी हो गया था। वह छ फुट लम्बा, एक इच गहरी काली भौहो और उभरी हुई नाक तथा ठुड्डी वाला सुन्दर नवयुवक था। १८०९ मे राष्ट्रपति मैडिसन ने जब उसके पिता को इलीनाइस के नये क्षेत्र का गवर्नर बनाया था तो उसीने सर्वप्रथम इस असभ्य प्रदेश मे सभ्यता तथा सस्कृति का प्रचार किया था, एक खुला घर बनाया था और उसकी सजावट के लिए अत्युत्तम फ्रांसीसी पर्दे आदि मगवाए थे।

निनियन ने अपने दोनो हाथ मेरी की ओर बढा दिए और बोला, 'इलीनाइस के गवर्नर की हैसियत से मेरा सर्वप्रथम कार्य यह है कि तुम्हे सरकारी तौर पर अपने घर आमन्त्रित करू और तुम्हे यह विश्वास दिला दू कि तुम एडवर्ड द्वितीय के सारे शासनकाल मे एक वाछनीय प्राणी रहोगी।'

यद्यपि उसका यह परिहास केवल मुह रखने की बात थी किन्तु उसके स्नेह के बारे मे सन्देह नही किया जा सकता था। मेरी जानती थी कि उसपर एक घमण्डी व्यक्ति होने का आरोप लगाया जाता है और यह कहा जाता है कि राज्य मे आने वाले नये पदाधिकारियो की अपेक्षा वह अपने आपको बडा सम-

झता है। विधानमण्डल मे यह कहा जाता था कि वह अभिजातवर्ग का पक्ष-पाती है और, 'जिस प्रकार कहा जाता है कि शैतान अमृत से घृणा करता है उसी प्रकार यह लोकतन्त्र से', परन्तु मेरी ने उसमे आत्मलीनता का कभी कोई चिह्न नही देखा था और यद्यपि इलीनाइस मे पहले पहल बसने वाले लोगो मे दक्षिण के दास-प्रथा वाले राज्यो के बहुत-से लोग थे किन्तु वह इलिनाइस मे दास प्रथा जारी करने का सदा विरोध किया करता था। एडवर्ड-परिवार के यहा चार स्वतन्त्र नीग्रो नौकर थे जिन्हे प्रति मास वेतन दिया जाता था। निनियन ने खुले आम करारनामो की प्रथा के विरुद्ध भाषण दिए थे। इस प्रथा के अन्तर्गत स्प्रिगफील्ड के कुछ परिवारो ने स्वतन्त्र नीग्रोओ को कुछ नकद राशि देकर करार-नामो पर हस्ताक्षर करा लिए थे और इस प्रकार उन नीग्रोओ को आयु भर अपने मालिको की सेवा करते रहने के लिए आबद्ध कर दिया था।

निनियन ने कहा, 'तुमने खिडकी मे रोशनी कर रखी है। मुझे विश्वास है आज तुम्हे मिलने वाले बहुत आएगे।'

मेरी ने प्रश्न किया, 'तुम्हारा क्या विचार है? क्या स्टीफेन डगलस आएगा?'

'मै कुछ नही कह सकता कि वह बेपैंदी का लोटा इस घर मे पुनः प्रवेश भी करेगा अथवा नही।' निनियन के होठ कुछ भिच गए और उसने बात जारी रखते हुए कहा, 'वह जान स्टुअर्ट के साथ सार्वजनिक चौक मे उल्टी-सीधी हाकता रहता है।'

एलेज़बेथ ने सात्वना भरे स्वर मे कहा, 'पर निनियन, चाचा जान ने भी तो ऐसी ही उल्टी-सीधी बाते की थी। हमे दूसरे लोगो की लडाई को अधिक महत्व नही देना चाहिए। स्टीव चाहे डेमोक्रेट है किन्तु वह इस राज्य मे एक बडा व्यक्ति बनने वाला है और मैं चाहती हू कि वह हमारा मित्र बना रहे।' उसने मेरी को सम्बोधन करते हुए फिर कहा, 'मुझे विश्वास है कि वह अवश्य आएगा। वह सदा तुम्हारे बारे मे पूछा करता है।'

जब एलेज़बेथ यह बात कह रही थी तो किसीने दरवाज़े को ज़ोर-ज़ोर से थपथपाया। स्टीफेन डगलस एक छोटे कद का आदमी था। उसके बडे सिर पर घने घुघराले और भूरे गुच्छेदार बाल थे। और उसकी गर्दन और बाल कानो को ढके हुए थे। उसका शरीर भारी-भरकम था। मनुष्य होने के नाते

उसके बारे मे इतना ही कहा जा सकता था।

एलेजबेथ ने बढकर डगलस का स्वागत किया और तभी मेरी के दोनो हाथ डगलस के मजबूत हाथो मे थे और उसकी घनी तथा उलझी हुई भौहो के नीचे उसकी गहरी नीली आखे इस उत्साहभरे स्वागत के कारण प्रसन्नता से चमक रही थी।

'मेरी, तुम्हारे आने की बडी खुशी हुई। मै समझता हू कि इस बार तो तुम ठहरोगी।'

'स्टीव, आशा तो यही है। आओ बैठो और मुझे बताओ कि जबसे मैं गई हू तुम क्या करते रहे हो, मुझे तो यही पता लगा है कि तुम भूमि-कार्यालय के रजिस्ट्रार बन गए थे और फिर तुम ससद् के लिए उम्मीदवार बने थे और प्रकटत मेरे चचेरे भाई जान स्टुअर्ट से उलझे भी थे।'

वे दोनो काली साटन के नर्म-नर्म गद्दो पर एक दूसरे के निकट बैठ गए जब कि एलेज़बेथ और निनियन बरामदे मे से होते हुए हाल के दूसरी ओर वाली बैठक मे चले गए। डगलस का जन्म वरमाउण्ट प्रदेश के ब्राण्डन स्थान पर हुआ। उसके पिता डाक्टर थे जिनका निधन उसके जन्म के केवल कुछ ही सप्ताह पश्चात् हो गया था। तत्पश्चात् स्टीफेन डगलस ने एक बढई के पास काम सीखा और न्यूयार्क की 'कैननडेगुआ अकादमी' मे कुछ शिक्षा प्राप्त कर सका। उसके बाद वह क्लर्क बन गया तथा उस काल मे उसने कानून का अध्ययन किया। उन्नीस वर्ष की आयु मे वह पश्चिम प्रदेश की ओर चला गया जहां उसने स्कूल मे अध्यापन का कार्य किया तथा दो वर्ष से कम समय मे ही वकालत करने का लाइसेस प्राप्त कर लिया। उसका कद पाच फुट चार इच तथा भार केवल सौ पाउड था। आवाज़ मे माधुर्य और व्यक्तित्व मे आकर्षण था। वह शीघ्र ही राज्य का सरकारी वकील बन गया। और उसके बाद विधान-सभा का सदस्य चुना गया।

डगलस दबी-सी हसी हसा। मेरी की दृष्टि उसकी छोटी-सी गर्दन की ओर गई जो कि उसके पिता की गर्दन से मिलती-जुलती थी। उसके घने बालो मे से उसके छोटे-छोटे सफेद कान दिखाई दे रहे थे। उसके नाक, मु ह और चौकोर ठुड्डी से झगडालू प्रवृत्ति लक्षित होती थी।

'मैं पुराने बाज़ार-घर के सामने तुम्हारे चचेरे भाई जान के साथ

किसी विषय मे चर्चा कर रहा था, उस समय मेरे मुंह से कोई ऐसी बात निकल गई जो उसे सर्वथा पसन्द नही थी इसलिए उसने मेरा सिर पकड लिया और मुझे बाजार-घर की ओर घसीटने लगा। अपने आपको उससे छुडाने के लिए मुझे उसके अगूठे पर ज़ोर से काटना पडा फिर हम हर्नडन की दूकान पर चले गए और वहा खूब गुत्थम-गुत्था होकर लडे। यहा तक कि अन्त मे हम बेहोश हो गए। मुझे केवल इस बात का दु ख है कि स्टुअर्ट ने लोगो के लिए व्हिस्की खरीदने मे पहल की थी।'

जब मेरी पहली बार यहा आई थी तो उसे बताया गया था कि पसारी की दुकान एक ऐसी जगह है जहा पर इस प्रकार के झगडो को निबटाया जाता है। उसे सीमान्त प्रदेश की राजनीति मे आदिकाल की बर्बरता देखकर आश्चर्य हुआ और उसने अपना सिर हिलाते हुए कहा, 'स्टीव, मै लज्जा अनुभव कर रही हू। यह निर्णय करने का कि तुम लोगो मे से काग्रेस के लिए कौन अधिक उपयुक्त है, तुमने यह अच्छा ढग निकाला है।'

डगलस की आखो मे एक चमक पैदा हो गई और उसने उत्तर दिया, 'ससद् के लिए मैं ही उपयुक्त हू और इलिनाइस के मतदाताओ का यही विचार था। लोग कहते है कि छत्तीस हजार वोटो मे से केवल छत्तीस वोट अधिक प्राप्त करके स्टुअर्ट जीत गया किन्तु धोखा किया गया था। नहर के बनाने वाले आयरिश लोगो ने मुझे जो वोट दिए थे उन्हे इन्होने फेक दिया था और मुझे काग्रेस की बजाय राज्य-विधान सभा के उम्मीदवार के रूप मे रख लिया। परन्तु तुम देखती जाओ मैं यही साक्ष्य लेकर वाशिंगटन जाऊगा और जान स्टुअर्ट उस कुर्सी पर बैठने भी नही पाएगा कि मैं उसपर कब्ज़ा कर लूगा। तुम्हारे परिवार के प्रति सम्मान-भाव के साथ मैं यह कहना चाहता हू कि स्प्रिगफील्ड के सब व्हिग सदस्यो मे से एब लिंकन सबसे योग्य और ईमानदार आदमी है।'

जब मेरी पिछली बार आई थी तो उसने यह नाम सुना था। १८३७ मे वह अभी स्प्रिगफील्ड आई भी नही थी कि उसे बताया गया था कि जान स्टुअर्ट के साथ मिलकर लिंकन नाम का कोई व्यक्ति वकालत कर रहा है किन्तु वह इस व्यक्ति से कभी नही मिली थी और उसे यह भी पता नही था कि वह अब भी उसके चचेरे भाई का साझीदार है अथवा नही।

'स्टीव, मै अपने चचेरे भाई का पक्ष नही ले रही किन्तु यदि तुम यह धोखे का अभियोग लेकर वाशिंगटन जाओगे तो क्या अपने आपको ही अपमानित नही करोगे ? लोग कहेगे कि तुम हारकर ऐसी बातो पर उतर आए हो। यह सोचो कि पहली बार के निर्वाचन मे यदि तुम केवल छत्तीस वोटो से रह गए तो यह कितनी बडी बात है। सारे राज्य के डेमोक्रेट सदस्यो मे तुम्हारा सबसे अधिक महत्व बन गया है।'

डगलस का चेहरा प्रसन्नता से लाल हो गया और वह बोला, 'अच्छा तो वाशिंगटन जाकर इस धोखे के बारे मे दुहाई नही दूगा, इसपर वैसे भी बहुत समय और पैसा खर्च करना पडेगा।' यह कहते हुए उसका चेहरा पुन' क्रोध से तमतमा उठा, 'परन्तु जब मै सोचता हू कि मैंने पिछले दो वर्ष मे कितना कठिन श्रम किया, मै अपने मतदाताओ के साथ रहा, उनके साथ प्रार्थना की, उन्हीके साथ हसा-खेला, शिकार पर गया, काम किया, जो रूखा-सूखा वे खाते थे वही खाकर उनके साथ एक बिस्तर मे ही राते गुज़ारी इसलिए मैं जानता हू कि उनमे से अधिकतर ने जान स्टुअर्ट के नाम पर निशान लगाने की बजाय मुझे ही वोट दिए है। मेरी, मेरे राजनीतिक जीवन के आरम्भ मे ही मेरे साथ धोखा हुआ है।'

'स्टीव, तुम प्रगति के रास्ते पर हो। समय की प्रतीक्षा करो और .... एक दिन ऐसा आएगा कि तुम राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनोगे।'

पहले तो डगलस की दृष्टि से ऐसा प्रतीत हुआ कि मानो उसने यह अनुभव किया हो कि मेरी ने उसपर चोट की है किन्तु फिर उसे ऐसा लगा कि मेरी सदभावना से कह रही है। उसके चेहरे का उतार-चढाव रुक गया और वह मेरी पर इतना झुक गया कि उसके होठ मेरी के कान को स्पर्श करने लगे।

'मेरी टाड, मैंने तुम जैसी चतुर युवती नही देखी। मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि तुम स्प्रिंगफील्ड मे रहोगी स्थायी तौर पर।'

१०

अगले मध्याह्न के पश्चात् मेरी ने सोने के कमरे मे अपने वस्त्र बदले। यह कमरा बैठक के ठीक ऊपर था और इसका दरवाजा दक्षिण की ओर था। उस कमरे की खिडकी से लिवरिंग हाउस की छत उसे साफ दिखाई दे रही थी। उनके घर और लिवरिंग हाउस के बीच मे अखरोट के वृक्षो का एक झुड था। लेक्सिगटन मे उसका सोने का कमरा जितना अच्छा सुसज्जित था यह कमरा उसकी तुलना मे कुछ भी नही था। इसमे एक पुराने फैशन का दानेदार गालीचा बिछा हुआ था। खिडकियो पर भूरे रग के पर्दे लटक रहे थे। पलग पर ठीक नाप-तौल का कटा हुआ पलगपोश बिछा हुआ था किन्तु कमरे मे एक बहुत आकर्षक मेज थी जिसका ऊपर का तल सगमरमर का बना हुआ था और उस-पर शीशा लगा हुआ था। किताबो के लिए अलमारिया थी, एक छोटा-सा डेस्क था और एक अगीठी थी। जब उसे यह स्मरण हुआ कि यह कमरा लेक्सिगटन मे एलेजबेथ के कमरे के सर्वथा अनुरूप है तो वह मन ही मन मुस्कराई। चादी से जडे हुए ड्रेसिंग सेट और अलमारी मे रखी हुई पुस्तको से यह बात प्रमाणित होती थी कि अब यह उसका कमरा है, उसका घर है।

एक काले रग की फिटन बहुत तेजी के साथ पास से गुजर गई। घोडो की लगामे तेईस वर्ष के नवयुवक जेम्स कौर्कलिग के हाथो मे थी जो मर्सी लिवरिङ्ग को सभा से ले आने के लिए सभा मे जा रहा था। गत शाम सभा मे मेरी ने यह अनुभव किया था कि वकील कौर्कलिग जार्ज टाउन डी० सी० के जज की लडकी मर्सी जार्ज पर पूर्णरूपेण आसक्त था जिसका पालन-पोषण बाल्टीमोर के समाज मे हुआ था और अब वह अपने भाई तथा भावज से मिलने यहा आई हुई थी।

'मेरी, जल्दी करो नही तो हमे देर हो जाएगी।'

यह निनियन की आवाज थी जो नीचे की सीढियो से आ रही थी। अपने हैट के साटन के रिबन बाधते हुए और लम्बा काला ऊनी मफलर कधो पर डालते हुए मेरी के मन मे पुन यह बात आई कि स्प्रिंगफील्ड के समाज मे राजनीतिक पागलपन पैदा हो रहा है और यह इस कारण और भी अधिक बढ गया है कि राज्य

की राजधानी वैडेलिया बना दी गई थी। यद्यपि १८४० के राष्ट्रपति-पद के निर्वाचन मे अभी एक साल बाकी था तो भी इन गर्मागर्म चर्चाओ से केवल रविवार को ही छुटकारा मिलता था, जो दिन केवल प्रार्थना के लिए निश्चित किया गया था।

सीढियो से नीचे उतरते हुए रास्ते मे दीवार पर लगे हुए शीशे मे उसको फिर एक बार अपनी झलक दिखाई दी। और वह मन ही मन प्रसन्न हुई कि वह अच्छी लग रही है। उसकी आखे चमक रही थी। गालो पर लालिमा थी। वह ईश्वर की आभारी थी कि उसे मा की-सी सुन्दर गर्दन प्राप्त हुई थी। उसका सिर और चेहरा काफी बडे थे इसलिए उनके नीचे एक मजबूत गर्दन की ही आवश्यकता थी। यद्यपि स्प्रिगफील्ड मे आए हुए अभी कुछ ही दिन हुए थे, फिर भी लेक्सिगटन छोडने के समय उसके मन मे जो उलझे विचार पैदा हुए थे और अपने भविष्य के बारे मे जो अनिश्चय का भाव था वह सब विलीन हो गया था और इस कारण उसके चेहरे पर उदासी के स्थान पर आशा-ज्योति जग गई थी। वह यह बात विश्वास से कह सकती थी कि कल उसने जैसी मजेदार शाम गुजारी थी वैसा आनन्दोत्साह उसने पहले कभी नही अनुभव किया। कल शाम वह लगभग तीस युवक-युवतियो से घिरी बैठी थी। और लगभग छ: राजनीतिक विषयो पर एक ही साथ चर्चाएं चल रही थी।

जब वह सामने के दरवाजे से बाहर निकली तो उसने देखा कि एलेजबेथ और निनियन पहले ही बग्घी मे बैठे हुए है। यह रईसी बग्घी निनियन को उसके पिता से उत्तराधिकार मे मिली थी और उसपर चमकीला पीला रग किया हुआ था। एलेजबेथ ने मेरी को अपने समीप बिठाने के लिए अपने ऊनी जम्पर को समेट लिया। निनियन उनके सामने बैठा हुआ था अर्थात् उसकी पीठ सलेटी रग की घोडियो की ओर थी।

बलूत के छायादार वृक्षो के झुण्ड मे से उनकी बग्घी उत्तर की ओर बढने लगी। नगर का यह दक्षिण भाग बहुत सुन्दर था। यहा के हरे-भरे खेत, जिनमें पीले तथा लाल फूल खिले हुए थे, क्षितिज से मिलते हुए दिखाई देते थे। घास के खुले मैदान काली इमारती लकडी के जगलो तक फैले हुए थे। कही-कही किसी किसान का घर या कही कटा हुआ जगल दिखाई देता था। निनियन को यह हरे-भरे खेत बहुत प्रिय लगते थे क्योकि वह उनका स्वामी था। नगर

की सीमा से बाहर आकर उनकी बग्घी लकडी के एक पुल पर से गुजरी। जब वे लोग लकडी के नये बने हुए गिरजाघर के सामने से गुज़र रहे थे तो निनियन मेरी की ओर झुकते हुए बोला, 'एलेज़बेथ के पाउण्ड वाले कीमती केक ने इस गिरजाघर को शान प्रदान की है।'

बग्घी ऐडम्स की ओर पूर्व की तरफ घूम गई और आखिर वे चौक पर पहुच गए। नगर की कचहरी का इंटो का भवन गिराया जा चुका था और भूरे रग के मटियाले पत्थर का स्टेट हाउस, जिसकी दूसरी मज़िल अभी तैयार नही हुई थी, औजारो के शेडो और पत्थरो के अम्बार के बीच घिरा हुआ था। चौक के चारो ओर जो पहले कभी लकडी के घर और चबूतरे थे उनके स्थान पर ईंटो के सुन्दर भवन बन गए थे। शहर भर मे भवन-निर्माण के लिए एक उत्साह-सा फैला हुआ था। राज्य के पदाधिकारी और कर्मचारी यहा आ गए थे और नये होटलो, दुकानो और दफ्तरो के साथ-साथ सैकडो नये घर भी बन रहे थे।

बग्घी 'हाफ मैन रो' नम्बर चार पर जाकर रुकी। यह भवन मालगोदामो मे से एक था और इसे अस्थायी रूप से नगर के 'सर्किट कोर्ट' के रूप मे प्रयोग किया जा रहा था। उन्होने एक छोटे-से कमरे मे प्रवेश किया जहा बहुत-से बेच रखे हुए थे जिनपर लगभग दो सौ दर्शक बैठे हुए थे। मेरी ने देखा कि जो लोग गत रात उससे मिलने आए थे उनमे से अधिकतर अर्थात् स्टीव डगलस, जेम्स-मैथेनी, बहुत सीधा लज्जाशील तथा नगरभर मे अत्युत्तम पुस्तको का स्वामी जज सैमुअल ट्रीट, जेम्स शील्ड्स, जोशीला किन्तु प्रतिभाशाली आयरिश सुन्दर नवयुवक दुकानदार जोशुआ स्पीड, जान मैक्लरनैण्ड तथा मेरी के तीनो चचेरे भाई जान स्टुअर्ट, स्टीफेन लोगन और जान जे० हार्डिन यहा उपस्थित थे। उसके चाचा जान टाड अपनी बेटी लिज़ी और फ्रासेस के साथ दूर के एक कोने मे बैठे हुए थे।

कमरे मे एक घुटन-सी अनुभव हो रही थी क्योकि हवा आने का कोई साधन नही था। स्टीफेन डगलस ने उन्हे सकेत से अपनी ओर बुलाया। उसने उन तीनो के लिए जगह बना रखी थी।

सर्वप्रथम एडवर्ड बोलने के लिए खडा हुआ। मेरी तत्क्षण राष्ट्रीय तथा रियासती राजनीति की चर्चा मे खो गई। निनियन एडवर्ड और अन्य व्हिग सदस्य बार-बार तालिया बजाते थे। डगलस शील्ड्स और उनके साथी डेमोक्रेट हाथ पर हाथ रखे बैठे थे और उनके चेहरो पर गभीरता छाई हुई थी।

बेकर ने एक कुशल वक्ता की तरह हाथ हिलाते हुए कहा, 'जहा कही भी भूमि सम्बन्धी कोई दफ्तर है, वही डेमोक्रेटो का समाचारपत्र भ्रष्टाचार का समर्थन करने लगता है।'

मेरी को ऐसा अनुभव हुआ कि जैसे स्टीफेन डलगस अपने स्थान से उछल पडा हो क्योकि वह भूमि के दफ्तर का अधिकारी था किन्तु 'रजिस्टर' नामक डेमोक्रेटिक पत्रो के स्वामी का भाई जान बी० वेबर पहले ही बोल पडा, 'इसे मंच से नीचे उतार दो।'

उसके आसपास सब लोग अब ये आवाज़े कस रहे थे कि 'इसे नीचे उतार दो' जब कि डगलस और कुछ अन्य डेमोक्रेट कुर्सियो की बीच की खाली जगह मे खडे हो गए। व्हिग भी खडे थे और अपने वक्ता की रक्षा कर रहे थे तथा आवाज़े कस रहे थे।

इस गडबड मे मेरी को ऐसा अनुभव हुआ मानो वह निश्चेष्ट हो रही है। क्योकि मच के पीछे एक छोटे दरवाज़े मे से पहले उसे दो पाव, फिर दो नगी पिंडलिया तथा तत्पश्चात् लम्बी टागे दिखाई दी जो कमरे मे नीचे की ओर आ रही थी और ऐसा प्रतीत होता था कि छोटे दरवाज़े से मच तक बारह फुट के अन्तर मे वे टागे ही फैली हुई थी। वह इस प्रकार स्तम्भित-सी बैठी ही थी कि आखिर वह पूरा आदमी दिखाई दिया। वह एक लम्बा, दुबला-पतला-सा आदमी था। उसकी गर्दन पतली थी और हाथ टागो से भी अधिक लम्बे दिखाई देते थे। उसका चेहरा सावला तथा हड्डिया उभरी हुई थी और उसके काले घने तथा मोटे बाल बिखरे हुए थे।

उसने धीरे से गर्दन घुमाई और देखा कि जो लोग दर्शको मे तथा मच पर खडे थे वे मानो वही ठिठक गए थे। क्षणभर वातावरण मे मौन छाया रहा जैसे कोई भूत उतर आया हो।

उस व्यक्ति ने ऊचे तथा नाक से आव.ज निकालते हुए कहना शुरू किया, 'महानुभावो, शान्ति करो। इस देश मे हर एक को अपना बात कहने की पूर्ण स्वतन्त्रता है। बेकर को भी बोलने का पूरा अधिकार है। यदि आप उसे मच से उतार देगे तो मुझे भी मच से उतरना पडेगा।'

उसकी आवाज़ मे कोई क्रोध नही था न ही कोई धमकी थी किन्तु उसमे अधिकार का भाव था। मेरी पर इसका प्रभाव पड़ा और उसने अपने आसपास के

लोगो के चेहरो से अनुमान लगाया कि वे भी इससे प्रभावित हुए थे और यह अनुभव कर रहे थे कि यह व्यक्ति जो बारह फुट लम्बा दैत्य-सा प्रतीत होता है नीचे नही उतारा जा सकता। उस समय स्टीफेन डगलस ने शान्ति भग की और कहा, 'बहुत अच्छा दोस्तो, बैठ जाओ और बेकर को बोलने दो।'

बेकर ने पुन· भाषण आरम्भ किया किन्तु अब वह ज़रा कम जोश से बोल रहा था। वह काला-सा लम्बा व्यक्ति मच के एक कोने मे बैठ गया था। उसके घुटने ठुड्डी से भी ऊचे थे और उसने अपनी पतली लम्बी बाहे अपने घुटनो के गिर्द डाल रखी थी। मेरी अपनी दृष्टि उस लम्बे पोपले मु ह और चमकती हुई आखों पर से न हटा सकी।

'वह कौन है ?' उसने धीमे से निनियन से पूछा।

'वह तुम्हारे चचेरे भाई जान स्टुअर्ट का वकालत मे साझीदार है। उसका दफ्तर यही ऊपर की मजिल मे है। मुकदमो के दिनो मे उन्होने यह कमरा न्यायालय को किराये पर दे दिया था।'

'·· वह जो छत पर सुराख-सा दिखाई देता है ··वह लम्बा आदमी कैसे····?'

'ओ, लिकन इस तग दरवाज़े के पास लेटकर कचहरी की कार्यवाही और ऐसी सभाओ के भाषण सुनने की अभिरुचि रखता है।'

'क्या वह तुम्हारा मित्र है ?'

'नही तो; राजनीति मे हम एक दूसरे के साथी हैं और बस इतना ही हमारा सम्बन्ध है।'

'वह कभी हमारे घर नही आया।'

'हा ! वह कभी समाज मे अधिक मिलता-जुलता नही।'

'क्या तुमने कभी उसे आमन्त्रित किया है ?'

'वह हमारे मेल-जोल के लोगो मे नही है। लिकन है तो मज़ेदार आदमी किन्तु वह ऐसा व्यक्ति नही जिसमें टाड-परिवार को अभिरुचि हो सके।'

११

मेरी को स्मरण हो आया कि एक बार वह तथा उसकी परम मित्र मार्गरेट विकलिफ चौदह वर्ष की थी और वे फ्लावर गार्डेन मे जा रही थी जहा बडे-बडे गढो मे मास भूना जा रहा था और बर्तनो मे से शराब निकाली जा रही थी। वहा उन दोनो सहेलियो का झगडा हो गया था। क्योकि जब राष्ट्रपति जैक्सन घोडे पर सवार बाग मे पहुचा तो मेरी ने काफी देर उसे ध्यानपूर्वक देखा और बोली, 'मैं जनरल जैक्सन का अभिवादन तो नही करना चाहती किन्तु वह इतना भद्दा आदमी नही जितना मैंने सुन रखा है।'

विकलिफ-परिवार जोशीला डेमोक्रेट था अत. मार्गरेट को तुरन्त क्रोध आ गया और वह बोली, 'यदि जनरल जैक्सन कुरूप है तो हेनरी क्ले के बारे मे तुम्हारा क्या विचार है ?'

'हेनरी क्ले तो' ····एक मेरे पिता जी को छोडकर शेष नगर मे सबसे सुन्दर व्यक्ति है।'

'एण्ड्रयू जैक्सन अपने लम्बे चेहरे के साथ हेनरी क्ले और तुम्हारे पिता दोनो से सुन्दर है।' मार्गरेट ने कहा।

आखिर उन्होने इस समझौते पर झगडा समाप्त किया कि वे कभी राजनीति के विषय मे वाद-विवाद नही किया करेगी। अब उसके मन मे यह इच्छा पैदा हो रही थी कि यदि मार्गरेट उसके समीप होती तो वे दोनो यह स्वीकार करती कि ससार मे सबसे लम्बा चेहरा लिंकन का है तथा श्री जैक्सन तथा श्री क्ले लिंकन से पीछे रह जाते।

बैठक के बाद मेरी अपने चचेरे भाई जे० हार्डिन के साथ नवम्बर मास की छिटकी हुई चादनी की रात मे स्टुअर्ट के घर चली गई। मेरी हार्डिन को जान जे० कहकर पुकारा करती थी। वह भी वकील था और व्हिग पार्टी का सभासद् था। कभी-कभी मेरी को ऐसा लगता था कि इलीनाइस की विधान-सभा केवल उसके रिश्तेदारो की ही है। इससे उसके मन मे एक घनिष्ठता का भाव पैदा हो जाता था।

जान स्टुअर्ट का घर जो कि प्राचीन जंगल मे था, एक सुन्दर भवन था।

हर कमरे मे सितारो जैसी छोटी बत्तिया और मोमबत्तिया झिलमिला रही थी। सहभोज मे न केवल परिवार के लोगो और निकटतम सम्बन्धियो का जमघट था वरन् परिवार के वे मित्रादि भी थे जो केन्टुकी से प्रव्रजन करके इलीनाइस आए थे। रात के दस बज गए थे। मेरी कुछ निराशा का-सा अनुभव करने लग पडी थी और उसने लोगो से घुल-मिलकर बाते करनी बन्द कर दी थी। उसके चचेरे भाई जान के वकालत मे साझीदार को या तो आमन्त्रित नही किया गया था या उसने आने की परवाह नही की।

उसके चचेरे भाई जान स्टुअर्ट के कन्धे चौडे, शरीर भारी तथा मुख आकर्षक था। उसने डैनविले, केन्टुकी के सेन्टर कालेज से स्नातक की उपाधि प्राप्ति की थी, फिर उसने दो वर्ष तक कानून का अध्ययन किया था और १८२८ मे स्प्रिङ्ग-फील्ड मे अपना कार्यालय बना लिया था जहा उन दिनो गिनती के कुछ गवार-से लोग बसे हुए थे। इस बीच की दशाब्दि मे उसने नगर के प्रमुख वकीलो में स्थान प्राप्त कर लिया था और विधानमडल मे व्हिग पार्टी का नेता बन गया था। आज वह बहुत प्रसन्न दिखाई देता था। क्योकि अगले दिन उसे कांग्रेस की बैठक मे सम्मिलित होने के लिए वाशिंगटन जाना था और इस प्रकार अपने जीवन की महत्वाकाक्षा को पूर्ण करना था। जब मेरी क्षण भर उसके समीप अकेली खडी रही तो उसने पूछा 'भाई, जब आप वाशिंगटन चले जाएगे तो यहा आपकी वकालत का क्या बनेगा ?'

'इसे लिंकन सभाल लेगा। वह मेरी आसामियो और मामलो को जानता है। देखने मे भले ही वह वकील दिखाई नही देता किन्तु तुम नही जानती हो कि वह जज और ज्यूरी के सामने कितना सफल अधिवक्ता है।'

मेरी ने उत्तर दिया, 'नही, मैं तो नही जानती। मैंने न्यायालय मे उसे कभी नही देखा। सच तो यह है कि मैं उससे कभी मिली ही नही।'

'क्या तुम लिंकन से कभी नही मिली ? आश्चर्य की बात है........ नही। इससे कोई आश्चर्य नही वह हर ऐसे स्थान पर जा पहुचता है जहां केवल पुरुष हों किन्तु जहा कही स्त्रियो को आना हो वह उस जगह जाता ही नही। मैंने आज रात उसे आने के लिए कहा था किन्तु सम्भवत: वह इस समय जोश स्पीड की दुकान पर अपने कुछ मित्रो के साथ अगीठी के गिर्द बैठा होगा और राजनीति के विषय मे वाद-विवाद कर रहा होगा।

'भैया, मुझे इस बात पर आश्चर्य होता है कि तुमने उसे अपना साझीदार कैसे बना लिया।'

स्टुअर्ट ने उसका हाथ पकडा और बाहर बरामदे मे एक ओर ले गया। वहा अधेरा और ठड थी किन्तु कमरो मे जो शोर हो रहा था वह वहा सुनाई नही देता था। उस वातावरण मे जान स्टुअर्ट की आवाज ऐसे सुनाई दी जैसे उसके मन की गहराई मे से आ रही हो।

'१८३२ मे जब हम इकट्ठे ब्लैक हाक युद्ध मे गए थे तो वही पहले पहल मैं उससे मिला था। वह बडा गवारू, और शर्मीला लडका था किन्तु जब मैंने उससे कुछ बाते सुनी तो मुझे पता लगा कि वह बडे सुलझे हुए मस्तिष्क का स्वामी है। उसके न्यू सलेम के मित्रो ने उसे अपनी कम्पनी का कैप्टन चुन लिया था। ऐसा प्रतीत होता है कि उसने 'क्लेरी ग्रोव' के क्षेत्र के गुण्डो के सरदार को खूब पीटा था और इसी कारण उन्होने इसे अपना नेता चुन लिया था। किसी इण्डियन से लडाई की बात तो अलग रही, हमे वहा कोई इण्डियन दिखाई ही नही दिया, किन्तु कुछ समय हमे अवश्य सैनिको की तरह जीवन व्यतीत करना पडा। मुझे अच्छी तरह याद है कि एक दिन लिकन अपनी कम्पनी का नेतृत्व करता हुआ एक नदी के समीप पहुचा। वहा उसे कुछ न सूझा कि उसे कैसे पार करे। उसने नाक मे ही बोलते हुए ऊचे स्वर मे कहा, रुक आओ! कम्पनी यहा टुकडियो मे बट जाएगी और उस दरवाजे के पार जाकर पुनः पक्तियो मे खडे हो जाना।'

मेरी से रहा न गया। वह बोली, 'यह तो कानूनी कार्यवाही हुई।'

'नही! नही!! वह उस समय वकील कहा था! वह तो उस पेशे से कोसों दूर था। न्यू सलेम की एक दुकान मे क्लर्की का काम करता था किन्तु उसे पुस्तको के अध्ययन का अत्यधिक शौक था। उसने मुझे बताया था कि भर्ती होने से कुछ ही मास पूर्व उसे पता लगा था कि एक पडौसी किसान के पास कीरखम का व्याकरण है। उसने उस किसान से पुस्तक उधार देने के लिए अनुरोध किया और कई मास तक उस पुस्तक को पढा। तब उसने निश्चय किया कि यदि व्याकरण को ठीक अर्थो मे विज्ञान समझा जाता है तो वह अवश्य दूसरी पुस्तक भी पढेगा। मैंने उससे पूछा कि क्या उसका विचार कानून पढने का है? वह इस विचार पर स्तम्भित-सा रह गया और बोला, कि इसके लिए उसने

पर्याप्त शिक्षा प्राप्त नही की ।

'पन्द्रह वर्ष तक तो उसने पेन्सिल तथा कागज को हाथ से छुआ तक न था, फिर मैंने उससे कहा कि यदि वह अपना निश्चय बदल दे और मुझसे स्प्रिंग-फील्ड मे आकर मिले तो उसे पता लगेगा कि कानून की पुस्तके कीरखम के व्याकरण से अधिक कठिन नही। इसके बाद वसन्त ऋतु मे उसने स्प्रिंगफील्ड तक बीस मील पैदल चलकर मुझसे कानून की पुस्तके उधार लेनी आरम्भ कर दी। ब्लैक हाक के युद्ध के वेतन से उसने न्यू सलेम मे एक दुकान खरीद ली किन्तु उसका यह कारोबार न चला और उसे अध्ययन के लिए जितने समय की आवश्यकता थी वह मिल गया। मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि मुझसे जो पुस्तक वह लेकर गया था, घर पहुचने तक उसने उस पुस्तक के तीस-चालीस पृष्ठ याद कर लिए थे।'

'क्या तुमने अपनी स्वाभाविक सहानुभूति के कारण, जो तुम प्रत्येक व्यक्ति के प्रति दिखाते हो, उसकी सहायता की थी ?'

स्टुअर्ट इस प्रशसा पर शरमा-सा गया और सिर हिलाते हुए बोला, 'वह एक विचित्र प्रकार का व्यक्ति है, मन और मस्तिष्क पर छा-सा जाता है। जब ऐसा दिखाई देता कि वह बुरी तरह से निराशाओ मे घिरा हुआ है और अभी जगल मे जाकर आत्महत्या कर बैठेगा तभी उसके चेहरे पर अकस्मात् प्रकाश की रेखा दिखाई देती है और वह ऐसे जोशो-खरोश के साथ कोई कहानी सुनाने लगता है कि सुनने वाला व्यक्ति हसते-हसते लोट-पोट हो जाता है।'

स्टुअर्ट कुछ क्षण मौन रहा और भूतकाल की स्मृतियो मे से कुछ दृश्यो को याद करने लगा। मेरी ने अपनी बाहो को गर्म करने के लिए उन्हे अपनी बगलो में दबा लिया।

'उसे कई बार दुर्भाग्य का मुह देखना पडा। जरा अनुमान लगाओ कि यदि वह डाकघर की छोटी-सी नौकरी न करता तो भूखो मर जाता। इसी कारण उसने सर्वेक्षण के गणित का अध्ययन किया और सहायक सर्वेक्षक बन गया किन्तु उसके अडोस-पडोस के लोग उसे बहुत पसद करते थे और उन्होने उसे १८३४ मे विधानसभा के लिए चुन लिया। मैंने उसे सुझाव दिया कि वह वैन्डेलिया मे मेरे ही कमरे मे रह लिया करे। जब एक ही बिस्तर मे दो व्यक्ति सोयें तो वह एक दूसरे को और भी अधिक जान लेते है। मैंने अपने मित्रो से

उसका परिचय कराया और उसे समितियो मे नियुक्त करवा दिया और राज-नीति के बारे मे मै जो कुछ जानता था मैने उसे सिखाया। मेरे जीवन मे ऐसा कभी कोई व्यक्ति नही आया जिसने इतनी जल्दी सब कुछ सीख लिया हो। जब उसने मेरे कार्यालय की कानून की सब पुस्तके और स्प्रिगफील्ड मे जहां कही से और भी पुस्तके मिल सकती थी वे सब पढ ली तो उसे वकालत करने की अनुज्ञप्ति मिल गई। उन्ही दिनो मेरा पहला साझीदार कही चला गया तो मैंने उससे पूछा कि क्या वह मेरे साथ काम करने के लिए तैयार है।'

जब तक स्टुअर्ट बात करता रहा मेरी उसके चेहरे के भावो को ध्यानपूर्वक देखती रही और फिर बोली, 'तुमने मुझे श्री लिकन के बारे मे बहुत कुछ बता दिया है किन्तु यह नही बताया कि तुम्हे उससे इतना प्यार क्यो है ?'

स्टुअर्ट इस प्रश्न पर चौका और कुछ क्षण उसके चेहरे के भाव जानने का प्रयत्न करता रहा।

'तुम ऐसे व्यक्ति की प्रशसा क्यो नही करोगी जो पाताल से इतना ऊपर उठ आया है ; जिसके पास कुछ भी नही और जिसका कोई सगी-साथी नही और इतना कुरूप है कि किसी स्त्री का प्यार कभी प्राप्त नही कर सकता। मै समझता हू कि उसकी उदासी का यही कारण है। इसी एकाकीपन के कारण उसके स्वभाव मे परिहास है ताकि लोग हसी के समय उसके कुछ अधिक निकट आ जाए।'

मेरी ने सोचा कि वह इस बात को समझ सकती है। जब वह लेक्सिगटन मे थी और उसके पास परिवार के सभी लोग और मित्र आदि थे तब वह कभी-कभी अनुभव किया करती थी कि मानो उसे सारा जीवन एकाकी ही गुज़ारना होगा।

उस रात जब सोने के लिए उसने चादर को कन्धो तक तान लिया और आखे बन्द कर ली तो उसे दूर आकाश से कभी न समाप्त होने वाली दो टागे उतरती हुई दिखाई दी और उसे स्वप्निल अवस्था मे निनियन के ये शब्द सुनाई दिए कि यह व्यक्ति सामाजिक सम्बन्धो के लिए उपयुक्त नही समझा जाता।

१२

अगले प्रातः वह पैदल ग्लोब होटल पहुची और सुन्दर सजे हुए कमरो मे से गुज़रती हुई सीढिया चढकर अपनी बहिन फ्रासेस के कमरे मे गई। फ्रासेस ने बहुत महीन कपडे पहने हुए थे और उसकी आखो मे एक चमक थी जिसे देखकर मेरी को ऐसा लगा कि उसे अपनी बहिन इतनी आकर्षक पहले कभी दिखाई न दी थी। कमरा साधारण आकार का था किन्तु उसमे एक अच्छा बडा पलग था। एक बडी फ्रासीसी अलमारी थी, एक छोटा सोफा और एक अगीठी थी। यह अन्तिम कमरा था और इसकी खिडकिया पूर्व और उत्तर की ओर थी ; जिनमे से सारा चौक दिखाई देता था।

'मेरी, हम यह कमरा तुम्हारे लिए रख छोडेगे। यह सुन्दर स्थान है ···दुकान सजाने के लिए।'

मेरी ने अपनी बहिन की ओर देखा, वह गर्भवती थी। उसे स्मरण हो आया कि जान स्टुअर्ट तथा उसकी पत्नी भी विवाह के पश्चात् इसी कमरे मे ठहरे थे।

'हा!' वह धीमे स्वर मे बोली, 'मेरा नाम भी सम्मिलित कर लो क्योकि यह परिवार की रीति है किन्तु यह अच्छा होगा कि उस शुभ तिथि का निश्चय मुझीपर छोड दो।'

फ्रासेस ने अपना हाथ मेरी की कमर मे डाल दिया और मेरी को स्मरण हो आया कि उसकी बडी बहिन ने आज प्रथम बार ही आलिगन मे लिया था।

वे होटल से एस० एम० टिन्सले की दुकान पर चले गए जहा मेरी ने आने वाली सर्दियो मे सैर के लिए वस्त्र खरीदे और फ्रासेस ने सुन्दर दस्ताने मोल लिए। वहा से ये लोग मलबे के ढेर से भरे हुए चौक मे चले गए जहा मजदूर और कारीगर राज्य-भवन के लिए पत्थरो को काट रहे थे। एक दूर के कोनो मे उन्होने देखा कि लोग कोई राजनीतिक वाद-विवाद सुन रहे थे। मच पर खडा कर्नल डिक टेलर बडी प्रगल्भ भाषा मे व्हिगो की निन्दा कर रहा था—और कह रहा था कि ये लोग कुलीन और प्रतिक्रियावादी हैं। इनकी अभिरुचि केवल मात्र धन एकत्र करना और अपने विशेषाधिकारो की रक्षा करना है जब कि हम और हमारे डेमोक्रेट साथी दरिद्र है, सीधे-सादे है, और हम केवल लोगो का कल्याण

करने मे ही दिलचस्पी रखते हैं।

जब टेलर अपने भाषण का अन्तिम वाक्य कह रहा था तो एक व्यक्ति धीरे से उसके पीछे मच पर आ खडा हुआ। उधर कर्नल टेलर ने भाषण समाप्त किया ही था कि उस व्यक्ति ने उसके वेस्ट कोट का सिरा पकडा और उसे झटके से खोल दिया। उसके नीचे पहनी हुई कीमती रेशमी कमीज़ और घडी की सोने की ज़जीर जिसपर मोहरे लगी हुई थी और हीरे जडे हुए थे, वहा खडे जनसमूह को दिखाई देने लगे।

भीड के साथ-साथ मेरी भी खिलखिलाकर हस पडी। उसने तुरन्त उस आदमी को पहचान लिया। यह वही था जो राजनीतिक सभा मे छोटे दरवाज़े से आया था। उस व्यक्ति ने फिर अपनी लम्बी-लम्बी बाहे ऊपर उठाईं और लोगो से चुप होने के लिए कहा।

वह बोला, 'मित्रो! मैं अकिंचन अब्राहम लिंकन हू। जिन दिनो कर्नल टेलर रेशमी कमीज़, सोने की घडी और बछडे के चमडे के दस्ताने पहने सुन्दर बग्घी पर सवार होकर सोने की मूठ वाली छडी लिए गाव-गाव घूमकर व्हिग लोगो के प्रति आरोप लगाया करते थे उस समय मैं एक दरिद्र लडका था और एक नौका पर आठ डालर प्रतिमास की नौकरी करता था। मेरे पास केवल एक पाजामा था और वह भी खाल का। आप यह तो जानते ही है कि जब हिरन की खाल को धोने के बाद धूप मे सुखाया जाता है तो वह सिकुड जाती है। मेरा पाजामा भी सिकुडता चला गया और आखिर वह इतना छोटा हो गया कि मेरी जुराबो और पाजामे के बीच मेरी टागे कई इच तक नगी दिखाई देने लगी। मैं लम्बा होता गया और मेरा पाजामा छोटा होता गया और इसके साथ ही वह इतना तग हो गया कि मेरी पिडलियो के गिर्द एक नीला निशान पड गया जो आज भी देखा जा सकता है। यदि आप इसे अमीरी कहे तो मैं इस आरोप को स्वीकार करता हू।'

लोगो ने जोर से तालिया बजाईं और फिर वे सब अपने-अपने काम पर चले गए। वह व्यक्ति वही मच पर खडा उन्हे जाते हुए देखता रहा। मेरी दूर कोने मे एक प्रस्तर मूर्ति के समान खडी रही। पहले तो उसके और उस व्यक्ति के बीच एक बहुत बडी भीड थी किन्तु अब वे दोनो ही वहा खडे थे और उनके बीच मे कोई नही था। दोनो मे से कोई भी एक दूसरे की ओर नही देख रहा था

किन्तु दोनो को एक दूसरे की उपस्थिति का ज्ञान था ।

मेरी ने फ्रासेस की ओर मुडकर कहा, 'मै कभी लिकन से मिलना चाहती हू ।'

निनियन एडवर्ड का घर अरिस्टोक्रैसी हिल पर स्थित था । जहा आसपास और कोई शानदार भवन नही था । हर शाम को मर्सी लेवरिंग, जूलिया जेने, और उसकी चचेरी बहने लीज़ी और फ्रासेस टाड जो डाक्टर जान टाड की लडकिया थी मेरी से मिलने के लिए आ जाया करती थी । डाक्टर जान टाड १८२७ मे एक डाक्टर के रूप मे स्प्रिगफील्ड मे आकर बसे थे । मर्सी शादी के बारे मे बहुत सतर्क थी और सोच-समझकर कदम उठाना चाहती थी । उसकी आकृति मृदुल और रक्तिम थी तथा स्वभाव बडा सहानुभूतिपूर्ण था । इसलिए मेरी उसे बहुत पसन्द करती थी । मर्सी के स्वभाव मे जितनी ही अधिक मधुरता थी उतनी ही अधिक वह नगर के नवयुवको का विश्लेषण करने मे कुशल थी । केवल राजनीति के मामले मे दोनो लडकिया, एक दूसरे से भिन्न थी । मर्सी कहती, जेम्स कौर्कलिग मुझे राजनीतिक वाद-विवादो मे घसीटकर ले तो जाता है किन्तु मैं उन लम्बे वाद-विवादो से उकता जाती हू । मेरी, मैं समझती हू कि ये ऐसे विषय है जिन्हे स्त्रिया नही समझ सकती है ।'

'ओह मर्सी, नही, स्प्रिगफील्ड मे मै ऐसे वाद-विवादो मे भाग लेना नही चाहती । मैं तो समझती थी कि मैं यह सब ब्ल्यू ग्रास मे छोड आई हू ।'

'मै यह नही कहती कि हमे राजनीति का बिल्कुल पता ही नही होना चाहिए किन्तु जो विषय केवल पुरुषो के लिए ही है उनमे अपना मन लगाने से हम उलझन मे पड जाएगी और हमारी उपयोगिता कम हो जाएगी ।'

मेरी ने तुरन्त पूछा, 'किस बात मे ?'

'जैसे, स्वादिष्ट खाने पकाने मे और वस्त्रो के नये-नये फैशन बदलने मे । एक बार हम स्वतन्त्र हो गईं तो हम सुन्दर और आकर्षक नही रहेगी ।'

'सक्षेप मे स्त्री-सुलभ नही रहेगी ?'

'ओह ! प्यारी मेरी, तुम्हे मेरी बात से दुःख हुआ है किन्तु मेरा यह अभिप्राय कभी न था ।'

जब तक उन्होने पहाडी के नीचे आधा मार्ग तय किया मेरी मौन रही ।

'मर्सी, मुझे दुःख नही हुआ था किन्तु मैं डर गई थी । स्प्रिगफील्ड की अनेक

बाले मुझे पसद नही है । न्यायालय के चौक मे कबूतरखाने की दुर्गन्ध है। नालियों मे गदगी पडी रहती है । लोग किस प्रकार खाई मे गन्द फेक देते है ! गली मे मरे हुए सूग्रर पडे सडा करते है । लेक्सिगटन मे तो हम यह स्थिति एक क्षण के लिए भी सहन नही कर सकते । किन्तु फिर भी मै समझती हू कि स्प्रिगफील्ड ससार का एक अत्यन्त आश्चर्यजनक नगर है क्योकि यह राजनीति का केन्द्र है। मुझे उस थेरेसा नाटक की अपेक्षा जो हमने अमेरिकन हाउस के कमरे मे देखा था, जोशभरी राजनीतिक वाद-विवाद की सभाए अधिक अच्छी लगती है ! मुझे तो उस गडबड मे भी आनन्द का अनुभव हुआ था, जिसे श्री लिकन ने ऊपर के कमरे से आकर शान्त किया था ।

एक प्रात: ऐसी वर्षा आरम्भ हुई कि दो सप्ताह तक मूसलाधार वर्षा होती रही, मेरी घर मे बन्द होकर रह गई क्योकि गलिया कच्ची थी और उनमे काला बदबूदार कीचड था जिसमे कोई बग्घी नही चल सकती थी और पहाडी तथा चौक के बीच कोई पगडडी भी नही थी । घर पर पढने के लिए काफी अच्छी पुस्तके थी क्योकि निनियन ने 'विरचाल' की दुकान से मेरिया एजवर्थ के उपन्यास खरीद रखे थे और कापर तथा इर्विग की रचनाए इकट्ठी कर रखी थी । इसके अतिरिक्त मेरी ने अपनी नन्ही भाजी जूलिया एडवर्ड के वस्त्र सी डाले ।

आखिरकार जब वह घर मे ही बन्द रहने के कारण तग आ गई तो उसने मर्सी को पत्र लिखा

'प्यारी मर्सी,

मेरे पास लकडी के पतले-पतले बहुत-से तख्ते है और उन्हे एक-एक करके अपने सामने रखा जाए तो मैं समझती हू कि हम कीचड मे गिरने से बचकर नगर की सैर कर सकती है । क्या तुम इस प्रकार जाने के लिए तैयार हो ?'

मर्सी तुरन्त नीले रग की फ्लानेल के वस्त्र पहने हुए और सिर पर मलमल की झालर वाला हैट लगाए तथा पाव मे ऊंचे बूट पहने मेरी के पास पहुच गई। मेरी भी सैर के लिए तैयार हो गई । उसने हरे रंग की पोशाक के ऊपर पूरी बाहो वाला रेशमी जम्पर पहन लिया । गले मे सफेद रिबन बाध लिया और हैट मे सफेद पख लगा लिए । पहाडी के नीचे जाना कोई अधिक कठिन नही

था, क्योकि वर्षा का पानी एक धारा मे बह रहा था किन्तु जब वे समतल भूमि पर पहुची तो वहा उन्हे कीचड का समुद्र दिखाई दिया और बेचारी मेरी के पास जो लकडी के तख्तो का बडल था उससे वे वाटसन की मिठाई की दुकान का केवल आधा मार्ग तय कर सकी। जब वे आइसक्रीम और ताजा केक खाने के लिए श्री वाटसन की दुकान मे प्रविष्ट हुई उस समय वे दोनो घुटनो तक कीचड मे लथपथ थी। जब घर वापस आने के लिए वे चौक मे पहुची तो उनके तख्ते समाप्त हो चुके थे और घर तक का लम्बा मार्ग तय करना था। उसी समय एक दो पहियो वाली गाडी कीचड मे चली आ रही थी जिसका घोडा कीचड से लथपथ था। मेरी ने पहले भी इस गाडी को देखा था। इसमे शहर भर की सभी प्रकार की वस्तुए—टोकरिया, घास, सूअर आदि लाए जाते थे।

वह अकस्मात् बोली, 'मर्सी, वह एलिस हार्ट अपना ठेला लिए हुए आ रहा है और ईश्वर ने उसे हमारे ही लिए भेजा है।'

'मेरी, सम्भवत हम पुराने ठेले मे सवार नही हो सकती क्योकि यह समाचार नगर भर मे फैल जाएगा।'

'तो अच्छा है, उन्हे गलियो मे दोनो ओर पटरिया बनाने का ध्यान तो आएगा। सुनिए, श्री हार्ट, क्या आप किराया लेकर हमे अपने ठेले मे घर तक पहुचा देगे?'

हार्ट ने घोडो को थपकी देकर रोक लिया। फिर अपनी घनी लाल दाढी को खुजलाते हुए बोला, 'तुम्हे घर पहुचा दू? क्या तुम ठेले मे अच्छी लगोगी? क्यो नही कुमारी टाड, यदि तुम्हे बुरा न लगे तो मैं और मेरा घोड़ा निश्चय ही इसके लिए तैयार है।'

मेरी छलाग लगाकर ठेले मे बैठ गई किन्तु मर्सी वही खडी रही और बोली, 'मेरी, मै इसमे सवार नही होऊगी, तुम चली जाओ। मेरे भाई इसे अनुचित समझेगे।'

जब हार्ट का ठेला नये बन रहे स्टेट हाउस के गिर्द होकर जा रहा था तो मेरी के हैट के सफेद पख लहरा रहे थे। उसके बाद ठेला दक्षिण मे उसके घर की ओर चल पडा किन्तु इस बीच मेरी ने देखा कि ग्राहक दुकानो से बाहर आ गए। क्लर्क खिडकियो से झाकने लगे और दूसरी मजिल की खिडकियो से लोग फटी-फटी आखों से देख रहे थे। मेरी को समझ मे न आया कि यदि एक

लड़की एक ऐसी गाड़ी का प्रयोग करके घर जा रही थी जो कि उस दिन उसे उपलब्ध हो सकी तो इसमें आश्चर्य की क्या बात थी ?

चाय के समय उसके सब नवयुवक मित्र घर पर आ गए और उसकी इस यात्रा के बारे में तंग करने लगे। सबसे पहले स्टीफेन डलगस आया और अपने हाथ नेपोलियन के समान कोट की जेब में डालकर कमरे के मध्य मे खड़ा हो गया और इस प्रकार गाने लगा :

गया सैर करने मैं इस सोमवार
हर ओर कीचड़ ही कीचड़ का था अम्बार
वहां मैंने देखी एक सुन्दर-सी बाला
जो बैठी थी टूटे-से ठेले के ऊपर
कहा मैंने उससे, 'अरी सुन्दरी,
कहां ऐसे मौसम में तुम चल पड़ीं'
कहा उसने हंसके, 'गई थी कही
वही मुझको टूटी-सी गाड़ी मिली'

ज्यों ही डगलस ने गाना बन्द किया जेम्स शील्ड्स छलांग लगाकर इस प्रकार कमरे मे प्रविष्ट हुआ जैसे वह मंच पर अभिनय कर रहा हो और गाने लगा :

खुल गई खिड़किया, उठ गई दृष्टियां
उस सुन्दरी को देखने
उसकी शोभा निहारने
उठ गईं दृष्टियां ···
आखिर उसका घर आ गया
हार्ट ने इस तरह ठेला जो रोका
कि गिरकर वह कीचड़ से लथपथ हो गई

मेरी हंसते-हंसते लोट-पोट हो गई और बोली, 'नहीं, मैं गिरी तो नही थी ! मैं तो पशु की तरह चारो पांवो पर चलकर घर पहुंच गई थी। यह काव्य किसने लिख डाला ? अभी किसीने जवाब नही दिया था कि डाक्टर एलियास मेरीमैन इस प्रकार गाता हुआ कमरे मे प्रविष्ट हुआ :

शिक्षा यह ले इससे कोई
कि फंस जाए कीचड़ में जब कहीं

यह सारी कविता मेरी ही है। इन दो सफल अभिनेताओं ने तो अपने पार्ट याद कर लिए थे। तो आगे कहा है·

तो ठेला किराये पै लेकर वही
घर आए, आई थी जैसे इक सुन्दरी।

कमरे मे सब लोग खिलखिलाकर हस पडे और तालिया बजाने लगी। तभी निनियन एडवर्ड अन्दर आया। मेरी सोचने लगी, क्या सचमुच मैंने अपने बहनोई के सम्मान को धक्का पहुचाया है। किन्तु निनियन सकुचित हृदय का व्यक्ति नही था और उसने मेरी का चुम्बन लिया और बोला, 'वाह! कुमारी टाड, तुम तो नगर की शोभा हो। तुमने बडी सफलता से एक ऐसी बात प्रकट कर दी है जिसकी ओर हमारा• कभी ध्यान ही नही गया था। अब हम अपने नगर के न्यायधारियो को यह प्रार्थनापत्र दे रहे है कि वे मनरो स्ट्रीट से लेकर चौक तक सडक के दोनो ओर पटरिया बनवा दें। सच तो यह है कि नगरपालिका का एक सदस्य इस समय यहा मेरे पास है और वह अभी बरामदे मे अपने बूटो से कीचड झाड रहा है। जोश स्पीड ने उसे अन्दर लाने के लिए अनुमति मागी है।

उसी समय जोश स्पीड उस व्यक्ति को साथ लिए कमरे मे प्रविष्ट हुआ। वह व्यक्ति उसके चचेरे भाई स्टुअर्ट का वकालत मे साझीदार था। मेरी ने उसके परिचय के शब्द भी न सुने और उसका कोई उत्तर भी न दिया। उसे तो केवल इतना पता लगा कि उसके हाथ उस व्यक्ति के हाथो मे थे। उसके हाथ बहुत जोर से दबाए नही गए थे किन्तु इसपर भी मेरी को ऐसा अनुभव हुआ मानो उसे किसीने जकड लिया है और इससे पहले कभी किसीने इस जोर से नही पकडा। उसने ऊपर देखा और पहली बार उसकी आखे अब्राहम लिंकन की आखो से मिली। मिली और लिंकन की आखो की अथाह गहराइयो मे वे डूब गईं।

१३

अन्य लोगो के चले जाने के बाद वह वही ठहरा रहा। मेरी को ऐसा लगा कि वह इस कारण नही रुका कि वह जाने की अनुमति लेना नही जानता किंतु इस कारण कि रुकना ही चाहता है। एलेज़बेथ और निनियन को रात का भोजन किसी और स्थान पर करना था अत वे चले गए। मेरी को भी लेवरिङ्ग-परिवार ने आमन्त्रित किया था किन्तु उसने पत्र द्वारा न आ सकने पर खेद प्रकट कर दिया था। लिंकन बिल्कुल मौन था और मेरी को ऐसा लगा कि वह मौन को भग करने के लिए अधिक बोल रही है। उसने लिंकन से कई बार चाय पीने का आग्रह किया किन्तु उसने चाय नही पी और सात बजे मेरी को यह निश्चय हो गया कि उसे अब अवश्य भूख लग गई होगी।

वह बोली, 'सब नौकर अपने-अपने घर चले गए है किन्तु मुझे पता है कि कुछ भुना हुआ बटेर, ताज़ी पकी हुई डबल रोटी, बेरी और क्रीम रखी हुई है। जब तक मैं इसे तैयार करू तब तक क्या आप मेरे साथ रसोई मे चलकर बातचीत नही करेगे फिर हम यही आग के आगे एक छोटी मेज़ बिछा लेगे।'

वह एकदम कुर्सी से उठा और कुछ घबराया हुआ-सा बाहर के दरवाजे को एक हाथ से टटोलते हुए उस ओर बढा और कहने लगा, '·· नही·· ··· मेरा यह अभिप्राय नही था···· मुझे भूख बिल्कुल नही है।'

मेरी कोई उत्तर दिए बिना खाने के कमरे मे से उसे पिछवाडे की रसोई मे ले गई जो एक बरामदे द्वारा मकान से मिली हुई थी। एक साधारण-सी मेज़ पर एक ही मोमबत्ती जल रही थी। मेरी ने मोमबत्ती लिंकन के हाथ मे दी और उसने अगीठी पर रखे बडे लैम्प को जला दिया। कमरा खूब साफ-सुथरा था और उससे अच्छे-अच्छे पकवान बनाए जाने और खाए जाने का भान होता था। मेरी ने दो बटेर निकाले और उन्हे गर्म करने के लिए अंगीठी पर रख दिया। फिर उसने डबल रोटी काटी। वह धीरे-धीरे चलते हुए अपने काम मे बहुत तीव्रता से सलग्न थी और लिंकन उसे बहुत ध्यान से देख रहा था और सोच रहा था कि वह मेरी की कुछ सहायता किस प्रकार करे।

मेरी ने कहा, 'जब मै दो वर्ष पहले यहा आई थी उस समय आपसे भेट नही हो सकी।'

वह बोला, "बात यह थी कि मैं दरिद्र था अत समाज मे मेरा मेल-जोल कम था अन्यथा यह बात कदापि नही थी कि यहा पर कोई मेरा मित्र नही था। यो तो मैं स्प्रिङ्गफील्ड मे रहकर उकता गया था और मुझे सदा की तरह यहा का जीवन भी एकाकी दिखाई देता था। उन दिनो मेरा परिचय केवल एक स्त्री से था और यदि उसके वश की बात होती तो मेरा उससे कभी परिचय न होता।'

'श्री लिंकन मुझे तो पूरा विश्वास है कि यह बात सच नही। मेरे चचेरे भाई जान स्टुअर्ट के साझेदार होने के नाते कम से कम टाड-परिवार मे आपका कही भी स्वागत हो सकता था।'

लिकन ने आभार भरी दृष्टि से उसकी ओर देखा किन्तु उस दृष्टि मे कुछ आशका थी।

'यह कैसे कुमारी टाड, उन दिनो तो मैं गिरजाघर मे भी नही जाया करता था क्योकि मुझे यह ध्यान रहता था कि मुझे शिष्टाचार का ढंग नही आता।'

उसके स्वर मे न तो ग्लानि ही थी और न ही सहानुभूति की आकाक्षा। वह तो केवल एक तथ्य मात्र का वर्णन प्रतीत होता था किन्तु मेरी को ऐसा लगा जैसे उसे उसपर क्रोध आ रहा है। उसने अगीठी की ओर पीठ कर उसे कुर्सी के ऊपर बैठ जाने के लिए कहा, और फिर शिकायत भरी दृष्टि से उसे देखने लगी।

'श्री लिंकन, यह तो आप विरोधी बात कह रहे है। भला गिरजाघर मे शिष्टाचार-विरुद्ध बात की क्या सम्भावना हो सकती है ? वहा तो केवल इतना ही करना होता है कि आप वहा पक्ति मे बैठ जाइए, सबके साथ गाइए, उपदेश सुनिए और प्रार्थना करते समय सिर झुका दीजिए। यह तो साधारण-सी बात है ··· ··इतनी ही साधारण जितनी की आप दो वर्ष पहले भी स्टीव डगलस अथवा मेरे चचेरे भाइयो के साथ इस सामने के दरवाजे से इस घर मे प्रवेश कर सकते थे और हमारे साथ उत्सव मे आनन्द मना सकते थे। फिर हम आज की रात अपरिचितो की तरह एक दूसरे के सामने बैठने की बजाय उस दिन से ही मित्र बन चुके होते।

लिंकन के चेहरे पर एक हल्की-सी मुस्कराहट फैल गई जो सम्भवतः उसकी मन की गहराइयो मे से उभरकर पहले उसकी आखो मे समा गई थी और वहां के अन्धकार को प्रकाशित करने पश्चात् होठो पर बिखर गई थी। उसे इस बात पर आश्चर्य हुआ कि क्यो हर कोई उसे कुरूप कहता है। वस्तुतः वह कुरूप नही था। कम से कम जब मुस्कराता था तो वह सुन्दर लगता था।

'पिछली बार जब गाव गया तो वहा के एक गिरजाघर मे भी गया। एक बूढे पादरी ने उपदेश देते हुए कहा, मै क्राइस्ट हू क्योकि आज मैं उसका प्रतिनिधित्व करूगा।—उसने मोटी मलमल की पोशाक पहन रखी थी। उसकी मोटी टागे पतलून मे फसी हुई थी और कमीज़ भी उसी मलमल की बनी हुई थी। 'ज्योही उसने उपदेश देना आरम्भ किया एक छिपकली उसकी पतलून पर चढ गई। उपदेशक ने कई बार अपनी टाग को झटके दिए किन्तु उसका कोई लाभ न हुआ और वह छिपकली ऊपर ही ऊपर चढती गई। उसने उपदेश जारी रखा और अपनी पतलून के ऊपर के बटन खोल दिए और उसे उतार दिया। उसे आशा हो गई कि छिपकली निकल गई होगी किन्तु इस बीच वह छिपकली उसकी कमीज़ मे घुस गई थी। उसे बहुत कष्ट हो रहा था किन्तु वह उपदेश बन्द नही करना चाहता था। उसने ऊपर के कालर का बटन खोला और कमीज़ को भी उतार फेका। उसी समय पीछे की पक्ति मे से एक बूढी स्त्री खडी हो गई और चिल्लाकर बोली, यदि तुम क्राइस्ट के प्रतिनिधि हो तो मैं बाइबल से बाज़ आई।'

जब लिंकन ने इस कहानी को सुनाना आरम्भ किया था तो उसके दोनों पाव ज़मीन पर थे किन्तु कहानी के मध्य मे उसकी दाहिनी टाग ऊपर की ओर उठनी आरम्भ हो गई और कहानी के चरम सीमा तक पहुचने पर उसने अपनी दाहिनी टाग को बाई टाग पर रख दिया और सिर को पीछे की ओर झुकाकर ज़ोर से हसना शुरू किया।

मेरी को अपने चचेरे भाई जान स्टुअर्ट की बात याद आ गई। उसने कहा था कि लिंकन अपने एकाकीपन मे लोगो का सामीप्य लाभ करने के लिए ऐसी कहानिया सुनाया करता है। मेरी ने सोचा यह हल्की-फुल्की बाते उसके अक्षय भडार का एक अशमात्र है, जिसके द्वारा वह मित्रो मे मिल बैठने का मूल्य चुकाता है।

मेरी ने लिकन के हाथो मे खाने की ट्रे पकडा दी, जिसमे प्लेटे और चादी के प्याले थे, ताकि वह उसे बैठक मे ले जाए। फिर वह स्वय उसके आगे-आगे चली गई ताकि अगीठी के पास रखी छोटी गोल मेज पर कपडा बिछा दे। जब वे बैठ गए तो मेरी बोली, 'स्प्रिङ्गफील्ड मे रहते हुए अब तो तुम्हे कई वर्ष हो गए हैं। क्या अब यह शहर तुम्हे अधिक अच्छा लगता है ?'

'एक बार एक व्यक्ति हमारे राज्य-सचिव के पास आया और उसने सचिवालय के कमरो मे से एक मे कुछ भाषणो का आयोजन करने के लिए सचिव से अनुमति मागी। सचिव ने पूछा, 'क्या मै पूछ सकता हू तुम्हारे भाषणो का विषय क्या होगा ?' उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, 'क्यो नही, उन भाषणो मे यह बताया जाएगा कि लार्ड क्राइस्ट पुन आएगे ?' सचिव ने उत्तर मे कहा, 'इसका तो कोई लाभ नहीं यदि प्रभु क्राइस्ट पहले स्प्रिङ्गफील्ड आ चुके है तो वे दूसरी बार नही आएगे।''

क्षण भर के लिए वह हतप्रभ-सी रह गई और सोचने लगी, क्या यह व्यक्ति कभी सीधा उत्तर नही देता ? क्या यह सदा कहानी मे ही उत्तर देता है ? और फिर दूसरे ही क्षण वह लिकन की खिलखिलाती हसी मे योग देने लगी।

'श्री लिकन, मुझे आप जैसे मौलिक विचारो का व्यक्ति पहले कभी नहीं मिला।'

लिकन ने खाना आरम्भ कर दिया था किन्तु यह बात सुनने पर उसने काटा और छुरी नीचे रख दिया और उसके चेहरे पर परिहाससूचक रेखाए उभर आईं।

'मुझे पहले भी यह बात कही गई है' .... किन्तु उसमे इतनी सहानुभूति न थी।'

मेरी का हाथ अनायास ही उसके हाथ मे चला गया और उसे ऐसा लगा कि लिकन की सख्त उगलियो ने उसे जकड लिया है।

'आप मुझे बहुत अच्छे लगते है, आज से हम एक दूसरे के मित्र हैं, है न ?'

उसने उत्तर दिया, 'बहुत खूब ! किन्तु अधिकतर नवयुवतियो ने मुझे पसद नहीं किया।'

'क्या तुमने उनमे से अधिकतर को चाहा है ?'

'संभवतः दो या तीन लडकियो के साथ मेरा लगाव हुआ था। उन दिनो

मैं एक प्रकार का सनकी-सा व्यक्ति था। एक बग्घी मे एक स्त्री, दो लडकिया और एक पुरुष हमारे घर के सामने उतरी। पुरुष बेहोश हो गया। उसके स्वस्थ होने तक उन्होने हमारी रसोई मे खाना तैयार किया था। उस स्त्री के पास पुस्तके थी और वह हमे कहानिया पढकर सुनाया करती थी। मैंने अपने जीवन मे पहली बार ही ऐसी कहानिया सुनी थी। उनमे से मै एक लडकी के प्रति आकृष्ट हो गया। उनके चले जाने पर एक दिन जब मैं घर के पास धूप मे बैठा था तो मैंने मन ही मन एक कहानी गढी। मैंने सोचा, मैने अपने पिता का घोडा लेकर उन लोगो का पीछा किया है और उन्हे मुझे इस प्रकार आते देखकर बहुत आश्चर्य हुआ है। मैंने लडकी से बातचीत करके उसे अपने साथ भाग जाने के लिए तैयार कर लिया है और फिर मानो उसी रात मैंने उसे अपने घोडे पर बिठा लिया और खुले मैदानो की ओर ले चला। कई घण्टे की यात्रा के बाद हम एक शिविर के पास आ पहुचे और जब हम घोडे से उतरे तो क्या देखा कि यह तो वही जगह है जहा से कुछ घण्टे पहले हम चले थे, दूसरी रात हम फिर घोडे पर भाग निकले और फिर वैसा ही हुआ और फिर हमने निश्चय किया कि हमे भागना नही चाहिए। मैं सोचता हू मेरे जीवन मे प्रेम का आरम्भ वही हुआ था। मेरी टाड, आपके प्रेम का आरम्भ कैसा था?'

मेरी मौन तथा भाव-भरी दृष्टि से उसकी ओर देखती रही। वह सोच रही थी कि अभी तक उसका प्रेम आरम्भ ही नही हुआ था।

वर्षा के बाद सख्त सर्दी आरम्भ हुई और सारा खुला मैदान बर्फ से ढक गया। घोडागाडियो का स्थान स्लेजो ने ले लिया। स्प्रिंगफील्ड के नवयुवक चादनी रातो मे उनपर सवार होकर सैर किया करते थे और प्राय कुछ गर्म पेय पीने के लिए और ताशादि खेलने तथा राजनैतिक चर्चा या नृत्य मे भाग लेने के लिए एडवर्ड के घर आ जाया करते थे।

एक रात जब मेरी ने आखिरी अतिथि को विदा किया तो चाकलेट की एक प्याली अपनी बहिन एलेज़बेथ को देते हुए बड़े प्रसन्नमुख से बोली, 'मेरी तो समझ मे नही आता कि यह सब क्या हो गया है। स्प्रिंगफील्ड मे जो भी उत्सव आदि होते है उनसे मुझे बहुत ही प्रसन्नता होती है किन्तु लेक्सिंगटन मे ऐसा नही होता था। यहा मुझे हर व्यक्ति अच्छा लगता है और ऐसा प्रतीत होता

है कि सभी मुझे पसद करते है। अगले सप्ताह की बात लो, मुझे एक दर्जन भोजो के लिए निमत्रण मिलने वाले है। फिर इसके साथ ही लिज़, तुम्हारा भी तो मेरे प्रति कितना दयाभाव है कि तुमने मुझे खुली छूट दे रखी है कि मैं हर किसीको यहा निमन्त्रित कर सकती हू।'

एलेजबेथ बीच ही मे बोली, 'नही मेरी लाडली, केवल चाय-पानी के आकर्षण से लोग यहा नही चले आते। वह तो तुम्हारा आकर्षण है जिसके कारण नवयुवक इधर खिचे चले आते है और सच तो यह है कि युवतिया भी तुम्हारे साहचर्य मे इतनी प्रसन्न होती है जितने कि पुरुष। इसका यह अभिप्राय है कि तुम्हारे व्यक्तित्व मे हर्षोल्लास है और आकर्षण है, जिसकी ओर वे आकृष्ट हो जाते है। तुम इतनी सुन्दर पहले कभी नही दिखाई देती थी।'

'' ''''हा। यह तो मै भी अनुभव करती हू—मै अब अधिक सुन्दर हू। देखो मेरी आख के नीचे का धब्बा अब दिखाई नही देता और मेन्टेल का स्कूल छोडने के पश्चात् मेरा शरीर पहली बार ऐसा पतला बना है।' वह नाचती हुई एलेज़-बेथ के शीशे के सामने चली गई, बोली, 'मेरा विचार है मेरी नाक ज़रा तीखी हो गई है। लेक्सिगटन मे मुझे क्यो इसका पता नही लगा ?' उसकी दृष्टि मे कोमलता और माधुर्य आ गया था। उसके हाथ श्वेत और सुन्दर दिखाई देते थे क्योकि बहुत-से लोगो ने उसके हाथो की प्रशसा की थी इसलिए एक विशेष अदा के साथ वह हाथो को हिलाया करती थी। इस समय बहिन की ओर हाथ बढाते हुए बोली

'लिज़, यदि मैं अपने घर पर ही रहती तो क्या मुझमे ऐसा परिवर्तन आ सकता था ? क्या मेरे व्यवहार मे इतनी स्वाभाविकता और सहनशीलता आ जाती '''' ''अब मै कभी अशाति अनुभव नही करती। मेरे परिहास मे कटुता नही रही। मुझे ऐसा लगता है कि मैने जो एक सप्ताह गाडियो, नौकाओ और बग्घियो मे यात्रा की है वह एक नगर से दूसरे नगर की यात्रा नही थी वरन् मै बचपन से यौवन की ओर अग्रसर हुई थी।' एलेजबेथ एक फीकी हसी हसते हुए बोली, 'घर पर कुछ प्रतिबध थे और बचपन से ही कुछ मानसिक बोझ थे। जब तुम यहा पहुची थी तो तुम्हारी कुछ ऐसी प्रवृत्ति थी—देखो मेरे पास कोई न आए, अभी फल पका नही है।'

'और अब मैं पूर्ण रूप से परिपक्व हो गई हू।'

'हा, क्यो नही !'

मेरी अपनी बहिन के बिस्तर से उठी तथा खिडकी के पास चली गई और बाहर बर्फ से ढके मैदान की ओर देखने लगी ।

एलेजबेथ के चेहरे पर एक अर्थपूर्ण मुस्कराहट फैल गई 'मेरी, तुम्हे कौन पसद आया है ? क्या वह याकी है, कि आयरलैंडवासी या कि कोई दुकानदार है ? मुझे विश्वास है कि तुम खुरदरे हीरे को तो पसद नही ही करोगी ।'

मेरी के मुह के एक कोने से परिहास का भाव लक्षित हुआ । वह कहने लगी, 'याकी से तुम्हारा अभिप्राय स्टीव डगलस से है । और वह जीवन भर हेनरी क्ले के विरुद्ध ही बोलता रहेगा । आयरलैंड का निवासी जिम्मी शील्ड्स कुछ दिन से बहुत चिकनी-चुपडी बाते करने लग गया है । जोश स्पीड् प्रेम तो बाद मे करता और तोड पहले देता है । जहा तक खुरदरे हीरे का सम्बन्ध है उसे तो काटने, साफ करने के बाद ही पता लगेगा कि वह कितना साफ और त्रुटिहीन है । हा, एक अच्छे हीरे को रग-रूप प्रदान करने के लिए जीवन भर का काम है ।'

एलेज़बेथ की भावाभिव्यक्ति मे मातृत्व लक्षित होने लगा । वह बोली, 'दुर्भाग्य की बात तो यह है कि जब तक काटने, साफ करने का कार्य पूर्ण नही हो जाता तब तक यह नही कहा जा सकता कि हीरा अन्दर से कैसा है । इतना सब करने पर यदि पता लगा कि हीरा खरा नही तो उस समय इतनी देर हो चुकी होगी कि तब कोई लाभ नही होगा ।'

'किन्तु क्या इसके लिए कोई ईश्वर प्रदत्त थ्योरी नही है जिसपर निर्भर किया जा सकता है' ....जैसे कि प्रेम ? ओह, मै इस समय लिंकन की बात नही कह रही, मै तो उसे अन्य व्यक्तियो की अपेक्षा कम ही जानती हू किन्तु यदि तुम किसी पुरुष से प्रेम करती हो, चाहे वह कोई भी हो, क्या तुम्हे बहुत कुछ भरोसे के बल पर नही मान लेना होगा ?'

१४

उसके पिता का एक पत्र आया, जिसमे टाड-परिवार के लिए एक बुरा समाचार था जिसपर चर्चा करने के लिए वे सब एडवर्ड के घर मे इस प्रकार एकत्र हो गए मानो कोई शोक-सभा हो। व्हिग पार्टी ने उनके लोकप्रिय नेता हेनरी क्ले का नाम रद्द कर दिया था और राष्ट्रपति-पद के लिए विलियम एच० हैरीसन को चुन लिया था। उसके पिता और विमाता तथा अन्य सैकडो लोग ऐशलैण्ड मे भोज पर एकत्र हुए थे और अपने नेता के नाम-निर्देशन के समाचार की प्रतीक्षा करते रहे थे जब कि कई मील दूर से थका-मादा सदेश-वाहक एक विपत्ति के-समान उनके पास पहुंचा था। उसके पिता ने लिखा था :

'जब श्री क्ले ने लिफाफा खोला तो उनकी आखो मे आसू भर आए और चिल्लाते हुए बोले, हू ! मेरे मित्र तो ऐसे भी नही कि उन्हे मारने के लिए गोली का व्यय करना भी उपयोगी समझा जाए। राजनीतिक इतिहास मे मुझसे अभागा कौन होगा ! जब मेरी हार निश्चित होती है तो मेरे मित्र मुझे उत्साह देते रहते हैं और अब जब कि मुझे और अन्य सबको यह विश्वास था कि मै जीत जाऊगा उन्होने नाम-निर्देशन के लिए मेरे साथ धोखा किया है।'

जबसे मेरी स्प्रिगफील्ड आई थी उसने इस बारे मे कभी नही सोचा था कि उसके पिता हेनरी क्ले के साथ व्हाइट हाउस मे जाएगे तो वह भी उनके साथ वाशिंगटन जाएगी। किन्तु यह पत्र पढने पर उसे भी बहुत ही निराशा हुई। वह समझती थी कि केवल एक लोकप्रिय सैनिक होने के कारण एक कमजोर उम्मीद-वार को हेनरी क्ले के स्थान पर चुन लेना अन्याय है।

पन्द्रह दिसम्बर रविवार को एलेज़बेथ के लडका पैदा हुआ। दूसरे ही दिन प्रात काल के समय नई विधान सभा के सम्मान मे अमेरिकन हाउस मे एक पार्टी होने वाली थी। अपने पति का उत्तराधिकारी पुत्र पैदा करने की प्रसन्नता मे एलेज़बेथ ने अनुरोध किया कि निनियन मेरी को भी पार्टी पर ले जाए।

सात बजने से थोडी ही देर पूर्व वे अमेरिकन हाउस की ओर चल पडे। मेरी के घुघराले बाल कन्धो तक लम्बे थे किन्तु उसने बडी सावधानी के साथ बालो को कघी की थी और वे माथे पर नही गिरते थे तथा यह पता लगता था

कि वह बिना ओछापन दिखाए स्त्रियो के समान घुघराले सुन्दर बाल बना सकती थी। उसने लाल-नीले रग का रेशमी जम्पर पहन रखा था जिसपर सिलमे-सितारे द्वारा फूल कढे हुए थे। उसने एक चौडी स्कर्ट पहन रखी थी जिसमे काफी गाढा कलफ लगा हुआ था। स्कर्ट पेटीकोट द्वारा खूब फैली हुई थी और चोली सीने से ज़रा नीचे की ओर झुकी हुई थी।

अमेरिकन हाउस स्टेट हाउस के किनारे पर था और यह स्प्रिगफील्ड मे सबसे बडा गैरसरकारी भवन था। इसमे लगभग दो सौ अतिथि बडी सुगमता मे आ सकते थे। भवन बाहर से बहुत सादा दिखाई देता था किन्तु उसका अन्दर का भाग देखने ही योग्य था। उसे खूब सजा रखा था। दीवारो पर फ्रासीसी अबरी लगी हुई थी और फर्शो पर कालीन बिछे हुए थे तथा फर्नीचर रखा हुआ था। जो कमरा स्त्रियो के लिए निश्चित था उसे शृगार का कमरा बना दिया गया था। मेरी को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि वहा बहुत-सी नवयुवतिया बडल उठाए हुए थी। मेरी क्षणभर दरवाज़े मे खडी आश्चर्य करती रही कि यह उनके हाथ मे क्या है जिसे लाना वह भूल गई है। तभी अकस्मात् बडल खुलने लगे जिनमे कम्बल थे और उन कम्बलो मे माताओ ने अपने नवजात शिशुओ को लपेट रखा था। उन्होने वे बडल खोले और बच्चो को नाश्ता दिया। मेरी ने सोचा कि उन्हे कोई अधिक कठिनाई नही हुई क्योकि उन सबके गाउन सुन्दर रेशम के बने हुए थे और उसके अपने गाउन की तरह नीचे तक कटे हुए थे।

खाने के कमरे के अन्तिम सिरे पर एक मच बना हुआ था। कमरे को वस्तुतः नृत्यकक्ष के रूप मे बदल दिया गया था। मंच पर स्प्रिगफील्ड का हाल मे सगठित किया गया बाजा था जिसमे ताम्बे के बने बहुत सारे वाद्य यन्त्र थे और आधी दर्जन वायलिन तथा गिटार थी। कमरे मे दीवारो पर लगी हुई ब्रैकेटो पर मोमबत्तिया जल रही थी और छत के तीन बडे फानूसो पर भी मोम-बत्तिया लगी हुई थी तथा सारा कमरा जगमगा रहा था। नृत्य के लिए फर्श को अच्छी तरह पालिश किया गया था। स्प्रिगफील्ड के सभी निवासी वहा उप-स्थित थे। इसके अतिरिक्त बहुत-सी सुन्दर नवयुवतिया थी जिन्हे मेरी ने पहले कभी नही देखा था। सभवत वह इस सामाजिक आनन्दोत्सव को मनाने के लिए आई थी और सभासदो की बेटिया अथवा बहिने थी।

नृत्य के पहले दौर मे निनियन उसका साथी रहा और उसके बाद वाल्ट्ज़,

कोटिलियन तथा रील्स नामक नृत्यो मे क्रमश. स्टीफेन डगलस, जेम्स शील्ड्स, जेम्स मैथेनी और सैमुअल ट्रीट उसके साथी रहे। जोशुआ स्पीड ने उसकी बाह मे बाह डाली और आधा घुमाकर उसे एक नवयुवक के सामने कर दिया जिसे मेरी ने स्प्रिगफील्ड की गलियो मे देखा था।

'मेरी, क्या मैं आपका परिचय बिली हर्नडन से करवाने की धृष्टता कर सकता हू। उसने मुझे धमकी दी है कि जब तक मै उसे किसीके साथ नृत्य न करवा दू वह मेरी दुकान के ऊपर वाले कमरे को नही छोडेगा।'

मेरी ने उस व्यक्ति को पहचान लिया। वह एक होटल के स्वामी आर्चर जी० हर्नडन का बेटा था। उसने एक वर्ष तक जैक्सनविले मे इलीनाइस कालेज मे शिक्षा पाई थी किन्तु उच्च शिक्षा के लिए उसे प्रवेश न मिल सका इसलिए वह घर लौट आया। कई स्थानो पर नौकरिया करने के पश्चात् आखिर जोशुआ स्पीड के पास मनियारी की दुकान मे क्लर्क बन गया। उसकी नाक बहुत छोटी और पतली थी। छोटी-छोटी आखे थी। और आचार-व्यवहार बच्चो जैसा सरल था।

'निस्सन्देह कुमारी टाड, आपसे मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई है। बैन्ड अभी बजने वाला है। यदि यह वाल्ट्ज नृत्य की धुन हुई तो क्या आप मुझे यह सम्मान........?'

बैन्ड की धुन वाल्ट्ज़ नृत्य की ही थी—'उसने कभी यह नही कहा कि वह प्यार करता था'। और मेरी अभी उसकी बात का उत्तर भी नही दे पाई थी कि हर्नडन ने उसे बगल मे ले लिया और ज़ोर से घुमा डाला। वह नृत्य तो अच्छा करता था किन्तु बाते इतनी अधिक करता था कि सुनने वाला उसके शब्दो के घुमाव-फिराव मे ही खो जाता था। हर बात पुरानी बात मे से उभरती हुई दिखाई देती थी। जिस समय नृत्य आधा हो चुका तो मेरी का सिर हर्नडन के वाल्ट्ज़ नृत्य की चाल से प्रतिकूल दिशा मे घूमता हुआ दिखाई देने लगा। जब नृत्य समाप्त हुआ तो हर्नडन ने प्रशसाभरी दृष्टि से उसे देखते हुए कहा :

'तुम्हारे इस सुन्दर नृत्य के लिए मै तुम्हे बधाई देना चाहता हू। वाल्ट्ज़ नृत्य मे तो आप नागिन की तरह बल खाती है।'

इस प्रशसा पर दो रक्तिम धब्बे मेरी के माथे पर उभर आए। उसने बडे

शुष्क भाव से उत्तर दिया, 'श्री हर्नेंडन ! एक नागिन के साथ तुलना करना तो बहुत कठोर परिहास है।'

उसने अपनी बाहे हर्नेंडन की बाहो मे से अलग हटा ली और सोचने लगी, यह कैसा शिष्टाचार है। मैं पुनः इसका मु ह नही देखना चाहती। क्रोध के जो भाव उसके माथे पर झलक रहे थे उनके साथ उसे अपने परिचितो के बीच लौट आना रुचिकर प्रतीत न हुआ। वह नृत्य के कमरे के एक सिरे की ओर चली गई। अकस्मात् उसे हसी की खिलखिलाहट सुनाई दी। वही से मुडकर उसने देखा कि कुछ लोग एक मेज़ के चारो ओर जमा थे जहा कुर्सी की एक बाह पर अब्राहम लिंकन काले रग का सूट, वास्कट और बो पहने हुए बैठा था। मेरी को आशा थी कि वह अवश्य वहा आएगा क्योकि वह भी नृत्य का प्रबन्ध करने वालो मे से एक था। वह वहा बैठा हुआ कोई कहानी सुना रहा था और अपनी आवाज के उतार-चढाव तथा हाव-भाव से घटनाओ का वर्णन कर रहा था। जब उसने कहानी समाप्त की तो मेरी इस जोर से हसी कि बाकी लोगो की हसी उसमे दबकर रह गई। लिंकन ने उसकी आवाज सुनी और उसने वही बैठे-बैठे उचककर इधर-उधर देखा तो झाडी के पत्तो मे से मेरी का चेहरा दिखाई दिया। वह उठ खडा हुआ और उन लोगो को छोडकर सीधा उसके पास चला गया।

'कुमारी टाड, मै अत्यन्त भद्दे ढग से तुम्हारे साथ नाचना चाहता हू।'

सगीत आरम्भ होने तक दोनो चुपचाप खडे रहे। मेरी के मन मे कुछ लोगो के चित्र उभर आए। उसे ऐसा लग रहा था मानो एक टूटी हुई पवन चक्की के साथ नृत्य कर रही हो, या तूफान मे घिरे हुए जहाज़ के साथ नृत्य कर रही हो, और उसका झडा हवा मे लहरा रहा हो। यह अनुभूति अरुचिकर नही थी, थी केवल दु खदायी क्योकि लिंकन ने आधा नृत्य तो मेरी के कदमो का अनुसरण करते हुए समाप्त कर दिया। जब सगीत समाप्त हुआ तो मेरी ने प्रसन्न भाव से कहा :

'श्री लिंकन, आपकी इच्छा पूरी हो गई।'

वह एक क्षण इस प्रकार उसकी ओर देखता रहा जैसे इस वाक्य का अर्थ न समझा हो फिर उसने अपना सिर पीछे की ओर फेक दिया और हर्ष के साथ खिलखिलाकर हस पडा।

'कुमारी टाड, तुमने कितना सुन्दर वाक्य कहा है। इससे मुझे एक बात याद

आ गई है। एक अध्यापक ने छात्र से पूछा कि वह हिज्जे क्यो नही ठीक करता? लडके ने उत्तर दिया, क्योकि मुझे सदा स्कूल मे ही नही रहना है।—यदि मैं अपनी कहानियो मे तुम्हारी इस बात को भी सम्मिलित कर लू तो तुम बुरा तो न मानोगी ?'

मेरी सोचने लगी, लिकन उसकी अपेक्षा कितना बुद्धिमान है। भला मै भी बिली हर्नडन पर हस क्यो नही सकी ? उसने बडे श्रम से अपनी दृष्टि ऊपर की ओर उठाई और छ फुट चार इच लम्बे लिकन को सिर से लेकर पांव तक देखते हुए उसे ऐसा लगा मानो वह किसी ऊची पहाडी पर चढ रही है।

'मै आपको पूरा अधिकार देती हू, आप इस कहानी को जहा चाहे प्रयोग कर सकते है किन्तु यदि यह आपको बुरी लगी हो तो उसके लिए मै आपसे क्षमा-प्रार्थी हू।'

१५

मेरी ने यह देखा कि जिसे उसकी बहिन ने खुरदरे हीरे का नाम दिया था, वह नित्यप्रति अधिक खुरदरा होता जा रहा था और समाचारपत्रो की कटु आलोचना उसके लिए विपत्ति बन गई थी। यह सच है कि 'रजिस्टर' पत्र एक विरोधी पत्र था किन्तु उसने इस समय श्री लिकन के विरुद्ध जितना ज़हर उगला उतना व्हिग पार्टी के किसी भी सदस्य के विरुद्ध कभी नही उगला था। उसने यह स्वीकार करने के बाद कि स्टीफेन डगलस के साथ राष्ट्रपति-पद के निर्वाचन सम्बन्धी चर्चा करते हुए श्री लिंकन ने कुछ ठोस तर्क दिए थे, अपने सम्पादकीय मे यह लिखा था ·

'श्री लिंकन के आचार-व्यवहार मे एक अस्वाभाविक मसखरापन है जो कि उसे शोभा नही देता। किसी दिन यही मसखरापन उसकी भाषा का अग बन जाएगा। वह प्रायः व्हिग पार्टी के जलसो मे कहकहे पैदा कर सकता है किन्तु यह विदूषकता किसी व्यक्ति पर प्रभाव नही डाल सकती। हम गम्भीरता से

श्री लिकन को यह परामर्श देते हैं कि वह अपने मखौलिया स्वभाव को ठीक कर ले अन्यथा यह स्वभाव उसपर दुष्प्रभाव डालेगा।'

क्या मूर्खता और हसी पैदा करने की क्षमता एक ही बात है ? क्या कर्नल रिचर्ड टेलर की वास्कट उतारकर उसकी कीमती कमीज और सोने के आभूषण लोगो को दिखा देना एक विदूषक का काम था ? अथवा यह एक ऐसे व्यक्ति का काम था जो यह जानता था कि कहकहो से मिथ्याडम्बर को दूर किया जा सकता है ? डगलस और लिकन मे कितना आश्चर्यपूर्ण अन्तर था। डगलस और लिकन अपनी-अपनी पार्टी के नवयुवको के नेता थे, यद्यपि डगलस अविराम गति से बातचीत करने मे प्रवीण था किन्तु उसकी बातचीत मे सदा विषय से सटे रहने की नीरसता थी, वह कभी भी हास-परिहास नही कर सकता था; दूसरी ओर लिकन हर जटिल बात को सीधी-सादी गवारू कहानी मे बदल देता था अथवा एक साधारण सार रूप वाक्य मे बात का उल्लेख कर देता था जैसे कि जब निनियन एडवर्ड ने यह कहा कि वह 'रजिस्टर' पत्र की आलोचना का उत्तर देगा ? तो लिकन ने कहा :

'नही, धन्यवाद निनियन, नीच तो नीचता ही दिखाएगा।'

मेरी ने निश्चय कर लिया कि अगली बार जब लिकन भाषण देगा तो वह उसे अवश्य सुनेगी और उसके सम्बन्ध मे अपनी धारणा स्वय बनाएगी।

बीस दिसम्बर को दोनो राजनीतिक दलो ने वाद-विवाद का सप्ताह आरभ किया। चारो ओर मैदान मे बर्फ जमी हुई थी और बर्फीली आधी चल रही थी। शाम के समय ही घना अधकार छा गया था। आकाश पर बादल घिरे हुए थे और मैदान की काली मिट्टी से अधकार और भी घना हो रहा था। उसके सबसे बडे चचेरे भाई ने बाहर बग्घी मे से उसे आवाज़ दी, वह स्टीफेन टी० लोगन था। उसकी आयु लगभग चालीस वर्ष होगी। उसका कद छोटा तथा शरीर भारी-भरकम था और सिर पर लाल घुघराले बालो के गुच्छे बिखरे हुए थे। मुह पिचका हुआ था। दोनो होठ लकीर की तरह पतले थे और आवाज भारी थी। जब उन्होने बग्घी से बाहर पाव रखे तो मेरी ने देखा कि उन्होने नित्यप्रति की तरह एक भद्दा कोट, ढीली पतलून, पुरानी कट की टोपी और मोटे-मोटे गवारू जूते पहने हुए थे।

उसने गहरे नीले रग का ऊनी शाल कसकर अपने चहुओर लपेट लिया

और मन ही मन इस बात पर आश्चर्य करने लगी कि यह कैसे हो सकता है कि उसके परिवार के किसी व्यक्ति को सुन्दर वस्त्र प्रिय न हो। तो भला यह चचेरे भाई क्यो नही पहनते ? मेरी के लिए इस रहस्य को समझना उस समय और भी कठिन हो गया जब उसे स्मरण हुआ कि न्यायाधीश लोग क़ानून सम्बन्धी विचारधारा मे ही निरन्तर खोए रहते है किन्तु उसने एक बडे उद्यान के बीच एक शानदार मकान बनाने पर बहुत अधिक व्यय किया था।

उनकी गाडी प्रेस्बीटेरियन गिरजे के सामने आकर रुकी। राज्य-सदन तैयार होने तक इस भवन को हाउस आफ रिप्रेजेन्टेटिव के रूप मे प्रयुक्त किया जा रहा था। मच के दोनो ओर अगीठिया दहक रही थी। फर्श पर लकडी का बुरादा बिछा हुआ था। बडे हाल मे एक भी खाली कुर्सी न थी। वे लोग ऊपर गैलरी मे चले गए। उन्हे मच के ठीक ऊपर जगह मिल गई जहा पास ही अगीठी रखी हुई थी। यद्यपि गिरजाघर मे तीन सौ व्यक्तियो के बैठने की जगह बनाई गई थी किन्तु वहा पाच सौ लोग खचाखच भरे हुए थे और जब भाषण आरम्भ हुआ तो बहुत-से लोग दीवारो के साथ लगे खडे थे। मेरी को जज लोगन ने उसके पिता सदृश गभीर वाणी मे बताया कि सप्ताह के अन्त मे वह व्हिग पार्टी के पक्ष मे बोलेगा, और कहा :

'नगर के सर्वोत्तम प्रदर्शनी पर सभी लोग पहुच जाते है किन्तु मुझे आशा है कि आज रात को जब मैकेन्जी और जेफर्सन्स की नाटक मण्डली श्री वाटसन के नये भवन मे नाटक दिखाएगी तो वहा दर्शक नही होगे।'

आखिर सप्ताह के अन्त मे ऐसा प्रतीत होने लगा कि लोगो को इस प्रदर्शनी मे कोई रुचि नही रही क्योकि जिस रात श्री लिंकन को वाद-विवाद का अन्त करना था, सारे हाल मे इधर-उधर केवल तीस व्यक्ति ऐसे मौनभाव से बैठे थे कि वह मौन भी अखर रहा था। यह सच है कि उस दिन २६ दिसम्बर था और नगर के लोग क्रिसमिस के उपहार खरीदते रहने के कारण थक चुके थे और उस समय कही चाय आदि के आयोजन पर उपहारो का आदान-प्रदान कर रहे थे। किन्तु उस बैठक की यह स्थिति भी बहुत दु:खद थी। मेरी जानती थी कि उस बैठक मे उसके लिए अकेली जाना अनुचित होगा इसलिए उसे लिंकन का भाषण सुनने की प्राय: कोई आशा नही रही थी किन्तु तभी उसे पता लगा कि 'सगामो पत्रिका' के स्वामी साइमन फ्रासिस बैठक की कार्यवाही

की रिपोर्ट लेने के लिए जाने से पूर्व उनके घर चाय पीने आ रहे थे ।

जब फ्रासिस और उसकी पत्नी चाय-पान के बाद जाने ही वाले थे, मेरी ने उनमे पूछा, 'यदि मै आपके साथ चलू तो क्या आपको आपत्ति होगी ?'

श्रीमती फ्रासिस ने आश्चर्य भरी दृष्टि से उसकी ओर देखा ।

'क्या श्री लिंकन का भाषण सुनने के लिए ? क्यो नही, यह भी कोई पूछने की बात है ! तुम्हे साथ ले जाने मे हमे प्रसन्नता ही होगी ।'

उन्होने मेरी को अपने मध्य मे बिठा लिया। साइमन फ्रासिस की आयु तैंतालीस वर्ष होगी । वे मोटे और प्रसन्न स्वभाव के व्यक्ति थे । उनकी पत्नी भी भारी-भरकम महिला थी । श्रीमती फ्रासिस बहुत उच्चकोटि की पत्रकार थी किन्तु स्त्रियो के बारे मे वह जितने समाचार एकत्रित किया करती थी उन्हे 'सगामो पत्रिका' मे नही छापा जा सकता था क्योकि किसी समाचार-पत्र मे किसी स्त्री का नाम केवल दो बार ही छप सकता था—एक तो उसके विवाह के समय तथा दूसरा उसकी मृत्यु के समय। तो भी नगर भर की सभी घटनाओ के बारे मे उसे जितना ज्ञान था वह व्यर्थ नही हुआ क्योकि वह विवाह के गठबधन करवाने मे बहुत प्रवीण थी और अब तक लगभग बीस से अधिक शादिया कराने का श्रेय उसे प्राप्त हो चुका था। उसकी अपनी कोई सन्तान नही थी, अत वह ऐसा अनुभव करती थी कि उसने जितने युवक-युवतियो के विवाह करवाए थे उन सबके बच्चे उसीके बच्चे थे ।

'बच्ची ! आज शाम का भोजन तुम हमारे घर ही करना ।' उसने धीरे से मेरी के कान मे कहा, 'श्री लिंकन भी आ रहे हैं ।'

'ओह नही ! मै यो ही आपके लिए भार बनना नही चाहती ··· ।'

'हुश ! शाम का समय बडे मज़े मे गुज़रेगा और पत्रिका के लिए श्री लिंकन के भाषण का सम्पादन करने मे हमारी सहायता भी कर सकोगी ।'

मेरी की दृष्टि मच पर लगी हुई थी । लिंकन ने जब देखा कि और कोई नही आ रहा है तो उसने अपनी जेब मे से भाषण निकाला और अनमने भाव से बोलना आरम्भ किया ।

'नागरिक साथियो ! आज शाम इस हाल मे इस वाद-विवाद को जारी रखना, जो कई दिनो से यहा हो रहा है, मेरे लिए एक उलझन का कारण बन गया है । कारण यह है कि इन दिनो हर शाम को बहुत-से लोग इकट्ठे हो जाया

करते थे जब कि आज बहुत कम लोग यहा आए है और इसका कारण इसके सिवाय कुछ भी नही कि लोगो को मेरे पूर्व वक्ता अधिक अच्छे लगे और आज जो वक्ता यहा बोलने वाला है उसमे उन्हे रुचि नही है। मुझे आशका है कि जो थोडे-से लोग आज यहा उपस्थित हुए है, वे भी केवल इसलिए आ गए है कि मैं कही दु ख का शिकार न हो जाऊ, अन्यथा मुझे आशा है कि जो कुछ मुझे यहा कहना है उसमे आपको भी कोई अभिरुचि नही होगी। ऐसी परिस्थिति मे मेरा उत्साह कम हो रहा है और मुझे पूरा विश्वास है कि आज की शाम मै इस उदासी से छुटकारा नही पा सकूगा।'

साइमन फ्रासिस ने कहा, 'ओह ! लिकन कितने दु खद ढग से भाषण आरम्भ कर रहा है। उसे तो अब सदा की तरह किसी परिहासपूर्ण बात आरम्भ करना चाहिए।'

मेरी ने लिकन की ओर देखा। उसके चेहरे पर गभीर तथा दृढ भाव अकित थे और वह बोली, 'सम्भवत' सम्पादको की आलोचना ने उसे डरा दिया है। मैं तो शर्त लगा सकती हू कि आज के उस भाषण मे एक भी परिहास नही होगा।'

उसकी बात लगभग सच ही थी। लिकन ने शीघ्र ही उस खजाने के सम्बन्ध मे तर्क-वितर्क आरम्भ कर दिया जिसे डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति वान बूरेन ने राष्ट्रीय बैंक के स्थान पर स्थापित किया था और जिसे जारी करने के लिए एण्ड्रयू जैक्सन ने अनुमति देने से इन्कार कर दिया था। श्री लिकन ने इस बात का विश्लेषण किया कि व्हिग पार्टी के लोग क्यो पुनः राष्ट्रीय बैंक को स्थापित करवाना चाहते थे।

शुरू मे तो मेरी को लिकन की आवाज बहुत ऊची और कर्कश प्रतीत हुई। वह आवाज नाक से निकल रही थी और कुछ भद्दी मालूम होती थी। श्री लिकन के गवारू उच्चारण पर उसे कुछ-कुछ हसी आई जैसे कि वह चेयरमैन को चीयर-मैन कह रहा था, किन्तु जब धीरे-धीरे उसने अपने तर्को को बल देना आरम्भ किया और मेरी उसकी स्वर-लहरियो मे डूबने लगी और उसके प्रगल्भ भाषण मे खो गई तो उसे ऐसा अनुभव हुआ कि उसकी गहरी आवाज उसके अन्तर मे बैठ गई।

फ्रासिस की बग्घी मे चार व्यक्ति बडी कठिनाई से बैठ सकते थे और मेरी श्री लिकन के भारी काले सूट के बोझ-तले दबी जा रही थी किन्तु यदि

लिकन को उसकी उपस्थिति का भान न होता तो वह वापस ब्ल्यू ग्रास चली जाती। वह अपना सिर झुकाए और आखे बन्द किए बैठा था। उसका रग फीका पड चुका था। वह घुटने ऊपर उठाकर उनपर ठुड्डी टिकाए बैठा और अपनी बाहो से टागो को इस प्रकार कसकर बाधे हुए था कि रक्त का सचार बद हो गया था। उसकी इस गहरी उदासी के कारण मेरी बडी अशान्ति अनुभव कर रही थी। यदि वह बग्घी से भाग सकती तो अवश्य वहा से निकलकर पैदल घर भाग जाती।

श्री फ्रासिस का घर राज्य-भवन से पूर्वोत्तर की ओर था। उनके समाचार-पत्र के कार्यालय और घर के बीच दो-चार मकानो का ही अन्तर था और इस अन्तर मे भी मुद्रण कार्य के उनके घर तथा कार्यालय ही थे। घर की बैठक मे दूसरे नगरो के समाचारपत्रो के कटे हुए टुकडे इधर-उधर बिखरे पडे थे जिन्हे श्री फ्रासिस ने अपनी पत्रिका मे प्रकाशित करने के लिए काटा था। छापे के अक्षर जमाने वाले चौखटे पक्तियो मे पडे थे और बिना शुद्ध किए हुए प्रूफ रखे हुए थे।

खाने के कमरे मे मेज पर खाना लगा दिया गया था। गर्म-गर्म मुर्गे के मास मे अग्रेजी अखरोट और बादाम डाले हुए थे। अनाज की ताजा पकी हुई रोटी और काफी थी। लिकन ने किसी वस्तु को छुआ भी नही।

किसी ओर देखे बिना ही वह बुडबुडाया, 'मुझपर तो उन्माद छा गया है। इस भाषण ने जनरल हैरीसन से भी अधिक मेरी भूख को नष्ट कर दिया है।'

मेरी के चेहरे पर असमजस के भाव को देखते हुए साइमन फ्रासिस ने समझाया कि 'उन्माद से इनका अभिप्राय केवल उलझन से है। इस शब्द का प्रयोग करने का इनका स्वभाव है और ये इसमे एक आनन्द का अनुभव करते है।'

मेरी ने देखा लिकन ने फ्रासिस को आख का सकेत किया किन्तु फ्रासिस उसे १८३४ से जानते थे। तब वह न्यू सलेम मे उनकी पत्रिका का एजेन्ट था और फ्रासिस उसे अपने बच्चे की तरह ही समझते थे।

श्रीमती फ्रासिस बोली, 'एब, तुम अपने आपको आवश्यकता से अधिक महत्व देते हो। तुम अभी इतने महान कहा हुए हो कि राष्ट्रपति-पद के व्हिग उम्मीदवार को अकेले ही परास्त कर दो।'

लिकन के उदास चेहरे पर प्रसन्नता की एक लहर-सी दौड गई और वह मुस्करा दिया ।

मेरी ने दबी आवाज़ मे कहा, 'क्षमा कीजिए, आप इसे व्यग्य न समझें किन्तु श्री लिकन, आपका भाषण व्हिग पार्टी के विषय मे इतना तर्कपूर्ण, सुस्पष्ट था कि वैसा मैने जनरल हैरीसन के नाम-निर्देशन के समय ही उनसे सुना था और फिर', उसकी आवाज़ मे कोमलता आ गई, 'आपने अपनी ओर से भरसक प्रयत्न किया था, इससे बढकर आपसे कोई क्या कामना कर सकता था ।'

उसके सामने बैठे हुए व्यक्ति ने अभी तक यह अनुभव ही नही किया था कि वह वहा उपस्थित है। यह सुनते ही वह सीधा होकर बैठ गया। उसकी ओर देखा और इस प्रकार खिलखिलाकर हस दिया मानो उसकी यह हसी उसकी आखो से उभरकर होठो तक आ गई हो ।

'कुमारी टाड, तुम्हारी बात का उत्तर देते हुए मुझे एक घटना का स्मरण हो आया है। एक बार मुझे वन के रास्ते मे एक घुडसवार स्त्री मिली। ज्योही मै वहा रुका कि वह गुज़र जाए, वह भी रुक गई और मेरी ओर देखते हुए बोली, मुझे पूरा विश्वास है कि मैने तुम जैसा कुरूप व्यक्ति कभी नही देखा।—मैने कहा, मैडम, सम्भवतः तुम ठीक ही कहती हो किन्तु भला मैं क्या कर सकता हू ?—उसने उत्तर दिया, नही तुम कर तो कुछ नही सकते किन्तु तुम घर पर ही रहा करो ।'

श्री फ्रासिस तो लिकन के कहकहो मे कहकहे मिलाने लगे, मेरी मौन रही और उसका रग पीला पड गया । वह सोचने लगी, यह अपने सम्बन्ध मे ऐसी कठोर कहानिया क्यो सुनाया करता है ।

तभी उसे ऐसा लगा कि दो आखे उसपर गडी हुई है। उसने घूमकर देखा कि श्रीमती फ्रासिस उसे तथा लिकन को बडी प्यार भरी दृष्टि से देख रही है ।

वह शीघ्रता से उठ खडी हुई और एक ही सास मे कह गई :

'अब तो मुझे अवश्य चले जाना चाहिए श्री फ्रासिस ! क्या आप मुझे बग्घी मे घर छोड आएगे ?'

१६

क्रिसमस के अवसर पर मेरी के पिता ने उसे उपहार के रूप मे काफी बड़ी धनराशि भेजी थी और साथ ही एक पत्र मे यह सूचना भेजी थी कि उसकी स्वर्गवासी माता ने अपने इच्छा-पत्र द्वारा इण्डियाना की ८० एकड भूमि उसके नाम कर दी थी जिसपर वह विवाह के समय कब्जा कर सकेगी। उसे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि जब उसका विवाह होगा तो उसके पास कुछ सम्पत्ति भी होगी किन्तु इस समय तो वह यही अनुभव करती थी कि उसका विवाह अभी बहुत दूर है अत उसने क्रिसमस के उपहार मे से काफी पैसे मखमल, रेशम, ऊनी और इटैलियन कपडे के कीमती वस्त्रो को खरीदने मे व्यय कर दिए।

उसके पिता के पत्र के साथ ही उसकी विमाता का पत्र था और एमिली का टूटी-फूटी भाषा मे लिखा हुआ पत्र भी। जब उसने सोने के कमरे मे जलती हुई अगीठी के पास बैठकर पत्रो को पढा तो वह अपने परिवार और विशेषत नन्हे बच्चो और मेन स्ट्रीट के अपने घर की याद मे खो गई। वह पहली बार क्रिसमस के दिनो मे लेक्सिङ्गटन से बाहर रही थी। लेक्सिङ्गटन मे इस त्यौहार की छुट्टियो मे जैसे उत्सव मनाया जाया करते थे वे वर्ष भर के उत्सवो से कही अधिक शानदार हुआ करते थे। क्रिसमस से दो सप्ताह पूर्व ही वहा शानदार भोज और नृत्यो के कार्यक्रम आरम्भ हो जाते थे और नये वर्ष के प्रारम्भ तक यह कार्यक्रम चलते रहते थे।

अगले ही दिन घर और परिवार के लिए उसकी याद और प्रेम समाप्त हो गए क्योंकि उसे बहिन एन का पत्र मिला जिसमे उसने पूछा था कि वह एलेज़-बेथ के घर मे एन के लिए कब तक जगह खाली कर देगी और उसने कहा तक प्रगति की है।

नव वर्ष का दिन स्प्रिंगफील्ड मे बडी धूमधाम से मनाया गया। मेरी को प्राय. हर एक के घर बधाई देने जाना पड़ा और यदि लोग कही और गए हुए होते तो मेरी वहा रिबन से बधी हुई टोकरी मे अपना कार्ड छोड आती थी। निनियन ने यह दिन यो ही बिताने का निश्चय कर लिया था क्योकि एलेज़बेथ

अभी अपने कमरे से बाहर नही आ सकती थी। एलेजबेथ का तो यह दावा था कि अभ्यागतो का स्वागत करने के लिए मेरी अधिक प्रवीण है।

'मेरी, रसोइए से कह दो कि आएस्टर मछली, चिकन, सलाद और आइसक्रीम तैयार कर दे और तुम पौ फटने से पहले ही वस्त्र पहनकर तैयार रहना। स्प्रिंग-फील्ड मे जब हमने पहला नव वर्ष दिवस मनाया था तो हम अभी सो ही रहे थे कि एक कु वारे महानुभाव हमे बधाई देने पहुच गए थे।'

इस बार भी बधाई देने वाला पहला व्यक्ति अविवाहित ही था और वह ठीक नौ बजे आया था, पर मेरी तैयार थी। उसने कमरे मे सतरो से भरे हुए प्याले स्थान-स्थान पर सजा रखे थे। यह नये वर्ष की विशेष सौगात थी। एक बजे तक प्राय. सौ लोग आए होगे। जब फ्रासेस और डाक्टर वालैस निनियन का हाथ बटाने के लिए आ पहुचे तो मेरी को कुछ अवकाश मिला। स्प्रिंगफील्ड की गलियो मे कन्धे से कन्धा टकरा रहा था। टमटम, बग्घियो और टागो का एक तांता लगा हुआ था। दो बजे तक वह लगभग बारह घरो मे गई किन्तु उसका एक भी मित्र घर पर नही था क्योकि उस समय तक सारा नगर ही गाडियो और बग्घियो मे सवार होकर घूमने चला गया था।

रात के लगभग दस बजे होगे जब निनियन एडवर्ड के घर से आखरी अतिथि ने प्रस्थान किया। वह अपने जूते हाथो मे लिए सीढियो के ऊपर चढने ही वाली थी कि उसने दरवाजे पर हल्की-सी थपथपाहट सुनी। उसने तुरन्त ही जूते पहन लिए तथा हाथ का लैम्प मेज़ पर रखकर दरवाजा खोला।

अब्राहम लिंकन अपनी छाती से एक बडा-सा हैट सटाए खडा था। उसके चेहरे पर एक विचित्र लज्जा का भाव झलक रहा था।

'अरे श्री लिंकन! तुम क्या अन्दर न आओगे?'

'धन्यवाद, मैं जानता हू कि तुम्हारा यह अभिप्राय नही है किन्तु हिसाब साफ रखने के लिए मैं यह कह देना चाहता हू कि यह तो आज मैं पहली बार आया हू, आखरी बार नही। जब तक मुझे यह विश्वास नही हो गया कि अब अन्दर कोई नहीं है मैं प्रतीक्षा करता रहा, ताकि मुझे तुम्हारे साथ एकान्त मे बातें करने का अवसर मिल सके।'

मेरी की पलके तनिक उठी किन्तु उसने कोई उत्तर नही दिया। वह उसे

कमरे मे ले गई और हाथ से सकेत किया कि वह दो कुर्सियो को अगीठी के समीप ले आए।

'आप अण्डो का शीरा पसन्द करेगे या काफी का प्याला।'

'नही, धन्यवाद ! मुझे कुछ नही चाहिए।'

वे वहा बैठे हुए आग के शोलो को नये-नये ढग से लहराते हुए देखते रहे। कुछ देर जलती हुई लकडियो की तडाक्-तडाक् ध्वनि सुनते रहे किन्तु फिर वे मधुर बातो मे खो गए। दोनो ने कुहनिया अपनी जाघो पर रखी हुई थी, दोनो ने अपने-अपने हाथो की मुट्ठी बाध रखी थी और दोनो के सिर एक दूसरे से स्पर्श कर रहे थे। दोनो को यह जानकर बडा आश्चर्य हुआ कि अपने जन्म-स्थान केन्टुकी जिले मे वे एक दूसरे से केवल सौ मील के अन्तर पर थे। दोनो की माताए बचपन मे ही मर गई थी और माताओ के स्वर्गवास होने के समय दोनो की आयु भी समान थी। लिंकन जब सात वर्ष का था तो उसके घरवाले इन्डियाना चले गए थे, इसलिए केन्टुकी के बारे मे उसे बहुत अधिक याद नही था, फिर लेक्सिगटन, ऐशलैण्ड, हेनरी क्ले आदि के बारे मे मेरी ने उसे बताना आरम्भ किया। फिर दोनो ने हैरिसबर्ग के जलसे मे हेनरी क्ले की हार पर दुःख प्रकट किया। मेरी ने उसे सक्षेप मे डाक्टर वार्ड की अकादमी और मेन्टेल के स्कूल के बारे मे बताया और फिर उसके बीते जीवन तथा शिक्षा के बारे मे पूछा।

'मेरा प्रारम्भिक जीवन ? यह तो केवल एक वाक्य मे समा सकता है अर्थात् एक दरिद्र की सक्षिप्त तथा साधारण कहानी।'

'यह तो ग्रे नामक कवि के शोकगीतो मे से है। है न ?'

वह तनिक मुस्कराया और बोला, 'हा, थोडे समय के लिए मै ए बी सी पढाने वाले स्कूलो मे जाता रहा हू, दो महीने कही तथा तीन महीने कही। इस प्रकार कुल मिलाकर मैंने एक वर्ष भर भी शिक्षा प्राप्त न की होगी। उन दिनो अध्यापन कार्य के लिए भी किसी योग्यता की आवश्यकता नही होती थी। बस केवल इतना आवश्यक था कि वह पढ-लिख सके और हिसाब कर सके। ऐसी कोई बात नही थी जिससे शिक्षा के लिए महत्वाकाक्षा पैदा होती। जब मैने कुछ होश सम्भाला तो मुझे कुछ भी नही आता था। बस इतना ही था कि अक्षर जोड-जोडकर पढ लेता था, कुछ लिख लेता था और गणित के प्रारम्भिक

सिद्धात सीख गया था । उसके पश्चात् मै स्कूल की सीमा मे कभी नही गया।'

'आश्चर्य है कि इसपर भी खज़ाने के बारे मे आपका भाषण एक अनुपम काव्य था । आप इतने ही शिक्षित है जितनी कि मै, यद्यपि लगभग १३ वर्ष मै स्कूल मे पढी हू । आपने इतना ज्ञान कहा से प्राप्त कर लिया है ?'

'मेरे पास सिवाय बाइबल के और कोई पुस्तक ही नही थी । एक पडौसी के पास बनयन की पिल्ग्रिम्स प्रोग्रेस नामक पुस्तक थी और घर के निकट ही एक दुकानदार था जिसके पास राबर्ट बर्न्स नामक पुस्तक थी । जब किसीके पास केवल कुछ ही पुस्तके हो तो वह उन्हे बार-बार पढता रहता है यहा तक कि वे उसे ज़बानी याद हो जाती है । बडी सडक से कुछ मील पर एक किसान के पास वीम्स द्वारा रचित वाशिगटन की जीवनी थी । वह मै उससे उधार माग लाया था । और जब तक पूरी बत्ती जलती रहती थी मै उसे पढता रहता था । एक बार मैने उसे लकडी के गट्ठो के बीच रख दिया जहा वह वर्षा के कारण गीली हो गई । इस पुस्तक के मूल्य के बदले मे मुझे तीन दिन तक क्राउफर्ड के यहा अनाज काटने की नौकरी करनी पडी। किन्तु मुझे इसकी परवाह न थी क्योकि अब वह पुस्तक मेरी हो गई थी । ईसप्स फेबल्स, राबिनसन क्रूसो, लाइफ ऑफ हेनरी क्ले आदि पुस्तके मुझे मिल गईं । पन्द्रह वर्ष की आयु मे मैं हर रात डेढ मील पैदल चलकर दुकान पर जाया करता था । और ससार की घटनाओ को जानने के लिए समाचारपत्र पढ़ा करता था । मेरी विमाता मुझे उत्साहित किया करती थी और मेरे पिता के विरुद्ध मेरा समर्थन किया करती थी । पिता तो लिख-पढ नही सकते थे । वे केवल अपने हस्ताक्षर करना ही जानते थे यद्यपि यह उनका अपराध नही था । जब उनके पिता को खेतो मे किसी इडियन ने मार दिया था तब उनकी आयु केवल ६ वर्ष थी और उन्होने कभी स्कूल का मुंह भी न देखा था ।'

वह विचारमग्न अवस्था मे आग के शोलो के अत्यधिक निकट तक झुक गया ।

उसने आगे कहा, 'कभी मेरा पिता स्कूल नही गया था इसलिए उसे स्कूल से डर लगता था और वह नही चाहता था कि कोई भी स्कूल मे पढे । वह कहा करता था, मैं समझता हू तुम शिक्षा प्राप्त करके अपने आपको और अधिक मूर्ख बना रहे हो । मैंने तुम्हे रोकने का प्रयत्न किया था किन्तु तुम्हारे मन मे

यह मूर्खता का विचार ऐसा भर गया है कि अब इसे निकाला नही जा सकता। अब तुम्ही देखो कि मैने तो शिक्षा नही प्राप्त की और मैं इस प्रकार से जीवन निर्वाह कर रहा हू कि यदि शिक्षा प्राप्त कर लेता तो ऐसा न कर सकता।—किन्तु वह भी तो गुजारा नही कर रहा था। वह किसी भी काम मे कभी सफल नही हुआ। वह एक प्रवीण बढई था और बहुत अच्छी अलमारिया बनाया करता था। अपने इस कौशल मे वह एलेजबेथ टाउन मे मेरी मा के लिए सुखी जीवन की व्यवस्था कर सकता था किन्तु वह किसी भी स्थान पर अधिक देर टिककर नही बैठता था। वस्तुत वह न तो मूर्ख था और न ही आलसी। उसके पास सदा घोडे और जमीने रहती थी। सच तो यह है कि उसका भाग्य ही बुरा था—और उसके साथ ही वह जो भी निर्णय करता वह गलत होता था। अक्सर हम नये फार्म पर जाते रहते थे, जैसे केन्टुकी के नाबक्रीक, इण्डियाना के पीजनक्रीक, इलीनाइस मे सगमन नदी पर मेकनकान्टी। यह सब जमीने खराब निकली या फिर वहा का मौसम ही खराब था या वैध अधिकार न हो सका जिसके कारण उसे अपने श्रम का लाभ प्राप्त न हुआ। हम अपने घर की थोडी-सी वस्तुओ को बैलगाडी मे रखकर किसी नये स्थान पर चले जाते। वह मेरी विमाता साराह से बहुत प्रेम करता था जो अवकाश के समय पढाई कर लेने के मेरे अधिकार की रक्षा किया करती थी।'

आखरी वाक्य पर मेरी को उसके स्वर मे विशेष परिवर्तन की अनुभूति हुई जैसे वह मन ही मन कोई दु खद तुलना कर रहा हो। मेरी ने इतने धीमे स्वर मे प्रश्न पूछा कि यदि वह प्रश्न का उत्तर न देना चाहे तो प्रश्न उसके कानों तक ही न पहुचे।

'क्या वे आपकी सगी मा से प्यार नही करते थे ?'

'जब मेरी विमाता ने मेरे पिता से विवाह करने से इन्कार कर दिया और किसी दूसरे व्यक्ति से शादी कर ली तभी पिता ने मेरी माता को पत्नी के रूप मे स्वीकार किया। माता को इस बात का पता लग गया होगा सम्भवत इसी कारण, मुझे जहा तक स्मरण है, वह अत्यन्त निराशापूर्ण जीवन व्यतीत किया करती थी।' उसके शब्द इतने धीमे थे कि ऐसा प्रतीत होता था मानो वे चेतन ही न हों, 'जब मा की मृत्यु हुई ···· 'और साराह भी विधवा हो गई थी। वह उसे लेने के लिए लम्बी यात्रा करके एलेजबेथ टाउन गया। वह जब आई तो उसने देखा

कि हम एक गन्दी झोपडी मे रहते थे। हमारे कपडे फटे-पुराने थे और भुखमरी की-सी स्थिति थी। मेरी बारह वर्षीय बहिन बहुत परिश्रम करती थी किन्तु वह इतनी छोटी थी कि यह सब उसके वश का नही था। मेरी विमाता ने उस टूटी-फूटी झोपडी को साफ-सुथरा, प्यारा घर बना दिया।'

उसने अपना चेहरा मेरी की ओर उठाया। मेरी ने देखा कि वह चेहरा एक आन्तरिक प्रकाश से प्रकाशमान था।

'उसने हमे प्यार दिया, हमे प्यार की आवश्यकता थी···बहुत अधिक आवश्यकता।'

'हम सब ही तो प्यार चाहते है।'

वे दोनो मौन रहे किन्तु उनके हृदय एक दूसरे को कुछ कह रहे थे। कुछ क्षण बाद मेरी ने धीरे से पूछा, 'और तुम्हारी बहिन, वह कहा है ?'

'मर चुकी। मा ही की तरह उसकी भी मृत्यु हो चुकी थी। उनमे से किसी-को भी तो नही मरना चाहिए था।' उसके चेहरे पर उदासी की गहरी छाया फैल गई। 'जब मेरे पिता हमे केन्टुकी से इण्डियाना के जगलो मे ले गए तो वहा उन्होने एक झोपडी बनाई, जिसकी छत तिनको की थी। दीवारे आधी थी और एक ओर से बरफ और सर्दी के आक्रमण के लिए बिल्कुल खुली थी। उस सर्दी की ऋतु मे हमे बहुत कष्ट झेलना पडा और सबसे अधिक कष्ट मेरी मा को हुआ। अगली सर्दियो मे झोपडी पूरी बन गई किन्तु फिर भी उसका फर्श कच्चा ही रहा। मा मे इतनी शक्ति न रही कि वह दूध सूख जाने की बीमारी से बच सकती।'

लिंकन और कुछ कहने से पहले देर तक कुछ सोचता रहा फिर बोला, 'मेरी बहिन ने उन्नीस वर्ष की आयु मे एरोन ग्रिग्सबी से विवाह किया। जब उसके बच्चा हुआ तो वह पति की लापरवाही के कारण मर गई। प्रेम······विवाह··· प्राय· ऐसा ही तो होता है···और वही मृत्यु का कारण होता है।'

मेरी का हृदय द्रवित हो गया और उसने अपना हाथ उसकी ओर बढाया किन्तु लिंकन ने अपना हाथ इस तरह पीछे हटा लिया जैसे आग ने उसे छू लिया हो।

'ऐसा नही होता लिंकन, ससार मे ऐसे बहुत-से लोग हैं जो प्यार करते है, शादी करते है और केवल एक दूसरे की भलाई ही करते है।'

लिंकन क्षण भर उसके चेहरे का अध्ययन करता रहा। ऐसा लगता था मानो उसकी आखो मे बुखार का ताप हो।

'क्या मै तुम्हे मौली कहकर पुकार सकता हू ?'

'मौली ?' वह असमजस मे पड गई, 'क्या तुम्हारा अभिप्राय मेरा दूसरा नाम रखने से है ?'

'हा।'

'मुझे कभी किसीने उपनाम से नही पुकारा। किन्तु तुम क्यो ऐसा चाहते हो ?'

'एक और लडकी से मेरा परिचय हुआ था ......कुछ वर्ष पूर्व न्यू सलेम मे ....उसका नाम मेरी था। उससे सम्पर्क मेरे लिए अच्छा नही रहा....... और इसलिए अब तक मेरी नाम मेरे लिए कुछ कष्टदायक है।'

'तो आप खुशी से मुझे मौली कहकर पुकार सकते है।'

'धन्यवाद मौली ! अब मुझे वह काफी का प्याला मिल जाए। क्या मिल सकता है ?'

मेरी आश्चर्य से अपना सिर एक ओर झुकाए हुए रसोई की ओर चली गई। मौली, वह सोचने लगी, फिर इसके बाद क्या ?

१७

एलेजबेथ द्वारा स्प्रिंगफील्ड के समाज मे पुन: प्रवेश के अवसर पर उनके घर को मोमबत्तियो और एस्ट्रल लैम्पो से देदीप्यमान किया गया। मेरी ने बच्चे की खुशी मे एलेजबेथ को एक सुन्दर फ्रासीसी गाउन उपहार मे दिया था। निनियन के छोटे भाई बेंजामिन और उसकी पत्नी हेलेन से मिलने के लिए डेढ सौ अतिथि घर पर आने वाले थे। उनका स्वागत करने के लिए पहली बार ऐलेजबेथ सीढियो से नीचे उतरी तो उसने वही गाउन पहन रखा था। बेंजामिन और हेलन का विवाह हुए चार ही मास हुए थे और वे न्यू हैवन से स्प्रिंगफील्ड मे स्थायी रूप से बसने

के लिए आ गए थे। निनियन ने अपने पहले पुत्र के जन्म पर एलेज़बेथ को एक चीनी लाल प्यानो उपहार स्वरूप दिया था। जब अतिथि आ रहे थे, मेरी और डगलस उस प्यानो पर बैठे एक दोगाना गा रहे थे।

स्टूल पर पास-पास बैठे हुए उनके कधे परस्पर स्पर्श कर जाते थे और मेरी को उस व्यक्ति के शरीर की उष्णता और शक्ति अनुभव होती थी। वह व्यक्ति प्रतिभाशाली, ओजस्वी और महत्वाकाक्षी था। उसने अकेले ही इलीनाइस मे सर्वथा नये तथा प्रभावशाली ढग पर डेमोक्रेटिक पार्टी की व्यवस्था की थी और राष्ट्रपति मार्टिन वान बूरेन के पुन' निर्वाचन की योजनाओ मे अपनी पार्टी का नेतृत्व कर रहा था। गत रात खाने के समय उसने निनियन को अपने छोटे भाई से स्प्रिगफील्ड के वकीलो के बारे मे यह बात करते सुना था

'इलीनाइस मे किसी खराब मामले के लिए सबसे अच्छा वकील स्टीफेन डगलस है और बुरे मामले के लिए लिकन तो बिल्कुल ही निकम्मा वकील है।'

उसके पास ही बैठा हुआ, बडे सिर, घने बालो, गठे हुए शरीर तथा बच्चो जैसी छोटी-छोटी टागो वाला व्यक्ति नगर का सर्व प्रमुख वकील था और वह इस समय उसके कानो मे मधुर गीत फूक रहा था और साथ ही आखो से शरारते कर रहा था। निश्चय ही वह मेरी को दिल दे बैठा था। मेरी के मन मे निनियन के ये शब्द घूम गए कि वह मनुष्य के लिवास मे एक भाप का इजन है। उसे डगलस के मन की तेज़ हलचल से आनन्द की अनुभूति हुई; निश्चय ही जिसकी टागे इतनी लम्बी थी कि किसी भी परिस्थिति मे वह स्थिर रह सकता था। वह उसे पसद करती थी, उसकी प्रशसा करती थी और उसके साहचर्य से उत्तेजित और हर्षित हो जाती थी किन्तु क्या उसे उससे प्रेम था?

मेरी ने उस हाल मे दृष्टि दौडाई। लगभग पद्रह नवयुवक वहा बैठे गा रहे थे, उल्लासपूर्ण बातो मे तल्लीन थे। वे सब अच्छे लोग थे और उनका जीवन का आरम्भ आकर्षणपूर्ण था। वह उन सबको पसद करती थी और उसके इस विश्वास का निश्चित कारण था कि वे सब लोग भी उसे पसन्द करते थे। वह पुरुषो मे से किसी एक को दूसरे से अधिक मान प्रदान नही करती थी। वह सभी को आमन्त्रित करती थी और उनका आमन्त्रण स्वीकार भी करती थी। वह जानती थी कि सभवतः उसके इस स्वाभाविक व्यवहार के कारण किसीको

उससे प्रेम जताने का साहस नही होगा। वह यह चाहती थी कि जब तक वह स्वय प्रेम न करने लगे कोई उससे प्रेम न जताए। उसने स्प्रिंगफील्ड मे देखा कि अन्य बहुत-सी लडकियो के विचार भी उस जैसे ही थे। पुरुषो का प्रेम पाने के लिए उनमे प्रतिस्पर्धा नही थी। उन्हे विवाह के लिए चिता न थी और न ही इस विचार मे डूबी रहती थी। वे यौवन-सम्पन्न, स्वस्थ और आकर्षक थी और जीवन का आनन्दोपभोग करती थी।

स्टीफेन डगलस ने ऊची आवाज के साथ गाना बद किया और फिर यह कहते हुए कुर्सी से उछल खडा हुआ, 'मुझे गर्मी और प्यास लग रही है। आओ मेरी, और मुझे शराब का एक प्याला दो।'

जब वे बरामदे की भीड मे से रास्ता बनाते हुए जा रहे थे तो जैक्सनविले के सरकारी वकील ने डगलस को बाह से पकडकर रोक लिया और कहा, 'स्टीव, नव वर्ष दिवस के बाद तुम मिले ही नही। मित्र, यह वर्ष तो तुम्हारे लिए शुभ रहेगा। हम वान बूरेन की पार्टी का प्रबन्ध कर लें और तुम भी अमेरिका की सिनेट के सदस्य बन जाओगे।'

मेरी ने देखा, डगलस के चेहरे पर रक्तिमा छा गई और फिर उसे आभास हुआ कि उसका अपना चेहरा भी रक्तिम हो गया था। वह सोच रही थी, स्टीव डगलस अमेरिका की सिनेट का सदस्य बनेगा और हेनरी क्ले, जान काल्हन और डेनियल वेब्स्टर के बराबर बैठेगा। जब वे आगे बढ गए तो मेरी ने पूछा:

'क्या यह सच है स्टीव ?'

'यदि विधान सभा मे डेमोक्रेटो का बहुमत हुआ...तो वे ही इलीनाइस से सिनेट का सदस्य चुनेगे। मैं क्योकि यहा के दल का नेता हू" अत ऐसा लगता है कि मुझे ही चुना जाएगा।'

यह कह उसने अपने बच्चो जैसे छोटे-छोटे हाथ अपने मुह पर रख लिए और नाक के पास मुह पर उगलिया फेरता रहा। फिर ठुड्डी के गढे को खुजलाते हुए हाथ मुह से हटा लिए।

'किन्तु स्टीव, तुम तो अभी तीस वर्ष के भी नही हुए...क्या तुम तैयार हो ?'

'तैयार ? मै जब तक वहा न पहुच जाऊ और अपनी परीक्षा न करू तब तक इस बारे मे क्या कह सकता हू। आखिर नौजवानो को भी ऊपर उठना चाहिए, क्या नही ? क्या तुम जानती हो कि यदि डेमोक्रेट हार जाए

इलीनाइस से सिनेट का सदस्य कौन बनेगा ?'

'नही तो, कौन ?'

'तुम्हारा अनुपस्थित मित्र अब्राहम लिकन ।'

'अब्राहम लिकन !' वह इतने ऊचे स्वर से बोली कि दोनो आश्चर्यचकित-से रह गए, 'यह तो मै विश्वास नही कर सकती !'

'प्रिये, मुझे प्रसन्नता है कि तुम मुझे दो बुराइयो मे से कम बुरा समझती हो ।'

'ओह स्टीव, मुझे तो केवल इस कारण आश्चर्य हुआ था कि तुम अभी इतनी छोटी आयु के हो । मुझे विश्वास है कि यदि तुमने सिनेट का सदस्य बनने का निश्चय कर लिया है तो तुम अवश्य सफल होगे ।'

'यह ठीक कहा । पहली बार जब मैंने सोचा था कि मैं निर्वाचित हो सकता हू तो मै एक सप्ताह भर सो नही सका था ।'

मेरी ने डगलस के लिए शराब उडेल दी और पीने के पश्चात् वह पुस्तकालय मे एकत्र निनियन और उसके मित्रो से जा मिला तो मेरी के मन मे उसका यही वाक्य घूम रहा था, 'तुम्हारा अनुपस्थित मित्र ।'

सच ही उसने उसे नही देखा । वह क्यो नही आया ? क्या उसे आमत्रित नही किया गया । अथवा उसने आने का कष्ट नही किया ? अकस्मात् उसे आभास हुआ कि उसके पीछे कोई खडा है ।

'नही, वह यहा नही है मेरी ।'

मेरी ने पीछे की ओर घूमकर देखा और कहा, 'ईश्वर के लिए मेरे विचारो के बारे मे अनुमान लगाना छोड दो, लिज ।'

'बहुत खुशी से, किन्तु तुम भी अपने विचारो की अभिव्यक्ति अपने चेहरे पर प्रकट करना छोड दो। उसे आमत्रित नही किया गया था क्योकि यहा के सामाजिक जीवन मे उसका स्थान नही है । उसका कोई घर-बार नही । जोश स्पीड की दुकान पर वह किसीके बिस्तर मे सो रहता है और बटलर के पास मुफ्त खाना खा लेता है ।'

'किन्तु तुमने अन्य ऐसे नवयुवको को भी तो बुलाया है जिनका घर-बार नही । लीमैन ट्रम्बल स्टेट हाउस के कमेटी के कमरे मे सोता है । जोश स्वय भी तो अपनी दुकान के ऊपर सोता है ।'

'उनके पास ऐसे घर नही जहा वे लोगो को आमत्रित कर सकें किन्तु उन्हे

निश्चय ही समाज मे अभिरुचि है और वे अच्छे-अच्छे होटलो और रेस्तरा मे लोगो को आमन्त्रित कर अपना कर्तव्य निभाते है और इस प्रकार वे यह प्रदर्शित करते है कि वे हमारे समाज मे अपना स्थान बनाना चाहते है। लीमैन अमरीका के ट्रम्बल-परिवार की सातवी पीढी मे से है और जोश स्पीड केटुकी के एक महत्वपूर्ण परिवार का व्यक्ति है। सामाजिक दृष्टि से श्री लिंकन का कोई महत्व नही।'

'क्या इससे उसके हृदय को ठेस नही पहुचेगी....? यदि उसके स्थान पर मैं होती तो आप सबको नीच और पक्षपाती कहकर आपसे घृणा करती।'

'मेरी लाडली, तुम लिकन को नही जानती। हम उसके प्रति सबसे बडी रियायत यही कर सकते थे कि अतिथियो की सूची मे से उसका नाम निकाल देते। उसने भी स्पष्ट कर दिया है कि वह स्प्रिगफील्ड समाज का अग नही बनना चाहता और मै उसकी इच्छा के विरुद्ध कोई बात क्यो करू ?'

एलेजबेथ के चले जाने पर मेरी सोचने लगी, हा बात तो ठीक है। मैं लिंकन को समझ नही सकी। किन्तु जब तक आप किसीको देखे नही, आप उसके व्यक्तित्व को कैसे समझ सकते है ?

अगले दिन शाम के समय उसके चाचा जज डेविड टाड और उनकी सुन्दर बेटी एन आ गए। जान टाड ने उन्हे पारिवारिक सम्मेलन के लिए आमन्त्रित किया था। मेरी को दोनो चाचो को इकट्ठा देखकर प्रसन्नता हुई। डाक्टर जान सबसे बडा था। उसकी आयु बावन वर्ष की थी। सिर सर्वथा गजा था किन्तु कानो के समीप कुछ सफेद बाल थे जिन्हे वह पीछे की ओर किए रहता था। शरीर भारी था और गर्दन टाड-परिवार की ही तरह छोटी थी। वह ट्रासिलवानिया और पेनसिलवानिया विश्वविद्यालयो का स्नातक था। उसका यह विश्वास था कि अपराधी आत्मा को नरक की आग मे झुलसना पडता है और अपराधी शरीर को मार-मारकर लहूलुहान कर देना चाहिए।

जज डेविड टाड छोटा था। उसका शरीर गठा हुआ, आखे काली और सुन्दर और बाल काले तथा घुघराले थे, जिस कारण परिवार के लोग उसे स्त्रियो का-सा पुरुष कहते थे। वह बहुत पहले केटुकी से मिसूरी चला गया था और वहा उसने बहुत अच्छा फार्म खरीदकर एक व्यापारी के रूप मे अपना जीवन आरम्भ किया

था। फिर कानून का अध्ययन करके १६ वर्ष तक जज बना रहा।

चाचा डेविड के जीवन मे मिसूरी एक बहुत बडी प्रेरणा प्रमाणित हुई।

उसने मेरी से कहा, 'मेरी, तुमने स्प्रिंगफील्ड आकर बहुत भूल की है। तुम्हे मिसूरी आना चाहिए था। वहा तो सभी कुछ अत्यत सुन्दर है, भूमि उर्वर है, पुरुष बहुत सुन्दर है···बताओ मेरी, क्या तुम किसीकी हो गई हो ?'

'नही चाचा डेविड, मै तो अभी आजाद हू।'

'तब तो बहुत अच्छा है। मिसूरी मे तुम्हारी जैसी सुन्दर युवतियो की ही आवश्यकता है। वस्तुतः मेरे यहा आने का एक यह भी कारण है। मैं सारे टाड-परिवार को मिसूरी मे ले जाकर बसाना चाहता हू। क्या तुम हमारे साथ चलना पसद करोगी ? मैं कम से कम आधी दर्जन ऐसे लोगो को वहा जानता हू जो तुम्हे देखते ही पसद कर लेगे। मैं शर्त लगाकर कह सकता हू कि तुम्हे वैसे लोग यहा नही मिल सकते।'

मेरी ने प्रसन्न भाव से कहा, 'मैं साफ इन्कार कर देना चाहती हू और मैं अब तक किसीके बस मे भी नही हू।'

'मिसूरी मे हमारा विश्वास है कि हर काम शीघ्र होना चाहिए। तुम कैसा व्यक्ति पसद करोगी—वकील, डाक्टर, किसान, व्यापारी अथवा न्यायाधीश ? वहा हमारे पास दतचिकित्सक भी है। सभवत तुम्हे वही पसद आए ? तुम हमारे साथ चले चलना मेरी।'

१८

फरवरी के महीने मे एक दिन शाम के समय मेरी सिक्स्थ स्ट्रीट मे सैर कर रही थी कि श्रीमती साइमन फ्रासिस उसे घर से बाहर निकलती हुई मिल गई। श्रीमती साइमन फ्रासिस ने सफेद रग का सूती लिबास पहना हुआ था और एक बुना हुआ शाल ओढ रखा था। उसके हाथो मे खाद्य वस्तुओ से भरी हुई ट्रे थी। श्री साइमन ने घर और दफ्तर के बीच कोई आधी दर्जन ढीले-ढाले तख्ते

लगा रखे थे। श्रीमती फ्रासिस उन तख्तो पर कुछ कदम ही बढी थी कि उसे मेरी दिखाई दी और उसने उसे आवाज देकर बुला लिया।

'हलो मेरी ! ज़रा दुकान तक मेरे साथ चलो सिम को खाना खिला आए।'

मेरी जमे हुए कीचड पर से गुजरकर सडक के उस पार चली गई। उसने देखा श्रीमती फ्रासिस काफी के अतिरिक्त गर्म-गर्म खाना भी ला रही थी। श्रीमती साइमन फ्रासिस चौडे तथा चपटे चेहरे वाली स्त्री थी। और उसकी नाक, मु ह, भौहे और कान प्राय: एक समान स्तर के थे। उसके वक्ष का उभार देखकर मेरी सोचने लगी, इन स्तनो मे तो बहुत दूध होगा। स्प्रिगफील्ड मे वह एक लोक-प्रिय स्त्री बन गई थी। लोगो ने प्राय उसे सर्दियो मे गर्म सूप और गर्मियो मे ठण्डा दूध तथा फल ले जाते हुए देखा था।

जब वे काफी दूर निकल गईं तो मेरी ने पूछा, आपने अपना घर और दुकान एक दूसरे के पास-पास क्यो नही बनाए ? दुकान और मकान को मिलाने वाला एक दरवाजा होना चाहिए था जिससे आपको यहा आने-जाने की मुसीबत न रहती।'

'हा, मुझे दिनभर मे लगभग बीस चक्कर लगाने पडते है। सिम आज प्रात: बिना नाश्ता किए ही दफ्तर चला गया था और वह रात के दस बजे से पहले वहा से नही आ सकेगा। मै चाहती तो यह थी कि उसके जीवन के दोनो पहलू अलग-अलग रहे और हमारा घर केवल सुख और चैन के लिए हो।'

मेरी ने 'सगामो पत्रिका' का दरवाजा अन्दर की ओर खोला और पहले श्रीमती फ्रासिस को अन्दर जाने दिया फिर आप उसके पीछे अन्दर घुसी। साइ-मन दरवाज़े की ओर पीठ किए छापे के अक्षरो को जमा रहे थे। उन्होने आहट सुनकर पीछे की ओर देखा किन्तु उनके दक्ष हाथ नही रुके और इधर-उधर टाइप के अक्षरो को रखते रहे। साइमन सदा अपने हाथ की हथेली से बालों को भौहो से पीछे की ओर हटाते रहते थे और उनके माथे पर काफी स्याही लगी हुई थी।

'हलो ! एलेज़ा, क्या शाम के खाने का समय हो गया ? मेरी, अन्दर आ जाओ और यहा आराम से बैठो।' मेरी की यह इच्छा हुई कि वह पूछे कि वह कहा बैठे क्योकि 'सगामो पत्रिका' का दफ्तर एक बडा कमरा था जहां

कागज, स्याही, टाइप बक्स और प्रेस थे। एक कोने मे एक डेस्क पडा था किन्तु कुर्सी तो न वहा के स्वामी के लिए ही थी और न ही किसी आने-जाने वाले के लिए ही।

साइमन फ्रासिस का जन्म कनेक्टीकट मे हुआ था। छापे का काम उसने न्यू हैवन मे सीखा था। उसके बाद वह न्यू लण्डन और बफैलो मे साप्ताहिक पत्र निकालता रहा। १८३१ मे वह पश्चिम की ओर चला आया, ताकि इस नई आबादी मे अपना स्थान बना सके। पहले पहल तो उसे असफलता हुई क्योकि स्प्रिगफील्ड मे दक्षिण से आकर बसे हुए लोग यह सन्देह करते थे कि वह बडा गया-गुजरा व्यक्ति है किन्तु अब उसका पत्र इलीनाइस मे व्हिग पार्टी का पत्र बन गया था। इसपर भी वह इस चार पृष्ठ के साप्ताहिक पत्र द्वारा अपना गुज़ारा नही कर सकता था अतः वह अपने प्रेस मे वाणिज्यिक मुद्रण का कार्य भी करता था।

'इस दफ्तर मे मै सम्पादक भी हू और कम्पोजीटर भा। भूत की तरह सभी प्रकार का काम मुझे करना पडता है। मै अपने सम्पादकीय यही टाइप के बक्सो पर खडे हुए और अक्षरो को उचित स्थान पर रखते हुए लिखा करता हू।'

श्रीमती फ्रासिस ने धीमे से कहा, 'एब भी तो तुम्हारी जितनी सहायता कर सकता है, करता है।'

स्प्रिङ्गफील्ड मे एक फ्रासिस-परिवार ही ऐसा था जो लिंकन को उसके पहले नाम से पुकारा करता था।

साइमन ने सहमतिसूचक भाव से कहा, 'हा, एब की मुझे बहुत सहायता है। पृष्ठो को भरने के लिए वह पत्र और लेख लिख देता है।'

'क्या यह सच है कि यदि राज्य मे व्हिगो की जीत हो तो लिकन हमारे सिनेटर बनेगे ?' मेरी को यह पूछते हुए आभास हो गया कि उसके प्रश्न मे उत्सुकता थी किंतु साइमन ने उस ओर ध्यान नही दिया। वह बोला, 'निश्चय ही वह हमारा सबसे योग्य व्यक्ति है।'

मेरी की अपनी राय यह थी कि व्हिग पार्टी मे निनियन एडवर्ड का स्थान सर्वोपरि है। उसने भारी ऊनी कोट उतार दिया और अपने गहरे हरे रग के स्कर्ट की झालरो को समेट कर टखनो से ऊपर उठाया ताकि फर्श पर बिखरी हुई स्याही न लग जाए और फिर वह सामने की खिडकी की ओर चली गई जहा से सिक्स्थ स्ट्रीट साफ दिखाई दे रही थी। फिर वह बोली, 'लिंकन के बारे मे आपकी इतनी अच्छी

राय क्यो है। मैं तो उस व्यक्ति को समझ नही सकी। वह व्यक्ति कैसा और क्या है?'

साइमन और एलेजा फ्रासिस ने एक दूसरे की ओर ध्यानपूर्वक देखा। उस मौन से ऐसा प्रतीत होता था कि वे अपने विचारो को क्रमबद्ध कर रहे है। आखिर एलेजा ने कहा :

'जब वह अप्रैल १८३७ मे स्प्रिङ्गफील्ड आया था तो किसी उधार मागे हुए घोडे पर चढकर आया था और उसके जीवन का सारा सामान काठी के थैलो मे ही बन्द था। एक बिस्तर खरीदने के लिए उसके पास १७ डालर तक नही थे। जोश स्पीड ने मुझे बताया है कि एब ने यह स्पष्ट कहा था, 'बिस्तर है तो बहुत सस्ता किंतु मै यह कहना चाहता हू कि इतना सरता बिस्तर खरीदने के लिए मेरे पास पैसे नही है किंतु यदि तुम क्रिसमस तक के लिए मुझे उधार दे दो और यहा वकालत करने मे मुझे कुछ सफलता मिल जाए तो मैं सारे पैसे चुका दूगा। यदि मेरी वकालत सफल न हुई तो सम्भवत: मैं कुछ भी न दे सकू।' जोश कहता है कि उसके चेहरे पर इतने दु ख के भाव थे कि उसने जीवन भर किसी व्यक्ति को इतना उदास नही देखा था इसलिए उसने एब से कहा कि वह उसकी दुकान पर उसके बडे बिस्तरे मे से आधे पर सो जाया करे। इसके उत्तर मे एब ने एक शब्द भी न कहा और अपने थैले उठाकर सीधा ऊपर चढ गया और जब दूसरे ही क्षण वह नीचे आया तो उसका चेहरा चमक रहा था। उसने कहा था, 'देखो स्पीड, तुमने तो मेरा दिल जीत लिया है।''

'क्या यह सच है कि वह इतने समय से बटलर को बिना कुछ दिए उसके यहा खाना खा रहा है?'

उन दोनो पति-पत्नी के चेहरो पर ऐसे भाव प्रकट हुए मानो उन्हे इस प्रश्न से बहुत दुःख पहुचा हो। यह एक ऐसा प्रश्न था जिसे कभी कोई पूछता नही था। आखिर साइमन ने प्रयत्नपूर्वक उत्तर दिया

'मेरी, तुम्हे यह समझना चाहिए कि इस सीमान्त प्रदेश के रीति-रिवाज कैसे है। लेक्सिङ्गटन की तरह अभी तक यहा का समाज पूरी तरह आबाद नही हुआ। यहा हम नवयुवको को अपने पास रख लेते है। अपने बेटो के समान उनके साथ व्यवहार करते है और केवल रोटी ही क्या उन्हे जिस वस्तु की भी आवश्यकता होती है, प्रदान करते हैं। यदि एब ने बटलर को कभी कोई पैसा

नही दिया तो यह केवल इस कारण कि बटलर ने उससे यह स्पष्ट कह रखा है कि वे उससे कोई पैसा लेने के लिए तैयार नही होगे । वे उसके मित्र हैं और फिर लिंकन सब्ज़ी तथा अन्य खाद्य वस्तुओ और मुर्गियो आदि के रूप मे क्षतिपूर्ति कर देता है ।'

एलेजा फ्रासिस ने लिकन का पक्ष लिया और कहा :

'तुमने यह तो देखा है मेरी, कि एब तब तक कोई अभियोग अपने हाथ मे नही लेता जब तक उसे यह विश्वास न हो जाए कि उसका ग्राहक सच्चा है । कुछ दिन हुए लिकन अपने एक ग्राहक की बात सुनता रहा । जब वह सब कुछ कह चुका, तो लिकन ने अपनी कुर्सी मे करवट बदली और कहा, हा, तुम्हारा मामला कानून की दृष्टि से अच्छा है किंतु न्याय और औचित्य की दृष्टि से बहुत बुरा है । तुम्हे कोई और वकील करना होगा ताकि तुम इस मामले को जीत सको ।—मुझे यह भी स्मरण है कि जब एक व्यक्ति ने उससे पूछा, लिंकन, आप मेरे लिए कचहरी मे पेश होने के लिए कितनी फीस लेगे—एब ने उत्तर दिया, इसपर दस डालर लगेगे किंतु यदि आप आपस मे समझौता कर ले तो आपको कुछ भी नही देना पडेगा—उन्होने परस्पर समझौता कर लिया और एब को कोई फीस न मिली।'

इस बातचीत के मध्य मे मेरी सोच रही थी, लिंकन अपने आपको भुलावे मे डालने का प्रयत्न कर रहा है कि वह एक ऐसे ससार मे रहता है जहा धन जैसी कोई वस्तु नही किंतु इससे तो काम नही चला सकता । मेरे पिता उसे यह बात समझा सकते है ।

साइमन फ्रासिस वापस अपने टाइप के बक्स के पास चला गया । उसने कुछ अक्षर उठाकर इधर-उधर रखे और फिर उन्हे वापस फेक दिया और बोला :

'उसके अपने शब्दो मे जब न्यू सलेम मे उसकी दोनो दुकाने 'ठप्प हो गईं' और उसका साझीदार बेरी शराब पीने लगा तथा उसीके कारण मर गया तो एब ने सारे ऋण का बोझ अपने कधो पर उठा लिया । वह ऋण ग्यारह सौ डालर का था । वह उसे अपने राष्ट्रीय ऋण का नाम देता है । अब तक वह उस ऋण को चुकाता रहा है । उसे बेरी का ऋण चुकाने की आवश्यकता नही थी किंतु उसने अपने साझीदार का उत्तरदायित्व स्वय सम्भाल लिया ।'

'यह तो बहुत अच्छी बात है । यह तो ऐसा ही है जैसे मेरे पिता जी और

उनके साझीदार लेक्सिङ्गटन मे करते है।'

'माना कि इसमे कोई असाधारण बात नही किंतु इस नवयुवक मे कुछ असाधारणता है। उसके पास एक विशेष प्रकार की प्रतिभा है, इसी कारण हम समझते है कि वह कही भी ऊचे से ऊचे पद पर पहुच सकता है।'

दरवाजे पर थपथपाहट हुई और श्री लिंकन ढीला-ढाला कोट तथा वेस्ट कोट और लम्बा तथा गदा हैट पहने हुए खडा दिखाई दिया। वह मुस्कराया। दुकान के अन्दर के तीनो व्यक्तियो ने भी मुस्कराकर उसका स्वागत किया। लिंकन को खिडकी से दरवाज़े तक पहुचने और दरवाज़ा खोलने मे जितना समय लगा उतने समय मे एलेजा फासिस ने मेरी की ओर देखकर गभीरता से कहा:

'क्यो मेरी, अब तो तुम अब्राहम को भली प्रकार समझ गई हो न ?'

१९

विधान सभा स्थगित हो जाने पर सारा नगर सूना-सूना दिखाई देने लगा। मेरी के सभी पुरुष सम्बन्धी और मित्र नये निर्वाचन के कार्य मे लग गए। लिंकन और साइमन फासिस ने निर्वाचन-आन्दोलन का एक पत्र 'दी ओल्ड सोल्जर' निकालकर प्रथम प्रहार किया। दो सप्ताह पश्चात् स्टीफेन ए० डगलस और 'रजिस्टर' पत्र के सम्पादक ने 'ओल्ड हिकरी' नाम की पत्रिका निकालकर मु हतोड उत्तर दिया। मेरी को यह बहुत पसद आया। किन्तु जब वह लिंकन से चौक मे मिली और उसने उससे स्टीफेन डगलस के सम्पादकीय के बारे मे राय पूछी तो लिंकन ने बडी विकट मुस्कराहट के साथ उत्तर दिया :

'हमने इस बात को अपनी नीति का अग बना लिया है कि हम डगलस के बारे मे कभी कुछ नही बोलेगे, ऐसे छोटे-से मामले को निपटाने का क्या यह सर्वोत्तम ढग नही है ?'

'श्री लिंकन, यह तुम्हे शोभा नही देता' उसकी आवाज़ मे तीखापन था और माथे पर रक्तिम चिह्न उभर आए थे। 'किसी व्यक्ति की योग्यता और गुणो

को ईश्वर-प्रदत्त कद से नही नापना चाहिए, चाहे वह डगलस की तरह बौना हो · '

'अथवा मेरी तरह अत्यधिक लम्बा ।'

'तुम्हे लम्बा बनाया है तो ईश्वर ने और डगलस का छोटा कद भी ईश्वर ने ही बनाया है । मुझे तुम्हारे इस व्यवहार पर आश्चर्य होता है श्री लिकन, तुमने कभी किसी व्यक्ति के लिए अपमानजनक बात नही कही थी ।'

यह सुनकर उसका रग कुछ पीला पड गया और उसने धीमे स्वर मे पूछा, 'यदि कोई मेरी बुराई करेगा तो क्या तुम मेरे पक्ष का समर्थन भी इतने ही उत्साह से करोगी ?'

'निस्सन्देह मैं तुम्हारा भी इसी प्रकार समर्थन करूगी ।'

'धन्यवाद मौली, मैं पुन डगलस के लिए अपमानजनक बात नही कहूगा । सच तो यह है कि क्योकि मैने उसकी राज्यगठन की योजना का अनुकरण किया था अत उसे भी साप्ताहिक पत्रिका द्वारा आन्दोलन चलाने के बारे मे हमारे विचार का अनुकरण करने का अधिकार है ।'

मार्च के आरम्भ मे सगमन न्यायालय का अधिवेशन दो सप्ताह के लिए आरम्भ हुआ । इलीनाइस के बहुत-से वकील, उनकी आसामिया, गवाह और कारोबारी इसमे सम्मिलित हुए । लेक्सिगटन के न्यायालय मे जब एक दास को पीटने का मामला पेश हुआ, जिसमे उसके पिता जूरी के सदस्य थे, मेरी कार्यवाही सुनने के लिए गई थी किन्तु उसके बाद वह कभी न्यायालय नही गई थी । परतु स्प्रिगफील्ड मे उसने अनुभव किया कि उसे न्यायालय की कार्यवाही अवश्य सुनने जाना चाहिए । निनियन एडवर्ड के पास कोई मामला नही था । जब मेरी ने इसका कारण पूछा तो उसने बताया कि उसे इन मुकदमो मे रुचि नही क्योकि इनकी फीस बहुत कम है ।

नये न्यायालय-भवन के कमरे अभी बनकर तैयार नही हुए थे, इसलिए न्यायालय का अधिवेशन उसी इमारत के कमरे मे आरम्भ हुआ जहा मेरी ने लिकन को ऊपरी मजिल के अपने दफ्तर से उतरते देखा था । रेलिग के अन्दर कुछ वकील खडे थे । न्यायाधीश सैमुअल ट्रीट काले लिबास मे बैठे थे किन्तु अब भी उतने ही शर्मीले और चिन्तित दिखाई देते थे जितने कि वे नवयुवतियो के मध्य दिखाई दिया करते थे । पहले स्टीफेन डगलस उपस्थित हुए और उन्होने कुछ

ही मिनटो मे दो मुकदमे जीत लिए। उसके बाद क्रम से एडवर्ड बेकर, स्टीफेन लोगन और जेम्स कोकलिग आए और उन्होने या तो मुकदमे जीत लिए या सतोषप्रद ढग से उनका समझौता करवा दिया। भोजन के समय से कुछ ही देर पहले लिकन को बुलाया गया। मेरी यह देखने के लिए अपनी जगह पर आगे की ओर झुक गई कि लिकन कैसे व्यक्ति का मामला प्रस्तुत कर रहा है। उसने अपने आसामी को कटघरे मे खडा किया और फिर उससे शपथपूर्वक कहलवाया कि उसने अपने कारोबार के एक साथी को कुछ धन उधार दिया था और वह अभी तक उसे वापस नही मिला। जब प्रतिवादी को कटघरे मे खडा किया गया और उसके वकील ने उससे पूछा कि क्या उसने ऋण लौटा दिया था तो उसने उत्तर दिया कि हा लौटा दिया था। इसपर वकील ने पूछा कि क्या उसके पास इस बात का प्रमाण है ? प्रतिवादी ने तुरन्त जेब मे से ऋण लौटाए जाने की एक रसीद निकाल दी। उस समय मेरी ने देखा कि लिंकन कुछ कदम चला और अपने आसामी के सामने जाकर खडा हो गया और पूछा .

'क्या तुम जानते थे कि उसके पास रसीद है ?'

'हा श्री लिकन, किन्तु मैंने सोचा था कि वह भूल गया होगा।'

लिकन घूमा और कमरे के बीच मे से होता हुआ खुले दरवाजे की ओर चल पडा। मेरी चकित रह गई। यह कैसा व्यवहार है ? न्यायाधीश ट्रीट ने पुकारा

'श्री लिकन, आप कहा जा रहे है ? क्या आप इस मामले को समाप्त नही करना चाहते हैं ?'

लिकन का चेहरा पीला पड गया था। उसने उत्तर दिया।

'मान्यवर, इससे मैं अपने हाथ धोने जा रहा हू।'

मेरी कुछ आश्चर्य और कुछ प्रसन्नता की स्थिति मे सुस्ताने लगी। लिंकन के मुकदमो का यह आरम्भ कितना अशुभ है ? किन्तु उसे श्रीमती फ्रासिस के शब्द स्मरण हो आए और उसने अनुभव किया कि लिंकन का चरित्र बिल्कुल वैसा ही था।

भोजन के पश्चात् लिंकन ने सबसे पहले मुकदमा पेश किया। वह एक ऐसे व्यक्ति के पक्ष मे बोल रहा था जिसके विरुद्ध एक बडी धनराशि के लिए मुक-दमा चलाया जा रहा था। मुकदमे मे इस बात पर तर्क-वितर्क हो रहा था कि

क्या लिंकन के आसामी ने वादी को स्थायी क्षति पहुचाई है। मुख्य गवाह इलीनाइस का प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक था और उसने यही निश्चित बयान दिया था कि वादी को अत्यन्त गम्भीर क्षति पहुची है। श्री लिंकन चिकित्सक के मु ह की ओर देखते रहे और फिर एक-एक शब्द पर ज़ोर देते हुए बोले .

'डाक्टर, इस मुकदमे मे गवाही देने के लिए तुम्हे कितनी फीस मिलेगी ?'

चिकित्सक ने न्यायाधीश की ओर देखते हुए पूछा, 'मान्यवर, क्या मुझे इस प्रश्न का उत्तर देना होगा ?'

न्यायाधीश ट्रीट ने कहा, 'हा, प्रश्न उचित है।'

'अच्छा तो मुझे इसके लिए तीन ···सौ डालर मिलेगे।'

मेरी और न्यायालय के सभी लोगो का मु ह खुला का खुला रह गया। लिंकन ने अपनी लम्बी अगली उगली चिकित्सक की ओर करते हुए घृणा भरे स्वर मे कहा

'जूरी के सदस्य महोदयो, बडी फीस का अभिप्राय है बडी शपथ।'

जूरी ने लिकन के आसामी को मुक्त कर दिया।

चार दिन पश्चात् एक ऐसा मुकदमा पेश हुआ जिससे सारे नगर मे हलचल मच गई। मेरी, मर्सी, लेवरिग और जूलिया को देर हो गई इसलिए उन्हे पिछली दीवार के बराबर खडे होना पडा। गत अगस्त मास मे हेनरी लाकवुड नाम का व्यक्ति एक शिविर मे मारा गया था। सोवाइन नाम के एक गवाह ने शेरिफ के पास जाकर इस गोलीकाड का विस्तृत ब्यौरा दिया था जिसके परिणामस्वरूप ग्रेसन नाम के एक व्यक्ति को इस कत्ल के लिए गिरफ्तार कर लिया गया था। ग्रेसन की मा ने कोई बूढा अनुभवी वकील प्राप्त करने का प्रयत्न किया था किन्तु··· धन न होने के कारण वह इसमे सफल नही हुई और इस कारण लिंकन के पास चली आई थी।

राज्य के अभियोक्ता ने सोवाइन की गवाही दिलाई जो शपथपूर्वक यह कहता था कि उसने ग्रेसन को गोली चलाते देखा था और फिर उसने ग्रेसन को वहा से भागते हुए भी देखा था। तब उसने लाकवुड को वहा से उठा लिया और उसकी बाहो मे ही लाकवुड की मृत्यु हो गई थी।

इस मुकदमे मे अभियुक्त के लिए कोई आशा नही थी। मेरी बडी रुचि से यह देख रही थी कि न तो लिंकन ने गवाही के समय कुछ लिखा था और न

ही कोई आपत्ति करने के लिए वह खडा ही हुआ था। जब राज्य के अभियोक्ता ने अपना पक्ष समाप्त किया तो लिकन धीमे-धीमे अपनी कुर्सी से ऊपर उठा।

'श्री सोवाइन, तुमने कहा है कि कुछ ही देर पहले तुम लाकवुड के पास थे और तुमने गोलीकाड को देखा था। क्या तुम उनके बहुत निकट थे ?'

'नही बहुत निकट नही। मै वृक्षो मे खडा था।'

'किस लकडी के वृक्षो मे ?'

'आड़ू के वृक्षो मे।'

'अगस्त मास मे उन वृक्षो के पत्ते बडे-बडे होते है न ?'

'हा।'

'तो क्या वहा खडे-खडे तुम्हे मच पर या ग्रेसन या लाकवुड के पास कोई मोमबत्ती दिखाई दे रही थी ?'

'जी नही।'

'तब तुमने गोली चलते हुए कैसे देखी ?'

'चाद के प्रकाश मे।'

मेरी ने देखा कि लिकन ने अपनी जेब मे हाथ डाला और एक नीली जिल्द की पत्रिका निकाली तथा सबूत देने के लिए वह जिस पृष्ठ को चाहता था उसे निकाला। जब पुस्तक उसे लौटाई गई तो उसने कहा

'इस जत्री के अनुसार, जो कि इलीनाइस राज्य और स्प्रिगफील्ड नगर मे सरकारी जत्री मानी जाती है, हमे इस बात की असदिग्ध गवाही मिल जाती है कि अगस्त ६ की तारीख को सोवाइन ने और किसीने भी चाद को नही देखा क्योकि उस दिन चाद प्रात एक बजे तक निकला ही नही।'

सोवाइन गिर पडा और उसने स्वीकार कर लिया कि गोली उसीने चलाई थी।

मेरी को मन ही मन निनियन पर क्रोध आ रहा था कि उसने क्यो यह कहा था कि एक बुरे मामले मे लिंकन एक निकृष्टतम वकील था ? स्पष्टतः लिकन के लिए कोई मामला बुरा ही नही होता''' सिवाय उसके कि जिसमे वह अपने आसामी को बेईमान समझता था और ऐसे मामलो मे, उसीके शब्दो मे—वह अपने हाथ धो लेना था।

ज्यो ही न्यायालय की कार्यवाही समाप्त हुई और दरवाज़े बन्द किए गए

तथा सबके सब वकील अपने-अपने क्षेत्रो मे चले गए, तभी स्प्रिंगफील्ड नगर मे एक भारी हलचल मच गई जिसमे टाड-परिवार ग्रस्त था।

जब मेरी पहली बार १८३७ मे यहा आई तो उसकी एक चचेरी बहन लूसी हार्डिन और उसका पति मार्कस चिन पास ही के जैक्सनविले नगर मे बस गए थे। वे केंटुकी से दो दास अपने साथ लाए थे। क्योकि इलीनाइस के राज्य मे १८१८ से दासता को कानून द्वारा निषिद्ध कर दिया गया था इस कारण जैक्सनविले मे दासता के विरोधी दल ने दोनो नीग्रोओ को बता दिया कि कानून की दृष्टि से वे स्वतत्र थे और उन्हे अपने घर मे छुपा लिया था। चिन-परिवार ने उस नीग्रो को पुन पकड लिया और उसे बेचने के लिए नदी के उस पार भेज दिया। किन्तु नीग्रो लडकी ने अपनी आजादी के लिए इलीनाइस मे मुकदमा चला दिया। इससे नगर मे तनाव पैदा हो गया। अतः विशेष न्यायाधीश ने मुकदमा राजधानी मे भेज दिया।

जब निनियन ने यह समाचार दिया कि स्टीफेन टी० लोगन ने उनकी चचेरी बहन लूसी चिन की प्रार्थना स्वीकार कर ली थी और वह मुकदमे मे उनके पक्ष मे बोलने के लिए तैयार हो गया था तो मेरी ने इसपर विश्वास नही किया। उसके बाद जब वह घर आया तो मेरी उसके पीछे पड गई।

'भैया स्टीव, मै तो समझ नही सकी कि आप क्यो चिन-परिवार का पक्ष ले रहे हैं, भले ही वे आपके निकटतम सम्बन्धी है; निश्चय ही आप इलीनाइस मे दासता को वैध नही बनाना चाहते।'

'नही मेरी, मेरी यह इच्छा तो नही है किन्तु कानून के अधीन हर किसी अपनी निजी की तथा सम्पत्ति की रक्षा का तो अधिकार है। यदि दासता की समस्या का ही हल निकालना है तो भी मामले के दोनो पक्षो को भली प्रकार प्रस्तुत करना चाहिए।'

'किन्तु यदि आपने दासता के पक्ष मे मुकदमा लडा तो क्या लोग यह निष्कर्ष नही निकालेगे कि आप दासता के पक्ष मे है?'

'मैं तो यह नही समझता, क्योकि ग्राहको का चाहे जैसा भी विश्वास हो, वकील उनके विचारो के पक्षपाती नही होते और न ही हो सकते है। वकील तो न्यायालय का एक अधिकारी होता है और उसका कर्तव्य होता है कि मुकदमे के सभी पहलुओ को कानून की दृष्टि से देखा जाए। मैं अपने कर्तव्य को भली

प्रकार तथा निष्पक्ष भाव से निभाऊगा।'

शाम के खाने के समय मेरी ने स्टीफेन से अपनी बातचीत एलेज़बेथ और निनियन को बताई। निनियन ध्यानपूर्वक सुनता रहा और फिर बोला·

'किसीको चिन-परिवार का भी तो पक्ष लेना है, उन्हे भी तो वकील रखने का अधिकार है और सभवत यह बहुत अच्छा है कि उन्हे इलीनाइस का सबसे अधिक अनुभवी वकील मिल गया है। यदि हमारे भाई स्टीव और चिन-परिवार की हार हो गई तो सदा के लिए स्वतन्त्रता का उदाहरण स्थापित हो जाएगा और फिर कभी यहा दासता की प्रथा नही आएगी।'

'किन्तु यदि स्टीव जीत गए तो दक्षिणी राज्यो के परिवार भी अपने दास लेकर इलीनाइस मे आ जाएगे और इस राज्य मे दासता की प्रथा आरभ हो जाएगी।'

निनियन ने निश्चय-भाव से कहा, 'नही वह नही जीत सकेगा। मै नीग्रो लडकी की वकालत करूगा।'

मेरी का मुह खुला का खुला रह गया और वह उसकी ओर देखने लगी। यही वह व्यक्ति था जिसे वे अभिजात वर्ग का हृदयहीन व्यक्ति कहा करते थे। पिछले अधिवेशन मे वह न्यायालय मे उपस्थित नही हुआ था क्योकि फीस बहुत कम थी, किन्तु फिर भी वह इस मामले को पेश करने के लिए तैयार हो गया था यद्यपि इसकी कोई फीस नही मिलती थी। वह अपनी जगह से उठी और मेज़ का चक्कर लगाकर अपने बहनोई के पास जाकर उसका प्रेम-भरा चुम्बन ले लिया। फिर एलेज़बेथ की ओर घूमकर वह बोली :

'बहिन, तुमने सचमुच एक पुरुष से विवाह किया है।'

मेरी ने स्टीफेन डगलस और अब्राहम लिंकन को प्रात चाय पर बुलाया। यह पहला अवसर था जब उसने उन दोनो को इकट्ठे बैठे हुए देखा था और जब दोनो व्यक्ति एक कत्ल के अभियोग की चर्चा कर रहे थे, जिसमे उन दोनो को स्पेसर टर्नर की प्रतिरक्षा के लिए वकील किया गया था, मेरी को उनका अध्ययन करने का अवसर मिल गया। वे बैठक के मध्य मे पास-पास खडे बडा हास्यपूर्ण चित्र उपस्थित कर रहे थे। डगलस ने अपना सिर पीछे की ओर फेका हुआ था और लिंकन ने कधे आगे की ओर झुकाकर सिर नीचे किया हुआ था ताकि डगलस और उसमे अन्तर कम हो जाए। मेरी ने उन्हे बताया कि लोगन और

निनियन के साथ उसकी क्या बातचीत हुई थी और फिर उसने पूछा :

'क्या आप दोनो चिन के मामले की वकालत करेगे ?'

डगलस किसी भी मामले के बारे मे शीघ्र ही सोच लेता था। उसने कहा :

'प्रिये मेरी, यह तो बहुत साधारण प्रश्न है। इससे वकालत की वृत्ति के सम्बन्ध मे अज्ञान का पता लगता है। तुम्हारे चचेरे भाई लोगन ठीक ही कहते है। मैं स्वय दासता का सर्वथा विरोधी हू और मैं कभी भी न तो दास खरीदूगा, न बेचूगा और न ही किसीसे उपहारस्वरूप लेना स्वीकार करूगा किन्तु यदि चिन मेरे पास आकर कहे कि मै उन्हे उनकी वैध सम्पत्ति की हानि से बचाने के लिए उनकी वकालत करू तो मैं एक वकील होने के नाते उनकी वकालत करना अपना कर्तव्य समझूगा और अपनी पूरी शक्ति के साथ उस मामले को प्रस्तुत करूगा।'

मेरी ने लिंकन की ओर देखा। वह अब आगे की ओर झुका हुआ नही था वरन् पूरी छ फुट चार इच की ऊचाई के साथ सीधा खडा था और छत की ओर देख रहा था।

'तुम्हारा क्या विचार है श्री लिंकन ? क्या तुम मेरे भाई लोगन से सहमत हो ?'

लिंकन को किसी विषय के बारे मे सोचने मे उतनी ही अधिक देर लगती जितना अधिक शीघ्र डगलस सोच सकता था। मेरी स्पष्ट देख रही थी कि इस विषय पर विचार करते हुए लिंकन को अत्यन्त कष्ट हो रहा था। आखिर वह ऊपर उठी हुई दृष्टि को समान स्तर पर ले आया।

'मैं तो कभी भी दासता के पक्ष मे नही बोलूगा। मेरी राय मे दासता अन्याय और बुरी नीति पर आधारित है। गोरे लोग तो अपने आपको स्वतन्त्र रख सकते हैं किन्तु नीग्रो नही, इसी बात मे दासता का मूल दु खद स्वरूप निहित है। मैं एक वकील होने के नाते उस व्यक्ति की वकालत करना अपना कर्तव्य नही समझता जो एक आजाद प्रदेश मे दासता लाने का प्रयत्न कर रहा हो।'

डगलस ने ऊचे स्वर मे कहा, 'यदि आप दोनो दासता विरोधी मुझे अनुमति दें तो मुझे 'रजिस्टर' के कार्यालय मे जाकर इस सप्ताह का सम्पादकीय ठीक करना है।'

उसके चले जाने के बाद मेरी और लिंकन दो कुर्सिया अगीठी के पास ले

आए । लिंकन ने धीमे से कहा .

'तुम जानती हो कि मैं दासता को समाप्त करने वालो मे नही हू । मेरा यह विश्वास है कि जिन राज्यो मे दासता का प्रचलन है वहा दासो के स्वामियो को उनपर पूरा अधिकार है । मैने ऐसे बहुत-से उदाहरण पढे है जब दासता विरोधी लोगो ने स्वामियो को अपने दास के विरुद्ध करके उनकी विपत्तियो को और भी बढा दिया था ।' वह क्षणभर के लिए रुका और फिर अपना पूरा चेहरा मेरी की ओर घुमाते हुए बोला, 'मैने कभी भी दासता का जीवन नही देखा । सच तो यह है कि न्यू ओरलियन्स जाते हुए केवल दो बार मैने मिसिसिपी नदी मे मडी के लिए नौका लेते हुए दासता की स्थिति को देखा था । जहा चहुओर दासता का ही वातावरण हो वहा रहना भी कैसा लगता होगा ?'

मेरी ने कुछ क्षण अपने विचारो को शृखलाबद्ध किया और फिर बोली, 'बचपन मे तो मुझे यह बहुत स्वाभाविक और अच्छा लगता था । मेरी मा भी मुझसे इतना प्रेम न कर सकती जितना मामी सेली ने किया है और हम भी उससे प्रेम कर सकते थे । हमारे घर के सब नौकर परिवार के ही सदस्य थे और हमारे स्वभाव की त्रुटियो को भी इतनी क्षमा नही की जाती थी जितनी कि उनकी त्रुटियो को । हमारे सारे परिवार मे और यहा तक कि हमारे मित्रो के खेतो मे भी दासो के साथ दयापूर्ण व्यवहार किया जाता था और वहा सदा गोरो और कालो के बीच प्रेमपूर्ण सम्बन्ध रहता था । जब मैं आठ वर्ष की हो गई और मुझे डाक्टर वार्ड की अकादमी मे भेजा गया तब कही मुझे यह पता लगा कि अत्याचारी स्वामी भी है ।'

मेरी ने उसे बताया कि न्यायालय मे एक नीग्रो नवयुवक और युवती को पिटते देखकर वह बेहोश हो गई थी, अपने मकान के पास बडे बाज़ार मे दासो के गिरोह को जजीरो मे बाधकर ले जाते देखा था, और लेक्सिगटन के चौक मे एक नीलामी का स्थान था जहा एक परिवार के सदस्यो को अलग-अलग नीलाम कर दिया जाता था और वे दूर दक्षिण के दलदल वाले क्षेत्रो मे भेज दिए जाते थे । उसने लिकन को वह घटना भी बताई जब उसके सामने वाले मकान की घमडी स्वामिनी श्रीमती टर्नर ने एक दिन दूसरी मजिल पर से एक नीग्रो बच्चे को नीचे आगन मे पटक दिया था । फिर अन्त मे उसने बताया कि उसके लेक्सिगटन से चले आने के कुछ ही समय पूर्व उसके पिता एक अत्यन्त दुःखद

स्थिति मे फम गए थे और कैसियस क्ले ने उस बारे मे कहा था, 'ससार मे अनन्यतम वस्तुए बहुत कम है और दासता उनमे से एक है जो कि अनन्यतम बुराई है, जो व्यक्ति किसी भी प्रकार की दासता का पक्षपाती है, दासता का पूरा उत्तरदायित्व उसपर है।'

'मेरे पिता भी आपकी ही तरह दासता-विरोधियो के पक्ष मे नही थे। दक्षिण मे नीग्रो दासो के कल्याण सम्बन्धी पचास वर्ष के कार्य से उन्होने अपने को मिट्टी मे मिला लिया। उन्होने नीग्रो-उपनिवेशो के लिए बहुत कार्य किया था ',

'मैं उस कार्य का बहुत समर्थन करता हू।'

'और वे दासो के बच्चो की आयु २१ वर्ष हो जाने पर उन्हे स्वतन्त्र कर देने के लिए प्रयत्नशील रहे। हम इस प्रकार शनै-शनैः दास-प्रथा को पूर्णतः समाप्त कर सकते है। यहा ऐसे लोग है जिन्होने दासता को मूलत समाप्त कर देने का निश्चय किया हुआ है, जैसे मेरा मित्र कैसियस क्ले कहा करता था कि आज ही, इसी पल, इसी क्षण' दासता को समाप्त कर देना चाहिए। वह शक्तिशाली व्यक्ति है। उसमे कार्य करने का साहस, हिम्मत, और बुद्धि है और उसका निश्चय इतना दृढ हे कि जब तक एक भी व्यक्ति दासता के बधन मे है वह इस कार्य से मुह नही मोडेगा।'

लिंकन ने अपनी ठुड्डी नीचे की, फिर इस प्रकार दृष्टि ऊपर उठाई जैसे मेरी को ऐनक के ऊपर से देख रहा हो।…

'मौली, तुम उस कैसियस क्ले नाम के व्यक्ति को पसद करती हो ?'

'पसद ? मैं तो मेरी जेन वारफील्ड को कभी भी इस बात के लिए क्षमा नही कर सकती कि मेरे जवान होने से पूर्व ही उसने कैसियस से विवाह कर लिया था।'

जब अप्रैल मास मे वसन्त ऋतु का आरम्भ हुआ तो स्प्रिङ्गफील्ड के सभी नवयुवक वकील इलिनाइस मे निर्वाचन के कार्य मे लग गए । उसी वर्ष विधान-सभा का भी निर्वाचन था और राष्ट्रपति-पद का भी । मेरी के दो तिहाई मित्र बाहर जैक्सनविले, कार्लिनविले, आल्टन, बेलीविले, ट्रेमन्ट, ब्लूमिगटन, पौन्टियाक, क्लिटन, पिटर्स्बर्ग मे भाषण देते हुए घूमते-फिरते थे। वे बीच-बीच मे कुछ दिन के लिए घर आ जाते थे और विश्राम करने के पश्चात् फिर बाहर चले जाते थे ।

स्टीफेन डगलस का ध्यान मेरी की ओर बहुत अधिक रहा और अन्य युवको की अपेक्षा वह ही उसमे मिलता-जुलता रहा और जब कभी वह कुछ दिनो के लिए नगर से बाहर जाता, उससे विदा लेने चला आता था और वापसी पर उसके लिए छोटा-मोटा उपहार अर्थात् कोई रूमाल या इत्र आदि ले आता था। मेरी उसके ऐसे कामो के भुलावे मे नही आई क्योकि वह जानती थी कि वह इसी प्रकार जूलिया जेन, साराह डनलप, और निस्सन्देह एक-दो और लडकियो के लिए भी उपहार लाया करता था और उनसे मिला करता था ।

जब अधिकाश पुरुष बाहर चले गए तो लडकियों ने एक पेडेस्ट्रियन क्लब बनाई जो रविवार को प्रात समय भरी हुई टोकरिया लेकर उर्वरा मैदानो मे घूमती थी और जगली फूल एकत्र किया करती थी। उसके पश्चात् कोई ऊचा-सा टीला देखकर वहा बैठ जाती थी और वसन्त ऋतु की खुली धूप मे खाना खाती थी । इससे मेरी को ब्ल्यू ग्रास की बातें याद आ गई जहा वह अपनी सहेलियो के साथ फल और अखरोट लेने के लिए चली जाया करती थी । दिन भर की सैर के पश्चात् वह घर लौटी तो उसने फ्लोरेंस का बना हुआ हैट तथा फ्रासीसी हरा फ्राक और सैर के जूते उतार दिए और फ्लानेल की भारी पोशाक पहन ली । शीशे वाली मेज पर बैठकर उसने अपने बाल खोले और एक ब्रश द्वारा उनमे सुगन्धित तेल लगाया । उसे यह तेल वालैस ऐण्ड डिलर की दवाइयो की दुकान से मिला था और उसे यह जानकर प्रसन्नता हुई थी कि उस तेल के प्रयोग से न केवल उसके बालो मे कई रग पैदा हो रहे थे जिन्हे वह समझती थी कि

उसकी हल्की त्वचा और अधिक गहरे रग के लिए वे रग अधिक अच्छी पृष्ठ-भूमि प्रमाणित होते थे, किन्तु उसकी सुनहरी लटे माथे पर बिखरने के स्थान पर शेष बालो से ही जा मिली थी। यो उसे लट का बिखरना कभी पसन्द नही आया था और वह यह समझती थी कि इससे वह दुर्बल निश्चय वाली लडकी प्रतीत होती है।

वह स्मालेट की पुस्तक 'दी एडवेचर आफ राडरिक रैडम' लिए हुए बिस्तर पर लेटकर आराम कर रही थी जब कि एक दासी ने आकर बताया कि लिंकन नीचे आया हुआ है। उसने जल्दी से सैर करने के कपडे पहने, बालो मे कघी की और पिन लगा दिया, फिर अलमारी मे से मलमल का एक शाल निकाला। स्टीफेन डगलस के समान लिंकन कभी उसे आकर यह नही बताया करता था कि वह कब बाहर जा रहा है और कब वापस आ रहा है। वह जब कभी अनौप-चारिक रूप से लोगो को बुलाती या नवयुवको को आमन्त्रित करती तो वह प्राय नही आया करता था किन्तु किसी अनुपयुक्त समय पर जब वह कपडे सी रही होती या बच्चो को नहलाने मे एलेजबेथ की सहायता कर रही होती या आज ही की तरह आराम कर रही होती थी तो वह आन उपस्थित होता था।

मेरी ने उसे बैठक मे पाया। वह एक महागनी की कुर्सी पर बैठा हुआ था और उसकी बाहे उसकी जाघो पर पडी थी तथा सिर घुटनो तक झुका हुआ था। वह कमरे के ठीक मध्य मे आकर रुकी ताकि वह सिर ऊपर उठाए और उसे उसकी उपस्थिति का पता लगे किन्तु थोडी देर बाद उसने अनुभव किया कि उसे उसके आने का पता नही था। वह धीरे से खासी और उसकी ओर चली गई। जब उसने अपना सिर उठाया तो मेरी ने देखा कि उसकी बाईं आख की पुतली ऊपर की ओर उठ गई है और उसकी आखो मे भैगापन तो नही किन्तु ऐसा प्रतीत होता कि मानो दोनो आखे अलग-अलग दिशाओ मे देख रही हैं।

लिंकन ने एक क्षण भर उसकी ओर देखा। ऐसा लगा मानो वह उसे वहा पाकर आश्चर्य चकित हो गया है। फिर उसने धीरे से सिर घुमाया और उस नवा-गन्तुक की तरह कमरे मे आस-पास की वस्तुओ को देखने लगा जो नये स्थान पर आया हो और अपने आपको उस वातावरण मे समाने का प्रयत्न कर रहा हो।

'श्री लिंकन, क्या आपको कोई कष्ट है ? क्या आप बीमार है ?'

'नही !⋯ ⋅ यह ⋯ ⋯सख्त सिर दर्द हो रहा है। मैं तो इस दर्द से अधा

हुआ जा रहा हू ।'

'क्या आपकी आखो मे कष्ट है ?'

वह अकस्मात् कुर्सी से उठा और उसने भर्राई हुई आवाज मे पूछा, 'क्यो ऐसा क्यो पूछती हो ?'

'क्योकि आपने कहा था कि आप दर्द से अन्धे हुए जा रहे है ।'

'ओह नही, ऐसी बात नही।'

'सगामो और रजिस्टर पत्रिकाओ मे सिर दर्द की जिन दवाइयो के विज्ञापन निकलते है क्या उनमे से किसीका प्रयोग किया है ?'

उसके चेहरे पर एक फीकी-सी मुस्कराहट फैल गई ।

'उन दवाइयो मे केवल अल्कोहल है । एक बोतल से तुम्हारा सिर दर्द तो ठीक हो जाएगा किन्तु अगले ही प्रात. उससे भी दस गुणा दर्द शुरू हो जाएगा ।'

'क्या आप चाय का एक प्याला पिएगे ? लेक्सिङ्गटन मे जब भी हममे से कोई अस्वस्थ होता था तो हम सबसे पहले चाय का प्याला ही मागते थे ।'

'चाय ? क्या तुम जानती हो मैंने अपने जीवन मे केवल एक या दो बार ही चाय पी है ? परन्तु यह विचार अच्छा है, कुछ पिला ही दो ।'

मेरी ने हायसन चाय का एक तेज प्याला तैयार किया और बैठक मे ले आई । लिंकन धीरे-धीरे पीने लगा। जब प्याला समाप्त हुआ तो ऐसा लगा मानो उसके चेहरे पर से दर्द के चिह्न मिट गए हो । उसने मेरी की सहानुभूति के लिए धन्यवाद किया और फिर स्वीकृति-सूचक शब्दो मे यो कहने लगा :

'जब तुम कमरे मे आई थी तभी मुझे यह अनुभव हुआ था कि मै कहा हू और अपने आपको निनियन के घर पाकर मुझे बहुत आश्चर्य हुआ था । मुझे बस इतना स्मरण है कि मै सख्त सिर दर्द के साथ गली मे जा रहा था और तभी मुझे तुम्हारा ध्यान आया कि तुमने गत रविवार जगली फूलो से अपने हैट को सजाया था और उनकी एक लडी अपने बालो मे गूथ ली थी । बस मुझे इतना ही स्मरण है और उसके बाद मैने देखा कि तुम मेरे सामने खडी हो ।'

'मुझे प्रसन्नता है कि आप इधर आ निकले । जब कभी भी आपको कोई कष्ट हो अथवा दर्द हो तो बिना झिझक यहा चले आइए····किन्तु जब आप

प्रसन्न और उल्लसित हो तब भी अवश्य आइए ताकि मै आपकी हसी का आनन्द प्राप्त कर सकू।'

लिकन की दृष्टि मेरी के चेहरे पर जमी हुई थी, मानो वह उसका भाव जानने का प्रयत्न कर रहा था। तभी वह मुस्कराया। उसकी मुस्कराहट बहुत मधुर थी।

'वह तो बहुत उचित बात होगी, होगी न! मौली?'

उससे अगला रविवार बहुत प्रिय दिन था। पेडेस्ट्रियन क्लब ने गिरजाघर जाने के पश्चात् एडवर्ड के घर मे बैठक की और फिर वे लोग पाच मील दूर किसी बाग मे चले गए। आज उनके कार्यक्रम मे कई नवयुवक भी सम्मिलित थे।

लिकन भी अपने बाल कटवा कर तथा बन-सवरकर एडवर्ड के घर पहुच गया। उसने अपने चौडे माथे से बाल पीछे की ओर बनाए हुए थे जो कि बहुत नर्म और सुन्दर दिखाई देते थे। उसने दाढी भी बना रखी थी और यद्यपि उसके उभरे हुए जबडो के कारण गाल पिचके हुए दिखाई देते थे किन्तु उसकी त्वचा पहले से कही अधिक नर्म दिखाई देती थी। उसने गर्म कपडे का नया सूट पहन रखा था जिसमे स्लेटी रग की धारिया थी किन्तु वह प्राय जैसा काला मातमी लिबास पहना करता था यह सूट वैसा नही था। उसने सफेद रग का कालर लगा रखा-था और चमकीला रेशमी गुलूबन्द पहन रखा था। मेरी ने जब दरवाज़ा खोला तो वह अपने चेहरे पर उभरी प्रसन्नता को न छुपा सकी।

'वाह लिकन! आपको कौन सुन्दर नही कहेगा। आज की बैठक मे आपके वस्त्र सबसे अधिक सुन्दर दिखाई देगे।'

लिंकन ने विनीत भाव से उत्तर दिया, 'मै तो कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन दे रहा हू। कुछ वर्ष पूर्व जब मै न्यू सलेम मे दिन भर लकडिया काटने के बाद घर लौट रहा था तो मेरी पतलून और कमीज़ पर बुरादा जमा हुआ था। मुझे एक प्रसन्नचित्त नवयुवक नीग्रो ने रोक लिया। उसने मुझे बताया कि वह नाई था और उसके पास न तो कोई काम था और न ही धन। मैं जिस घर मे रह रहा था उसे भी वही ले गया और कुछ दिन तक उसकी देख-भाल के लिए मैंने वहा रहने वाले लोगो से उसे काम दिला दिया फिर मैंने उसे स्प्रिङ्गफील्ड भेज दिया।'

'यह तो बहुत विस्तृत वर्णन है वकील लिंकन'। मेरी ने शरारत के भाव से बात काट दी 'मेरा व्यक्तिगत विचार तो यह है कि आपके जीवन मे वसन्त का आगमन हो रहा है।'

लिंकन के चेहरे पर रक्तिमा फैल गई। वह मेरी की बाह को थपथपाते हुए बोला, 'ईश्वर करे ऐसा हो, ईश्वर करे तुम्हारा कहना ठीक ही हो।'

प्रात काल का वातावरण असाधारण रूप से सुन्दर था, मेरी को खेतो की सैर करने का बहुत आनन्द आया। सभी ने ऊचे चमडे वाले बूट पहन रखे थे। वे जगली फूलो के मैदान को पार करते हुए वृक्षो के झुड मे जा पहुंचे। लडकिया लिकन से बात करना पसन्द नही करती थी और सैमुअल ट्रीट से बात करते हुए उन्हे लज्जा अनुभव होती थी अत मेरी ने दोनो के हाथो मे हाथ डाल रखे थे और साथ-साथ चल रही थी। बाग मे पहुचने पर उन्होने एक बडे बलूत के वृक्ष के नीचे एक मेज बिछा दी और उसपर अपनी टोकरियो से निकालकर मेजपोश बिछा दिए और उसके बाद भुने हुए मुर्ग, सूअर का नमकीन मास और वाटसन की मिठाइया और केक परोस दिए।

स्टीफेन डगलस को जमीन पर पडा हुआ एक कुल्हाडा दिखाई दिया तो उसने सुझाव दिया कि इस बात की शर्त लगाई जाए कि कुल्हाडे को हत्थे से पकडकर कोई जमीन से उठाए और उठाने के बाद उसे हाथ की सीध मे सामने रखे। लगभग आधी दर्जन युवको ने शर्त स्वीकार की। डगलस, ट्रीट, स्पीड, कोकलिङ्ग, ट्रम्बल और मैथेनी ने बारी-बारी प्रयत्न किया। वे कुल्हाडे को सीधा कर देते, नीचे झुककर लकडी के भारी हत्थे को उठाते और फिर उसे ऊपर लाने का प्रयत्न करते थे। कुल्हाडे का सिर बहुत भारी था और यद्यपि बहुत-सो ने और विशेषत डगलस ने उसे जमीन से हिला तो दिया किन्तु कोई भी उसे पूरी तरह ऊपर न उठा सका।

जब लोग आखिरी प्रयत्न कर रहे थे तो मेरी ने देखा कि लिकन के चेहरे पर विचित्र भाव प्रकट हो रहे थे। जब अन्य सब हार चुके तो उसने लिंकन से पूछा·

'लिंकन, एक आप ही रह गए है जिन्होने प्रयत्न नही किया। क्या आप समझते है कि आप कुल्हाडे को उठा सकेंगे ?'

'मौली, मैने अपने जीवन के पहले बीस वर्ष ऐसे कुल्हाडे फेकने मे ही गुज़ारे है। मैने इतनी पटरियां उखाड फेकी होगी जिनसे सारे पश्चिम-क्षेत्र के चहुओर बाड लगाई जा सकती।'

'आपने मेरे प्रश्न का तो उत्तर नही दिया। क्या आप इसे जमीन से ऊपर उठा सकते है ?'

अन्य लोगो ने भी उससे अनुरोध किया तो वह खाने की मेज की ओर गया और वहा उसने अपना काला गुलूबन्द और सफेद कालर उतार दिए और फिर नया कोट उतारकर और उसकी अच्छी तरह तह लगाकर रख दिया। फिर वह कुल्हाडे के पास आया और कुल्हाडे का सिरा जमीन मे इस प्रकार दबा दिया कि हत्था उसके बिल्कुल सामने आ गया। इसके बाद उसने धीरे और बडे शानदार ढग से कुल्हाडे को हत्थे से पकडकर ऊपर की ओर उठाया और स्वय भी खडा हो गया। उसकी बाहे बिल्कुल सामने सीधी थीं।

जब लोगो ने तालिया बजाईं तो लिंकन ने अपने सिर को जरा-सा झटका दिया और कहा

'जब मै यह प्रदर्शन कर ही रहा हू तो क्यो न मै आप लोगो को असली काम कर दिखाऊ। आसपास देखिए कही दूसरा ऐसा कुल्हाडा है ?'

दूसरा कुल्हाडा लाया गया। लिंकन ने दोनो के सिरे एक दूसरे से एक फुट के अन्तर से गाड दिए। वह नीचे झुका, दोनो हाथो मे कुल्हाडो का एक-एक हत्था पकड लिया और दोनो को धीरे-धीरे ऊपर उठा दिया और फिर उन्हे अपने सामने समान तल पर उठाए रखा।

मेरी के लिए यह एक ऐसी शक्ति का प्रदर्शन था जिसे उसने पहले कभी नही देखा था। उसकी सफेद पतली कमीज और मोटी पतलून मे से मेरी को उसके शक्तिशाली पट्ठे और उसका पौरुष दिखाई दे रहा था जब कि वह उस बलूत के वृक्ष ही की तरह, जिसके नीचे वह खडा अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा था, ऐसा प्रतीत होता था कि उसकी बाहे उसके शक्तिशाली, लम्बे तथा पतले शरीर पर फैली हुई शाखाओ के समान है।

उसने वे कुल्हाडे फेक दिए। पतलून की पिछली जेब से रूमाल निकालकर माथा पोछा। मेरी को ऐसा लगा कि वह बेहोश हो जाएगी अत वह एक ओर चली गई।

२१

मेरी की बहिन फ्रासेस और बहनोई विलियम वालैस ने उसे रात के खाने पर ग्लोब होटल मे आमन्त्रित किया। उनकी मेज़ ग्लोब के खाने के कमरे के एक कोने मे रखी थी और यद्यपि स्प्रिङ्गफील्ड मे न तो विधान सभा का अधिवेशन था और न हो न्यायालय का किन्तु फिर भी सम्भवत वहा एक सौ पुरुष और स्त्रिया खाना खा रहे थे।

बैरो की आवाज और अतिथियो के आने-जाने से शोर मचा हुआ था। मेरी को आश्चर्य हुआ कि फ्रासेस ने इस सार्वजनिक स्थान पर कैसे एक वर्ष से अधिक समय बिताया था। जब उसने यह प्रश्न पूछा तो फ्रासेस ने उत्तर दिया :

'सच बात तो यह है कि इससे मुझे बहुत आनन्द प्राप्त हुआ है। इससे मेरी कुछ झिझक खुली है। मैं अनेक लोगो से मिल सकी हू। उन्हे पहचाना है तथा उन्हे पसद किया है। यह कितने आश्चर्य की बात है कि यदि तुम्हारा अपना मन प्रसन्न हो तो तुम अनेक लोगो मे प्रसन्नता का प्रसार कर सकती हो।'

मेरी ने सोचा, फ्रासेस ने कितनी बुद्धिमत्ता से अपना वर चुना है। डाक्टर वालैस बहुत ही मधुर स्वभाव के व्यक्ति थे और उसके नवयुवक मित्रो से सर्वथा भिन्न तथा राजनीति और वाद-विवाद से दूर रहने वाले थे। यह बात नही कि उनका अपना कोई दृष्टिकोण नही था। स्प्रिङ्गफील्ड मे जिन ओषधियो का प्रयोग किया जाता था वे उसके सर्वथा विरुद्ध थे। वे इस बात का विरोध करते थे कि रक्त अधिक बहाया जाए या अधिक चीर-फाड की जाए। वह अपने ही ढग से रोग का उपचार करते थे।

जब वे खूब भोजन कर चुके तो फ्रासेस ने कहा, 'खैर अब हम यहा से जा रहे हैं। हमने डाक्टर हेम के पास एक मकान खरीद लिया है। हम अगले मास शनिवार को उस मकान का मुहूर्त कर रहे है, क्या मैं लिकन को तुम्हारे साथी के रूप मे आमत्रित करू ?'

मेरी ने चाकलेट क्रीम का भरा हुआ चम्मच, जो उसके होठो तक बढा हुआ था, नीचे प्लेट मे रख दिया।

फ्रासेस ने यह विशेष प्रश्न क्यो पूछा था ? उसे तो ज्ञात नही था कि उसने कभी लिंकन के प्रति विशेष अभिरुचि दिखाई थी। क्या फ्रासेस का यह अभिप्राय था कि उसे लिंकन मे अभिरुचि रखनी चाहिए ? कुछ कहने से पूर्व उसने मन ही मन सोचा कि उसे कैसे बात करनी चाहिए।

'फ्रासेस, अन्य की अपेक्षा श्री लिंकन को ही विशेष रूप से क्यो ?'

डाक्टर वालैस ने बीच मे ही कहा, 'मुझे तो यह कहना था कि इसे स्टीफेन डगलस मे अधिक रुचि है।'

फ्रासेस ने बात काटी, 'देखो मेरी, मैंने देखा है कि तुम लिकन को अधिक चाहती हो।'

मेरी अपना सिर कुछ झुकाए हुए इस बात पर विचार कर रही थी कि क्या उसकी बहन का कथन सत्य है ?

'हा, श्री लिंकन आकर्षक व्यक्ति है'—उसने धीरे से उत्तर दिया, 'किन्तु क्या यह इस कारण नही कि उसका व्यक्तित्व असाधारण है ? फ्रासेस, मेरे इस विचार मे भावनाओ का मिश्रण नही है ? अन्य मित्रो की अपेक्षा, मैंने उसके प्रति अधिक रुचि नही दिखाई। मै यह चाहती हू कि आप उसे भोज पर आमन्त्रित करे किन्तु केवल मेरी खातिर नही।'

स्प्रिगफील्ड समाज मे फ्रासेस के औपचारिक प्रवेश का उत्सव सफलतापूर्वक मनाया गया। पिछले आगन मे एक मच बनाया गया और सगीत के लिए स्प्रिगफील्ड का आरकेस्ट्रा बुलाया गया। अगले दिन श्री लिंकन ने मेरी को डाक्टर होगन के घर अपने साथ चलने का निमंत्रण दिया। वहा व्हिग जलसे का उपसभापति होने के नाते लिंकन को अगले सप्ताह होने वाली सभा के लिए उत्सव आदि का प्रबन्ध करना था तथा वक्ताओ के लिए मच बनवाना था। मेरी इस शर्त पर जाने के लिए तैयार हुई थी कि पहले वह उसके साथ गिरजाघर जाएगा। वह थोडी देर तो हिचकिचाया किन्तु फिर मान गया।

मेरी ने कहा, 'सभाओ के बारे मे मैने सुना है कि बेलीविले मे व्हिगो को खूब सफलता मिली है।'

'नही तो' उसने निराशाभरी मुस्कराहट से सिर हिलाते हुए कहा, 'मुझे वहां कोई सफलता नही मिली। मैंने १८३७ की मदी के बारे मे एक विस्तृत भाषण दिया, जिस विपत्ति का सामना हमे वान बूरेन और डेमोक्रेटो के कारण

करना पडा था। मैंने एक घोडे के बारे मे सुना था जिसे उसी दिन प्रात: पचीस डालर पर बेचा गया था। अत मैंने इस सौदे का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसी सकटपूर्ण स्थिति है। जब मैंने भाषण समाप्त किया तो जिस सिपाही ने वह घोडा बेचा था वह भीड मे से बोल पडा, 'उस घोडे की तो एक आख थी'—बस मेरे किए पर पानी फिर गया।'

'अच्छा, मैंने तो 'रजिस्टर' पत्र मे यह समाचार पढा था कि बेलीविले मे तुम्हारा भाषण सुस्पष्ट, ज़ोरदार और प्रभावी था। इस 'सुस्पष्ट' शब्द के कारण ही मुझे यह बात याद रही।'

यह सुनते ही लिकन की उदासी दूर हो गई।

'कही यह मेरे लिए चेतावनी तो नही है।'

अगले दिन प्रात: जब वे गिरजाघर से बाहर निकले तो लिकन ने यह स्वीकार किया कि उसे गिरजाघर में आकर कोई बेचैनी अनुभव नही हुई यद्यपि उसे ऐसा लगा कि पादरी के उपदेश मे ओज नही था।

'जब मै किसी व्यक्ति को उपदेश देते सुनता हू तो मुझे ऐसा लगता है मानो वह मक्खिया मार रहा है और इच्छा होती है कि वह कुछ कार्य कर दिखाए।'

नगर के उत्तर मे इकट्ठे जाते हुए यद्यपि लिकन के कदम लम्बे थे और मेरी के छोटे किन्तु मेरी को कोई कठिनाई अनुभव नही हुई। न तो उसे तेज़ चलना पडा और न ही लिकन के साथ कदम मिलाने के लिए उसे भागना पडा। मेरी के कदम के साथ कदम मिलाने के लिए लिकन ने अपना कदम धीमा कर दिया और वे साथ-साथ चलते रहे। मेरी को प्रसन्नता हुई क्योकि लिकन ने स्वय यह बात सोच ली थी। उसने अनुमान लगाया कि वह चाहता है कि उसकी उपस्थिति मे अन्य लोगो को आराम रहे क्योकि वह जानता था कि उसका आकार असाधारण है इसलिए कदम को सामान्य बनाने के लिए उसे धीमा करना होगा।

होगेन का घर १४ एकड के वन्य प्रदेश के मध्य मे था। यूनानी वास्तुकला के ढग के बने हुए स्तम्भो के बीच बना हुआ मार्ग अत्यन्त सुन्दर दिखाई देता था जिससे मेरी को ब्ल्यू ग्रास के भव्य भवनो के सौदर्य का स्मरण हो आया। उन्होने जब दरवाज़ा खटखटाया तो डाक्टर होगेन स्वय दरवाज़ा खोलने आए।

उन्होने लाल सूती झालरदार तथा कढाई किया हुआ जेकेट पहन रखा था। सिर पर लम्बी लाल टोपी थी जिसपर झालरे लटक रही थी; वह भी कढाई की हुई थी। तम्बाकू से उनके पाइप पर दाग लगे हुए थे। मेरी उनसे अपने चाचा जान टाड के घर मिली थी। लिंकन ने साफ किए गए मैदान की ओर जाने वाले चार मार्गो पर निशान लगाए, फिर भोजन आदि पकाने के लिए बनाए गए गढे देखे। मेरी इस बीच मे वहा के उस खुले वातावरण से प्रसन्न होकर, जैसा उसे स्प्रिंगफील्ड मे और कही नही मिला था, एक-एक करके सभी कमरो मे घूमने लगी।

वह बोली, 'डाक्टर होगन, तुम्हारा घर तो एक कलाकृति है !'

'हा, हमे इससे प्यार है किन्तु हम इसे बेच रहे है क्योकि यह हमारे लिए बहुत बडा है।'

'आप बेच रहे है ? वस्तुत: मै तो चाहती हू कि जब मेरा विवाह हो, तो मै ऐसे ही घर मे जाकर रहू।'

डाक्टर होगेन ने पाइप का कश लगाया और खिडकी से बाहर की ओर देखने लगा।

'बधाई हो कुमारी टाड। क्या मैं जान सकता हू कि वह सौभाग्यशाली कौन है ?'

घबराहट मे मेरी ने अपने होठ का कोना दात से काट लिया।

'यह तो केवल कहने की बात थी अन्यथा मैंने अभी विवाह की कोई योजना नही बनाई।'

'ओह मै समझा। मुझे यह मकान बेचने मे कोई जल्दी नही है। जब भी कोई खरीदने आए मैं पहले तुम्हे अवसर दू गा।'

मेरी ने सोचा, इस स्थिति से निकलने के लिए तो कोई बडी परिहासपूर्ण बात का सहारा लेना होगा।

'बहुत अच्छे, इससे हम दोनो एक साथ किसीके प्रस्ताव की प्रतीक्षा करेंगे।'

लौटते समय मेरी होगेन के घर के सम्बन्ध मे बड़े उत्साहभरे भाव से बाते करती रही, लिंकन ने केवल इतना कहा :

'मौली, यह मकान कितना बडा है !'

'मुझे तो सदा सुन्दर मकानो से प्यार रहा है, क्या तुम पसद नही करते लिंकन ?'

'सच तो यह है कि मैने इनके बारे मे कभी सोचा नही', उसने उत्तर दिया, 'मैने अपना अधिकतर जीवन लकडी की एक कमरे वाली झोपडी मे बिताया है और गत तीन-चार वर्ष से मैं जोश की दुकान की ऊपरी मंजिल पर सो रहा हू। जब तक मैं स्प्रिगफील्ड नही आया था और तुम्हारे चचेरे भाई जान स्टुअर्ट ने मुझे आमन्त्रित नही किया था मैने किसी भव्य भवन का अन्दर का भाग नही देखा था। किन्तु क्या तुम्हारे लिए मकान का बहुत महत्व है ?'

'हा बहुत ही।'

इडियाना, इयोवा, मिसूरी और इलीनाइस से हजारो व्हिग स्प्रिगफील्ड में आए। उनमे से कुछ को तो दस दिन यात्रा करनी पडी थी क्योकि वे दो सौ मील दूर से आए थे। उन्होने अपना सामान स्वय उठा रखा था और सैनिकों की तरह डेरे डाल दिए थे तथा शिविरो मे ही सोते थे। एक डेमोक्रेटिक पत्र ने व्यग्यपूर्वक लिखा था कि जनरल हैरीसन शेष जीवन लकडी की झोपडी मे रहकर और साइडर पीकर सनुष्ट रहेगे क्योकि यह आन्दोलन 'लकडी के झोपडे और साइडर का आदोलन' बन गया था। प्रतिनिधि पैदल, घोडो और बैलगाडियो पर आ रहे थे। सगमन नगर ने एक लकडी की झोपडी भेट की थी जो एक वृक्ष की छाया मे बनी हुई थी। उसकी छत पर अस्सी प्रतिनिधि बैठे हुए थे और झोपडी को छत्तीस जोडी बैल खीच रहे थे। हर प्रकार की गाडी पर देसी साइडर की सैकडो पेटिया थी और लगभग बारह बाजे वाले थे।

मेरी अन्य लोगो के साथ डाक्टर होगेन के बगीचे मे गई और खाने के पडाल मे पहुचने से पहले तीन घटे तक व्हिग वक्ताओ के भाषणो को सुना। लिंकन उन गड्ढो का निरीक्षण कर रहा था जिनमे मास भूना जा रहा था और यह अनुमान लगा रहा था कि खाना उस भीड के लिए पूरा हो सकेगा अथवा नही।

वह सास अन्दर खीचते हुए बोला, 'इन भाषणो की बाढ का मुकाबला करने के लिए लोगों को अच्छा भोजन देने की आवश्यकता है।'

डाक्टर होगेन के उद्यान मे बने मच पर लिंकन भी उपस्थित हुआ। उसका नम्बर उन्नीसवां था। रात के ग्यारह बज चुके। पडाल मे सैकडो मशालो का

प्रकाश फैला हुआ था। मेरी थक चुकी थी और सोच रही थी कि क्या वह ऐसी कोई नई बात कह सकेगा जो पहले सैकडो बार नही कही गई होगी। वक्ताओ के क्रम का प्रबन्ध करने, लोगो की बडी भीड को खाना खिलाने आदि मे ही उसकी स्थिति अस्त-व्यस्त हो गई थी। उसके सिर के बाल सीधे खडे थे, सफेद कालर टेढा-मेढा हो गया था, टाई की भी बुरी हालत थी और स्लेटी सूट, जो उस दिन पेडेस्ट्रियन क्लब की बैठक मे सर्वथा नया दिखाई देता था, अब इतना अधिक मला जा चुका था कि उसके शरीर के साथ ही सिमटा हुआ था।

लिकन ने भाषण आरम्भ किया। भद्दे रग और नाक मे ऊची आवाज के होते हुए भी, उसका चेहरा, वक्ताओ का मच और होगेन भवन के सामने का सारा भाग एक अपूर्व प्रकाश से आप्लावित हो गया। वह समझ नही सकी कि वह क्या बात थी। वह तो भाषण का अभिप्राय तक नही समझ रही थी।

वह थोडी ही देर बोला और मच से नीचे उतर आया। कुछ भागो से तालियो की आवाज़ सुनाई दी। मेरी अब घर वापस जाने के लिए तैयार थी किन्तु जब तक आखरी वक्ता अपना भाषण समाप्त न कर लेगा उसके परिवार के लोग नही जाएगे।

जब मेरी एलेज़बेथ, निनियन और स्टीफेन लोगन के साथ वक्ताओ से हाथ मिलाने के लिए बढी तो आधी रात बीत चुकी थी। कोई भी लिंकन को अधिक बधाई नही दे रहा था। वह तो केवल नाम रखने के लिए मच पर आया था। वह कुछ उदास-सा एक ओर खडा था। मेरी ने उसके पास जाकर कहा :

'अब्राहम, आपने जो कुछ कहा, मुझे उसका एक अक्षर भी तो स्मरण नही किन्तु मैं उससे बहुत प्रभावित हुई थी।'

'मुझे स्वय अपना एक शब्द भी सुनाई नही देता था', उसने अपनी बाह मेरी की बाह मे डाल दी और उसे मज़बूती से थामे रखा, 'किन्तु मौली, तुम बहुत सहानुभूतिशील हो।' उसने एक गहरा सास लिया और अपनी थकान झटक डाली, 'वस्तुतः मुझे आज बहुत प्रसन्न होना चाहिए। मैंने जो खाना बनवाया है उसके लिए मुझे सैकडों लोगो ने बधाई दी है।'

होगेन के उद्यान मे से भीड बाहर निकलने लगी। मार्गों में दूर तक मशालों का प्रकाश फैला हुआ था। एलेज़बेथ ने पीछे मुडकर देखा कि लिंकन ने मेरी की बाह पकड़ी हुई है। वे चुपचाप और धीरे-धीरे चल रहे थे और लोगो के झड

के झुड तेजी से घर की ओर जाते हुए उनके पास से निकलते जा रहे थे। नगर की उत्तरी सीमा से दक्षिण-पश्चिमी कोने तक पहुचने के लिए काफी लम्बा मार्ग तै करना पडता था। जब वे एडवर्ड भवन के बरामदे मे पहुचे तो मेरी ने अपना हाथ बढाते हुए कहा :

'अब्राहम, कुछ देर के लिए विदा। मैं कुछ दिनो के लिए मिसूरी मे चाचा जज टाड और चचेरी बहन से मिलने के लिए जा रही हू।'

'मिसूरी ? ओह, कोई विशेष कारण है क्या ?'

मेरी ने यह उचित न समझा कि चाचा के अनुरोध भरे पत्रो के बारे मे उसे बताए अथवा यह बताए कि चाचा के कथनानुसार कुछ नवयुवक दम साधे उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे।

'यो ही···गर्मियो मे···मौसम बदलने के लिए···।'

'मुझे तुम्हारी याद सताएगी।'

'सच ? तो कभी-कभी पत्र लिख दिया करो। ईश्वर करे तुम्हे चुनाव मे सफलता मिले। मुझे पता है, तुम्हारी जीत अवश्य होगी।'

वे एक दूसरे से एक हाथ के अन्तर पर खडे थे। लिकन ने उसका हाथ अपने हाथ मे ले लिया और जो हाथ भर का अन्तर उनके बीच सदा रहा था, अकस्मात् समाप्त हो गया। वह एक चाह भरे हृदय से उसकी ओर झुक रहा था। बेढगे ढग से किन्तु एक प्यासे की तरह उसका मुह मेरी के मुह पर झुक गया। मेरी ने अपना गाल उसकी ओर कर दिया। उसे पता भी न लगा कि यह कैसे हुआ, उसे अपना निश्चय तक ज्ञात नही था, न ही वह यह जान सकी कि उनके बीच हलचल कब आरम्भ हुई, और कैसे उनके समस्त अन्तर मिट गए। लिकन ने अपने होठ उसके होठो पर रख दिए और दोनो एक दूसरे के आलिगन में बध गए। अलग होने और अलग-अलग मार्गो पर जाने से पूर्व वे एक क्षण के लिए एक हो गए।

क्षण भर बाद उसने अपने होठ अलग लिए, मेरी को अपने सशक्त हाथो के आलिगन से मुक्त कर दिया और बिना कुछ कहे चला गया।

२२

मिसूरी मे उन दिनो गर्मी थी । जिस समय मेरी की आख खुली, दोपहर ढल चुकी थी । धीरे-धीरे उसके हृदय मे स्मृतिया उमडने लगी, वह खिडकी से बाहर वृक्षो के शान्त झुण्ड की ओर टकटकी लगाए देखने लगी । ऋतु मे गर्मी का तो ठिकाना ही नही था और साथ ही हवा बिल्कुल बन्द थी । वह यही सोच रही थी कि कही आधी न आ जाए । उसे याद आया कि स्प्रिंगफील्ड मे जब वह होटल के सामने बग्घी मे बैठकर विदा होने वाली थी तभी आधी चल पडी थी और वायु के वेग से अभी अधूरे बने स्टेट हाउस की ऊपर की मुडेर गिर गई थी । वैसे वह तीन वर्ष की आयु से ही आधी से घबराती आई थी क्योकि मामी सेली ने उसे यह बताया था कि आधी लोगो के पापो से क्रुद्ध होकर चिघाडने वाले शैतान की आवाज़ है ।

अपने चेहरे पर मुस्कराहट लाकर एन ने पास के बिस्तरे पर लेटे-लेटे करवट बदली । अपने चाचा न्यायाधीश डेविड टाड की कल रात की कहानी याद करके मेरी को हसी आ गई । बात यह थी कि एक वकील जब न्यायालय मे एक लम्बा भाषण दे रहा था तो न्यायाधीश को बैठे-बैठे नीद आ गई थी । अकस्मात् उनकी आख खुली और उन्होने अपने क्लर्क से कहा, 'आप डेविड टाड के नाम दस डालर का जुर्माना लिख दे क्योकि उन्होने न्याया-लय का अपमान किया है । मै या तो दिन मे सोने की आदत छोड दूंगा या फिर न्यायालय को ही तोड दूंगा ।'

एन तुरन्त सतर्क होकर अपने बिस्तर पर बैठ गई और बोली, 'तुम अपने आप क्यो हस रही हो मेरी ?'

उसने तब वह कहानी एन को भी सुनाई और कहा, 'लिंकन इसको अवश्य पसन्द करेगा । वह अपने चुटकलो के भण्डार मे इसे भी सम्मिलित कर लेगा ।'

एन ने तब उसकी ओर गहरी नज़रो से देखा और कहा :

'तुम लिंकन को चाहती हो न ?'

'……हा……।'

'सबसे अधिक ?'

'' ''पता नही। सम्भवत।' मेरी का दिल धडकने लगा। 'मुझे उसकी याद आती है। वह वास्तव मे '''असाधारण व्यक्ति है' और 'असाधारण' शब्द कहते-कहते वह कुछ हिचकिचाई और घबरा-सी गई।

मेरी ने फिर कहा, 'मै मानती हू, वह दुनिया के सुन्दरतम लोगो मे से नही है किन्तु हमारे देश का महान् राष्ट्रपति बनने के योग्य है।'

एन बिस्तर से उछली। उसकी भृकुटी पर सलवटे पड गई थी। वह कहने लगी।

'निस्सन्देह तुम केवल इसी कारण तो किसीसे विवाह नही करोगी।'

'तुम अपने प्रेमी से किस कारण विवाह करोगी ?'

मेरी को अपने आप पर क्रोध आ गया कि उसने यो ही यह बात छेडी।

एन ने शर्माते हुए कहा, 'मै तो उससे इस कारण विवाह करूगी कि मैं उससे प्रेम करती हू—विवाह और है ही क्या ?'

'विवाह जीवन का एक मार्ग है' इतने मे ही चाचा डेविड की आवाज सुनाई दी, वे कह रहे थे, 'चलो नीचे चले।'

उसका चाचा डेविड समस्त टाड-परिवार मे सबसे उदार व्यक्ति था। वह बहुत बाते करता और साथ ही काम मे भी कमी न रखता था। खूब खाता, खूब पीता और खूब ही सोता था। अभी तक उसमे बहुत उत्साह और शक्ति थी। वह टाड-परिवार की वशावली बडे उत्साह से दिखाया करता था। खाना खाने के पश्चात् जब नौकर ने बर्तन उठा लिए तो उसने वशावली का चित्र मेज पर फैला दिया और मेरी को समझा-समझाकर दिखाने लगा। उसने ऐनक लगा रखी थी और बता रहा था कि वशावली के अनुसार १६७९ मे हमारे पूर्वज स्काटलैंड मे थे और हमारा पहला वशधर १७२० मे पेनसिलवानिया मे आकर बसा था। वह फिर कहने लगा :

'मेरी, तुम्हारे वश मे कई पूर्वज बडे योद्धा हुए हैं। तुम्हारे कावेनैन्टर पूर्वजो ने मनमथ के ड्यूक से युद्ध किया था तथा इग्लैंड के धर्माधिकारियो को ललकारा था। तुम्हारे दादा जनरल वाशिंगटन के साथ-साथ लडे थे। अनेक अन्य पूर्वज योद्धा १८१२ के भीषण युद्धो मे भी लडे थे। हमारे वश मे केवल योद्धा ही नही थे—हमारा ही एक पूर्वज इलीनाइस का पहला असैनिक गवर्नर बना था। एक अन्य पूर्वज मिसिगन तथा पेनसिलवानिया का गवर्नर रहा था।

हमारे अनेक वशधर शान्तिप्रिय भी थे। उनमे कोई धर्मज्ञानी था, कोई शिक्षा-विशारद, कोई ससद-शास्त्री, तो कोई न्यायाधीश।

उसका चाचा इसी प्रकार कहता गया। उसे तभी स्मरण आया कि जब उसने अब्राहम से उनके पूर्वजो के बारे मे पूछा था तो उसे उसके मौन से कितने दुःख का अनुभव हुआ था। लिकन ने वडे ही सक्षिप्त रूप से अपने वश का परिचय दिया था। उसके वर्णन से अन्यमनस्कता का भाव लक्षित होता था। उसने बताया था कि उनके पूर्वज क्वेकर धर्मावलम्बी थे और पेनसिलवानिया से वर्जीनिया तथा वहा से पश्चिम की ओर आकर केंटुकी मे बस गए थे। किन्तु जब उसकी माता के परिवार के सम्बन्ध मे बात होने लगी थी तब वह सिर झुकाए चिन्तित-सा चुपचाप बैठा रहा था। फिर उसने बडी भर्राई आवाज मे बताया था, 'मेरी माता के पूर्वज वर्जीनिया के साधारण-से परिवार से सम्बन्ध रखते थे।'

उसने जल्दी ही अपने आपको सभाला और सोचने लगी कि मेरा स्वभाव अभी तक स्कूल मे पढने वाली लडकियो जैसा ही है। जो भी बात होती है मै उसका सम्बन्ध लिकन से जोड बैठती हू। भला उसे मेरे मनोविचारो का इस प्रकार केन्द्र बन जाने का क्या अधिकार है? एलेजा फ्रासेस ने उसे बताया था कि न्यू सलेम मे लिकन की मित्रता कुछ अभिजात वर्ग की विवाहित स्त्रियो के साथ थी। उदाहरणार्थ श्रीमती बाउलिग ग्रीन से जो लिंकन के आपत्काल मे उसकी सहायता कर चुकी थी और श्रीमती जैक आर्मस्ट्रौंग से जो कभी-कभी उसका कमीज बना देती थी और पतलून की मरम्मत कर दिया करती थी।

'मेरी, समय हो गया है। नृत्य के लिए कपडे पहन लो।' एन ने उसका दिवास्वप्न भग कर दिया। लकडी के बने दो मजिले घर मे दोनो युवतिया शयनागार मे चली गई। मेरी ने पहले ही कह दिया था कि वह अधिक देर वहा नही रुकेगी किन्तु कोलम्बिया के निवासियो का विचार और ही था। तम्बाकू के केन्द्र वाले इस नगर मे बडी रौनक रहती थी। मेरी को वहा नित्य प्रति शाम को चाय के निमन्त्रण मिलते रहते थे और उसके सम्मान मे सप्ताह मे यह चौथे नृत्य का आयोजन था। वास्तव मे बात यह थी कि उसके चाचा डेविड ने वहा के प्रतिष्ठित लोगों मे समाचार फैला दिया था कि मेरी यदि चाहे तो मिसूरी मे ही विवाह करके तथा घर बसाकर रह सकती है। वहा के लगभग छः नवयुवक उसके साथ नृत्य किया करते थे; यहां तक कि वह थककर चूर हो जाया करती थी। वे सब

नवयुवक अपनी जीवनसगिनी ढूढने के लिए हाल ही मे मिसूरी आए थे ।

दोनो युवतियो ने श्वेत वस्त्र धारण किए । आठ बजे वे गाडी मे ब्राडवे के एक किनारे के पक्के मकान पर पहुची । उस भवन की निचली मजिल मे स्वागत तथा नृत्य के लिए चार कमरे तथा दो हाल खोल दिए गए थे । वर्जीनिया का परम्परागत नृत्य एव सगीत आरम्भ हुआ । नृत्य खूब त्वरित गति से हो रहा था पर मेरी उसकी अभ्यस्त नही थी । नृत्य के हर दौर मे वह अत्यधिक थक जाती थी । उस दिन सध्या के समय नृत्य मे उसका साथी पेट्रिक हेनरी का पोता था । मेरी के चाचा डेविड की यह हार्दिक इच्छा थी कि मेरी का विवाह उस नवयुवक से ही हो । जिस दिन मेरी वहा पहुची थी उसी दिन डेविड ने मेरी से यह बात कही ।

'नवयुवक हेनरी बडा ही शिष्ट व्यक्ति एव योग्य वकील है । मेरी, मै तो ईमानदारी से यह समझता हू कि योग्यता मे वह अपने पूर्वजो से भी आगे बढ गया है । मेरा यह विचार है कि तुम किसी वकील से ही विवाह करो क्योकि राजनीति मे तुम्हारी बहुत रुचि है ।'

मेरी ने चिढाते हुए कहा, क्यो चाचा जी, उस दन्तचिकित्सक का क्या हुआ, जिससे मेरा विवाह कराने का तुमने वचन दिया था । मैं तो उसीपर आशाए लगाए बैठी हू ।'

'वह मूर्ख प्रतीक्षा न कर सका और अभी एक सप्ताह पूर्व ही उसने विवाह कर लिया है । किन्तु बेटी, घबराने की कोई बात नही । अभी लगभग १२ नवयुवक मेरे ध्यान मे है जो तुमसे विवाह के लिए आतुर है ।'

युवक हेनरी तो मेरी पर मुग्ध ही हो चुका था । नृत्य के एक दौर के पश्चात् मेरी ने कहा, 'हेनरी, नृत्य मे तुम जिस फुर्ती और उत्साह से घूमते हो मैं तो उसका साथ ही नही दे सकती । जब मै स्प्रिगफील्ड जाऊगी तो .... ।'

'किन्तु मेरी, मै तो तुम्हारी वापसी की बात का विचार भी नही कर सकता । क्या तुम्हे मिसूरी पसद नही है ?'

किन्तु वह भूरे बालो तथा तनिक उभरी आखो वाले इस सुन्दर नवयुवक को कैसे बता सकती थी कि वह उस राज्य मे कैसे रहे जहा दास प्रथा है । वह यह कैसे बताती कि एक बार एक स्वतन्त्र राज्य मे रहने के पश्चात् तम्बाकू के खेतों मे काम करने वाले और लकडी की झोपडियो मे रहने वाले उन दासो को

देखना किसी बीते युग की यात्रा करने के समान था।

वह और एन दो बजे पार्टी से लौटी। मेरी नीचे के हाल वाले कमरे के अन्धकार मे खडी रही जब कि एन ने सामने के द्वार पर अपने प्रियतम को विदा कही। युवतियो ने अपने लम्बे-लम्बे पेटीकोट उतारे, बाल सवारे और ठण्डे पानी से मुह धोया। एन कोई श्रृगारिक गीत गाने लगी, फिर वह बोली :

'प्रेम करना तथा प्रेम का पात्र बनना कितना सुन्दर है। मेरी, मै तो समझ ही नही सकती कि किसीको प्रेम के बिना क्यो जीना चाहिए ?'

इसके पश्चात् एन अपने नर्म तकिए पर सिर रखकर आनन्द से सो गई। क्योकि प्रेम का आह्लाद नशे का काम कर रहा था किन्तु मेरी को नीद कैसे आती। निस्सन्देह प्रेम के बिना जीवन का क्या प्रयोजन ? उसके मन ने कहा, उसने तो कभी प्रेम नही चाहा। स्कूल मे उसने अपनी सहेलियो को प्रेम के बधन मे बधते देखा था किन्तु उसने अपने आपको दृढ निश्चय के साथ इस प्रकार की रोमानी भावनाओ से अलग रखा था। वह चाहती थी कि जीवन मे एक ही से प्यार करे और वह भी बहुत सोच-समझकर। इसका अर्थ यह नही कि वह किसी दिन उसी भावना और भावुकता से प्रेरित होकर किसीसे प्यार न करेगी जिनका सचार उसकी सहेलियो के हृदय मे हुआ था किन्तु वह सोचती थी कि वह कभी भी अपना हाथ उस व्यक्ति के हाथ मे नही देगी जो उसके हृदय को नही जीत लेगा।

किन्तु न जाने उसका हृदय कहा था ? कोलम्बिया के इस नृत्य-सगीत भरे जीवन में भी एक क्षण के लिए वह अब्राहम का ध्यान मन से न निकाल सकी थी। उसे स्वय इस बात पर विस्मय हो रहा था कि आखिर अब्राहम ने उसके हृदय पर इस प्रकार विजय कैसे पा ली थी। उसने मन ही मन यह प्रश्न किया, क्या मै सच उससे प्रेम करती हू ? यह प्रेम प्रथम मिलन से ही आरम्भ नही हुआ था और न ही अनेक बार मिलने पर, वरन् शनै-शनैः उसके हृदय मे भावनाए उमडती गई थी।

पर क्यो ? आखिर अब्राहम मे ही ऐसे क्या गुण थे जिनके कारण उसे उससे प्रेम करना चाहिए था। क्या उसकी ईमानदारी ? पर ईमानदार तो और भी बहुत सारे लोग थे और सच तो यह है कि जिन लोगो से उसका परिचय था वह प्रायः सभी ईमानदार थे। क्या उसका सरल स्वभाव ? पर यह तो कोई महत्वपूर्ण गुण नही। बहुत-से सरल स्वभाव वाले व्यक्ति नीरस हुआ करते है।

तो क्या उसका साहस ? साहस तो सीमान्त के सभी लोगो मे होता है। स्टीफेन डगलस भी तो उतना ही साहसी है। क्या शारीरिक शक्ति ? वह तो घटिया लोगो मे भी होती है। क्या आध्यात्मिक शक्ति ? उसमे यह गुण कैसे मान लिया जाए क्योकि वह जीवन भर मे दस-बारह बार से अधिक गिरजे मे नही गया होगा। तो क्या परिहासप्रियता ? उसका परिहास कई बार तो अच्छा होता था किन्तु उसमे अधिकतर गवारपन ही था। रहस्यपूर्ण तथा बौद्धिक परिहास बहुत कम था। क्या उसका गम्भीर ज्ञान ? उसने तो शिक्षा ही बहुत कम पाई थी। क्या उसका व्यक्तित्व, उसका सौन्दर्य, उसका आकर्षण ? आखिर वह कौन-सा गुण था जिसपर वह मुग्ध थी ? स्प्रिङ्गफील्ड मे दर्जनो तथा लेक्सिगटन मे सैकडो व्यक्ति ऐसे थे जो आकर्षण तथा व्यक्तित्व की दृष्टि से उससे कही अधिक श्रेष्ठ थे और जिनके सामने वह एक मिनट भी न टिक सकता। तो क्या उसके आचरण की पवित्रता ? पर सम्भवत इस गुण को प्रमाणित करने का उसे अवसर ही नही मिला था। इसके अतिरिक्त क्या उसकी विनम्रता के कारण वह उसकी ओर आकर्षित हुई है ? ईश्वर ही जानता है कि परिस्थितियो ने ही उसे आज तक विनम्र बनाए रखा।

अब्राहम मे जो भी विशेषताए थी उनकी ओर स्प्रिङ्गफील्ड की किसी भी नवयुवती का ध्यान न गया था। किन्तु फिर भी अब्राहम मे कुछ न कुछ ऐसी बात थी जिसे क्लैरी ग्रोव के लोगो ने पहचान लिया था। ब्लैकहाक युद्ध मे भर्ती हुए सैनिको ने भी पहचान लिया था और इलीनाइस का व्हिग दल भी जानता था। मेरी के चचेरे भाई स्टुअर्ट ने इस गुण को पहचाना था। क्या वह नेतृत्व शक्ति का गुण था ? इसका क्या अभिप्राय था ? क्या यही कि उसने स्थिति को सभालना, सौदेबाजी करना, गठजोड और समझौता करना तथा नियन्त्रण करना सीख लिया था ? ऐसे अनेक लोगो ने राष्ट्रो का नेतृत्व किया है जिन्हे वस्तुत फिसड्डी ही रहना चाहिए था।

मेरी चुपचाप लेटी अजीर वृक्षो के पत्तो पर छिटकी हुई चादनी को देखती रही। फिर उसने मन ही मन एक अत्यन्त कठिन प्रश्न किया, 'क्या अब्राहम भी मुझसे प्रेम करता है ? क्या वह मेरे प्यार को स्वीकार भी करेगा ?'

वह तो प्रेम के नाम से ही घबराता है। उसने कहा था, 'प्रेम लोगो को विनष्ट कर देता है।'

किन्तु ये सब बाते पुरानी हो चुकी थी। अब तो वह प्यारभरे शब्दो मे प्राय उसे मौली कहकर पुकारा करता था। जब वह थकावट अनुभव करता या उदास हो जाता तो उसीका सहानुभूतिपूर्ण सहवास प्राप्त करता था। मेरी के निकट रहने से उसे प्रसन्नता होती थी। वह उसके वार्तालाप और विचार के ढग की प्रशसा किया करता था। यह ठीक है कि वह एक बार कुछ दिनो के लिए कही गायब हो गया था किन्तु जब मेरी इस बार स्प्रिङ्गफील्ड से आई थी तो उसने कहा था कि वह उसके विरह मे बहुत दु खी होगा। पर उसने कोई पत्र नही लिखा। 'ओल्ड सोल्जर' की प्रति उसने अवश्य भेजी थी जिसपर केवल शुभ कामना का एक वाक्य लिखा था।

तथापि मेरी को कुछ मास मे लिकन के बारे मे बहुत कुछ पता लग गया था। वह स्प्रिङ्गफील्ड मे किसी भी अन्य युवती के घर नही गया था, किसीके साथ उसने कभी नृत्य नही किया था और जब उसने यह बताया था, 'मैं जब तक इस जगत को रहने के लिए कुछ अधिक सुखदायक नही बना दू गा तब तक ससार को छोडना पसन्द नही करूगा।' तभी से वह उसके जीवन का ध्येय समझ गई थी।

उसे अपने आपको तथा अब्राहम को बडे ध्यान से आंकना था।

२३

सितम्बर की पहली तारीख को वह स्प्रिगफील्ड लौट आई और उसने आकर एलेजबेथ को वहा के बारे मे सब बाते बताई। उसके वहा से लौट आने पर उसके चाचा को निराशा हुई थी क्योकि वह समझता था कि वह वही रह जाएगी। एन ने उसकी विदाई मे जो सहभोज दिया था उसमे कई नवयुवकों ने यह शर्त लगाई थी कि वह अवश्य वहा लौट आएगी।

जब एलेजबेथ गिरजाघर मशीन सभा की बैठक मे चली गई तो मेरी ने आसमानी रग की महीन मलमल के वस्त्र पहने और फूल काटने वाली कैंची

लेकर बैठक के सामने घने उगे हुए गुलाब के पुष्पो को चुनने के लिए वाटिका मे चली गई। ग्रभी उसने थोडे ही फूल तोडे थे कि उसे पीछे से किसीके पाव की ग्राहट सुनाई दी। उसने पीछे मुडकर देखा कि स्टीफेन डगलस खडा मुस्करा रहा है। वह बोला

'मेरी, तुम्हारे ग्रागमन की सूचना मुझे ग्रभी-ग्रभी मिली है। तुम्हारे बिना स्प्रिगफील्ड सूना-सूना-सा लगता रहा है। मैं तुम्हारा हार्दिक स्वागत करता हू।'

इस हार्दिक स्वागत पर मेरी बहुत प्रसन्न हुई। तब श्री डगलस ने मेरी के गाल का चुम्बन ले लिया।

मेरी कहने लगी, 'स्टीव, तुम्हे देखकर बडी प्रसन्नता हुई है यद्यपि तुमने हमे विधान सभा के निर्वाचन मे पराजित कर दिया है।'

'ग्रोह! तुम्हे मिसूरी जैसे दूरस्थ क्षेत्र मे भी यह सूचना मिल गई? यह कहते-कहते गर्व से उसकी छाती तन गई। 'यह तो तुमने ग्राधी ही कहानी सुनी है, 'केन्टुकी की व्हिग सदस्या मिस हेनरी क्ले,' इस राष्ट्रपति पद के लिए भी तुम्हारे दल को हम परास्त करेगे।'

किन्तु मेरी ने वाद-विवाद को बढने न दिया।

'स्टीव, क्या किसी योग्य डेमोक्रेट उम्मीदवार के लिए भी कोई ग्राशा है?' मेरी ने पूछा।

उसने कुछ उत्तेजित-सा होकर, ग्रपनी ग्रगुलिया ग्रपने बालो मे फेरते हुए कहा, 'ग्रगर हो तो ग्रच्छा ही है। मै तो इतने महीनो से चुनाव का कार्य करता रहा हू। मेरे पास कानी कौडी भी नही रही है। वास्तव मे मुझपर ऋण की उगाही के लिए मुकदमा भी चलाया जाने वाला है।' फिर उसने ग्रपनी जेब मे कुछ सिक्के खनखनाए ग्रौर कहा, 'किन्तु ऐसा लगता है कि ग्रभी थोडे-से ग्राने मेरी जेब मे बाकी है। चलिए वाटसन की मिठाई की दुकान तक चले।'

मेरी फूलो का हार गूथ रही थी, बोली, 'मैं जरूर जाना चाहूगी स्टीव, किन्तु पहले मैं तुम्हारे गले मे गुलाब के फूलो की यह माला पहना दू।'

जैसे ही मेरी ने माला स्टीव के बडे सिर पर रखी दोनो ज़ोर से हस पडे ग्रौर फिर बाह मे बाह डालकर चल पडे। जब वे चौक मे पहुचे तो लोगो की दृष्टि उनकी ग्रोर उठ रही थी पर उन्हे इसका कोई ध्यान न था। गत दो मास

मे वहा जो परिवर्तन हुए थे मेरी उनपर ही बातचीत करती रही। वालैस ऐण्ड डिलर फर्म ने प्रचार के लिए दुकान के सामने बाज़ का एक बडा चित्र लटका दिया था। दर्जनो नये मकान बन रहे थे। ग्रिम्सले तथा लेवरिंग की दुकानो मे फिलेडेल्फिया, बाल्टीमोर और न्यू ऑर्लियन्स के माल बिकने के लिए रखा हुआ था। यह सामान लेक्सिगटन की दुकानो के समान ही सुन्दर था।

वहा आइसक्रीम खाकर वे शीघ्र ही लौट आए। मेरी जब स्टीफेन को विदा करने के बाद भीतर आई तो उसने देखा कि एलेज़बेथ और निनियन के चेहरो पर प्रसन्नता फैली हुई है।

एलेजबेथ ने कहा, 'मेरी, तीन सन्देश हमारे पास पहुच चुके है कि तुम और स्टीफेन बाह मे बाह डाले दुकान की ओर जा रहे थे और तुम्हारे फूलो का हार उसके सिर पर था। निस्सन्देह तुम्हारा समय तो बहुत अच्छा गुजरा होगा।'

'हा, हम तो एक दूसरे के मित्र ही हैं और हमे एक दूसरे से मिलकर प्रसन्नता होती है।'

अब एलेज़बेथ की आवाज़ मे प्रसन्नता का भाव न रहा है, 'हमने तो समझा था कि सम्भवत. तुमने उससे······का निश्चय कर लिया है।'

अब जब मेरी की भाव-भगिमा मे कोई अन्तर न पडा तो एलेज़बेथ निरुत्साहित होकर आरामकुर्सी पर बैठ गई। निनियन ने एक सिगार जलाया और जोर से कस खीचा। एलेजबेथ ने पुन कहा, 'किन्तु तुम उसे पसन्द तो करती हो ना? थोडा समय और इसी प्रकार मिलो-जुलो तो यही पसन्द प्रेम मे परिणत हो जाएगी।'

'नही लिज़, यह नही हो सकता। उसके प्रति मेरी जो भावनाए आज से तीन वर्ष पूर्व थी वही आज भी है।'

एलेज़बेथ खड़ी हो गई और उसके निकट आकर कहने लगी, 'यह कैसे कह सकती हो कि ऐसा कभी नही हो सकता? तुमने क्यो उसे सर्वथा दिल से निकाल दिया है? वह तो बडा ही अच्छा व्यक्ति है। उन्नति कर रहा है। तुम ही उसकी प्रगति मे सहायक बन सकती हो। तुम्हारा जीवन सुखी हो सकता है··'

मेरी बोली, 'किन्तु कुछ ऐसे लोग भी होते है जो कभी भी एक दूसरे से प्रेम नही कर सकते। मैं और स्टीफेन उसी वर्ग के व्यक्ति हैं। सम्भवतः ऐसे लोगो के बीच आकर्षण की उत्कट भावनाए ही नही होती।'

एलेजबेथ उसका आशय भापकर बोली, 'सच ?'

'मै किसी दूसरे से प्यार करती हू ।'

'तुम किसी और से प्रेम करती हो ? वह कौन है ?

' लिकन ।'

अकस्मात् मौन छा गया ।

एलेजबेथ ने जोर मे कहा, 'यह असम्भव है। तुम ससार मे उसे छोड किसीसे भी प्रेम कर सकती हो, पर उससे नही ।'

'नही लिज, मै उसके सिवाय किसी दूसरे से प्रेम कर ही नही सकती ।'

'परन्तु यह कैसे हो सकता है ? तुम तो कई मास बाहर रही हो और लौटने पर अभी तक उससे मिली भी नही ।'

मेरी मुस्कराई और बोली, 'जब प्रथम बार मैंने उमे न्यायालय मे छत के छोटे दरवाजे से उतरते देखा था ' ' उसी दिन मेरे जीवन मे उनका आगमन हो गया था और उसी दिन से यह प्रेम पल्लवित हो रहा है ।'

निनियन ने भी व्यग्यभरे स्वर मे कहा, 'तब तो वह स्वर्ग से ही टपक पडा है ? पर वह देवता नही है ।'

'निनियन, मुझे देवता नही चाहिए, मैं तो मानव चाहती हू । क्या तुम इस बात से भी इन्कार कर सकोगे कि वह मनुष्य है ?'

'मै न तो कोई बात स्वीकार करता हू और न ही अस्वीकार । मैं केवल यह बात जानता हू कि वह हमारे परिवार मे प्रवेश पाने योग्य नही ।'

उसने देखा कि निनियन को क्रोध आ गया है । वह उसके निकट चली गई और कहने लगी :

'निनियन, क्षमा करना, आप जानते है कि मैं आपसे स्नेह करती हू और आपका आदर भी । आप मुझे एक बात बताए, आप लिंकन को अपने दल का नेता तो स्वीकार करते है किन्तु यह क्यो स्वीकार नही करते कि वह मेरे जीवन के सुख का कारण बन सकेगा ?' मेरी ने पूछा ।

निनियन ने न्यायमूर्ति की भाषा मे कहा, 'प्रान्तीय स्तर तक तो वह अच्छा नेता है किन्तु उससे आगे वह उन्नति नही कर सकता । उसकी कोई वास्तविक महत्वाकाक्षा भी नही है । वह अत्यन्त निर्धनता से रहता है । प्रतिष्ठित व्यक्तियो से मिलता-जुलता तक नही । अपने धन्धे को बढाने और धनोपार्जन करने की

चिन्ता भी उसे नही। जीवन की सुन्दर वस्तुओ के लिए उसके मन मे इच्छा ही नही। न वह अच्छे वस्त्रो की कामना करता है न घर की और न गाडी की ही।'

'किन्तु निनियन, यह तो इस कारण है कि उसने अपना बचपन बडी यातनाओ मे बिताया है। अन्यथा वह बहुत उन्नति कर सकता है और बहुत-से लोगो से आगे बढ सकता है।'

उसकी बहिन ने दु खभरे स्वर मे कहा, 'तुम ऐसे व्यक्ति के मोह मे क्यो भरमाई हो जिसके पास तुम्हे देने के लिए कुछ भी नही है ?'

मेरी ने उत्तर दिया, 'पर मेरे पास तो उसे देने के लिए बहुत कुछ है। मैं इतना जानती हू कि जीवन मे व्यवहार-कुशल होना अच्छी बात है किन्तु क्या मुझे अपनी सूझबूझ पर भरोसा नही करना चाहिए ?'

खिडकियो पर मधुमक्खिया भिनभिना रही थी तथा मधु के छत्ते से उठने वाली सुगन्ध सारे घर मे फैल रही थी। एलेज़बेथ बिल्कुल शान्त हो गई थी।

वह शान्त भाव से बोली, 'मेरी, यह बात नही कि हम लिंकन को पसन्द नही करते अथवा उसके प्रति हमारे मन मे कोई द्वेष-भाव है किन्तु हम यही समझते है कि वह तुम्हारे योग्य नही है। वह अन्य किसी भी युवती के योग्य हो सकता है किन्तु तनिक विचार तो करो कि तुम्हारा पोषण कैसा हुआ है, और वह तो देहाती है।'

'सम्भवतः यह ठीक हो किन्तु आप बीते दिन की बाते कर रही है। मैं उसके अतीत की सगिनी थोडे ही बन रही हू और भविष्य हम स्वय निर्माण कर लेंगे।'

'मेरी, भविष्य भी तो अतीत की नीव पर ही बना करता है।'

मेरी ने उत्तर दिया, 'आप जो अन्तर बता रही हैं वह परिस्थितियो के कारणवश उत्पन्न हुआ है।' वह दु खित हो गई थी और उसे ऐसा लग रहा था कि उसके माथे पर दो रक्तिम धब्बे निकल आए थे। उसका गला भर्रा गया और वह फिर कहने लगी, 'लिकन के माता-पिता निर्धन थे। वे सीमा प्रदेश के वासी थे जहा पाठशालाए नही थी। जब वह कुल्हाडा उठाने के योग्य हुआ तभी से उसने काम करना आरम्भ कर दिया था। जान स्टुअर्ट का कहना है कि उसमे ईश्वर प्रदत्त प्रतिभा है और यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि इतनी दीन परिस्थितियो मे भी वह इतना आगे बढ आया है। मैं आपकी इस बात से सहमत

नही कि वह आलसी है, उसकी अभिरुचि परिष्कृत नही; और वह महत्वाकाक्षी भी नही। जिसे हम टाड-परिवार के लोग सस्कृति कहते है वह आचार-व्यवहार का परिष्कार मात्र है जिसका उसे अवसर ही नही मिला। मुझे तो ऐसे अवसर मिले है।' उसके ओठ का एक कोना फडकने लगा, 'मै तो टाड-परिवार की सुसस्कृत महिला हू तो फिर क्यो न मुझे ही अब्राहम जैसे व्यक्ति की जीवन-सगिनी तथा सहायक बनना चाहिए ? मै निश्चय ही उसका जीवन सुधार सकती हू। लिज, तुमने उसे एक बार खुरदरा हीरा कहा था। हीरा चाहे निखरा हुआ न हो तब भी जवाहरात मे सबसे कीमती होता है।'

'और तुम उस हीरे पर निखार ले आओगी ?'

'हा ! मुझे ऐसा प्रशिक्षण मिला है। मैं उससे प्रेम करती हू। जिस पृष्ठभूमि की आवश्यकता उसे है वह मैं उसे दे सकती हू। एक सुन्दर घर होगा '।' उसके मन मे होगेन के घर की याद आ गई, 'जिसमे पुस्तके सजी होगी, सगीत का मधुर स्वर होगा और होगा उपयुक्त लोगो का समुचित सत्कार। लिकन योग्य है और निनियन इसे स्वीकार करते है मुझमे अपनी प्रतिभा है। भला दोनो का जोड क्यो न मिला दिया जाए !'

'जोड ? तो क्या लिकन ने तुमसे विवाह करने का प्रस्ताव कर दिया ?'

'····नही तो।'

अब उसके चेहरे का रग फीका पड गया। वे समझ गए कि अभी मेरी अडिग नही। एलेजबेथ ने एक मा की तरह उसकी ओर ध्यानपूर्वक देखा और पूछा, 'क्या लिकन ने तुमसे कहा है कि वह तुमसे प्रेम करता है ?'

वह कोई उत्तर न दे सकी। और उसने मु ह फेर लिया।

'तब तुम यह सारी कल्पना अपने आप ही किस आधार पर किए बैठी हो ?'

'वह मुझसे प्रेम करता है और उसने अपना प्रेम अनेक ढग से जतलाया है।'

वह रोना तो नही चाहती थी किन्तु अनायास अपने पर अधिकार खो बैठी। आखो से अश्रुधारा बहने लगी। एलेजबेथ ने उसे अपनी बाहो मे समेट लिया और प्यार से उसके सिर पर हाथ फेरती हुई बोली

'बच्ची, दु खी न हो। हम तेरा कल्याण ही तो चाहते है। हम लिकन का विरोध नही करेगे। तू जब चाहे उसे घर बुला सकती है ' सभावना यह है कि जितना अधिक तू उससे मिलेगी उतना ही उससे तेरा प्रेम घटता जाएगा।'

२४

नगर मे किसी व्यक्ति को भी पता न था कि अब्राहम लिकन कहा है अतः मेरी को इस बारे मे पता लगाने के लिए सगामो जरनल के कार्यालय मे जाना पडा। एलेजा फ्रासिस घर ही पर रहकर जीवन बिताने की आशा छोड खाना बनाने का स्टोव, चारपाई और बर्तन आदि प्रकाशन कार्यालय मे ही लाकर वही रहने लगी थी। साइमन न केवल पत्रिका ही निकालता था बल्कि ओल्ड-सोल्जर नामक एक साप्ताहिक पत्र एव सैकडो अनेक छोटी पुस्तिकाए भी छापता था और इसी प्रचार साहित्य से व्हिग दल वाले जनता को प्रभावित करना चाहते थे। यद्यपि राज्यविधान सभा के चुनाव की हार की खटक उनके मन मे थी किन्तु साइमन ने यह दृढ निश्चय कर रखा था कि इलीनाइस के निर्वाचन-क्षेत्र से अवश्य ही जनरल हैरीसन को सफल बनाया जाएगा।

उसने प्रेस पर झुके हुए थकी-सी आवाज मे कहा, 'हमारी सफलता के लिए यहा अच्छा अवसर भी है।' उनकी ओर पीठ किए एलेजा शोरबा बना रही थी, 'जैक्सन तथा वान बूरेन के दूषित शासन के बारह वर्षो के पश्चात् अब जनता तिलमिला उठी है और परिवर्तन चाहती है। समिति की यह इच्छा नही थी कि अब्राहम लिकन दक्षिण इलीनाइस मे प्रचार पर अपना समय नष्ट करे क्योकि यह क्षेत्र तो सदैव से दासता का पक्षपाती और डेमोक्रेटिक दल का समर्थक रहा है। किन्तु लिकन के प्रयास फलीभूत हो रहे है।'

मेरी को पता लग गया कि लिकन लिटिल इजिप्ट मे उन लोगो के समक्ष अपना हृदय खोलकर रख रहा है जो उसकी सुनना नही चाहते। इस व्यस्त जीवन मे यदि वह पत्र नही लिख सका तो कोई आश्चर्य की बात नही।

मेरी ने कहा, 'साइमन, क्या मैं कुछ सहायता कर सकती हू ?'

'हा बेटी, काम करो; देखो, पहले ओल्ड सोल्जर की पेटियो पर पते लिख दो और फिर बाहर के राज्यो के पत्रो की फाइल पढकर हमारे पत्र मे प्रकाशन योग्य लेखो पर निशान लगा दो।'

मेरी ने स्लेटी रग का ऊनी कोट उतार दिया और अपनी आस्तीनो को ऊपर चढ़ाकर काम मे जुट गई। वैसे तो डेमोक्रेट दल के बहुत-से सदस्यो के

जीन जाने के कारण अब्राहम के स्पीकर बनने या सीनेट का सदस्य बनने के अवसर कम दिखाई देने लगे थे किन्तु यदि वह इलीनाइस से हैरीसन को सफल बनाने मे कामयाब रहा तो वह अवश्य ही नई फेडरल सरकार मे उसका महत्व-पूर्ण योग होगा।

वह नित्यप्रति प्रात सात बजे उठती, कुछ फल तथा काफी से नाश्ता करती, तत्पश्चात् उत्तरी पार्श्व के कमरे मे चली जाती जहा से फर्नीचर हटा दिया गया था और एक मेज़ पर ऊनी वस्त्र, मलमल, रेशम, रिबन, गोटा, धागा तथा सुइया आदि रख दिए गए थे। अभी सर्दी के कपडे सीने का काम आरम्भ नही हुआ था। बच्चो के गर्म कोट-पतलून आदि सीने थे। निनियन के चाचा और उनकी लडकी मटिल्डा को आना था तथा उनके बिस्तर के लिए पलगपोश भी तैयार करना था। एलेजबेथ ने भी कहा था कि उसके लिए ऊनी मरीनो का स्कर्ट और कमीज़ तैयार किया जाए अतः प्रात काल उठकर दोपहर तक वह सीने-पिरोने का काम करती थी और उसके बाद जरनल के कार्यालय मे काम करने के लिए चली जाती थी। बहुधा उन्हे लिकन से पत्रो की कतरने मिलती रहती थी और कभी-कभी वह अपनी प्रगति के बारे मे समीक्षा भी भेजा करता था। इस प्रकार मेरी को उसके दौरे की जानकारी मिलती रही।

यद्यपि उसका जीवन व्यस्त था और उसने भविष्य की आशाओ को सजो रखा था किन्तु ज्यो-ज्यो दिन बीतते गए उसका जी भारी हो गया। उसे बस यही धुन सवार थी कि वह लिकन के हृदय की बात को कैसे जाने।

सितम्बर के अन्त मे मेरी अपनी एक सहेली मार्था के विवाह मे गई। मेरी ने ही अपनी सहेली का दोहरी तह वाला रेशमी गाउन तैयार किया था जिस-पर सुनहरी और नीले गोटे का काम किया हुआ था। विवाह की रस्म सध्या साढे सात बजे ही कर दी गई क्योकि उसके तुरन्त बाद नवदम्पति को दस बजे वाली गाडी मे शिकागो जाना था। विवाह होने के पश्चात् उसके उपलक्ष्य मे भोज किया गया। स्वादिष्ट भोजन परोसे गए। विवाह के लिए श्री वाटसन ने जो केक बनवाया था उसके ऊपर छोटी-सी दुलहन की प्रतिमा खडी हुई थी जिसके सिर पर हल्का-सा दुपट्टा था और केसरी के फूल थे।

मेरी जब घर लौटी तो वह बहुत ही थकी हुई किन्तु प्रसन्न थी। वह भी यही चाहती थी कि उसकी और लिंकन की शादी भी इसी धूमधाम से हो। किन्तु

दिन के दस बजे ही हो ताकि प्रीतिभोज बारह बजे हो सके। वह अपनी सुहाग-रात स्प्रिङ्गफील्ड के आम लोगो की भाति शिकागो या सेट लुई मे नही मनाना चाहती थी अपितु उसके लिए पूर्व की ओर न्यूयार्क, बोस्टन तथा फिलेडेल्फिया जैसे नगरो मे जाना चाहती थी। बाल्यकाल से ही उसे इन नगरो को देखने का शौक रहा था।

वह शाम का भोजन कर रही थी कि एलेजबेथ और निनियन वहा आ पहुचे। जब मेरी ने यह देखा कि वे उसे बडे ध्यान से देख रहे हैं तो उसने खाने का काटा रख दिया और पूछने लगी, 'क्या बात है ?'

एलेजबेथ ने जोर से कहा, 'क्या तुम्हे पता नही कि श्री लिकन वापस आ गए है ?'

यह बात सुनते ही उसके शरीर मे रोमाच हो गया।

'वह कब वापस आया है ?'

'कल प्रात ।'

उनकी स्नेहशून्य दृष्टि से अपनी भावनाओ को छुपाने का प्रयास करने पर भी उसकी आखो मे आसू आ गए। उसे आए हुए दो दिन हो गए किन्तु उसके आने की सूचना तक नही मिली ! निनियन ने मेरी को सम्बोधन करके कुछ कहना आरम्भ किया जिसका पहला वाक्य वह न सुन पाई। उसने कहा,'........ अब भी सभल जाओ'। मेरी कुछ सचेत हो गई थी। 'हम तुम्हे दु.खी नही देखना चाहते और यही चाहते है कि तुम अपने जीवन के स्वर्णिम युग यो ही न गवाओ। यदि उस व्यक्ति को शिष्टाचार का तनिक भी ज्ञान होता अथवा यदि उसके हृदय मे तुम्हारे लिए या तुम्हारे सम्बन्धियो के लिए थोडा-सा प्रेम होता तो क्या वह इस प्रकार का उपेक्षापूर्ण व्यवहार करता !'

मेरी ने उत्तर दिया, 'यह तो उसका स्वभाव है। कई बार पहले भी वह नगर से बाहर गया था तो उसने स्वय आने की बजाय मेरी ही प्रतीक्षा की थी।'

'किन्तु मेरी, तुम ऐसे व्यक्ति के प्रेम मे फसी हो जिसने तुम्हे एक बार भी यह नहीं बताया कि वह तुमसे प्रेम करता है।'

'नही, वह मेरा बडा ध्यान रखता है।' यह कहकर मेरी ने आखे झुका ली। उसकी ध्वनि मे दृढ निश्चय की कठोरता थी।

एलेजबेथ ने सकेत से अपने पति को कुछ कहने से रोक लिया और स्वयं

बोली, 'ठीक है मेरी बहिन, यदि वह तुमसे प्यार न करता होता तो तुम उसपर इतना लट्टू कैसे होती।'

अगली रात भी लिंकन की ओर से कोई सन्देश न मिला। वह जानती थी कि यदि वह जरनल के दफ्तर मे जाए और वहा का काम जारी रखे तो वही लिंकन से मिल सकती है किन्तु वह सोचने लगी की लिंकन को अवश्य उससे मिलने आना चाहिए।

आखिर वह आया। अगले दिन प्रात सात बजे ही, जब कि एलेज़बेथ और निनियन, जो गत रात बेलीविले से देर से लौटे थे, सोए पडे थे, वह आ पहुंचा। उस समय मेरी ने ऊन का पूरी बाँहो का एक कोट पहन रखा था जो कुछ-कुछ पुराना-सा हो गया था किन्तु सर्दी का बचाव अभी अच्छी तरह करता था; उसने बालो मे जल्दी मे ही कघी की थी अत बाल ऊपर उठे हुए थे। वह हाल मे खडी गर्म-गर्म काफी पी रही थी और अभी आधा प्याला उसके हाथ मे था तथा वह सिलाई के कमरे मे जाने ही वाली थी कि दरवाज़ा खटखटाने की आवाज़ आई। मेरी ने दरवाजा खोल दिया।

सामने लिंकन खडा था। दुबला-पतला, गाल पिचके हुए और थका-थका-सा। इतने महीनो के पश्चात् आज इस मौन वातावरण मे मिलने पर निर्निमेष नेत्रों से वे एक दूसरे को देखते रह गए। आखिर मेरी ने कहा

'महीनो से बिछुडे लिंकन महाशय पधारे है; आज प्रात के शुभागमन के लिए मै किसकी आभारी हू ?'

'प्रातः ? अरे अभी तो ऊषा की बेला है।'

'आपने अभी प्रात का नाश्ता तो न किया होगा ?'

'मैं नाश्ते के लिए नही आया।'

'मैने भी यह नही समझा, किन्तु कुछ नाश्ता तो करोगे ही, क्या तुम मेरे इन कपडो और बालो को देखकर तो नही घबरा रहे, तो मैं अभी कपडे बदल आती हू।'

'यो ही कष्ट न करो—तुम कैसे भी कपडे पहनो मुझसे बुरी तो कभी भी न लगोगी।'

यह बात सुनकर मेरी ने अनमने भाव से उत्तर दिया, 'इसीसे तो मै कहती हू कि तुम प्रशसा करने मे प्रवीण हो। बस इसीको सुनने के लिए तो मैं सारी

गर्मिया प्रतीक्षा करती रही हू ।'

उसकी आखो मे उदासी टपक पडी और मेरी को उसपर दया आ गई ।

'अच्छा, अब इस पुनर्मिलन का बहुत आनन्द मना लिया । अब खाने के कमरे मे चलो । आओ, मैं बरथा से नाश्ता मगवाती हू । ऐसा प्रतीत होता है कि जब मैं गत जून मे तुमसे विदा हुई थी तभी से तुम्हे खाने को कुछ नही मिला ।'

'नही, मैंने तो बहुत-सी चीजे खाई है । राजनीतिक व्यग्यो को पचा गया हू किन्तु इन्हे तुम भोजन नही कहोगी, मैं तला हुआ बाजारी मास, बिस्कुटो का चूरा, दुर्गन्धपूर्ण काफी और शाम का बचा-खुचा खाना खाता रहा हू । मेरी, हम राजनीतिक लोग वोट लेने के लिए क्या कुछ नही करते !'

मेरी का हृदय ग्लानि से भर गया । वह रसोई मे गई और बरथा से लिंकन के लिए अच्छा-खासा नाश्ता तैयार करने के लिए कहा और स्वय तुरन्त गरम काफी का एक प्याला ले आई । हवाना प्रदेश की काफी का एक प्याला जब लिंकन ने पिया तो उसके चेहरे पर रगत आ गई । इतने मे ही बरथा अण्डे, बिस्कुट, हिरन का मास और शहद ले आई । अब्राहम खाने लगा और मेरी उसे चुपचाप देखती रही ।

उसने अपना खाना समाप्त किया था कि एलेजबेथ और निनियन वहा आ गए । निनियन भूल गया कि वह होने वाले साढू का स्वागत कर रहा है । वह तुरन्त कैरो मे व्हिग पार्टी की प्रगति के बारे पूछने लगा । ये लोग बाते करने लगे तो मेरी ने इस अवसर को कपडे बदलने के लिए उपयुक्त समझा । जब वह शृगार करके वापस लौटी, उस समय श्री लिंकन कमरे मे अकेले ही बैठे थे । वे एक आरामकुर्सी पर अपने शरीर को ढीला छोडे लेटे हुए थे । मेरी को देखते ही प्रभात की प्रफुल्लित मुस्कान के साथ बोले, 'मैं पहले ही आ जाता किन्तु इतना अधिक थका हुआ था कि उठने तक की इच्छा नही थी । मैं हर प्रात. शीघ्र उठने का प्रयत्न करता था किन्तु आज ही उठ पाया हू ।'

'तब तो मैं प्रसन्न हू कि तुम आ तो गए ।'

'मौली, मिसूरी मे गर्मी कैसे बीती ?'

मेरी इस सम्बोधन से बहुत प्रसन्न हो गई और बोली

'बहुत आराम से ।'

'इस प्रकार के कठोर वातावरण मे तुम्हारी यह बहुत बडी सफलता है ।'

अब्राहम ने उसके निकट जाकर उसका हाथ अपने हाथ मे ले लिया और कहने लगा, 'मेरी, तुम्हारे हाथ कितने नर्म और सुन्दर हैं। मै तुम्हे बहुत याद करता रहा हू यद्यपि मैं पत्र भी न लिख सका। साइमन ने बताया कि तुमने निर्वाचन-कार्य मे बडा परिश्रम किया है। मुझे यह बात जानकर बडा गर्व अनुभव हुआ है।'

मेरी दो बार अपनी प्रशसा सुनकर खिल गई और उसने अपना हाथ लिंकन के खुरदरे हाथो मे ही रहने दिया।

'मै निर्वाचन के दिनो मे पिताजी की सहायता करती रही हू। अब्राहम, डेमोक्रेटिक पार्टी की भारी विजय से मुझे बडा दु ख हुआ है। विधान सभा मे उनका बहुमत हो गया है किन्तु तुम तो पुन चुने गए हो ?'

'मै व्हिग दल मे बहुत ही कम वोटो पर जीता हू। शायद यह जीत अन्तिम ही हो। गाव के लोग यह समझते हैं कि अब मै शहरी हो गया हू और शहरी यही समझते हैं कि मै अभी तक देहाती हू।'

लिंकन की आवाज़ मे निराशा नही थी वह केवल एक तथ्य का निरूपण कर रहा था किन्तु मेरी ने उस स्थिति से लिंकन को सम्हलने के लिए कहा, 'क्या राज्य विधान सभा मे आठ वर्ष तक रहना पर्याप्त नही है ? अब तो तुम्हारे राष्ट्रीय क्षेत्र मे पदार्पण करने का अवसर आ गया है। हैरीसन के चुनाव के पश्चात् तुम आगे बढोगे।'

इसके पश्चात् लिकन ने उसे गावो की सरायो के विषय मे बताना आरम्भ किया। वहा छोटे-छोटे कमरो मे तीन-तीन चारपाइया बिछाई जाती थी और सोने वाले रात को खुर्राटे मारते रहते थे, जिससे वह सो नही सकता था। रात को शेक्सपियर की पुस्तके पढा करता था। वहा की चारपाइया इतनी छोटी थी कि उसकी टागे लटकती रहती थी। इतना बताकर उसने मेरी से कहा कि वह मिसूरी के अपने अनुभव सुनाए।

मेरी ने मिसूरी के विषय मे लिकन को बहुत-सी बाते बताई। उस समय वह उसे प्रेम भरी दृष्टि से देखता रहा और जब उसने बाते समाप्त की तो लिकन ने झुककर उसके कन्धे पर अपने हाथ रख दिए।

वह कहने लगा, 'मौली, तुम तो बहुत अच्छी वक्ता हो। ऐसा लगता है कि

कोई सुन्दर पुस्तक ही पढी जा रही हो । क्या ही अच्छा होता यदि मैं भी लोगो के समक्ष सुन्दरता से भाषण दे सकता ।'

मेरी ने कहा, 'अब्राहम, तुम अकेले रहे हो, जगल मे लकडी से बने घर मे रहे हो । मीलो तक तुम्हारा कोई पडौसी न था । अकेले तुम कुल्हाडा उठाए ही अपने दिन बिताते थे । प्रकृति के अतिरिक्त तुम्हारे साथ कोई वार्तालाप करने को नही था । किन्तु मेरा पोषण भरे-पूरे परिवार मे हुआ है । जिस पाठशाला मे मै पढती थी वहा अनेक सहपाठी थे । और नृत्य के कार्यक्रमो मे भी अनेक साथी हुआ करते थे ।' इतना कहकर वह हस पडी, 'वहा सब एक ही साथ बोला करते थे ।'

लिकन ने गम्भीरतापूर्वक अपना सिर हिलाया ।

'मौली, यह तो बताओ कि मैं केवल तुम्हारे पास बैठकर ही इतना आराम क्यो अनुभव करता हू ? इस प्रकार केवल तुम्हारे पास आकर ही मेरा हृदय प्रसन्न क्यो होता है ?'

'सम्भवत इस कारण कि हम एक दूसरे से भिन्न है ।'

लिकन ने तब उसकी ओर क्षण भर देखा । कमरे मे कोई न था । वातावरण मे अपूर्व शान्ति थी ।

उसने कहा, 'मौली, सम्भवत हमारा सम्बन्ध उससे अधिक है किन्तु कितना अधिक मैं भी नही जानता ।'

इसके बाद लिकन के ओठ अकस्मात् मेरी के अधरो से जा मिले और अधरो का यह मिलन उतनी ही गरिमा और रहस्य भावना से बहुत देर तक होता रहा जैसा कि जून के मास मे दोनो के बिछुडने के समय हुआ था । अब्राहम ने उसे बाहुपाश मे कस लिया । वह केवल यही सोच सकी कि यह सुखद और उचित है और उसने प्रार्थना की कि उनका प्रेम सदा बना रहे ।

धीरे-धीरे संकोचपूर्वक लिकन ने अपने होठ मेरी के अधरो से अलग किए । बाहुपाश ढीला किया और तनिक पीछे की ओर हट गया किन्तु मेरी अभी भी उसकी बाहो ही मे थी । इसी प्रकार वह मेरी को एकटक निहारता रहा, आखिर उसने कहा, 'क्या हमे एक दूसरे से प्रेम है ?'

२५

वह प्रात शीघ्र ही जाग उठा। अक्तूबर मास की प्रदीप्त रश्मिया खिड-कियो मे से कमरे मे प्रवेश कर रही थी और इधर मेरी की आशाए भी फलवती होने जा रही थी। वह कल्पनाओ मे खो गई, विवाह होगा—महान सह-भोजो के आयोजन होगे, उनका घर बसेगा, वह उसे सजाएगी, सुन्दर वस्त्र पहनेगी। वह चाहती थी कि उनकी सगाई की सूचना सबको हो जाए क्योकि उसके पिता फ्रासेस के विवाह की सूचना एकदम पाकर दुःखी हुए थे। खैर, उसने वैसे अपने पिता को बता दिया था कि स्प्रिगफील्ड मे सगाई की घोषणा करने या विवाह का दिन निश्चित करने की प्रथा ही नही है।

वह यह गुनगुनाती हुई, 'यह तो स्वप्न था केवल एक स्वप्न' उछल-कर बिस्तर से उठ खडी हुई और रात के कपडे पहने ही वह शीशे के सामने जा बैठी। उसे लगा वह पहले से बहुत सुन्दर प्रतीत हो रही है। उसे अपनी आखे भी बडी-बडी लगी। त्वचा अधिक स्वच्छ प्रतीत हुई और केशराशि मे भी आकर्षण दिखाई दिया। वह सोचने लगी, अब वह सुगन्धियुक्त तेल प्रयोग नही करेगी। क्योकि उससे बालो का रग काला होता जा रहा है। सम्भवत अब्राहम तो हल्के भूरे बाल पसद करता है। खैर मैं उससे पूछूगी।

उसने गाउन पहना और नाश्ता करने के लिए नीचे आई।

मध्याह्न के समय अब्राहम भी वहां आ पहुचा। ज्योही वह द्वार मे प्रवेश करने लगा, उसने अपना सिर नीचे की ओर झुकाया क्योकि लकडी की झोपडी मे रहते-रहते उसकी यह आदत बन गई थी और मेरी उस आदत की पुनरावृत्ति यहा भी देखकर मुस्करा दी। अभी-अभी वह दाढी और हजामत बनवाकर आया था और उसके सिर से कोलोन वाटर की सुगन्धि आ रही थी। वह खूब सज-धजकर आया था। उसका सूट अच्छी तरह प्रेस हुआ था और श्वेत मल-मल का कुर्ता उसकी त्वचा की मलिनता को कम कर रहा था।

मेरी ने चुम्बन देने के लिए अपना मुख ऊपर उठाया। उसने मेरी का स्निग्ध चुम्बन लिया किन्तु उसे अपने बाहुपाश मे न कसा क्योकि पीछे से वे आ गए थे। जब अब्राहम ने मेरी के अधरो से अपने होठ हटाए तब धीमी

आवाज मे कहा :

'तुम आज तो अति सुन्दर दिखाई दे रही हो।'

'धन्यवाद ! यही बात मैं आपके सम्बन्ध मे कह सकती हू।'

'देखो मौली, जहा तक एक दूसरे को देखने का सम्बन्ध है, मुझे हर तरह से लाभ ही लाभ है।'

'मैं नही मानती। प्यार हम दोनो को एक समान दृष्टि प्रदान कर देता है।'

उसके पश्चात् अब्राहम ने अपना हाथ आगे बढाते हुए कहा, 'यह लो लेवेडर का डिब्बा। श्री डिलर ने बताया था कि तुम्हे यह बहुत पसद है। यह डिब्बा इगलैड से आया है।'

'धन्यवाद प्रियतम ! यह तो आपने खूब किया। मेरे पास तो तुम्हे देने के लिए कोई उपहार नही है। मै तो अभी घर से भी नही निकली हू।'

अब्राहम ने अपना मुह उसके कान के समीप ले जाकर कहा, 'मौली, मै अपनी भावनाओ का प्रदर्शन नही कर सकता। यह मेरा स्वभाव है। मेरी भावनाए जितनी अधिक गहन होती है मै उन्हे प्रदर्शित करने मे उतना ही अधिक असमर्थ होता हू। किन्तु एक बात मैं तुम्हे बताना चाहता हू कि मैंने आज तक तुम्हारे सिवा किसीसे भी प्यार नही किया।'

एक क्षण के पश्चात् वह बोली।

'अब्राहम, मै इस स्वर्णिम वाक्य को हृदय मे सजोए रखूगी।'

भोजन के समय सभी हैरीसन की विजय की आशाए व्यक्त करते रहे और व्हिग दल की जीत के महत्व पर चर्चा चलती रही। मेरी चुपचाप बैठी थी।

उसके पश्चात् वह अब्राहम के साथ दक्षिण की ओर वनो की सैर करने चली गई। पतझड की ऋतु ने वन को नई शोभा प्रदान की थी। वहा का चक्कर काटकर वे दोनो होगेन के घर के सामने आ गए। डाक्टर होगेन घर पर नही थे अतः उनके एक सेवक ने उनका स्वागत किया। मेरी वहा के कमरो का वर्णन करने लगी और उसने बताया कि उसमे कहा कहा अलमारिया हैं और प्रकाश और वायु के आगमन के लिए कैसी सुन्दर खिडकिया है। इस बीच में वह इतनी अधिक उत्साहित थी कि उसका ध्यान इस ओर गया ही नही कि उसकी बातचीत से लिकन उदास-सा हो गया था।

'यह तो बडा है। इसपर तो व्यय भी बहुत आया होगा।'

'आवश्यक नही। सुरुचि के लिए कोई अधिक व्यय नही करना पडता।'

मेरी ने अपना हाथ लिकन के हाथ मे दे दिया और फिर वह उसे मकान की एक खिडकी के पास ले गई जिसमे से वन का समूचा दृश्य दिखाई दे रहा था। वह कहने लगी .

'प्रियतम, मैं एक बात बताना चाहती हू। आप बुरा न माने। मेरी मा ने मरते समय मेरे नाम अस्सी एकड भूमि इडियाना मे कर दी थी। विवाह होने के पश्चात् वह भूमि मुझे मिल जाएगी।' लिकन की ओर देखे बिना ही वह जल्दी-जल्दी कहती गई, 'पिता जी कहते है कि अब भूमि का मूल्य बढ गया है। उसकी इतनी कीमत तो होगी ही जितनी कि इस मकान की लागत है। यही मेरा दहेज होगा।'

अब्राहम चुप था। उसकी नजरे झुकी हुई थी। मेरी सोचने लगी कि कही उसने बुरा तो नही माना। अच्छे घरो की सभी लडकिया दहेज तो लाती ही है और यदि उसने यह बात लिकन को बता भी दी तो इसमे हर्ज क्या है। जब लिकन ने अपना सिर ऊपर उठाया तो उसने देखा कि उसने बुरा नही माना। उसके होठो पर मुस्कान थी। वह कहने लगा, 'मौली, कमरे या मकान की बात तो रही अलग मेरे पास तो अपना बिस्तर भी नही है। यह तो उधार के आधे बिस्तर से कूदकर प्रासाद तक पहुचने के समान है··।'

'नहीं, वह प्रासाद नही होगा, केवल एक आदर्श घर होगा। जहा तक इस प्रकार कूदने का प्रश्न है मै तो समझती हू कि अब तक तुम्हे ये सब चीजे मिल जानी चाहिए थी। तुम्हारी आयु तीस से ऊपर जा चुकी है। तुम हमारे दल के नेता भी हो और बहुत अच्छे वकील भी। अब से पहले भी यदि तुम चाहते तो मकान तो बना ही लेते।'

'हा, जब कि राष्ट्र का सारा ऋण मुझे चुकाना है।'

वह मौन भाव से मुस्कराई।

'लिकन, मुझे घर चलाने की शिक्षा-दीक्षा मिली है। मै तुम्हारी आय मे ही मितव्यमिता से सारी व्यवस्था कर लूगी।'

वह बोला, 'कौन-सी आय। छः मास से जान स्टुअर्ट वाशिगटन मे है और मैं राजनैतिक कार्य मे लगा हुआ हू और इस बीच इधर हमारी वकालत खत्म

हो गई है। स्प्रिंगफील्ड मे सर्किट कोर्ट का जो अगला अधिवेशन होगा उसके लिए मेरे पास तो बहुत ही कम मुकदमे है।'

'किन्तु तुम और जान दोनो भविष्य का निर्माण भी तो कर रहे हो। राज-नीतिक क्षेत्र मे तुम्हारे नये मित्र बनेगे और उससे भी तुम्हे वकालत मे लाभ होगा।'

'किन्तु मौली, यदि इस प्रकार का भव्य भवन मेरे पास होगा तो डेमोक्रेट मुझे अभिजात वर्ग का कहने लगेगे' और वह हस पडा, 'जैसे मैने कर्नल टेलर का वास्कट उठाकर सार्वजनिक चौक मे दिखा दिया था। उसी प्रकार वे भी मेरे कमरो के दरवाजो पर लगे पर्दे दिखाया करेगे। इसके अतिरिक्त सभी विवाहित युगल विवाह के पहले एक-दो वर्ष तो होटल मे ही गुजारा करते है। इससे नव-वधू को स्वतन्त्रता का कुछ समय मिल जाता है और यह व्यवस्था सस्ती भी है और हम रुपया भी बचा सकेगे।'

'तुम्हारी जो इच्छा होगी, मैं वही करूगी किन्तु मै अपना वैवाहिक जीवन होटल से आरम्भ करना उचित नही समझती। वहा घर का परदा नही रहता। मैं घर के काम-काज से नही घबराती। मुझे वह सब करने मे प्रसन्नता ही होगी।'

लिंकन ने एक बार उस वन प्रदेश मे दृष्टि घुमाई और फिर उस होगेन हाउस की ओर देखते हुए बोला :

'किन्तु तुम पहले ही शिखर पर क्यो चढना चाहती हो ? उसके बाद हमारे समक्ष लक्ष्य क्या रह जाएगा ?'

'होगेन हाउस ही वह शिखर नही है, वह तो अस्थायी घर है। आज से बारह वर्ष पश्चात् हम इससे कही अच्छे मकान मे रहेगे जो सारे देश मे सबसे सुन्दर होगा। उसे न तो खरीदना पडेगा और न ही किराया देना पडेगा, बल्कि राष्ट्र ही उसका किराया देगा।'

उसने चकित भाव से पूछा, 'वह कौन-सा घर होगा ?'

वह एकदम मुस्करा दी।

'व्हाइट हाउस।'

लिंकन भी जोर से हस पडा।

'मौली, मैंने कभी वहा तक जाने की कल्पना नही की।'

'सच ! तुमने तीस वर्ष की आयु मे अमेरिका की सीनेट का सदस्य बनने की आकाक्षा की थी न ? ऋण के भार से दबे हुए तथा अन्धकारपूर्ण भविष्य के साथ जब तुमने वह कल्पना की थी तो फिर तुम राष्ट्रपति-पद के लिए आकाक्षा क्यो नही करोगे ? व्हाइट हाउस और सीनेट मे केवल कुछ दर्जे का तो अन्तर है।'

वह उसके तर्क से प्रसन्न हुआ किन्तु साथ ही उसे गर्व का अनुभव भी हुआ। फिर बोला :

'मेरी टाड, तुम्हे तो पुरुष होना चाहिए था। तुम महान वकील बनती और स्वत. राष्ट्रपति बनने की कामना कर सकती थी।'

कुछ प्रयत्न के पश्चात् उसके परिहासपूर्ण ढग मे ही मेरी ने उत्तर दिया :

'क्योकि यह बात तो निश्चित ही है कि मै स्त्री हू अत मुझे तुम्हारे कधो का सहारा लेकर ही 'व्हाइट हाउस' मे प्रवेश करना होगा। क्या तुम्हे इसपर आपत्ति है ?'

२६

अक्टूबर मास मे प्रेम की उमगे उमड रही थी। स्वच्छ तथा सुरभित पवन बह रहा था। धूप मे अभी गर्मी थी। आसपास के गाव मे चारो ओर भूरे तथा गुलाबी पौधे फैले हुए थे।

वह प्रति दिन दोपहर के खाने के पश्चात् उससे जरनल के कार्यालय मे जा मिलती थी जहा वह उसके साथ मिलकर 'ओल्ड सोल्जर' पत्रिका के नये अको के लिए कार्य करती थी या पत्र लिखने मे लिंकन की सहायता करती थी। चार बजे वे पेडेस्ट्रियन क्लब मे चले जाते थे और वहा से क्लब के लोगो के साथ अखरोट या बेर तोडने चल देते थे। शाम के समय वे किसी न किसी मित्र के घर चाय पर चले जाते जहा भुनी हुई मुर्गी, डबल रोटी या बिस्कुट और हरी सब्जियो का अल्पाहार उन्हे मिल जाता था। प्राय वे 'टिपकेनो' सगीत क्लब मे जाया करते थे जिसका कमरा जरनल के कार्यालय के ठीक ऊपर था। वहा गाने-बजाने का कार्यक्रम हुआ करता और नगर के व्हिग दल के सब नवयुवक

वहा एकत्र होकर अपनी पार्टी का गीत गाया करते थे जिसमे दरिद्रो के प्रति सहानुभूति के भाव थे।

हर रात मेरी वहा प्यानो बजाती और तीस-चालीस नवयुवतिया और सौ के लगभग युवक जी खोलकर गाते थे। अब्राहम उन दिनो बहुत प्रसन्न रहता था। राज्य विधान सभा मे व्हिग पार्टी की असफलता से उसे जितनी निराशा हुई थी वह सब हैरीसन के जीतने की आशा से समाप्त हो चुकी थी। उसके हाथ मे मुकदमे कम थे और आसामिया भी बहुत कम। जब राजनीति सम्बन्धी उसका काम समाप्त हो जाता था तो वह सीधा एडवर्ड-परिवार के यहा चला जाता था। यदि उन दोनो को एक साथ देखने के बारे मे कोई बात चलती थी तो उसे राजनीतिक आन्दोलन का जोश ही समझा जाता था।

एक दिन मेरी और लिंकन दोनो ही निनियन और एलेजबेथ के साथ मेजर 'एलिजा आइल्स' की जागीर पर सगमन कृषक सस्था का मेला देखने गए। वहा निनियन को अपने साड पर द्वितीय पुरस्कार मिला। इसपर निनियन को बडा गर्व हुआ। दूसरी बार वे सरकस देखने गए। वहा उन दिनो जिराफ और हाथी के करतब दिखाए जा रहे थे, जिन्हे स्प्रिङ्गफील्ड मे पहले कभी किसी-ने नही देखा था। बेचारे हाथी को तो एक बहुत बडे और भारी कम्बल मे लपेटकर एक नगर से दूसरे नगर को ले जाया जाता था क्योकि यदि लोग उसे सडक पर ही देख लेते तो सरकस मे टिकट खरीदकर देखने कौन आता!

जब वे दोनो इकट्ठे सैर किया करते थे तो अब्राहम इस बात का विशेष ध्यान रखा करता था कि वह डाक्टर होगेन के घर के पास से न गुजरे वैसे मेरी ने भी फिर कभी उस घर का उल्लेख नही किया था।

कई बार शाम का समय वे एडवर्ड-परिवार के घर अगीठी के सामने बैठ-कर ही गुज़ारते थे और 'टाम और शैन्टर', 'काटर्ज़ सैटरडे नाइट' आदि पुस्तके एक दूसरे को पढकर सुनाया करते थे। लिंकन को ऐतिहासिक पुस्तके बहुत पसन्द थी। विशेषतः वह दूसरे देशो के निर्वाचन की कहानिया रुचि से सुना करता था और मेरी वे पुस्तके पढकर उसे सुनाया करती थी। यद्यपि लिंकन ऐतिहासिक घटनाओ की अपेक्षा रचयिता के मन का अध्ययन करने के लिए उत्सुक रहता था। एक बार उसने धीमे स्वर मे यह कहा था .

'यह लेखक तो किसी भी व्यक्ति के सूक्ष्म से सूक्ष्म भावो को अत्यन्त सक्षिप्त ढग से शब्दबद्ध कर सकता है।'

एक बार जब मेरी ने यूनानी इतिहास का एक उलझन भरा गद्याश पढकर सुनाया तो उसने सोचा कि लिंकन इसका विरोध करेगा किन्तु वह बोला, 'नही, नही, यह कैसे हो सकता है, जब तक लम्बी डोर न हो पतग ऊचा उठ ही नही सकती।'

मेरी का नखरा भी सरल और साधारण हुआ करता था। वह अपना हाथ उसके हाथो मे दे देती, कभी उसकी बाह को थपथपा देती और लिंकन के मन को अच्छी लगने वाली बाते करती। अपने कपडो के बारे मे वह बहुत सावधानी बरतती थी ताकि वह सदा सुन्दर और प्रफुल्लित दिखाई दे। वह ऐसे स्त्री-सुलभ हाव-भाव भी दिखाती थी जो उसने नवयुवको को आकर्षित करने के लिए अन्य युवतियो को देखा था और जिनका वह अब तक' प्रेम होने तक ···तिरस्कार करती आई थी।

लिंकन उसके साहचर्य मे बहुत प्रसन्न रहा करता था। अब उसे सिर-दर्द की कोई शिकायत न थी। कहा तो वह यह कहा करता था कि शिशिर से वसत तक उसे कभी उष्णता का अनुभव नही होता किन्तु अब अकस्मात् शीत बढ जाने पर भी वह प्रसन्न दिखाई देता था और उसके चेहरे पर रगत बनी रहती थी।

एक बार जब मेरी ने लिंकन के निरन्तर विचाररत रहने की सराहना की तो उसने कहा :

'मैं सदा ही तो ऐसा नही रहा हू। अब दूसरी मेरी की बात सुनो। एक बार हम कई लोग घोडो पर सवार होकर बाउलिङ्ग ग्रीन गए थे। रास्ते मे एक गहरी नदी थी। मै तो घोडे को सरपट दौडाकर नदी मे सबसे आगे निकल गया जब कि अन्य लडकियो के मित्र उनके पार पहुचने मे सहायता कर रहे थे। जब उसने मेरी उदासीनता की आलोचना की तो मैने उससे कहा कि मै जानता हू कि तुम इतनी निपुण हो कि अपनी देख-भाल स्वय कर सकती हो। उसी रात उसने अपनी बहिन से कह दिया कि मुझे वह छोटी-छोटी बाते नही आती जो किसी स्त्री के सुख के हार की लडिया बना करती हैं।'

'बात यह थी अब्राहम, कि तुम्हे उससे प्रेम नही था। मुझे तो तुम मंझधार

में ही न छोड दोगे, ठीक है न ?'

'बिल्कुल नही मौली । १८३० की बात है कि हमारा सारा परिवार एक बैलगाडी मे सवार होकर इलीनाइस जा रहा था । बैलगाडी मे दो बैल जुते हुए थे । किसी मैदान मे एक नदी पडती थी । मुझे पता लगा कि उस किनारे पर हमारा कुत्ता रह गया है । उस समय गहरा अन्धकार छा गया था और मेरे पिता ने कहा कि कुत्ते को जाकर लाने की कोई आवश्यकता नही है । मैंने अपने जूते और जुराबे उतारी और उस बर्फीली धार को पारकर दूसरे किनारे तक चला गया और उस ठिठुरते हुए कुत्ते को अपनी बाह के नीचे दबाकर उठा लाया । मै उससे बहुत ही प्रेम करता था ।'

'क्यो अब्राहम, लिंकन क्या उससे मेरी तुलना !'

जब मेरी ने यह बात कहते हुए उसकी ओर देखा तो उसकी आखो मे शरारत झलक रही थी । वस्तुत उसने यह कहानी केवल यह देखने के लिए सुनाई थी कि मेरी इसपर हसती है या नही ।

मेरी ने पाया कि लिंकन मे अनेक परस्पर विरोधी बाते थी, एक ओर यदि देहाती आचार-व्यवहार तो दूसरी ओर जन्मजात शिष्टता, एक ओर उदासी तो दूसरी ओर आग्रहशीलता, परिहास-प्रेम; एक ओर बेढगापन तो दूसरी ओर अतिशय शक्ति, कभी कुरूप तो कभी आकर्षक, कभी आवारगी तो कभी आत्मोत्थान की महत्वाकाक्षा, कभी मसखरापन तो कभी गभीर तर्क; एक ओर प्रेम की प्यास तो दूसरी ओर स्त्रियों के प्रति लज्जाभाव । उस की पृष्ठभूमि डेमोक्रेटिक थी पर आस्था व्हिग दल के प्रति ।

उसे तो कभी भी समझा नही जा सकेगा । मेरी के मन मे विचार आया कि एक दुर्बल हृदय की स्त्री को उससे कभी प्रेम नही होगा ।

कितनी विचित्र बात थी कि मेरी ने सोच तो यह रखा था कि यदि हेनरी क्ले निर्वाचित हो जाए तो वह अपने पिता के साथ वाशिंगटन जाएगी और अब उसकी बजाय व्हिग पार्टी की जीत उसे पति सहित वाशिंगटन ले जाएगी। वह बडी आशा से उस दिन की प्रतीक्षा करने लगी । वह वहा एक अच्छा-सा घर किराए पर ले लेगी । अनेक लोगो को आमन्त्रित किया करेगी । राजधानी के अभिजात वर्ग को भी बुलाया करेगी और वहा के अन्तर्राष्ट्रीय व्यक्तियो को भी बुलाएगी। वह वहा ऐसा वातावरण पैदा करेगी कि अब्राहम लिंकन उसके सहारे से विश्व

मे प्रकाश फैलाने वाला प्रकाश-स्तम्भ बन जाएगा।

जब निर्वाचन के अन्तिम दिनो मे आन्दोलन के सिलसिले मे लिंकन को स्प्रिङ्गफील्ड जाना पडा तो उसकी जाने की बिल्कुल इच्छा नही थी। मेरी जान गई कि वह बहुत दुःखी है इसलिए मेरी ने पूछा, 'क्या जाना बहुत आवश्यक है? गत महीनो मे तुमने कौन-सी कसर उठा रखी थी।'

लिंकन ने निराश भाव से कहा, 'केवल दो सप्ताह की ही तो बात है। मैं लारेन्स काउन्टी से होता हुआ यहा आ जाऊगा और दर्ज करवाने के लिए उनका वोट ले आऊगा। मुझे १६ डालर फीस मिलेगी जिससे आने-जाने का खर्च पूरा हो जाएगा।' उनका विदा के समय का चुम्बन हल्का और प्रेमभरा था। जब उसने लिंकन को 'बैजो ड्राइव' से गुज़रकर तथा सेकिण्ड स्ट्रीट से नीचे उतरकर नगर की सीमा की ओर जाते हुए देख लिया तो उसने सोचा :

जब निर्वाचन समाप्त हो जाएगा और वह घर वापस आएगा तो हम विवाह कर लेगे।

२७

स्प्रिङ्गफील्ड मे राजनीति का उन्माद छाया हुआ था और जब दोनो पार्टिया वोट प्राप्त करने के लिए जोश के साथ काम करने मे लग गईं तो सारा कारोबार भी मानो ठप्प हो गया। व्हिग पार्टी ने अमेरिकन हाउस के ठीक दक्षिण मे एक बडी लकडी की झोपडी बनाई। मेरी हर साझ को यहा भाषण और जोश-भरी वक्तृताए सुनने के लिए आया करती थी।

निर्वाचन के दिन अर्थात् दो नवम्बर को वह, उसका परिवार और मित्र बहुत प्रसन्न थे चूकि पेनसिलवानिया और ओहायो से, जहा ३० अक्तूबर को मतदान हुआ था, यह समाचार मिले थे कि इन राज्यो ने हैरीसन के लिए मत दिए है। दो ही दिन बाद यह समाचार मिला कि 'मेन' और 'वरमाउण्ट' ने भी व्हिग पार्टी को मत दिए है। यहा तक कि केन्टुकी, टेनेसी और जार्जिया जैसे

प्रदेश, जो कभी डेमोक्रेटिक पार्टी के गढ थे, व्हिग पार्टी के समर्थक बन-गए थे। स्प्रिङ्गफील्ड और आसपास के गावो मे हैरीसन को बहुमत प्राप्त हुआ था और ऐसा प्रतीत होता था कि इलीनाइस राज्य भी हैरीसन का ही समर्थक बनेगा और आखिर व्हिग पार्टी की महान विजय होगी।

किन्तु कुछ दिनो बाद जब मेरी पत्रिका के कार्यालय मे गई तो उसने देखा कि साइमन फ्रासिस के चेहरे पर लेशमात्र भी विजय का भाव नही था। उसने पूछा :

'क्या हुआ साइमन, मैंने तो दोपहर के समय सुना था कि हमे सगमन काउटी मे भी दुगने वोट मिले है ?'

'इन तालिकाओ को देखो मेरी, इलीनाइस मे अबतक हमारे एक हजार वोट कम है जब कि दक्षिण के कई प्रदेश के वोट अभी गिने नही गए जहा कि डेमोक्रेटो का अधिक प्रभाव है।'

'अब्राहम ने वहा कई सप्ताह काम किया है। उसने अवश्य उन लोगो को अपने पक्ष मे कर लिया होगा।'

'कुछ लोगो को भले ही कर ले किन्तु वहा काफी वोट नही मिलेंगे। दक्षिण के प्रदेशो मे डेमोक्रेटो को मिलने वाले वोटो का मुकाबला करने के लिए हमे उत्तरी इलीनाइस मे बहुत अधिक वोटो की आवश्यकता थी।'

'किन्तु जब वाशिंगटन मे व्हिग शासन स्थापित हो जाएगा तो क्या इससे हमे अधिक अन्तर पडेगा ?'

कुछ कहने से पूर्व साइमन फ्रासिस ने मेरी को ध्यानपूर्वक देखा और फिर बोला, 'मैं समझता हू कि इस प्रश्न का उत्तर अब्राहम ही अधिक अच्छा दे सकता है।'

उस मुद्रणालय मे, जहा स्याही और नये बने कागज की गन्ध फैली हुई थी, मौन छा गया। थोडी देर बाद मेरी ने पूछा

'क्या वह वापस आ गया है ?'

'हां ! गत रात।'

उसी शाम को लिकन जिस स्थिति मे एडवर्ड की बैठक मे पहुचा उसे देख-कर मेरी को बहुत दु ख हुआ। लिकन का शरीर निढाल था। उसकी आखो के आसपास झुर्रिया पडी हुई थी। उसकी ठुड्डी का गढा और अधिक गहरा हो

गया दिखाई देता था और ऐसा प्रतीत होता था मानो उसके चेहरे का ढाचा ही बिगड गया है। उसका टेटुआ बाहर की ओर निकला हुआ था । मोटे और काले बाल सिर पर उलझे हुए थे और कन्धे, कमर तथा घुटने झुके हुए थे। सबसे बुरा हाल तो उसकी आखो का था। वे पथराई-सी थी और दुख रही थी और बाईं आख की पुतली इस प्रकार ऊपर की ओर उठी हुई दिखाई देती थी मानो दूसरी आख से उसका कोई सतुलन ही न हो ।

उसकी यह स्थिति देखकर मेरी का जी चाह रहा था कि वह रो पडे। जिस प्रकार मा अपने बच्चो की रक्षा करती है उसी प्रकार वह उसे अपनी गोद मे लेकर प्यार करना चाहती थी। वह सोचने लगी क्या उसे दया तथा सहानुभूति-पूर्ण शब्द कहने चाहिए ? क्या उसे उसके सूखे होठो का चुम्बन ले उसके सभी कष्ट को दूर कर देना चाहिए ? क्या वह निराशा के ऐसे गढे मे गिर चुका है कि मधुर परिहास से उसे उठाया नही जा सकता ?

'देखो अब्राहम, मैं देख रही हू कि तुमको फिर पित्तोन्माद हो गया है। तुम्हे यह प्रिय मित्र फिर कहा मिल गया ? क्या लारेसविले मे ?'

जब लिकन कुछ प्रयत्न करके बोला, तो उसकी आवाज़ भर्राई हुई थी।

'नही, लारेसविले मे मुझे केवल वोट ही मिले ।'

'निस्सन्देह उनमे साप बैठा होगा।'

'नही डेमोक्रेट है। उनकी उस राज्य मे विजय हो गई है। यद्यपि दो हजार से भी कम वोटो से उनकी विजय हुई है किन्तु उनको विजय अवश्य मिली है। मेरे जीवन का एक वर्ष व्यर्थ चला गया है। मेरे ऋण बढ गए है, वकालत ठप्प हो गई है ' और स्टीफेन डगलस ने एक बार फिर हमे मात दे दी है !'

'मैं जानती हू । मै यह भी जानती हू कि तुम्हारे सिर मे दर्द है। तुम्हारी आखे यही बता रही है किन्तु इसका यह अभिप्राय नही कि तुम बैठे-बैठे अपने आपको कोसते रहो ।'

वह सोफे मे धस गया। उसकी बाहे टागो के बीच लटक रही थी और हाथ ज़मीन को छू रहे थे।

'मैं समझता हू कि मेरे साथ यही कुछ होना चाहिए था।'

मेरी सहानुभूतिपूर्वक मुस्कराई।

'ऐसी साधारण पराजयो की चिन्ता मत करो। मैं तो दोबारा तुम्हारे

जीवन मे चेतना फूकने का प्रयत्न कर रही हू।'

लिंकन का दुःख सारे वातावरण तक छा गया था और मेरी इसे सहन न कर सकी। वह उसके पास गई और अपनी बाहे उसके कन्धो पर डाल दी।

'मै तुम्हारे लिए कुछ काफी और खाना लाती हू। अब्राहम, इस समय तुम्हे केवल आराम और प्रसन्नता की आवश्यकता है, तभी तुम अपनी पहले जैसी सूझ-बूझ प्राप्त कर सकोगे। तुम ही ने तो न्यू सलेम मे अपने पहले भाषण मे यह कहा था : यदि आपके विचार मे मैं इसी योग्य हू कि मुझे पृष्ठभूमि मे रखा जाए तो मैं निराशाओ और दु खो से इतना परिचित हू कि मुझे कभी दु ख हो ही नही सकता।'

ऐसा लगा मानो लिंकन को कुछ आराम मिला हो।

'यह स्थिति इतनी अधिक गम्भीर है कि तुम समझ नही सकती। मुझे स्टुअर्ट के साथ साझेदारी समाप्त करनी पडेगी·· क्योकि वकालत के लिए हमारे पास बहुत कम साधन रह गए हैं। पहले वर्ष सगमन काउटी के न्यायालय के जुलाई मास के अधिवेशन मे हमे छियासठ मुकदमे मिले थे। इस सोमवार को जो अधिवेशन आरम्भ होगा उसमे हमारे पास केवल अठारह मुकदमे है जिनमे से अधिकतर या तो जारी रहेगे या उनका फैसला हो जाएगा।'

'मुझे अपने चचेरे भाई स्टुअर्ट के लिए खेद है किन्तु तुम दोनो ही तो राजनीति मे लगे रहे हो। तुम्हे कोई नया साझीदार मिल जाएगा और ग्राहक भी नये मिल जाएगे। तुम अच्छे वकील हो और विधान सभा मे व्हिग पार्टी के नेता हो····।'

लिंकन कुर्सी मे बैठे-बैठे यो हिला जैसे इन्कार कर रहा हो।

'क्या तुम जानती हो कि गत छ. मास मे मैने क्या कमाया है ? इन उन्नीस डालरो को छोडकर मैने एक दमडी नही कमाई और वे उन्नीस डालर भी मुझे राज्य के आडिटर ने लारेंसविले से सूचिया लाने के लिए दिए थे।'

मेरी उठी और रसोईघर से काफी का एक प्याला ले आई और उसके सामने खडी होकर बोली, 'अब्राहम, भगवान जाने तुम्हारा परिहास का स्वभाव कहां चला गया है। अब कुछ कहानिया कहो न !' कहकर मेरी ने उसकी तरह नाक से ऊची आवाज़ निकालते हुए उसके इस वाक्य की नकल उतारी, 'तुमने सुना है जब मैं विधान सभा मे पहली बार गया था और छोटा-सा भाषण देने के लिए खडा हुआ था तो मैंने तीन बार यह कहा था, अध्यक्ष महोदय, मेरे अन्तर

में यह आता है, मेरे अन्तर में यह आता है ।—अन्त में दर्शकों में से एक बोला: अध्यक्ष महोदय, इस व्यक्ति के अन्तर में तीन बार कोई आया किन्तु वह कहां है ?'

उसकी आंखों में एक चमक-सी पैदा हुई जो दूसरे ही क्षण विलीन हो गई । मेरी क्षणभर मौन खड़ी रही । उसे ऐसा लगा उसकी पराजय हो गई थी फिर वह मुड़ी और कमरे से बाहर चली गई ।

अगली प्रात: उसने शीघ्र अपने वस्त्र बदले और अपनी बहिन फ्रांसेस के घर चली गई । दोपहर के समय डाक्टर वालैस भी आ गए। उनकी दुकान नम्बर चार हाफ मैन रो पर थी ।

'विलियम, पित्तोन्माद का क्या कारण होता है ?' डाक्टर उठा और शीशे के ढक्कन वाली अलमारी के पास गया तथा वहां से ओषधि विषयक कोष ले आया ।

'इस पुस्तक में बताया गया है कि यह पित्तोन्माद एक रोग है किन्तु वस्तुत: वह ज्ञान-तन्तुओं की एक स्थिति मात्र है जो अधिकांशत: भय के कारण हो जाया करती है ।'

'भय ?' इस शब्द के प्रयोग से वह आश्चर्यचकित हो गई । 'भय किस बात का ?'

'इसे चिन्ता कह सकती हो, सुरक्षा अथवा सफलता के बारे में चिन्ता । अधिक काम, चिन्ता और विफलता के कारण इसका दौरा पड़ सकता है । इसका उपचार साधारण है । इसके लिए कड़वी दवाई, रक्त निकालने, आपरेशन करने आदि की कोई आवश्यकता नहीं । उस सबके बजाय रोगी को अच्छा भोजन मिलना चाहिए, कोई सहृदय मित्र होना चाहिए और हास-परिहास तथा प्रेम का वातावरण मिलना चाहिए·······।'

'प्रेम ? विलियम, पर प्रेम भी तो कड़वी ओषधि प्रमाणित हो सकता है । आप रोगी को ऐसी दवाई का सेवन करने के लिए कैसे बाध्य करेंगे जब कि वह उसके लिए बिल्कुल ही तैयार न हो ।'

मेरी को कई दिन से लिंकन का कोई संदेश नहीं मिला था । फिर एक दिन सांझ ढले वह आया । मेरी उसे बैठक में ले गई । उसका शरीर आगे की ओर झुका हुआ था । वह बोला :

'मेरी, मैं इसलिए आया हूं ·······कि····तुम्हारे और अपने बीच की बात समाप्त कर दू ।'

'समाप्त !'

'सच तो यह है कि मैं भीरु हू । मैंने तुम्हारे लिए एक लम्बा पत्र लिखा था। किन्तु जब मैने वह स्पीड को पढकर सुनाया तो उसने उसे फाडकर अगीठी मे फेक दिया और कहा, 'यदि तुममे पौरुष और साहस है तो तुम्हे स्वय जाकर सब कुछ बता देना चाहिए ।'

मेरी इतनी स्तम्भित हो गई कि उसने जो कुछ कहा उसका महत्व ही न समझ सकी और उसने लिंकन की बात के आधार पर ही उसपर चोट की

'तो क्या तुम हमारे-अपने पारस्परिक सम्बन्ध के विषय मे स्पीड से बात-चीत किया करते हो ? अब्राहम, तुमने यह कैसे किया ?'

वह मेरा मित्र है और मुझे सहायता की आवश्यकता थी ।'

'और मैं तुम्हारी मित्र नही हू ?' उसके माथे पर दो लाल धब्बे उभर आए।

'तुमने ऐसी कोई बात नही की· '

'आपका बहुत धन्यवाद'—मेरी के शब्दो में व्यग्य था, 'कि आप यह सोचते हैं कि मैंने तो केवल आपसे प्रेम मात्र ही किया है ।'

'तुम तो मेरे शब्दो के तोड-मरोड रही हो···· · '

'यह एक ऐसा तथ्य है जो तुम्हे अक्तूबर मे तो प्रसन्नता प्रदान करता हुआ प्रतीत होता था किन्तु अब नवम्बर मे वह उतना ही दु ख का कारण बन गया है । मुझे किस लिंकन पर विश्वास करना चाहिए अक्तूबर के लिकन पर अथवा नवम्बर के लिंकन पर ? अथवा दिसम्बर मे मुझे तीसरे लिंकन से वास्ता पडेगा ?'

उसके चेहरे पर रूखी-सी मुस्कान फैल गई । वह बोला, 'मेरी, क्रोध से तो तुम्हारी वाणी तेज़ हो जाती है ।'

'और पित्तोन्माद से तुम रूखे हो जाते हो । क्योकि तुम्हारी हार हो गई है क्या इस कारण कही दुमा दबाकर भागना और मरना चाहते हो ?'

'नही, मरना तो नही चाहता किन्तु रीछ की तरह सोकर सर्दिया बिता देना चाहता हू ।'

'मुझे तो उस गुफा मे आमत्रित नही किया गया ?'—मेरी ने अधिक धीमे

से पूछा, 'अब्राहम क्या अब तुम्हे मुझसे प्रेम नही रहा ?'

'मैंने तो यह नही कहा'' 'सच तो यह है कि'' प्रेम' मेरे लिए है ही नही ''' विवाह मेरे सामर्थ्य से बाहर है।'

मेरी ने पुन अनुरोधपूर्वक पूछा, 'लिंकन, क्या तुम्हे मुझसे प्रेम है ?'

''' हा'

क्षण भर के लिए मेरी की आखे मु द गईं और उसे ऐसा लगा जैसे वह बेहोश हो रही हो।

'किन्तु मैं विवाह नही कर सकता; मुझे जीवन मे उन्नति की आशा नही।'

'यदि मैं ही नही डरती तो तुम क्यो डरते हो ?'

'क्योकि यह मेरा उत्तरदायित्व होगा। मै तुम्हारे प्रति सदा सत्यनिष्ठ रहना चाहता हू।'

'एक स्त्री के प्रति सत्यनिष्ठ होने के और भी तो उपाय है ?'

वह चौका और फिर शिकायतभरे स्वर मे बोला

'तुम्हारे ससार मे बग्घियो मे सजधजकर घूमने का रिवाज है। मेरे साथ रहकर तुम दारिद्रय को नही छुपा सकोगी।'

'मै छुपाने का प्रयत्न भी नही करूगी।'

'मेरी, तुममे गर्व है किन्तु तुम विपत्तियो से परिचित नही हो। जब मुझे उस होगेन हाउस का ध्यान आता है जिसके लिए तुम्हारे मन मे उत्कठा है '

अब मेरी चौकी, 'मै उसके बारे मे यो ही हठ कर रही थी। उसके लिए तुम्हे बाध्य करना मेरी गलती थी।'

'नही मेरी', वह ऊचे स्वर मे बोला, 'तुम्हे अपने मन की बात कहने का पूरा अधिकार था। तुम वैसे ही घर की पात्र हो। उसके लिए तुम्हारे पास उचित वातावरण, सस्कृति और परम्परा का भडार है ' '

'यह सब बकवास है! यह निश्चय करना मुझीपर छोड दो कि मै समाज मे नाक-भौ चढाने वालो के वर्ग मे रहना चाहती हू या नही।'

लिकन ने अपने हाथ आगे बढा दिए, हथेलिया खोल दी और उन्हे धीरे-धीरे ऊपर उठाने लगा जैसे कुछ भारी बोझ तोल रहा हो।

'मेरी, मैं बातो मे तुम्हारा मुकाबला नही कर सकता।'

'न प्रेम मे ही।'

'मेरी, मुझे जाने दो, मैं अभागा हू । मेरा जीवन अनिश्चयपूर्ण है, मैं तुम्हे कुछ भी तो नही दे सकता ।'

'यदि तुम मुझसे प्रेम करते हो और फिर भी यह कह सकते हो कि तुम्हारे पास मेरे लिए कुछ नही, तो उससे तो यही अच्छा होगा कि हम अलग हो जाए ।'

वह उसके पास से गुजरकर सामने के दरवाज़े की ओर चली गई और बोली .

'प्रिय लिंकन, तुम आज़ाद हो ।'

उसने लिंकन की ओर देखे बिना ही दरवाजा खोला ।

'अच्छा नमस्ते लिंकन ।'

'नमस्ते मेरी ।'

वह कुछ कदम बरामदे की ओर गया, फिर हिचकिचाते हुए रुक गया, उसकी ओर आधा मुडा । और फिर वे एक दूसरे के आलिंगन मे बध गए । उसने लिंकन को यह कहते सुना :

'मुझे क्षमा कर दो मौली, मेरा यह आशय नही था । मै तुम्हे सभी कुछ दे सकता हू ' अपना समूचा प्यार ।'

उसके विचारो का तनाव समाप्त हो गया । उसके विचारो का क्रम टूट गया और वह उसकी बाहो मे लुढक गई ।

२८

अक्तूबर मास मे उनका सम्बन्ध जितना प्रेम और उल्लास से भरा था, वैसा अब न रहा । किन्तु फिर भी कुछ रूपो मे उनका प्रेम अधिक गहरा और अधिक दृढ होता गया क्योंकि उन्होने एक दूसरे को दु ख पहुचाया था ।

क्योकि उसने कई शामे उसकी प्रतीक्षा मे सज-धजकर, बैठक मे एक बडी कुर्सी पर बैठे गुज़ार दी थी और हर शाम जब घडी नौ बजाती तो उसे पता

लग जाता कि वह नही आएगा। अत. उन्होने परस्पर यह निश्चय किया कि लिकन और वह रविवार को साथ-साथ खाना खाया करेगे और बुधवार तथा शनिवार की शाम को लिंकन उससे मिलने आया करेगा। किन्तु दिसम्बर के पहले बुधवार को उसका सदेश मिला कि वह उस शाम को नही आ सकेगा। रविवार की शाम को भी वैसा ही सदेश आ गया।

जब वह आखिर रविवार को दुपहर के खाने पर आया तो उसने अपनी सफाई देते हुए कहा

'मै लाबी के कार्य मे लगा रहा हू।'

'लाबी का कार्य? वह क्या होता है?'

यह एक अनौपचारिक क्लब है जिसकी बैठक नये राज्य भवन की लाबी मे होती है। वहा सीनेट और हाउस के सदस्य एकत्र होते है। हम नकली समितिया नियुक्त करते है जहा बहुत वाद-विवाद होता है और हम अपने मन की वे बाते भी कह डालते है जो हाउस और सीनेट मे नही कह सकते। मैं आचार-व्यवहार, शिष्टाचार तथा रस्म सम्बन्धी समिति का सदस्य हू।'

मेरी ने व्यग्यपूर्वक कहा, 'आपसे अच्छा आदमी उन्हे कौन मिल सकता था!'

उसने मेरी के वाक्य की ओर ध्यान दिए बिना कहा, 'हमने तो वस्तुत होटलो और रेस्तरा का काम ही ठप्प कर दिया है और वहा जाने की बजाय लाबी मे दोनो सभाओ मे पेश किए जाने वाले व्यर्थ बिलो पर व्यग्य कसने मे ही समय बिताते है। इससे अनेक लोग यह ढग सीख जाते है कि सभाओ मे कैसा व्यवहार करना चाहिए।'

'मैं समझ रही हू कि इससे क्या प्रयोजन सिद्ध होता है और इसमे कितना आनन्द रहता है, किन्तु ऐसा प्रतीत होता है कि तुमसे कम से कम एक बार मिल लेने के लिए मुझे स्वय विधान सभा के लिए निर्वाचित होना होगा।'

उनके झगडे से पूर्व उन्हे भावी विवाह का पूरा ध्यान था। किन्तु अब ऐसा लगता था कि वह भाव समाप्त हो चुका है, मानो अब्राहम प्रेम करने के लिए तो तैयार हो किन्तु उसने विवाह का विचार छोड दिया हो।

विधान सभा का अधिवेशन आरम्भ होने पर पुन: नगर मे राज्य भर के प्रतिनिधियो और उनके परिवारो की रौनक आरम्भ हो गई थी। इसके साथ

ही बाहर के वे वकील और व्यापारी भी वहा एकत्र हो गए जो विशेष बिल पास करवाने की आशा करते थे। स्प्रिगफील्ड के सामाजिक जीवन मे चहल-पहल आरम्भ हो गई। सप्ताह मे प्राय हर रात भोज और नृत्यो का कार्यक्रम रहता था। मेरी को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि अब्राहम ने उसके साथ जाने के लिए इन्कार कर दिया था।

'दस दिसम्बर को तुम्हे अपने साथ अमेरिकन हाउस के नृत्य कार्यक्रम मे ले जाने पर मुझे गर्व होगा' ' उसने कहा, 'वह कार्यक्रम विधान सभा के सदस्यो के लिए होगा। किन्तु अन्य पार्टियो मे इतनी अधिक भीड-भाड होती है कि मै उसका अभ्यस्त नही हू।'

मेरी ने प्रार्थनाभरे स्वर मे कहा, 'इसके लिए अभ्यस्त हो जाना बहुत सुगम है। ये सब अच्छे लोग हैं और उनकी इच्छा है कि तुम उन पार्टियो मे सम्मिलित हुआ करो। यह हो सकता है कि मै इन कार्यक्रमो मे से ऐसे आधे कार्यक्रम चुन लू जो मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम अन्य कार्यक्रमो मे सम्मिलित होने का विचार छोड सकते है। क्या इस तरह अच्छा समझौता हो सकता है '' या आज रात अगर मै लाबी मे आकर अपना मामला प्रस्तुत करू तो मेरी बात माने जाने की अधिक सभावना है ?'

वह हसा और सोचने लगा कि मेरी जब भी मुझे परिहास मे परास्त कर देती है, मुझसे अपनी बात मनवा ही लेती है।

स्प्रिगफील्ड के मैदान मे बर्फीली हवाए चलने लगी। एलेज़बेथ बाहर से आई तो उसे बहुत सर्दी लग रही थी। मेरी ने उसे बिस्तर मे लेटा दिया। जब वह ट्रे लिए हुए गई तो उसने देखा कि एलेजबेथ अपनी चचेरी बहन मेरी वर्जीनिया स्टुअर्ट का एक लम्बा पत्र पढ रही थी। वर्जीनिया का पति जान दूसरी बार काग्रेस के लिए निर्वाचित हो गया था और वह उसके साथ वाशिंगटन गई हुई थी।

एलेज़बेथ ने पूछा, 'मेरी, क्या तुम्हे पता है कि लिकन बीमार है ?'

'बीमार ?' उसकी दृष्टि कमरे मे घूम गई, 'उसे क्या बीमारी हो गई है ? मैं तो कल ही उससे मिली थी।'

ऐसा प्रतीत होता है कि उसने भाई स्टुअर्ट से प्रार्थना की थी कि डाक्टर

हेनरी को पोस्टमास्टर-पद के लिए यहा बुला लिया जाए। उसे शीघ्र आने की अत्यधिक आवश्यकता है।'

'ओह, यह तो पित्तोन्माद का रोग है। डाक्टर कभी-कभी उससे बातचीत करके उसे स्वस्थ कर देते है।'

'और तुमने यह क्यो नही बताया कि तुम बगोटा जा रही हो? हमारी बहन स्टुअर्ट ने लिखा है कि ज्यो ही हैरीसन राष्ट्रपति-पद सभालेगे वे लिकन को कोलम्बिया के दूत नियुक्त कर देगे।'

मेरी का चेहरा लज्जा से रक्तिम हो गया।

'तो तुम्हारा यह अभिप्राय है कि उसने तुम्हे नही बताया कि वह जा रहा है?'

एलेजबेथ के पास से आते ही मेरी ने लिंकन को यह सदेश भेजा कि वह उसे यथाशीघ्र चित्र-प्रदर्शनी मे मिले जो चौक के दक्षिण की ओर केफील्ड के नये भवन मे दिखाई जा रही थी। उसने शीघ्रता से ऊनी कपडे पहने, लम्बे बूट डाल लिए तथा गहरे लाल रग का गुलूबद गले मे बाध लिया तथा तेज़ सर्द हवा मे से इतनी तेजी से चली गई जैसे जल की लहरो को काटकर जा रही हो। केफील्ड पहुचने पर उसने पचीस सेट का टिकट खरीदा और लकडी के तख्तो वाले बडे कमरे मे चली गई और वहा कारेगियो तथा अलबानो आदि विख्यात चित्रकारो के चित्र देख उसे इतनी प्रसन्नता हुई कि उसकी सारी चिन्ता विलीन हो गई। उसे यह भी स्मरण न रहा कि वह वहा क्यो आई थी।

वह हाल के दूरस्थ सिरे पर एक चित्रपटी के समक्ष खडी थी कि उसे अनुभव हुआ कि कोई उसके बहुत निकट पीछे खडा है। उसने सिर पीछे की ओर घुमाए बिना ही कहा

'क्या तुम चित्रकारी पसद करते हो? यहा चित्रो का ऐसा सुन्दर सग्रह है कि मैंने ऐसा लेक्सिगटन मे कभी भी नही देखा।'

उसने तो अभी चित्रो को देखा भी नही था। वह घूमी। लिंकन की आखो मे यह प्रश्न लक्षित हो रहा था कि मेरी ने उसे क्यो बुलाया था।

'तो तुम ससार को देखने की योजना बना रहे हो?'

'ओह बगोटा' तब तो तुमने सुन लिया है।'

'तो तुम वाशिगटन के लम्बे मार्ग से होते हुए जाओगे?'

'मैने इसका उल्लेख इसलिए नही किया कि मुझे विश्वास था कि स्टुअर्ट मेरे लिए यह पद नही प्राप्त कर सकेगा।'

'तुम कितनी हिम्मत हार रहे हो! गत गर्मियो मे तुम सीनेट के स्वप्न देख रहे थे और अब किसी जगल मे जीवित मृत्यु का-सा जीवन व्यतीत करने के लिए तैयार हो।'

'यह तो सामर्थ्य की बात है।'

'कब से तुम जीविका कमाने मे असमर्थ हुए हो?' उसकी ध्वनि मे घृणा प्रकट हो रही थी। वह अपने ऊपर नियन्त्रण पाने के लिए एक क्षण रुकी, 'मैंने हर बात मे अपने स्वभाव को सयत रखना सीख लिया है किन्तु जिस बात से तुम्हारा सम्बन्ध होता है उसमे मै सयत नही रह सकती। जब मै तुम जैसे छ: फुट चार इच लम्बे युवक को कीचड भरे बूटो मे कापते हुए देखती हू और जब कि मै बहुत पहले से यह निश्चय कर चुकी हू कि मुझे आज तक जितने लोग मिले है उन सबसे श्रेष्ठ प्रतिभा और उज्ज्वल भविष्य वाले व्यक्ति तुम हो''''तो मै सोचती हू कि मैं कितनी मूर्ख लगती हू?'

'तुम मेरी लम्बी टाग को नीचे खीच रही हो मौली।'

'ओह अब्राहम, तुम भाग जाने की बात कैसे सोच सकते हो। चार या आठ वर्ष पश्चात् लौटने पर तुम्हे यहा क्या मिलेगा?'

उसने अन्यमनस्क भाव से कहा, 'मैं उसी सुराख मे से निकलता हुआ दिखाई दूगा जिसमे मैं उस दिन गया था।'

'तुमने अभी तक यह नही बताया कि क्या तुम मुझे बगोटा साथ ले चलोगे, किन्तु मैं तुम्हे बता देना चाहती हू कि यदि मैंने सोचा कि मैं किसी प्रयोजन के लिए तुम्हारी सेवा कर सकती हू तो मैं नरक मे भी जाने के लिए तैयार हूंगी। यदि मैं यह समझ लू कि मेरे जाने से तुम्हारा भविष्य विनष्ट हो जाएगा तो मैं तुम्हारे साथ स्वर्ग मे भी जाने के लिए तैयार नही हूगी।'

उसके इन शब्दो से लिंकन का हृदय प्रफुल्लित हो गया।

'यह तो धोखा है मौली। तुम जानती हो कि मै अपने सबसे बडे प्रशसक के बिना मध्य अमेरिका कैसे जा सकता था। किन्तु मैं भाग रहा था, क्यो ठीक है न' उसकी आखो का अधकार विलीन हो गया, 'मुझे ब्लैक हाक के युद्ध के दिनो की याद आ गई। एक दिन मैं शाम के शिविर मे देर से आया और किसी-

ने मुझे पुकारा क्या एब तुम हो ? मैंने तो सोचा था कि तुम मारे गए हो।—मैंने कहा मै ही हू । मै मारा नही गया ।—किन्तु अब तक तुम कहा थे ? क्या तुम भाग नही गए थे ?—नही—मैंने कहा मैं तो नही भागा । किन्तु मैं समझता हू कि यदि किसीने मुझे जाते हुए देखा है और उसे कहा गया है कि मैं डाक्टर के पास जा रहा हू तो उसने अवश्य सोचा होगा कि क्या सर्वशक्तिमान भी बीमार हो सकता है ?'

मेरी ने उसकी कहानी उत्सुकता से सुनी ।

'तो ईश्वर का धन्यवाद है कि हमारा रिचर्ड फिर यहा पर है ।'

लिकन ने हाल मे इधर-उधर दृष्टि घुमाई । वहा पर कोई नही था । उसने उसका चुम्बन किया और फिर उसे छोड दिया ।

'तुम बिल्कुल ठीक कहती हो मौली । उन भयानक सदेहो के कारण मेरी अक्ल दब गई थी । बगोटा वापस·· जगल मे चला गया है ।'

२९

नवम्बर के अन्त मे निनियन का चाचा साइरस एडवर्ड विधानसभा के लिए निर्वाचित होकर आल्टन से आ गया । वह इस निश्चय से स्प्रिगफील्ड आया था कि विधान सभा उसे अमेरिका की सीनेट के लिए निर्वाचित कर देगी । उसके भतीजे निनियन ने उससे कहा कि वह उसके पास रहे किन्तु उसने कहा कि होटल के कमरे मे रहकर वह अपने निर्वाचन के लिए अधिक स्वतत्रता से प्रयत्न कर सकेगा । किन्तु उसने अपनी इक्कीस वर्षीय बेटी मटिल्डा को वहा छोड दिया जो मेरी के कमरे मे रही और उसके बिस्तर मे ही सोया करती थी । मटिल्डा का कद लम्बा था और अपने पिता और निनियन की तरह ही टागे लम्बी थी, सिर पर भूरे बाल थे जिन्हे वह गोलाकार रूप मे बाध लेती थी ।

व्यवहार-कुशल एलेज़बेथ ने मेरी से कहा, 'वह स्प्रिगफील्ड मे पति ढूढने के लिए आई है । इसलिए मैं उसके लिए एक भोज करूगी ।'

भोज मे सौ अतिथि आए। स्प्रिंगफील्ड के सभी कुवारे पहुच गए थे। निचली मजिल के कमरो मे से फर्नीचर हटा दिया गया था। जब अतिथियो ने खाना खा लिया तो हाल के पिछले भाग मे आरकेस्ट्रा वालो ने अपने-अपने स्थान ग्रहण कर लिए। अब्राहम इस पार्टी मे पहले ही पहुच गया था।

मटिल्डा इस पार्टी की नर्तकी थी। उसने झालरदार काली तथा गुलाबी साटिन के वस्त्र पहन रखे थे जिनमे उसके कधे नगे थे। मेरी ने इस पार्टी मे प्रमुख भाग नही लिया। वह बहुत प्रसन्न थी। उसके चेहरे और आखो मे प्रकाश प्रस्फुटित हो रहा था। उसके अन्तर से हास-परिहास उमड रहा था और वह बडी क्षिप्रगति से उत्तर दे रही थी। वह एलेजबेथ का चीनी प्यानो बजा रही थी जब कि पार्टी गा रही थी और उसने भी स्टीफेन डगलस के साथ मिलकर दोगाने गाए।

ऐसी कोई इच्छा न होते हुए भी उसने एक नये प्रशसक को आकर्षित किया। उसका नाम एडविन वेब था। उसका कद छोटा तथा शरीर गठा हुआ था। वह समृद्ध वकील और कार्यमी का सभासद था। वह वर्जीनिया-परिवार की पीढी मे से था, विधुर था तथा उसके दो बच्चे थे। नक्श तीखे नही थे किन्तु जिह्वा तेज थी और वस्त्र तथा चाल-ढाल सुन्दर थी। वह तो मेरी के पास से हटता ही नही था। यद्यपि वह श्री लिकन का मित्र था किन्तु इसपर भी वह उसके साथ प्रतिस्पर्धा करने लगा था।

वह गाने के कमरे मे तीनो के लिए गर्म रम लाया किन्तु लिकन ने पीने से इन्कार कर दिया। इसपर वह बोला

'क्या तुम एक बार पीकर नही देखोगे कि कैसा लगता है ?'

लिकन ने उत्तर दिया 'क्या यह ऐसा ही नही है कि तुम अपना अगूठा सांप के आगे कर दो और फिर देखा जाए कि कैसा लगता है ?'

श्री वेब ने अपनी वास्कट की जेब मे से एक बडा सिगार निकाला और अब्राहम को देते हुए बोला 'बहुत अच्छा, तो लो सिगार ही पियो।'

'धन्यवाद, मुझमे बुरी आदतें नही है।'

वेब ने रम का बडा घूट भरा। उसकी आखे प्याले पर ही टिकी हुई थी। वह बोला :

'मेरा यह अनुभव है कि जिन लोगो मे बुराइया नही होती उनमे अच्छाइया भी नही होती।'

लिंकन खिलखिलाकर हस पडा। आरकेस्ट्रा ने वाल्ट्ज नृत्य की धुन छेड दी। वेब ने अपना प्याला नीचे रख दिया और मेरी के कुछ कहने से पूर्व ही वह उसे हाथ से पकडकर गोलाकार नृत्य करने लगा। तभी उसने कहा :

'कुमारी मेरी, मैंने सुना है कि लिंकन के साथ तुम्हारे सम्बन्ध की बातचीत हो चुकी है।'

'तब तो नगरनिवासियो ने भी अनुमान लगा लिया है।'

उसने अपना सिर बडी तेजी से ऊपर और नीचे की ओर हिलाया और स्वीकृतिसूचक ढग बनाते हुए कहा, 'जल्दी न करना मेरी ! दुनिया के सागर मे और भी शिकार है।'

और इतना कहकर वह अपने होठो को इस तरह से दबाकर खड़ा हो गया मानो वह स्वय इस बात का जीवित प्रमाण हो।

'क्यो श्री वेब, मै तुम्हे गत सप्ताहो मे दो या तीन पार्टियो मे मिल चुकी हू किन्तु तुमने मेरी ओर कोई ध्यान नही दिया था ? इसके अतिरिक्त आपकी बाह पर दोहरी पट्टी का मातमी निशान भी तो है। क्या यह हम लडकियो के लिए सकेत नही कि हम तुमसे सम्बन्ध नही बना सकती ?

'हा सो तो है···बल्कि यह कहना चाहिए कि यह उसी समय तक था जब तक मैंने तुम्हे तनिक निकट से नही देखा था, किन्तु मैने अब निश्चय कर लिया है कि तुमसे विवाह के लिए प्रेम करूगा।'

'देखो, यह पार्टी मटिल्डा के लिए है इसलिए तुम्हे उससे ही प्रेम-सम्बन्ध बनाना चाहिए। लिंकन भी यह कहते है कि मटिल्डा के चेहरे की बनावट आदर्श बनावट है।'

'बहुत खूब ! तब तो हम यही चाहेगे कि लिंकन ही मटिल्डा से प्रेम-सम्बन्ध बनाए। मिस मेरी, मै तुम्हे विश्वास दिलाता हू कि इसमे तुम्हे लाभ ही होगा। वह बेचारा स्त्री की क्या पहचान कर सकता है। उसे तो जोशुआ स्पीड से विवाह करके उसकी दुकान के ऊपर ही अपना घर बना लेना चाहिए।'

मेरी ने कमरे मे चारो ओर देखा। उसे अब्राहम कुछ लोगो के साथ हसते और बाते करता हुआ दिखाई दिया। मेरी ने अपना सिर पीछे की ओर किया

और खिलखिलाकर हस पडी ।

क्रिसमिस से एक दिन पूर्व वह चौक मे कुछ वस्तुए खरीदने गई थी कि अकस्मात् वहा उसे लिकन मिल गया। उससे एक दिन पहले शाम को वे स्प्रिङ्ग-फील्ड की सबसे बडी पार्टी मे मिले थे। स्प्रिगफील्ड मे वैसी पार्टी कभी नही हुई थी। वाल्टर के घर लगभग साढे तीन सौ व्यक्तियो को आमन्त्रित किया गया था। वही लिकन ने दबी जबान मे कहा था, स्प्रिङ्गफील्ड तो प्रदर्शनप्रिय लोगो का नगर बनता जा रहा है। इस मलमल और बनाव-शृगार को तो देखो, सम्भवत: इन स्त्रियो को इस प्रकार के वस्त्र बनाने के लिए कई महीने श्रम करना पडा होगा।'

जब लिकन ने मेरी को देखा तो उसके चेहरे पर मुस्कराहट खिल उठी। उसने मेरी का हाथ पकडकर अपनी बगल मे दबा लिया और मनुहार भरे स्वर मे बोला, 'मौली, कोई एक शाम किसी एकान्त मौन वातावरण मे तुम्हारे साथ बिताने के लिए मै अपना सब कुछ त्याग देने के लिए तैयार हू। जब हम दोनो एक बार अगीठी के सामने बैठे थे और तुमने मुझे बर्न्ज़ या शेक्सपियर की रचनाए पढकर सुनाई थी उसके बाद तो कितना ही समय बीत गया है।'

'तब तो हम यही शाम इकट्ठे बिताएगे।'

'किन्तु क्या आज हमे बेकर के यहा खाना खाने नही जाना ?'

'मैं तुम्हारी तथा अपनी ओर से क्षमा-पत्र लिख भेजूगी। एलेजबेथ और निनियन मटिल्डा को अपने साथ ले जा रहे हैं। बस हम दोनो घर मे अकेले होगे। तुम शाम के खाने के लिए क्या पसन्द करोगे ?'

'मौली, मैं तो भोजन की वस्तुओ मे कोई अन्तर नही जानता यहा तक कि खाते हुए भी मेरा ध्यान उधर नही जाता पर हा, सेब मुझे सदा प्रिय रहे है।'

मेरी ने रसोइये से कहकर भुना हुआ मास बनवाया। कस्तूरा मछली बर्फ मे लगा दी ताकि ठीक समय पर प्राप्त हो सके। वह जब शाम को आया तो उसकी जेब मे एक पैकेट था। आते ही उसने मेरी को ऐसे मधुर आलिंगन मे बाध लिया कि मेरी को यह अनुभव हुआ कि उसने ऐसा प्रेम उससे पहले नही प्राप्त किया था। जब उसने यह बात लिकन से कही तो उसने उत्तर दिया

'यदि तुम ऐसा मिलन पसन्द करती हो तो क्यो न हम अधिक समय घर पर ही रहा करे। यह तो स्पष्ट ही है कि साढे तीन सौ व्यक्तियो की पार्टी मे हम इस प्रकार नही मिल सकते ?' उसने एक डिब्बा मेरी को दिया और कहा,

'मैं जानता हू कि कल से पहले मुझे क्रिसमस का यह उपहार नही देना चाहिए था किन्तु····।'

मेरी ने डिब्बा खोला तो उसमे मू गे का एक हार था और उसके साथ ही मू गे के कगन भी थे। मेरी ने उनके गहरे रग की अत्यधिक प्रशसा की।

'यह मुझे पहना दो न ?'

पहले उसने कगन उसकी कलाइयो मे पहना दिए। फिर उसकी पीठ की ओर खडे होकर नेकलेस पहना दिया। लिंकन ने उसे बाहो मे बाध रखा था और उसके गाल मेरी के गाल पर थे। वह उसी प्रकार उसके हाथो मे घूमी और उसको चूम लिया।

'अब्राहम, जब तुम्हारे पास पैसा नही है तो तुम्हे इतना व्यय करना चाहिए था किन्तु मुझे प्रसन्नता है कि तुम यह लाए हो। क्या मेरे लिए यह सोचना मूर्खता होगी कि यह उपहार मेरे प्रति तुम्हारा प्रेम प्रदर्शित करता है ?'

खाना खाने के बाद वह अगीठी के पास बैठ गए। लिंकन अपने साथ 'ईसप' की कहानियो की पुस्तक लाया था; उसने उसमे से कुछ कहानिया पढकर सुनाई। उसके बाद मेरी ने डी टाकविले की डेमोक्रेसी इन अमेरिका नामक पुस्तक का एक अध्याय पढकर सुनाया।

लिकन आधी रात तक वही रहा। अन्तिम एक घण्टा तो उन्होने अगीठी के सामने एक बडी कुर्सी पर मौन रहकर तथा आलिङ्गनबद्ध स्थिति मे ही गुज़ारा।

'मौली, मैंने कई बार तुम्हे दु ख पहुचाया है यद्यपि मेरी ऐसी कामना नही होती थी। जब मुझपर उदासी छा जाती है और मुझे दुःख का-सा अनुभव होता है तो मुझे लगता है कि मैं अपने आसपास सभी को दुःखित कर रहा हू।'

'हा ! मै यह समझती हू।'

'मैं जानता हू कि तुम ब्ल्यू ग्रास के लोग सगाई को बहुत महत्व देते हो···· क्या तुम चाहोगी कि हमारी भी सगाई हो।'

'हा प्रियतम, यह बहुत अच्छा होगा। तो इसकी घोषणा कब करनी चाहिए।'

'एलेजबेथ और निनियन नव वर्ष दिवस पर एक बडी पार्टी दे रहे हैं, उस दिन जिस समय हम एक दूसरे की सेहत का जाम पिएगे, वही समय इस घोषणा के लिए बहुत अच्छा रहेगा ˙ ।'

'बहुत अच्छा हम उस समय सगाई की घोषणा कर देगे।'

दो दिन बीत गए। मेरी को बर्फ पर आती हुई स्लेज की घंटिया सुनाई दी। उसने भारी गर्म कोट, मफलर और दस्ताने पहन लिए और लिंकन ने उसे स्लेज पर बिठाते हुए अपने बडे चोगे मे छिपा-सा लिया। वे मैदान मे चले गए जहा चारो तरफ बर्फ ही बर्फ फैली हुई थी, जिसपर काले-काले वृक्ष ऐसे लगते थे मानो वे वस्त्र ओढे सो रहे हो। स्वच्छ आकाश मे सूर्य चमक रहा था किन्तु वह भी बर्फ के समान ही ठण्डा था। बोलते समय उनके मुह से जमा हुआ सफेद धूआ भाप की तरह से निकलता था। एक घण्टा गाडी चलाने के पश्चात् वे एक सराय मे पहुचे जिसमे दो लकडी की झोपडिया थी। लिंकन ने गर्म खाना और चाय मागी तो सराय के स्वामी ने उत्तर दिया:

'इस सर्दी मे तो कोई बाहर नही निकलता; खैर, बुढिया ने कुछ शोरबा उबाल रखा है।'

मेरी ने कहा, 'वह तो बहुत अच्छा रहेगा।'

उन्होने अपने भारी कोट उठाए और लकडी के लट्ठे पर बने हुए बेंच पर अगीठी की ओर पाव फैलाकर बैठ गए। थोडी ही देर बाद शोरबे के दो प्याले उनके सामने मेज पर रख दिए गए। उन्होने प्यालो को उठाकर अपने हाथ मे ले लिया और उनकी गर्मी का आनन्द लेने लगे।

लिंकन ने मेरी की ओर अपना हाथ बढाते हुए कहा, 'मै तुम्हे सर्किट न्यायालय मे अपने साथ ले जाऊगा क्योकि अकेलापन मुझे अच्छा नही लगता।'

'प्रियतम, इतने समय तक तो अकेले ही रहे हो। तुम्हे किसी न किसीकी आवश्यकता है जो तुम्हारी देखभाल किया करे।'

'नही, मुझे अधिक देखभाल की तो आवश्यकता नही।'

'तो फिर युवक होते हुए तुम प्राय बीमार क्यो रहते हो? इसका यही कारण है कि तुम्हारा खाना अच्छा नही और जीवन नियमित नही ...।'

'मौली, तुम तो मेरी मा की तरह बाते करती हो।'

'यूनानी नाटककारो का कहना है कि प्रत्येक प्रेम मे वासना का अश होता है।'

लिंकन चुप हो गया, उसका चेहरा फीका पड गया, उसकी आखो मे ऐसी वेदना प्रकट हुई जो मेरी ने पहले कभी नही देखी थी। उसने कई बार बोलने का प्रयत्न किया किन्तु शब्द होठो तक आके रह गए। आखिर यह क्या हो गया था?

'अब्राहम, ऐसा लगता है जैसे अन्दर ही अन्दर कोई तुम्हे घुन की तरह खा रहा है।'

'हा, ऐसा ही है।'

ये शब्द विस्फोट की तरह से निकले और इतनी तेज आवाज सुनकर दोनो ही चौक गए किन्तु आखिर उसकी चुप्पी टूटी।

'यह······मेरी मा की याद है। मैं कई बार मन ही मन यह कह चुका हू कि यह बात बहुत पुरानी हो चुकी है।'

वह रुका। उसका सास तेज चलने लगा और ऐसा लगा मानो वह अपना हृदय खोलने के लिए शक्ति बटोर रहा है। थोडी देर बाद उसने धीरे-धीरे सिर ऊपर उठाया।

'यदि तुम इसका उल्लेख न किया करो तो बडी कृपा होगी फिर भी यदि हमारी सगाई हो रही है तो तुम्हे पहले से ही ··यह सब पता होना चाहिए।'

वह अपने अन्तर की गहराइयो मे खो गया। उसकी नब्ज इतनी तेज चल रही थी कि मेरी को उसकी धडकन सुनाई दे रही थी। वह सोचने लगी, वह बात कितनी भयानक होगी जिसे सुनाने का वह प्रयत्न कर रहा है। आखिर उसने मेरी की ओर देखा।

'मेरी मा ···ग्रामीण महिला थी। उसका जन्म वर्जीनिया मे हुआ था। उसकी मा लूसी हैक्स, उसे, जब वह दो ही वर्ष की थी, केन्टुकी ले आई थी। वहा हर कोई जानता था कि वह अवैध बच्चा है···।'

वह एक क्षण रुका और यह देखने लगा कि मेरी पर इस समाचार का क्या प्रभाव पडा है ? 'मै जानता हू इस कारण मेरी मा को कितना दुःख उठाना पडा। उसकी दृष्टि मे वेदना दिखाई दिया करती थी। यह ऐसा दु ख था जिससे वह कभी मुक्त नही हो सकी। उसकी यह वेदना ही मुझे उत्तराधिकार मे मिली है। शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता होगा जब मैं यह न अनुभव करता होऊ कि यह वेदना मुझे घुन की तरह अन्दर ही अन्दर खा रही है।'

यह समाचार अत्यन्त कष्टदायक था। मेरी के माता-पिता दोनो उच्च घराने के थे और उन परिवारो मे कलक का लेशमात्र न था। जब मेरी इस व्यक्ति को ध्यानपूर्वक देख रही थी जिससे उसे प्यार था और जो लकडी के उस सख्त बेंच पर सिर झुकाए बैठा था, उसके हाथ इतने झुक गए थे कि फर्श को छू

रहे थे, तब मेरी को पता लगा कि उसकी वेदना का कारण मा की दु खद स्थिति की स्मृति है और दूसरा कारण यह है कि वह इस घृणित बात का उल्लेख करना चाहता है किन्तु कर नही पाता और इस कारण एक घुटन-सी अनुभव करता है । मेरी ने मन ही मन सोचा कि इस समय उसकी कोई भी बात तब तक अर्थपूर्ण नही होगी जब तक कि उसमे भी कोई ऐसी ही महत्वपूर्ण बात न हो जैसी कि लिंकन ने कही है ।

'अब्राहम, हमे प्रतीक्षा करने की आवश्यकता है ? क्यो न हम नव वर्ष दिवस को ही एक दूसरे के हो जाए । जाम पीते हुए हम सगाई की घोषणा कर देगे और भोजनोपरान्त विवाह की रस्म हो जाएगी ।'

लिंकन उठ खडा हुआ । उसकी दृष्टि मे प्रेम और आभार के भाव लक्षित हो रहे थे । परन्तु जितनी तेजी से वे भाव उमडे थे उतनी ही तेजी से विलीन भी हो गए । और उनके स्थान पर भय और चिन्ता के भाव लक्षित होने लगे । वह कुछ न कह सकी · ।

'·· कुछ और समय एक या दो वर्ष·······।'

'एक या दो वर्ष मे हमे क्या मिल जाएगा जो अब तक नही मिला ? क्या अधिक यौवन, आशा अथवा उत्साह ?'

'धन····सुरक्षा की भावना ।'

'क्या धन मे ही सुरक्षा की भावना है ? धन तो जितनी ही तेजी से आता है उतनी ही तेजी से चला भी जाता है । क्या हमारे प्रेम मे सुरक्षा की भावना नही है ?'

'यह सच है मौली, प्रेम अमर है ।'

'तो फिर प्रियतम, हमे अभी विवाह कर लेना चाहिए ।'

वह चुप बैठा रहा । इस मौन मे विरोध का भाव नही था । मेरी ने अपना गाल उसके गाल पर रख दिया ।

'धन्यवाद अब्राहम, मै वचन देती हू तुम्हे इसपर खेद नही करना पडेगा ।'

३०

एलेजबेथ रसोई की कर्ता-धर्ता थी। घर के चार नौकर मे से दो नौकर फर्श रगडने और रोगन करने मे लगे हुए थे। इसलिए मेरी भी रसोई मे एलेजबेथ की सहायता कर रही थी। उसने केलिको का चोगा पहन रखा था और उसके दोनो हाथ डबल रोटी और बिस्कुट के आटे मे सने हुए थे।

उसने अभी तक एलेजबेथ को अपनी सगाई और विवाह के बारे मे कुछ नही बताया था किन्तु जब एलेजबेथ केक तैयार करने के लिए चूरा डाल रही थी तो मेरी ने सोचा कि अब वह बात बताने का समय आ गया है। वह उस स्थान पर चली गई जहा एलेजबेथ चीनी और मसाले डाल रही थी और उसने अपना हाथ उसकी उगलियो पर रख दिया जो चीनी और आटे मे सनी हुई थी।

'लिज, तुम्हारी बहुत कृपा है जो तुमने पारिवारिक भोज पर लिकन को भी बुलाया है।'

एलेजबेथ ने बिना ऊपर देखे ही कहा, 'यह तुम्हारा ही घर है मेरी। तुम जिसे चाहो हम उसका स्वागत करेगे।'

'हम · 'हम अपनी सगाई घोषित करेगे · · जब जाम पिया जाएगा और जब नव वर्ष दिवस की बधाइया दी जा रही होगी।'

कितनी ही देर तक मौन छाया रहा और मेरी ने उस वातावरण मे अनुभव किया कि एलेजबेथ उनकी आशाओ, स्वप्नो और बहन होने के नाते उनके सम्बन्धो पर मन ही मन विचार कर रही है। आखिर वह बोली, उसकी भावाभिव्यक्ति मे उलझन अथवा चिता का लेशमात्र भी नही था।

'मेरी, हमने जो तुम्हारा विरोध किया था उसके लिए क्षमा करना। किन्तु अडचनो का ध्यान रखते हुए यह विश्वास करने की आवश्यकता थी कि तुम्हारा निश्चय दृढ है अथवा नही। हम परिवार मे अब्राहम लिंकन का स्वागत करेंगे। तुम्हारा विवाह कब होगा ?'

मेरी के चेहरे पर एक मधुर मुस्कान बिखर गई। बोली :

'अल्पतम समय मे। हम खाने से पूर्व सगाई घोषित करेगे और खाने के

पश्चात् विवाह की रस्म के लिए पादरी आ जाएगा।'

'तो क्या यह विवाह का भोज होगा ? तब तो मुझे इन केको की बजाय शादी का केक तैयार करवाना होगा।'

'लिज, यह ध्यान रखना, किसीको बताना नही। मैं चाहती हू कि मेरी सगाई की घोषणा सुनकर सभी चकित रह जाए।'

वह दिन स्वच्छ था और सर्दी खूब पड रही थी। वह गुलाबी रग की मलमल के वस्त्र पहने हुए एक बजे के करीब आई। उसके बालो के ठीक मध्य मे माग बनी हुई थी और उसने एक सोने की जजीर के साथ बालो को पीछे की ओर ले जाकर बाध रखा था और वह जजीर पीछे गर्दन पर लटक रही थी। उसने अब्राहम का दिया हुआ मूगे का हार और कगन भी पहन रखे थे। उसने सगतरो के कटोरो, अग्रेजी बादामो, मुरब्बो तथा सर्दियो के मधुर फल सेबो का निरीक्षण किया। फिर शीघ्र ही परिवार के लोगो ने आना आरम्भ कर दिया, उनमे टाड, वालैस, हार्डिन, एडवर्ड-परिवारो के लोग तथा उनके बच्चे आदि सभी थे। वह अत्यधिक प्रसन्न और उत्साहित थी और अपने सम्बधियो के गले मिल-मिलकर बधाइया दे रही थी।

उसने अब्राहम से कहा था कि वह ठीक डेढ बजे आए जब परिवार के सदस्य एकत्र हो जाए और जाम पिया जाने वाला हो। एलेजबेथ ने उसकी ओर देखा। मेरी हाल मे लगी हुई घडी की ओर कुछ कदम गई। डेढ बज चुका था। उसने एलेजबेथ की ओर सिर हिलाया। जिस समय शराब की बोतले खोल दी जाएगी और ट्रे कमरे मे लाई जाएगी, अब्राहम पहुच जाएगा। वह हाल के दरवाजे के पास खडी थी ताकि वही अब्राहम के लिए दरवाजा खोले।

किन्तु न बरामदे मे कदमो की आहट सुनाई दी और न ही दरवाजा खट-खटाने की आवाज आई। आज के दिन के लिए भोजन आदि परोसने के लिए जो नौकरानिया रखी गई थी वे शराब कमरे मे ले आई। जब मेरी को गिलास दिया गया तो उसने लेने से इन्कार कर दिया। वह इसी सोच मे पडी थी कि ऐसी क्या बात हो गई जो अब्राहम नही आया।

अब लगभग हर व्यक्ति के हाथ मे जाम था। एक नीग्रो नव-युवती ट्रे हाथ मे लिए उसके पास खडी थी। उसका चचेरा भाई हार्डिन कमरे के दूसरे सिरे से बोला

'मेरी, कही तुम सन्त तो नही हो गई हो, जो मदिरापान नही कर रही हो ?'

मेरी ने अकस्मात् मुडकर दीवार पर लगी घडी की ओर देखा। पौने दो बज गए थे। उसका हृदय जोर-ज़ोर से धडक रहा था। उसने ट्रे मे से गिलास उठा लिया और अपने चेहरे पर मुस्कराहट की एक रेखा लाकर बोली

'भैया जान जे, क्या तुमने सुना नही कि मैं 'निषेधवादी' हो गई हू।'

मेरी से शराब विरोधी सस्था का उल्लेख सुन सब खिलखिलाकर हम पडे। तब निनियन ने अपना जाम ऊपर उठाया और सब मौन हो गए।

'नव वर्ष की बधाई हो।'

परिवार के सभी लोगो ने 'बधाई हो ! बधाई हो !' के नारे लगाए और अपने-अपने जाम पी लिए। परस्पर हाथ मिलाए गए, मधुर चुम्बनो का आदान-प्रदान हुआ। पर मेरी को शराब सिरके की तरह लगी। हाल की घडी ने दो बजाए। वह अपनी बहन के पास गई और बोली

'लिज, खाना आरम्भ करने का समय हो गया है। अब्राहम को अवश्य लाइसेस प्राप्त करने मे कठिनाई हो रही होगी। ज्योही उसे लाइसेस मिल जाएगा वह सीधा यहा चला आएगा।'

'अच्छा यह बात है, तो फिर ठीक है।'

मेरी को इसपर प्रसन्नता हुई कि मेज पर खूब शोर मचा हुआ था। जिस समय खाने की वस्तुए मेज पर लाई गईं मेरी भी बातचीत मे शामिल हो गई। जब ढाई बज गए तो मेरी सोचने लगी कि नव वर्ष के दिन विवाह-दफ्तर तो सारा दिन ही खुला रहता है, इसलिए लाइसेस प्राप्त करने मे अब्राहम को कोई कठिनाई नही हुई होगी पर यदि वह गया होगा तब ना ' काफी देर हो गई थी कही वह बीमार न हो···किन्तु क्या वह सदेश भी नही भेज सकता था ?

मेरी खाने का दिखावा करती रही और बाते करती रही। वह अपने बाए हाथ से अपनी कुर्सी की पीठ को पकडे हुए थी। जब एलेज़बेथ शादी के लिए सजे आभूषणो और केको को हटाने के लिए रसोई मे गई तो मेरी बहाना करके शयनागर मे चली गई और अन्दर से दरवाजा बद करके औंधे मुह बिस्तर पर गिर पडी। उसने सिरहाने मे अपना मुह छुपा लिया।

उसके हृदय की कसक असहनीय हो गई। उसकी बाहो, हाथो और छाती मे जडता उत्पन्न हो रही थी, यहा तक कि उसका सारा शरीर ठडा और मृत-प्राय हो गया। थोडी देर पश्चात् सास लेते-लेते उसका दम टूटने लगा, शरीर अकड गया, मुट्ठिया बद हो गई और आखो से अविरल अश्रु-धारा बहने लगी। ठडे आसुओ से पहले शरीर का तनाव कम हो गया, फिर आत्मग्लानि से भरे हुए गर्म आसू उमड आए। वह चीख-चीखकर रोने लगी, शरीर कापने लगा और फिर वह शात होकर लेट गई।

सर्दियो के छोटे दिन का सूर्य जगत का छोटा-सा चक्कर लगा अस्ताचल मे प्रयाण कर गया। कमरे मे अधकार बढने लगा और सर्दी अधिक हो गई। वह बिस्तर से उठी और उसने पानी से अपनी आखो, बालो और मुह को धोया। फिर उसने फ्लैनेल का वस्त्र अलमारी से निकालकर ओढ लिया और अगीठी के पास जाकर उसमे आग जला दी।

वह जान गई कि वह घोर विपत्ति मे है। अब यह बात बिल्कुल स्पष्ट थी जो कि वह विवाह की योजना बनाते अथवा उस सम्बन्ध मे चर्चा करते हुए नही कही जा सकी थी अर्थात् अब्राहम आज के दिन विवाह के लिए सहमत नही था। मेरी ने ही इसका प्रस्ताव किया था, फिर स्वय ही इसके पक्ष मे तर्क दिए थे और उसकी आपत्तियो का निराकरण किया था। तभी लिकन को कुछ नही सूझा था और वह बिना कुछ कहे चुप हो रहा था। मेरी ने अपनी उत्सुकता और उसके प्रति सहानुभूति पूर्ण प्रेम के कारण गलती से उसके मौन को स्वीकृति ही समझ लिया था।

मेरी ने उसे ऐसे मार्ग पर ले जाने का प्रयत्न किया था जिसे वह उसके लिए अच्छा समझती थी और उसे एक ऐसे कर्म के लिए बाध्य किया था जो कि उसकी सारी प्रकृति के ही विरुद्ध था अर्थात् वह किसीके प्रति अन्याय नही कर सकता था। मेरी जानती थी कि लिकन इस कारण बहुत दु ख का अनुभव कर रहा होगा, और उसकी आत्मा ग्लानि और टीस से भर गई होगी। वह उसके लिए और अपने लिए भी दु ख का अनुभव कर रही थी। वह उससे अपनी सगाई कर सकती थी, उसे इस बात का पता ठीक समय पर लग जाना चाहिए था कि अब वह उसे चाहता है। और फिर उनका विवाह भी हो सकता था। इस समय उसके पास कुछ भी नही था। उसपर अपनी इच्छा लादने मे

वह कितनी कठोर थी और अपनी योजना के लिए कितना अनुरोध किया था। अपने इन्ही प्रयत्नो से उसने उसे दूर कर दिया था और अब्राहम अपने किए को कभी भी क्षमा नही कर सकेगा। इतना मार्ग तय कर लेने के पश्चात् लौटना कितना कष्टदायक होगा।

प्रथम मिलन पर ही लिकन ने उससे कहा था, 'यह मेरे प्रेम का प्रारम्भ है।' मेरी के लिए भी तो यह प्रेम का प्रारम्भ ही था, सच तो यह कि प्रारम्भ भी और अन्त भी, और इसके लिए वह अपने आपके सिवाय किसी और को दोषी नही ठहरा सकती थी।

३१

मेरी रात भर नही सो सकी। उषा के आगमन पर सूर्य की स्वर्णिम रश्मिया धुध की सलेटी झीनी चादर मे छनकर दक्षिण की खिडकी मे से कमरे मे प्रवेश कर रही थी। जब मटिल्डा कमरे मे सोने के लिए आई थी तो मेरी चुप साधे लेटी रही थी किन्तु उसके सो जाने पर मेरी ने आखे खोल ली थी और छत की कडिया गिनती रही थी और मन ही मन सोचती रही थी, क्या लिकन उसके जीवन से विलग हो रहा हे ?

यदि वह सगाई के लिए नही आ सका, जिसकी इच्छा उसने स्पष्टत. व्यक्त की थी, तो मेरी को स्वीकार करना होगा, लिकन से कुछ भी आशा नही की जा सकती। वह उससे प्रेम नही करता और यदि करता भी है तो वह मेरी का प्रेम-पात्र बनने का अधिकारी नही रहा। अब मेरी न तो उसका ही आदर कर सकेगी और न ही उसके हृदय मे आत्मसम्मान का लेश रह जाएगा, किन्तु दु.ख की वह रात बीत जाने पर उसके मन मे आया कि यदि वह लिकन के उत्तरदायित्व को कई गुना न बढा डालती तो वह·· अवश्य सगाई की घोषणा के समय आ जाता।

वह इस बात के लिए कृतज्ञ थी कि उसके और एलेज़बेथ के सिवाय और

कोई भी यह न जानता था कि सगाई की घोषणा होने वाली थी। एलेज़बेथ इस बारे मे एक शब्द भी नही कहेगी यहा तक कि अपने पति से भी नही। जब उसे उस पादरी का ध्यान आया जिसे खाना खाने के पश्चात् विवाह की रस्म करनी थी, तो उसके हृदय मे एक टीस उठी। क्या स्प्रिगफील्ड के लोगों को इस बारे मे पता लग जाएगा ? तब तो उसे इतना अधिक दुःख अनुभव होगा कि वह सहन नही कर सकेगी।

उसने शीघ्रता से वस्त्र पहने और शीशे के सामने बैठकर अपना चेहरा देखने लगी। दाहिने गाल पर आख के नीचे कालिमा-सी छाई हुई थी। उसने ठडे पानी से चेहरे को मल-मलकर धोया, बालो मे कघी की और प्रयत्नपूर्वक चेहरे पर एक हल्की-सी मुस्कराहट ले आई। उसने मेटेल के बोर्डिग स्कूल मे चार वर्ष अभिनय की शिक्षा पाई थी और श्रीमान तथा श्रीमती मेटेल का कहना था कि मेरी मे प्रतिभा है। यह तो अच्छा है। अब वह इस कौशल का ही प्रयोग करेगी। यह गुण टाड-परिवार की बपौती थी कि वे कैसे भी दुःख को सहन कर सकते थे अथवा उसे इस प्रकार परास्त कर सकते थे कि किसीको पता तक न लगे।

एलेज़बेथ के चेहरे पर घबराहट का कोई लक्षण नही था और उसकी आवाज भी नित्य जैसी ही थी।

'नमस्ते मेरी, काफी का प्याला लोगी ?'

'धन्यवाद लिज़, मैं जरूर पीऊगी।'

'मैं भी पीऊगी, मुझे इस बात पर आश्चर्य होता है कि न जाने पारिवारिक भोजो मे ऐसा क्या कारण होता है कि अगली सुबह बहुत थकान अनुभव होती है ?'

यह प्रश्न उसने अपने आप से ही किया था जिसके उत्तर की आशा नही की जाती थी। गर्म-गर्म काफी की कुछ गर्मी अनुभव करने पर मेरी सोचने लगी, स्प्रिगफील्ड कितना छोटा नगर है; थोडी-सी गलिया हैं, थोडे-से ही बाजार है। यदि वह यहा न भी आया तो भी वह किसी दुकान पर, किसी मित्र के घर या कोई चौक पार करते हुए शीघ्र ही उसे कही न कही मिल ही जाएगा। फिर हम एक दूसरे के हाथ मे हाथ दे देगे 'और कुछ भी कहने की आवश्यकता नही होगी, हम एक दूसरे की गलतिया क्षमा कर देगे।

उसने भविष्य की आशा के सहारे अपने मन को धीरज बधाया; किन्तु दिन

क्या और रात क्या, युगो की भाति ही कटते थे। ऐसा अनुभव होता था मानो सिर लोहे के शिकजे मे कसा हुआ है। उसके हाथ और पाव सदा ठडे रहते थे। वह नित्यप्रति बाजार जाती, मित्रो से मिलती थी और जिन पार्टियो पर उसे आमत्रित किया जाता वहा जाती थी। उसे भोज और नृत्य पर जाने के समय उसका साथी कारमीआसी विधुर एडविन वेब होता था जिसने उसे बढिया दस्ताने, कपडे सीने की चादी की अगूठी, लाल रग का पखा आदि कई वस्तुए उपहार मे दी थी। किसीने भी लिकन की अनुपस्थिति का उल्लेख नही किया। केवल उसकी सखी-सहेलिया कभी-कभी आश्चर्यभरी दृष्टि से उसकी ओर देखती थी।

लिकन भी अपने नित्यप्रति के कामो मे व्यस्त दिखाई देता था। समाचार-पत्रो से पता लगता था कि वह विधान सभा के कार्य मे व्यस्त है और यद्यपि डेमोक्रेट होते हुए एड्र्यू जैक्सन सार्वजनिक कार्य आयोग के लेखो की जाच का विरोध कर रहा था, तो भी लिकन न्यू ओरलियन्स के युद्ध की याद मे ८ जनवरी का दिवस मनाने के लिए, गेलसबर्ग को नाक्स काउटी मे सम्मिलित करने के कानून का समर्थन कर रहा था। मेरी को इस बात मे भी अभिरुचि थी कि यद्यपि उच्चतम न्यायालय और सर्किट कोर्ट खुल गया था किन्तु लिकन अभी तक केवल एक मुकदमे मे पेश हुआ था और भाग्य की विडम्बना तो यह है कि वह मुकदमा भी किसीका विवाह-सम्बन्ध विच्छेद कराने के लिए था।

आखिर उसी निनियन ने इस वातावरण मे हस्तक्षेप किया, जो लोगो की निगूढतम भावनाओ को समझ लेने की क्षमता नही रखता था। वह एक दिन मध्याह्न पश्चात् बैठक मे आया और बोला·

'बधाई हो मेरी। मै जानता था कि तुम्हे आखिर समझ आ जाएगी। नगर भर मे यह समाचार फैला हुआ है कि तुमने लिकन को खूब टरकाया है। जबसे तुमने उससे सम्बन्ध तोडा है उसे बेहोशी के दौरे पडते है।'

मेरी ने अपने अधर के कम्पन को रोकने के लिए उसे दातो से दबा दिया और सोचने लगी, यह कहानी किसने फैलाई है ? क्या अब्राहम ने ही मेरी के मान की रक्षा के लिए यह खबर फैला दी है ? या लोगो ने यह स्वय अनुमान लगा लिया है ? क्योकि उन्होने बहुत समय से लिकन और मेरी को इकट्ठे नही देखा था। नगर भर के लोगो का यह विश्वास था कि लिकन को·सिवाय मेरी

के और कोई नही चाहता। यदि उनके बीच अब सम्बन्ध नही रहा तो यह समझ लेना स्वाभाविक है कि मेरी ने ही उसे छोड दिया होगा।

अगले दिन शाम के समय मेरी को अपने चचेरे भाई जान जे से पता लगा कि लिकन स्पीड की दुकान के ऊपर बीमारी से निढाल पडा है। कुछ इधर-उधर के प्रश्नो से उसे पता लग गया कि लिकन को सर्दी का बुखार नही था वरन् वही पित्तोन्माद का रोग था। वह भी तो रुग्णा थी। वह बहुत कम सोती थी और बहुत कम खाती थी। किन्तु आत्मोत्पीडन की जो क्षमता लिंकन मे थी वह मेरी मे नही थी।

मेरी ने एक सप्ताह पश्चात् लिकन को देखा जब वह अपनी बहन फ्रासेस के साथ लिडसे ऐड ब्रदर की दुकान की ओर जा रही थी। उसने मेरी की बाह पकड ली और समीपस्थ दरवाजे मे ले गई ताकि वे दिखाई न दे। थोडी ही देर मे लिकन पास से गुजरा। वह तिनके की तरह पतला था और उसके गाल और आखे अन्दर की ओर धसी हुई थी। उसने वही पुराना काला सूट पहन रखा था जिसमे से उसकी उभरी हुई हड्डिया दिखाई देती थी। फ्रासेस ने धीमे से कहा :

'बेचारे लिकन ने अपना क्या हाल कर लिया है ?'

लिंकन की यह स्थिति देखकर मेरी का दिल बैठ गया। उसने मन ही मन कहा। मेरे घमंड ने ही मेरे जीवन के विनष्ट होने से बचा लिया है।

समाचारपत्र मे यह खबर निकली कि लिंकन वापस विधान सभा मे चला गया है। मेरी के चचेरे भाई स्टुअर्ट ने वाशिंगटन से पत्र लिखकर पूछा था कि उन दोनो का कैसे क्या हुआ और साथ ही लिंकन के एक पत्र का यह उद्धरण दिया था :

> मैं ससार मे अत्यन्त दुःखी व्यक्ति हू। मेरा हृदय जिस अगाध वेदना से आप्लावित है वह यदि समस्त मानव जाति को समान रूप से बाट दिया जाए तो विश्व मे किसीका चेहरा भी प्रसन्न दिखाई नही देगा। मेरी यह स्थिति सुधर सकेगी इसकी कोई आशा नही। मै जिस स्थिति मे हू इसमे रहना असभव है अत या तो मुझे मरना होगा या फिर अच्छा ही होना होगा।

कुछ दिनो बाद एक रात जेम्स कोर्कलिंग मिलने आया। चाय का प्याला पीते हुए उसने मेरी के चेहरे को ध्यानपूर्वक देखा और फिर बोला :

'बेचारा लिंकन बोलता है तो गुनगुनाहट-सी ही सुनाई देती है। मैंने अभी

मर्सी को लिखा है कि उसकी स्थिति अत्यधिक दु ख-जनक है ।' फिर वह कुछ देर रुका और बोला, 'क्या तुमने श्री वेब से विवाह करना स्वीकार कर लिया है मेरी ?'

उस रात जब वह बिस्तर पर लेटी तो वह प्रसन्न थी कि मटिल्डा लौट गई थी और अब वह कमरा केवल उसके लिए था । जेम्स कौंकलिग ने वेब के बारे मे क्या कहा था ? क्या उसने उसे स्वीकार कर लिया था ? वह वेब की आभारी थी कि जब उसे एक साथी की अत्यधिक आवश्यकता थी तो उसने उसका साथ दिया था । किन्तु विवाह यह बात तो उसके मन मे कभी भी न आई थी ।

'अब केवल तुम्ही हो जिसकी समझ मे यह बात नही आई' अगली शाम श्री वेब ने औपचारिक प्रस्ताव करते हुए कहा, 'यदि गत मास मैने प्रति-दिन अपने प्रेम का प्रदर्शन नही किया तो इसका अभिप्राय यह नही कि मेरे प्रयत्न मे कोई कमी रही है ।'

जब से वेब ने उसे पाने का प्रयत्न आरम्भ किया था, आज पहली बार मेरी ने उसके सिर की ओर देखा ।

'तुम बहुत अच्छे मित्र रहे हो' '।'

'मुझे तुमसे मित्रता ही नही चाहिए' वेब ने बीच मे ही टोका, 'मै तुम्हे अतुल प्रेम, विवाह और सुन्दर तथा मधुर जीवन का वचन देता हू। जहा तक मेरे दो बच्चो का प्रश्न है उन्हे मा की आवश्यकता है, और वे तुमसे प्रेम करेगे। तुम्हे भी तो बच्चो की आवश्यकता है, न केवल इन दो बच्चो की वरन् कई अपने बच्चो की भी ।'

'जब तुम यहा होते हो तो बच्चो की देख-भाल कौन करता है ?'

'मेरी पत्नी की मा, वह पास ही रहती है' ' ' ' '

यदि मेरी ने किसी समय एडविन वेब की प्रेमभरी मनुहारो मे अपने घमड और पीडित आत्मा को शात किया था तो अब बच्चो की नानी मा के उल्लेख ने एकदम उस सबपर पानी फेर दिया। उसके होठ भिच गए और उसने आखे फेर दी ।

'इससे तुम उद्विग्न क्यो हो गई हो मेरी ?'

'नही, कोई बात नही' ' मुझे अपनी नानी की याद आ गई थी, नानी पारकर जो लेक्सिगटन मे है ' '

'कुमारी टाड, यही मेरी सबसे बडी इच्छा है कि विधान सभा का अधिवेशन

समाप्त होने पर तुम मुझसे विवाह करके और फिर मेरी पत्नी के रूप मे मेरे साथ कारमी चलो।

मेरी ने निश्चय कर लिया कि वह अब्राहम के बारे मे कोई समाचार जानने की कोशिश नही करेगी किन्तु फरवरी के अन्त मे उसने सुना कि लिंकन के पास सोने के लिए भी स्थान नही रहा क्योकि जोश स्पीड अपनी दुकान बेचकर मा की जमीन सभालने के लिए केंटुकी चला गया है। लिंकन ने एक-एक थैला अपने कधो पर रखा और पूर्व-पश्चिम की ओर वहा से पाचवें ब्लाक मे बटलर के घर चला गया जहा अब उसके रहने और खाने की व्यवस्था हो गई थी। वह विधान सभा मे बहुत कार्यशील था और अपनी पार्टी का इस सघर्ष मे नेतृत्व कर रहा था कि इलीनाइस सुप्रीम कोर्ट मे डेमोक्रेट दल अपने दल के नये पाच न्यायाधीश न ला सके। जब डगलस ने आकर मेरी को बताया कि वह न्यायाधीश चुना गया है तो मेरी ने अनुरोध किया कि उसकी सफलता की प्रसन्नता मे शराब की बोतल खोली जाए।

'उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश! तुम बहुत सफल होगे स्टीव।'

'हा, मुझे सफल होना ही होगा क्योकि लिंकन ने मुझे कहा था—मै दुगने पैसे पाकर भी तुम्हारे जैसा काम नही कर सकूगा।'

मेरी लिंकन की इस व्यग्योक्ति पर मुस्कराई क्योकि सुपात्र डेमोक्रेटो के लिए नये न्यायाधीश पद दिलाने के हेतु सारा नगर राजनैतिक गठजोड मे लगा रहा था।

फरवरी के मध्य मे उसके चचेरे भाई स्टीफेन टी लोगन ने उसे रविवार के खाने पर अपने फर्स्ट स्ट्रीट के मकान पर आमत्रित किया। खाना खाने के पश्चात् ही लोगन ने अपने पुस्तको से सजे अध्ययनकक्ष मे मेरी से कहा कि वह उसे कुछ मीठी ब्राडी दे। मेरी ने देखा कि वह पतले होठो और ऊची आवाज वाला व्यक्ति किसी नाजुक विषय का उल्लेख करने वाला है।

'एडवर्ड बेकर और मै अपनी साझी वकालत बन्द कर रहे है। मुझे एक नये साझीदार की आवश्यकता है। मैने अभी तक इस बारे मे कुछ नही कहा किन्तु सभवत अब्राहम लिंकन मेरा साझीदार बन जाए। मैने कितने ही मामलो मे उसका विरोध किया है और कई मामलो मे उसके पक्ष का समर्थन भी किया

है । वह बहुत सुयोग्य युवक वकील है और अपनी तरह का सर्वोत्तम व्यक्ति ।'

लोगन वस्तुत. जो शब्द कहना चाहता था, अर्थात्—'तुम्हारा क्या विचार है ?', उसने नही कहे किन्तु अन्तर्निहित प्रश्न तो यही था । वह सोचने लगी, कितनी आश्चर्य की बात है कि टाड-परिवार के कितने ही सदस्य ···और मैं भी ···· लिकन को अपना साझेदार बनाना चाहते है ।

'यह उसके लिए कितना अच्छा अवसर होगा,' वह प्रसन्न भाव से बोली, 'हर कोई कहता है कि आप स्वय श्रेष्ठ वकील है ।'

स्टीफेन लोगन ने उत्तेजित भाव से सिर हिलाते हुए कहा, 'मुझे वह व्यक्ति बहुत पसद है और मै चाहता हू कि वह मेरे साथ काम करे । लगभग पहली मार्च को विधान सभा स्थगित हो जाएगी और उस समय वह मेरे साथ काम आरम्भ कर सकता है ।'

एक अन्तर्भाव से प्रेरित वह कुर्सी से उठी और अपने भैया का गाल चूम लिया । वह सोचने लगी कि स्प्रिंगफील्ड मे सर्वोत्तम साझेदार मिलने पर पुनः लिकन का स्वास्थ्य सुधर जाएगा, उसमे आत्मविश्वास पैदा होगा और वह प्रेम-भाव की प्रेरणा पा सकेगा । उसे अपने चाचा की बात याद आ गई कि अधिवेशन के अन्त मे एडविन वेब को अन्तिम उत्तर देना होगा ।

उसने उसे चाय पर आमन्त्रित किया और उसे बताया कि उसकी मा मर चुकी थी, नानी पारकर विमाता बेट्सी से घृणा करती थी जिसके कारण टाड-परिवार मे तनाव और समस्याए पैदा हो गई थी ।

'श्री वेब, अच्छा तो यह होगा कि आप किसी ऐसी रमणी को ढूंढे जो पहले इस प्रकार की स्थिति मे से न गुजरी हो ।'

'तो आपको स्वीकार नही है ?'

'ईश्वर मेरी गलतियो को क्षमा करे, मुझे तो नये सिरे से जीवन आरम्भ करना होगा। एक नये परिवार का सयोजन करने के लिए नये व्यक्ति के साथ नया जीवन आरम्भ करना होगा ।'

३२

विधान सभा स्थगित हो गई। वाशिगटन मे राष्ट्रपति हैरीसन की मृत्यु हो गई जिससे सारे स्प्रिगफील्ड मे शोक और विषाद छा गया। लिकन और लोगन ने अपनी साझेदारी की घोषणा कर दी। किन्तु फिर भी लिकन की ओर से कोई सदेश नही मिला। जब नव वर्ष के प्रारम्भिक सप्ताहो मे उनकी भेट न हुई तो मेरी ने निश्चय कर लिया कि अब जब वह दोबारा मिले तो लिकन को ही पहल करनी चाहिए। वह ऐसे स्थानो पर जाती ही नही थी जहा उसके मिलने की सभावना हो, अर्थात् वह राजनीतिक सभाओ, वाद-विवादो और लीसियम की बैठको तथा जरनल के दफ्तर मे नही जाती थी। यहा तक कि उन गलियो से भी नही जाया करती थी जहा से वह बटलर के घर से दफ्तर जाते हुए गुज़रा करता था।

उसके मन का तनाव बढ गया था। उसने अपना कार्यक्षेत्र बढा दिया और सदा नवयुवको और नवयुवतियो के बीच मे रहने लगी और जहा कही से भी उसे निमत्रण मिलता था उसे स्वीकार कर लेती थी। यद्यपि वह जानती थी कि वह एक अनन्त वेदना को हृदय मे छुपाकर प्रसन्नता और उत्साह का अभिनय कर रही थी किन्तु इस बात पर भी अविश्वास नही किया जा सकता था कि उसके इस अभिनय मे पूर्ण स्वाभाविकता थी।

किन्तु उसकी रातें बुरी थी। जब वह अपने पलग पर जा लेटती तो सो न सकती। उसकी आखे खुली रहती थी और उस समय वह किसी प्रकार का बहाना न कर सकती थी। गरम कमरे मे भी उसे कपकपी-सी अनुभव होती और भारी कम्बल ओढे हुए भी सर्दी से ठिठुरा करती। हर कुछ सप्ताह के पश्चात् उसे ऐसा अनुभव होता कि उसकी सारी शक्ति क्षीण हो गई है और उस समय उसे ऐसा लगता कि उसका मस्तिष्क किसी कठोर पिंजरे से निकलने का प्रयत्न कर रहा है।

इस बार वसन्त ऋतु का आगमन जल्दी हो गया। मैदानो मे सब ओर जगली फूल ही फूल नजर आने लगे, भूमि नर्म और उर्वरा हो गई किन्तु उसका अन्तर अब भी कठोर और मरुस्थल की तरह शुष्क था और वह हृदय मे ऐसी ठंड का अनुभव करती थी जिसे अप्रैल और तत्पश्चात् मई की धूप भी दूर न

कर सकी क्योकि अब उसे यह स्पष्ट दिखाई देने लगा था कि केवल अर्थ-व्यवस्था ठीक हो जाने और स्वास्थ्य सुधर जाने से भी लिंकन पुन उसके पास नही आएगा। उसके चचेरे भाई स्टुअर्ट ने उसे सूचना दी कि लिकन की प्रार्थना पर उसने राज्य सचिव डेनियल वेब्स्टर को लिखा है कि वह लिंकन को बगोटा मे राजदूत का पद दिलाने का पुनः प्रयत्न करे। अब लिंकन सर्किट कोर्ट के साथ ट्रेमौट, टेजवेल, मैक्लीन आदि स्थानो पर जाया करता था।

उसके इस प्रकार दूर होने से मेरी के हृदय की पीडा कुछ क्षीण हुई। वह ऐसा अनुभव करने लगी कि मार्ग मे उस लम्बे-तडगे व्यक्ति के पाव की आहट नही रही। अब कोई आकर दरवाजे नही खटखटाएगा और दरवाजा खोलने पर वह उसे उदास दृष्टि तथा उदासीभरी मुस्कराहट के साथ, किन्तु उसकी ओर दोनो बाहे फैलाए, खडा हुआ नही पाएगी। न ही वह अब उस हवा मे सास लेगी जिसमे लिंकन लिया करता था और न उसे यह भय रहेगा कि वह उन गलियो मे न जाए जहा से लिंकन गुज़रता है।

जून मास मे सगमन सर्किट न्यायालय खुल गया। बहुत-से वकील लौट आए। लोगन और लिकन की कम्पनी के पास बहुत-से मुकदमे थे और उन्हे इलीनाइस की सुप्रीमकोर्ट मे भी, जो जुलाई मे खुलती थी, बहुत-से मुकदमे लडने थे। अब्राहम अब बगोटा के पद के लिए प्रयत्न नही कर रहा था।

मेरी के अन्तर मे किसीने कहा, 'प्रेम अमर है।' हा निश्चय ही, वह सोचने लगी, किन्तु क्या मै इतनी प्रतीक्षा करने के लिए जी सकूगी ?

जून मास मे नगर मे टाइटस, एन्जेविन सरकस आया। फ्रासिस ने मेरी को निमन्त्रण भेजा कि वह उनके साथ सरकस का उद्घाटन देखने चले। मेरी शामियाने के नीचे अपने दो भारी-भरकम मित्रो के मध्य मे दबी बैठी थी। वे जिस वार्तालाप के लिए उसे वहा लाए थे उसका उल्लेख उन्होने उस समय तक नही किया जब तक सरकस के मसखरो और जानवरो ने करतब दिखाने न शुरू कर दिए।

'मेरी, एब को लौटते ही हमने जा लिया था' एलेज़ा ने कहा, 'उसने एक विशेष वाक्य प्रयोग किया, 'वह अभागी प्रथम जनवरी' मैंने पूछा : क्या उस दिन को तुमने ही बुरा दिन बनाया था अथवा तुम्ही पर उसका आघात हुआ था ?

उसने कहा : हा, मै ही उसका शिकार हुआ था।'

साइमन फासिस ने बात जारी रखी, 'तो फिर मैने पूछा : तुमने उस दिन को भाग्यहीन बनने क्यो दिया, क्या यह भूल थी अथवा चूक ? उसने उत्तर दिया : दोनो ही; मै जा न सका ''मै तो बीमार था।—हमने सोचा, तुम यह जानना चाहती हो कि क्या वह सारा उत्तरदायित्व स्वीकार करता है ?'

सामने के दृश्य मे एक नीग्रो गा रहा था। मेरी उस सगीत को सुनते हुए सोचने लगी, यह तो अच्छा हुआ कि मुझे इस बात का पता चल गया किन्तु वस्तुतः इसका मुझे क्या लाभ हो सकता है ?

एलेज़ा ने पूछा, 'क्या तुम्हे दूसरी मेरी के बारे मे कुछ पता है ?'

मेरी ने सिर हिलाया, 'अब्राहम ने जब मुझसे पूछा था कि वह मुझे मौली कहकर पुकार सकता है या नही, उस समय उसने मुझे मेरी की बात बताई थी।'

'हम तुम्हारे लिए एक पत्र लाए है और हम चाहते है कि तुम इसे पढ लो। हमारा विचार है कि इससे तुम्हे शान्ति मिलेगी। यह पत्र एब ने न्यू सलेम मे हुई घटना के बारे मे श्रीमती ओरविल ब्राउनिंग को लिखा था। मेरी ने अपने चिरपरिचित लेख वाले कागज हाथ मे ले लिए, उधर सरकस का बैण्ड पूरे ज़ोर-शोर से बज रहा था और कलाबाज़ अपना करतब दिखा रहे थे, इधर मेरी पत्र पढ रही थी :

'१८३६ की पतझड मे मेरी की एक परिचित विवाहित स्त्री केन्टुकी मे अपने पिता के पास जा रही थी। उसने प्रस्ताव रखा कि यदि मैं उसका बहनोई बनना स्वीकार कर लू तो वह लौटते समय अपनी बहिन को साथ लाएगी। प्राय: तीन वर्ष पूर्व मैंने उसकी बहिन को देखा था और मेरा विचार था कि वह प्रतिभाशाली और आकर्षक है अतः मुझे इस बात पर आपत्ति करने का कोई कारण न मिला कि हम एक दूसरे के हाथ मे हाथ डालकर जीवन का मार्ग तय करे।

'वह महिला ठीक समय पर लौट आई और उसकी बहिन भी उसके साथ थी। मैं जानता था कि उसका कद कुछ अधिक लम्बा था किन्तु अब तो वह फाल्स्टाफ की जीवन-सगिनी बनने के लिए उपयुक्त दिखाई देती थी क्योंकि उसके दांत नही थे और चेहरे पर झाइया पडी हुई थी। मैंने सोचा, ऐसी स्थिति चालीस वर्ष से कम आयु मे नही हो सकती। सक्षेप मे, मुझे वह बिल्कुल पसन्द न आई

किन्तु मैने उसकी बहिन से कह दिया कि बुरी या भली जैसी भी हो मैं उसे स्वीकार कर लूगा। आरम्भ से ही मेरे जीवन मे वास्तविक अथवा काल्पनिक कोई बन्धन नही था जिससे मुक्त होने के लिए मैने ऐसी कामना की।

'आखिर मैंने जीवन मे जितना भी दु ख सहन किया है मै अनपेक्षित रूप मे उससे सर्वथा मुक्त हो गया हू। तत्पश्चात् काफी दिनो बाद मैंने साहस करके स्वय उनके सामने प्रस्ताव रखा किन्तु मुझे यह बताते हुए दु ख होता है कि उसने इन्कार कर दिया। मुझे उसे छोडने को विवश होना पडा। किन्तु मै अनेक प्रकार से पश्चात्ताप की अग्नि मे जलता रहा। मेरे स्वाभिमान को ठेस पहुची और मैं यह सोचने लगा कि मै कितना मूर्ख था कि जिस लडकी को मैने यह विश्वास दिला दिया था कि केवल मै ही उसे प्रेम कर सकता हू उसीने वस्तुत मेरे प्रस्ताव को और साथ ही मेरी काल्पनिक महत्ता को ठुकरा दिया।

'अन्य लोगो को तो लडकियो ने मूर्ख बनाया होगा किन्तु मैने तो स्वय ही अपने आपको मूर्ख बनाया। अब मै इस निष्कर्ष पर पहुचा हू कि विवाह का विचार भी कभी मन मे न लाऊगा क्योकि मै ऐसी लडकी से कभी सन्तुष्ट नही होऊगा जो इतनी मूर्ख हो कि मुझे अपना पति स्वीकार कर ले।

आपका मित्र
ए० लिंकन'

वह सिर झुकाए बैठी थी और पत्र मे व्यक्त गवारूपन और निर्दयता के बारे मे तथा इस विषय मे विचार कर रही थी कि वह अपने तथा अन्य लोगो के सम्बन्ध मे किस उजड्डता तथा निर्दय भाव से सोचता है।

उसकी उन्मादपूर्ण स्थिति की ओर ध्यान जाने पर वह गुमसुम-सी रह गई।

उसने पत्र को तह किया और श्रीमती फ्रासिस को दे दिया :

'एलेजा, यह पत्र दिखाने के लिए मै तुम्हारी बहुत आभारी हू। इससे मुझे सहायता तो मिली''''किन्तु एक विचित्र रूप मे। अब मुझे निश्चित रूप से पता लग गया है कि उसकी समस्याओ का कारण मै नही हू।'

एलेजा ने सहानुभूतिपूर्वक पूछा, 'मेरी, क्या मै तुम्हारी ओर से लिंकन से बात करू ?'

'धन्यवाद, ऐसा न करना क्योकि अब्राहम का कहना है : हर एक व्यक्ति को

अपनी गन्दगी स्वयं साफ करनी चाहिए ।'

जून मास मे ऐसी आधी और तूफान चले जो मेरी ने पहले कभी न देखे थे । तूफान पर तूफान आ रहे थे । मेरी भयभीत होकर अपने कमरे मे भाग गई और उसने रजाई ओढ ली । एलेजबेथ उसके पीछे-पीछे गई और उसने बिस्तर के किनारे पर बैठकर मेरी को गोद मे लेते हुए कहा, 'मेरी, यह तूफान तुम्हे कोई हानि नही पहुचाएगा, यह तो केवल घन गर्जन मात्र है ।'

मूसलाधार वर्षा की बौछारे खिडकी के शीशो से टकरा रही थी । मेरी एलेजबेथ की बाहो मे फफक-फफककर रो रही थी । एलेजबेथ ने प्यारभरे हाथो से उसके बालो को सहलाया । वह जानती थी कि उसकी बहिन इस तूफान की बजाय किसी और कारण से रो रही है ।

इस बार गर्मिया इतने सख्त ताप के साथ आरम्भ हुई कि सास लेना कठिन हो रहा था । घर, शहर और मैदान सब जगह घुटन थी । लेक्सिगटन से उसके पिता ने लिखा था कि वह गर्मियो के महीने ब्यूना विस्टा मे गुजारने के लिए चली आए । मिसूरी से उसके चाचा ने लिखा कि वह उन कवारे नवयुवको का निरीक्षण कर जाए जो उन्होने वहा मेरी के लिए इकट्ठे कर रखे थे । मेरी ने दोनो निमन्त्रण अस्वीकार कर दिए ।

अगस्त मास के अन्त मे स्टीफेन लोगन उनके यहा खाना खाने आया । वे राज्य सुप्रीम कोर्ट मे एक मुकदमे मे अब्राहम लिंकन द्वारा प्राप्त की गई महान् सफलता के बारे मे बातचीत करते रहे । लिंकन ने एक नीग्रो लडकी के पक्ष मे मुकदमा लडा था जिसे अवैध रूप मे बेच दिया गया था । लिंकन के तर्को ने उस नीग्रो लडकी को स्थायी स्वतन्त्रता दिला दी थी और दास-प्रथा पर ऐसी भारी चोट करने के कारण सारा स्प्रिङ्गफील्ड नगर लिंकन को बधाई दे रहा था । लोगन ने यह भी बताया कि कुछ ही दिन हुए लिंकन जोश स्पीड-परिवार के साथ लुइसविले से कुछ ही मील परे उनकी जमीने और बाग देखने गया था ।

उस रात वह खूब जी भरकर सोई किन्तु यह स्वाभाविक नीद प्रतीत नही होती थी । अगली सुबह उसे बुखार हो गया था और वह बिस्तर से उठने के योग्य भी न थी । एलेजबेथ ने चाचा डाक्टर जान टॉड को बुलाया जिसने मेरी को एक कम्बल मे लपेट लिया और बग्घी मे बिठाकर चार मुहल्ले

परे अपने घर मे ले गया। उसके घर के एक भाग को औषधालय बना दिया गया था। उसने मेरी को जाच के कमरे मे एक बडी कुर्सी पर बिठा दिया। उसके गाउन को बाह के ऊपर की ओर लपेट दिया तथा कोहनी और कधे के बीच एक रस्सी जोर से बाध दी। फिर रबर की नलकी से उसका आध पाव रक्त निकाल लिया।

फिर उसने उसे वमन लाने के लिए दवा दी और उसके बाद 'कैस्टर आयल' की कई खुराके पिला दी। इसके बाद डाक्टर टाड ने चर्बी का एक टुकडा काटा और उसे चाकू से अच्छी तरह पीस डाला तथा उसपर पिसी हुई पीली दवाई डाल दी। उस टुकडे को उसने मेरी के सीने पर लगा दिया और एक छोटा टुकडा उसकी टाग से चिपका दिया। उसके बाद मेरी को ऊपर वाले कमरे मे बिस्तर पर लिटा दिया गया और रजाई उढा दी गई। मेरी को इस लेप से आठ घण्टे तक अत्यधिक दर्द होता रहा और आठ घण्टे के बाद वह पलस्तर उतार दिया गया और उससे जो फफोले पक गए थे उसपर पिसी हुई फिटकरी डाल दी गई।

अगले प्रातः फ्रासेस और डाक्टर वालैस उसे मिलने आए। डाक्टर टाड गाव मे किसी रोगी को देखने गए थे। विलियम वालैस ने उन फफोलो को देखा तथा रक्त निकालने, जुलाब की दवाई देने, और प्लास्टर करने आदि के विषय मे सारा वृत्तान्त सुना और फिर बिस्तर पर झुककर अपनी साली के माथे को चूमते हुए बोला, 'प्यारी मेरी, उपचार का यह ढग अच्छा नही है। यह जो कुछ किया गया है उसकी कोई आवश्यकता नही थी। तुम्हे कोई भी तो रोग नही है · केवल अपनी कठिनाइयो से तुम परास्त हो गई हो।'

३३

मेरी के चचेरे भाई लोगन ने बताया कि लिकन सितम्बर के मध्य मे लौटेगा। यह तिथि उसके लिए नया लक्ष्य-बिन्दु बन गई और बीच के दिन उसके लिए ऐसी खाडी बन गए जिसपर उसे पुल बनाना था। आखिर एक दिन जोश स्पीड ने उसके घर का दरवाज़ा खटखटाया। वह उसे सगीत के कमरे मे ले गई जो कि मध्याह्न पश्चात् बहुत ठण्डा रहता था। वहा मेरी उसके लिए बीयर का भरा हुआ गिलास लाई और बोली :

'क्या तुम प्रेम करने और तोडने मे ही व्यस्त रहे हो जोश ?'

स्पीड कुछ मुस्कराया और कहने लगा, 'लिकन का तो कहना है कि फैनी हेनिग से मुझे प्रेम है और इस बात का प्रमाण वह यह देता है कि मैं उसे ज़बरदस्ती लेक्सिगटन ले गया था ताकि मुझे हेनिग से मिलने का बहाना मिल जाए। वह सदा मुझे विवाह कर लेने के लिए कहा करता है और जब कभी वह ऐसा कहता है, मैं भी उसे विवाह के लिए प्रोत्साहन देता हू।'

सर्दियो का मौसम जल्दी ही शुरू हो गया। इस मौसम मे इस बार इतना अधेरा, उदासी, वर्षा और कीचड था जैसा पहले कभी नही देखा गया। शहर के व्यापारी इलाके मे तो कीचड का सागर-सा उमड रहा था, जिसमे स्थान-स्थान पर लकडी के तख्ते और ढोल पडे हुए थे ताकि लोग उनपर पाव रखकर गुज़र सके। कई रात तो इतनी बर्फ गिरी और तूफान आए कि सभाए और जलसे स्थगित करने पडे क्योकि कोई पहुच ही नही पाता था।

मेरी को उन दिनो कई बार ज़ुकाम हो गया। उसकी आखे सूजकर लाल हो गईं। वे दिन जो उसने बिस्तर मे गुजारे थे मेरी के लिए बहुत ही बुरे दिन सिद्ध हुए। बचपन मे वह कई बार सख्त बीमार हुई थी किन्तु मेटेल के स्कूल मे उसने जो चार वर्ष बिताए थे उनमे वह एक बार भी बीमार न हुई थी। डाक्टर वार्ड के पर्यवेक्षण मे अध्ययन के उत्साह भरे दो वर्षो मे भी वह एक-दो बार ही बीमार हुई थी। अब तो मेरी को हर समय ऐसा अनुभव होता था कि वह किसी समय भी चल बसेगी। उसे इस बात के लिए निरन्तर प्रयत्न करना पडता था कि उसके स्वभाव मे झुझलाहट और तीखापन न आ जाए। एलेज़बेथ बडी सहानुभूतिशील थी किन्तु वह भी धैर्य खो रही थी और सोचा करती थी

कि मेरी जेम्स शील्ड्स अथवा लीमैन ट्रम्बल के प्रेम को क्यो स्वीकार नही कर लेती ? वे कितने समय से अपना प्रेम जता रहे है ।

अकस्मात् मेरी को अनुभव हुआ कि नव वर्ष दिवस समीप आ गया है और वह आशा करने लगी कि अब्राहम भी उसे मिलने आएगा । सभवत. वह उस भीड मे नही आएगा जो प्रात नौ बजे से ही आरम्भ हो जाती है किन्तु जैसा ठीक दो वर्ष पहले हुआ था वैसे ही सब लोगो के जा चुकने के पश्चात् घर के मौन वातावरण मे वह दरवाजा खटखटाएगा । जब वह दरवाजा खोलेगी तो उसे खडा पाएगी और कहेगी, 'श्री लिंकन, आखिर आप आ तो गए' और वह उत्तर देगा, 'मै तो आज पहली बार मिला हू अन्तिम बार नही' । मेरी अनुभव करने लगी कि उसकी भावनाए बहुत उत्तेजित होती जा रही है कि इस नव वर्ष दिवस को वह कैसे वस्त्र पहनेगी, और इसके लिए वह सिलाई के कमरे मे बार-बार जाती रही जिसे उसने प्राय. छोड रखा था ।

नव वर्ष दिवस को एडवर्ड-परिवार के अनेक मित्र उसे बधाई देने के लिए आए किन्तु लिंकन उनमे नही था ।

उसने आने वाली प्रसन्नता की जितनी आशा बाध रखी थी उतनी ही उसे निराशा हुई और वह सर्वथा जडवत हो गई । उसे सिर-दर्द रहने लगा । उसका शरीर अकड जाता था और आखो के सामने काली-पीली आकृतिया दिखाई देने लगती । केवल अपने अभिमान के कारण ही वह इस यातना को सह सकने मे समर्थ हुई थी । इसीसे उसे कुछ हिम्मत मिली और वह मेथाडिस्ट सभा के कमरे मे सगमन के सिपाहियो के सामने होने वाले जेम्स शील्ड्स के भाषण को सुनने के लिए चली गई । इस बहाने उसने जैक्सनविले के लिए चलाई गई नई गाडी की यात्रा भी की ।

अप्रैल, १८४२ मे उसे जोश स्पीड से एक पत्र मिला । उसने लिखा था कि इस बारे मे अनेक शकाओ और सदेहो के पश्चात् कि वह विवाह के योग्य है अथवा नही आखिर फैनी हेनिग से विवाह कर लिया है और अब यह बात स्वीकार करता है, 'मैं अब आशातीत प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हू ।' पत्र का महत्व-पूर्ण भाग वह था जिसमे जोश स्पीड ने लिकन से आए हाल ही के एक पत्र का उद्धरण दिया था । वह इस प्रकार था ·

'यह कितना सच है कि दुःखद पहली जनवरी से लेकर आज तक मुझे जितनी प्रसन्नताए प्राप्त हुई थी उन सबसे अधिक प्रसन्नता आज तुम्हारे पत्र को पढने के कुछ क्षणो मे मिल गई है। तभी से मै यह अनुभव कर रहा हू कि एक और ऐसा दु खी व्यक्ति है जिसके दु खो के लिए मैं ही उत्तरदायी हू और यह बात मेरी आत्मा को कचोट रही है।

'मै इस बात के लिए अपने को कोसे बिना नही रह सकता कि मै आज भी प्रसन्न होने की इच्छा कर रहा हू जब कि वह दु खी है। वह गत सोमवार एक बडी पार्टी के साथ रेलरोड-कार मे जैक्सनविले गई थी और वापसी पर उसने कहा था, ऐसा मैने सुना है, कि उसने इस यात्रा मे अत्यधिक आनन्द का अनुभव किया। मै इसके लिए ईश्वर की अभ्यर्थना करता हू।'

जब मेरी ने अब्राहम की यह पक्तिया पढ ली तो वह पत्र की ओर देखती रह गई। उसकी आखो मे आसू थे और कुछ भी दिखाई न देता था। उसने पुन. इस पक्ति को पढा 'एक और ऐसा दु खी व्यक्ति है जिसके दु खो के लिए मै ही उत्तरदायी हू और यह बात मेरी आत्मा को कचोट रही है।' उसे उस पत्र की याद आ गई जो उसने मेरी ओवेन्स के बारे मे लिखा था। वह एक उजड्ड लडके का पत्र था, और यह एक अत्यन्त दु खी व्यक्ति का जो यातनाओ मे ही परिपक्व हुआ था। दु खो ने उसके चरित्र को सुदृढ बना दिया था। इसमे मेरी ने भी उसकी सहायता की थी।

जहा तक उसका प्रश्न था वह अपने हृदय की तीव्र धडकन को अनुभव करने लगी थी। 'ऐसी बात कहने वाला व्यक्ति कभी भी बिछोह के दुःख को अधिक देर सहन नही कर सकेगा। ओह ईश्वर, उसने तो ऐसा नही सोचा था किन्तु वह उसे किसी भी शर्त पर स्वीकार कर लेगी...।'

बहार आई तो कीचड और सर्दी का अन्त हो गया। अपने जीवन के शून्य क्षणो मे कुछ भरने की इच्छा से वह मई के अन्त मे जौकी क्लब की घुडदौड देखने गई, पुराने औषधालय की वस्तुए दूसरे मुहल्ले की नई दुकान मे ले जाने मे उसने डाक्टर वालैस की सहायता की। समाचारपत्र से उसे ज्ञात हुआ कि लिंकन विधान सभा मे दोबारा नही आना चाहता। उसे यह पता न लग सका कि वह दोबारा चुनाव नही लडना चाहता था अथवा व्हिग सभा ने उसका नाम निर्देशित नही किया था जैसा कि दो वर्ष पूर्व निनियन के सम्बन्ध मे हुआ था।

पुनः ग्रीष्म ऋतु का आगमन हुआ। खूब गर्मी तथा घुटन आरम्भ हो गई।

अगस्त मास के आरम्भ में एक प्रातः उसे एलेजा फ्रांसिस की ओर से संदेश मिला, जिसमे उसे शाम के भोजन पर आमंत्रित किया गया था। एलेज़ा उसे बैठक में ले गई। यहां धूप को रोकने के लिए पर्दे गिरा रखे थे और खूब अंधेरा था। कमरे के मध्य में अब्राहम लिंकन खड़ा था।

३४

प्रायः दो वर्ष से उसने लिंकन को नहीं देखा था। उसकी आंखो में भावों की स्पष्टता लक्षित हो रही थी। मुंह और ठुड्डी पर दृढ़ भावों की मुहर-सी लगी हुई थी। वह पतला था किन्तु उसका स्वास्थ्य अच्छा था।

वे मौन थे फिर भी उस नीरवता के वातावरण में उनके भाव अभिव्यक्त हो रहे थे। मेरी के मन मे कितने ही विचारों का जमघट लग गया था और वह लिंकन की आंखों के विशद प्रकाश में भी उन्हीं विचारों को उमड़ते हुए देख रही थी। वे बहुत देर तक चुपचाप खड़े रहे और फिर वह उसके दृढ आलिंगन में थी और लिंकन के पिपासु होठ उसके होंठ पर टिके हुए थे।

'मैंने तुम्हे जो कष्ट दिया है उसके लिए मुझे दुःख है।'

जब उसने यह सूचित करने के लिए कि कोई कष्ट नहीं हुआ, सिर हिलाने का प्रयत्न किया तो लिंकन ने उसके कंधो को और अधिक अपनी बाहों में जकड़ लिया।

'मौली, मै संसार में केवल इतना ही चाहता हूं कि हम एक हो जाएं। मैं उस नव वर्ष दिवस को ही चाहता था किन्तु मुझमें शक्ति ही नहीं थी····तुम्हें अवश्य मुझे क्षमा कर देना चाहिए।'

'मैंने ही तो तुमपर जोर डाला था अब्राहम! हम दोनों को ही एक दूसरे को क्षमा कर देना चाहिए। क्या प्रेम का यही सार नहीं है?'

भोजन के कमरे में मेज़ पर उन्होंने फ्रांसिस के साथ इकट्ठे भोजन किया।

हरे रग के मध्यम प्रकाश मे, वे पुन नवीन मित्रता की उष्णता हृदयो मे सजोए बैठे थे। भोजनोपरात लिकन ने 'जरनल' के लिए एक पत्र लिखना आरम्भ किया जिसपर उसे 'चाची रेबेका' के नाम से हस्ताक्षर करने थे और यह पत्र राज्य के डेमोक्रेटिक आडीटर जेम्स शील्ड्स की नीति पर आलोचना-माला का एक अग था। व्हिग पार्टी के इन चारो सदस्यो को इस विचार से बहुत प्रसन्नता अनुभव हुई कि शील्ड्स को यह पढकर कितनी अधिक घबराहट होगी। किन्तु युद्ध और राजनीति मे सभी कुछ उचित होता है। वह कागज के बडे-बडे पृष्ठ तेजी के साथ रगे जा रहा था। वह हर एक पृष्ठ को मेरी की स्वीकृति के लिए जब उसकी ओर बढा देता था तो उनकी दृष्टि परस्पर मिल जाती थी और क्षण-भर के लिए वे एक दूसरे को देखते रहते थे। उसने पढा

'शील्ड्स की मनघडत कहानी मे सचाई तो नाममात्र को भी नही थी शील्ड्स और सचाई का भला क्या नाता और उसमे से झूठ को कुरेद कर निकालना भी तो चरबी के टुकडे मे से आग निकालने के समान है।

'गत सर्दियो के एक मेले मे जब मैं स्प्रिगफील्ड आई थी तो मैंने वहा उसे देखा था। नगर की सब युवतिया वहा पर थी। उन्होने कमर पर पतलूने इस प्रकार कसकर बाधी हुई थी और लिबास के ऊपर-नीचे के सिरे इस प्रकार खुले थे कि ऐसा प्रतीत होता था मानो भूसे से भरे हुए बोरे रखे हैं''' वहा शील्ड्स भी इस प्रकार घूम रहा था मानो बिल्ली के बालो का गुच्छा लुढक रहा हो और बिल्लियो ने अपने बाल उखाड फेंके हो। वह सब किसीको पैसे दे रहा था और हानि उठा रहा था क्योकि वे पैसे चादी के सिक्को के रूप मे नही थे बल्कि नोटो के रूप मे थे।'

जब साइमन ने प्रकाशन के लिए उस पत्र की स्वीकृति दे दी तो मेरी मेज से उठी। लिकन उसके पीछे-पीछे दूसरे कमरे मे गया। मेरी ने अपना शाल ओढा और हैट पहन ली।

'क्या मै तुम्हे कल मिल सकता हू मौली ? क्या मै घर पर आ सकता हू ?'

वह कुछ हिचकिचाई। 'नही अब्राहम, मै समझती हू कि यही मिलना अच्छा रहेगा''''कुछ समय के लिए'' क्योकि इस बारे मे बहुत-सी बाते होती रही है।'

'जैसा तुम कहो मौली, तो कल प्राय. चार बजे मिलोगी ?'

साइमन और एलेजा उसे गाडी मे बिठाकर घर ले गए। वह सीधी सीढियो के ऊपर अपने कमरे मे चली गई और बिस्तर पर लेटते ही उसे गहरी नीद आ गई।

जब उसकी आख खुली तो उसने जल्दी-जल्दी कपडे बदले और घर से बाहर चली गई। मर्सी कोकलिग तो दुलहन बनने मे व्यस्त थी इसलिए मेरी ने अपनी सहेली जूलिया जेन से अपने दिल की बात कही। जूलिया जेन लम्बे कद, लचकीले शरीर और काले बालो वाली लडकी थी। उसका स्वभाव बडा परिहासपूर्ण और सूझ बहुत गहरी थी।

'जूलिया, तुम्हे अवश्य मेरी सहायता करनी चाहिए। मै नही चाहती कि एलेजबेथ और निनियन को इस बारे मे पता चले जब तक कि मुझे अधिक निश्चय न हो जाए।'

जूलिया को मेरी की सहायता करने मे आनन्द का ही अनुभव हुआ। मेरी बोली, 'तो फिर ऐसा किया करो कि तुम मुझे दोपहर के समय घर पर बुलाने आ जाया करो और हम बाजार मे कुछ वस्तुए खरीदने जाया करेगी। उसके बाद तुम मेरे साथ फ्रासिस के घर आ सकती हो। मुझे एक रक्षक की बहुत आवश्यकता है ताकि जब तक मै और अब्राहम कोई ठोस निश्चय न कर ले, मै चाहती हू, नगर हमारे सम्बन्ध मे यो ही मनगढन्त बाते न बनाए।'

रोज शाम के समय जूलिया लगभग तीन बजे उसे बुलाने आती। वे बाजार मे चली जाती और फिर वहा से अनेक मार्गो से गुजरती हुई फ्रासिस के घर पहुच जाती थी। एक सप्ताह के पश्चात् अब्राहम का पत्र प्रकाशित हो गया। जेम्स-शील्ड्स ने एक सार्वजनिक जलसे मे उसका उत्तर दिया और वहा दो घण्टे तक इन आरोपो का खडन करने के लिए पागलो की तरह बोलता रहा।

मेरी ने जूलिया से कहा, 'इस बार जिमी शील्ड्स को मै भी उत्तर देना चाहती हू। मैं चाची रेबेका के मुह से यह कहलवाऊगी कि जब मैने यह सुना कि शील्ड्स खत लिखने वाले की खबर लेने को धमकिया दे रहा है तो मुझे इतना डर लगा कि इच्छा हुई जहा भी खडी हू वही से रफूचक्कर हो जाऊ। यदि तुम अपनी तसल्ली करना चाहते हो तो यहा आओ और मेरा हाथ पकड लो किन्तु यदि तुम लडना ही चाहते हो तो मैं झाडू, उबलते पानी या जलती हुई अगीठी

के साथ ही लडा करती हू किन्तु जब तुम लडने के लिए आओगे तो मैं तुमसे यह परामर्श अवश्य ले लू गी कि यदि तुम चाहो तो मै तुम्हारी पतलून और तुम मेरा पेटीकोट पहन सकते हो।

जब दोनो लडकिया जरनल के दफ्तर मे पहुची अब्राहम उनकी प्रतीक्षा कर रहा था। मेरी के पत्र का विचार सुनकर उसे हसी आ गई और प्रसन्नता का अनुभव हुआ। उसने मेरी से वही उस समय पत्र लिखने के लिए कहा। साइमन पत्र को प्रकाशित करने के लिए प्रेस मे ले गया क्योकि अगले ही दिन जरनल प्रकाशित हो रहा था।

शील्ड्स ने इस प्रहार से अपने आपको इतना अपमानित समझा कि उसने साइमन को एक सदेश भेज दिया, जिसमे उसने लिंकन को एक निर्णायक युद्ध के लिए ललकारा। लिंकन एक कारोबार के सिलसिले मे ट्रेमौट गया हुआ था। जब मेरी को पता चला कि शील्ड्स और उसके समर्थक ट्रेमौट चले गए है तो मेरी ने विलियम बटलर और मुक्केबाज डाक्टर मेरी मैन से अनुरोध किया कि वे तुरन्त जाकर अब्राहम को चेतावनी दे देवे।

मेरी ने लिंकन के वापस स्प्रिगफील्ड आने तक के अडतालीस घण्टे बडी बेचैनी मे गुजारे।

'अब्राहम, मैने ही तुम्हारे लिए यह विपत्ति खडी कर दी है।'

'नही मौली, तुमने नही, ैने ही तो उस पत्र की स्वीकृति दी थी। यह उत्तरदायित्व मेरा ही है। जरनल मे छपे सब पत्रो के लिए शील्ड्स को एक साधारण-सा क्षमापत्र भेज दू गा किन्तु यदि उसने स्वीकार न किया तो मै उसे दोधारे से लडाई लडने का सुझाव दू गा।'

'ईश्वर के लिए ऐसा न करना अब्राहम, शील्ड्स तो तुम्हारी बगल तक आता है।' मेरी दम रोके हुए घबराहट मे कह रही थी, 'और वह दुधारा तीन या चार फुट लम्बा होता होगा। वह तुम्हारे साथ इस अस्त्र से कैसे युद्ध कर सकेगा।'

अब्राहम जोर से हसते हुए बोला, 'हा, वह नही लड सकता। सब लोगो को यह बात हास्यजनक प्रतीत होगी और बात वही समाप्त हो जाएगी।'

मेरी जहा कही भी गई वही उसने लिंकन और शील्ड्स की लडाई की चर्चा सुनी। आखिर जब अब्राहम वापस आया तो वह उसके चेहरे से ही भाप गई कि

कोई लड़ाई नही हुई थी। उनके साथियों ने समझौता करा दिया था। लिंकन ने क्षमा मांग ली थी और शील्ड्स ने उसे माफ कर दिया था किन्तु फिर भी उसके चेहरे पर गभीरता स्पष्टतः लक्षित हो रही थी।

'मौली, मैने इससे एक भयानक सबक सीखा है। मै वर्षो तक समाचारपत्रों में बेनाम पत्र प्रकाशित करवाता रहा हूं जिनमें लोगों पर व्यंग्य कसे और उनका मखौल उडाया। अब मै इसे पसंद नही करता। कोई भी व्यक्ति इस ढंग से आगे नहीं बढ सकता। यह सारी घटना मेरे लिए इतनी दु:खद और अरुचिपूर्ण है कि मैं जीवनभर इसका फिर कभी उल्लेख नही करूंगा।'

मेरी ने अनुभव किया कि इस घटना से लिंकन ने जीवन का एक और अध्याय समाप्त कर लिया है। अब वह जीवन के हर पहलू के बारे में बहुत गंभीर तथा अधिक दृढनिश्चयी प्रतीत होता था।

अक्तूबर के आरम्भ में उसने बताया :

'कुछ ही दिनों में मै सर्किट न्यायालय के साथ यात्रा आरम्भ करूंगा और प्राय: सारा मास मुझे यात्रा में ही रहना होगा। अब मै विच्छेद की बात नही सोच सकता। जब मै प्रथम नवम्बर को लौटूंगा तो तुमसे विवाह का प्रस्ताव करूंगा।'

मेरी ने कोई भावुकता प्रकट नहीं की।

'जब तक आप वापस न आ जाएं तब तक यदि हम इसकी चर्चा ही न करें तो कितना अच्छा हो।'

'बहुत अच्छा मौली, किन्तु यह याद रखो कि यद्यपि तुमने मुझे स्वीकार नहीं किया परन्तु मैने अपना हृदय तुम्हारे सामने खोल दिया है।'

उसने फिर भी कोई उत्तर नही दिया।

मेरी ने जूलिया के सिवाय और किसीको यह बात न बताई और जूलिया ने दुलहिन के वस्त्र तैयार करने में मेरी का हाथ बंटाया। मेरी ने सिर हिलाते हुए जब इस बात का उल्लेख किया तो उसके होठों से निश्चय का भाव लक्षित हो रहा था।

'जूलिया, मै भाग्य पर निर्भर नही कर रही। अब मेरे पास ठोस कारण है किन्तु यदि मुझे फिर आघात पहुंचे तो मैं बच न सकूंगी।'

वह पहली नवम्बर को लौट आया। उसने क्लिटन, अरबाना, और चार्ल्स्टन में

अनेक मुकदमे लडे थे। कोल्ज काउटी मे उसने अपने माता-पिता को चालीस एकड भूमि खरीद दी थी और साथ यह शर्त लगा दी थी कि उसे बेचा नही जा सकता। उसने अगले दिन सुबह का समय अपने नीग्रो मित्र की नाई की दुकान पर बिताया। उसके बाल सुन्दर काटे गए तथा धोकर कघी कर दी गई। उसने नया चमकदार कालर और रेशम का नया सूट पहना। मेरी उसके पीछे खडी थी।

'यदि तुम सर्किट कोर्ट के साथ दौरे के समय इतने ही सुन्दर रहे हो जितने आज लग रहे हो तब तो तुमने कितनो का ही मन जीत लिया होगा!'

'पर मै तो स्वभाव से ही एक स्त्री को चाह सकता हू। क्या मेरी टाड, कल या परसो तुम मुझसे विवाह करोगी?'

'क्या यह प्रस्ताव स्वीकार कर लेने मे मुझे कोई खतरा तो नही?' उसने कापते हुए किन्तु परिहासभरी दृढता से पूछा, 'क्या तुम्हे निश्चय है कि अगले दो वर्ष मे तुम हवा मे ही कही गुम तो न होओगे?'

'तुम स्थान बता दो, मैं वहा पहुच जाऊगा। नया सूट पहन आऊगा और जूतो पर पालिश करवा लूगा।'

मेरी की दृष्टि उसके टूटे-फूटे और धूलभरे बूटो की ओर गई और वह सिर पीछे की ओर करके खिलखिलाकर हस पडी।

'बस, अब तो मुझे विश्वास आ गया। यदि तुम यहा तक करने के लिए तैयार हो कि अपने बूट पालिश करवा लोगे तो मुझे भरोसा है कि तुमने पक्का निश्चय कर लिया है।'

लिकन ने नाक-भौ चढाकर कहा, 'तो कल मध्याह्न पश्चात् पादरी ड्रेसर के यहा ठीक रहेगा न?' मेरी की दृष्टि मे निनियन और एलेज़बेथ की शकले घूम गई।

'मै जानती हू कि स्प्रिगफील्ड मे विवाह अकस्मात् ही हो जाते है किन्तु मुझे ज़रा घर वालो को अच्छी तरह बता देना होगा।'

'बहुत अच्छा मौली, मार्ग तुम बनाना, नाव का खिवैया मैं बनूगा और जहा तुम कहोगी वही लगर डाल दूगा।'

जब अगले प्रात मेरी ने यह समाचार एलेजबेथ को दिया तो उसने स्वाभाविक रूप से पूछा:

'क्या मेरी, शादी आज ही शाम को होनी आवश्यक है, मै तो चाहती हू कि

यह विवाह औपचारिक ढग से हो जैसा कि टाड-परिवार को शोभा देता है और जैसे हमने फ्रासेस का विवाह किया था ।

मेरी ने प्रसन्न भाव से कहा, 'वह तो दो मास पूर्व अच्छा लगता; क्या अब वैसी व्यवस्था करने मे बहुत देर नही हो गई ?'

'तो फिर तुम्हे एपिस्कोपल सेइङ्ग सोसाइटी के सामने विवाह करना होगा। आज रात उनकी बैठक यहा हो रही है और वे लोग यही खाना खा रहे है ।'

'एपिस्कोपल सेइङ्ग सोसाइटी ? ओह लिज, नही ।'

'अच्छा तो विवाह को कल तक स्थगित कर सकती हो ? मै अत्युत्तम खाना तैयार करवा दगी किन्तु जहा तक अल्पाहार का सम्बन्ध है मुझे ओल्ड डिके से कुछ जिजरब्रे ड और बीयर मगवानी होगी ।'

जूलिया जेन दुलहिन का हाथ मागने वाली सहेली बनी और दुलहिन की अन्य सहेलिया चाचा जान की लडकी लिजी और एन राडनी थी । डाक्टर टाड तथा श्रीमती टाड, मेरी की बहिन फ्रासेस, डाक्टर वालैस, हेलेन और बेन एडवर्ड, डाक्टर हेनरी तथा बटलर-परिवार जिनके पास लिकन रहा करता था, सभी उपस्थित थे । श्रीमती बटलर ने पीली साटन का गाउन पहना हुआ था ।

मेरी ने सफेद मलमल के वस्त्र पहने हुए थे जो उसने गर्मियो के आरम्भ मे बनवाए थे और उसके बाद कभी पहने नही थे । उसके पास केवल यही श्वेत-वस्त्र थे । उसने हीरे का जडाऊ हार पहन रखा था जो उसके पिता न्यू ओर्लियन्स से उसके लिए लाए थे । वह सोचने लगी, बेचारे पिता इस विवाह पर भी नही आ सकेगे पर अब उसकी बहिन एन के लिए जगह खाली हो जाएगी ।

अब्राहम अपने मित्र जेम्स मैथेनी, जो दुल्हा का सखा बना था, और स्टेट सुप्रीम कोर्ट के जज श्री ब्राउन के साथ जल्दी ही पहुच गया था । पाच बजे पादरी साहब भी पहुच गए । परिवार के लोगो और उनके मित्रो ने बैठक के बीच एक घेरा बना लिया और पादरी ड्रेसर ने रस्म आरम्भ की ।

'प्यारे मित्रो, हम प्रभु को साक्षी बनाकर उसीकी छत्रछाया मे इस पुरुष तथा स्त्री को पवित्र विवाह सम्बन्ध मे बाधने के लिए यहा एकत्रित हुए है। विवाह का सम्बन्ध बहुत सम्मानित सम्बन्ध है और किसीको भी बिना भली प्रकार सोचे-समझे, बिना गम्भीरता, दूरदर्शिता और बिना ईश्वर के भय के इस

सम्बन्ध मे प्रवेश नही करना चाहिए...।'

कुछ पहले से ही वर्षा शुरू हो गई थी और अब मूसलाधार पानी पडने लगा था तथा उसकी बौछारे खिडकियो के साथ टकरा रही थी। मेरी जानती थी कि वर्षा से सदा अब्राहम उदास हो जाया करता है।

'अब्राहम, क्या तुम इस स्त्री को अपनी पत्नी मानकर विवाह के पवित्र सम्बन्ध के बारे मे ईश्वर के आदेश का पालन करते हुए इसके साथ रहोगे ?'

'हा।'

पादरी ने फिर लिंकन को सम्बोधित किया। इन शब्दो को दोहराओ, 'यह अगूठी देते हुए मै तुम्हारे साथ विवाह करता हू और सभी सासारिक वस्तुए तुम्हे सौंपता हू।'

जस्टिस ब्राउन, जो बहुत ध्यानपूर्वक सुन रहे थे, बोल उठे, 'हे भगवान, लिकन, कानून इन बातो का प्रबन्ध करता है।'

एक-आध क्षण के लिए तो सब चकित-से रह गए और फिर जो हसी की खिल-खिलाहट आरम्भ हुई तो पादरी भी आश्चर्य के साथ खिलखिलाकर हस पडे। इस हसी मे वर्षा का शोर भी दब गया।

पादरी ड्रेसर ने एक सोने की अगूठी लिंकन को दी और लिंकन ने उसे मेरी के बाए हाथ की तीसरी अगुली मे पहना दिया।

'अब मैं तुम्हे पति और पत्नी घोषित करता हू।'

फिर उन सबने खाना खाया। विवाह के दो सुन्दर केक थे। छोटा-सा आर-केस्ट्रा था। उन लोगो ने नृत्य किया। उनमे खूब मित्रता और प्रसन्नता के भाव लक्षित हो रहे थे और उसके साथ ही निनियन की अत्युत्तम शराब अपना रग जमा रही थी।

आधी रात से कुछ ही पहले मेरी और अब्राहम सामने के दरवाजे से बाहर निकले जहा एक बग्घी उनकी प्रतीक्षा कर रही थी। वहा से ये लोग सीधे ग्लोब होटल चले गए।

लिकन तो रजिस्टर मे हस्ताक्षर करने के लिए नीचे ठहर गया और मेरी ऊपर कमरे मे चली गई जहा पहले जान स्टुअर्ट और उसकी पत्नी और फिर फासेस तथा डाक्टर वालैस रहे थे। पलग पर नई चादरे और नया बिस्तर बिछा हुआ था और शरद् काल के फूल तथा पत्तो से गुलदस्ते सजे हुए थे। मेरी ने अपनी

अंगुली पर से सुनहरी फीता उतारा और उसे देखने के लिए लैम्प के पास गई। उसके ऊपर यह अकित था :

प्रेम अमर है।

मेरी अत्यधिक प्रसन्नता मे खो गई। बहुत समय पहले अब्राहम ने कहा था, 'प्रेम अमर है।' और मेरी ने सोचा था, हा यदि कोई अमरत्व प्राप्त कर सके तो, कम से कम वह तो इस दिन के लिए जीवित रह सकी थी।

यह बात उसे सदा ही याद रखनी चाहिए। प्रेम की लहरो मे उतार-चढाव होता ही है। कभी वह आकर्षक और सुन्दर प्रतीत होता है तो कभी भद्दा और चिन्ताजनक, किन्तु अच्छे प्रेम की प्राप्ति के लिए बुरी स्थिति को भी सहन करना चाहिए इसीमे प्रेम का चमत्कार है। क्योकि इसका हमेशा पुर्ननिर्माण हो सकता है। उसे सदा के लिए अपने आपको प्रेम ही को समर्पित कर देना चाहिए चाहे भाग्य मे कुछ भी क्यो न हो। कितनी ही कठिनाइया अथवा निराशाए सहन करनी पडे अथवा दु:ख या चिन्ताओ का सामना करना पडे, उसे उन सबमे से गुजरना चाहिए। अत्यन्त भयानक तूफानो को पार करना चाहिए क्योकि उस पार पहुचने मे चाहे कितनी ही देर लगे, मार्ग मे चाहे कितना भी अधेरा हो किन्तु आखिर वहा नित्य वसन्त के प्रदेश मे पहुचे ही जाएगे।

मेरी को लिकन के लम्बे-लम्बे कदमो की आवाज सुनाई दी, फिर उसने दरवाजा खुलने की आवाज सुनी और उसने चेहरे को दूसरी तरफ कर लिया जिस-पर प्रेम के कारण लालिमा आ गई थी।

३५

मेरी टब मे बैठी गर्म पानी का आनन्द ले रही थी, बाहर उत्तरी खिडकी पर बर्फ इस प्रकार टगी हुई थी जैसे रस्सी पर चादर लटक रही हो किन्तु अन्दर कमरे मे एक तो अगीठी की गर्मी थी और दूसरे लेवेण्डर की सुगध फैली हुई थी। अब्राहम अपना साबुन, तौलिया, रेजर और कघी लिए हुए होटल की रसोई

के पास पुरुषों के स्नानागार मे स्नान करने गया हुआ था।

मेरी ने अपने पतले कूल्हे और कमर पर साबुन मला और टब के गोल किनारे से पीठ लगाकर बैठ गई। फिर कमरे मे इधर-उधर दृष्टि घुमाने लगी जो पहले एक होटल का कमरा मात्र था किन्तु अब मेरी ने उसे विशेष रूप से अपनी रुचि के कारण सजा लिया था। कमरे की दक्षिण की दीवार के साथ पुस्तको की अलमारी लगी हुई थी और उसके दोनो ओर हाथीदात की प्रतिमाओ मे हरी-भरी टहनिया लगी हुई थी। दरवाजो और खिडकियो पर मखमली पर्दो के स्थान पर लाल रग के सूती पर्दे लटका दिए गए थे। मेरी ने जो गोल मेज खरीदी थी उसे अगीठी के पास रख दिया गया था। उसपर सन्तरे और बादाम से भरे कटोरे रखे हुए थे। लेक्सिङ्गटन से प्रकाशित होने वाला पत्र आबजर्वर, बाल्टीमोर का नाइल्स रजिस्टर, न्यूयार्क ट्रिब्यून और अमेरिका के इतिहास की एक प्रति रखी हुई थी। पलग के पास वाली मेज पर उसकी चादी की कघिया, बाल मुलायम करने वाले ब्रश और इतर की शीशिया पडी थी। आखिर मेरी को ग्लोब होटल मे ही आना पडा था और यहा उसे पूरा वर्ष सभवत: दो वर्ष गुजारने होगे। शादी के समय उसे नकद धन के रूप मे भी उपहार मिले थे जिसमे से एक राशि तो मेरी ने दीवार पर लगाने के लिए चित्र खरीदने मे लगा दी। फर्श के लिए सफेद धागे का नर्म-नर्म कालीन खरीद लिया। अब्राहम को उसपर लेटकर मेरी को कविताए सुनाने का शौक था। किताबो की अलमारी के सामने पढने-लिखने के लिए एक छोटी-सी फ्रासीसी मेज पडी थी जिसपर मेरी के कागज आदि पडे थे और मेरी उसपर बैठकर लेक्सिङ्गटन के अपने परिवार को पत्र लिखा करती थी।

मेरी टब से बाहर निकली और गर्म कालीन पर जाकर खडी हो गई। एक बडे तौलिये से शरीर को पोछने के बाद उसने अगिया और पेटीकोट पहने तथा हल्के स्लीपर पहनने के पश्चात् स्विटज़रलैंड की मलमल की झालर वाली पोशाक पहन ली। उसने घटी बजाई ताकि नौकर आकर टब ले जाए। कुछ मिनट बाद हाल मे अब्राहम के आने की आहट सुनाई दी और वह नीले रङ्ग का ऊनी चोगा पहने दरवाज़े मे खडा दिखाई दिया। उसने हिरन की खाल के स्लीपर पहन रखे थे जो मेरी ने उसे क्रिसमस के अवसर पर उपहार के रूप मे दिए थे। उसके बाल दोनों ओर से काफी बढे हुए थे किन्तु ऊपर से बहुत छोटे थे।

अधिक बाल दाई ओर ही बिखरे हुए थे और एक गुच्छा उसके गोल माथे पर लटक रहा था।

मेरी ने सोचा, विवाह से लिंकन निखर आया है। जितना अच्छा मैंने उसे कभी देखा था उससे कही अधिक सुन्दर प्रतीत हो रहा है। उसका रग भी अच्छा है और उसकी आखो के नीचे विषाद की जो कालिमा छाई रहती थी वह भी समाप्त हो गई है। प्रेम भले ही अमर हो किन्तु ! किन्तु !! कितनी अच्छी बात है कि उसका शारीरिक पहलू भी है।

लिंकन ने खिडकी के नीचे अपनी मेज पर कघी और शीशा रख दिया फिर घूमा और मेरी की ओर अपनी बाहे बढा दी। मेरी उसके सीने से जा लगी और लिंकन उसके कधे को चूमते हुए बोला, 'ओह तुम्हारे शरीर से तो मधुर सुगधि आ रही है।'

'तुम्हारे शरीर से भी तो आ रही है। यह साबुन की महिमा है। मै वह साबुन और ला दूगी।' मेरी उसकी बाहो मे थोडा-सा पीछे की ओर झुक गई और उसके चेहरे की ओर ध्यानपूर्वक देखते हुए बोली, 'चाहे मुझे कहना नही चाहिए किन्तु फिर भी कहती हू कि तुम्हारे लिए मै बहुत अच्छी हू।' फिर उसी की तरह नाक से आवाज निकालते हुए बोली, 'जहा तक एक दूसरे को देखने का सम्बन्ध है, इसका अधिक लाभ मुझको ही होगा।'

लिंकन सिर को पीछे की ओर करके खिलखिलाकर हस पडा।

'अब जब कि हम दोनो नहा-धोकर सुन्दर लग रहे है तो मेरी इच्छा होती है कि ब्रीज लेवी के घर जाने के लिए मुझे अपना बढिया सूट इस्त्री करवा लेना चाहिए था।'

'सो तो तुमने करवा लिया था।'

'क्या हमे सफेद कमीज़ और कालर का भी ध्यान रहा था ?'

'मेज के निचले खाने मे देखो। हम यह नही चाहते कि जोश स्पीड की दुकान पर गुजारे पुराने दिनो की याद तुम्हे फिर सताने लगे।'

वह एक क्षण चुपचाप खडा रहा। उसका सिर एक ओर को मुडा हुआ था और आखो मे आश्चर्य का भाव लक्षित हो रहा था।

'मौली ! स्पीड और मैं विवाह के नाम से इतने भयभीत क्यो थे ? लगभग डेढ वर्ष तक हम एक दूसरे को पत्र लिखते रहे और एक दूसरे की चिताओं और

गलत धारणाओ का उत्तर देने का प्रयत्न करते रहे।'

'और अब ?'

उसकी गभीरता समाप्त हो गई। 'मैं अपने घर की चारदीवारी मे तुम्हे जो रहस्य की बात बताऊ उसे न्यायालय मे साक्ष्य के रूप मे तो प्रस्तुत नही किया जा सकता। किन्तु मैंने एक वकील साम मार्शल को पत्र लिखा था और उसमे यह कहा था, कि यहा कोई नई बात नही हुई सिवाय इसके कि मेरा विवाह हो गया है और मेरे लिए यह अत्यन्त सुखद आश्चर्य की बात है। उस पत्र को डाल देने पर ही मुझे अनुभव हुआ कि मैंने कितनी जल्दी और स्पष्ट रूप मे अपने दिल की बात कह दी है।'

मेरी ने उसका हाथ अपने हाथ मे ले लिया और उसे अगीठी के सामने एक आरामकुर्सी पर ले जाकर बैठा दिया तथा स्वय उसके सामने अपने घुटने के बल बैठ गई।

'क्या बात है मौली ?'

'प्रियतम · मै गर्भवती हू।'

उसकी नीली आखो मे आश्चर्य का भाव झलकने लगा।

'क्या तुम निश्चय से कह रही हो ? यह तो बहुत जल्दबाजी हो गई ! क्या नही ?'

'जल्दी की बजाय तुरन्त शब्द का प्रयोग करना चाहिए। किन्तु जो व्यक्ति दो कुल्हाडो को एक साथ भूमि से उठा सकता है उससे मै और क्या आशा कर सकती थी।'

लिकन का चेहरा और गर्दन लज्जा से रक्तिम हो गए।

मेरी ने चकित भाव से पूछा, 'क्यो अब्राहम, तुम शरमा क्यो रहे हो ? मै तो नही जानती थी कि तुम शरमा भी सकते हो।'

उसने मेरी को ऊपर उठाया और अपनी बाहो मे बाध लिया। मेरी ने देखा कि उसके मस्तिष्क के भावो की धूमिल-सी रेखा उसके चेहरे पर झलक रही थी।

'और मैंने तो तुम्हे एक वर्ष निश्चित रखने का वचन दिया था।'

'ओह, मै भला इससे अधिक निश्चित क्या हो सकती थी। अभी विवाह हुए दो ही मास हुए है और मुझे अपने पति के प्यार का प्रमाण मिल गया है

'जिसे उसने अपने ही हस्ताक्षर से लिखकर अपनी आसामी को दे दिया जिसे न्यायालय मे वैध प्रमाण के रूप मे प्रस्तुत किया जा सकता है।'

ग्लोब होटल से अमेरिकन हाउस केवल दो ही मुहल्ले परे था किन्तु रास्ते मे बहुत बर्फ पडी हुई थी जिस कारण वे अपने पडोसी टी० ब्लेडसो के साथ इकट्ठे एक ही गाडी मे जाया करते थे। टी० ब्लेडसो भी वकील था और आठवे सर्किट न्यायालय मे वकालत करता था। उसकी पत्नी हैरियट न्यू जर्सी की रहने वाली थी।

जब वे अमेरिकन हाउस के मोमबत्तियो से जगमगाते नृत्य हाल मे पहुचे तो मेरी को यह देखकर उलझन हुई कि वहा तीन सौ पुरुषो के बीच कुछ एक ही स्त्रिया बैठी थी। सिडनी ब्रीज लेवी के अमेरिकी सीनेट मे सदस्य चुने जाने का उत्सव मनाने के लिए उसके साथी सभासद ही एकत्र हुए थे।

आरकेस्ट्रा ने वाल्ट्ज नृत्य की धुन आरम्भ की और अब्राहम ने मेरी को अपनी बाहो मे थाम लिया। मेरी उसके साथ नृत्य करने लगी और उसका पीला रेशमी स्कर्ट लिकन के चमकीले बूटो से घिसटता हुआ गोलाकार घूमने लगा। अगली बारी मे डगलस उसका साथी बना। उसकी बडी-बीडी नीली आखे मानो जल रही थी और उसने अपने सुन्दर सिर पर घुघराले बालो को लहरो के रूप मे सवारा हुआ था।

'स्टीव, मै तो समझती थी कि तुम उदास होगे क्योकि यह पार्टी तो तुम देने की आशा कर रहे थे।'

डगलस भारी आवाज मे जोर से हस पडा। यदि मै अपने समर्थको को आजाद न कर देता तो ब्रीज कभी भी निर्वाचित न हो सकता। मैने उसके साथ सौदा कर लिया है कि उसकी पदावधि समाप्त होने पर वह मेरा समर्थन करेगा। जब मै एक बार सीनेट मे चला जाऊगा तो मै सदा के लिए वहा का सदस्य बना रहूगा और तब मेरे पीछे यहा कोई ऐसा व्यक्ति नही रह जाएगा जो अपनी बारी के लिए गठजोड करेगा। क्यो, समझ की बात की है न मेरी ?'

अकस्मात् हाल मे एक हलचल-सी पैदा हुई। सब दृष्टिया बडे दरवाजे की ओर उठ गईं जहा मेरी को सैनिको की सफेद वर्दी पहने बारह शिष्यो के साथ एक नीले कोट वाला व्यक्ति खडा हुआ दिखाई दिया, जिसने काली वास्कट

और लम्बा सफेद कालर पहन रखा था। मेरी ने उसे तुरन्त पहचान लिया। वह अपने आपको अवतार कहता था और उसका नाम जोजेफ स्मिथ था। वह मारमन लोगो का सरदार था जिन्होने नाउवू के स्थान पर एक समृद्ध समुदाय की नीव रखी थी।

मेरी के लिए जोजफ स्मिथ की याद उन दिनो की याद के साथ सम्बद्ध थी जब वह साइमन फ्रासिस के घर अब्राहम से लुके-छिपे मिला करती थी, क्योकि उन्ही दिनो साइमन जान सी० बेनेट के पत्र प्रकाशित किया करता था जो जोज़ेफ स्मिथ पर यह आरोप लगाता था कि उसने ही मिसूरी के पुराने गवर्नर बोग्स को गोली मार देने का आदेश दिया था और यह भी कि इस अवतारी पुरुष ने शत्रुओ का वध करने के लिए एक दल बना रखा था, गिरजाघरो की सहायता के लिए वेश्याओ के अड्डे खोल रखे थे और एक पश्चिमी नस्ल बनाई थी, जिसका उसे सम्राट बनना था। अब्राहम ने साइमन से कई बार अनुरोध किया था कि वह उन पत्रो को प्रकाशित न करे, किन्तु साइमन ने जिद की। तब यद्यपि देर तो हो ही गई थी किन्तु फिर भी फोर्ड ने इस आधार पर स्मिथ की गिरफ्तारी के वारट जारी कर दिए कि उसने गवर्नर बोग्स के वध के प्रयत्न मे दुष्प्रेरणा दी थी।

मेरी डगलस का साथ छोडकर अपने पति के पास चली गई, 'अब्राहम, क्या मैं उससे मिल सकती हू ?'

'देखो मौली, श्री स्मिथ के बारे मे यह सुना है कि उसकी सात पत्निया है और मेरी तो बस एक ही नन्ही-सी पत्नी है। क्या मै विश्वास रखू कि तुम इस प्रकार दो ही मास पश्चात् मुझे वापस बटलर के पास नही भेज दोगी ?'

'तुम्हे कही भी वापस भेजना अब मेरे वश की बात नही है किन्तु मै एक बात अवश्य स्वीकार करती हू कि मैं इस व्यक्ति के प्रति आकर्षित हुई हू इसलिए कृपया मुझे उससे मिलने दीजिए।'

जोज़ेफ स्मिथ ने पूरी शान के साथ मेरी का परिचय प्राप्त किया और अब्राहम बेंजामिन एडवर्ड से मिलने के लिए एक ओर को चला गया। मेरी यह अनुभव कर रही थी कि वह अत्यन्त सुन्दर तथा आकर्षक नीली आखो की ओर ही एकटक देखे जा रही है और ऐसी आखे उसने पहले कभी न देखी थी। क्या सचमुच ही इस व्यक्ति को ईश्वर ने अवतार बनाकर भेजा था ? क्या उसी ईश्वर

ने सचमुच उसे मोरोनी देवता के गुप्त खजाने तक पहुचा दिया था और फिर उसे यह शक्ति प्रदान कर दी थी कि वह उस खजाने का भेद पता लगा सके ? क्या मारमन लोगो की पुस्तक नया विश्वसनीय बाइबिल बन जाएगी ? निस्सदेह हजारो श्रेष्ठ तथा ईमानदार लोगो का यही विश्वास था और अधिकाधिक लोग प्रतिदिन इस धर्म को ग्रहण कर रहे थे।

वह बोली, 'क्या मै स्प्रिङ्गफील्ड मे आपका स्वागत कर सकती हू ? हममे से बहुत-से यह अनुभव करते है कि आपको अत्यन्त कष्ट दिया जा रहा है।'

'धन्यवाद श्रीमती लिंकन' उसकी आवाज मे रौब और प्रभाव था, 'ईश्वर ने हमे स्प्रिङ्गफील्ड मे मित्र प्रदान किए है।'

'इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात तो यह है कि ईश्वर की कृपा से कानून भी आपके पक्ष मे है। श्री लिकन का यह विश्वास है कि इलीनाइस के किसी भी कानून के अनुसार आपको मिसूरी वापस नही भेजा जा सकता।'

स्मिथ के चेहरे पर एक व्यग्यभरी मुस्कान फैल गई।

'श्रीमती लिकन, यदि जीवन मे कभी भी तुम्हे अपने प्रिय गिरजो, पादरियो तथा प्रेस्बीटेरियन धर्म की असत्यता का ज्ञान हो जाए तो नाउवू चली आओ और मै तुम्हे बताऊगा कि सच्चा धर्म क्या है ?'

'आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।' उसने बडे शिष्ट भाव से उत्तर दिया, 'यह सोचना सदा प्रसन्नता की बात होती है कि हमारे लिए भी कही कोई स्थान है।'

जब श्री स्मिथ आगे चले गए तो मेरी अब्राहम के पास चली आई जहा वह बेजामिन एडवर्ड और उसकी पत्नी हेलेन के साथ खडा था। हेलेन ने बडे उत्साह से उसका स्वागत करते हुए कहा, 'मेरी, बेन और मैने होगेन हाउस खरीद लिया है।'

अकस्मात् मेरी की आखो मे आसू उमड आए-किन्तु उसने उन्हे जबरदस्ती रोक दिया।

बेजामिन बोला, 'मेरे पास और भी समाचार है। तुम्हारे चचेरे भाई स्टुअर्ट ने मुझसे पूछा है कि जब वे वाशिगटन से वापस आ जाएगे तो क्या मैं उनका साझेदार बन सकूगा ?'

मेरी ने उसकी बात समाप्त होते ही पूछा, 'क्या इसका यह अभिप्राय है कि वे दोबारा काग्रेस का चुनाव नही लड रहे ?'

'हा ! उन्होने कहा है कि दो बार सदस्य बन लेना पर्याप्त है ।' एडवर्ड ने अब्राहम की ओर देखते हुए कहा, 'क्यो लिकन, इस बार तुम्हारी बारी है ?'

'निश्चय ही मैं ऐसी आशा करता हू । यदि कोई तुमसे कहे कि लिकन काग्रेस का सदस्य नही बनना चाहते तो तुम उससे कह देना कि मुझे पता है कि वह अवश्य सदस्य बनना चाहता है ।'

जब आरकेस्ट्रा ने दोबारा धुन बजाई तो बेन और हेलेन बाहो मे बाहे डाले नृत्य करते हुए दूर चले गए । चेहरे पर लज्जाभरी लालिमा लिए मेरी अब्राहम की ओर देखने लगी ।

'तुम्हारे चुनाव की खुशी मे हम ऐसे ही नृत्य का आयोजन करेगे और स्प्रिगफील्ड का सारा समाज उस उत्सव को मनाने मे तुम्हारी सहायता करेगा ।'

'हा, क्यो नही श्रीमती लिंकन, मुझे अब भविष्य की ओर तेज़ी से बढना होगा । अगले अगस्त मे काग्रेस के चुनाव लडे जा रहे है···और मेरे बच्चे का जन्म भी हो गया होगा क्या यह अगस्त मे ही अच्छा सगुन होगा ? सबसे पहले वही मुझे माननीय लिकन कहेगा ।'

३६

अपने पति के साथ नव वर्ष दिवस के अवसर पर लोगो के यहा जाना कितना अच्छा लगा और मेरी को दरवाजो के बाहर बधी हुई टोकरियो मे श्री और श्रीमती लिकन लिखकर छोड़ आने मे कितनी प्रसन्नता अनुभव हुई !

वे रात को प्राय: नौ बजे ग्लोब होटल मे वापस आए । रात की ठण्डी हवा मे वे दोनो बाहो मे बाहे डाले सैर करने चले आ रहे थे । ग्लोब होटल ऐडम्स स्ट्रीट पर एक लोहार की दुकान के निकट था । उसकी इमारत दुमजिली थी । उसके बाहर ताड तथा अन्य प्रकार के वृक्ष लगे हुए थे । हर दूसरे या तीसरे वर्ष उसे कोई नया व्यक्ति खरीद लेता था और हर नया स्वामी कुछ न कुछ कमरे बनवा देता था, जिसका परिणाम यह था कि अब वह बडे खलिहान जैसा दिखाई

देने लगा था। किन्तु अन्दर से यह आरामदेह था। अन्दर प्रवेश करते ही बाईं ओर स्त्रियो के लिए कमरा था। उसके आगे खाने का कमरा था जो ऐडम्स स्ट्रीट की ओर खुलता था। ऊपर की मज़िल के लिए एक कोने से सीढी जाती थी और ऊपर की मजिल मे एक तग बरामदे के दोनो ओर कमरे बने हुए थे। उन कमरो मे केवल स्थायी अतिथि ठहर सकते थे जैसे खुद लिकन-दपति, ब्लेडसो का परिवार, श्रीमती बार्नेडो, एक विधवा, जो प्यानो बजाने मे प्रवीण थी। वही जस्टिस बटरफील्ड जैसे वकील और न्यायाधीश नैथेनियल पोप भी रहते थे। ऊपर की मज़िल मे रहने का सबसे बडा लाभ यह था कि नित्यप्रति नये आने वाले और कमरे खाली करने वाले लोगो के ऊधम से बचाव रहता था। पर मेरी के विचार मे उस ऊधम-भरे शोर के स्थान पर ऊपर की मज़िल वालो को अक्सर वह घण्टी सुननी पडती थी जो किसी भी घुडसवार यात्री के आने पर या किसी बग्घी के आने पर भवन के ऊपर बजती थी। इस घण्टी की रस्सी नीचे बेच के साथ बधी हुई थी और वही से रस्सी हिलाने पर घण्टी बजा करती थी।

एलेजबेथ और फ्रासेस की तरह मेरी के दिन भी आराम से गुज़रे। उनका बाहर आना-जाना भी होता रहता था अर्थात् एन रोडनी के विवाह के अवसर पर गए, एलेजबेथ की बेटी के धर्म ग्रहण सस्कार के अवसर पर दी गई पार्टी मे भी गए और फिर रिप्रेजेन्टेटिव हाल मे हुए गाने-बजाने के कार्यक्रम, वाटसन के घर हुए मेले तथा अन्य ऐसी अनेक पार्टियो मे ये लोग जाते ही रहते थे। किन्तु अपने कमरे मे ही अब्राहम के सहवास मे जो शाम गुजरती थी मेरी उससे भी अत्यधिक आनन्द प्राप्त करती थी। अब्राहम मेज को अगीठी के समीप सरका लेता था तथा लोहे की लेखनी और स्याही की दवात लेकर सगमन नगर के व्हिग दल के लिए अपील लिखता रहता था।

लिकन को अपने लेखो मे जितने आनन्द की अनुभूति होती थी और जितना समय वह इस प्रकार लिखने-पढने मे बिताता था उससे मेरी को यह विश्वास हो गया कि वह एक साहित्यिक व्यक्ति है। उसने एक बार मेरी से कहा भी था, 'बचपन से ही मेरे हृदय मे यह महत्वाकाक्षा रही है कि मैं अपनी शैली को उत्कृष्ट बना लू। यही कारण है कि मैं कभी-कभी कविता लिखता हू ताकि मुझे पता लग जाए कि मैं शब्दो मे ध्वनि-साम्य पैदा कर सकता हू या नही किन्तु इसमे

कोई विशेष सफलता नहीं मिली ; अभी तक मैं अपने काम को ही अपना पथ-प्रदर्शक बनाए हुए हू ।'

'किन्तु फिर भी तुम्हारी शैली सरल तथा सुस्पष्ट है। तुम कम से कम शब्दा-डम्बर के साथ विषय के सार का उल्लेख कर देते हो ।'

लिकन ने आभारपूर्ण दृष्टि से उसकी ओर देखा और फिर पलग, फ्रासीसी अलमारी, छोटे-से सोफे और मेज के बीच के तग रास्ते मे टहलता रहा ।

'कितना अच्छा होता यदि मैं व्हिग पार्टी को इस बात के लिए मनवा सकता कि सभी नाम-निर्देशनो के लिए सभा बुलाने की प्रथा बना ली जाए। इससे क्या अन्तर पडता है कि यह योजना पहले स्टीफेन डगलस ने आरम्भ की थी। इससे डेमोक्रेटो को बहु सख्या मे विजय प्राप्त हुई है । मुझे उन्हे यह बात मनवानी होगी कि सघ ही मे शक्ति है और जिस घर मे फूट हो वह खडा नही रह सकता ।'

मेरी की बडी इच्छा थी कि वह लिकन को भाषण देते हुए सुने किन्तु व्हिग पार्टी के जलसो मे स्त्रियों के प्रवेश की अनुमति नही थी । अगले तीन सप्ताहो मे लिकन सगमन जिले मे जलसे करता रहा । व्हिग पार्टी ने उसके दृष्टिकोण को ज्यो का त्यो स्वीकार कर लिया । किन्तु फिर भी जब वह जलसे से वापस आया तो उसके चेहरे पर उदासी थी । मेरी के बार-बार पूछने पर कि क्या बात हुई है, उसने रूखी आवाज़ मे कहा :

'सगमन के रहने वालो ने मुझको तिलाजलि दे दी है" हमारे प्रतिनिधि-मण्डल को यह आदेश मिला है कि एडवर्ड बेकर का समर्थन किया जाए ।' तभी उसका बाया हाथ ऊपर की ओर उठ गया जैसे वह किसी बात को अस्वीकार कर रहा हो, 'आरम्भ मे मेरे पक्ष मे वोट अधिक नही थे। मेरा समर्थन कम होता जा रहा था इसलिए मैने यह निश्चय किया कि इससे पहले कि मै अपना सारा समर्थन खो बैठू उचित यही है कि मै अपना नाम वापस ले लू ।'

मेरी आवेश मे बोली, 'सच ! तुमने ऐसा किया तो नही—तुमको कभी अपना नाम वापस नही लेना चाहिए ।' लिकन ने मेरी की ओर पीठ कर दी और खिडकी से बाहर झाकता रहा, जहा से स्टेट हाउस का दृश्य दिखाई देता था। मेरी ने उसके कन्धे पर हाथ रखा और बोली :

'मुझे क्षमा करना अब्राहम, तुमने जो उचित समझा वही किया किन्तु उन्होने तुम्हारा नाम-निर्देशन रद्द करके अच्छा नही किया ।'

लिंकन के चेहरे पर मुस्कराहट खिल उठी और वह बीच ही मे बोला, 'नही, उन्होने मेरा नाम बिल्कुल रद्द नही किया, उन्होने मुझे पेकिन के जलसे मे प्रतिनिधि नियुक्त किया है ताकि बेकर का नाम-निर्देशन प्राप्त करने के लिए प्रयत्न करते हुए मेरी स्थिति ऐसी हो जैसी दूल्हे के सखा की होती है । मेरे लिए वे दूल्हे भी ऐसे होगे जो मुझे रद्द करके मेरी ही प्रेमिका से विवाह कर रहे होगे ।'

यह जानकर कि लिंकन अपनी असफलताओ पर भी हस सकता है मेरी के चेहरे पर भी मुस्कराहट उभर आई ।

अगले दिन मेरी को पता लगा कि लिकन का नाम-निर्देशन रद्द किए जाने मे उसका अपना भी बडा हाथ रहा था । बेकर के कुछ समर्थको ने यह दावा किया था कि जब से लिकन का विवाह हुआ है, 'वह धन, गर्व और अभिजात परिवार की मान-मर्यादा वालो का प्रतिनिधि बन गया है ।'

उसी शाम खाना खाते हुए मेरी ने दबी आवाज मे कहा, 'तो यो कहो कि उन्होने तुम्हारी जाकट खोलकर देखी और उसमे मै छुपी बैठी थी । विवाह के पश्चात् यह हमारा पहला ही प्रयत्न था और मुझे पूर्ण विश्वास था कि हम सफल होगे ।'

मेरी को इस बात से प्रसन्नता हुई कि अगली सुबह सगमन का सर्किट न्यायालय खुल गया जिसमे लोगन और लिंकन को बहुत-से मुकदमे लडने थे और मेरी को आशा हो गई कि लिंकन जब कार्य मे व्यस्त हो जाएगा तो अपनी हार के बारे मे चिन्तित होना छोड देगा । इन मुकदमो का यह अभिप्राय था कि उन्हे काफी पैसा मिलने वाला था ।

मेरी ने अनुभव किया कि लोगन का साझेदार बनने के बाद लिकन वकालत मे अधिक प्रवीण होता चला जा रहा था और विशेषत: कानून के सिद्धान्तो मे वह अत्यधिक दक्ष बन रहा था क्यो क लोगन जीवनभर कानून के इस पक्ष का छात्र रहा था । मेरी जानती थी कि उसका भाई काम लेने मे बहुत सख्त था और वह लिकन को लम्बी और उलझनभरी वक्तृताए लिखने को दिया करता था। कभी-कभी मेरी को ऐसा भी अनुभव होता था कि लिकन को यह बात बुरी लगती थी कि उसके साथ कानून के साधारण छात्र जैसा व्यवहार किया जाए।

'भाई लोगन कानून से विज्ञान की तरह प्रेम करते है', लिंकन ने एक शाम को शिकायत भरे लहजे मे कहा, 'स्वाध्याय के नाम पर कानून ही है उनके लिए। जब मुझे इतिहास, कविता या राजनीति के विषय पढते हुए देखते है तो समझते है कि मै व्यर्थ समय गवा रहा हू।'

मेरी आशा करती थी कि लिंकन उसके पिता की तरह अपने साथ अपने साथी विख्यात वकीलो, राज्य अधिकारियो और व्यापारियो को घर पर लाया करेगा किन्तु साइमन फ्रासिस के सिवाय कोई भी अन्य मेहमान उनके घर नही आता था। ऐसा प्रतीत होता था कि उसका पति अपनी मैत्री को घर से बाहर रखना ही पसद करता था। वह इन लोगो को राज्यगृह की लाबी, जरनल के दफ्तर, डाकघर, दवाइयो की दुकानो और गलियो की नुक्कडो पर ही मिल लिया करता था। एडविन वेब के कथनानुसार वह अब भी पुरुष-प्रधान पुरुष ही था।

उन्हे अनेक भोजो और नृत्य के कार्य-क्रमो मे आमन्त्रित किया जाता था किन्तु वह उनके बदले मे लोगो को आमन्त्रित करना भी आवश्यक नही समझता था। एक ही बार मेरी ने अपने परिवार को ग्लोब होटल मे भोज पर आमन्त्रित किया था। अन्यथा लिकन पार्टिया आदि देना पसद नही करता था। इसी कारण गत एक-दो सप्ताह मे कुछ प्रतिष्ठित लोगो की पार्टियो मे श्री तथा श्रीमती लिंकन को आमन्त्रित नही किया गया था।

मेरी इस बारे मे लिंकन से कुछ न कहती थी क्योकि वह बडी पार्टियो को पसद ही नही करता था। वह कहा करता था कि ग्लोब होटल मे उनके आकर रहने का एक यह भी कारण था कि उन्हे प्रति सप्ताह केवल चार डालर व्यय करने पडते है जिससे वे पैसा बचाकर अपना ऋण चुका सके और कुछ पैसा बचाकर रख भी सके। किन्तु जब उन दोनो को जान-बूझकर विलियम थोर्नटन की पार्टी मे नही बुलाया गया जो वही ग्लोब मे ही हुई थी और जिसमे राजधानी के सभी डाक्टर, वकील और प्रतिष्ठित व्यक्ति आमन्त्रित किए गए थे, तब मेरी ने सोचा था कि थार्नटन का यह व्यवहार उचित ही था क्योकि उसने उन्हे अमेरिकन हाउस मे दो भोजो पर आमन्त्रित किया था किन्तु लिंकन ने उसे कभी कोई पार्टी नही दी थी। इस अवसर पर मेरी ने लिंकन से इस विषय मे बातचीत करने का निश्चय कर लिया।

जिस रात खूब बर्फ पड रही थी और तूफान खिड़कियो को तोड रहा था,

बाहर गहन अधकार तथा अगीठी की आग का ताप भी कम हो रहा था, मेरी ने यह बात आरम्भ की .

'लिकन, क्योकि तुम न्यू सलेम का सारा ऋण चुका देना चाहते हो और हमारा हाथ इतना अधिक तग रहता है तो तुम क्यो मुझे इडियाना की भूमि नही बेचने देते ? फिर हम ताजेदम से स्वतत्रता का जीवन व्यतीत कर सकेगे ।'

एक पुस्तक पढते-पढते लिंकन ने उसपर से दृष्टि उठाई । उसके चेहरे पर असमजस का भाव झलक रहा था । वह सोच रहा था कि इस विषय को इस समय उठाने की क्या आवश्यकता पडी है ।

'नही मेरी, मै तुम्हे अपनी भूमि बेचने की अनुमति नही दे सकता और न उस राशि से तुम्हे अपने ऋण चुकाने की अनुमति दे सकता हू क्योकि वह ऋण मेरा है और मुझपर ही उसका दायित्व है ।'

मेरी ने तुरन्त उत्तर दिया, उसके लहजे मे गम्भीरता थी, 'मैं तुम्हारे तर्क को नही समझ सकी । यदि तुम वर्तमान आय मे से बीते दिनो का ऋण चुकाते हो तो क्या वे ऋण तुम्हारी ही तरह मेरे भी नही हो जाते ? मैं यह तो समझती हू कि तुमने जो कुछ लोगो का देना है उससे तुम उऋण होना चाहते हो किन्तु मेरा पालन-पोषण ऐसे वातावरण मे हुआ है जिसमे मै एक और दायित्व को निभाना भी उन ऋणो के समान ही अपना कर्तव्य समझती हू । यह मेरा सामाजिक दायित्व है ।'

मेरी ने देखा लिंकन की भौहे तन गई थी और वह पुन पुस्तक पढने मे लग गया ।

मार्च मास के मध्य मे उसको बहिन एन एडवर्ड के घर मे खाली जगह भरने के लिए आ गई । गत साढे तीन वर्ष मे, जब से मेरी उसे छोडकर आई थी, उसमे कोई भी परिवर्तन न हुआ था । अब भी उसका मुह पतला और नक्श तीखे थे तथा वक्ष प्राय समतल था । मेरी ने उसे ग्लोब मे खाने पर आमन्त्रित किया ताकि वह अब्राहम से मिल जाए । कुछ मिनट पश्चात् अब्राहम अपने कुछ मित्रो के साथ आया और दरवाजे मे ही खडा उनसे बाते करता रहा ।

एन ने पूछा, 'इनमे से लिंकन कौन है ?'

वह जो सबसे लम्बा है 'और जिसके काले बालो का गुच्छा माथे पर लटक रहा है ।'

एन अपने नये बहनोई को ध्यानपूर्वक देखती रही और उसे इतनी अधिक निराशा हुई कि उसने उसे छिपाने तक का प्रयत्न न किया। वह बोली, 'सावले और झुर्रीदार चेहरे वाला तो नही ? ऐसी अप्रत्याशित पसद से तुम स्प्रिङ्गफील्ड के अविवाहित लोगो मे मेरी तो क्या सहायता कर सकोगी ।'

मेरी ने पैनी दृष्टि से बहिन के वक्ष की ओर देखा और अत्यन्त तीखे स्वर मे कहा, 'एन, यदि तुममे मनुष्यता का लेशमात्र भी होता तो तुम ऐसी कठोर बात कहना तो अलग रहा उसकी कल्पना भी न कर सकती ।'

किन्तु इस वाक्य का एन पर कुछ भी प्रभाव न पडा और अब्राहम ने भी उसकी आखो मे व्यक्त हुए निराशा के भाव को भाप लिया ।

'मेरा विचार है कि मै तुम्हारी छोटा बहिन के लिए निराशा का कारण बना हू । मेरी, सोचता हू कि सरकारी वकील ने कल जो बात कही थी वह इसे भी बता दू ।—एक कुरूप व्यक्ति अपने गुणो के सहारे जीता है । प्रकृति ने उसके लिए कुछ नही किया होता इसलिए वह सोचता है कि वह शिष्टाचार और अच्छे स्वभाव से जीवन मे इस रूप की कमी को पूरा कर सके । दूसरी ओर एक सुन्दर व्यक्ति अपने सौन्दर्य से यह आशा करता हैं कि वही उसे मस्तिष्क, हृदय और सब कुछ प्रदान करेगा ।'

एन क्षण भर इस वाक्य पर मनन करती रही। उसकी आखे झुक गईं, फिर उसने सिर उठाकर ऊपर देखा। लिंकन के चेहरे पर मुस्कराहट थी। एन भी मुस्करा उठी । मेरी ने अनुभव किया मैं तो क्रोध को क्रोध से समाप्त करना चाहती हू किन्तु वह क्रोध को मुस्कराहट से दबा देता है ।

अप्रैल मास के आरम्भ मे अब्राहम और नगर के बहुत-से वकील सर्किट न्यायालय के मुकदमो के सम्बन्ध मे बाहर चले गए । मेरी ने उससे अनुरोध किया कि वह घोडे-से यात्रा करने की वजाय ग्लोब होटल के तबेले मे से एक बग्घी किराए पर ले ले । उसका जो पहला पत्र आया उसमे सडको की बुरी हालत, गहरी दलदलो, भयानक पुलो तथा भरे हुए नदी-नालो का उल्लेख था । सगमन नदी से एक या दो मील परे वह एक दलदल मे फस गया था जब कि घोडा भी गिर गया था और बग्घी का बम टूट गया था। दूसरे दिन जब एक

पहाडी के ढलान से उसकी बग्घी तेजी से नीचे उतर रही थी तो उसका पहिया निकल गया था और उसने पूछा था कि क्या वह अगली बार घोडे पर यात्रा करे क्योकि न तो घोडे का बम टूट सकता है और न ही पहिया उतर सकता है।

मेरी को उसकी याद सताती रही किन्तु वह कभी अकेली न रही। वह मध्याह्न पश्चात् का समय एलेजबेथ या फासेस के घर मे भावी बालक के लिए कपडे सीने मे बिताती थी। जब कभी वह कुछ बीमार होती तो उसकी पडोसिन हैरियट ब्लेडसो उसका ध्यान रखती थी। सप्ताह मे एक दो-बार वह अपने मित्रो अर्थात् मर्सी कोकलिग या हेलेन एडवर्ड को दोपहर के खाने पर बुला लिया करती थी। वह इन अतिथियो का व्यय बिल मे लिखाने की बजाय अपने पास से कर दिया करती थी।

एक दिन दोपहर के समय मर्सी बडे प्रसन्न भाव से एक पत्र हवा मे लहराती हुई उसके पास आई। दोनो के पति वहा से लगभग साठ मील उत्तर मे ब्लूमिगटन मे थे, जहा उन्हे पूरा सप्ताह मुकदमो के सिलसिले मे रहना था।

'मेरी, तुमने अवश्य अपने पति को अपने वश मे कर रखा है। देखो जेम्स का यह पत्र मुझे अभी-अभी मिला है।'

मेरी ने वह पत्र उसके हाथ से ले लिया और मर्सी जिस पक्ति की ओर सकेत कर रही थी, उसे पढा·

'मै सोमवार मध्याह्न पश्चात् ब्लूमिगटन पहुच गया था और मैने देखा कि लिंकन घर की याद मे बहुत उदास था और बार-बार दक्षिण की ओर मुड-मुड-कर देख लेता था।' मेरी की आखे भर आईं।

अब्राहम को व्हिग दल के एक जलसे के लिए मई के आरम्भ मे पेकिन पहुचना था। जब मेरी अपने वस्त्र बदल रही थी तो सीढियो पर कदमो की जानी-पहचानी आवाज सुनकर चौकी। उसने जल्दी से दरवाज़ा खोला तो सामने अब्राहम थका-मादा धूलि-धूसरित अवस्था मे खडा था। उसने एकदम बढकर मेरी को उठा लिया और अगीठी के सामने रखी हुई आरामकुर्सी मे उसे अपनी गोद मे लेकर बैठ गया फिर उसके नर्म-नर्म चेहरे को अपनी खुरदरी दाढी से रगडने लगा। जब मेरी को कुछ सास लेने का अवकाश मिला तो वह बोली:

'तुमने वापस आने का कैसे प्रबन्ध किया—क्या तुम्हे लिविङ्गस्टन मे नही पहुचना था ?'

'मै तुम्हारा बिछोह सहन नही कर सका । जब शुक्रवार को न्यायालय बद हुआ तो मैने एक घोडा किराये पर ले लिया''''मैं जानता था कि मै यह साठ मील की यात्रा पैदल न कर सकूगा । अब हमारे पास आज और कल दो दिन है, पश्चात् मै फिर चला जाऊगा ।'

जब वह नीचे स्नानागार मे स्नान कर रहा था, मेरी ने उसके नये वस्त्र सोफे पर रख दिए और मन ही मन प्रसन्न भाव से सोचनी लगी, केवल अब्राहम ही एक ऐसा वकील है जो सप्ताह की छुट्टी मे अपनी पत्नी से मिलने के लिए घर चला आया है । ईश्वर मुझे मेरे आत्माभिमान के लिए क्षमा कर दे किन्तु मै तो नगर-नगर इस बात का ढिढोरा पीटूगी ।

३७

वसन्त ऋतु का आगमन हुआ तो मेरी को सिर दर्द रहने लगा । उसका एक मुख्य कारण ग्लोब होटल के ऊपर बजने वाली वह घण्टी भी थी । जब वह घण्टी उसे नीद से जगा देती थी तो मेरी कापते हुए उठकर बैठ जाती थी । उसके हाथ-पाव ठण्डे पड जाते थे । वह रात के समय कम्बल ओढे हुए भी कापती रहती थी और अपने आपको गर्मी पहुचाने के लिए अपने पति के शरीर से लिपट-कर सोती थी । जहा तक हो सका उसने अब्राहम को अपने इस कष्ट के बारे मे नही बताया किन्तु जब एक दिन वह दोपहर के समय घर आया तो उसने देखा कि खिडकियो पर पर्दे पडे हुए है और मेरी मुह पर चादर ताने लेटी है । उस समय मेरी को बताना पडा कि अत्यधिक दर्द के कारण उसे प्रकाश और शोर से दूर रहना पडता है ।

ग्लोब होटल का बावर्ची चला गया तो उसके स्थान पर रसोइया नियुक्त किया गया । मेरी नही जानती थी कि उसकी अपनी हालत ही खराब थी अथवा खाना अच्छा नही था किन्तु खाना उसे स्वादिष्ट नही लगता था । वह रसोइया अत्यधिक मसालो का प्रयोग करता था जिससे गेहू के केक पीले पड जाते थे

और छोटे केको मे कड़वाहट आ जाती थी।

एक दिन मेरी ने क्रोध मे कहा, 'यह अच्छा है कि हमारे शरीर शीशे की बोतलो की तरह ढकने से बद नही है, नही तो अन्दर ही अन्दर खमीर पैदा होने से हम फट जाते।'

'ब्ल्यू ग्रास के टाड-परिवार की मेरी टाड, क्या बात है कि आज मैं पहली बार तुम्हारे मुह से ऐसा परिहास सुन रहा हू ?'

मेरी को अब यह भी बुरा लगता था कि वह इस प्रकार बढे हुए पेट के साथ दिन मे तीन बार बरामदे मे से गुज़रकर खाना खाने जाए। नीचे खाने के कमरो मे कई पुरुषो की दृष्टिया उसकी ओर उठ जाती थी। एक बार जब वह पुरुषो के कमरे के पास से गुजर रही थी तो उसे यह शब्द सुनाई पडे :

'श्रीमती लिंकन ने ज्योही लिकन को देखा होगा वह गर्भवती हो गई होगी।'

इस वाक्य पर जो हसी के फव्वारे छूटे उसे सुनकर मेरी के शरीर मे घृणा की आग-सी लग गई। उससे भोजन का एक ग्रास भी न खाया गया और जब लोग उसकी पीठ पीछे अगुलियो पर दिन गिना करते थे तो मेरी की स्थिति और भी बुरी होती थी। लोगो को पता था कि उनकी शादी बहुत जल्दी मे की गई थी और मेरी समझती थी कि ये लोग यह जानने के लिए समय का हिसाब लगाते हैं कि कही यह बच्चा अवैध तो नही। इस विचार से मेरी के हृदय का चैन नष्ट हो गया किन्तु फिर भी वह उनके विरोध मे एक शब्द भी न कह सकती थी और न ही अपने परिवार तथा पति से कुछ कह सकती थी। क्योकि उसके चचेरे भाई स्टुअर्ट की पत्नी और उसकी बहिन फ्रासेस ने भी इसी कमरे मे इसी पलग पर अपने बच्चो को जन्म दिया था।

वह डाक्टर वालैस से मिलने गई और उसने अपने जीजा को सब कठिनाइयां बताईं और यह भी बताया कि जिन कठिनाइयो मे उसकी पत्नी बेचैन नही हुई थी उन्हीके कारण वह बहुत अशान्त रहती थी।

'विलियम, एक डाक्टर के नाते बताओ कि मुझे यह क्या तकलीफ है।'

डाक्टर वालैस की आखो मे आखे डालकर बातचीत नही की जा सकती थी। उसकी दाई पलक ऊपर की ओर उभरी हुई और बाई पलक नीचे की ओर झुकी हुई, उसकी दृष्टि मे एक असमजस पैदा कर रही थी। यद्यपि वह अपने स्वास्थ्य को बहुत अच्छा न बना सका था किन्तु उसने बहुत-से लोगो को रोगो

से मुक्त कराया था। वह एक औषधालय का स्वामी होते हुए और स्वय डाक्टरी का धन्धा करते हुए भी रोगियो से यही अनुरोध करता था कि वे दवाइयो और डाक्टरो से दूर रहा करे :

'मेरी, यदि तुम अपने शारीरिक स्वास्थ्य अथवा बच्चे के स्वास्थ्य के बारे मे चिन्ता कर रही हो तो वह चिन्ता छोड दो। अनुमान लगाओ कि यदि एक व्यक्ति की टाग बुरी तरह टूट जाए, बिल्कुल ऐसे ही जैसे की अब्राहम की जुदाई मे तुहारे स्नायु-मडल पर आघात पहुचा है, तो उस टूटी हुई टाग मे शक्ति आने मे कुछ देर लगेगी और यदि उसे गहरी चोट आ गई हो तो थोडा-सा लगडापन सदा के लिए बना रहेगा। ठीक है ना।'

'कहते जाओ विलियम।'

'मेरी, मै यह कहने का प्रयत्न कर रहा हू कि जिन बीस महीनो मे तुम्हे अत्यधिक तनाव सहना पडा उन दिनो तुमने अपने आपको इतना अधिक रोगी बना लिया था मानो तुम डिपथेरिया (कठ रोग) की बीमार हो। अब्राहम के साथ पुर्नमिलन और विवाह से तुम्हारा वह रोग तो समाप्त हो गया किन्तु उसका अभिप्राय यह नही कि तुम बिल्कुल रोगमुक्त हो गईं।'

'विलियम, मुझे बिल्कुल स्वस्थ होने मे कितना समय लगेगा ''ऐसा स्वस्थ होने मे कि वह बिछोह कभी याद ही न आए ।'

'यह कहना तो कठिन है मेरी, इसके लिए तुम्हे बहुत समय शान्ति का वातावरण मिलना चाहिए ।'

मेरी धीरे-धीरे ग्लोब होटल की ओर चल पडी। वसन्त ऋतु का सूर्य अपने प्रकाश से उसके चेहरे और थकी हुई आखो को उल्लास प्रदान कर रहा था। वह नीचे थोडी देर यह कहने के लिए रुकी कि श्रीमती बेक को उसके पास भेज दिया जाए। श्रीमती साराह बेक लम्बे कद की स्त्री थी। उसके बाल भूरे रग के थे और उसके चेहरे पर कठोरता के चिह्न दिखाई देते थे। बहुत समय हुआ उसका पति स्वर्ग सिधार गया था और उसने ही साराह बेक को पेनसिलवानिया और वेस्ट वर्जीनिया राजपथ पर होटल का प्रबन्ध करना सिखा दिया था।

मेरी अभी अपनी आरामकुर्सी पर लेटी ही थी कि श्रीमती बेक ने दरवाज़ा खटखटाया और दरवाज़ा खोलकर वही खडी हो गई। मेरी ने उसे बताया कि वह कुछ विशेष सेवाए चाहती है। यद्यपि वह जाननी थी कि उन सेवाओ के प्रबध

की वहा व्यवस्था नही है किन्तु उसके स्वास्थ्य के लिए उनकी आवश्यकता है और उनके लिए वह पैसे देने को भी तैयार है ।

श्रीमती बेक ने गभीर आवाज़ मे उत्तर दिया, 'एक गर्भवती स्त्री को इसका अधिकार है ।'

मेरी ने तब कहा कि उसका भोजन उसके कमरे मे ही भेजा जाए और उसे अपने कमरे मे ही कपडे आदि धोने तथा सफाई का सामान लाने की अनुमति दी जाए ।

अब मेरी बरामदे मे केवल एक बार जाती थी और वह भी जब लोग वहा नही होते थे अथवा जब वह एडवर्ड-परिवार, मर्सी या जूलिया से मिलने जाती थी। पहले तो उसने अब्राहम से कहा कि वह दोपहर का खाना तथा शाम का खाना उसके साथ ही खाया करे किन्तु शीघ्र ही उसने यह अनुभव किया कि वह उसे अपनी मित्रमडली मे खिलखिलाकर हसने, तर्क-वितर्क करने और लम्बी-चौडी कहानिया कहने के आनन्द से वचित कर रही है। वह राज्य भर से आने वाले अपने मित्रो से मिलना पसद करता था जो उसे राजनैतिक गठजोड, व्यापार और होने वाले मुकदमो के बारे मे समाचार दिया करते थे अत मेरी ने उसे अनुमति दे दी कि वह अपने मित्रो मे बैठकर खाने के कमरे मे ही खाना खाया करे ।

अब उन्हे कही आमन्त्रित भी नही किया जाता था । छ मास तक किसी-से भी पार्टी का आदान-प्रदान न होने के कारण उसका सम्बन्ध केवल अपनी बहनो, चचेरे भाइयो और साइमन फ्रासिस के साथ ही रह गया था और हर शुक्रवार को रात का खाना तो वे साइमन फ्रासिस के घर ही खाया करते थे ।

मेरी उस दिन की प्रतीक्षा कर रही थी जब कि उसे पूरा विश्वास था कि बच्चे का जन्म होने पर उनका, 'चिन्ताओ से मुक्त वर्ष !' समाप्त हो चुका होगा और वह अब्राहम से अनुरोध करेगी कि अब अपना कोई घर बनाया जाए और फिर वह समाज मे उचित स्थान ग्रहण कर सकेगी ।

अब्राहम जब पेकिन के जलसे से लौटा तो उसके चेहरे पर बाल-सुलभ भाव थे। मेरी के चचेरे भाई जान जे० हार्डिन को एडवर्ड बेकर की अपेक्षा अधिक समर्थन प्राप्त हुआ था । इसलिए अब्राहम ने बेकर से अनुरोध किया था कि वह हार्डिन का नाम निर्देशित कर दे । फिर उसने यह प्रस्ताव पेश किया था कि सभा शिफा-रिश करती है कि १८४४ के चुनाव मे काग्रेस मे हाउस आफ रिप्रेजेन्टेटिव के

सदस्य के रूप मे निर्वाचित होने के लिए बेकर ही उपयुक्त व्यक्ति है और व्हिग दल उसके पक्ष मे ही मत दे।

मेरी ने जोर से सिर को ऊपर-नीचे हिलाते हुए यह कहा, 'तो मै समझी कि बारी की यह प्रणाली है। इसका अभिप्राय यह है कि भाई हार्डिन और बेकर १८४६ मे तुम्हारा समर्थन करेगे।'

'यदि मै अपनी पूरी शक्ति से इन दोनो का समर्थन करू तो वे भी मेरा इसी प्रकार से समर्थन करेगे।'

मेरी को स्मरण हो आया कि यही योजना स्टीफेन डगलस ने अपने लिए बनाई थी।

तब तो हमे अपनी बारी के लिए चार वर्ष प्रतीक्षा करनी पडेगी। लिकन ने इस प्रकार अपनी लम्बी अगुलियो वाले हाथ फैला दिए जैसे वह अपनी बेबसी को प्रकट कर रहा हो।

'मौली, मै इसके सिवाय कर ही क्या सकता हू? मेरा वहा तीसरा नम्बर था। इस तरह कम से कम हम एक लक्ष्य की पूर्ति के लिए तो काम करेगे।'

'किन्तु तुम इस व्यवस्था के साथ ठीक इस तरह का व्यवहार करना जैसे स्टीफेन डगलस डेमोक्रेटो के साथ कर रहा है। तब तुम्हे केवल एक पदावधि के लिए घोषणा नही करनी पडेगी।'

लिकन दबी आवाज मे बोला, 'जो कुछ दूसरे लोगो ने किया है मुझे वही कुछ करना होगा। भाई लोगन भी तो काग्रेस मे जाना चाहते है।'

मेरी विशेष अन्दाज मे बोली, 'मुझे यही कहना पडेगा कि मै समझती थी कि माताओ को नौ मास तक बच्चे को सभालने मे बहुत धैर्य रखना पडता है किन्तु मेरी तुलना मे तुम तो काग्रेस का सदस्य बनने के लिए चार साल के लिए प्रतीक्षा कर रहे हो। और तुम्हारी पदावधि समाप्त होने के पश्चात् हम कहा होगे इसका कुछ पता नही।'

लिकन की आखो मे एक चमक-सी पैदा हो गई।

'मै यही प्रश्न तुमसे पूछूगा मेरी, बच्चे का जन्म हो जाने के पश्चात् हम यहां से कहा जाएगे? यह तो स्पष्ट है, हमारे और बच्चे होगे। यदि हमने पहले से योजना बनाई तो हमे और पद भी प्रप्त होगे' '

'अब्राहम, तुम ठीक ही तो कहते हो। किन्तु एक बात से मुझे प्रसन्नता ही हुई है कि काग्रेस का सदस्य बनना जितना कठिन है उतना कठिन मां बनना नही है।'

३८

एक सुबह अकस्मात् गर्मियो का आरम्भ इस प्रकार हुआ जैसे आकाश से एकदम तूफान टूट पडता है। मेरी प्रतिदिन अपना कमरा साफ करती, बिस्तर की चादरे बदल देती ताकि कमरा साफ और ठडा रहे। दिन मे दो बार गुनगुने पानी से स्नान करती और शाम के समय अपनी पडोसिन श्रीमती बर्नडाट से प्यानो सीखती।

लोगन और लिकन का काम इतना अधिक बढ गया था कि वे पोस्टआफिस के ऊपर सिक्स्थ ऐण्ड एडम्स के बडे कमरो मे अपना दफ्तर ले गए थे। वह कमरा स्टेट हाउस के बिल्कुल सामने था। मेरी अपने होटल की पूर्वी खिडकी से उन दफ्तरो को देख सकती थी। अब्राहम फर्म के लिए सर्किट न्यायालय का दौरा करता था और उसके अतिरिक्त स्प्रिङ्गफील्ड मे मुकदमो की कार्यवाही और पत्र-व्यवहार करता था क्योकि लोगन राज्य-विधान सभा मे व्यस्त था। वह नित्यप्रति के कारनामे, ठेके, गिरवीनामे लिखने का ही काम करता था जो कि बडा नीरस-सा काम था। लिकन को यह बात अखरती थी कि लोगन कार्यालय की आय का तीसरा भाग उसे देता था।

'दो वर्ष पूर्व जब हमने काम आरम्भ किया था तो यह व्यवस्था उचित थी क्योकि अधिकतर मुकदमे उसके थे किन्तु अब तो मै अपना पूरा बोझ उठा रहा हू।'

आय का यह असमान वितरण मेरी के लिए एक नई बात थी।

'क्या आप भैया लोगन से इस बारे मे बात नही कर सकते ?'

'नही, मै करना ही नही चाहता, मै चाहता हूं कि उन्हे स्वय इस बात का

ध्यान आए। उनका लडका डेविड अगले वर्ष वकालत का लाइसेन्स ले रहा है। भैया लोगन उसे भी दफ्तर मे शामिल करना चाहते है। उस समय सारी व्यवस्था नये सिरे से की जाएगी।'

अगले प्रात: नाश्ते के पश्चात् ग्लोब के पते पर लिकन के नाम एक लिफाफा मिला जिसके बाये कोने पर 'महत्वपूर्ण' शब्द छपा हुआ था। मेरी ने धारीदार कपडे का लिबास और फूलो से सजा हुआ हैट पहना और दो मुहल्ले पार लिकन-लोगन के दफ्तर मे गई। वह कभी भी वहा ऊपर नही गई थी। उसे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि दफ्तर मे मेज-कुर्सिया कितनी कम और टूटी-फूटी थी। सामने की खिडकी के पास एक डेस्क रखा हुआ था, कमरे के मध्य मे एक मेज और लकडी की लगभग आधी दर्जन कुर्सिया, एक ओर से ऊचे सिर वाला सोफा और डेस्क के समीप ही दीवार के साथ कुछ अलमारिया रखी थी, जिनमे ब्लैकस्टोन की पुस्तके, केट की आलोचनाए, चिटी की प्लीडिंग्स तथा कुछ और निर्देश पुस्तके रखी थी। अब्राहम ने उसे दरवाजे मे देखा तो तुरत उस लम्बे मेज पर से उठ खडा हुआ जहा वह कागजो के पुलिदो के बीच बैठा हुआ काम कर रहा था।

'ओह श्रीमती लिंकन, यह हमारा सौभाग्य है कि तुम वकालत का काम लाई हो। मेरा विश्वास है कि तुम अपने पति के विरुद्ध विवाह-विच्छेद का मुकदमा नही लाई हो।'

'मैं तुम्हारा एक पत्र लाई हू जिसपर 'महत्वपूर्ण' लिखा हुआ है। मैने समझा कि तुम्हे इसकी आवश्यकता होगी।'

स्टीफेन लोगन भी डेस्क पर से उठा। अपने छोटे साझेदार के सामने वह इतना छोटा दिखाई देता था कि मानो दुपहर की धूप मे पडने वाली लिंकन की छाया हो। कद मे बडा दिखाई देने के लिए उसने सिर पर लाल बालो के गुच्छे को ऊपर उठा रखा था किन्तु अब उनका रग उडना आरम्भ हो गया था और उनकी जडे भूरी हो चली थी। वह सूती कमीज और मोटे कपडे की पतलून पहने हुए था। मेरी जो पत्र लाई थी उसे लिंकन ने लोगन को दिखाया। लोगन ने मेरी को धन्यवाद दिया और अपना हैट उठाकर अनुमति मागी तथा बाहर चला गया।

दफ्तर के पिछले भाग मे एक व्यक्ति एक कानून की पुस्तक पर झुका हुआ

था। मेरी की ओर उसकी पीठ थी। उस समय उसने सिर घुमाया और मेरी ने देखा कि वह विलियम हर्नडन था। वह पहले लिंकन और जोश स्पीड के साथ स्पीड की दुकान के ऊपर रहा करता था। यह वही नवयुवक था जिसने कभी बाल्ट्ज़ नृत्य के अवसर पर मेरी की उपमा नागिन से देते हुए कहा था कि वह तो नागिन की ही तरह फिसलती जाती है। उन्होने विरोध भरी दृष्टि से एक दूसरे की ओर देखा। फिर हर्नडन अपनी जगह से उठा और कुछ दिखावे के लिए आदरसूचक रूप मे कुछ झुका तथा मेरी के सामने से होता हुआ बाहर चला गया। तभी मेरी ने भी अपने स्कर्ट को जरा हिलाकर अभिवादन का उत्तर दिया। उसके चले जाने पर मेरी ने पूछा, 'यह इस जगह क्या कर रहा है?'

'क्यो, बिली हमारे साथ कानून का अध्ययन कर रहा है।'

'हर्नडन तुम्हारे दफ्तर मे कानून का अध्ययन कर रहा है ? भला तुमने ऐसे व्यक्ति को स्वीकार कैसे किया है ?'

'पर बिली तो अच्छा लडका है।' लिंकन ने बहुत ही नर्म और स्नेहभरे लहजे मे मेरी को टोक दिया, 'वह अपनी पत्नी और बच्चो का पेट पालने के लिए दिन भर किसी दुकान पर क्लर्की करता था और गत तीन वर्षो से रात को कानून का अध्ययन करता रहा था। जब उसने मुझसे इस अवसर के लिए निवेदन किया तो·· ·।'

'किन्तु ऐसे अनेक नवयुवक होगे जो आपके दफ्तर मे कानून पढने के इच्छुक होगे ··और इससे अधिक सुपात्र होगे · ·· ।'

'जब तुम्हारे चचेरे भाई ने मुझे अपने दफ्तर मे शामिल किया था तो मुझ-मे इसके जितनी भी योग्यता नही थी। सच तो यह है कि बिली को अध्ययन मे अभिरुचि है, बहुत पढता है, पाच ही मिनट मे उसे इतने अधिक विचार और शब्द सूझ जाते है कि उनका वर्णन नही किया जा सकता। शायद पाच आदमी मिलकर भी इस अकेले के जितना न सोच सके। कभी-कभी तो ऐसा प्रतीत होता है कि वह देश भर मे प्रकाशित पुस्तको को पी जाने का प्रयास कर रहा है।'

मेरी ने व्यग्यभरे स्वर मे कहा, 'और बोतलो मे बद पेय को पी जाने की तो बात ही क्या ?'

'मै यह स्वीकार करता हू कि वह कभी-कभी शराब अधिक पी लेता है'

लिकन ने सहनशीलता से उत्तर दिया, 'किन्तु यह केवल इस कारण था कि वह दुकान की क्लर्की से अप्रसन्न था। अब जब से वह हमारे पास कानून का अध्ययन करने लगा है उसका स्वभाव गभीर हो गया है। यदि वह किसी दिन मद्य-निषेध सस्था का सदस्य बन जाए तो कोई आश्चर्य की बात नही होगी।'

मेरी का क्रोध शात हो गया और वह उसकी आवाज मे सत्य की भावना को पहचानते हुए बोली, 'मै क्षमाप्रार्थी हू। तुम्हारे दफ्तर मे कोई भी आकर अध्ययन करे मुझे इससे क्या वास्ता ?'

पहली अगस्त को उनके लडका हुआ। प्रसव के कष्ट से मेरी थककर चूर हो गई थी और सोने ही वाली थी कि उसने लिकन को दाई से यह कहते सुना :

'यह लडका तो व्यर्थ-सा है। तुम्हे विश्वास है कि इसको एक लम्बी टाग बाप से और दूसरी छोटी टाग मा से उत्तराधिकार मे तो नही मिली ?'

मेरी यह सोचते हुए सो गई कि 'व्यर्थ' से लिकन का क्या अभिप्राय है और यह विचार करती रही कि लडके की टागो के बारे मे लिकन का परिहास अच्छा मखौल नही किन्तु अपने पहले बच्चे को गोद मे लेने पर पसीने की बूदो से भीगे माथे वाले व्यक्ति से और क्या आशा की जा सकती थी।

मेरी की देखभाल के लिए एलेजबेथ और फ्रासेस बारी-बारी आती रही किन्तु जब अपने बच्चो को घर पर छोड आना उनके लिए कठिन होता था तो मा और बच्चे को नहलाने के लिए श्रीमती ब्लेडसो आ जाती थी। प्रतिदिन शाम को एलेजा फ्रासिस आ जाया करती थी। उसे इस बात पर गर्व था कि उसके द्वारा आयोजित किए गए विवाहो से यह तीसवा बच्चा उत्पन्न हुआ था। उसके मित्र अनेक उपहार लाए और कमरा फूलो, मुरब्बो, फल, पत्रिकाओ और बच्चे के कपडों आदि से भर गया। पेरिस से फ्रासीसी पुस्तको का एक बडल आया जिसके लिए बेट्सी ने कई मास पूर्व आदेश भेज दिया था। जब बच्चा तीन दिन का हो गया तो मेरी ने पूछा :

'क्या तुम अपने पहले बेटे का नाम अपने पिता के नाम पर टामस रखना चाहोगे ?'

'नही।'

'तब उसका नाम मेरे पिता के नाम पर राबर्ट रखा जाए।'

'देखो मेरी, मैने स्पीड को वचन दिया था कि· मेरे पहले लडके का नाम··· उसके नाम पर जोश रखा जाएगा।'

'जोश तो ठीक नही। स्पीड से कहो अपने बच्चे पैदा करे। अब मास्टर राबर्ट को उठाओ और इधर ले आओ। उसके दूध का समय हो गया है।'

मेरी दो खिडकियो के बीच एक कुर्सी पर बैठी हुई थी और जो थोडी-बहुत हवा आ रही थी उसका उपयोग कर रही थी कि तभी ऊपर की घटी बजने लगी, जिसका अभिप्राय था कि कोई बग्घी आई है। थोडी ही देर पश्चात् मेरी ने हाल के सिरे पर कदमो की आवाज सुनी, वह उठ खडी हुई··· सामने दरवाजे मे उसके पिता खडे थे। उनके बाल और अधिक सफेद हो गए थे, उनकी गोल ठुड्डी उनके लहराते श्वेत कालर मे घसी हुई थी। चेहरे पर मुस्कान खिल रही थी, उन्होने तुरन्त मेरी को अपनी बाहो मे ले लिया।

'आपने मुझे अपने आने के बारे मे सूचना क्यो नही भेजी ?'

'वही समय मैने अपना बिस्तर बाधने मे लगाया था और फिर फ्रैंकफर्ट आने वाली पहली गाडी पकड ली।' भावावेश मे उनकी आवाज टूट गई किन्तु चार वर्ष के दीर्घ बिछाह के पश्चात् मेरी पहली बार उनकी ध्वनि के मधुरतम सगीत को सुन सकी, 'क्या मै बालक को देख सकता हू ? वह टाड-परिवार के समान है अथवा लिकन-परिवार जैसा ?'

'अभी तो वह सिवाय दूध के और किसी भी पक्ष मे नही है। हमने उसका नाम आपके नाम पर रख दिया है।' मेरी ने बच्चे को झूले मे से उठाया और अपने पिता के बढे हाथो मे देती हुई बोली, 'मुझे आशा है, चौदह बच्चे पालने-पोसने के बाद आपको बच्चो को लेना आ गया होगा।'

बच्चे को काफी देर खिलाने के बाद राबर्ट टाड ने उसे लिटा दिया और फिर अपनी अन्य तीन बेटियो तथा श्री लिकन के बारे मे पूछने लगा।

'मुझे आशा है कि आप लिकन को पसन्द करेगे। वैसे तो मैने आपकी इच्छा के सर्वथा प्रतिकूल व्यक्ति को चुना है।'

'यह स्मरण करते हुए कि तुमने ब्ल्यू ग्रास के किस प्रकार के नवयुवको को अस्वीकार कर दिया था, मैं समझता हू कि लिकन अवश्य एक विशेष व्यक्ति होगा।'

'यदि विशेष से आपका अभिप्राय अपूर्व व्यक्ति है तो वह अवश्य ही अपूर्व

है।' मेरी खिलखिलाकर हसने लगी किन्तु इस हसी मे उसका सन्देह स्पष्ट झलक रहा था कि उसके पिता को लिकन पसन्द नही आएगा क्योकि एन की घटना पहले हो चुकी थी। 'मेरा विश्वास है कि दक्षिण अमेरिका को लोग—'स्विजनेरिस' नाम से पुकारते है।'

उसी समय अब्राहम लम्बे-लम्बे डग भरता हुआ कमरे मे आ पहुचा। उसने अपना कोट कधे पर रखा हुआ था, बूटो पर मिट्टी की तह जमी हुई थी और वह मिट्टी उड-उडकर उसकी सिलवटो वाली पैन्ट मे भी पहुच गई थी। उसकी कमी पसीने से भीगी हुई थी तथा बाल सीग की तरह सीधे खडे थे।

'देखिए दूल्हा साहब आ रहे है।' मेरी ने धीमे स्वर मे कहा और वे दोनो व्यक्ति एक दूसरे की ओर घबराहट और अविश्वास के भाव से देखने लगे। मेरी पुन बोली, 'पिता जी, यह दैत्याकार व्यक्ति जो कि वालीबाल का बडा अच्छा खिलाडी है आपका नया दामाद है। क्या आप यह विचार न करेंगे कि यदि यह इतनी अधिक गर्मी मे भवन की दीवार के साथ छोटी-सी गेद को मारने मे कई घण्टे न बिता देते तो अधिक अच्छा होता।'

अब्राहम ने अपनी जेब मे से एक गेद निकाला जो बनियान के चीथडो से बना हुआ था और जिसके ऊपर हरिण की खाल चढी हुई थी। उसकी ओर ध्यानपूर्वक देखते हुए वह कुछ क्रोधित होकर बोला :

'यदि मैं कभी-कभी खेल मे जीत सकता तो मै इस गर्मी की तनिक भी परवाह न करता किन्तु अब तक मै इतने पैसे हार चुका हू कि बेचारे राबर्ट को कालेज मे दाखिल कराने को पैसे नही बचेगे। मै समझता हू कि ईश्वर ने मुझे खिलाडी बनाया ही नही था।'

मेरी ने परिहास करते हुए कहा, 'मैने तो तुम्हे यह डीग मारते हुए एक बार सुना था कि तुमने क्लैरी ग्रोव के जगल मे कुछ बदमाशो को मार-मारकर आदमी बना दिया था। तुम्हारी पहलवानी की इस कहानी मे कहा तक सचाई है?'

अब्राहम को हसी आ गई, वह बोला, 'इससे मुझे एक व्यक्ति की कहानी याद आ गई जो अपने पडोसियो की अपेक्षा जगल से अधिक मुर्गे पकड लाया करता था। उसके पास एक जग लगी हुई पुरानी बन्दूक थी। कोई सधाया हुआ शिकारी कुत्ता नही था किन्तु फिर भी वह प्रतिदिन अत्यधिक मुर्ग उठा लाया करता था। उसका एक मित्र, जो प्राय. खाली हाथ घर लौटा करता था, एक

बार पूछ ही बैठा : जेक, यह क्या बात है ? तुम तो प्रतिदिन ढेरो पक्षी घर लाते हो ?

'जेक प्रश्नकर्ता के कान के समीप अपना मु ह ले गया और फुसफुसाते हुए बोला · तुम्हे केवल इतना करना होगा कि किसी बाड के पीछे छुप जाओ और जगली मुर्गे की तरह शोर करना आरम्भ कर दो। इससे तुम हर रोज़ मुर्ग ले आया करोगे।'

दोनो पुरुष ज़ोर से हस पडे और फिर उन्होने हाथ मिलाए। मेरी को इस बात से प्रसन्नता हुई कि उसने पति से एक हास्यपूर्ण कहानी कहलवा ही दी थी।

अगले दिन शाम को डाक्टर जान टाड ने अपने भाई के सम्मान मे परिवार का सहभोज रखा। आज मेरी पहली बार बाहर निकल रही थी। वह इस विचार से बहुत प्रोत्साहित हुई कि वह पुन एक तग अगिया पहन सकेगी। वह विशेष रूप से सुन्दर दिखाई देना चाहती थी और इसके लिए उसने नीले रग का लम्बा जम्पर और झालरदार तथा कलफ वाला पेटीकोट पहना। मोतियो की एक लडी उसने बालो मे गू थ ली। आज उसकी आखे उल्लास के प्रकाश से प्रकाशमान थी और उसके गाल रक्तिम हो रहे थे। अब्राहम ने तो कहा कि उसे उठाकर वह सीढियो के नीचे ले जाएगा किन्तु मेरी ने केवल उसके कधे का सहारा लिया।

इस सहभोज मे सबका ध्यान मेरी और उसके पिता पर ही केन्द्रित था। उसके पिता अपने भाइयो तथा भतीजो से लगभग १५ वर्ष पश्चात् मिले थे। अत वे सब बहुत प्रसन्न थे। तब एन मौन वातावरण मे इस प्रकार बोली:

'क्या ही आनन्द की बात है कि मेरी का लडका हुआ ? नही तो पिता कभी भी स्प्रिङ्गफील्ड न आते।'

वातावरण मे मौन और भी गहरा हो गया। एन के शब्दो मे जो निगूढ अभिप्राय था उसकी ओर किसीने भी ध्यान नही दिया। एलेज़बेथ और फ्रासेस के हा भी तो बच्चे हुए थे और राबर्ट टाड ने आने का कष्ट नही किया था। एन की इस बात की ओर किसीने ध्यान न दिया। राबर्ट टाड ने अपनी जेब मे से तीन कागज़ निकाले जो सरकारी कागज दिखाई देते थे। उन्होने एक-एक कागज अपनी तीनो विवाहित बेटियो को दे दिए। जब मेरी ने अपना कागज़ खोला तो उसने देखा कि अब वह स्प्रिङ्गफील्ड से केवल तीन मील परे अस्सी एकड भूमि के

जगलों की स्वामिनी बन गई है। हर अस्सी एकड भूमि का मूल्य लगभग एक हज़ार डालर था।

अगली शाम ग्लोब मे खाना खाने के पश्चात् मेरी चुपचाप बैठी अपने पति तथा पिता की बातचीत को सुनती रही। वे राष्ट्रपति के अगले चुनाव के बारे मे वाद-विवाद कर रहे थे तथा इस बात पर बातचीत कर रहे थे कि अमेरिका टेक्सास के लिए मेक्सिको के साथ युद्ध करेगा अथवा ओरेगन के लिए इगलैड से युद्ध करेगा। फिर मेरी ने देखा कि उसके पिता लिकन से कुछ कहना चाहते है और हर बार कुछ उचित शब्द न मिलने के कारण चुप रह जाते है। इसी असमजस मे उसके पिता के माथे पर सलवटे-सी पड गई थी। आखिर वे बोले, 'एलेजबेथ और फ्रासेस की तरह मैंने तुम्हे विवाह का कोई उपहार नही दिया। अब्राहम, यदि मै हर मास मेरी को कुछ भेज दिया करूं' '' 'यही दस डालर समझ लो, तो बुरा तो न मानोगे ? उससे मेरी अपने शौक की कुछ छोटी-मोटी वस्तुए खरीद लिया करेगी।' वह इस भय से कि कही अब्राहम उसे बीच मे न टोक दे जल्दी से कहता गया, 'मुझे ऐसा लगता है कि मैने उसे कुछ बुरी आदते डाल दी हैं' 'अर्थात् उसे सुन्दर वस्त्रो, आभूषणो और फिज़ूल खर्ची का शौक है।''''' कारण यह था कि वह मुझे बहुत चाहती थी'''' ।'

मेरी ने देखा कि उसके पति का चेहरा मुरझा-सा गया है। उसके होठ अप्रसन्नता के भाव से भिच रहे है। मेरी ने अपने पिता को यह नही बताया था कि अब्राहम को कुछ ऋण चुकाना है अथवा वे किफायत से जिन्दगी चला रहे हैं। इस कारण उसने अनुभव किया कि इस मामले मे उसका कोई अपराध नही था। अब्राहम ने यह बात मेरी के चेहरे से भाप ली और उसके अपने चेहरे पर व्यग्य की उभरी हुई रेखाए विलीन हो गईं तथा वह मेज़ पर बैठी अपनी पत्नी और उसके पिता की ओर देखकर मुस्कराने लगा।

३९

सितम्बर के प्रथम सप्ताह के पश्चात् अब्राहम अपने घोडे पर ट्रेमौण्ट, हनोवर, ब्लूमिंगटन, क्लिन्टन तथा अरबाना के न्यायालयो मे चला गया। वह अधिक दिनो तक बाहर नही रहता था वरन् बीच-बीच मे दो दिन का समय घर पर मेरी और अपने लडके के साथ बिताने के लिए घोडे पर आ जाता था। जब बच्चा दो मास का हुआ तो उसने दूध पीना बन्द कर दिया। उसका वजन भी कम होने लगा। वह इतना रोता था कि ऊपर की मजिल पर रहने वाले लोग शिकायत करने लगे थे। मेरी ने डाक्टर वालैस को बुलाया। उन्होने बच्चे को देखकर कहा :

'इसे पूरा आराम नही मिल रहा है इसलिए इसे भूख नही लगती। इसकी नीद खराब होने का क्या कारण है ?'

'वह घटी आधी रात तक बजती रहती है। सवेरे फिर चार बजे आरम्भ हो जाती है। मेरा विचार था कि बच्चा इसका अभ्यस्त हो जाएगा—परन्तु भगवान जानता है कि अभी तक मैं भी इसकी अभ्यस्त नही हुई हू।'

'अब्राहम के आने तक हमारे यहा क्यो नही आ जाती ?'

'धन्यवाद विलियम, परन्तु मुझे रहने के लिए अवश्य अन्य स्थान ढूढना पडेगा।'

मेरी ने उसी दिन से मकान ढूंढना आरम्भ कर दिया। अपने बच्चे राबर्ट को श्रीमती ब्लेडसो के पास छोड जाती। वहा पर मकानो के प्रबन्धक श्री ब्रिटन ने मेरी को दो घर दिखाए। एक मकान लाल ईंटो का था। वह बडा और महगा था। दूसरे मकान मे केवल तीन कमरे थे। उसकी रसोई छप्पर के नीचे थी तथा चूल्हा सहन मे था। श्रीमान् ब्रिटन ने बडी गम्भीरता से कहा, 'सारे स्प्रिंगफील्ड मे केवल यही दो मकान किराये पर मिल सकते है। हा—यदि श्रीमती लिंकन कोई मकान खरीदना चाहे तो...'

होटल वापस जाते हुए मेरी ने सोचा कि हमे घर खरीदना ही पडेगा। पिताजी ने जो अस्सी एकड भूमि मुझे दी है मैं उसे बेच दू गी परन्तु अब्राहम यह नही मानेगा। फिर हमारा उसी प्रकार झगडा होगा जैसा होगेन हाउस

के विषय में हुआ था।' परन्तु राबर्ट के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना हमारा प्रथम कर्तव्य है।

यह सोचकर मेरी का जी भर आया। उसका गला रुंध गया। वह जानती थी कि पति से झगडा करना उसके लिए अनुचित है। उसके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य था उन दोनो का परस्पर प्रेम तथा प्रसन्नता। यदि राबर्ट एक-दो दिन तक ठीक न हुआ तो वह अब्राहम के आने तक डा० वालैस के घर जाने का निमन्त्रण स्वीकार कर लेगी और अब्राहम के आने पर होटल वापस आ जाएगी। अब उसके विवाह को एक वर्ष हो गया था। मेरी अपने कथन और कृत्य की ओर विशेष ध्यान देती थी ताकि अब्राहम फिर चिन्ताग्रस्त न हो जाए। चिन्ता के कारण उसे फिर कठ की बीमारी हो जाने की आशका थी जो उन दोनो की शान्ति को नष्ट कर देगी।

दूसरे दिन दोपहर के समय मेरी ने देखा कि एक बैलगाडी फोर्थ स्ट्रीट मे एक छोटे-से मकान के सामने रुकी। परिवार के कुछ लोग अपना सामान बाहर निकालकर उसपर रख रहे थे। उस परिवार की एक स्त्री ने मेरी को बताया कि वह मकान फर्नीचर आदि के साथ सेठ टिसले ने खरीद लिया है। मेरी मकान के अन्दर गई। उसके एक कमरे का दरवाजा गली की ओर खुलता था। इसके पीछे रसोई थी जिसमे एक अगीठी बनी हुई थी। इस कमरे के सामने दो और सोने के कमरे थे। एक कमरे मे तो साधारण-सा पलग और एक लकडी की मेज़ थी। दूसरा कमरा कुछ छोटा था। इसमे कोई सामान न था और दीवारो पर भी रग किया हुआ नही था।

मेरी शीघ्रता से श्री टिंसले की दुकान पर गई। वह सूखे मेवे, फल, गुड-शक्कर आदि बेचा करता था। इसके अतिरिक्त दीवारो के कागज़ तथा फिले-डेल्फिया का रेशम आदि भी उसकी दुकान पर मिलता था। सेठ टिंसले इस शहर का साहूकार भी था तथा व्यापारी भी। मेरी ने बडी घबराहट के साथ उसे अपनी रामकहानी सुनाई।

'देखिए श्रीमती लिकन, मेरा विचार इस घर को बेचने का था···परन्तु यदि आपको इसकी इतनी आवश्यकता है · तो।'

'टिंसले साहब, मुझे बहुत ही आवश्यकता है। मैं घर की मरम्मत आदि स्वय करवा लूंगी ··आप किराया क्या लेगे ?'

टिन्सले ने अपने मन मे कुछ हिसाब लगाकर कहा, 'फर्नीचर आदि के साथ पाच डालर प्रतिमास होगा ।'

प्रतीक्षा की घडिया बडी कठिनाई से बीती । जब अब्राहम अरबाना से वापस आया तो मेरी उसके नहाने तक बडी कठिनता से अपने आपको रोक सकी। फिर उसने सब बाते एक ही सास मे उससे कह डाली—बच्चे के स्वास्थ्य के विषय मे, तथा मकान की प्रशसा करके यह भी बताया कि उसका किराया भी बहुत ज्यादा नही है ।

अब्राहम ने उसे अपने आलिगन मे आबद्ध कर चूम लिया । 'वकील साहब, जूरी मे इससे बढिया बहस और क्या हो सकती है ? कल प्रात पहला काम यही होगा ।'

उसने धीमे से कहा, 'धन्यवाद न्यायाधीश महोदय ।'

मेरी ने सोने के कमरे के लिए पीले रग की चादरे तथा परदे स्वय तैयार कर लिए। तसवीरे बैठक मे लगवा दी, किताबो की भरी हुई अलमारी दीवार के साथ रख दी । अपना डेस्क लगाया । अब्राहम की मेज और लैम्प को कमरे मे सजाया। अब यह स्थान उनका था। बच्चे को पूरी नीद आने लगी। उसकी पाचन-शक्ति ठीक हो गई और उसका वजन बढने लगा । चार मास का होने पर भी राबर्ट की दृष्टि केन्द्रित न होती थी । जब वह अपने हाथो का हिलना-डुलना देख रहा होता तो बाई आख की पुतली अन्दर को धस जाती थी । एलेज़बेथ ने मेरी को विश्वास दिलाया कि कुछ समय के पश्चात् इसकी आखे ठीक हो जाएगी। मेरी एम्पायर स्टोव पर काम करने की अभ्यस्त न थी परन्तु एलेज़बेथ के साथ एडवर्ड की रसोई मे काम करने के कारण उसे इसका प्रयोग करना आ गया था। फिर भी मेरी को कुछ दिन काफी कष्ट उठाना पडा । कभी बर्तन जल जाता, कभी रोटी जल जाती तथा कभी तरकारी कच्ची रह जाती । एक बात के लिए वह भगवान का धन्यवाद करती थी कि अब्राहम खाने के विषय मे नाक-भौ नही चढाता था । नित्यप्रति घर के काम-काज, खाना-पकाना, सिलाई, सफाई, बर्तन माजने-धोने के पश्चात् वह थक जाती थी । इसके बाद वह आग के सामने बैठकर एक घटा पढती और फिर सो जाती थी। स्प्रिगफील्ड मे इस प्रकार घर का काम करने वालो को समाज मे हीन स्थिति का समझा जाता था। वहा के लोग उसकी

सर्वथा अवहेलना करते थे मानो कि वे वहा रहते ही न हो, ओरेगन चले गए हो ।

वह इस प्रकार के बर्ताव से असन्तुष्ट न हुई थी, क्योकि वह जानती थी कि जब वह चाहेगी समाज मे अपना स्थान प्राप्त कर लेगी ।

राबर्ट अब पूर्णतः स्वस्थ हो गया था । अब छ. मास का होने पर भी वह खिलौने पर सीधी दृष्टि नही टिका सकता था । एक दिन दोपहर के समय जब मेरी उसे दूध पिलाने लगी तो उसने देखा कि उसकी बाईं आख की पुतली आख के गढे मे धसी हुई है । वह डर के मारे सहम गई । उसने उसे बिस्तर पर लिटा दिया । मेरी ने लाल धागे का एक गोला लिया और उसे उसके सामने दाये-बाये, इधर-उधर घुमाकर उसकी आख का बडे ध्यान से निरीक्षण किया । बाई पुतली आख के बीच मे आकर रुक जाती थी ।

मेरी पर मानो बिजली-सी गिर गई । उसने राबर्ट को जल्दी से कपडे पहनाए, एक कम्बल मे लपेटा और उसे अपने कधे से लगाकर बडी तेज़ी से वालैस ऐण्ड डिलर की दुकान की ओर चल दी ।

वालैस ऐण्ड डिलर ने दुकान के एक कोने पर सोडे की एक नई मशीन लगाई थी । दूसरी ओर सफेद मर्तबान रखे हुए थे जिनमे सारसापारिला की जड, रेवत-चीनी, पारे की भस्म, हीग, अफीम आदि बहुत-सी दवाइया रखी हुई थी । दुकान के मध्य मे एक काली अगीठी थी जिसके चारो ओर आधी दर्जन बेत की कुर्सिया पडी हुई थी। ये उन लोगो के लिए थी जो शाम को गपशप करने के लिए या राजनीति पर वाद-विवाद करने के लिए एकत्रित हो जाते थे । अब्राहम इनमे शामिल होता था ।

डाक्टर वालैस ने दुकान के अन्दर बैठे हुए आख उठाकर देखा तो मेरी को बच्चे को कधे पर उठाए देखकर हैरान हो गया । मेरी ने राबर्ट को डाक्टर की मेज पर लिटा दिया ।

'विलियम, मुझे ठीक-ठीक बता दो, बेबी की आख मे अवश्य कुछ हो गया है । क्यो है न ?'

'हा ! आख की एक पेशी कुछ ठीक काम नही कर रही है ।'

'क्या कुछ भेंगापन है ?'

'हा ! परिणाम को देखते हुए ऐसा ही मालूम पडता है ।'

मेरी का हृदय जोर से धडक रहा था।

'विलियम, क्या यह ठीक न होगा ?'

'मेरी, यह छोटी-सी खराबियो मे से एक है। यह अभी तक पता नही चला कि ऐसा क्यो हो जाता है। परन्तु यह एक ऐसी चीज़ है जिसे सहना ही पडता है।'

'तुम्हारा मतलब है बेबी की आख ···'वह कुछ कहने के लिए शब्द ढूंढ न सकी।

'क्या अब्राहम की तरह जब उसे अधिक काम करना पडता है·· तो सिर-दर्द ?'

विलियम बीच मे ही बोला, 'नही ! नही !! जो आख बिल्कुल ठीक है, लडका उससे काम करने का आदी हो जाएगा और वह आख बहुत तेज़ होगी। अब्राहम की आखो मे तो ऊपर-नीचे का कुछ अन्तर है। अधिक कार्य करने से उसकी आखों का केन्द्र बदल जाता है जिससे उसे सिरदर्द हो जाता है।'

वह एक कुर्सी मे धसकर बैठ गई और उसने अपना मुह दोनो हाथो से ढाप लिया तथा सिसकिया भरकर रोने लगी। विलियम उसके पास आकर खडा हो गया और धीमे से बोला .

'मेरी, रोओ मत। देखो, तुम्हे भी अपने पर अधिक बोझ नही डालना चाहिए।'

श्रीमान ड्रेसर ने इन दोनो को रविवार खाने पर आमन्त्रित किया। उन्होने ही इनका विवाह कराया था और राबर्ट को ईसाई धर्म की दीक्षा दी थी। उस दिन दोपहर को वर्षा हो रही थी। वे दोनो पादरी के पुस्तकालय मे बडे आराम से बैठे हुए थे और अब्राहम की आस्तिकता की चर्चा कर रहे थे जब कि पादरी यह प्रयत्न कर रहा था कि उसे एपिस्कोपल चर्च मे सम्मिलित कर ले। मेरी प्रत्येक रविवार को प्रातः प्रार्थना करने के लिए यहा आया करती थी और वह हमेशा एलेजबेथ और उसके पति के पास की कुर्सी पर बैठती थी। अब्राहम को बताए बिना ही उसने एक वर्ष का चन्दा दे दिया था।

अब्राहम पादरी के घर से बहुत प्रभावित हुआ था। हाथ से काटी हुई बलूत की लकडी का काम, लकडी की खूंटिया, अखरोट की लकडी के तख्ते और हैडल वह मेरी को दिखा रहा था। घर वापस आते हुए जब वे फ्रासेस के घर से

बच्चे को लेने के लिए रुके तो उसने बडे उत्साह से पूछा :

'मौली, तुम्हारे विचार मे क्या यह घर अच्छा बना हुआ है ? यह सौ वर्ष तक तो चलेगा ही।'

मेरी को यह घर पसन्द न था। मकान तग था, कमरे छोटे-छोटे और अधेरे थे और कुछ घनाकार-से थे परन्तु उसे अब्राहम की अभिरुचि की अवहेलना करने का कोई कारण दिखाई नही दिया इसलिए उसने उत्तर दिया, 'बहुत सुविधाजनक घर है।'

अपने घर के चार साधारण कमरो मे अब्राहम को घूमते हुए देखकर मेरी को यह आभास हुआ कि उसके मन मे घर का मालिक बनने की इच्छा है और इस विचार से वह प्रसन्न है ; यद्यपि उसने मेरी से कह रखा था कि अधिक पैसा व्यय न करे। जब वह बाहर कचहरियो मे जाता था तो वह होटल तथा घोडे के खाने के अतिरिक्त और कुछ खर्च नही करता था। न ही उसे किसी प्रकार का व्यसन अथवा शौक था।

नये वर्ष के कुछ दिन पश्चात् एक दिन अब्राहम सोने के कमरे मे आकर, ड्रेसिंग टेबिल के पीछे खडा हो गया। मेरी को पता चल गया और उसने मुडकर देखा कि उसकी आकृति पर कुछ ऐसे भाव थे जो पहले कभी दिखाई न दिए थे। वह प्रसन्न मुद्रा मे था। उसकी आखे चमक रही थी और होठो पर मुस्कान थी। उसने अपने दोनो हाथ मेरी के कधो के ऊपर से उसके वक्ष पर रख दिए और अपना गाल उसके गालो से मिला दिया। मेरी ने थोडा-सा सिर घुमाया और उनके अधर आपस मे मिल गए।

'मौली, मैंने एक घर खरीदा है। इसके लिए पूरी आशा से प्रयत्न कर रहा था। आज उसका फैसला हो गया है और रजिस्ट्री पर नाम लिखे जा चुके है।'

'तुमने हमारे लिए घर खरीदा है··· किन्तु कौन-सा ?'

'पादरी-ड्रेसर वाला घर। मुझे वह बहुत प्यारा लगता था · मैंने तुम्हे भी पूछा था कि क्या वह तुम्हे पसद है और तुमने हां कही थी।'

मेरी विचारो मे डूब गई—पादरी का घर ··परन्तु मुझे तो वह पसद नही····बेढगा-सा और भद्दा-सा है ··मैंने यह क्या किया····केवल शिष्टाचार के कारण मैंने हा कही थी····और यह घर मेरा हो गया।

अब्राहम बडे उत्साहपूर्वक बोला, 'पादरी ड्रेसर को उसे बनवाने मे पूरे

पन्द्रह सौ डालर खर्च करने पडे होगे। मुझे अभी साढे सात सौ नकद देने है और वे वस्तुए देनी है जो लोगन से मिलेगी जिनका मूल्य तीन सौ डालर पडा है।'

उसने मेरी को कुर्सी से उठा लिया और उसे ऊपर ही सम्हाले रखा।

'विवाह से लेकर आज तक मै इसी उद्देश्य से पैसे बचाता आया हू कि तुम्हारे लिए एक घर खरीदू जिसकी तुम अत्यधिक कामना करती हो। इसलिए मैंने तुम्हे लोगो को आमन्त्रित करने तथा घर को सजाने पर धन व्यय करने से रोके रखा। मैंने भी बास्केट बाल खेलना बद कर दिया जिसपर दस सेंट प्रति खेल खर्च होते थे।'

मेरी की आखो मे आसू आ गए और वह सोचने लगी कि मेरा व्यवहार कितना अनुचित तथा दयाहीन रहा है। लिंकन हर समय केवल उसीके विषय मे सोचता रहा है। मेरी नामक दूसरी लडकी ने उसके बारे मे क्या कहा था कि 'वह उन छोटी-छोटी बातो की ओर ध्यान देने मे असमर्थ है जिनपर किसी स्त्री की प्रसन्नता निर्भर है।' अब्राहम ने उस मेरी से प्रेम नही किया था। वह मुझसे प्रेम करता है। जब तक मै जीवित रहूगी, कभी भी उसके प्रेम मे सन्देह नही करूगी।

वह अब्राहम से कैसे कह सकती थी कि उसे वह पादरी वाला मकान पसद नही है ! यदि वह ऐसा कह दे तो यह उसकी प्रेमनिष्ठा का कितना तुच्छ पुरस्कार होगा। वह नये घर मे जाएगी तथा प्रसन्नतापूर्वक रहेगी। यह तो उनके प्रेम का आरम्भ है।

४०

एक दिन रविवार को दोपहर के समय मेरी और अब्राहम शहर के दक्षिण-पूर्वी भाग मे स्थित अपने नये घर मे चले गए। घर के बडे दरवाजे से, जो गली से तीन सीढिया ऊचा था, खुले मैदानो से परे राज्यभवन दिखाई दे रहा था। दरवाजा खटखटाने पर एक नौकर बाहर आया। वह उनको हाल मे जाने वाले

एक अधेरे रास्ते से ले गया जो करीबन छः फुट चौडा था और उसमे कुछ तग सीढिया भी थी। मेरी दाईं ओर पादरी ड्रेसर के पुस्तकालय मे गई जिसको उसने बैठक बनाने का निश्चय किया था। यह कमरा किसी समय काफी बडा अर्थात् सोलह फुट चौडा और बीस फुट लम्बा था। इसमे चार खिडकिया और एक अगीठी थी। दो खिडकिया जैक्सन स्ट्रीट की ओर खुलती थी और दो एट्थ स्ट्रीट की ओर। उसने सोचा कि वह यहा पर कुछ साधारण फर्नीचर, एक आराम-देह सोफा, कुर्सिया, अपनी पुस्तके, डेस्क तथा बीच मे एक गोलमेज़ लगा देगी। इसके सामने वाला कमरा भी ऐसा ही और इतना ही बडा था। यह भी उनकी सामने की बैठक होगी। इसमे सारे फर्श पर कालीन बिछे होगे। दीवारो पर बडे-बडे पर्दे और तस्वीरे लटकाएगी, अगीठी पर सजावट की चीज़े रखेगी, काले सोफे और कुछ कुर्सिया रखेगी।

मेरी ने घर के अन्य भागो को भी देखा। इस कमरे के पीछे एक सोने वाला कमरा था परन्तु उसमे नौ फुट लम्बा पलग नही आ सकता था जिसके लिए मेरी ने अब्राहम को आश्वस्त कर दिया था किन्तु इसमे राबर्ट के लिए एक पलग और झूला आ सकता था। खाने का कमरा ड्योढी की ओर आधी बैठक के पीछे था; दक्षिण की तरफ का आधा भाग अधूरा पडा था। खुले बरामदे के ऊपर छत थी। खाने के कमरे के पीछे रसोई थी और उसके एक ओर बरामदा और छोटा-सा गोदाम था। ऊपर की मज़िल पर दो कमरे थे जिनमे अब्राहम केवल बीच मे ही खडा हो सकता था। एक तो उसका सिलाई का कमरा होगा और दूसरा अब्राहम के आराम करने का।

मई के आरम्भ मे लिकन का परिवार इस नये घर मे आ गया। मकान पर अधिकार करने से पूर्व इसके सब पैसे चुका दिए गए थे। कुछ ही दिनो मे अब्राहम राजनीति मे उलझ गया। वह राष्ट्रपति के चुनाव के मतदाताओ मे शामिल हो गया। व्हिग पार्टी ने हेनरी क्ले को राष्ट्रपति पद के लिए खडा किया और डेमोक्रेटो ने जेम्स के० पौक जैसे काग्रेस के साधारण सदस्य को। योजना के अनु-सार काग्रेस के लिए जान जे० हार्डिन के बाद एडवर्ड डी० बेकर का नाम निर्दिष्ट किया गया। राज्य की सीनेट के लिए निनियन और लोगन को खडा किया गया था। जब मारमन लोगो का पैगम्बर जोज़ेफ स्मिथ स्वयमेव ही राष्ट्रपति-पद के लिए खडा हो गया तो साइमन फ्रासिस ने स्मिथ और उसके मारमन लोगो को

इलीनाइस तथा फिर अमेरिका से बाहर निकालने के आन्दोलन का नेतृत्व आरम्भ कर दिया ।

ग्रीष्म ऋतु तथा राष्ट्रपति चुनाव की गरमागरमी से पूर्व ही स्मिथ तथा उसके साथियो ने नाउवू एक्सपोज़ीटर पत्र के भवन को जला दिया तथा प्रेस को मिसिसिपी नदी मे फेक दिया । इस पत्रिका को मारमन का विरोध करने वाले लोगो ने आरम्भ किया था । इस दुर्घटना तथा पैगम्बर द्वारा राष्ट्रपति-पद के चुनाव के लिए सघर्ष के कारण इलीनाइस के लोग बहुत भयभीत हो गए थे अत. गवर्नर फोर्ड ने स्मिथ तथा आग लगाने वाले उसके सब साथियो को कार्थेज के मजिस्ट्रेट के सामने उपस्थित होने का आदेश दिया । कार्थेज स्प्रिङ्गफील्ड से कोई सौ मील दूरी पर था । सरकार की ओर से किसी कार्यवाही से पूर्व ही उपद्रवी सिपाही जेल मे घुस गए और उन्होने जोज़ेफ तथा उसके भाई हीरम स्मिथ को गोली से उडा दिया ।

स्प्रिङ्गफील्ड पर भय के बादल छा गए । साइमन फ्रासिस बीमार पड गया । अब्राहम को भी बहुत आघात पहुचा । वह दरवाजे के बाहर आरामकुर्सी पर बैठा रहता था । एक दिन उसने गभीर भाव से कहा ·

'यह समस्या किसी व्यक्ति की अन्तरात्मा के प्रश्न से अधिक महत्वपूर्ण है । क्या तुम्हे एलेजा पी० लवज्वाय की १८३७ की घटना याद है जब कि वह आल्टन मे गुलामी के विरुद्ध एक पत्र निकालने के लिए आया था ? दो बार उसके छापेखाने को जला दिया गया था । जब लोगो ने देखा कि वह उसे इस प्रकार अपने उद्देश्य से रोक नही सकते तो उन्होने उसे जान से मार डाला था । इस मृत्यु ने मेरे मन पर जो आघात किया वैसा मैंने जीवन मे कभी भी अनुभव नही किया ।' उसने जरनल पत्रिका की एक पुरानी प्रति देते हुए मेरी से कहा, 'मैंने उस समय यह लेख लिखा था और युवक समाज के सम्मुख यही भाषण दिया था ।'

मेरी ने पढना आरम्भ किया । पहले पैरे मे लिखा था कि सब अमेरिकनो को इस राष्ट्र के निर्माताओ का ऋण चुकाना है क्योकि उन्होने सरकार की ऐसी पद्धति का निर्माण किया था जिसके अन्तर्गत सब अमेरिकावासियो को सामाजिक तथा राजनैतिक स्वतन्त्रता प्राप्त है ।

इसके पश्चात् उसने लोगो से पूछा था

'क्या हम यह समझते है कि अन्ध महासागर को पार करके कोई सैनिक दैत्य आएगा और एक ही बार मे हम सबको नष्ट-भ्रष्ट कर देगा ? कदापि नही, फिर हमे और किस भय की आशका हो सकती है ? मेरे पास इसका उत्तर यह है कि यदि हमे कभी किसी विपत्ति का सामना करना पडा तो उस विपत्ति का उदय हमारे बीच मे से ही होगा। यदि हमारे भाग्य मे विनाश ही लिखा है तो उसका आरम्भ तथा अन्त हम स्वय ही करेगे। मेरा अभिप्राय यह है'' कि कचहरी मे गभीरतापूर्वक होने वाले फैसले के स्थान पर यदि हम कानून को जगली जानवरो की भाति अपने हाथ मे ले ले तो यह हमारे लिए घातक सिद्ध होगा।'

जब मेरी ने इन विचारो की सराहना की तो वह बोला, 'यही कारण है टेक्सास के विषय मे मैं मेक्सिको से युद्ध करने के विरुद्ध हू, क्योकि यह भी तो सामूहिक हिसात्मक कार्यवाही होगी। हिसात्मक कार्यक्रम से कभी भी कोई सफलता प्राप्त नही हो सकती। हिसा से तो उन लोगो का विनाश होता है जो कि इसे आरम्भ करते हैं।'

ग्रीष्म ऋतु का ताप पूरे ज़ोरो पर था और प्रधान के चुनाव की भी गरमागरमी चल रही थी। प्रतिदिन प्रातः मुह अधेरे राबर्ट की देखभाल का कोई प्रबन्ध करके अब्राहम और उसके साथियो के भाषण सुनने के लिए मेरी चौक मे बनाई गई लकडी की झोपडी मे चली जाती। वहा पर अब्राहम और उसके साथी देश की आन्तरिक स्थिति तथा उसमे सुधार, सीमा-शुल्क और बैंको आदि के विषय मे भाषण दिया करते थे। जब अब्राहम अन्य स्थानो पर भाषण देने के लिए जाता था तो मेरी भी उसके साथ जाने की इच्छा प्रकट करती थी। अब उसकी इच्छा पूर्ण हुई और वह वैन्डेलिया मे होने वाले एक महा सम्मेलन मे एक सप्ताह के लिए जाने को तैयार हो गई।

एक सोमवार को प्रभात के समय वे लोगन-परिवार के साथ एक बडी बग्घी मे चल पडे। स्प्रिङ्गफील्ड के शिष्टमडल मे सैकडो व्यक्ति थे। उनके आगे शहर का बैन्ड था। एक मनोरजन क्लब की स्त्रियो ने सफेद कपडे, रेशमी रूमाल और टेढे हैट पहने हुए थे। हिल्जबोरो के स्थान पर वहा का बैड भी उनसे आ मिला और वृक्षो के झुण्ड मे बैठकर उन्होने भोजन किया। सध्या समय कोर्ट हाउस के भाषण के जलसे के उपरान्त मेरी और अब्राहम एक स्थानीय व्हिग-परिवार के यहा ठहरे। रात उन्होने वही गुजारी। दूसरे दिन प्रातः यह जलूस

चल पडा और दोपहर के बाद वैन्डेलिया पहुच गया।

अब्राहम ने बडे गर्व से मेरी का परिचय राज्य के अन्य परिवारो से कराया। वहा पर व्हिग पार्टी के छ हजार लोग थे जिनमे एक हजार के लगभग स्त्रिया थी। मेरी ने शहर मे एक परेड का नेतृत्व किया। उसने भोजन मे मास परोसा। शामियाने मे और मैदान मे वृक्षो के नीचे अगणित भाषण सुने। वह इस प्रकार व्यस्त रहने पर बहुत प्रसन्न थी। सब लोग उसे अच्छे लगते थे। जिन स्त्रियो से वह मिली थी उन्हे वह बहुत पसन्द आई थी। लोग यह अनुभव करते थे कि राजनीतिक विषयो का मेरी को अत्यधिक ज्ञान है। जब लोगो को यह पता चला कि हेनरी क्ले से उसकी बहुत समय तक मित्रता रही है तो उन्होने मेरी को क्ले के विषय मे कुछ बताने का आग्रह किया। वह वहा पर व्हिग समाज के लोगो की अग्रणी बन गई और इस कारण वह बहुत ही प्रसन्नता अनुभव कर रही थी। उसने निश्चय किया कि स्प्रिगफील्ड वापस जाकर लोगो को दावत देकर वह समाज मे और भी अधिक ऊचा स्थान प्राप्त करेगी।

दो सप्ताह के पश्चात् एडवर्ड बेकर को काग्रेस का सदस्य निर्वाचित कर लिया गया। निनियन और उसके चचेरे भाई लोगन को स्टेट सीनेट का सदस्य चुन लिया गया।

व्हिग पार्टी की केवल यही विजय थी। नवम्बर मे जब राष्ट्रपति का निर्वाचन हुआ तो डेमोक्रेटिक पार्टी को सारे देश और इलीनाइस मे भी बहुमत प्राप्त हुआ। मुकाबला बडा सख्त था परन्तु मेरी को साइमन के वह कटु शब्द स्मरण हो आए, 'यही कारण है कि मुझे राजनीति से अत्यधिक घृणा है। क्योकि पराजित को कुछ भी प्राप्त नही होता।' मेरी को भी चिन्ता लग गई कि वाशिगटन मे डेमोक्रेटिक पार्टी के हाथ मे सत्ता होने पर क्या सगमन काउटी और सेवेथ डिस्ट्रिक्ट मे व्हिग पार्टी की इतनी शक्ति होगी कि जब दो वर्ष के पश्चात् फिर चुनाव होगे तो अब्राहम जीत सकेगा ? वह इस विचार को खुले रूप मे न कह सकती कि कही उसपर स्वार्थ तथा आत्म-स्तुति का आरोप न लग जाए परन्तु क्या सब स्त्रिया अपने पतियो के विषय मे उच्चकाक्षाए नही रखती ? यह केवल स्वार्थ और आत्मसम्मान के लिए नही था, इसमे तो मनुष्य की भावनाओ की पूर्ति थी। भला यह समझने मे क्या बुराई थी कि किसीके पति मे विशेष गुण हैं और उन गुणो को उपयोग मे लाना चाहिए। मेरी के मन मे जो आकाक्षाए

अब्राहम के लिए थी, अब्राहम के मन मे उससे कम आकाक्षाए नही थी, परन्तु क्या आकाक्षा और योग्यता सफलता-प्राप्ति के लिए पर्याप्त थी ? वे इलीनाइस मे अल्पसख्यक-पार्टी से सबन्धित थे। इस पार्टी के लोगो को नौकरिया भी कम ही मिलती थी। उन्हे यह भय था कि कही ऐसा न हो कि ये लोग आजीवन अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सघर्ष करते रहे और अन्त मे सफलता भी न हो।

राष्ट्रपति के चुनाव मे हार होने के पश्चात् अब्राहम लोगन की साझेदारी से तग आ गया था। मेरी ने उसे सान्त्वना देने का पूरा प्रयत्न किया क्योकि लोगन और लिंकन का दफ्तर इलीनाइस मे बहुत प्रसिद्ध हो गया था। वर्ष के अन्तिम दिनो मे मेरी को यह प्रश्न करने का अवसर मिल गया

'जब कि हमे वाशिगटन जाने की पूरी आशा है, ऐसे अच्छे चले हुए कार्य को छोडना कहा तक उचित है ? अब तो यह और भी आवश्यक है कि लोगन भाई यहा काम करते रहे ताकि हमारी आय मे वृद्धि हो। जब तुम्हारे पश्चात् काग्रेस मे जाने की उसकी बारी आएगी तो तुम इच्छानुसार दफ्तर को चलाना।'

वह मान गया कि वह इस विषय मे अभी कोई निश्चय नही करेगा।

उसके पश्चात् जो घटनाए हुई उससे मेरी अत्यधिक दु खी हुई। वह गुलाबी रग के कपडे पहनकर एलेज़बेथ को मिलने गई। एलेजबेथ अत्यधिक चिन्ता मे डूबी हुई थी।

'मेरी, क्या यह सच है कि अब्राहम ने भाई लोगन के साथ साझेदारी छोड दी है ? और विलियम हर्नडन को अपने साथ मिला लिया ?'

'नही एलेजबेथ, यह नही हो सकता। हर्नडन तो अब्राहम के दफ्तर मे केवल विद्यार्थी है।'

'निनियन कहता है कि उसे पिछले सप्ताह लाइसेस मिल गई है।'

'मेरी का हृदय काप उठा। वह घर आई और बैठक की कुर्सी की पीठ खिडकी की ओर करके बैठ गई। वह इतनी घबराई हुई थी कि उसे खाना बनाने का भी ध्यान नही रहा। थोडी देर मे उसने खेतो के परे मैदान मे अब्राहम को आते देखा। वह कुछ झुककर चल रहा था और उसका एक हाथ पीछे था, वह लगडाता हुआ-सा चल रहा था। अब्राहम ने बिना कोई आहट किए घर मे प्रवेश किया।

वह हाथ मे अपना कोट और हैट लटकाए कमरे मे आया। मेरी उसी प्रकार निस्तब्ध बैठी रही।

उसने पूछा, 'लिंकन, तुम्हारी साझेदारी के बारे मे जो कुछ सुना है क्या ठीक है ?'

'तुम्हारा चचेरा भाई लोगन चाहता है, उसका पुत्र डेविड भी फर्म मे शामिल हो। उसका विचार है कि इस नाम से तीन आदमियो का निर्वाह नही हो सकता इसलिए मुझे नया साझेदार ढूढ लेना चाहिए'''

'''''और तुमने केवल स्प्रिगफील्ड ही नही अपितु सारे इलीनाइस मे सबसे अयोग्य आदमी चुन लिया। भला और कोई आदमी तुम्हारा काम थोडे ही कर सकता था ?'

'ऐसा नही है। बिली से मुझे बहुत आशाए है।'

'कोई बताओ तो सही।' मेरी की आवाज तेज़ हो रही थी और वह उसी प्रकार बराबर बोलती रही, 'स्प्रिगफील्ड के समाज मे उसे कौन-सा स्थान प्राप्त है ? उसका यहा कितना सम्मान है तथा वकालत मे उसकी क्या ख्याति है ?'

'बिली एक कुशल तथा सच्चा कार्यकर्ता है और कुछ ही दिनो मे वह एक अच्छा वकील बन जाएगा। उसने हिसाब-किताब रखना, नित्यप्रति के कागजो को तैयार करना तथा अन्य सब छोटे-मोटे कार्य करने स्वीकार कर लिए है। अब मुझे इन कामो से छुट्टी मिल जाएगी।'

'प्रान्त मे सुयोग्य वकीलो के होते हुए, जिनकी वकालत अच्छी चल रही हो और जो तुम्हारे साथ मिलकर कार्य करने के इच्छुक हो, तुमने जान-बूझकर अपनी मान-मर्यादा को कम करने की कैसे सोची ?'

'मेरी मान-मर्यादा स्वय मेरी अपनी बनाई हुई है और भविष्य मे भी यह प्रतिष्ठा मेरी अपनी वकालत पर निर्भर होगी। इसका सम्बन्ध मेरे साथी से नही होगा।' उसके स्वर मे कुछ तेजी आ रही थी, 'मै आठ वर्ष तक एक छोटे सहायक वकील के रूप मे काम करता रहा हू। जैसा मुझे समझाया या आदेश दिया गया मैने किया, अब यह सब कुछ करने की मेरी आयु नही रही। आज से मै स्वतत्र वकील हू और बिली जैसे सहायक वकील की ही मुझे आवश्यकता है।'

मेरी जानती थी कि अब उससे हठ नही करना चाहिए। वह अन्तिम निश्चय कर चुका था परन्तु मेरी का क्रोध शान्त न हुआ।

'आखिर उसे अपना साझेदार बनाने की हठ क्यो करते हो ? केवल एक मास पूर्व ही तो वह भरे बाज़ार मे झगडा करते हुए पकडा गया था और उसे एक रात जेल की हवा खानी पडी थी। उसके सम्बन्ध॰स्प्रिङ्गफील्ड के समाज मे सबसे घटिया श्रेणी के लोगो से हैं। हमारे परिवार कभी भी आपस मे घुल-मिल नही सकते।'

'क्यो मेरी, मेरा सम्बन्ध तो और भी अधिक साधारण परिवार से है। यदि मैं इतना अच्छा हो सकता हू कि मेरा विवाह ब्ल्यू ग्रास के एक राजसी घराने मे हो सकता है तो क्या कारण है कि बिली और उसकी पत्नी से हमारी गहरी मित्रता नही हो सकती ?'

इस मुहतोड उत्तर पर मेरी केवल यह बोली, 'तुम सोचते हो कि मै घमडी हू परन्तु ऐसी बात नही है। मेरा विचार है कि तुम्हारी प्रतिष्ठा मे कुछ कमी हो जाएगी।' अब उसकी आवाज़ मे क्रोध के स्थान पर दु:खभरी प्रार्थना थी, 'अब्राहम, तुमने उसे अपना साझेदार क्यो बनाया जब कि तुम्हे उससे अच्छे व्यक्ति मिल सकते थे ?'

'मेरी, जब तुम्हे सबसे अच्छा आदमी मिल सकता था तो तुमने मुझे ही क्यो चुना ?'

'तुमसे अच्छा कोई न था।'

'बिली भी ऐसा ही है। उसे अवसर तो दो।'

जब उसने बिली शब्द का प्रयोग किया, उसकी आवाज मे ऐसा स्नेह था कि मेरी तुरन्त यह जान गई कि अब्राहम ने यह सब कुछ किसी विशेष आवश्यकता के कारण नही अपितु मित्रता के कारण किया है। यही कारण था कि मेरी के तर्क का उसपर कोई प्रभाव नही हुआ। वह केवल 'मौली' और 'बिली' को ही इन प्यारभरे नामो से पुकारता था।

स्प्रिङ्गफील्ड के अन्य सब व्यक्तियो के पारिवारिक नाम ही लेता था। अपने साझेदार स्टुअर्ट और लोगन को भी वह इसी प्रकार बुलाता था। मेरी के लिए यह बात असह्य थी कि अब्राहम उस बुद्धिहीन नवयुवक को भी उस जितना ही मान देता है और कि यह मित्रता उसके पति के लिए महत्वपूर्ण है।

वह बडी नम्रता से बोली, 'तुम उसे अपनी आय का तीसरा हिस्सा तो नही दे रहे हो न ?'

'मैं तो श्राधे हिस्से के लिए कह चुका हू ।'

'श्राधा ! परन्तु वह किसलिए ?'

'यदि मैं बिली को बराबर का स्थान न दू तो वह भी किसी न किसी दिन इस बटवारे को बुरा समझेगा। जो कुछ मैं श्रपने लिए नही चाहता वह दूसरो पर कैसे ठूंस सकता हू।'

मेरी ने श्रपनी हथेलिया श्रागे की श्रोर कर हाथो को इस प्रकार फैला दिया मानो यह चाह रही हो कि श्रब्राहम उसे दिखाई न दे। फिर मुट्ठिया बन्द करके हाथो को श्रपनी श्रोर धीरे से लाई।

'··तुम्हारी श्राधी श्राय·· इतने वर्षो के परिश्रम श्रौर तैयारी के बाद·· श्रौर एक शराबी साझेदार के लिए ··।'

कमरे का वातावरण श्रशान्त हो गया।

'मेरी, मुझे श्रपना कानूनी साझेदार चुनने के लिए तुम्हे पूरी स्वतन्त्रता देनी होगी। यह मेरे जीवन का ऐसा श्रग है जिसमे तुम दखल नही दे सकती। विवाह तुम्हे यह श्रधिकार नही देता।'

मेरी ने तीखे स्वर मे कहा, 'नही, बिल्कुल नही, मुझे यह श्रधिकार है कि मै तुम्हारी महत्वाकाक्षाश्रो की श्रोर ध्यान दू। कुछ कार्यों में तुम्हारी सहायता श्रौर परामर्श दू श्रौर श्रन्य स्थानो पर ठुकरा दी जाऊ। किन्तु यह मै कैसे जान सकती हू कि तुम्हारे जीवन के किस कार्य मे भाग लेना चाहिए ?'

वह श्राहत स्वर मे बोला, 'मेरी, तुम बहुत कठोर बन रही हो। तुम मेरे जीवन मे बराबर की साझेदार हो, तुम्हारी राय की सराहना करता हू। मै उसे जानने के लिए सदा प्रयत्नशील रहता हू। श्रौर सर्वदा उसकी श्रोर पूरा ध्यान देता हू परन्तु श्रब इस विषय मे तुम्हे मेरा कहना श्रवश्य मानना होगा।'

वे चुप बैठे रहे। फिर श्रब्राहम हाल मे गया, श्रपना कोट श्रौर हैट पहना श्रौर शहर वापस चला गया।

यह उनका पहला बडा झगडा था। मेरी को श्रपने श्रापपर काबू पाने मे बहुत समय लगा। तत्पश्चात् उसे ध्यान श्राया कि श्रब्राहम बिना कुछ खाए दफ्तर चला गया है। उसे लज्जा श्रनुभव हुई, श्रपने पति से चाहे कोई कितना ही क्रुद्ध क्यो न हो उसे खाना तो खिलाना ही चाहिए।

४१

जब से मेरी स्प्रिङ्गफील्ड आई तब से यह पहला मौका था कि सर्दी कम पडी। दिन तो इतने गर्म होते थे जितने कि अप्रैल के मौसम मे हुआ करते है। जब विधान सभा का अधिवेशन आरम्भ हुआ तो एलेजबेथ और निनियन ने औपचारिक तौर पर स्प्रिङ्गफील्ड के सामाजिक समारोहो का उद्घाटन किया तथा सहभोज और नृत्य का इतना बडा आयोजन किया जितना कि राजधानी मे पहले कभी नही हुआ था। मेरी इस आयोजन के लिए बहुत आभारी थी क्योकि इससे वह अपने बहुत-से पुराने महत्वपूर्ण मित्रो से पुन. मिल सकी थी। जब लिंकन और हर्नडन की साझेदारी की घोषणा हो गई तो लोगो को बहुत आश्चर्य हुआ किन्तु अब्राहम अब भी बहुत-से मुकदमे लोगन के साथ मिलकर ही लडा करता था और जब वह सर्किट न्यायालय के साथ बाहर जाता तो वहा लिंकन और हर्नडन कम्पनी के प्रतिनिधि के रूप मे नही जाता था किन्तु प्रत्येक कस्बे मे उसके साझेदार थे जोकि सामान्यत बहुत अच्छे वकील थे इसलिए ऐसा प्रतीत होता था कि लिंकन के पद और उसकी आय को कोई हानि नही पहुची थी। लिंकन एक वरिष्ठ साझेदार के रूप मे अधिक सुख अनुभव करने लगा। हर्नडन सारा छोटा-मोटा काम स्वय कर लिया करता था और लिंकन को लिखने-पढने के लिए अधिक समय मिल जाता था।

जिस पहले सोमवार की शाम को विधान सभा का अधिवेशन आरम्भ हुआ अब्राहम अपनी कुर्सी पर बैठा हुआ समाचारपत्र के पृष्ठो को इतनी तेजी से उलट रहा था कि जैसे उसे पढ न रहा हो।

'तुम अवश्य कही जाना चाहते हो' मेरी ने कहा, 'मैने कभी किसीको कुर्सी से इतनी घृणा करते हुए नही देखा जितनी कि तुम इस समय कर रहे हो।'

'देखो मौली लाबी मे आज रात पहली बैठक हो रही है और मेरे कानो को जैसे आदत पडी हुई है, मैं भी वहा जाकर हसी की खिलखिलाहट सुनना चाहता हू।'

'तब तो ईश्वर के लिए अवश्य चले जाओ। इस स्थिति मे मुझे तो तुम्हारा कोई लाभ नही।' जब अब्राहम सामने की सीढियो से उतर रहा था, मेरी

मुस्करा पडी । वह सोच रही थी, उसे अब्राहम से कोई भी तो शिकायत नही है। अगीठी के लिए वह हर रोज़ काफी लकडिया काट लाता था । गाय को दुहता था । घोडे की सफाई करता था । अस्तबल को साफ-सुथरा रखता था और पिछले बरामदे का भी ध्यान रखता था । उसने मार्ग बनवा दिया था, कुए को गहरा करवा दिया था और चारदीवारी की मरम्मत करवा दी थी ।

इस दृष्टि से मेरी को गृहस्वामिनी होने का गर्व था । उसके भण्डार मे आटे के कनस्तर भरे रहते थे। अर्क, अचार, मसाले, मास, चावल की बोरिया, किशमिश और आलूबुखारे की बोरिया भरी रहती थी। वह बहुत अच्छी रसोई बनाना नही जानती थी किन्तु अब उसने सीख लिया था कि काफी को भूनते हुए उसे केवल थोडा-सा लाल करना चाहिए और इससे उसका पूरा लाभ उठाया जा सकता है, और उसकी सुगन्धि बनी रहती है । उसने यह सीख लिया था कि किस प्रकार गाय को दुहने के पश्चात् दूध को पनीर वाले डिब्बे मे डालकर बहुत अच्छा पनीर तैयार किया जा सकता है । सारी सर्दिया उनके परिवार को ताजे आडू मिलते रहे थे । क्योकि पिछली गर्मियो मे मेरी ने सीख लिया था कि पके हुए आडुओ पर बबूल की गोद का लेप करने से उन्हे ताज़ा रखा जा सकता है। अब जब भी उन्हे ताजे आडुओ की आवश्यकता होती थी वे उबले हुए अण्डे के छिलके के समान आडू की ऊपरी तह को तोड देते थे ।

यह मकान इतना सुन्दर नही था कि लोगो को यहा सहभोज आदि पर आमन्त्रित किया जाता । हाल कमरा और खाने का कमरा बहुत छोटे तथा अन्धकारपूर्ण थे । उनका परस्पर सम्बन्ध नही था और हवा के लिए रास्ता नही था किन्तु मेरी ने ब्ल्यू ग्रास के वातावरण से प्राप्त गरिमा और कौशल द्वारा प्रत्येक अतिथि का प्रेमभरा स्वागत किया । स्वागत करते हुए वह प्रत्येक से स्नेहपूर्वक हाथ मिलाती थी और गाल का हल्का-सा चुम्बन देती थी ।

यद्यपि घर पर उसे अनेक प्रकार के काम करने पडते थे क्योकि वह केवल कभी-कभी एक आयरिश लडकी को अपनी सहायता के लिए बुलाया करती थी किन्तु इसपर भी वह एपिस्कोपल सेइग सोसाइटी की नेताओ मे गिनी जाने लगी। मेरी हाथ मे सिलाई की बडी टोकरी लिए हुए जब बाहर आती तो उसे वहा मर्सी कोर्कलिंग और क्लब की अन्य आधी दर्जन सदस्याए एक गाड़ी पर लदे हुए घास के गट्ठर मे बैठी हुई मिल जाती थी । जब वह गाडी पर सवार

हो जाती तो वे लोग दूसरी सदस्या को लेने के लिए अगले घर चल देती। गिरजाघर तक पहुचते-पहुचते उस गाडी पर स्त्रिया इस प्रकार लद जाती थी जैसे चीनी का सामान रखा हुआ हो।

तीन जुलाई बृहस्पतिवार का दिन था, जब मेरी को यह पता लगा कि वह पुन गर्भवती हो गई है। यह तारीख उसके मन मे इस कारण घर कर गई कि उसने उसी रात अब्राहम को कहा और वे एक बेटी की आशा के सम्बन्ध मे बातचीत करते रहे। वस्तुत वे उस रात बिस्तर मे लेटे-लेटे इतनी देर तक प्यारभरी बाते करते रहे कि जब चर्च की घटी बजी तब कही उन्हे नीद आई। मेरी को ऐसा लगा कि अभी वह कुछ ही मिनट सो पाए थे कि तेरह तोपो की गरज ने उसे फिर जगा दिया और उसी समय अब्राहम की आख भी खुल गई।

'क्या यह सलामी इसलिए दी गई है कि हमारा एक और बच्चा पैदा होने वाला है ? सेना को भला इस बारे मे इतनी जल्दी कैसे पता लग गया ?'

लिंकन ने प्राय सुषुप्तावस्था मे परिहास करते हुए कहा, 'मौली, इन्होने तुम्हारा सम्मान किया है और साथ ही स्प्रिगफील्ड के लोगो को जगाया गया है कि वे ४ जुलाई का उत्सव मनाए। इस सबसे मुझे यह भी स्मरण हो आया है कि मुझे कल राज्यभवन मे भाषण देना है।'

दो बजने से कुछ ही देर पहले लिंकन और उसकी पत्नी चौक की ओर चले गए। राज्यभवन के मैदान मे अभी तक तारे न लगाई गई थी और वहा पर पत्थरो के ढेर पडे हुए थे जो बरामदा बनाने के लिए काटे-छाटे जा रहे थे। सैकडो बैलगाडिया पत्थरो के ढेरो के साथ-साथ पक्ति मे खडी की गई थी।

मेरी ने सुना पहले मेयर जेम्स कोकलिङ्ग ने खूब बढा-चढाकर प्रशसा करते हुए अब्राहम का परिचय दिया और फिर अब्राहम ने भाषण आरम्भ करते हुए श्री 'चीअर मैन' कहा। तत्पश्चात् लिंकन दो घण्टे तक भाषण देता रहा जिसमे उसने उन शक्तियो की ओर सकेत किया जो अमेरिकी जीवन मे सगठन पैदा करती थी। वह बडी सावधानी से उन समस्याओ से अलग रहा जो धीरे-धीरे राष्ट्र की एकता मे बाधा डाल रही थी। अर्थात् दासता, टेक्सास, और कैलिफोर्निया को अमेरिका के क्षेत्र मे मिलाने के सम्बन्ध मे मेक्सिको से युद्ध और ओरेगन की सीमा के प्रश्न पर इगलैड के साथ युद्ध। किन्तु इस सावधानी से उसका प्रयोजन सिद्ध न हुआ क्योकि मेरी के चचेरे भाई जान जे० हार्डिन ने यह बता दिया

कि वह पुनः काग्रेस मे व्हिग पार्टी की नामजदगी चाहता है ।

अब्राहम हार्डिन से मिलने के लिए जैक्सनविले तक घोडे पर गया और जब अगले दिन लौटा तो वह प्रसन्न दिखाई नही देता था ।

'तुम्हारा भाई मुझे पसन्द नही करता ।' लिंकन शिकायत की-सी आवाज़ मे बोला, 'वह इस बात के पक्ष मे नही है कि एक सदस्य के बाद उत्तराधिकारी रूप मे कोई दूसरा सदस्य काग्रेस के लिए खडा हो और उसने अपना प्रचार कार्य शुरू कर दिया हो।'

मेरी बहुत घबराई हुई तथा निराश दिखाई देने लगी ।

'काग्रेस का पद बारी-बारी से मिले, यह सिद्धान्त स्थापित करने के लिए मैने तीन वर्ष तक काम किया ।' अब्राहम ने अपनी छोटी-सी दाढी को खुजाते हुए कहा, 'किन्तु हार्डिन के बहुत-से समर्थक है । यदि इसपर वह नाम-निर्दिष्ट हो गया तो वह काग्रेस मे जमा रहेगा और फिर श्री लिंकन कभी भी सदस्य नही बन सकेगे ।'

यह गुत्थी और भी अधिक उलझ गई क्योकि इसी अवसर पर स्टीफेन लोगन ने उन्हे यह सूचना दी कि वह भी काग्रेस के लिए नामज़दगी चाहता है । मेरी तथा अब्राहम रोज़ शाम को व्हिग पार्टी के प्रतिनिधियो को दर्जनो पत्र लिखा करते थे जिनमे अब्राहम का दृष्टिकोण समझाया जाता था।

मेरी ने रूखेपन से कहा, 'राष्ट्रपति-पद के निर्वाचन के लिए भी इससे अधिक प्रयत्न नही करना पडता होगा ।'

काफी अनुरोध के बाद स्टीफेन लोगन ने अगली व्हिग सभा मे नाम-निर्देशन के लिए अब्राहम के नाम का प्रस्ताव रखना स्वीकार कर लिया किन्तु इस शर्त पर कि अब्राहम स्वय अपना समर्थन करने का प्रयत्न न करे। अब केवल मेरी के चचेरे भाई जान जे० को नर्म करना रह गया था ।

मेरी इस प्रतीक्षा मे रही कि वह स्प्रिङ्गफील्ड आए । आखिर वह किसी कानूनी काम पर स्प्रिङ्गफील्ड आया तो मेरी ने अपने आपको भाई स्टुअर्ट के घर आमन्त्रित करवा लिया जहा वह ठहरा हुआ था । हार्डिन राज्य की स्वय-सेवक सेना का सफल, धनवान तथा प्रभावशाली जनरल था । वह मेरी के चचेरे भाइयो मे सबसे अधिक सुन्दर था । उसके सिर पर काले बाल थे जो कनपटियों पर सफेद होने लगे थे । आखे बडी-बडी तथा काली थी और नाक रोमन लोगों जैसी थी और मुह तथा ठुड्डी से दृढता का आभास होता था । स्टुअर्ट ने बडी

कुशलता से मेरी और हार्डिन को कमरे मे अकेला छोड दिया ताकि वे परस्पर बातचीत कर सकें।

मेरी ने बात आरम्भ की, 'भाई जान जे, जब आप और बेकर काग्रेस मे चुन लिए गए थे तो अब्राहम ने बडे धैर्य से प्रतीक्षा की थी और अब उसका यह कहना है कि अब उसकी बारी है।'

'मेरी, मुझे सदा तुमसे स्नेह रहा है और मै नही चाहता कि इस विवाद से हममे मनमुटाव हो। अब्राहम के लिए मार्ग छोड देने से जो मै इन्कार करता हू उसका कोई व्यक्तिगत कारण नही है किन्तु मेरा यह विश्वास है कि काग्रेस मे प्रतिनिधित्व का यह ढग मूर्खतापूर्ण है। इससे कोई व्यक्ति वहा इतनी देर नही ठहर पाएगा कि उसे पता लग सके कि वहा क्या होता है और न ही इस प्रकार वह वरिष्ठता प्राप्त कर सकता है जिससे वह महत्वपूर्ण समितियो का सदस्य ही नियुक्त हो सके। तब हम अपने साथी सदस्यो मे प्रसिद्ध कैसे हो सकते है और इस प्रकार वहा हमारी न तो आवाज होगी और न असर। काग्रेस का नौसिखिया सदस्य कुछ भी तो नही कर सकता और इस बारी-बारी की पद्धति से तो हम कयामत तक नये काग्रेस सदस्यो को ही वहा भेजते रहेगे।'

मेरी ने नर्मी से कहा, 'मै तुम्हारे तर्क का विरोध नही करती किन्तु इलीनाइस मे हमारे पार्टी के सदस्य अल्प सख्यक है इसलिए सातवे जिले मे एक काग्रेस पद के सिवाय हमे कोई और पद प्राप्त नही हो सकता, इस कारण हमे बाध्य होकर अपने श्रेष्ठतम लोगो मे यह पद बाटना चाहिए।'

'मेरी, तुम्हारा पति जनता के उम्मीदवार को चुनने के अधिकार मे हस्तक्षेप करने का प्रयत्न कर रहा है।'

मेरी ने अपने दोनो हाथ उसके कधो पर रख दिए और आग्रहपूर्वक बोली, 'भैया, हमने इतनी देर प्रतीक्षा की है, अब तो यह अवसर कृपया हमे ही मिलने दो।'

दिसम्बर के आरम्भ मे सुप्रीम कोर्ट के अधिवेशन के अवसर पर अब्राहम वापस आया। मेरी ने उसे नही बताया कि हार्डिन के साथ उसकी क्या बातचीत हुई है। लिंकन को यही विश्वास था कि व्हिग सभा मे उसे जान जे० के साथ टक्कर लेनी होगी।

इस वाद-विवाद मे मेरी ने डाक्टर वालैस की चेतावनी का बहुत ध्यान

रखा और यथासभव इस बात के लिए बहुत कम चिन्ता की कि इस सघर्ष का परिणाम क्या होगा। एक और चिन्ता को अपने मन से न निकाल सकी, वह यह कि कही उसके दूसरे बच्चे की आखे भी भैंगी न हो।

जब अब्राहम ने मेरी को नव वर्ष दिवस पर पार्टी देने की अनुमति दे दी तो उसे बहुत प्रसन्नता हुई क्योकि उस काम-काज मे उसका मन लगा रहेगा। उसने सदेश भेज दिया कि सभी मित्र उसके घर पर आमन्त्रित है। फिर मिस्टर वाटसन की दुकान से उसने बादामो से भरे दो बहुत बडे केक मगवा लिए। उनके ऊपर खाड के शीरे का जाला-सा बना हुआ था। उसने वे केक मेज़ के दोनो सिरो पर एक-एक करके रख दिए। बीच मे उसने सन्तरो से भरे हुए कटोरे रख दिए। सन्तरो के छिलके बहुत अच्छी तरह काट दिए गए थे। उन कटोरो के दोनो ओर मुनक्का, बादाम, सफेद अगूर, किशमिश चादी की थालियो मे रखे हुए थे। इस अवसर पर उसने एक विशेष चटनी भी तैयार की थी और ठीक अन्तिम अवसर पर जब लिकन उसकी ओर नही देख रहा था उसने अडो को केटुकी के मसालो से भर दिया।

जब फरवरी के मध्य मे जान जे० हार्डिन ने अनिच्छापूर्वक काग्रेस के निर्वाचन से अपना नाम वापस ले लिया तो मेरी को अब्राहम की अपेक्षा कम आश्चर्य हुआ।

मार्च के दूसरे सप्ताह मे मेरी ने अपने घर और अपने बिस्तर मे अपने दूसरे लडके एडवर्ड को जन्म दिया। लडकी न होने की निराशा उस समय समाप्त हो गई जब मेरी को यह विश्वास हो गया कि उस नन्हे बालक की आखे बिल्कुल ठीक हैं। सोने का कमरा प्रसूति-गृह बन गया। आग के सामने नहाने का एक छोटा टब रख दिया गया, एक खूटी रख दी गई, ताकि बच्चे के कपडे सदा गर्म रहे। बिस्तर के समीप ही ऊचे पायो पर बच्चे का झूला रख दिया गया ताकि यदि रात के समय वह रोए तो मेरी वही लेटे-लेटे हाथ बढाकर उसे थपक सके और उसे झुला सके। ऊपर का एक कमरा राबर्ट को सोने के लिए दे दिया गया।

११ मई को अर्थात् जब अब्राहम औपचारिक रूप से नाम-निर्दिष्ट हो गया तो उसके चार दिन पश्चात् साइमन फ्रासिस ने संगामो जरनल के मुख्य पृष्ठ पर शीर्षक निकाला :

'अब्राहम लिंकन कांग्रेस के लिए नाम-निर्दिष्ट'

अमेरिका ने मेक्सिको के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी—इलीनाइस मे युद्ध का उन्माद छा गया। प्रात. से साय तक स्वयसेवक भर्ती करने के लिए जलसे किए जाते, बहुत देशभक्तिपूर्ण भाषण होते और सारा दिन परेड हुआ करती थी। गवर्नर फोर्ड ने जान जे० हार्डिन को पहली इलीनाइस रेजिमेन्ट का कमाडर नियुक्त कर दिया। जेम्स शील्ड्स ने भूमि आयुक्त के पद से त्यागपत्र दे दिया और इलीनाइस के स्वयसेवको के जत्थे का ब्रिगेडियर जनरल बन गया। मेरी और लिकन के मित्र एडवर्ड बेकर ने कांग्रेस पद को छोड दिया और इलीनाइस रेजिमेन्ट को स्थापित करने तथा उसका नेतृत्व करने के लिए मैदान मे कूद पडा किन्तु मेरी ने अपने पति मे ऐसा कोई उत्साह नही देखा अपितु साइमन फ्रांसिस जरनल के सपादकीय मे जो युद्ध के सम्बन्ध मे शोर मचाया करता था लिकन उसका विरोध किया करता था। लिंकन को इस बात का भी भय था कि राष्ट्रपति पौक ने जनरल टेलर को जो रियो ग्रेन्ड भेजा है उसी कारण यह युद्ध आरभ हुआ है।

एक दिन मेरी बहुत बेचैनी से पूछने लगी, 'मेरा विचार है कि तुम पाचवी इलीनाइस रेजिमेन्ट की स्थापना के लिए कुछ भी प्रयत्न नही करोगे।'

'मैं ब्लैक हाक युद्ध मे इडियनो का पीछा करने के लिए शामिल हुआ था किन्तु अब मेरी उम्र काफी हो गई है। मै युद्ध पसद ही नही करता अपितु अब तो यह मेरी समझ से भी बाहर है। मैं तो यह सोचकर काप उठता हू कि स्प्रिङ्गफील्ड के इन सुन्दर नवयुवको मे से कितने जीवित नही लौटेंगे। अपनी सरकार के व्यवहार से मुझे इलीनाइस के एक किसान की बात याद आ गई है। उसने कहा था : मुझे जमीन का लालच नही है; मै तो केवल यह चाहता हू कि जिस ज़मीन की सीमा मेरी ज़मीन से मिलती है वह मुझे मिल जाए।'

डेमोक्रेटिक पार्टी ने अब्राहम के विरुद्ध पीटर कार्टराइट को नाम-निर्दिष्ट किया। वह पादरी था और जब १८३२ मे लिकन पहली बार राज्य विधान सभा के चुनाव के लिए खडा हुआ था तो उसीने लिकन को पराजित किया था। अब फिर डेमोक्रेटो ने उसे लिंकन के मुकाबले मे खडा किया। कार्टराइट इलीनाइस का अनथक काम करने वाला पादरी था और उसका व्यक्तित्व बहुत आकर्षक था। हर वर्ष वह लोगो मे जागृति फैलाने के लिए हज़ारो मील की यात्रा किया

करता था और शिविर-सभाए लगाया करता था। उसके सिर पर मोटे-मोटे बालो की तह इस तरह जमी हुई थी, जैसे किसी किसान की झोपडी की छत हो। उसका मुह वैसे ही बहुत बडा था और जब वह बोल रहा होता था तो उसके पूरे जबडे खुल जाते थे।

जब अब्राहम ने कार्टराइट के नाम-निर्देशन की बात सुनी तो उसने कहा, 'हमारा सघर्ष राजनीतिक सघर्ष नही होगा। सिवाय सीमा-शुल्क के हमारा किसी बात मे भी मतभेद नही है। मैं पीटर कार्टराइट को जानता हू और इस सघर्ष का रूप धार्मिक जागृति का प्रश्न बन जाएगा। मेरा विचार है कि अब मुझे जिले के हर व्यक्ति से जाकर मिलना चाहिए।'

जुलाई के आरम्भ मे एक रविवार को जब धूप खूब चमक रही थी कार्टराइट ने स्प्रिङ्गफील्ड मे एक बडा जलसा किया, जिसे सुनने के लिए लोग गए। उन्हे दूर पक्ति मे स्थान मिले। पादरी कार्टराइट ने पापियो के लिए नरक की आग और दैवी विपत्ति का खूब प्रचार किया।

अब्राहम ने धीमे से कहा, 'मेरी समझ मे नही आता कि वह यहा पापियो को क्यों ढूढ रहा है, यहा तो सब उसीके डेमोक्रेट साथी बैठे हुए है।'

उसी समय कार्टराइट ने लिकन को देख लिया। उसने उसकी ओर क्षण भर ध्यानपूर्वक देखने के पश्चात् अपना हाथ बढाकर जोश के साथ कहा, 'वे सब लोग, जो नया जीवन गुजारना चाहते है, अपने हृदयो को ईश्वर को समर्पित करना चाहते है और स्वर्ग जाना चाहते हैं, वे खडे हो जाए' कुछ लोग खडे हो गए। 'जो लोग नरक मे नही जाना चाहते वे खडे हो जाए' इसपर शेष सब लोग खडे हो गए। मेरी तो अपनी कुर्सी मे ही धस गई और लोग उसको घूरकर देखने लगे। पादरी कार्टराइट ने बडी मधुर आवाज मे कहना शुरू किया .

'मैने देखा है कि बहुत-से लोगो ने अपने आपको ईश्वर को समर्पित करने और स्वर्ग मे जाने के लिए प्रस्तुत किया है। फिर मैने देखा है कि सिवाय एक के सभी यह चाहते है कि वे नरक मे न जाए। क्या लिंकन, मैं आपसे पूछ सकता हू कि आप कहा जाने वाले है ?'

अब्राहम कुर्सी से धीरे से उठा और अपनी नाक की आवाज मे बोला

'मैं काग्रेस मे जाने वाला हू।'

क्षण भर के लिए निस्तब्धता छा गई। फिर सभी लोग बडे जोर से हंस

पडे। अब्राहम ने मेरी का हाथ पकडा और उसे लेकर शामियाने से बाहर निकल आया। मेरी मन ही मन मुस्करा रही थी किन्तु लिंकन को इस घटना से कोई मनोविनोद नही हुआ था।

वह बोला, 'मै समझता हू कि वह इस राजनीतिक जलसे को एक धार्मिक जलसे मे परिणत करते हुए भद्दी अभिरुचि का परिचय दे रहा है।'

मेरी ने बडे प्यार से अपने पति की बाह मे बाह डालते हुए कहा, 'किन्तु जो काम तुम्हारा वह छोटा-सा परिहास करेगा वह सैकडो शोर वाले भाषण भी नही कर सकते। तुम्हारा यह परिहास ही लोगो के सामने यह प्रमाणित कर सकता है कि पादरी कार्टराइट को धार्मिक प्रचार के लिए यही छोड दिया जाए और तुम्हे राजनीतिक कार्य के लिए वाशिंगटन भेज दिया जाए।'

मेरी का कहना सच निकला। दो ही दिन मे वह कहानी जिला भर मे फैल गई। लोग इस बात पर बहुत प्रसन्न हुए कि लिंकन ने कार्टराइट को मुहतोड उत्तर दिया। इस घटना की प्रतिक्रियास्वरूप पादरी ने एक सार्वजनिक वक्तव्य मे कहा कि लिंकन नास्तिक है इसलिए उसे कोई अधिकार नही कि वह काग्रेस मे ईसाइयो का प्रतिनिधित्व करे।

उस घटना के परिहास का प्रभाव क्षीण हो गया। कई दिनो से मेरी देख रही थी कि लिंकन अपने विचारो को छोटे कागज़ो पर लिखा करता था और फिर उन टुकडो को अपने हैट मे डाल लिया करता था। जब वह तैयार हो जाता तो वह मेज पर बैठकर उन टुकडो को सामने रख लेता और परीक्षात्मक वक्तव्य लिखता। और जब एक छोटा-सा भाषण तैयार हो गया तब उसे सन्तोष हुआ। वह उस भाषण को जरनल के दफ्तर मे ले गया तथा उसे प्रकाशित करवा कर सेवेन्थ डिस्ट्रिक्ट मे भेज दिया

'नागरिक बन्धुओ,

'क्योकि मेरे विरुद्ध यह बात फैलाई गई है कि '''मैं ईसाई धर्म का विरोधी हू, इसलिए मैने इस विषय को इस रूप मे देखा है। यह बात सच ही है कि मैं किसी ईसाई गिरजा घर का सदस्य नही हू, किन्तु मैने कभी बाइबल की सचाई को अस्वीकार नही किया और मैने कभी भी सामान्यत. जानबूझकर धर्म का विरोध नही किया और न ही कभी किसी ईसाई सम्प्रदाय का ही विरोध किया है।''''और मैं अब भी यही समझता हू कि किसी भी व्यक्ति को

यह अधिकार नही कि वह जिस सम्प्रदाय या धर्म मे रहता है उसकी भावनाओ को ठेस पहुचाए '

'यह उस तीक्ष्ण परिहास का परिणाम था अथवा पादरी कार्टराइट की गलत राजनीतिक चाल का या केवल इतनी ही बात थी कि उस जिले मे ही व्हिग लोगो का बहुमत था, मेरी इसका निर्णय न कर सकी, किन्तु लिंकन को कुल मतो मे से ५६ प्रतिशत मत प्राप्त हुए।

'पता नही मै क्यो ऐसा अनुभव करता हू कि काग्रेस मे निर्वाचित होने पर मुझे इतनी प्रसन्नता नही हुई जितनी कि होनी चाहिए थी'—उस रात उसने घर के अहाते का चक्कर लगाने के बाद कमरे मे प्रवेश करते हुए कहा।

मेरी ने वात्सल्यपूर्ण स्नेह के साथ कहा, 'माननीय अब्राहम लिंकन साहब, बच्चे के जन्म के पश्चात उत्तरदायित्व के भार को अनुभव करते हुए माता-पिता को जो उदासी अनुभव होती है यह भी कुछ इसी प्रकार की उदासी है। कुछ देर प्रतीक्षा करो। जब तुम पुन पाव पर खडे हो जाओगे तो तुम्हे इस बात की प्रसन्नता भी होगी।'

४२

स्टीफेन डगलस तीसरी बार काग्रेस के लिए निर्वाचित हो गया था। वह अब्राहम को बधाई देने के लिए उनके घर पर आया और इसी जोश मे उसने पति-पत्नी की बाहे झझोडकर रख दी और बोला

'भई बधाई हो बल्कि मेरी के शब्दो मे ढेरो बधाई हो। मै इस बधाई को रजिस्टर पत्रिका मे नही प्रकाशित करूगा और न ही यह प्रकाशित करूगा कि मै तुम्हारी विजय पर बहुत प्रसन्न हुआ हू किन्तु यह बात मैने सदा कही है कि स्प्रिगफील्ड मे जितने भी बेचारे व्हिग है उन सबमे लिंकन सबसे अधिक ईमानदार व्यक्ति है।'

अब्राहम जोर से हसा। मेरी बोली, 'तुम्हारे समकक्ष होने मे हमे बहुत देर

लगी है स्टीव ! किन्तु हमे इस बात की प्रसन्नता है कि जब हम वाशिंगटन पहुंचेगे तो तुम भी वही होगे।'

स्टीफेन ने लिंकन की ओर देखते हुए कहा, 'लिंकन, मुझे पता चला है कि मेक्सिको युद्ध के विषय मे तुम्हारे मन मे बडी कायरता है। किन्तु राष्ट्र के अग्र-नायक बनने का यह ढग नही है, क्योकि देशभक्त और नीतिवादी एक स्थान मे नही रह सकते।'

अब्राहम ने अपने कन्धे झटक दिए और बोला, 'मुझको तो ऐसा बिस्तर तक भी नही मिला जिससे मेरे पाव बाहर न निकल जाते हो।'

बीयर का गिलास पीते हुए और कुछ मीठे केक खाते हुए, जो मेरी ने सुबह बनाई थी, डगलस ने बताया कि उसने स्थायी रूप से शिकागो चले जाने की योजना बनाई है और झील के किनारे बसे हुए नये नगर मे जायदाद खरीद ली है। उसने यह भी बताया कि उत्तर कैरोलिना के एक जमीदार की लडकी से उसका प्रेम हो गया है और अगली वसन्त ऋतु मे विवाह हो जाने की आशा है।

किन्तु जब इलीनाइस की विधान सभा का अगला अधिवेशन आरम्भ हुआ तो उसने काग्रेस के सदस्य स्टीफेन डगलस को अमेरिका की सीनेट के लिए नाम-निर्दिष्ट कर दिया। उस समय मेरी ने कहा, 'उसने मुझे कई वर्ष पहले बता दिया था एक बार मै अमेरिका की सीनेट का सदस्य बन गया तो मै सदा के लिए उस पद पर आरूढ रहूगा।'

अब्राहम बाहर हाल मे गया और अपने हैट मे से एक निमन्त्रण पत्र निकाल लाया जो उसे एक दिन पहले मिला था और बोला

'इसे सुनो मेरी।'

'माननीय स्टीफेन ए० डगलस के सम्मान मे एक शानदार समारोह राज्य-भवन मे किया जा रहा है। सभा के हाल मे सुन्दर पकवान होगे। स्वादिष्ट भोजन होगा। पेय पदार्थ की कोई कमी न होगी। सभा भवन मे शानदार नृत्य होगा। आपको और आपकी पत्नी को हार्दिक निमन्त्रण है।'

मेरी ने हसते हुए कहा, 'तो क्या हम केवल चार मास ही उसके साथ रह सकेंगे ?'

'देखो मौली, मैं डगलस के साथ दौड नही लगा रहा हू। हम दोनो के लिए अपना-अपना स्थान बनाने के हेतु पर्याप्त क्षेत्र है।'

'तो क्या इलीनाइस से दो राष्ट्रपति चुने जाएगे ?'

अब्राहम हस पडा, 'यह देखते हुए कि हमे कांग्रेस मे निर्वाचित होने के लिए कितना समय लग गया है, मै यह कह सकता हू कि जब मैं राष्ट्रपति-पद के लिए चुना जाऊगा तो हम दोनो हज़रत खिज़र की तरह बूढे हो चुके होगे और क्या तुम मुझमे और डगलस मे यह तुलना इसलिए करती हो कि तुम हम दोनो मे से किसी एक के साथ शादी कर सकती थी और अब यह देखना चाहती हो कि तुमने कहा तक ठीक फैसला किया है ?'

'स्टीव से मैं कभी विवाह न कर सकती, क्योकि उसने मुझसे कभी प्रस्ताव नही किया और मैने उससे कभी प्रेम नही किया।' मेरी सोच-सोचकर कह रही थी, 'शारीरिक तथा मस्तिष्क की दृष्टि से हम एक दूसरे के इतने समान है जैसे मटर के दो दाने। हममे विवाह ऐसा होता मानो हमने अपनी प्रतिभा ही से विवाह कर लिया हो। इसलिए यदि वह चीन का सम्राट भी बन जाए तो भी मुझे अपनी पसन्द पर पश्चात्ताप करने का कोई कारण न होगा।'

'वह चीन का सम्राट् तो नही बन सकेगा किन्तु अमेरिका के राष्ट्रपति-भवन का मार्ग उसने अच्छी तरह नाप-तोल रखा है। ठीक ऐसे ही जैसे इजिनियरो ने यहा से जैक्सनविले को जाने वाली रेल की पटरी का सर्वेक्षण कर रखा है।'

मेरी ने अपने दोनो पावो को फैला दिया और बोली 'क्या तुम शर्त लगाना चाहते हो कि इस निष्कर्ष पर कोई तूफान खडा हो जाएगा ?'

मेरी तो तभी बिस्तर-बोरिया बाधकर वाशिगटन जाने के लिए तैयार थी किन्तु लिंकन को एक वर्ष पश्चात् ही कांग्रेस मे जगह मिलनी थी। मेरी ने निश्चय कर लिया कि इस लम्बे काल को शान्ति से बिता देगी और वहा जाने के लिए तैयारी करेगी तथा लेक्सिगटन मे अपने परिवार से मिलने के लिए जाएगी। उसने अपना अधिक समय कपडे सीने मे लगाना आरम्भ कर दिया। एक सुन्दर पोशाक तैयार की, लडको के लिए रेशमी कपडे तैयार किए। जब अब्राहम ने नया सूट और जूते खरीदने का विरोध किया तो मेरी ने बडी सख्ती से कह दिया, 'अब्राहम, तुम्हे यह सब कुछ करना होगा। मै अपने घर दरिद्र सम्बन्धियो को नही ले जा रही हू।'

मेरी ने जब समाज मे पुन: अपना स्थान प्राप्त कर लिया तो फिर सहभोज

आदि के आयोजन करने की आवश्यकता न रही। वे दोनो पैसा बचाना चाहते थे। अब्राहम चाहता था कि न्यू सलेम के ऋण को पूर्णत. चुका दे और इस दायित्व से मुक्त होकर ही वाशिंगटन जाए। मेरी इसलिए पैसा जमा कर रही थी कि वाशिंगटन मे एक भव्य भवन किराये पर ले, कुछ नौकर रखे और अपने पति के लिए एक सुन्दर वातावरण पैदा करे। मेरी ने खाड के मर्तबान और कीमती वस्त्रो को अलमारी मे बद करके रख दिया क्योकि जो आयरिश लडकिया वहा आती-जाती थी वे इन वस्तुओ का अत्यधिक प्रयोग करती थी। जब रात के समय अगीठी मे आग बुझ जाती तो अब्राहम बेलचा उठाकर पडोस के घर से जलते हुए कोयले ले आता ताकि बहुत महगी दियासलाइया न खरीदनी पडे।

जब अब्राहम एक दिन प्रात अपने दफ्तर जा रहा था तो मेरी ने उससे कुछ पैसा मागा। लिंकन ने उससे कहा कि वह अपने कानून के नये छात्र के हाथ पैसा घर भेज देगा। कुछ मिनट बाद दरवाजे पर खटखटाहट हुई। मेरी ने दरवाजा खोला तो उसे एक सुनहरे बालो तथा नीली आखो वाला नवयुवक खडा दिखाई दिया।

'क्या आप श्रीमती लिकन है ? मेरा नाम गिब्सन हैरिस है। श्री लिकन ने यह लिफाफा आपके लिए भेजा है।'

उसकी आवाज बहुत मधुर थी और आचरण शिष्टतापूर्ण। मेरी ने उसे अन्दर आने के लिए कहा और उसने शिष्ट भाव से झुककर अभिवादन किया तथा अन्दर आ गया। उसने मेरी को बताया कि वह कई सप्ताह से लिकन तथा हर्नडन के पास कानून का अध्ययन कर रहा है। जब मेरी ने पूछा कि क्या श्री लिकन अच्छे अध्यापक है तो उसने अपना सिर टेढा कर लिया और उसकी आखो मे एक चमक दिखाई दी।

'जब मुझे साक्ष्य के नियमो अथवा अन्य प्राविधिक बातो के बारे मे कुछ सीखना होता है तो मै श्री हर्नडन से मशवरा करता हू। श्री लिकन मुझे यह गुर सिखाते हैं कि मुकदमे की तह तक कैसे पहुचा जाए। कैसे उसके सार को पहचाना जाए। आज प्रात. ही उन्होने मुझे बताया है कि उन्हे वह वृक्ष कही अधिक प्यारा लगता है जिसपर फूल-पत्ते न हो बनिस्बत उस वृक्ष के जो पूरी तरह हरा-भरा हो। उन्होने कहा कि वृक्ष के उस ढाचे मे शाखाओ का वास्तविक सौन्दर्य प्रदर्शित होता है और भद्दी गाठो का भद्दापन भी लक्षित हो जाता है, फिर यह फैसला करना बहुत सुगम हो जाता है कि, उस वृक्ष की प्रशसा करनी

चाहिए अथवा नही ।'

उस शाम मेरी ने अब्राहम से पूछा कि यदि रविवार को श्री हैरिस को खाने के लिए आमन्त्रित किया जाए तो कैसा रहेगा ।

'अवश्य, हम उस समय एक दूसरे को जो पढकर सुनाते है उसे सुनने वाला एक और मिल जाएगा ।'

लिकन ने कुर्सी को जमीन पर उल्टा कर दिया और स्वय कुर्सी की पीठ से अपनी कमर लगाकर फर्श पर बैठ गया तथा कैप्टन जान सी० फ्रीमौट की पुस्तक 'दि रिपोर्ट आफ दि एक्सप्लोरिंग एक्सपेडिशन टू दि राकी माउन्टेन ऐण्ड टू ओरेगन ऐण्ड नार्थ कैलिफोर्निया' पढने लगा । इस पुस्तक मे मानचित्रो द्वारा उस प्रदेश का जो मार्ग बनाया गया था और जिस ढग से वहा की घाटियो तथा उपत्यकाओ के परे जगलो, पहाडी मार्गो और जगली जानवरो का वर्णन किया गया था उससे सैकडो लोग पश्चिम की ओर प्रव्रजन कर गए थे ।

पिछले वसत मे मेरी ने भी अपने कुछ पडोसियो को पश्चिम की ओर जाने की तैयारी करते देखा था । उस जत्थे मे स्प्रिङ्गफील्ड के दो विख्यात घराने जार्ज डानर और जेम्स रीड के थे जो दल का नेतृत्व कर रहे थे । वे लोग अपने साथ दो मस्तूलो के जहाज, घोडे, खच्चर, गाए, माल, असबाब, खाने-पीने का सामान और बन्दूके ले जा रहे थे । कुल मिलाकर चौतीस स्त्री, पुरुष और बच्चे इस जत्थे मे थे ।

नवयुवक हैरिस अब प्राय उनके यहा रविवार को खाना खाने आ जाया करता था । दो अवसरो पर जब अब्राहम को नगर से बाहर जाना पडा तो नगर मे कोई अच्छी पार्टी थी । उसके लिए अब्राहम ने स्वय कहा कि मेरी हैरिस को ले जाए । मेरी के लिए यह नवयुवक उसके पति के साझेदार का स्थान प्राप्त कर चुका था और इस प्रकार उसने उस व्यक्ति का स्थान ग्रहण कर लिया था जिसके नाम का उल्लेख कभी उनके घर मे नही किया जाता था ।

बहार की ऋतु मे, मौसम बहुत सुन्दर और उष्ण हो गया । मैदान के जगली फूल खिल गए और वृक्षो पर बौर आ गया । मेरी को इस बार का वसत बहुत प्रिय लगा । डाक्टर वालैस का कहना ठीक ही था कि उसे केवल इस बात की आवश्यकता थी कि वह किसी दबाव या चिन्ता के बिना घर के काम-

काज मे व्यस्त रहा करे। डाक्टर के कहने के अनुसार मेरी ने बहुत सावधानी बरती। सभी छोटी-मोटी चिताओ से मुक्त रहने लगी और आत्मसयम करने लगी। उसके लिए यह काल प्रसन्नता और सुख-चैन का था। अब्राहम फलो के वृक्ष लगाता था। मेरी पिछले आगन मे फूल उगाया करती थी। जिस चिन्ता से वह मुक्त न हो पाती उसे न्यूनतम भावो से सहन कर लेती थी। एक दिन ऐसा तूफान आया कि उसकी गडगडाहट से जमीन कापने लगी। मेरी के सारे शरीर मे मानो सरसराहट-सी होने लगी और उसे ऐसा लगने लगा कि जैसे वह सरसराहट शरीर के पोरो से विस्फोट कर रही हो। जब तक बन पडा वह अपने काम मे लगी रही, फिर शयनागार मे भाग गई और अपने सिर तक कपडे ओढकर लेट गई। कुछ ही मिनट बाद उसे बाहर का दरवाजा बन्द होने की आवाज सुनाई दी और अब्राहम को अपने समीप खडा पाया जिसने उसे अपनी बाहो मे बाध रखा था।

'अब्राहम······ तुम आज ·· प्रात: ही घर कैसे चले आए ?'

'मैं जानता हू कि तूफान से तुम कितना घबराती हो और जब मैंने देखा, तूफान बढता ही जा रहा है तो मैं भागा हुआ तुम्हारे पास आ गया।'

दोपहर के खाने के पश्चात् मेरी को सीढियो पर खडखडाहट सुनाई दी। वह भागी-भागी हाल मे पहुची तो राबर्ट उसके चरणो मे आ गया। उसने ऊपर देखा लिंकन जुराबे पहने हुए खडा था और इतने जोर से हस रहा था कि उसका सारा शरीर हिल रहा था।

'यह बहुत देर से मेरे बूट पहनने का प्रयत्न कर रहा है, मेरा विचार है उसीसे लुढक गया है—चोट नही आई।'

अब्राहम को बच्चो से बहुत प्यार था। वह उनके लिए मिठाइया लाता, उन्हे गाडियो मे घुमाता फिरता तथा उन्हे प्रसन्न करने के लिए नये-नये खेल तैयार करता था। राबर्ट के साथ तो अब्राहम को विशेष स्नेह था। राबर्ट प्रसन्न और बातूनी था। लिंकन उसे विचित्र प्राणी कहा करता था और उसके सुगठित शरीर को देखकर बहुत प्रसन्न होता था। मेरी को केवल यह शिकायत थी कि लिंकन बच्चो पर नियन्त्रण नही रखता। लिंकन उत्तर मे कहा करता था, 'ससार-दु खो से भरा हुआ है, इनका बचपन तो सुखी रहने दो।'

'यदि उनपर नियन्त्रण न रखा गया तो वे काबू मे न रहेगे। व्यस्त होने

पर भी तो हमे प्रसन्न रहने का ग्रधिकार है—क्या नही ?'

वह मेरी के इस परिहास पर मुस्कराया ग्रौर बोला, 'मेरे पिता का मेरे ऊपर लौह ग्रनुशासन था, किन्तु मैं ग्रपने बच्चो पर ऐसा ग्रनुशासन न रखूगा, मेरे बच्चे चाहे घर को जलाकर राख कर दे मै उन्हे कुछ न कहूगा ताकि वे मुझसे प्रेम करते रहे।'

किन्तु राबर्ट की प्रसन्नता के लिए पिता का ध्यान ग्रौर सावधानी पर्याप्त न रह गई। वह चिडचिडा होता गया ग्रौर ग्रपने छोटे भाई से सख्ती करने लगा। जब मेरी उसे झिडकती तो वह घर से भाग जाया करता। मेरी बिचारी गला फाड-फाडकर दरवाजे मे खडी ग्रावाजे देती या दूर-दूर के मुहल्लो मे उसे ढूढने के लिए चली जाती ग्रौर जब वह मिल जाता तो उसे मारती किन्तु इस मार से वह ग्रौर ग्रधिक भागने लगता। एक दिन शाम के समय वह पडोस के बडी ग्रायु के लडको के साथ खेलकर घर वापस ग्राया तो मेरी की गोद मे ग्रपना सिर छुपा कर सिसक-सिसककर रो पडा।

'· मा ये लडके "मुझे भैगा क्यो कहते है ?'

मेरी के हृदय को ठेस पहुची—उसने झुककर राबर्ट को सीने से लगा लिया किन्तु कोई उत्तर न दे सकी।

' वे क्यो मेरा मज़ाक उडाते है' · मेरी ग्राखे '' ऐसी क्यो है ? मा, क्या तुम इन्हे ठीक नही कर सकती ?'

राबर्ट का यह दुःख बढता गया ग्रौर वह एडवर्ड के लिए ग्रधिक मुसीबत बन गया। उसके खिलौने तोड देता, उसके मुह पर ऐसे ज़ोर से थप्पड लगाता कि एक दिन तो उस बच्चे के नाक से खून बह निकला। ग्रब्राहम ने बहुत दुःखी होकर मेरी से पूछा, 'एक छोटा-सा बच्चा इतना तुच्छ हृदय कैसे हो सकता है !'

'वह एडी से इस कारण बदला ले रहा है कि वह बिचारा इसका दु ख नही बाट सकता।'

स्प्रिगफील्ड मे सब ग्रोर उदासी छा गई थी क्योकि युद्ध का उत्साह फीका पड़ता जा रहा था। मैटामोरोज़ मे स्प्रिगफील्ड के कई नवयुवक बीमार होकर मर गए—जेम्स शील्ड्स सेरो गोर्डो मे गोली से मार दिया गया ग्रौर जान जे० हार्डिन ब्यूना विस्टा के युद्ध मे मारा गया। कैलिफोर्निया का जो समाचार ग्राया वह भी इतना ही दु खपूर्ण था। उसे पता लगा कि डानर का सारा जत्था बर्फ

में दबकर समाप्त हो गया है। उस जत्थे पर यह भी आरोप लगाया गया कि उन्होंने कई छोटे बच्चो को स्वयं मार डाला तथा उनका मांस खा लिया।

मेरी के पिता ने लिखा कि कैसियस क्ले को मेक्सिको की सेनाओं ने गिरफ्तार कर लिया है किन्तु उसने लेक्सिगटन टुकड़ी के सब सैनिकों की जान बचाई थी इसलिए उसे महान योद्धा माना जाने लगा है। यह बात उस विरोध और अपमान के सर्वथा विपरीत थी जिसका सामना उसे दो वर्ष पूर्व 'ट्रू अमेरिकन' समाचारपत्र का प्रकाशन करते समय करना पडा था। इस पत्र का उद्देश्य दास प्रथा वाले राज्यों में ही इस प्रथा का विरोध करना था। मेरी ने जरनल में उक्त पत्र के प्रकाशन की घोषणा पढ़ी थी और कैसियस क्ले को चन्दा भी भेज दिया था। मेरी ने अब्राहम को कैसियस के पहले सम्पादकीय पढकर सुनाए जिनमें कैसियस ने अपने आपको दासता का कट्टर तथा दृढ़ प्रतिज्ञ शत्रु घोषित किया था किन्तु उसकी मांग यह थी कि दासों को वैध ढंग से ही मुक्त किया जाए।

अब्राहम ने इसपर कहा, 'तुम्हारा मित्र क्ले एक वीर पुरुष है, किन्तु मुझे केवल उसकी शब्दों के आवरण मे यह धमकी पसंद नहीं कि यदि दासता को समाप्त नही किया जा सका तो उसका परिणाम युद्ध होगा।'

आखिर एक दिन लोगों की एक भीड़ ट्रू अमेरिकन के दफ्तर में घुस आई और उसने प्रेस को तोड़-फोड डाला, जिसके परिणामस्वरूप पत्र बंद कर देना पड़ा। शाम के खाने के समय जब अब्राहम लिंकन ने गिब्सन हैरिस को कहानी सुनाई तो कानून के उस छात्र ने उत्तर दिया :

'मेरे पिता का विश्वास है कि संघ शासन को बनाए रखने के लिए हमें एक गृह-युद्ध लडना होगा, उनके जीवनकाल में तो नहीं किन्तु मेरे जीवनकाल में अवश्य। उनका विश्वास है कि युद्ध समाप्त होने पर दासता समाप्त हो चुकी होगी और सरकार अधिक सुरक्षित हो जाएगी।'

मेरी के हाथ कांपने लगे। उसने काफी का प्याला मेज़ पर रख दिया। क्या केंटुकी और इलीनाइस के बीच....युद्ध, जिसमें उसके बेटे...बेट्सी के बेटों का वध करेंगे ? नहीं इसका तो विचार भी नहीं किया जा सकता।

'गिब्सन, मेरा तुमसे अनुरोध है कि फिर कभी ऐसी बातें न कहना। अब्राहम तुम्हें बताएगा कि इस तरह की बात करना कितना खतरनाक है....'

अब्राहम विचार मे डूबा हुआ और सिर झुकाए उदास बैठा था। जब वह बोला तो उसका उत्तर अप्रत्यक्ष-सा था।

'सरकार की हमारी व्यवस्था जिस सीमा तक जनसाधारण को प्रतिनिधित्व प्रदान करती है और उनकी रक्षा करती है, उस दृष्टि से शायद ही कोई और ऐसी त्रुटिहीन व्यवस्था होगी। यह सरकार लोगो की है, इसे बनाना या सवारना लोगो के ही हाथ मे है। हमने इसे दास प्रथा से दूषित किया है, किन्तु केवल इसलिए युद्ध करना कि हम शातिपूर्ण समझौता नही कर सके, यह अत्यन्त अत्याचारपूर्ण और दु खद असफलता होगी। हमारा सघ शासन तो हमारी रीढ की हड्डी है, इसे नष्ट कर दिया गया तो हमारे लिए जीवन मे कोई आशा शेष नही रह जाएगी।

पहली जुलाई को अब्राहम गाडी मे सवार होकर रिवर और हारबर के जलसो मे शामिल होने के लिए चार दिन के दौरे पर शिकागो गया। यद्यपि मेरी उस नवनिर्मित नगर को देखना चाहती थी किन्तु अब्राहम के कहने पर भी उसने साथ जाने से इन्कार कर दिया।

'मै चाहती हू कि तुम बिना किसी प्रतिबन्ध के मित्र बनाओ। तुम्हे सब बडे-बडे व्हिग सदस्यो से मिलने का अवसर मिलेगा, इसका लाभ यह होगा कि जब हम वाशिगटन पहुचेगे तब तक वे सब लोग तुमसे परिचित हो चुके होगे।'

'मौली, मुझे तो केवल एक छोटा-सा भाषण देना है।'

'और तीन दिन कहानिया सुनाते रहने का क्या होगा ?'

लिकन ने उसे चिढाते हुए कहा, 'जैसा कि हम मेटेल स्कूल मे कहा करते थे, एक-दो मित्र और फसाने चाहिए।'

अब्राहम ने वहा इससे अधिक सफलता प्राप्त की। कुछ दिन पश्चात् वह घर लौट आया। मेरी ने 'न्यूयार्क ट्रिब्यून' की एक प्रति खोली और देश के बहुत ख्याति प्राप्त सम्पादक होरेस ग्रीले का लेख पढा

'माननीय अब्राहम लिंकन ने, जो कि इलीनाइस के लम्बे लोगो का नमूना हैं और अभी हाल ही मे राज्य के केवल एक व्हिग जिले से काग्रेस के लिए चुने गए है, श्री फील्ड के उत्तर मे बडे प्रसन्न भाव से एक सक्षिप्त-सा भाषण दिया।'

मेरी कहने लगी, 'मुझे 'प्रसन्न भाव से' शब्द बहुत प्रिय लगा है, इतना ही

प्रिय जितना कि 'स्पष्ट' शब्द ।'

'एक और अच्छा समाचार है मौली। मैने ईंटो के ठेकेदार कौर्नेलियस लुडलम को एक वर्ष के लिए यह घर पट्टे पर दे दिया है । हमने सौ डालर कहा था न। मैने उसकी बजाय ९० डालर मे फैसला कर लिया है और दस डालर के बदले मे उत्तर का शयनगार हमारे पास रहेगा जिसमे हमारा फर्नीचर आदि बन्द रहेगा। खुश हो न ?'

मेरी वाशिंगटन मे जिस प्रकार का मकान लेने का विचार कर रही थी उसके किराये का काफी भाग इन ९० डालरो से पूरा हो जाएगा। मेरी ने अपने पति के गले मे बाहे डाल दी और उसका चुम्बन ले लिया ।

'लिंकन, मै बहुत ही प्रसन्न हू ।'

४३

प्रात चार बजे ग्लोब होटल से गाडी जाती थी, अत लिंकन-परिवार मुह अधेरे ही होटल की ओर चल पडा । अब्राहम ने राबर्ट को ले रखा था और एड-वर्ड मेरी के कन्धे पर सोया हुआ था । मेरी ने देखा कि जब वह आठ वर्ष पूर्व यहा आई थी तब से आल्टन की सडक मे कोई सुधार नही हुआ था। मौसम की आरम्भ की वर्षा से ही सडक दल-दल बनी हुई थी । उन्हे इस सडक की ९८ मील यात्रा करने मे दो दिन लगे । बुधवार को प्रात. के समय वे सेन्ट लुइस के लिए एक तेज़ चलने वाली नौका मे सवार हुए किन्तु अभी एक घण्टे मे उन्होने सात ही मील तय किए थे कि उनकी नौका रेत मे धस गई और सब लोगो को उतरकर किनारे पर जाना पडा ताकि नौका हल्की हो जाए । सेन्ट लुइस मे पहुच-कर वे लोग एक बडे जहाज मे सवार हुए जो मिसिसिपी की ओर जाने वाला था और वहा से ओहायो नदी की ओर मुडकर लुइसविले की ओर चल पडे जो कि पाच सौ मील से अधिक की यात्रा थी । लिंकन ने उस जहाज मे महा-गनी लकडी का बना एक छोटा-सा कमरा किराये पर ले रखा था जिसमे बच्चो

के लिए झूले लगे हुए थे।

जब फ्रैंकफर्ट से गाडी मे सवार होकर मेरी लेक्सिगटन के समीप पहुचने लगी तो वह पटसन के हरे-भरे खेतो को पहचानने लगी। फिर उसे हिकरी और मेपल के वन दिखाई देने लगे और मेरी के हृदय मे घर की याद उमड आई। स्टेशन पर उन्हे लेने के लिए बूढा नेलसन आया हुआ था। उसने हल्के नीले रग का कोट और लम्बा चोगा पहना हुआ था तथा चादी के बटन लगाए हुए थे। तेज आधी चल रही थी जिसके कारण मेरी का हृदय इतने ज़ोरो से धडकने लगा कि वह बडे बाज़ार की अपनी परिचित दुकानो को भी न देख सकी।

एडवर्ड को गोद मे लिए हुए मेरी ने पहले घर मे प्रवेश किया और उसके पीछे अब्राहम ढीठ बालक राबर्ट को उठाए हुए दाखिल हुआ। सारा परिवार बाहर के दरवाजे के पास खडा था। बेट्सी ने बाहे फैला रखी थी। उसके बाल कुछ सफेद हो गए थे और चेहरा दुबला पड गया था किन्तु दृष्टि मे अब भी वैसी ही सतर्कता थी। उसके बाद बच्चे खडे थे—चौदह वर्ष की मारथा, ग्यारह वर्ष की एमिली, सात वर्ष की इलोडी, ६ वर्ष की कैथरीन। ये सब लाल रग के ऊनी वस्त्र और सफेद जूते पहने हुए थे तथा इन्होने रेशमी परिधान ओढ़ रखे थे। डेविड था तो पन्द्रह ही वर्ष का किन्तु उसने मेरी से इतने ज़ोर से आलिङ्गन किया कि उसे ऐसा लगा मानो उसकी पसलिया टूटने वाली है।

सैमुअल डैनविले के सेन्ट्रल कालेज मे पढता था और वहा से छुट्टी लेकर आया था। उसका कद लम्बा तथा आकृति सुन्दर थी। उसके दात मोतियो की लडी के समान चमकीले थे। सबसे आखिर मे लाल बालो वाला एलेक्ज़ैडर खडा था जिसे मेरी कभी कन्धो पर उठाए घूमा करती थी।

परिवार के लोगो के बाद नीग्रो दास मेरी से हाथ मिलाने के लिए खडे थे। वे मेरी के बच्चो की प्रशसा कर रहे थे। मामी सेली अधिक बडी और कुरूप हो गई थी किन्तु जब मेरी ने उसका चुम्बन लिया तो उसके चेहरे पर मुस्कराहट खिल उठी और उसने एडवर्ड को गोद मे ले लिया। चेनी रसोइये ने कहा, 'मेरी, क्या आप मुझसे यह कहना चाहती है कि वहा की आयरिश लडकियो को खस्ता बिस्कुट बनाने नही आते ?'

इस बीच परिवार के प्रत्येक सदस्य से अब्राहम का परिचय कराया जा रहा था। उसने एमिली को पहचान लिया क्योकि मेरी ने पहले ही उसका हुलिया

उसे बता दिया था। वह बेट्सी की बडी स्कर्ट के पीछे छुपने का प्रयत्न कर रही थी। लिकन ने उसे उठा लिया और कहा, 'तो यह है सबसे छोटी बहिन।'

इतनी देर मे कमरे का दरवाजा खुला और मेरी अपने पिता की बाहो में चली गई। वस्तुतः उसका बहुत सुन्दर स्वागत हुआ। पिता ने नीले रग का सूट पहन रखा था, चमडे की वास्कट और रेशमी कमीज़ पहनी हुई थी जिसपर हीरे के बटन लगे हुए थे अर्थात् मेरी के स्वागत के लिए उन्होने सर्वथा नई सज-धज कर रखी थी।

खाने के लिए चेनी ने मेरी के प्रिय पकवान तैयार किए। हा, बूढे नेलसन ने ज़रा-सा मु ह बना रखा था क्योकि अब्राहम ने चादी के प्याले मे उसकी तैयार की हुई पोदीने की शराब पीने से इन्कार कर दिया था।

बेट्सी ने मेरी का पुराना शयनागार उन्हे दे दिया। जब वे सामान खोल रहे थे तो अब्राहम बोला:

'मैं यह घर बहुत पसन्द करता हू। यह इतना बडा और महगा नही है जितनी मैंने कल्पना की थी।'

मेरी मन ही मन मुस्कराई कि अब्राहम को यह पता नही था कि बेट्सी की परिष्कृत अभिरुचि कितनी अधिक महगी है।

जब लिंकन बिस्तर मे लेटा लेक्सिगटन का पत्र आबजर्वर पढ रहा था तो मेरी अपने पिता से मिलने पुस्तकालय मे चली गई। कुछ क्षण मौन रहकर वह बोला:

'तुम अवश्य आश्चर्य कर रही होगी कि तुम्हारे भाई कहा है ? मैंने उनसे विशेष रूप से आज आने को कहा था किन्तु तुम देख ही रही हो कि उन्होने मेरी बात नही मानी। लेवी उस घर मे रह रहा है जहा तुम्हारा जन्म हुआ था। जार्ज मेगोअन होटल मे रह रहा है और मेडिकल स्कूल मे शिक्षा प्राप्त कर रहा है। वह पढाई मे तो बहुत योग्य है किन्तु बेट्सी और इन छोटे बच्चो के साथ उसकी नही निभती।'

वे अगीठी के पास चले गए और फिर उन्होने घूमकर मेरी की ओर देखा तो उनकी आखो से आंसू थे। वे बोले, 'मेरी, मेरे दो परिवारो को मिलाने वाली केवल तुम्ही एक शृखला हो, तुम्हो मेरी एक ऐसी बच्ची हो जो दोनो परिवारो को

प्यार करती है। तुम मुझे यह वचन दो कि तुम अपने सौतेले भाई-बहिनो से प्यार करती रहोगी और उनका साथ दोगी। तुम्हारे सिवा मैं और किसीपर भी भोरासा नही कर सकता।'

'पिताजी, मैं सदा इन बच्चो से प्यार करती रही हू और मैंने उन्हे कभी सौतेले भाई-बहिन नही समझा। मुझे याद है कि इसी कारण डाक्टर वार्ड ने मुझे एक बार कहा था कि यदि तुम इन्हीसे खेलती रहोगी तो गणित कभी नही सीख सकोगी।'

नवम्बर की अगली सुबह आकाश स्वच्छ था और धूप तेज थी। मेरी अब्राहम को सगमरमर की सफेद सडक पर सैर कराने के लिए ले गई। सडक के दोनो ओर गुलाब के फूल लगे हुए थे। घूमते हुए वे पहाडी की तलहटी मे आ गए और उस छोटे-से पुल पर खडे हो गए जहा से खाडी दिखाई देती थी। फिर मेरी उसे नगर मे घुमाने के लिए ले गई। वहा जागीरदारो के मकान और बाग दिखाए, पक्की गलिया और पैदल चलने वालो के लिए बनी पटरिया दिखाई। अब्राहम वाटिकाओ और फूलो को देखकर अत्यधिक प्रसन्न हुआ। गलियो मे कही भी सूअर और गन्दगी दिखाई नही देती थी। श्री गीरो कही और चले गए थे और डाक्टर वार्ड की मृत्यु हो गई थी किन्तु कालेज लाट और ट्रान्सिलवानिया विश्वविद्यालय मे कोई परिवर्तन नही हुआ था।

जब वे पारकर के उद्यान की सीढियो के पास पहुचे तो उन्हे चीखने-चिल्लाने की आवाज़ सुनाई दी। अब्राहम निस्तब्ध-सा हो गया। उन्हे सामने नीचे की ओर मेकैनिक्स एली से परे दासो की भीड दिखाई दे रही थी जो लोहे की सलाखो के जगलो मे भरे पडे थे। उनमे स्त्रिया और पुरुष दोनो थे। कुछ खडे थे और कुछ ईंटो के गीले फर्श पर बैठे हुए थे। इस अहाते मे एक खम्भे के साथ एक नीग्रो के हाथ जजीरो से बन्धे हुए थे। अब्राहम का रग पीला पड गया।

मेरी ने धीमे से कहा, 'यह पूलम के दासो का जेलखाना है। अरे, तुम तो ऐसे दिखाई देते हो जैसे अभी मूर्च्छित हो जाओगे!'

बेट्सी ने उनके सम्मान मे एक औपचारिक सहभोज दिया जिसमे उनके सभी मित्र, विकलिफ, बोडले, ट्राटर, क्रिटेन्डन, स्टुअर्ट, वारफील्ड, हम्फरी, मार्गन, क्ले तथा ब्रेकिनरिज-परिवारो के लोगो को खाने और नृत्य के लिए आमन्त्रित

किया। जब नौकर हरा गलीचा बिछा रहे थे और सुनहरे रग की आराम-कुर्सिया और चेरी की लकडी का खुदा हुआ सोफा हाल मे रख रहे थे तो मेरी को कई वर्षो पुरानी बात का स्मरण हो आया। खाने के कमरे मे अखरोट की लकडी की मेज़ को पूरी तरह खोल दिया गया था और उसपर बेट्सी का बूटे-दार बढिया मेज़पोश बिछा दिया गया। चादी की मशाले रख दी गईं। भुने हुए मास को चादी के थाल मे सजा दिया गया। इस मास को सुगन्धित लकडी से पकाया गया था और बर्फ मे लगी हुई कस्तूरा मछली भी रखी हुई थी जो कि लेक्सिगटन की विशेष तथा लोकप्रिय चीज़ थी।

पगडडी पर घोडे के पाव की आहट सुनाई दी और मेरी फिर एक बार अपने पुराने मित्रो का स्वागत कर रही थी। वे लोग कीमती वस्त्र और हीरे-जवाहरात मे सजे हुए आ रहे थे। पुरुषो ने चुस्त पतलूने और सुन्दर रग की वास्कटे तथा कोट पहन रखे थे। बेट्सी ने डेसमौन्ड फ्लेमिङ्ग तथा उसकी भूरी आंखो वाली युवा पत्नी को भी आमन्त्रित किया था। मार्गरेट विकलिफ ने जब तनी हुई भौहो से मेरी की ओर देखा तो मेरी बोली, 'वह मोर की तरह सुन्दर और घमडी है किन्तु मुझे मोर से क्या काम ?'

उसका भाई जार्ज कुछ देर मे पहुचा। उसका चेहरा लाल हो रहा था तथा उसने शराब पी रखी थी। उसका कद छोटा ही रह गया था। जिह्वा के ठीक न होने के कारण वह अत्यधिक हकलाने लगा था। मेरी उससे कह रही थी कि उसे उससे मिलकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई थी और जार्ज कुछ उत्तर देने ही वाला था कि उससे मिलने के लिए कुछ अतिथि आ गए और उन्होने आते ही जार्ज को 'हैलो' कहकर सम्बोधित किया। जार्ज गुमसुम-सा हो गया और उसने खाने के कमरे मे जाकर शराब के कई प्याले चढाए और फिर कही चला गया। लेवी ने भी आखिर आना स्वीकार कर लिया था। वह अपने साथ अपनी पत्नी लुइसा को भी लाया जो एक साधारण चौडे चेहरे वाली स्त्री थी और जिसने लेवी को सैण्डर्सविले मे मास के कारखाने का प्रबन्धक बनवा दिया था।

यह सहभोज बहुत सफल रहा। मेरी को अनेक औपचारिक सहभोजो और नृत्यो के निमन्त्रण मिले। मेरी के मित्र, अब्राहम से मिलकर बहुत प्रसन्न हुए, यद्यपि फ्लेमिङ्ग मेरी को 'श्रीमती काग्रेस सदस्य' कहे बिना न रह सका।

अब्राहम प्रातः ही मेरी के पिता के साथ न्यायालय चला जाता था और

वहा से ये लोग जार्डन रो की ओर निकल जाते थे जहा ईंटो के भवन थे और लेक्सिगटन के सरकारी वकीलो के कार्यालय थे। दोपहर के बाद मेरी उसे अपने ऊपर वाले कमरे मे पुस्तको की अलमारी के पास बैठे हुए तथा एलिगैन्ट एक्सट्रैक्ट्स का अध्ययन करते हुए पाती। एक दिन उसने ब्रियान्ट की पुस्तक 'थानाटोपसिस' का उद्धरण सुनाया और तत्पश्चात् पोप का यह उद्धरण सुनाया:

'अपने आपको पहचानो, यह न सोचो कि इसमे ईश्वर सहायता करेगा।
'मनुष्य द्वारा ही मानवता का ठीक अध्ययन किया जा सकता है।'

मेरी ने अब्राहम को पहले कभी भी इतना प्रसन्न और निश्चिन्त नही देखा था।

एक शनिवार की शाम को वे मार्केट हाउस मे हेनरी क्ले का भाषण सुनने के लिए गए। अब्राहम ने अब तक अपने इस महान् नेता का भाषण नही सुना था। क्ले की प्रभावशाली वाणी और आकर्षक चेष्टाओ से अब्राहम बहुत प्रसन्न हुआ। जब क्ले ने कहा, 'कि यह युद्ध प्रतिरक्षा का युद्ध नही है वरन् अनावश्यक तथा सहारक आक्रमण है' तो लिंकन ने अनुभव किया कि वह भी क्ले से पूर्णत: सहमत है। अगले दिन रविवार को उन्हे आशलैड मे 'मैडीरा शराब' की पार्टी पर निमन्त्रित किया गया था।

अगले सोमवार न्यायालय खुला था। दोपहर के समय मेरी और अब्राहम चीपसाइड तक चले गए। यहा मेरी ने कचहरी के सामने बाग मे वही पुराना दृश्य देखा। बाग मे अब भी बिक्री के घोडो, गायो और बकरियो की भीड थी। कबाड बेचने वाले पुराने हल बेच रहे थे। देसी दवाइया बेचने वाले ऊचे-ऊचे टोप पहने हुए पुकार-पुकारकर दवा बेच रहे थे। उनके लम्बे बाल उनकी कमीज़ के कालरो पर लटक रहे थे।

थोडी देर बाद न्यायालय के दरवाजे के बाहर दासो की बिक्री आरम्भ हुई। अब्राहम ने मेरी का हाथ अपने हाथो मे ले लिया। वे दासो के व्यापारियो के निकट पहुच गए, जिन्होने तिनको के बने हैट और लम्बे-लम्बे कोट पहने हुए थे। वे ज़ोर से आवाज़े लगा रहे थे, 'यह देखिए, यह हट्टा-कट्टा भैसा, सुदृढ शरीर, शिकारी कुत्ते जैसा आदमी। हा साब, बोलिए यह केवल तीस वर्ष की नवयुवती। बहुत अच्छा खाना पकाती है।'

अब्राहम अपनी अगुलियो से मेरी की बाहो को खुजला रहा था। उसने फुसफुसाते हुए कहा, 'चलो यहा से चले।'

वे भीड मे से रास्ता बनाकर निकलने लगे तो एक आवाज ने मानो मेरी के कानो को चीरकर रख दिया ।

'हा साब, यह माल आया है । राबर्ट एस० टाड और विलियम ए० लेवी के ये पाच नीग्रो उस व्यक्ति को बेचे जाएगे जो सबसे अधिक बोली देगा । सब मेहनती है, बच्चो को पालने-पोसने का अनुभव रखते है और शारीरिक दृष्टि से सुदृढ है ।'

वे जल्दी-जल्दी चीपसाइड को पार कर आए फिर मेरी की दृष्टि अपने पिता की दृष्टि से मिली तो उसने देखा कि उनका चेहरा चाक की तरह सफेद हो गया ।

वे बोले, 'मेरी, तुम्हे अब्राहम को बताना होगा कि मेरे पास और कोई मार्ग नही था । मैंने विलियम लेवी के भाई को बहुत पैसा ऋण दिया था और वह उसे लौटा नही सका । ये नीग्रो ही उसकी पूजी थे अत न्यायालय उन्हे बेच रहा है ।'

मेरी ने अपना एक हाथ पिता के हाथ मे दे दिया तथा दूसरा अब्राहम के हाथ मे । वे चुपचाप घर की ओर चले । मेरी ने तनिक आख चुराकर अपने पति की ओर देखा और यह अनुमान लगाने का प्रयत्न किया कि दासो के इस विक्रय मे उसके पिता के उत्तरदायित्व के सम्बन्ध मे अब्राहम क्या सोच रहा है । जब वे अपने कमरे मे पहुच गए तभी जाकर अब्राहम बोला किन्तु उसने राबर्ट टाड के नाम का उल्लेख नही किया ।

'मैने कितनी सुगमता से यह कह दिया था कि जहा दासता की प्रथा चालू है वहा इसे इस कारण समाप्त न किया जाए कि दास लोगो की निजी सम्पत्ति है, और सविधान मे जनता को यह अधिकार दिया गया है कि किसी भी व्यक्ति को कानून की उचित प्रक्रिया के बिना उसकी सम्पत्ति से वचित नही किया जा सकता, किन्तु क्या दास अन्य लोगो की सम्पत्ति मात्र ही है अथवा वे भी मानव है ?

'कानून को जीवन पर अधिमान्यता दी जाए या जीवन को कानून पर ? आखिर हमारे सविधान का वास्तविक अर्थ क्या है ? क्या यह मानव की आत्मा या उसके शरीर को बदी बनाने की अनुमति देता है ?'

मेरी समझ न सकी कि वह उसे कैसे सात्वना दे ।

वे रात को देर से वाशिंगटन पहुचे। बच्चे उनकी गोद मे सोए हुए थे। उन्हे पेनसिलवानिया एवन्यू और सेकिण्ड स्ट्रीट तक पहुचने के लिए उन उजड्ड प्रकार के लोगो मे से अपना मार्ग बनाना पडा जो टूटे-फूटे रेलवे शेड मे आ जमा हुए थे। वहा तागे वाले आवाजे लगा रहे थे। पेनसिलवानिया एवन्यू की खुरदरे पत्थर वाली सडक पार कर ब्राउन होटल मे पहुचने मे उन्हे कुछ ही मिनट लगे। वे लोग सप्ताह भर की यात्रा के कारण थककर चूर हो गए थे। उन्होने बच्चो को बडे बिस्तर के मध्य मे लिटा दिया और स्वय उनके आसपास लेट गए।

प्रातः उन्होने देर से नाश्ता किया और फिर नगर देखने के लिए चले गए।

गलियो मे कीचड और गन्दगी फैली हुई थी। सूअर, बत्तखे और मुर्गिया इधर उधर घूम रही थी और गन्दगी के ढेरो मे से अपनी खुराक ढू ढ रही थी। हर दूसरे-तीसरे मकान के बाद बडे-बडे खेत थे। उन्होने व्हाइट हाउस और कैपिटोल के हरे-भरे उद्यानो की सैर की, वहा बिल्कुल सामने ही राज्य विभाग का दुमजिला भवन था। थल सेना तथा नौ सेना के विभाग भी छोटे-छोटे भवनो मे थे और खज़ाने का भवन बन रहा था।

पेनसिलवानिया एवन्यू पर उन्होने दासो का एक दल देखा जो ज़जीरो मे बधे हुए थे और कोई भजन गा रहे थे। लिकन-परिवार के निकट पहुचने से कुछ ही पहले सिपाहियो ने उन्हे जार्जिया पेन नाम के अस्तबल की ओर धकेल दिया और उनके अन्दर पहुचने पर लकडी का दरवाज़ा बन्द कर दिया। अब्राहम इतनी धीमी आवाज़ मे बोला कि मेरी भी उसे न सुन सकी। उसने कहा, 'एक स्वतन्त्र देश की राजधानी मे यह कितनी भयानक बात देखने को मिलती है।'

दोपहर के समय उन्होने अपना सामान एक गाडी मे लादा और श्रीमती स्प्रिग की धर्मशाला मे चले गए। यह सराय एक पहाडी पर स्थित थी और वहा से कैपिटोल का उद्यान दिखाई देता था। मेरी को यह देखकर प्रसन्नता हुई कि फर्स्ट स्ट्रीट चौडी थी और उसके दोनो ओर वृक्षो की पक्तिया थी। एक ओर पैदल चलने वालो के लिए एक पटरी बनी हुई थी। कोने के मकान मे देश का सर्व विख्यात समाचारपत्र-प्रकाशक डफग्रीन रहता था। उसके आगे दो और मकान थे, फिर दो धर्मशालाए थी और उसके बाद श्रीमती स्प्रिग की सराय थी।

एन स्प्रिग ने सामने के दरवाज़े पर उनका स्वागत किया । वह एक सुसंस्कृत तथा शिष्ट महिला थी । वह उन्हे दो सीढिया पार करके मकान के पिछवाडे की ओर ले गई जहा दो बडे-बडे कमरे थे, जिनमे दो बडे पलग, दो अलमारिया थी और दीवारो पर मिट्टी से भरी हुई अबरी लगी हुई थी । परदो का रग फीका पड चुका था और बिस्तर की चादरे बहुत पुरानी हो चुकी थी । सामने वाली खिडकी से मेरी को शौचालयो की पवित दिखाई दी । उसके साथ ही सुअरो के लिए काजी हाउस था । उसके बाद एक गौशाला दिखाई दे रही थी जिसमे बत्तखे मुर्गिया, सुअर, कुत्ते आदि अन्य पशु-पक्षी भी टहलते हुए दिखाई देते थे । मेरी जल्दी से खिडकी से परे हट गई, आखिर वे अस्थायी रूप से ही तो यहा आए थे ।

दरवाज़े पर हल्की-सी खटखटाहट हुई । जब मेरी ने दरवाजा खोला तो उसे एक नीग्रो खडा हुआ दिखाई दिया जो लगभग चालीस वर्ष की आयु का था । उसके बाल कुछ-कुछ सफेद और छोटे थे । आखो मे शिष्टता का भाव था । वह हाथ मे एक घटी लिए हुए खडा था । उसने अपना परिचय देते हुए बताया कि उसका नाम विलिस है और वह रसोइया है ।

'श्रीमान् तथा श्रीमती लिंकन ! खाना लाया जाए ?'

खाने का कमरा बडे कमरे के पीछे था । वह जितना लम्बा और तग था उतनी ही लम्बी और कम चौडी मेज उसमे रखी हुई थी । लिंकन-परिवार सबसे अन्त मे वहां पहुचा । वहा बैठा हुआ हर व्यक्ति परिचय के लिए खडा हुआ । मेज़ के सिरे पर श्रीमती स्प्रिग और उससे आगे जोशुआ गिडिग, जो कि ओहायो का जोशीला दास-विरोधी व्यक्ति था, बैठा था । एक ओर बैठे हुए पाच व्यक्ति पेनसिलवानिया के व्हिग सदस्य थे । लिंकन-परिवार को मेज़ के इस किनारे पर जगह मिली । मेज के अन्तिम सिरे पर श्री रिचर्डसन अपनी गर्भवती पत्नी के साथ बैठे हुए थे । दूसरी ओर श्रीमान् तथा श्रीमती डफग्रीन बैठे हुए थे क्योकि वे भी सराय मे ही खाना खाते थे । मिसिसिपी का रहने वाला पेट्रिक डब्ल्यू० टामकिन्स, श्रीमान् तथा श्रीमती ब्रूम, एक व्यग्य लेखक नाथन सार्जेन्ट भी बैठा हुआ था, जिसके लेख लिंकन बहुत रुचि से पढा करता था । फिर इडियाना का कांग्रेस-सदस्य एम्बरी और उसके बिल्कुल पास सुर्ख बालो वाले फ्रासीसी व्यक्ति हम्पस्टफ थे । वे अत्यधिक दुःखी दिखाई देते थे । उन्होने अपने पास बैठे हुए चिकित्सा विज्ञान के

छात्र सैमुअल बिजी को अपनी नई दु खभरी कहानी तथा अपने रोग आदि के बारे मे बताना आरम्भ कर दिया। मेरी के ठीक सामने एक हृट्टा-कट्टा व्यक्ति बैठा हुआ था। उसके नाक और कानो पर बालो के गुच्छे उगे हुए थे। खाना खाते समय उसने अपनी वास्कट में सूघनी वाली शीशी निकाली और अपनी बड़ी नाक मे ठूस ली। मेज पर कुल १२४ व्यक्ति बैठे हुए थे। उनमे बच्चे केवल राबर्ट और एडवर्ड ही थे।

सोमवार के दिन मेरी अब्राहम के साथ कैपिटोल चली गई। वह सीढिया चढकर दर्शको की गेलरी मे पहुच गई और वहा से सदस्यो को अपने-अपने स्थान के लिए मतदान करते हुए देखती रही। अब्राहम को सबसे बुरी जगह मिली थी अर्थात् हाल की सबसे अन्तिम पक्ति मे उसकी कुर्सी थी। विलिस ने अब्राहम का सूट इस्त्री कर दिया था और जूतो पर पालिश कर दी थी। इस विशेष अवसर के लिए मेरी ने एक नई कमीज, नया कालर और रेशमी गुलूवन्द सभाल कर रखा हुआ था। मेरी के विचार मे अब्राहम बहुत सुन्दर दिखाई दे रहा था। उसका कद सब मेम्बरो से लम्बा था। उसने अपने बाल धोए हुए थे और माथे के पीछे की ओर किए हुए थे। हजामत के कारण उसके चेहरे पर प्रकाश दिखाई देता था और उसकी आखो मे एक विशेष चमक थी। जब घडी ने बारह बजाए तो अध्यक्ष ने नये सदस्यो को खडे होने के लिए कहा और जब अब्राहम ने शपथ ग्रहण की तो मेरी अत्यधिक प्रसन्न हुई।

मेरी सराय की स्थिति से अभ्यस्त हो गई। वह जानती थी कि जब तक वह वाशिगटन की परिस्थितियो से परिचित नही हो जाती और किसी अच्छे अोस-पडोस मे कोई अच्छा घर नही ढूढ लेती उसे कुछ सप्ताह तो वही रहना होगा। मौसम सुहावना था अत वह बच्चो को लिए उद्यान मे बैठी पढती रहती थी जब कि बच्चे फव्वारे मे नौकाए चला-चलाकर आनन्द मनाया करते थे। वह अब्राहम को तग किया करती कि वह सभा मे अपना पहला भाषण दे। दो सप्ताह पश्चात् लिकन ने उत्तर दिया ·

'क्योकि तुम इस बात के लिए बहुत उत्सुक हो कि मै नाम पैदा करू अत. मैंने ऐसा करने का निश्चय कर लिया है।'

अपने पति का भाषण सुनने के लिए मेरी दो बार हजार सीटो वाली दर्शक गैलरी मे गई। पहली बार अब्राहम २२ दिसम्बर को बोला था और राष्ट्रपति

पौक से कहा था कि वे सभा को बताए कि 'जिस भूमि पर हमारे नागरिको ने खून बहाया है, वह उस समय हमारी भूमि थी अथवा नही ?' दूसरी बार उसने डाक ले जाने के लिए डाक विभाग के ठेको के बारे मे एक लम्बा भाषण दिया। मेरी को इस बात पर क्रोध आया कि माननीय ए० लिंकन जब ख्याति प्राप्त करने का प्रयास कर रहे थे तो उन्हे सुनने के लिए बहुत कम लोग आए थे।

मेरी आशा करती थी कि खाने की मेज पर बातचीत शान्तिपूर्ण होगी क्योकि वहा केवल व्हिग उपस्थित थे, किन्तु पेनसिलवानिया के काग्रेस सदस्य डिकी को मिसिसिपी के काग्रेस सदस्य टामकिन्स को तग करने मे बहुत प्रसन्नता अनुभव होती थी। टामकिन्स अपने सीमित विचारो को अपने तक ही रखने का समर्थक था। दास-विरोधी डिकी की ऊची और कर्कश आवाज से राबर्ट चिल्लाने लगता था और मेरी को उसे ऊपर की मजिल पर ले जाकर चुप कराना पडता था। अगली बार डिकी ने यह शोर मचाना आरम्भ कर दिया कि उसे आशा है कि एक दासता-विरोधी व्हिग टामकिन्स को निर्वाचन मे हरा देगा। अब्राहम ने छुरी और काटा मेज पर रख दिया और अपने चेहरे पर दोनो हाथ रख दिए और नाक से ऊची आवाज निकालते हुए बोला ·

'हार की बात से मुझे एक बात की याद आ गई है जिसे पर्यवेक्षक के पद के लिए नाम-निर्दिष्ट किया गया था। जब वह निर्वाचन के दिन घर से चला तो उसने पत्नी से कहा आज रात तुम नगर के पर्यवेक्षक के साथ शयन करोगी।—वह अत्यधिक आत्मविश्वास वाला व्यक्ति हार गया। पत्नी ने सुन्दर वस्त्र पहन लिए, जिसपर उस व्यक्ति ने पूछा : श्रीमती जी, आप रात को इस समय कहा जा रही है ?—उसने उत्तर दिया तुम्हीने तो कहा था कि मैं आज रात पर्यवेक्षक के साथ शयन करूगी, अतः मै उसके घर जा रही हू।'

कहानी समाप्त होने पर उसने सिर पीछे की ओर किया और खिलखिला-कर हस पडा। मेज पर बैठे हुए सभी लोग हसने लगे। डिकी उलझन मे पड गया कि यह परिहास उससे किया गया है अथवा टामकिन्स से, किन्तु वह भी हसने लगा।

मेरी ने मकान ढूढने की योजना के बारे मे अब्राहम को नही बताया। घर की आवश्यकता तो बढेगी ही क्योकि उन्हे सहभोजो आदि पर आमन्त्रित किया जाएगा और उसके बदले मे उन्हे भी लोगो को आमन्त्रित करना होगा। यहा

महत्वपूर्ण लोग और उच्च स्तर के परिवार होगे जिनके साथ अब्राहम लिकन अपना परिचय बढाना आवश्यक समझेगा ।

बर्फ गिरनी आरम्भ हो गई । फिर घोर वर्षा आरम्भ हुई। गलियो मे घुटनो-घुटनो कीचड हो गया और सारा नगर दलदल दिखाई देने लगा । बच्चो को उद्यान मे लेकर जाना सम्भव था । जोश गिडिग कभी-कभी बच्चो को अपने कमरे मे खेलने के लिए बुला लिया करता था किन्तु विलिस ने उसकी अधिक महत्वपूर्ण सहायता की । मेरी को पता लगा कि विलिस अपना मूल्य चुकाकर स्वतन्त्रता प्राप्न करने के लिए वर्षो से काम कर रहा है । अगले दो वर्षो मे वह शेष साठ डालर चुका देगा और स्वतन्त्र हो जाएगा । जब कभी वह कुछ वस्तुए खरीदने के लिए अथवा अब्राहम का साथ देने के लिए कही जाना चाहती विलिस बच्चो का ध्यान रखता और यदि वह किसी काम मे व्यस्त होता तो अपनी बहिन विलिसा को ले आता जो कि बच्चो की देखभाल मे बहुत निपुण थी ।

मेरी ने बडी गम्भीरता से मकान ढूढना आरम्भ कर दिया । वह निश्चय कर चुकी थी कि नगर के सम्मानित घरानो मे ही कोई मकान लेकर रहेगी । कैपिटोल हिल मे जहा श्रीमती स्प्रिग की सराय थी बहुत अच्छे घर थे । यहा टामस हार्ट बेन्टन अपनी पत्नी और कई लडकियो के साथ रहा करता था । उसके साथ उसकी बेटी फ्रीमौट भी रहती थी जिसका पति कोर्ट मार्शल के आधीन कैलिफोर्निया से लौटा था । कुछ मकान छोडकर जनरल जान ऐडमस् डिक्स का परिवार रहता था। वही जेम्स बुकानन, जो राज्य सचिव थे और अभी कवारे ही थे, रहते थे । इन लोगो को समाज मे उच्च स्थान प्राप्त था और ये स्थायी रूप से वाशिगटन मे ही रहते थे। किन्तु मेरी ने जिस मुहल्ले को सबसे अच्छा समझा वह तेरहवी तथा चौदहवी गली के बीच एफ स्ट्रीट का मुहल्ला था, जहा भूतपूर्व राष्ट्रपति जान क्विन्सी ऐडमस् रहता था जो अब काग्रेस का सदस्य था । वह जानती थी कि वहा किराया अधिक होगा, किन्तु वह बहुत ऊचा दाव लगा रही थी ।

वाशिगटन मे नव वर्ष दिवस सबसे बडा सामाजिक दिवस था क्योकि इस दिन राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यसचिव और श्रीमती जेम्स मेडिसन और श्रीमती एलेक्जैंडर हैमिल्टन जैसी विधवाए उत्सव मे सम्मिलित हुआ करती

थी। जब जोशुआ गिडिग को यह पता लगा कि लिकन-परिवार व्हाइट हाउस की पार्टी मे शामिल होने जा रहा है तो उसने चिल्लाकर कहा, 'तुम अपने आपको इतना तो न गिरा दो !'

तो भी नव वर्ष दिवस को मेरी ने सफेद रेशमी लिबास पहना जिसपर नीले रग के पीले फूल कढे हुए थे। व्हाइट हाउस पहुचने के लिए उन्होने एक बग्घी किराये पर ले ली। बागो मे सभी लोगो को जाने की अनुमति थी। सैकडो लोग वहा इधर-उधर घूम रहे थे। सामने बग्घियो की लम्बी कतार थी जिसमे विदेशी राजदूतो की रगा-रग की गाडिया इस बात को प्रकट कर रही थी कि यह पार्टी बहु शानदार होगी।

लिकन-परिवार ने अपने चोगे वहा खडे एक नौकर को दे दिए और फिर उस कमरे मे प्रवेश किया जो कडीलो और शीशो से जगमगा रहा था। एक ओर कुछ अत्यन्त सुन्दर स्त्रिया थी जिन्होने भडकीले गाउन पहने हुए थे तथा सिरो और वक्ष पर हीरो के हार एक अनुपम शोभा दिखा रहे थे। कमरे के दूसरे सिरे पर पचास या साठ पुरुष चुपचाप बैठे हुए थे। राष्ट्रपति पौक कमरे के मध्य मे बैठा था और उसके साथ युद्ध सचिव श्री मर्सी और पीछे श्रीमती पौक बैठे हुए थे। मेरी और अब्राहम ने एक पक्ति के अन्त मे अपनी कुर्सिया ले ली। चीटी की चाल से आगे बढते हुए कोई पन्द्रह मिनट पश्चात् मेरी ने अपने आपको साराह पौक के सामने पाया। उसने मखमली गाउन पहन रखा था और वह धार्मिक विचार की स्त्री थी। उसने व्हाइट हाउस मे ताश-नृत्य अथवा अन्य आमोद-प्रमोद के कार्यक्रमो का निषेध कर रखा था।

दूसरे ही क्षण मेरी राष्ट्रपति पौक के सामने खडी थी जो छोटे कद के व्यक्ति थे। उनका माथा बहुत चौडा था, आखे सुन्दर थी और चेहरे से सुदृढता टपकती थी। राष्ट्रपति ने औपचारिक रूप मे मेरी से कहा कि आपसे मिलकर बहुत प्रसन्नता हुई किन्तु मेरी ने केवल अभिवादन किया और आगे बढ गई ताकि अब्राहम को उनसे बात करने का अवसर मिल जाए किन्तु अब्राहम तो उससे भी अधिक मौन हो गया। उस समय एक सिपाही ने अब्राहम को कोहनी से पकडा और बोला, 'जो लोग राष्ट्रपति से भेट कर चुके है वे कृपया ईस्ट रूम मे चले जाए।'

अभी उन्हे यह पता नही चला था कि यहा क्या हो रहा है कि वे ईस्ट रूम

मे चले गए, जहा नौ सेना का बैन्ड कोई धुन बजा रहा था। वे उस कमरे मे से गुजरते हुए बाहर बाजार मे पहुच गए।

अब्राहम काफी बेचैन दिखाई देता था। उसने पूछा, 'अब हमे क्या करना है?'

'मुझे तो पता नही, मै तो जीवन मे पहली बार ऐसी पार्टी मे आई हू जहां खाने-पीने के लिए कुछ नही है, आओ यहा से गली पार करके श्रीमती जेम्स मेडिसन के घर जाकर देखे।'

मेरी ने यहा के ऊचे समाज मे अपना स्थान बनाने के लिए अपने पुराने मित्रो से आशा की कि वे सहायता करेंगे किन्तु ऐसा कुछ न हुआ। स्टीफेन डगलस अब सीनेट का सदस्य बन चुका था। वह एक बार श्रीमती स्प्रिग के यहा उनके साथ खाना खाने भी आया किन्तु उसने उन्हे आमन्त्रित नही किया। मेरी को जब यह पता लगा कि अब्राहम ने इस अवसर पर डगलस से वह ऋण वसूल किया है जो कि डगलस को लिकन के एक ग्राहक को देना था तो वह बहुत बिगडी। जब अमेरिकी उच्चतम न्यायालय मे कोई मुकदमा लडने के लिए हेनरी क्ले वहा आया तो मेरी ने उसके होटल मे सदेश भेजा। हेनरी क्ले ने उसी रात उन्हे खाने पर आमन्त्रित किया। उसने उनके साथ अपने बारे मे बहुत-सी बाते की फिर उन्हे बताया कि वह उनसे मिलकर कितना प्रसन्न हुआ था किन्तु इससे अधिक हेनरी क्ले ने मेरी से कुछ न कहा।

सीनेट-सदस्य क्रिटेण्डन टाड-परिवार का चिर काल से मित्र था। मेरी ने उससे किसी विशेष अवसर के लिए आशा लगा रखी थी। सोलह जनवरी की रात को साराह बेन्टन का विवाह हो रहा था और क्रिटेण्डन उस विवाह पर आमन्त्रित था क्योकि टामस हार्ट बेन्टन-परिवार का वाशिंगटन समाज मे प्रमुख स्थान था। इसलिए मेरी सोच रही थी कि यदि उसे इस अवसर पर आमन्त्रित किया जाए तो औपचारिक रूप से लिंकन-परिवार को समाज मे स्थान प्राप्त हो सकता है। क्या क्रिटेण्डन बेन्टन के विवाह पर उसे निमन्त्रण दिला सकेगा। नही, वह ऐसा नही कर सकता। मेरी ने अनुभव किया कि इसके लिए उसे कहना व्यर्थ है।

मेरी ने अब्राहम को अपनी निराशाओ के बारे मे कुछ नही बताया। लिंकन अब श्रीमती स्प्रिग की जगह से प्यार करने लगा था और प्रतिदिन सभा के अन्य सदस्यो के साथ कैपिटोल जाने मे उसे बहुत आनन्द आता था। वह खाना

खाने के पश्चात् कमरे मे बैठकर बाते करता रहता। वह सप्ताह मे कई बार कैस्परी की बाउलिग क्लब मे चला जाता था और यहा अत्यन्त बेढगे ढग से गेदबाजी किया करता था। वह कभी जीतता नही था किन्तु अपनी कहानियो और बेढगे ढग से लोगो को खूब प्रसन्न रखता था। सप्ताह मे दो बार वह मेरी को सैर के लिए बाहर ले जाता था, कभी इथियोपिया वासी द्वारा सान्ध्य प्रेमगीतो की प्रदर्शनी देखने चले जाते और कभी स्लोमान-परिवार का सगीत सुनने के लिए जाते थे। उस परिवार मे पिता और दो पुत्रिया थे जो सितार और प्यानो के साथ गीत गाते थे। कई बार वे फ्रीमौट की कोर्ट मार्शल की कार्यवाही भी देखने गए थे।

अब्राहम ने मेरी को बताया, 'वसन्त ऋतु आरम्भ होने पर बुधवार और शनिवार को मध्याह्न पश्चात् नौसेना का बैन्ड व्हाइट हाउस के मैदान मे सगीत सुनाया करेगा। मैने सुना है कि वहा धूप होती है और सुन्दर मौसम होता है तथा वहा तुम बाजू वाली कमीज़ पहनकर बैठ सकती हो।'

अब्राहम को डाकघर और पोस्ट रोड की समिति मे नियुक्त कर दिया गया। फिर उसे युद्ध विभाग की समिति मे सम्मिलित कर लिया गया जिसका अभिप्राय था मेक्सिको मे युद्ध जारी रखने के लिए अधिक व्यय की आवश्यकता थी। उसकी दूसरी नियुक्ति पर मेरी ने कहा

'यह तो सर्वथा ऐसी ही बात है जैसे स्प्रिङ्गफील्ड की लाबी मे तुम्हे शिष्टाचार, विनम्रता और रस्मो सम्बन्धी समिति मे नियुक्त किया गया था।'

यहा के सामाजिक जीवन की असफलता से मेरी के हृदय मे घर लेने की आकाक्षा और अधिक बढ गई। अब उसने ऐसे मुहल्लो मे मकान ढूढना आरम्भ किया, जहा स्थायी सरकारी कर्मचारी रहते थे और आखिरकार बाल्टीमोर की किस्म का लाल ईटो का बना मकान उन्हे मिल गया, जिसमे सफेद पत्थर की सीढिया लगी हुई थी और सामने वाली दो मज़िलो की खिडकिया भी सफेद पत्थरो की बनी हुई थी। किराया अधिक था अर्थात् काग्रेस पद की पदावधि के अन्त तक के लिए तीन सौ डालर। और वह पदावधि अगले वर्ष मार्च मे समाप्त होनी थी। कमरे मे फर्नीचर आदि बहुत सुन्दर था और मेरी बडी सुगमता से उसे सहभोजो, नृत्यो आदि के लिए सजा सकती थी।

मेरी ने रविवार तक प्रतीक्षा की और उस दिन खाना खाने के पश्चात् उसने लिकन से कहा, 'चलो, मैं तुम्हे एक सुन्दर घर दिखाती हू।' इस प्रकार कह-

कर वह उसे छोटी ईंटो वाला घर दिखाने ले गई। जब उसने अब्राहम को पूरा मकान दिखा दिया तथा सामने और पीछे के कमरो मे घुमा दिया, जिन्हे एक बहुत बडी बैठक मे परिवर्तित किया जा सकता था, और एक बडा खाने का कमरा तथा तीन शयनागार दिखा चुकी तो लिकन सीढिया चढते हुए बीच मे ही रुक गया और मेरी को सम्बोधन करके बोला ·

'मेरी, तुम क्या करना चाहती हो, मुझे किसलिए यहा लाई हो ?'

मेरी ने गहरी सास ली और फिर एक ही सास मे अपनी प्रार्थना कह डाली

'हम दो मास से सराय मे रह रहे हैं। अब समय आ गया है कि हम ठीक ढग से रहे। हमे पन्द्रह मास और यहा रहना है अत हमे घर बनाकर रहना चाहिए।'

लिंकन अत्यधिक आश्चर्यचकित हो गया और बोला

'मुझे ज्ञात नही था कि श्रीमती स्प्रिग की सराय मे तुम अप्रसन्न हो। तुम तो कहती थी कि वहा का खाना बहुत अच्छा है।'

'श्रीमती स्प्रिग के विरुद्ध कुछ कहने के लिए मै शब्द ही नही ढू ढ पाई किन्तु अब्राहम, तुम जानते हो कि मैं सराय के जीवन की अभ्यस्त नही हू ?'

'तब तुम वाशिगटन क्यो आईं ? हमारी तो योजना ही श्रीमती स्प्रिग के यहा रहने की थी।'

लिकन की आवाज कठोर थी। मेरी समझ गई कि उसने काम ही झिडकिया खाने का किया है। किन्तु बोली, 'मै इसलिए आई थी अब्राहम, कि मै तुम्हारे पास ही रहना चाहती थी।' मेरी ने बडे विनम्र भाव से उत्तर दिया, 'और क्योकि तुम भी बच्चो को अपने पास रखना चाहते थे इसलिए मै भी · ।'

'किन्तु श्रीमती स्प्रिग की सराय का जीवन तो बहुत साधारण और सुहावना है।' लिकन बीच ही मे बोला, 'किराया कम है और हमारी अच्छी देखभाल की जाती है। भला तुम इस व्यवस्था से उद्विग्न क्यो हो ?'

'क्योकि हम वाशिगटन मे आराम करने के लिए नही आए। हम तो यहा सफलता प्राप्त करने के लिए आए है अर्थात् तुम सभासद के रूप मे सफल बनो और मैं एक आतिथ्य-सत्कार करने वाली गृहिणी के रूप मे।

'ओह, तो तुम सामाजिक स्थिति के लिए चितातुर हो ?'

मेरी बडी कठिनाई से हसी रोक पाई। बोली :

'मुझे इस काम के लिए कई नौकर मिल गए है। इन्हे प्राप्त करने मे विलिस

ने बहुत सहायता की है। इस घर की उचित सजावट करने मे मुझे एक सप्ताह से अधिक समय नही लगेगा।' मेरी ने एक प्रार्थी की तरह हाथ बढाते हुए कहा, प्रियतम, क्या तुम यह नही जानते कि मैं तुम्हारे लिए एक सुन्दर वातावरण तैयार करना चाहती हू, मै चाहती हू कि वाशिगटन के सबसे प्रतिष्ठित परिवारो और सम्मानित सरकारी कर्मचारियो को आमन्त्रित करू और न केवल हाउस के सदस्यो वरन् केबिनट के अधिकारियो और विदेशी राजदूतो को भी अपने घर पर बुलाऊ।'

'बस-बस मेरी, घोडे की मुश्के ढीली पड गई हैं और उसकी गाडी पीछे रह गई है। हम कितने मास से तो यहा है किन्तु किसीने भी हमारे साथ सम्पर्क बढाने का प्रयत्न नही किया और मुझे सदेह है कि तुमने इसके लिए प्रयत्न भी काफी किए है। हमने मकान किराये पर ले भी लिया तो यह समाज हमारी क्या परवाह करेगा ?'

मेरी कमर, कधो और सिर को सीधा कर के खडी हो गई और बोली :

'इस बात का मैं वचन देती हू कि समाज हमारे साथ सम्पर्क बढाएगा।'

'नही मेरी, समाज परवाह नही करेगा। मै यह भाग-दौड नही चाहता, ऐसे लोगो को आमन्त्रित करके उलझन मे नही पडना चाहता जो हमसे मिलना नही चाहते। मैंने सुना है कि वाशिगटन मे दक्षिण के समाज का अधिक प्रभाव है और वे घमडी और राजसी प्रकार की महिलाए है। वे कभी हमे समाज मे स्थान प्राप्त नही करने देगे।'

'सामाजिक स्थिति की दृष्टि से मेरा स्थान नगर की किसी भी स्त्री से कम नही है।'

'मौली, मै यह मानता हू किन्तु लिंकन-परिवार की स्थिति ऐसी नही।'

लिंकन यह कहकर जोर से हस पडा। मेरी और अधिक सटपटा गई।

'अब्राहम, हम अब यह चाहते है कि डाकघर मे बैठे हुए इधर-उधर की कहानिया कहने वाले व्यक्ति की बजाय तुम यहा अधिक प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करो।'

'श्रीमती लिंकन, क्या मै यह समझू कि तुम्हारे इस कथन मे अशिष्टता है ?'

मेरी ने बातचीत को राजनीति का रग दे दिया, कहने लगी :

'नवम्बर मे राष्ट्रपति का निर्वाचन हो रहा है और पौक लोकप्रिय राष्ट्रपति

नही था । यदि अगली बार हमारी जीत हो जाए तो यहा वाशिगटन मे काग्रेस के सदस्यो और स्थायी सीनेटरो मे तुम्हारी जान-पहचान हो जाने से लाभ होगा । तुम भी तो दल की परिषदो मे उच्चस्थान प्राप्त करना चाहते हो ।'

'मेरी समझ मे यह बात नही आ रही कि लोगो को सहभोज पर आमन्त्रित करने से मै ऐसा पद कैसे प्राप्त कर सकता हू ...?' वह सीढियो से नीचे उतरने लगा, 'इसके अतिरिक्त मुझे स्प्रिग का स्थान पसद है । वहा का वह हास्य-विनोद और वहा की वह मित्रमण्डली मुझे पसद है ।'

'मुझे तो पसद नही'—मेरी अपनी बात पर अडी रही और उसने दृढता से सीढियो के डडे को पकडे रखा—'जब श्री डिकी गदी गालिया बक रहे होते है तो मेरे लिए वहा शोरबा पीना भी दूभर हो जाता है, खाना खाते समय जब श्री हम्पस्टफ कब्ज और जुलाब की बात छेड देते हैं तो मछली का कोई मजा ही नही रह जाता और न ही उस बालो वाले व्यक्ति द्वारा शीशी सूंघने और फिर छीक मारने से खाने मे ही वृद्धि होती है ।'

'पर मेरी, लोग जैसे भी हो हमे उन्हे स्वीकार करना होगा ।'

'किन्तु हमे ऐसा करने की आवश्यकता नही है'—मेरी ने अनुरोधपूर्वक कहा, 'यह घर सुन्दर है ।'

'तुम्हारे चचेरे भाई स्टुअर्ट और उनकी पत्नी भी जब यहा थे तो स्प्रिग की सराय मे ही ठहरे थे । श्रीमती रिचर्डसन और श्रीमती कूम्ब्स भी तो उस स्थान से सतुष्ट है, फिर भला तुम ही क्यो सतुष्ट नही होती ?'

'क्योकि तुमने किसी अन्य स्त्री की बजाय मुझसे विवाह किया है अत मेरा यह अनुमान लगाना ठीक ही है कि मेरी जो बाते अन्य स्त्रियो से भिन्न है उन्हीके कारण तुमने मुझसे विवाह किया था ।'

लिंकन ने अपना हाथ उसकी ओर बढा दिया मानो अनुरोध कर रहा हो कि वह नीचे उतर आए ।

'हा, हा, तुम एक विशेष महिला हो और तुम्हारी विशेषताओ को कारण ही मैं तुमसे प्रेम करता हू, यद्यपि मुझे तर्क करना पडता है । परन्तु मैं इस प्रकार के घर के लिए तैयार नही हू । यहा मुझे चैन नही मिलेगा और ऐसा लगेगा कि मैं ऐसे स्थान के लिए प्रयत्न कर रहा हू जिसका मैं अधिकारी नही हू । सभवत ...जब हमे लोग अधिक जान जाए ... तो मै अगली बार काग्रेस

के लिए निर्वाचित हो जाऊ, किन्तु विश्व के समाज मे मेरा सर्वप्रमुख स्थान नही है। तुम जरा सोचो तो कि यदि तुम एक बडी पार्टी का आयोजन करो और तुम्हारे आमन्त्रण पर कोई न आए तो तुम्हे कितना बुरा लगेगा। यदि हम अपना काम चुपचाप साधारण ढग से करे और अधिवेशन के बाद घर चले जाए तो हमे कोई दु ख नही होगा और किसी असफलता या उलझन की याद दिल मे न रहेगी।'

लिंकन ने अपना हाथ दरवाजे की चटखनी पर रखा, दरवाज़ा खोला और मेरी की प्रतीक्षा करने लगा। मेरी ज़िद से दीवार के साथ लगी खडी थी।

'यह मत समझो कि तुम मेरे लिए जो कुछ करना चाहती हो, मै उसके लिए आभारी नही हू। मैं इसके लिए तुम्हारी प्रशसा करता हू और मै आभारी भी हू, किन्तु प्यारी मौली, मुझे यह घर नही चाहिए''' किन्तु तुम ही कहो, क्या मुझे फिर भी यह मकान लेना होगा ?'

अपने तर्क के निहितार्थ से ही वह स्वय निरुत्तर हो गया और सोचने लगा कि यदि हमे यह घर लेना ही है तो सभवत मैं कोई और तर्क नही दूगा। मेरी उसके निकट आ गई। उसने लिंकन के खुरदरे और हड्डियो वाले हाथ को अपने हाथ मे ले लिया और फिर अपना गाल उसपर रखकर उसके हाथ से अपने आसुओ को, जो अभी तक आखो मे सिमटे हुए थे, पोछने लगी।

'नही प्रियतम ! तुम्हे यह मकान नही लेना पडेगा।'

४५

पुनः वर्षा हुई और गलियो मे से गुज़रना तक कठिन हो गया। जब बच्चे अशाति अनुभव करने लगे, तो मेरी ने उन्हे कोट और मफलर पहनाए और उन्हे कोने के पास ले जाकर पत्थर तोडने वालो का दृश्य दिखाने लगी।

सर्दी इतनी सख्त थी कि न बैठा ही जाता था और न सीधा खडा होना ही संभव था। एडवर्ड की छाती मे सर्दी लग गई और राबर्ट का गला पक गया।

नवयुवक डाक्टर बुजी बच्चो को देखने आया करता था। विल्स प्रतिदिन शाम के समय उनके कमरे मे आ जाता था और शेष समय उनके साथ खेल खेलने मे ही बिता देता था। अपनी सेवा के बदले उसने पैसा लेने से इन्कार कर दिया। जब उसने बताया कि वह स्वतन्त्रता प्राप्त कर लेगा, तो सबसे पहले लिखना और पढना सीखेगा तो मेरी ने सोचा कि वह इस ढग से उसे उसकी सेवा का पुरस्कार दे सकती है।

'विल्स, मुझे विश्वास है कि मैं तुम्हे पढा सकती हू। मेरे पास वर्णमाला की पुस्तके हैं और मैं बेबी को उसीसे पढाया करती हू।'

विल्स बिना कुछ कहे बाहर चला गया। प्रतिदिन मेरी उसे पाठ पढाती और उसे याद करने तथा लिखने के लिए कागज, कलम और स्याही भी देती थी।

लिंकन-परिवार को कही आमन्त्रित नही किया गया। मेरी ने भी और मित्रता बनाने और लोगो को आमन्त्रित करने का प्रयत्न छोड दिया। वह चुपचाप अपने कमरे मे बैठी हुई या तो पढती रहती थी या पत्र लिखती रहती थी। वह वाशिगटन की सामाजिक महिलाओ को भी इस बात का दोष नही देती थी कि वे लिंकन-परिवार को नही जानती। वह भी तो नई प्रतिष्ठा पाने वाले लोगो से मेल न बढाती। किन्तु उसे अप्रसन्नता इस बात की थी कि वह वाशिगटन मे कोई उपयोगी काम नही कर रही थी। वह यह सोचना भी नही चाहती थी कि एक साल इस छोटे-से कमरे मे गुज़ारना पडेगा जहा खराब मौसम मे खेलने की कोई जगह न होने के कारण बच्चो को नीचे रहना पडता था या जब वह ऊपर चढ जाते अथवा क्रोध दिखाते तो उन्हे चुप कराने का कोई मार्ग दिखाई नही देता था। घर किराये पर दे देना गलती थी और यहा पर आना भी गलती थी। सराय बच्चो के लिए अच्छी नही थी और निस्सदेह उसके लिए भी अच्छी नही थी।

अब्राहम को कुछ अपनी कठिनाइया थी जिस कारण मेरी उससे अपनी भावना को छुपाने का भरसक प्रयत्न करती थी। जब उसने प्रशासन-अधिकारियो से इस बात के प्रमाण के लिए पत्र मागे कि मेक्सिको युद्ध मे पहली गोली अमेरिकी भूमि की ओर चलाई गई थी और प्रशासन-अधिकारी ऐसे कागज़ न दे सके तो लिंकन ने युद्ध के वैधानिक स्वरूप के विरुद्ध प्रहार करने मे व्हिग पार्टी की सहायता की।

इसकी प्रतिक्रिया तुरन्त हुई। स्प्रिंगफील्ड के रजिस्टर पत्र ने उसकी अच्छी तरह खबर ली कि उसने युद्धकार्य मे सहायता नही दी। इलीनाइस के डेमोक्रेटो ने लिकन के विरुद्ध बडी-बडी सभाए की और यह प्रमाणित करने के लिए कि इलीनाइस देशभक्त और निष्ठावान् है, स्टीफेन डगलस ने सीनेट मे खडे होकर काग्रेस-सदस्य लिकन का विरोध किया। विलियम हर्नडन ने लिखा कि उसके राज्य मे व्हिग सदस्य भी यह अनुभव करते है कि लिकन उन सेनाओ को असफल बनाने का प्रयत्न कर रहा है जो मेक्सिको मे अभी तक लड रही है और युद्ध का अन्त करने का प्रयत्न कर रही हे और यह भी लिखा कि लिकन का राजनीतिक जीवन समाप्त हो रहा है। इसका लिकन ने इस प्रकार स्पष्टीकरण किया कि उसने सशस्त्र सेनाओ के सभी विनियोगो पर समर्थक मत दे दिया था किन्तु वह केवल आक्रमण के सिद्धान्त का ही विरोधी था।

इसके अतिरिक्त अब्राहम अब जनरल जकारी टेलर को व्हिग पार्टी द्वारा राष्ट्रपति-पद के लिए नाम निर्दिष्ट करवाने का प्रयत्न कर रहा था क्योकि उसका कहना था कि हेनरी क्ले तीन बार हार चुका है, इससे वाशिगटन मे रहने वाले क्ले के समर्थक लिकन के विरोधी हो गए। रजिस्टर ने भी लिखा कि राज-नीतिज्ञ लिकन एक ऐसे व्यक्ति का समर्थन कर रहा है जिसने राजनीति मे केवल इसलिए पदार्पण किया है कि उसने ऐसे युद्ध लडे थे जिनका माननीय अब्राहम लिकन ने घोर विरोध किया था।

मेरी ने देखा कि वह उस बाल्टीमोर के ढग के घर मे केवल उन व्हिग काग्रेस सदस्यो को आमन्त्रित करने मे सफल हो सकती थी जो बदले मे उन्हे सराय मे निमन्त्रित करने के सिवाय और कुछ नही कर सकते थे।

मेरी निराशा मे डूब गई जब भूतपूर्व राष्ट्रपति जान क्विन्सी ऐडम्स की मृत्यु हो गई और अब्राहम ने उससे कहा कि वह उसे सरकारी दर्शको मे बैठने का स्थान दिलवा देगा तो मेरी ने जाने से इन्कार कर दिया। उसके सिर को फिर किसी लोहे के शिकजे ने जकड लिया। सूर्य की किरणे उसकी आखो मे तीर की तरह लगने लगी। जब श्री हम्फस्टफ ने खाने की मेज पर अपनी नवीनतम बीमारी का उल्लेख किया तो मेरी उससे भी उलझ पडी। उसने कहा था कि अब उसे विकटतम परिस्थितियो मे भी कुछ महसूस नही होता और उसने डाक्टर बुर्जी से निवेदन किया था कि वे उसे देखे। मेरी बोल उठी, 'इसमे सन्देह नही

कि इस रोग का निदान करवाते हुए आप अपने मस्तिष्क की विकटतम स्थिति का भी निदान करवाएगे।'

ज्योही यह वाक्य मेरी की जबान से निकला वह अपने दातो से जिह्वा को दबाकर रह गई और उससे जो हसी का फव्वारा छूटा, उसने भी मेरी की इस भावना को क्षीण नही किया कि उसने अपराध किया है।

अब्राहम ने अब पत्र-व्यवहार का कार्य सभाल लिया और अपने कमरे मे बैठकर अपने भाषण लिखा करता। प्राय बच्चे शोर मचाया करते थे। राबर्ट एडवर्ड को पीटा करता था क्योकि वह नन्हा बच्चा प्राय अपनी मा की गर्दन मे हाथ डाले उसकी गोद मे ही बैठा रहता था। मेरी उन्हे निचली बैठको मे नही ले जा सकती थी क्योकि वहा अन्य लोग पढ रहे होते थे अथवा बातचीत मे लगे होते थे और उन्हे प्रसन्न कर सकने का धैर्य मेरी मे नही था। प्राय अब्राहम मेरी के लिए उपहार लाया करता था, कभी चीनी के खिलौने तो कभी फ्रासीसी नया उपन्यास। इस औपचारिक ध्यान के कारण मेरी को विश्वास हो गया कि लिकन भी यही चाहता था कि अन्य काग्रेस-सदस्यो के परिवारो ही की तरह मेरी को भी घर पर ही रहना चाहिए था, ताकि वह अपने कार्य के निष्पादन के लिए स्वतन्त्र हो और दूसरे लोगो के मध्य अपना समय व्यतीत कर सके।

यद्यपि लिकन ने कभी यह नही कहा किन्तु मेरी जानती थी कि उसके यहा आने मे भारी भूल हुई है। उसने जो योजना बना रखी थी उसका अणमात्र भी वह कार्यरूप मे परिणत कर नही पाई और अब्राहम जिस प्रकार अपने लिखे हुए भाषणो को बार-बार फाड दिया करता था और हर्नडन तथा अन्य सम्वाददाताओ को राजनीतिक स्थिति के बारे मे जिन कठोर शब्दो मे लिखा करता था उससे भी यह प्रकट होता था कि वह प्रसन्न नही था। मेरी सोचा करती थी कि वह उन महीनो को कैसे गुज़ारेगी जब काग्रेस का अधिवेशन स्थगित हो जाएगा और उन्हे अपनी छुट्टिया मनाने के लिए पूर्व मे न्यूयार्क, न्यूइगलैड, निआग्रा फाल और ग्रेट लेक्स जाने के लिए अवकाश होगा। यदि व्हिग पार्टी के सदस्य अब्राहम के विरोधी बनने रहे तो यह छुट्टिया उन्हे मिल ही न सकेगी क्योकि तब तो अब्राहम एक राजनीतिक दौरा करेगा। तब वे वापस स्प्रिंगफील्ड जाएगे और नवम्बर तक के लिए या तो मकान किराये पर लेगे अथवा ग्लोब

होटल मे ठहरेगे। और फिर बाद मे उन्हे अपने घर का कब्ज़ा प्राप्त करना होगा।

मार्च के अन्त मे मेरी को बेट्सी का एक पत्र मिला जिसमे उसने लिखा था कि बच्चो को टाड-परिवार के बागो की सैर करने के लिए भेज दिया जाए। अब्राहम ने बडे विनम्र भाव से पूछा

'क्या मौली, तुम अपने मायके जाना पसद करोगी ?'

'क्या तुम चाहते हो कि मै चली जाऊ ?'

'मैं सदा यही चाहता हू कि तुम मेरे पास रहो किन्तु तुम अप्रसन्न रहती हो···और फिर तुम्हे सदा सिरदर्द-सा रहता है···।'

'मैं सदा बेकार रहती हू अब्राहम ! मै लिखने मे भी तो तुम्हारा हाथ नही बटाती।'

'तुममे कार्य करने की इतनी शक्ति है, आगे बढने का इतना साहस है··· और मैंने तुम्हे उस एक क्षेत्र से वञ्चित रखा है जिसमे तुम अपने आपको व्यस्त रख सकती थी वह ईटो का पक्का मकान।'

यह अब्राहम की उदारता थी कि वह इस अपराध को अपने सिर ले रहा था। मेरी द्रवित हो गई और लिकन के पास जाकर अपने हाथो से उसका मुह ढक दिया।

'मुझे पूरा विश्वास है कि यह बहुत अच्छा होगा। बच्चे नदी-नालो और घुडसवारी से बहुत प्रसन्न होगे। जब हम कोई निश्चय कर लेगे तो मै यथा-सम्भव शीघ्र ही चली जाऊगी।'

अगली सुबह लिकन उसे रेलवे स्टेशन पर ले गया। उन्होने एक दूसरे से कोई बात न की। सारी रात वे बिस्तर पर एक दूसरे से मुह फेरकर लेटे रहे और जागते रहे। वे अनुभव कर रहे थे कि उनमे वैमनस्य है और इस कारण अप्रसन्न थे। जब लिकन उसका सामान प्लेटफार्म पर ले आया तो मेरी ने सोचा कि हमारी असफलता हुई है। यह पता नही कि कहा और क्यो ?

मेरी का हृदय दु खी था और वह यह अनुभव करती थी कि अब्राहम भी उसी-की तरह दु खी है। उसने एक-एक बाह मे दोनो बच्चों को उठाया हुआ था।

'मौली, जितने दिन वहा रहने को जी चाहे, रहना। कुछ सप्ताह आराम करके वापस चली आना। ऐसा भी हो सकता है कि बच्चो की देख-भाल के लिए

तुम वहा कोई नौकर रख दो और स्वय यहा आ जाओ ' 'फिर तुम्हे यहा अधिक स्वतन्त्रता मिल सकेगी '' ।'

'अब्राहम, किन्तु स्वतन्त्रता किस काम के लिए ?'

'मेरे पास रहने के लिए मेरी सहायता करने के लिए''''''।'

यह बहुत साहसिक प्रयत्न था और मेरी जानती थी कि यह बात आवश्यकता की बजाय सहानुभूति के कारण कही गई है । कुछ क्षण मौन रहा फिर इजीनियर ने इजन की सीटी बजाई । अब्राहम उस आवाज़ से चौक-सा गया । उसके चेहरे पर विषाद की छाया फैल गई, उसकी आखे मेरी की आखो मे कुछ ढूढ रही थी ।

'इन नन्हो का पूरा-पूरा ध्यान रखना, इन्हे अपने पिता को न भूलने देना ।'

मेरी ने कहा, 'मै इनका ध्यान रखूगी,' कन्तु उसका हृदय रो उठा क्योकि अब्राहम ने उसे जाने दिया था ।

४६

जब बग्घी लेक्सिगटन की सीमा मे प्रविष्ट हुई तो मेरी ने अपने चेहरे पर प्रसन्नता के भाव पैदा कर लिए । टाड-परिवार के लोगो मे यही विशेषता थी कि वह किसी भी कठिनाई को ऐसी सुगमता से सहन कर सकते थे कि किसीको पता तक न लगता था । मेरी ने वाशिगटन के बारे मे, जुआघरो की खिडकियो की लाल बत्तियो के बारे मे तथा इस बारे मे कि रविवार को पेनसिलवानिया एवन्यू किस प्रकार सारे नगर के लिए मनोरजन का स्थान बन जाता है, अनेक प्रकार की मनोरजक कहानिया सुनाई ।

उसने रास्ते मे ही अब्राहम को एक पत्र भेजा था और लेक्सिगटन पहुचते ही उसने एक लम्बा पत्र लिखा किन्तु उसे यह जानकर बहुत दु ख हुआ कि वह अपने ही पति से क्रुद्ध थी । इस सम्बन्ध मे अब्राहम का पत्र भी कुछ औपचारिक-

सा था। उसमे कुछ उत्साह दिलाया गया था और वह अवश्य उसके लिए उदास भी था

प्रिय मेरी !

इस कष्टदायी ससार मे हम कभी भी तो सन्तुष्ट नही होते, जब तुम यहा थी तो मै सोचा करता था कि तुम मेरे काम मे रुकावट पहुचाती हो किन्तु अब जब कि मेरे पास सिवाय काम के कुछ है ही नही, मुझे सभी कुछ अरुचिकर प्रतीत होता है। मुझे इस बात से घृणा है कि एक स्थान पर बैठकर पत्रादि लिखवाता रहू। इस कमरे मे अकेले रहना मुझे अच्छा नही लगता। तुम्हे याद होगा कि मैंने गत रविवार के पत्र मे तुम्हे लिखा था कि मै इस सप्ताह एक छोटा-सा भाषण देने वाला हू। किन्तु सप्ताह बीत गया है और मुझे अवसर ही नही मिला और अब तो इस विषय मे मेरी रुचि ही जाती रही है।

घर के सभी लोग—या यू कहना चाहिए कि जिन लोगो के साथ तुम्हारी मैत्री थी—तुम्हे हार्दिक प्यार भेजते है।

और अब तो तुम्हे सिरदर्द नही होता होगा ? यह अच्छा है। मुझे डर है कि तुम मोटी हो जाओगी तथा युवा भी, और दुबारा विवाह करने की इच्छा करने लगोगी।

मेरी डेविड के साथ घुडसवारी पर जाती थी, डेविड राबर्ट को घुडसवारी सिखा रहा था और मेरी एक बार फिर हरे-नीले खेतो के दृश्यो का आनन्द ले रही थी। उसे प्राय रविवार के दिन या किसी और दिन गाव मे आमन्त्रित किया जाता था किन्तु उसका अधिक समय एमिली और अन्य बहिनो के पास ही गुज़रता था। वह उन्हे कहानिया सुनाया करती और बताती कि किस प्रकार उसने बारह वर्ष की आयु मे सिराहने के गिलाफ़ से एक जम्पर तैयार किया था और वह जम्पर पहनकर गिरजाघर जाना चाहती थी, और किस प्रकार एक बार घुडदौड पर जाने के लिए उसने बेट्सी का गाउन पहन लिया। वह कई बार शाम का समय पिता के पास पुस्तकालय मे व्यतीत करती थी।

उस सराय को छोडने पर और उस कमरे को छोडने पर, जो उसे काल-कोठरी-सा प्रतीत होने लगा था तथा उस नगर से चले जाने पर,-जहा वह सबके लिए अपरिचित थी, उसे बहुत सन्तोष अनुभव हुआ। यहा लेक्सिंगटन मे पहुच-

कर वह पुन. नई शक्ति का अनुभव करने लगी। वह खूब अध्ययन करती, केन्टुकी के उन महत्वपूर्ण व्हिग सदस्यो के साथ लम्बी चर्चाए किया करती जो हेनरी क्ले को राष्ट्रपति-पद के लिए चौथी बार नाम निर्दिष्ट करना चाहते थे। यद्यपि वे जानते थे कि अब्राहम जनरल टेलर को व्हिग पार्टी द्वारा नाम निर्दिष्ट करवाना चाहता है किन्तु उन्होने मेरी को यह अरुचिकर तथ्य बताकर घबराहट मे नही डाला।

अब्राहम ने लिखा कि यदि वह वाशिगटन नही आना चाहती या आ नही सकती तो सम्भवत. जुलाई मे काग्रेस का अधिवेशन स्थगित होने पर वह लेक्सिगटन आएगा।

उसका चाचा जेम्स पारकर अपनी सबसे बडी लडकी को फिलेडेल्फिया के स्कूल मे दाखिल कराने जा रहा था। उसने मेरी को अपने साथ ले जाने का प्रस्ताव किया। यदि वे इस दौरे पर जाते, जिसकी उन्होने योजना बनाई थी, तो सभवत काग्रेस अधिवेशन के अन्त मे वह अब्राहम से जा मिलती।

किन्तु मेरी कोई निश्चय न कर सकी। जून के मध्य मे जब लेक्सिगटन पूरी तरह गर्मी की लपेट मे आ गया तो टाड-परिवार ब्यूना विस्टा चला गया, जहा एक छोटी-सी सुन्दर गोल पहाडी पर वृक्षो से घिरा हुआ उनका छोटा-सा घर था। बच्चे दिन भर जगलो और खेतो मे घूमते रहने और उनमे से कोई भी राबर्ट की आख के बारे मे कुछ नही कहता था। एडवर्ड के प्यारे चेहरे और प्यारी चेष्टाओ ने सारे घर को मुग्ध कर दिया था। राबर्ट टाड को मेरी के आने की बहुत ही प्रसन्नता हुई थी। अब्राहम ने लिखा था :

पिताजी तो शीघ्र ही तुम सबको यहा देखना चाहते है, परन्तु खैर जाने दो, जितनी देर तक तुम्हारा जी चाहे वहा रहो, जब जी मे आए चले आना, उन शरारतियो को मेरी ओर से प्यार देना।

तुम्हारा प्रिय

जब अगस्त मास मे मेरी ने सुना कि लिकन जनरल टेलर के पक्ष मे जगह-जगह भाषण देने के लिए दौरा आरम्भ करने वाला है, जबकि न्यूइगलैड के राज्यो मे जनरल टेलर के लिए कोई गुजाइश नही, तो उसने सोचा कि अब लिकन के पास जाना ठीक नही होगा। यही चुपचाप बैठे रहना अच्छा है और जब स्प्रिगफील्ड लौटने की तैयारी होगी तो वह शिकागो मे उससे जा मिलेगी।

आखिर अक्टूबर के आरम्भ मे मेरी बच्चोसहित शिकागो के लिए चल पडी। दो दिन के लिए शर्मन हाउस मे भी ठहरी। गर्मियो की धूप मे उसका चेहरा असाधारण रूप से चमक रहा था। अब्राहम को शाम की एक सभा मे भाषण देना था। यद्यपि केवल छ घटे पहले सूचना दी गई थी किन्तु वहा लोगो की इतनी अधिक भीड इकट्ठी हो गई कि कोर्ट हाउस से लेकर सार्वजनिक चौक तक लोग ही लोग थे। मेरी ने दो घटे तक उसका भाषण सुना। न्यूइगलैड के दौरे से उसके भाषण मे अधिक निपुणता और विनम्रता आ गई थी। अब वह अपने परिहास को अवसर देखकर और अधिक चुस्ती से प्रयोग करता था और जब वह अपने मुख्य विषय पर आता कि जनरल टेलर की असफलता का यह अभिप्राय होगा कि अमेरिकी जनता नये प्राप्त किए हुए प्रदेश मे दासता की प्रथा को बनाए रखना चाहती है तो वह दक्षिण प्रदेश के राज्यो के विरुद्ध कोई घृणा-भाव पैदा किए बिना अपनी बात कह डालता था। मेरी ने सोचा कि उसने आज तक लिकन के जितने भाषण सुने थे, यह सबसे अधिक सुस्पष्ट है। जब अगले प्रात उसने शिकागो का 'डेली जरनल' पत्र पढा तो उसने देखा कि वह पत्र भी मेरी से सहमत था। उसमे कहा गया था

'इस आन्दोलन के आरम्भ होने के बाद जितने भी भाषण पढे या सुने गए है, यह उन सबसे अच्छा है।'

मेरी ने प्रशसा के वाक्यो को रेखाकित करके पत्र लिंकन को दे दिया :

'तुम शिकागो मे बहुत अच्छा बोलते हो। गत बार तुम जब बोले थे तो होरेस ग्रीले ने न्यूयार्क ट्रिब्यून मे तुम्हारी प्रशसा की थी। तुम्हे यहा प्राय: आते रहना चाहिए।'

लिकन मुस्कराया और कहने लगा, 'बहुत से लोगो ने मुझसे अनुरोध किया है कि मैं स्थायी रूप से यहा आकर रहने लगू। यह नगर विकसित हो रहा है। किन्तु उनका कहना है कि सर्दियो मे झील से आने वाली जो हवाए यहा चलती हैं वे सीने को छलनी कर देती है।'

उन्हे पुन घर लौट आने पर बहुत अच्छा लगा। उत्तर के शयनागार मे से सामान नीचे लाया गया और फिर अपनी परिचित वस्तुओ तथा अपने पुराने मित्रो और साथियो के बीच अपने आपको पाकर उन्हे बडी प्रसन्नता हुई और

पुन ऐसा लगा कि उनका भविष्य अनुकूल बन जाएगा। जुदाई के पश्चात् मेरी ने अनुभव किया कि उनके प्रेम मे पुन' वैसी हो नवीनता आ गई थी जैसी कि विवाह के प्रारम्भिक सप्ताहो मे थी। इस नव प्राप्त प्रसन्नता मे उसे सुहागरात की याद आ गई, जब वह होटल के कमरे के मध्य मे खडी अब्राहम के आने की प्रतीक्षा कर रही थी और विवाह की रस्म के समय के वे शब्द उसके कानो मे गूज रहे थे, 'प्रेम भी चन्द्रमा की कलाओ की तरह कभी घटता है, कभी बढता है, कभी आभा से मुखरित हो उठता है और कभी अन्धकार की छाया मे विलीन हो जाता है। चाहे कितनी भी कठिनाइया अथवा निराशाए उठानी पडे, मार्ग चाहे कितना भी अन्धकारपूर्ण हो, उसकी प्रेम-भक्ति अक्षुण्ण रहनी चाहिए आखिर वह नित्यप्रकाश के सुन्दर प्रदेश मे पहुच जाएगी।'

अब्राहम ने कहा था 'प्रेम अमर है' तो फिर विवाह भी अमर है क्योकि विवाह प्रेम का भौतिक तथा विकसित रूप है। वह सोचने लगी कि विवाह और प्रेम सदा पर्यायवाची शब्द ही तो रहे हैं और इसी कारण ही तो उन कष्टदायी बीस मासो मे, जब उसे उसका प्रेम प्राप्त नही था, वह किसीकी भी कोई बात नही सुना करती थी और लिंकन को भुलाकर किसी अन्य से विवाह करने को तैयार नही हुई थी। मन ही मन बहुत पहले अब्राहम से उसका विवाह हो चुका था। जब उसे पता लगा था कि उसे अब्राहम से प्रेम है, उसी दिन से वह उसकी हो गई थी।

घर पर दस दिन रहने के पश्चात् वह पीटर्सबर्ग, जैक्सनविले, ट्रिमौन्ट और पेकिन के दौरे पर चला गया। उसने निश्चय कर रखा था कि वह इस जिले को व्हिग पार्टी तथा टेलर का समर्थक बना देगा। कोई भी यह नही जानता था कि जनरल टेलर का लक्ष्य क्या है अथवा वह राष्ट्रपति-पद पर कैसा रहेगा किन्तु इससे अब्राहम को दु ख नही हुआ। व्हिग आन्दोलन डेविड विलमाट की इस घोषणा के आधार पर आरम्भ किया गया था कि मेक्सिको से प्राप्त किए गए नये प्रदेशो मे कभी भी किसी रूप मे दास-प्रथा को आरम्भ नही किया जाएगा।

मेरी को भय था कि इलीनाइस मे अब्राहम का प्रभाव कम हो जाएगा, क्योकि युद्ध के बारे मे उसका दृष्टिकोण लोकप्रिय नही था किन्तु जहा कही भी उसने भाषण दिया, बहुत-से लोग उसे सुनने आए। इलीनाइस का अकेला व्हिग काग्रेस-सदस्य होने के नाते वह उस शासन का प्रतिनिधित्व कर रहा था,

जो जनरल टेलर के निर्वाचित होने पर बनना था। कई दौरो के पश्चात् पहली बार उसे पूर्णत· विश्वास हुआ कि इलीनाइस मे व्हिग जीत सकते है।

लिकन की अनुपस्थिति मे मेरी ने छतो पर कलई करवा दी थी और ईंटो की अगीठियो की मरम्मत करवा ली थी।

निर्वाचन आरम्भ होने से एक शाम पहले वह घर लौटा, ताकि वह अपना मत डाल सके। उत्तर मे उसे जो सफलता मिली थी उससे वह फूला नही समा रहा था। रसोई की अगीठी के सामने पानी के टब मे बैठने के लिए जब उसके लम्बे शरीर को कुछ कठिनाई अनुभव हुई तो वह अपने धुले हुए कपडे बगल मे दबाए सिटी होटल के स्नानागार मे चला गया। रास्ते मे बिली नाई की दुकान पर उसने हजामत बनवाई। सामने की खिडकी मे से मेरी ने देखा कि जैक्सन स्ट्रीट मे जाते हुए लिकन के चेहरे पर प्रसन्नता के भाव लक्षित हो रहे थे तथा वह नवयुवक और उत्साही प्रतीत होता था।

जरनल के कार्यालय से वह यह समाचार लाया कि न्यूयार्क मे टेलर और उसके विपक्षी के वोटो मे दो और एक का अनुपात है और पैतीस निर्वाचक गण के मत मिलने से व्हिगो का निर्वाचन निश्चित हो जाता है। वे रात भर जागते रहे—बडे आराम से प्रेमभरी बाते करते रहे और सोचते रहे कि उनका भविष्य कैसा है।

जनरल टेलर जीत गया · किन्तु इलीनाइस से नही। इस प्रदेश से लगभग एक लाख वोट डाले गए, यदि उनमे से सत्तरह सौ वोट इधर से उधर हो जाते तो यह अब्राहम की बहुत बडी विजय होती। जहा उसने प्रयत्न किया वही टेलर की विजय हुई। उसका न्यूइगलैड का दौरा बहुत सफल रहा। पर क्या यह सब लिकन के प्रयत्न का फल नही था, क्या उसीने सबसे पहले राष्ट्र-पति-पद के नाम-निर्देशन के लिए उसकी सहायता नहीं की थी, क्या उसीने जहा-तहा पत्र नही लिखे थे, महीनो कठोर परिश्रम नही किया था और फिले-डेल्फिया की व्हिग सभा मे उसके नाम-निर्देशन के लिए जान नही लडाई थी? तो फिर इसमे क्या सदेह था कि जनरल टेलर लिकन का बहुत आभारी था।

निर्वाचन के पश्चात् अब लिकन के पास केवल दो सप्ताह शेष रह गए, फिर उसे काग्रेस के दूसरे छोटे अधिवेशन मे सम्मिलित होने के लिए वाशिगटन जाना था। यह प्रश्न अभी पैदा नही हुआ था कि मेरी उसके साथ जाएगी

अथवा नही । जब वह लेक्सिंगटन मे थी तो उसका विचार था कि लिंकन उसे वापस बुलाना नही चाहता, पर अब तो लिंकन ने स्पष्ट सकेत कर दिया था कि भले ही पहले उन्हे कठिनाई हुई थी किन्तु अब वह सारे परिवार को साथ ले जाना चाहता है । इस बार कई बातो मे अन्तर होगा । व्हिग पार्टी वहा विजेता होगी । प्रशासन सभालने के लिए अनेक प्रकार की योजनाओ पर विचार किया जाएगा । अब्राहम के दौरे के समय समाचारपत्रो ने उसकी बहुत प्रशंसा की थी । नये निर्वाचित उपराष्ट्रपति मिलार्ड फिलमोर और न्यूयार्क के राज-नीतिक नेता थरलो वीड के साथ लिंकन की भेट हुई थी । अब उसे अपरिचित व्यक्ति नही समझा जा सकता था । अब लिंकन और उसकी पत्नी के लिए सर-कारी दरवाजे बन्द नही होगे । डेमोक्रेटो को पद छोडने होगे और साथ ही दक्षिण प्रदेश को उनकी सुन्दर पत्नियो का भी समाज मे प्रभाव नही रहेगा । वाशिंगटन मे अब नया समाज होगा और मेरी उसमे विशेष भाग ले सकेगी ।

अब्राहम का अब महत्व था, लोग उसे जान गए थे और यह आशा थी कि उसे समाज के गण्यमान्य लोगो मे ले लिया जाएगा । किन्तु क्या वह इसके लिए तैयार था ?

मेरी काम-काज मे लगी हुई मन ही मन कुछ सोच रही थी, उन चारो के लिए इतनी दूर जाना बहुत महगा पडेगा । क्या उसे चले जाना चाहिए ? वह जुदाई के तीन मास कैसे बिताएगी ? क्या व्हिग दल की यह प्रथम विजय उनके जीवन मे एक नया मोड प्रमाणित नही होगी ?

उसे यह भी भय था कि सभवत लिंकन न माने या फिर उसे स्प्रिग की सराय मे ही रहना पडे राजनीतिक परिस्थिति न जाने कैसी रहे '' शासन-सम्बन्धी लोगो मे तनाव पैदा हो सकता है, जो तीन महीने वहा रहने का उसे निश्चय था उसमे मेरी अब्राहम की जितनी सहायता कर सकेगी वह उसे बहुत महगी पडेगी ।

वह बैठक मे अब्राहम के पास चली गई, जहा वह अगीठी के सामने बैठा कागज़ देख रहा था ।

'अब्राहम, मैं तुम्हारे साथ वाशिंगटन नही जाऊगी ।'

लिंकन ने दृष्टि उठाई और उसकी ओर ऐसे देखा मानो ऐनको के ऊपर से देख रहा हो । मेरी उसकी ओर ध्यानपूर्वक देख रही थी, यह जानने के लिए कि

क्या उसे प्रसन्नता अथवा शाति अनुभव हुई है ? उसके चेहरे से कोई भाव प्रकट न हुआ। उसने कागज़ नीचे रख दिए और उसकी ओर बाहे फैलाकर बोला .

' मौली ! क्या तुम ऐसा मेरे लिए कर रही हो ·· ?'

मेरी ने उसका प्रेमभरा चुम्बन लिया और कहा, 'यह हम सबके लिए अच्छा रहेगा। राष्ट्रपति के पदारूढ होने पर जब हमे पता लग जाएगा कि क्या होने वाला है तो फिर हम इकट्ठे हो जाएगे।' एक क्षण बाद वह पूछने लगी, 'तुम्हारा क्या विचार है, हमे कुछ प्राप्त होगा ? क्या यह सभव है कि तुम्हे ··कोई मन्त्रिपद मिल जाए ?'

'ऐसी कोई आशा नही !' लिकन ने तुरन्त निश्शक भाव से कहा। फिर उसकी घबराहटभरी हसी से यह लक्षित हो गया कि ऐसा विचार उसके मन मे भी आया था—'सभवत भूमि-कार्यालय का पद मिल जाए क्योंकि इलीनाइस को सदा वही मिलता रहा है किन्तु निनियन के चाचा साइरस ने मुझसे वचन ले लिया है कि मै यह पद उसे ले दूगा। मै एडवर्ड बेकर के लिए मन्त्रिपद का प्रस्ताव रख रहा हू।'

'एडवर्ड को मन्त्रिपद और साइरस को भूमि-कार्यालय का पद दिलाने के पश्चात् तुम अपने लिए क्या प्राप्त करने की आशा करते हो ?'

उसने अपनी पलके झपकी, सिर को इधर-उधर घुमाया और फिर बोला, 'मौली, तुमने मुझे वहा भिजवाया है, मै अवश्य सरकारी पद प्राप्त करना चाहता हू। मेरे विचार मे यह विज्ञान सबसे बडा विज्ञान है कि लोगो को स्वय अपने ऊपर शासन करना सिखाया जाए किन्तु मैं अपनी हीन पृष्ठभूमि और क्षीण योग्यता के आधार पर इन पदो का पात्र कैसे हो सकता हू····?'

मेरी ने मामी सेली की तरह झूठी निराशा दिखाने के ढग से हाथ उठा दिए और कहने लगी .

'यदि तुम मेरे सामने विनीत बने रहो तो कोई बुरी बात नही किन्तु मैं तुम्हें यह शब्द लोगो के सामने कहते हुए कभी सुनना नही चाहती।'

लिकन ने रविवार प्रात चार बजे ग्लोब से चलने वाली बग्घी से प्रस्थान किया। मेरी उसे जी भर कर नाश्ता कराने के लिए प्रात तीन बजे ही उठ खडी हुई थी। लिंकन ने बच्चो को नही जगाया, वरन् सोते हुए ही उनका चुम्बन लिया और जब पति का पत्नी से विदा लेने का अवसर आया तो उन्होने ऐसे

साधारण ढग से विदा कही जैसे कि वह ट्रीमौट अथवा पेकिन तक ही जा रहा हो। उनके मन मे आशाए थी और उन्हे सजोने का उन्हे अधिकार भी था।

४७

प्रतिदिन डाक से उसके पास एक पत्र, काग्रेस के अभिलेख की एक प्रति अथवा वाशिगटन का समाचारपत्र आता था जिसमे वाशिंगटन की कार्यवाहियो का उल्लेख होता था। शीघ्र ही उसे पता लग गया कि न तो एडवर्ड बेकर को ही मत्रिपद मिलेगा और न ही वह साइरस एडवर्ड को भूमि के कार्यालय का पद दिला सकेगा।

मै समझता हू कि भूमि के कार्यालय का पद मै अपने लिए सुगमता से प्राप्त कर सकता था किन्तु मुझे सदेह है कि मै इलीनाइस के किसी व्यक्ति के लिए यह पद प्राप्त करा सकूगा। कोई भी व्यक्ति, जिसे लोग व्यक्तिगत रूप से यहा न जानते हो, इडियाना के मेकगागी को नही हरा सकता।

उनका अनुमान था कि क्योकि ज़कारी टेलर का निर्वाचन स्वतन्त्र भूमि-कार्यक्रम के आधार पर हुआ था जिसके अनुसार जिन प्रदेशो मे दासता की प्रथा है वहा कोई परिवर्तन नही किया जाता, अत देश मे शान्ति की स्थापना हो जाएगी, किन्तु हाउस मे लिंकन को इसके विपरीत स्थिति दिखाई दी। कैलिफोर्निया और न्यू मेक्सिको नये राज्यो के रूप मे सघ मे प्रविष्ट होने के लिए प्रार्थना कर रहे थे किन्तु दक्षिण के प्रतिनिधि इस आधार पर इसका घोर विरोध कर रहे थे कि उन राज्यो के मिलने से दास-प्रथा-विरोधी शक्तियो को अधिक मत प्राप्त हो जाएगे। दक्षिण के राज्यो की कुछ विधान-सभाओ ने प्रस्ताव पास किए थे कि यदि नये प्रदेशो मे दासता-सम्बन्धी अधिकारो की रक्षा न की गई तो वे सघ राज्य से बाहर निकल जाएगे। अब्राहम ने मेरी को लिखा कि उसने विलमाट के विधान के पक्ष मे मत दिया है और ऐसा बिल तैयार कर रहा है जिससे कोलम्बिया के ज़िले मे दासो का व्यापार निषिद्ध हो जाएगा।

किन्तु लिंकन ने इस बारे मे कुछ न लिखा कि उनके भाग्य मे क्या बदा है। उसने लिखा था कि मै जनरल टेलर द्वारा राष्ट्रपति-पद सभालने की रस्म तक वहा रहूगा और फिर इलीनाइस के एक मुवक्किल के एक मुकदमे के लिए अमेरिका के उच्चतम न्यायालय मे पेश होऊगा। यदि राष्ट्रपति ने मुझे कोई पद दे दिया तो इसका यह प्रभाव होगा कि हम सबको वाशिंगटन मे रहना होगा। फिर मेरी घर बेचकर बच्चोसहित वाशिगटन आ सकती है, 'मुझमे कोई ऐसी योग्यता तो है नही कि मुझे कोई बहुत ऊंचा पद मिल सकेगा और दूसरे दर्जे का पद मिलने पर मुझे इतना लाभ नही होगा कि मैं उन लोगो का क्रोध सहन करने के लिए तैयार हो जाऊ जो उस पद के इच्छुक हैं।'

मेरी ने उसके निराशावाद की ओर ध्यान नही दिया।

५ मार्च, १८४९ को जनरल ज़कारी टेलर राष्ट्रपति-पद पर आरूढ हुआ। अब्राहम इस रस्म मे साक्षी बना। फिर उसने उच्चतम न्यायालय मे अपने मुवक्किल का मुकदमा लडा और मार्च के अन्त मे घर लौट आया। वह बहुत उलझन मे था।

"मैने जितने भी लोगो की सिफारिश की थी उनमे से एक को भी छोटे या बडे किसी भी पद पर नही लगाया गया। मैंने ओरेगन प्रदेश के सचिव-पद के लिए साइमन फ्रासिस की सिफारिश की थी तथा ग्लासगो के वाणिज्यदूत के पद के लिए अलेन फ्रासिस की, इलीनाइस के फेडरल जज के पद के लिए हार्ट फेलोज़ की, मिनसोटा प्रदेश के सचिव-पद के लिए आन्सन हेनरी की, और इलीनाइस के लिए अमेरिका के ज़िला एटर्नी (प्राभिकर्त्ता) के पद के लिए आर्कीवाल्ड विलियम की सिफारिश की थी वस्तुत. इलीनाइस मे ह्विगो की हार के कारण हम उपेक्षित हो गए हैं। जज डेविड डेविस का कहना है कि यदि मुझे भूमि-कार्यालय का पद मिल सकता है तो वह ले लेना चाहिए। इन सत्रह मास मे मेरी वकालत तो रही ही नही, बिली तो कठिनाई से गुज़ारा ही चला सका है।'

'भूमि-कार्यालय मे वेतन कितना मिलेगा ?'

'प्रतिवर्ष तीन हज़ार। मै इस काम को पसद करता हू क्योंकि इस पद पर मैं सार्वजनिक ज़मीनो के वितरण के सम्बन्ध मे नीति बना सकता हू।'

दो बातो से उसे प्रोत्साहन मिला। स्प्रिङ्गफील्ड के पोस्टमास्टर के पद के लिए उसने ऐब्नर एलिस की सिफारिश की थी, जो मजूर कर ली गई, और

डाक्टर विलियम वालैस को स्प्रिंगफील्ड का पेंशन एजेंट नियुक्त कर दिया गया। फिर अब्राहम को वाशिंगटन से सदेश मिला कि जस्टिन बटरफील्ड भूमि-कार्यालय के पद के लिए कठोर प्रयत्न कर रहा है। जब उसने पत्र पर से दृष्टि उठाई, तो उससे क्रोध झलक रहा था।

'इससे बडी मक्कारी मैने जीवन मे कभी नही देखी। पिछली सर्दियो और बहार मे जब मै जनरल टेलर के नाम निर्दिष्ट खाने के लिए खून-पसीना एक कर रहा था, बटरफील्ड श्री क्ले की सहायता के लिए अपना जी-जान लगा रहा था। किन्तु जब एक दूसरे व्यक्ति के प्रयत्न से निर्वाचन मे सफलता मिल गई है, तो वह हमारे राज्य को मिलने वाले सर्वोत्तम पद की कामना करने लगा है। मै अब तुरत अपने परिचित सभी व्हिग सदस्यो को लिखूगा और उन सबको भी लिखूगा जो राष्ट्रपति टेलर तक मेरी बात पहुचा सकते है।'

मेरी को प्रसन्नता हुई कि उसकी अव्यवस्थित मानसिक शक्तिया अब कार्यशील होगी।

'अच्छा मै भी अपने पिता को लिखूगी। वह भी केटुकी के कुछ व्हिग सदस्यो से अनुरोध कर सकते है।'

मई के अन्त में भूमि-कार्यालय के पद के लिए बटरफील्ड और लिकन ही मैदान मे रह गए। मन्त्रिमण्डल ने अब्राहम के लाभ के लिए ही इस नियुक्ति को तीन सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया।

'तुम्हे स्वय वाशिगटन जाना चाहिए और अपने पक्ष को उनके सामने रखना चाहिए।'

लिकन ने बात स्वीकार करते हुए कहा, 'तुम ठीक ही कहती हो किन्तु मुझे सबसे पहले लोगो को पत्र लिखने होगे कि वे मुझे मेरे समर्थन के पत्र लिखे ताकि वे पत्र मुझे वाशिंगटन मे पहुचते ही मिल जाए। कुछ पत्र तुम लिख दो। इस प्रकार आरम्भ करो—प्रिय महोदय, अब यह निश्चित हो गया है कि बटरफील्ड और मुझमे से कोई एक जनरल भूमि-कार्यालय का कमिश्नर बनेगा। यदि आप मुझे प्रश्रय देने के लिए तैयार हो तो इस विषय का एक पत्र मेरे नाम वाशिगटन भेज दे, जहा मैं कुछ दिनो मे जा रहा हू। इसमे एक क्षण भी देर नही होनी चाहिए। भवदीय, ए० लिकन—और इस प्रकार मेरे हस्ताक्षर नीचे कर दो।'

कुछ दिन पश्चात् वह सप्ताह भर की लम्बी यात्रा पर चला गया ।

मेरी को कोई सदेश नही मिला । उसे आशा भी नही थी किन्तु वह महीने की इक्कीस और बाईस तारीख को बहुत उत्सुकता से प्रतीक्षा करती रही क्योकि उन दिनो नियुक्ति होनी थी । यदि अब्राहम जीत गया तो वह तार भेजेगा । किन्तु कोई सदेश न मिला ।

जब एक और सप्ताह बीत गया और फिर भी कोई सदेश न मिला तो मेरी को घबराहट हुई । फिर एक दिन मेरी ने देखा कि लिकन दोनो हाथो मे एक-एक थैला उठाए हुए, आगे को झुका हुआ और उदास, चौक से होकर एट्थ स्ट्रीट मे आ रहा है । वह दौडकर सामने के दरवाजे पर गई और उसे खोल दिया । उसकी त्वचा कातिहीन हो गई थी और आखो के नीचे झुरिया पड गई थी । टेटुआ आगे की ओर बढा हुआ था, गाल अदर को धस गए थे और बाई आख की पुतली ऊपर पलको से जा लगी थी ।

वह उसे बैठक मे ले गई, और उसकी चिर प्रिय कुर्सी पर उसे बैठा दिया । फिर वह उसके लिए तेज काफी की एक प्याली लाई और जब तक वह उसके घूट भरता रहा मेरी प्रतीक्षा करती रही, किन्तु फिर उससे न रहा गया

'उन्होने तुम्हे क्यो वापस भेज दिया है ?'

उसने हाथ बढाकर प्याली तथा प्लेट मेज़ पर रख दिए और ऊपर उसकी ओर दृष्टि डालकर अनमने भाव से बोला, 'कई कारण थे, एक तो मैं साइरस एडवर्ड के नाम-निर्देशन के सम्बन्ध मे ही काफी दिन रुका रहा । जब मैं इक्कीस तारीख को भूमि-कार्यालय मे पहुचा तो मुझे पता लगा कि बटरफील्ड को नियुक्त कर दिया गया है । मैं उलटे पाव अपने कमरे मे लौटा, बिस्तर पर लेट गया और एक घटा वही पडा रहा । मै सच कहता हू मौली, मुझे जीवन मे इतना बडा धक्का कभी नही लगा था इतना जानलेवा सिरदर्द मुझे कभी नहीं हुआ ।'

'तुम्हारे चेहरे से तो ऐसा प्रतीत होता है कि तुम इस चक्कर मे सोए ही नही ।'

'नही, मैने खाना भी नही खाया । बस, मुझे यही स्मरण है···· मेरे मन मे केवल यह विचार आता था कि मुझे घर पहुचना चाहिए · ऐसा लगता है कि मैं असफलताओ को अपनी ओर आकर्षित कर लेता हू ।'

मेरी उसके सामने वाली कुर्सी पर गुमसुम बैठ गई। दोनो मे से कोई भी कुछ न कह पा रहा था।

अगले कुछ सप्ताह मेरी ने इस प्रयत्न मे गुजारे कि उन्मादग्रस्त लिकन अपनी नरकतुल्य यातना से मुक्त हो जाए। लिंकन कई-कई घटे बुझी हुई अगीठी की तरफ देखते हुए गुज़ार देता। उसका वह मौन ऐसा गहन था कि किसी मोटी दीवार से भी अधिक अटूट था। मेरी उसे कुछ न कुछ खिला ही देती और यह प्रयत्न करती कि वह थोडी-बहुत देर सो ले।

सितम्बर के अन्त मे साइमन फ्रासिस गली मे से दौडता हुआ आया। उसके मोटे चेहरे पर से पसीना बह रहा था और वह एक चिट्ठी को हाथ मे पकडे हुए हवा मे हिला रहा था। जब वह थोडी देर सास ले चुका तो बोला :

'अब्राहम तुम्हे ओरेगन प्रदेश का गवर्नर नियुक्त कर दिया गया है। बधाई हो ·'

अब्राहम ने वह पत्र साइमन के हाथ से ले लिया और उसे जल्दी से पढ गया। मेरी सोच रही थी, ओरेगन अमेरिका का सबसे दूर का प्रदेश है, जहा जगल ही जगल है। बडे-बडे मैदानो और पर्वतश्रेणियो से दो हजार मील परे शान्त महासागर के तट पर जगली प्रदेश है, जिसके बारे मे कर्नल फ्रीमौट की रिपोर्टो और वहा जाकर नये बसने वाले लोगो के पत्रो से ही कुछ पता लगता है। वह ऐसा प्रदेश है जहा स्थान-स्थान पर इंडियन रहते है। कोई नगर नही, कोई सडक नही, दुकाने, थियेटर अथवा आमोदगृह कुछ भी तो नही, अर्थात् वहा सभ्यता का कोई भी चिह्न नही।

अब्राहम स्तब्ध रहा। साइमन ने पूछा, 'क्या तुम इसे स्वीकार करोगे, अब्राहम ?'

'मुझे इसके बारे मे सोचना होगा, साइमन।'

जब साइमन चला गया तो अब्राहम ने धीमे से अपना हाथ मेरी के कधे पर रखा और वे दोनो बैठक मे चले गए। एक दूसरे के हाथ पकडे हुए छोटे-से सोफे पर पास-पास बैठ गए। बडी देर के पश्चात् उसने बोलना आरम्भ किया किन्तु वाक्य को कही मध्य से शुरू किया जैसे कि उसका विचार किसी निश्चित स्थल पर पहुच गया हो और उसे अब व्यक्त किया जा सकता हो।

'इलीनाइस प्रदेश का प्रथम गवर्नर · वह राज्य का गवर्नर होगा

निनियन को इतना धन कहा से मिल गया ...'

'क्या निनियन एडवर्ड ?'

'उस समय इलीनाइस बिल्कुल जगली प्रदेश था, जैसाकि आजकल ओरेगन है।'

'किन्तु वह दो हजार मील दूर नही था। देश से इतना अलग-थलग नही था कि वहा पहुचने के लिए दुर्गम तथा भयावह यात्रा करनी पडे।'

'तो फिर तुम्हे यह विचार पसन्द नही, मौली ?'

'मैं सोचती हू कि उन्होने इस प्रयत्न से अपनी आत्मा को सान्त्वनामात्र दी है।'

'पर हमे तो इस प्रस्ताव के गुण-अवगुणो के आधार पर ही विचार करना चाहिए। वे लोग मेरी उपेक्षा भी तो कर सकते थे। यहा इलीनाइस मे मेरा कोई प्रभाव अथवा शक्ति नही है।'

'तुम अपने भविष्य का गलत अनुमान लगा रहे हो, अब्राहम।'

'कैसा भविष्य ?'

'अब्राहम, मैं जानती हू कि हम गहरी खाई मे गिर गए है। ऐसी गहरी खाई मे कि जहा से हमे आकाश भी दिखाई नही देता किन्तु मैं समझती हू कि हमे उन लोगों के सहारे की आवश्यकता है, जिन्होने तुम्हे इस पाताल मे लुढका दिया है।'

'मेरे हृदय मे उनके प्रति इतनी कटुता नही है।'

'ओह ! तुम्हारे हृदय मे कटुता नही है ? सम्भवतः वह इस कारण है कि तुम यह नही जानते कि जब तुम घर आए थे, तो तुम कैसे दिखाई देते थे। तुम्हारे चेहरे पर कैसे निराशा और शोक के भाव प्रकट हो रहे थे। मै ही जानती हू कि तुम्हे स्वस्थ करने के लिए और तुम्हारी आत्मा को सचेत करने के लिए मुझे कितना कठिन परिश्रम करना पडा है ..'

'इस पद के लिए भी तीन हजार डालर प्रतिवर्ष मिलेगे मेरी। यह भी उतना ही वेतन है जितना कि भूमि-कार्यालय के पद का था। जीवन के कठोर तथ्य से मुक्त होने का यह एक अवसर है' .. इस तथ्य से मुक्त होने का अवसर है कि मुझे नये सिरे से वकालत जमानी होगी.. जो पत्र कैलिफोर्निया से आए हैं, यदि उनमे बताई गई सोने की खोज की बात सत्य है, तो प्रशान्त महासागर

पर चले जाने से हमारी आय हजारो गुणा बढ सकती है ..।'

'अब्राहम, क्या सचमुच तुम इसी पद की कामना करते हो ?'

'नही, मैने इसकी कभी कामना नही की किन्तु .. इस परिस्थिति मे ...'

'मेरे पिता ने मुझे सिखाया था कि कमजोरी से नही, शक्ति से आगे बढना चाहिए। यदि हमने यह पद स्वीकार कर लिया तो इसका अभिप्राय होगा कि हम पुन कार्यशील होने से घबराते हे। अब्राहम, तुम इतने अच्छे व्यक्ति हो कि जब तुम दुर्बल होते हो तब कोई भी महत्वपूर्ण काम नही कर सकते हो। इसलिए उस समय तक की प्रतीक्षा करो, जब तक तुम सशक्त नही हो जाते और उसके बाद ही कोई कार्य करो।'

'जब ओरेगन राज्य बन जाएगा तो वहा से पहला सीनेटर बनकर वाशिगटन आने का अवसर मिल सकता है ...'

मेरी ने सिर हिला दिया।

'तुम्हारे ही कथन के अनुसार यह दूसरा बगोटा है। तुम जिम विपत्ति मे फसे हो उससे निकल भी सकते हो, फिर तुम क्या करना चाहते हो ?'

वह एक क्षण मौन रहा और पाव के अगूठे से दरी पर रेखाए बनाता रहा। उसका सिर झुका हुआ था।

'मुझे कुछ पता नही मौली, मै नही जान सकता कि मेरा भविष्य क्या है ?'

मेरी उठी और उसके सामने खडी हो गई। उसके दोनो हाथ सीधे लटके हुए थे और मुट्ठिया बन्द थी।

'न सही किन्तु हम अपने को तो जान सकते है। भूतकाल हमे यही बताता है कि हम भाग नही सकते; यह हमारा घर है। यही वह स्थान है, जहा हमे अपने पैर जमाने चाहिए।'

लिकन ने उसकी ओर देखा। उसके होठो के कोनो पर मुस्कराहट खिल उठी।

४८

जैसे बलूत की लकडी के तख्तो की दरार कीलो से मिला देते है ऐसे ही अब जबकि उनका पुनर्मिलन हो गया था, तो मेरी के मन मे विचार आया कि अब वह समय आ चुका है कि उस अस्थायी कुटिया को स्थायी घर का रूप दिया जाए। गत छः मास से अब्राहम ने एक पाई भी नही कमाई थी किन्तु मेरी के पास वह बची हुई पू जी थी, जो उसने वाशिगटन जाकर व्यय करने के लिए बचा रखी थी।

उसने बैठक के रेशेदार रेशम के लाल पर्दे सी लिए और उन्हे ऊची-ऊची खूटियो के साथ लटका दिया। फिर कमरो के लिए किमखाब के पर्दे तैयार किए। उसने फटी-पुरानी दरी उठाकर फिकवा दी और फर्श पर दानेदार कालीन बिछा दिया। कमरे मे उसने गहरे हरे रग का रोगन किया था और बैठक के लिए उसे चमकीली अबरी मिल गई थी, जिसपर नीले और सफेद फूल बने हुए थे। उसने बैठक के लिए बडी पीठ वाली बोस्टन की बनी हुई दो कुर्सिया खरीदी और उन्हे अगीठी के सामने रख दिया। उनके आगे उसने बच्चो के लिए छोटी कुर्सिया रख दी। ग्लोब होटल से उन्होने जो बहुत बडी गोल मेज़ खरीदी थी वह कमरे के बीच मे सजी हुई थी और उसके ऊपर समाचारपत्र तथा पुस्तके रखी हुई थी। जो खिडकिया एट्थ स्ट्रीट की ओर खुलती थी उनके बीच उसने सगमरमर की फ्रासीसी मेज़ लगा दी थी और उसपर अपनी सिलाई-कढाई की टोकरी रख दी थी। अंगीठी के दोनो ओर फूलो के लिए दो छोटी-छोटी मेज़े सजा दी थी। खाने की मेज़ के स्थान पर उसने एक तह वाली बडी मेज रखी, जिसपर काफी लोग बैठकर खाना खा सकते थे। उसने बेत की कुर्सिया खरीदी जिनकी पीठे पीछे की ओर झुकी हुई थी और चादी के थाल सजाने के लिए दीवार पर ऊचा-सा चौखटा लगवा दिया।

एम्पायर अगीठी बेचकर उसने न्यूबक अगीठी खरीद ली और तहखाने से एक बहुत बडी कबाब भूनने की कढाई और इस्त्रिया लाकर अगीठी के पीछे सजा दी। मास तलने वाली कढाई चिमनी के साथ लटका दी और लोहे की कढाई साबुन बनाने के काम आने लगी। अब्राहम ने एक नया पम्प लगा दिया और यह

वचन दिया कि ज्योही उसके हाथ मे कुछ मुकदमे आएगे, वह ईटो की एक दीवार खडी कर देगा और सफेद तारो की एक बाड लगा देगा ।

मेरी कभी बुन, कभी लैम्ब और कभी एडवर्ड की दुकान पर जाकर आलू, प्याज, चावल और आटे की बोरिया, मुरब्बे के मर्तबान खरीद लाती थी । मेरी को घर की सफाई का तो भूत-सा सवार था, किन्तु इस काम की न तो योग्यता ही थी और न ही लगन । उसका सारा दिन तो रसोई मे ही गुज़र जाता था । जब अब्राहम दफ्तर से लौटता तो कोट, जुराबे और बूट हाथ मे लटकाकर उसमे आ बैठता । लकडी की लम्बी-सी मेज पर दो टब भरे रहते थे, जिनमे से एक मे फर्श धोने के लिए गर्म पानी होता था और दूसरे मे ठडा पानी होता था, वह उन्हीमे अपना हाथ और मुह धो लिया करता था । फिर वह लडको को बुलाता और पास खडे होकर उनसे हाथ-मुह धुलाता था ।

खाने के समय घरेलू वातावरण ही रहता था । राजनीति की कोई बात नही होती थीं । स्प्रिङ्गफील्ड के व्हिग सदस्य निराश और असगठित हो गए थे । उसकी वकालत भी प्राय समाप्त हो गई थी । वह विलियम हर्नडन से झगडा नही करना चाहती थी, किन्तु उसने लगभग दो वर्षो से कोई पैसा नही दिया था इसलिए मेरी सोचती थी कि अब एक नई फर्म खोलने का अवसर आ गया है।

'बिली बहुत निष्ठावान् रहा है', अब्राहम अनमने भाव से बोला, 'जब हम बाहर गए हुए थे तो उसने मेरे नाम को यहा बनाए रखा है । यदि मै अब परिवर्तन करू तो साझेदार बदलने की बजाए मुझे नगर ही बदलना होगा । मैं सोचता था कि स्प्रिङ्गफील्ड एक बडा नगर बन जाएगा, किन्तु शिकागो इससे बाज़ी ले गया है । वहा ग्राट गुडरिच ने मुझसे साझेदारी का प्रस्ताव किया था, किन्तु मेरे क्षय की प्रवृत्ति के कारण·· ।'

'अब्राहम, तुम तो साड की तरह हट्टे-कट्टे हो ।'

'किन्तु, यदि मै शिकागो चला जाऊ तो मुझे बैठे रहकर कठिन अध्ययन करना पडेगा । उसमे मै मर मिटूगा ।'

उनकी जेब हलकी हो गई थी किन्तु यह सौभाग्य की बात थी कि इलीनाइस मे ऐसे मूर्ख थे जिन्हे मुकदमेबाज़ी का शौक था । मेरी कभी-कभी अब्राहम के साथ निकटवर्ती नगरो के न्यायालयो मे जाया करती थी और वहा देखती थी कि मुकदमेबाज़ वकीलो के चौक मे आते ही उनके चारो ओर मडराने लगते है ।

हर किसीने जिस वकील के बारे मे सुना होता था या जो उन्हे पसन्द आता था उसे वे चुन लेते थे। सगाम्मनम न्यायालय का अधिवेशन जब सोमवार को आरम्भ हुआ तो लिंकन और हर्नडन को उस दिन तीन मुकदमे और अगले दिन सोलह मुकदमे मिले। अधिकतर मुकदमो को उन्होने कुछ मिनटो ही मे भुगता दिया और अधिक से अधिक फीस पाच ही डालर थी। उन्होने अपने एक आसामी के अपराध को स्वय स्वीकार कर लिया कि वह घर की गडबड के लिए उत्तर दायी था।

राबर्ट को श्री ईस्टाब्रूक के स्कूल मे, जहा शुल्क देना पडता था, दाखिल करने की सलाह की जा रही थीं किन्तु मेरी को यह झिझक थी कि उसे नये साथी तग किया करेगे। जब उसने अनुरोध किया कि राबर्ट की आखो का कुछ उपचार होना चाहिए, तो डाक्टर वालैस ने कहा कि न्यूयार्क के मेट्रोपोलिटन कालेज के भूतपूर्व डाक्टर सैनफोर्ड बेल से मिलना चाहिए। डाक्टर बेल ने एक बडी जर्मन पुस्तक को देखा। उसमे चित्रो द्वारा बताया गया था कि भैगी आख की शल्य-चिकित्सा कैसे की जा सकती है और किस प्रकार एक भाग काट देने से आख की पुतली ठीक काम करने लगती है।

'डाक्टर, यदि आपरेशन असफल रहा तो ?'

'तो फिर श्रीमती लिकन, इसकी पुतली बिलकुल एक कोने से जा लगेगी, किन्तु असफलता की बात ही क्यो सोचती है ?'

जिस दिन मेरी राबर्ट को आपरेशन के लिए लेकर गई, डाक्टर वालैस भी उसके साथ गया। जब उसने देखा कि दो डाक्टरो ने चमडे से ढकी हुई एक ऊची कुर्सी पर राबर्ट को रस्से के साथ बाध दिया है और भय के कारण बालक का चेहरा पीला पड गया है, तो मेरी सोचने लगी कि क्या जाने-बूझे हुए कष्ट को सहन कर लेना अधिक अच्छा नही ?

विलियम ने एक और डाक्टर को बुलाया। दो आदमियो ने बालक को पकडे रखा जबकि डाक्टर ने दोहरी कमानी से आख के ऊपर के भाग को निचले भाग से अलग कर दिया। तेजी से काम करते हुए उसने एक नस काट दी और वहा का पट्ठा दिखाई देने लगा।

कटी हुई आख से रक्त का फव्वारा निकलने लगा। राबर्ट दर्द से ऐठ रहा

था। मेरी अलग तडप रही थी। आखिर डाक्टर ने एक कैंची ली और पट्ठे को काट दिया। आपरेशन समाप्त हो गया। पट्टी बाध दी गई, रस्सिया खोल दी गई और राबर्ट भागकर मेरी के पास चला गया। राबर्ट के पास आते ही मेरी घुटनो के बल गिर पडी।

मेरी लटके के बिस्तर के पास बैठी उसे सान्त्वना दे रही थी जबकि उसके पिता का पत्र आया कि लेक्सिगटन मे हैजा फैल गया है। राबर्ट अपना टाड-परिवार ब्यूना विस्टा नामक स्थान पर ले गया था और बैंक मे कारोबार की देखभाल करने के लिए या तो रेल मे जाय्रा करता था या घोडे पर। जाते हुए रास्ते मे आने वाली झोपडियो मे लोगो को अपना कार्यक्रम बताता था कि किस प्रकार धीरे-धीरे दासो को मुक्त करना चाहिए और इस आधार पर केंटुकी की सीनेट मे पुन निर्वाचित होने के लिए उनसे मत देने की प्रार्थना करता, किन्तु उसका उक्त कार्यक्रम लोकप्रिय नही था। जब उसे नगर मे ही रहना पडता तो सारी रात पथरीली सडको पर मुरदा ढोने वाली गाडियो का शोर एक पल भी उसकी आख न लगने देता। लगभग पाच बजे उसे नीद आ भी जाती तो तोपो की आवाज से वह जाग पडता था। ट्रासिलवानिया के वैज्ञानिको का मत था कि तोपो को चलाने से वायु मे से रोग के कीटाणु नष्ट हो जाएगे। राबर्ट ने मेरी को आश्वासन दिया कि जब तक वह महामारी समाप्त नही हो जाती, वह नगर मे नही आएगा।

पिता की ओर से यही अन्तिम पत्र था। उसके बाद बेट्सी ने काले पार्श्व वाले लिफाफे मे पत्र लिखा कि उसके पिता को सर्दी लग गई थी, जिससे वह बिस्तर से नही उठ सका और यद्यपि उसे पारे का कुश्ता, अफीम आदि दी गई किन्तु उसकी कमज़ोरी बढती ही गई। मेरी को इस बात से तसल्ली हुई कि क्योंकि कब्रिस्तान मे जहा-तहा प्लेग के मुर्दे दबाए गए थे अत उसके पिता की कब्र झरने की ढलान पर बनाई गई थी, जहा एक बार उसके पिता और केंटुकी के शिकारियो ने शिविर लगाया था।

अगीठी की आग बुझ चुकी थी और मेरी उसके सामने आरामकुर्सी पर बैठी थी। बेट्सी का पत्र फर्श पर गिर गया था। पिता स्वर्ग सिधार गए। वही तो प्रेम की अमरज्योति थे, जो निराशा और निरुत्साह के अन्धकारमय दिनो मे उसे प्रकाश और शक्ति प्रदान करते थे। उसके मन मे अनेक स्मृतिया घिर

आई, राबर्ट टाड उसे क्ले और क्रिटेडन-परिवारो के साथ सहभोज पर ले जाया करते थे, उसके लिए न्यूग्रोरलियन से गुडिया लाया करते थे, उसे कहानिया सुनाया करते थे कि किम प्रकार १८१२ के युद्ध मे फोर्ट डीफिएस वह बहते हुए बर्फ को पार करके पहुच गए थे। उनके छोटे-से बाग मे चूने से सनी हुई पटरिया थी, जहा वे सैर किया करते थे, रविवार को ब्यूना विस्टा के जगलो मे घुडसवारी किया करते थे, इस तरह उसमे निरन्तर यह आत्मविश्वास पैदा होता रहा था कि वह प्रतिभाशाली है और योग्यतम वर्ग की अधिकारिणी है।

उसके अन्तर मे एक टीस-सी पैदा हुई। यह टीस उस श्रेष्ठ और शिष्ट व्यक्ति के लिए थी जिसने जीवन से प्रेम किया था और विस्तृत ढग से उसका उपयोग किया था। वह जीवन सगीत, नाटक, साहित्य, राजनीति, स्वादिष्ट भोजन और घरबार से सम्पन्न था और यद्यपि बाल सफेद हो गए थे, कदम धीमे पड गए थे, किन्तु उनका दिल सदा जवान रहा था।

नौकरानी को यह आदेश देकर कि वह राबर्ट के पास रहे, वह मातमी लिबास पहनकर एलेजबेथ के घर चली गई। बैठक की खिडकियो और दरवाजो के पर्दे गिरे हुए थे तथा एलेजबेथ फासेस और एन काली कुर्सियो पर एक दूसरे की ओर मुह किए बैठी थी। एन अभी-अभी काले हाशिये वाला पत्र लिए कैरोल्टन से आई थी। मेरी ने भी एक कुर्सी खीच ली और अपने हाथ अपनी गोद मे रखकर उनके पास ही बैठ गई। मेरी ने बहनो की ओर देखा। एलेजबेथ अब पैतीस वर्ष की हो गई थी। उसकी कनपटियो पर सफेद बाल उग आए थे, चेहरे पर दृढता, मातृत्व और प्रतिभा के चिह्न लक्षित हो रहे थे। उसकी आखो पर पर्दा था और होठ भिचे हुए थे। फासेस को देखकर ऐसा प्रतीत होता था कि मानो उसपर फिर बचपन आ गया है। वह पत्थर की प्रतिमा की भाति चुपचाप बैठी थी और उसकी सारी अन्तर्वेदना चेहरे पर अकित हो रही थी। एन के नख-शिख तीखे थे, आखे चचल थी और वह घबराई-सी कुर्सी मे इधर-उधर ऐठती-सी बैठी थी।

मेरी चाहती थी कि वह कुछ बातचीत करे, रोए, सात्वना दे और स्वय किसीसे सात्वना पाए, किन्तु फिर भी उसे उस औपचारिक रूप से अधेरे कमरे मे वास्तविक शोक दिखाई न दिया। वह सोचने लगी, क्या यह जानकर कि उनके पिता की मृत्यु हो गई है, इन लोगो को कोई दुख नही हुआ? उसने

अनुभव किया कि लेक्सिगटन नगर से तो हम चारो ही विदा हुई थी किन्तु पिता के लिए प्रेम केवल मेरे ही हृदय मे शेष रह गया था ।

मेरी यह नही चाहती थी कि पिता की मृत्यु पर कोई शोक भी न मनाए, और उसकी उपेक्षित आत्मा उस मौन वातावरण मे भटकती फिरे यद्यपि उसी-के रक्त की चार बेटिया यहा है। वह धीरे-धीरे बडी ममता के साथ राबर्ट टाड की बाते करने लगी। उसने अपने बचपन की बातो का जिक्र किया कि कैसे वह उन्हे सैर के लिए ले जाया करते थे, जन्म-दिवस पर सहभोज दिया करते थे, केक और मोमबत्तिया और सुन्दर उपहार लाया करते थे। यह कहते कहते उसकी जबान रुकने लगी और वह मौन हो गई क्योकि उसकी बहनो की न केवल जिह्वाए बद हो गई थी, वरन् कान भी बद हो चुके थे। थोडी देर बाद वह उस घुटन के वातावरण मे से उठ खडी हुई और चुपचाप कमरे से बाहर चली गई।

४९

नित्यप्रति के नीरस जीवन मे मेरी मन ही मन अपने पिता का शोक मनाती रही। लेक्सिगटन से एक और पत्र आया जिसने उसे विक्षुब्ध कर दिया। जार्ज को जब यह पता लगा कि उनके पिता ने जिस वसीयत द्वारा अपनी सारी सम्पत्ति बेट्सी और उसके बच्चो के नाम कर दी थी, उसपर केवल एक ही गवाह के हस्ताक्षर थे, तो इसपर उसने आपत्ति की कि कानून के अनुसार उसपर दो व्यक्तियो के हस्ताक्षर होने चाहिए थे। इसपर न्यायाधीश ने आदेश दे दिया कि राबर्ट टाड की सम्पत्ति उनके दोनो विवाहो की सतान मे बराबर-बराबर बाट दी जाए।

मेरी चिल्लाकर बोली, 'किन्तु इससे तो बेट्सी अपनी आधी सम्पत्ति से वचित हो जाएगी। मै अपना हिस्सा लौटा दूगी और इसी प्रकार एलेजबेथ

और फ्रासेस भी लौटा देगी '' रही बात एन की, तो मै उसे समझाने का प्रयत्न करूगी ।'

अब्राहम बोला, 'जितना तुम समझ रही हो, यह मामला उससे अधिक गभीर है ।' वे उस समय जैक्सन स्ट्रीट की ओर के बरामदे मे बैठे हुए थे, 'वह न्यायालय तुम्हारी माता को आदेश देगा कि उसके पास जो कुछ भी है वह उसे बेच दे और घरो, घोडो, नीग्रो-दासो तथा कारोबार के बदले मे नकद पैसे एकत्र कर ले '

'नही-नही, वे ऐसा नही करेगे । यह बात तो अत्याचारपूर्ण और मूर्खतापूर्ण होगी ।'

'किन्तु कानून तो यही है । धन को चौदह बच्चो मे बाट दिया जाएगा । सार्वजनिक नीलामी मे वस्तुओ का चौथाई मूल्य प्राप्त होता है...।'

मेरी भागती हुई कमरे के अन्दर गई और तिनको का हैट पहने बाहर आई । उसकी दृष्टि से हिंसा टपक रही थी । एक घटे के पश्चात् वह एलेज़बेथ और फ्रासेस से यह वचन ले आई कि वे तीनो बहने मिलकर अपने भाई के विरुद्ध लडेगी ताकि विधवा विमाता पर विपत्तियो का पहाड न टूट पडे । वह मेज पर बैठ गई और एक क्रोधभरा पत्र भाई को लिखा । किन्तु जब बेट्सी ने ओल्डहम टाड एण्ड कम्पनी को तोडने का प्रयत्न किया तो जार्ज ने अपनी विमाता के विरुद्ध मुकदमा आरम्भ कर दिया और उसपर यह आरोप लगाया कि वह 'धोखे से उसे सम्पत्ति के वैध अधिकार से वचित करने का प्रयत्न कर रही है ।'

मेरी ने बैठक के बेल-बूटेदार कालीन पर जोर से पैर पटकते हुए घोषणा की, 'अब्राहम, बहने यह चाहती है कि आप हमारे प्रतिनिधि बनकर बेट्सी की सम्पत्ति का निबटारा करवा दे । हमे तुरन्त लेक्सिगटन चले जाना चाहिए ।'

लिंकन ने मेरी की ओर देखा । उसने अपने हाथ पीठ-पीछे बाध रखे थे । उसकी आखो मे हर्ष और सम्मान की भावनाए थी ।

'अच्छा, मुझे मजूर है ।'

वे सीधे लेक्सिगटन चले गए । जार्ज उन्हे लेवी के मकान पर मिला । उसकी आखो से क्रोध झलक रहा था । उसका हकलाना इतना सख्त था कि मेरी समझ गई कि उसकी भावनाओ मे कितनी उलझन है ।

'श्री लिकन, आप तो व-व' कील हैं, आप तो वै ''वैध अ-अधिकारो के बा-बारे मे जानते है ।'

'जार्ज, वे मानवीय अधिकारो को भी जानते है ।'

जार्ज ने उसकी ओर ध्यान नही दिया।

'न्यायालय ने उसे आदेश दिया है कि वह स-सम्पत्ति की स-सब वस्तुओ की सू-सूची तैयार करे कि-किन्तु वह जान-बूझकर चा-चादी के बर्तन और प्लेटें छुपाने का प्रयत्न कर रही है।'

'तुम्हे ईश्वर की शपथ है जार्ज, वे तो पिता ने मा को जन्म-दिवस और वर्षगाठो पर उपहार के रूप मे दिए थे।'

'नही, व-वह मे-मेरी मा न-नही है।' उसने अब्राहम को सम्बोधन किया और कठोर स्वर मे कहा, 'उ-उसने एक दास बेचकर प-प-पैसा अपने प-पास रखा है।'

अब्राहम ने खानदानी पैकेट से कुछ कागज निकाले और कहा :

'अभिलेख के अनुसार तुम्हारे पिता को बिल की देखभाल करना असम्भव प्रतीत हो रहा था। अत उसने कहा था कि बिल को बेच दिया जाए और उसके पैसे बैक के ऋण के बदले मे दे दिए जाए।'

वह उठा और जार्ज के कधे पर हाथ रखकर कहने लगा

'जार्ज ! बेट्सी के आठ बच्चे है। तुम्हारे पिता की मृत्यु से वह अत्यन्त दु खी है। क्या तुम यह नही सोचते कि उसपर पहले ही बहुत बोझ है ?'

'वह ध-धनी'' है।'

अब्राहम की आवाज मे तेज़ी आ गई ·

'मेरी और उसकी तीनो बहनो की ओर से मैं उनके पारिवारिक वकील के रूप मे बोल रहा हू और मैं कहता हू कि तुम्हारे किसी मुकदमे मे हम भाग नही लेगे।'

'त-तब मैं दो मुकदमे करूगा, एक तु-तुम्हारे ख-खिलाफ होगा।'

उसके पश्चात् वे मुख्य बाजार मे स्थित टाउन-गृह मे ठहरे। घर मे असहनीय अधेरा छाया हुआ था। यद्यपि इस मकान का मूल्य पाच हज़ार डालर आका गया, किन्तु नीलामी की बोली तीन हजार से कम ही रह गई थी। हर कोई जानता था कि यह बिक्री अत्यन्त दु खद परिस्थिति मे हुई थी।

न केवल वह घर बदल गया था किन्तु नगर भी बदल गया था। जितने भी लोग गुलामो को शनै -शनै स्वतत्र बनाने के समर्थक थे—जैसे कि उसके पिता और कैसियस क्ले आदि—वे सब निर्वाचन मे हार गए थे और दासता के समर्थको का नियत्रण हो गया था। सात बजे कर्फ्यू की घटी बजाई जाती थी और उसके पश्चात् यदि किसी दास को बाहर देखा जाता तो उसे पैंतीस कोडो का दड दिया जाता था। किसी स्वतत्र नीग्रो को राज्य की सीमा मे रहने का अधिकार नही था। क्योंकि महामारी के कारण अनेक लोग बिना इच्छापत्र लिखे मर गए थे अत उनके सैकडो दासो को चौक मे बेच दिया गया। विधान-सभा ने दासो के आयात-विरोधी उस अधिनियम को निरसित कर दिया था, जिसे पास करवाने के लिए राबर्ट ने कठोर प्रयत्न किया था। त्रसित नीग्रो वहा से भाग रहे थे और बहुत-से इस भगदड मे अपराध भी कर रहे थे। प्राय लोग नीग्रोओ को गोली से मार देते थे। दास-सम्बन्धी विचारधारा पर गोरी नस्ल के लोगो मे राजनीतिक वाद-विवाद की बजाय हिंसापूर्ण झगडे होने लगे थे।

वे अल्पाहार के लिए फोनिक्स होटल मे गए और फिर कैसियस क्ले के घर चले गए। वह नगर के अपने आलीशान मकान मे रहता था, जिसकी देख-भाल उसकी मा और पत्नी करती थी। वह केटुकी की सविधान सभा की सदस्यता के लिए टर्नर नाम के एक दासता-समर्थक के विरुद्ध चुनाव लड रहा था। एक बार कैसियस क्ले भाषण दे रहा था कि उसके विरोधी का लडका ज़ोर-ज़ोर से यह कहते हुए उसकी ओर बढा, 'तुम बकवास कर रहे हो।' कैसियस मच पर से कूद पडा और उसने लडके को खूब पीटा, किन्तु किसीने पहले तो कैसियस के सिर पर लाठी दे मारी और फिर छाती के बाईं ओर छुरा घोप दिया। बदले मे कैसियस ने अपना चाकू टर्नर के लडके के पेट मे घुसेड दिया। कैसियस को तो लोगो ने मरा हुआ समझकर छोड दिया, किन्तु टर्नर का लडका मर ही गया।

जब मेरी और लिंकन उसके पास आए तो वह बिस्तर पर पडा था। उसका चेहरा पतला और पीला पड गया था। गोल भौहो के नीचे उसकी आखे बडी-बडी दिखाई देती थी। वह बोला .

'हर किसीका विचार था कि मैं मर जाऊगा, किन्तु मेरी, मुझे अपनी प्राकृतिक शक्ति पर विश्वास था। टर्नर निर्वाचित हो गया और अब नया सवि-

धान बन गया है जिसके अनुसार हर स्वामी को दासो से प्रत्येक प्रकार का लाभ उठाने का ऐसा अधिकार प्राप्त हो गया है, जो किसी भी मानवीय और दैवी अधिकार से परे की चीज है। श्री लिकन, मुझे यह बताओ कि सघराज्य से हमे जितना प्रेम होना चाहिए क्या वह राष्ट्रीय चेतना के प्रति होन वाले प्रेम से भी अधिक हो ? यदि दासता को सदा के लिए बनाए रखना हो, तो मै सघ को तोड देना अधिक अच्छा समझता हू।'

मेरी सदा अब्राहम की अपेक्षा अधिक शीघ्र प्रतिक्रिया ज़ाहिर किया करती थी, बोली

'परन्तु कैश, तुम निश्चय ही यह तो नही समझते कि सघराज्य को कोई खतरा है ?'

'नही मेरी, दक्षिण प्रदेश मछलिया पकडने के लिए पानी को गदला करने वाले लडको की तरह अपनी कोई बात मनवाने के लिए सघराज्य से अलग होने का शोर मचाएगे और उत्तर वाले देश के टुकडे-टुकडे करने की बजाय किसी भी बात को स्वीकार कर लेगे, किन्तु आगे आने वाला समय यह बताएगा कि स्वतन्त्रता और दासता साथ-साथ नही रह सकती।' दर्द के मारे उसने करवट बदल ली। उसकी आखे भीग गई थी, 'हमारे देश मे सागर के एक तट से दूसरे तट तक दो करोड लोग बसे हुए है किन्तु उनमे कोई भी महान् पुरुष नही है। मेरी, इसी कारण मेरी आखे भर आई है।'

मेरी ने बिस्तर पर झुककर कैसियस के माथे को चूमा और बोली.

'कैसियस, सम्भवत वह महान् पुरुष तुम्ही हो।'

कैसियस की आखे अब्राहम की ओर लग गई। वह कहने लगा.

'मेरी, तुम्हारे पति मेरे साथ सहमत नही है। उनका विश्वास है कि हर कीमत पर सघ की रक्षा करनी चाहिए। श्री लिंकन, दक्षिण प्रदेश तुम्हारे विचार को अनुभव करता है और वे लोग उत्तर प्रदेश से तथा स्वतन्त्रता-प्रेमियो से इसका भारी मूल्य वसूल करेगे।'

कैसियस की पत्नी मेरी जेन अपने पति को चुप कराने के लिए कमरे मे आई। अब्राहम तथा मेरी ने धीमे शब्दो मे अभिवादन के साथ विदा ली। जब वे अन्धकारपूर्ण और भयानक गलियो मे से गुज़र रहे थे तो मेरी आशा कर रही थी कि अब्राहम उक्त विषय के सम्बन्ध मे कुछ कहेगा, किन्तु वह चुप रहा।

अब्राहम ने मेरी को बताया कि राबर्ट टाड बैंक की सम्पदा के बडे भाग का स्वामी होने की बजाए अपने सिर पर ऋण छोड गया है, क्योकि उसने वह पैसा कई प्रकार के कारोबार मे लगा रखा था। यदि वह जीवित रहता तो उन व्यवसायो को पूर्णत. सफल कर सकता था, किन्तु अब

उन्होने भारी मन से ब्यूना विस्टा प्रस्थान किया। जब वे बग्घी मे सडक पर पहुचे तो उन्होने देखा कि ग्रीष्म ऋतु के लिए बना हुआ वह शानदार भवन टूटा-फूटा दिखाई दे रहा है। बेट्सी भागी-भागी बाहर आई और वे दोनो महिलाए एक दूसरे की बाहो मे लिपट गई। मेरी ने कहा, 'मा, जार्ज बहुत बिगडा हुआ और खुश्क प्रकृति का लडका है।'

बेट्सी ने कहा, 'तुम मेरे हितो की रक्षा कर रही हो इसके लिए मै तुम्हारी आभारी हू,' फिर उसने कुछ क्रोधभरी आवाज मे कहा, 'आखिर मेरा ऐसा क्या अपराध है कि वे सब बडे होकर मुझसे घृणा करने लग गए है ?'

मेरी ने सक्षेप मे ही सब बातो का निष्कर्ष निकालते हुए कहा, 'मा, अपराध तुम्हारा नही, यह दोष तो स्थिति का है। हम क्योकि यह समझते थे कि हम इस घर मे पहले पैदा हुए हे इसलिए हमारा अधिक महत्व है और इस कारण हम शोर मचाते थे तथा मन ही मन जलते रहते थे।'

बेट्सी की दृष्टि मे कठोरता न रही। वह कहने लगी, 'मै सदा तुमसे ईर्ष्या किया करती थी, क्योकि तुम अपने पिता को बहुत प्रिय थी।'

'मैं जानती थी कि वह कितना एकाकीपन अनुभव करते है, इसलिए मैं चाहती थी कि वे तुम्हारे पास रहा करे, तुम से ही प्रेम करे और इस कारण वह मुझमे अधिक प्रेम करने लगे थे।'

अगले प्रात कुछ पडोसी उनके घर पर इकट्ठे हो गए। टकरी, हैमिल्टन, क्लीयरी, मग और स्टुअर्ट-परिवार तथा फ्रैंकफर्ट हम्फरी-परिवार के लोग आए। वे लोग तथा उनके साथ अनेक अपरिचित लोग उन वस्तुओ को खरीदने के लिए आए थे, जो बेट्सी को बहुत प्रिय थी।

नीलाम रसोई से आरम्भ हुआ। नीलाम करने वाला स्टूल पर खडा होकर एक-एक वस्तु को नीलाम करता जा रहा था। मेरी अपनी विमाता का बर्फ के समान ठण्डा हाथ अपने हाथ मे लिए खडी थी, जबकि बेट्सी की अत्यधिक प्रिय वस्तुए बिक रही थी। जब बोली बोलने के लिए तौलियो की बारी आई तो मेरी

ने अनुभव किया कि बेट्सी सिर से पाव तक काप गई थी। इन तौलियो को बच्चे नहाने के बाद प्रयुक्त किया करते थे।

मेरी ने धीमे से कहा, 'मा, इनकी बोली तुम बोल दो।' और उसकी विमाता ने बोली देकर उन्हे छ डालर और तीस सेट मे खरीद लिया। फिर वह फफककर रो पडी और रसोई से बाहर चली गई।

नीलाम करने वाला खाने के कमरे मे पहुचा। वहा पडा अति सुन्दर 'चायना सेट' टामस गिब्सन ने अट्ठाइस डालरो मे खरीद लिया। डाइनिग मेज़ की बोली पचहत्तर डालर पर खतम हुई। हम्फरी-परिवार के लिए यह स्थिति असह्य हो गई और उन्होने बेट्सी की अच्छी-अच्छी प्लेटे, तहदार मेज़, बर्तन, गुलदान, झूलने वाली कुर्सिया और तारो की तरह चमकने वाली कन्डीले खरीद ली। दीवार पर लटके हुए दो तैलचित्रो को तथा चादी और शीशे की अनेक प्लेटो को मेरी ने बेट्सी के लिए खरीद लिया क्योकि वह जानती थी कि बेट्सी को ये वस्तुए अत्यधिक प्रिय है किन्तु न मेरी और न हम्फरी-परिवार इस तेज़ नीलामी का साथ दे सके। पर्दे, गालीचे, फर्नीचर और घर की अन्य कई वस्तुए कौडियो के भाव बिक गई। मेरी नाइल्स रजिस्टर के इक्यावन अको को खरीदने के लिए तैयार थी। उन्हे उसके पिता बहुत शौक से सभालकर रखते थे। किन्तु इस माल को हम्फरी-परिवार के किसी व्यक्ति ने बचा लिया। मेरी ने बेट्सी की चमडे की जिल्द वाली काव्य-रचनाओ और यात्रा-सम्बन्धी पुस्तको को खरीद लिया।

टाड का सारा निजी माल केवल नौ सौ डालरो मे बिका, जिनमे बहुत सुन्दर सोफे, गालीचे, शीशे, किमखाब, पुस्तके, कलाकृतिया आदि वस्तुए थी, जो दूर-दूर के देशो से मगवाई गई थी और उनपर कभी हजारो डालर व्यय किए गए थे। मेरी ने मन ही मन हिसाब लगाया कि जार्ज को इसमे से पैसठ डालर से कुछ अधिक ही मिलेगे और उसके मुह से 'आह' निकल गई।

खेती-बाडी का सामान वृक्षो के झुण्ड के नीचे एकत्र करके नीलाम कर दिया गया। फिर घोडे, सूअर, मुर्गिया और भेडो की नीलामी कर दी गई। इन जानवरो को लेने के लिए पिछले दरवाज़े पर बैलगाडिया आ पहुची। पैसे नकद चुका दिए गए। पशुओ की एक लम्बी कतार, जिनपर सामान लदा हुआ था, कच्ची सडक पर दूसरे घरो की ओर जा रही थी। वे वर्षों से एकत्र की गई

वस्तुए जिन्हे राबर्ट बेट्सी और मेरी ने इस घर मे रहकर भोगा था, सदा के लिए लुप्त हुई जा रही थी।

५०

राबर्ट की आख का आपरेशन सफल रहा। उसकी आखे सामान्य रूप मे दोनो ओर घूमने लगी। अब उसकी आकृति सुन्दर दिखाई देने लगी थी।

जब मेरी ने उसे एस्टाब्रूक के स्कूल मे दाखिल कराया, तो वह खडी देखती रही कि राबर्ट ठिठकते हुए कदमो के साथ अपने नये साथियो मे जा मिला। अपने बच्चे के चेहरे पर प्रसन्नता के लक्षण देखकर मेरी को रोमाच हो आया।

एडवर्ड बीमार पड गया। पहले-पहल तो कोई विशेष रोग दिखाई नही दिया केवल उसकी आखे फीकी पड गई थी और चेहरा उतर गया था। जब मेरी ने उसे अपने कधो पर बिठाने के लिए ऊपर उठाया तो देखा कि एडवर्ड को सास लेने मे कठिनाई अनुभव हो रही थी। जब अब्राहम खाना खाने के लिए घर वापस आया, तो मेरी ने उसे एडवर्ड को वालैस की दुकान पर ले जाने के लिए कहा।

विलियम ने एडवर्ड की जिह्वा को दबाकर उसके गले का निरीक्षण किया और कहा .

'इसका गला खराब हो गया है और अन्दर से सुर्ख भी। हलका-सा लाइम क्लोराइड तैयार करके इसे दिन मे कई बार गरारे कराओ।'

अगले प्रात लडके का गला सूज गया। डाक्टर वालैस सात बजे आया। उसने कहा, 'अब्राहम, जाकर चाचा टाड को बुला लाओ। मैं चाहता हू कि वे एडवर्ड के गले को देखे।'

मेरी के मन मे अनेक भय पैदा हो गए।

चाचा टाड पाइप का धुआ छोडते हुए सीढियो के ऊपर चढ आए। उन्होने अपना बडा-सा लम्बा कोट उतारा और ऐनक लगाली। फिर मेरी ने दोनो डाक्टरो

को यह कहते सुना, 'गला पक गया है, अन्दर जख्म हो गए है ।' फिर उसके चाचा ने कहा, 'ऐसा लगता है कि डिपथीरिया (कठ-रोग) हो गया है । उसकी अभी प्रारम्भिक स्थिति है । नगर मे यह बीमारी कइयो को हो चुकी है ।'

'डिपथीरिया ?' मेरी का रग पीला पड गया ।

विलियम ने एक औस पानी मे बीस ग्रेन सिलवर नाइट्रेट मिलाया, फिर एक शलाका के साथ स्पज बाधा तथा एडवर्ड के गले मे दवा लगाई । मेरी से कहा गया कि वह हर चार घण्टे बाद उसका गला साफ करे ।

रात तक डिपथीरिया अपने पूरे जोर पर था । वह पूरे पाच दिन बीमार रहा, इन दिनो मेरी तथा अब्राहम को कपडे बदलने तक का अवकाश नही मिला। बडी मुश्किल से वे दो या तीन घण्टे ही सो पाते थे, जब बच्चे को दवा आदि देने की आवश्यकता नही होती थी । मेरी अथक परिश्रम से उसका उपचार कर रही थी । डाक्टरी आदेश का पूरी सावधानी से पालन करती थी और जब भी बच्चा उसकी ओर देखता था वह अपने चेहरे पर प्रसन्नता लाने का प्रयत्न करती थी। बच्चे के मधुर स्वभाव के कारण मेरी का यह काम बहुत सुगम हो गया । यह सकट भी कट गया । अब्राहम विचार कर रहा था कि मार्च मे एडवर्ड के चौथे जन्म-दिवस पर उसके लिए एक पलग खरीद लाएगा । मेरी ने कहा, 'हम वह पलग अभी ही क्यो न ले आए ? मै अपने सिलाई के कमरे को खाली कर दूगी और बौबी की तरह उसे भी एक कमरा दे दूगी । इसे वह बहुत पसन्द करेगा ।'

अब्राहम पलग खरीदने के लिए चला गया और जब तक वह पलंग घर पहुचा तब तक मेरी ने अपना सारा सामान कमरे से बाहर निकाल दिया था ।

क्रिसमिस और नववर्ष-दिवस की छुट्टिया आई और गुजर गई किन्तु उनका पता तक न लगा । सिवाय उन दिनो के जब अब्राहम को न्यायालय जाना होता था, अन्य दिनो मे अब्राहम अपना सारा समय लडके के पास बिताता था । जब एक बार अब्राहम लगातार अट्ठारह घण्टे उसके सिरहाने बैठा रहा तो मेरी ने उससे सोने के लिए आग्रह किया, किन्तु रात को जब मेरी की पुन आख खुली तो उसने देखा कि अब्राहम बीमार बच्चे के पास लकडी की कुर्सी पर बैठा हुआ है और उसकी दृष्टि बच्चे के दुबले-पतले चेहरे पर लगी हुई है ।

एडवर्ड को बीमार हुए दो मास हो चुके थे और अब उसके लिए कोई चीज निगलना भी कठिन हो गया था । डाक्टर वालैस ने परीक्षा करने के उपरान्त

बताया कि बच्चे का तालू और गला बिलकुल काम नही कर रहा है। दूसरे दिन बच्चे की दृष्टि भी कमज़ोर पड गई। यद्यपि कई डाक्टर उनके मित्र थे, जो पूरी तरह उसकी देखभाल कर रहे थे, किन्तु फिर भी पक्षाघात बढता जा रहा था और उसके शरीर का एक भाग पूर्णत जड हो गया। पहली फरवरी को 'जब वर्षा हो रही थी, बावन दिन के उपचार-परिचर्या आदि के पश्चात् एडवर्ड की मृत्यु हो गई।

मेरी को कपकपी-सी होने लगी और उसने बिस्तर मे लेटकर कम्बल को अपने सिर तक ओढ लिया। बिजली चमक रही थी। बादलो की गडगडाहट घर, शयनागार, उसके बिस्तर और यहा तक कि उसके शरीर मे सब कही व्याप्त हो रही थी। मेरी इस तरह फूट-फूटकर रो रही थी जैसी वह जीवन भर मे कभी नही रोई थी।

'हमारा बच्चा चल बसा, ओह अब्राहम! हमने ऐसा क्या पाप किया था कि उसे इतनी पीडा सहन करनी पडी!'

'जीवन और मृत्यु ईश्वर के हाथ है मेरी, वह हमारे प्यारे नन्हे बच्चे को ले गया है, वही हमे और बच्चे प्रदान करेगा।'

मातमी-जलूस के लिए रविवार का दिन रखा गया। अब्राहम ने प्रात काल ही गीले तौलिए से मेरी का मुह साफ करके उसे जगा दिया और फिर उसे पकडकर बिस्तर मे बिठाए रखा तथा काली काफी का प्याला उसके होठो से लगाते हुए कहा

'प्रिये, इसे पी जाओ, इससे तुम्हे शक्ति मिलेगी। अब तुम्हे कपडे पहन लेने चाहिए। माननीय ड्रेसर बाहर गए हुए हैं, किन्तु पादरी स्मिथ रस्म की सारी कार्यवाही करेगे। तुम्हे याद होगा, एक बार मैने लेक्सिगटन मे तुम्हारे पिता के घर इस पादरी की पुस्तक पढी थी। वह बहुत अच्छा पादरी है, तुम्हे उसके उपदेश से सन्तोष मिलेगा।'

मेरी उसकी बाहो मे लुढक गई। लिंकन के गाल धसे हुए थे और आखो से गहन पीडा लक्षित हो रही थी।

'मेरी, तुम्हे अब उठना चाहिए। बाहर बग्घी हमारी प्रतीक्षा कर रही है।'

'मैं' नही'' जा सकती।'

मेरी ने आखे बद कर ली। सारे वातावरण मे मौन छा गया। जब मेरी

ने पुनः आखे खोली तो अब्राहम सामने खडा था। उसकी आकृति काली पड गई थी और वह दुःख के अथाह सागर मे डूबा हुआ दिखाई देता था।

'मेरी, तुम्हे चलना ही पडेगा। तुम्ही नन्हे एडवर्ड को विदा कहोगी।'

'मै तो पहले ही विदा कह चुकी हू'''हजारो बार विदा कह चुकी हू। ओह अब्राहम! मुझे जाने के लिए बाध्य न करो। मैं उसे जमीन मे दबाते हुए नही देख सकूगी।'

लिंकन ने फिर अनुरोध नही किया। मेरी को बाहर का दरवाजा बन्द होता हुआ सुनाई दिया और फिर बग्घी के जाने की आवाज सुनाई दी।

मेरी को बुखार हो गया और उसे भयानक स्वप्न दिखाई देने लगे। कभी वह बेहोश हो जाती, कभी सो जाती और फिर अकस्मात् यह सोचती हुई उठ खडी होती कि मानो उसने एडवर्ड की आवाज सुनी है। उसका सारा शरीर कापने लगता मानो कोई ठण्डी आग उसके सारे शरीर को झुलसा रही थी।

एक सप्ताह के पश्चात् वह कुछ लडखडाते हुए चली। दूसरे सप्ताह उसने रसोई मे जाना आरम्भ कर दिया और छोटा-मोटा काम करने लगी। उससे अगले रविवार को प्रात' वह अपने पति के साथ गिरजाघर मे पादरी जेम्स स्मिथ का उपदेश सुनने गई। पादरी स्काटलैंड का रहने वाला ऊचा व्यक्ति था। उसने मृत्यु की कारुणिक व्याख्या की और विशेष रूप से नन्हे बच्चो की मृत्यु के बारे मे बताया और यह बताया कि धर्म से सान्त्वना कैसे प्राप्त की जा सकती है।

मेरी का दुःख कुछ कम हुआ और शोक की घटाए कुछ छटी।

५१

उनका बाहर आने-जाने का शौक समाप्त हो गया था और मेरी कम से कम इस बात के लिए आभारी थी कि लिंकन शाम का समय घर पर बिताया करता था। वह काम से शीघ्र ही वापस आ जाता था तथा बाहर से कीमा कागज मे

लपेटकर अपने साथ ले आता था। आते ही वह कोट को खूटी पर टाग देता और उसकी पतलून के गेलिस दिखाई देने लगते और फिर वह अपने भारी-भरकम बूटो को उतार डालता था। मेरी उसे ध्यानपूर्वक देखती रहती कि वह पहले तो घर मे इधर-उधर घूमता और फिर जुराबें पहने हुए ही खाने के लिए बैठ जाता था। मेरी ने लिकन मे घरेलू आचरण पैदा करने के जितने भी प्रयत्न किए थे वह सब विफल हो गए थे और उसमे लकडी की झोपडी मे बिताए हुए प्रारभिक जीवन की गवारू आदते इस प्रकार घर किए हुए थी कि उस खुरदरे हीरे का परिष्कार न हो सका। वह खाना खाने के पश्चात् कुर्सी को फर्श पर उलटा देता था और उसके साथ अपनी पीठ लगाकर फर्श पर लेट जाता था और समाचारपत्र पढने लगता था। जब मेरी ने उससे पूछा कि तुम इतनी जोर से क्यो पढते हो, तो वह बोला ·

'क्योकि मै ब्लव के स्कूल मे पढा था। जब तक मै ज़ोर से पढकर शब्द को स्वय अपने कानो से न सुन लू, मेरी समझ मे नही आता कि मैं क्या पढ रहा हू।'

वह हर सप्ताह 'जो मिलर जैस्ट्स' जैसी चुटकुलो की पुस्तक लाया करता था और कमरे के बाहर से ही कहता

'यदि पू छ को भी टाग कह दिया जाए तो भेड की कितनी टागे हुई।'

'पाच'

'गलत है, पू छ को टाग कह देने से वह टाग थोडे ही बन जाएगी।'

इस प्रकार वह एकान्त के क्षणो को प्रसन्नता से भर दिया करता था।

अब मेरी का ध्यान राबर्ट की ओर गया और वह आशा करने लगी कि जिस प्रकार एडवर्ड अपने स्नेह की अजस्र धाराओ से उसे आप्लावित किया करता था उसी प्रकार राबर्ट भी उसे प्रेम प्रदान करेगा, किन्तु राबर्ट उसकी ओर आकर्षित न हुआ, सम्भवतः उसने अपने भैगेपन और जीवन के प्रारम्भिक वर्षो मे हुए अपमान के लिए उन्हे कभी क्षमा नही किया था।

एक बार जब राबर्ट बडी धृष्टता से उसकी आज्ञा का उल्लघन कर रहा था तो मेरी ने वह छडी उठा ली जिससे वह राख की नाली साफ किया करती थी और हाथ घुमाकर उसकी पीठ पर मार दी। जब राबर्ट भागकर आगन मे चला गया तो अब्राहम ने दुःख के साथ कहा, 'मेरी ! मेरी !!'

जैसे वह मेरी का बोझ हलका करना चाहता हो, बोला, 'शारीरिक दण्ड का बच्चो पर कोई प्रभाव नही पडता।'

जब उन्होने पादरी ड्रेसर का घर खरीदा था तो नगर की सीमा पर केवल उन्हीका एक घर था किन्तु अब एट्थ और नाइन्थ जेक्सन स्ट्रीट तथा एडवर्ड स्ट्रीट मे कोई बीस घर बन गए थे। जेक्सन स्ट्रीट से परे शेरिफ चार्ल्स आरनाल्ड रहता था और उसके साथ वाले घर मे नगर का पुलिस-सिपाही ऐबनर वाटसन रहता था। इस प्रकार ऐसे पडोसियो के कारण मेरी रसोई का काम करते हुए भी कानून की ग्रन्थियो से परिचित हो गई थी। उनके पीछे गली मे दो प्रसन्न प्रकृति के परिवार रहते थे जिनके छोटे बच्चे भी थे। एक मकान मे तो साम ग्रिग्स रहता था, जिसका छोटा लडका एडवर्ड का मित्र था और दूसरे मकान मे सिविल इजीनियर विलियम विलिंगटन रहता था। पास ही बेजामिन मूर ने, जोकि नगर का सर्वेक्षक था, अपना मकान बनवाया था।

मुहल्ले मे बच्चो की एक अच्छी-खासी टोली इकट्ठी हो गई थी और वे सब इकट्ठे ही खेला करते थे। मेरी ने खलिहान की जगह खाली कर दी थी और बच्चो को बता दिया था कि वे उसे अपने क्लब के रूप मे प्रयुक्त कर सकते है। राबर्ट ने उस स्थान को एक थियेटर बना लिया। जब मेरी ने देखा कि राबर्ट मूल्यवान् वस्तुए और घर का फर्नीचर थियेटर के प्रयोग के लिए ले गया है, तो एक बार तो उसका हृदय धक् से रह गया किन्तु वह हर मूल्य पर बच्चे का प्यार प्राप्त करने का निश्चय कर चुकी थी।

एक दिन मध्याह्न-पश्चात् खलिहान मे से कुत्तो के भौकने की आवाज़ सुनाई दी। शोर इतना अधिक था कि कान फटे जाते थे। मेरी को बहुत क्रोध आया और उसने अपने होठ दातो से काट लिए, किन्तु बाहर जाकर बच्चो के खेल मे हस्तक्षेप नही किया। थोडी देर बाद उसे गली मे तेज़ कदमो की आहट सुनाई दी और उसने देखा कि अब्राहम तेजी से ऊची दीवाल पर से कूद गया है और उसने जाकर आगन मे से वही राख निकालने वाली छडी उठा ली है और तेजी से आगन को पार करके खलिहान मे चला गया है, फिर भगदड का सा शोर सुनाई दिया और एक हलकी-सी चीख की आवाज आई। थोडे ही क्षणो मे वह वापस बरामदे मे आया। वह छडी उसके हाथ मे थी और उसके चेहरे से क्रोध टपक रहा था।

'मेरी, तुमने उन्हे रोका क्यो नही ? क्यो एक पडोसी को मुझे दफ्तर से बुलाना पडा। तुम इतनी लापरवाह कैसे हो गई हो कि बच्चे खलिहान मे कुत्तो को फासी पर लटका रहे है और तुम उन्हे रोकती तक नही !'

'क्या कुत्तो को टाग रहे थे ? तुम कैसी बाते कर रहे हो !'

उसी समय राबर्ट कमरे मे आ पहुचा। वह अपने एक मित्र को हाथ से पकडे खीचे ला रहा था। वह छोटा-सा लडका रो रहा था। वह लपककर मेरी के पास चला गया।

'वहा हर कोई मुझसे बडा था। वे दीवार के सुराख मे से भाग निकले। श्री लिंकन ने मुझे पीट डाला।'

राबर्ट ने शिकायतभरे लहजे मे कहा, 'हम तो कुत्तो का एक नाटक कर रहे थे और उन्हे सिखा रहे थे कि पिछली टागो पर सीधे कैसे खडा हुआ जाता है। वे सीखना नही चाहते थे, फिर हमने उनकी गर्दनो मे रस्सी डाल दी और सीधा खडा होने मे उनकी सहायता की। उसी समय पिताजी आवेश मे बोलते हुए आ गए और कहने लगे—तुम कुत्ते को फासी पर क्यो लटका रहे हो ?'

मेरी ने कनखियो से अपने पति की ओर देखा और उसकी आवाज़ की नकल उतारते हुए बोली, 'अब्राहम ! अब्राहम !! शारीरिक दण्ड का बच्चो पर कोई प्रभाव नही पडता।—अब देखो श्री लिंकन, तुमने कुत्तो का नाटक खराब कर दिया है।'

उस दिन मध्याह्न-पश्चात् जब राबर्ट टब साफ करने मे मेरी की सहायता कर रहा था तो उसने प्रेम-भाव से अभिभूत होकर अपने गाल मेरी के गाल से छू दिए। मेरी का हृदय उल्लास से भर गया और उस रात एडवर्ड की मृत्यु के बाद पहली बार उसने पूर्ण प्रेम-भाव से अपने पति का आलिंगन किया।

कुछ ही सप्ताह मे उसे पता लगा कि वह गर्भवती हो गई थी।

'अब्राहम,' मेरी ने पूछा, 'तुम यूक्लिड की जोमेट्री पढते रहे हो तो यह बताओ कि गणित के आधार पर इस बार लडकी होने की कितनी आशा है ?'

मेरी ने साइमन फ्रासिस, जो जरनल बेचने का प्रयत्न कर रहा था, ज्यूलिया जेन, जिसका विवाह जज लीमैन ट्रम्बल से हुआ था और जो आल्टन रहा करती थी और ओरविल ब्राउनिंग, जो दस वर्ष से काग्रेस मे निर्वाचित होने का

प्रयत्न कर रहा था किन्तु सफल नही हुआ था, के सम्मान मे एक छोटा-सा सहभोज दिया था। अब्राहम अब भी अपने लम्बे से हैट मे दफ्तर के कागज़ डालकर ले जाया करता था। जब मेरी उससे अपने निजी मामलो के बारे मे कोई प्रश्न पूछती तो वह हैट मे से दर्जनो पत्र और कागज़ के टुकडे निकालकर मेज़ पर रख देता और उनमे से सम्बन्धित पत्र को ढूढने लगता। मेरी ने उसकी आय के बारे मे कभी नही पूछा था। उनके कार्यालय मे हिसाब नही लिखा जाता था। अब्राहम को स्वय पता नही था कि उनकी आय कितनी है। जब कानूनी परामर्श की फीस उसे मिलती वह उसे अपने साथी के साथ बाट लेता और आधा भाग अपनी जेब मे डाल लेता था। जब उसे किसी पास के नगर मे कुछ दिनो के लिए जाना पडता तो वह अपने एक मित्र को लिखता कि, 'मेरे पास पैसो की कमी है' इसलिए जो पचास डालर फीस उसे लेनी है, उसे वसूल करके भेज दे। किन्तु जब वे पचास डालर न आए तो उसने मेरी से कहा, 'यदि तुम्हारे पास पैसे कम हो जाए तो तुम बिली हर्नडन के पास जा सकती हो और वह, जो भी फीस मिलेगी उसका आधा तुम्हे दे देगा।'

मेरी ने इस बात पर मुह बनाया।

अगली सुबह पौ फटने से पूर्व ही, जब घर मे सब लोग सोए हुए थे कि किसीने दरवाजे को जोर-ज़ोर से खटखटाया। अब्राहम रात के लिबास की पीली फ्लैनेल की कमीज पहने हुए दरवाजे पर चला गया। उस कमीज़ मे गले के पास एक ही बटन लगा हुआ था। जब वह लौटा तो उसने जल्दी-जल्दी कपडे बदलने शुरू किए।

' एक आसामी है,''''ऐसा लगता है, उसने शहर भर की सारी शराब पी डालने का प्रयत्न किया है'''नशे मे उसने एक दुकान तोड डाली है'' मुझे जाकर उसे जेल से बचाना है।'

वह आठ बजे लौट आया।

मेरी ने अडो और भुने हुए मास की प्लेट लिकन को देते हुए पूछा, 'आधी रात के समय तुम्हे कौन बुलाने आया था ?'

लिकन ने अपनी दृष्टि भोजन पर ही जमाए रखी और बोला, 'वे चार व्यक्ति थे जिनमे तुम्हारे चचेरे भाई लोगन का भी लडका था।'

'भैया लोगन ने अपने बेटे को जेल से बचाने के लिए क्यो प्रयत्न नही किया ?'

जब अब्राहम कुछ झूठ-सच बोलने का दुबारा प्रयत्न कर रहा था तो उसके गले का टेंटुआ कई बार ऊपर-नीचे हुआ। उसने सोचा, नही, यो बात नही बनेगी। दृष्टि ऊपर उठाकर धीरे-से बोला, 'किन्तु मुझे लोगन के बेटे ने नही बुला भेजा था। मुझे तो बिली ने बुलाया था।'

'बिली ! तुम्हारा अभिप्राय है हर्नडन ! वह भी शराबियो के इस झगडखाने मे सम्मिलित था ?'

'हा।'

'मुझे आशा है कि जज उसे छ मास कारावास का दण्ड देगा ?'

'नही, मैने सबको मुक्त करवा लिया है और दुकान की मरम्मत के लिए पैसा दे दिया है।'

मेरी की भौहे तन गई। उसने पूछा, 'उन चार शराबियो की जमानत देने के लिए तुम्हे पैसा कहा से मिला ?'

'मै जेकब वन के पास गया था। उसे मुझे एक मुकदमे के लिए सौ डालर देने थे जिसका फैसला मैने करवाया था, क्योकि वह अब नगर का बैकर बन गया है। इसलिए मैंने उससे कहा कि मेरी ओर से यह जमानत दे दे।'

लिंकन ने छुरी और काटा नीचे रख दिए और बोला, 'मै यह पैसे उसके पास रहने देना चाहता था ताकि किसी मुसीबत मे काम आ सके।'

मेरी को क्रोध आ गया। वह कहने लगी, 'और बिली हर्नडन के ये उपद्रव वे आपातकाल है जिसके लिए हम धन बचाकर रखते है ?'

'सबमे दुर्बलताए होती है। यदि मै अपनी किसी दुर्बलता के कारण विपत्ति मे पड जाऊ तो बिली मेरे लिए खर्च करेगा। मित्रता का यही उद्देश्य होता है।'

मेरी एक कुर्सी मे धस गई और उसकी आखो से आक्रोश टपक रहा था और आसू बह रहे थे। वह बोली, 'कई बार तो मैं यह सोचती हू कि तुम मुझसे भी अधिक उसे प्यार करते हो।'

'देखो मेरी, मैं बिली को एक साझेदार होने के नाते प्यार करता हू और तुमसे एक पत्नी के नाते प्रेम करता हू। मेरा प्रयत्न यह होता है कि मैं तुम

दोनो का अच्छा मित्र बना रहू ।' फिर कुछ खिसियानी-सी हसी हसकर बोला, 'यदि तुम शराब पीकर किसी दुकान को तोड दो तो मैं तुम्हारी भी तो जमानत दू गा ।'

मेरी ने निराशा के भाव से सिर हिला दिया और उसके माथे तथा गालो पर रक्तिमा दौड गई ।

'श्री लिंकन, यह तो महती धार्मिक भावना है ।'

५२

मेरी जानती थी कि लिकन वर्ष मे एक बार कोल्ज काउटी मे अपने परिवार से मिलने जाया करता था और वह इस बात पर आश्चर्य प्रकट करती थी कि अपनी जिस विमाता के प्रति उसके मन मे इतना श्रद्धा-भाव है, वह उसे कभी स्प्रिगफील्ड मे क्यो नही बुलाता ? मेरी को स्मरण था कि जब वाशिगटन मे उसे दो पत्र मिले थे, एक पिता की ओर से तथा दूसरा सौतेले भाई जान जान्स्टन की ओर से । जान्स्टन साराह बुश लिकन का पहले विवाह से बेटा था और उन दोनो ने पैसे मागे थे। उस समय लिकन कितना उद्विग्न हो गया था ! पिता को उसने सहर्ष बीस डालर की राशि भेज दी थी, जो टामस लिकन ने इसलिए मागी थी कि यदि इतने पैसे न मिले तो उसकी जमीन बिक जाएगी । यद्यपि अब्राहम जानता था कि यह बात बिलकुल झूठ थी, फिर भी उसने अपने सौतेले भाई को लिखा कि वह उसकी अस्सी डालर ऋण की प्रार्थना को स्वीकार नही कर सकता और उसे यह सुझाव दिया कि 'वह तन-मन से किसीके पास काम करने लगे जो उसे पैसे देगा ।' और यह वचन दिया कि जितने डालर वह कमाएगा उतने ही वह भी उसे दे देगा । जब उसके सौतेले भाई ने लिखा कि उसके पिता हृदय-रोग से मर रहे है तो मेरी को बडी कठिनाई से यह बात समझ में आई कि लिकन तुरन्त कोल्ज़ काउटी क्यो नही चला गया । इस बात का स्पष्टीकरण एक दूसरे पत्र मे तीस दिन बाद मिला, जिसमे लिखा था कि टामस लिकन

के फेफडो पर श्लेष्मा जम गई थी और अब वह पूर्णतया स्वस्थ हो गया है। मेरी को अपने भाई जार्ज और लेवी का ध्यान आया। वह सोचने लगी कि सभी परिवारो की समस्याए जटिल होती है और परिवारो के सदस्यो को एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमना पडता है।

जब से लिंकन ने अपनी माता की प्रसव-पीडा के बारे मे दु खद बात बताई थी, उसके बाद फिर कभी उसने उस बात का उल्लेख नही किया। जब वे वाशिंगटन मे थे तो मेरी ने लिंकन-परिवार के अनेक लोगो से पत्र-व्यवहार किया था ताकि यह पता लग जाए कि क्या उसके पूर्वजो का लिंकन के पूर्वजो से सम्बन्ध था अथवा नही। किन्तु उसकी माता के परिवार और अपरिचित पिता के प्रश्न के बारे मे वह सदा मौन रही।

गर्भवती होने पर मेरी को जो प्रसन्नता हुई थी वह अवसाद मे परिवर्तित हो गई। क्या थकान के कारण उसकी कमर मे दर्द और बच्चे का निरन्तर आभास करने लगा था अथवा उसके मन मे यह भय पैदा हो गया था कि कही ऐसी शक्ति पुन उसपर आघात करे जो उसके नियन्त्रण से बाहर हो ?

इधर अब्राहम अपनी ही चिन्ताओ मे ग्रस्त था। सन् १८५० की बसत ऋतु कुछ फीकी-फीकी थी। यद्यपि चारो ओर रग-बिरगे जगली फूलो से मैदान भरे हुए थे और स्प्रिंगफील्ड का जीवन शान्तिपूर्ण लगता था, किन्तु वातावरण मे सघ-विरोधी भावनाए फैली हुई थी। जब लिकन वाशिंगटन के समाचारपत्र 'नेशनल इटेलिजेसर', 'न्यूयार्क हेरल्ड', 'काग्रेशनल ग्लोब', 'चार्ल्स्टन मर्करी' और 'रिचमाड इन्क्वायरर' से दासता-विरोधी समाचार पढकर सुनाया करता था, तो आने वाली विपत्ति का भय घर मे फैल जाता था। नि सन्देह देश की सर्वप्रमुख प्रतिभाए समझौता करवाने मे लगी हुई थी। इस प्रकार के समझौते हो रहे थे कि यदि दक्षिण प्रदेश कैलिफोर्निया को स्वतन्त्र राज्य के रूप मे सघ मे सम्मिलित करने के लिए मत दे तो उत्तर का प्रदेश भगोडे दासो के कानून के पक्ष मे मत देगा जिससे फेडरल सरकार को भगोडे दासो को उनके स्वामियो को लौटाना होगा, यदि दक्षिण वालो ने न्यूमेक्सिको और अटाह को दासता की सवैधानिक मजूरी के बिना सघ मे प्रविष्ट होने के लिए मत दिया तो उत्तर का प्रदेश ऐसे क्षेत्रो के प्रवेश के लिए मत देगा, जहा दासता का कानून के द्वारा निषेध नही होगा। किन्तु जान काल्हन ने समझौते का विरोध किया तथा दक्षिण के

राज्यो से अनुरोध किया कि वे सघ से पृथक् हो जाए । उत्तर के प्रदेश मे दासता के विरोधियो की आवाज मे भी क्रोध टपकता था यहा तक कि 'न्यूयार्क ट्रिब्यून' मे होरेस ग्रीले ने भी लिख दिया कि दक्षिण राज्यो को सघ से अलग कर दिया जाए ।

फर्श पर अपने चारो ओर बिखरे हुए समाचारपत्रो के पुलिन्दो से दृष्टि ऊपर उठाते हुए उसने ऊची आवाज मे कहा .

'· मै वाशिंगटन मे असफल हो गया था यदि इस समय मै वहा होता तो मै अपनी आवाज उठा सकता था " तथा उत्तर और दक्षिण के कट्टरपथियो को मिलाने मे उनकी सहायता कर सकता था । इस समय जैसी स्थिति है उसमे मै अपनी बात किसीसे नही मनवा सकता और राष्ट्रपति टेलर अवश्य गृह-युद्ध करवा देगे । किन्तु मै उसपर अपने जीवन की बाज़ी लगा दूगा । क्या इसीलिए मैने जनरल टेलर को राष्ट्रपति बनाने मे जी-जान से प्रयत्न किया था कि वह देश मे ऐसी स्थिति पैदा कर दे कि देश विखण्डित होने लगे ?'

जब यह वक्तव्य देश के कोने-कोने मे प्रकाशित किया गया कि न केवल दक्षिण के राजनीतिज्ञ देश का विभाजन चाहते है, प्रस्तुत देश की अखिल जनता भी ऐसा ही चाहती है । इसके अतिरिक्त नैशविले मे एक अखिल दक्षिण सम्मेलन हो रहा है जिसका उद्देश्य यह है कि वह दक्षिण का स्वतन्त्र गणराज्य स्थापित कर दे, ऐसा दिखाई देने लगा कि मटियाले रग का आकाश क्षितिज की ओर अधिक झुक गया जिसके कारण बसत ऋतु का चमकता सूर्य अन्धकारमग्न हो चला है । इस भय के कारण मेरी के स्नायु कठोर हो गए । डाक्टर वालैस ने उसे आदेश दिया कि उसे पूरा आराम करना चाहिए ।

मेरी के लिए राज्यो का सघ से अलग हो जाने का प्रश्न केवल सैद्धान्तिक विवाद नही था । उसके शरीर मे केन्टुकी का रक्त था, जो उसे केन्टुकी के बारे मे सोचने को बाध्य करता था । केन्टुकी राज्य मे दासता की प्रथा थी और जिसकी विधान-सभा मे दासता के समर्थक लोगो का बहुमत था । उत्तर के प्रदेश द्वारा दक्षिण के राज्यो को शक्ति द्वारा सघ मे रखने के किसी भी प्रयत्न का यह अभिप्राय था कि केन्टुकी राज्य युद्ध की घोषणा कर देगा और उसके भाई लेवी तथा जार्ज सौतेले भाई सेम्मुअल और डेविड और उसके सैकडो सगे-सम्बन्धी स्प्रिगफील्ड के टाड, लोगन, स्टुअर्ट वालैस, एडवर्ड-परिवार के लोगो

और लिंकन के लडके सैनिको के विरुद्ध युद्ध करेंगे। क्योंकि मेरी उस वातावरण मे पली थी जहा दासो के स्वामी दासो की रक्षा करते थे और उनके बिना वे सर्वथा विपन्न हो जाते थे, इसलिए वह इस बात को भली प्रकार समझती थी कि उन लोगो को दूसरे राज्यो के ऐसे लोग उनकी जीवन भर की कमाई से वंचित कर देंगे जिन्हे उनकी समस्या का कुछ भी ज्ञान नही है क्योंकि उसका पालन-पोषण करने वाले उसके पिता दासो की स्वतन्त्रता के समर्थक थे। दासता को दूर करने का दृढ निश्चय करने वाले कैसियस क्ले का उसके मनोविचारो पर बहुत प्रभाव था, इस कारण वह दासता का उन्मूलन करने वाले लोगो की आन्तरिक घृणा को भी भली प्रकार समझती थी और जानती थी कि उन लोगो का यह विचार है कि फेडरल कानून द्वारा दासता को बनाए रखने मे सहायता करना इस बात का द्योतक है कि वे स्वय दासता के लिए उत्तरदायी है।

उसे केवल इस बात मे सन्तोष मिलता था कि दासता के विषय पर उसके तथा अब्राहम के विचार एक थे। मेरी यह बात सोच तक न सकती थी कि जब कांग्रेस मे एक तूफान खडा हो गया था, उनके मित्र क्रोध मे आकर आपस मे झगड रहे थे जब उसके मन मे अनेक प्रकार के भय थे। ऐसी स्थिति मे यदि अब्राहम और मेरी का इस मूल नैतिक समस्या पर मतभेद होता तो वह इसे कैसे सहन कर पाती!

तीन सप्ताह के पश्चात् मेरी ने अनुरोध किया कि वह अपने घर के लिए जब पाचक खाने स्वय पकाएगी और उन तीन नौकरो ने जितना कूडा-करकट जमा कर डाला था, जिन्हे मेरी ने एक-एक सप्ताह नौकर रखा था, वह उसे स्वय साफ करेगी।

चार जुलाई को अब्राहम अमेरिका के जिला न्यायालय मे उपस्थित होने के लिए शिकागो गया। उसके जाने के कुछ ही घण्टे पश्चात् स्प्रिंगफील्ड मे यह समाचार पहुचा कि राष्ट्रपति टेलर को हैजा हो गया है। अब्राहम ने एक बार कहा था कि हम उस व्यक्ति से अपने आपको कैसे बचाए जो यह नही समझता कि वह सभी लोगो का समान रूप से राष्ट्रपति है, सभी क्षेत्रो तथा राज्यो का राष्ट्रपति है और अपने इन तमाम बच्चो का पिता होने के नाते वह एक को नष्ट करके दूसरे की सहायता नही कर सकता।

इसका एक उत्तर राष्ट्रपति टेलर की मृत्यु होने पर मिला अर्थात् उसके

स्थान पर एक विनम्र स्वभाव के व्यक्ति मिलाई फिल्मोर को राष्ट्रपति बनाया गया और मेरी को यह जानकर सन्तोष हुआ कि भूतपूर्व कांग्रेस सदस्य लिंकन को, जिसने राजनीति को छोड दिया था, शिकागो की व्हिग पार्टी मे मृत राष्ट्रपति की अभ्यर्थना मे भाषण देने के लिए शिकागो आमन्त्रित किया था और लिंकन ने इन्कार नही किया।

उस मास के अन्त मे लिंकन के लौटने तक देश भर मे नया राजनीतिक वातावरण पैदा हो गया था। हेनरी क्ले ने जो समझौते का बिल पेश किया था उसे न केवल डेमोक्रेटिक दल ने रद्द कर दिया, अपितु व्हिग पार्टी के राष्ट्रपति टेलर ने भी रद्द कर दिया था क्योकि उसे भय था कि यदि इस मामले मे क्ले की जीत हुई तो अगली बार केन्टुकी का सीनेटर अमेरिका का राष्ट्रपति बनेगा। शाति की रक्षा के लिए अब राष्ट्रपति फिल्मोर ने समझौते के पक्ष मे घोषणा कर दी। अब केवल इस बात की कमी थी कि कोई नया नेता आगे आए और बागडोर अपने हाथ मे ले। प्रदेश समिति का सभापति परिस्थितियो पर काबू पाने के लिए आगे बढा। वह उनका पुराना मित्र और विरोधी स्टीफेन डगलस था।

मेरी ने प्रशसा तथा आश्चर्य भरे भाव से कहा, 'यह कैसी मजे की बात है कि यह ठिगना-सा व्यक्ति जहा भी जाता है, दृढता से अपना पात्र जमा लेता है। पहले कभी भी प्रदेश-समिति का इतना महत्त्व नही हुआ था, किन्तु आज उसी समिति का सभापति अमेरिका के भाग्य को अपनी मुट्ठी मे लिए हुए है। अब्राहम यह सब कुछ सोच कैसे लेता है?'

'उस छोटे कद के देव मे यह जानने की ईश्वर-प्रदत्त प्रतिभा है कि कैसे उचित अवसर पर किसी उचित स्थान पर पहुचा जाता है बिलकुल मेरी ही तरह।' उसने यह कहकर व्यग्य के ढग मे अपने कधे को हिलाया और बोला, 'मै इस बात पर शर्त लगा सकता हू कि यदि डगलस अपनी समिति मे ऐसे बिल पास करवा सका जिनके द्वारा कैलिफोर्निया, न्यूमेक्सिको और अटाह को शाति-पूर्वक सघ मे सम्मिलित किया जा सके, तो वह देश मे सबसे बडा व्यक्ति बन जाएगा। डेमोक्रेटो मे वह सर्वप्रमुख हो जाएगा और सन् १८५२ मे राष्ट्रपति के लिए नाम-निर्देशन के समय वह भी उमीदवारो मे होगा।'

'अब्राहम, तुम गम्भीरता से बात नही कर सकते,' मेरी आश्चर्यचकित

होकर बोली, 'उसे सीनेट मे गए केवल तीन वर्ष हुए है। वह इतनी जल्दी पार्टी का प्रमुख व्यक्ति कैसे बन गया ?'

मेरी को इस बात पर हर्ष हुआ कि अब्राहम ने उसके उस प्रश्न का कोई उत्तर न दिया था जिसे वस्तुत वह अपने मन की गहराइयो से पूछना चाहती थी कि जब हम लोग इतनी उन्नति नही कर पाए तो वह ऐसे ऊचे स्थान पर कैसे जा पहुचा।

शीघ्र ही स्टीफेन डगलस ने काग्रेस की बागडोर अपने हाथ मे सभाल ली। वहा सगठन पैदा किया। विरोधी विचारो के लोगो का मतभेद दूर किया। क्ले के बिल मे काट-छाट की और उसे अलग-अलग बिलो के रूप मे बाट दिया, जिनमे से प्रत्येक को मित्रो की सहायता से पास करवाया जा सकता था। इन सब सुझावो का निष्कर्ष यह था कि उनसे उत्तर तथा दक्षिण के बहुसख्यक लोग सन्तुष्ट हो गए और १८२० के मिसूरी-समझौते की तरह एक बार फिर ऐसा वातावरण पैदा हो गया कि दोनो प्रदेश बिना झगडे के इकट्ठे रहने के लिए तैयार हो गए। दु खजनक बात केवल यह हुई कि भगोडे दासो-सम्बन्धी कठोर कानून पास कर दिया गया। अब्राहम ने अपनी बाहे फैला दी, फिर जोर से उन्हे अपनी जाघो पर दे मारा। ये चेष्टाए उस व्यक्ति की सी थी जिसने बहुत पहले इन बातो को सोच रखा था, किन्तु उनका फल कोई न निकला।

स्प्रिङ्गफील्ड और अमेरिका भर मे शान्ति का वातावरण फैल गया। योग्य तथा नर्म स्वभाव वाले लोगो का प्रभाव बढ गया और इस सारी स्थिति मे प्रमुख नेता इलीनाइस का स्टीफेन डगलस था। वह मानो जीवन से भी बडा, एक्सक्यूटिव मैन्शन से भी बडा एक महान् दृश्य था, जिसमे डगलस एक प्रमुख स्थान पर खडा दिखाई देता था। विरोधियो मे सगठन पैदा करने वाला वही एक व्यक्ति था। गलियो, दुकानो और अपने मित्रो के घरो मे मेरी को यही बात सुनने मे मिलती थी कि अमेरिका का अगला राष्ट्रपति स्टीफेन डगलस होगा।

अब्राहम भी इस बात से सहमत था। उसने कहा, 'उसने पुरानी कडियो को जोडकर शृखला मे बाध दिया है। जिस काम को पुराने महान् व्यक्ति भी नही कर सके थे वही उसने किया है। उसने हमे फूट से बचा लिया है। उसमे सगठन की वह प्रतिभा है जिसके द्वारा वह गत दस वर्षो से इलीनाइस मे व्हिग

पार्टी को पराजित करता रहा है।'

लिकन पुनः न्यायालयो के दौरे पर चला गया। मेरी को सातवा महीना था और वह भारीपन अनुभव करने लगी थी। वह अधिकतर रसोई मे ही बैठी रहती थी तथा राबर्ट और वह अगीठी के सामने बैठकर ही खाना खाया करते थे। जब तक सोने का समय न हो जाता, मेरी सिलाई की टोकरी लिए तथा राबर्ट अपनी पुस्तक लिए वही बैठे रहते। जब से अब्राहम को भूमि-कार्यालय का पद प्राप्त करने मे हार हुई थी, लिकन काग्रेस के वाद-विवाद तथा राष्ट्रीय मामलो मे अधिक ध्यान नही दिया करता था। अब जबकि समझौते का बिल पास हो गया तो लिकन एक बार फिर राजनीतिक वातावरण मे खो गया। यह दौरा उसके लिए अच्छा होगा। वह अपने साथी वकीलो के साथ प्रसन्न था। मेरी जानती थी कि इलीनाइस के नगरो मे न्यायालय के दिनो मे कितनी उत्तेजना रहा करती थी। आसपास के गाव के लोग वहा इकट्ठे हुआ करते थे। सभी होटल और काफी हाउस भर जाते थे। सभी परिवार चलते-फिरते सरकस, तमाशे और सगीतज्ञो के गीत सुनने के लिए वहा आ पहुचते थे।

अब्राहम अब भी पुरुषो के बीच बैठकर प्रसन्न हुआ करता था। केवल न्यायालय-कक्ष मे उत्साह और कुछ ही क्षणो मे कागज़ो को पढकर मामलो का फैसला कराने की प्रसन्नतामात्र उसके लिए पर्याप्त नही थी, अपितु हास-परिहास मे उसकी आत्मा थी और जब ३०० पौड भार वाला जज डेविस पुराने ढग के बने हुए बैच पर झुककर यह कहता, 'श्री लिकन, यह सब तुम्हे सूझ कैसे जाता है ?' तो अब्राहम, जिसे आठवे न्यायालय के विदूषक का नाम दिया गया था, ऐसी कहानी सुना देता कि सारे न्यायालय मे हसी की फुलझडिया फैल जाती थी। रात्रि के समय जज डेविस के होटल के कमरे मे जो बैठके हुआ करती थी उनसे अब्राहम और अधिक आनन्द प्राप्त करता था। यहा वकील झूठी कचहरी लगाया करते थे और दिन भर के विभिन्न मुकदमो मे हुई बातो पर व्यग्य कसा करते थे। कहानिया सुनाई जाती थी, बोतले चढाई जाती थी, और आधी रात तक सब लोग गाने-बजाने मे मस्त रहते थे।

एक बार अब्राहम ने धोखेधडी मे शामिल होने से साफ इन्कार कर दिया। यह इस प्रकार हुआ कि जब वह डेनविले पहुचा तो उसका एक साझेदार उसके पास एक पागल लडकी का मुकदमा लाया। उस लडकी की सम्पत्ति दस हज़ार

डालर थी और उसे एक बडे ठग से बचाने की नगर भर मे चर्चा थी। अब्राहम ने बोस मिनट मे ही मुकदमा जीत लिया और जब उसे यह पता लगा कि उसके साझेदार ने उस लडकी से २५० डालर फीस ली है, तो उसने साझेदार को आधे पैसे लौटा देने के लिए बाध्य किया। जज डेविड डेविस ने लिकन को कचहरी मे बुला भेजा और उससे इस प्रकार फुसफुसाते हुए बात की कि जो सार्वजनिक चौक के सिरे तक सुनाई देती थी। उन्होने कहा, 'लिकन, तुम बहुत कम फीस लेकर यहा के वकीलो को निर्धन बना रहे हो, इसलिए उनकी तुम्हारे विरुद्ध शिकायत उचित ही है। तुम स्वय इतने ही दरिद्र हो जितना कि लेजारस था और यदि तुमने लोगो से अपनी सेवाओ के बदले अधिक पैसे वसूल न किए तो जाब के मुर्ग की तरह बुरी हालत मे तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी।'

उस रात सब वकील एकत्र हुए और जज के विशेष न्यायालय मे अब्राहम का मुकदमा पेश हुआ। जज ने निर्णय दिया कि 'अब्राहम ने अपने दूसरे वकील भाइयो की आय के विरुद्ध गभीर अपराध किया है' अत उसे दो डालर जुर्माना किया गया।

जीवन की कठिन परिस्थितियो से वह न घबराया। उसे मैदानो से परे कीचड वाली सडको पर यात्रा करनी पडती थी, अस्वादिष्ट भोजन करना पडता था, और कभी-कभी दो-दो या तीन-तीन व्यक्तियो सहित एक ही बिस्तर मे सोना पडता था। वह उस घोर सन्नाटे मे अपने तेज घोडे वाली भद्दी-सी बग्घी मे बैठा यूक्लिड तथा आविष्कार की पुस्तको का अध्ययन किया करता था। सैकडो मुकदमो की पैरवी करने तथा अपने ग्राहको को जिताने और सलाह के लिए आने वाले नवयुवक वकीलो को परामर्श देने और जब एक-दो दिन के लिए जज डेविस अध्यक्षता के लिए न आ सकता था, तो उसकी कुर्सी को सभालने मे आनन्द का अनुभव किया करता था।

अब्राहम जब दौरे पर होता और राबर्ट स्कूल चला जाता तो दिन भर घर मे मौन छाया रहता था। कभी-कभी बिस्तर मे आराम करते हुए, अनमने मन से कुछ पढते हुए या दिवास्वप्न देखते हुए उसे ऐसा लगता कि मानो वह पुन नवयुवती बन गई है और मेरेल के स्कूल मे सबसे अधिक लोकप्रिय लडकी चुनी जाने पर उत्साह और प्रसन्नता के साथ लेक्सिंगटन मे अपने सोने के कमरे मे लेटी हुई है और उसके जीवन मे आमोद और आनन्द का वातावरण है और

इस बीच मे जो कुछ भी हुआ है वह केवल एक स्वप्न था, मानो वह स्प्रिंगफील्ड कभी आई ही नही थी, लिंकन से कभी मिली नही थी, उसका कभी विवाह नही हुआ था, न उसके दो बच्चे हुए थे और न उनमे से एक की मृत्यु हुई थी, न उसने कभी जीवन का उच्च लक्ष्य बनाया था और न ही उसे पराजय का मुह देखना पडा था। उसी समय उसे गर्भ मे बच्चे के हिलने का आभास होता और जीवन की चहल-पहल तथा ग्यारह वर्षो की वास्तविकता मे स्वप्न विलीन हो जाते।

५३

उनका तीसरा लडका एडवर्ड का आश्चर्यजनक प्रतिरूप था। उसे प्रसव-काल मे ज्वर हो गया और तापमान १०४ अश तक पहुच गया। उसे पूरी तरह स्वस्थ होने मे पूरा एक मास लग गया। क्योकि डाक्टर विलियम वालैस ने निरतर मेरी की देखभाल की थी अत. उसके प्रति आभार प्रकट करने के हेतु लडके का नाम विलियम वालैस लिंकन रखा गया।

मेरी ने देखा कि अब्राहम सिर झुकाए हुए तथा पीठ-पीछे हाथो को बाधे हुए घर मे घूम रहा है। वह बोला :

'पुन मेरे सौतेले भाई ने मुझे दो पत्र लिखे है कि मेरा पिता अत्यधिक बीमार है और मुझे वहा तुरन्त जाना चाहिए। अब तीसरा पत्र आया है जिस-मे मुझपर आरोप लगाया गया है कि मुझे परिवार मे अभिरुचि नही है। तुम तो जानती हो कि यह बात सच नही है। मै तो यही चाहता हू कि स्वास्थ्य या बीमारी मे मा और पिता को पूरा आराम मिलना चाहिए और मुझे विश्वास है कि मेरे पिता को डाक्टर या अन्य जिस किसी भी वस्तु की आवश्यकता हुई होगी उसे उन्होने प्राप्त करने के लिए अवश्य मेरे नाम का उपयोग किया होगा।'

उसने अपनी विमाता को पत्र लिखा

'मैं सच्चे मन से आशा करता हू कि पिता स्वस्थ हो जाए। उन्हे कह दे

कि यदि अब हम मिले तो इसका क्या विश्वास है कि वह भेट अधिक दु खदाई होगी अथवा प्रसन्नतादायक'।'

कुछ दिनो पश्चात् जब लिंकन को समाचार मिला कि टामस लिंकन का स्वर्गवास हो गया है, तो मेरी ने देखा कि लिंकन को पिता की मृत्यु का इतना दु ख नही था जितना कि इस बात का था कि उसे उसपर दु ख नही हुआ। उसे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि उसकी बहिनो ही की तरह उसका पति भी किसी-को क्षमा नही कर सकता था।

जनवरी के अन्त मे मेरी पादरियो द्वारा फड एकत्र करने के लिए उच्चतम न्यायालय मे दिए गए एक भोज मे गई। उसने अपने अशदान के रूप मे एक तीन तहो वाला केक बना रखा था जिसे अब्राहम एक चादी की थाली मे रख-कर गिरजाघर की महिलाओ के पास ले गया। अपने बेटे के जन्मदिवस को मनाने के लिए वह मेरी को न्यायालय-भवन मे एक नृत्य के आयोजन पर ले गया और वहा से वे 'मेड ऑफ मन्स्टर' नाटक मे राबिन्सन-परिवार को देखने गए। चिकन रो की गन्दी गली का काफी भाग गिराया जा चुका था और अब उसके स्थान पर तीन-तीन मजिल के भवन बन रहे थे। जैकब बन ने स्प्रिग-फील्ड मे पहला निजी बैंक खोल दिया था और अब वहा गलियो मे सूअरो का चलना कानून द्वारा बन्द कर दिया था। जब एक बार उन्होने चौक की सैर की और मेरी ने देखा कि कोई भी सूअर उसके स्कर्ट के साथ घिसडकर नही निकला, तो वह इस प्रकार बोली, 'ऐसा प्रतीत होता है कि सूअर गभीरता से कानून का पालन कर रहे हैं।'

अब्राहम का कारोबार ठण्डा पड गया था। यद्यपि आल्टन और सगमन रेल रोड ने उसे विधान-सभा के अधिवेशनो मे सम्मिलित होने मे और यदि रेल रोड के लिए कोई बिल प्रस्तुत किया गया हो, तो उसका पूरा ध्यान रखने के लिए प्रतिनिधि चुन लिया था। वह पाच बजे शाम का खाना खाने के लिए आ जाता था। पिछले बरामदे मे हाथ-मुह धोता और कुछ खा-पीकर बच्चे के खेल-कूद मे मस्त हो जाता था।

मेरी ने उसे सावधान करते हुए कहा, 'हमे विलियम से इतना अधिक प्यार नही करना चाहिए क्योकि राबर्ट बडा हो गया है और वह यह नही समझ सकता कि विलियम के प्रति हमारा प्रेम ईश्वर के प्रति आभार के कारण है....'

लिंकन अब नई प्रकाशित होने वाली पुस्तको को नही पढा करता था, किन्तु जब राबर्ट ने लेटिन पढनी आरम्भ की तो उसने भी पुत्र के साथ-साथ अपनी पढाई आरम्भ कर दी।

शाम के समय वह बहुत अशान्त हो जाता था। बडी घबराहट मे इधर-उधर टहलता रहता और फिर अकस्मात् अपने बूट, जुराबे और कोट पहनकर उच्चतम न्यायालय के पुस्तकालय मे चला जाता, जहा वकील तथा सभासद इकट्ठे हुआ करते थे।

मेरी ने सोचा कि लिंकन का यह व्यवहार अनुचित है कि वह हर रात बाहर चला जाता है और उसे दो बच्चो के साथ घर मे अकेला छोड जाता है, किन्तु उसमे इतना आत्माभिमान था कि वह यह बात लिंकन से न कह सकी। इसकी बजाय उसने वाशिंगटन के जन्मदिवस-सम्बन्धी नृत्य के लिए टिकटे खरीद ली, जो डाकघर के ऊपर नये बने हुए बालरूम मे होता था। तत्पश्चात् उसने राबिन्सन-परिवार के नाटक 'वट इज़ इन ए नेम ?' की टिकटे खरीद ली। जब मेरी की मित्र जूलिया जेन ट्रम्बल आल्टन से वापस आई तो मेरी ने तीस दम्पतियो को अपने घर भोज पर बुलाया। जब उन लोगो की ओर से निमन्त्रण आए तो अब्राहम ने नाक-भौ चढाई कि समाज के साथ अधिक सम्पर्क अच्छा नही, किन्तु मेरी ने उसकी बुडबुडाहट की परवाह नही की।

मार्च के अन्त मे जब अब्राहम, आठवी ज्यूडिशल सर्किट के सिलसिले मे ढाई महीने के दौरे की तैयारी करने लगा तो मेरी को उसका जाना पसन्द नही था।

'अब्राहम, तुम दौरे का काम हर्नडन के साथ आधा-आधा बाट क्यो नही लेते ?'

'दौरे के न्यायालयो के काम मे बिली बहुत कुशल नही है। मै जाता हू तो वहा चार गुना अधिक काम मिलता है। इसके अतिरिक्त दौरे के न्यायालय पर जाकर उसका बुरा हाल होता है। वह इस बात का अनुरोध करता है कि उसे अपने परिवार के साथ घर पर ही रहने दिया जाए।'

मेरी सोचने लगी, और तुम इस बात के लिए अनुरोध नही करते इसीलिए वर्ष मे छ: महीने मुझे विरह की आग मे जलना पडता है।

नगर मे कैलिफोर्निया की ओर जाने वाली गाडियो की चहल-पहल थी इसलिए मेरी घर मे अकेली रहने से घबरा रही थी। कई बार मेरी को ऐसा

लगता कि उसने पिछली सीढियो पर किसीके कदमो की आवाज़ सुनी है। आखिर उसने राबर्ट के मित्र हावर्ड पावेल से, जो बारह वर्ष का था, कहा कि वह लिंकन के लौट आने तक ऊपर की मजिल मे राबर्ट के कमरे मे सो जाया करे। वह प्रतिरात पाच सेन्ट लेकर सोने के लिए तैयार हो गया।

मेरी आशा करती थी कि दूसरे सप्ताह के अन्त मे अथवा तीसरे सप्ताह के अन्त मे अब्राहम लौट आएगा। किन्तु चौथा और पाचवा सप्ताह भी बीत गए। मेरी के पास पैसा न रहा। जब छठे सप्ताह के शुक्रवार को मध्याह्न-पश्चात् तक अब्राहम न आया तो मेरी को दफ्तर मे जाना पडा।

मेरी ने सिर से पाव तक एक सुन्दर नई पोशाक पहनी। उसने स्कर्ट के बडे घेरे के ऊपर गुलाबी रग का धारीदार जर्म्पर पहन रखा था और गहरे रग का बुना हुआ शाल ओढ रखा था। वह लिंकन-हर्नडन के दफ्तर की सीढिया चढकर ऊपर पहुची। विलियम हर्नडन एक डेस्क पर बैठा हुआ था। उसने उसे देखा तो मेज़ पर दोनो हाथो का ज़ोर डालकर उठ खडा हुआ। वह दोनो इस प्रकार एक दूसरे की ओर घूरते रहे मानो किसी दुर्गम खाई की ओर देख रहे हो। हर्नडन की एक आख बन्द हो गई थी मानो वह मेरी को अधिक भली प्रकार देखने का प्रयत्न कर रहा हो। इसी बीच मे मेरी का ध्यान इस ओर गया कि उसकी भौहे और बाल अब भी गहरे काले रग के थे।

मेरी ने घूमकर दफ्तर की ओर देखा। दो टूटी-फूटी मेजे 'टी' (T) की शक्ल मे एक दूसरे से लगी हुई थी और उनपर चाकू से कुछ खुदा हुआ था। दीवार के पास चार-पाच बेंत की कुर्सिया और एक लम्बा-सा सोफा रखा हुआ था। पीछे की खिडकियो पर गहरी धूल जमी हुई थी और फर्श पर कूडा-कर्कट जमा था। कोने मे एक ओर पौधे उगे हुए थे जहा अब्राहम ने वाशिंगटन से लाए हुए बीज बोए थे।

मेरी को स्मरण हो आया कि उसके पिता के दफ्तर मे उसके पहुचने से पहले ही सब सफाई हो जाती थी और वह दफ्तर खूब सजा हुआ होता था। दीवार पर फ्रासीसी कागज़ और शिकार की तसवीरे लगी होती थी और लेक्सिगटन के सबसे अच्छे बढइयो द्वारा बनी हुई मेज़े और कुर्सिया रखी होती थी। इस स्मृति के साथ ही इस दफ्तर के प्रति घृणा के भाव से उसने अपने होठ दातो तले दबा दिए। उसने एक ठडी आह भरी और सोचने लगी कि वस्तुतः वह

ससार ही और था । वह सभ्यता ही और थी । अनमने मन से पुन· उसकी दृष्टि श्री हर्नडन की ओर गई ।

श्री लिकन ने मुझसे कहा था कि उनके हिस्से का पैसा लेने के लिए मै यहा आऊ । जब तक ये शब्द मेरी के अपने कानो तक न पहुचे उसे पता नही था कि उसके लहजे मे इतनी रुक्षता है—'वास्तव मे तुम्हारे पास उनके कुछ पैसे हैं ?'

हर्नडन ने मेज़ की दाई ओर का दराज खोला और कागज मे लिपटे हुए कई बडलो की ओर सकेत किया । उनमे से कुछ बडल धागे के साथ बधे हुए थे ।

'प्रत्येक बडल मे श्री लिकन का आधा हिस्सा पडा है, आप जितना चाहे ले ले ।'

मेरी पुन एक क्षण उसकी ओर घूरती रही । उसके मन मे फिर यह भाव पैदा हुआ कि वह इस गन्दे दफ्तर से वापस चली जाए और जो पैसा वह लेने आई थी उसे लिए बिना ही सीढियो से नीचे उतर जाए । उसके चेहरे पर रक्तिमा छा गई और अपने ऊपर ही क्रोध का अनुभव हुआ । वह झुकी, उन छोटे-छोटे बडलो मे से कुछ बडल उठाए, उन्हे अपने थैले मे डाला और स्कर्ट को झटका देते हुए चुपचाप वहा से चली आई ।

अगले दिन दोपहर के बाद अब्राहम वापस आ पहुचा और अपने साथ नगद दो सौ डालर लाया । एक दिन पहले के दु खद दृश्य से मेरी अब भी अन्दर ही अन्दर सुलग रही थी और उसे इस बात पर क्रोध था कि लिकन ने पूरे नौ सप्ताह उसे एक पत्र तक नही लिखा था । जब वह उसका चुम्बन लेने के लिए झुका तो मेरी ने अपने गाल एक ओर को घुमा दिए ।

अब्राहम ने ज़रा कठोर ध्वनि मे कहा, 'देखो, इससे मैं धैर्य खो बैठता हू । मै इतने लम्बे दौरे से इसलिए वापस नही आया कि यह छुट्टी का दिन भी तर्क-वितर्क मे ही बिता दू ।'

दोनो बिस्तर के दूर-दूर के कोने पर पडे हुए थे । मेरी तो बिस्तर के किनारे पर इस तरह पडी हुई थी कि यदि थोडा भी हिलती तो वह नीचे गिर जाती । थोडी देर बाद लिकन ने कहा, 'देखो मौली, अब झगडा समाप्त कर दो ।' और वे दोनो रूठे हुए मिल गए ।

गर्मियो का मौसम शीघ्र आरम्भ हो गया । वातावरण मे घुटन और गर्मी

अधिक थी। नगर मे विशूचिका का रोग फैल गया। कई मौते हो गई। मेरी ने राबर्ट को घर मे बन्द रखने का बहुत यत्न किया किन्तु उसने चीख-चीखकर छत सिर पर उठा ली। इस दुःखजनक मौसम मे एक ही बात अच्छी हुई कि अमेरिका के दौरे के न्यायालय के स्प्रिगफील्ड के अधिवेशन मे अब्राहम को बहुत सफलता मिली। उसे व्यापारियो के कई महत्वपूर्ण मुकदमे मिले जिनकी फीस बहुत अधिक थी। उसने दस प्रतिशत के ब्याज पर तीन सौ डालर 'डेनियल ई० रुकल' को उधार दे दिए और छ: सौ डालर मे थामस कैट्राल का अस्सी एकड का खेत गिरवी रख लिया।

मेरी ने पूछा, 'हम अपनी बचत से भूमि क्यो नही खरीद लेते ? तुम्हीने तो बताया था कि जज डेविड और लियोनार्ड स्वेट इन नये नगरो मे भूमि खरीदकर अमीर बन रहे है।'

'हा, अमीर तो बन रहे हैं··· ' उसने अपने बालो मे अगुलिया फेरते हुए कहा, 'किन्तु मैं सट्टा नही खेलना चाहता। मै सोच-समझकर कदम उठाना चाहता हू।'

'किन्तु यदि पूजी लगाने से पैसा आता है तो तुम्हे पूरे तीन महीने दौरे पर नही रहना पडेगा। बहुत-से वकील केवल आधा समय ही दौरे पर जाते हैं।' मेरी ने शिकायत के स्वर मे कहा।

'मेरी, पैसा कमाने के लिए तुम्हे भली प्रकार सोचना होगा। मै अपने आपको बेबस नही कर देना चाहता। मै वकील हू और मुझे वकालत से ही पैसा कमाना चाहिए। व्यापार की मुझमे योग्यता नही.।'

मेरी इससे अधिक कुछ न कह सकी।

सितम्बर के दूसरे सप्ताह मे लिकन पुन: नवम्बर के अन्त तक के लिए दौरे पर चला गया। लिकन ने मेरी को आश्वासन दिया कि जब भी बन पडा वह वापस आ जाएगा किन्तु ज़िले के कई वकील अपनी-अपनी आवश्यक कार्यवाहिया इसलिए रोके बैठे है कि जब वह पहुचेगा तो उन्हे पूरा किया जाएगा और इसका अभिप्राय यह हुआ कि साप्ताहिक छुट्टी के दिन भी उसे बहुत काम रहेगा।

मेरी को एक आयरिश लडकी मिल गई जिसका कद लम्बा और बाल सुर्ख थे तथा आखे नीली थी और चित्तीदार चेहरा था। वह रहने के लिए मकान ढूढ रही थी। मेरी ने अपना सिलाई का कमरा खाली कर दिया और उस खाराह नाम की नवयुवती को दे दिया। वह लडकी बहुत अच्छा काम करने

वाली थी। मेरी को इससे बहुत सन्तोष हुआ कि उसे एक वयस्क आयु की साथी मिल गई थी।

मेरी को अब्राहम का कोई पत्र नही आया। केवल कभी-कभी स्प्रिंगफील्ड के जो वकील साप्ताहिक छुट्टी पर घर आते थे वे उसका सन्देश ले आते थे। जब वह सातवी साप्ताहिक छुट्टी पर भी घर न आया और मेरी भली प्रकार जानती थी कि आठवे सर्किट का दौरा करने वाला हर वकील कम से कम एक बार घर आ चुका है ,तो मेरी को न केवल उसका विरह सताने लगा अपितु वह इस बात से लज्जा भी अनुभव करने लगी। वह इस अपमान को छिपा भी न सकती थी क्योकि दौरे पर जाने वाले सभी वकील एक दूसरे के घनिष्ठ मित्र थे और उनके परिवार भी, एक दूसरे के घर मे क्या हो रहा है, इस बात से भली प्रकार परिचित थे। अत वह अपनी बहनो से अपनी घबराहट को छिपा न सकती थी। क्या सचमुच वह बहुत व्यस्त था, थका हुआ था अथवा उपेक्षा कर रहा था ?

उनके विवाह के प्रारम्भिक महीनो मे अब्राहम ही एक ऐसा वकील था जो साठ मील का मार्ग घोडे पर तय करके शनिवार मध्याह्न-पश्चात् और रविवार का दिन अपनी पत्नी के साथ गुजारा करता था। तब मेरी को कितना गर्व होता था ! क्या यह दण्ड उसी गर्व के कारण से उसे मिल रहा था ?

नवम्बर के तीन सप्ताह बडे दुखदाई थे। उसे फिर सिरदर्द रहने लगा था। वह लेटी रहती। उसकी आखे खुली रहती थी। वह घडिया गिन-गिनकर सुबह कर देती थी। अब्राहम शेलबी विले मे था, जो वहा से लगभग पचास मील दूर था। सम्भवत. इतनी लम्बी यात्रा तय करके आना कठिन हो, किन्तु अगले सप्ताह तो वह केवल पैतीस मील परे डेकाटर मे था और यदि उसकी घर आने की इच्छा होती तो क्या वह घर आ नही सकता था ?

दसवे सप्ताह के अन्त मे मेरी इस निष्कर्ष पर पहुची कि उसका पति उसके तथा अपने बच्चो के साथ अत्याचार कर रहा है। यदि उसमे कुछ भी स्नेह होता, अपने बाल-बच्चो के प्रति दया-भाव होता, तो वह अवश्य उनकी खातिर घर आ जाता।

एक दिन दोपहर जब सारा घर धोया जा रहा था तो वह आ पहुचा। घर से साबुन और भाप की गध आ रही थी। मेरी ने देखा कि वह पिछले बडे दरवाजे

से बग्घी चलाता हुआ आया है। बग्घा, घोडा, अब्राहम सभी मिट्टी से लथपथ थे। मेरी अभी सुबह के वस्त्र ही पहने हुए थी और सिर पर उसने बालो का जूडा बना रखा था। मेरी ने उसे आते देखकर कपडे बदलने या बनने-सवरने का कोई प्रयत्न न किया। जब वह आगन से गुजरकर पिछली सीढियो से चढने लगा तो मेरी एक टब मे बैठी-बैठी बोली

'घर आने का इससे अधिक उचित अवसर क्या हो सकता है···क्योकि तुम्हारे गन्दे कपडे भी धुल जाएगे।'

लिकन एक वृहत्काय लडकी के पिछले भाग को देख रहा था जो तार पर धुले हुए कपडो को टाग रही थी। उसकी बाहे लाल थी और उबली हुई-सी सफेद-सफेद अगुलियो से वह कपडे टाग रही थी। मेरी ने केवल इतना कहा कि राबर्ट स्कूल गया हुआ है और विलियम के पेट मे दर्द हो रहा है।

वह फिर बोली, 'इस दृष्टि से तो वह सदा प्रतिकूल रहता है। उसे दर्द भी उस दिन होता है जिस दिन कपडे धोने होते है। अब्राहम, उस खाकी कागज़ मे क्या तुम मेरे लिए हीरो का हार लाए हो?'

'कुछ खाने की चीज़ है।'

खाना अधपका था और चाय अस्वादिष्ट थी, और जब मेरी मेज़ पर बैठ गई तो उसने देखा कि मेजपोश भी उलटा बिछा हुआ है। रोटी मे बहुत अधिक नमक था और दूध खट्टा था। मेरी ने अनुभव किया कि इन सब बातो मे एक मूलभूत न्याय निहित है।

५४

ऐसा प्रतीत होता था कि मेरी का पति कही कुछ छोड आया था, उसका अपनापन पूर्ण रूप से एट्थ स्ट्रीट के अपने मकान मे उपस्थित नही था, अत. वह खोया-खोया-सा रहता था। उसमे प्रसन्नता और उत्साह का लेशमात्र भी नही था। दर्जनो समाचारपत्र बिना पढे ही रह जाते थे। स्टीफेन डगलस ने अमेरिका

की सीनेट के समक्ष जो लम्बा भाषण दिया, लिंकन ने उसे भी नही पढा। मेरी ने उसकी अनुपस्थिति मे जो नई पुस्तके खरीदो थी उनके बारे मे बताया और उनमे से सुन्दर अश पढकर उसे सुनाए। जब हैरियट बीचर स्टो की पुस्तक, 'चाचा टाम की कुटिया' प्रकाशित हुई तो मेरी ने उसके पहले दो खड एक ही बार मे पढ डाले। जब उसने यह पुस्तक अब्राहम को दी तो उसने केवल पहले पृष्ठ पर एक नीग्रो की लकडी की कुटिया का चित्र देखा और फिर उसका एक भी पृष्ठ उलटे बिना ही उसे रख दिया। जब मेरी ने स्प्रिंगफील्ड के बारे मे उसे सब समाचार सुनाने का प्रयत्न किया तो वह अनमना-सा होकर सुनता रहा किन्तु उसका मन अन्तर की किसी उधेड-बुन मे ही खोया रहा।

तो क्या यह निराशा दौरे की असफलताओ के कारण थी ? लिंकन ने उसे आश्वासन दिलाया कि सिवाय एक-दो मुकदमो के वह सभी मुकदमो मे सफल रहा था और उन असफल मुकदमो के बारे मे भी उसे विश्वास था कि उच्च-न्यायालय मे फैसला उसके पक्ष मे होगा।

तो फिर क्या कारण था कि वह उदासी की प्रतिमा बना हुआ था ? निश्चय ही इसमे दस सप्ताह तक घर न आने के कारण ग्लानि की भावना नही थी। ऐसा लगता था कि लिंकन को कभी ध्यान भी नही आया था कि उसके दूर रहने से मेरी को दु ख होता होगा। क्या यह कारण था कि सौ मील लम्बे दौरे पर बिताए हुए दस सप्ताह मे वह बहुत प्रसन्न रहा था, इस कारण घर आते हुए उसे नीरसता तथा इस जीवन की व्यर्थता का आभास हो रहा था ? किंतु ऐसा क्यो होगा ? वह तो अपनी पत्नी, अपने बच्चो और अपने घर से प्यार करता था····' 'अथवा ऐसा कहा करता था। वह ऐसे पति के साथ क्या व्यवहार करे जो बिलकुल ठीक प्रतीत होता था। जब भी उससे प्यार की आशा की गई उसने प्यार प्रदान किया, किन्तु अकस्मात् उसकी गति अवरुद्ध हो गई थी।

अगले रविवार को प्रात काल जब मेरी गिरजाघर से वापस आ रही थी तो उसने देखा कि अब्राहम एक वर्ष के बालक विलियम को बग्घी मे बिठाए धकेल रहा था। ज्योही मेरी ने मार्केट स्ट्रीट पार की, तभी विलियम बग्घी से नीचे गिर गया। उस कठोर और गन्दी सडक पर गिरते ही उसने आकाश सिर पर उठा लिया किन्तु उसके चीखने-चिल्लाने की आवाज़ इतनी ऊची नही थी कि वह उसके पिता की विचारशृखला को तोड सकती क्योकि अब्राहम रुका नही

और सिर नीचे झुकाए खार्नी बग्घी को कोने की ओर ले गया। लोहे की पेटी वाले स्कर्ट के साथ मेरी जितना भी तेज़ दौड सकती थी, दौडी और जाकर बच्चे को उठा लिया और उसे चुप करा दिया। जब वह यह सब कर चुकी तो लिंकन मोड पर से घूमकर उसकी ओर आ रहा था। जब वह उस स्थान पर पहुचा, जहा मेरी टागे फैलाए उसका रास्ता रोके खडी थी, तो उसे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि विलियम बग्घी मे होने की बजाय उसकी गोद मे था।

'श्री लिंकन, यदि मेरे पास बेत होता और मैं तुम्हारे जितनी लम्बी होती तो मैं उसे इतने ज़ोर से तुम्हारे सिर पर दे मारती कि तुम्हारी बेहोशी समाप्त हो जाती। तुम इतने अधिक कहा खाए हुए हो ? तुम्हे यह भी पता नही चला कि तुम्हारा अपना बेटा बग्घी से नीचे गिर गया है ?'

'यह ससार बहुत कठोर है मेरी,' उसने दुःख-भरे स्वर मे कहा, 'यहा लोग सदा ही बग्घियो से गिरते रहते हैं। बिली भी इन चोटो का अभ्यस्त हो जाएगा।'

लिंकन स्प्रिगफील्ड के एक न एक न्यायालय मे व्यस्त रहता था। उसने एक मुक्दमा साहूकार जैकब बन के लिए जीता और दो मुकदमे आल्टन तथा सगमने रेल रोड के जीते, किन्तु उसका हृदय वैसा ही बुझा रहा। जब वह खाने की मेज़ पर बैठा हुआ चुपचाप यन्त्रवत् खाना खा रहा था तो मेरी से न रहा गया और उसने कहा, 'यदि कुछ हलकी-फुल्की बातचीत हो जाए तो सम्भवतः इस भुने हुए मास का स्वाद अच्छा लगने लगे। लिंकन ने फटी-सी दृष्टि से मेरी की ओर देखा जैसे वह यह भूल चुका था कि उसके सामने वह बैठी हुई है या वह अपने घर मे खाना खा रहा है।

जब उनके जीवन से राजनीति का कोई सम्बन्ध न रहा तो मेरी को अनुभव हुआ कि जीवन मे कितनी बडी शून्यता छा गई है, क्योकि पहले प्रतिदिन प्रात' उठते ही कई घण्टे आधुनिक समस्याओ की चर्चा और अध्ययन मे बीत जाते थे। यद्यपि उसे सकल्प-सम्बन्धी व्हिग स्टेट कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया था और उसे कहा गया था कि वह व्हिग राष्ट्रीय सभा मे प्रतिनिधियो के चुनने मे सहायता दे, किन्तु अब्राहम मन लगाकर काम नही कर रहा था। जब निनियन एडवर्ड व्हिग पार्टी को छोडकर डेमोक्रेट पार्टी का सदस्य बन गया और व्हिग पार्टी मे बहुत हलचल हुई तो भी अब्राहम को कोई घबराहट अनुभव नही

हुई। पहले तो वह मेरी को सप्ताह मे दो या तीन बार बैठको मे ले जाया करता था किन्तु अब उन्होने 'प्रेस्बीटेरियन' गिरजे मे श्रम की गरिमा के विषय पर 'ओरविल ब्राउनिंग' का भाषण ही एक बार सुना था। उस दिन बहुत अधिक सर्दी थी और तापमान शून्य से उन्नीस दर्जे नीचे थे। भाषण के पश्चात् अब्राहम ने ब्राउनिंग को घर चाय पर आमन्त्रित किया और वह दोनो मजूरी की दरो, बेरोज़गारी से बचाव और बुढापे मे सुरक्षा आदि के बारे मे बाते करते रहे।

उसे अप्रैल के प्रथम सप्ताह मे पुन. दौरे पर जाना था। यदि मेरी लिंकन को यह न बताती कि उसकी जुदाई से उसके स्नायु-तन्तुओ और स्वास्थ्य पर कितना बुरा प्रभाव पडता है, तो क्या वह यह सोच सकती थी कि लिंकन उपेक्षापूर्ण स्वभाव का व्यक्ति है ? किन्तु क्या वह इस बात को विनोदपूर्ण ढग से कह सकती थी ? कही वह बिगड न जाए।

'अब्राहम, मै आशा करती हू कि तुम इतना अधिक परिश्रम नही करोगे कि जब तुम घर लौटो, तो वैसा धनी व्यापारी बने हुए हो जिसके बारे मे तुमने मुझे बताया था, तुम वैसा बनना नही चाहते।'

'मै तो थोडी-सी फीस और थोडे-से परिवर्तन मे ही विश्वास रखता हूं।'

'तुम दो-तीन सप्ताह आधे-आधे सप्ताह की छुट्टी पर घर लौट आने का प्रबन्ध क्यो नही करते ? यहा तुम्हे धुने हुए कपडे मिल सकेंगे ...... और अच्छा भोजन मिल सकेगा......'

मेरी की आवाज़ मे व्यग्य स्पष्ट दिखाई दे रहा था। लिंकन ने भी उसी लहजे मे कहा, 'लोग कहते तो है कि घर का खाना सबसे अच्छा होता है।' किन्तु फिर लिंकन की आवाज मे उदासी छा गई, 'किन्तु कभी-कभी मुकदमे शुक्रवार अथवा शनिवार तक चले जाते हैं और मैं केवल शनिवार की रात और रविवार गुजारने के लिए घोडे पर पचास मील की यात्रा नही कर सकता।'

'ओह प्रिय, अब मै समझी कि लोग तुम्हे बूढा एब क्यो कहने लगे हे।'

लिंकन के चेहरे पर लज्जा की लालिमा छा गई और उसने अपनी दृष्टि मेरी से हटा ली।

'कुछ साहस का कार्य करो अब्राहम, डेनविले या पेरिस मे न्यायालय की सारी बैठक से ही अनुपस्थित हो जाओ। इससे तुम मई के मध्य मे एक सप्ताह

के लिए घर आ जाओगे। कुछ डालर न भी मिले तो क्या अन्तर पडता है।'

'केवल पैसे की बात नही''' 'लोग वहा मेरी प्रतीक्षा कर रहे है''''' वकील आसामी आदि, उन्हे निराश करना उचित नही होगा।'

'और मुझे निराश करना क्या उचित है?' मेरी की आवाज तेज हो गई थी, 'या अपने दो बेटो को निराश करना उचित है?' मेरी अपनी उत्तेजित भावनाओ को सयत करने के लिए कुछ क्षण चुप रही, फिर बोली, 'मुझे खेद है कि मैंने कठोर बात कह दी है किन्तु मुझे विश्वास है कि तुम यह नही जानते कि तुम्हारे इतनी देर तक बाहर रहने से हमे कितनी कठिनाई अनुभव होती है। जब राबर्ट पूछता है श्री स्टुअर्ट अथवा लोगन या बेन एडवर्ड घर आ गए है, मेरे पिता क्यो नही आए?—तो मै उसे क्या उत्तर दे सकती हू? क्या मै उसे कह सकती हू कि हम उन लोगो से अधिक दरिद्र है या यह कह सकती हू कि तुम्हे हमसे प्रेम कम है?'

अब्राहम का चेहरा उतर गया। मेरी ने अपने आपको बहुत कोसा। किन्तु उसका भी अब्राहम पर कोई प्रभाव न पडा।

'बहुत अच्छा मेरी, मै घर आ जाया करूगा, यह तो नही कह सकता कि कब '''किन्तु जब भी अवसर मिला आ जाऊगा।'

मेरी कुछ और कहना-सुनना न चाहती थी अत वह वहा से यह कहते हुए घूमी:

'यदि तुम समझते हो कि तुम्हे बाहर रहना ही पडेगा तो अवश्य रहो, हम भी ज्यो-त्यो करके जीवित रह लेगे।'

और अब्राहम उस भद्दी-सी बग्घी मे चला गया। उसके पास ही हरा छाता पडा था। सिर पर हैट था और वाशिगटन से लाया हुआ नीले रग का पुराना कोट पहन रखा था। पतलून की एक टाग बूट मे धसी हुई थी। मेरी को यह जानने मे अधिक समय न लगा कि उसे अवकाश नही मिलेगा और वह किसी सप्ताह किसी भी दिन नही आ सकेगा तथा बसन्त ऋतु भी यू ही बीत जाएगी।

अब्राहम जून के मध्य मे वापस आया। वह दोपहर ढले हाथो मे सफर का थैला उठाए चौक को पार करता हुआ आ रहा था। उसने घोडा और बग्घी नगर के किसी अस्तबल मे छोड दिए थे। मेरी बैठक की खिडकी के पास एक आरामकुर्सी पर बैठी हुई राबर्ट को गणित के प्रश्न करवा रही थी। विलियम फर्श पर बैठा रबर की गेद से खेल रहा था। मेरी का रग पीला हो गया था और वह कमजोर भी हो गई थी। उसके चेहरे के दाई ओर दो लकीरे पड गई थी। उसकी दृष्टि मे छुपा आश्चर्य या कौतूहल अब उसका सदा का साथी बन गया था। मेरी ने देखा वह एट्थ स्ट्रीट मे दाखिल हुआ है और जब वह धीरे-धीरे कदम उठाता हुआ घर की ओर आ रहा था तो उसके लम्बे-पतले आकार से उदासी टपक रही थी। मेरी कुछ सोचती हुई एक क्षण चुप-चाप बैठी रही। ससार मे इससे अधिक उदास व्यक्ति कौन होगा! क्या पत्नी के लिए ऐसी स्थिति को सहन करने से भी अधिक बडी विपत्ति कोई हो सकती है ?

मेरी हाल के मार्ग मे जाकर उसके आने की प्रतीक्षा करने लगी। जब बाहर सीढियो पर उसके कदमो की आहट सुनाई दी और उसने अपना हाथ दरवाज़े की चिटकनी पर रखा तो मेरी ने दरवाज़ा खोल दिया और उसके सामने नवम्बर १८४० का अब्राहम खडा था, जो लारेसविले से चुनाव की मतशलाकाए लिए हुए आया था और दु.ख की ऐसी प्रतिमा दिखाई दे रहा था, जैसाकि मेरी ने पहले कभी न देखा था। उसकी बाईं आख की पुतली पर्दे मे छुप गई थी। उसके चेहरे पर यातना टपक रही थी। शरीर निढाल था, होठ रुक्ष थे और राख की तरह मटियाले हो चुके थे।

वह कई सप्ताह हैरीसन के राष्ट्रपति-पद के लिए निर्वाचन के हेतु भाषण देता रहा था और बहुत आशा थी कि ह्विग पार्टी की जीत होगी और उसे कोई महत्वपूर्ण पद मिल जाएगा। कुछ दिनो पश्चात् ही वह मेरी से यह कहने के लिए आया था कि वह उसे अवकाश दे दे। अब वह मेरी के सामने दरवाज़े मे खडा था, उसकी आखो के नीचे काली झाइया और झुर्रिया पडी हुई थी,

कमर दोहरी हो रही थी और उसके अंग-अंग से थकन और उदासी झलक रही थी। उसने अपने मन से पूछा

'इस बार इस व्यक्ति ने न जाने कौन-सी भयानक हार खाई है? न जाने यह मुझे क्या कहने के लिए आया है?'

शाम के खाने के पश्चात् उसने राबर्ट को एक कहानी पढकर सुनाई और विलियम को सुलाने तक उससे खेलता रहा और फिर वे बुझी हुई अंगीठी के सामने आरामकुर्सियो पर बैठ गए। दोनो मौन थे। रह-रहकर एक प्रश्न उसके मन मे आता था और होठो पर आकर रुक जाता था कि—तुम ऐसे क्यो दिखाई दे रहे हो?

आखिर मेरी ने ही वातचीत आरम्भ की। उसने बताया कि उसने फर्स्ट प्रेस्बीटेरियन चर्च मे दीक्षा ले ली है किन्तु उसने यह नही बताया कि उसे गिरजे मे जाकर सान्त्वना प्राप्त करने की कितनी अधिक आवश्यकता थी। उसने यह भी बताया कि उसने डाक्टर जेन का पारिवारिक दवाइयो का बक्स खरीद लिया था ताकि बच्चो को पेट के दर्द के लिए कारमिनेटिव बालसाम दी जा सके। किन्तु उसने यह नही बताया कि नन्हे विलियम को कई दिन तक दर्द होता रहा था तथा राबर्ट पिता के बारे मे पूछता रहता था। उसने बताया कि वह बच्चो को नगर के सभी खेल-तमाशे दिखाने के लिए ले गई थी, अर्थात् ओल्डर सर्कस मे ले गई थी, जिसमे विख्यात घुडसवार—स्त्री मैरियेटा—अपने करतब दिखाती थी और शिव का फकीर दिखाने के लिए ले गई थी, जिसने न्यायालय-भवन मे जादू का खेल दिखाया था। किन्तु यह सब बताते हुए उसने यह नही कहा कि वह इस प्रकार पिता के उपेक्षा-भाव की क्षतिपूर्ति कर रही थी। उसने यह बताया कि उसने सेठ टामस की दुकान से चौदह दिन के हिसाब वाली फ्रासीसी घडी खरीदी थी, राइट ऐंड ब्राउन की दुकान से चाइना प्लेटे और अचार-मुरब्बे आदि अन्य वस्तुए और निनियन एडवर्ड की दुकान से शाल और रेशम खरीदा था। किन्तु, इस फजूलखर्ची का कारण बताते हुए यह नही कहा था कि उसके जीवन मे ऐसे क्षण आए थे जब वह निराशा के अथाह सागर मे डूब गई थी और उसे घर से निकलकर बाजार चले जाना पडा था, जहा उसने मन के भारीपन को दूर करने के लिए, जो भी वस्तु मिली खरीद ली थी। जब उसने बताया कि वह हेलेन और बेन एडवर्ड के साथ नृत्योत्सव पर

गई थी और वालैस-परिवार के साथ सगीत-सम्मेलन पर गई थी, तो इसका कारण बताते हुए यह नहीं कहा कि ऐसा उसने इसलिए किया था कि नगर भर मे यह अफवाह फैली हुई थी कि अब्राहम लिकन फिर घर नही आया।

टाड-परिवार के पास इस पराजय को छिपाने का कोई साधन नही था जिसके बारे मे हर किसीको पता था।

यह भी भाग्य की विडम्बना थी कि पहली बार उसकी आय मे काफी वृद्धि हुई थी, जिससे वे सुखद जीवन बिता सकते थे। किन्तु इस निराशा का क्या कारण था, क्यो वह ऐसे पित्तोन्माद मे ग्रस्त हो गया था जिसे आराम, अच्छे भोजन, सुखद शयन और वित्तीय सुरक्षा से भी दूर नही किया जा सकता था ?

जब मेरी रसोईघर मे काम कर रही थी, अब्राहम ने कुर्सी को दीवार के साथ लगा लिया। उसके पाव कुर्सी के निचले डडे पर जमे हुए थे और हाथ दोनो घुटनो के गिर्द पडे हुए थे। आखो मे उदासी छाई हुई थी और वह विषाद की प्रतिमा बना बैठा था। इस प्रकार वह घटो विचारो मे खोया रहता था और अपनी तल्लीनता मे कोई बाधा पसद नही करता था। तब अकस्मात् वह अपने सिर को पीछे की ओर करके एक कहानी सुना देता था। कभी-कभी वह अकस्मात् कुर्सी से उठ खडा होता था और कमरे से बाहर चला जाता या.... घर से ही बाहर चला जाता था।

अब मेरी उसे घर पर बहुत कम पाती थी। रविवार को भी वह दफ्तर मे बैठा शतरज खेलता रहता था और घर उस समय आता जब वह राबर्ट द्वारा उसे यह सदेश भेजती कि खाना तैयार हो गया है। मेरी भी इसका विरोध न करती थी क्योकि उसकी अनुपस्थिति को ही मेरी उसकी उपस्थिति की अपेक्षा अधिक अच्छी तरह समझती थी। जब वह दिन भर के बाद घर आता तो चार-चार घटे अगीठी के सामने प्रस्तर-मूर्ति की तरह मौन बैठा रहता, उसका सिर सीने पर झुका रहता और वह इस प्रकार निश्चल होता था जैसे उसके प्राण सूख गए हो। उसके मुह से एक शब्द भी न निकलता था। वह निश्चेष्ट-सा रहा करता था। उसका जीवन इतना बुझा हुआ सा दिखाई नही देता था कि कमरे मे आने पर मेरी उसके अस्तित्व को भी अनुभव न कर पाती थी। मेरी यह न जान सकी कि वह अपनी चुप्पी के लम्बे क्षणो मे किन बातो के बारे मे सोचा करता था अथवा केवल गहन अवसाद मे खो जाता था।

जब सोने का समय होता, तो वह अपनी पुस्तक अथवा सिलाई के काम को रख देती थी किन्तु लिंकन रात भर बत्ती जलाए रखता, और या तो बर्नस की रचना या हर्नडन से उधार ली हुई दर्शन की पुस्तक, निराशा भरी कविताए 'होम्स लास्ट लीफ', 'मारटेलिटी' अथवा चाइल्ड हेरेल्ड-सम्बन्धी बाइरन के काव्य पढता रहता था। मेरी सोचती थी कि किसी ऐसे व्यक्ति के साथ एक ही बिस्तर मे रात कैसे गुजारी जा सकती है, जो समीप होते हुए भी हजारो मील दूर हो।

एक दिन प्रात मेरी को एक विचित्र शोर ने जगा दिया। अब्राहम बिस्तर के किनारे बैठा कुछ बुडबुडा रहा था। मेरी ने बहुत ध्यानपूर्वक सुना किन्तु उसकी कुछ समझ मे नही आया। कुछ देर बाद वह बिस्तर से उठा, पतलून पहनी, जुराब और कमीज़ पहनी और अगीठी के सामने कुर्सी पर जा बैठा तथा ठडी अगीठी मे दृष्टि गडाए बैठा रहा। मेरी ने अपना मुह सिरहाने मे छुपा लिया। उस का दिल ज़ोर-जोर से धडक रहा था।

वह मन ही मन चीख उठी—आखिर क्यो ? हमारी हार इतनी बडी तो नही थी ? हमारा अत तो हमे दिखाई नही दिया ? हमने कोई अक्षम्य अपराध नही किया।

जिस दर्द मे मेरी ने वे बीस मास गुजारे थे जब अब्राहम उसे छोडकर चला गया था, अब फिर उसका अग-अग उसी दर्द से कराह रहा था। अब उसका पति था, दो बच्चे थे, घर था, किन्तु उसका दुख पहले से कही अधिक गहन था। आने वाली विपत्ति का भय कही अधिक था। उस समय तो वह एक नव-युवती थी और उसे केवल यह भय था कि वह अपने प्रेमी को खो बैठेगी। किन्तु अब तो वह उसकी हो चुकी थी। यदि अब वह पति का प्रेम खो बैठी तो उसका जीवन ही विनष्ट हो जाएगा।

गर्मी के इस मौसम मे उन पुराने दिनो की सी घुटन थी। तब से उसके जीवन के ग्यारह वर्ष बीत चुके थे। अब के जीवन की अनेक थकाने, विपत्तियो की अनेक चोटे, एडवर्ड की मृत्यु, सार्वजनिक जीवन और आकाक्षाओ का अन्त ये सब ऐसी बाते थी कि अब वह कम्बल ओढकर अपने आपको जगत् से छुपा लेने का प्रयत्न नही कर सकती थी। अब्राहम जान-बूझकर उसके प्रति दयाहीन नही बन गया था, वह कभी-कभी भार-वहन मे मेरी की सहायता भी करता था, किन्तु उसका मूल भार तो अब्राहम स्वय था जिसके बारे मे वह खुद

कुछ न कर पाता था। इस असह्य भार तले पिस जाने से वह कैसे बच सकती थी ?

मेरी ने अत्यधिक निराशा मे अपना सिर हिला दिया। जो व्यक्ति उसे सगाई तथा विवाह के दिन छोडकर जा सका था क्या उससे इस व्यवहार की आशा नही की जा सकती थी ? ऐसे व्यक्ति के जीवन मे ऐसे क्षण अवश्य आते होगे जब वह उन परिस्थितियो को स्वीकार नही करता होगा जिनमे वह फस चुका होता और फिर उन्मादग्रस्त हो जाता होगा। मेरी ने कल्पना की कि उस की विपत्तियो का कारण विवाह के सम्बन्ध मे लिकन का भय था, किन्तु किसी भी व्यक्ति की प्रकृति मे परिवर्तन नही होता। जब व्यक्ति मे अपने अन्दर के विषाद मे ही खो जाने की इच्छा होती है, तो भाग्य के उतार-चढाव वैसी परिस्थितिया पैदा कर देते है।

यद्यपि वह इस बात की गहराई तक नही पहुच सकी कि वह अपने साथ यह सब क्यो कर रहा है, किन्तु उसे यह निश्चय अवश्य था कि लिकन बहुत बडी विपत्ति मे फस गया है और न ही उसके हृदय मे उसके प्रति सहानुभूति हीन हुई थी। अभी उनमे यौवन था, शक्ति थी और योग्यता थी, तो फिर उसने इस काल को अपने विवाहित जीवन का सबसे अधिक दु खद काल क्यो बना दिया था और वह भी इस कारण कि वे किसी क्षणिक विपत्ति मे फस गए थे ? उसे इस बात की चिन्ता नही थी कि उसे कितनी देर प्रतीक्षा करनी पडेगी, किन्तु बिना किसी लक्ष्य के कोई योजना बनाना या कार्य करना···जीवित मृत्यु के समान था।

मेरी को इससे भी अधिक सात्वना नही मिलती थी कि उसका व्यवहार शेष जगत् के प्रति भी वैसा ही था जैसा कि अपनी पत्नी के प्रति। गली मे अपने मित्रो की ओर देखते हुए भी उसकी दृष्टि कही और ही होती थी। हाथ मिलाते हुए भी वह ऐसे खोया रहता था कि वह भी नही जानता था कि किससे हाथ मिला रहा है। न्यायालय मे भी वह ऐसे रहता मानो एकान्त मे बैठा हो।

विवाह के प्रारम्भिक दिनो मे जब कभी लिकन उदास होता था, वह उसकी उदासी दूर करने के लिए भरसक प्रयत्न किया करती थी, अर्थात् घर मे प्रसन्नता का वातावरण रखती थी, स्वय प्रसन्न बदन रहती थी, विशेष भोजन तैयार करती थी अर्थात् आलू की टिकिया आदि जो अब्राहम को बहुत पसद थी या चाइना गुलदान या तसवीर खरीद लाती थी। अब मेरी मे उसे प्रसन्न रखने की क्षमता

न रही थी। जब वह अटूट चुप्पी को सहन न कर सकती तो लिंकन को कुछ बुरा-भला कह बैठती और फिर वह बिना कुछ कहे बाहर चला जाता और सारा दिन घर न आता।

एक दिन जब मेरी बहुत घबरा गई तो लिंकन ने रुक्षता के साथ कहा, 'मेरी, कभी-कभी तो तुम इस घर के वातावरण को असह्य बना देती हो।'

'इस घर को मैं असह्य बना देती हू ?' वह चिल्लाई, 'तुम क्या समझते हो कि तुम्हारी आकर्षक चुप्पी इस घर की प्रसन्नता मे वृद्धि कर रही है ?'

उनके घर मे एक नीरसता-सी छायी रहती थी। अब्राहम की चुप्पी और उसकी अपनी रुक्षता के कारण वातावरण मे भारीपन रहता था, बीच मे कभी कुछ क्षण के लिए उन्हे शान्ति मिलती थी। जब घोर एकाकीपन मे उन्हे एक दूसरे की इतनी अधिक आवश्यकता होती थी कि भाग्य द्वारा पैदा किया गया अन्तर तथा बाधाए भी टिक नही सकती थी, किन्तु वे क्षण भी शीघ्र अधकार की गहराइयो मे खो जाते थे तथा उन्हे फिर पाना कठिन हो जाता था और जब सूर्य का उदय हो जाता तो जीवन की समस्याए उन्हे फिर आ घेरती थी।

मेरी जानती थी कि वह अपने तेज़ स्वभाव के कारण अपने आपको दुख पहुचा रही है, किन्तु उसे अब अपने ऊपर काबू न रहा था। उसके मन पर यह भी एक भारी बोझ था कि वह जानती थी कि लिंकन का प्यार पाने के लिए हर्नडन और उसके बीच वर्षो से चली आती हुई प्रतिस्पर्धा मे वह हार गई थी। पहले-पहल लिंकन दफ्तर मे कम से कम समय लगाया करता था और अब वह घर से भागकर उस व्यक्ति के पास जाकर समय बिताता था जिसे वह प्यार के रूप मे बिली कहकर पुकारता था। क्या लिंकन को वकालत मे अपने साझेदार से ही शान्ति मिलती थी ? सभवत उसके सग ही उसे प्रसन्नता मिलती थी।

जीवन के इस अनुभव ने उसे खिन्न कर दिया था। वह अत्यधिक गभीर हो गई थी। वह अपने मन से पूछने लगी, मैं कितने दिन जीवित रह सकूगी। यदि मुझे नष्ट ही होना है तो क्यो न वह एक महान् दुःखद घटना हो जिसमे मैं महान् अथवा श्रेष्ठ लक्ष्य के लिए अपनी समस्त खुशियो को बलिदान कर दू ? किन्तु रसोई के मौन मे घुलते रहना या बैठक मे बैठे हुए किसी भ्रम का शिकार होकर मन ही मन रोना, शयनागार मे किसी बात पर झगड पडना, यह जीवन

को व्यर्थ गवाने का कितना भयानक ढग है ! इस तरह कितनी अपमानजनक मृत्यु होगी !

५६

मेरी के पुराने प्रशसक एडविन वेब को व्हिग पार्टी ने गवर्नर-पद के लिए उम्मीदवार बना दिया। मेरी ने घोषणा की कि वह उसकी सहायता करेगी क्योकि ऐसी निराशाजनक परिस्थितियो मे मुकाबला करने के उसके दृढ सकल्प की वह प्रशसा करती थी। हेनरी क्ले की मृत्यु हो गई और सारा टाड-परिवार तथा स्प्रिगफील्ड शोकमग्न हो गया। क्ले के अन्त्येष्टि सस्कार के अवसर पर सभा के लिए सभापति अब्राहम को चुना गया। जब वे रस्म के लिए तैयार हो रहे थे तो, लिकन ने कहा कि हेनरी क्ले ने १८५० के समझौते का पक्ष लेते हुए अपना अन्तिम वीरतापूर्ण कार्य किया था, अन्यथा मै अनुमान करता हू कि क्ले की निजी आकाक्षाए ऐसी थी जिनसे व्हिग पार्टी विनष्ट हो जाती।

जब १६ जून, १८५२ को डेमोक्रेटिक दल द्वारा राष्ट्रपति-पद के नाम-निर्देशन के चुनाव मे न्यू हैम्पशायर के एक अज्ञात राजनीतिज्ञ फ्रैकलिन पियर्स ने स्टीफेन डगलस को हरा दिया तो लिकन ने दृष्टि उठाकर मेरी की ओर इस प्रकार देखा मानो उसे कुछ शान्ति मिली थी। बाद मे जब अब्राहम ने डगलस का चुनाव-आन्दोलन-सम्बन्धी प्रथम भाषण पढा तो उसका चेहरा रक्तिम हो गया और फिर तत्क्षण फीका पड गया। अत जब मेरी को पता लगा कि वह स्काट क्लब मे, जिसका नाम व्हिग पार्टी द्वारा नामनिर्दिष्ट जेनरल विनफील्ड स्काट के नाम पर रखा गया था, डगलस के भाषण का उत्तर दे रहा है, तो मेरी को आश्चर्य नही हुआ। उसने अपना भाषण घर पर नही लिखा। मेरी को यह भी पता नही था कि लिकन उसे अपने साथ ले जाना चाहेगा अथवा नही, किन्तु जब वह बैठक मे आया और बोला, 'क्या तुमने अभी तक वस्त्र नही पहने ?' तो मेरी ने इसे स्पष्ट निमत्रण समझा और यथाशीघ्र गहरे नीले रग के वस्त्र पहन लिए।

न्यायालय-भवन मे मोमबत्तियो की मद्धिम रोशनी फैली हुई थी। मेरी अपने चचेरे भाई लोगन-सहित एक पिछली कतार मे जा बैठी और पखा हिलाने लगी। अब्राहम ने मच पर आकर सबसे पहले यह कहा, 'यहा बोलने का अवसर प्राप्त करने के लिए मैने स्वय प्रार्थना की थी।

'जब मैने सबसे पहले रिचमाड वाला स्टीफेन डगलस का भाषण पढा तो मुझे उस समय की याद आ गई, जब वह हम सबकी अपेक्षा इतना बडा नही बना था जितना कि अब है। यह स्वीकार करते हुए कि उसके पुराने भाषणो की तरह ही इस भाषण मे भी ऊल-जलूल बाते थी और इसमे कोई अधिक योग्यता की बात नही थी, मेरे मन मे उसके भाषण का उत्तर देने की प्रबल आकाक्षा पैदा हुई '

यह पहला अवसर था कि मेरी ने लिकन को शिकायतभरे ढग से बाते करते सुना। डगलस का भाषण पढते समय जब अब्राहम के चेहरे पर उतार-चढाव पैदा हुए थे, तो मेरी ने उसे देखकर भाप लिया था कि वह ईर्ष्या की आग मे जल रहा है, अब उसके भाषण से यह बात और भी पुष्ट हो गई थी। उसने देखा कि भाषण का अधिक भाग नीरस और तारतम्यहीन है। जब उसने हास-परिहास पैदा करने के लिए अपनी आवाज़ को बदला तो उसकी कहानिया परिहासहीन थी और उनसे भद्दी रुचि का परिचय मिलता था। मेरी वहा बैठी हुई अपमान अनुभव कर रही थी। प्रारम्भिक दिनो मे भी जब लिकन के लिए अपनी भावाभिव्यक्ति भी कठिन थी, तब भी मेरी ने उसे इतना भद्दा भाषण देते हुए नही सुना था।

गर्मी का मौसम उबलते कडाहे के समान था। घर की चारदीवारी से भी उदासी टपकती थी। मेरी ने अनुभव किया कि एक वर्ष पूर्व वह जिन बातो की उपेक्षा कर सकती थी, अब उनपर भी भडक उठती थी। उसने उस व्यक्ति से झगडा कर डाला जो वाटसन की बर्फ की गाड़ी हाकता था। कारण यह था कि मेरी को विश्वास हो गया था कि वह उसे बर्फ के छोटे टुकडे देता था जबकि उससे पैसे अधिक ले लेता था। वह एक बूढे पुर्तगाली बागवान से भी झगड पडी, जो सारी गर्मिया २५ सेट के पूर्व निश्चित भाव पर आलूचे उसे लाकर देता रहा था, किन्तु अन्त मे उसने ऐसे सख्त और छोटे आलूचे लाकर दिए कि मेरी ने सोचा कि एक टोकरी के लिए दस या पद्रह सेट काफी थे। उसने

आइरिश लडकी केटी का वेतन प्रति सप्ताह सवा डालर से बढाकर डेढ डालर करने से इन्कार कर दिया, जिसपर लडकी ने काम छोड दिया। थोडी देर बाद मेरी ने देखा कि केटी और अब्राहम मकान के पिछले बरामदे मे परस्पर कुछ बातचीत कर रहे है।

लिकन के लौटने पर मेरी ने पूछा, 'क्या मै जान सकती हू कि तुम क्या कानाफूसी कर रहे थे ?'

'मैंने केटी को काम करने रहने के लिए मना लिया है।'

अगले शनिवार की रात को जब मेरी ने केटी को सप्ताह का वेतन सवा डालर दिया तो उसके पश्चात् वह दबे पाव रसोईघर मे पहुची और वहा उसने देखा कि अब्राहम ने उस लडकी को कुछ पैसे दिए और फिर उसके कन्धे पर थपकी दी। मेरी वापस बैठक मे चली गई और अब्राहम के वापस आने की प्रतीक्षा करने लगी।

'तुमने केटी को क्या दिया है ?'

'एक चौथाई डालर।'

'वह क्यो ?'

'इस तरह वह काम छोडकर नही जाएगी, गर्मी इतनी अधिक है कि तुम्हे अधिक भारी काम नही करना चाहिए।'

'मेरे पीछे नौकरो को उकसाने का तुम्हे कोई अधिकार नही है। यह कोई आश्चर्य की बात नही कि वह मेरा मजाक उडाती रही हो।'

'नही, वह तुम पर व्यग्य नही कर रही—बात केवल इतनी है कि वह जितनी आय का अपने आपको अधिकारी समझती है, उसे पाकर वह प्रसन्न है।'

'इस घर के लिए नौकरो को मैं रखती हू और मैं जानती हू कि वे कितने वेतन के पात्र है। आप कृपया केटी के घर जाए और उससे कह आए कि मुझे उसकी सेवा की आवश्यकता नही।'

मेरी प्रात· से लेकर साय तक घर के हजारो कामो मे व्यस्त रहती थी, किन्तु अब्राहम को उसके उत्तरदायित्वो का आभास कराना कठिन था। लकडी का बक्स प्राय· खाली रहता था और मेरी को चीखना-चिल्लाना पडता था, 'घर मे लकडिया नही, आग कैसे जलेगी ?' और वह यही आशा लगाए बैठी थी कि आखिर लिकन का आलस्य समाप्त हो जाएगा। एक दिन जब मेरी को शाम

का खाना तैयार करना था और लिकन दीवार के साथ कुर्सी लगाए हुए बैठा था और मेरी द्वारा ईधन लाने की प्रार्थना करने पर भी उसने कोई परवाह न की, मेरी ने आखिरी बची हुई लकडी अगीठी से निकाली और घुमाकर दे मारी, जो सीधी उसकी नाक पर जाकर लगी। नाक जख्मी हो गई। मेरी उसपर मरहम लगाती हुई क्षमा-प्रार्थना करती रही। अगले दिन यह कहानी नगर भर मे फैल गई। मेरी को विश्वास था कि यह काम हर्नेडन का है। उसीने यह बात फैलाई है। किन्तु वह ऐसा नही कर सकता था, यदि अब्राहम ने उसे यह घरेलू घटना न बता दी होती।

मेरी को यह भी पता लग गया कि लोग अब्राहम की अप्रसन्नता के लिए मेरी पर आरोप लगा रहे थे। लिकन के मित्र कहा करते थे, 'बेचारे लिंकन ने मेरी टाड से विवाह किया था।' मेरी उत्तर मे यह बात कैसे कह सकती थी कि लिंकन अपने ही जीवन की उपेक्षा करने लगा था क्योकि उसकी आकाक्षाएं विफल हो गई थी और भविष्य सारहीन दिखाई देता था। सिवाय जीविकोपार्जन के और कोई लक्ष्य शेष नही रहा था और जीविकोपार्जन भी वह ऐसी वृत्ति द्वारा कर रहा था, जिसमे उसे आनन्द की प्राप्ति नही होती थी। यदि लोगो को पूरे तथ्य ज्ञान होते, यदि उन्हे लिंकन के साथ जीवन बिताना पडता, तो क्या वह यह न कहते, 'अभागी मेरी टाड ने विवाह किया तो अब्राहम लिंकन से ?' ऐसे लोग भी थे जो अब्राहम को उदासी मे खोए हुए गली से गुजरते हुए देखा करते थे और वे जानते थे कि मेरी पर क्या बीत रही है। उसके कुछ मित्र और सहायक भी थे और बुरा चाहने वाले लोग भी थे।

दौरे के न्यायालय के लिए प्रस्थान से दो दिन पूर्व मेरी को पता लगा कि वह पुन. गर्भवती हो गई है। उसने इस बात को बडे त्रसित भाव से स्वीकार किया। वह सोचने लगी कि वह अपने परस्पर विरोधो का इतना बडा बोझ कैसे सहन करेगी ? सम्भवत., यदि वह यह बात अब्राहम को बतादे तो वह आत्म-लीनता से मुक्त हो सके और लिंकन यह जानकर कि जब विलियम होने वाला था तो मेरी को कितना कष्ट करना पडा था, घर जल्दी-जल्दी आना आरम्भ कर दे। सभवत., इस समाचार से उनके परस्पर-व्यवहार मे कुछ अन्तर आ जाए !

किन्तु मेरी दया की भिक्षा नही मागना चाहती थी, न ही उसका गर्व उसे यह करने देता था कि वह कोई लाभ प्राप्त करने के लिए अपनी स्थिति को

उपयोग मे लाए। उसने सोचा कि वह अपने मुह से एक शब्द भी न निकालेगी और जब वह वापस आएगा तो स्वय उसकी हालत देख लेगा।

अगली सुबह जब मेरी उठी तो उसका जी मिचला रहा था। अभी उसने पिछला बरामदा भी साफ नही किया था कि अब्राहम ने उसे देख लिया और उसके पीछे खडे होकर सहानुभूतिपूर्वक पूछने लगा :

'मेरी, तुम किस कारण बीमार हो गई हो ?'

मेरी ने कोई उत्तर नही दिया, उसके हाथ काप रहे थे। सुबह के सूर्य की रश्मियो मे उसका चेहरा पीला पड गया था। लिंकन बहुत देर तक उसकी ओर देखता रहा और फिर बोला :

'मेरी, क्या तुम·· क्या और बच्चा होने वाला है ?'

मेरी ने सिर हिला दिया। लिंकन उसके सामने घुटनो पर झुक गया और उसके गालो को अगुलियो से छूते हुए एक क्षण बाद बोला :

'मैने वचन दे रखा है कि अगले सप्ताह पियोरिया से पेकिन जाऊगा और अगले सप्ताह के अन्त मे ब्लूमिगटन मे मुझे काम देखना है, किन्तु दूसरे सप्ताह मे यह जानने के लिए कि तुम ठीक-ठाक हो, मैं घोडे पर आ सकता हू।'

मेरी उठी। बाल्टी मे कुछ ठण्डा पानी डाला और उससे अपना मुह धोया तथा बालो को गीला किया और कहने लगी :

'मैं ठीक हो जाऊगी, तुम्हारे नाश्ते के लिए क्या तैयार करू ?'

लिंकन ने उसके प्रश्न को नही सुना था।

'कुछ भी हो, मैं एक मास से कुछ अधिक समय मे अवश्य घर आ जाऊगा। स्टीफेन डगलस फ्रैंकलिन पियर्स के पक्ष मे यहा न्यायालय-भवन मे एक भाषण दे रहा है और मुझे उसका उत्तर देना होगा।'

मेरी ने सोचा, ऐसा दिखाई देता है कि स्टीफेन डगलस ही एक ऐसा व्यक्ति है जो उसकी मानसिक शक्तियो को जगा सकता है ·· ··· और उसे दौरे मे वापस घर ला सकता है।

उसने अपना होठ काट लिया और कुछ नही बोली। लिंकन के नाश्ते के लिए अडे तथा मसाले तैयार किए।

मेरी का अनायास ही कुछ कर लेने का स्वभाव नही था, उसे लोगो को

खाने-पीने के लिए बुलाना अच्छा लगता था, किन्तु यह तभी जब निश्चित समय पर खाना तैयार हो, अतिथियो के स्वागत के लिए घर सजा हो और उसने स्वय सुन्दर वस्त्र पहने हो। वह कभी भी अपने मित्रो को अकस्मात् मिलने के लिए आने के हेतु प्रोत्साहन नही देती थी, अतः वह प्राय एकाकी रहती थी।

एलेजा फ्रासिस उसे मिलने के लिए आई। वह उसकी उदासी दूर करने के लिए नही आई थी किन्तु सामूहिक कठिनाइयो के सम्बन्ध मे दु ख बटाने के लिए आई थी, क्योकि स्प्रिङ्गफील्ड मे लिंकन के बाद अगर कोई दूसरा व्यक्ति अत्यधिक निराश हुआ था, तो वह साइमन फ्रासिस था। व्हिग पार्टी मे फूट पैदा हो जाने पर तथा इलीनाइस मे व्हिग पार्टी की निरन्तर हार होने पर साइमन को ज्यो-त्यो करके जनरल को चलाते रहना पडा और धीरे-धीरे जनरल रजिस्टर पत्र की तुलना मे बहुत निम्नकोटि का हो गया था और अब इसमे केवल कृषि-सम्बन्धी कुछ समाचार हुआ करते थे। साइमन चाहता था कि वह बाग तैयार करे जिसमे पौधे लगाया करे क्योकि 'धुध या तूफान से पौधे नष्ट तो हो सकते है किन्तु वार्षिक चुनाव से उनपर आघात नही हो सकता।' किन्तु उसके समाचारपत्र का ग्राहक कोई नही था।

जब मेरी और एलेज़ा कमरे मे उदास मन बैठी काफी पी रही थी, तो मेरी सोचने लगी कि क्या अब्राहम और साइमन के साथ भी ऐसी ही बात हुई है, जो प्राय प्रत्येक ऐसे व्यक्ति के साथ हुआ करती है, जो अधेड आयु का होने पर यह देखता है कि उसकी आकाक्षाए फलीभूत नही हो सकती ?

अब्राहम की आयु अभी तैतालीस की ही थी किन्तु उसे सभी लोग बूढा एब कहकर पुकारा करते थे। मेरी के पिता जब अट्ठावन वर्ष के थे, तो वे केन्टुकी विधान-सभा के सदस्य थे, बैठक के प्रधान थे और कई मिलो और अन्य कारोबार के प्रमुख थे तथा जीवन की अच्छी वस्तुओ के प्रति उन्हे प्रेम था।

इस दृष्टि से मेरी तैतीस वर्ष की आयु मे भी अपने आपको युवा समझती थी। अब्राहम पर उसे अटूट विश्वास था, इसी विश्वास के कारण इसने उससे प्रेम किया था और धैर्यपूर्वक वर्षों तक कष्टो को सहन किया था, किन्तु न जाने अब्राहम की अपनी आवश्यकताओ के अनुकूल ऐसे क्या कारण थे जिनसे प्रेरित लिंकन 'डाटे' के पाताल लोक से होता हुआ और नीचे गहरी खाई मे धसता जा रहा था, जहा उसकी अन्तिम आकाक्षाए खाई की

सख्त चट्टानो पर चूर-चूर हो जाएगी। ज्यो-ज्यो उसका भविष्य अधकारमय होता जा रहा था, वह मेरी से दूर होता जाता था। लिकन का यह उपेक्षाभाव मेरी के लिए कष्टदायी था। लिकन ने जो कुछ भी किया है अपने आप ही किया है, इसलिए मेरी सोचती थी कि उसमे उसका कोई दायित्व नही।

मेरी ने ससार के 'रोमाटिक' साहित्य का खूब अध्ययन किया था अत वह समझती थी कि जब किसी पुरुष को बाहर जगत् मे निराशाओ का सामना करना पडता है तो वह सात्वना और नई शक्ति प्राप्त करने के लिए अपनी प्रेयसी का सहारा लेता है किन्तु जब व्यक्ति जीवन से ही निराश हो जाता है तो क्या उसमे प्रेम की भावना भी विनष्ट हो जाती है ?

मेरी इस विश्वास को लेकर बडी हुई थी कि विवाह एक ऐसी ऊची चट्टान है, जहा दम्पति प्रेम के सहारे तूफान के थपेडो से सुरक्षित रह सकता है। उसके लिए विवाह आश्रय था न कि कोई दण्ड। प्रेम विफलता की कटुता को दूर कर सकता है, जीवन को एक स्थायी अर्थ प्रदान कर सकता है। जब यौवन की उमगे और आकाक्षाए विनष्ट हो जाती है, उस समय जीवन को प्रिय बना सकता है।

एक शाम को उसकी बहन एन, जो हाल ही मे अपने पति क्लार्क स्मिथ के साथ स्प्रिङ्गफील्ड मे आई थी, लिकन के घर आई। उसका छोटा और भारी शरीर एट्थ स्ट्रीट मे इस तरह चला आ रहा था जैसे वह प्रत्येक सकटपूर्ण क्षण को बचाने का प्रयत्न कर रहा हो।

'एन, तुम तो हाफ रही हो ? अवश्य कोई अच्छा समाचार लाई होगी।'

'अच्छा होता जो मै कोई शुभ समाचार ला सकती, किन्तु पत्नी की सदा ऐसी स्थिति होती है कि उसे प्रत्येक समाचार का पता सबसे अन्त मे लगता है।'

मेरी के घुटने जवाब देने लगे।

'बुरा समाचार सुनाने से पूर्व क्या तुम काफी का प्याला पीना चाहोगी, ताकि कुछ ढारस मिले ?'

'.. .. बात यह है कि न्यूहाल घराने की एक गायिका है, लुइस हिलिस पता चला है कि अब्राहम उसके प्रत्येक सगीत-आयोजन पर जाता है और जाता भी अकेला है तथा चचेरे भाई स्टुअर्ट तथा अपने मित्रो के साथ वहा नही बैठता।'

'ऐसी मनोरंजन सभाओ मे वह सदा अकेले रहना ही पसन्द करता है।'

'खैर, हो सकता है, किन्तु यह कहानी वह नही है जो क्लार्क ने आज प्रात: अपनी दुकान मे सुनी थी। यह पता चला है कि दौरे के न्यायालय मे प्रत्येक व्यक्ति ने इस बात को भाप लिया है और तुम्हारे पति को चेतावनी दे दी है कि वह इस विपत्ति मे न फसे· '

'एन, ईश्वर के लिए यह बात मत कहो।'

'सुना गया है कि पिछले सप्ताह वे दोनो एक ही होटल मे ठहरे थे और लिंकन ने श्रीमती हिलिस से निवेदन किया था कि वह उसके प्रिय गीत सुनाए और उसने सुनाए भी और फिर उसने लिकन से कहा था कि वह उसका कुछ मनोरजन कराए, जिसपर लिकन ने वह पूरी की पूरी कविता सुना दी थी जिसमे कहा गया है कि नश्वर प्राणी की आत्मा गर्व क्यो करे ? जब कविता समाप्त हुई तो लुइस हिलिस अब्राहम के पास गई और बोली कि कितनी सुन्दर थी वह कविता ! और साथ ही उसने कविता की प्रति मागी। अब्राहम ने कहा कि केवल वही एक ऐसी स्त्री है जिसने उसकी ऐसी प्रशसा की है। तब जज डेविस ने कहा था—क्यो लिकन मै तो समझता था कि तुम्हे सभी स्त्रिया पसन्द करती है।—और इसपर सभी लोग ठहाका मारकर हस पडे थे।'

मेरी का हृदय जल उठा। क्या उसने उससे प्रेम करके तथा उससे विवाह करके उसकी सराहना नही की थी ? एन ने जब यह देखा कि वह आग लगा चुकी है तो वह अपनी कुर्सी को आगे खीचती हुई बोली :

'जिस वकील ने यह बात क्लार्क को बताई है वह अगली सुबह पौ फटने से पहले ही जाग पडा था और जब वह खाने के कमरे मे गया तो उसने देखा कि अब्राहम श्रीमती हिलिस की कुर्सी के पीछे खडा था और वह उस कविता को पढ रही थी जो लिकन ने उसे लिखकर दी थी। अब तुम इसके बारे मे क्या सोचती हो ?'

मेरी को हलका-सा आभास हुआ कि एन उसके किस विचार को पसद करेगी अत. उसने उपेक्षा-भाव से उत्तर दिया, 'अब्राहम दौरे मे अधिक नही सोता। मुझे विश्वास है कि वह कविता लिखने मे उसे अवश्य आनन्द की अनुभूति हुई होगी। पुरुष कहते हैं कि स्त्रिया बहुत गप्पे मारती है। यदि उस वकील ने

क्लार्क को गप्प न सुनाई होती और फिर वही गप्प क्लार्क ने तुमसे न कही होती तो क्या तुम इस अफवाह को लिए हुए इस तरह यहा भागी आती ?'

मेरी अपनी बहन को खाने-पीने के लिए काफी और केक ही देती रही। किन्तु जब वह चली गई तो वह बिस्तर पर औधे मुह गिर पडी और ज़ोर-ज़ोर से हाफने लगी। वह सोचने लगी कि इस बात पर विश्वास नही किया जा सकता ·· वह इसके लिए यातना नही अनुभव करेगी न ही ईर्ष्या की आग मे जलेगी।

किन्तु अगली सुबह उसकी स्थिति इतनी दु खित थी कि उसका शरीर अशक्त हो गया था और वह बडी कठिनाई से बिस्तर से बाहर निकली। उसने राबर्ट को फ्रासेस के घर यह कहला भेजा कि डाक्टर वालैस उससे मिलकर औषधालय जाए। जब वह आया तो मेरी ने गत दो वर्षो की दु खद कहानी उसे सुना दी ·

'विलियम, मेरी सहनशक्ति इतनी क्षीण क्यो हो गई है ? मैं इतनी दुःखी क्यो हो जाती हू, जबकि अन्य लोगो की पत्निया इतना ही अपितु इससे भी अधिक दु ख सहन कर सकती हैं और अपने आपको सयत रखती हैं ?'

विलियम ने नरम आवाज़ मे कहा, 'ऐसा केवल दिखाई देता है। तुम दूसरी स्त्रियो के दु ख को इनना नही जानती जितना कि अपने दु·ख को जानती हो। तुम्हारे दु ख के भार को ध्यान मे रखते हुए और यह विचार करते हुए कि वह दु ख कितना असहनीय है, मै यह कहना चाहता हू कि तुम भली प्रकार इसे सहन कर रही हो।'

मेरी ने कोहनियो पर जोर देकर अपने चेहरे को ऊपर उठाने हुए विलियम की ओर इस प्रकार देखा जैसे उसपर अविश्वास कर रही हो।

'विलियम, क्या तुम सचमुच ऐसा सोचते हो ?' मेरी की आवाज तेज़ हो गई, 'मैं तो अपने आपसे घृणा किया करती हू कि मैं इतनी दुर्बल हू।'

'नही, मैं समझता हू तुम सुदृढ हो, तुम्हे बहुत कठिनाइयो का सामना करना पड रहा है और मैं जानता हू कि तुम कितनी कठिन परीक्षा मे से गुज़र रही हो।'

'ओह विलियम, कितना अच्छा होता कि मुझमे कुछ स्थिरता होती !'

'तब तुम मेरी टाड लिंकन न होती, अपितु कोई दूसरी ही व्यक्ति होती— ऐसी, जो तुमको भी अच्छी न लगती। मैने हाल ही मे प्रजनन-विज्ञान के बारे

मे कुछ पढा है। वह वंश-परम्परा-सम्बन्धी विज्ञान है। इस विज्ञान की सहायता से अपने आपको अधिक अच्छी तरह समझ सकती हो, यदि तुम यह अनुभव कर लो कि तुम्हे उत्तेजित स्वभाव प्राप्त करने का सुअवसर नही मिला, तुम्हारे माता और पिता दूर के नाते से चचेरे भाई-बहन थे और तुम्हारी नानी पारकर ने अपने चचेरे भाई से विवाह किया था।'

'मै जानती हू कि बाइबल मे चचेरे भाई-बहन के विवाह का निषेध है किन्तु मै तो सदा यह समझती थी कि इसका सम्बन्ध नैतिकता से है।'

'इसका सम्बन्ध रक्त से है। यदि दो भिन्न प्रकार के रक्त परस्पर मिल जाए तो उनकी शक्तिया और दुर्बलताए परस्पर विलीन हो जाती है। यदि तुम्हारे माता-पिता और दादा-दादी सुदृढ व्यक्तित्व के हो तो सभवत. तुम इतने निर्भाव व्यक्ति होगे कि तुम्हारे मन मे भावुकता का उदय ही नही होगा। किन्तु यदि उनमे कुछ भावुकता थी तो तुम देखोगे कि उससे तुम्हारी भावुकता कितनी अधिक बढ जाती है।'

मेरी ने सिर हिलाकर सूचित किया कि वह बात को समझ रही है।

'विलियम, अब तो ऐसा लगता है कि ये बुरे दिन है। जैसा हमारे विवाह से पूर्व बीस मास का समय आया था, यह समय भी कुछ ऐसा ही दिखाई देता है।'

विलियम ने अपने नीचे के होठ को दातो से दबाया और उसकी दृष्टि मे मेरी के प्रति विरोध का भाव झलक उठा।

'जब अब्राहम बीस मास तक तुमसे दूर चला गया था तो तुमने उस यातना को भी पार कर लिया था, इससे मेरा यह अभिप्राय नही कि यह सब सहन कर तुम जीवित रही थी, वरन् यह है कि तुमने अपने प्रेम और निष्ठा को भी जीवित रखा था। जो भी स्त्री उन परिस्थितियो को सहन करने की दृढता और क्षमता रखती हो उसका अपने पति की क्षणिक अस्थिरता से कोई बिगाड नही हो सकता।'

'नही विलियम, यदि वह अस्थिरता क्षणिक हो तब तो नही, यदि वह केवल अस्थिरता हो तो भी नही, किन्तु यदि यह दृढ हो तब ?'

'कुछ भी तो स्थायी नही है, प्रत्येक पल परिस्थितिया अपने को बदलती रहती हैं। चिन्ता अथवा दु खो की कोई औषध नही है। मेरी, तुम अब बिस्तर

से निकलो और अपने काम-काज मे लग जाओ और इसे तब तक करती रहो, जब तक कि शेक्सपियर के कथनानुसार दुर्भाग्य के तीर और चोटे स्वय आघात करना बन्द न कर दे ।'

मेरी ने वैसा ही किया जैसा डाक्टर ने आदेश दिया था ।

५७

जब अक्टूबर के अन्त मे अब्राहम वापस आया तो मेरी एक ही दृष्टि मे जान गई कि होने वाले बच्चे के विचार ने उसके जीवन मे कोई परिवर्तन नही किया है और वह अब भी उसी तरह बुझा-बुझा-सा है। सम्भवत वह और अधिक पतला और काला पड गया है। मेरी ने जब तक उसके सामने तनिक गभीर स्वर मे लुई हिलिस के नाम का उल्लेख न किया तब तक उसे अब्राहम मे चेतना का कोई भी चिह्न दिखाई नही दिया था।

'उस सुन्दर नवयुवती गायिका के साथ रोमासपूर्ण नाश्ते के बारे मे मुझे सब कुछ पता लग गया है, लोथारियो लिकन ।'

'मेरी, वह रोमासपूर्ण नाश्ता नही था, सच तो यह हे कि वह नाश्ता था ही नही, एक रात पूर्व मैने जो कविता सुनाई थी उसकी एक प्रति तैयार करके मैने उसे दे दी थी। उसकी बग्घी जाने ही वाली थी, जिस समय मैंने वह प्रति उसे दी थी।'

'खैर, मेरे लिए यह भी कोई कम कष्ट की बात नही कि मुझे अपने पति के सम्बन्ध मे ऐसी वैमनस्यपूर्ण बाते सुनने को मिली कि पति घर नहीं आता। अब जब उसके साथ-साथ किसी दूसरी नवयुवती का नाम भी लिया जाने लगा है तो ...'

अब्राहम खिलखिलाकर हसने लगा। उसने मेरी को आलिगन मे लेते हुए कहा:

'मेरी, एक घर-गृहस्थी वाले व्यक्ति की इससे अधिक और क्या सराहना

हो सकती है कि उसके प्रति ईर्ष्या का भाव पैदा हो। जब मैं ब्लूमिंगटन मे था तो एक दिन मैंने शीशे मे अपना चेहरा देखकर यह निश्चय किया था कि यदि मुझे कभी कुरूपतर व्यक्ति दिखाई दिया तो मै उसे गोली मार दूगा। अगली सुबह मैने नगर मे एक नये वकील को देखा और उससे कहा—रुक जाइए श्रीमान्, मैंने यह निश्चय किया है कि यदि कभी अपने से अधिक कुरूप व्यक्ति को देखूगा तो उसे वही गोली मार दूगा, इसलिए आप मरने के लिए तैयार हो जाए।—उस व्यक्ति ने मेरी आखो मे आखे डालते हुए कहा—बहुत अच्छा श्री लिकन, यदि मै तुमसे अधिक कुरूप हू तो खुशी से गोली मार दो।'

लिकन ने अपना सिर पीछे की ओर किया और खिलखिलाकर हस पडा। मेरी भी अन्यमनस्कता से मुस्करा दी।

'मेरे तथा एक सुन्दर नवयुवती के बारे मे यदि कोई अफवाह उडे तो उस-पर किसीको भी विश्वास नही आएगा। मेरी, ये सभी जानते है कि नवयुवतियो के लिए मै एक घाटे का सौदा हू, किन्तु यदि मुझे यह पता होता कि तुम ईर्ष्या करोगी '

'मुझे ईर्ष्या नही है, मैं तो केवल तुमपर पूरा अधिकार चाहती हू। तुम मेरे पति हो, तुम मेरे हो, ईश्वर जानता है कि मैने यह सब कितनी ही विपत्तिया सहन करके पाया है।'

'हा' उसका चेहरा पुन गभीर हो गया, 'सचमुच ही तुमने कष्ट सहकर सब पाया है, किन्तु यह उसका प्रतिकार नही है।'

४ नवम्बर, १८५२ को उन्हे अपने विवाह की दसवी वर्षगाठ मनानी थी। मेरी ने निश्चय कर लिया था कि वह इसके मनाने के बारे मे भूल न करेगी। उसने भोज का प्रबन्ध अमेरिकन हाउस नामक होटल मे किया। खाने मे क्या बनाना चाहिए, इस बारे मे नये रसोइये को परामर्श देने के लिए वह होटल गई। फिर उसने एलेजबेथ, निनियन, फ्रासेस और विलियम, एलेजा और साइमन फ्रासिस, हेलेन, बैंजामन एडवर्ड, जूलिया तथा लीमैन ट्रम्बल, अपने चचेरे भाई स्टुअर्ट तथा लोगन, डाक्टर टाड और उसकी दो लडकियो, एलेजबेथ तथा फ्रासेस और एन राडनीकश मैन, विलियम बटलर का परिवार, अब्राहम का प्रिय व्यक्ति जेम्स मैथेनी, सर्किट न्यायालय का क्लर्क मर्सी तथा जेम्स कोकलिङ्ग को आमन्त्रित किया।

खाने के पश्चात् सगीतज्ञो के दल का प्रबन्ध करने के लिए उसन होटल के प्रबन्धक के साथ बातचीत की ।

मेरी ने अपनी योजना के बारे मे अब्राहम को तब तक कुछ नही बताया जब तक सब प्रबन्ध पूरे न हो गए थे । फिर उसे बताया कि उसने क्या कुछ प्रबन्ध कर लिया है । जिस मौन भाव से लिकन उसकी ओर देखता रहा उससे मेरी समझ गई कि लिकन यह सर्वथा भूल गया था कि उसकी दसवी वर्षगाठ मनाई जाने वाली है । इसी कारण वह चुप था और अब सिवाय स्वीकृति देने के वह और कुछ न कर सकता था । मेरी ने इस सुअवसर का लाभ उठाते हुए अनुरोध किया कि उसे एक नया सूट और नर्म चमडे के बूट खरीदने चाहिए ।

मेरी का यह निश्चय था कि यह भोज पूरी तरह सफल रहे, ताकि नगर मे फैली अफवाहो का खडन हो सके । मेरी ने किमखाब का नया लिबास पहना, जिसमे झालरदार कालर लगा हुआ था और उसने फ्रासीसी फूलो के बहुत-से गुच्छे अपने बालो मे गूथ लिए ।

अमेरिकन हाउस के खाने का कमरा प्रकाश से जगमगा रहा था । अब्राहम के सिवाय शेष हर व्यक्ति ने जी खोलकर बर्फ मे लगी हुई शराब के प्याले चढाए । खाने की मेज पर हसी की फुलझडिया खिल रही थी । साइमन फ्रासिस ने एक क्षण के लिए एक भद्दी बात अवश्य की, अर्थात् वह यह समाचार लेकर आया कि डेमोक्रेट प्रतिनिधि फ्रैकलिन पियर्स भारी बहुमत से राष्ट्रपति निर्वाचित हो गया । इलीनाइस मे डेमोक्रेटो को अभूतपूर्व विजय प्राप्त हुई थी और अब इस बात पर कोई सन्देह नही किया जा सकता था कि इस क्षेत्र मे व्हिग पार्टी समाप्त हो चुकी है । अब्राहम इस समाचार से क्षुब्ध नही हुआ । उसने जनरल स्काट के पक्ष मे वैसे भी दो-तीन ही औपचारिक भाषण दिए थे क्योकि वह पहले से आशा करता था कि उसकी हार होगी । सगीतज्ञो ने पहले तो, 'आओ मेरे साथ रहो', गाना गाया और फिर एक नया गीत, 'मेरा पुराना केन्टुकी का घर' नामक गीत गाया । मेरी ने बडे चाहभरे भाव से सोचा कि यदि वह डेसमैंड फ्लेमिग के साथ विवाह करके केन्टुकी, ब्लू ग्रास मे ही रह जाती तो उसका जीवन कैसा होता !

आधी रात तक भोज का कार्यक्रम चलता रहा । इस हर्षोल्लासपूर्ण उत्सव के लिए सभीने उसका धन्यवाद किया और यह आशा प्रकट की कि उन्हे लिकन-

परिवार की बीसवी वर्षगाठ पर भी आमन्त्रित किया जाएगा।

मेरी ने भी आकाक्षा की कि काश ऐसा ही हो!

जब वे घर लौटे और हाल मे खडे थे, मेरी ने अब्राहम को सम्बोधित करते हुए कहा ·

'तुमको दसवी वर्षगाठ का समारोह अच्छा लगा न ?'

'हा, मुझे बडा आनन्द आया।'

मेरी का आनन्द विलीन हो गया और अधेरी बैठक मे जाकर वह एक कुर्सी के किनारे पर अपने मुह को हाथो मे लेकर बैठ गई। अब्राहम ने एक लैम्प जलाया और फिर उसके सामने आकर खडा हो गया। मेरी ने सिर ऊपर उठाया और पूछा .

'अब्राहम, मैंने क्या किया है ?'

लिकन एक क्षण उसपर इस प्रकार दृष्टि गडाए खडा रहा मानो समझ न सका हो। बोला, 'तुम्हारा अभिप्राय भोज से है ? पर मुझे तो बहुत आनन्द अनुभव हुआ है।'

'घोर अपराधी को भी दण्ड देने से पूर्व उसका अपराध बता दिया जाता है। मेरा क्या अपराध है, अब्राहम ? प्रेम अथवा विवाह के किस नियम को मैंने तोडा है ?'

लिंकन के चेहरे पर उदासी छा गई।

'नही, मेरी, तुम्हारा कोई अपराध नही।'

'तो फिर तुम अब मुझसे प्रेम क्यो नही करते ?'

लिकन ने अगीठी पर से लैम्प उठाया और मेरी के पास लाकर उसे ध्यानपूर्वक देखने लगा, फिर बोला

'तुम ऐसा क्यो कहती हो ?'

'क्योकि पिछले भयानक वर्ष मे जब तुम या तो दौरे पर रहा करते थे या घर आने पर प्रेतात्मा की तरह कमरो मे चक्कर लगाया करते थे, तो मैं यही प्रश्न अपने आप से हजारो बार पूछ चुकी हू।'

'मुझको ऐसा कभी नही लगा कि तुम ऐसा महसूस करती हो।'

'बताओ अब्राहम, क्या मैने तुम्हे ऐसी बातो के लिए बाध्य किया है जो तुम

नही चाहते थे ? क्या मेरी महत्वाकाक्षाओ की दिशा तुम्हारी महत्वाकाक्षाओ से भिन्न थी अथवा उनके प्रतिकूल थी ? क्या मैने तुम्हे किसी ऐसे काम के अयोग्य समझा जो तुम्हे करना था ?'

'नही, ऐसी कोई बात नही, इसका तुमसे कोई सम्बन्ध नही ...'

' किन्तु ऐसी बात अवश्य है, नही तो तुम मुझे इस प्रकार अपने जीवन से विलग न कर देते ।' वह सीने पर हाथ रखे गभीरता के साथ बैठी रही, 'हमारे सम्बन्ध की घनिष्ठता को कुछ नही हुआ जो तुम मुझसे दूर रहने लगे हो और महीनो दौरे के न्यायालयो मे बिता देते हो ' जबकि तुम्हे इसकी आवश्यकता नही होती !'

'...मुझे इससे बहुत दु ख है ।'

'क्या दु ख !' मेरी की आवाज मे इतनी प्रार्थना भरी थी कि मानो देवताओ को पुकार रही हो, 'तुमको कुछ ख्याल है कि मुझको क्या कष्ट रहा है ?'

लिकन ने अपना हाथ उसके कधे पर रखा ।

'मैं तो यह नही समझा था मेरी, कि तुम पीडित हो क्योकि मेरा विचार है कि मैं तो अपनी ही उदासी से अधा था ।'

'मैं जानती हू कि मैंने गलतिया की है, मुझे स्प्रिग के बोर्डिग हाउस मे उन लोगो से नही झगडना चाहिए था, नौकरो पर इस तरह क्रोध नही करना चहिए था या व्यापारियो के साथ सख्ती से नही बोलना चाहिए था । मै घर का प्रबन्ध इतना अच्छा नही कर सकती जितना अच्छा मामी सेली किया करती थी । मैं कभी-कभी पाई-पाई सोचकर व्यय करती हू, किन्तु तुम्हीने मुझे बचत करना सिखाया है क्योकि तुमने कर्ज चुकाने के लिए बचत की थी । मुझे वस्तुओ से प्रेम है और मैं उनपर आवश्यकता से अधिक व्यय करती हू । मै न्यूयार्क के कीमती गाउन तो नही खरीदती, हा, मै केवल वस्तुए खरीद लेती हू, और अपना समय वस्त्र सीने मे लगाती हू ...'

'मेरी, कृपया मेरे सामने इस प्रकार अपने आपको न कोसो ।'

मेरी उठी और अगीठी के दोनो ओर लगे हुए फूलो के पास जा खडी हुई और बालो मे लगाने के गुलदस्तो पर हाथ फेरती रही ।

'आखिर मै क्यो अपने आपको इतना अपमानित कर रही हू ? मैं कभी भी कुरूप स्त्री नही रही, मेरी आकृति मे कोई त्रुटि नही । मैं गवार नही हू । कभी

भी मुझे मित्रो का अभाव नही रहा'''मुझे चाहने वालो की कमी नही रही। मैने इस बारे मे निश्चय किया था कि मुझे जीवन मे क्या चाहिए और मुझे जो कुछ चाहिए था वह मुझे तुममे मिल गया था। मैने तुमसे प्रेम किया। मै कभी नही समझ सकी कि वे भयानक बीस मास कैसे थे, जब तुम मुझे छोडकर चले गए थे, न ही यह समझ सकी कि तुमने हमे विपत्ति मे डाल देने की कामना ही क्यो की थी। सभवत अब तुम अपने बच्चो और उनके प्रति उत्तरदायित्व के विचार से ही मेरे जीवन से सम्बद्ध हो, अन्यथा मुझे फिर छोडकर चले जाओगे ' '

अब्राहम ने अपना सिर झुका लिया और भारी आवाज़ मे बोला, 'मैं इसी व्यवहार के योग्य हू।'

'तुम समय-समय पर जो मुझे छोड जाते हो इससे मुझे मतलब नही, मै तो केवल यह जानना चाहती हू कि अब मै तुम्हारे लिए पहले जितनी आकर्षक क्यो नही रही ? तुम तो मुझे प्रसन्नचित्त और समझदार समझते थे '।'

लिकन ने बीच मे ही कहा, 'मैने सदा तुम्हारे निर्णय का आदर किया है।'

'तो क्या अब मुझमे वैसी सूझ-बूझ नही रही ? क्या मै अब उन मामलो को समझने मे असफल रहती हू, जिनका हमे सामना करना पडता है ?'

अब्राहम ने मुह दूसरी ओर कर लिया और गली की ओर खुलने वाली खिडकियो के बीच की मेज़ पर रखे शीशे की ओर निर्भाव दृष्टि से देखते हुए धीमी आवाज़ मे बोला :

'''''मेरी, तुम्हारे लिए मेरी भावनाओ मे कोई अन्तर नही आया। न ही मेरी उदासी तुम्हारे कारण पैदा हुई है। मेरे साथ जो भी घटना घटी है उसका कारण घर नही है, वरन् लोगो का मेरे प्रतिकूल हो जाना और जीवन लक्ष्य-हीन तथा व्यर्थ बन जाना ही इसका कारण है। कभी-कभी तो मै इस विचार को सहन भी नही कर सकता कि मैं किसीको भी कुछ प्रदान नही कर सकता, यहा तक कि अपनी पत्नी को भी नही। किंतु तुम नही जानती कि मैं कैसी यातना सहन कर रहा हू। तुमने कभी मुझे दु ख नही पहुचाया, निश्चय ही तुम्हारी महत्वाकाक्षा ऐसी नही रही जो मेरे लिए सम्भव न होती, केवल मेरी ही अपनी महत्वाकाक्षा उससे बहुत बडी रही है'' ' वह मौन हो गया और अनजाने ही अपनी घड़ी की चाबी घुमाता रहा, 'मैं तो अपनी ही निराशाओ में

खो गया था। मुझे इस बात का कभी विचार ही नही आया कि मेरी पत्नी पर इसका क्या प्रभाव पडेगा। मुझे पता नही था कि तुम अप्रसन्न हो। मुझे स्त्रियो के बारे मे कुछ भी तो पता नही चलता।'

'क्या तुम यह कहना चाहते हो कि तुम्हे अपना भी पता नही और तुम यह नही जानते कि तुमने अपने आपको पत्नी और बच्चो से कितना अलग-थलग कर रखा है ?'

लिकन ने अपने हाथो से कुछ चेष्टाए की, कन्धे नीचे झुका दिए और अपना बडे लम्बे चेहरे वाला सिर मेरी की ओर झुकाते हुए मेरी को अस्पष्ट शब्दो मे उत्तर दिया

'जब मैं दौरे पर होता हू तो एक वकील होता हू और अन्य वकीलो के साथ नगर-नगर घूमता रहता हू। खूब रौनक रहती है और न्यायालयो मे भी खूब चहल-पहल रहती है। नवयुवक वकील अपने बयान तैयार करवाने के लिए मेरे पास आते हैं। मै कार्यशील और सफल व्यक्ति हू और ऐसा प्रत्येक कार्य करता हू जोकि किसी भी व्यक्ति को करना चाहिए।'

'और जब तुम घर होते हो ?'

'यहा स्प्रिगफील्ड मे ...मैं यह अनुभव करता हू कि वकालत से मेरे जीवन का केवल एक छोटा-सा भाग ही पूर्ण हो सकेगा तथा शेष जीवन थोथा बना रहेगा।' उसने मेरी के कन्धो को इतनी कठोरता से पकडा कि मेरी को दर्द अनुभव होने लगा, 'मेरी, मुझे समझने का प्रयत्न करो ! जब मैं घर आ जाता हू तो मैं अनुभव करता हू कि मै असफल रहा हू। उस समय मुझे ऐसा लगता है कि यह कैसा अच्छा होता यदि मैं यहा की बजाय किसी अन्य स्थान पर होता !'

मेरी की आवाज धीमी और नर्म पड गई, 'मैने तो कभी तुम्हारी ओर इस दृष्टि से नही देखा कि तुमपर किसी असफलता का आरोप लगाया हो।'

लिंकन उसके इतना निकट खडा था कि उसके घुटने मेरी के पेटीकोट से स्पर्श कर रहे थे।

'नही मेरी, यह उपेक्षा-भाव मुझे बाहर से ही प्राप्त हुआ है। हम इतनी ऊची आशाए लेकर चले थे। तुम्हीने मुझे आशा प्रदान की थी और मुझे अपना जीवन प्रदान किया था, यद्यपि तुम किसी और की हो जाती तो तुम्हे

अधिक लाभ होता। अधिक अच्छे घराने के अधिक शिक्षित और कतिपय अधिक अच्छी सम्भावनाओ से सम्पन्न पुरुष तुम्हे प्राप्त हो सकते थे....'

'मेरी भावनाओ मे कोई अन्तर नही पडा' ''।'

'अब तो इतनी देर हो गई है कि मै अनुभव करने लगा हू कि मैंने तुम्हारे साथ धोखा किया है और जिन-जिन लोगो को हम जानते हैं उन सबमे मै इतना अधिक पिछड गया हू, कि मेरे लिए घर पर आना कठिन है ' इसका यह अभिप्राय नही कि मुझे तुमसे प्रेम नही रहा।' उसकी आवाज़ ऐसी थी मानो रात की निस्तब्धता मे कोई चीख रहा हो, 'इसका कारण तो यह है कि मुझे अपने आप से प्रेम नही रहा। इन वर्षो ने तो मेरे उत्साह को मद ही कर दिया है।'

उस ठडी-अधेरी बैठक मे खामोशी थी। मेरी ने इस मौन को भग करते हुए कहा, 'अब्राहम, तुम अपने लक्ष्य को क्यो भूल गए हो ? हर कोई जानता है कि राजनीति एक ऐसी चीज है जिसमे जब कोई व्यक्ति निर्वाचन मे हार जाता है तो वह हार उस व्यक्ति की योग्यता की कसौटी नही होती।'

'मेरी, राजनीति मे अब मेरी कोई दिलचस्पी नही रही।'

'यह भी तो पलायन की सी स्थिति है।' मेरी की आवाज़ नरम पड गई थी क्योकि वह लिकन को चोट नही पहुचाना चाहती थी, किन्तु अब भी उसके लहजे मे आग्रह था।

'मैं निराशाओ के जगल मे खो गया हू,' लिंकन ने एक फीकी हसी हसते हुए कहा, 'किन्तु मैं ऐसा नही समझता, मै तो केवल यह मानता हू कि मै एक गलत वृक्ष से फल की आशा करता रहा हू।'

'तुमने गिब्सन हेरिस से कहा था कि तुमको वृक्ष शरद्ऋतु मे अधिक अच्छे लगते हैं। क्योकि उस समय तुम उसके नग्न सत्य को समझ सकते हो। अब तुम जो गलत वृक्ष की बात कह रहे हो और इसी कारण तो उस वृक्ष से हमे फल नही मिला, किन्तु यदि तुम उस वृक्ष को उस समय पसन्द करो जिस समय वह फलदार होता है तो तुम्हे उसे सर्दियो मे भी पसन्द करना चाहिए जब वह फल से विहीन होता है। यह हमारे लिए शरद्काल है, किन्तु इसका यह अभिप्राय नही कि राजनीति का वृक्ष सूख गया है।'

अब्राहम के चेहरे पर एक उदासीभरी मुस्कान फैल गई।

'मैं सदा यह अनुभव किया करता था कि किसी न किसी लक्ष्य के लिए मेरी

आवश्यकता हो सकती है और मै किसी प्रयोजन की पूर्ति कर सकता हू, किन्तु आज स्टीफेन डगलस जैसे व्यक्ति की आवश्यकता है।'

'तुमने ही तो एक बार कहा था कि इस जगत् मे तुम्हारे और डगलस दोनो के लिए स्थान है।'

'यदि वह अपने ढगो से सफल हो सकता है और प्रभावी हो सकता है तो फिर मैं अपने ढगो से कही भी नही पहुच सकता।'

'समय बदलता है। आवश्यकताए बदलती है। क्या मै जूलियस सीज़र का तुम्हारा प्रिय उद्धरण सुनाऊ जिसमे कहा गया है—'लोगो के मामले मे ऐसी लहर आती है जो यदि बाढ के समय मिल जाए तो भाग्योदय हो जाता है।—मैं अब भी नवयुवती हू। मैं अनुभव करती हू कि मुझे अभी काफी जीवन देखना है। राजनीति मेरे रक्त-मास मे विद्यमान है। हमे अपने सिर ऊपर उठाने चाहिए और उस दिन तक अध्ययन करना चाहिए और विचार करना चाहिए, जब तक कि हमे अपने उपयुक्त स्थान नही मिल जाता।'

लिंकन ने मेरी को अपनी बाहो मे ले लिया और धीमी आवाज़ मे कहा, 'तुम मेरे लिए कभी भी निराश नही होती, ठीक है न ?' और उसने प्यार से उसका मुह चूम लिया। इतने मे कोई सीढियो से दौडता हुआ ऊपर आता जान पडा। किसीने दरवाज़ा जोर-ज़ोर से खटखटाया। लिंकन ने उठकर दरवाज़ा खोला तो वहा एक नवयुवक खडा था, जिसने कहा, 'श्री लिकन, बूढी वेस्टली मर रही है। उसने मुझे आपके पास भेजा है कि आप चलकर उसका इच्छापत्र लिख दे।'

अब्राहम ने मेरी को सम्बोधित करते हुए कहा, 'क्या तुम मेरे साथ चलोगी ?'

पतझड की उस सर्द रात मे उन्हे पूरा एक घटा बग्घी मे यात्रा करनी पडी। खेतो मे घना अन्धकार छाया हुआ था। जब वे वेस्टली के घर पहुच गए तो अब्राहम ने वेस्टली से कुछ साधारण प्रश्न पूछे तथा इच्छापत्र लिख दिया। वेस्टली ने धीमी आवाज मे कहा कि उसे बाइबल पढकर सुनाया जाए। उस स्त्री के लडको मे से एक ने अपनी कापी उसे प्रस्तुत की, किन्तु लिकन ने सिर हिला दिया और बाइबल का तेईसवा गीत सुनाया।

'यद्यपि मैं मृत्यु की छाया से पूर्ण घाटी मे जा रही हू किन्तु मुझे किसी बुरी बात का डर नही, क्योकि ईश्वर मेरे साथ है ...'

जब वे कम्बल मे सटे हुए बग्घी मे बैठकर घर लौट रहे थे तो मेरी ने कहा, 'पादरी लिकन, जिस व्यक्ति को नास्तिक समझा जाता है, उसने आज खूब काम कर दिखाया है।'

अब्राहम की दृष्टि आकाश की ओर गई। वहा सितारे टिमटिमा रहे थे। उसने कुछ सितारो की ओर सकेत करते हुए उनके नाम बताए और फिर कहा :

'मै यह तो समझता हू कि यह सम्भव है कि एक व्यक्ति इस विश्व से घृणा करे और अनीश्वरवादी हो, किन्तु मै यह नही समझ सकता कि कोई व्यक्ति आकाश को देखकर भी यह कह सकता है कि ईश्वर नही है।'

वे एक क्षण और मौन-भाव से यात्रा करते रहे और फिर मेरी ने अनुभव किया कि लिंकन का हाथ उसकी ओर बढा और उसने मेरी के हाथ को थाम लिया।

५८

इस बार सर्दियो का मौसम ऐसा था जिसे वहा के पुराने निवासी 'घोर सर्दी' कहकर पुकारा करते थे, अर्थात् खूब वर्षा और बर्फ पडी। जब अब्राहम को और तीन सप्ताह के लिए दौरे के न्यायालय के साथ जाना पडा, जहा उसे इलीनाइस और मिशीगन के नहर-सम्बन्धी विवाद मे गवाही लेनी थी, ताकि विधान-सभा मे उसे प्रस्तुत किया जा सके, तो उसने मेरी से कहा कि जब भी उसे अवसर मिला वह घर आएगा।

एक सुबह जब मेरी को अधिक कष्ट अनुभव हुआ तो उसने डाक्टर वालैस को बुला भेजा। डाक्टर ने कहा, 'एक गर्भवती स्त्री की देखभाल एक डाक्टर को नही करनी चाहिए क्योकि यह मामला इतना नाजुक होता है कि उसकी देखभाल व्यर्थ है। नगर मे वालगेमथ नाम का एक जर्मन डाक्टर है, जो शल्य-चिकित्सक भी है और सतानोत्पत्ति का विशेषज्ञ भी। मैं उससे कहूगा कि इन

महीनो मे वह तुम्हारी देखभाल किया करे और वही प्रसवकाल का उत्तर-दायित्व ले। क्या तुम समझती हो कि अब्राहम इसकी अनुमति दे देगा ?'

'सम्भवत वह मान जाएगा . '

दिसम्बर मास के मध्य मे जब अब्राहम लौटा तो उसने डाक्टर वालैस को अनुमति दे दी कि डाक्टर वालगेमथ को बुला लिया जाए, जिसकी लम्बी दाढी पुराने युग के आदमी जैसी थी, किन्तु वह स्पष्टत जानता था कि मेरी की स्थिति कैसी है और उसने ऐसा नुस्खा लिखा जिससे मेरी का सारा दर्द समाप्त हो गया। अब्राहम को दौरे मे सफलता मिली थी। उसने पाच सौ डालर स्थानीय लोहारो को ऋण दे दिए और जब निनियन एडवर्ड का व्यय अधिक हो गया तो उसे काफी धनराशि देकर उसकी कठिनाइयो मे उसकी सहायता की। उसने मेरी को उपहार देने के लिए ब्लूमिगटन मे दो स्थान खरीद लिए थे। उसने आकर यह कहानी सुनाई कि लोगन काउटी के एक भू-स्वामी ने उससे अनुमति मागी है कि उसे लिंकन के सम्मानस्वरूप नये उपनगर का नाम लिंकन रखने दिया जाए।

'मैने उसे कहा कि वह ऐसा न ही करे तो अच्छा है क्योकि मैं नही जानता कि लिंकन नाम की किसी वस्तु से कभी कोई लाभ पहुचा है।' यह कहते हुए लिंकन खिलखिलाकर हस पडा किन्तु मेरी समझ गई कि वह प्रसन्न था।

न तो अब्राहम मे अधिक उत्साह ही था और न ही उसपर गत बीस मास जैसी गहन उदासी छाई थी।

प्रारम्भिक जीवन का वह जोश कि वह इस ससार को अपेक्षाकृत अधिक अच्छा स्थान बनाकर ही रहेगा, अब बिलकुल समाप्त हो चुका था। यदि अब भी उसके शान्त हृदय के किसी कोने मे उदासी शेष बची थी, तो अब्राहम ने उसे मेरी और दुनिया से छुपा लिया था। अब वह बात को अधिक ध्यानपूर्वक सुनता था और उसका व्यवहार अधिक मित्रतापूर्ण था। वह लडको के साथ अधिक समय बिताने लगा। सामने की गली मे उनके साथ सगमरमर के पत्थरो से खेला करता और राबर्ट का गाना सुनने के लिए एस्टाब्रूक अकादमी मे उसके साथ चला जाया करता था। यद्यपि जब गवर्नर मेटिसन द्वारा शपथ ग्रहण के अवसर पर लोगो की भीड हाल कमरे मे गई, तो उसने वहा जाने से इन्कार कर दिया और गवर्नर के घर उसके स्वागतार्थ किए गए भोज मे भी वह न गया,

किन्तु जब मेरी की बेल सोसायटी ने सीनेट भवन मे नये गिरजाघर के लिए धन एकत्र करने के हेतु भोज का आयोजन किया, तो वह वहा जाने के लिए स्वेच्छा से तैयार हो गया। अमेरिका की सीनेट मे स्टीफेन डगलस और छ वर्ष के लिए निर्वाचित हो गया था और उसके सम्मान मे जो भोज दिया गया था उसमे वह मेरी को भी अपने साथ ले गया और उदासी का प्रभाव समाप्त होने का एक प्रमाण अब्राहम ने यह दिया कि उसमे डगलस के प्रति अब ईर्ष्या नही थी और वह इस उत्सव को मनाने के लिए एकत्र हुए पन्द्रह सौ लोगो की भीड मे से मार्ग बनाकर डगलस को बधाई देने के लिए उसके पास पहुचा।

१२ फरवरी, १८५३ को इलीनाइस की सीनेट ने अब्राहम को उसके जन्म-दिवस पर उपहार के रूप मे एकमत होकर यह बिल पास किया कि लिकन नामक नये उपनगर को लोगन प्रदेश की राजधानी बना दिया जाए। मेरी तुरन्त राज्य की विधान-सभा का कागज़ का नमूना तैयार करने मे लग गई, जिसे उसने खाने की मेज के मध्य मे रख दिया और फिर अपने परिवार के लोगो और मित्रो को शाम के भोजन पर आमन्त्रित किया। इस सहभोज पर औपचारिक व्यवहार करने की आवश्यकता नही थी और न ही प्रयास द्वारा चेहरे पर मुस्कराहट लाने की ही आवश्यकता थी क्योकि उसका मन प्रसन्न था। खाने की मेज़ पर जब खूब हास परिहास हो रहा था तो अब्राहम ने आगे की ओर झुककर कहा, 'मै समझता हू कि इस बार मै तुम्हारी बात स्वीकार कर लूगा ' अब मेरे पिता की मृत्यु हो चुकी है। मै चाहता हू, अब अपने बच्चे का नाम अपने पिता के नाम पर रखूगा।'

'सच बात तो यह है कि मैं एमिली या एलिज़ा के नाम पर उसका नाम रखने का विचार कर रही हू।'

'मेरी, यह बात मान जाओ। मैंने विज्ञान की जो पुस्तके पढी है उनमे यह देखा है कि एक जैसे तत्त्वो के सयोग से समान परिणाम उत्पन्न होता है।'

अप्रैल मास मे एक दिन प्रातः मुह अधेरे मेरी का चौथा बालक डाक्टर वालगेमथ की देख-रेख मे हुआ। मेरी ने डाक्टर को यह कहते सुना, 'एक लडका हुआ है।' फिर उसे ऐसा लगा कि बच्चे की रोने की आवाज मे कुछ खोखला-पन-सा है।

उसके बाद चौबीस घण्टो तक मेरी सोई रही और जब बच्चे को पहली

बार दूध पिलाने का समय आया तो अपने आप ही उसकी नीद खुल गई। मेरी ने देखा कि वह लडका चारो बच्चो मे अधिक सुन्दर था। उसके सिर पर सुनहरी बाल थे और नक्श तीखे थे। अब्राहम मेरी के सिरहाने खडा हसते हुए बोला

'यह तो मेढक का बच्चा लगता है। शरीर कितना छोटा और सिर कितना बडा है! मै शर्त लगाकर कह सकता हू कि इसमे दिमाग ही दिमाग भरा पडा है। मेरा विचार है कि यह श्री इमर्सन की तरह कवि और दार्शनिक बनेगा।' उसने बच्चे के सुन्दर बालो मे अगुलिया फेरते हुए कहा, 'तुम इतने योग्य होगे कि गाव का वकील बनना कभी स्वीकार नही करोगे। क्यो मेढक के बच्चे, क्या मैं गलत कह रहा हू?'

मेरी मुस्कराने लगी। लिकन को अपने आपके साथ परिहास करते हुए देखकर उसे बहुत अच्छा लगा। वह तकियो के ढेर मे लेटे हुए बच्चे की आखो की ओर देख रही थी, जबकि लिकन उसे पुचकार रहा था। थोडी देर बाद मेरी ने देखा कि बच्चे के नथनो मे से कोई चीज़ बह रही है। वह तकियो का सहारा लेकर कुछ ऊपर उठी और बच्चे का स्थान बदला तथा उसे दूध पिलाने लगी, किन्तु वह विचित्र तरल पदार्थ बच्चे की नाक मे से बहता रहा।

उसने डाक्टर वालगेमथ को इस बारे मे कहा। डाक्टर कुछ हिचकिचाया और फिर बोला, ' 'हा, मै जानता हू कुछ गडबड है, किन्तु चिन्ता की कोई बात नही ।'

मेरी को प्रसवकाल की बच्चे की खोखली-सी आवाज़ स्मरण हो आई और वह पूछने लगी, 'क्या आपका ···गडबड से क्या अभिप्राय है?'

'यही कि बच्चे के तालू मे छोटा-सा सूराख है। बच्चा अधिक दूध तो अन्दर ले जाता है, किन्तु जब सास लेता है तो दूध को नाक मे जाने का मार्ग मिल जाता है।'

यह सुनकर मेरी स्तम्भित हो गई। वह कोहनियो के बल आगे की ओर झुकी और डाक्टर के चेहरे को ध्यानपूर्वक देखने लगी, फिर वह बच्चे के होठ खोलने लगी। डाक्टर ने हाथ के सकेत से उसे मना कर दिया।

'श्रीमती लिकन, तुम वहा कुछ नही देख सकोगी और न ही चिन्ता करने

की कोई बात है। जब वह भोजन करना आरम्भ कर देगा तो कोई रुकावट पैदा नही होगी।'

मेरी ने दु खभरे स्वर मे पूछा, 'ऐसा क्यो हुआ, हम दोनो तो स्वस्थ है। हममे तो कोई त्रुटि नही। वह भी कितना सुन्दर बालक दिखाई देता है·· ।'

'श्रीमती लिकन, सचमुच बेबी बहुत सुन्दर है। ऐसी त्रुटिया प्राय पैदा हो जाती हैं। इससे उसके स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नही पडेगा।'

'किन्तु जब वह रोता है तो उसकी आवाज अन्य बालको जैसी नही होती ?'

'हा ! यह हो सकता है। तालू मे सूराख होने के कारण उसे बोलने मे कठिनाई होगी और उसे सिखाना पडेगा, किन्तु अभी नही परन्तु उस समय जब वह स्कूल जाने लगेगा।'

'क्या मेरा पति इस बारे मे जानता है ?'

'मैने श्री लिकन को उसी समय बता दिया था। उन्होने मुझसे आपके बारे मे कहा था कि जब तक आप पुनः स्वस्थ न हो जाए मै आपको कुछ न बताऊ।'

जब अब्राहम ने कमरे मे प्रवेश किया तो मेरी उसकी बाहो मे लिपटकर फफक-फफककर रो पडी।

'अब्राहम, हमने क्या पाप किया है जिसका बदला ईश्वर हमारे बच्चो को दे रहा है ?'

'देखो, इस नन्हे को कोई कष्ट नही है। मै तुम्हारी पिछले साल की टोपी के बदले मे अपनी वकालत का लाइसेस दाव पर लगाकर यह कह सकता हू कि यह बच्चा लिकन-परिवार मे सबसे सुन्दर और सुयोग्य होगा। मैं तो इसे देखते ही इसपर मोहित हो गया था।'

'मुझे स्मरण है कि लेक्सिगटन मे एक बच्चे के तालू मे सूराख था। वह बिलकुल बोल नही सकता था, केवल विचित्र-सी आवाजे निकाला करता था। उसकी मा और पिता कहते थे कि वे उसकी बात समझ जाते है, किन्तु अन्य बालक उसपर व्यग्य कसा करते थे और उसे मूर्ख कहकर पुकारा करते थे·· · ओह अब्राहम, सोचो तो, लोग इसे बौबी से भी अधिक तग किया करेंगे।'

मेरी ने अपना सिर उसके सीने मे छिपा लिया और अब्राहम धीरे-धीरे उसके बालो को सहलाता रहा।

'तुम्हे ईश्वर का धन्यवाद करना चाहिए कि बालक और तुम स्वस्थ हो।

किनारे के मकान के पास ही श्रीमती डालमन का बालक ठीक उसी समय हुआ था, जिस समय तुम्हारा बालक हुआ था, किन्तु वह बुरी तरह बीमार है और बच्चे की देखभाल नही कर सकती इसलिए वे लोग नगर भर मे दूध पिलाने वाली दाई की तलाश कर रहे है ।'

मेरी ने धीरे-धीरे सिर उठाया। कुछ देर उसकी ओर देखती रही, फिर ऐसी आवाज मे उसे सम्बोधन किया जिसमे अपने प्रति दुःख का भाव नही था ।

'अब्राहम, जाओ और उस बच्चे को यहा ले आओ ।'

अब्राहम बिस्तर से उछलकर खडा हो गया और तेजी से बाहर चला गया। थोडी देर मे वह एक नन्ही जान को कम्बल मे लपेटे हुए ले आया। उसने नन्हे चार्ल्स डालमन को मेरी की गोद मे दे दिया। वह हड्डियो का ढाचा मात्र था और भूख के कारण सिकुड रहा था, फिर उसने आखे बद कर ली और सो गया। अब्राहम ने उसे पुनः कम्बल मे लपेटा और वापस डालमन के घर ले गया।

हर चार घण्टे के पश्चात् वह बच्चे को मेरी के पास ले आता था। मेरी ने देखा कि वह मोटा-ताज़ा होता जा रहा है, बिलकुल वैसा ही जैसा कि उसका अपना बच्चा खूब सुदृढ बन रहा था। एक सप्ताह पश्चात् अब्राहम को दौरे के न्यायालय पर जाना पडा। श्रीमती डालमन स्वस्थ हो गई थी और अब अपने बच्चे को दूध पिला सकती थी। वह मिठाई का एक वडा बक्स लिए हुए उनके घर आई। उसकी आखो से आभारसूचक अश्रु बह रहे थे।

'श्रीमती लिंकन, आप न होती तो मैं अपना बच्चा खो बैठती। मैं कैसे आपका धन्यवाद कर सकती हू !'

मेरी ने उत्तर दिया, 'धन्यवाद तो ईश्वर का है ।

मेरी का यह कहने का अभिप्राय नही था और न ही उसे यह पता लगा कि उसने यह कह दिया है, किन्तु जो कुछ भी हो उनके बच्चे की त्रुटि का दुःख इस कारण कुछ हलका हो गया कि वह चार्ल्स की सहायता कर सकी थी। श्री इमर्सन ने इसी आधार पर क्षतिपूर्ति के सिद्धान्त की बात सोची थी।

कुछ भी हो, उसे ऐसा प्रतीत होने लगा कि गत दो वर्षो की कठिनाइया दूर हो चुकी थी।

इस बार मेरी शीघ्र ही स्वस्थ हो गई। विलियम के जन्म के समय उसे

जितनी बीमारी भोगनी पडी थी इस बार वह उससे सर्वथा मुक्त रही। अब्राहम को यह विश्वास हो गया कि ऐसा डाक्टर वालगेमथ द्वारा बहुत अच्छी देख-रेख के कारण हुआ। मेरी घर मे चलने-फिरने के योग्य हो गई और ताजापन अनुभव करने लगी। उसने घर का निरीक्षण किया और देखा कि बुरे दिनो मे वह स्थान टूट-फूट गया था, प्राचीर की मरम्मत की आवश्यकता थी। आगन काटेदार झाडियो से भरा पडा था।

तीन सप्ताह के बाद अब्राहम भी घर लौट आया। पेकिन और क्लिन्टन के न्यायालयो मे पेश होने के लिए बीच के दिन बिताने के हेतु वह अस्सी मील की अधिक यात्रा करके घर आया था। नये बालक से उसे अत्यधिक प्रेम था और सदा उसे उठाए हुए घर भर मे घूमा करता था। उन्होने बच्चे का नाम टामस रखा और कभी भी उसके तालू के सूराख का उल्लेख नही किया। मेरी को प्रयोग द्वारा पता लग गया कि उसे दूध पिलाने का सबसे अच्छा ढग क्या था। अब्राहम ने उसे पुकारने के लिए टैड या टेडी नाम को ही उचित समझा।

जब वह जून मास के आरम्भ मे पुन: घर लौटा तो उसने मेरी को बताया कि मेरी के भाइयो, लेवी और जार्ज, ने उनके विरुद्ध लेक्सिगटन न्यायालय मे ४७२ डालर के लिए मुकदमा कर दिया है और यह आरोप लगाया है कि यह राशि अब्राहम ने उन लोगो से वसूल की थी, जिन्हे ओल्डहम ऐण्ड टाड सस्था को पैसे देने थे और वे दे नही सके थे। यह पहली बार थी कि मेरी ने किसीको अब्राहम की सत्यनिष्ठा पर आशका करते हुए सुना था। गत दो वर्षो मे, जो दिन उदासी से भरे हुए थे, मेरी को केवल यह प्रसन्नतादायक कहानिया सुनने को मिली थी कि अब्राहम की आत्मा सुदृढ है और उसकी मूलभूत सत्यनिष्ठा सुरक्षित है। यह उसके जीवन का ऐसा पहलू था जिसे बाहर का कोई भी व्यक्ति अथवा परिस्थिति समाप्त नही कर सकती थी। लोग उसे ईमानदार वकील कहा करते थे। जज भी यह बात खुले आम स्वीकार किया करते थे कि अब्राहम धोखेबाज़ी की कला से वचित है। उसके वकील मित्रो का कहना था कि अपने निजी लाभ के लिए वह कानून का दुरुपयोग नही करता। ग्राहक यह अनुभव करते थे कि वे अब्राहम के परामर्श को मानकर पथभ्रष्ट नही होगे और कि वह किसी गलत बात का समर्थन करने की बजाय उस मुकदमे को ही छोड देगा। जूरी का कहना था कि वे अब्राहम द्वारा कानून के स्पष्टीकरण तथा उसके द्वारा

बताए गए तथ्यो को बिना किसी सन्देह के स्वीकार कर लेगे क्योकि वे सब जानते थे कि उसने गवाही या कानून को कभी गलत स्वरूप प्रदान नही किया ।

अब्राहम को इस बात से बहुत दु ख हुआ था कि मुकदमे की पैरवी लेक्सिगटन के प्रमुख वकीलो मे से एक कर रहा था और यह बात कैन्टुकी के सब लोगो को पता लग गई थी ।

मेरी के पिता की ओर से अब्राहम ने लोगो से केवल ५० डालर का ऋण वसूल किया था जो उन्होने बेट्सी की जागीर मे कर्ज के रूप मे लौटाया था ।

'यदि तुम्हारे भाइयो ने किसी ऐसे व्यक्ति का नाम लिया, जो जीवित हो और जिस तक पहुच हो सके और यह कहा कि मैने उससे पैसा लिया है, तो मैं उस व्यक्ति से पूछूगा और इस आरोप को झूठा प्रमाणित कर दिखाऊगा ।'

मेरी बहुत विवशता मे अपने भाइयो के प्रति अपने क्रोध को पी गई ।

इस वर्ष गर्मी इतनी अधिक पडी कि जब जुलाई मे न्यायालयो का अधिवेशन आरम्भ हुआ तो न्यायाधीशो और वकीलो ने परस्पर सहमति द्वारा मुकदमो को अधिक ठडे मौसम तक के लिए स्थगित कर लिया । अब्राहम ने अपने लडको से कहा कि उसके जी मे तो आता है कि ऐसी गर्मी मे अपना मास उतारकर अलग रख दे और हड्डियो का ढाचा बन जाए । शाब्दिक अर्थों को लेने वाले राबर्ट ने इस विचार को बहुत मूर्खतापूर्ण समझा । किन्तु परिहासप्रिय विलियम इसपर खिलखिलाकर हस पडा तथा देर तक हसता रहा । जुलाई के मध्य मे तापमान ९४° अश तक पहुच गया और मौसम मे बहुत जलन और घुटन थी किन्तु कभी-कभी वर्षा हो जाती थी और वायु ठडी हो जाती थी । मेरी को यह गर्मी का मौसम भला लगा और यद्यपि गर्मी काफी थी, किन्तु स्प्रिगफील्ड मे खूब रौनक थी । नई रेलवे लाइन खुल जाने से इलीनाइस के प्रदेश का गेहू दूने मूल्य पर बिक रहा था । वकीलो की ही तरह, जिनमे अब्राहम भी सम्मिलित था, व्यापारी और किसान लोग खूब कमा रहे थे ।

'हमारे राज्य मे कानून की सबसे बडी समस्या जो कभी पैदा हो सकती है, उसकी पैरवी का काम मुझे सौपा गया है,' लिकन ने मेरी को यह बात बताते हुए कहा, 'चैम्पेन और मैक्लीन के प्रदेश केन्द्रीय इलीनाइस की ज़मीनो का कर वसूल कर रहे है और वे चाहते है कि मैं उनकी ओर से मुकदमे की पैरवी करू । उधर रेल रोड वाले भी अनुरोध कर रहे है कि मैं उनकी ओर से मुकदमा लडू

और वे मुझे रखने के लिए २५० डालर की फीस देने के लिए तैयार हैं। मैं कुछ इस उलझन मे फस गया हू कि चैम्पेन प्रदेश के क्लर्क और मेरे बीच कुछ पत्र-व्यवहार हो रहा है और उसे मेरी सेवा पर प्राथमिक अधिकार है, किन्तु मुझे उससे यह कहना है कि वह यह निश्चित कर ले कि वह मुझे लगभग उतनी फीस दिला सकेगा, जितनी मुझे रेल रोड से मिलती है ? मैं इतनी बडी फीस छोडना नही चाहता।'

हिमपात आरम्भ हुआ और अब्राहम अपनी लम्बी यात्रा पर चला गया। जब पावल-परिवार साथ वाले नगर मे चला गया, तो मेरी को बहुत दु ख हुआ क्योकि अब वह उनके बेटे हावर्ड को अपने घर रात को नही ठहरा सकती थी, किन्तु उसने एक नई आयरिश लडकी को ढूढ लिया जो उसके पास सोने के लिए तैयार हो गई।

मेरी का अधिक समय नन्हे टैड के साथ ही गुज़रता था। जब वह ६ मास का हो गया तो मेरी ने उसे परिपक्व भोजन देना आरम्भ कर दिया और गाने गाकर तथा खिलौनो द्वारा उसका ध्यान बटाने लगी, ताकि वह जल्दी से भोजन को निगल सके। जब वह अपने हाथो से खाना खाने के योग्य हुआ तो वह उसे ऐसे ही ढग सिखाने का कोई रास्ता निकाल लेती। विलियम का बच्चे के प्रति बहुत प्रेम था। जब बच्चा आगन मे सोया होता था, विलियम उसकी देखभाल किया करता था और रसोई के फर्श पर उसके साथ खेला करता था। जहा तक राबर्ट का सम्बन्ध था, मेरी ने उसे बताया कि टैड का जब जन्म हुआ तो उसके तालू मे क्या खराबी थी। यह बताते हुए मेरी ने सोचा था कि क्योकि राबर्ट को स्वय ऐसी कठिनाई का अनुभव था इसलिए वह बच्चे के साथ सहानुभूति करेगा; किन्तु राबर्ट को इसमे अपना व्यक्तिगत अपमान अनुभव हुआ कि उसके भाई मे कोई खराबी थी और वह इस प्रकार व्यवहार करने लगा मानो उसके माता-पिता ने अन्य लडको के बीच उसकी स्थिति को हानि पहुचाई हो। टैड के पास से गुज़रते हुए वह आखे टेडी कर लेता था।

अब्राहम की तरह मेरी को बच्चे से अत्यधिक प्यार था और उसका दुःख मेरी के हृदय पर एक पत्थर की तरह अनुभव होता था।

बहुत अच्छा हिमपात हुआ। मौसम मे गर्मी और आर्द्रता थी। मेरी बच्चो को स्विस बेल रिगर का सगीत सुनाने के लिए ले गई और फिर टाम थम्ब के साथ पी० टी० बार्नम का सरकस दिखाने के लिए। शाम के समय वह उन्हे आयरिश लडकी के पास छोड जाती थी और स्वय मर्सी तथा हेलेन के साथ राबिन्सन एथेनियम के पास चली जाती थी, जहा अनेक नाटककार और अन्य साहित्यकार थे तथा मस्तिष्क के विकास के सम्बन्ध मे प्रोफेसर पामर के भाषण हुआ करते थे। अब्राहम अपने सदेश भेजता रहता था। उन प्रदेशो के क्लर्कों ने उसे और मुकदमे की पैरवी की अनुमति दे दी थी। इलीनाइस सेन्ट्रल ने उसकी फीस चुका दी थी। लेक्सिगटन मे उसके वकील ने लेवी और जार्ज से कहा था कि वे उन व्यक्तियो के नाम बताए जिनका मुकदमे के साथ सम्बन्ध था और वह उन लोगो से शेलबी विले और बीयर्ड्स टाउन मे गवाही प्राप्त करेगा।

सप्ताह मे तीन-चार दिन शाम को वह डाक्टर जेन के घर जाया करती थी, जहा जूलिया अपने पति को ले गई थी, ताकि उसका पिता उसकी देखभाल कर सके और उसका फेफडो का रोग ठीक हो जाए और वहा अपने पुराने मित्रो को प्रसन्न किया करती थी, जिन्हे इस लम्बी बीमारी ने दुर्भाग्यग्रस्त कर दिया था।

नवम्बर के मध्य मे मेरी को बेट्सी का पत्र मिला, जिसमे लिखा था कि एमिली कुछ दिनो के लिए स्प्रिङ्गफील्ड आना चाहती है। मेरी ने उसे लिख भेजा कि वह आए और उन्हीके पास ठहरे। अगले दो सप्ताह मेरी ने सिलाई के कमरे मे सफेद पर्दे सीने मे ही गुज़ारे। अब्राहम एमिली का स्वागत करने के लिए उचित समय पर लौट आया। एमिली के बाल अब लम्बे हो गए थे और उनका रग लाल और सुनहरी था। उसकी आखे नीले रग की थी और उनमें गहराई झलकती थी। उसका शरीर रूई की तरह कोमल था। उसके नक्श बहुत सुन्दर थे। उसे देखकर मेरी को वे दिन याद आ गए, जब वह स्वय अठारह वर्ष की थी। अब्राहम ने अपनी लम्बी बाहे एमिली की ओर बढा दी और लेक्सिगटन के शब्द दोहराये, 'यह है हमारी नन्ही बहन।'

'अब मेरे सामने मा का घेरेदार स्कर्ट नही है, जिसके पीछे मैं अब छुप सकू,' एमिली ने उत्तर दिया, 'और इसके साथ ही भाई लिंकन, तुम अब इतने अधिक लम्बे दिखाई नही देते।' मेरी ने सामान निकालने मे बहन की सहायता की।

'जब मैं पहली रात एलेज़बेथ के घर पहुची थी तो मैने मोमबत्ती जलाकर कमरे की खिडकी मे रख दी थी, ताकि सभी नौजवान लडके समझ ले कि मैं यहा आ गई हू। किन्तु अब तो स्प्रिङ्गफील्ड एक बडा नगर बन गया है। उसकी सात हजार की जनसख्या है इसलिए उस ढग से लाभ नही होगा। मैने अमेरिकन हाउस मे शाम के सहभोज और नृत्य का आयोजन किया है।'

'मेरी, तुमने यह बहुत अच्छा सोचा है, किन्तु मुझे इसकी आवश्यकता नही कि यह कहा जाए कि मै पति ढूढने के लिए यहा आई हू।'

'बहुत अच्छा, मैं तुम्हे वचन देती हू कि मैं जरनल पत्रिका मे विज्ञापन नही दूगी, किन्तु मैं आशा करती हू कि तुम यही विवाह करके रहने लगोगी।'

एक मास इसी हसी-खुशी मे बीत गया। मेरी ने एमिली की खातिर कई सहभोज दिए। उसे ऑड फेलोज़ हाल के औपचारिक नृत्य-आयोजनो मे ले गई या आइवस ऐण्डकूरन की सराफे की दुकान पर ले गई। नववर्ष-दिवस को रात्रि के सहभोज के लिए उसने बैठक का सारा फर्नीचर बाहर निकाल दिया और फर्श पर चावल का आटा बिछा दिया और आरकेस्ट्रा का प्रबन्ध कर लिया। नववर्ष-दिवस पर मेरी और एमिली ने दरवाज़े पर खडे होकर अतिथियो का स्वागत किया।

नववर्ष-दिवस का उत्सव हुए अभी तीन या चार दिन ही हुए थे, जबकि सारी मुसीबत खडी हो गई। सारी गडबड के लिए उनका मित्र स्टीफेन डगलस उत्तरदायी था क्योकि उसने प्रदेश-सम्बन्धी समिति के सभापति के नाते इडियनो द्वारा अधिकृत विस्तृत नेबरास्का प्रदेश के बारे मे रिपोर्ट पेश की थी और यह घोषणा की थी

'...इस प्रदेश को दासता-सहित अथवा दासता के बिना सघ मे प्रवेश की अनुमति दे दी जाएगी।' अगीठी मे लकडी जल रही थी और उसके सामने आरामकुर्सियो मे वे दोनो बैठे थे। मेरी ने असमजस-भाव से पूछा :

नेबरास्का का सारा प्रदेश तो समझौते के अनुसार बनाई गई सीमा के उत्तर मे है। क्या तदनुसार उस प्रदेश को दासता से मुक्त नही होना चाहिए ?'

लिकन क्षण भर उसकी ओर निर्निमेष नेत्रो से देखता रहा। उसकी दृष्टि से चिंता के भाव लक्षित हो रहे थे। जब उसने उत्तर दिया तो बहुत धीरे-धीरे, जैसे वह समस्या की गहराई मे खो गया हो

'किसीने कभी यह नही सोचा था किसीके भी मस्तिष्क मे यह बात कभी नही आई थी कि नेबरास्का मे दासता की अनुमति दी जाएगी। उस प्रदेश को दासता से विमुक्त रखने की बात मिसूरी-समझौते के अनुसार अनिवार्य-रूपेण इतनी ही निश्चित है जितनी कि हमारे इलीनाइस प्रदेश मे।'

उसने रजिस्टर पत्र उठाया जिसमे यह समाचार निकला था। जब डगलस प्रदेशो मे सम्पत्ति लाने ले जाने की बात करता है तो उसका अभिप्राय दासो से होता है। उसके तर्क के अनुसार मिसूरी-समझौते को अवैध घोषित किया जा सकता है और फिर तो देश मे कोई भी ऐसा प्रदेश नही रहेगा जिसमें दासता की प्रथा न होगी। उसी व्यक्ति ने १८५० के समझौते के लिए इतना अधिक परिश्रम किया था, किन्तु इस बिल से पुन यह झगडा उठ खडा होगा। न जाने वह इसमे किस लाभ की आशा कर रही है?'

'ह्वाइट हाउस की?'

ऐसा लगा मानो ये तीन शब्द लिंकन के चेहरे पर चाबुक के समान लगे।

'किन्तु दासता का मार्ग उच्चकार्यपालिका के भवन मे पहुचने का मार्ग नही है। इससे तो उत्तर और दक्षिण के डेमोक्रेटो मे फूट पड जाएगी।'

अब्राहम फर्श पर इधर-उधर घूमने लगा। उसकी भौहे सिकुडी हुई थी और शरीर मे तनाव था। मेरी ने उसे तब से इस प्रकार कभी आवेश मे नही देखा था, जब से उसने स्वय राजनीति के क्षेत्र मे पदार्पण किया था। मेरी की दृष्टि उसकी चेष्टाओ की ओर लगी हुई थी। उसके शरीर मे भी तनाव पैदा हो गया और होठ भिच गए। काग्रेस मे इस बिल पर लम्बी और गर्मागर्म चर्चा होगी तो क्या लिंकन इस प्रकार आवेश मे रहेगा? उसने तो सौगध ली थी कि उसे राजनीति मे अभिरुचि नही रही थी, किन्तु इस समय जब वह बैठक मे एक कोने से दूसरे कोने तक चक्कर लगा रहा था तो उसका स्वरूप ऐसा नही था जिसे राजनीति मे अभिरुचि न रखने वाला व्यक्ति कहा जा सकता।

अगले तीन सप्ताह उन्हे जितने भी समाचारपत्र मिल सकते थे अर्थात् 'बोस्टन पोस्ट', 'फिलेडेलफिया आरगस', उत्तर के प्रदेश का 'न्यूयार्क ट्रिब्यून',

'न्यू ओर्लियन बुलेटिन', और दक्षिण प्रदेश के 'चार्ल्स्टन न्यूज़' तथा 'मेकन मैसेजर' सब पढ डाले। जब अब्राहम समाचारो को पढने मे खो जाता था तो वह यह सोचता रहता था कि डगलस मिसूरी-समझौते को तोडने का कहा तक साहस करेगा।

उनके इस प्रश्न का उत्तर २३ जनवरी, १८५४ को मिल गया, जब डगलस सीनेट के समक्ष एक पुनरीक्षित बिल लाया। इस बिल मे डगलस ने नेबरास्का के प्रदेश को दो प्रदेशो अर्थात् कसास और नेबरास्का मे विभाजित कर दिया था और यह उपबध किया था कि जब इन राज्यो को प्रविष्ट किया जाए तो उनके अपने-अपने सविधानो के अनुसार दासता-सहित अथवा दासता-प्रथा के बिना प्रविष्ट किया जाए और कि १८२० का मिसूरी-समझौता निरसित कर दिया जाए।

मेरी के समक्ष अब यह प्रश्न न रहा कि अब्राहम आवेश मे रहेगा अथवा नही, वह इतना अधिक चिताग्रस्त था कि मेरी ने उसे कभी इस प्रकार चिंतित नही देखा था। क्या डगलस ने अपनी पार्टी को सगठित करने के लिए यह चाल चली थी? क्या वह नेबरास्का को सघ मे मिला लेने के लिए प्रयत्न कर रहा था कि वह पूर्व मे शिकागो को अन्तिम स्टेशन बनाकर उत्तर तक सारे प्रदेश मे रेलगाडी का मार्ग बनाना चाहता था? बहुत प्रयत्न करने पर भी उन्हे इस चिंताजनक बात का सतोषजनक उत्तर न मिला, न ही अब्राहम का अत्यधिक क्रोध अब उसकी व्यक्तिगत ईर्ष्या की बात रह गई थी, ये समस्याए व्यक्तिगत आकाक्षा अथवा विरोधी भावनाओ से कही अधिक बडी थी। यदि डगलस का बिल पास हो गया तो अमेरिकन महाद्वीप के जो प्रदेश आबाद नही है, उन सबमे दासता की प्रथा आरम्भ हो जाएगी।

अब्राहम अगीठी के सामने खडा अपने ठडे हाथ ताप रहा था।

'डगलस कहता है कि वह काग्रेस का तानाशाह है और जो बात भी चाहे उससे मनवा सकता है, और यह बात सच है। दोनो सदनो मे बहुमत पर उसका नियत्रण है। वह अकेला ही इस राष्ट्र को ऐसी स्थिति मे धकेल रहा है जिसमे वर्ग-विभाजन होगा और दोनो ओर के राज्य अलग-अलग हो जाने की माग करने लगेगे। मुझे जूलियस सीज़र की यह पक्ति स्मरण हो आती है—वह एक बडे देव की तरह इस ससार को रौदता हुआ घूम रहा है और हम छोटे-

छोटे लोग उसकी टागो के नीचे घूम रहे है। जब हम इधर-उधर झाकते हैं तो हमे पता लगता है कि हम तो केवलमात्र अपमानजनक कब्रे है।'

बिस्तर पर लेटते ही मेरी गहरी नीद मे खो गई।

जब प्रातःकाल वह उठी तो उसने देखा कि अब्राहम रात्रि के लिबास की अपनी लम्बी-पीली कमीज पहने अपने बिस्तर के किनारे बैठा है, उसकी ठुड्डी छाती पर टिकी हुई है। जब लिंकन ने मेरी के उठने की आहट सुनी तो वह मेरी की ओर मुडा और उसने हृदय की गहराई की थाह पा लेने वाले लहजे मे पूछा·

'मेरी, क्या यह राष्ट्र आधा गुलाम और आधा स्वतत्र रूप मे जीवित रह सकता है?'

६०

ऐसा प्रतीत होता था मानो वर्षों की वह शिथिलता कभी आई ही न थी। पहले तो अब्राहम को राजनीति मे इसलिए अभिरुचि थी कि वह इसे ससार मे उन्नति का साधन समझता था, यद्यपि उसकी अकाक्षा मे स्वायत्त शासन का जोश विद्यमान था। अब जबकि उसका मन इस निश्चय की तपन से झुलस रहा था कि वह दासता को फैलने नही देगा, तो उसका समस्त स्वार्थ सिद्धात के प्रति बलिदान की भावना मे विलीन हो गया था। हर शाम को वह बैठक के फर्श पर फैले पत्र पत्रिकाओ के ढेर मे खोया रहता था। अब वह राज्य-भवन के पुस्तकालय मे हास-परिहास और मित्रो से मिलने के लिए नही जाया करता था। उसकी बजाय वह वहा दासता के विषय पर सविधान के सारतत्व का अध्ययन करने के लिए और १७८७ मे उत्तर-पश्चिम के प्रदश के लिए लिखे गए पहले अध्यादेश, दासता-सम्बन्धी अर्थव्यवस्था और १८२० के मिसूरी-समझौते तथा १८५० के समझौते के समय हुए वाद-विवाद का अध्ययन किया करता था। घर से जाते समय वह मेरी को बताया करता कि वह क्या ढूढने के लिए

जा रहा है और लौटने पर उसे बताता कि उसे ढूढने पर किस बात का पता लगा है। अब उसने अपने पुरुष मित्रो को अपने मन की बात बताना छोड दिया था और अब मेरी ही पहले की अपेक्षा कही अधिक उसकी सलाहकार तथा सहायक बन गई थी।

एक दूसरे को अधिक समझने के कारण उनका प्रेम अधिक गहरा और दृढ हो गया था। उनके जीवन मे एक लक्ष्य की पूर्ति के लिए एक सामूहिक निष्ठा का भाव पैदा हो गया था, जिसके बिना उनके सम्बन्ध को आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त नही हुई थी। अब जबकि मेरी उसकी पूर्णरूपेण साझीदार बन गई थी, तो अब्राहम ने अपने धीमे तथा दु.खप्रद विकासक्रम मे भी मेरी को सम्मिलित कर लिया था।

'मेरी यदि मुझे समस्त भौतिक शक्ति भी मिल जाए तो भी मैं यह न जान सकूगा कि मुझे वर्तमान दासता-प्रथा का क्या करना चाहिए; किन्तु मै इतना अवश्य जानता हू कि इसे बढने देना ईश्वर तथा मनुष्य के प्रति अपराध है।'

मेरी अब उसकी विफलताओ का लक्षण न रही थी, किन्तु वह अब उसकी शक्ति और बलिदान का प्रतीक थी। अब वह अपनी पत्नी को मुख भी दिखा सकता था और उसका आदर भी कर सकता था क्योकि अब वह अपना सम्मान करने लगा था।

इन विपत्ति के महीनो ने उनपर अपना प्रभाव छोड दिया था। मेरी अब यह नही कह सकती थी कि वह ३५ वर्ष की होते हुए भी युवती दिखाई देती थी। उसकी आकृति मे कोमलता नही रही थी, चेहरे पर कठोरता लक्षित होने लगी थी, होठ तने रहते थे और आखो मे भी सख्ती दृष्टिगोचर होती थी ·

फिर भी अब्राहम मे जोश था। अब उसका नवकल्प हो गया था, उसकी त्वचा की रगत बदल गई थी, आखो मे चमक आ गई थी और उसकी मुखाकृति आकर्षक हो गई थी। ज्योही वह घर मे प्रवेश करता था, उसके आकर्षण का प्रभाव अनुभव होने लगता था। उस समय कोई यह न कह सकता था कि लिंकन अनुपस्थित है, अब फिर उसे उपस्थित समझा जाने लगा और उसकी गणना होने लगी।

मेरी इलीनाइस के हाउस आफ रिप्रेज़ेंटेटिव (प्रतिनिधि सभा) के हाल मे गई और मेहराब के नीचे अर्द्धवृत्ताकार बालकनी मे बैठकर नेबरास्का के बिल के

बारे मे वाद-विवाद सुनने लगी । सभा के सत्तर डेमोक्रेटिक सदस्यों मे से केवल तीन डगलस के बिल के पक्ष मे थे, किन्तु फिर भी डगलस ने यह सन्देश भेजा था कि वह चाहता है कि इलीनाइस का विधान-मडल उसके बिल का समर्थन करेगा । जैसा उसने लिखा था वैसा ही हुआ और बिल बहुमत से पास हो गया। जब वह यह समाचार घर अब्राहम के पास लाई तो अब्राहम ने आश्चर्य-भाव से कहा :

'बिरजिस पहने हुए स्टीम इजन जैसे इस व्यक्ति ने कितनी आश्चर्यजनक शक्ति प्राप्त कर ली है कि स्वय उपस्थित न होते हुए भी कुछ लोगो से उनके सिद्धान्त के विरुद्ध काम करवा सकता था ।'

यद्यपि 'न्यूयार्क ट्रिब्यून' के होरेस ग्रीले, 'न्यूयार्क टाइम्स' के हेनरी रेमाड, 'इवनिग पोस्ट' के विलियम कूलन ब्रायट और अन्य उत्तर के सैकडो समाचारपत्रो ने डगलस के बिल का विरोध किया था। यद्यपि दक्षिण प्रदेश के बाहर प्रत्येक नगर मे विरोधी जलसे किए गए, प्रशासन और सीनेट को अनेक सकल्प पास करके भेजे गए, यद्यपि नगर-नगर मे उसके बुत बनाकर जलाए गए, फिर भी स्टीफेन डगलस ने अपना बिल ४ मार्च, १८५४ को सीनेट मे पास करवा लिया । इसके बाद विरोध का तूफान उठ खडा हुआ । न्यूइगलैड के तीन हज़ार पादरियो ने बिल का विरोध किया, वकील, चिकित्सक, वास्तुकला विशारद, इजीनियर, लेखक सभी डगलस के बिल का विरोध करने के लिए पूरा समय दे रहे थे । वे लोग देश भर मे पत्र-पत्रिकाए परिचालित कर रहे थे। बोस्टन, न्यूयार्क, शिकागो और फिलेडेलफिया के व्यापारियो ने अभ्यावेदन भेजे और बिल का विरोध करने के लिए रुपया भी एकत्र किया, किन्तु डगलस ने हाउस मे भी बिल को पास करवा लिया और वह देश का कानून बन गया ।

जब यह समाचार तार द्वारा स्प्रिगफील्ड पहुचा तो अब्राहम ने आवेश मे कहा, 'इसे कानून कहना अनुचित है, यह अधिनियम तो हिंसापूर्ण कार्य है, हिसा द्वारा ही इसे पास किया गया है और हिसा द्वारा ही इसे लागू किया जाएगा । कसास और नेब्रास्का मे हिंसापूर्ण कृत्य होगे और यदि उन राज्यो को दासता-प्रथा वाले राज्यो के रूप मे लिया गया तो यह हिंसा देश भर मे फैल जाएगी । हम लाखो लोग पूर्णरूपेण पराजित हो गए है और हमे पराजित भी उस छोटे-

से व्यक्ति ने किया है जो प्रतिदिन नेपोलियन जैसा दिखाई देने लगा है। उसे रोकना होगा।'

मेरी तीनवर्षीय विलियम के लिए सूती कमीज़ की बांहें सी रहीं थी। उसने कमीज़ नीचे रख दी और फटी-फटी आंखों से अब्राहम की ओर देखने लगी और बोली:

'वह कैसे ?'

'मैं यह तो नहीं जानता कि कैसे रोका जाए, किन्तु इतना जानता हूं कि आरम्भ में क्या करना चाहिए। हमारे जिले का रिचर्ड येट्स नेबरास्का का ज़बरदस्त विरोधी है। मैं उससे अनुरोध करूंगा कि वह कांग्रेस के पुनर्निर्वाचन के लिए खड़ा हो और फिर उसे सफल कराने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा दूंगा।

मेरी के शरीर में सनसनी-सी दौड़ गई। उसने प्रयत्नपूर्वक अपनी आवाज़ को शांत रखते हुए कहा:

'तुम्हारे बारे में क्या है ? क्या तुम्हें कंसास और नेबरास्का को दास-प्रथा वाले राज्यों के रूप मे संघ में प्रविष्ट होने से रोकने के लिए स्वयं वाशिंगटन नहीं जाना चाहिए ?' जब मेरी ने देखा कि लिंकन उसकी ओर कनखियों से देख रहा है तो उसने जल्दी में यह बात और कह डाली, 'नहीं अब्राहम, मै ऐसा व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के हेतु नहीं कह रही हूं, यदि तुममें परिवर्तन आ सकता है तो मुझमें भी परिवर्तन आ सकता है, यदि तुम विकास कर सकते हो तो मैं भी कर सकती हूं।'

'मैं अब किसी भी पद के लिए प्रयत्न नही करूंगा,' उसने उत्तर दिया, 'मैं तो चाहता हूं कि स्वतन्त्र रहूं और मुझे जहां भी सचाई दिखाई दे उसका समर्थन करूं।'

'यदि डगलस अमेरिका की सीनेट में न होता तो क्या वह कोई हानि पहुंचा सकता था ? यदि तुम भी सीनेट में होते और उसका वहां विरोध करते तो क्या तुम कहीं अधिक भलाई न कर सकते ?'

'डगलस में अपने आपको निर्वाचित करने की प्रतिभा है। मुझे अपने अंदर वैसी योग्यता को अभी ढूढना है।'

वे दोनों एक स्थानीय निर्वाचन में उलझ गए। विलियम हर्नडन स्प्रिंगफील्ड

के मेयर के पद के लिए चुनाव लड रहा था और अब्राहम उसके चुनाव के प्रयत्नो मे लगा हुआ था। मेरी को विश्वास था कि हर्नडन सबसे बुरा मेयर प्रमाणित होगा, किन्तु उसे आश्चर्य हुआ कि न केवल वह चुनाव मे जीत गया बल्कि उसने नगर की सफाई करवा दी, गलियो को पक्का बनवा दिया, नगर को कीचड से मुक्त कर दिया और ये आदेश पास किए कि गलियो मे कूडा इकट्ठा नही किया जा सकता। उसने यह भी आदेश दिया कि बदबूदार पाखाने नगर की सीमाओ से बाहर निकाल दिए जाए और सबसे बडी बात यह की कि परिषद् द्वारा एक अध्यादेश पास करवाया जिससे नगर की सीमाओ मे शराब बेचना निषिद्ध कर दिया गया।

'अब्राहम, मुझे विवश होकर यह स्वीकार करना पडता है कि तुम्हारे साझेदार मे कुछ न कुछ योग्यता अवश्य है और मै उसकी आभारी हू कि उसने शराब निषिद्ध कर दी है। अब तुम्हे कोई प्रात जगाने नही आएगा कि उसकी जमानत देकर उसे जेल से मुक्त करवाया जाए।'

'अरे पुस, इस बात को चार वर्ष हो गए है जब बिली ने दुकान को तोडा था।'

विपत्ति के वर्षों मे लिकन ने मेरी को मौली के नाम से बुलाना बन्द कर दिया था और मेरी को यह अभाव अखरता था। अब जब कभी उसके हृदय मे प्रेम उमडता था, वह उसे पुस कहकर पुकारता था। मेरी नही जानती कि उसने यह नाम कहा से प्राप्त किया था, किन्तु वह इसमे लक्षित प्रेम को पसन्द करती थी।

गर्मियो के आरम्भ मे कैसियस क्ले राज्य-भवन मे भाषण देने के लिए आया। जब से केंटुकी के राज्यपाल के पद के निर्वाचन मे उसपर विपत्ति आई थी, वह अपने खेत पर रहने लगा था। जब डगलस का नेबरास्का बिल पास हुआ तो कैसियस के शरीर मे आग-सी दौड गई और वह लावे की तरह राजनीतिक क्षेत्र मे कूद पडा।

जब अब्राहम दुपहर के समय खाना खाने घर आया तो उसने समाचार दिया कि राज्य के डेमोक्रेटिक सचिव ने कैसियस क्ले को स्टेट हाउस मे भाषण देने की अनुमति नही दी। यह पहला सार्वजनिक भाषण था जिसकी अनुमति नही दी गई थी। अत मेरी पाच बजे अब्राहम के साथ खुले मैदान मे कैसियस का भाषण सुनने गई। मैदान मे लकडी का एक मच तैयार किया गया था

और लगभग हजार लोग वहा एकत्र थे । ये भी ठडी-ठडी घास पर वहा बैठ गए और उनके सामने जोशीला कैसियस खडा था । उसके बडे सिर पर घने बाल थे, बडी-बडी आखो से आग बरस रही थी, आकृति से दृढता टपक रही थी और वह शक्ति-स्तम्भ-सा वहा खडा था । अब्राहम ने ज़मीन पर पडी कुछ शाखाए उठाईं तथा जेब मे से चाकू निकालकर उन्हे छीलने लगा । 'इसे मच से नीचे उतार दो' के नारो मे कैसियस ने भाषण आरम्भ किया और ढाई घटे तक बोलता रहा । उसने मिसूरी-समझौते की धज्जिया उडा दी । उसकी सशक्त आवाज़ से पडाल गूज उठा, न केवल ऊची आवाज के कारण बल्कि उसकी शान और बिल के प्रति नैतिक विरोध की भावना से सभी लोग प्रभावित हुए ।

कैसियस ने अपनी बाहे फैलाकर ऊची आवाज मे कहा, 'जब तक दासता स्थानीय सस्था के रूप मे विद्यमान है, इसे इसी तरह रहने देना चाहिए । किंतु जब दासता आक्रमणकारी बन जाती है और स्वतन्त्र प्रदेशो मे फैलने का प्रयत्न करती है तो मै उठकर उसका विरोध करूगा ।'

अब्राहम के बिलकुल पीछे खडे एक हकले ने ऊचे स्वर मे कहा, 'क्या तुम भगोडे दास की सहायता करोगे ?'

'यह देखना होगा कि वह किस ओर भाग रहा था'—कैसियस ने उत्तर दिया ।

भाषण की समाप्ति पर कैसियस की बहुत प्रशसा की गई । अब्राहम ने प्रशसा करते हुए कहा, 'यह सचमुच महान् व्यक्ति है ।' मेरी उसे मच के समीप ले गई । जब कैसियस की दृष्टि मेरी पर पडी तो वह मच से कूद पडा और उसने मेरी को आलिंगन मे बाध लिया ।

'कैस, मुझे यह बताओ तुम कहा ठहरे हुए हो, ताकि अब्राहम जाकर तुम्हारा सामान ले आए ।'

उन्होने शाम का भोजन बरामदे मे बैठकर किया । प्यास बुझाने के लिए उनके पास नीबू के पानी के मर्तबान रखे हुए थे । मेरी कोने मे बैठी उनकी बाते सुन रही थी और उनके चेहरो पर चादनी छिटकी हुई थी । अब्राहम ने पूछा कि ऐसे स्वतन्त्र लोगो का सगठन कहा मिल सकता है जो पुरानी राजनीतिक शत्रुता को भुला दे और सविधान के अन्तर्गत जहा कही सम्भव हो, दासता पर आघात करे और कैसियस ने पूछा कि नई रिपब्लिकन पार्टी के बारे

मे उसका क्या विचार है, जिसकी पहली बैठक रिपन मे हुई थी, दूसरी फरवरी मे विस्कासिन मे और फिर कुछ सप्ताह पश्चात् जैक्सन और मिशीगन मे बैठके हुई थी।

अब्राहम ने निश्चित भाव से उत्तर दिया, 'मुझे किसीसे मिलकर काम करने मे आपत्ति नही, किन्तु मिलने का आधार ऐसा होना चाहिए जिसे मैं उचित समझता होऊ, किन्तु इस दल मे बहुत-से दासता के क्रान्तिकारी विरोधी है और मै समझता हू कि उन लोगो का पक्ष लेने पर मै दक्षिण प्रदेश को सघ से अलग होने की प्रेरणा ही दूगा।'

अगले दिन प्रात. ही लीमैन और जूलिया ट्रम्बल श्री क्ले से मिलने के लिए उनके घर आए, किन्तु वह अगले स्थान पर भाषण देने के लिए चला गया था। लीमैन इतना अधिक बीमार था कि वह गत शाम क्ले का भाषण सुनने नही जा सका था किन्तु जब उसने जरनल मे भाषण को पढा तो वह क्ले और लिंकन को बताने आया कि वह डेमोक्रेटिक पार्टी को छोड रहा है और कसास-नेबरास्का बिल को रद्द करवाने के काम मे लग जाएगा। बीमारी से इतने दुबले-पतले हुए लीमैन के लिए यह बहुत साहस का काम था। मेरी ने उसके साहस की सराहना की और उनसे प्रार्थना की कि वे ठहरे और शाम का भोजन उनके साथ करे। जूलिया ने अपने पति से अनुरोध किया कि वे इस आमन्त्रण को स्वीकार कर ले। जूलिया जेन मेरी की सबसे अधिक प्रशसा किया करती थी और कहा करती थी, 'मेरे परिचितो मे से तुम ही सबसे अधिक अच्छी वक्ता हो।' जब मेरी लिंकन से चोरी-छुपे मिला करती थी उन दिनो इन दोनो मे घनिष्ठता पैदा हो गई थी। उन्हे इस बात का बहुत खेद था कि ट्रम्बल-परिवार पहले बेली विले चला गया था और फिर उसके बाद आल्टन मे जा बसा था, जिस कारण अब उनका मेल केवल स्प्रिंगफील्ड मे न्यायालय के सत्र के समय ही हुआ करता था। जूलिया, जो अब सदा काले वस्त्र पहना करती थी, बहुत सूझ-बूझ वाली लडकी थी किन्तु उसके एक लडके की शैशवकाल मे ही मृत्यु हो गई थी और गम्भीर प्रकृति तथा हास्य-विनोद-रहित लीमैन के साथ जीवन बिताते हुए उसपर यह प्रभाव पडा था कि उसका उल्लास भी समाप्त हो गया था। कुछ लोगो की राय मे लीमैन रूक्ष स्वभाव का व्यक्ति था, अच्छा अध्येता और वास्तव मे प्रतिभाशाली था। वह सुनहरी फ्रेम की ऐनक पहना

करता था और उसके चेहरे पर मुस्कराहट बहुत ही कम देखने को मिलती थी। तो भी लिंकन-परिवार के साथ उसका मेलजोल था और अब जबकि वह बीमारी से उठा था और स्वस्थ हो रहा था, तो ग्रीष्मऋतु की अनेक शामे उन परिवारो की इकट्ठी बीती थी। गर्मियो के अन्त मे लीमैन ने घोषणा की कि वह इस बार कांग्रेस का चुनाव लडेगा। उसने अब्राहम से भी अनुरोध किया कि वह राजनीतिक क्षेत्र मे कार्यशील हो जाए।

अब्राहम ने उत्तर दिया, 'मैं तो पहले ही इस क्षेत्र मे कूद पडा हू। येट्स ने कहा है कि वह कांग्रेस मे चुनाव के लिए दोबारा खडा होगा यदि मैं राज्य-विधान-सभा का चुनाव लडू, टिकट प्राप्त करने मे उसकी सहायता करू।'

मेरी आश्चर्यचकित होकर बोली, 'परन्तु लिंकन, तुमने तो कहा था कि अब इतनी देर हो चुकी है कि तुम वापस विधान-सभा मे नही आ सकते?'

'वह बात तो मैने सर्वथा भिन्न परिस्थितियो मे कही थी। मैंने उसे वचन दिया था कि मै राजनीति मे पदार्पण करूगा और येट्स को पुन निर्वाचित करवा दूगा और यदि वह समझता है कि टिकट पर मेरा नाम होने से उसे लाभ हो सकता है तो मै भी निश्चय ही चुनाव लडूगा।'

जब जूलिया और जेन गाडी मे सवार होकर चले गए तो मेरी ने पूछा, 'क्या व्हिगो को राज्य-विधान-सभा मे बहुमत प्राप्त करने की आशा है?'

'सम्भवत. हम नेबरास्का बिल के विरुद्ध साझा शासन बना सके।'

'मेरी को आशा की किरण दिखाई दी और उसने पूछा, 'क्या नई राज्य-विधान-सभा अमेरिका की सीनेट का सदस्य नही चुनेगी?'

'देखो पुस, मैंने तो अभी पानी मे अगूठा ही डाला है ''।'

'यहा मै जो तुम्हे सागर के मध्य मे धकेल रही हू। किन्तु जिमी शील्ड्स पुन निर्वाचित नही हो सकता और यदि आखिर ऐसी परिस्थिति हो जाए कि व्हिगो को अधिक मत हाथ लग जाए '

लिंकन मुस्कराया तथा होठ भीचते हुए उसने सिर को ऊपर-नीचे हिलाया।

'कभी-कभी यह विचार मेरे मन के शून्य मे भी टकराया है। यदि ऐसा हो सका कि अमेरिका की सीनेट के लिए किसी व्हिग को चुना गया तो मै अवश्य इसपर विचार करूगा कि वह व्यक्ति बनने का अवसर मुझे मिले।'

मेरी ने शरीर को सीधा किया, सिर ऊंचा उठा लिया और फिर एक ओर झुकते हुए बोली .

'तो हम छोटे-छोटे लोग बडे देव के पाव तले नहीं चलेंगे और अपने आस-पास झाककर यह अनुभव नही करेंगे कि हम अपमानित कब्रें मात्र है। हम पुन. अपने मार्ग पर आ गए हैं।'

६१

किसी कानून-सम्बन्धी काम के लिए अब्राहम को ब्लूमिंगटन जाना पडा, किन्तु डगलस भी वहा होगा और अब्राहम को आशा थी कि उसके साथ भी उलझना पडेगा। जब वह लौटा तो उसकी आखो मे चमक थी और चाल मे जवानी की झलक। वह बोला .

'डगलस ने मेरे साथ वाद-विवाद करने से इन्कार कर दिया। उसने कहा . यह मेरा जलसा है। लोग मुझे सुनने के लिए आए है और मै उनसे बाते करना चाहता हू।—किन्तु जब उसने भाषण समाप्त किया तो लोगो ने मुझे भाषण देने के लिए आमन्त्रित किया। मैने उन्हे कहा कि वे घर जाकर भोजन करे और फिर वापस आए, तब मैं अपना भाषण दूगा और मै डगलस को अवसर दूगा ताकि वह मेरी बातो का उत्तर दे। मुझे विश्वास था कि डेमोक्रेट इस आशा से अवश्य आएगे कि वे डगलस को मेरी कलई खोलते हुए सुनेंगे।'

'किन्तु उसकी बजाय तुम्हीने उसकी कलई खोल दी।'

अब्राहम ने सिर झुका लिया और आश्चर्य के भाव मे उसका बाया कधा ऊपर उठ गया।

'उस बावेले को काबू मे लाना है तो कठिन। तुम स्वय भी देखोगी, वह मेले के प्रथम दिन वहा भाषण देने के लिए आ रहा है।'

मगलवार, ३ अक्तूबर, १८५४ को प्रात मेरी ने परिवार को जगाया और वे आठ बजे नाश्ता करके तैयार हो गए।

'अच्छा तो यह होगा कि हम प्रदर्शनी को पहले देख ले। गत वर्ष का तुम्हे स्मरण होगा जब वर्षा के कारण मेले का मैदान कीचड का समुद्र बन गया था। क्या बाबी और विली इन नये वस्त्रो मे अधिक सुन्दर नही लग रहे ?'

अब्राहम ने बग्घी जोती और लिंकन-परिवार के पाचो व्यक्ति उसमे बैठकर स्प्रिगफील्ड के पश्चिम मे मेले के मैदान की ओर चल पडे। वहा पहले ही सैकडो लोग एकत्र हो गए थे और पुरस्कार वाले पशुओ, घोडो, भेडो तथा मुर्गियो को देख रहे थे। मैदान के एक ओर लकडी के ऊचे मच बनाए गए थे जिनपर से उस शाम को हजारो लोगो को स्टीफेन डगलस के भाषण को सुनना था। अब्राहम और राबर्ट घास काटने, बीज बोने और फसल कूटने की नई मशीनो को देखकर बहुत प्रभावित हुए थे। मेरी विलियम को फलो और फूलो की प्रदर्शनी दिखाने ले गई और फिर उस रजाई को देखने गई जो एलेजबेथ की बेटी जूलिया ने पुरस्कार-प्रतियोगिता के लिए दी थी। दस बजे बच्चो को भूख लग गई। अब्राहम ने उन्हे भुना हुआ अनाज, केक और शरबत खरीद दिया। इतनी देर मे बूदाबादी आरम्भ हो गई और वे सब अपनी बग्घी की ओर भागे। वे ज्योही बग्घी मे पहुचे, मूसलाधार वर्षा आरम्भ हो गई।

अब्राहम ने शोकपूर्ण स्वर मे कहा, 'लो, डगलस के इस भाषण का तो अंत हो गया। मुझे खेद है कि ये दस हजार श्रोता ' '

मध्याह्न-पश्चात् स्टेट हाउस के मार्ग मे खूब भीड थी। उन्हे लम्बे अर्द्ध-वृत्ताकार हाल मे पीछे की जगहे मिली। जब डगलस मच पर पहुचा तो मेरी आगे की ओर झुकी, ताकि उस व्यक्ति को अधिक निकट से देख सके जो अब्राहम की अवनति के चार वर्षो मे डेमोक्रेटिक पार्टी का निस्सदिग्ध नेता बन गया था और फेडरल सरकार का भी स्वामी बन गया था। जब मेरी ने उसे पिछली बार देखा था उसकी अपेक्षा अब उसका शरीर अधिक भारी हो गया था। उसने सुन्दर सिला हुआ कोट पहन रखा था, रेशमी वास्कट और पतलून डाल रखी थी। उसने अपने भूरे रग के बाल बहुत अच्छी तरह पीछे की ओर सवारे हुए थे। कनपटियो के पास बाल कुछ सफेद हो गए थे, बडी-बडी अगारो जैसी आखें थी, नाक की हड्डी उभरी हुई थी। मुह चौडा था और ठुड्डी भारी-भरकम थी। जब मच पर खडे होकर कुछ भी कहने से पूर्व उसने अपनी छोटी-छोटी

बाहो को इस प्रकार हवा मे फैला दिया, मानो अपने दो हजार श्रोताओ को आलिंगन मे ले रहा हो, तो मेरी ने उसकी प्रभावी शक्ति को अनुभव किया। जब उसने बोलना आरम्भ किया तो उसकी गहरी और तीखी आवाज न केवल बरछी की तरह लोगो के दिल मे उतर गई, वरन् उसने श्रोताओ को जाल मे जकड लिया। आग की चिनगारियो की तरह उसके अन्तर से निकलने वाले शब्द लोगो के मन को झुलसा रहे थे और उनके सब शत्रु-भाव अथवा स्नेह को जला देते थे। वह इस प्रकार तर्क पर तर्क दे रहा था कि सुनने वाला एक के बाद दूसरी बात को निश्चित भाव से स्वीकार किए जाता था।

मेरी को पता भी न लगा कि अब्राहम कब उसके पास से उठकर चला गया था, किन्तु थोडी देर बाद उसने देखा कि वह बरामदे मे इधर-उधर घूम रहा है। डगलस की आवाज़ तो सारे इलीनाइस मे गूज रही थी, लेकिन उसे बरामदे से ही सुन रहा था। पाच बजे डगलस ने भाषण समाप्त किया तो लोगो ने ज़ोर-जोर से तालिया बजाई। मेरी को चारो ओर से यही आवाज़े सुनाई दे रही थी, 'शानदार', 'अनुपम'।

मेरी भी बरामदे मे चली गई। थोडी देर बाद भीड बाहर निकलनी आरम्भ हुई। अब्राहम ऊपर की गेलरी की ओर जाने वाली सीढी पर चढ गया और बार-बार कहने लगा, 'कल इसी समय यहा आइए। मैं स्टीफेन डगलस के भाषण का उत्तर दूगा। कल मध्याह्न-पश्चात् २ बजे सीनेटर डगलस के भाषण का उत्तर सुनिए।'

जब डगलस विजय की आभा से रक्तिम चेहरे के साथ अपने प्रशसको से घिरा हुआ बरामदे मे पहुचा तो अब्राहम ने उसे पुकारा, 'श्री डगलस, मैं तुम्हे आमन्त्रित करता हू कि कल इसी समय मेरा उत्तर सुनने के लिए आओ और यदि मै कोई गलत बात कहू तो उसमे सुधार करो।'

डगलस ने ज़ोर से कहा, 'मुझे मजूर है।'

वे सीधे 'जरनल' के दफ्तर मे गए जहा अब्राहम ने एक विज्ञापन लिखा कि वह कल डगलस के भाषण का उत्तर देगा। साइमन ने कहा कि वह शाम को खाने के पश्चात् विज्ञापन को प्रकाशित कर देगा और अगली सुबह नगर तथा मेले के मैदान मे उन विज्ञापनो को प्रचारित करा देगा।

तत्पश्चात् वे घर पहुचे, ठडी सब्ज़ी, सलाद और गर्म-गर्म मास का भोजन

किया। मेरी ने विलियम और टाड को सुला दिया और स्वय फिर बैठक मे लिंकन के पास आ गई, जहा लिंकन ने हैट से निकालकर कागज़ के कई छोटे-बड़े फटे हुए टुकडे डेस्क पर बिछा रखे थे और विंचेस्टर, कैरोलटन और जैक्सनविले जैसे नगरो मे जो भाषण उसने प्रयोग की दृष्टि से दिए थे, उनके प्रायः एक दस्ता कागज़ भी पास रखे थे।

'पुस, इन कागजो को क्रम से रखने मे मेरी सहायता करो। मै कई सप्ताह इन्हे लिखता रहा हू। तुम्हारे विचार मे डगलस के तर्क का सार क्या था कि क्यो नेबरास्का ऐक्ट को पास करना तथा मिसूरी-समझौते को रद करना अच्छा है ?'

'सार ? देखो अभी सोचते है : कि १८५० के समझौते ने मिसूरी-समझौते को रद्द कर दिया था क्योकि इसके द्वारा उटाह और न्यूमेक्सिको को बिना दासता का निषेध किए सघ मे प्रवेश की अनुमति दी गई थी। दासता एक आर्थिक प्रश्न है, न कि नैतिक। अमेरिकनो को रहने और काम करने के लिए जो नये विस्तृत प्रदेश प्रदान किए जा रहे है वहा यह कानून लागू नही हो सकता, कि दासता कभी भी ऐसा विषय नही रही जिसके सम्बन्ध मे काग्रेस विधान बना सके अथवा स्वतत्र लोगो पर अपनी इच्छा लागू कर सके और कि दासता का प्रश्न प्रत्येक प्रदेश और राज्य मे लोगो की प्रभुसत्ता पर छोड देना चाहिए।'

'तुमने खूब सार निकाला है। अब हम देखते है कि क्या मै भी अपने विचारो को इसी प्रकार क्रमबद्ध कर सकता हू ? मिसूरी-समझौते के कारण इस देश मे तीस वर्ष तक शाति रही, दासता नैतिक दृष्टि से बुरी और लोकतन्त्र की दृष्टि से घृणास्पद है और इसके कारण हम शेष ससार के लिए व्यग्य और घृणा का पात्र बनते है। जिन प्रदेशो मे दासता है वहा कोई गडबड न किया जाए क्योकि वैसा करने के लिए कोई कानून नही, किन्तु अमेरिका की शेष भूमि के एक इच भाग पर भी इस भयानक प्रथा को फैलने न दिया जाए। हमारा इतिहास इस बात का साक्षी है कि सविधान और काग्रेस को यह कानूनी अधिकार रहा है कि वे दासता को बढने से रोक सकते है।'

वे प्रात दो बजे तक काम करते रहे। रात्रि के मध्य मे मेरी उसे काफी और चाकलेट लाकर देती रही। तत्पश्चात् उन्होने पाच घटे नीद ली, फिर

नाश्ता किया और पुन काम मे जुट गए और दुपहर तक भाषण को बनाते-सुधारते रहे और फिर उनके पास भाषण की एक साफ प्रति तैयार हो गई।

वातावरण मे घुटन थी। वे दोनो पैदल ही चौक मे चले गए। जब वे राज्य-भवन मे पहुचे तो स्टीफेन डगलस एक खुली बग्घी मे गवर्नर मैटेसन और सीनेटर जेम्स शील्ड्स के साथ वहा पहुचा। उन्होने औपचारिक ढग से अभिवादन किया।

सामने की पक्ति मे मेरी के लिए जगह रखी हुई थी किन्तु उसने पीछे बैठना ही पसन्द किया, ताकि वह लोगो को देख सके। डगलस के भाषण के समय जितनी भीड थी आज उससे भी अधिक भीड थी क्योकि बहुत-से समन्वय-वादी रिपब्लिकन राज्य की एक केन्द्रीय समिति बनाने के लिए स्प्रिगफील्ड मे आए हुए थे। वे लोग इकट्ठे होकर अब्राहम का भाषण सुनने आए थे।

जब तालिया बजनी बन्द हुई तो मेरी ने अब्राहम को कहते सुना.

'श्री चेयरमैन, मैने कल सीनेटर डगलस को यह विशेषाधिकार दिया था कि यदि मै किसी तथ्य का गलत उल्लेख करू तो वे उसे सुधार सकते है, किन्तु वे उन तथ्यो से निकले हुए निष्कर्ष को नही सुधार सकते क्योकि वही सारे प्रश्न का सार है।'

हर कुछ मिनट के पश्चात् डगलस खडा हो जाता और अब्राहम को टोक देता था। थोडी देर बाद भीड ने आवाज लगाई, 'सीनेटर डगलस, आप अब्राहम की शराफत का लाभ उठा रहे है। आप बैठ जाइए।' अब्राहम को भी क्रोध आ गया। उसने अपना लम्बा हाथ बढाकर नीचे बैठे हुए स्टीफेन डगलस की ओर उगली करते हुए चिल्लाकर कहा :

'सीनेटर डगलस, मैंने अपना सुधार करने का जो विशेषाधिकार तुम्हे दिया था, मै उसे वापस लेता हू। बन्धुओ, इसके बाद मैं जिन तथ्यो का उल्लेख करूगा वह अपने ही उत्तरदायित्व पर करूगा।'

लोगो ने तालिया बजाईं। अब्राहम ने धाराप्रवाह भाषण आरम्भ किया। उसकी चेष्टाए आवेशपूर्ण थी और आवाज भावनाओ से विकम्पित। हाल मे घुटन पैदा हो रही थी। अब्राहम के माथे से पसीना बहने लगा। मेरी ने देखा कि वह चोगा उतारने के लिए एक क्षण रुका। फिर उसने कोट उतारा, वास्कट उतारी और केवल कमीज पतलून और फीते पहने खडा रहा '' हाल का वाता-वरण ऐसा था कि कभी तो मौत का सा सन्नाटा और कभी सारे हाल मे तालियो

की गूज । वह कह रहा था :

'मिसूरी-समझौते का निरसन गलत बात है, इस निरसन का प्रत्यक्ष प्रभाव भी गलत है क्योकि इससे नेबरास्का और कसास मे दासता की प्रथा प्रचलित होगी, इसका सिद्धान्त भी गलत है क्योकि इससे ससार भर मे जहा कही भी कुछ लोग चाहेगे, दासता का प्रसार होगा ।

'मैं इसे केवल उपेक्षा-भाव नही कहता, वरन् यह दासता के प्रसार के लिए एक पागलपन है, जिससे मैं घृणा किए बगैर नही रह सकता । मै इससे घृणा करता हू क्योकि इससे हम ससार मे न्यायपूर्ण प्रभाव का गणतन्त्रीय उदाहरण उपस्थित नही कर सकते, स्वतन्त्र सस्थाओ के विरोधी लोगो को साहस मिलता है और वे हमे ढोगी कहकर हमारा उपहास कर सकते है । दासता ऐसी प्रथा है जिससे हमारे ही देश के हजारो श्रेष्ठ लोग बाध्य होकर नागरिक स्वतन्त्रता के सिद्धान्तो के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तैयार हो जाएगे, वे स्वतन्त्रता की घोषणा की आलोचना करेगे और इस बात का आग्रह करेंगे कि सिवाय आत्मस्वार्थ के जीवन के सघर्ष का और कोई सिद्धान्त नही है ।'

मेरी को तो अपने पति का भाषण अकाट्य सत्य से युक्त तर्को का समूह दिखाई दिया, किन्तु इसके साथ ही उसके भाषण मे वह नैतिक महानता प्रकट हुई जिसके सामने स्टीफेन डगलस द्वारा खडा किया गया लोकमत की प्रभुत्व-सम्पन्नता का ढाचा टूटकर ढेर हो गया ।

दूसरे दिन प्रातः ही अब्राहम ने घोडे को बग्घी मे जोता और पेकिन मे न्यायालय के अधिवेशन मे भाग लेने चला गया । उसने बताया कि वह एक दिन और घर ठहर जाता किन्तु फ्यूशनिस्टो (समन्वयवादियो) ने योजना बनाई थी कि उसे प्रतिनिधियो की सभा मे भाषण देने तथा उनकी पार्टी मे शामिल होने के लिए आमन्त्रित किया जाए ।

'उन लोगो मे अधिक प्रभाव उनका है जो हर प्रकार के तरीके से दासता को निर्मूल करना चाहते है । मैं उनके विचारो के साथ नही चल सकता । इसके अतिरिक्त यदि मैं एक रिपब्लिकन के रूप मे विख्यात हो जाऊ तो पुराने व्हिग और डेमोक्रेटिक पार्टी छोडने वाले मेरा समर्थन करना छोड देंगे ।'

अगले दिन मध्याह्न-पश्चात् मेरी के चचेरे भाई स्टीफेन लोगन ने आकर सूचना दी कि दाव ठीक नही बैठा क्योकि अब्राहम के भाषण से जोश मे आकर

फ्यूशनिस्ट पार्टी ने उसका नाम रिपब्लिकन दल मे सम्मिलित कर लिया है। लोगन के लाल बाल अब सफेद पडने आरम्भ हो गए थे, पर उसकी आखो की चमक अभी तक कम नही हुई थी। वह छोटे-से कद का व्यक्ति था, जो देखने मे तो हड्डियो का ढाचा दिखाई देता था किन्तु साहस और योग्यता उसमे कूट-कूटकर भरी थी। लोगन ने यह सदेह प्रकट किया कि अब्राहम का लोगो से इतना अधिक मेल-जोल हो जाने से अमेरिका की सीनेट के लिए उसके निर्वाचन की आशा कम हो जाएगी।

लोगन के ऐसा कहने पर मेरी को अनुभव हुआ मानो उसकी श्रवणशक्ति समाप्त हो गई है। मेरी ने पहली बार किसीको उनकी ही आशा की बात कहते हुए सुना था। वह सोचने लगी, यदि लोगन ऐसा सोचते है तो और लोग भी तो यह बात सोचते होगे ? पुन उसका ध्यान लोगन की ऊची और तीखी आवाज़ की ओर गया। वह कह रहा था

'' 'सच तो यह है कि वह गत कुछ वर्ष निराश रहा है। मैने तो उससे बहुत ऊची आशाए लगा रखी थी। वह बहुत अच्छा वकील रहा है, किन्तु मैने उसमे जिस महानता की आशा की थी · '

'और अब भैया लोगन ?'

लोगन सिर को ऊपर-नीचे हिलाते हुए उठ खडा हुआ।

'अब्राहम ने कल जैसा भाषण दिया वैसा मैने आज तक कभी नही सुना। उस भाषण को सुनते हुए कई बार तो मेरा हृदय उमड आया था। मैने जिस शक्ति और साहस की उसमे कभी कल्पना की थी और फिर जो क्षीण हो गई थी वही उसमे पाई है। वह अब हमारा सर्वप्रमुख प्रवक्ता है। मैं स्वय उसका अमेरिका की सीनेट के लिए नाम निर्दिष्ट करूगा।'

आने वाले सप्ताह बहुत व्यस्त थे। जब अब्राहम ने पियोरिया मे डगलस का उत्तर दिया तो उसका भाषण समाचारपत्रो मे प्रकाशित हुआ और वह राज्य भर मे खूब प्रचारित किया गया तथा वह व्हिग, रिपब्लिकन और नेबरास्का-विरोधी डेमोक्रेटो का नारा बन गया। फिर मेरी ने सुना कि वह शिकागो जा रहा था। वह निर्वाचन से एक दिन पूर्व घर लौटा। यद्यपि वह वकालत की ओर अधिक ध्यान नही दे सका, किन्तु उसके राजनीतिक दौरे की धूमधाम दूर-दूर तक फैल गई थी और विशेषत उस भाषण की बहुत चर्चा हो रही थी जो

उसने मार्केट हाल मे बहुत बडी भीड के सामने दिया था। लिकन मेरी के लिए 'शिकागो जरनल' लाया, जिसमे उसने पढा ·

'उसके भाषरग मे नेबरास्का के अन्याय को जितना स्पष्ट किया गया है वैसा शायद ही कभी किया गया हो और उसके भाषरग के माधुर्य से सभी श्रोतागरग बहुत प्रभावित हुए थे। उसका जन्म ऐसे माता-पिता के घर हुआ था, जिन्होने उसे केवल सचाई और पवित्रता के प्रति निष्ठावान् रहना ही सिखाया था। उसका वर्तमान वक्तव्य दारिद्रय और कठोर परिश्रम की कठिन परीक्षाओ का परिरगाम है।'

अब्राहम ने मु ह बनाते हुए कहा, 'मैंने तो कभी यह सोचा भी नही था कि निम्न घराने का जन्म मुझे कोई लाभ भी पहुचाएगा। किन्तु अब अरबाना, क्विसी, जैक्सनविले, पियोरिया आदि स्थानो पर सभापति ने मेरा परिचय 'जनता का व्यक्ति' कहकर ही कराया था। मेरा अनुमान है कि मैंने उस दिन से उन्नति की है जब एडवर्ड बेकर के सहायको ने मुझे धन और सामतशाही के विशेषाधिकारो का उम्मीदवार कहकर पुकारा था। किन्तु उसका वास्तविक अर्थ क्या है, यही तो न कि मै जनता का व्यक्ति हू ?'

'इसका अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो एक साथ अपने सामने दो भारी कुल्हाडे उठा सकता है।'

अब्राहम और लोगन सुगमता से राज्य-विधान-सभा मे निर्वाचित हो गए। अब्राहम ने सीनेट की सदस्यता का पात्र बनने के लिए शीघ्र ही पद त्याग दिया। लीमैन ट्रम्बल नेबरास्का-विरोधी आन्दोलन के आधार पर काग्रेस का सदस्य चुना गया था। इससे स्टीफेन डगलस के सम्मान को स्तम्भित कर देने वाला धक्का पहुचा। जब राज्य विधान-सभा की सब सूचिया मिल गई, तो अब्राहम ने कहा, 'आओ, हम एक सूची तैयार करे और देखे कि हमारी स्थिति क्या है।'

मेरी ने बडे खाकी कागज़ पर सूची बनाने मे उसकी सहायता की। हाउस और सीनेट, दोनो सभाओ मे इकतालीस डेमोक्रेट होगे, सैतीस व्हिग होगे और नौ नेबरास्का-विरोधी सदस्य होगे, जिसका अभिप्राय था कि दोनो सभाओ के सदस्यो को मिलाने पर नेबरास्का-विरोधी सदस्यो की सख्या छप्पन होगी, अर्थात् उनका बहुमत होगा।

'यह तो अच्छा दिखाई देता है, क्या नही ?' मेरी ने उत्सुकता से पूछा,

'तुम्हे तो केवल इक्यावन मतो की आवश्यकता है। व्हिग तुम्हारा समर्थन करेंगे ही और नेबरास्का-विरोधी डेमोक्रेटो के वोट भी कही नही जाएगे।'

'आशा तो दिखाई देती है, किन्तु हमे धीरे-धीरे कदम रखते हुए और एक-एक करके वोटो का सग्रह करते हुए कठिन परिश्रम करना होगा और साथ ही यह ध्यान रखना होगा कि अन्य पचास लोग, जो इस पद के इच्छुक है, उन्हे भी अप्रसन्न न किया जाए। जब हम काग्रेस के लिए नाम-निर्देशन चाहते थे, तो जितना पत्र-व्यवहार करना पडा था वैसा ही अब भी करना होगा। हमे अपने मित्रो से निवेदन करना होगा कि यदि वे अपने सदस्यो-सहित मेरा भी ध्यान रखे तो हम बहुत आभारी होगे।'

कोई दो सप्ताह-पश्चात् उन्हे पता लगा कि कसास के पहले चुनाव इतने शान्तिपूर्ण नही थे जितने कि इलीनाइस के हुए थे। मिसूरी के सैकडो सशस्त्र लोग नदी पार कर कसास मे चले गए थे और उन्होने एक दासता के समर्थक उम्मीदवार को चुनाव मे जिताने के लिए मतपेटिका पर धावा बोल दिया।

क्रुद्ध उत्तरी प्रदेश ने चिल्लाकर कहा, 'अपनी रक्षा स्वय करो। यदि तुम्हारे पास शस्त्र नही तो हम भेज देंगे,' और स्टीफेन डगलस का लोकमत की प्रभुसत्ता का सिद्धात पहली बार की परीक्षा मे ही कसास-नेबरास्का के प्रदेश मे विफल हो गया।

नववर्ष-दिवस को यह बात निश्चित हो गई कि सीनेट के चुनाव के लिए अब्राहम एक लोकप्रिय उम्मीदवार था। गैलेना के पत्र ने उसे आश्वासन दिया था, 'अन्य सबकी अपेक्षा मै तुम्हे ही अपना समर्थन दूगा।' पियोरिया के पत्र मे लिखा था, 'सभी अच्छे व्हिग तुम्हारे पक्ष मे है।' नाक्सविले के पत्र मे कहा गया था, 'मै सिवाय तुम्हारे और किसीके पक्ष मे नही हू।' ककाली के श्री स्ट्रक ने लिखा, 'तुम्हारे पक्ष मे मत देने को यदि सौ मील पैदल भी चलना पडा, मै तुम्हे ही मत दूगा।' पियोरिया के एक और व्यक्ति ने लिखा था, 'जिन बहुसख्यक लोगो ने मेरे पक्ष मे मत दिए, वे अब यह आशा करते है कि मै तुम्हे वोट दू।'

मेरी ने पुन जूलिया को अपना अन्तरग मित्र बना लिया था और उसे इस चुनाव की चालो के बारे मे बताया करती थी। उसने उसे यह बताया कि लोगो ने अब्राहम को पत्र लिखे है और उसे वोट देने का वचन दिया है।

'जूलिया, मुझे इस बात की बहुत प्रसन्नता हुई है कि तुम और लीमैन भी

हमारे साथ वाशिंगटन जाओगे। यदि पहली बार भी तुम मेरे पास वहा होती और मैं अपने मन की बाते तुमसे कह सकती, तो मेरे लिए कितनी सुगमता होती ! हमे वहा इकट्ठे मकान ढूढने चाहिए, ताकि हमारे मकान बिलकुल पास-पास हो।'

जूलिया ने गभीरता से कहा, 'हम तो वहा सराय मे ही रहेगे। तुम जानती ही हो कि लीमैन पैसे के मामले मे कितने कजूस है।'

पहली जनवरी को उन्हे छब्बीस वोटो का आश्वासन मिल गया। दूसरे सप्ताह के अन्त मे उनके आकडे के अनुसार उन्हे पैंतीस वोटो का विश्वास हो गया, महीने के मध्य मे चौवालीस वोट निश्चित हो गए। अब चुनाव जीतने के लिए केवल सात वोटो की कमी रह गई थी। डगलस के पक्ष के डेमोक्रेट सदस्यो के इकतालिस वोट जेम्स शील्ड्स के पक्ष मे थे, नेबरास्का-विरोधी डेमोक्रेटों का प्रथम अधिमान तो लीमैन ट्रम्बल के पक्ष मे था, किन्तु लीमैन काग्रेस की सदस्यता से ही सन्तुष्ट था। मेरी के चचेरे भाई लोगन ने उन्हे विश्वास दिलाया कि सिवाय तुम्हारे और किसीके चुने जाने की आशा नही। सप्ताह के अन्त मे हम यह वोट भी एकत्र कर लेगे और तुम या तो पहले ही मतदान पर जीत जाओगे या फिर दूसरे मतदान पर तो अवश्य ही जीत जाओगे।'

उस रात मेरी इतनी अधिक प्रसन्न थी कि वह सो न सकी। अगले दिन प्रात मेरी को पता लगा कि मेयर हर्नडन ने इस कारण अब्राहम को वोट देने से इन्कार कर दिया है कि उसका मित्र रिचर्ड येट्स, जो काग्रेस के पुनर्निर्वाचन मे हार गया था, वह भी इस पद का चुनाव लड रहा है। व्यक्तिगत नाते से वे दोनो ही उसके मित्र है, 'किन्तु उनमे से कोई भी दूसरे से अधिक अधिमान प्राप्त नही कर सकता। मै दोनो के पक्ष मे हू और किसीके भी विरुद्ध नही हू।'

मेरी क्रोध से आग-बबूला हो उठी।

'वह तुम्हारा आभारी नही है, कृतघ्न ! वह तुम्हारा बहुत अच्छा साझेदार, जिसे तुम अपनी छाती से लगाए रहते थे, निष्ठावान् बिली ! यही तो तुम कहा करते थे न ? तुम्हारे प्रति निष्ठावान् होना तो अलग रहा वह तो तुम्हारे साथ सच्चा भी नही है।'

अब्राहम ने उसे अपने आलिगन मे बाध लिया और उसके चेहरे से सारे न्यायो-

चित क्रोध और दु ख को चूम लिया और चाहभरे स्वर मे बोला, 'केवल पत्नी ही निष्ठावान् हो सकती है ।'

६२

इलीनाइस के नगरो को एक दूसरे से मिलाने के लिए जो रेल का जाल बिछा दिया गया था, उससे सभा की बैठके बहुत लोकप्रिय हो रही थी । १६ जनवरी, शुक्रवार को जबकि मौसम बहुत अच्छा था, विधान-सभा का अधिवेशन स्थगित कर दिया गया, ताकि सदस्य साप्ताहिक छुट्टियो मे शिकागो मे होने वाली सभाओ मे जा सके । अब्राहम नही गया, किन्तु लिंकन का गठजोड बनाए रखने के लिए स्टीफेन लोगन और साइमन फ्रासिस वहा चले गए । विधान-सभा का अधिवेशन पुन आरम्भ होने पर अमेरिका के सीनेटर के पद-निर्वाचन के लिए मतदान होगा ।

जब उस शाम को जूलिया आई तो मेरी ने बडे जोश मे उसे बताया :

'शिकागो मे भोजन-व्यवस्था करने वाला एक ऐसा विचित्र व्यक्ति है, जो पकापकाया खाना, चीनी के बर्तन, मेज़पोश और काफी के प्याले सब साथ लाता है । मैंने तीन सौ के खाने का प्रबध करने का आदेश दे दिया है । जिस गाडी मे सभासद आएगे, उसीमे वह व्यक्ति भी आ जाएगा । ज्योही मतदान समाप्त होगा, मेरा विजय-भोज तैयार होगा ।'

जूलिया एक क्षण मौन रही, फिर अकस्मात् बोली, 'मेरी, यदि परिणाम की प्रतीक्षा कर ली जाती चुनाव कभी-कभी विचित्र रूप धारण कर लेता है···तो क्या अच्छा होता ।'

'ओह ! नही जूलिया, तब तो मुझे यहा के किसी होटल मे प्रबन्ध करना पडता और हम सब वहा के नित्यप्रति के भोजन से तग आ चुके है । लोगो का कहना है कि भोजन-व्यवस्था करने वाला शिकागो का यह व्यक्ति बहुत स्वादिष्ट

भोजन देता है ...और ऐसी फ्रासीसी चटनिया देना है जैसी कि हमने स्प्रिगफील्ड मे कभी नही खाई।'

हिमपात आरम्भ हो गया। हवा तूफान की तेजी के साथ बर्फ के गालो को इधर-उधर बिखेर देती थी। रविवार को पाच बजे बर्फ गिरनी बद हुई, तब तक नगर बर्फ के सागर मे घिर चुका था। सोमवार का अधिक दिन घरो से चौक तक बर्फ खोदकर मार्ग बनाने मे ही बीत गया। तूफान मे रेलो का याता-यात बद हो गया था...और विधान-सभा के कुछ सदस्यो का पता ही न चल रहा था। मेरी चिंतित थी कि सभासदो की गाडी मे जो सहभोज का सामान लादा गया था, उसका क्या बनेगा ?

इसके तीन दिन पश्चात् एक गाडी बुरी हालत मे आल्टन से पहुची। तार द्वारा स्प्रिगफील्ड मे यह सूचना मिली कि सात सवारी गाडियो मे वहा के सभासद निकटस्थ नगर से बीस मील दूर प्रेरी के मैदान की बर्फ मे अभी तक घिरे हुए थे और उन्हे थोडे-थोडे लोगो के दल बनाकर लाना होगा। जनवरी की शाम को जब तूफान और बर्फबारी ने और अधिक जोर पकडा, मेरी और अब्राहम मैसोनिक हाल मे 'बूथरायड एमेट से रिचर्ड थर्ड का अध्ययन' सुनने चले गए। वहा उन्होने पहली गैस से दुकानो और गली की नुक्कडो को प्रकाशित देखा। लिकन-परिवार यह योजना बना रहा था कि यदि गैस का प्रयोग सफल हुआ और अधिक लोग उसे फूक से न बुझा देते होगे, तो वे अपने घर मे भी गैस के प्रकाश की व्यवस्था कर देगे।

विधान-सभा के सदस्य स्प्रिगफील्ड मे १० दिन देर से पहुचे। उनमे से सबमे पहले जो लिकन के घर आया वह एलेजा फ्रासिस थी, जो स्टेशन से ज्यो-त्यो बर्फ मे से रास्ता बनाकर उन्हे समाचार सुनाने चली आई थी। वह बोली

'प्रिय मेरी, हम तो बहुत विपत्ति मे पड गए थे। बर्फ हटानी बडी कठिन थी। हम तो भूखे मरने लगे। सोमवार के प्रातः कोई आधा मील दूर एक किसान के घर की चिमनी मे से धुआ निकलता हुआ दिखाई दिया। चार व्यक्तियो ने कहा कि हम जाकर उस मकान से कुछ लाते है। वे जब वापस आए तो उनके हाथों मे काफी से भरा हुआ एक टब, रोटी, मक्खन, आलू और अडे थे। रात को पुन: हमे भूख लगी और उस समय मुझे पता लगा कि तुम्हारा रसोइया सामान की गाडी मे स्वादिष्ट भोजन लेकर आया हुआ है। पुरुषो ने पैसे इकट्ठे किए

और हमने तुम्हारा भोजन खरीद लिया। उन्होने लकडी की वस्तुए और कुर्सिया तोडकर आग तैयार की और भोजन गर्म किया। यह भोजन बहुत स्वादिष्ट था। मेरी, तुमने हमारी जान बचा दी। हम सब तुम्हारा धन्यवाद करना चाहते है ...'

मेरी को कुछ विचित्र लगा, 'मुझे प्रसन्नता है कि वह भोजन आपके काम आया, किन्तु यह बात पसद नही आई कि आप लोग मतदान से पूर्व हमारा विजय सहभोज का खाना खा गए।'

'एक और कारण है जिससे मै सीधी भागी हुई यहा आई हू। सिम ने अब्राहम को यह सदेश भेजा है कि गवर्नर मैटेमन के लोगो ने राजनीतिक गडबड आरम्भ कर दी है। उनका विचार है कि एक बार जिमी शील्ड्स जीत जाए तो गवर्नर को मत प्राप्त हो जाएगे और नेबरास्का-विरोधी मत भी उसे मिल जाएगे।'

जब मेरी ने अब्राहम को यह बात बताई तो उसके हृदय मे क्रोध की वह आग भभक उठी, जिसमे वह स्वय जल-भुन रही थी।

अब्राहम चिल्लाकर बोला, 'मैटेमन कभी नही चुना जा सकता। उस व्यक्ति का कोई राजनीतिक दृष्टिकोण नही है। नेबरास्का-बिल के बारे मे उसने कुछ भी मत प्रकट करने से इन्कार कर दिया था। सीनेट मे वह किसी भी मत का समर्थक नही होगा।'

विधान-सभा एक सप्ताह से अधिक समय के लिए स्थगित हो गई थी, इस लिए मतदान-सम्बन्धी यह खिचडी पकाने के सिवाय समय गुजारने का और अधिक अच्छा ढग क्या हो सकता था!

उस शाम को एलेजबेथ मेरी को यह कहने आई कि वह लिकन की विजय की खुशी मे अपने घर सहभोज देना चाहती है। मेरी का जो खाना पहले ही खाया जा चुका था उसका उल्लेख उसने नही किया।

'हम पन्द्रह सौ लोगो के लिए तो प्रबन्ध नही कर सकेगे जैसीकि डगलस ने अपनी जीत के अवसर पर राज्य-भवन मे व्यवस्था की थी, किन्तु फिर भी हम कई सौ अतिथियो के लिए भोजन की व्यवस्था कर देगे।'

चुनाव के दिन खूब सर्दी थी, किन्तु कभी-कभी सूर्य झाक लेता था और कभी बर्फ पिघलने लगती थी। दो बजे दोनो सभाओ की बैठक होने वाली थी। एक बजे अब्राहम ने नई कमीज और कालर पहना, क्षण भर मेरी से आलिगन किया।

दोनो ने एक दूसरे के लिए शुभकामना की और फिर लिंकन लोगन के साथ अन्तिम भेंट के लिए राज्य-भवन चला गया।

दो बजे से कुछ पहले ही एलेज़ा फ्रांसिस उसे लेने को आ गई। वह भी चुनाव के लिए मेरी की तरह ही उत्साहित थी। जूलिया लाबी मे उनकी प्रतीक्षा कर रही थी। जब वे परस्पर अभिवादन कर रही थी तो गवर्नर मैटेसन की पत्नी अपनी दो लडकियो-सहित, जिन्होने माटिसेलो सेमिनरी से शिक्षा प्राप्त की थी, पास से गुज़री थी। उसका कद लम्बा, आकार रौबदार, और आकृति तथा गठन सुन्दर थी। ये महिलाए ऊपर गेलरी मे चली गईं, जहा से हाल दिखाई देता था। हाल मे दोनो सभाओ के सदस्य बैठे हुए थे। उन लोगो के अतिरिक्त जहा-तहा खाली स्थानो पर और बरामदे मे सैकडो शुभचिंतक और राजनीतिक प्रबन्धक बैठे हुए थे।

तीन बजने से पहले सभा की कार्यवाही आरम्भ हो गई। सबसे पहले जेम्स शील्ड्स को नाम-निर्दिष्ट किया गया, जोकि पहले ही सीनेट का सदस्य था और उसके पक्ष मे एक भाषण दिया गया। डगलस के समर्थक डेमोक्रेटो ने खूब तालिया बजाई। स्टीफेन लोगन ने बडे जोशभरे भाषण मे सभा से निवेदन किया कि दासता को निर्मूल करने के लिए अब्राहम को चुनना चाहिए। सीनेटर पामर ने बडे प्रतिष्ठापूर्ण ढग मे लीमैन ट्रम्बल का नाम प्रस्तुत किया। एक छोटे-से भाषण के साथ गवर्नर मैटेसन के नाम का प्रस्ताव रखा गया, जिसपर औपचारिक ढग से तालिया बजाई गई।

मेरी इतनी अधिक उत्तेजित थी कि वह गणना न कर सकी। अत जूलिया ने उसके हाथ से पेंसिल और कागज ले लिया और पहले मतदान के समय उसने प्रत्येक सभासद की आवाज़ पर वोट लिख लिया। जिन लोगो ने अब्राहम को मत देने का वचन दिया था, उन्होने वचन को पूरा किया। पहले मतदान पर उसे ४८ वोट मिले। जेम्स शील्ड्स को नियमित डेमोक्रेटो के इकतालीस वोट मिले और लीमैन ट्रम्बल को नेबरास्का-विरोधी डेमोक्रेटो के पाच मत प्राप्त हुए। आठ वोट अन्य उम्मीदवारो को मिले। अध्यक्ष ने अपना वोट अब्राहम को दिया।

हाल मे बहुत तनाव फैला हुआ था जूलिया ने मेरी का हाथ अपने हाथ मे ले लिया और आश्वासनसूचक ढग से उसे सहलाया। उसके आसपास गेलरी

मे लोगो की आवाजे आ रही थी, 'लिंकन को केवल सात और वोटो की आवश्यकता है''''निश्चय ही वह ये वोट नेबरास्का-विरोधी डेमोक्रेटो से प्राप्त कर लेगा। · शील्ड्स को तो और वोट मिलने से रहे · ।'

जूलिया ने दूसरे मतदान की गणना की तो अब्राहम के पहले मिले चार वोट कम हो गए थे और नये दो वोट मिल गए थे। चचेरे भाई लोगन को विश्वास था कि दूसरे मतदान पर अब्राहम निर्वाचित हो जाएगा। किन्तु हुआ यह कि तीसरे मतदान पर उसके दो वोट और कम हो गए।

जब चौथी बार मतगणना हुई तो मेरी का दिल बैठने लगा। तीन और वोट कम हो गए और अब केवल अडतीस वोट रह गए। उसके चचेरे भाई लोगन ने खडे होकर स्थगन-प्रस्ताव रखा, किन्तु वह अस्वीकृत हो गया। पाचवे मतदान पर अब्राहम के चार और वोट कम हो गए, जबकि लीमैन ट्रम्बल को दस वोट मिल गए। छठे मतदान पर अब्राहम के दो वोट और कम हो गए और ट्रम्बल के तीन वोट कम हो गए।

शाम हो गई। हाल मे गैस का प्रकाश कर दिया गया। कक्ष के डेमोक्रेटिक पक्ष मे कुछ हलचल प्रारम्भ हुई। श्रीमती मैटेसन के चेहरे पर चमक पैदा हो गई और अकस्मात् किन्ही भावनाओ से प्रेरित प्रसन्नता की एक लहर-सी दौड गई। मेरी समझ गई कि अब वे सब मिलकर विरोध करेगे। जब सातवी बार मतदान हुआ तो श्री स्ट्रक, जिसने लिखा था कि वह सौ मील चलकर भी अब्राहम को वोट डालने जाएगा, अब्राहम को छोड गया। सबके सब इकतालीस डेमोक्रेट सदस्यो ने अपने वोट गवर्नर मैटेसन को दे दिए और उसे तीन और गैर-डेमोक्रेट वोट मिल गए। अब्राहम के वोट भी कुछ बढे और अब उनकी सख्या अडतीस हो गई। लीमैन ट्रम्बल को केवल नौ ही वोट मिले।

मेरी और जूलिया इतनी स्तम्भित हो गई कि उनके लिए वोट गिनना असभव हो गया क्योकि आठवे मतदान पर यह बात स्पष्ट हो गई कि गवर्नर मैटेसन के वोट बढ रहे थे और अब्राहम के वोट कम हो रहे थे। क्लर्क ने सूचित किया कि गवर्नर मैटेसन के छियालीस वोट थे, अब्राहम के सत्ताइस तथा लीमैन ट्रम्बल के अठारह। मेरी ने अनुभव किया कि अब सघर्ष गवर्नर मैटेसन और अब्राहम के बीच था, किन्तु शीघ्र ही उसे पता लगा कि उसका विचार गलत था। गवर्नर मैटेसन के वोट सैतालीस तक पहुच गए, जबकि जीतने के लिए केवल

चार वोटो की कमी रह गई । अब्राहम के वोट केवल पद्रह रह गए । जो लोग पहले अब्राहम को वोट दे रहे थे, उन सबने अपने वोट लीमैन ट्रम्बल को दिए तथा उसके वोटो की सख्या आश्चर्यजनक रूप मे पैतीस तक पहुच गई । मेरी ने देखा, अब्राहम की दृष्टि गेलरी की ओर उठी और वह क्षरण भर मेरी की ओर देखता रहा और फिर कुछ असमजस से भाव मे हाल से बाहर निकल गया । अगली बार मतदान से पूर्व वह बरामदे से अन्दर आ गया । उसके बाल बुरी तरह बिखरे हुए थे । वह सीधा लोगन के पास चला गया । दोनो व्यक्ति परस्पर घुल-मिलकर बाते कर रहे थे । जब लोगन ने सिर घुमाया तो मेरी ने देखा कि उसके चेहरे पर पराजय के भाव लक्षित हो रहे थे । अब्राहम कुछ देर अपना हाथ उसके कधे पर रखे रहा और फिर धीरे-धीरे हाल से बाहर निकल गया । अगली बार मतदान के समय स्टीफेन लोगन उठा और कहने लगा ·

'व्यक्तिगत सम्बन्ध की अपेक्षा सिद्धान्त का अधिक महत्व है अत. मै अपना वोट लीमैन ट्रम्बल को देता हू ।'

हाल मे एक भूचाल-सा पैदा हो गया और जो लोग अब्राहम के अटूट समर्थक थे उन्होने भी लीमैन ट्रम्बल को वोट दे दिए । क्लर्क ने परिणाम सुनाया तो लीमैन ट्रम्बल के वोट इक्यावन थे । इलीनाइस मे वह नया सीनेटर चुना गया ।

मेरी जूलिया की ओर बिना देखे अथवा बिना उससे कोई बात किए उठ खडी हुई और तेजी से गेलरी से बाहर चली गई और सीढियो से उतरकर गली मे पहुच गई ।

क्रोध, आत्मग्लानि और निराशा मे डूबी हुई वह घर मे एक कमरे से दूसरे मे घूमती रही, कई महीनो की उनकी सब योजनाए, सब आशाए पहले की ही तरह मिट्टी मे मिल गई थी ।

ऐसा लगा जैसे अब्राहम बहुत देर से घर लौटा । वह सीधा पिछले शयनागार मे चला गया, जहा मेरी औधे मु ह बिस्तर पर पडी थी । उसने मेरी को हाथो मे उठा लिया और उसके गाल चूम लिए । जब मेरी ने अब्राहम पर दृष्टि डाली तो उसने देखा कि उसका चेहरा उस समरागण के समान दिखाई देता था, जिसपर पराजय की छाप लगी हुई थी और विनष्ट आशाओ के शव पडे थे, किन्तु उसकी आखो मे लापरवाही थी ।

'अब्राहम, मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि तुमने अपनी पराजय को सहन कर लिया है।'

'हा, किन्तु यह सुगम नही था,' उसने हलकी-सी मुस्कराहट के साथ कहा, 'नवयुवक हेनरी व्हिट, जो अरबाना मे मेरे सहयोगियो मे से एक है, मेरे दफ्तर मे आया और कहने लगा कि उसने पहले कभी भी मुझे इतना दु:खी नही देखा। किन्तु मैने उस उदासी को निकाल फेका है और तुम भी उसे निकाल दो।'

'ओह अब्राहम, मेरा तो दम ही टूट गया है। सभा मे हर कोई जानता है कि मैने शिकागो मे सहभोज के लिए खाना लाने का आदेश दिया था और सच तो यह है कि उन्होने वह भोजन उस समय खूब आनन्द से खाया था, जब उनकी गाडी बर्फ मे फस गई थी। जूलिया को तथा मुझे विजय की बहुत अधिक आशा थी। हम जो कुछ भी करते थे, हमे जो भी वचन मिलता था, मै जूलिया को बताया करती थी। क्या तुम समझते हो कि मैने तुम्हे इससे हानि पहुचाई है ? कही लीमैने ने इस जानकारी का लाभ तो नही उठाया ?'

लिंकन ने एक उच्छ्वास भरकर कहा, 'निश्चय ही यह बात नही। ट्रम्बल एक सम्मानित व्यक्ति है।'

मेरी का मन साफ हो गया, वह बोली, 'जूलिया भी वैसी ही है। उसने तो मुझे चेतावनी भी दी थी कि मै सहभोज के लिए आदेश न दू। किन्तु अब्राहम, क्या यह उचित है कि जिस व्यक्ति को आरम्भ मे केवल चार वोट मिले थे, जबकि तुम्हे चवालीस वोट मिले थे, वह चुनाव जीत जाए ? लीमैन को अपने वोट देने की बजाय तुम थोडी देर और नही टिक सकते थे ?'

'मुझे यह विश्वास हो गया था कि मैटेमन का निर्वाचन रोकने का केवल यही एक उपाय है। इसलिए मैंने तुरन्त चोट करने का निश्चय कर लिया और लोगन तथा अपने मित्रो से कह दिया कि वे ट्रम्बल को वोट दे। मै यह नही चाहता था कि केवल व्यक्तिगत बात के आधार पर राजनीतिक परिणाम इतना घातक हो। अपनी हार से मुझे जितना दु:ख हुआ है, मैटेसन की हार से उसकी अपेक्षा कही अधिक प्रसन्नता हुई है। मुझे इस बात से बहुत सन्तोष हुआ है कि मेरी अपेक्षा डगलस के आदमियो को अधिक मार पड़ी है। लीमैन दासता के प्रसार के विरुद्ध इतनी ही सख्ती से लडेगा जिस सख्ती से मै लडता। हमारे लिए वह अन्त नही है, वरन् यह तो आरम्भ है।'

मेरी बोली, 'तो पुन. आरम्भ ? क्या हम कभी लक्ष्य तक नही पहुचेगे ?'

'संभवतः दूसरे लोक मे,' लिंकन ने उसका कधा थपथपाया और कहा, 'तुम कपडे पहन लो। तुम साटिन और पखो की पोशाक पहने हुए वहा पहुचोगी तो पार्टी मे तुम्ही सबसे सुन्दर दिखाई दोगी।'

'पार्टी, कैसी पार्टी ? अब तो कोई पार्टी नही होगी '

'नही, कदापि नही। निनियन ने मुझे सन्देश भेजा है कि वही पार्टी दी जाएगी। अन्तर केवल यह होगा कि आरकेस्ट्रा का प्रबन्ध नही होगा क्योकि ट्रम्बल ने नृत्य की अनुमति नही दी।'

'अब्राहम, तुम यह कैसे सोच सकते हो कि मैं ट्रम्बल की जीत की खुशी मे दिए गए सहभोज मे जाऊगी ?' यह कहकर मेरी आश्चर्यभरी दृष्टि से अब्राहम की ओर देखने लगी।

'क्यो नही, वे भी तो तुम्हारे सहभोज पर आने की तैयारी कर रहे थे। हममे उदार भावना होनी चाहिए।'

'तो क्या तुम समझते हो कि यह गेद का खेल मात्र था, जो हमने आज खेला है ?'

'यहा भी हारने वालो पर वही नियम लागू होते हैं।'

'तब तो मुझे खेद है, किन्तु मेरी पृष्ठभूमि मे ऐसी बाते है जिनसे मै सदा विजयी हुई हू।'

'देखो, चेहरे पर ज़रा मुस्कराहट पैदा कर लेना और उन्हे बताना कि तुम प्रसन्न हो। तुम्हारे मित्र इसके लिए तुम्हारी प्रशसा करेगे।'

'क्या इससे तुम्हारा अभिप्राय उन तुम्हारे निष्ठावान् मित्रो से है, जिन्होने आज शाम को तुम्हारी पीठ मे छुरी घोप दी थी ? उन्हीके बारे में कह रहे हो न जो तुम्हे वोट देने के लिए सौ मील पैदल चलने के लिए तैयार थे ?'

'देखो पुस, सच बात तो यह है कि नेबरास्का-नीति के विरोधी प्रत्येक सभासद को, उनको भी जिन्होने मेरा साथ छोड दिया था, आज से एक सप्ताह पश्चात् अपने घर सहभोज पर आमन्त्रित किया है।'

मेरी ने नीला रेशमी ज़रीदार लिबास पहना। उसकी चोली का फीता लहरा रहा था। उसने बालो को पीछे एक ओर को सवारा और सिर पर बालो को घु घराला बना दिया। उसने नीली ऊन का शाल ओढ लिया तथा इतर से

सुगधित झालरदार रूमाल ले लिया।

वे अपनी बग्घी मे बैठकर एलेजबेथ के घर जा पहुचे। सामने का बरामदा झडो से सजा हुआ था। वे कुछ देर से पहुचे थे। जब वे बैठक मे पहुचे तो लोगो ने एक ओर होकर जूलिया और लीमैन ट्रम्बल के लिए मार्ग छोड दिया, जो आगे बढकर बधाई प्राप्त कर रहे थे। मेरी ने अनुभव किया कि अब्राहम ने उसका हाथ मजबूती से पकड लिया है। फिर वह उसे ट्रम्बल और उसकी पत्नी के पास ले गया और उसका हाथ छोडते हुए बोला :

'मै इतना निराश नही हुआ कि अपने पुराने मित्र को बधाई भी न दे सकू।'

ट्रम्बल ने बडे उत्साह के साथ अब्राहम से हाथ मिलाया और उत्तर मे उसने जो कहा वह कमरे मे खडे प्रत्येक व्यक्ति ने सुना, 'बधाई तो मुझे तुम्हे देनी चाहिए। इस सघर्ष का नेतृत्व तुमने किया है, तुमने ही डगलस को हराया है, तुम्हीने इलीनाइस को नेबरास्का-बिल का विरोधी बनाया है।'

जूलिया का चेहरा प्रसन्नता से रक्तिम हो गया था, किन्तु जब उसने मेरी की ओर देखा तो वह पीली पड गई और उसने आखे झुका ली। क्या जूलिया को पहले से पता था कि उसकी जीत होगी ? मेरी का रक्त जम गया। आखिर जूलिया ने दृष्टि उठाई और मेरी की दृष्टि मे दृष्टि डालकर देखने लगी। उसकी आखे मानो कह रही थी

'मुझे खेद है, मेरी!'

मेरी की आखे कह रही थी, 'नही, तुम्हे तो खेद नही, तुम तो प्रसन्न हो।'

इसके बाद मेरी घूमकर लोगो मे मिल गई और उसे अनुभव हुआ कि उसके माथे पर दो रक्तिम धब्बे उभर आए थे। उसने चेहरे पर मुस्कराहट पैदा कर ली और मित्रो से बातचीत करने लगी। वे लोग अब्राहम की पराजय पर उसे सात्वना देने लगे। बैठक मे जाने के लिए जब मेरी बरामदे मे से गुज़री तो सामने दरवाज़े से लोगन आ रहा था। जब उसकी दृष्टि मेरी पर पडी तो उसके पीले चेहरे पर कालिमा-सी पुत गई। उसने मेरी का हाथ अपने हाथ मे लिया और भावोद्वेग से भर्राई हुई आवाज के साथ बोला :

'हमे सीनेटर के पद के लिए इतनी तेज़ दौड लगानी पड़ी कि सब खो बैठे।

एक बार फिर व्हिग पार्टी को इतनी बुरी चपत पडी है कि वह प्राय· विनष्ट हो गई है।'

खाने की मेज़ पर स्वादिष्ट भोजन और बर्फ मे लगी हुई शैम्पेन रखी हुई थी। वही आखिर मेरी और एलेजबेथ एक दूसरे के सामने आई। जब एलेजबेथ बहन के प्रति सहानुभूति प्रकट करने लगी तो मेरी ने उसे रोकते हुए यह कहा, 'ऐसा प्रतीत होता है कि मै अमेरिका की सीनेट मे ऐसे लोगो को भर्ती कर रही हू जो पहले कभी मेरा चक्कर काटा करते। सभवत मै अब्राहम की भी उपेक्षा कर जाती तो उसका लाभ ही होता और वह अब तक राष्ट्रपति बन गया होता।'

'यह भी बहुत सभव है कि वह अब तक जोश स्पीड की दुकान के ऊपर रह रहा होता · बिली हर्नडन के साथ।'

अब्राहम ने मेरी के प्रति दया दिखाई और केवल एक घटा वहा ठहरा, फिर वे चले गए। जब वे बग्घी मे बैठकर बेजो ड्राइव से होते हुए सेकेंड स्ट्रीट की ओर जा रहे थे, अब्राहम ने घोडो की लगाम बाये हाथ मे पकडी हुई थी और दूसरा हाथ मेरी के कधो पर रखा हुआ था।

'मैंने तो अभी तक मेटेली के प्रति अन्याय ही किया है क्योकि तुमने उससे जो शिक्षा प्राप्त की है उससे बहुत अच्छा अभिनय कर सकी हो। तुमने वहा प्रत्येक व्यक्ति को विश्वास दिला दिया है कि तुम प्रसन्न हो।'

'हा, हरएक को, किन्तु जूलिया को नही क्योकि मेरा विचार है कि उससे मै अच्छा व्यवहार नहीं कर सकी, बल्कि जब कभी भी मैने उसे देखा, मेरा दिल अन्दर से बुझ गया। मुझे निश्चय है कि उसने इसे महसूस भी किया था।'

'खैर जूलिया समझ जाएगी, उसका हृदय उदार है।'

'अब्राहम, अब हम क्या करेगे ?'

'यही, हमे अपने पग दृढता से जमाने होगे।' उसने उन्ही शब्दो को दोहराया जो मेरी ने उस समय कहे थे, जब वह ओरेगन जाना चाहता था, 'जब तक स्टीफेन डगलस पुनर्निर्वाचन के लिए नही आता, हमे प्रतीक्षा करनी होगी ···'

'किन्तु, उसमे तो अभी चार वर्ष है।'

'तब तक हम इस सघर्ष को इलीनाइस के लोगो तक पहुचाएगे और छोटी से छोटी झोपडी और हर दुकान पर यह सघर्ष आरम्भ हो जाएगा। वह निर्वाचन बहुत महान् और निर्णयात्मक होगा क्योकि उस समय तक लोगो को पता लग

गया होगा कि उन्हे दासता और स्वतन्त्रता मे से किसी एक को चुनना है।'

'तो हमे उसी तरह प्रतीक्षा करनी होगी जैसे हमे १८४३ मे काग्रेस-पद के लिए चार वर्ष प्रतीक्षा करनी पडी थी—चार वर्ष कहने की बात है। अब अब्राहम की बारी है।'

'हा, अब्राहम की ही बारी है किन्तु काम करने के लिए। हमारे जीवन मे पहले कभी भी काम की इतनी अधिक आवश्यकता नही हुई थी और न ही इतना कार्य-निष्पादन के हम कभी योग्य हुए थे। तुमने देखा ही है कि कसास मे गत नवम्बर मे क्या हुआ है, यह रक्तपात का आरम्भ है ..'

वे घर पहुच गए। मेरी सामने के दरवाजे से अन्दर चली गई जबकि अब्राहम बग्घी को पिछली गली मे ले गया और घोडे को अस्तबल मे खडा कर दिया। मेरी हाल मे खडी अपने कमरो की ओर देखती रही, जो उसकी सम्पत्ति थे। उसका भावुक हृदय घृणा से भर गया। लिकन रसोई और खाने के कमरे मे से होता हुआ हाल मे उसके पीछे आ खडा हुआ। मेरी ने घूमकर कहा

'हम स्टीफेन डगलस को कैसे हरा सकते है। उसने इस राज्य को तो अपनी मुट्ठी मे कर रखा है। '३८ मे पहली बार जब वह चुनाव के लिए खडा हुआ था तो मेरे चचेरे भाई स्टुअर्ट ने उसे हराया था। उसके बाद किसीने उसे नही हराया। हम चार वर्ष तक प्रतीक्षा करेगे और आखिर '५८ मे हार जाएगे।'

'इस बार स्थिति भिन्न होगी। डगलस गलती पर है, उसकी सख्त गलती है। ये चार वर्षो का रक्तपात यह प्रमाणित कर देगा। हम सचाई पर होगे। हम जीतेगे।'

अब्राहम सीधा तनकर खडा हो गया। मेरी को वह नौ फुट लम्बा देव दिखाई दे रहा था और वह अपने आपको बौना महसूस कर रही थी। अब्राहम आग के काले स्तून के समान दिखाई देता था। उसका सिर और ऊचा हो गया था। उसकी आखो से आग बरस रही थी। अन्दर की ओर धसे हुए गालो और ठुड्डी के गढे से उसका दृढ निश्चय लक्षित हो रहा था। उस ज्वलत मूर्ति के समक्ष मेरी के अपने भाव जाग उठे, उसके कद के सामने वह अपने आपको तुच्छ समझने लगी। सिद्धात के प्रति उसके दृढ निश्चय से उसे इतना साहस प्राप्त हो रहा था कि वह जीवन मे सब कुछ झेलने के लिए कटिबद्ध हो गई थी। अपने पति और अपने प्रेम की छाया मे उसे अनुभव हुआ कि वह उसी व्यक्ति के

पास खडी है जिसकी उसने कल्पना की थी।

मेरी ने अपना हाथ उसके हाथ मे दे दिया और उसकी ओर देखते हुए मुस्कराने लगी। उसकी आखो मे कोई आशका न थी, चेहरे पर साहस का भाव था।

६३

एक व्यक्ति कारोबार के सिलसिले मे अब्राहम से मिलने आया। उसका नाम वाटसन था और उसने पूर्वीय वकीलो जैसा शानदार लिबास पहना हुआ था। थोडी ही देर बाद मेरी ने बाहर का दरवाजा बन्द होने की आवाज़ सुनी और तभी अब्राहम हाथ मे रुपयो की थैली लिए हुए शयनागार मे आया।

'देखो मेरी, मुझे ४०० डालर इसलिए मिले हैं कि कोई और मुकदमा हाथ मे न लू और मुकदमे की पैरवी के लिए एक हज़ार डालर फीस मिलेगी। क्या इससे सारी कमी पूरी नही हो जाती ? यह फसल काटने की मशीन का मुकदमा है। मैंने सोचा था कि इस वर्ष मुझे अपनी खोई हुई वकालत को धीरे-धीरे खडा करना होगा, किन्तु वाह रे भगवान्! दिया भी तो छप्पर फाडकर।'

अब्राहम तत्पश्चात् शीघ्र ही मुकदमे की तैयारी मे व्यस्त हो गया और मशीनो के प्रारम्भिक आविष्कारो का अध्ययन करने लगा। फिर वह राकफोर्ड चला गया और वहा मेनी नामक कारखाने मे अपने ग्राहक की मशीन और साइ-रस मेकक्रामिक की मशीनो के अन्तर का कई दिन तक अध्ययन करता रहा क्योकि मेकक्रामिक ने यह मुकदमा चलाया था कि उसकी मशीन की नकल तैयार की गई है।

सितम्बर मे वह सिनसिनाटी गया, जहा मुकदमे को शिकागो से स्थानान्तरित कर दिया गया था। जब वह दस दिन पश्चात् लौटा तो मेरी ने पूछा, क्या उसके तर्क सफल रहे है ?

'मैंने तो······कोई भी·······तर्क नही दिया। जब मैं सिनसिनाटी पहुचा

तो उन्होने मुझे मुकदमा छोड देने के लिए कहा।'

'परन्तु क्यो ?'

'ऐसा लगता है कि उन्होने मुझे इसलिए मुकदमा दिया था कि उनका विचार था कि मुकदमे की सुनवाई शिकागो मे जज ड्यूमड के सम्मने होगी और उन्हे कोई स्थानीय वकील चाहिए था जो जज पर अपना प्रभाव डाल सके।'

'किन्तु तुमने जो तर्क तैयार किए थे उसका क्या बना ?'

उसने सिर हिला दिया और बोला

'मैंने जो कुछ लिखा था वह वाटसन को दे दिया था और उसे कह दिया था कि वह यदि इसे उपयोग मे लाना चाहे तो ले आए। उन्होने उसे खोलकर देखा तक नही। उस मुकदमे ने मेरी आखे खोल दी और मैने एक भव्य दृश्य देखा कि किस प्रकार कुशल वकील एक बडे मुकदमे की पैरवी करते है। जब मुकदमा समाप्त हुआ तो मैंने उन्हे कह दिया कि मैं कानून का अध्ययन करने के लिए घर जा रहा हू।'

'अब्राहम, तुममे साधुओ की सी विनम्रता है। उन्होने तुमसे मुकदमा छीना और फिर भी तुम मुकदमा सुनने के लिए एक सप्ताह वहा ठहरे रहे ?'

'उन्होने मेरे तर्क तो अत्यन्त साधारण प्रमाणित कर दिए। जिस ढग से वे लोग वकालत करते है वह इलीनाइस की वकालत से सर्वथा भिन्न है।'

मशीन के मुकदमे का फैसला होने के कुछ सप्ताह पश्चात् वाटसन का एक पत्र आया जिसमे उसने ६०० डालर की बकाया फीस भेजी थी। पत्र से मेरी को पता लगा कि अब्राहम ने एक पहला चेक इसलिए लौटा दिया था कि उसने उसके लिए काम नही किया अत. वह उसे पाने का पात्र नही था।

'क्या तुमने सचमुच पैसे लौटा दिए थे ?' मेरी ने पूछा, 'यह तो जले पर नमक छिडकने के समान है। मै गवर्नर के भवन पर होने वाले सहभोज के लिए गाउन तैयार करवाने के हेतु इस धनराशि का कुछ भाग व्यय करूगी। वे सिरफिरे वकील यह न समझे कि पश्चिम मे तुम सबसे कुशल वकील हो, प्रत्युत न्यूयार्क के इस ओर के प्रदेश मे तुम्हारी पत्नी पोशाक और सौदर्य के क्षेत्र मे सबको मात दे देगी।'

गवर्नर का नया महल एक छोटी-सी गोल पहाडी पर बनाया गया था, उसके

चारो ओर लम्बे-लम्बे वृक्ष थे और घास के विस्तृत मैदान से एक सडक चक्कर काटती हुई वहा पहुचती थी। गवर्नर मैटेसन ने उम रात सारे स्प्रिगफील्ड को आमन्त्रित कर रखा था। ज्योही मेरी उस भव्य भवन की सबसे निचली मज़िल के हाल वाले कमरे मे प्रविष्ट हुई और उसने चौडी सीढिया, ऊची-ऊची छतो वाले कमरे, छतो पर लटकते कदील और फर्श से छत तक लम्बी खिडकिया देखी तो उसे ब्ल्यू ग्रास के एन्डरस्ली और आशलैड के घरो की याद आ गई और उसका मन इसी स्मृति मे खो गया।

'अब्राहम, क्यो न तुम गवर्नर के पद के लिए ही प्रयत्न करो।'

वह खिलखिलाकर हस पडा और उसकी बाह को दृढता से पकडते हुए बोला :

'मुझे तुम्हारे लिए होगेन हाउस खरीद लेना चाहिए था, फिर न तो मुझे गवर्नर बनना पडता और· न ही राष्ट्रपति बनने की आवश्यकता होती।'

'आवश्यकता तो सभवत न होती किन्तु, कितना अच्छा होता!'

पौ फटने पर वह अपने टूटे-फूटे बरामदे और छोटे-छोटे कमरो की ओर देख रही थी। अब्राहम ने अपना कोट उतारा, वास्कट खूटी पर लटका दी और फिर पाव को आराम देने के लिए सबसे बडी कुर्सी मे धस गया। फिर मेरी ने अपने रेशमी जम्पर और स्कर्ट को ज़मीन पर वृत्ताकार फैला दिया और बैठती हुई बोली :

'अब्राहम, अपने मकान को बडा बनाने की मेरी एक योजना है। हम छत को हटाकर उन दो छोटे शयनागारो को बडे कमरे बना देगे और पीछे बच्चो के लिए कई शयनागार बना देगे।'

'··· ओह मेरी, मुझे तुम्हे उस सहभोज पर कभी नही ले जाना चाहिए था।'

'अब हममे इसका सामर्थ्य है। सारे परिवार और मित्रो मे से केवल हम ही तो रह गये है, जो अभी तक कुटिया मे रहते है।'

अब्राहम ने अपने घुटने इकट्ठे करके उनपर ठुड्डी टेक दी और बोला·

'मैं यही सुखी हू।'

'पर मैं तो नही हू। मैं सोचती हू कि अब हमे बैठक के पिछले भाग के शयनागार मे सोते नही रहना चाहिए। मुझे नौकरानी के लिए एक कमरा चाहिए और एक अतिथि-भवन चाहिए, ताकि जब मेरी बहन एमली विवाह के

बाद बेन हार्डिन हेल्म के साथ यहा आए तो उन्हे ठहराने के लिए हमारे पास उपयुक्त स्थान हो।'

'किन्तु मेरी,' लिंकन बोला, 'अभी तो हम अपने पाव पर खडे हो पाए हैं।'

'हम इनकी लागत क्यो नही पूछ लेते ?'

'आर्मस्ट्राग और कानेली ने पच्चीस सौ डालर बताए थे। अब्राहम, तुम तेरह सौ डालर लगा दो और मै, गत वर्ष जो मुझे पिता से उपहारस्वरूप मिली ८० एकड भूमि के बारह सौ डालर मिले थे, वे लगा दूगी।'

'नही मेरी, मैं नही चाहता कि तुम अपना धन व्यय करो। मै तुम्हे दूसरी मज्जिल बनवा दूगा, किन्तु अभी नही क्योकि अभी मूल्य बहुत अधिक है।'

थोडे दिन बाद वह दौरे पर चला गया। उस शाम को मेरी को फ्रासिस के घर पता लगा कि हन्नान और राग्सडेल उसको एक नया स्वरूप प्रदान कर रहे है। वह घर लौट आई और एक कच्ची योजना बनाई कि वह क्या कुछ चाहती है, फिर ठेकेदारो को बुलाया।

'मेरे पास बारह सौ डालर है, नई छत के लिए हम पुरानी कडिया प्रयोग कर सकते है। निचली मजिल की खिडकियो को सुरक्षित रख सकते है। ऊपर की मज्जिल पर और शयनागार बनाने के लिए हाल तैयार करने की आवश्यकता नही। हम पिछले क्वार्टरो के लिए एक छोटी-सी सीढी बना लेगे। आपका क्या विचार है, इतने पैसो मे यह सब कुछ हो जाएगा ?'

दो घटे तक एक बढई तहखाने की नाप-जाच करता रहा, फिर शयनागार की दीवारो को नापता रहा। तब कही हन्नान और राग्सडेल ने बताया :

'तुम्हारे पैसो मे ही हम यह काम कर सकते है, किन्तु पीछे जो भाग बढाया जाएगा उसपर टीन की छत डालनी पडेगी। वह काम किसी लोहार से करवाना पडेगा। हम यह वचन देते हैं कि इसमे तेरह सौ डालर से अधिक व्यय नही होगा।'

'मुझे मजूर है,' मेरी ने कहा, 'यह काम मेरे पति के घर लौटने से पहले पूरा होना चाहिए। वे दो महीने के लिए बाहर गए हुए है।'

अगले दिन सवेरे सात बजे कारीगर आ पहुचे और उन्होने छत हटाने का काम आरम्भ कर दिया। राबर्ट ने शात और गर्वीले लहजे मे कहा, 'मै सदा

सोचा करता था कि यह झोपडी हमारी शान के उपयुक्त नही।'

जब कारीगर कडिया और शहतीर हटा रहे थे, तो मेरी ने राबर्ट और विलियम को बैठक मे चारपाई पर बैटा दिया। उसके बाद कारीगरो ने दूसरी मज़िल की दीवार को १२ फुट और ऊचा कर दिया और अखरोट की लकडी की खूटियो और अलमारियो के लिए दीवारो मे नई जगहे बना दी। जब छत दोबारा डाल दी गई और नई खिडकियो पर रग-रोगन हो गया, तो मेरी ने तीनो बच्चो को ऊपर की मज़िल मे भेज दिया, ताकि मजदूर रसोई की छत की मरम्मत कर सके, पिछली दीवार हटा सके और खाली जगह मे शहतीर डालकर ऊपर की मज़िल तक मार्ग बना सके। इस बीच मे मेरी या तो बैठक की अगीठी पर खाना तैयार कर लिया करती थी या यदि मौसम गर्म हो तो बाहर आगन मे पका लेती थी।

मेरी ने पहली अगीठियो के स्थान पर लकडी की अगीठिया बनवाई। खाने के कमरे मे बडी घडी के साथ दरवाज़े की घटी लगवाई। अब्राहम की वकालत की पुस्तको के लिए अलमारिया बनवाईं, जिनमे दोहरी बैठक का पिछला आधा भाग सम्मिलित किया गया। ठीक अन्तिम समय मे उसके प्रकाश के लिए गैस न लगवाने का निश्चय किया। उसने छत को सामने की ओर कुछ बढवा दिया, ताकि वह स्विट्ज़रलैड के बगले जैसा दिखाई देने लगे। मकान पर हलका पीला चाकलेट रग करवा दिया और खिडकियो के दरवाजो पर गहरा हरा रग करवा दिया। बडे दरवाज़े पर एक काली प्लेट लटका दी। रुपहले अक्षरो मे लिखा था

ए० लिंकन

अब अब्राहम के लिए अलग कमरा बन गया था, जहा वह मेरी की नीद खराब किए बिना सारी रात पढ सकता था। उसने पिछले कमरे से पलग निकलवाकर नये शयनागार मे रखवा दिया। यह शयनागार अब्राहम के कमरे मे बिलकुल पीछे था। फिर वह अब्राहम के लिए महोगनी की लकडी का जितना बडे से बडा पलग मिल सकता था, खरीद लाई। यह नौ फुट लम्बा तो नही था, जिसका वचन उसने अब्राहम को दिया था, किन्तु अब वह उसके कोनो की दिशा मे लेटकर शरीर को पूरा तान सकता था और कम्बल मे टागे फैलाकर सो सकता था।

जब सारा काम हो गया तो मेरी ने गली मे खडे होकर घर के नये स्वरूप को देखा। अब उसमे वास्तुकला की झलक थी। दो बडी-बडी मजिलो और सामने की छत से रौब टपकता था और उसके साथ ही सौन्दर्य की आभा भी दिखाई देती थी। उसने बढइयो के अच्छे काम के लिए उनका धन्यवाद किया और लगभग तेरह सौ डालर नकद उन्हे दे दिए। अबरी चुनने और उसे दीवारो पर लगाने और सारे मकान की मरम्मत आदि मे सात सप्ताह लग गए थे। अब्राहम ने सदेश भेजा कि वह अगले बुधवार को न्यायालय का काम पूरा कर लेगा और अधेरा होने पर घर लौटेगा।

मेरी ने बच्चो को जल्दी खाना खिला दिया, रसोई साफ की, बैठक मे और ऊपर की मजिल के शयनागारो मे तेल के लैम्प जलाए और फिर खिडकी के पास ऐसे बैठ गई जहा से वह लिकन को स्टेशन से घर आते हुए देख सकती थी।

यह शाम सुहानी थी। अधिकतर पडोसी बाहर थे। पुरुष बागो मे काम करने गए हुए थे। अन्य लोग गली की नुक्कड पर खडे गप-शप लगा रहे थे। कुछ स्त्रिया बरामदो मे बैठी बुन रही थी और कुछ मिलने-जुलने के लिए गई हुई थी।

मेरी ने देखा सामने गली मे अब्राहम चला आ रहा था। उसके हाथ मे एक नीली सूती छतरी थी। मेरी के मन मे अनेक उद्वेग उठ रहे थे—क्या वह प्रसन्न होगा, क्या वह यह कहेगा कि तुम बहुत दक्ष हो जो इतने थोडे पैसो मे इतना काम करवा लिया है, कही वह इस बात पर बिगड तो नही जाएगा कि उससे परामर्श किए बिना अपनी मन मरजी की है?

अब्राहम गली के मध्य मे आकर खडा हो गया, फिर सिर को ज़रा टेढा करके नये भवन को देखा और कुछ सोचता हुआ धीरे-धीरे आगे बढा। कुछ दूर आगे आकर फिर रुक गया। गली मे खडे जितने लोग बाते कर रहे थे और जितनी स्त्रिया बरामदो मे बैठी थी, वे सब लोग मौन हो गए। अब्राहम पगडडी छोडकर गली के मध्य मे आ गया और घर के सामने खडा होकर उसे ध्यान-पूर्वक देखने लगा। फिर उसने अविश्वासमूचक सिर हिलाया और हाथो को पीछे कोट के नीचे किए घर के सामने चक्कर काटने लगा। आखिर वह रुका और फिर गली को पार कर वहा खडे लोगो के पास पहुचा। रात्रि के मौन

वातावरण मे उसकी ऊची आवाज सुनाई दी

'क्षमा करना मित्रो, मै एब लिंकन हू । मैं अपना मकान ढूढ रहा हू । मेरा विचार तो यह है कि गली के उस पार मेरा घर था, किन्तु जब कुछ सप्ताह पूर्व मैं बाहर गया था तो यह छोटा-सा एक मजिल मकान था और अब वहा दो मज़िला मकान है । ऐसा लगता है कि मै अवश्य मार्ग भूल गया हू ।'

वे पडोसी खिलखिलाकर हस पडे । मेरी का चेहरा तमतमा उठा । वह परदे के पीछे छुपी हुई खडी रही । अब्राहम इन लोगो को छोडकर धीरे-धीरे गली के पार आया और सामने के दरवाज़े की ओर बढा, फिर पगडडी पर एक पैर रखकर खडा हो गया । खुली खिडकी मे से मेरी ने धीमी आवाज मे कहा :

'बुद्धू, अन्दर आ जाओ । क्या तुम अपना मकान देखकर भी नही पहचान सकते ?'

६४

अब्राहम को उत्तर के पार्श्व का बडा शयनागार, जिसके दोनो ओर खिड-किया थी, बहुत पसद आया । पिछले कमरे की नई अलमारियो मे उसकी वकालत की पुस्तके रख दी गई थी । वह कमरा दक्षिण के बरामदे का आधा भाग था । अब्राहम ने पूछा कि क्या वे अतिथि-भवन को शीघ्र ही प्रयोग कर सकते है । उनका पडोसी नोयेज़ डब्ल्यू माइनर रविवार को बैप्टिस्ट सभा लगाया करता था और उसके कई प्रतिनिधियो के पास सोने तक के लिए जगह न था ।

अब्राहम से ईंटे मंगवा ली और घर की लम्बाई के अनुसार बाहर की दीवार को भी बढा लिया और उसके ऊपर लाल ईंटो की मुडेर पर सफेद तार लगवा दी । वह रविवार को प्रातः इतना प्रसन्न था कि फर्स्ट प्रेस्बीटेरियन गिरजाघर मे अपनी जगह का छत्तीस डालर वार्षिक किराया भेज दिया । उसने

देखा कि उनकी बेच से पाच पक्ति परे उसके मित्र बेजामिन फाक्स की बेच है और उसने अपनी नई पत्नी के लिए अपनी बेच पर गालीचा लगवा रखा है।

अब्राहम ने धीरे से मेरी के कान मे कहा:

'मकान को विस्तृत करने मे तुमने जो प्रशसनीय काम किया है उसके पुरस्कारस्वरूप मै तुम्हे तुम्हारी बेच के लिए नया गालीचा और गद्दे खरीद दूगा, तब लोग तुम्हे भी नववधू समझने लगेगे।'

नगर मे बेजामिन फाक्स की एक दुकान थी, जहा जाकर अब्राहम दासता के क्रातिकारी विरोधियो के वे पत्र पढा करता था, जिन्हे वह स्वय नही मगवाता था। एक दिन प्रार्थना हो चुकने के पश्चात नौजवान फाक्स ने कहा, 'श्री लिकन, डाकबाबू मुझे दासता के क्रातिकारी विरोधियो के पत्र नही देता। क्या डाकियो से यह आशा करनी चाहिए कि वे जो-जो वस्तु देना पसद करे वही दे?'

अब्राहम हसते हुए बोला, 'मैं तुम्हारे लिए प्रयत्न करूगा।'

अगले दिन शाम को श्री फाक्स और उसकी पत्नी ने आकर समाचार दिया:

'आपका धन्यवाद अब्राहम, डाकिया हमारे पत्र पहुचाने लगा है, किन्तु वे उन्हे हमारे डाक के बक्स मे नही डालता, वरन् बाहर से ही आगन मे फेक देता है।'

'वह अवश्य डरता है कि कही छूत न लग जाए,' अब्राहम ने कहा और साथ ही गभीर भाव से यह भी कहा, 'तुम्हे इसपर ध्यान नही देना चाहिए। दासता से सम्बन्धित जो कोई भी बात है, उसके बारे मे आवेशपूर्ण भाव फैले हुए है।'

थोडे ही दिनो मे यह बात प्रमाणित हो गई। जब मेरी फिरनी बना रही थी तो उसका चचेरा भाई उसकी ओर चला आ रहा था। उसके हाथ मे 'जरनल' समाचारपत्र का १० मई, १८५६ का ताजा अक था। उसने पत्र को मेरी के सामने रखते हुए कहा:

'मेरी, तुमने अपने पति का नाम देखा है? यह देखो, दासता-विरोधी क्रातिकारियो के वक्तव्य के आरम्भ मे ही उनका नाम दिया हुआ है।'

मेरी ने अनुमान लगाया कि दासता के क्रातिकारी विरोधियो से स्टुअर्ट का अभिप्राय उन लोगो से है जिन्हे इलीनाइस के कुछ क्षेत्रो मे नेब्रास्का के

विरोधी कहकर पुकारा जाता है। बाकी क्षेत्रो को फ्यूशनिस्ट समन्वयवादी रिपब्लिकन कहा जाता है। उसने स्टुअर्ट के हाथो से वह पत्र ले लिया और देखा कि सूची मे सैकडो नाम है और अब्राहम का नाम सबसे पहले है। नीचे वक्तव्य मे अपील की गई है कि नेब्रास्का के जितने भी विरोधी है उन्हे ब्लूमिगटन की सभा मे सम्मिलित होना चाहिए। मेरी असमजस मे पड गई।

'भैया, मुझे विश्वास नही होता कि अब्राहम ने इस वक्तव्य पर हस्ताक्षर किए होगे। कुछ ही दिन हुए उसने मुझे बताया था कि आजकल राजनीतिक परिस्थितिया ऐसी है कि वह कोई भी कदम उठाने से डर रहा है कि कही गलती न हो जाए। गत फरवरी मे नेब्रास्का-विरोधी सम्पादको की सभा मे वह डेकाटूर अवश्य गया था किन्तु वह इस आकाक्षा से कि उनकी नीति को यही तक सीमित कर दे कि दासता को फैलने न दिया जाए।'

'किन्तु ये काली करतूत वाले रिपब्लिकन देश को युद्ध मे धकेल देगे। मेरी, लिकन के हस्ताक्षर करने का किसने साहस किया है ?'

मेरी ने ऐसे मु ह बनाया जैसे कोई बुरे स्वाद की वस्तु चख ली हो।

'सभवत हर्नडन ने।'

'हर्नडन ने ? क्या बिना अनुमति प्राप्त किए ?'

'तब तो उसने लिकन को तबाह कर दिया समझो। मेरी, तुम्हे अवश्य उसके दफ्तर मे जाकर उसे बाध्य करना चाहिए कि वह इस समाचार का खंडन प्रकाशित करे।'

'मुझे खेद है, भैया स्टुअर्ट, मै उस व्यक्ति से बात नही करती। यह तो तुम्हे स्वय ही करना होगा। जाने से पूर्व एक प्याला काफी पी लो।'

स्टुअर्ट ने ध्यानपूर्वक उसके चेहरे की ओर देखा और फिर धीमे से कहा

'मेरी, तुम इन रिपब्लिकनो के पक्ष मे तो नही हो, अथवा पक्ष मे हो ? वे दक्षिण की छाती पर उठी हुई छुरी के समान हैं। हमारा जन्म दक्षिण का है अतः हमारा प्रयत्न यही होगा कि युद्ध न छिडे। दासता को समाप्त करने का अभिप्राय है रक्तपात। उस पागलपन की पुस्तक 'चाचा टाम की कुटिया' ने उत्तर के प्रदेश को इतना जोश दिला दिया है कि वे सारे दक्षिण को जला डालने पर तुले हुए है।'

'भैया, मै तुमसे सहमत हू और मेरा विश्वास है कि अब्राहम भी तुमसे सहमत है।'

इस बात का पता लग गया कि अब्राहम को समझने मे मेरी को भूल हुई थी क्योकि जब स्टुअर्ट ने हर्नडन से अनुरोध किया कि वह उस कार्य के सम्बन्ध मे अब्राहम की स्पष्ट अनुभूति प्राप्त करे, तो अब्राहम ने तार द्वारा उत्तर दिया :

'ठीक है बढे चलो—क्रातिकारियो और सभी से वही मेल होगा।'

क्या अब्राहम ने व्हिग पार्टी की डूबती नैया को छोड दिया था और क्या वह नई रिपब्लिकन पार्टी मे सम्मिलित हो गया था ? मेरी इतना जानती थी कि जब अब्राहम नेब्रास्का-विरोधी सम्पादको की सभा मे गया था तो उन्होने उसे आश्वासन दिया था कि अगले वर्ष इलीनाइस का गवर्नर वही होगा और उसके पश्चात् उसे सीनेटर चुना जाएगा, तब उसने उत्तर मे कहा था :

'जहा तक सीनेटर बनने की आकाक्षा का सम्बन्ध है, मै इसके पक्ष मे हू किन्तु वस्तुत मुझे गवर्नर बनने का प्रयत्न करना चाहिए क्योकि मेरी पत्नी गवर्नर के महल मे रहना चाहती है।'

मेरी ने आश्चर्यचकित होकर कहा, 'नही अब्राहम, तुमने यह तो न कही होगा।'

अब मेरी चाहती थी कि सभा मे जाने से कुछ दिन पहले लिकन घर आए, ताकि वह इस विषय पर उससे बातचीत कर सके। किन्तु, अब्राहम अरबाना मे था, वहा से उसे कार द्वारा डानेविले जाना था और फिर ब्लूमिगटन जाना था। इन उपद्रव के दिनो मे मेरी के लिए अकेले रहना कठिन था, मैसाचुसेट्स का सीनेटर चार्ल्स समनर दक्षिण के प्रदेशो के विरुद्ध घृणापूर्ण भाषण दे रहा था, दक्षिण कैरोलिना के काग्रेस-सदस्य ब्रूक्स ने समनर को सीनेट के भवन मे ही पीट डाला था, कसास की दासता की समर्थक शक्तियो ने लारेंस के स्वतत्र नगर को तहस-नहस कर दिया था, जान ब्राउन नामक व्यक्ति ने कसास के कई दासता के समर्थको को मार डाला था। जब आखिर दो जून को अब्राहम घर लौटा और उसने मेरी के भावो मे इतना अधिक तलब देखा तो वह बोल उठा :

'प्रिये, सारे देश की यही हालत है, यही जानकर तुम्हे सान्त्वना मिल सकती है। सघ से अलग होने की चर्चा जितनी मैने इस बार सुनी है, पहले कभी नही सुनी। किन्तु तथ्य यह है, जैसा मैने सभा मे बताया था।'

'हम सघ से बाहर नही जाएगे और दक्षिण भी अलग नही होगा।'

'सभा मे क्या हुआ था, अब्राहम ? यहा स्प्रिगफील्ड मे तुम्हारे आधे मित्र इसके विरुद्ध हो गए है " स्टुअर्ट और जेम्स मैथेनी ' तुमसे और रिपब्लिकनो से बहुत क्रुद्ध है।'

'हमे तो केवल प्रत्येक ऐसे व्यक्ति को सगठित करना है जो डगलस और उसके समर्थको का विरोधी है। मैने तो यह निश्चय कर लिया है कि रिपब्लिकन जिसे भी नाम निर्दिष्ट करेगे, यदि उसकी नीति ऐसी न हुई जिसे मै गलत समझता हू, तो मै उसका समर्थन करूगा।'

जिस समय चचेरे भाई स्टुअर्ट ने कहा था, 'काली करतूत वाली रिपब्लिकन पार्टी दक्षिण की छाती पर उठी हुई छुरी के समान है'—तो जिस प्रकार के भाव उसके चेहरे पर उभर आए थे, मेरी को उसका स्मरण हो आया, किंतु उसने अपने भावो को सयत रखा।

'तुमने सात-आठ मास से कोई सार्वजनिक भाषण नही दिया, इस सभा मे तुम्हारा भाषण कैसा रहा ?'

लिकन ने लजाते हुए कहा, 'देखो, यह बात तुम्हारे और मेरे बीच है। यह मेरे जीवन का सर्वोत्तम भाषण था। तुम्हे याद होगा कि दक्षिण इलीनाइस मे एक कट्टर व्हिग जेसी डुब्रोइस रहा करता है। बडी कठिनाई से उसने सभा मे आना स्वीकार किया, किन्तु जब मेरा भाषण समाप्त हुआ तो वह बोला, 'इलीनाइस मे इतना महान् भाषण पहले कभी नही हुआ, यह तो लिकन को राष्ट्रपति-पद का पात्र बना देगा।'

मेरी एक कुर्सी मे धस गई और फटी-फटी आखो से उसकी ओर देखने लगी।

१८५६ मे सिनसिनाटी मे डेमोक्रेटिक पार्टी की सभा हुई और उस सभा के निर्णय ने डगलस और लिकन दोनो को आश्चर्य मे डाल दिया। उन्होने बुकानन को नाम-निर्दिष्ट कर दिया, जो कसास और नेबरास्का-विवाद मे ब्रिटेन का मत्री था। यह अनुभव किया गया कि बहुत-से रूढिवादी व्हिग डगलस को बिलकुल पसद न करते, वे तथा डेमोक्रेट बुकानन का समर्थन करेगे। मिलियर्ड फिल्मोर तीसरी पार्टी का उम्मीदवार था और मेरी को स्मरण था कि उसीने

१८५० के समझौते के लिए सरकार से भरसक प्रयत्न करवाया था ।

दो सप्ताह पश्चात् फिलेडेलफिया मे रिपब्लिकनो का पहला राष्ट्रीय जलसा हुआ और उसमे बडे जोश के वातावरण मे जान चार्ल्स फ्रीमौट को राष्ट्रपति-पद के लिए नाम-निर्दिष्ट किया गया । जान चार्ल्स फ्रीमौट कई मोरचे मार चुका था । उसीने पश्चिम के वे प्रतिवेदन लिखे थे जिन्हे पढकर हजारो लोग कैलिफोर्निया और ओरेगन के प्रदेशो मे जा बसे थे । और फिर अचानक सभा मे अब्राहम के कुछ मित्रो ने, जो ब्लूमिगटन के सम्मेलन मे गए थे, अब्राहम का उपराष्ट्रपति-पद के लिए नाम-निर्देशन करने का एक आन्दोलन आरम्भ कर दिया जिससे अब्राहम और मेरी भी आश्चर्यचकित रह गए । एक ही रात की भाग-दौड के पश्चात् जब पहली बार मतदान हुआ तो अब्राहम के पक्ष मे ११० मत पडे ।

अब्राहम ने धीमे लहजे मे कहा, 'वह अवश्य कोई और लिकन होगा, इसी नाम का एक व्यक्ति मैसाचुसेट्स मे रहता है ·   '

दूसरी बार मतदान होने पर विलियम एल० डाइटन नाम-निर्दिष्ट होगया । अब्राहम दक्षिण इलीनाइस निर्वाचन-आन्दोलन के लिए चला गया । इस बार भी वह काम मे उतना ही व्यस्त हो गया जितना कि वह १८४० मे हुआ था जब मेरी उसकी गतिविधि जानने के लिए जरनल पत्रिका के दफ्तर के चक्कर लगाया करती थी, उन दिनो तो लिंकन डेमोक्रेटो को व्हिग बनाने के लिए घूमा करता था और अब उसका उद्देश्य उन्ही व्हिगो को रिपब्लिकन बनाने का था ।

रिपब्लिकनो को सबसे बडी चोट सीनेटर टामस हार्ट बेटन ने पहुचाई, जिसने खुल्लमखुल्ला अपने जमाई जान सीफ्रीमौट का विरोध करते हुए कहा, 'रिपब्लिकन एक प्रान्तीयतावादी पार्टी है और ये लोग देश को दो भागो मे बाटकर रहेगे और कि फ्रीमौट तथा रिपब्लिकनो को वोट देना गृहयुद्ध के पक्ष मे वोट देने के समान है ।'

अब्राहम ने क्रोध मे कहा, 'परिवार के लोग यदि सहायता नही कर सकते तो वे कम से कम शिष्टता से मौन क्यो नही साधे रखते ?'

मेरी ने मन ही मन कहा, बहुत अच्छा अब्राहम, मै शिष्टता से मौन बनाए रखूगी । किन्तु इसका यह अभिप्राय नही कि मेरे नारी-सुलभ हृदय मे गभीर आशकाएं नही हैं ।

यद्यपि मेरी ने अपने घर के दरवाजे सबके लिए खोल दिए थे, यद्यपि

अब्राहम जिन लोगो को घर लाया करता अथवा आमन्त्रित करता था वह उनका केक, काफी और सैंडविचो से स्वागत करती थी, किन्तु उनके विवाह के बाद पहली बार वह उनके राजनीतिक कार्यो मे हाथ नही बटाती थी। लिंकन यह न जान सका कि मेरी दु खी है।

६५

अब्राहम राज्य के मध्य भाग का दौरा करके लौटा और फर्श का चक्कर लगाते हुए झल्लाकर बोला, 'व्हिग यह बात क्यो नही समझ सकते कि फिल्मोर के हाथ मे सिवाय रिपब्लिकन शक्ति को विखडित करने के और कुछ नही है?'

मेरी उस समय कोई पुस्तक पढ रही थी। पुस्तक से दृष्टि उठाकर बोली :

'अब्राहम, ये सुख-शान्ति के दिन नही है कि लोग अपने भले-बुरे को समझ सके। लोग इस बात से भयभीत है कि फ्रीमौट जीत गया तो न जाने क्या होगा। वे और सब बातो की अपेक्षा इस बात का निश्चय करना चाहते है कि कही वे देश के विभाजन के पक्ष मे तो वोट नही दे रहे ·।'

'मुझे हर्ष है कि उन्हे इस सोच-विचार का समय मिल गया है ...... और वे निर्वाचन के दिन तक इसपर विचार कर सकते हैं। कितना अच्छा होता जो वे यह जान पाते कि डगलस ने निनियन को लिखा था, जो कुछ भी घटनाए हो गुजरी है फिर भी मैं कसास और नेबरास्का-बिल के बारे मे सचाई पर हू।—मेरी, जरा सोचो तो, वह सघ को विनष्ट कर देगा और लाशो पर खडा होकर भी ऊचे स्वर मे कहेगा—मैं सचाई पर हू—इसीलिए हमे फ्रीमौट को निर्वाचित करना चाहिए। बुकानन की तो कोई आवाज नही है। वह प्रदेशो मे दासता फैलाने के पक्ष मे है।'

मेरी को विश्वास न आया।

ज्यो-ज्यो आन्दोलन बढा, दोनो ओर धार्मिक जोश पैदा हो गया। स्प्रिंग-फील्ड मे भी, जहा कि उत्तर प्रदेशो के क्रातिकारी बहुत कम थे और दक्षिण के

सघ से अलग होने के पक्षपाती भी बहुत कम थे, लोगो मे मैत्री भाव समाप्त हो गया और सगे-सम्बन्धी भी बहुत कठिनाई से अपना सबध बनाए हुए थे। मेरी का चचेरा भाई लोगन अब्राहम के साथ मिलकर इस आदोलन म काम कर रहा था किन्तु स्टुअर्ट ने पूरे जोर से फिल्मोर का समर्थन आरम्भ कर दिया था, जबकि निनियन स्टीफेन डगलस का पक्षपाती डेमोक्रेट था। मेरी जब दस वर्ष की थी तभी से जोशीले राजनीतिक दगल देखती आई थी और उसने १८२८ का जैक्सन तथा क्ले का मुकाबला भी देखा था, किन्तु पहली बार इस निर्वाचन ने उसमे घबराहट पैदा कर दी थी।

स्प्रिंगफील्ड मे जहा-तहा फ्रीमौट के चित्र और विज्ञापन लगा दिए गए थे। रिपब्लिकन इस झडे तले प्रगति कर रहे थे

'भाषण-स्वातन्त्र्य, अभिव्यक्ति-स्वातन्त्र्य, भू-स्वातन्त्र्य, मानव-स्वातन्त्र्य के लिए फ्रीमौट को वोट दीजिए। उसकी जीत सबकी जीत है।'

उसके बारे मे भाषण सुनने के लिए सारे उत्तर मे जगह-जगह बहुत भीड एकत्र हो जाया करती थी। हजारो छोटे-छोटे नगरो मे रात को मशालो से जलूस निकाले गए जिनसे रात के अधेरे मे ऐसा प्रतीत होता था मानो गलियो मे आग बह रही हो। वक्ता टिड्डी-दल की तरह सारे प्रदेश मे फैल गए और उन्होने निश्चय कर लिया कि उस प्रदेश मे सिवाय रिपब्लिकन विचारधारा के और कोई विचारधारा नही रहने देगे, जबकि लागफेलो, वाल्ट व्हिटमैन, वाशिगटन इरविंग और एडवर्ड एवरेट हेल अपनी जोशीली कविताओ द्वारा आन्दोलन मे अपना अशदान दे रहे थे। होरेस ग्रीले और चार्ल्स एण्डाना जैसे विख्यात पत्रकारो ने जीवनियो, पुस्तिकाओ और पत्रो के विशेष अको द्वारा आदोलन को आगे बढाया। उत्तर प्रदेश के आधे पादरी रविवार को गिरजाघर मे स्वतन्त्रता के नये राजनीतिक धर्म का प्रचार किया करते थे और कहा करते थे कि मार्ग ढूढने वाला फ्रीमौट ही दासता के घने जगल मे से मार्ग ढूढेगा।

क्या वह मार्ग ढूढ सकेगा? मेरी दक्षिण के समाचारपत्रो का ढेर लगाए बैठी थी। उसकी आखो के सामने भय और फ्रीमौट के निर्वाचित होने पर सघ से अलग होने की धमकिया भूत बनकर नाच रही थी। वाशिगटन के 'यूनियन', रिचमाड के 'इन्क्वायरर' और चार्ल्स्टन के 'मरकरी' पत्रो मे स्पष्ट कहा गया था कि ज्योही फ्रीमौट जीतेगा देश का विभाजन हो जाएगा। राबर्ट टूम्ब्स ने जो

अब्राहम के साथ सभासद रह चुका था, एक सभा मे भाषण दिया जिसका समाचार इस प्रकार दिया गया था

'फ्रीमौट के निर्वाचन से सघ विनष्ट हो जाएगा और ऐसा होना भी चाहिए क्योकि फ्रीमौट के मित्रो का उद्देश्य दक्षिण को विजय करना है। जब वे हम पर विजय पा ले तो भले ही हमारे ऊपर अधिकार कर ले, किन्तु उससे पहले कदापि नही।'

वर्जीनिया के सीनेटर जेम्स एम० मैसन ने कहा था कि फ्रीमौट के निर्वाचन का अभिप्राय 'तुरन्त तथा पूर्ण और स्थायी पृथक्ता' होगा। ल्यूसियाना के सीनेटर जान स्लाइडल ने कहा था कि यदि फ्रीमौट की जीत हुई तो सघ को न तो बचाया जा सकता है और न ही बचाना चाहिए। ये धमकिया केवल दक्षिण से ही नही आ रही थी, वरन् फिलेडेलफिया की डेमोक्रेटिक सभाओ मे वक्ता और लोग एक साथ चिल्ला-चिल्लाकर सघ के विभाजन की माग किया करते थे। यहा तक कि लदन 'डेली न्यूज' ने भी यह समाचार दिया था कि उनका सवाददाता जहा कही भी गया था, उसने लोगो को यही कहते सुना था कि यदि रिपब्लिकन पार्टी की जीत हो गई तो विपत्ति आ जाएगी।

मेरी को केंटुकी से अपने सम्बन्धियो का पत्र आया जिसमे उन्होने पूछा था कि अब्राहम रिपब्लिकन पार्टी मे क्यो सम्मिलित हो गया था और कब से दासता का क्रातिकारी विरोधी बन गया था। मेरी ने उत्तर मे लिखा कि लिंकन क्रातिकारी विरोधी नही है और कि उसने अपने प्रत्येक भाषण मे बात स्पष्ट कही थी कि जहा कही दासता है वहा हस्तक्षेप नही करना चाहिए।

जब मेरी अपने शयनागार मे लेटी हुई थी और सामने के कमरे से अब्राहम के इधर-उधर घूमने की आवाज आ रही थी, तो मेरी ने मन ही मन यह कष्टदायक प्रश्न पूछा, यदि रिपब्लिकन जीत गए तो वे देश के दो बडे राजनीतिक दलो मे व्हिग पार्टी का स्थान ग्रहण कर लेगे। तो क्या अब्राहम १८५८ मे अमेरिका के सीनेट-पद के लिए नाम-निर्देशन प्राप्त कर लेगा? तब तो वह जीवन मे पहली बार बहुसख्यक दल का नेता होगा। मेरी की यही सबसे बडी आकाक्षा थी कि अब्राहम अमेरिका का सीनेटर बन जाए।

इसके साथ ही वह विलियम हर्नडन के बारे मे सोचने लगी। वह स्प्रिगफील्ड मे रिपब्लिकन गतिविधि का प्रबधक अधिकारी बन गया था। क्या उसने ब्लूमिगटन

सभा की घोषणा मे अब्राहम का नाम सबसे ऊपर देकर उसके हाथ बाध नही दिए थे ? जहा कही भी मेरी गई उसने प्रत्येक दृश्य के पीछे हर्नडन के अनथक कार्य को देखा। यद्यपि मेरी को यह तुलना करते हुए घृणा होती, किन्तु जिस प्रकार उसके पिता वर्षों तक व्हिगो और हेनरी क्ले के कार्यपालक सचिव बने रहे उसी प्रकार रिपब्लिकन पार्टी मे हर्नडन ने स्थान प्राप्त कर लिया था। ज्यो-ज्यो अब्राहम रिपब्लिकन पार्टी मे अधिक भाग लेने लगा, उसका हर्नडन से अधिक घनिष्ठ सम्बन्ध होता गया और आखिर ऐसा प्रतीत होने लगा मानो हर्नडन ने ऐसा स्थान हथिया लिया था जहा से वह अब्राहम के भाग्य और भविष्य का निर्देशन कर सकता था।

किन्तु मेरी थी कि उससे दूर ही होती जा रही थी।

बुकानन के निर्वाचन के पश्चात् नगर मे शान्ति फैल गई। न्यूइगलैंड की सोसाइटी ने क्रिसमस से कुछ दिन पूर्व एक सहभोज दिया और परिवार के परस्पर विरोधी सदस्यो अर्थात् स्टुअर्ट, एडवर्ड और अब्राहम ने इसलिए आमन्त्रण स्वीकार कर लिया कि परस्पर बातचीत कर सकेगे। उस दिन सर्दी मामूली थी और सैर-सपाटे के लिए बाहर जाया जा सकता था, इसलिए मेरी ने अपने सब बच्चो को चौक मे बुला लिया, जहा नगर भर के बालक आतिशबाजिया चला रहे थे। जब वह बच्चो को खेलते हुए देख रही थी तो वह मन ही मन अपने आप को इस बात पर बधाई दे रही थी कि निर्वाचन के इस लम्बे आवेशपूर्ण आन्दोलन मे उसने किसीको भी पता नही लगने दिया कि वह निर्वाचन के समाचारो के बारे मे क्या अनुभव कर रही थी।

केवल अब्राहम का स्वभाव चिडचिडा हो गया था। वह बुडबुडाते हुए बोला :

'मैंने सिर-धड की बाज़ी लगा दी, किन्तु बदले मे मुझे विपत्ति का सामना करने को मिला है। इसलिए कृपया मेरे सामने चुनाव का उल्लेख मत करो, इससे मुझे दु:ख होता है। मैं यह विचार किए बिना नही रह सकता कि इस ससार मे कितनी अव्यवस्था है। उदास रहना मेरी प्रवृत्ति नही है, किन्तु मुझे सब कुछ कीचड दिखाई देता है। ऐसा लगता है मानो एक बूढा बीमार आदमी व्हाइट हाउस की ओर बढा जा रहा है जोकि नैतिक प्रश्नो पर सीधा खडा नही हो सकता।'

मेरी ने यह बताकर उसे सात्वना दी कि विधि ने प्रत्येक के लिए सुख-सुविधा की व्यवस्था रखी है। रिपब्लिकनो ने विलियम बिसेल को गवर्नर निर्वाचित किया और पहली बार राज्य का प्रशासन अब्राहम के विरोधियो की बजाय उसके मित्रो के हाथ मे आया। उसने स्वीकार किया कि १८५८ के सीनेट-पद के चुनाव के सघर्ष के लिए प्रशासन का मित्रो के हाथ मे होना अत्यधिक महत्व की बात थी। विशेषत इस कारण इसका अधिक महत्व था कि डगलस द्वारा इलीनाइस के तूफानी दौरे के कारण बुकानन राज्य मे केवल कुछ हज़ार वोटो से जीत पाया था।

अब्राहम रिपब्लिकन पार्टी के सहभोज पर शिकागो गया। यह सहभोज ट्रेमौट हाउस मे किया गया और सभी अतिथियो ने स्थानीय और राज्य मे प्राप्त विजयो पर एक दूसरे को बधाई दी, किन्तु अब्राहम का मन अशात रहा। लोग अब भी प्रजातत्रवाद को विध्वस और युद्ध के नाम से पुकारा करते थे। लिकन ने यह घोषणा की—जब तक रिपब्लिकन पार्टी के सदस्य देश को यह विश्वास नही दिला देते कि वह भी एक शान्तिप्रिय दल है, तब तक उस नाम से बचना होगा।

उसके समर्थको मे से एक ने एक नया पत्र 'स्प्रिगफील्ड रिपब्लिकन' निकालने के लिए इस अवसर को उचित समझा।

'मै समझता हू कि इस पत्र की स्थापना दुर्भाग्यपूर्ण है,' उसने मेरी से शिकायतभरे स्वर मे कहा, 'इसके लिए अभी उपयुक्त समय नही आया। मै तो इसका चदा नही दू गा।'

कुछ सप्ताह पश्चात् 'स्प्रिगफील्ड रिपब्लिकन' पत्र की प्रति घर पर पहुच गई। मेरी ने यह स्मरण करके कि लिकन ने इस पत्र का सख्त विरोध किया था और वह नही चाहता था कि यह आरम्भ किया जाए, और क्योकि वह स्वय भी भयभीत थी, पत्र सम्पादक को लौटा दिया और एक पत्र द्वारा उसे डाट दिया।

मेरी को यह जानकर बहुत आश्चर्य हुआ कि सम्पादक ने समाचारपत्र मे उसके पत्र पर टीका-टिप्पणी की। नगर मे इस बारे मे बाते होने लगी। अब्राहम ने थके-मादे व्यक्ति की तरह कहा :

'मेरी, शारीरिक दड जिस प्रकार बच्चो के लिए व्यर्थ होता है उसी प्रकार

वयस्को के लिए भी उसका कोई उपयोग नही। अब हमने एक ऐसे व्यक्ति को शत्रु बना लिया है जोकि केवल हमारा मित्र बनना चाहता था।'

'किन्तु तुमने तो मुझे बताया था कि तुम यह पत्र लेना नही चाहते ?'

'मेरा अभिप्राय यह था कि मै एक रिपब्लिकन समाचारपत्र के विचार से सहमत नही हू और न ही इसे आरम्भ करने के लिए धन से उसकी सहायता करूगा, किन्तु पत्र का वार्षिक चदा देकर तथा उसे खरीदकर उसे प्रोत्साहन तो देता ही रहूगा। डेमोक्रेट कह रहे है कि यदि हम रिपब्लिकन अपने परिवार मे ही शान्ति नही रख सकते तो इस राष्ट्र मे कैसे शान्ति रख सकते है ?'

कई मास के सायास मौन के पश्चात् एक ही बार बौखलाकर उसने अपने अन्तर को अभिव्यक्त कर दिया था, किन्तु इस घटना के कारण उसने एक स्त्री को अपनी अत्यधिक प्रिय सहेली बना लिया था। वह हन्नाह राथवन २६ वर्ष की विधवा युवती थी। अपने पति की मृत्यु के पश्चात् वह बेचारी र्होड द्वीप से इस नगर मे आकर पार की गली मे अपने भाई नोयस माइनर के पास रहने लगी थी। जब वह मेरी से मिलने आई तो मेरी अपने आपपर क्रुद्ध बैठी थी। हन्नाह ने उसे शात करने के लिए अपनी एक कहानी सुना दी कि उसने अपने शीघ्र भडक जाने के स्वभाव के कारण इससे कई गुना बुरा कृत्य कर पति को उलझन मे डाल दिया था।

'सारा नगर मुझपर हस रहा था और मेरा पति अत्यन्त क्रुद्ध था, किन्तु एक मास पश्चात् अन्य लोग इसे भूल गए और यह घटना मेरे तथा पति के बीच एक परिहासपूर्ण कहानी बनकर रह गई।'

मेरी ने उसका हाथ पकड लिया और कहा :

'हन्नाह, तुम्हारा बहुत धन्यवाद। इससे मुझे बहुत शान्ति मिली है।'

उसमे तथा हन्नाह मे आश्चर्यजनक समानता थी। मेरी सोचा करती कि दोनो के स्वभाव मे तेजी थी, दोनो रुचिपूर्ण वार्तालाप किया करती थी, दोनो प्रत्युत्पन्नमति थी और दोनो को ही सुन्दर कपडो का बहुत शौक था। जब अब्राहम बाहर गया तो हन्नाह और उसके लडके मेरी के पास आकर रहने लगे और उसके मैत्रीभाव की अच्छाइयो से घर भर मे नवप्रेरणाए पैदा हो गईं। मेरी ने हन्नाह को बताया कि टाड जब चार वर्ष का था, उसके तालू मे सूराख थे और मेरी को यह कमी पूरी करने के लिए टाड को कितने हृदय-विदारक

प्रयत्नो द्वारा क्या कुछ सिखाना पडा था। कितने ही शब्दो का उच्चारण उसके लिए कठिन हो गया था। वह डियर पापा को डे पापा कहकर पुकारा करता था। बच्चा प्रसन्न रहता था और उसे अपनी त्रुटि का पता नही था। वह सुन्दर था, हर बात को शीघ्र सोच लेता था, किन्तु अन्य लोगो को उसकी बात समझ नही आती थी।

जनवरी मास मे गवर्नर बिसेल ने पद सभाला और तभी से प्रतिरात सहभोज और आमोद-प्रमोद के कार्यक्रम हुआ करते। मेरी ने अब्राहम से पूछा कि क्या वह हन्नाह को सहभोज मे साथ ले जाए क्योकि वह चाहती है कि हन्नाह स्प्रिंगफील्ड के उन लोगो से मिल सके जिनसे वह अपने भाई के गिरजाघर के काम द्वारा नही मिल सकती। मेरी के लिए उसे सदा साथ ले जाना सुगम भी नही था क्योकि हन्नाह अधिक सुन्दर थी और क्योकि उसके पति उसके लिए काफी सम्पत्ति छोड गए थे अत वह बहुत सुन्दर वस्त्र पहना करती थी, किन्तु मेरी दात पीसकर रह जाती और उसे आमन्त्रित अवश्य करती।

नगर मे कई बार आग लगी जिससे चौक की कई दुकाने जलकर राख हो गई थी। बोस्टन से आग बुझाने वाला इजन खरीदने के फड मे अब्राहम और मेरी ने भी २५ डालर का चदा दिया। नगर मे आग बुझाने वाले दो स्वयसेवक दल बनाए गए, जो अपने चमकदार गणवेश परेडो और सहभोजो से लोगो का मनोरजन भी किया करते थे। एलेजबेथ और निनियन ने एक सहभोज का आयोजन किया। बेजामिन और हेलेन एडवर्ड ने होगेन हाउस मे एक गाने की पार्टी पर अतिथियो को ले जाने के लिए एक बडी घोडागाडी किराये पर ली। फिर मेरी और अब्राहम ने ५०० लोगो को, जिनमे नये राज्य-पदाधिकारी, विधान-मडल के सदस्य, जज और वकील थे, सहभोज पर आमन्त्रित किया। ब्राउन होटल ने खाने और सगीत का प्रबन्ध किया, जोकि अभी हाल मे ही खुला था।

सारा दिन भारी वर्षा हुई अत. केवल तीन सौ अतिथि ही आए। मेरी हाल मे खडी अतिथियो का स्वागत कर रही थी। उसने सफेद रेशमी लिबास पहन रखा था, जिसपर तिल्ले, गोटे और ज़री से बेल-बूटे निकले हुए थे। अब्राहम ने सहभोज मे शराब देने से इन्कार कर दिया था किन्तु शेष वस्तुओ और संगीत ने इस कमी को पूरा कर दिया। मेरी के मित्रो ने उसे विश्वास

दिलाया कि सहभोज का कार्यक्रम बहुत सफल रहा है। उसे इस बात पर स्वयं आश्चर्य हुआ कि लोगो से कह रही थी कि वे किसी दिन भी उनसे मिलने आ सकते हैं।

वे लोग आए भी। न केवल उस सहभोज के अतिथि ही उसे यह बताने आए कि कार्यक्रम बहुत अच्छा हुआ था, वरन् वे लोग भी आए जो वर्षा के कारण सहभोज मे नही आ सके और कुछ वे लोग आए जिन्हे एक विवाहोत्सव पर उसी रात जैक्सनविले जाना पडा था। मेरी को उनसे मिलकर प्रसन्नता हुई, यद्यपि प्राय. उसके वस्त्र भी अच्छे नही होते थे अथवा बाल सवरे हुए नही होते थे या फिर घर ही साफ नही होता था। उसे आश्चर्य हुआ कि उसने यह सुगम स्वतन्त्रता अपने आपको बहुत पहले ही क्यो न प्रदान कर दी।

अब्राहम इलीनाइस सेट्रल के प्रति क्रुद्ध था क्योकि उसने उनके लिए एक बडा कर-सम्बन्धी मुकदमा जीत दिया था और दौरे के आठवे न्यायालय मे मुकदमे की पैरवी करने मे सैकडो घटे व्यतीत किए थे, जबकि उसे फीस की पहली किस्त के रूप मे २५० डालर ही मिले थे और उसके पश्चात् उसे एक पैसा भी नही मिला। उसने मेरी से कहा कि अगली बार जब वह शिकागो जाएगा तो पैसा वसूल कर लाएगा, किन्तु जब वह लौटा तो उसके हाथ खाली थे और घबराहट से चेहरा रक्तिम था।

'जब मैंने उन्हे ५ हज़ार डालर का बिल दिया तो उनके एक कर्मचारी ने कहा—इतनी बडी राशि से तो हम किसी भी उच्चकोटि के वकील को रख सकते थे?'

'ओह ईश्वर!'

'वे पैसा देने से इकार करते हैं और मैं सर्किट न्यायालय के प्रमुख वकीलो से यह प्रमाणपत्र प्राप्त करूगा कि जो काम मैने किया उसकी यह फीस उचित ही थी।'

मेरी को क्रोध आ गया।

'अब्राहम, क्यो ये लोग समझते है कि वे तुम्हारा अपमान भी कर सकते है और तुम्हे दड भी दे सकते हैं? पहले तो फसल काटने की मशीन वाले मामले मे वकीलो ने ऐसा किया था और अब इलीनाइस सेट्रल ने ऐसा किया है।'

'सभवतः मेरा बाहरी ठाठ-बाट इतना प्रभावशाली नही जिस कारण वे मुझपर प्रहार कर देते है। एक बार जज डेविस ने मुझपर यह आरोप लगाया था कि मै कम फीस लेकर वकालत के व्यवसाय को दरिद्र बना रहा हू। पहली बार इस मामले मे मैने अधिक फीस लेना उचित समझा है·· और हम इसे वसूल करके रहेगे, चाहे हमे न्यूयार्क के मुख्य कार्यालय मे भी क्यो न जाना पडे।'

'हम निआगरा और कनाडा के रास्ते जाएगे,' मेरी ने अलसाए-से स्वर मे कहा, '१८४८ मे माननीय लिकन ने वहा की सैर का मुझे वचन भी दिया था, जब हम जनरल टेलर के निर्वाचन-सम्बन्धी आन्दोलन मे न्यूइगलैड जा रहे थे। क्या तुम्हे वह वचन स्मरण है ?'

६६

एक बार फिर अब्राहम बैठक मे मेज़ पर बैठकर लिखने के कार्य मे व्यस्त हो गया। उसने बताया कि वह रिपब्लिकनो का उद्देश्य-पत्र बना रहा है, जिसके द्वारा यह प्रमाणित किया जाएगा कि रिपब्लिकन पार्टी विध्वसक नही है, प्रत्युत वह व्हिगो की उत्तराधिकारिणी है और स्वतन्त्रताप्रिय लोग केवल इसीमे आश्रय प्राप्त कर सकते है। किन्तु विलियम लायड गैरीसन जैसे रिपब्लिकन चिल्ला-चिल्लाकर कहते थे कि दास-प्रथा वाले प्रदेश को सघ मे नही रखा जा सकता। बोस्टन के वैडेल फिलिप्स ने कहा था, 'सघ पर ईश्वर की लानत है, इससे दूर ही रहे।' आदरणीय सैमुअल जे मे चाहते थे कि यदि उत्तर का शेष प्रदेश सघ से अलग न भी हो तो न्यूइगलैड को तो अलग हो ही जाना चाहिए। वारकेस्टर मैसाचुसेट्स के आदरणीय पादरी टामस वेन्टवर्थ हिगिनसन ने चिल्लाकर कहा था, 'देश का विभाजन ही भाग्य मे बदा है।' उत्तर के अन्य नेताओ ने कहा, 'हम निश्चय ही दो राष्ट्र हैं।'

लिखने का काम बन्द कर दिया गया।

७ मार्च, १८५७ को अर्थात् राष्ट्रपति बुकानन द्वारा पद-धारण के अवसर पर सुख और शान्ति की भविष्यवाणी किए जाने के तीन दिन बाद अमेरिका के उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति राजर बी० टेनी ने ड्रेड स्काट के मुकदमे का फैसला सुनाया, जिसके पक्ष मे पाच और विपक्ष मे चार जज थे। स्प्रिंगफील्ड के सब लोग उत्सुकता से मुकदमे का अध्ययन कर रहे थे। ड्रेड स्काट एक दास था जिसे विस्कानसिन प्रदेश मे ले जाया गया था, वहा उसने एक दास महिला से विवाह कर लिया था और बाद मे उसके मालिक ने उसकी पत्नी को भी खरीद लिया। जब उसका स्वामी सेंट लुइस आ गया तो ड्रेड स्काट और उसके परिवार को भी साथ ले आया। जब उसका स्वामी मर गया तो स्काट ने इस आधार पर अपनी स्वतन्त्रता के लिए मुकदमा चला दिया कि क्योकि वह स्वतन्त्र देश मे रह रहा था इसलिए वह स्वतन्त्र व्यक्ति बन गया था और अब उसे दास नही बनाया जा सकता। मुख्य न्यायाधिपति टेनी ने कहा कि ड्रेड स्काट और उसका परिवार मिसूरी-समझौते की सीमा से उत्तर मे चले जाने के कारण स्वतन्त्र नही हुआ क्योकि काग्रेस को राज्यो मे दासता का निषेध करने का कोई अधिकार नही।

अब्राहम और मेरी ने अपनी बैठक के शान्त-स्निग्ध वातावरण मे बैठे हुए स्प्रिंगफील्ड के समाचारपत्र मे मुकदमे का वृत्तान्त पढा। टेनी ने यह निर्णय दिया था कि 'स्वतन्त्रता की घोषणा के जिस भाग मे यह कहा गया था कि सब मनुष्य समान हैं,' उसमे नीग्रो जाति को सम्मिलित नही किया गया, और इसलिए सविधान के अधीन 'नीग्रो को कोई ऐसा अधिकार प्राप्त नही जिसका गोरी जाति के व्यक्ति को आदर करना पडे।'

मेरी के स्मृति-पटल पर लेक्सिंगटन के बाजार का वह दृश्य चित्रित हो गया जहा नीग्रो-परिवारो को बेचा जाता था और परिवार के सदस्यो को अलग-अलग कर दिया जाता था। मेरी यह विश्वास करने की अपराधिनी नही बनना चाहती थी कि नीग्रो को ऐसे अधिकार प्राप्त नही जिनका सम्मान करने के लिए गोरी जाति का व्यक्ति बाध्य हो, तब तो नीग्रो जगल के पशु से भिन्न नही होगा। मेरी बहुत उदास हो गई किन्तु साथ ही उसे शांति भी अनुभव हुई। उसने मन ही मन निश्चय किया कि चाहे इसका कुछ भी परिणाम निकले, वह परिस्थितियो के आगे कभी नही झुकेगी क्योकि अब यह समस्या अपने भयानक रूप मे स्पष्ट

हो गई थी और नैतिक दृष्टि से अन्धे लोग भी इसे देख सकते थे।

धीरे-धीरे उसने सिर ऊपर उठाया और अब्राहम की ओर देखा। अब्राहम ने यह बात ठीक ही कही थी कि स्वतन्त्र लोगो के लिए सिवाय रिपब्लिकन पार्टी के और कही प्रश्रय नही रहा, और अब मेरी भी समझ गई कि यह बात ठीक थी। वह अब्राहम के साथ कधे से कधा मिलाकर खडी हो गई यद्यपि उसका कधा अब्राहम की पसली तक ही पहुचता था।

अगले वर्ष यह सभावना थी कि रिपब्लिकन पार्टी अब्राहम को सीनेट के लिए नाम-निर्दिष्ट करेगी। डेमोक्रेट पार्टी का पदधारी उम्मीदवार स्टीफेन डगलस होगा। बीस वर्ष की अत्यधिक प्रतिस्पर्धा के पश्चात् पहली बार ये दोनो व्यक्ति एक ही पद के लिए एक-दूसरे के मुकाबले मे आए थे। ड्रेड स्काट के मुकदमे के निर्णय के लिए धन्यवाद, क्योकि उसमे डगलस की लोकप्रभुसत्ता का समर्थन किया गया था। अब लोग इस निर्णय को आधार बना सकते थे। मेरी तो अब्राहम के साथ थी, क्या इलीनाइस भी साथ देगा ?

मेरी न्यूयार्क जाने वाली थी, वे इलीनाइस सेट्रल की फीस वसूल करने के लिए पूर्व की ओर जा रहे थे, इलीनाइस के न्यायालय ने फीस चुकाने का फैसला दे दिया था। हन्नाह रैथबन अपने दो बच्चो के साथ उनके अतिथि-भवन मे आकर रहने लगी, ताकि विलियम और टाड की देखभाल कर सके। राबर्ट को वे साथ ले जा रहे थे।

मेरी का सदा यह विचार रहा था कि वह एक बडे नगर के जीवन को पसद करेगी, परन्तु न्यूयार्क तो उसके लिए अनन्त आनन्द का साधन था। यह नगर उसे विचित्र भी न लगा क्योकि वह बहुत समय से न्यूयार्क के पत्रो को पढ रही थी और बहुत-से थियेटरो, दुकानो और स्थानीय घटनाओ के बारे मे जानती थी। वे आस्टर हाउस मे ठहरे और अब्राहम उन्हे बग्घी मे बैठाकर सेट्रल पार्क मे दृश्य दिखाने के लिए ले गया। यह स्थान चट्टानो और वन से भरा था और इसे एक मनोरजन-स्थल बनाया जा रहा था। वे एक नौका मे स्टेटन द्वीप चले गए और फिर कैनाल स्ट्रीट की तलहटी मे घाट पर सैर करते हुए उन्हे एस० एस० अटलाटिक जहाज खडा हुआ मिल गया। वह एक बडा जहाज था और यूरोप जाने वाला था। उन्हे उसके अन्दर घूमकर देखने की अनुमति मिल गई। जब

वे इंजन के पास पहुचे तो मेरी ने लिंकन को सम्बोधित करते हुए चाहभरी हंसी हसकर कहा :

'तुम नही जान सकते कि यूरोप जाने की मेरी कितना इच्छा है। मैंने निश्चय कर लिया है कि मेरे दूसरे पतिदेव बहुत धनाढ्य होगे।'

'अच्छा, तब तो मुझे वे ५ हज़ार डालर वसूल करने चाहिए।'

अगली सुबह वे इलीनाइस सेन्ट्रल गए। वहा के कर्मचारियो ने उनका अन-मने भाव से स्वागत किया, किन्तु पैसा न दिया। वहा से बाहर आते हुए अब्राहम ने कहा

'क्या तुम एक रेल रोड की स्वामिनी बनना पसन्द करोगी मेरी ? फिर तुम सफेद हैट पहनकर मेरी तरह उसपर मुफ्त सैर करती फिरना। घर पहुचने तक यदि मुझे फीस के पैसे न मिले तो मैं मक्लीन काउटी के शेरिफ से कहकर उनकी रेल रोड कुर्क करवा लूगा।'

'तो क्या इनकी गाडी यूरोप तक जाती है ?'

वे दो दिन और न्यूयार्क मे ठहरे। मध्याह्न-पश्चात् मेरी बावेन मे ३२०, ब्राडवे पर स्थित मैकनेमी ऐण्ड कम्पनी की नई दुकान पर चली जाती थी। वहा से उसने छापे वाली मलमल खरीदी। ब्राडवे के निचले भाग मे नेस्मिथ की दुकान पर से उसने बेदाग चमडे का नल खरीदा और औन्टेरियो के कम्बल का एक जोडा खरीदा। मेरी ने कैनाल स्ट्रीट मे लेन ऐण्ड पोर्टर की दुकान पर से तीन झालरो वाला औरगैंडी का घाघरा खरीदा। वाउडेविले मे निबलो का बगीचा उन्होने देखा। इन सभी चीज़ो के अलावा अब्राहम उसे नृत्य दिखाने के लिए ले गया और अगली रात वालैक थियेटर मे वे मर्चेन्ट आफ वेनिस देखने गए। अगले दिन प्रातः वे निआगरा प्रपात देखने के लिए चले गए और वहा वे काट्रैक्ट हाउस मे ठहरे। मेरी के लिए तो प्रपात का दृश्य बहुत ही सुन्दर था, किन्तु अब्राहम ने सौन्दर्य-भावना की अपेक्षा अपना भाव इस प्रकार प्रकट किया.

'इतना सारा पानी कहा से आ जाता है ? मुझे विज्ञान की पुस्तको मे तो इसका उत्तर मिला नही।'

जब वे घर पहुचे तो इलीनाइस सेट्रल की ओर से अभी तक पैसे नही आए थे। अब्राहम ने न्यायिक निर्णय के पालन के हेतु शेरिफ से रेल रोड का एक भाग कुर्क करने के लिए कहा। तब अडतालीस सौ डालर उन्हे तुरन्त पहुच

गए। उन्होने पहले कभी भी इतना धन इकट्ठा नही देखा था। मेरी ने चेक को हाथ मे पकडकर कहा ·

'मैं अनुभव कर रही हू कि मै बहुत अमीर हू। मैं समझती हू, इससे मैं ब्ल्यू ग्रास जैसा सुन्दर घर बनाऊगी। अडतालीस सौ डालर तो उसकी लागत से भी कही अधिक हैं।'

'चौबीस सौ डालर कहो। आधा हिस्सा तो बिली का है।'

मेरी ने चेक को छाती से लगा लिया।

'अब्राहम, यह उचित नही है। तुमने यह फीस प्राप्त करने के लिए पूरे दो वर्ष कठोर परिश्रम किया है। श्री हर्नडन न तो कभी दौरे के न्यायालय पर गए है और न ही कभी किसी मुकदमे की पैरवी की है। उन्होने कभी भी तो कुछ नही कमाया।'

'मैं यह नही कर सकता कि छोटी-छोटी राशियो को तो बाट लू और बडी राशि को स्वय हडप कर लू।'

'यह साझेदारी तो सदा ही फजूल रही है।'

अब्राहम ने उसकी बात की ओर ध्यान नही दिया और बोला

'मैं अपने हिस्से की आधी राशि नगर मे ज़मीन खरीदने पर लगा रहा हू। हम फिर भी अमीर रहेगे।'

मेरी की बहन एमिली का पति हार्डिन हेल्म, जो हार्डिन-परिवार की ओर से भी उसका सम्बन्धी था, एक मुकदमे की पैरवी के लिए स्प्रिंगफील्ड आया। वह उसके चचेरे भाई हार्डिन का ही यौवनकाल का प्रतिरूप था। उसका छ. फुट से ऊचा कद, नीली-गहरी आखे और भूरे बाल थे। चेहरे पर उदारता झलकती थी। उसने वेस्ट प्वाइट से स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी, फौज के घुडसवार दस्ते मे कुछ देर काम किया था, किन्तु फिर लुइसविले विश्वविद्यालय के कानून के स्कूल मे अध्ययन करने के पश्चात् और एक वर्ष हार्वर्ड कानून के स्कूल मे पढने के बाद केटुकी मे आ गया और अपने पिता के साथ साझेदारी कर ली, जो केटुकी के भूतपूर्व गवर्नर थे। मेरी ने बेन को अतिथि-गृह मे ठहरा दिया। वह प्रसन्नचित्त व्यक्ति था। उसका स्वभाव शान्त था और देश जिस राजनीतिक उथल-पुथल मे फसा हुआ था उसके सम्बन्ध मे उसके विचार सहिष्णुतापूर्ण थे।

जब अब्राहम ने पूछा कि केंटुकी मे दासता के विषय पर लोगो के विचार क्या है, तो उसने उत्तर दिया :

'मै समझता हू कि सीमांत राज्य धीरे-धीरे दासता-प्रथा को समाप्त करेंगे,' उसने फिर मेरी की ओर देखते हुए कहा, 'मेरी, तुम्हारे पिता ने इस क्षेत्र मे बहुत अच्छा काम किया था,' फिर उसने अब्राहम को सम्बोधित किया, 'किन्तु मै समझता हू कि कपास उत्पन्न करने वाले राज्य किसी रूप मे भी दास-प्रथा को समाप्त करने के लिए तैयार नही होगे, चाहे उन्हे क्षतिपूर्ति दिलाने का भी विश्वास दिलाया जाए। भाई अब्राहम, उन्हे केवल दासो पर लगाई हुई अपनी पूजी का भय नही, वरन् पूरे जीवन के बारे मे भय है। उन्हे यह भय है कि जिस वस्तु का उनके लिए इतना अधिक मूल्य है वह उनसे छीनी जा रही है।'

१८५७ के हिमपात मे कसास राज्य ने लेकाम्पटन मे अपना सविधान तैयार किया। निर्वाचनो मे दासता के पक्ष मे अनेक धाधलियो के पश्चात् यह सविधान लिखा गया था। इस सविधान के द्वारा दासो के किसी स्वामी को दास-सम्पत्ति से वचित करना अपराध घोषित कर दिया गया। जब राष्ट्रपति बुकानन ने काग्रेस से अनुरोध किया कि वे लेकाम्पटन सविधान को स्वीकार कर ले, ताकि कसास को सघ मे सम्मिलित कर लिया जाए, तो सीनेटर डगलस प्रशासन से अलग हो गया और राष्ट्रपति बुकानन का विरोध किया। अब्राहम ने इस समाचार पर कहा :

'हमारे लिए यह बहुत अच्छा है। गतवर्ष निर्वाचन मे हमारे बीच फूट थी जिस कारण हमारी हार हुई। अब यदि '५८ मे प्रशासन और डगलस मे फूट है तो हम जीतेगे।'

उसकी यह प्रसन्नता अधिक देर न रही। क्योकि डगलस बुकानन का विरोध कर रहा था और कसास को एक दास-राज्य के रूप मे सघ मे प्रविष्ट करवाने का प्रयत्न कर रहा था अतः रिपब्लिकन समाचारपत्र मत प्रकट कर रहे थे कि इलीनाइस से रिपब्लिकन सीनेटर के रूप मे स्टीफेन डगलस का नाम निर्वाचित हो। विरोधी पत्र व्यग्य करने लगे और इस प्रकार अब्राहम का परिहास उडाने लगे, मानो यह सब चाल उसे नीचा दिखाने के लिए की गई थी। 'अरबाना कास्टीट्यूशन' ने लिखा :

'निस्सन्देह माननीय एब लिंकन इलीनाइस मे ऊपर उठने का प्रयास करने

वाले राजनीतिज्ञो मे सबसे अधिक अभागा राजनीतिज्ञ है। राजनीतिक दृष्टि से वह जो भी काम अपने हाथ मे लेता है, उसीमे उसे असफलता का मुह देखना पडता है। राजनीतिक योजनाओ मे उसे जितनी असफलता मिली है उतनी यदि किसी साधारण व्यक्ति के सिर पडती तो वह समाप्त हो चुका होता।'

मेरी धीमे से बोली, 'यह तो अच्छी बात है कि तुम एक साधारण व्यक्ति नही हो।'

लिंकन की भूरी आखो मे चमक पैदा हो गई, मानो परिहासपूर्ण सहायता के लिए वह धन्यवाद कर रहा हो।

लिंकन का घर एक राजनीतिक शिविर बन गया। हर समय उनके मित्र वाशिंगटन और उत्तर प्रदेश से समाचार लाया करते थे कि रिपब्लिकन नेता डगलस के पक्ष मे होते जा रहे है · न्यूयार्क का सीनेटर सीवार्ड, साइमन कैमरन, पेनसिलवानिया का रिपब्लिकन नेता और मैसाचुसेट्स के नेता उसके पक्ष मे हो गए है।

अब्राहम ने बहुत ध्यानमग्न होकर पुराने लिफाफो के पीछे उस भाषण के लिए टिप्पणी लिखनी आरम्भ की, जो वह १८५८ मे रिपब्लिकन सभा मे देने वाला था। मेरी को इससे सकेत मिल गया कि यह भाषण भी उस दृष्टिकोण से दिया जा रहा था और उस भावना पर आधारित था जो उसने ग्लोब होटल मे निवास के दिनो मे व्हिग पार्टी के लिए एक परिपत्र लिखते हुए व्यक्त की थी कि 'जिस घर मे फूट हो वह नही टिक सकता।' वह १५ जून की शाम को राज्य-पुस्तकालय से घर लौटा जहा उसने अपनी पार्टी के नेताओ के सामने अपने भाषण की पूर्व-परीक्षा की थी।

'मेरे मित्रो ने 'घर की फूट' वाले वाक्य पर मुझे बहुत कोसा था। वे चाहते थे कि मै इस वाक्य को बदल दू, किन्तु मै समझता हू कि मैंने इस विषय को उनकी अपेक्षा अधिक अध्ययन किया है और मैंने कहा था कि चाहे कुछ भी हो मैं इस वाक्य को नही बदलूगा।'

वे पिछली बैठक मे थे जहा मेरी मेज के पास रखी हुई एक नीची कुर्सी पर बैठी लैम्प के प्रकाश मे एक नया फ्रासीसी उपन्यास पढ रही थी। वह बिना हिले-डुले बैठी रही और उसकी घबराई हुई आंखो और कालिख पुते चेहरे की ओर देखती रही।

'देखो पुस, मैं तुम्हे यह ऊचे पढकर सुनाना चाहता हू जैसे मैने उन्हे सुनाया था। मैने अनेक शब्दो पर बल देने के लिए उन्हे रेखाकित कर रखा है :

'श्रीमान् प्रधान जी और सभासदो, यदि हम पहले जान जाए कि हम कहा है और किधर जा रहे है, तभी हम अधिक अच्छी तरह निर्णय कर सकते है कि हमे क्या करना चाहिए और उसे कैसे करना चाहिए।

'हमारी नीति बने आज पाच वर्ष हो गए है, हमारा निश्चित उद्देश्य और विश्वासपूर्ण वचन दासता-आन्दोलन को समाप्त करना है।

'उस नीति का सचालन करते हुए दासता समाप्त नही हुई, वरन् बढी ही है।

'मैं समझता हू कि यह दासता तब तक समाप्त नही होगी, जब तक एक सकट आकर नही गुज़र जाएगा।

'जिस घर मे फूट हो वह नही टिक सकता।

'मुझे विश्वास है कि जो सरकार आधी दास और आधी स्वतन्त्र हो वह टिक नही सकती।

'मैं यह आशा नही करता कि सघ खडित हो जाएगा—मै यह भी आशा नही करता कि यह घर गिर जाएगा, किन्तु मै यह अवश्य आशा करता हू कि यह घर विभाजित नही रहेगा।

'या तो इसमे एकता होगी या इसका स्वरूप ही भिन्न होगा।'

उसकी आवाज धीमी और प्रभावशाली थी तथा उसमे सद्भावना कूट-कूट-कर भरी हुई थी। मेरी शात थी। उसके वाक्य मेरी के कानो मे गूज रहे थे। उसे ग्लोब मे बिताए हुए दिनो की याद आ गई जब अब्राहम ने कहा था, 'मैं एक अच्छी शैली सीखना चाहता हू किन्तु मैं अभी तक सुनी-सुनाई बाते लिखता हू।' अब उसकी अपनी शैली थी और वह इतनी सुस्पष्ट थी कि मेरी ने वैसी कभी नही सुनी थी। उसे स्मरण हो आया कि उसने कभी अब्राहम के बारे मे कहा था कि वह न तो वकील है न राजनीतिज्ञ, वरन् एक साहित्य-कार है।

'प्रियतम, यह तो सुन्दर है, 'जिस घर मे फूट हो' वाली पक्ति पर वे कैसे आपत्ति कर सकते है? यह तो बाइबल का वाक्य है।'

'एक व्यक्ति ने कहा: यह वाक्य समय से पहले कहा जा रहा है।—दूसरे ने कहा कि इस वाक्य से वे डेमोक्रेट हमे वोट नही देंगे, जिनके वोट हमने नये-नये

प्राप्त किए है ।—तीसरे ने कहा यह तो मूर्खतापूर्ण वाक्य है। क्योकि इससे ऐसा आभास मिलता है, मानो मै विभाजन और युद्ध की बात कह रहा हू ।'

'किन्तु तुम तो जो कुछ हो चुका है और जो तुम होने की आशा करते हो, उसका विश्लेषण मात्र कर रहे हो।'

'बिलकुल यही बात है। मैंने उनसे कही थी। मैने कहा था—अब वह समय आ गया है जब यह भावना व्यक्त कर देनी होगी और यदि इस भाषण के कारण मुझे अपमानित भी होना पडा तो कम से कम न्यायोचित तथा सत्य बात के लिए ही तो मुझे नीचा देखना पडेगा।'

'पर नही, वे तुम्हारा अपमान तो नही करेगे ?'

'उन्हे चिन्ता चुनाव की है, नाम-निर्देशन की नही। नाम-निर्देशन कल हो जाएगा।'

अगले दिन शाम को उसका भाषण सुनने के लिए मेरी उसके साथ राज्य-भवन मे गई। उसने लोगो से खचाखच भरे हुए हाल मे अपना भाषण पढकर सुनाया। गर्मी इतनी थी कि कपडे पसीने से तर थे। रिपब्लिकनो ने एकमत होकर उसे सीनेट के लिए नाम-निर्दिष्ट किया ...अब उसका निर्वाचन इस बात पर निर्भर करता था कि विधान-सभा मे रिपब्लिकन बहुसख्या मे जीतते हैं अथवा नही। बहुत-से लोगो के साथ हाथ मिलाकर वह जरनल के दफ्तर मे चला गया, क्योकि वह अपने भाषण का प्रूफ पढकर यह निश्चित करना चाहता था कि उसके समर्थक 'शिकागो ट्रिब्यून' पत्र का प्रतिनिधि वृत्तान्त देते हुए कोई गलती न करे।

अधकार मे पैदल घर लौटते हुए अब्राहम ने मेरी को बताया कि इस सख्त मुकाबले के लिए हमारे पास बहुत कम पैसा है, मुझे न केवल अपनी यात्रा पर व्यय करना होगा, प्रत्युत सारे राज्य की निधि मे भी अशदान देना होगा और क्योकि चुनाव के आन्दोलन मे मुझे कठोर परिश्रम करना पडेगा इसलिए अगले कुछ महीनो मे आय भी कम होगी।

मेरी ने नौकरो को छुट्टी दे दी और केवल खाने पर ही व्यय करने लगी। उसने बैठक को आन्दोलन का मुख्यालय बना दिया तथा मेज़ पर १८५६ के चुनाव-आन्दोलन की तालिकाए फैला दी, ताकि यह अनुमान लगाया जा सके कि

प्रत्येक जिले को रिपब्लिकन शिविर बनाने के लिए कितना-कितना प्रयत्न करना पड़ेगा।

यद्यपि मेरी अपनी सहेली हन्नाह के लिए पति ढूढने का प्रयत्न करती रही, किन्तु उसे किसीके प्रेमपाश मे बधने मे समय लगा। डाक्टर जान शीयरर ३? वर्ष की आयु का व्यक्ति, पेनसिलवानिया का निवासी था और वह बलशाली तथा प्रसन्न स्वभाव का व्यक्ति था। माइनर की बैठक मे विवाह हुआ जहा मेरी ने कन्यादान करने वाली महिला के रूप मे काम किया और फिर एट्थ तथा जैक्सन गली के सिरे पर ही हन्नाह के लिए घर ढूढ दिया।

जुलाई मास के प्रथम सप्ताह के अन्त मे अब्राहम ने मेरी को अपने दृढ आलिगन मे बाधा और फिर विदा ली और गालीचे का थैला उठाकर शिकागो के लिए चल पडा, जहा स्टीफेन डगलस को चुनाव-आदोलन का भाषण देना था और अब्राहम को उसका उत्तर देना था। बैठक की खिडकी मे से मेरी अब्राहम को जाते हुए देखती रही और फिर जब लौटी तो उसने बैठक की मेज़ पर कुछ लिखे हुए कागज़ देखे। उसकी दृष्टि कागज के प्रथम वाक्य 'दासता के विरुद्ध सघर्ष' पर पडी। उसमे आगे लिखा था·

'सरकारी पद की उपेक्षा का मैंने कभी दावा नही किया, और अब यदि मैं ऐसा करू तो यह अपना उपहासमात्र होगा।'

वह पत्र को उठाकर उसे आगे पढने का लोभ सवरण नही कर सकी

'किन्तु फिर भी मै यह कभी नही भूल सकता कि रिपब्लिकन पार्टी का लक्ष्य केवल पद-प्राप्ति से कही ऊचा है। मै यह नही भुला सका कि इगलैड मे दास-व्यापार को समाप्त करने मे जो सफलता मिली उससे सौ वर्ष पूर्व उसके लिए आदोलन आरम्भ करना पडा था।

'उस आदोलन के विरोधी आग उगलने वाले थे, चुपचाप जान पर खेल जाने वाले विरोधी थे, अमीर और गरीब सभी विरोधी थे, नीग्रो को समानाधिकार देने के विरोधी थे, धर्म और अच्छी व्यवस्था के विरोधी थे, और इन विरोधियो को ही सब पद मिलते थे, जबकि उनके प्रतिपक्षियो को कोई पद नही मिलता था। किन्तु मुझे यह भी स्मरण है कि यद्यपि दासता को निर्मूल करने के लिए वे लोग एक शताब्दी तक मोमबत्ती की तरह जलते रहे, किन्तु आखिर बुझ गए, समाप्त हो गए, कुछ देर के लिए अधकार मे विलीन हो गए, और

अब उनके नाममात्र को भी कोई नही जानता ।'

मेरी की आखो मे आसू आ गए, गला रुध गया । उसने सत्य के प्रति अपने विश्वास को कितने सुन्दर ढग से व्यक्त किया है । उसने कुछ ही देर पूर्व आदोलन आरम्भ किया था । क्या वह एक और हार के लिए तैयार हो गया है ?

६७

अब्राहम के लौटने से पहले ही डगलस के साथ उसकी पहली झडप का वृत्तान्त शिकागो समाचारपत्र द्वारा स्प्रिङ्गफील्ड पहुच गया । उसके मित्रो की भविष्यवाणी सच निकली । 'घर की फूट' वाले भाषण पर डगलस ने उसपर आक्षेप लगाया कि वह सघ-विरोधी है, और देश को युद्ध मे धकेलने वाला है । मेरी जानती थी कि डगलस इस बार अपने राजनीतिक जीवन की कठिनतम उलझनो मे इलीनाइस का दौरा करने आया था, क्योकि एक ओर तो राष्ट्रपति बुकानन और प्रशासन की शक्ति उसका विरोध कर रही थी और दूसरी ओर अनेक डेमोक्रेट मिसूरी-समझौते को तोडने पर उससे क्रुद्ध हो गए थे । किन्तु अब अब्राहम का विरोध करने के हेतु उसे अब्राहम से ही एक बात मिल गई थी ।

मेरी फर्श पर बैठ गई, अपने तीनो बेटो को अपने आसपास बैठा लिया और उन्हे पहले डगलस के 'शिकागो टाइम्स' से वृत्तान्त पढकर सुनाया और फिर लिंकन के समाचारपत्र 'शिकागो ट्रिब्यून' से पढकर सुनाया और उन्हे यह समझाने का प्रयत्न करने लगी कि राजनीति मे किस प्रकार एक ही बात को दो सर्वथा भिन्न रूपो मे व्यक्त किया जाता है और फिर भी वे वृत्तान्त सच्चे दृष्टिगोचर होते हैं । तभी खाने के कमरे की घडी के ऊपर की घटी बजी और मेरी ने जाकर बाहर का दरवाज़ा खोला तो देखा कि हेलेन एडवर्ड खडी है ।

मेरी उसे कमरे मे ले आई । यह कमरा ठण्डा और साफ दिखाई देता था। हेलेन बोली :

'मेरी, मैं एक बुरा समाचार लाई हू ।'

'. ... अब्राहम के बारे मे तो कुछ नही ?'

'नही-नही, व्यक्तिगत कुछ नही,' वह और तेजी से बोलने लगी, 'बेन स्टीफेन का समर्थक बन गया है। मैं जानती हू कि इससे तुम्हे दुःख होगा क्योकि तुम्हारा पति सदा बेन के प्रति सहानुभूतिशील रहा है।'

मेरी को अनुभव हुआ कि उसके माथे की नसो मे खून का दौरा तेज हो गया। क्या अब्राहम का भाषण इतना गलत था कि उसके मित्र भी उसे छोडने लगे है ?

हेलेन ने बात जारी रखते हुए कहा, 'मैं तुम्हें यह कहने आई थी कि बेन स्प्रिङ्गफील्ड मे अपने घर श्री डगलस का स्वागत करने का आयोजन कर रहा है। जिस गाडी मे वह आएगा वह हमारी वनस्थली के पास रुकेगी और डगलस अपना मुख्य भाषण वही देगा।'

मेरी चौक उठी। डगलस की सभा उसके प्रिय होगेन गृह मे होगी ? हेलेन ने जाने की अनुमति के लिए प्रार्थना के सकेत से अपनी एक उगली उसकी बाह पर रखी और फिर सामने के दरवाजे की ओर जाते बोली, 'मुझे अब घर जाकर न्यूयार्क से अपने रिपब्लिकन परिवार को पत्र लिखना है और उन्हे यह समझाने का प्रयत्न करना है कि कहा तो उसके पति ने १८५६ मे यह कहा था कि 'दासता के मामले पर डगलस के साथ हाथ मिलाने की अपेक्षा शैतान से हाथ मिलाना पसद करूगा' और अब वही डेमोक्रेट पार्टी मे क्यो चला गया है ?'

अगले दिन अब्राहम लौट आया। जब मेरी ने उसे बेजामिन एडवर्ड के बारे मे और होगेन वनस्थली मे होने वाली सभा के सम्बन्ध मे बताया तो कुछ क्षण प्रयास के पश्चात् वह इसे सहन कर पाया और फिर बोला, 'हर व्यक्ति को अपने-अपने मार्ग पर जाना है। क्या तुमने डगलस द्वारा एक विजेता के रूप मे इलीनाइस मे प्रवेश का समाचार पढा है ? वह सब झूठ है मेरी। उसका भाषण समाप्त होने पर लोगो ने मुझसे बोलने के लिए जितना जोरदार आग्रह किया था उसके आधार पर मै विश्वास से कह सकता हू कि उसी भीड मे हम मतदान द्वारा उसे हरा सकते थे।'

अगली सुबह वह कार द्वारा ब्लूमिगटन चला गया, जहा डगलस का भाषण होने वाला था।

'मुझे पता नही कि वहा मुझे बोलने का अवसर मिलेगा अथवा नही, किन्तु

ऐसा अवसर प्राप्त करने के लिए मै वहा उपस्थित रहना चाहता हू ।'

ब्लूमिगटन की सभा के पश्चात् अब्राहम को उसी गाडी मे सवार होकर स्प्रिगफील्ड पहुचना था, जिसमे डगलस के समर्थक आ रहे थे और जब गाडी बेजामिन एडवर्ड की वनस्थली मे पहुचेगी तो अब्राहम को अन्य लोगो के साथ सम्मिलित होना होगा ।

बहुत रात गए तक मेरी को नीद न आई और फिर अकस्मात् छत पर बूदाबादी की आवाज़ सुनाई दी, तत्पश्चात् मूसलाधार वर्षा होने लगी। वह सोचने लगी, इससे तो एडवर्ड की वनस्थली मे कीचड ही कीचड हो जाएगा। उसने प्रसन्नता के साथ मन ही मन प्रार्थना की, 'हे ईश्वर, मेरी इस अनुदारता के लिए मुझे क्षमा करना, किन्तु इतनी वर्षा करो कि यह सभा हो ही न सके ।'

अगले दिन प्रभात के समय तोपो की आवाज़ से मेरी की आख खुली तो यह जानकर उसे क्रोध आ गया कि वह तोप डगलस के समर्थक डेमोक्रेटो ने चलाई थी। दिन भर तोपे चलती रही और दोपहर के समय चौक मे बाजे वालो के एकत्र होने की आवाज़े सुनाई देने लगी, और डेमोक्रेटिक कार्यकर्ता गलियो मे परेड करते हुए घूमने लगे । मेरी सोचने लगी, डगलस के भाषण मे दो या सभवत तीन घण्टे लग जाएगे और फिर कही अब्राहम घर आएगा । यह प्रतीक्षा मेरी को बहुत लम्बी मालूम हुई ।

मेरी यह देखने के लिए कि वर्षा बद हुई है अथवा नही, सामने की खिडकी के पास गई । सामने एट्थ स्ट्रीट मे से एक हाथ मे गालीचे का बना हुआ थैला लिए और दूसरे हाथ मे बद छतरी पकडे हुए अब्राहम चला आ रहा था और उसके कपडे लहरा रहे थे और सिर आगे की ओर झुका हुआ था ।

मेरी उसे रसोईघर मे ले गई जहा उसने गीले जूते उतारे । मेरी उसके लिए सूखी जुराब और स्लीपर ले आई जिनपर मेरी ने अ० लि० लिखा हुआ था । अब्राहम ने कुर्सी की पीठ को दीवार के साथ सटा दिया और अपनी एडिया कुर्सी के निचले डडे पर रख दी और उसके घुटने उसकी प्रसन्न तथा चमकदार आखो के सामने आ गए । मेरी ने उसे एक प्याला तेज़ काली काफी का दिया, फिर अगीठी मे और लकडी डाल दी तथा स्मिथ ऐण्ड मैकेण्डलेस की दुकान से जो मछली खरीदकर लाई थी, वह पकाकर दी । दोनो मे से किसीने भी इस

बात की ओर सकेत नही किया कि लिकन ने अपने प्रतिपक्षी का भाषण सुनने का विचार क्यो बदल दिया है ।

जब सभा समाप्त हुई तो स्प्रिगफील्ड की गलियो मे लोगो की भीड एकत्र हो गई और सब ओर यह शोर मच गया कि डगलस की अपनी रेलगाडी है । राबर्ट ने पूछा कि क्या वह स्टेशन पर जाकर उस गाडी को देख सकता है ? जब वह एक घण्टे पश्चात् वापस आया तो आश्चर्यभाव से उसकी आखे और मुह खुला हुआ था । उसने बताया कि गाडी को झडियो और आदर्श-वाक्यो से सजाया हुआ था । गाडी मे कुर्सियो पर मखमली कपडा बिछा हुआ था और ऐसे डिब्बे थे जिनमे सोया जा सकता है, खाना खाने के लिए और लिखने के लिए मेज़ थे, पीतल का बाजा था, दो स्टेनोग्राफर थे, एक मूर्तिकार था, एक व्यक्ति था जो नये ढग से, जिसे शार्टहेड (आशुलेख) कहते है, डगलस के भाषण की प्रति तैयार करता है और एक बिना छत का डिब्बा था जिसपर दो तोपे रखी हुई थी ।

'पिताजी, जब आप पुन. डगलस-लिकन चुनाव-आदोलन के लिए जाएगे तो क्या ऐसी ही गाडी का प्रबंध करेगे ?'

'तुम इसे डगलस-लिकन चुनाव-आन्दोलन क्यो कहते हो, राबर्ट,' मेरी ने पूछा, 'हम इस परिवार मे इसे लिकन-डगलस चुनाव-आदोलन कहकर पुकारते है ।'

राबर्ट अपने पिता के चेहरे की ओर देखने लगा । अब्राहम ने उत्तर दिया

'ऐसा प्रतीत होता है कि इलीनाइस सेट्रल ने थोडे ही पैसो पर डगलस को यह गाडी दे दी है । निस्सदेह वे समझते है कि डगलस पुन चुना जाएगा ।'

'किन्तु आप बग्घी मे क्यो यात्रा करते है ? हमारे पास एक 'लिकन स्पेशल' नाम की गाडी क्यो नही है ? हम भी तो इतने अच्छे है जितना कि डगलस, क्या नही ?'

'सम्भवत , किन्तु हम उसके जितने अमीर नही । जब शिकागो जगल था, हमारे इस मित्र ने आधी ज़मीन खरीद ली थी ।'

राबर्ट सिमटकर बैठ गया । उसने अपना मुह ऊपर उठाया और इस प्रकार घोषणा की ·

'जब मैं बडा हो जाऊगा तो सीनेटर डगलस जैसा अमीर बनूगा । मै अपनी

गाडी मे यात्रा किया करूगा और कोई भी मेरे प्रति घृणा नही कर सकेगा।'

पिता ने शुष्कभाव से उत्तर दिया, 'बेटा, तब तो अच्छा होगा कि तुम कुछ फुट और कद बढा लो।'

अब्राहम ने घोषणा की थी कि वह उस शाम को राज्य-भवन मे भाषण देगा। उन सबने जल्दी-जल्दी खाना खाया। फिर अब्राहम ने स्नान किया और नये कपडे पहन लिए। आज अब्राहम ने बहुत ही हलका काले रग का सूट पहन रखा था। मेरी डगलस की नई पत्नी को देखने के लिए बहुत उत्सुक थी। उसकी पहली पत्नी का निधन लगभग ५ वर्ष पूर्व प्रसवकाल मे हो गया था। अब्राहम बग्घी को सामने वाले दरवाज़े पर ले आया। क्योकि अभी सभा मे देर थी अत वे बग्घी को चौक मे ले गए। जब वे सेंट निकोलस होटल मे पहुचे, जहा डगलस-परिवार ठहरा हुआ था, वहा तालियो का इतना शोर मचा हुआ था कि घोड़ा एकदम रुक गया। मेरी ने बग्घी मे बैठे-बैठे देखा कि स्टीफेन डगलस भवन के बाये पार्श्व की ओर से, ऐडेल कट्स की बगल मे बाह डाले महिलाओ के द्वार से बाहर आ रहा था। मेरी ने डगलस की नई पत्नी के बारे मे बहुत कुछ सुन रखा था। वह डाली मेडिसन की पोती थी और वाशिंगटन के बहुत ऊचे घराने मे उसका पालन-पोषण हुआ था। उसके बारे मे यह अफवाह थी कि अनेक पुरुष उसके तलवे चाटते थे और वह जिससे भी चाहती विवाह कर सकती थी। श्रीमती डगलस ने इस आधार पर बहुत ख्याति प्राप्त कर ली थी कि राजधानी मे अतिथि-सत्कार करने वालो मे उससे अधिक आकर्षक व्यक्तित्व और नही है। श्रीमती डगलस के घर ने राष्ट्रपति बुकानन और उनकी भतीजी द्वारा सचालित ह्वाइट हाउस को भी सामाजिक नेतृत्व के क्षेत्र मे मात दे दी थी।

गैस के लैम्पो के प्रखर प्रकाश मे मेरी ने देखा कि ऐडेल कट्स के सौन्दर्य के बारे मे जो बाते प्रचलित थी वे सच ही थी। उसका गोल चेहरा, बडी-बडी भूरी आखे, यूनानी आकार का माथा और सिर पर रेशम के गुच्छो की तरह बाल सौन्दर्य के प्रतीक थे। उसने टाफ्टा रेशम का लिबास पहना हुआ था और जम्पर पर इटली के सफेद रेशमी जाल से मीनाकारी हुई थी जिसमे से उसके लम्बे और सुडौल आकार का सौन्दर्य छन-छनकर दृष्टिगोचर हो रहा था।

मेरी के सामने वह भव्य दृश्य था। उसकी आखे उस सुन्दर, धनाढ्य और अत्यधिक सफल दम्पति पर लगी हुई थी और उसके अन्तर मे निराशा, स्पर्धा

और घृणा की उत्कट भावनाए उठ रही थी। मेरी यह नही जानती थी, वह तो केवल इतना जानती थी कि उसका सास घुट रहा था और दिल जोर-जोर से धक्-धक् कर रहा था। वह बोली

'अब्राहम, बग्घी को आगे बढाओ, तुम्हारी सभा का समय हो गया है।'

रिप्रेज़ेटेटिव हाल पूरा भरा हुआ नही था, सीनेटर डगलस अपने प्रतिपक्षी का भाषण सुनने नही आया और इसलिए डेमोक्रेट सदस्य बाहर चौक मे घूमते रहे। अब्राहम को भाषण देते हुए अभी एक मिनट ही गुज़रा होगा कि खिडकी के बाहर ज़ोर का धमाका हुआ। उसे सुनकर अब्राहम बोला, 'मै आशा करता हू कि अभी इतने धमाके, जितने हम सुगमता से सहन कर सकते है, होगे।' इसपर भीड खिलखिलाकर हस पडी, जिसमे अधिकतर रिपब्लिकन लोग थे। इसके बाद अब्राहम ने भाषण जारी रखते हुए यह बताना आरम्भ किया कि रिपब्लिकन पार्टी किन-किन कठिनाइयो मे से गुज़र रही है। उसने यह भी बताया कि विधान-मडल को रिपब्लिकन पार्टी का अनुचित प्रतिनिधित्व दिया गया है क्योकि उनकी सदस्यता के अनुपात का निर्धारण वर्षों पहले किया गया था, जब दक्षिण के राज्यो की जनसख्या अधिक थी।

'सीनेटर डगलस विश्वविख्यात व्यक्ति है। उसकी पार्टी के सब उत्सुक राजनीतिज्ञ यह आशा करते रहे है कि वह निश्चय ही और थोडे ही दिनो मे अमेरिका का राष्ट्रपति बन जाएगा। उन्होने उसके गोल-मटोल, विनोदप्रिय और उदार चेहरे से यही अनुमान लगाया है कि वह पोस्टआफिस, भूमि-कार्यालय, मार्शल और मन्त्रिमडल के पद, प्रभारी पद और विदेशी प्रतिनिधिमडल आदि के अनेक पद उसके व्यक्तित्व से सम्बद्ध है और उन लोगो के प्रलोभी हाथ इन पदो को प्राप्त कर सकेगे। दूसरी ओर मैं हू जिससे कभी किसीने आशा नही की कि मैं राष्ट्रपति बन जाऊगा। मेरे दुर्बल, दरिद्र और लम्बूतरे चेहरे से कभी किसीने यह अनुमान भी नही लगाया कि मेरे व्यक्तित्व के साथ किसी पद का न सही बदगोभी का ही सम्बन्ध है।'

इस कथन पर लोग हस पडे, किन्तु मेरी इस हसी का आनन्द न ले सकी।

जब वे घर पहुचे और मेरी ने वह लिबास पहन लिया जो उसने न्यूयार्क मे खरीदा था, तो वह अब्राहम के शयनागार मे बर्फ वाला लेमोनेड ले आई।

अब्राहम सिर के नीचे हाथ रखे, बिस्तर पर पख फैलाए लेटा हुआ था। दृष्टि को छत से हटाए बिना ही वह बोला :

'ईमानदारी से कहो कि मेरे भाषण के बारे मे तुम्हारा क्या विचार है ?'

'उसका अन्त अच्छा था।'

'और आरम्भ ?'

'जब तुम अपना आधा समय स्टीव का उत्तर देने मे बिता देते हो तो तुम्हारी सभा पर आधा अधिकार तो उसका हो जाता है। मेरा तो विचार है कि तुम्हे अपनी ही बात कहनी चाहिए। लोग कहते है कि तुम्हारी सभा मे भीड कम होती है, क्या इसका यह कारण है कि तुम स्वय आगे बढने की बजाय और स्वय आदोलन की मूलभूत समस्याए उठाने की बजाय, डगलस के पीछे-पीछे चलते हो ?'

'तो तुम्हारा अभिप्राय है कि मै डगलस का पिछलगा बन रहा हू ?' वह क्षण भर इस बात पर विचार करता रहा और अपने होठो को ऊपर-नीचे करता रहा और फिर बोला, 'कई मित्रो ने मुझे कहा है कि केवल प्रतिरक्षा की बजाय मुझे आक्रमण करना चाहिए। किन्तु शिकागो मे जब मैने और डगलस ने इकट्ठे भाषण दिया था तो ट्रिब्यून के सम्पादक ग्रीले ने उस अगले दिन सुझाव दिया था, 'हम आशा करते है कि सर्वश्री लिकन और डगलस राज्य भर मे पन्द्रह या बीस महत्वपूर्ण बातो पर इकट्ठे भाषण देगे।'

'क्या तुम्हारा अभिप्राय एक भाषणमाला से है ? यह तो खूब रहेगा।' इस सुझाव से मेरी की आखो मे चमक पैदा हो गई, 'विश्व मे इससे अधिक उत्तेजना-पूर्ण बात क्या होगी कि दो व्यक्ति एक ही मच पर एक-दूसरे के मुकाबले मे खडे होगे। देश का हर समाचार इस समाचार को प्रकाशित करेगा।'

वह एकदम उठ खडा हुआ।

'मै शिकागो की केन्द्रीय समिति मे नारमन जड और अन्य मित्रो को यह सुझाव दूगा। मुझे विश्वास है कि वे मान जाएगे।'

'किन्तु क्या स्टीव मान जाएगा ? उसे इससे क्या लाभ होगा ?'

'इसपर इस दृष्टि से विचार करो कि क्या वह अस्वीकार भी कर सकता है ?'

डगलस को चुनौती देने के मामले पर अपनी सलाहकार समिति का परामर्श लेने के लिए अब्राहम चला गया। स्टीफेन ने इस चुनौती का उत्तर एक पत्र के रूप मे दिया। मेरी उसे खोलकर पढे बिना न रह सकी। पहले तो उसने अब्राहम को इस बात के लिए बुरा-भला कहा कि जब वे दोनो स्प्रिगफील्ड मे थे और डगलस अपने आन्दोलन का सचालन कर रहा था तो उस समय यह सुझाव क्यो नही रखा गया और फिर वह फ्रीपोर्ट, ओटावा, गेल्सबर्ग, क्विसी, आल्टन, जोन्सबारो और चार्ल्स्टन मे उसके साथ वाद-विवाद करने के लिए तैयार हो गया।

मेरी पत्र को अपने सिर के ऊपर लहराती हुई बैठक मे नृत्य करने लगी। जब अगली सुबह अब्राहम आया तो मेरी ने पूछा

'क्या ये वाद-विवाद सुनने के लिए मैं भी तुम्हारे साथ जा सकती हू ? मैं समझती हू कि ऐडेल कट्स स्टीव के लिए जितनी सहायक होती है उतनी सहायक मैं भी प्रमाणित हो सकती हू।'

'पुस ! प्रश्न यह नही है, किन्तु डगलस-परिवार इस चुनाव-आन्दोलन पर काफी व्यय कर सकता है। हम तो अपने थोडे-बहुत बचाए हुए पैसे व्यय कर रहे है। मुझे प्रतिदिन यात्रा मे बिताना होगा। तुम्हे घटो रेलवे स्टेशनो पर बिताने होगे, दिन की भीड-भाड वाली गाडियो मे यात्रा करनी पडेगी'' 'और कभी तो कार मे बैठे ही सारी रात बिता देनी पडेगी ' '

'मुझे इसकी चिन्ता नही। क्या तुम्हे स्मरण है जब हम एक बडे व्हिग-सम्मेलन मे वैडेलिया गए थे, तो मैंने वहा अनेक मित्र बना लिए थे ?'

अब्राहम ने नकारात्मक ढग मे सिर हिलाया और बोला

'अधिक अच्छा तो यह होगा कि तुम हमे अधिक महत्वपूर्ण स्थानो पर मिलो, इससे मुझे भी स्वतन्त्रता मिलेगी कि जिधर चाहू निकल जाऊ।'

मेरी निराश हो गई।

उन्होने दो सप्ताह चुपचाप बिता दिए। अब्राहम ओटावा मे औपचारिक प्रारम्भिक वाद-विवाद से पूर्व छोटे-छोटे गावो मे तूफानी दौरे की तैयारी में

लगा रहा। फिर अगस्त के अन्त मे शुक्रवार को प्रात. जब कि गर्मी पड रही थी, मेरी कार मे सवार हो गई। यात्रा कठिन थी और हिचकोले लगते थे, काले धुए से उसका दम घुट रहा था। अभी उसने आधी यात्रा भी तय नही की थी कि उसका यात्रा के लिए बनाया हुआ काली मलमल का लिबास मिट्टी और राख से भर गया। उसने अपने लिए थोडा-सा नाश्ता तैयार किया, किन्तु वह इतना गर्म था कि खाया न जा सकता था।

जब वह छोटे-से गाव मारिस मे पहुची, जो हरे-भरे वृक्षो के बीच कुछ घरों का झुडमात्र था, मध्याह्न-काल हो गया था। अब्राहम उसे मिलने के लिए स्टेशन पर आया हुआ था। वे रात को अपने मित्रो के पास ठहरे और अगली प्रातः सत्रह डिब्बो वाली रिपब्लिकन स्पेशल मे सवार होने के लिए स्टेशन पर गए। गाडी रिपब्लिकन पार्टी के समर्थको से खचाखच भरी पडी थी। दोपहर के थोडी देर बाद वे ओटावा पहुच गए। उन्हे गाडी से एक बग्घी मे पहुचाया गया, जिसे नगर की रिपब्लिकन नवयुवतियो ने हरी-भरी पत्तियो और झडियो से सजाया हुआ था। उनके आगे-आगे बाजे वाले थे और पीछे सैनिक टुकडिया थी। करतल-ध्वनि के तुमुलनाद मे जलूस ने बाज़ार का चक्कर लगाया और मेयर ग्लोवर के घर की ओर प्रस्थान किया। मेयर लाल ईंट के दोमजिले मकान के बरामदे मे उनका राजकीय स्वागत करने के हेतु खडा था, क्योकि वे उत्तर के इस रिपब्लिकन बहुमत वाले नगर मे पधारे थे।

नगर भर मे ऐसा वातावरण था मानो छुट्टी का दिन हो। दुकाने और बाजार साफ-सुथरे थे तथा झडिया और झडे फहरा रहे थे। जलसे के चौक मे लगभग दस हज़ार लोगो का अपार जनसमूह था। ऐसा लगता था मानो नर-नारियो का सागर ठाठे मार रहा है। मेयर ने मेरी को बताया कि ये लोग इलीनाइस और फाक्स नदियो के पार के क्षेत्र से बग्घियो, गड्डो, विशेष गाडियो और नहरी किश्तियो द्वारा गत रात इस नगर मे आए है। इस महान् जलसे मे सम्मिलित होने के लिए जो ये लोग आए थे इन्होंने नगर के चारो ओर शिविर लगा रखे थे।

चौक के मध्य मे एक नवीन ढग का मच बना हुआ था जिसके ऊपर सख्त धूप से बचाव के लिए छत बना हुआ था। किसीको भी मच तक रास्ता बनाने की याद नही रही थी और इसलिए लिंकन तथा मेरी के आगे-आगे एक सैनिक

दस्ता इच-इच स्थान पर सघर्ष करते हुए उनके लिए रास्ता बना रहा था। उन्हे मच तक पहुचने मे आधा घटा लगा। दूसरी ओर से श्री डगलस तथा उसकी पत्नी और उनके डेमोक्रेटिक समर्थक भी वैसी ही कठिनाई मे से गुज़र रहे थे। आखिर वे सब मच पर बैठ गए। एक ओर मेरी, लिकन तथा उसके प्रतिनिधि बैठे हुए थे और डगलस तथा उसकी पत्नी दूसरी ओर थे। मेरी ने देखा, दूसरी ओर से ऐडेल कट्स उसे बहुत ध्यानपूर्वक देख रही थी।

उनके नीचे पूर्व के महत्वपूर्ण समाचारपत्रो के सम्वाददाताओ और आशु-लेखको से मेज़ भरी पडी थी।

जलसे का प्रारम्भिक भाषण डगलस ने दिया और अब्राहम के तर्कों का मुहतोड प्रत्युत्तर दिया। उसने झालरदार रेशमी कमीज़ पहन रखी थी और उसके गहरे नीले कोट पर चमकीले बटन लगे हुए थे। वह स्थिरभाव मे धारा-प्रवाह भाषण दे रहा था। उसकी आवाज़ भली और रोबदार थी। वह अपने लम्बे-काले बालो को बार-बार झटका देता और चीते की तरह उछलता हुआ कभी मच पर आगे बढ आता और कभी पीछे चला जाता था। मेरी स्प्रिगफील्ड मे जब पहले-पहल आई थी तभी से उसे जानती थी और अब सोच रही थी कि इसने कैसी शक्ति विकसित कर ली है और उसमे नेतृत्व के कैसे आश्चर्यजनक गुण पैदा हो गए थे। उसने स्प्रिगफील्ड रिपब्लिकन मच के विषय पर अब्राहम से बार-बार प्रश्न पूछे तो लोग नारे लगाने लगे, 'हुर्रे डगलस', 'उसपर फिर चोट करो।'

मेरी ने कनखियो से अब्राहम की ओर देखा। वह अशान्त प्रतीत होता था। कई बार तो उसने उलझन मे और इकारसूचक ढग से सिर हिलाया।

जब वह छोटे बाज़ू वाला कोट और खुरदरे कपडे की पतलून पहने भाषण के लिए उठा तो लोग बहुत देर तक तालिया बजाते रहे। इससे मेरी प्रसन्न हुई यद्यपि इससे अब्राहम की मुद्रा शात नही हुई। उसकी नाक से निकलती हुई आवाज़ अप्रिय गूज पैदा कर रही थी। पिछले उसमे जो आत्मविश्वास और प्रसन्नता के भाव थे, वे समाप्त हो गए थे और उसने घर पर बैठकर अत्यत कठिन श्रम से जो भाषण तैयार किया था और स्प्रिगफील्ड तथा ओटावा के बीच छोटे-छोटे गावो के जलसो मे जिसकी परीक्षा करके उसे सशोधित कर लिया था, वह अब निरर्थक हो गया था। डगलस के आक्रमण से वह हतप्रभ हो

गया था । वह डगलस के प्रश्नो के उत्तर न दे सका । केवल इधर-उधर की कुछ बाते की और केवल तीस या चालीस मिनट के पश्चात् अकस्मात् भाषण बन्द कर दिया।

मेरी इतनी आशकित थी कि डगलस के तर्को का प्रत्युत्तर सुन भी न सकी, किन्तु लोगो पर पडे प्रभाव को देखकर वह कह सकती थी कि आज डगलस का पल्ला भारी रहा था।

वह इतनी थक गई थी कि मच से उतर मेयर ग्लोवर के घर चली जाना चाहती थी, ताकि वहा शयनागार के शात और एकात वातावरण मे पहुच जाए। तब उसने देखा श्रीमती डगलस उसकी ओर आ रही थी । मेरी ने मुह फेर लिया और मच की ओर सीढियो की तरफ बढी । भीड बहुत अधिक थी । उसने एक कोमल हाथ का स्पर्श अनुभव किया और घूमकर देखा कि वहा श्रीमती डगलस खडी थी । उसके चेहरे पर विजय के चिह्न नही थे, वरन् मैत्रीपूर्ण मुस्कान थी।

'तुम्हे तो मेरी याद नही होगी श्रीमती लिकन, किन्तु कई वर्ष हुए वाशिगटन मे तुम्हारे साथ मेरा परिचय हुआ था।'

मेरी ने चौककर पूछा, 'क्या वाशिगटन मे ?'

'हा, मेरी चाची श्रीमती मेडीसन के घर। तुम वहा नववर्ष-दिवस के भोज पर आई थी । मै उस समय केवल चौदह वर्ष की थी किन्तु मुझे स्मरण है कि मैंने उस समय तुम्हे देखकर यह सोचा था कि तुम्हारे कधे कितने सुन्दर है । मुझे तो यह भी स्मरण है कि तुमने सफेद रेशम का गाउन पहन रखा था और उस-पर नीले रग के जरी के फूल बने हुए थे।'

मेरी के चेहरे पर रक्तिमा फैल गई, 'हा मैने सफेद रेशम का गाउन ही पहना था। तुम्हारी स्मरणशक्ति खूब है !'

'नही श्रीमती लिंकन, ऐसी बात नही है, प्रत्युत तुमसे जो भी एक बार मिल लेगा वह कभी भी तुम्हे भुला नही सकता । अच्छा यह बताओ कि अपने पति के साथ इस दौरे मे कैसा अनुभव कर रही हो ? मुझसे सच पूछो तो मै इसकी अपेक्षा घर पर रहना पसन्द करती । यहा मेरा मुख्य काम बस इतना है कि यह ध्यान रखू कि डगलस की कमीज साफ हो । मुझे तो यह विश्वास नही कि मै इस आदोलन मे कोई सहायता कर रही हू, यद्यपि नगर की महिलाओ के साथ बातचीत मे अपना समर्थक बनाने का भरसक प्रयत्न करती हू।'

अब मेरी का हृदय पिघल चुका था। उसने उस नवयौवनसम्पन्न महिला की ओर अपना हाथ बढा दिया।

'मुझे तुमसे मिलकर अतीव प्रसन्नता हुई है, श्रीमती डगलस। आओ हम एक दूसरी की सहेली बन जाए। मुझे तो यात्रा का शौक है और तुमसे स्पर्धा कर रही हू कि तुम सारे दौरे मे साथ यात्रा कर रही हो।'

उस शाम को आशुलिपिक ने अब्राहम के भाषण की प्रति उसे लाकर दी जो कि समाचारपत्रो के लिए तैयार की गई थी। उसने उसे पढा और फीकी मुस्कराहट के साथ मेरी की ओर देखते हुए बोला·

'जैसे एक बूढे व्यक्ति ने पहले-पहल अपना चित्र देखकर कहा था, यह तो मेरी ही तरह भद्दा है, उसी तरह कहने की मेरी इच्छा हो रही है।'

इतना कहकर वह खिलखिलाकर हसने लगा और कुर्सी से उछल पडा तथा आश्चर्यभाव से बोला

'मै समझ गया हू। डगलस ने हमपर दोहरी चोट की थी। उसने दासता-विरोधी क्रान्तिकारियो के जिन सकल्पो का उल्लेख किया था वे स्प्रिगफील्ड मे कभी पास नही हुए और न ही कभी उन्हे रिपब्लिकन पार्टी के मच पर पास किया गया है। वे तो उत्तर मे क्रान्तिकारी विरोधियो के किसी नगर मे पास किए गए थे। उसीसे मै इतना विचलित हो गया था। सभवत उसने यह गलती ईमानदारी से की है किन्तु फ्रीफोर्ट मे मै उसके सामने यह प्रश्न रखूगा।'

वह रात भर सो न सका। मेयर ग्लोवर के घर ऊपर की मजिल के शयनागार मे वह फर्श पर चक्कर काटता रहा और वहा से सुनसान गलियो तथा सुषुप्त गाव की ओर देखता रहा।

'भूतकाल मे मैं डगलस के अनेक विचारो को प्रयोग मे लाता रहा हू। अब मैं एक और विचार का प्रयोग करूगा। उसने आज मुझसे अनेक उलझन मे डाल देने वाले प्रश्न पूछे थे, अगले सप्ताह मे भी ऐसे ही प्रश्न पूछूगा और एक प्रश्न तो ऐसा है जिससे उसके जीतने की कोई सम्भावना ही नही रहेगी।'

'सच तो यह है कि गत बाइस वर्ष से हम उसे पछाडने का प्रयत्न कर रहे है, किन्तु हमे तनिक भी सफलता नही मिली। अब तुम्हे ऐसा क्या घातक प्रहार सूझ गया है?'

अब्राहम सगमरमर के तख्ते वाले मेज की ओर बढा जहा उसका हैट रखा

हुआ था। हैट को उलटाकर कुछ पुराने लिफाफे निकाले और फिर बोला:

'प्रश्न की भाषा प्राय. यह होगी—क्या किसी राज्य का सविधान बनने से पूर्व वह राज्य वैध ढग से दासता को वर्जित कर सकता है ?'

मेरी ने उस वाक्य को मन ही मन दोहराया।

'डगलस ड्रेड स्काट के मुकदमे मे न्यायालय के निर्णय का समर्थन करता रहा है, अत. वैध तर्क के अनुसार उसे नकारात्मक उत्तर देना पडेगा कि किसी प्रदेश के नागरिक दासता को वर्जित नही कर सकते क्योकि मिसूरी का समझौता समाप्त हो चुका है अत कही भी दासता वर्जित नही की जा सकती।'

'यदि डगलस 'नहीं' मे उत्तर दे,' मेरी ने सोचते हुए कहा, 'तो सिवाय दक्षिण के दासता के अत्यधिक समर्थक राज्यो के सारे इलीनाइस के वोट वह खो बैठेगा। यही अभिप्राय है न ?'

अब्राहम को इस चाल पर बहुत प्रसन्नता हुई। सामने की खिडकी के पास जाकर वह कुछ क्षण हवा खाता रहा और फिर बिस्तर मे लेटते हुए बोला.

'अब मैं सो सकता हू।'

मेरी फ्रीफोर्ट के वाद-विवाद के समाचार को समाचारपत्र से काट रही थी जबकि उसका चचेरा भाई लोगन मिलने के लिए आया। उसके चेहरे से चिंता के भाव लक्षित हो रहे थे :

'मेरी, फ्रीफोर्ट मे हमे क्या हो गया है ?' उसने तीखी, ऊची आवाज मे कहा, 'अब्राहम ने वह प्रश्न क्यो डगलस से पूछा ?'

मेरी ने सोचा था कि आधी और वर्षा होने पर भी फ्रीफोर्ट की सभा सफल हुई थी। डगलस ने पद्रह हजार लोगो के सामने क्षमा मागी थी कि उसने ओटावा मे जिन सकल्पो का उल्लेख किया था वे रिपब्लिकन पार्टी के न होते हुए उसने गलती से उसके बताए थे। देश के सभी विख्यात समाचारपत्रो ने उन दोनो के भाषण प्रकाशित किए थे और पहली बार अब्राहम का भाषण समस्त राष्ट्र के समक्ष आया था।

'अब्राहम ने डगलस को कसास की अधी गुफा मे खूब फसा लिया था और अब उसने जान-बूझकर उसका दरवाजा खोल दिया है। नगर भर में लोग कह

रहे हैं कि हमने चुनाव जीत लिया था, किन्तु अब हमारी हार निश्चित है।'

'भाई लोगन, एक क्षण के लिए बैठ जाओ। मैं तुम्हारे लिए काफी लाती हू।'

मेरी ने जान-बूझकर अधिक समय लगाया क्योकि बैठक मे अपने चिंताग्रस्त भाई के घूमने की आहट उसे सुनाई दे रही थी। उसने दो प्याले काफी तेज काफी के भरे। लोगन ने अपना प्याला एक ओर रख दिया।

'मैंने सुना है कि हमारे कुछ बहुत योग्य लोगो ने उसे परामर्श दिया था कि वह डगलस से यह प्रश्न न पूछे। वह एक अच्छे परामर्श के विरुद्ध क्यो काम करता है ?'

मेरी को स्मरण हो आया कि स्प्रिंगफील्ड वाले भाषण मे से उसने 'घर की फूट' वाला वाक्य निकालने से इन्कार कर दिया था। बोली

'मुझे पता नही भैया लोगन, किन्तु वह वही कहता है जिसे वह ठीक समझता है।'

लोगन ने फ्रीपोर्ट के कटे हुए समाचार को उठा लिया और डगलस के उत्तर की इन पंक्तियो पर उगली घुमाते हुए पढने लगा

'श्री लिकन ने मुझसे दूसरा प्रश्न यह पूछा है कि क्या किसी राज्य का सविधान बनने से पूर्व वह राज्य वैध ढग से दासता को वर्जित कर सकता है ? मैं उत्तर देते हुए इस बात पर बल देना चाहता हू कि मेरे मन के अनुसार किसी भी प्रदेश के लोग वैध ढग से दासता को वर्जित कर सकते है। लोगो को वैध अधिकार है, वे चाहे तो दासता को रखे और चाहे तो इसे वर्जित कर दे क्योकि जब तक स्थानीय पुलिस विनियमो के अन्तर्गत दासता की अनुमति न हो, दासता एक दिन तो क्या एक घटे के लिए भी कही नही रह सकती।'

लोगन चिन्तित दृष्टि से उसकी ओर देखने लगा।

'इस उत्तर मे कितनी चालाकी भरी है। इससे उसने राज्य के पुराने ढर्रे के सब व्हिगो के वोट जीत लिए है।'

मेरी खडी हुई अपने चचेरे भाई की ओर देख रही थी और उसे याद आ रहा था कि जब तीन वर्ष पूर्व अब्राहम को ट्रम्बल ने सीनेट के पद के निर्वाचन मे हराया था तो लोगन कितना रोया था। वह उसे क्या कह सकती थी कि अब्राहम ने गलती की थी ? क्या वह ऐसा कह सकती थी, जिसने अब्राहम का धीमा

और चिंताग्रस्त जागरण देखा था, उसके विकास और परिपक्वता प्राप्त करने के बीहड मार्ग मे उसका पग-पग पर साथ दिया था और उसे मानवता के भव्य लक्ष्य के लिए निःस्वार्थ त्याग के सोपान पर चढते देखा था ? क्या अब उसकी सूझ-बूझ पर सदेह करना चाहिए ?

मेरी ने बडे प्रेमभाव से अपने भैया के कधे पर हाथ रखा और कहा :

'भैया लोगन, अब्राहम स्थिति को हम सबसे अधिक अच्छी तरह समझता है। हमे उसपर विश्वास रखना चाहिए।'

कुछ दिनो पश्चात् १ सितम्बर को वह घर लौटा। अधिक देर धूप मे रहने के कारण उसका चेहरा ताम्रवर्ण का सा हो गया था, यद्यपि उसे प्रतिदिन शाम को नगरो के चौको मे और खुली वनस्थलियो मे भाषण देना पडता था, किन्तु फिर भी उसकी आवाज तेज़ थी। यदि सच ही इस निर्वाचन मे अब्राहम की हार के लक्षण दृष्टिगोचर हो चुके थे तो अब्राहम मे ऐसा कोई लक्षण दिखाई नही देता था। जब रसोई मे मेरी शाम का खाना तैयार कर रही थी और वही बच्चे अब्राहम के गिर्द इकट्ठे हो गए तो वह उन्हे कहानिया सुनाने लगा कि किस प्रकार जिस मालगाडी मे वह यात्रा कर रहा था, उसे घण्टो झुलसती धूप मे केवल इसलिए खडा कर दिया गया था कि डगलस की स्पेशल गाडी निकल जाए। दिन की गाडी मे लम्बी यात्रा करते हुए जब उसने फ्रासीसी बाजा बजाना सीख लिया था तो लोगो ने उसे डगलस के बैंड बाजे का मुकाबला करने वाला घोषित कर दिया था।

अन्तिम वाद-विवाद के लिए एक गाडी आल्टन जाने वाली थी जिसपर जाने वाले छात्रदल के लिए तैयार किया गया सुन्दर गणवेश, राबर्ट निकालकर ले आया।

अब्राहम बोला, 'मेरी, तुम भी अवश्य चलो। तुमने इस वाद-विवाद का आरम्भ देखा है, मैं चाहता हू कि इसका अन्त भी अवश्य देखो।'

खाना खाने के पश्चात् वह वकालत की पुस्तको से भरी अलमारियो के निकट पड़े मेज़ पर काम मे व्यस्त हो गया। जब मेरी ने आश्चर्यभाव से पूछा कि क्या वह अब भी पहले से ही अपना भाषण लिखकर तैयार कर लेता है, तो उसने अपनी ऐनक के ऊपर से मेरी की ओर देखते हुए कहा :

'तुम अपने पुराने मित्र डगलस की बात लो। उसका यह सिद्धात है कि उसने

लोक-प्रभुत्व के विषय पर जो भाषण दिया था उसपर उसे विजय प्राप्त होगी और जिन लोगो के आगे वह यह भाषण देता है उन्हे न तो यह पता लगेगा और न ही इस बात की परवाह करेगे कि वह सब जगह एक ही भाषण देता है। जहा तक मेरा सम्बन्ध है मैं कभी भी अपने भाषण को दोहराता नही। मैं स्थान-स्थान पर जाते हुए अपने भाषण के विषय को विस्तृत करता हुआ चलता हू और जिन बातो मे मुझे नई सचाइया दिखाई देती हैं वही मुझपर प्रभावी हो जाती हैं।'

अगले दो सप्ताह मेरी को समाचारपत्रो ने उसके समाचार मिलते रहे और वह इलीनाइस की घाटियो और मैदानो मे कभी घोडो, कभी बग्घियो, कभी गाडियो और कभी नौकाओ द्वारा दौरा करता रहा और मोंटीसेलो से मैट्न, हिल्सबारो से एडवर्ड्सविले और हाईलैड से ग्रीनविले तक निरतर भाषण देता रहा। वाद-विवाद के क्रम मे तीसरा कार्यक्रम दोनो के लिए घातक रहा क्योकि उस क्षेत्र मे बुकानन डेमोक्रेटो का प्रभुत्व था। किन्तु कोल्स क्षेत्र की राजधानी चार्ल्स्टन के मुख्य बाजार मे एक बडा झडा लगा हुआ था जिसपर लिखा था, 'तीस वर्ष पूर्व का बूढा एब' और उस चित्र मे अब्राहम को बैलो की जोडी को हाकते हुए दिखाया गया। समाचारपत्रो ने अनुमान लगाया कि लगभग दस-बारह हजार लोग उसे अपना उम्मीदवार मानकर उसका भाषण सुनने के लिए आए थे जिनमे उसकी सौतेली मा साराह बुश भी थी।

अन्य पत्रो का अध्ययन उसे अप्रिय लगा क्योकि लेक्सिगटन के 'आबजर्वर ऐंड रिपोर्टर' मे जो उसे अब भी डाक द्वारा आ जाते थे, यह समाचार उसे मिला कि केटकी के व्हिग अर्थात् केटुकी मे उसका सारा परिवार लिकन की अपेक्षा डगलस के पक्ष मे था। जान जे क्रिटेडन और जेम्स बी० क्ले जैसे लोग, जो कि परिवार के पुराने मित्र थे, चुनाव मे डगलस का समर्थन कर रहे थे।

सितम्बर के अन्त मे अब्राहम ने घर पर अवकाश बिताने का समय निकाल लिया और शनिवार को मध्याह्न-पश्चात् देर से घर पहुचा। मेरी ने अभी ऊपर के शयनागार को साफ ही किया था कि उसे स्लीपर पहने अब्राहम के पाव की आहट सुनाई दी और उसी समय रिपब्लिकन क्लब एक बैड के साथ मार्च करती हुई वहा आ पहुची। वह लगभग एक हजार लोगो का जलूस उनके मकान के सामने आकर रुका। यह स्पष्ट था कि जब तक लिकन उनके सामने

भाषण न देगा वे लोग नही जाएगे इसलिए उसने मेरी के हाथ मे हाथ डाला और बाहर के बरामदे मे जाकर खडे हो गए। तीनो लडके ऊपर की मजिल की खिडकियो से देख रहे थे। अब्राहम ने इस स्वागत के लिए उनका स्वागत किया और उन्हे विश्वास दिलाया कि जो सिद्धात उन सबको प्रिय थे उनकी जीत की पूरी आशा थी।

मेरी उन लोगो के चेहरो को ध्यानपूर्वक देख रही थी जो लिकन के एक-एक शब्द को मन लगाकर सुन रहे थे। उस सामुदायिक भाव मे जो स्नेह का अजस्र स्रोत बह रहा था उसमे वह तथा अब्राहम बह गए। मेरी अत्यधिक प्रभावित हुई। उसे ऐसा अनुभव हुआ मानो वह निर्वास से पुन मातृभूमि मे लौट आई। फिर उसे वह नगर प्रिय लगने लगा जहा कभी उसने अपने आपको अप्रसन्न और अवाछनीय समझा था।

६९

आल्टन नगर मे होने वाले वाद-विवाद के दिन मेरी प्रात· पाच बजे ही जाग गई। उसने अगीठी मे आग सुलगाई तथा राबर्ट और अपने नहाने के लिए पानी गर्म किया। स्टेशन पर सैकडो लोग एकत्र थे जिससे आधे किराये की स्पेशल गाडी के आठ डिब्बे खचाखच भर गए। यात्रा मे चार घटे लगे। ग्यारह वर्ष पूर्व ये लोग स्प्रिगफील्ड से आल्टन के लिए बग्घी मे गए थे और ९० मील की यात्रा पूरे दो दिन मे तै हुई थी।

जब मेरी डिब्बे से नीचे उतरी तो अब्राहम का एक मित्र उसे उस स्थान पर ले गया जहा अब्राहम बद बग्घी मे बैठा हुआ था। वह एक शाम पहले ही 'सिटी आफ लूसियाना' नामक नौका मे क्विसी से आया था। अब्राहम ने दोनो हाथ बढाकर उसे बग्घी मे चढने मे सहायता की और फिर बडे प्यार से उसका चुम्बन किया।

'मैने यही उचित समझा कि स्वय स्टेशन पर न आऊं, नही तो हमें होटल

तक पहुचने मे कई घटे लग जाते । राबर्ट कहा है ?'

'वह तो छात्रदल के साथ है। वे दोपहर के भोजन से पूर्व नगर मे परेड करना चाहते है। क्या तुमने गत रात अच्छा विश्राम कर लिया था ?'

'हा, मै शाम का खाना खाने के पश्चात् अपने कमरे मे चला गया था और प्रभात होने तक सोया रहा था। मेरी इच्छा है कि राक आइलैड और इली-नाइस अपनी नौकाओ का लक्ष्य के मार्ग पर प्रस्थान कर दे।'

बग्घी फ्रैंकलिन होटल के दरवाजे पर आकर रुकी। अब्राहम उसे तीसरी मजिल पर अपने कमरे मे ले गया। प्रात-काल से अब्राहम के राजनीतिक मित्र उसे मिलने के लिए आते रहे थे, किन्तु अब उनके पास एकात और विश्राम के लिए कुछ घटे थे।

डेढ बजे वे दोनो होटल से चले गए।

अब्राहम ने कहा, 'आज मेरा भाषण ऐसे लोगो के सामने होगा जिन्हे दक्षिण के प्रति सहानुभूति है। मुझे विश्वास है कि डगलस मुझपर यही आरोप लगाएगा कि मै दासता का क्रातिकारी विरोधी हू।'

जब वे दोनो जलसे मे पहुचे तो मेरी को यह देखकर बहुत निराशा हुई कि नगर के नये हॉल की निचली मजिल की बडी-बडी खिडकियो के सामने के जिस मैदान मे मंच बनाया गया था और गिरजाघर के बीच इतनी थोडी जगह थी कि ओटावा की भीड की तुलना मे यहा केवल उसका तीसरा भाग समा सकता था। ओटावा की भीड मे तो परिवार की माताए बच्चो को गोद मे लिए बैठी थी, नवयुवतिया भी थी और दादी मा भी, किन्तु यहा अधिकतर पुरुष ही थे। फिर उसने देखा कि नगर के हॉल कमरे की खिडकिया और बाजार की अन्य खिड-किया महिलाओ से भरी पडी थी जो नीचे उनकी ओर झाक रही थी।

ठीक दो बजे स्टीफेन डगलस उठा और उसने अपना भाषण आरम्भ कर दिया। उसका मुह कुछ फूला हुआ था, गला बैठा हुआ था और आवाज भारी थी। मच पर इधर-उधर घूमते हुए उसकी अशाति प्रकट हो रही थी, किन्तु उसके तर्क सुसम्बद्ध थे 'गोरी नस्ल के लोगो ने गोरी नस्ल और उसकी सतान के लाभ के लिए सरकार बनाई थी। स्वतन्त्रता-घोषणा पर हस्ताक्षर करने वालो ने जब यह घोषणा की कि सब लोग समान है तो इसमे नीग्रो लोगो का कोई उल्लेख नही था, उन्होने केवल गोरे लोगो की ओर निर्देश किया था, और किसी-

की ओर नही, हमारी सरकार की पद्धति के अन्तर्गत कोई ऐसी शक्ति नही थी जो सविधान को न चाहने वाले लोगो पर सविधान को ज़बरदस्ती लागू कर सकती और यदि कसास के लोग दास-प्रथा वाला राज्य चाहते थे तो उन्हे ऐसा राज्य बनाने का अधिकार था और कि वह उन्हे अनुमति देगा कि वे चाहे तो दास-राज्य के रूप मे या स्वतन्त्र राज्य के रूप मे सघ मे प्रवेश कर सकते है, क्योकि यह उन्हीका काम है न कि उसका। जब उसने कसास-नेबरास्का बिल पेश किया था तो उसका उद्देश्य यही था कि वहा के लोग स्वय अपनी घरेलू सस्थाओ को विनियमित करने मे स्वतन्त्र हो, किन्तु लिंकन ने 'घर की फूट' के सिद्धात की घोषणा करके यह दास और स्वतन्त्र राज्यो मे विभाजित सरकार टिक नही सकती और उसके परिणामस्वरूप उसने विभाजन को आमन्त्रित किया है। उसके निर्वाचन का अभिप्राय होगा युद्ध को आह्वान, जिसके परिणामस्वरूप हमारे पूर्वजो द्वारा स्थापित की गई सरकार और सविधान विनष्ट हो जाएगा।'

जब उसने भाषण समाप्त किया तो आधी भीड ने ज़ोर-शोर से तालिया बजाई। वह अपने स्थान पर बैठ गया। श्रीमती डगलस ने माथे से पसीना पूंछने के लिए उसे रुमाल दिया।

अब्राहम उठा। उसने अपना कोट उतारा। भीड मे से एक नवयुवती ने फूलो का एक गुलदस्ता उसके पाव पर फेका। उसने फूलो को उठाया और उन्हे मेरी के हाथ मे दे दिया जिसने उन्हे उसके कोट पर लगा दिया। मेरी लिंकन के प्रत्येक शब्द को ध्यानपूर्वक सुनने के लिए आगे की ओर झुकी हुई बैठी रही।

अब्राहम तुरन्त उस वाद-विवाद की तह तक पहुच गया।

'कल की बात है गेल्सबर्ग मे मैंने डगलस के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा था कि जहा तक मुझे पता है, सारे ससार मे तीन वर्ष पूर्व ऐसा कोई व्यक्ति नही था जो यह कहता कि स्वतन्त्रता-घोषणा की शब्दावली 'सब मनुष्य' मे नीग्रो सम्मिलित नही है। मुझे विश्वास है कि पहला व्यक्ति, जिसने यह बात कही, वह न्यायाधिपति टेनी था, जिसने ड्रेड स्काट के मुकदमे मे यह कहा था और उसके बाद इस बात को कहने वाला दूसरा व्यक्ति हमारा मित्र स्टीफेन डगलस था। जब यह नया सिद्धान्त सामने लाया जाता है तो मैं इसका यह अभिप्राय समझता हू कि नीग्रो से मनुष्य बनने का अधिकार छीना जा रहा है।'

उसने डगलस पर आरोप लगाया कि उसने १८५४ मे मिसूरी-समझौते को रद्द करने की माग करके नये सिरे से दासता-आन्दोलन को भडका दिया था और फिर उससे पूछा कि जब यह 'कष्टदायक समस्या' समाप्त होने वाली थी तो डगलस ने क्यो दासता के सम्बन्ध मे नई नीति को आरम्भ करने की आवश्यकता अनुभव की, 'जबकि हम दासता को और बढने से रोककर और वही तक सीमित करके जहा हमारे पूर्वजो ने उसे रखा था, जनता को यह विश्वास दिला सकते थे कि यह समस्या सदा के लिए समाप्त होने वाली है।' उसने इस बात का प्रतिपादन किया कि दासता-सम्बन्धी सब विपत्तिया इसे फैलाने के प्रयत्न से पैदा हुई है।

कई ओर से आवाजे आई, 'शाबाश, शाबाश'। अब्राहम ने बाहो को वृत्ताकार बनाने के ढग मे फैला दिया।

'डगलस और मेरे बीच विवाद का वास्तविक विषय यह है कि एक वर्ग की भावना के अनुसार दासता एक गलती है और दूसरे वर्ग के दृष्टिकोण मे यह गलती नही। जज डगलस कहता है कि उसे 'इस बात की चिन्ता नही कि दासता के पक्ष मे वोट दिया जाता है अथवा इसके विरुद्ध।' जो भी व्यक्ति यह कह सकता है उसे दासता मे गलती दिखाई नही देती, क्योकि कोई भी व्यक्ति तर्क के आधार पर यह नही कह सकता कि उसे इस बात की चिन्ता नही कि दासता के पक्ष मे वोट दिया जाता है अथवा विपक्ष मे।

'डगलस का यह मत है कि जो भी समुदाय दासता की प्रथा को चाहता है उसे इसे अपनाने का अधिकार है। यदि यह गलती नही तो वे इसे अपना सकते है। किन्तु यदि यह गलती है तो वह यह नही कह सकता कि लोगो को गलती करने का अधिकार है। आप आरम्भ से अन्त तक डेमोक्रेटिक पार्टी की नीति को ध्यानपूर्वक देखे और डगलस ने जो कुछ भी कहा है उसे भी पढे तो इसमे सब जगह बडी चालाकी से इस बात का उल्लेख नही किया गया, जबकि वास्तविक विवाद इसी बात पर है। यह विवाद इस देश मे उस दिन भी जारी रहेगा जबकि डगलस की और मेरी जिह्वाए सदा के लिए मौन हो जाएगी। इन दो सिद्धान्तो के बीच यह एक चिरस्थायी विवाद है, इसका सघर्ष अनादि काल से हो रहा है और सदा होता रहेगा। एक पक्ष मानवता के सामान्य अधिकार का समर्थक है और दूसरा पक्ष सम्राट् के ईश्वर-प्रदत्त अधिकार

का। इसी भावना से कहा जाता है—तुम काम करो, श्रम करो और रोटी कमाओ तथा हम इसे खा लेगे।'

शाम का धुधलका छा गया था। अब्राहम लोगो के सामने झुका हुआ इस प्रकार खडा था, मानो उसका अग-अग लोगो से कुछ कामना कर रहा था जबकि लोग भी मौन खडे उसकी ओर देख रहे थे और उन्हे वस्तुत यह भी पता नही था कि वह भाषण समाप्त कर चुका है। वे भी भावनाओ मे इस प्रकार बह गए थे कि केवल मौनप्रशसा ही कर सके।

जब भीड धीरे-धीरे समाप्त हुई तो मेरी और अब्राहम वापस फ्रैकलिन होटल चले गए, ताकि जल्दी भोजन करके स्प्रिगफील्ड की गाडी पकड ले। राबर्ट और छात्रदल के अन्य सैनिक अब भी 'कौरियर' दफ्तर के सामने परेड कर रहे थे।

भोजन के समय मेरी के दाई ओर 'शिकागो ट्रिब्यून' का सम्वाददाता होरेस बैठा हुआ था जबकि सामने राबर्ट हिट बैठा हुआ था, जिसने शार्टहैड (आशुलिपि) का आविष्कार किया था। खाने के कमरे मे रिपब्लिकन सदस्य बैठे हुए थे। डेमोक्रेट सदस्य आल्टन होटल मे डगलस के साथ ठहरे हुए थे। वातावरण मे प्रसन्नता की एक लहर फैली हुई थी और लोग यह अनुभव कर रहे थे कि लिकन ने आदोलन को बहुत सुन्दर ढग से समाप्त किया था। यह सत्य भी था। मेज़ के इधर-उधर देखते हुए मेरी ने सोचा कि सिवाय लिकन के सभी लोग थके-मादे दिखाई देते थे। हारेस व्हाइट और राबर्ट हिट इस सम्बन्ध मे बातचीत करने लगे कि उन्होने पिछले दो मास मे कितना-कितना काम किया और कितना कम सोए। मेरी ने पूछा :

'आप सब लोग श्री लिकन तथा मेरे साथ हमारे घर चलकर कुछ दिन विश्राम क्यो न कीजिएगा ?'

राबर्ट हिट ने अपनी कुहनिया मेज पर टिका दी और परिहास करते हुए बोला :

'धन्यवाद श्रीमती लिकन, किन्तु जब तक आप व्हाइट हाउस मे जाकर रहने नही लगते, मै तुम्हारे घर नही आऊगा।'

मेज़ पर सभी लोग खिलखिलाकर हंस पडे। मेरी ने चाह भरे भाव से उत्तर दिया :

'नवयुवक, वहा निवास करने की अभी तो कोई आशा दिखाई नही देती।'

चुनाव के दिन आकाश मेघाच्छन्न रहा और मूसलाधार वर्षा होती रही। अब्राहम ने कहा कि इस कीचड और पानी मे रिपब्लिकन दल के अधिकतर देहाती वोटर अपना मत डालने नही जा सकेगे। मध्याह्न से पूर्व मेरी और अब्राहम चुनाव का दृश्य देखने नगर की ओर गए। उन्होने देखा कि लोग पानी और कीच से लथपथ और उत्साहहीन है। आश्चर्य की बात थी कि उस समय सभी आदमी शराब के नशे मे चूर थे, वे गालीगलौज व मुक्केबाजी पर उतर आए थे। पुलिस के सिपाही दगा करने वालो को पकड-पकडकर जेल भेज रहे थे।

उस दिन रात को मेरी और अब्राहम जरनल के आफिस मे बैठे तार से प्राप्त हुए चुनाव के परिणाम लिखते रहे। अब्राहम और रिपब्लिकन दल को यद्यपि पर्याप्त सख्या मे मत मिले थे, किन्तु विधान-सभा मे दक्षिणी प्रदेशो का अनुचित रूप से अधिक प्रतिनिधित्व होने के कारण डेमोक्रेट दल की विजय और डगलस का फिर से चुना जाना निश्चित था। जब वे घर को चले तो काफी रात बीत चुकी थी। मार्ग मे कीचड थी। वे दोनो चुपचाप चले जा रहे थे। एट्थ स्ट्रीट पहुचते-पहुचते अब्राहम अपने विचारो मे इतना खो गया था कि उसका एक पैर फिसल गया और वह गिरते-गिरते बचा। उसको व्यग्र देखकर मेरी ने पूछा :

'कुशल तो है?'

अब्राहम चिन्तितभाव से मुस्कराकर बोला, 'पैर ही फिसल गया था, मै गिरा नही।'

'क्या तुम्हारे विचार मे अपने लोगो के लिए भविष्य मे कोई अवसर आएगा?'

अब्राहम काफी देर चुप रहा और फिर बोला

'मेरी, यह अच्छा ही है कि हमने दौड मे हिस्सा तो लिया, जिससे हम लोग वर्तमान युग की एक बडी समस्या पर अपने विचार तो लोगो के सामने रख सके। यह नही सोचना चाहिए कि हमने जो कुछ किया वह सब व्यर्थ ही गया है। एक बार भले ही लोग अपने स्मृति-पटल से हमको हटा दे, किन्तु हमने

कुछ ऐसे काम किए हैं जिनके कारण हमारी मृत्यु के पश्चात् भी नागरिक-स्वाधीनता की लडाई जारी रहेगी।'

मेरी को अकस्मात् अब्राहम के उस लेख का ध्यान आ गया जो उसे उस दिन मेज पर मिला था, जब वह अपने चुनाव-दौरे के सम्बन्ध मे प्रथम भाषण देने के लिए घर से निकला था और उसके नेत्रों मे आसू आ गए। मेरी ने अपना हाथ उसके हाथ मे डाल दिया और अब्राहम ने उसकी अगुलियो मे अपनी अगुलिया डालकर उसके हाथ को दबाया।

'मेरी, आज के बाद हम लोग प्रथम पक्ति के सिपाही बनेगे।'

७०

लगभग तीन सप्ताह बाद एक दिन प्रात. जब स्प्रिंगफील्ड मे सीनेटर स्टीफेन ए० डगलस के आगमन पर उसका बत्तीस तोपो द्वारा अभिवादन किया गया, तो मेरी और अब्राहम हडबडाकर बिस्तर से उछल पडे।

जब पृथ्वी को कम्पित करने वाली तोपो की गडगडाहट समाप्त हुई तो मेरी ने कटुताभरे स्वर मे कहा, 'स्वागत, विजयी नायक !'

अब्राहम ने उत्तर दिया, 'वह वास्तव मे नायक है। उसने अकेले ही राष्ट्रपति बुकानन को और सम्पूर्ण शासन को हराया है। अब १८६० की डेमोक्रेट महासभा मे बुकानन का कोई प्रभाव नही रहेगा। डगलस का उसपर नियत्रण होगा और फिर यह सभव नही होगा कि अगले चुनाव के लिए उसे नाम-निर्दिष्ट न किया जाए। यह ठीक है कि इस हार से मुझे काफी धक्का पहुचा है, किन्तु हम एक बार फिर तमाशा देखेगे।'

मेरी बिस्तर से उठी, उसने ठडे जल से मुह धोया और प्रातकाल का गाउन पहन लिया, फिर उसने प्रश्नभरी उत्सुकता से अब्राहम की ओर देखा और बोली .

'दुबारा तमाशा ?'

'मेरी, मुकाबला चलता रहना चाहिए। डगलस ने दुहरी चाल चलकर अर्थात् दासता को समाप्त करने और साथ ही उसकी रक्षा करने का आश्वासन देकर लोगो का समर्थन प्राप्त किया है किन्तु बहुत समय तक वह इस दुहरी स्थिति को बनाए नही रख सकता। मुझे पूर्ण विश्वास है कि एक दिन हम उसे अवश्य हराएगे।'

मेरी ने बालो को सवारा और गर्दन के पास उनमे क्लिप लगाई। फिर उसने पूछा :

'वे लोग कौन है जिनको हम हराएगे और फिर कौन-सी टक्कर मे, १८६० की या १८६२ की अथवा १८६४ की ?'

अब्राहम मुस्करा दिया और बोला .

'शायद तुम्हे यह सुनकर आश्चर्य न हो कि सयुक्त राज्य अमेरिका के सीनेटर के रूप मे निर्वाचित होने की अब मेरी अपनी हार्दिक इच्छा है।'

'१८६० मे एक अवसर मिलेगा।'

'लीमैन ट्रम्बुल का स्थान ? नही, नही ! वह स्वतन्त्रता के लिए बडा काम कर रहा है। मैं चाहता हू कि वह सदस्य बना रहे। मै उसके लिए और रिपब्लिकन दल की ओर से राष्ट्रपति-पद के उम्मीदवार के लिए सारे राज्य का दौरा करने को तैयार हू। यह निश्चित है कि १८६० मे हम विजयी होगे। सत्य की लडाई मे यदि अन्तिम विजय हो गई तो फिर पहले की असफलताओं का कोई महत्व नही रह जाता।'

मेरी उदास होकर बोली, 'तुम प्रत्येक बात को मरण-पर्यन्त की बात बना देते हो। डा० हेनरी को भी तुमने ऐसी ही बात लिखी थी।'

'यद्यपि लोग मुझे भूल-से गए है। मुझे तो ऐसा प्रतीत होता है कि तुम्हारे भाग्य मे ही ऐसा लिखा हुआ है।'

'अरे नही, कुछ ही दिन पूर्व मैने 'शिकागो ट्रिब्यून' को लिखा था कि वे मुझे अपने उन पत्रो की दो-दो प्रतिया भेज दे जिनमे वाद-विवाद छपे है, ताकि मैं उनको पुस्तक के रूप मे प्रकाशित करा सकू । किन्तु, मेरी, आज से मुझे वकालत अवश्य प्रारम्भ कर देनी चाहिए, अन्यथा फिर भोजन के भी लाले पड़ जाएगे।'

मेरी घर-गृहस्थी के कार्यो मे लग गई और अब्राहम वकालत मे। चुनाव-आन्दोलन के अवसर पर अब्राहम ने किसीपर व्यक्तिगत आक्षेप नही किया

था। इससे बजाय विरोधी बनने के उसके अनेक नये मित्र बन गए थे और देश भर मे उसका नाम भी प्रसिद्ध हो गया था। फलस्वरूप उसको हाथो-हाथ मुकदमे मिलने लगे। उसे केवल व्यक्तिगत मुकदमे ही नही, अपितु इलीनाइस सेन्ट्रल और अन्य फर्मो के बडे-बडे व्यवसाय-सम्बन्धी मुकदमे भी मिले। अब्राहम को परिश्रम तो काफी करना पडता, किन्तु उसकी इतनी आय हो गई जिससे कई दुकानो का ऋण चुका दिया और भोजन के अतिरिक्त अन्य मदो पर भी खर्च करने की गु जाइश हो गई।

मेरी ने राबर्ट की शिक्षा की ओर ध्यान दिया क्योकि अब वह लगभग सोलह वर्ष का हो गया था। अब्राहम इससे सतुष्ट था कि उसे इलीनाइस स्टेट विश्वविद्यालय मे ही पढने दिया जाए। इस विश्वविद्यालय मे लिंकन ने कुछ वर्ष पूर्व एक छात्रवृत्ति का इन्तजाम किया था, किन्तु मेरी इसके विरोध मे थी क्योकि उसने स्वय ट्रान्सिलवानिया विश्वविद्यालय मे शिक्षा प्राप्त की थी और उसे दोनो विश्वविद्यालयो मे स्पष्ट अन्तर दिखाई पड रहा था। उसने यह निश्चय कर लिया कि उच्चशिक्षा के लिए राबर्ट को उन चार पादरियो के ऊपर ही नही छोडा जा सकता जो कि इलीनाइस विश्वविद्यालय के सस्थापक थे। अब्राहम को इससे बडा आश्चर्य हुआ।

मेरी ने धीरे से कहा, 'तुम्हे अपने पुत्रो को इससे अच्छी शिक्षा दिलानी चाहिए।'

'जो कुछ शिक्षा मुझे मिली उससे तो यह अच्छी है।'

'किन्तु यह तो कोई कसौटी नही है। हमे उनको सबसे उत्तम शिक्षा दिलानी चाहिए और उन्हे ब्राउन विश्वविद्यालय अथवा येल विश्वविद्यालय भेजना चाहिए जहा कैसियस क्ले ने शिक्षा पाई थी। बोस्टन भी हमारी सस्कृति का सबसे बडा केन्द्र है और मैं तो हार्वर्ड को अधिक पसन्द करूंगी।'

इसपर अब्राहम मुह सिकोडकर बोला, 'कहा ग्रामीण स्कूल और कहा हार्वर्ड विश्वविद्यालय!'

'देखो अब्राहम, तुम यह मत समझो कि तुमने सब कुछ अपने परिश्रम के बल पर ही प्राप्त किया है। जहा तुमने अपनी शिक्षा समाप्त की, वहीसे तुम्हारे पुत्र अपनी शिक्षा प्रारम्भ करेंगे, न कि उस स्थल से जहा से तुमने प्रारम्भ की

थी। सिनसिनाटी मे पूर्वी विश्वविद्यालय के उन वकीलो ने तुम्हारे होश भुला दिए थे।'

अब्राहम ने गम्भीरतापूर्वक कहा, 'यह तो तुम ठीक ही कहती हो। मैं राबर्ट को उसी लाठी से नही हाक सकता जिससे मुझे हाका गया था। मेरे पिता अपने पौत्र को हार्वर्ड विश्वविद्यालय मे देखकर कितने चकित होते ! वे सदा मुझसे कहा करते थे मैने कुछ शिक्षा नही पाई किन्तु फिर भी मैं कितना अच्छा जीवन व्यतीत कर रहा हू।—किन्तु मेरी समझ मे तो उन्होने कोई अच्छा जीवन नही बिताया। अच्छा मेरी, यह तो बताओ कि जब राबर्ट हार्वर्ड से शिक्षा प्राप्त करके निकलेगा तो क्या फिर वह हम लोगो से सीधे मुह बात करेगा ?'

हार्वर्ड विश्वविद्यालय की विवरण पत्रिका से पता चला कि वसत ऋतु के आरम्भ होते ही राबर्ट को सोलह विषयो मे परीक्षा देनी होगी। चू कि उनमे से अधिकाश विषयो पर एस्टाब्रुक अथवा इलीनाइस विश्वविद्यालयो मे बहुत कम शिक्षा दी जाती थी, अत मेरी ने उन विषयो की पाठ्य-पुस्तके जुटाई और राबर्ट को स्वय पढाने लगी। इस तरह से मेरी और राबर्ट एक-दूसरे के और निकट आ गए।

जिस दिन प्रात काल डगलस का बत्तीस तोपो से अभिवादन किया गया था, उस दिन मेरी और अब्राहम के बीच चुनाव के विषय पर जो बातचीत हुई थी, उसके बाद से घर मे राजनीतिक विषयो पर परस्पर कोई चर्चा नही की गई। मेरी प्रसन्न थी कि उसका समय राबर्ट को पढाने मे बीत जाता था और अब्राहम हर समय नये-नये मुकदमो मे व्यस्त रहता था।

एक दिन दिसम्बर मास मे वह बडी प्रसन्नमुद्रा मे ब्लूमिगटन की कचहरी से वापस आया और भोजन के समय मेरी से बोला

'मेरी, उस जेसी फेल को जानती हो न ? वही जो ब्लूमिगटन पैन्टाग्राफ का स्वामी है। मैने तो उस जैसा स्फूर्तिवान् व्यक्ति एक भी नही देखा। वह मुझसे कहने लगा : लिंकन, मैं पूर्व की ओर बोस्टन तक—न्यूयार्क, न्यूजरसी, पेनसिलवानिया, ओहायो, मिशीगन और इडियाना—जहा-जहा भी गया, वहा मैंने लोगो से तुम्हारी ही चर्चा सुनी। लोगो ने मुझसे पूछा तुम्हारे राज्य मे यह लिंकन कौन है जिसका डगलस के साथ वाद-विवाद हुआ था ?—मैने उन्हे बताया कि इलीनाइस मे एक की बजाय दो महान् व्यक्ति है, उनमे एक डगलस है जिसे

आप सब जानते है, वह छोटा है । दूसरा लिंकन है जिससे आप परिचित नही है, वह बडा है ।—मेरा यह निश्चित मत है कि यदि दासता की समस्या पर तुम अपने विचारो का जनता के बीच ठीक तरह से प्रचार कर सके, तो भले ही तुम राष्ट्रपति के चुनाव मे सफल न हो, किन्तु एक शक्तिशाली विरोधी उम्मीदवार अवश्य सिद्ध होगे ।'

मेरी ने हाथ का चिमटा रख दिया और पानी का गिलास ऊपर उठाकर बोली, 'ईश्वर का धन्यवाद ।'

'उसका विचार है कि १८६० मे विजय पाने के लिए रिपब्लिकन दल को एक ऐसा व्यक्ति खडा करना चाहिए जो दासता का घोर विरोधी हो, उसके चरित्र मे ऐसी कोई दुर्बलता न हो जिसपर आक्षेप किया जा सके और साथ ही वह क्रान्तिकारी विचारो का भी न हो । वह व्यक्ति साधारण घर का हो । एक दिन मिस्र का एक डेमोक्रेट मुझसे कहने लगा एब लिंकन, सुनने मे आया है कि तुमने स्वय अपने परिश्रम से उन्नति की है ।—मैने उत्तर दिया 'हा, इसमे तो कोई सन्देह नही कि मै इस स्थिति पर अपने परिश्रम के बल पर ही पहुच पाया हू ।—उसने मुझे सिर से पैर तक देखा और फिर बोला यदि ऐसा है, तो इस स्थान के पाने पर भी तुम्हे लानत है ।'

चुनाव मे पराजित होने के बाद अब्राहम ने यह प्रथम विनोद मेरी को सुनाया था । मेरी ने बहुत पहले ही यह देख लिया था कि जब भी अब्राहम अपनी प्रशसा मे सुनी हुई किसी बात को सुनाता है, तब यह अपने को बुरा-भला कहने वाला कोई विनोद अवश्य सुनाता है ।

'जेसी फेल ने मुझसे कहा है कि मै आत्मकथा लिखू । वह इसको पूर्वी क्षेत्रों मे भेजकर प्रकाशित कराना चाहता है ।'

'यह तो बडा अच्छा है । तुम बडे सुन्दर ढग से लिखकर दे देना । आगे आकर लडने का मुझे इससे अच्छा और कोई उपाय नही जान पडता कि स्वय सेनापति बना जाए ।'

'मेरी, मैं लिखू गा तो कुछ नही ।'

'क्यो नही ?'

'मुझे स्पष्ट रूप से फेल से यह कहना होगा कि मै अपने को राष्ट्रपति के पद के योग्य नही समझता ।'

मेरी ने अविश्वास की दृष्टि से अब्राहम को देखा और फिर बोली, 'वह दुर्बल, आलसी, निम्नकोटि का देहाती राजनीतिज्ञ फ्रैंकलिन पियरसे क्या इस योग्य था और क्या वह 'बुड्ढा खूसट' बुकानन इस योग्य है जो शासन करने की बजाय अपना सारा समय और शक्ति स्टीफेन डगलस को दबाने मे ही लगा रहा है।'

'मेरी, मेरा तात्पर्य फ्रैंकलिन पियरसे अथवा जेम्स बुकानन से नहीं था, मैं तो टामस जेफरसन की बात सोच रहा था।'

'यह तो बेकार की बात है। स्टीफेन डगलस आज राष्ट्र का नायक है। हर-एक कोई टामस जेफरसन तो नही बन सकता।'

'अरे, उससे तो मै एक बार टक्कर लूगा।' अब्राहम ने गम्भीरता से उत्तर दिया और नम्रतापूर्वक बोला, 'फेल ने मेरी बडी प्रशसा की है। मैं यह स्वीकार कर लूगा कि मै राष्ट्रपति बनना चाहता हू, किन्तु बुद्धिमत्ता इसीमे है कि चादर को देखकर पैर फैलाए जाए।'

अनेक प्रयत्नो के बाद वाद-विवाद की प्रतिया प्राप्त कर लेने पर मेरी और अब्राहम अपना साय का समय उनके स्तम्भ काट-काटकर एक खाली पन्नो वाली पुस्तक के पृष्ठो पर चिपकाने मे बिताने लगे। मेरी को इस बात पर विश्वास नही था कि जो कुछ किया जा रहा है वह उनके कुछ काम भी आएगा। जब अब्राहम मेरी के समक्ष बैठ जाता तो उसकी भूरी आखे, जो चुनाव-आन्दोलन के दिनो मे चमकीली और साफ थी, काली पड जाती थी और उनमे दुविधा का भाव लक्षित होने लगता था। उसे अपनी हार से बडी निराशा हुई थी, किन्तु उसका दिल नही टूटा था। उसने अपने मित्रो को बार-बार यह लिखा था, 'यह सघर्ष करने का मुझे कोई खेद नही है।'

अब वह कुछ थका-थका-सा दिखाई देता था। इसका कारण यह नही था कि उसके मस्तिष्क मे दो विरोधी विचार एक साथ उठते थे, अपितु वह कोई निश्चय ही नही कर पाता था। सैकडो विचार उसके मस्तिष्क मे एकदम आ जाते। क्या उसके दिमाग ने यह बात मान ली थी कि उसे आगे रहकर टक्कर लेनी होगी? जब उसने डाक्टर हेनरी को लिखा था तो क्या सचमुच वह यह सोचता था कि वह लोगो के स्मृति-पटल से ओझल होता जा रहा है? अब, जबकि उसके दिन शान्तिपूर्वक कट रहे थे, चुनाव के दिनो की उत्तेजनात्मक

स्थिति से उसको छुटकारा मिल चुका था, वह अपने वकालत के काम मे पुन. व्यस्त हो गया था, तो क्या एक दूसरी हार का विचार उसको हताश और हतोत्साहित कर रहा था ? क्या वह सीनेट मे चुने जाने के लिए पूरे छः वर्ष धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर सकेगा ? नागरिक-स्वतत्रता के लिए उसने जो कुछ किया था, क्या उससे प्राप्त सतोष से उसका साहस बना रहेगा ? वह तो अभी से यह सोच रहा था कि बिली हर्नडन के अतिरिक्त शेष सारे मित्र उसको धोखा दे जाएगे।

क्या वह वस्तुतः यह समझता था कि वह प्रेसीडेन्ट बनने के योग्य नही है तो फिर वह वाद-विवादो की पुस्तक बनाने की क्यो योजना बना रहा था ? वह अपने मित्रो को यह क्यो लिख रहा था कि वाद-विवादो के शीघ्र ही प्रकाशित होने की कुछ-कुछ आशाए है जबकि लिंकन के घर के बाहर उन वाद-विवादो का कोई उल्लेख नही किया जाता था ? वह शनै.-शनै· इस सकल्प पर पहुच रहा था कि यदि उसका नाम-निर्देशन कर लिया जाए तो फिर वह मैदान मे कूद पडेगा और उसके लिए काम करेगा तथा अपने राजनीतिक मित्रो को लिखेगा।

'मेरा वस्तुत यह विचार है कि यदि मेरे लिए समन्वित प्रयत्न न किया जाए तो वह हमारे लिए बहुत अच्छा रहेगा।'

चुनाव के पश्चात् अस्थिरता की स्थिति से अब्राहम मे जो बेचैनी तथा आलस्य पैदा हुआ, उस समय मेरी की मानसिक अवस्था क्या होगी ?

अब्राहम नही चाहता था कि उसकी ५०वी वर्षगाठ पर भोज दिया जाए। वह यह कह दिया करता था कि हर्ष मनाने की ऐसी कौन-सी बात रह गई है ? किन्तु मेरी ने स्पष्ट शब्दो मे यह कह दिया कि वह इस अवसर को यो ही नही जाने देगी। वह बैठकर निमत्रण-पत्र लिखने लगी :

'बुधवार, ७ बजे पधारकर लिंकन-दम्पति को कृतार्थ करे।'

मेरी का विचार तो यह नही था कि बडा भोज दिया जाए, किन्तु अन्त मे उसने सौ से ऊपर दम्पतियो को निमत्रण दे दिया। आकाश मेघाच्छन्न था और रात भर पानी बरसने की आशका रही। मेरी ने दु खी भाव से कहा कि इधर मैंने भोज के लिए कहा और उधर वायुमडल खराब हो गया। परन्तु आठ बजे जब मेरी उन दो कमरो के द्वार पर आकर खडी हुई तो उसने देखा कि लोग बडी

ही प्रसन्नमुद्रा मे तथा उत्साहपूर्वक बातचीत कर रहे है और नृत्य कर रहे है। उसने उनको गिनना आरम्भ किया और देखा कि उसने जितने लोगो को निमन्त्रण-पत्र भेजे थे, उनमे से सभी उपस्थित है। अब्राहम उसके निकट आकर खडा हो गया और उसकी बगल मे धीरे से हाथ डालते हुए कहा

'यह मेरा पचासवा जन्मदिवस समारोह सुन्दरतम रहा है।'

उसने मेरी के बालो के जूडे के नीचे निकले हुए कान को चूमा। मेरी प्रसन्न थी कि उसने यह प्रयत्न किया था।

फरवरी के अन्त मे अब्राहम शिकागो चला गया। उसे एक तो वहा कुछ अभियोगो की पैरवी करनी थी और दूसरे वह वहा इसलिए भी उपस्थित होना चाहता था क्योकि गत चुनाव-आदोलन के बाद रिपब्लिकन दल की पहली बहुत बडी सभा होने वाली थी। वकालत मे अब्राहम इस बार पहले से अधिक अच्छा काम कर रहा था और इतना पैसा आता था कि मेरी जो चाहे खरीद सकती थी और उस दर्जिन को बुलवाकर जो कुछ चाहे सिलवा सकती थी, जिसने स्प्रिंगफील्ड मे अभी-अभी अपनी दुकान खोली थी, किन्तु इस आर्थिक लाभ से न तो मेरी ने और न अब्राहम ने कुछ अधिक सुख प्राप्त किया।

-इधर वसन्त ऋतु का आगमन हुआ और उधर मेरी को सिर-दर्द शुरू हुआ। उसने अपना दु ख अपने हृदय मे ही छिपा लिया और दात पीसते हुए वह अपने काम मे व्यस्त रहती, क्योकि वह जानती थी कि यह बार बार होने वाली हार की सज़ा है। जब दर्द असहनीय हो जाता अथवा वह अपने स्वभाव मे चिड-चिडापन महसूस करने लगती, तो वह घण्टो अपने-आपको कमरे मे बन्द रखती और बिस्तर पर लेटी रहती, किन्तु वहा पर उसके मस्तिष्क मे कई प्रकार के प्रश्न, शकाए व पिछले समय की बाते उठती और वह अब्राहम की उदासी का अनुभव करती। उनके जीवन का कितना समय व्यर्थ की आशाओ तथा हतोत्साहित करने वाली पराजयो मे ही व्यतीत हुआ था। अब्राहम ने कहा था कि विजय प्राप्त करने मे डगलस अपूर्व बुद्धिमान् है, तो क्या वे लोग पराजय प्राप्त करने मे अपूर्व बुद्धिमान् है? सचमुच वे अब ऊब गए थे और इस बार तो सभी बाते और शक्तिया उनके पक्ष मे थी, किन्तु फिर भी उनकी पराजय हुई।

जेसी फेल ऐसी बाते कर रहा था कि अब्राहम राष्ट्रपति के चुनाव के लिए

खडा हो सकता है, किन्तु वह ऐसी परिस्थितिया कैसे पैदा कर सकता है जिससे वह विलियम एच० सीवार्ड और सालमन पी० चेज़ जैसे राष्ट्र-विख्यात और रिपब्लिकन दल के आदरणीय नेताओ पर विजय प्राप्त कर सके ? ये लोग बडे राज्यो के राज्यपाल रह चुके थे, कई वर्षों तक सयुक्त राज्य की सीनेट के सदस्य रहे थे, राष्ट्र मे सर्वविख्यात इनका नाम था, सभी सरकारी कर्मचारी इनके पीछे थे, इनके पास धन का कोई अभाव नही था तथा इनके कई समर्थक थे।

मेरी ने दक्षिणी पत्रो के अग्रलेख तथा सभाओ की खबरे पढना जारी रखा जिनमे यह बतलाया गया कि यदि १८६० मे रिपब्लिकन दल का राष्ट्रपति निर्वाचित हुआ तो दक्षिण के राज्य देश से अलग हो जाएगे। क्या ऐसी परिस्थितियो मे कोई भी बुद्धिमान् पुरुष ह्वाइट हाउस की कामना कर सकता था ?

मेरी बेचैन हो उठती। उसे ऐसा प्रतीत होता जैसे उसपर छत टूट पडेगी। वह हडबडाकर उठ खडी होती, स्नान करती, कपडे पहनती और अपनी दिनचर्या मे व्यस्त हो जाती।

७१

वसन्त ऋतु के पश्चात् शीघ्र ही ग्रीष्म की लम्बी ऋतु आरम्भ हो गई। अब्राहम पत्र लिखता, कभी-कभी भाषण कर दिया करता और डगलस की गतिविधियो का पूरी तरह से ध्यान रखता।

उन्हे कैम्ब्रिज से बडा बुरा समाचार मिला। हार्वर्ड विश्वविद्यालय से खबर मिली कि राबर्ट सोलह मे से पन्द्रह विषयो मे असफल रहा है। यह केवल स्प्रिंगफील्ड की शिक्षा-व्यवस्था पर ही आक्षेप नही था, अपितु मेरी ने लडके को पढाने मे जो मास बिताए थे उसकी भी कटु आलोचना थी। मेरी ने ऐसा अनुभव किया जैसे मानो वह कुचल दी गई हो। इस अपमानकारी असफलता के लिए वह उत्तरदायी थी, क्योकि अब्राहम यह नही चाहता था कि लडके को पहले हार्वर्ड भेजा जाए।

मेरी जब टाड के बारे मे कभी सोचती तो वह भय और शका से काप उठती, क्योकि उसके बोलने मे जो रुकावट पैदा होती थी, उसे टाड दूर नही कर पाया था, परिवार के बाहर का कोई भी व्यक्ति उसकी बात नही समझ सकता था, पास-पडोस के बच्चे उसके बारे मे बुरी-बुरी बाते कहने लगे थे। उसे स्कूल मे भेजना असम्भव था ''' ''उसे वहा प्रवेश ही नही मिलेगा। जब वह वयस्क होगा और उसे जीविकोपार्जन करनी होगी तब उसपर कैसी बीतेगी ? वह कुशाग्रबुद्धि था, साहसी था, किन्तु यदि कोई उसकी बात ही नही समझेगा, उसकी प्रतिभा को कौन जान सकेगा क्योकि लोग उससे पहली बार बात करते समय यही समझते थे कि उसका दिमाग ठीक नही ? इतने मे छोटे बच्चो ने ऊधम मचा दिया।

पिछले आगन मे उनको रोते हुए सुनकर मेरी चिल्लाई

'एब, बच्चो को क्या हुआ है ?'

अब्राहम ने दु:खी भाव से कहा, 'वही जो सारे ससार को हो जाता है। मेरे पास तीन अखरोट है और प्रत्येक दो मागता है।'

राबर्ट टाड के साथ भागता हुआ बैठक मे आया। टाड उससे बुरी तरह चिपटा हुआ था और राबर्ट के हाथ मे जो चाकू था उसे माग रहा था।

अब्राहम ने राबर्ट को पुचकारते हुए कहा, 'बाब, उसे चाकू दे दो जिससे वह चुप हो जाए।'

राबर्ट ने उत्तर दिया, 'नही, यह मेरा चाकू है और मुझे चुप रखने के लिए इसे मेरे पास ही रहने दो।'

कभी-कभी अब्राहम टाड और विलियम को कार्यालय ले जाता। वह इन्हे किसी बात पर भी मना न करता और वे कानून-सम्बन्धी कागजो को फर्श पर फैला देते, पुस्तको को अलमारी मे से निकाल फेकते और स्याही गिरा देते और श्री हर्नडन बच्चो की इन बुरी आदतो की चर्चा चारो ओर फैलाया करते।

जब मेरी और अब्राहम गिरजाघर जाते और मेरी सुन्दर वस्त्र पहने होती तथा उसका हैट फूलो और झालरों से सजा होता, तो टाड गिरजे मे आ जाता, उसके मुख पर स्वेद की बूदे झलक रही होती और वह एक ओर खडा होकर अब्राहम से जिद करता कि वह बाहर आकर उसके साथ गेद खेले। एक दिन रविवार को प्रात.काल जब मेरी ने आग्रह किया कि घर के पाचो व्यक्ति इकट्ठे

गिरजाघर चले तो टाड उपदेश के बीच मे ही नाचने लगा और अब्राहम को उसे अपनी बाईं भुजा से बोरी की तरह उठाना पडा।

जब अब्राहम उसको लेकर गिरजे से बाहर निकलने लगा तो टाड चिल्ला-चिल्लाकर कहने लगा, 'विली का ध्यान रखो, वह कैसा कचौडी-सा बना बैठा है।'

मेरी का मुख क्रोध से तमतमा उठा। जब वह घर पहुची तो उसने कठोरता-पूर्वक कहा .

'टामस, मै तुम्हे इतना पीटूगी कि तुम याद रखोगे।'

टाड ने अपने खोखले और स्नेहपूर्ण स्वर मे कुछ कहा, क्योकि ईसाई-धर्म की रीति से उसका नामकरण होने के बाद से किसीने उसको नाम लेकर नही पुकारा था। मेरी ने उसकी अस्पष्ट भाषा का अनुवाद करते हुए उत्तर दिया, 'यदि तुम चाहते हो कि मैं तुमको टामस कहकर न पुकारू, और तुम्हारे लिए सबसे बडा दण्ड यही है, तो तुम गिरजेघर मे कचौडी की तरह ही बैठे रहा करो।'

उसके पश्चात् मेरी का उसपर हाथ उठाने को मन नही चाहा, न मेरी अपनी सर्वप्रिय सहेली के समक्ष रोकर अपना जी हलका कर सकी क्योकि हन्नाह शियरर के पति को क्षयरोग हो गया था और वह उसको लेकर पेनसिलवानिया चली गई थी।

उसको दूसरा बडा धक्का तब लगा जब एलेजा फासिस उससे विदा मागने आई। उसके चेहरे पर दु ख के बादल छाए हुए थे। वह और साइमन ओरेगन मे पोर्टलैड जा रहे थे। वे वहा किसी विशेष उद्देश्य से अथवा नवीन जीवन प्रारम्भ करने नही जा रहे थे, अपितु वहा उसी प्रकार बसने जा रहे थे जैसे लोग बगोटा मे जा बसे थे। साइमन ने जरनल बेचकर जो 'कृषक' पत्र निकाला था वह भी असफल रहा। एलेजा को तो ऐसा लग रहा था जैसे सब कुछ मानो मिट्टी मे मिल गया हो और वे जीवन की इस अन्तिम अवस्था पर बिना कुछ प्राप्त किए ही आ पहुचे हो। मेरी को उनके चेहरो पर उदासी, दुर्बलता और पराजय के चिह्न दृष्टिगोचर हो रहे थे। किन्तु क्या लिकन-परिवार साइमन फासिस के परिवार से अधिक सफल रहा था ?

मेरी जानती थी कि जब अब्राहम हतोत्साह हो जाता है तो उसे प्रसन्न

रखने के लिए प्रसन्नता का भाव लक्षित करना कितना महत्वपूर्ण होता है, किन्तु उसे इस बात पर झुझलाहट होती थी कि उसका मानसिक तनाव उसके चेहरे पर लक्षित होने लगता था और फिर जो भी उसके निकट उपस्थित हो, उसके प्रति आवेगपूर्ण व्यवहार करने का अपराध कर बैठती थी। मेरी अब्राहम को इस बात पर बुरा-भला कहती कि वह एक कोहनी को कोट के बाहर निकालकर रेलगाडी मे यात्रा करता था, अपनी अच्छी तरह से सिली हुई कमीज को मोड-माडकर थैले मे डाल लाता था और गौरले अथवा ग्रेव-परिवार से कुछ लेने जाते समय वह चप्पले पहने तथा एक गैलेम लगाए ही गलियो मे निकल पडता था। जब मेरी ने अब्राहम से कहा कि वह मार्ग मे से बर्फ काट-काटकर अलग कर दे और एक घटे बाद जब उसने देखा कि अब्राहम अगीठी के सामने बैठा कुर्सी मे धसा हुआ जर्मन भाषा के व्याकरण का अध्ययन कर रहा है, तो वह चिल्लाई .

'अब्राहम, तुम घर पर रहकर कुछ नही कर सकते। तापने और पढने के अलावा तुम्हे और कुछ सूझता भी है ?'

अब्राहम ने अन्यमनस्क भाव से देखा।

'मेरी, मैंने एक अद्भुत बात पढी है, जर्मन भाषा मे दर्जी की अगूठी के लिए कोई शब्द नही है, वे इसको उगली की टोपी कहते है; उनकी भाषा मे दस्ताने के लिए भी कोई शब्द नही है, वे उसको हाथ का जूता कहते है।'

'क्या उनकी भाषा मे गृहस्थी के कार्यो के लिए भी कोई शब्द है ?'

उन्होने अपनी गाय बेच दी क्योकि अब्राहम उसकी देखभाल नही करता था, प्रतिदिन मेरी को विलियम या टाड को बाल्टी लेकर दूध लाने के लिए भेजना पडता और आधे घटे पश्चात् ही पुत्र को ढूढने के लिए अब्राहम को जाना पडता।

एक दिन तीसरे प्रहर जब मेरी अपने चर्च-समाज के उपाध्यक्षो के स्वागत के लिए वस्त्र बदल रही थी तो अब्राहम ने द्वार की घटी सुनी और महिलाओ से कहा

'आइए, अन्दर पधारिए, श्रीमती लिंकन अपना शृगार करने के बाद नीचे आ जाएगी।'

मेरी ने सोचा कि अब्राहम का यह सामाजिक व्यवहार उसके वस्त्र पहनने

के ढग के समान ही भद्दा है। जब मेरी उसपर क्रोधित होती तो वह ऐसे मुह लटका लेता जैसे तूफान को देखकर मेमना सिर झुका लेता है, और कमरे से चला जाता। राजनीति की बातो से दूर होने के साथ-साथ अब उनके मेल से रहने तथा एक उद्देश्य के लिए मिल-जुलकर काम करने का समय भी लगभग समाप्त हो गया।

ऐसी स्थितिया पैदा हो जाती जिनमे मेरी क्रोध मे उबल पडती और उसे अपने ऊपर नियन्त्रण न रहता। लकडिया देने, मार्ग से बर्फ हटाने तथा बग्घी मे तेल लगाने के लिए मेरी ने एक पन्द्रह वर्ष का लडका फिलिप डिंगले रख लिया; किन्तु जब मेरी ने उसे राबर्ट के कमरे मे कुर्सी पर पैर फैलाए हुए तथा बडे ठाठ से सिगार पर कश लगाते हुए देखा तो उसके क्रोध का पारावार न रहा और उसने उसकी सारी वस्तुओ को दूसरी मजिल की खिडकी से बाहर फेक दिया। उसको जब ज्ञात हुआ कि बाहर से मलमल का ताजा माल आया हुआ है तो वह लपककर दुकान पर गई और छः प्रकार के टुकडे खरीद लिए। किन्तु जब मेरी को पता चला कि दुकानदार की पत्नी ने पहले ही अपने लिए अच्छा कपडा खरीद लिया है, तो उसको बडा क्रोध आया और दुकान पर जाकर वह लडने लगी कि उसको इसके बदले मे वही कपडा दिया जाए।

एक दिन जब एक लडके ने मुख मे चूना डाल लिया तो वह बच्चे को कुल्ली कराने की बजाय सहायता के लिए चिल्लाती हुई निकल पडी। जब कढाई मे कुछ पकाते समय घृत से अग्नि प्रज्वलित हो उठी तो वह एकदम चिल्ला पडी, 'आग लग गई', 'आग लग गई'। पादरी माइनर की पत्नी ने कढाई को हटा दिया और उसे पानी के बर्तन मे डुबो दिया। वह इतनी जल्दी-जल्दी नौकर रख रही थी और उन्हे हटा रही थी कि उसे इनके चेहरो का भी स्मरण न रहता। एक दिन जब मेरी तहखाने मे गई और दुर्गन्ध से उसकी नाक सड गई, क्योकि वहा पर गन्दी झाडू पडी रह गई थी, तो उसने नौकरानी को नौकरी से तुरन्त हटा दिया और फिर दात पीसकर बोली :

'यदि श्री लिकन कही चल बसे, तो उनकी आत्मा मुझे परतन्त्र राज्य की सीमा के बाहर कदापि निवास करते हुए न पाएगी।'

मेरी रसोईघर मे एक सख्त कुर्सी पर बैठी हुई थी, उसने अभी आग नही जलाई थी और वह अपने कार्यो के लिए अत्यधिक दुःखी हो रही थी कि उसे

पिछले द्वार खटखटाने का स्वर सुनाई दिया। उसने द्वार खोला और देखा कि काले बालो वाली तथा काले वर्ण की एक लडकी खडी हुई है। मेरी उसे देखते ही पहचान गई कि वह वही पुर्तगाली लडकी फ्रासेस अफोन्सा थी जो माइनर-परिवार मे काम किया करती थी। श्रीमती माइनर ने उससे कहा था कि श्रीमती लिंकन इन दिनो बडी दु:खी है, तुम उनका हाथ बटा दिया करो।

फ्रासेस ने मेरी से कहा, 'श्रीमती लिंकन, मै कपडे धोती हू।'

फ्रासेस बडी परिश्रमी लडकी थी। वह पानी के बडे-बडे टब उबालती, चादरे धोती और उन्हे बाहर हौज पर जाकर निचोडती। वह धीरे-धीरे कई वस्त्रो पर लोहा कर देती थी। दिन गुजर जाने पर जब वह लोहा की हुई कमीजो तथा रेशमी वस्त्रो के ढेर के समक्ष एक विजयी के रूप मे खडी होती, तो उसका चेहरा प्रसन्नता से चमक उठता था। मेरी ने कहा

'फ्रासेस, स्प्रिगफील्ड मे यह सर्वप्रसिद्ध है कि मुझे प्रसन्न करना बहुत कठिन है। मेरे यहा कई लडकिया काम करने आईं, किन्तु उनमे से एक भी अधिक दिन नही टिक सकी।'

'यदि काम अच्छा हो तो श्रीमती लिंकन को प्रसन्न करना क्या कठिन है!'

'नही फ्रासेस, किन्तु ऐसा क्यो है कि तुम इस काम से और मुझसे घृणा नही करती, और यह बात भी समझ मे नही आती कि तुमको कही और जाने की अपेक्षा यही क्यो आना पडता है?'

फ्रासेस इस प्रश्न से किंकर्तव्यविमूढ-सी हो गई।

'मेरे जन्मस्थान मैडीरा मे प्रत्येक व्यक्ति काम करता है। जो अच्छा काम करता है वह सन्तुष्ट रहता है। रविवार को हमारी छुट्टी रहती है। क्या आप चाहती है कि मैं उस दिन आकर घर साफ कर जाया करू?'

अगले दिन प्रात काल मेरी को हार्वर्ड से एक पत्र मिला कि यदि राबर्ट को एक वर्ष के विशेष प्रशिक्षण के लिए न्यूहैम्पशायर की फिलिप्स एग्ज़ेटर अकादमी मे भेज दिया जाए तो सम्भवत वह विश्वविद्यालय की प्रवेश-परीक्षा मे उत्तीर्ण हो जाए। मेरी ने सोचा कि भोजन के समय वह इसपर अब्राहम से बातचीत करेगी और उसी दिन एग्ज़ेटर अकादमी को पत्र लिख देगी।

रविवार के दिन ईस्टर का उत्सव था। जब मेरी सोकर उठी तो उसने खिडकी मे से देखा कि आकाश स्वच्छ है। उसकी भतीजी जूलिया बेकर,

जिसके पति ने अन्य लोगों के साथ मिलकर जरनल खरीदा था, गिरजाघर मे अपने बच्चे का नामकरण-सस्कार करा रही थी। मेरी को काफी की सुगन्ध आई। फासेस अफोन्सा आ चुकी थी और रसोईघर मे काम कर रही थी। अब्राहम दाढी-मू छ साफ करने के पश्चात् उसके कमरे मे आया। उसकी आखो मे मुस्कराहट थी।

'मेरे कमरे की सामने वाली खिडकी के पास आओ।'

मेरी अब्राहम के पीछे-पीछे उसके कमरे तक गई। उनके घर के सामने एक चमकीली श्यामवर्ण गाडी खडी हुई थी, जिसपर काले चमडे का पर्दा पडा हुआ था, उसके पायदान पर गलीचे लगे हुए थे और गाडी के बमो के बीच मे एक सुन्दर काला घोडा खडा हुआ था। मेरी ने चकित होकर अब्राहम की ओर देखा।

'ईस्टर के इस शुभावसर पर मैं तुम्हारे लिए यह भेट लाया हू। मै जानता था कि बेकर के बच्चे के नामकरण-सस्कार मे सम्मिलित होने के लिए तुम गिरजाघर जाना चाहती हो, अत· मैने तुम्हे ढग से ले जाने का निश्चय किया।'

अब्राहम ने अपने लिए एक नये प्रकार की कमीज भी खरीद ली थी, जोकि कुछ ही सप्ताह पूर्व स्प्रिगफील्ड मे आई थी। कमीज के साथ एक मुलायम और नर्म कालर भी सिला हुआ था। इसके साथ अब्राहम ने एक चौडी काली रेशमी टाई भी पहन रखी थी।

मेरी बोली, 'तुम आज पूर्णत एक नवीन व्यक्ति दिखाई देते हो।'

'तुम्हे एक नवीन व्यक्ति की आवश्यकता भी तो है। मैने कल से फिर गेद खेलना आरम्भ कर दिया। जरनल आफिस की पास वाली भूमि पर हमने गेद खेलने की व्यवस्था की है। उस मैदान के अन्त मे तीन मजिल वाले भवन की एक मजबूत दीवार है। हमने भूमि को समतल करा लिया है और सिक्स्थ स्ट्रीट की ओर हमने ऊचे-ऊचे तार लगवा दिए है। मैंने बाजी लगाकर तीन खेल जीते और इस पाप की आय को मैंने बग्घी, घोडा और ये नई कमीज खरीदने मे लगा दिया।'

अब्राहम इतना प्रसन्न था कि उसकी प्रसन्नता का प्रभाव दूसरे व्यक्तियो पर भी पड रहा था। मेरी ने अपना हाथ उसकी कमर मे डाल दिया। अब्राहम ने उस प्रेम के बदले मे मेरी को हृदय से लगा दिया। वे वहां एक-दूसरे को देखते हुए

खडे रहे, उनके चेहरो पर हास्य-विनोद के भाव थे। खिडकी के शीशे पर सूर्य की किरणे पड रही थी।

मेरी ने तीनो लडको को जगाया और गर्म जल से उन्हे स्नान कराया। फ्रासेस ने भोजन करने के कमरे मे नाश्ता लगा दिया। फ्रासेस ने मेरी की सबसे अच्छी चादी की प्लेटे और प्यालिया मेज़ पर लगा दी। विलियम यह सब कुछ देखकर बोला :

'आज अवश्य हममे से किसी न किसी का नामकरण-सस्कार होने वाला है।'

छोटे बच्चे नई गाडी देखकर प्रसन्नता से उल्लसित हो उठे। राबर्ट यह जानना चाहता था कि जबकि वह एग्ज़ेटर के लिए प्रस्थान करने वाला है, तो ठीक उसी समय यह बग्घी क्यो खरीदी गई ?

गिरजाघर मे नामकरण-सस्कार होने के बाद वे एलेजबेथ और निनियन के घर भोजन के लिए गए। उन लोगो से मिलने के पश्चात् दोपहर को अब्राहम ने मेरी के कान मे कहा

'मेरी, मैंने राबर्ट से कह रखा है कि जब दोनो बच्चे तैयार हो जाए, तो वह उन्हे घर ले जाए, और चलो हम लोग बग्घी पर बैठकर खुले मैदान की सैर करे।'

समय बडा सुहावना था। गत कुछ सप्ताहो की वर्षा से जगली झडवेरियो के पौधे तथा लम्बी-लम्बी घास उग आई थी और उनके सुन्दर व चमकीले कुसुम वायु के झोको से झूम रहे थे। अब्राहम ने घोडे की लगाम कसी, और उसे अपने मनमाने मार्ग पर चलने दिया। वे दोनो प्रसन्नचित्त तथा एक-दूसरे के लिए प्रेम प्रदर्शित करते हुए ऐसे बैठे रहे, जैसे मानो वे एक-दूसरे मे खो गए हो।

अब्राहम बात करने लगा। उसका स्वर स्पष्ट और ऊचा था। वह जर्मन भाषा का पत्र 'इलीनाइस स्टाट्स-ऐनज़ीगर' खरीदने वाला था ताकि इलीनाइस मे बडी सख्या मे बसे जर्मन लोगो के बीच वह अपना प्रभाव जमा सके, एक-दो सप्ताह मे वह ब्लूमिगटन जाएगा, जहा इलीनाइस की केन्द्रीय रिपब्लिकन समिति का अधिवेशन होने वाला था। उसने आत्मकथा लिखने का निश्चय कर लिया था, जिसे जेसी फेल प्रकाशित कराना चाहता था। वह ओहायो मे रिपब्लिकन दल के नेता सालमन पी० चेज़ को यह पत्र लिखेगा कि ओहायो के रिपब्लि-

कन इस प्रस्ताव को कि 'भगोडे दासो का क्रूर कानून वापस लो' स्वीकार न करे, क्योकि इससे कन्वेन्शन की धज्जिया उड जाएगी।

अब्राहम ने स्पष्ट शब्दो मे यह नही कहा कि वह राष्ट्रपति बनना चाहता है, फिर भी उसने मेरी को यह स्पष्ट कर दिया कि वह नाम-निर्देशन प्राप्त करने के लिए रचनात्मक कार्य करेगा, वह दल के भिन्न भागो को एक करने का प्रयत्न करेगा, उनसे आग्रह करेगा कि वे ऐसी गलतिया न कर बैठे जिनसे मतदाता विरुद्ध हो जाए। वस्तुत., अब्राहम को इस बात की पूरी आशा थी कि इलीनाइस प्रतिनिधिमण्डल, जिसके राष्ट्रीय कन्वेन्शन मे लगभग बीस मत थे, केवल उसका नाम-निर्देशन ही नही करेगा, अपितु पूरी तरह से साथ भी देगा।

मेरी राबर्ट को एग्जेटर भेजने के लिए तैयार करने के काम मे जुट गई, उसने उसके लिए एक दर्जन सुन्दर रेशमी कमीजे तैयार कर दी, विशेष अवसरो पर पहनने के लिए सूट तथा भोजन के समय पहनने के वस्त्र भी तैयार कर दिए। उसने जून के प्रारम्भ मे एक सहभोज भी दिया क्योकि अब्राहम अपने कई साथियो का, जिन्होने उसकी सन् '५८ के चुनाव मे सहायता की थी, आदर-सत्कार करना चाहता था। कुछ दिनो के पश्चात् मेरी ने नगर की रिपब्लिकन महिलाओ को कई बार चाय की पार्टी दी।

जेसी फेल ने कहा था कि अब्राहम राष्ट्रपति के चुनाव मे सफल न भी हो, किन्तु वह एक शक्तिशाली उम्मीदवार अवश्य सिद्ध होगा। जो कुछ भी हो, मेरी भी यही चाहती थी। अब उसे हर मौसम मे कुछ न कुछ काम करना था।

७२

जून के मध्य तक झडबेरियो के फल पक गए और प्रत्येक रात्रि को झडबेरियों के फलो तथा आइसक्रीम की दावते होने लगी। मास के अन्त मे मेरी ने सत्तर व्यक्तियों को ऐसी ही दावत दी। एग्ज़ेटर के लिए राबर्ट और उसके एक मित्र की विदाई पर मेरी ने नगर के नवयुवको को दावत दी।

एक दिन अकस्मात् अब्राहम को शिकागो जाना पडा। मेरी ने अब्राहम से कहा कि वह अपने साथ विलियम को ले जाए। कुछ ही दिनो मे विलियम ने अपने मित्रो को लिखा :

यह नगर बडा ही सुन्दर है। गत रात्रि को मैं और पिता जी दोनो थियेटर देखने गए। हम दोनो के पास एक छोटा-सा सुन्दर कमरा है। कमरे मे एक स्टूल पर दो छोटे घडे भरे रखे रहते है। छोटा घडा मेरे लिए है और बडा पिता जी के लिए। घडो के ऊपर एक खूटी पर दो अगोछे टगे रहते है। छोटा मेरे लिए है और बडा पिता जी के लिए।

हमारे कमरे मे दो छोटे पलग हैं। छोटा मेरे लिए है और बडा पिता जी के लिए। दो हाथ-मुह धोने के पात्र हैं। छोटा मेरे लिए है और बड़ा पिता जी के लिए। यहा का मौसम बहुत ही अच्छा है ... ...

टाड पत्र पढकर उछल पडा और जब तक उसे वह कठस्थ न हो गया, तब तक वह मेरी से उसे पढवाता ही रहा।

जुलाई मास मे लिकन-परिवार को और साथ ही लोगन तथा डूबियस-परिवारो को और अन्य राज्य-पदाधिकारियो को उसके लिए निमत्रित किया गया कि जिस प्रकार चुनाव-आदोलन के दौरान मे श्री डगलस और श्रीमती डगलस को एक विशेष गाडी का प्रबन्ध किया गया था, उसी प्रकार उनके लिए भी एक निजी गाडी का प्रबन्ध कर दिया गया है और वे उससे इलीनाइस सेन्ट्रल लाइन्स के सम्पूर्ण भाग का दौरा करे और इस बात का अनुमान लगाएं कि रेलवे के पास कितनी भूमि है। १४ जुलाई को उन्होने प्रस्थान किया। उस दिन अत्यधिक गर्मी थी। उन्होने झोलो, पेटियो तथा टोकरियो को गाडी मे लाद दिया और स्वय भी उसमे बैठ गए। दिन भर वे नगरो के बीच का मार्ग तय करते और रात को किसी होटल मे ठहर जाते। कई स्थानो पर उन्हे सख्त पलग और बहुत बुरा भोजन मिला, किन्तु मेरी नये-नये दृश्यो को देखकर प्रसन्न थी और जब उसने रेलवे के पदाधिकारियो से कहा कि 'ससार मे रेलवे की यात्रा से बढकर आनन्दप्रद और कुछ नही,' तो उन सब लोगो मे वह बहुत लोकप्रिय हो गई।

वापस लौटने पर अब्राहम ने अन्य राज्यो के रिपब्लिकन नेताओ को पत्र

लिख-लिखकर राजनीतिक उत्साह को कायम रखा। वह उनको यह सुझाव दिया करता था कि प्रत्येक स्थान पर हमे अन्य लोगो की भावनाओ का भी ध्यान रखना चाहिए और कम से कम हम लोगो को मुह से ऐसी बाते नही निकालनी चाहिए जिनके बारे मे यह सम्भावना हो कि हम परस्पर एकमत नही हो सकते। सबसे बडी समस्या यह है कि दासता का विरोध करने वाले विभिन्न वर्गों को एक साथ मिला लिया जाए। ऐसा कोई भी कार्य बुरा है जिससे मतभेद, शत्रुता और फूट पैदा हो।

किन्तु उनका मित्र डगलस भी कोई हाथ पर हाथ रखे थोडे ही बैठा था। उसने हाल ही मे सम्पूर्ण ओहायो का तूफानी दौरा किया था और उस क्षेत्र के रिपब्लिकन अनुयायियो ने अब्राहम से प्रार्थना की थी कि वह सिनसिनाटी, डेटन और कोलम्बस आकर उसकी बातो का उत्तर दे। ओहायो की स्थिति बडी विकट थी। यदि १८५६ के स्थानीय चुनाव मे वहा डेमोक्रेट दल की विजय हो गई तो फिर १८६० मे रिपब्लिकन दल के शासन के स्थापित होने की बहुत कम आशाए थी।

अब्राहम पडोसी राज्य मे जाकर बोलने के पक्ष मे नही था।

'लोग सदा ही इस बात को बुरा मानते है, जिससे हार ही होती है।'

मेरी ने अपनी ओर से तर्क उपस्थित किया, 'किन्तु अब्राहम, इस मामले मे यह सच नही है। उन्होने खुल्लमखुल्ला तुम्हे बुलाया है। ओहायो पूर्वी राज्य हैं। यदि वे इस बात की प्रतीक्षा मे बैठे हैं कि पश्चिम से कोई आए और उनके दल का प्रवक्ता बने तो क्या यह अच्छा शकुन नही है?' वह कुछ रुकी और फिर बोली, 'इसके अतिरिक्त, पहले तुम विलियम को शिकागो ले गए थे और अब टाड को अपने साथ बाहर ले चलना है। वह तो बेचारा इसके लिए तरस रहा है कि किसी ऐसे होटल के कमरे मे ठहरने को मिले, जहा स्टूल पर दो छोटे-छोटे घडे रखे हो।'

अब्राहम इस बात के लिए अनमने भाव से तैयार हो गया।

एक बार फिर वे लोग रेल की यात्रा कर रहे थे। कोलम्बस मे एक मित्र ने उन्हे राजधानी दिखाई और फिर उन्हे फ्रैंकलिन के देहाती मेले मे ले गया। खाना खाने के लिए वे होटल मे आए और दो बजे अब्राहम ने स्टेट हाउस के पूर्वी चबूतरे पर अपना भाषण दिया। प्रारम्भ मे ही यह कहकर कि

'हाल ही मे देव स्वय ही यहा होकर गया है' उसने सारी सभा को हसा दिया और यह पूछकर कि 'जानते हो डगलस का लोकतन्त्रात्मक राज्य क्या है ? वह यह है कि सिद्धान्तत यदि कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को दास बनाना चाहे, तो दास बनने वाले उस व्यक्ति को और किसी अन्य व्यक्ति को आपत्ति उठाने का कोई अधिकार नही है ।' पूरी सभा को तालियो से गु जा दिया ।

अगले दिन उसने डेटन स्टेशन पर भाषण दिया, और जब वे सिनसिनाटी स्टेशन पहुचे तो कुछ उत्साहपूर्ण व्यक्तियो ने उन्हे बर्नेट हाउस तक पहुचाने के लिए बग्घियो का जलूस निकाला । मेरी के नेत्र बदले की भावना से जल रहे थे क्योकि यह वही नगर था जहा कटाई के मामले मे अब्राहम की बडी बुरी तरह से उपेक्षा की गई थी । उन्होने अपने ही कमरे मे चाय पी । इसके पश्चात् अब्राहम एक बडी सभा मे, जिसमे सम्पूर्ण नगर के ही नही, अपितु आसपास के सौ-सौ मील तक की दूरी के लोग भा आए थे, भाषण देने के लिए किन्से ज्यूलरी स्टोर के बरामदे मे आकर खडा हो गया, जहा से फिफ्थ स्ट्रीट मार्केट प्लेस का पूरा दृश्य दिखाई देता था ।

अगले दिन प्रात काल ११ बजे किसीने उनके द्वार को खटखटाया । गिब्सन हैरिस भीतर आया । अब वह विवाहित था और सिनसिनाटी का प्रसिद्ध वकील था । किन्तु मेरी को वह अब भी तेरह वर्ष पूर्व का आकर्षक नवयुवक जान पडा जबकि वह अब्राहम के कार्यालय से उसके लिए लिफाफे मे रुपये लाया था । वे १८६० के चुनाव-आदोलन के बारे मे बातचीत करने लगे । गिब्सन ने कहा

'ऐसा प्रतीत होता है कि मेरे पिता भविष्यवक्ता थे । मुझे स्मरण है, उन्होने एक बार कहा था कि सघ की रक्षा के लिए हमे गृहयुद्ध करना होगा । प्रत्येक क्षण हम उस युद्ध के निकट आते जा रहे है । मिस्टर लिंकन, आपका क्या विचार है ?'

मेरी ने अब्राहम के चेहरे को देखा । यदि उसका नाम-निर्देशन हो गया और वह चुन लिया गया तो क्या वह विभाजन और रक्तपात का सकेत होगा ? यदि स्टीफेन डगलस निर्वाचित हो जाता है, तो क्या सघ की एकता भग नही होगी और देश युद्ध-क्षेत्र बनने से बच जाएगा ? क्या यही देश की इच्छा है ? यदि उसके पिता जीवित होते, तो किसको अपना मत देते ?

उसने उत्सुकतापूर्वक अब्राहम के उत्तर की प्रतीक्षा की । अब्राहम को अपने

विचार बनाने मे काफी देर लगी और फिर उसने इतने धीमे स्वर मे उत्तर दिया जैसे मानो वह अपने-आपसे बात कर रहा हो

'सघ का कल्याण चाहने वाले अनेक व्यक्तियो को इस बात की शका है कि रिपब्लिकन दल की सफलता से सघ की एकता नष्ट हो जाएगी। आखिर क्यो ? क्या रिपब्लिकन दल के अनुयायी सघ के विरुद्ध है ? ऐसी तो कोई बात नही। दक्षिणी क्षेत्रो का कहना है यदि श्याम वर्ण के रिपब्लिकन लोगो की ओर से राष्ट्रपति चुना गया तो वे इसका समर्थन नही करेगे और सघ को छिन्न-भिन्न कर देगे। फिर यह उनका ही तो काम हुआ, हमारा तो नही। उसको युक्तियुक्त सिद्ध करने के लिए उन्हे इसका प्रमाण अवश्य देना चाहिए कि हमारी नीति ने उनको ऐसा उद्दण्ड पग उठाने के लिए बाध्य कर दिया है। क्या वे ऐसा कर सकते हैं ? ऐसा प्रयत्न करने पर वे देखेगे कि हमारी नीति उन महापुरुषो की नीति के अनुरूप है जिन्होने इस सघ की स्थापना की। क्या वे वस्तुत ऐसा विचार करते हैं कि सरकार का अन्त करना उनके लिए ठीक ही है ? यदि उनका ऐसा विचार है तो वे विवेकशील नही है और उनसे अधिक विवेकपूर्ण व्यक्ति कदापि उनके सामने नही झुक सकते और न झुकेगे। यदि सवैधानिक तौर से हम राष्ट्रपति चुनते है और वे इस बात पर सघ को नष्ट करने को उद्यत होते है, तो हमारा यह कर्तव्य होगा कि हम उनको ठीक करे। हमे आशा है और हम यह विश्वास करते है कि किसी भी वर्ग की बहुसख्या ऐसा पग नही उठाएगी जिससे उसे दबाने के लिए कठोरता से काम लेना आवश्यक हो जाए।'

मेरी की जान मे जान आई। जब अब्राहम ने नाम-निर्देशन प्राप्त करने के लिए काम करने का निश्चय कर लिया तो एक विवेकशील व्यक्ति के दृढ विश्वास के आधार पर इस बात की भविष्यवाणी-सी हो गई कि वैधानिक चुनाव का परिणाम अवैधानिक विद्रोह के रूप मे प्रकट नही होगा। मेरी के हृदय मे उसके निर्णय के प्रति हार्दिक श्रद्धा थी। उसने निश्चय किया कि वह अब शान्त रहेगी।

नार्मन बी० जड, जिसने सन् '५८ मे अब्राहम के चुनाव-आदोलन का प्रबन्ध किया था, रिपब्लिकन राष्ट्रीय समिति की एक बैठक मे सम्मिलित होने के लिए

न्यूयार्क जा रहा था। वह अपनी चुनाव-योजना बताने के लिए लिंकन के घर आया।

उसने बताया, 'इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सभा के लिए स्थान और समय नियत करना है। अब्राहम, तुम्हारे विचार मे सबसे अच्छा समय कौन-सा रहेगा?'

'चार्ल्सटन मे डेमोक्रेट दल के अधिवेशन के पश्चात् ही समय नियत किया जाना चाहिए।'

'मैं इससे सहमत हू। सीवार्ड, चेज़, कैमरन तथा अन्य सभी व्यक्ति, जिनके जीतने की काफी सम्भावनाए है, चाहते हैं कि कन्वेन्शन उनके राज्य मे ही हो। मैं निडरतापूर्वक यह प्रस्ताव रखूगा कि क्योकि इलीनाइस का कोई अभ्यर्थी नही है अत एक निष्पक्ष स्थान को ही क्यो न चुना जाए और शिकागो मे कन्वेन्शन किया जाए?'

अगले दिन प्रात काल आइयोवा से एक पत्र आया जिसमे यह लिखा हुआ था 'यदि तुम राष्ट्रपति के पद के लिए उम्मीदवार हो, तो आइयोवा प्रतिनिधि-मडल के कुछ लोग तुम्हारा साथ देगे और उपराष्ट्रपति के पद के लिए हम सब लोग तुम्हारा साथ देगे।'

अब्राहम ने पत्र पढकर कहा, 'सीनेट मे स्थान पाने के लिए मुझे उप-राष्ट्रपति बनना ही पडेगा।'

मेरी ने उत्तर दिया, 'तुम यह सहन नही कर सकते कि तुम चुपचाप मंच पर बैठे ससदीय निर्णय करते रहो और कोई भी तुम्हारा साथ न दे।'

'किन्तु कितना अच्छा अवसर है कि मैं अपने बेत की मूठ को मेज़ पर पटकू और कहू—सीनेटर डगलस, तुम और तुम्हारा अव्यवस्थित लोकतत्र अब जीर्ण शीर्ण हो चुका है।'

मेरी की आखे लाल हो गई और वह बोली

'डगलस को शान्त करने का एक ही उपाय है और वह है उसको पराजित करना। यदि तुम प्रथम स्थान पाने मे असमर्थ रहे तो याद रखो तुम द्वितीय स्थान भी नही प्राप्त करोगे।'

उन्होने अपनी यात्राए जारी रखी। अब्राहम मेरी को सेन्ट लुइस ले गया। वहा मेरी अपने चचेरे भ्राताओ से मिलने के लिए एक सप्ताह के लिए ठहर

गई और अब्राहम कैनसास चला गया और वह वहा उस दिन पहुचा जिस दिन सरकार ने जान ब्राउन को वर्जीनिया मे एक किश्ती पर आक्रमण करने के अपराध मे फासी दी थी। इस आक्रमण मे स्वय जान ब्राउन के सत्रह व्यक्ति मारे गए थे और दक्षिण वालो ने इसको दास-उन्मूलन-विद्रोह का नाम दे दिया था। कैनसास मे राजनीतिक तनाव बडे जोरो-शोरो पर था। यह अब्राहम का काम था कि उन लोगो को इस बात का विश्वास दिलाए कि रिपब्लिकन उन्मूलनकारी नही है और वे जान ब्राउन के हिंसात्मक कार्यो के पक्ष मे नही है। इधर मेरी ने तो एक सप्ताह बडे आनन्दपूर्वक जज जान सी० रिचर्डसन के घर मे बिताया, उधर अब्राहम खुली बग्घियो मे ऊबड-खाबड और बर्फीले मार्गों से होकर होटलो मे थोडे-थोडे लोगो के समक्ष भाषण करता रहा।

जब वे स्प्रिगफील्ड वापस आए तो अब्राहम तो अगीठी के सामने बैठ गया और कैनसास की सर्दी को भुलाने के लिए उसे एक क्षण के लिए भी नही बुझने दिया। साथ ही वह अपनी आत्मकथा लिखने मे व्यस्त हो गया, जिसको ठीक एक वर्ष पूर्व उसके मित्र ने मागा था। मेरी को बडी निराशा हुई जब अब्राहम ने छोटी-सी आत्मकथा उसके हाथ मे दी।

'अब्राहम, यह तो छोटी है और जीवन की अनेक घटनाओ का इसमे समावेश नही किया गया है।'

'हा, कुछ अधिक नही लिखा गया है क्योकि मै स्वय ही समझता हू कि इससे अधिक मेरे जीवन मे और कुछ भी नही है। यदि इससे कोई प्रयोजन सिद्ध करना है तो मैं चाहता हू कि इसमे मेरी नम्रता झलके।'

'मैं जानती हू कि नम्रता गुण है किन्तु तुम अपने-आपको तुच्छ भी तो नही कह सकते।'

नववर्ष के दिवस मेरी जल्दी जाग गई क्योकि कई अतिथि आने वाले थे। जब वह चादी के पात्रो को मिश्री, बादाम, ब्राजील के अखरोटो इत्यादि से भरने के लिए कमरे मे गई तो उसने खिडकी मे से झाककर देखा कि अब्राहम उनके और स्मिथ के घर से मिले हुए तख्त पर इधर से उधर टहल रहा है, उसके बाए कधे पर स्मिथ का बच्चा बैठा हुआ है और वह अपने उस भाषण को तैयार कर रहा है, जिसको उसे फरवरी मास मे ब्रूकलिन, न्यूयार्क के हेनरी वार्ड बीचर के प्रसिद्ध गिरजाघर मे देने के लिए बुलाया गया है।

जब मेरी पकती हुई मछली को देखने के लिए रसोईघर मे गई तो द्वार की घटी बजी। मेरी ने जाकर द्वार खोला और देखा कि उसका चचेरा भाई लोगन खडा हुआ है, वह एक बेढगा ओवरकोट पहने हुए है और उसके बाल ऐसे खडे हुए है, जैसे मानो जम गए हो।

उसने कहा, 'देखने को तो अब्राहम बच्चे को टहला रहा है, किन्तु वस्तुत वह उस भाषण को तैयार कर रहा है जोकि उसे न्यूयार्क मे देना है।'

'मुझे आशा है कि अब्राहम शीघ्र ही काम समाप्त कर लेगा क्योकि श्रीमती स्मिथ को इस बात की बडी चिन्ता हो गई है कि बच्चे को इतनी देर खुली हवा मे रखना ठीक नही है।'

'मेरी ! मै अब्राहम से बिली हर्नडन के बारे मे बात नही कर सकता। जितनी तुम उससे घृणा करती हो उतना ही मैं। किन्तु किसी न किसी को उसे रोकना ही है और यह कार्य केवल अब्राहम ही कर सकता है।'

मेरी ने लोगन की ओर देखा।

'लोगन, उसे किस चीज से रोकना होगा ?'

'नार्मन जड और अब्राहम के बीच भेद उत्पन्न करने से। वह यह आरोप लगा रहा है कि जड ने गत वर्ष अब्राहम को धोखा दिया जिससे ट्रम्बुल की विजय हुई और साथ ही वह यह भी कहता फिरता है कि वह एक बार फिर धोखा देगा। हर्नडन का कहना है कि लीमैन को राष्ट्रपति बनाने के उद्देश्य से जड एक अल्पसख्यक आदोलन का समर्थन कर रहा है और वह इस बात का प्रयत्न करेगा कि सभा के पश्चात् प्रतिनिधिमडल उसके और ट्रम्बुल के नियत्रण में हो जाए।'

'किन्तु श्री जड इस बात का प्रयत्न करने के लिए न्यूयार्क गए हुए है कि सभा इलीनाइस मे हो, ताकि अब्राहम को स्थानीय समर्थन प्राप्त हो सके। लेकिन हर्नडन यह सब कुछ क्यो कर रहा है ?'

लोगन ने कुछ विचारमुद्रा-सी बना ली और उसके नेत्र मुद गए।

'मेरे विचार मे वह केवल ईर्ष्या के कारण ऐसा कर रहा है। 'हर्नडन चाहता होगा कि अब्राहम के चुनाव-आदोलन का वह स्वय ही प्रबन्धक बने। यहा इलीनाइस मे ही उसने रिपब्लिकन अनुयायियो के बीच काफी वैमनस्य की भावनाए पैदा कर दी हैं।'

मेरी बोली, 'नववर्ष का श्रीगणेश इस तरह नही हो सकता।'

ज्योही अब्राहम ने पिछले बरामदे मे प्रवेश किया, मेरी क्षण भर मे ही उससे सब कुछ कह गई। अब्राहम ने इस आरोप को पूरे ध्यान से सुना और फिर बोला

'जड ने मेरे विरुद्ध ट्रम्बुल को मत अवश्य दिया है और यद्यपि मै हजार बार यह कह चुका हू कि उसने मेरे साथ कोई अन्याय नही किया, किन्तु न तो मै उस सच्चाई को बदल सकता हू और न लोगो की वाणी पर नियत्रण कर सकता हू। मैने सर्वदा ही इस बात को अपने मस्तिष्क से निकालने का प्रयत्न किया है।'

'और जबकि तुम्हारा प्रिय साथी उतने ही परिश्रम से तुम्हारे विरुद्ध काम कर रहा है, अब्राहम, तुम्हे उससे कहना पडेगा कि वह ऐसी बाते न करे।'

'क्या इसी समय ? अरे बापरे ! बाहर गजब की सर्दी है।'

'एक घटे बराबर स्मिथ के बच्चे को टहलाते रहे, तो क्या ठड नही थी। मै चाहती हू कि हमारे नववर्ष का श्रीगणेश ठीक प्रकार से हो।'

जब अब्राहम वापस आया तो उसने मेरी को बताया, 'बिली ने कहा है कि उसने ऐसी कोई बात नही की और न ही भविष्य मे करेगा।'

दोपहर तक घर अतिथियो से भर गया। उनके कई मित्र और पास के नगरो से कई राजनीतिक समर्थक उनके साथ कुछ समय बिताने के लिए आ गए थे। मेरी ने पापलीन और गुलाबी रग की पेरिस की मलमल के, जिसपर सुनहरी बुदकिया पडी हुई थी, वस्त्र पहन रखे थे। उस दिन के प्रसन्नता के वातावरण ने मेरी मे उल्लास और उत्साह का सचार कर दिया था। कुछ ही दिन पूर्व मेरी ने विलियम की नवी वर्षगाठ मनाई थी और उस शुभावसर पर उसने कम से कम साठ लडके-लडकियो को निमन्त्रित किया था। उसका विचार था कि शीघ्र ही वह किसी और पार्टी का प्रबन्ध नही कर सकेगी, किन्तु राजनीतिक उद्देश्य के लिए पार्टी देना बिल्कुल ही दूसरी बात है।

न्यूयार्क जाने से पूर्व दो दिन सायकाल के समय अब्राहम जज सैमुअल ट्रीट को शतरज खेलने के लिए बुला लाता था। खेलते समय अब्राहम बहुत धीरे और बेसुरे ढग मे मु ह से सीटी बजाते हुए 'डिक्सी लैड' की धुन निकालता। ट्रीट अब्राहम की इस आदत से पूर्णत परिचित था क्योकि जब वह अब्राहम के साथ मेलविन

ड्रगस्टोर मे स्क्वेयर पर खेला करता था तब भी अब्राहम ऐसी ही धुन निकाला करता था। अब्राहम ढग से खेलता था। वह दूसरे के मोहरो को पीटने की कोशिश कम करता और अपने मोहरो को बचाने के प्रयत्न मे रहता था अथवा वह न्यूयार्क के भाषण की प्रत्येक पक्ति पर विचार करता रहता। मन ही मन यह आकता कि यह कितनी भावोत्पादक है और इसके तर्क कैसे है तथा भाषा को भी सरल बनाता रहता·· यद्यपि वह इस भाषण को पहले ही लिख चुका था।

मेरी ने बताया कि इस भाषण की सबसे मजेदार बात यह है कि यह भाषण अब्राहम के हैट से फेके गए सैकडो कागज के टुकडो पर लिखी हुई बातो को एकत्र करके नही तैयार किया गया, अपितु अब्राहम ने महीनो इसपर विचार किया है और फिर इसको ऐसे लिख दिया है जैसे मानो उसके मस्तिष्क मे लिपटे हुए कागजो का बडल खुलता जा रहा हो।

७३

१ मार्च, १८६० को न्यूयार्क ट्रिब्यून ने स्प्रिगफील्ड मे एक चकित करने वाला समाचार पहुचाया। ठीक अन्तिम अवसर पर अब्राहम के भाषण के लिए व्यवस्था करने का काम नवयुवको के केन्द्रीय रिपब्लिकन सघ ने अपने हाथो मे ले लिया और यह भाषण ब्रूकलिन चर्च मे होने के स्थान पर मैनहाटन मे कूपर यूनियन के हाल मे, जहा नगर के बुद्धिमान् पुरुष वाद-विवाद के लिए एकत्र हुआ करते थे, हुआ। मच पर अब्राहम के पीछे न्यूयार्क इवनिग पोस्ट नामक समाचारपत्र का सम्पादक और पूर्वी क्षेत्रो का विख्यात साहित्यिक विलियम कुलन ब्राइन्ट बैठा हुआ था। न्यूयार्क का प्रतिष्ठित वकील डेविड डडले फील्ड बडे आदर के साथ उसको मच तक ले गया था और 'ट्रिब्यून' नामक पत्रिका के सम्पादक होरेस ग्रीले ने भरी सभा मे इस बात की घोषणा की कि वह अब न्यूयार्क के सीनेटर सीवार्ड का राष्ट्रपति-पद के लिए समर्थन नही करेगा। ग्रीले ने अपने समाचारपत्र मे लिखा कि क्ले और वेब्स्टर के समय से लेकर आज

तक हमारे नगर के विद्वानो और बुद्धिमान् पुरुषो की इतनी बडी सभा के समक्ष किसीने भी भाषण नही दिया। ट्रिब्यून के सवाददाता नोआह ब्रुक्स ने लिखा था . '"अब्राहम की वाणी, भाव-भगिमाओ, चमकती आखो तथा उल्लास-उत्पादक दृष्टि के समक्ष प्रत्येक सवाददाता बेबस था। न्यूयार्क के श्रोताओ के समक्ष आज तक किसी व्यक्ति ने प्रथम बार मे इतना गहरा प्रभाव नही डाला।' 'इलीनाइस स्टेट रजिस्टर' मे एक दिन पूर्व अब्राहम की पूर्वी यात्रा के सबंध मे की गई निम्नलिखित जली-कटी टीका-टिप्पणी उक्त समाचारो से प्रभावहीन हो गई :

'पूर्वी यात्रा का विषय क्या है, ज्ञात नही। विचारणीय २०० डालर और अन्य व्यय है। उद्देश्य—राष्ट्रपति का पद। परिणाम—निराशा।'

कुछ ही घटो मे मेरी का घर मित्रो और राजनीतिक साथियो से भर गया। मेरी भोजन और मद्य से उन व्यक्तियो तथा उनकी पत्नियो का आदर-सत्कार कर रही थी। दोनो कमरे लोगो से खचाखच भरे हुए थे और वे सब ट्रिब्यून समाचारपत्र मे पाच स्तम्भो मे छपे समाचार को पढने के लिए टूट पडे थे और स्थिति ऐसी थी कि एक जा नही पाता था कि दूसरा आ जाता था। लोगो के चेहरो पर चमक थी, जैसे मानो अब्राहम ने उनके लिए कोई अभिमान का काम किया हो। सच बात तो यह थी कि अब्राहम ने सारे नगर के हृदय पर अधिकार पा लिया था और स्टीफेन डगलस के 'हारपर' में प्रकाशित लेख का, जिसमे उसने यह सिद्ध करने का प्रयत्न किया था कि सविधान के अनुसार देश के सस्थापको ने दासता का अनुमोदन किया है, अब्राहम का यह भाषण अन्तिम उत्तर था।

अब्राहम ने बताया कि गत वर्षो मे उसने जो कुछ गवेषणा की है उससे वह इस निष्कर्ष पर पहुचा है कि सविधान के उनतालीस निर्माताओ मे से तेईस का यह मत है कि सघ-सरकार को राज्यक्षेत्रो मे दासता रोकने का अधिकार है और शेष सोलह व्यक्तियो का लिखित मे कोई प्रमाण शेष नही है, किन्तु उनमे बेजामिन फ्रैंकलिन, एलेग्जैडर हैमिल्टन और गौवरन्यूर मौरिस जैसे दासता-विरोधी व्यक्ति सम्मिलित थे।

'जैसा कि उन निर्माताओ ने अनुभव किया, हमे भी इसका पुन: अनुभव

करना चाहिए कि दासता एक ऐसी बुराई है जिसे फैलने न दिया जाए, किन्तु उसी सीमा तक इसको सहन किया जाए और इसकी रक्षा की जाए, जहा तक हमारे देश मे उसके वास्तविक अस्तित्व को सहन करना तथा उसकी रक्षा करना आवश्यक हो। उन निर्माताओ ने जितनी आश्वस्तताए दी थी उनको ईर्ष्याभाव से नही, अपितु सच्चाई के साथ और पूरी तरह से कायम रखा जाए। रिपब्लिकन दल का यही दावा है और जहा तक मैं जानता हू और विश्वास करता हू, वह इससे आगे नही बढेगा··

'हमे भावावेश मे आकर कुछ नही करना चाहिए। यद्यपि दक्षिण के लोग हमारी बात को सुनने के लिए तैयार नही होगे, किन्तु हमे शान्तिपूर्वक उनकी मागो पर विचार करना चाहिए और यह देखना चाहिए कि हम उनको किस प्रकार सन्तुष्ट कर सकते है ·

'हमारे विरुद्ध जो झूठे आरोप लगाए जाते है, उनके आधार पर हमे अपने कर्तव्य से विमुख नही हो जाना चाहिए, न उन धमकियो से डर जाना चाहिए कि सरकार को नष्ट-भ्रष्ट कर दिया जाएगा और न हमे अपनी मृत्यु से डरना चाहिए। हमे इसपर विश्वास रखना चाहिए कि सत्य ही बल है और अपने उस विश्वास मे हमे उस काम को, जिसे हम अपना कर्तव्य समझते है, निडरतापूर्वक अन्त तक करते रहना चाहिए।'

दूसरे दिन अब्राहम राबर्ट से मिलने के लिए न्यूयार्क से एग्ज़ेटर के लिए चल पड़ा। वहा से उसे सीधे घर पहुचना था। मेरी को दिन-प्रतिदिन के पत्रो और समाचारपत्रो के सवादो से यह पता चला कि अब्राहम की यह यात्रा न्यूइग्लैड के प्रदेश मे बडी ही सफल यात्रा रही है और उसे कई स्थानो पर भाषण करने के लिए निमत्रित किया गया। उसने प्राविडेस, कन्कार्ड, मैनचेस्टर, डोवर, हार्टफोर्ड, न्यूहैवेन, ब्रिजपोर्ट इत्यादि स्थानो मे अपने भाषण दिए। प्रत्यक्षत केवल अब्राहम हा समाचारपत्र नही पढ रहा था क्योकि उसने एग्ज़ेटर से लिखा :

'मै इस परेशानी से अपने को नही बचा सका। यदि मुझे पहले से ऐसा ज्ञात हो जाता, तो मै पूर्वी क्षेत्रो मे बिल्कुल आता ही नही। न्यूयार्क के भाषण के बारे मे जो मेरी कल्पना थी वह ठीक ही निकली और वह सफल रही तथा मुझे

किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नही करना पडा। कठिनाई केवल यह हुई कि इसके अतिरिक्त मुझे नौ भाषण और देने पडे और वह भी उन लोगो के समक्ष, जो मेरे विचारो को समाचारपत्रो मे पढ चुके थे।'

इस पत्र से मेरी ने अनुमान लगाया कि जब ग्रेट वेस्टर्न ट्रेन यहा आकर रुकेगी, तब तक वह पूरी तरह से थक चुका होगा, किन्तु इसके विपरीत मेरी ने देखा कि वह स्वस्थ और प्रसन्न है। अब्राहम ने मेरी को एग्जेटर मे राबर्ट की सफलता के बारे मे हृदय को प्रसन्न करने वाली कहानिया सुनाई और सबसे अधिक प्रसन्नता देने वाली यह खबर सुनाई कि न्यूयार्क सेन्ट्रल ने उससे दस हजार डालर प्रतिवर्ष पर रेलवे का वकील बनने को कहा है। मेरी के यह पूछने पर कि उसने उसका क्या उत्तर दिया, अब्राहम ने अपना मुख बड़ा गम्भीर बना लिया और श्वास की गति को तीव्र बनाते हुए बोला·

'मै प्रतिवर्ष दस हजार डालर लेकर क्या करूगा ? इतनी बडी आय से तो मेरा घर ही बिगड जाएगा।'

मेरी ने एक कंधे को हिलाया और बोली·

'मेरा विचार है कि हम इस तबाही का मुकाबला कर सकेगे। किन्तु जब तुम स्वतत्र रूप मे अच्छी प्रकार चल रहे हो तो तुम न्यूयार्क सेन्ट्रल के वकील क्यो बनना चाहते हो ? तुमने यही कुछ सोचा होगा, है न ऐसी ही बात ?'

अगले दिन प्रात काल मेरी ने 'दि लॉस्ट ऐण्ड फाउण्ड' अथवा 'लाइफ एमग दि पुअर' नामक पुस्तक से, जोकि लेखक द्वारा अब्राहम की भेट मे दी गई थी, जबकि अब्राहम ने फाइव प्वाइट्स पर हाउस आफ इडस्ट्री मे अनाथ बालक-बालिकाओ के समक्ष भाषण दिया था, विलियम और टाड को छोटी-छोटी कहानिया पढकर सुनाई। मेरी ने 'दि लिटिल स्ट्रीट स्वीपर' कहानी की अन्तिम अनुच्छेद समाप्त की ही थी कि अब्राहम किसी बैठक से वापस आ गया। मेरी ने पुस्तक को एक ओर रख दिया और पूछने लगी कि कैसी आशाए है। अब्राहम ने उत्तर देने से पूर्व नेत्रो को कुछ सुकेड लिया और फिर बोला :

'जनता के समक्ष हमारा नाम पहले-पहल ही आया है और बहुत-से लोग ऐसे है जो हमे अपना प्रथम मत नही देना चाहते। मैंने सदा ही इस बात का प्रयत्न किया है कि किसीपर कोई आपेक्ष न किया जाए और उनको ऐसी स्थिति मे रखा जाए जिससे लोग यदि अपने पुराने साथी की सहायता करने से मुड़े तो

वे हमारे साथ आ जाए। सीनेटर सीवार्ड उत्तरी इलीनाइस के लिए सर्वोत्तम उम्मीदवार सिद्ध होगा और दक्षिणी इलीनाइस मे बुरी तरह से असफल होगा। इसी प्रकार मिसूरी का बेट्स दक्षिणी इलीनाइस के लिए तो सबसे ठीक उम्मीदवार है, किन्तु उत्तरी इलीनाइस के लिए नही ।'

'और क्योकि रिपब्लिकन दल को सम्पूर्ण इलीनाइस मे निर्वाचन जीतना है अतः सम्पूर्ण इलीनाइस के लिए आदरणीय अब्राहम लिंकन से बढकर अच्छा और कोई उम्मीदवार नही है ?'

'श्रीमती लिंकन, आपने ठीक ही कहा।'

फ्रीपोर्ट मे स्टीफेन डगलस से अब्राहम ने जो प्रश्न पूछा था, जिसके बारे मे इलीनाइस के बहुत-से निवासी अब भी यह विचार करते थे कि वह अब्राहम की हार का कारण बना, इसी प्रश्न के कारण सीनेटर डगलस को अपने दल की ओर से बडी परेशानी का सामना करना पड रहा था क्योकि उसने उसके उत्तर मे यह कहकर कि 'मेरा यह दृढ विचार है कि यदि किसी प्रदेश के लोग अपने यहां कानूनी तरीको से दासता का अन्त करना चाहे, तो वे ऐसा कर सकते हैं,' सुदूर दक्षिणी राज्यो को अपने विरुद्ध कर लिया था। मेरी ने देखा कि अब्राहम पहले से ही यह जानता था कि डगलस इन राज्यो को अवश्य अपने विरुद्ध कर लेगा।

अप्रैल मास मे दक्षिणी कैरोलिना प्रदेश के चार्ल्स्टन नगर मे जब डेमोक्रेट दल की सभा हुई, तो दक्षिणी भागो ने इस बात की माग की कि किसी भी उम्मीदवार का नाम-निर्देशन करने से पूर्व दासता के पक्ष मे एक शक्तिशाली नीति बना ली जाए। जब उत्तरी डेमोक्रेटो ने ऐसी कोई नीति बनाने से मना कर दिया, तब कपास पैदा करने वाले आठ राज्य सभा से अलग हो गए और पूर्ण रूप से दक्षिणी व दासता के पक्षपाती उम्मीदवार का नाम-निर्देशन करने के लिए उन्होने अपनी एक अलग सभा करने का निश्चय किया तथा उसके लिए स्थान व समय नियत कर दिया। यद्यपि नाम-निर्देशन प्राप्त करने के लिए वहा डगलस की टक्कर का कोई भी न था, किन्तु दक्षिणी प्रतिनिधियो के अलग हो जाने से उसको अपेक्षित दो-तिहाई मत नही मिल सके और सभा स्थगित हो गई।

अब्राहम ने उत्तेजित होकर कहा, 'यदि दक्षिणी राज्यो ने अपना उम्मीद-

वार खडा किया तो वह वही काम करेगा जैसा कि गत चुनाव मे फिलमोर ने किया था। फिलमोर ने रिपब्लिकन दल के मतो को बटवा दिया था जिससे बुकानन की जीत हो गई थी। दक्षिण राज्यो के अलग होने से डेमोक्रेट दल के मत बट जाएगे और रिपब्लिकन दल का व्यक्ति निर्वाचित हो जाएगा। सन् १८६० की यह टक्कर सन् १८५८ के मुकाबले मे सौ गुनी अधिक लाभप्रद सिद्ध होगी।'

मई के प्रारम्भ मे दल की सभा के सिलसिले मे मेरी और अब्राहम डेकाटुर गए। उन्होने देखा कि नगर प्रतिनिधियो से भरा पडा है। उनमे से अधिकाश लोग बढिया कपडे के सूट और रेशमी हैट पहने हुए थे। वे इन वस्त्रो को शिकागो-सभा के अवसर पर पहनने के उद्देश्य से आजमा रहे थे। जब मेरी ने अपने चचेरे भाई लोगन के सिर पर भी रेशमी हैट देखा, जोकि स्प्रिगफील्ड के सर्वोत्तम हैट-निर्माता एडम्स से बनवाया गया था, तो वह समझ गई कि यह सब कुछ हसी-खेल का ही विषय नही है।

अब्राहम और मेरी बहुत देर से शिविर मे आए। शिविर मे अधेरा था और वह झोपडी की शक्ल का बना हुआ था। भीड इतनी थी कि आधे दर्जन लोगो ने अब्राहम को अपने कधो पर उठा लिया और उसे मच की ओर ले गए। उस समय सभापति ने घोषणा की कि हैक्स नाम का एक पुराना डेमोक्रेट सभा मे कुछ कहना चाहता है। चारो ओर से आवाजे आई 'कहने दीजिए', 'कहने दीजिए'। इस शोर के होते ही मुख्य मार्ग से होकर दो व्यक्ति आए। प्रत्येक व्यक्ति के हाथ मे एक झण्डा था जिसको वे ऊपर उठाए हुए थे और उसपर यह लिखा हुआ था :

अब्राहम लिंकन

१८६० के राष्ट्रपति के चुनाव के लिए रेलवे का उम्मीदवार।

१८३० मे ३,००० की भूमि मे थामस हैंक्स और एब लिकन—जिसका पिता मैकन काउन्टी का प्रथम नेता था—द्वारा निर्मित दो रेले।

मेरी ने देखा कि अब्राहम झेप गया है और उसके चेहरे पर घबडाहट के चिह्न है। हैक्स की स्थिति उस समय उस अतिथि के समान थी जो विवाह के अवसर पर बिना बुलाए आ गया हो।

प्रतिनिधियो को इन बातो का कोई भी ज्ञान नही था। वे कुर्सियो से उछल रहे थे, चिल्ला रहे थे और गला फाड-फाडकर नारे लगा रहे थे। कोई अपना

हैट और छडी हवा मे ऊपर फेंक रहा था और कोई पुस्तक और पत्र उछाल रहा था। इतना ऊधम मचा कि अन्त मे शामियाने की छत उनके ऊपर आ गिरी। इन पन्द्रह मिनटो मे जो हगामा मचा, उसको मेरी अपने जीवन भर नही भूल सकी। जब यह तूफान शान्त हुआ तो शामियाना टूट चुका था, किन्तु प्रतिनिधियो मे उत्साह पूर्ववत् था। उन्होने यह सकल्प कर लिया कि राष्ट्रपति के चुनाव के लिए इलीनाइस रिपब्लिकन दल का वास्तविक उम्मीदवार अब्राहम लिकन होगा और यह घोषणा कर दी गई कि इस राज्य के प्रतिनिधि शिकारी-सभा मे उसका नाम-निर्देशन प्राप्त करने के लिए सारे साधन अपनाए और वहा उसके पक्ष मे एक होकर अपना मत दे।

शिकागो-सभा के प्रारम्भ होने मे अब केवल पाच दिन शेष रह गए थे और मेरी के लिए यह पाच दिन कभी कोई अफवाह सुनने और कभी कोई खबर सुनने, तरह-तरह की आशाए व शकाए करने, अनुमान लगाने, स्थिति का विश्लेषण करने तथा प्रार्थना करने आदि मे गुज़रे। न्यूयार्क का सीनेटर विलियम एच० सीवार्ड निस्सदेह दल का नेता था और उसके पीछे थर्लो वीड की पूरी शक्ति थी, जो देश का बहुत ही कार्यकुशल और चतुर राजनीतिक नेता माना जाता था और जिसके प्रभाव मे एक शक्तिशाली राजनीतिक मशीनरी काम कर रही थी। पेनसिलवानिया के रिपब्लिकन दल के नेता साइमन कैमरन के पास भी असीम धन था और वह बडा साधन-सम्पन्न था। पेनसिलवानिया का प्रतिनिधिमण्डल भी बडा शक्तिशाली था, किन्तु साइमन कैमरन ने यह सब आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव ऐसे काम करके स्थापित किया था जिससे वह अच्छा नाम नही प्राप्त कर सका। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधिपति जान मैकलीन के प्रशसक तो बहुत थे, किन्तु वह ७५ वर्ष का हो चुका था और राष्ट्रपति बनने के लिए वृद्ध घोषित कर दिया गया। भूतपूर्व राज्यपाल और ओहायो से निर्वाचित सीनेटर सालमन पी० चेज़ एक दासता उन्मूलनकारी के रूप मे प्रसिद्ध था, मिसूरी का एडवर्ड वेट्स रूढिवादी होने के नाते सबके आदर का पात्र था, किन्तु मिसूरी एक दक्षिणी राज्य था…

और अब्राहम ? उसको लोग कई नामो से सम्बोधित करते, जैसे स्नेहपात्र पुत्र, काला घोडा। किन्तु क्या उस व्यक्ति को काला घोडा कहा जा सकता है, जिसकी प्रशसा शिकागो के डेली डेमोक्रेट और न्यूयार्क के हैरल्ड जैसे समाचार-

पत्रो ने की हो ? कैमरन और बेट्स के प्रतिनिधि बटे हुए थे जबकि इलीनाइस के प्रतिनिधिमण्डल मे स्टीफेन टी० लोगन, लिओनार्ड स्वेट, जेसी के० डुबोइस, नार्मन बी० जड, डेविड डेविस, ओरविल एस० ब्राउनिंग, गस्ताव क्वेरनर जैसे व्यक्ति थे, जो चतुर थे, अनथक परिश्रमी और अब्राहम के लिए सब कुछ करने वाले थे।

उनके घर मे एक बार फिर लोगो का ताता बध गया। प्रातः ६ बजे से अर्धरात्रि तक उनका घर ऐसा भरा रहता कि यदि उसके ऊपर एक तिरपाल लगा दी जाती तो वह भी एक शामियाने की तरह दिखाई देता। मेरी भी कब थकने वाली थी, वह अपने सुन्दर बर्ताव से प्रत्येक आने वाले मे उत्साह भर देती।

१६ मई, १८६० को शिकागो मे औपचारिक रूप से सभा आरम्भ हुई। हरएक घण्टे बाद अब्राहम के पास एक नया तार आ जाता था :

'हम शान्त है, किन्तु पृथ्वी-आकाश एक कर रहे है। पुराने अनुभवी राजनीतिज्ञो के अतिरिक्त हमे और कोई भी नही हरा सकता। सारे प्रतिनिधि हृदय से हमारे साथ हैं।'

'आसार अच्छे है। मित्रगण दिन-रात एक कर रहे है।'

'डरने की कोई बात नही। निश्चित रहो, काम हो रहा है।'

'मुझे बहुत आशा है। दु खी मत होना। थकन से बुरी दशा है।'

'तार दो अथवा बहुत कम लिखकर भेजो।'

मेरी ने अब्राहम से कहा, 'मै डरती तो नही, किन्तु चैन भी कैसे आए ?'

मतदान आरम्भ होने के पूर्व अब्राहम और मेरी रात को देर तक बातचीत करते रहे। उनकी यह बातचीत राजनीति अथवा नाम-निर्देशन के बारे मे नही थी, बल्कि उनके गत जीवन के बारे मे थी। मेरी मुश्किल से लगातार एक घण्टा सो पाती थी, किन्तु जब भी वह जागती और अब्राहम के कमरे मे जाती तो देखती कि अब्राहम आखे खोले पडा है और अधेरे मे छत की ओर ताक रहा है।

प्रात काल वे जल्दी उठ गए, थोडा-सा नाश्ता किया और बाहर कमरे मे आकर बैठ गए। समय सुहावना था और हवा मे गर्मी थी। अडोस-पडोस मे

हलचल आरम्भ हो गई थी। वायुमण्डल मे एक अजीब तनाव था। आठ बजे अब्राहम ने अपना कोट पहना।

'मै सोचता हू कि थोडी देर मैं कुछ वकालत का ही काम कर आऊ।'

'क्या तुम अपना ध्यान उसमे पूरी तरह से केन्द्रित कर सकोगे?'

'काम करने से आदमी पूर्ण हो जाता है। वकालत का तो केवल बहाना है, मेरा जी तो शिकागो मे लगा हुआ है। रास्ते मे मैं जेम्स कोकलिंग से भी मिलता जाऊगा, वह कल रात ही वहा से लौटा है।'

'जैसा भी समाचार हो, अच्छा या बुरा, मुझे तुरन्त सूचना देना।' अब्राहम ने उसके कपोलो को चूमा।

'मैं तुम्हे खबर देने स्वय ही आऊगा।'

मेरी दूसरी मजिल पर गई, उसने कपडे ठीक किए, चादरे बदली और फिर से बिस्तर बिछाए। जिस तरह नौकरानी कनखियो से उसे देख रही थी, उससे मेरी को साफ पता चल गया कि उसके हर काम से बेचैनी टपक रही है, किन्तु मेरी अन्दर से सन्तुष्ट थी, विशेषत. जबकि वह अतिथि-शयनकक्ष मे गई जहा उसका सिलाई का सामान रखा हुआ था। मेरी ने उस कपडे को, जिसको वह सीते हुए अधूरा ही छोड गई थी, उठाया और उसमे काले मोती लगाने लगी।

मेरी उस पिछली घटना के बारे मे सोचने लगी जब वह लेक्सिगटन मे थी और टाड उद्यान मे पुल पर खडी नीचे तालाब के स्वच्छ जल मे अपना प्रतिबिम्ब देख रही थी और सैन्डी मैक्डानल्ड उससे विवाह का प्रस्ताव कर रहा था और अपने उद्यानो का प्रबन्ध उसके हाथो मे सौपने का तैयार था। यदि वह सैन्डी से विवाह कर लेती और उसके साथ मिसिसिपी चली जाती तो वह पूर्णतः दासता के पक्ष मे होती और उत्तरी राज्यो को, रिपब्लिकन दल को और अब्राहम लिंकन को घृणा की दृष्टि से देखती। उसकी नानी पारकर ने उससे कहा था, 'मेरी, वहा दूर उस नीले घास वाले कन्टुरा के वृत्त मे तुम्हारा जीवन-साथी रहता है।' किन्तु मेरी लेक्सिगटन छोड आई थी और स्प्रिगफील्ड मे लोगो से खचाखच भरे एक ऐसे गर्म कमरे मे आ बसी थी, जहा हर समय बडे जोरो-शोरो से राजनीतिक चर्चा चलती थी और जहा उसने सामने छत से नीचे आती हुई दो लम्बी और बलिष्ठ टागे देखी थी। अब्राहम लिंकन उसके जीवन मे ऐसे

प्रविष्ट हो गया था, मानो स्वर्ग से उसके लिए ही वह उतरा हो ।

मेरी की बहन एलेजबेथ स्टीफेन डगलस को अच्छा समझती थी और उसने मेरी से विनती की थी कि वह कुछ समय दे, ताकि स्टीफेन डगलस के लिए उसकी रुचि प्रेम मे परिवर्तित हो सके । एलेज़बेथ ने कहा था कि डगलस अपने जीवन मे बडी उन्नति करेगा । यदि मेरी स्टीफेन डगलस के साथ विवाह कर लेती तो वह लोकतत्र और डेमोक्रेट दल के पक्ष मे होती । किन्तु मेरी जानती थी कि वह अब्राहम से प्रेम करती है और वही उसके उपयुक्त व्यक्ति है तथा उसे अपने जीवन मे जिस व्यक्ति की तलाश है वह अब्राहम ही है । एडवर्ड ने चिल्लाकर कहा था, 'यह खुरदरा हीरा अर्थात् अब्राहम ससार मे अन्तिम व्यक्ति होना चाहिए, जिससे तुम प्रेम करो । तुम्हे देने को उसके पास है भी क्या ?'

प्रारम्भ से ही उस मार्ग पर चलने के लिए मेरी को अनेक कठिनाइयो का सामना करना पडा । कई वर्ष निरर्थक और बिना खुशी के बीत गए, किन्तु ऐसा भी जीवन बीता जबकि खूब काम रहा और खूब साथी बने । किन्ही रूपो मे वह अब भी खुरदरा हीरा ही बना हुआ था, किन्तु मेरी को अपनी ओर से जो कुछ भी अर्पित करना था वह उसने प्रसन्नतापूर्वक किया ।

मेरी ने सामने के द्वार के बन्द होने की आवाज़ नही सुनी और न उसने जीने पर चढते हुए अब्राहम के पैरो की आवाज़ सुनी । वह बडे ध्यान से मोती जड रही थी कि अकस्मात् उसकी आख उठी, और उसने अपने समक्ष अब्राहम को खडे हुए देखा । उसका चेहरा पीतवर्ण था, किन्तु फिर भी उसपर रौनक थी । उसके हाथ मे तार का कागज़ था । मेरी उसकी ओर एकटक देखती रही और मुह से एक शब्द भी नही बोली । अब्राहम झुका और उसको कुर्सी पर से उठा लिया । वह पोशाक और सैकडो मोती बिना आवाज़ के कालीन पर बिखर गए ।

'मेरी, तीसरी बार मतदान होने पर मेरे नाम-निर्देशन की घोषणा कर दी गई । जब तार पहुचा तो उस समय मैं जरनल आफिस मे काम कर रहा था । तार मे लिखा हुआ है ·

हम सफल हुए, ईश्वर को धन्यवाद ।

मेरे मुह से निकल गया—एट्थ स्ट्रीट पर एक छोटी स्त्री रहती है जोकि इस सदेश मे काफी रुचि लेगी—और यह कहकर मैं सीधा घर चला आया ।'

स्क्वेयर से तोपो के छूटने का स्वर कर्णगोचर हुआ। दर्जनो गोले छोडे गए और फिर सम्पूर्ण नगर मे घटियो की टनटन सुनाई दी। कुछ दूरी पर लोग नारे लगा रहे थे और बिगुल बजा रहे थे, किन्तु मेरी उनको नही सुन सकी क्योकि उसके अपने हृदय की धडकन बडी तेज थी और अब्राहम उसको अपने वक्षःस्थल से लगाए हुए था तथा अपने अधर उसके अधरो पर रखे हुए था।

मेरी के मस्तिष्क मे बीस वर्ष पूर्व के अनेक आलिगनो की स्मृति सजीव हो गई। मेरी उस समय भी अब्राहम की महत्ता से उतनी ही परिचित थी जितनी वह अब थी। केवल इन सैकडो तोपो के छूटने अथवा सैकडो घटियो के बजने से ही उसके हृदय मे यह भाव उत्पन्न नही हुआ था। भला अब्राहम से किसी-ने प्रेम ही कब किया था कि उसकी महत्ता को पहचान पाता! मेरी के प्रेम ने उसको पहले से ही यह बता दिया था कि अत मे वह क्या बनने वाला है। उसने एक ऐसे व्यक्ति से प्रेम किया था जिससे किसी भी स्त्री ने प्रेम नही किया था, क्योकि वह जानती थी कि वह उन सबसे अच्छा और आगे रहने वाला है।

७४

मेरी बैठक मे गोलमेज़ के पास खडी थी। मेज पर खाने की दो प्लेटे और सफेद वस्त्र पर दो घडे रखे थे। हाल से परे कमरे मे अब्राहम शिकागो-सभा की अधिसूचना समिति को सम्बोधित कर रहा था। उस दिन तीसरे प्रहर को उसके मित्रो ने समिति के सदस्यो के आदर-सत्कार के लिए शराब की एक बडी टोकरी भेजी थी।

अब्राहम ने कहा, 'इस घर मे सोलह वर्ष से मैने शराब नही आने दी है और हमे अब अपनी आदत नही बदलनी चाहिए। बर्फ के जल से उनकी प्यास बुझ जाएगी।'

'बर्फ का पानी! केन्टुकी मे मेरे पूर्वजो की आत्माए इसको सुनकर अपनी कब्रो मे तडप उठेगी।'

बैठक के बाहर खिडकी मे से झाककर मेरी ने देखा कि आकाश मे गोले छूट रहे है और चारो ओर आतिशबाज़ी चल रही है। प्रत्यक्षतः सत्य तो यह था कि सम्पूर्ण उत्तरी भागो मे खुशिया मनाई जा रही थी क्योकि जब लोगन दुकान से चलकर उन्हे बधाई देने आया तो उसने कहा :

'मैने सोचा था कि पिछली रात मै गाडी मे सो लूगा, किन्तु सारे रास्ते भर तोपो के छूटने की आवाज सुनाई देती रही और ऐसा प्रतीत हुआ जैसे मानो मैं गर्मियो की झुलसी हुई दोपहर मे यात्रा कर रहा हू। चारो ओर कन्दील और मशाले जल रही थी।'

वह शिकागो से एक बडी ही मनोरजक खबर लाया था कि अब्राहम के साथ-साथ चुनाव लडने के लिए कैसियस क्ले का नाम उपराष्ट्रपति के पद के लिए प्रस्तुत किया गया था और प्रथम मतदान मे उसे सौ से अधिक मत मिल भी गए थे, किन्तु वह मेन के हैनीबल हैमलिन से हार गया क्योकि एक ही टिकट पर केन्टुकी के दो निवासियो को खडा करना उचित नही समझा गया। अब्राहम इसको सुनकर बडा ही प्रसन्न हुआ।

'यह बहुत बुरा हुआ कि क्ले को टिकट नही मिला, हम उसको मेरी टाड के टिकट के नाम से पुकार सकते थे।'

मेरी प्रसन्नता से आत्मविभोर थी। अब्राहम की बात सुनकर बोली, 'अच्छा, मुझे खूब चिढा लो, किन्तु बात वही है जो मेरी दादी पारकर ने कही थी कि घोडो के बारे मे मुझे बडी अच्छी पहचान है।'

जब अब्राहम ने अपना सक्षिप्त भाषण समाप्त किया और उस नाम-निर्देशन को स्वीकार कर लिया तो कमरे मे गुनगुनाहट प्रारम्भ हो गई। मेरी को अब्राहम का स्वर सुनाई दिया। वह पेनसिलवानिया के प्रतिनिधि श्री केली से कह रहा था, 'जज, तुम तो काफी लम्बे हो। तुम्हारी लम्बाई कितनी होगी ?'

'छ फुट तीन इच।'

'तो फिर मैं तुमसे लम्बा हू। मेरी ऊचाई बिना ऊची एडी वाले जूते पहने छ फुट चार इच है।'

श्री केली ने हंसकर उत्तर दिया, 'पेनसिलवानिया इलीनाइस के सामने अपना सिर झुकाता है। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि राष्ट्रपति के पद के

लिए हमे एक ऐसा उम्मीदवार मिल गया है जो कि हमारी दृष्टि मे बहुत महत्व रखता है।'

इसपर कमरा हसी से गूज उठा। इसके पश्चात् अब्राहम बोला

'सज्जनो, श्रीमती लिकन आप लोगो से मिलना चाहती है। आप लोग जरा बैठक मे आ जाए।'

मेरी ने अपने वस्त्र ठीक किए और हाथ मिलाते समय उसके चेहरे पर मुस्कराहट फैल जाती थी। क्योकि सब लोग चेनरी हाउस से खा-पीकर ही इधर आए थे, अतः उन्होने वहा पर थोडा-बहुत ही खाया-पीया और थोडी देर तक ही ठहरे। किन्तु इस थोडे से समय मे ही मेरी ने प्रत्येक से बातचीत कर ली और उसने सब लोगो को बता दिया कि चुनाव का काम करने के लिए उसके घर का द्वार सबके लिए खुला रहेगा। जब सब लोग बाहर चले गए तो उन्होने जज केली की मधुर वाणी सुनी

'हम इससे और अधिक दिखावे का काम कर सकते थे, किन्तु इससे अच्छा काम शायद हम लोग न कर पाते।'

मेरी को असीम हर्ष हुआ। उन्होने बर्फ का पानी पिलाकर ही उन लोगो की प्रथम स्वीकृति प्राप्त कर ली थी।

नाम-निर्देशन होने से अब्राहम के जीवन मे कोई विशेष अन्तर नही आया। अब वह प्रत्येक दिन रविवार का सूट पहनने लगा था और उसने पुराने हैट के फटने से पहले ही एक नया हैट खरीद लिया था। किन्तु मेरी के जीवन मे आमूल परिवर्तन आ गया। प्रात. आठ बजे से उसके यहा मिलने वालो का ताता लग जाता था। नौकरो के साथ स्वय काम करने के लिए उसे प्रात छ बजे ही उठ जाना पडता। उसने फ्रासिस अफोन्सा को मुख्य सेविका बना दिया था। आयरलैंड-निवासी मेरी नामक नौकरानी भी वापस आ गई थी और वह अपने साथ एक चचेरे भाई तथा विलियम नामक सफेद बालो वाले तथा चुप रहने वाले नीग्रो को भी ले आई थी, जो हर समय द्वार पर बैठा रहता था। भोजन के समय घर मे उपस्थित सभी लोगो को परिवार के साथ ही भोजन कराया जाता। सप्ताह मे कई बार मेरी को दावते देनी पडती। जब कभी सीवार्ड का प्रबन्धकर्ता थर्लो वीड स्प्रिगफील्ड आता, अथवा पेनसिलवानिया का राज्यपाल आता अथवा अमेरिका मे पैदा हुए जर्मन लोगो के बडे राजनीतिक दल का नेता

आता, तो मेरी को दावत करनी ही पडती थी। मेरी इन सब अतिथियो को आराम से अतिथिकक्ष मे ठहराती जहा से एट्थ स्ट्रीट का दृश्य साफ दिखाई देता था।

क्योकि घर अतिथियो से आधी रात तक ही खाली हो पाता, अत घर साफ करने के लिए, गुलदस्तो मे ताजे पुष्प लगाने के लिए और खरीदी जाने वाली वस्तुओ की सूची बनाने के लिए मेरी को प्रात काल के ही दो घटे मिलते। मेरी जल्दी-जल्दी कलेवा करके तथा कपडे पहनकर दिन भर सगे-सम्बन्धियो, मित्रो तथा राजनीतिक प्रशसको से मिलती रहती। उसकी बहन एलेजबेथ कुछ किकर्तव्यविमूढ-सी प्रतीत हुई, किन्तु उसके लिए उसे प्रसन्नता ही हुई। निनियन तनिक खिचा-खिचा रहता था क्योकि उसने स्टीफेन डगलस का साथ देने की घोषणा कर दी थी। भाई स्टुअर्ट को इस कुटुम्ब पर अभिमान तो बहुत था, किन्तु उसने भी यह कह दिया था कि वह भी अब्राहम के वर्गीय दल का समर्थन नही कर सकेगा। डा० वालैस तो बहुत प्रसन्न हुआ था, किन्तु उसकी बहन फ्रासे ने जो बधाई दी थी उसमे उदासीनता के भाव झलकते थे। ऐन ने सदेश भेजा कि वह जानती है कि बहन मेरी अतिथियो के आदर-सत्कार से लगी होगी और इसलिए उसको उनसे काफी सन्तोष हुआ होगा कि ऐन ने आकर उसको परेशान नही किया। मेरी ने देखा कि सम्बन्ध जितने ही दूर का है, बधाई उतने ही अधिक पवित्र भाव से दी गई है। मेरी को सबसे अधिक सहायता अपनी चचेरी बहन एलेजबेथ टाड ग्रिम्सले से मिली। एलेजबेथ टाड ग्रिम्सले डा० जान टाड की पुत्री थी और मेरी के विवाह के अवसर पर उसने दुलहिन की सहेली के रूप मे काम किया था। लिजी लम्बे कद की लडकी थी और बडी भावुक तथा लज्जाशील थी। लिकन-परिवार की खुशहाली पर उसे सबसे अधिक प्रसन्नता हुई थी। खाने-पीने की सारी चीजे वही खरीदती थी और लोगो के पैरो पर झाडू मारे बिना घर की सफाई का काम वह बडी कुशलतापूर्वक करती थी।

चुनाव-आन्दोलन बडी तीव्रगति से चलने लगा। शिविर लगा दिया गया और उसी प्रकार के सहस्रो शिविर पूरे उत्तरी भाग मे लगा दिए। लम्बे-लम्बे जलूस निकाले गए। वाइड एवेक्स नामक सैनिक दल हाथो मे मशाले पकडे हुए, सिर पर लाल सैनिक टोपिया और चमकदार चमडे के नीले जूते पहने हुए

गश्त करते रहते। इस बार प्रत्येक ग्राम और शहर मे जो उत्साह और भीड देखने मे आई उसने चार वर्ष पूर्व के फ्रीमाउन्ट के चुनाव-आन्दोलन को भी विस्मृत कर दिया। अब्राहम और रिपब्लिकन दल के पक्ष मे उत्साह जाग्रत करने के लिए आरम्भ से ही इस आन्दोलन को धार्मिक आन्दोलन का सा रूप दे दिया गया था।

मेरी जब से डगलस को जानती थी, तब से उसके जीवन मे यह प्रथम घटना थी कि उसके डेमोक्रेट दल का सगठन छिन्न-भिन्न हुआ था और यह सब कुछ उस प्रश्न के कारण हुआ था, जो दो वर्ष पूर्व अब्राहम ने उससे पूछा था। कपास उगाने वाले दक्षिणी राज्य चार्ल्स्टन सभा को छोडकर चले गए थे क्योकि डगलस ने अब्राहम को यह उत्तर दिया था कि राज्य-सविधान के निर्माण के पूर्व किसी भी प्रदेश के लोगो को यह सभव है कि वे अपनी सीमाओ से दासता का उन्मूलन कर दे।

जब एक मास पश्चात् डेमोक्रेट दल की सभा बाल्टीमोर मे हुई तो उत्तरी राज्यो ने स्टीफेन डगलस को उम्मीदवार चुना और दक्षिणी राज्यो ने दासता की रक्षा करने के प्रश्न को लेकर उपराष्ट्रपति जान सी० ब्रेकिनरिज को। इस बीच रिपब्लिकन दल को स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय समितियो का सगठन करने, निधि एकत्र करने तथा सम्पूर्ण उत्तरी भाग मे ऐसे पोस्टर लगाने के लिए, जिनमे अब्राहम के चित्र छपे हुए थे और उसको वृद्ध एब, सच्चा एब, रेल स्प्लिटर, निर्धनो के सहायक आदि नामो से सम्बोधित करके उसकी जीवन-झाकी प्रदर्शित की गई थी, समय मिल गया। उधर डगलस के लिए एक और नई मुसीबत उठ खडी हुई। शान्ति और एकता के उद्देश्य से एक चतुर्थ दल और स्थापित हो गया। इस दल ने टेनेसी के प्रतिनिधि जान बेल का नाम-निर्देशित किया और उसके पक्ष मे टेनेसी, केन्टुकी और वर्जीनिया के तीनो राज्य थे। स्टीफेन डगलस ने डेमोक्रेटो को पुन सगठित करने के उद्देश्य से मेन से लेकर उत्तरी कैरोलिना तक का तूफानी दौरा किया।

अब्राहम शान्तिपूर्वक घर पडा रहता था। वह न कोई भाषण करता था और न कही दौरे पर जाता था, जैसाकि प्रथा के अनुसार उसे करना चाहिए था। वह सारे दिन राज्यपाल के कार्यालय मे पडा रहता था। यह कार्यालय अब्राहम को चुनाव-आन्दोलन के लिए दे दिया गया था। यहा बैठा-बैठा अब्राहम

उन सैकडो लोगो से मिलता-जुलता रहता था जो स्प्रिंगफील्ड मे उससे मिलने तथा सलाह करने के लिए आते थे। इस कार्यालय की व्यवस्था लोगन ने कराई थी और मेरी इस बात के लिए लोगन की बडी कृतज्ञ थी क्योकि उसने लिंकन के हर्नडन के गन्दे कार्यालय के स्थान पर इस कार्यालय को चुनाव-आन्दोलन का मुख्य कार्यालय बनवा दिया था और वह इसलिए भी लोगन की बडी कृतज्ञ थी क्योकि चुनाव के व्यय के लिए उसने स्प्रिंगफील्ड के दस समर्थको से पाच हज़ार डालर एकत्र कर लिए थे।

विलियम और टाड अपने पिता को राज्यपाल की मेज़ के सामने बैठा हुआ देखने के लिए बडे उत्सुक थे, अत मेरी उनको कैपिटल की दूसरी मजिल पर ले गई। उसका बरामदा बडा ही तग था और उसमे प्रकाश भी बहुत कम था। वहा पर खडी अथाह भीड ने जब उनको देखा तो उसने अपने को इधर-उधर धकेलकर उनके लिए मार्ग बना दिया। राज्यपाल-कक्ष पचपन फुट लम्बा और पच्चीस फुट चौडा था। उसके फर्श पर सुन्दर रगो वाला एक गलीचा बिछा हुआ था और गैस से जलने वाला एक फानूस था। एक कोने मे एक चित्रकार बैठा हुआ तेल से भीगे रगो से अब्राहम का चित्र बना रहा था। एक दूसरे कोने मे बैंजो घडी के नीचे एक छोटी-सी मेज पर सचिव, जान जी० निकोले बैठा हुआ था। उसके समक्ष पत्रो का ढेर लगा था। उसकी आयु अट्ठाइस वर्ष थी। वह पतला-दुबला नवयुवक था और जर्मन-निवासी था। बहुत ही साफ और स्वच्छ वस्त्र पहने हुए था। वह बडा ही शान्त प्रकृति का था और राजनीतिज्ञो के भिन्न-भिन्न गिरोहो के आने पर, असभ्य लोगो के बर्ताव पर, जो बात करते समय न तो अपना हैट उतारते थे और न मुह से सिगार निकालते थे, जिनकी पतलूनें जूतो मे अटकी हुई होती थी और ऐसे लोगो से मिलने पर जो अजीब बेढगी कमीज़े पहने होते थे, न तो वह परेशान होता था और न घबडा उठता था। कुछ लोग तो उससे मिलने आते थे और कुछ केवल उससे हाथ मिलाने अथवा उसको केवल देखने के ही उद्देश्य से आते थे।

मेरी ने सामने के द्वार से अब्राहम को देखा। वह बडे ध्यान से इस बात को देख रही थी कि वह मिलने वालो से किस प्रकार अभिवादन करता है। उसने देखा कि अब्राहम प्रत्येक व्यक्ति से नम्रतापूर्वक मिलता और वे जो जानकारी अथवा राजनीतिक वचन चाहते, उसे वह बड़ी बुद्धिमत्तापूर्वक टाल देता। दो

नवयुवक पहले तो कमरे के अन्दर इधर-उधर झाकते रहे, फिर वे सीधे अब्राहम के पास चले गए।

उनमे से बडा बोल उठा, 'पिता जी ने हमे इसकी पुष्टि के लिए नगर भेजा था कि क्या यह समाचार कि अब्राहम को विष दे दिया गया है, सच है ? पिता जी कहते है कि आप अपना पूरा ध्यान रखे और आपकी वृद्ध पत्नी जो कुछ आपके लिए भोजन तैयार करे, उसके अतिरिक्त आप कुछ न खाए ।'

अब्राहम ने शरारतपूर्ण ढग से मेरी की ओर देखा। मेरी नीलवर्ण के कोमल ठडे वस्त्र धारण किए हुए थी, बाल सीधे पीछे की ओर को सवारे हुए थे और उसके सिर पर एक फैशनेबल हैट था। वह उस समय बडी प्रसन्न थी। लडकों के चले जाने पर उसने कहा :

'मेरा विचार है कि तुमने आज के न्यूयार्क टाइम्स मे वह लेख नही पढा। इस लेख मे स्पष्ट रूप से यह लिखा है कि मै अपने पति से १५ वर्ष छोटी हू।'

सघ से पृथक् हो जाने की धमकियो से कोई छुटकारा नही था और प्रतिदिन इन धमकियो का वेग बढता ही जाता था। दक्षिण के मुख्य समाचारपत्रो मे स्पष्ट रूप से यह लिखा होता था कि अब्राहम के चुनाव से सघ छिन्न-भिन्न हो जाएगा और वे समाचारपत्र उत्तरी जनता पर यह आरोप लगाते थे कि वह स्वयं ही 'एक बडे और विनाशकारी आन्दोलन के लिए प्रोत्साहन दे रही है जबकि सकेत पाते ही दास अपने स्वामियो के विरुद्ध विद्रोह कर बैठेगे, नगरो और मकानो को जला देगे और अपने स्वामियो तथा परिवारो को मार डालेगे।' मेरी दक्षिण के लोगो के उग्र स्वभाव और अपरिमित घमण्ड से परिचित थी और क्या मेरी मे भी यह गुण विद्यमान नही थे ? जहा मेरी घण्टो काम मे व्यस्त रहती और सफलता की आशाए बाधती रहती, वहा उसके हृदय मे यह भी एक आशका थी कि दक्षिण वाले न जाने क्या कर बैठे। एक दिन वह पूछ ही बैठी

'अब्राहम, क्या तुम एक अन्तिम प्रार्थना नही कर सकते ? तुम उनको यह विश्वास दिला दो कि जहा दासता विद्यमान है वहा के प्रशासन मे हम कोई भी हस्तक्षेप नही करेगे...'

'मेरी, जिन दक्षिणी समाचारपत्रो ने मेरे भाषणो को मुख्य पृष्ठ पर कभी भी छापने की परवाह नही की और जब कभी की भी तो उन्हे इस प्रकार से

तोड-मरोड दिया जिससे उनके उद्देश्य की पूर्ति होती हो, तो उन समाचारपत्रो को ऐसी भावनाए लिखकर भेजने से क्या लाभ ? उससे तो दुर्बलता अथवा भीरुता ही झलकेगी।'

यद्यपि अब्राहम भाषण देने से मना कर रहा था, तो उसका अर्थ यह नही था कि वह बिल्कुल निश्चित था। वह चुनाव-आदोलन का प्रत्येक काम देख रहा था और जब उसने सुना कि मेन राज्य मे काग्रेस के दो प्रतिनिधि उनका साथ छोडना चाहते है, तो उसने तुरन्त अपने साथी उम्मीदवार हैनीबल हैमलिन को पत्र लिखा था . 'ऐसी कोई भी बात हमारे लिए खतरनाक सिद्ध होगी और शायद नवम्बर मे ठीक समय पर आकर हमारी बर्बादी का कारण बनेगी। ऐसी कोई भी बात मत होने दो।' पेनसिलवानिया मे अपने ही दल के एक व्यक्ति को उसने लिखा 'मित्रो के दोषो को सुनना मुझे नही भाता और एक की बात को दूसरे से कहना तो मैने सीखा ही नही।'

मेरी और अब्राहम को राजनीतिक क्षेत्र मे काम करते हुए लगभग बीस वर्ष हो चुके थे, किन्तु किसीने उनके व्यक्तित्व पर चोट नही की थी, किन्तु अब जब कि चुनाव-आन्दोलन की गति तीव्र थी, विरोधी समाचारपत्रो ने अब्राहम को विवेकहीन, मूर्ख, शुद्ध भाषा न बोल सकने वाला, एक तृतीय श्रेणी का वकील, भद्दी मज़ाक करने वाला अभद्र पुरुष, जो वनमानुष के समान दिखाई पडता है और बन्दर जैसी चाल चलता है, कहना प्रारम्भ कर दिया। मेरी ने किसी बात का बुरा नही माना, किन्तु वह इस बात को बहुत बुरा मानती थी कि उसके अपने साथी सारे देश मे उसे 'वृद्ध एब' कहकर पुकारते थे। जब उसने इस बात को अब्राहम से कहा तो वह बोला

'यह अच्छी राजनीति का चिह्न है। इस प्रकार वे अपने आपमे यह महसूस करते है कि वे मेरे परिचित और मित्र है और जब तक वे मेरी वृद्ध स्त्री को वृद्ध मेरी कहना प्रारम्भ न कर दे '

मेरी ने अपनी नाक सिकोडी और बोली :

'अब्राहम, जब तुम प्रेसिडेण्ट बन जाओगे, तो मै क्या बनूगी ?'

'यह क्या पूछने की बात है ? वही मूर्ख जोकि तुम सदा से रही हो।'

'मेरी का मुख रक्तिम हो उठा ? वह क्रोध मे कुछ कहने ही वाली थी कि उसे अपने ही शब्द याद आ गए जोकि उसने खिडकी मे खडे होकर अब्राहम

से कहे थे अरे ओ मूर्ख, अन्दर आ जाओ। अपना घर देखते हुए भी क्या तुम उसको पहचान नही सकते ?—वे दोनो खिलखिलाकर हस पडे और इतने हसे कि अश्रुओ से उनके कपोल भीग गए।

८ अगस्त को इलीनाइस मे एक बहुत बडी सभा होने वाली थी और जलूस निकलने वाला था। प्रात काल वायुमडल गर्म और स्वच्छ था। सूचना मिली कि नगर मे पचास हज़ार से अधिक रिपब्लिकन दल के अनुयायी एकत्र हो गए हैं जो केवल इलीनाइस के ही नही थे, अपितु आसपास के छ राज्यो से भी आए हुए थे। मेरी ने अपने कमरे मे से देखा कि सैकडो लोग आसपास के घास के मैदानो पर सो रहे है। फेयर ग्राउन्ड्स मे भाषण के लिए अलग-अलग पाच मच तैयार किए गए है और गोश्त पकाने के लिए बडे-बडे गड्ढे खोद दिए गए है।

मेरी ने पूछा, 'अब्राहम, तुम्हे सन् ४० की महान् हैरीसन सभा का स्मरण है जबकि तुम गोश्त पकाने के गड्ढो के प्रबन्धकर्ता थे ? तुमने तब कहा था कि भले ही मै एक अच्छा राजनीतिज्ञ नही हू, किन्तु मै एक अच्छा रसोइया अवश्य हू। जहा तक मुझे ज्ञात है, तुमने तब से कोई भी चीज नही पकाई है।'

तीसरे पहर जब उनके घर के सामने से जलूस निकलने लगा तो मेरी भी अब्राहम के साथ बाहर बरामदे मे आ खडी हुई। मेरी ठडे सूती वस्त्र और कोमल स्लीपर पहने हुए थी। अब्राहम सफेद रेशमी सूट पहने था और काली टाई लगाए था। आठ मील लम्बे जलूस को देखने के लिए उनके सभी मित्र और पडौसी घास के छोटे मैदान मे और आसपास की सीढियो पर एकत्र हो गए थे। सबसे आगे वाइड एवेक्स का जत्था था और उन जत्थो के बीच-बीच इलीनाइस के लगभग बारह बाजे थे। इसके बाद अश्वचालित डोगे थे। जो उस लकडी के मकान की तरह बनाए गए थे जिसमे अब्राहम का जन्म हुआ था। कुटिया दोनो ओर से हिरण की खाल और अन्य जानवरो के चमडे से आच्छन्न थी। एक घोडे के पीछे खुली नौका जोती हुई थी। यह नौका उस नौका के अनुरूप थी जिसमे अब्राहम सामान लादकर न्यूओर्लियन ले गया था। एक नमूना टूटी-फूटी रेल की पटरियो का था और उसपर यह अकित था :

'रेलवे के वकील लिंकन को अपना मत दो।' ग्ली क्लब के सदस्य यह गाते-बजाते जा रहे थे :

'रिपब्लिकन दल मे मै सम्मिलित हो गया, तो क्या मैं प्रसन्न नही हू !
रिपब्लिकन दल मे मैं सम्मिलित हो गया,
रिपब्लिकन दल मे मैं सम्मिलित हो गया,
इलीनाइस मे यहा पर मै रिपब्लिकन दल मे सम्मिलित हो गया,
तो क्या मैं प्रसन्न नही हू !'

चुनाव-आदोलन का वेग उत्तरोत्तर बढता ही गया।

चुनाव से एक रात्रि पूर्व पूर्ण शान्ति छा गई। सब मिलने-जुलने वाले चले गए। मेरी ने नौकरो को घर जाने की आज्ञा दे दी और रसोईघर मे खाना खिलाया और लडको को कह-सुनकर शीघ्र ही सुला दिया कि अगले दिन उन्हे जल्दी जागना पडेगा। इलीनाइस समिति के सदस्यो के साथ अतिम बातचीत करने के लिए अब्राहम कार्यालय चला गया।

अब्राहम के जाने के पश्चात् मेरी अकेलापन अनुभव करने लगी। गत कुछ महीनो के अपूर्व उत्साह और विश्वास के बाद मेरी के मस्तिष्क मे एक बार फिर कई प्रकार के विचार मडराने लगे जिससे उसको रात काटना कठिन हो गया और उसका दम-सा घुटने लगा। वह सोचने लगी कि कही वह और अब्राहम अपने-आपको उसी प्रकार तो धोखा नही दे रहे जैसाकि अक्सर पहले उनके साथ होता आया है। मान लिया जाए यदि वे कल भी उसी प्रकार चारो खाने चित हो जाए जैसाकि पिछले बीस सालो से स्टीफेन डगलस उनको हराता रहा है। मान लिया जाए उन्हे जितने लोगो से आशाए है वे सब उसी प्रकार धोखा दे जाए जैसाकि सन् १८५५ मे ककाकी के श्री स्ट्रक ने किया था, यद्यपि उसने यह वचन दिया था कि वह अब्राहम को चुनने के लिए सौ मील पैदल चलने के लिए भी तैयार है। मान लिया जाए कि विश्वस्त राज्य केवल लड़ाई के डर से··· ।

मेरी ने कपडे उतारे, अब्राहम के कमरे मे गई और फिर उसने अब्राहम के बिस्तर के पास पडे छोटे लैम्प को जलाया। वह जानती थी कि उस रात उन दोनो मे से कोई भी नही सोएगा।

प्रातःकाल नाश्ते के समय मेरी ने पूछा :

'अब्राहम, तुम्हारे साथी प्रात तुम्हे क्या सतोष दे रहे थे ?'

अब्राहम की भूरी-भूरी आखो मे विनोद का भाव था। झुरिया पडे हुए उसके कपोलो पर मुस्कराहट उभर आई और वह मुह घुमाते हुए बोला :

'यदि तुम यह वचन दो कि तुम आज यह बात मतदाताओ को नही बताओगी तो मैं तुमको बताता हू कि चार वर्ष के लिए प्रेसिडेन्ट होने के बजाय मैं पूरे समय के लिए सीनेट का सदस्य होना चाहूगा, क्योकि मैं समझता हू कि वहा मैं अपने कर्तव्यो को अधिक अच्छी तरह से पूरा कर सकूगा और वहा ख्याति प्राप्त करने का भी अधिक अवसर है, जबकि उसके खोने की कोई आशका नही है।'

लिजी आ गई और मेरी का समय आसानी से कट गया। उन्होने उस चुनाव के बारे मे, जिसमे लाखो की सख्या मे मत डाले जा रहे थे और जिससे बढकर उत्तेजनापूर्ण चुनाव राष्ट्र की स्थापना के समय से लेकर आज तक पहले कभी भी नही हुआ था, कोई भी चर्चा नही की। दोपहर के पश्चात् मेरी ने अपने लडको को काले, गर्म सूट पहनाए और उन्हे भीड का दृश्य दिखाने के लिए नगर की ओर ले गई। स्क्वेयर, स्टेट हाउस, सडक की पटरियो, होटलो व दुकानो इत्यादि सारे स्थानो पर भीड़ के कारण कधे से कधा छिल रहा था और सब पर एक बडी ही स्तब्धता छाई हुई थी। तारघर के सामने बडी भारी भीड एकत्र थी, यद्यपि सब जानते थे कि अर्धरात्रि से पूर्व कोई भी ठीक सूचना नही मिलेगी।

वाटसन के घर रिपब्लिकन दल की स्त्रिया भोज की तैयारी करने मे लगी हुई थी क्योकि उनको यह आशा थी कि जैसे ही तार से यह समाचार मिलेगा कि इलीनाइस, इडियाना, पेनसिलवानिया और न्यूयार्क ने लिकन के पक्ष मे मत दिया है, तो उन्हे विजय के उपलक्ष्य मे एक भोज देना पडेगा। मेरी को भी उन स्त्रियो के साथ काम करने को वहा निमन्त्रित किया गया। जब मेरी वहा पहुची तो उसने देखा कि वहा लगभग सौ स्त्रिया है और हाल प्रकाश से चमक रहा है। उसने अपने कश्मीरी गाउन के ऊपर कपडा पहन लिया जिससे वह गदा न हो और दूसरो के साथ काम मे जुट गई।

अब्राहम तारघर गया था ताकि चुनाव का बुलेटिन मिलते ही वह उन्हे पढ़ सके। अन्त मे यह समाचार प्राप्त हुआ कि फिलेडेलफिया मे रिपब्लिकन दल के

पक्ष मे पाच हज़ार मत अधिक आए है और पेनसिलवानिया की स्थिति भी ठीक है। स्प्रिंगफील्ड और इलीनाइस मे अब्राहम को अधिक मत मिले है, किन्तु सगमन के जिले मे वह डगलस के मुकाबले मे हार गया है। इडियाना मे भी रिपब्लिकन दल के पक्ष मे अधिक मत आए है। अब केवल न्यूयार्क के मतो की गणना शेष थी जिससे विजय निश्चित हो जाती। अपनी उत्तेजना पर नियत्रण पाने के लिए मेरी पूर्ण शक्ति से काम कर रही थी।

आधी रात को अब्राहम वाटसन सैलून मे आया। उसने मेरी के हाथो की ओर अपना हाथ बढाया और उसी बीच अपना सिर हिलाया जिसका यह अभिप्राय था, अभी परिणाम मालूम नही हुआ है, वह इसकी प्रतीक्षा मे है। कुछ ही मिनटो के बाद एक सदेशवाहक तारघर से दौडता हुआ आया। बाहर एक ज़ोर का नारा लगाया गया। अब्राहम के, जिसका चेहरा पीला और गभीर था, तार देने से पूर्व ही मेरी को यह पता लग गया कि अब्राहम जीत गया है।

जब मेरी की दृष्टि तार से ऊपर उठी तो अब्राहम ने उसे अपनी भुजाओ मे कस लिया।

७५

इस बार यदि मेरी और अब्राहम वाशिंगटन गए तो उन्हें ऐसा बोर्डिंगहाउस और न ही कोई ऐसा कमरा लेना पडेगा जिसके सामने सूअर और शौचालय हो और मेरी को यह मालूम करने के लिए भी सारे नगर मे नही घूमना पडेगा कि नगर का सबसे अच्छा भाग कौन-सा है और न ही वहा किसी ऐसे मकान का पता लगाना पडेगा जिसका किराया उसे अपनी बचाई हुई धनराशि मे से देना पडे और फिर भी अब्राहम उसमे जाने से मना कर दे। इस बार न तो वह दक्षिणी समाज, जिसने नगर मे अपना गढ बना रखा था और जिसने अपने कठोर शासन मे द्वार के अन्दर उसे अपने पैर का अंगूठा भी नही रखने दिया था, उसे दुतकार सकेगा और न ही उसकी उपेक्षा कर सकेगा।

अवसर पाते ही मेरी अब्राहम को पकडकर बैठक मे ले गई और उसे सोफे पर बिठा दिया और फिर कहने लगी :

'अब्राहम, क्योकि अब हम लोग आठ वर्ष तक स्प्रिंगफील्ड के बाहर रहेगे, तो क्या तुम्हारे विचार मे यह बुद्धिमानी की बात नही होगी यदि इस मकान को बेच दिया जाए।'

अब्राहम उछल पडा जैसे क्रोधित हो गया हो, फिर वह आश्चर्य से उसकी ओर देखकर कहने लगा·

'मेरी, क्या तुम्हे मालूम नही कि राष्ट्रपति चार वर्ष के लिए चुना जाता है ?'

'वाशिंगटन, जेफर्सन, मेडिसन, मोनरो तथा जैक्सन—उन सभी राष्ट्रपतियो ने तो दो बार इस पद को सभाला। जेम्स कोर्कलिंग कहता है कि वह हमको इस मकान के चार हजार डालर देगा यदि इसमे मेज़, कुर्सिया इत्यादि लगी होगी। फिर हमे उसकी मरम्मत इत्यादि की भी चिन्ता नही करनी पडेगी··।'

'किन्तु मेरी, यह हमारा घर है। मेरे पास केवल यही तो मकान है। मुझे इससे प्रेम है। इसके अतिरिक्त बिना मेज़, कुर्सी इत्यादि के ही मुझे इसका साढे तीन सौ वार्षिक किराया मिल रहा है। और जब हमारा काम पूरा हो जाएगा तो हमारे पास वापस आने के लिए स्थान होगा।'

'वापस स्प्रिंगफील्ड ? राजधानी मे इतने वर्ष रहने के पश्चात् तुम निश्चित रूप से किसी स्थान मे रहना चाहोगे।'

'जितने वर्ष मै वाशिंगटन रहूगा उस दौरान मे चिन्ता करने के लिए यदि मेरी अपनी कोई जगह नही रह जाएगी तो मेरी स्थिति उस व्यक्ति के समान हो जाएगी जिसको घर-बार से निष्कासित कर दिया गया हो। आज जब मैं कार्यालय गया तो मैंने बिली से कहा कि वह हमारे वकालती चोगे वही टगे रहने दे, क्योकि यदि मै जीवित रहा तो वहा लौट ही आऊगा और हम लोग ऐसे वकालत करने जाएगे जैसे मानो कुछ भी न हुआ हो।'

मेरी को यह जानकर बडी राहत मिली कि अब्राहम हर्नडन को अपने साथ वाशिगटन नही ले जा रहा।

'न्यूयार्क सेन्ट्रल ने तुम्हे अपना वकील बनाने के लिए दस हजार वार्षिक देने को कहा था और यह बात तुम्हारे राष्ट्रपति-पद के लिए उम्मीदवार चुने जाने

से पहले की है। किन्तु अब राष्ट्रपति होने के पश्चात् न्यूयार्क अथवा बोस्टन मे तुम्हारा क्या मूल्य होगा ?'

अब्राहम नियमानुसार प्रतिदिन राज्यपाल के कार्यालय जाया करता था, ताकि अपने घर से लोगो की भीड दूर रख सके, क्योकि दिन के अधिकाश समय उसके यहा अजनबियो की भीड-सी लगी रहती और वे लोग सरकारी नौकरी दिलाने के लिए उससे कहते। यही नही अपितु रिपब्लिकन दल के नेता भी चुनाव के अन्तिम परिणाम मालूम करने आते। यद्यपि अब्राहम को राज्यो के निर्वाचक मतो मे से अधिकाश मत मिले थे, किन्तु फिर भी उसे केवल १८,६६,४५२ ही मत मिल पाए थे जोकि डाले गए मतो के अधिकाश से काफी कम थे क्योकि डगलस ब्रोकेनरिज और बेल को कुल मिलाकर २८,१५,६१७ मत मिले थे।

साय को जब मेरी और अब्राहम फिर एक साथ बैठे तो अब्राहम बहुत देर तक सम्पादको, वफादार दक्षिण-निवासियो, क्रातिकारी उन्मूलनकारियो, सघ की सुरक्षा के बारे मे आशकित रूढिवादियो के पत्रो के उत्तर लिखता रहा।

अब्राहम ने कहा, 'मन्त्रिमडल का प्रश्न ही मुझे सबसे अधिक व्यग्र बना रहा है। जब सभा की बैठक हो रही थी तो मैने शिकागो यह तार भेजा था : मुझे बन्धन मे डालने वाला कोई आश्वासन मत दो।—जब मेरा नाम-निर्देशन हो गया तो मैने सोचा कि मै स्वतत्र हू। किन्तु अब ज्ञात हुआ है कि उन्होने मुझे प्रत्येक दाव पर लगाया है, मुझे सैकडो बार खरीदा व बेचा है। मेरे नाम मे जो प्रण किए गए है उनको मैं पूरा नही कर सकता। उदाहरणत साइमन कैमरन से पेनसिलवानिया के मत और सलेब स्मिथ से इडियाना के मत के बदले...'

मेरी अब्राहम के सामने बैठी उन सब लोगो को पत्र लिख रही थी जिनके बारे मे अब्राहम कह रहा था कि वह उनको उद्घाटन के अवसर पर निमन्त्रित कर सकती है। उसमे उसकी सौतेली मा बेट्सी, उसके भाई लेवी, जार्ज और अलेग्जैडर, उसकी एक बहन कैथरिन और लेक्सिगटन से उसकी दूसरी बहन एमिली और बेन हार्डिन हेल्म, न्यूओर्लियन मे साथ-साथ व्यापार करने वाले उसके भाई डेविड और सैमुअल, अलबामा से अपने पतियो-सहित उसकी विवाहित बहने इलोडी और मारथा, सिनसिनाटी से उसकी बहन मारगरेट केलाग और उसका पति सम्मिलित थे। स्प्रिगफील्ड मे उसने एलेजबेथ और निनियन और उनकी

दो पुत्रियो को बुलाया। एलेज़बेथ ने तो अपने लिए और अपनी पुत्रियो के लिए निमत्रण स्वीकार कर लिया किन्तु निनियन ने मना कर दिया। उसने लिज़ी ग्रिम्सले, फ्रासेस और विलियम वालैस को भी निमत्रित किया। विलियम ने तो निमत्रण स्वीकार कर लिया किन्तु फ्रासेस ने मना कर दिया। अब्राहम ने डाक्टर वालैस से उद्घाटन वाली गाडी मे कुटुम्ब की देखभाल करने को कहा। एलेज़-बेथ, उसकी पुत्रियो तथा लिजी के बारे मे यह निश्चित हुआ कि वे लोग न्यूयार्क मे आ मिलेगे। मेरी का विचार था कि वह स्वागत के प्रथम सप्ताह मे अपने साथ इतने व्यक्ति रखेगी जितने व्यक्तियो के लिए ह्वाइट हाउस के अतिथिगृहो मे गु जाइश हो। उसने अपनी एक बहन एन की कोई भी परवाह नही की क्योकि चुनाव-आन्दोलन अथवा चुनाव के बाद के दिनो मे वह एक बार भी लिकन-हाउस मे उनसे मिलने नही आई थी।

इसके पश्चात् २० दिसम्बर को दक्षिणी कैरोलिना सघ से अलग हो गया। यह एक ऐसा कार्य था जिसकी धमकी वह राज्य १८३० से देता चला आ रहा था। नववर्ष के प्रारम्भिक सप्ताहो मे मिसिसिपी, फ्लोरिडा, अलाबामा, जार्जिया, लुइसियाना और बाद को टेक्साए के विधानमडलो ने सघ से अलग होने का निर्णय किया और अलग होने वाली सातो रियासतो के प्रतिनिधियो की एक बैठक माण्टगोमरी (अलाबामा) मे हुई जिसमे सयुक्त राज्य अमेरिका की स्थापना की गई, जेफर्सन डेविस को राष्ट्रपति चुना गया और अपनी सरकार स्थापित की गई।

यद्यपि चार वर्ष से दक्षिण के समाचारपत्र उत्तर को यह चेतावनी देते आए थे कि यदि रिपब्लिकन दल का व्यक्ति चुना गया तो वे अलग हो जाएगे। अस्सी वर्ष बाद सघ के वास्तविक रूप से छिन्न-भिन्न होने से एट्थ स्ट्रीट पर स्थित अब्राहम के मकान पर गहरी उदासी छा गई।

ज्यो-ज्यो ४ मार्च की तारीख निकट आती गई, इस प्रकार की धमकिया बढती गई कि अब्राहम को प्रेसीडेन्ट के पद का उद्घाटन करने का अवसर ही नही मिलेगा, स्प्रिगफील्ड से प्रस्थान करने से पूर्व ही वह मार डाला जाएगा और यदि वह वाशिगटन पहुच भी गया तो अपने पद की शपथ लेने से पूर्व ही उसके गोली मार दी जाएगी। एक दिन प्रातःकाल उसे एक सन्दूक मिला जिसमे

एक हब्शी की लाश थी। मेरी को एक चित्र मिला जिसमे अब्राहम का गला रस्सी से बधा हुआ था और उसे वृक्ष से लटकाया हुआ दिखाया गया था। उसके शरीर पर कोलतार मला हुआ था और उसके पर बनाए हुए थे।

ऐसी घटनाओ के होने पर वे बडे उदास तो थे किन्तु मेरी दृढप्रतिज्ञ थी कि वह और अब्राहम धमकियो से नही डरेगे। वह इलीनाइस मे अपने सच्चे मित्रो को विदाई-भोज दिए बिना स्प्रिंगफील्ड से प्रस्थान नही करेगी। मेरी की इस योजना को सुनकर अब्राहम बडा प्रसन्न हुआ.

'हा, मेरी, ऐसा ही करो। ऐसा होने के बाद हम कुछ फर्नीचर को निजी तौर पर बेचकर उससे छुटकारा पाएगे। इस प्रकार से हम इस मकान से भी विदाई ले लेगे।'

जब अब्राहम कोल्स काउण्टी मे अपनी सौतेली मा से विदाई लेने और अपने पिता की समाधि पर पुष्प चढाने गया तब मेरी ने विदाई-भोज के लिए हज़ारो निमन्त्रण-पत्र भेज दिए। स्वागत-समारोह वाले दिन साय को स्प्रिंग-फील्ड की औरतों का एक समूह सात बजे से कुछ पूर्व उनके यहा आया और वे अपने साथ अत्यन्त सुसज्जित व्हीलर मेज़ और विलसन सिलाई मशीन लाई थी। मेरी उनकी उदारता देखकर बडी द्रवित हुई।

मेरी और अब्राहम साथ-साथ खडे थे। अब्राहम अन्दर आने वाले अतिथियो का स्वागत कर रहा था और स्त्रिया मेरी के सफेद और पुरानी चाल के रेशमी वस्त्रो और फ्रासीसी गोटे के कालर की सराहना कर रही थी। राबर्ट, जो परीक्षा मे उत्तीर्ण होकर हार्वर्ड विश्वविद्यालय मे प्रवेश पा चुका था, उद्घाटन-समारोह मे भाग लेने घर आया था। उसने अपना हाथ अपने पिता की ओर बढाया और कहा, 'प्रणाम, श्री लिंकन!' उसके उत्तर मे अब्राहम ने उसके कपोल पर प्रेमपूर्वक हलके से एक चपत लगाया। आधी रात तक लिंकन के घर सात सौ हितैषी एकत्र हो गए, यहा तक कि डेमोक्रेट दल के अनुयायियो मे से भी जो उनके मित्र थे, उन्होने अपने राजनीतिक मतभेदो को एक ओर रख दिया और वे लिंकन-परिवार को आशीर्वाद देने के लिए आए।

अगले दिन प्रात काल मेरी को पता चला कि वह और उसका पति एक ही गाडी मे सफलता की यात्रा का आनन्द नही उठा सकेंगे। हिंसा की धमकियो के कारण अब्राहम को सलाह दी गई थी कि वह अपनी पत्नी या छोटे-छोटे

लडको को अपने साथ न ले जाए। अतः यह तय हुआ कि वे सब दस दिन के अन्दर न्यूयार्क के एस्टर हाउस मे इकट्ठे होगे। मेरी बडी कोपाकुल हुई।

'मि० लिकन, मुझमे वस्तुत कुछ दुर्बलताए हैं, किन्तु मैं भीरु नही हू।'

'मेरी, मुझको तुम्हारे बारे मे कोई डर नही है, किन्तु सेनापति जनरल विनफील्ड स्काट को इस बात की काफी चिन्ता है क्योकि उसपर हमारी सुरक्षा का उत्तरदायित्व है।'

'यदि तुम्हारे विरुद्ध कोई कुछ हिंसात्मक कार्य करना चाहता है तो क्या यह सभव नही कि जब वह यह जानेगा कि तुम्हारा परिवार भी तुम्हारे साथ है, तो वह उसके लिए उतना प्रयत्न न करे ? तुम्हे लज्जा आनी चाहिए कि तुम विलियम और टाड को इस उद्घाटन-यात्रा के आनन्द से वचित कर रहे हो।'

अब्राहम ने एक ठडी सास ली और बोला, 'अगले चार वर्षो मे हम सबको काफी उत्तेजनापूर्ण स्थिति का सामना करना पडेगा, फिर भी हमे कदापि डरना नही चाहिए।'

मेरी ने अपने सिर को पीछे की ओर किया। उसके नेत्रो मे क्रोधाग्नि भडक रही थी।

'यदि एक बार मैंने सेना को यह समझने का अवसर दे दिया कि वह एक नाजुक वृद्ध स्त्री है और उसको सकट मे नही डाला जा सकता तो आने वाले चार वर्षो मे मैं स्वय अपनी स्वामिनी नही रह सकूगी।'

किन्तु अन्त मे युद्ध-विभाग के मुकाबले मे उसको हार माननी पडी। उसने उसी दिन, जिस दिन अब्राहम पूर्व की ओर गया, कुछ वस्तुए खरीदने के लिए गाडी से सेन्ट लुइस जाने का निश्चय किया। उसे सेन्ट लुइस मे खरीदारी कुछ भी नही करनी थी, यह तो केवल मुह छिपाने के लिए एक बहाना था। उनके मित्रो और पडोसियो ने उनके फर्नीचर की बडी-बडी चीज़े अर्थात् कपडे रखने की अलमारी, मेज और कुर्सिया खरीद ली थी। शेष फर्नीचर और कागजो से भरे सन्दूक भण्डार मे सुरक्षित रूप से रख दिए गए। उसने फ्रासेस अफोन्सा को उसके कपोल पर एक प्रेमपूर्ण चुम्बन लेकर सेवा से अलग कर दिया, किन्तु सेवा से च्युत करने से पूर्व मेरी और अब्राहम ने उसकी आने वाली शादी के लिए उसको विवाह की एक पूर्ण पोशाक खरीदकर दे दी।

अब्राहम ने मकान को किराए पर दे दिया और अपने लिए चिनेरी हाउस

मे कुछ कमरे किराए पर ले लिए, जिनमे से प्रत्येक कमरे मे लकडी से गर्म होने वाली अगीठिया थी और नौकरो को बुलाने के लिए नई-नई लगी ज़जीरे थी। प्रस्थान से पूर्व एक दिन साय को अब्राहम ने लाबी मे अपने बडे सन्दूको को रस्सी से बाध लिया। मेरी ने एक नेत्र की भ्रू को उठाकर पूछा ·

'क्या तुम्हे विश्वास है कि सयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए ऐसा करना उचित है ?'

'अभी मैं राष्ट्रपति निर्वाचित हुआ हू, किन्तु मै प्रण करता हू कि ४ मार्च के पश्चात् मैं ऐसा नही करूगा।'

मेरी मूर्च्छा की सी स्थिति मे सोती रही। परसो अब्राहम का जन्म-दिवस होगा, किन्तु वह उसके साथ नही होगी।

प्रात काल का वायुमण्डल कोयले की भस्म जैसा भूरा था। ऐसा प्रतीत होता था जैसे आकाश से धुध का घोल नीचे को आ रहा है। सात बजे नाश्ता बीच के कमरे मे लाकर लगा दिया गया। राबर्ट अपने-आपको कुछ बडा समझ रहा था क्योकि उसने कहा, 'मैं तो पिताजी के साथ बारूद से उडाए जाने के लिए उनके साथ जा रहा हू और तुम छोटे-छोटे लोग छोड दिए गए हो।' मेरी ने कहा कि सवेरे-सवेरे ऐसा अपशकुनपूर्ण मज़ाक करना ठीक नही, किन्तु अब्राहम हस पडा। दोनो मे से कोई कुछ भी न खा सका। वे केवल तेज कहवे की चुस्किया लेते रहे। साढे सात बजे बताया गया कि उनकी गाडी आ गई है।

मजेदार वर्षा हो रही थी। अब्राहम पीला और ठडा प्रतीत हो रहा था। उसने अपने गले के इर्द-गिर्द एक भूरे रग की ऊनी शाल ओढ रखी थी जिससे उसके कधे भी ढके हुए थे। जब वे ग्रेट वेस्टर्न स्टेशन के ईंटो से बने एक छोटे-से डिपो पर पहुचे तो उन्हे यह देखकर बडा आश्चर्य हुआ कि वहा कई सौ लोग एकत्र है। रेल के इजन की सीटी तेज़ और कर्कश स्वर मे बजी। टाड और विलियम अपने पिता के पैरो से चिपट गए। दोनो ने उसकी एक-एक भुजा को पकड लिया। मेरी अब्राहम के साथ उस स्थान तक गई जहा वह विशेष गाडी तैयार थी, जिसका इजन काला धुआ उगल रहा था, जिसके साथ ईंट जैसे सुर्ख रग का कोयले से भरा डिब्बा, सामान ले जाने वाला डिब्बा और उसी रग की एक गाडी लगी हुई थी। इस गाडी के पीछे की ओर एक प्लेटफार्म था जिस-

पर लोहे का जगला लगा हुआ था। यह गाडी अब्राहम की प्रतीक्षा कर रही थी।

क्षण भर के लिए अब्राहम ने मेरी को अपनी भुजाओ मे कस लिया, फिर ज़ीने मे चढकर और पीछे के जगले पर जाकर खडा हो गया। ठडी फुहार से बचाव के लिए छतरिया खोल दी गई। उसने मेरी, विलियम और टाड की ओर देखा और फिर उन मित्रो के शान्त मुखो की ओर भी देखा जो उसे विदाई देने आए थे।

गाडी प्रस्थान के लिए तैयार थी। अब्राहम ने अपना हैट उतारा, अपने कधो के चारो ओर शाल को कसा और अपनी छाती पर उसको अपने बाए हाथ से पकडकर उसने बडे ही शान्त स्वर मे कहा .

'कोई भी व्यक्ति, जो मेरी जैसी स्थिति मे न हो, विदाई के इस अवसर पर मेरी दु खपूर्ण भावना को नही समझ सकता। मै इस स्थान और यहा के लोगो की दयालुता के प्रति बडा ही कृतज्ञ हू। यहा मै लगभग पच्चीस वर्ष रहा हू और यही युवक से वृद्ध हुआ हू। यही मेरे बच्चे पैदा हुए है और एक यही दफ़न हुआ है। मै अब यहा से जा रहा हू, मै नही जानता कि मै कब लौटूगा या फिर कभी लौट भी सकूगा या नही। अब मेरे ऊपर ऐसा काम आ पडा है जो उससे भी महान् है जोकि वाशिगटन पर आ पडा था। मै ईश्वर की सहायता के बिना, जिसने सर्वदा उसका साथ दिया है, सफल नही हो सकता। उसकी सहायता पाने पर मैं कभी असफल नही हो सकता। ईश्वर मे पूर्ण विश्वास रखते हुए, जो हर जगह अच्छाई के लिए मेरे और आपके साथ रहता है, हमे यह आशा रखनी चाहिए कि अब भी सब ठीक ही होगा। ईश्वर से यह प्रार्थना करते हुए कि वह आप लोगो पर अपनी कृपादृष्टि रखे, जैसी कि मै आशा करता हू कि आप भी भगवान् से मेरे लिए ऐसी ही प्रार्थना करेगे, मै आप सबसे सस्नेह विदा लेता हू।'

गाडी निकल गई। मेरी के लिए बग्घी तक जाने का मार्ग बनाया गया। उसके दोनो ओर उसका एक-एक पुत्र था। उसने देखा कि वहा पर खडे अधिकाश नर-नारियो के नेत्रो मे आसू थे। उसको इसका ज्ञान भी न था कि उसके नेत्रो मे भी आसू थे।

७६

सेन्ट लुइस को प्रस्थान करने के एक घण्टा पूर्व मेरी को जनरल विनफील्ड स्काट का एक तार मिला जिसमे उसको यह आज्ञा दी गई थी कि वह अगली सुबह इंडियाना पुलिस मे उद्घाटन वाली गाडी मे आ जाए, क्योकि यदि नव-निर्वाचित प्रेसीडेन्ट अपने पत्नी-बच्चों से घिरा रहेगा तो वह अधिक सुरक्षित रहेगा। विलियम और टाड तो प्रसन्नता से उल्लसित हो उठे और मेरी इस अकस्मात् उलट-फेर से बडी आश्चर्यचकित हो रही थी।

उद्घाटन वाली गाडी का इजन केवल मेरी के आगमन की ही प्रतीक्षा कर रहा था। जब मेरी अपनी सवारी गाडी की सीढियो से नीचे उतरी तो अब्राहम ने उसका स्वागत किया। मेरी ने ऊचे उठकर उसके कपोल को चूमा 'और धीरे से बोली

'आपके जन्म-दिवस पर मेरी शुभ कामनाए।'

कुछ डरते-डरते अब्राहम ने कहा

'तुम मेरे लिए एक ऐसी सुन्दरतम भेट हो जो मुझे कभी-भी नही मिल सकती थी।'

जब अब्राहम मेरी को बैठक वाले डिब्बे मे साथ ले गया तो वह प्रसन्नता से हाफने लगी। उसने देखा कि यह एक बिल्कुल ही नये प्रकार का डिब्बा है जोकि बुफैलो के रेल के डिब्बो के निर्माता द्वारा विशेष रूप से इस यात्रा के लिए ही बनाया गया है। उसने देखा कि फर्श पर बडा ही सुन्दर गलीचा बिछा हुआ है, छोटे-छोटे कई शीशो के बजाय बडे-बडे शीशे थे, अखरोट की लकडी का फर्नीचर था जिसपर नक्काशी हुई थी, घोडे के बालो वाले गद्दे बिछे हुए थे और अब्राहम के आराम के लिए एक बहुत ही लम्बा सोफा था। डिब्बे के साथ ही एक उपाहार का डिब्बा भी था जिसमे पार्टी के लिए तरह-तरह की शराबे रखी हुई थी।

गाड़ी स्टेशन से चल पडी और शीघ्र ही तीस मील प्रतिघण्टे की गति से इडियाना के ग्रामीण भाग मे से होकर जाने लगी। प्रत्येक छोटे स्टेशन पर पटरियो के दोनो ओर झडे और ध्वज लगाए हुए थे और बडी सख्या मे लोग

एकत्र थे जो तोपे चला रहे थे और तालियो पर तालिया बजा रहे थे। सिनसिनाटी मे लगभग एक लाख लोग स्टेशन, चौक और गलियो मे इकट्ठे हो गए। कोलम्बो और ओहायो मे उनको राज्य की राजधानी मे ले जाया गया जहा राज्यपाल और विधानमण्डल के सदस्यो ने उनका स्वागत किया। दूसरी सुबह साढे सात बजे उन्होने फिर अपनी यात्रा प्रारम्भ कर दी। आकाश मेघाच्छन्न था। उनकी गाडी को चलते हुए आधा घटा ही हुआ था कि ज़ोर की वर्षा होने लगी। अब्राहम ने मेरी से कहा कि उसे वर्षा की कोई परवाह नही है क्योकि अब उसे उतने भाषण नही देने पडेगे, किन्तु वह गलती पर था। न वर्षा, न सर्दी और न कीचड ही लोगो को छोटे से छोटे स्टेशनो पर भी आने से रोक सकी। प्रत्येक स्थान पर गाडी का स्वागत बाजो-गाजो, गीतो और तोपो की गडगडाहट से किया गया।

तीनो लडको के लिए यह यात्रा बडी ही प्रसन्नता का कारण थी। राबर्ट ने अपना आधा समय गाडी के इजीनियर के साथ गुज़ारा और आधा समय उपाहार के डिब्बे मे। जब भी गाडी रुकती थी और अजनबी लोग उसपर चढ आते थे तो टाड उनकी ओर दौड पडता और चिल्लाकर पूछता, 'क्या तुम राष्ट्रपति वृद्ध एब से मिलना चाहते हो ?' और फिर राष्ट्रपति के साथियो मे से किसी एक की ओर सकेत करता।

एक स्टेशन पर भीड ने मेरी लिकन को बाहर आने को कहा। उसने अब्राहम को कहते सुना, 'मै श्रीमती लिकन को बाहर लाने का प्रयत्न करूगा किन्तु सभवत. मैं इसमे सफल न होऊ, वस्तुतः मै उससे ऐसा कोई भी काम नही करा पाया हू जिसको वह स्वय करना न चाहती हो।'

मेरी तब तक रुकी रही जब तक लज्जा की सुर्खी उसके कपोलो से गायब नही हुई और फिर प्लेटफार्म पर उसके साथ जा मिली। एक दूसरे नगर मे जब वह अब्राहम के पास खडी हुई थी तो अब्राहम ने कहा, 'अब आप अपने समक्ष राष्ट्रपति-पद की लम्बी और छोटी विशेषता को देख रहे है।'

मेरी के लिए रुकने का सबसे बडा स्थान न्यूयार्क था। उसने एक थैले से चादी के ब्रुश निकाले जोकि उसने अब्राहम को उसके जन्म-दिवस के उपलक्ष्य मे भेटस्वरूप दिए थे।

'अब्राहम, मै तुम्हे इन शहरी लोगो के लिए ज़रा ठीक-ठाक कर रही हू।'

मेरी ने अब्राहम के बाल खोले, उनमें कंघी की और उनको ब्रुश से साफ किया तथा उसकी काली नेकटाई को ठीक तरह से बांधा।

अब्राहम ने सस्नेह पूछा, 'देवी जी, क्या मैं अब अच्छा लगता हूं?'

'मुझे विश्वास नहीं कि तुम इस प्रकार की मूंछें बना सकते हो जिसके संबंध में उस छोटी लड़की ने तथा रिपब्लिकन समिति ने यह विचार प्रकट किया था कि उससे तुम अधिक अच्छे दिखाई दोगे। तुम्हारी मूंछें अब भी काफी खुश्क और झुकी-झुकी हैं।'

'यह अजीब बात है। मैं हर सुबह को मुंह धोते समय उन्हें तर कर देता हूं।'

वे एक खुली गाड़ी में एस्टर होटल गए। स्वागत-समारोह में सम्मिलित होने से पूर्व उन्हें हाथ-मुंह धोने के लिए मुश्किल से थोड़ा-सा समय मिल सका। १८१२ के युद्ध के कुशल सिपाही पूरी वर्दी में उनके सामने परेड कर रहे थे। अब्राहम का हाथ अब इतना दर्द कर रहा था और इतना सूजा हुआ था कि डा० वालैस ने उनको हाथ मिलाने से मना कर दिया। मेरी ने न्यूयार्क के लोगों का स्वागत किया। उसके एक ओर उसकी बहन एलेजबेथ और दूसरी ओर लिजी ग्रिम्सले थी और वह मखमली झालर लगे हुए इस्पात के रंग के गाउन और सुनहरे सरपोश में अपने-आपको बड़ी ही सुन्दर महसूस कर रही थी।

फिलेडेलफिया के इन्डिपेन्डेन्स हाल में ध्वजारोहण-समारोह के कुछ ही समय बाद मेरी ने देखा कि अब्राहम को कोई बात परेशान कर रही है। यह बात अब्राहम की उस आशका से, कि वाशिंगटन पहुंचने पर उसे न जाने किस उपद्रव का सामना करना पड़े, बढ़कर थी। जब एक बजे वे हैरिसबर्ग पहुंचे तो हालांकि कुछ ही घंटे पूर्व अब्राहम ने एक भीड़ से यह कहकर क्षमा मांग ली थी कि उसकी तबियत इतनी अधिक खराब है कि वह कुछ भी अधिक बोलने में असमर्थ है, उसने मेरी की इस बात को नहीं माना कि वह यात्रा के अन्त में मेरीलैंड और बाल्टीमोर में अपने पूर्व-निश्चित भाषण न दे, यद्यपि इस यात्रा में बाल्टीमोर ही एक ऐसा नगर था जिसने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति का स्वागत नहीं किया था अथवा जब अश्वचालित बग्घियां उन्हें एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन को ले जा रही थीं तो उसने कोई सरकारी पहरे का प्रबन्ध नही किया था, तथापि मेरी उस समय

ही पूरी तरह से यह समझ सकी कि अब्राहम कितना परेशान है जबकि वह झपटकर कमरे मे घुसा और क्रोध मे उसके चेहरे का रग काला पड रहा था।

'राबर्ट कहा है ? उसके हाथ मे वह थैला था जिसमे मेरा उद्घाटन-सबधी भाषण था। यदि वह भाषण किसी सवाददाता के हाथ पड गया तो · '

'वह तो नवयुवक रिपब्लिकन क्लब के साथ बाहर गया हुआ है।'

'हमे तुरन्त ही उसका पता लगाना होगा।'

जान निकोले ने, जिसे अब्राहम अपने निजी सचिव के रूप मे वाशिगटन ले गया था, हैरिसबर्ग का कोना-कोना छान डाला और अन्त मे आश्चर्यचकित राबर्ट को लेकर वापस आ गया। जब उसके पिता ने उससे पूछा कि क्या वह थैला गुम हो गया है अथवा चुरा लिया गया है, तो राबर्ट ने उत्तर दिया

'वह नीचे और सामान के साथ है।'

अब्राहम तीन-तीन जीने फादता हुआ लाबी मे जा पहुचा, एक चकित क्लर्क के पीछे से सामान के ढेर तक का मार्ग तय किया और थैलियो को इधर-उधर बिखेरने लगा। मेरी भी उससे कुछ मन्द गति से पैर रखती हुई नीचे आ गई और अब्राहम को तब तक देखती रही, जब तक कि वह अपने थैले को हाथ मे लेकर ऊपर न उठा। ताले की परीक्षा करते समय उसके मस्तक पर पसीने के बिन्दु झलक उठे थे।

'ईश्वर को धन्यवाद! कही वह भाषण मेरे देने से पूर्व समाचारपत्रो मे छप जाता, तो मुझे बुरी तरह से लज्जित होना पडता।'

'ऊपर आ जाओ, लाबी के सारे लोग तुम्हे घूर रहे है। भविष्य मे एक आदमी के काम पर किसी लडके को कदापि न लगाना। यह भाषण तुम स्वय अपने साथ ही रखो।'

चार बजे के कुछ ही बाद अब्राहम उनके कमरे मे लौट आया और एक गद्देदार कुर्सी पर लेट गया। मेरी की ओर बिना देखे वह कहने लगा

'मेरी, हमे अपनी योजनाओ मे परिवर्तन करना पड रहा है।'

मेरी ने उसकी ओर चुपचाप देखा और एक क्षण के बाद बोली :

'ऐसा प्रतीत होता है कि नगर से होकर हमारी बग्घियो के गुजरते समय मुझे हानि पहुचाने का बाल्टीमोर मे कोई षड्यन्त्र रचा गया है। नार्मन जड ने इसकी जाच करने के लिए ऐलन पिकर्टन नाम के एक जासूस को लगाया था और

उन्होंने कल मुझे फिलेडेलफिया मे बताया कि उनको इस बात का पूरी तरह से पता लग चुका है कि फरनानडिना नाम का एक नाई, जो एक गुप्त-सैनिक संस्था का प्रधान है, मुझे मारने की योजना बना चुका है।'

वहां पर दीवार से लगी एक सीधी पींठ वाली कुर्सी थी। मेरी उसको खींचकर अब्राहम के सामने ले आई और उसपर बैठ गई और उसके चेहरे पर व्याकुलता की रेखाएं गहरी होती गई।

'क्या यह कोई समझ में आने वाली बात है कि बाल्टीमोर का एक नाई तुम्हें मारेगा जबकि तुम्हारे चारों ओर तुम्हारे बीस मित्र और सेना की ओर से तुम्हारी रक्षा के लिए आधे दर्जन सैनिक होंगे!'

अब्राहम ने तूफान के समय एक भेड़ के बच्चे के समान अपना सिर लटकाकर कहा, 'उन लोगों को विश्वास है कि यह एक वास्तविक संकट है। उन्होंने ऐसी योजना बनाई है कि मै आज रात को गुप्त रूप से हैरिसबर्ग से निकल भागूं। वाशिंगटन जाने वाली नियमित गाड़ी फिलेडेलफिया स्टेशन पर रोक दी जाएगी और मैं उसीपर सवार होकर वाशिंगटन जाऊंगा और किसीको इस बात का पता नहीं लगने दिया जाएगा कि मैं इस गाड़ी पर सवार हूं।'

'क्या निर्वाचित राष्ट्रपति के लिए यह उचित है कि वह चुपके से वाशिंगटन पहुंच जाए?'

अब्राहम ने झल्लाकर उच्च स्वर मे कहा, 'यह बात मुझे भी पसन्द नहीं है।'

'बहुत अच्छा, मैं अभी सामान बांधती हूं।' मेरी उपेक्षा के भाव से बोली।

मेरी कुछ बोल न सकी। उसे अब्राहम के चेहरे पर वेदना के चिह्न दृष्टिगोचर हुए।

'मेरी, मुझे यह यात्रा राजधानी तक अकेले ही करनी होगी। मेरे साथ केवल एक व्यक्ति हिल लेमन होगा। यदि तुम और बच्चे साथ होगे तो इस वास्तविकता को छिपाना असंभव होगा कि हम अपनी योजना बदल रहे हैं।'

वह प्राणहीन-सी पलंग के एक किनारे पर बैठ गई।

'अब्राहम, क्या ऐसा पुनः नही हो सकता?'

वह अपनी धंसी हुई आंखों से मेरी को देखने लगा।

'मैं नार्मन जड और अलेग्जैंडर मैक्यूलर को, जोकि राज्यपाल का मित्र है, ले आता हू, शायद वे तुम्हे विश्वास दिला दे ।'

अब्राहम हाल के उस ओर गया । कुछ ही समय मे राष्ट्रपति की पार्टी के लोग अन्दर आ गए । उनमे नार्मन जड, जज डेविड डेविस, वार्ड हिल लेमन, जो डानविले का रहने वाला था और अब्राहम का पक्का साथी था, डब्ल्यू० एस० वुड, जो उद्घाटन वाली गाडी के सचालन के लिए पूर्व से भेजा गया था, श्वेत बालो वाले तथा सुसभ्य कर्नल समर की अध्यक्षता मे चार सैनिक पदाधिकारी, जो वाशिंगटन से अब्राहम की रक्षा के लिए भेजे गए थे, और पेनसिलवानिया के राज्यपाल कर्टिन के बडी-बडी मूंछो वाले तथा नुकीली ठोडी वाले प्रतिनिधि अलेग्जडर मैक्यूलर सम्मिलित थे ।

जड उनका प्रवक्ता था । उसने बाल्टीमोर की स्थिति पर प्रकाश डाला, 'नगर की कम से कम आधी जनसख्या सघ से अलग होने के पक्ष मे है और उग्र स्वभाव धारण किए हुए है । पुलिस के मुख्य मार्शल को उनसे सहानुभूति है और मिस्टर लिकन की कोई भी रक्षा नही करेगा । लोगो का एक गिरोह थोडे-से पुलिस वालो का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए बाल्टीमोर स्टेशन पर एक झगडा आरम्भ करेगा और फिर फरनैन्डिना और उसकी गुप्त सस्था लिकन के इर्द-गिर्द घेरा डाल देंगे । फरनैन्डिना या तो लिंकन के गोली मार देगा या फिर चाकू से वार करेगा । यदि मिस्टर लिंकन मार डाले जाएगे तो राष्ट्र को बडी क्षति पहुचेगा ।'

मेरी अपने समक्ष अर्धवृत्त बनाकर खडे हुए लगभग बीस लोगो के सामने कमरे के पीछे खडी हुई थी । कुछ देर के लिए उसने अनुभव किया जैसे मानो वह जाल मे फसी हुई है ।

'बहुत अच्छा, मैं राष्ट्रपति के पद की प्रतिष्ठा के प्रति किए जाने वाले इस अपमान के विरुद्ध और कुछ नही कहूगी, किन्तु यदि आपको इसका पूर्ण विश्वास है कि मेरे पति को वस्तुत. खतरा है, तो मैं भी उनके साथ रहना चाहती हू । सज्जनो, यदि दुर्भाग्य से उन्हे कुछ हो गया तो मुझसे अधिक हानि और किसकी हो सकती है ?'

मैक्यूलर ने भारी आवाज मे कहा, 'यदि मिस्टर लिंकन अकेले जाएगे तो उन्हे कोई खतरा नही रहेगा । हम तार काट रहे है ताकि मिस्टर लिकन के

प्रस्थान के पश्चात् बाल्टीमोर कोई समाचार न पहुच सके' '

'मि० मैक्यूलर, यदि आपके पास इतने साधन है कि आप मिस्टर लिकन को कुछ भी होने से रोक सकते है तो मुझे विश्वास है कि आप इतना भी प्रबन्ध कर सकते है जिससे मुझपर और मेरे बच्चो पर भी कुछ न बीते।'

नार्मन जड आगे बढा। वह एक मोटा-ताजा आदमी था। उसका चेहरा चमक रहा था, उसकी भूरी दाढी लटक रही थी और दातो के बीच बिना जला हुआ सिगार था।

'श्रीमती लिंकन, केवल एक पागल व्यक्ति ही हाथ मे छुरा लेकर...'

मेरी ने महसूस किया कि उसके स्वर मे क्रोध की झलक है।

'क्या हमारे पास कोई भी ऐसा साहसी पुरुष नही है जो उसको ऐसा करने से रोक सके ? क्या हमे राष्ट्रपति-पद के चार वर्ष लुकते-छिपते ही बिताने हैं ? यदि सघ की रक्षा के लिए हमे यही करना है, तो ईश्वर हमको बचाए।'

वे सब उसके सामने खडे थे, कुछ उसको घूर रहे थे और अन्य व्यक्तियो की दृष्टि नीचे थी।

'सज्जनो, हम चोरो की तरह वाशिंगटन मे प्रवेश करेंगे, किन्तु यदि लिकन-परिवार को कुछ होना है तो वह तभी होगा जब हम सभी लोग साथ होगे। अब यदि आप कृपया बाहर चले जाए, तो मैं सामान को बाधकर तैयार कर दू।'

लोग द्वार के बाहर जाने लगे और अब्राहम को भी साथ लेते गए। जाते समय कर्नल समर ने कहा, 'श्रीमती लिंकन, मै आज रात को निर्वाचित राष्ट्रपति के साथ जाऊगा और मैं आपको आश्वासन देता हू कि उनकी कोई हानि नही होगी।' केवल जड और मैक्यूलर रह गए।

जब कर्नल के जाने पर द्वार बन्द हो गया तो जड ने कहा :

'नही, श्रीमती लिंकन, आप अपने पति के साथ नही जाएगी।' उन्होने उसे दोनो भुजाओ से पकड लिया। एक पास वाले कमरे की ओर उसे धकेलकर ले गए और बलपूर्वक उसे भीतर कर दिया। इसके पश्चात् कमरे का दरवाज़ा बन्द कर दिया गया और उसने सुना कि उसमे ताला लगाया जा रहा है।

वह सारी रात बैठी रही। उसने कपडे बदलने का भी प्रयत्न नही किया। वह अब्राहम के साथियो को गलियारो मे आते-जाते और दबे स्वरो मे बोलने

हुए सुन रही थी। प्रात काल जब वह डाइनिंग रूम मे अपने तीनो लडको के साथ बैठी हुई थी और अन्यमनस्क भाव से कुछ खा रही थी कि मेरी को समाचार मिला कि अब्राहम वाशिंगटन मे सुरक्षित है और ज्योही वह और उसके साथी उद्घाटन वाली गाडी मे सवार हो जाएगे, वह चल पडेगी।

७७

इस बीच के १३ वर्षो के अन्दर मेरी यह भूल गई कि दक्षिणी वाशिंगटन का कितना प्रभाव है। राजधानी मे प्रथम दिन पहुचते ही जब उसे यह बताया गया कि यदि कोलम्बिया जिले को मताधिकार प्राप्त होता तो अब्राहम को मुट्ठी भर मत ही मिल पाते, तो मेरी को उसके महत्व का एकदम ध्यान हो आया। मेरी को यह भी बताया गया कि केवल वर्जीनिया और मेरीलैड के परिवारो ने ही नही, अपितु उनकी सेवा करने वाले समस्त सरकारी कर्मचारियो और व्यापारी लोगो के घरो ने उस रूप मे सोचा था। यद्यपि मेरी का स्वागत नम्रतापूर्वक किया गया तथा होटल की लाबी मे उसकी प्रतीक्षा मे और दूसरी मजिल पर पाच कमरो वाले सुन्दर फ्लैट तक उसे छोडने के लिए विलिअर्ड होटल के कर्मचारी खडे हुए थे, किन्तु जब वह सरकारी कमरो से होकर गई तो उसने वातावरण मे एक अजीब रूखेपन और गम्भीरता का आभास पाया।

अब्राहम और मेरी के वाशिंगटन पहुचने से पूर्व ही अलग होने वाले राज्यो के कई सीनेटर और प्रतिनिधि अपने त्यागपत्र-सम्बन्धी उत्तेजक भाषण करके अपने-अपने घरो को जा चुके थे। होटल मे प्रथम दिन ही सायकाल को जब अब्राहम और मेरी डाईनिग कमरे मे प्रवेश कर रहे थे, तो पृथकत्व के पक्षपाती एक व्यक्ति ने सगीतज्ञो से 'डिक्सी' की धुन निकालने को कहा। मेरी को ऐसी खबरे भी मिली कि गत कई सप्ताहो से निर्वाचित राष्ट्रपति और उसकी पत्नी के गवारू आचरण तथा असभ्यता के बारे मे अनेक कहानिया राजधानी भर मे गूज रही है और सघ से पृथकत्व के पक्षपातियो की स्त्रिया लकडी की झोपडी

मे रहने वाली सर्वप्रमुख महिला के फूहडपन की बातें कर-करके अपने-आपको बडा ही प्रसन्न कर रही हैं।

यदि हार्दिक स्वागत का नही तो आदरपूर्ण स्वागत का अब्राहम और मेरी के लिए वाशिगटन आने पर जो अवसर था वह अब्राहम के इस तरह से चोरी से आने से बिलकुल समाप्त हो गया। हैरिसबर्ग मे जब एक सवाददाता को यह ज्ञात हुआ कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति तो जा चुके है तो उसने अपने समाचार-पत्र के लिए यह कहानी ही गढ ली कि अब्राहम स्काटलैड की पट्टीदार टोपी और लम्बे सैनिक लबादे मे भेष बदलकर वाशिगटन छिपकर चले गए है। अब्राहम के स्काटलैड की हर वेशभूषा मे दिखाने वाले अनेक व्यग्यचित्र छापे गए जो इतने गदे थे कि उसके मित्रो और समर्थको को भी उन्हे देखकर लज्जा आती थी। मेरी के विलिअर्ड पहुचने पर अब्राहम उसको एक आखिरी कमरे मे ले गया जिसकी शीशे-जडित दीवार मे उसके पतले और ऊचे उठे हुए कधे दिखाई दे रहे थे।

'मेरी, मैने यह जीवन मे सबसे बडी गलती की। फिलेडेलफिया पहुचने पर जब बाल्टीमोर से पिंकर्टन का मुझे यह संदेश मिला कि उसे इस बात का सदेह है कि षड्यन्त्रकारी अपनी योजना को कार्यान्वित कर सकेंगे, तब मुझे इस बात का पता चला था। परन्तु यदि वस्तुत कोई षड्यन्त्र था, तो मुझे उसका सामना करना चाहिए था। अब से, मेरी, मै अपने लिए स्वय ही निर्णय किया करूगा और अपने मित्रो की राय को अपने लिए कानून नही मान बैठूगा। जो कुछ हो गया सो तो हो गया, किन्तु मैं स्वय ही इस बात से अनभिज्ञ था कि वस्तुत: सरगना कौन है। अब मैं जानता हू कि मै राष्ट्रपति हू। आज से कोई भी व्यक्ति अथवा व्यक्तियो का समूह हम लोगो के बीच मे नही आ सकेगा।'

मेरी ने अपने हाथ ऊपर उठाए और अब्राहम के गालो पर उगलिया फेरती हुई बोली :

'धन्यवाद, अब्राहम, तुमने आज मुझे ह्वाइट हाउस की स्वामिनी बनाया है।'

उद्घाटन-समारोह के सम्पन्न होने तक वे विलार्ड होटल मे ठहर गए। अब्राहम ने काम करने के लिए कोने मे एक मेज़ रख ली। सीनेटर सीवार्ड ने, जिसने दिसम्बर मे राज्य-सचिव का पद ग्रहण किया था, अभी हाल ही मे त्याग-पत्र दे दिया था क्योंकि अब्राहम ने बताया कि 'मैं उसकी इच्छा के बजाय अपनी

इच्छा से लोगो को नियुक्त करूगा। वह ओहायो के सीनेटर चेज़ के साथ काम करना नही चाहता जबकि मै उसको खज़ाने का सचिव बनाना चाहता हू। उन्मूलनकारी मन्त्रिमण्डल मे ऐसे लोगो को चाहते है जो एकदम दासता के अन्त की घोषणा करदे, रूढिवादी किसी भी उन्मूलनकारी व्यक्ति को मन्त्रिमण्डल मे सहन करना नही चाहते, वे चाहते है कि सीमावर्ती राज्यो के प्रतिनिधि ही मन्त्रिमण्डल मे लिए जाए। मुझे ऐसा कोई भी व्यक्ति दिखाई नही पडता जिसका घोर विरोध न किया जाए। मैं सीवार्ड को यह अवसर नही दे सकता कि वह अपने हथकडे दिखाए।'

जब विलिअर्ड होटल में रहते इन्हे कई दिन हो गए और एक भी दक्षिणी स्त्री मेरी से मिलने नही आई, तो मेरी ने मन ही मन कहा :

'क्या हमारे साथ विदेशियो जैसा व्यवहार किया जाएगा ?'

इस प्रश्न का उत्तर चाय के समय सुन्दर ऐडेल डगलस के रूप मे प्राप्त हुआ जो गुलाबी रग के फीते लगी हरे रग की पोशाक, सिर पर गोटेदार टोपी और हाथ मे बढिया चमडे के दस्ताने पहने हुए थी। मेरी ने उसके आने पर धन्यवाद दिया।

'श्रीमती डगलस, मैं नही समझती कि वाशिगटन की औरते मुझको जैसा अनभिज्ञ, फूहड और ग्रामीण कहती हैं वैसा वे मेरे बारे मे विश्वास भी करती हैं।'

ऐडेल डगलस ने मेरी का हाथ पकड लिया। उसके बडे भूरे नेत्रो मे सहानुभूति के भाव झलक रहे थे।

'प्रिय श्रीमती लिंकन, यह केवल राजनीतिक चोटे है, व्यक्तिगत नही। जब वाशिगटन दलदल की दशा मे ही था तो हमारे अधिकाश कुटुम्ब यहा आकर बस गए थे। उन लोगो ने यहा अपने घर बसाए और अपने साथ पुस्तके, सगीत, कला और वह सारी सस्कृति यहा लाए जिसका निर्माण वे लगभग दो सौ वर्षो से.कर रहे थे।'

'मेरे हृदय मे उनकी सस्कृति के प्रति बडा सम्मान है....'

'अभाग्य से ये लोग अपनी ऊची चारदीवारी ही मे सीमित होकर रह गए है। आप क्या, किसी भी सफल रिपब्लिकन की पत्नी के बारे मे कठोर बाते कही जाती। उनको भय है कि उनका शासन और उनकी शक्ति छिन जाएगी, किन्तु जब वे एक बार आपको जान जाएगे तो उनके मन का सारा मैल निकल

जाएगा ।' ऐडेल डगलस कुछ वक्र रूप मे मुस्कराई और फिर बोली, 'तुम्हे पराजित के प्रति उदार होना चाहिए ।' कुछ देर के पश्चात् वह बोली, 'ह्वाइट हाउस बहुत जीर्ण दशा मे है और मेरी दादी, चाची, डाली मेडिसन के समय मे यह भवन जितना शानदार और चमकीला था, उतना अब नही है । श्रीमती लिकन, इसको देश मे सबसे सुन्दर भवन बनाने का प्रयत्न करना क्योकि हमारी पुन प्रयत्न करने की योजना है · '

मेरी ने चाय लाने को कहा । चाय के साथ ही अबाहम आ पहुचा और कुछ ही देर बाद स्टीफेन डगलस आ गया जो पीला दिखाई पड रहा था । मेरी और ब्राहम ने सन् '५८ मे आल्टन के वाद-विवाद के बाद से उसे नही देखा था ।

'मेरी, बीस वर्ष पूर्व जब हम दोनो आइसक्रीम खाने के लिए वाटसन की दुकान पर गए थे, तो तुमने गुलाब के पुष्पो का विजय-हार मेरे गले मे डाला था, किन्तु मेरा विचार है कि तुम तब भी यह जानती थी कि एक दिन अब्राहम राष्ट्रपति अवश्य बनेगा ।'

मेरी ने अपना चेहरा सीधा करते हुए कहा, 'यदि मै ऐसा नही जानती तो मै उनके साथ विवाह ही नही करती । स्टीव, चाय कैसी है ?'

'मेरी शराब मे 'एक-एक बूंद करके डालो ।'

यह लोग चाय पी रहे थे कि मेरी की बहन मार्गरेट और उसका पति चार्ल्स एच० केलाग सिनसिनाटी से आ पहुचे । उनके पीछे-पीछे मेरी का सौतेला भाई अलेक्जैंडर आ पहुचा । वह लाल बालो वाला लडका था और जब मेरी ने स्प्रिंगफील्ड को प्रस्थान करते समय उसे लेक्सिगटन मे छोडा था तो उसकी आयु केवल आठ मास की थी । बेर्त्सी बीमार थी और नही आ सकी, सैमुअल और डेविड ने लिख भेजा कि न्यूआर्लियन से वहा तक की यात्रा बडी लम्बी है, जार्ज ने कहला भेजा कि वह एक काले रिपब्लिकन के उद्घाटन-समारोह मे सम्मिलित नही होगा, उसकी बहन इलोडी भी सघ से अलग होने के पक्ष मे थी, किन्तु उसकी बहन मारथा और उसके पति ने कौटुम्बिक सम्बन्ध को राजनीति से अधिक महत्व दिया । मेरी को सबसे अधिक निराशा एमिली और बेन हार्डिन हेल्म के न आने पर हुई क्योकि उनके हाथ मे कुछ ऐसे महत्वपूर्ण मुकदमे थे, जिन्हे स्थगित नही किया जा सकता था।

अब्राहम ने शपथ लेने के अवसर के लिए अपने एक भी सम्बन्धी को नही बुलाया था।

मेरी की सबसे बडी इच्छा यह थी कि ४ मार्च जल्दी आ जाए ताकि वह अपने घर मे प्रवेश कर सके। अब मेरी को होटलो मे रहना उतना पसन्द नही था जितना उसे उन दिनो मे था जबकि वे ग्लोब होटल के एक छोटे-से कमरे मे ठहरे थे। बरामदे, कमरो, डाइनिग कमरे आदि मे कोई पर्दा नही रह सकता था। यहा तक कि उनके कमरो के बाहर का बरामदा भी चौबीसो घटे ऐसे लोगो से घिरा रहता था जो देश के प्रत्येक कोने से पद की प्राप्ति के लिए आते थे और उनके साथ कागज़ो का एक बडल होता था जिससे यह सिद्ध हो जाए कि अयोग्य डेमोक्रेटो के स्थान पर उन्हे अच्छे-अच्छे पदो पर लगाया जाना चाहिए।

उद्घाटन वाले दिन आकाश पर मेघ छाए हुए थे और वायुमडल मे घुटन थी। दोपहर को राष्ट्रपति बुकानन विलिअर्ड होटल मे आया। उसका मुख खडिया के समान सफेद था और उसकी गर्दन मे एक बडा सफेद कपडा लिपटा हुआ था। उसने मेरी को औपचारिक रूप मे नमस्कार किया और फिर अब्राहम से पूछा कि क्या वह तैयार है। मेरी और उसके तीनो लडके उनके पीछे-पीछे चल पडे और जब ये लोग पटरी पर पहुचे तो बाजे ने अभिवादन की ध्वनि बजाई। उसके बाद ये लोग खुली बग्घी तक पहुचे। बग्घी के आगे-आगे सेना का मार्शल चल रहा था और उनके पीछे-पीछे नीली वर्दिया और सफेद हैट पहने हुए पक्तियो मे सैनिक चल रहे थे।

मेरी की गाडी इस जलूस के कही बीच मे थी और उसके आगे काग्रेस के सदस्य, विधिवेत्ता, पादरी और राजनयिक थे। पेनसिलवानिया एवन्यू के दोनो ओर सैनिक चल रहे थे। इस एवन्यू को इतना स्वच्छ कर दिया गया था कि उसपर मिट्टी का एक कण भी नही था। जब मेरी की बग्घी शनै-शनै. राजधानी के गुम्बद की ओर, लोहे के सलाखो से बना जिसका ढाचा गगन से बाते कर रहा था, बढी तो मेरी ने देखा कि तेज़ निशाना मारने वाले सिपाही खिडकियो और छतो पर बैठे है। अब्राहम की बग्घी के आगे सशस्त्र वेस्ट प्वाइन्ट खनिको का एक पूरा जत्था था। जलूस के हर तरफ दूर-दूर तक इतनी सेना थी कि मेरी

बडी कठिनाई से सुन्दर वृक्षों को देख पाती थी। ज्योही उसकी गाडी एक-दूसरे से मिली-जुली गलियो के सामने से गुजरी तो मेरी ने देखा कि जनरल स्काट के सिपाही हर दिशा मे मुह किए घूम रहे है।

चार वर्ष पूर्व जब राष्ट्रपति बुकानन जलूस के साथ 'उद्घाटन-समारोह मे गए थे तो चारो ओर झडिया लगी हुई थी और लोग बडे उत्साह से तालिया बजा रहे थे। अब पेनसिलवानिया एवन्यू पर खडे हुए लोगो के चेहरो पर जब मेरी ने दृष्टि घुमाई तो देखा कि उनमे से अधिकाश चुपचाप थे और बहुत-से चेहरो पर तो स्पष्ट रूप से उपेक्षा के भाव झलक रहे थे। खिडकिया बन्द थी और उनमे सिटकनी लगा दी गई थी। पथरीली भूमि पर सैनिको के कदमो और बग्घी के पहियो की गडगडाहट की आवाज़ के अतिरिक्त और कोई आवाज़ नही थी। राष्ट्रपति का वाशिंगटन मे सदा की भाति उत्साहपूर्वक स्वागत करने के लिए न तो कोई बाजे बज रहे थे और न लोगो की भीड खुशी से तालिया बजा रही थी अथवा नारे लगा रही थी। जनरल स्काट ने उनसे कहा था कि उद्घाटन की इस परेड का उद्देश्य केवल नये प्रेसीडेन्ट की रक्षा करना ही नही, अपितु राजधानी पर आक्रमण करने की जो धमकी दी गई है, उसको भी रोकना है।

मेरी ने इसका स्वप्न मे भी विचार नही किया था।

मेरी मच पर दूसरी पक्ति मे अपने स्थान पर जाकर बैठ गई। यह मच राजधानी के पूर्वी भाग मे बनाया गया था। स्थल-सेना के कई जत्थो ने पिछली रात मंच के तख्तो के नीचे लेट-लेटकर काटी थी, क्योकि मच को उडाने की धमकी दी गई थी। मच के चारो ओर भूमि पर टूटे हुए पत्थर, तार, कटे हुए लकडी के तख्ते और कारीगरो के औज़ार पडे हुए थे। सब चीज़े बडी ही अस्त-व्यस्त और अपूर्ण दशा मे थी। राज्यभवन की प्रत्येक खिडकी मे सिपाही सगीन ताने बैठे थे। मेरी की कुर्सी के दोनो ओर उसके बेटे बैठ गए और उनके बिलकुल साथ स्टीफेन और ऐडेल डगलस बैठ गए। मच के सामने इतने लोग भी नही थे जितने सन् १८५८ मे अब्राहम और डगलस के प्रथम वाद-विवाद के दिन ओटावा के सार्वजनिक स्क्वेयर मे एकत्र हो गए थे।

अब्राहम ने अपना परिचय देने के लिए अपने मित्र एडवर्ड बेकर को चुना, जिसकी रक्षा के लिए वह छत से कूद पड़ा था और जिसके बाद उसने मेरी के

जीवन मे पदार्पण किया था। एडवर्ड बेकर सुन्दर था, उसके बाल सफेद थे और चेहरा लाल था। वह १८५२ मे एक नवीन जीवन प्रारम्भ करने के लिए चल निकला था और पैसिफिक कोस्ट से अकेले रिपब्लिकन सीनेटर के रूप मे नये प्रशासन का समर्थन करने के लिए वाशिंगटन भेजा गया था। भूमि-कार्यालय मे पद प्राप्त न होने की निराशा के पश्चात् १८४६ मे ओरेगन से सीनेटर चुने जाने की आशा से ही अब्राहम अपनी स्थिति को दृढ करने के उद्देश्य से पश्चिमी अमेरिका मे प्रव्रजन करने के लिए उद्यत हो गया था।

अब्राहम मच पर चढ आया। उसके चेहरे पर दाढी कानो से ठीक नीचे सीध मे बढ रही थी। ठोडी के दोनो ओर बालो के बडे-बडे गुच्छे-से थे, किन्तु उसके ऊपर वाले ओठ और धसे हुए गालो पर इतने बाल नही थे। मच पर अब्राहम के आने पर कुछ लोगो ने निरुत्साहित रूप मे ताली बजाई। सीनेटर बेकर ने गिने-चुने शब्दो मे अब्राहम का सक्षिप्त परिचय दिया। अब्राहम उठा, सुनहरी मूठ वाले बेत को, जो उसे भेट मे दिया गया था, एक छोटी मेज़ पर रखा, अपने ऊचे रेशमी हैट को उतारा और छोटी मेज़ पर उसे रखने के लिए पर्याप्त स्थान न पाकर इधर-उधर दूसरे स्थान के लिए देखने लगा कि स्टीफेन डगलस आगे झुका और उसने हैट को लेकर अपनी गोद मे रख लिया। उसने मेरी की ओर उदासीभरी दृष्टि से देखा।

अब्राहम को इधर-उधर हिलने के लिए बहुत कम स्थान रह गया था। उसने अपने कोट की भीतरी जेब से अपने भाषण के कागज़ निकाले और उन्हे मेज़ पर रख लिया। फिर उसने अपनी ऐनक को ठीक तरह से लगाया। दर्शक मैदान मे बिखरे हुए पत्थरो के टुकडो के समान ही चुप थे। जब अब्राहम ने भाषण आरम्भ किया तो उसका स्वर कुछ तेज था और कुछ-कुछ नाक से निकल रहा था। मेरी ने उस स्वर को इलीनाइस की असख्य सभाओ को सम्बोधित करते हुए सुना था। अब्राहम के कुछ ही वाक्यो के बोलने पर मेरी के मन की उत्तेजनापूर्ण स्थिति समाप्त हो गई और वह आराम से कुर्सी की पीठ से लगकर बैठ गई क्योकि अब्राहम ऐसे ढग से उद्घाटन-सम्बन्धी भाषण दे रहा था, जैसे मानो वह अपने सारे जीवन को उन्हे अर्पित कर रहा हो।

सर्वप्रथम उसने दक्षिण वालो को आश्वासन देने का प्रयत्न किया

'दक्षिणी राज्यो के लोगो को यह आशका है कि रिपब्लिकन प्रशासन के

हो जाने से उनकी सम्पत्ति, उनकी शान्ति और उनकी व्यक्तिगत स्वतन्त्रता सकट मे है ···उन राज्यो मे, जहा दासता की पद्धति विद्यमान है, उसमे प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से हस्तक्षेप करने का मेरा कोई इरादा नही है ।'

दूसरे उसने दक्षिणी राज्यो को यह स्पष्ट रूप से बता दिया कि वे अलग नही हो सकते ।

'कोई भी राज्य वैधानिक रूप से सघ से पृथक् नही हो सकता, तत्सम्बन्धी सकल्प और अध्यादेश कानूनी तौर से गलत है अत मेरा विचार है कि सविधान और कानूनो को देखते हुए सघ अविच्छिन्न है, और जहा तक मेरी सामर्थ्य है, मै इस बात का पूरा प्रयत्न करूगा कि सघ के कानूनो का पूरी तरह से पालन हो।'

फिर अब्राहम ने अपनी लम्बी भुजाए इस प्रकार से फैलाईं, जैसे मानो वह सम्पूर्ण जाति को अपनी भुजाओ मे समेट लेना चाहता हो और वह प्रेम और वेदना से भरी वाणी मे चिल्लाकर बोला

'मेरे असतुष्ट साथी देशवासियो, गृह-युद्ध की यह महत्वपूर्ण समस्या तुम्हारे हाथो मे है, मेरे हाथो मे नही । सरकार तुमपर कोई आक्रमण नही करेगी । जब तक तुम स्वय आक्रमणकारी नही बनते, तब तक झगडे का कोई प्रश्न नही उठ सकता। तुमने ईश्वर के समक्ष ऐसी कोई सौगध नही खाई है कि तुम्हे सरकार को नष्ट ही करना है जबकि मुझे इसकी सुरक्षा और प्रतिरक्षा के लिए एक शपथ लेनी होगी । मुझे सकीर्णता से घृणा है। हम दुश्मन नही बल्कि मित्र है । हमे दुश्मन होना भी नही चाहिए ' यदि हम अपने इस महान् देश के प्रत्येक रणक्षेत्र और देशभक्त की समाधि से निकलने वाले गुप्त सदेश को सुने तो हम देखेगे कि वह अब भी प्रत्येक धडकते दिल को और यहा के कण-कण को एकता के भावो से भर देगा ।'

मेरी ने देखा कि इस वाक्य से अब्राहम के भाषण करने के लिए उठने के समय की अपेक्षा लोगो ने अधिक उत्साह के साथ तालिया बजाई । वृद्ध उच्चन्यायाधिपति ताने, जिसने ड्रेड स्काट मे यह निर्णय देकर कि दासो को मानवो की श्रेणी मे नही रखा जा सकता, अब्राहम की विजय के आसार अच्छे कर दिए थे, मखमल की लिपटी हुई बाइबल की एक प्रति लेकर आगे आए । अब्राहम ने खुली हुई बाइबल पर अपना बाया हाथ रखा और अपने क्षीण लम्बे दाए हाथ

को आकाश की ओर उठाकर उच्चन्यायाधिपति के शब्दो मे दोहराया :

'मै अब्राहम लिंकन, सच्चे हृदय से यह शपथ लेता हू कि मैं सयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के पद के कर्तव्यो को पूरी तरह से निभाऊगा और अपनी पूरी सामर्थ्य से सयुक्त राज्य अमेरिका के सविधान को कायम रखू गा, उसकी रक्षा करू गा और उसका पक्ष लू गा।'

मच पर बैठे उच्चपदाधिकारियो ने बधाई देने के लिए उसे चारो ओर से घेर लिया। अब्राहम मेरी की ओर बढा और गम्भीरतापूर्वक उसका मुख चूम लिया। पहाडी पर तोपे छूटने लगी जिन्होने ससार भर मे यह घोषणा कर दी कि सयुक्त राज्य अमेरिका का एक नया राष्ट्रपति नियुक्त कर दिया गया है।

मेरी ने अपने मन मे इच्छा की कि अब अन्तिम श्वास तक और कोई तोप चलने की आवाज सुनाई न दे।

७८

उत्तरी सडक से होते हुए उनकी गाडी ह्वाइट हाउस के बडे द्वार के समक्ष आकर रुकी। भूतपूर्व राष्ट्रपति बुकानन ने विदाई मे हाथ मिलाते हुए कहा

'ह्वाइट हाउस से विदा लेते समय मै जितना प्रसन्न हू, यदि आप इसमे प्रवेश करते समय उतने ही प्रसन्न है तो निस्सदेह आप ससार मे सबसे सुखी व्यक्ति है।'

जब रुग्ण वृद्ध व्यक्ति ने अपनी गाडी मे बैठकर प्रस्थान किया तो मेरी काप उठी।

अब्राहम ने मेरी के हाथ मे अपना हाथ डाल दिया। दोनो ने इकट्ठे द्वार की दहलीज को पार किया। ओल्ड एडवर्ड ने, जो बहुत समय से द्वारपाल था और आयरलैंड का निवासी था, उनको विनयपूर्वक अभिवादन किया। अपने लडखडाते हुए कदमो को सहारा देने के लिए जब मेरी ने अब्राहम का हाथ कसकर पकडा तो उसे अपने दिल की धडकन साफ सुनाई दे रही थी।

मेरी ने फुसफुसाते हुए कहा, 'अब्राहम, हम घर आ गए।'

उन्होने ड्योढी के अन्दर तीन कदम ही रखे थे कि द्वारपाल के सन्तरी-कक्ष से जनरल विनफील्ड स्काट सुनहरे बटन तथा पीले रंग की झालर लगी चमकदार वर्दी धारण किए हुए बाहर आया। उसके हाथ मे युद्ध-विभाग से प्रेषित कागजो का बडल था।

'राष्ट्रपति महोदय, यह डाक अभी-अभी चार्ल्स्टन हार्बर मे फोर्ट समटर के सेनापति एडरसन ने भेजी है। उसको चारो ओर से सागर-तट की तोपो ने घेर लिया है और विद्रोही सम्पूर्ण सेना को नष्ट करने की धमकी दे रहे है।...उसने हमको चेतावनी दी है कि यदि १५ मार्च तक सहायता नही भेजी जाएगी तो वह किले को खाली करने के लिए बाध्य हो जाएगा।'

अब्राहम ने जनरल का धन्यवाद किया। वह चला गया। वे दोनो ऊपर चढते गए और बडी सीढियो तक आ पहुचे। मेरी ने घूमकर अब्राहम की ओर देखा। उसके माथे पर लाली उभर आई।

'जनरल स्काट क्या हमे इतना अवसर भी प्रदान नही कर सकता था कि जिससे कम से-कम हम यह तो पता लगा लेते कि हमे कहा रहना है और कहां हाथ धोना है ? क्या ह्वाइट हाउस मे घुसने के कुछ ही क्षणो के अन्दर उसे तुम-पर लडाई का भार सौपना था ?'

अब्राहम ने अपने हाथ को प्रेमपूर्वक उसके हाथ मे दे दिया, अपनी लम्बी गर्दन को नीचे की ओर झुकाया और बडे शिष्ट व्यग्य मे उसके कान मे कहा:

'मेरी, हम घर आ गए है।'

भवन के पश्चिमी भाग मे उनके रहने के कमरे थे और वे सार्वजनिक सीढियो से जो सीधी अब्राहम के कार्यालय पर जाकर समाप्त हो जाती थी और जिनके जरिये ही अब्राहम के पास राष्ट्र का सारा कार्य आता था, काफी दूर थे। ह्वाइट हाउस का सदेशवाहक स्टैकपोल उन्हे पहली मजिल पर ही मिल गया। उसने इन लोगो को सचिवालय के अनेक कमरे और प्रतीक्षा-गृह दिखाए। बाद मे उसने उन्हे अब्राहम के कार्यालय मे पहुचा दिया। यह कमरा बहुत ही बडा था, उसकी छत बहुत ऊची थी और उसको रगड-रगडकर साफ किया गया था। कमरे की दक्षिणी दीवार मे फर्श से लेकर छत तक की दो बडी खिडकिया थी। ऐसी खिडकिया मेरी ने होगेन हाउस मे देखी थी। इनसे घास के हरे

मैदान, प्रेसीडेन्ट के बाग, पोटोमाक नदी तक फैली हुई काई का मनोहर दृश्य दिखाई देता था और सबसे अद्वितीय दृश्य वाशिंगटन के उस स्मारक का था जो आधे से भी कम बन पाया था। अब्राहम ने अपने होठो का एक कोना सिकोडा और बोला :

'ऐसा प्रतीत होता है कि मुझे उत्तराधिकार मे अधिकाशत अधूरे कार्य ही मिले है—उदाहरणत, राष्ट्रपति-भवन का यह खुला गुम्बद, प्रेसीडेन्ट वाशिंगटन का यह अपूर्ण स्मारक, दक्षिण कैरोलिना के पत्तन मे किनारे की तोपो से घिरी हुई सघ की सेना, जिसको यदि हमने सहायता पहुचाने का प्रयत्न किया, तो उसे नष्ट कर दिया जाएगा। किन्तु मुझे आज प्रात.काल के अपने शब्द याद आ रहे हैं कि जो शक्ति मुझमे सौपी गई है, उसका प्रयोग सरकार की सम्पत्ति और स्थानो की रक्षा करने, प्राप्त करने और उसपर अधिकार जमाने के लिए किया जाएगा। क्यो श्रीमती प्रेसीडेन्ट, आपका क्या विचार है ? मैंने इसके लिए वचन दिया था न ?'

मेरी असख्य खानो वाली उस बडी-सी मेज के पास गई, जो दोनो खिडकियों के बीच मे रखी हुई थी। उसने अखरोट की लकडी की चतुर्भुजाकार मेज पर अपना हाथ फेरा जिसके इर्द-गिर्द पुरानी टूटी-फूटी कुर्सिया पडी थी। पश्चिमी दीवार पर सगमरमर की अगीठी के ऊपर एन्ड्रयू जैक्सन का चित्र था। उस व्यक्ति के चित्र को देखते हुए, जिसकी नीतियो और दल का अब्राहम ने कभी समर्थन नही किया था, मेरी ने पूछा .

'इस पतले और लम्बे चेहरे वाले राष्ट्रपति ने क्या किया होगा ?'

अब्राहम ऊपर की ओर मुख किए तथा गभीरतापूर्वक हसते हुए खडा रहा। चुनाव से उसका वजन तीस पौड घट चुका था और उसके गालो पर हड्डिया इस प्रकार उभरी हुई थी जैसे अथाह सागर मे चट्टाने उभरी हुई हो।

'वही जो उसने सन् ३२ मे किया था जबकि दक्षिणी कैरोलिना ने सघ के प्रशुल्क कानून को रद्द करने वाला एक कानून पारित किया था और यह धमकी दी थी कि यदि सघ-सरकार ने जबरदस्ती प्रशुल्क वसूल करने का प्रयत्न किया तो वह सघ से अलग हो जाएगा। जैक्सन ने एक युद्ध-पोत और सात राजस्व नौकाओ को चार्ल्स्टन की ओर भेज दिया और इसके पश्चात् यह घोषणा कर दी : 'किसी राज्य को अलग होने का अधिकार नही है। किसी भी मूल्य पर

और किसी भी खतरे मे सघ को कायम रखा जाएगा। सविधान मे सरकार की व्यवस्था की गई है, सघटन की नही। कोई भी राज्य अपनी इच्छा से सघ से अलग हो सकता है। यह कहने का तात्पर्य तो यह स्वीकार करना है कि सयुक्त राज्य अमेरिका एक राष्ट्र नही है। शस्त्र-बल से अलग होना गद्दारी है।'

जैक्सन के सफेद बालो और मृतक के समान खोखले गालो से अब्राहम ने अपनी दृष्टि हटाई और मेरी की ओर मुडकर बोला

'समझी, उसका एक-एक शब्द मेरे मस्तिष्क मे तूफान मचा रहा है। इससे पहले मैं नही समझ पाया था कि वह कितना महान् पुरुष था।'

दरवाज़े पर खट-खट की आवाज हुई। स्टैकपोल ने सूचना दी कि सीनेटर विलियम एच० सीवार्ड राष्ट्रपति से मिलना चाहते हैं। अब्राहम ने मेरी को सकेत किया कि कमरे के अन्तिम कोने मे पडी कुर्सी पर जाकर बैठ जाए। मेरी ने बडे ही ध्यान से उस पुरुष की ओर देखा जिसके बारे मे यह प्रसिद्ध था कि सारे दल मे उससे बढकर राजनीतिज्ञ और कोई नही है। वह अधिक बलिष्ठ नही था, शरीर कुछ-कुछ झुका हुआ था, गर्दन लम्बी व पतली थी और सिर काफी बडा था। उसकी आखे रहस्यपूर्ण किन्तु आकर्षक थी, मुख लचीला था, जैसे वह बातचीत के लिए ही बनाया गया है और उसकी नाक उठी हुई तथा गरुडवत् थी।

सीवार्ड ने, जिसके मुह मे सदा ही सिगार लगा रहता था और जिसकी वजह से उसके बोलने मे कुछ बाधा उत्पन्न हो जाती थी, कहा, 'राष्ट्रपति महोदय, मैं आपको यह बताना चाहता हू कि आपने अपने पत्र मे जिन इच्छाओ को व्यक्त किया है उनसे मै सहमत हू और अपना त्यागपत्र वापस लेता हू।'

अब्राहम ने कहा, 'धन्यवाद मिस्टर सीनेटर, क्योकि मन्त्रिमण्डल के लिए मैंने आपका नाम सर्वप्रथम रखा था अत आपका त्यागपत्र मेरे लिए बडे दु:ख का कारण था।'

सीवार्ड ने मुडकर मेरी की ओर देखा और आदरपूर्वक झुककर कहा, 'राज्य-सचिव के रूप मे मै प्रथम राज्य-भोज दूगा।'

मेरी भी झुकी और फिर शिष्टतापूर्ण किन्तु दृढता के भाव से बोली, 'मिस्टर लिकन राष्ट्रपति है। मुझे यही उचित जचता है कि प्रथम राज्य-भोज हम ही दे।'

सीनेटर सीवार्ड ने जब मेरी की ओर देखा तो उसका बडा सिर उसके पतले सीने पर झुक गया। उसकी निगाहो से कुछ ऐसा प्रतीत होता था, मानो वह फिर त्यागपत्र दे देगा। इसकी अपेक्षा वह केवल इतना ही कह सका, 'राष्ट्रपति महोदय, मैं श्रीमती राष्ट्रपति,' और फिर चला गया।

मेरी और अब्राहम काफी देर तक एकटक एक दूसरे को देखते रहे, उनके दिमागो मे विचार इतने वेग से आ-जा रहे थे कि उन्हे शब्द नही सूझ रहे थे। अब्राहम ने अपना हाथ मेरी के हाथ मे डाला।

'मेरी, यद्यपि हम वही पुराने बुद्धू है, किन्तु ऐसा दिखाई पडता है कि अन्ततोगत्वा हम यहा के स्वामी बन ही जाएगे।'

वे ह्वाइट हाउस के पश्चिमी भाग की ओर साथ-साथ गए और जाते समय यह निश्चित करते गए कि आज रात को किन-किन कमरो मे मेरी के परिवार के लोग और अतिथि सोएगे और फिर घरेलू ज़ीने से, जो छोटे-से स्वागत-कक्ष को नीचे बडे दालान से मिलाता था, नीचे गए और उन्हे ओहायो क्षेत्र से अब्राहम के समर्थक की पत्नी श्रीमती डान पियाट के शब्द याद आ गए :

'वहा के कमरो की दशा एक घरेलू बोर्डिग हाउस के कमरो से भी बुरी है।'

लिज़ी ग्रिम्सले ने हा मे हा मिलाई, 'फर्नीचर तो इतनी बुरी दशा मे हे, मानो यह प्रथम राष्ट्रपति के समय मे खरीदा गया हो। मेरे कमरे मे वह जो महोगनी लकडी का फ्रासीसी पलग है, उसकी तो चूल-चूल ढीली हो गई है। अगर प्रातःकाल को मै कही दिखाई न दू तो मुझे पलग के मलबे के नीचे से निकाल लीजिएगा।'

ठीक उसी समय जान निकोले कार्यपालिका-कार्यालय से राष्ट्रपति को बुलाने आया। वह शान्तिप्रिय व्यक्ति था, तिनके के समान पतला था, उसके नेत्र नीले और उत्तेजनाहीन थे, मूछे और छोटी दाढी गहरे भूरे रग की थी। जब मेरी ने उसका हाल पूछा तो उसने बडी चतुराई से उत्तर दिया :

'हमारे पास अच्छे कार्यालय है और उत्तर-पूर्वी कोने मे एक सुन्दर और बडा शयनागार है, किन्तु मै इतना अवश्य कहूगा कि सबमे नये फर्नीचर और

दरियो की सख्त जरूरत है।' फिर उसके चेहरे पर थोडी-सी मुस्कराहट उभर आई और बोला, 'मेरा व्यक्तिगत विचार है कि शीघ्र ही यह सब कुछ ठीक कर दिया जाएगा।'

राजकीय भोजन-कक्ष मे प्रवेश करते हुए, जोकि ठीक उसके शयनकक्ष के नीचे था, मेरी ने सोचा, अवश्य यह सब ठीक कर दिया जाएगा किन्तु एकदम नही। सर्वप्रथम तो इन सरकारी कमरो पर पुन पालिश कराई जाएगी, जहा ससार भर के लोग प्रशासन का प्रबन्ध देखने आएगे। जब तक मेरी ह्वाइट हाउस के सरकारी भाग को एक आलीशान भवन के रूप मे परिवर्तित नही कर लेगी, जैसाकि ऐडेल डगलस ने कहा था कि वह ऐसा करा सकती है, तब तक ये लोग जैसे भी होगा ऊपर वाले कमरो मे गुजारा कर लेगे।

मेरी ने राजकीय भोजन-कक्ष मे घूम-घूमकर देखा कि वह बडा तो काफी है किन्तु उसकी दरी गदी है, झाड-फानूसो को वर्षो से साफ नही किया गया है और परदो का रग फीका पड चुका है। वह लकडी के बडे-बडे द्वारो से होकर लाल कमरे मे गई और राष्ट्रपति वाशिगटन के चित्र के सामने खडी हुई जिसको डाली मेडिसर्न ने चौखटे मे से निकाल लिया था, जबकि १८१४ मे बढती हुई ब्रिटिश सेना से डरकर सारा शासन तितर-बितर हो गया था। प्रारम्भिक वर्षो मे इस कमरे मे मन्त्रिमडल की बैठके हुआ करती थी। यह कमरा काफी बडा था और अब्राहम के शयन-कक्ष के बिलकुल ठीक नीचे था। दीवार पर के कागज का रग उड चुका था और भारी-भारी मेज-कुर्सिया अच्छी नही लग रही थी।

फिर मेरी ओवल स्वागत-कक्ष मे गई। यह उनके पुस्तकालय व बैठक के कमरे के ठीक नीचे था। मेरी उसे देखते ही मोहित हो गई। वह कवि की कल्पना के समान सुन्दर था और जब मेरी कमरे के मध्य मे पडे वृत्ताकार सोफे पर बैठी और अगीठी के ऊपर लगे एक बडे शीशे मे अपना प्रतिबिम्ब देखा तो उसने निश्चय किया कि छत पर रोगन हो जाने के पश्चात् वह दीवार पर नीले रग की ही अबरी चढाएगी और कमरे को नीले रग के परदो, दरियो तथा फूलदान से सजाएगी।

इसके बाद ग्रीन रूम (हरा कमरा) आता था। यह बहुत कम काम मे लाया जाता था। कभी-कभी जब कोई अतिथि आता था तो उसको इसमे

ठहरा दिया जाता था क्योकि मलिन हरी दीवारो से महिलाओ का रग भी मलिन पड जाता था। यह पूरे भवन मे सर्वाधिक भद्दा और उपेक्षित कमरा था। मेरी जानती थी कि इस कमरे की सदा ऐसी ही दशा नही रही थी, ऐडम्स, जेफर्सन और मेडिसन ने इसको मुख्य डाइनिंग कमरे के रूप मे इस्तेमाल किया था, जेम्स मेनरो ने इसको मनोरजन-कक्ष के रूप मे प्रयोग किया था और इसमे शीशे तथा झाड-फानूस लगा दिए थे और इसे सुगन्धित लकडी के नक्काशीदार फर्नीचर से सजा दिया था। मेरी ने निश्चय कर लिया कि वह इस कमरे को पूर्ववत् सुन्दर बना देगी।

जब मेरी बडे ईस्ट रूम (पूर्व कक्ष) मे गई, तो वह हाफने लगी। यह पूरे ह्वाइट हाउस के बराबर चौड़ा था। वह अस्सी फुट लम्बा और चालीस फुट चौडा था और इसमे चार बडी-बडी अगीठिया थी। मेजो के ऊपर बडे-बडे शीशे थे। छत पर बडे-बडे झाड-फानूस टगे हुए थे। इसीमे औपचारिक स्वागत-समारोह तथा भोज होते थे। इसी कमरे मे एबिगेल ऐडम्स ने १८०० मे लम्बी पक्तियो मे परिवार के चित्र लटका दिए थे। मखमल का कालीन जीर्ण हो चुका था और फटे हुए परदो के पीछे लगी मलमल साफ दिखाई दे रही थी।

मेरी अपने घरेलू जीने पर चढी। उसका मस्तिष्क यह सोचकर चकरा रहा था कि उसे कितना अधिक काम करना है। उसे सर्वोत्तम सामान इकट्ठा करना होगा। दीवारो पर लगाने के लिए फ्रासीसी कागज़ लेना पडेगा। बढिया कालीनो का प्रबन्ध करना होगा और ऐसी चीज़े जुटानी होगी जो अपने आपमे कला का नमूना हो। बुकानन ने पुराने ढग का जो भडार बनवा दिया था उसके अतिरिक्त दस वर्षों से ह्वाइट हाउस की मरम्मत आदि मे बहुत कम व्यय किया गया था और जब से श्रीमती फिलमोर ने रसोईघर मे कोयले रखने का स्थान बनवाया था और ऊपर वाली बैठक मे प्रथम स्थायी पुस्तकालय बनाने के लिए काग्रेस से पाच हज़ार डालर प्राप्त किए थे, तब से तो इसपर कुछ भी व्यय नही किया गया था। प्रत्येक वस्तु रगडकर साफ की गई थी किंतु काफी सख्या मे नौकरो के लग जाने पर भी यह कमरा ऐसा ही प्रतीत होता था जैसे वह उन लोगो का कमरा हो जो कभी बहुत धनवान् रह चुके हो, किन्तु अब निर्धन हो गए हो।

मेरी ने अब्राहम को अपने कार्यालय मे मेज़ पर रखे हुए पत्रो को छांटते हुए पाया। उसने आते ही भवन की मरम्मत के बारे मे अपनी सारी योजना बता डाली। अब्राहम ने अपने चश्मे के ऊपर से मेरी को ऐसे देखा जैसे एक स्कूल-अध्यापक एक उत्तेजित विद्यार्थी को देखता हो।

'मेरी, तुम तो खजाने को ही समाप्त कर दोगी। क्या तुम इसे ठीक समझती हो कि जबकि सात राज्यो से कोई राजस्व प्राप्त नही हो रहा है, इस भवन की मरम्मत कराई जाए?'

'राष्ट्रपति महोदय, तुम्हारी बात तो ठीक है, किन्तु तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही सच्चा है। ह्वाइट हाउस को इसी बुरी दशा मे छोडने का तात्पर्य यह है कि हमे भविष्य पर कोई भरोसा नही। यदि हम जर्जर दशा मे रहेगे तो उससे दक्षिण वालो को हमारी दशा को और भी बिगाडने का प्रोत्साहन मिलेगा, और उन राजनयिको के बारे मे क्या विचार है जो हमको इस प्रकार रहता हुआ देखेगे? क्या हमारी गरीबी और दुर्बल भविष्य के बारे मे उन राजनयिको की रिपोर्टो से हमारी हानि नही होगी जबकि अलग होने वाले राज्य अन्य देशो से मान्यता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे है?'

अब्राहम को यह बात बडी अच्छी लगी और वह बोला

'मेरी, मूलत. तुम ठीक ही कहती हो, हमारा देश निर्धनो का देश नही है और उत्तरी भाग का कोई भी व्यक्ति यह नही चाहेगा कि हम निर्धनो की तरह रहे और इतना तो कोई सहन ही नही कर सकेगा कि हमारी दुर्बलता दक्षिण वालो पर प्रकट हो। अत. हमारी समस्याए एक जैसी है। जिस चीज़ की आज तक उपेक्षा की गई है और जिसको आज तक टुकडे-टुकडे होने दिया है उसके पुनर्निर्माण के हेतु हमे अपनी पूरी शक्ति और सम्पूर्ण साधन लगा देने चाहिए। इस काम के लिए काग्रेस से आवश्यक धनराशि स्वीकृत कराने का उत्तरदायित्व मेरे ऊपर रहा।'

दोनो ने मिलकर जेम्स् बुकैनन का चित्र भी अपनी दृष्टि से हटा दिया।
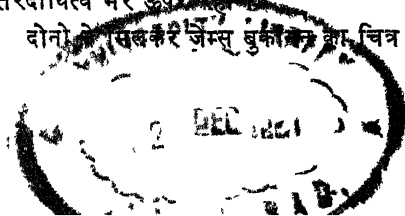
मेरी प्रातः सात बजे से पूर्व ही जाग गई। सूरज की किरणो से कमरा प्रकाशमान था। मेरी बिस्तर से उठी और अपनी रात वाली पोशाक पहने ही खिडकी पर आकर खडी हो गई। सामने सुन्दर घास का मैदान था। पुरानी नहर की दूसरी ओर उसने पोटोमक नदी का दृश्य देखा, जिसका जल सूर्य की किरणो से चमक रहा था। छोटी छोटी नौकाए पानी पर तैर रही थी। दूर आकाश मे उसने वर्जीनिया की हरी-हरी पहाडियो की झलक देखी। मेरी को यह दृश्य इतना ही आकर्षक लगा जितना कि उसने ब्ल्यू ग्रास मे देखा था। इस दृश्य मे केवल एक ही कमी थी और वह यह थी कि बिल्कुल सामने वाली पहाडी पर ही पागलखाना दिखाई दे रहा था।

मेरी के शयन-कक्ष के साथ वाले शृगार-कक्ष के एक कोने मे विलियम और टाड सो रहे थे और राबर्ट तथा डाक्टर वालेस ऊपर वाले अतिथि-कक्ष मे सो रहे थे। हाल के परे एलेजबेथ, उसकी लडकी और लिजी ग्रिम्सले प्रिन्स आफ वेल्स के बडे अतिथि-कक्ष मे सो रही थी। उसके अन्य रिश्तेदार तीन कमरे और घेरे हुए थे। मेरी को बिल्कुल ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे वह लेक्सिगटन वाले टाड-गृह मे हो।

दूसरे कमरे मे स्लीपर पहने हुए अब्राहम के घूमने की आवाज सुनाई दी। मेरी ने अपना कश्मीरी शाल ओढा, द्वार को खटखटाया और अन्दर चली गई। यह भी बहुत बडा कमरा था जिसकी छत काफी ऊची थी। यह ओवल पुस्तकालय से मिला हुआ था जिसको मेरी बैठक मे बदलने की सोच रही थी। इसमे नौ फुट का महोगनी लकडी का पलग पडा हुआ था जिसको स्प्रिगफील्ड से उनके मित्रो ने भेटस्वरूप भेजा था, ताकि राष्ट्रपति लिंकन ह्वाइट हाउस मे प्रथम रात्रि को उस पलग पर आराम कर सके। पलंग की छतरी भी नौ फुट ऊची थी, जिसके गिरने से पूरी रेजीमेट मर सकती थी।

'गुड मार्निंग, राष्ट्रपति लिंकन!'

'गुड मार्निंग, श्रीमती राष्ट्रपति लिंकन!'

'क्या आपको अपने इस राज-पलग पर अच्छी तरह नीद आई?'

'इसमे चारो तरफ लुढकने-फुदकने की प्रसन्नता के मारे आख ही नही लगी। क्या तुम सवेरे-सवेरे घर ढूढने के लिए उठ बैठी हो ?'

मेरी मुस्कराई, 'धन्यवाद, मेरे पति ने मुझे एक घर ढूढ दिया है। क्या नाश्ते का प्रबन्ध कराऊ ? इस होस्टल का आन्तरिक कार्य अब भी मेरे लिए एक रहस्य ही बना हुआ है।'

'मुझे फ्लोरिडा के फोर्ट पिकेन्स के बारे मे युद्ध-विभाग द्वारा भेजी गई फाइल को देखने मे एक घटा लगेगा। वहा भी सेना भेजनी पडेगी।'

मेरी अपने शयन-कक्ष मे आकर लिखने की मेज के पास बैठ गई और सोचने लगी कि सरकारी कार्रवाई-सम्बन्धी कार्यालयो, स्वागत-कक्षो और पारिवारिक कमरो के साथ-साथ होने पर गृहिणी को किस रूप मे अभ्यस्त होना चाहिए ? प्रत्यक्षत: उसका पति सरकारी भवनो का आयुक्त था जो द्वारपालो, सदेश-वाहकों, रात के पहरेदारो, अगीठी जलाने वालो तथा मालियो को नियुक्त करता तथा उन्हे उनकी मजूरी देता था, किन्तु रसोइयो, घर के नौकरो या गाडीवानो के वेतनो का भार तो उसके ऊपर था। आयुक्त ने मुख्य माली की पत्नी जेन वाट को, जोकि भण्डारिन थी, नियुक्त किया था, वेतन देता था किन्तु मेरी को केवल इतना ही पता था कि धोबिन और बर्तन माजने वाली का वेतन उसे देना था। ईंधन, फूल, साबुन, मेज और चादरो का व्यय सरकार देती थी किन्तु खाने-पीने के सामान और शराब का प्रबन्ध अब्राहम के वेतन से किया जाना था। सरकार ने अस्तबल तो दिया था किन्तु घोडे, गाडियो तथा घोडों की खुराक का प्रबन्ध उन्हे अपने पास से ही करना था। अब्राहम अपने साथ स्प्रिगफील्ड से जो दो सहायक निकोले और जान हे लाया था, उनका वेतन तो सरकार के जिम्मे था, किन्तु उनके रहने के लिए जगह का प्रबन्ध करने, मेज पर साथ खाना खिलाने तथा साथ ही अपने अस्तबल के घोडो की खुराक का प्रबन्ध करने का उत्तरदायित्व मेरी पर था। जान हे मे लडकपन अधिक था, उसे बात बात पर हसी आ जाती थी, अपरिपक्व निर्णय देने मे शीघ्रता करता था, लोगो के भिन्न-भिन्न प्रकार के नाम रखने का उसका स्वभाव था और वह राष्ट्रपति को 'एशेन्ट' और 'टायकूल' की उपाधिया प्रदान कर चुका था। सरकार ने ह्वाइट हाउस के सचालन के लिए मेरी के लिए एक छोटी-सी राशि प्रतिवर्ष नियत कर रखी थी; किन्तु उसे वह राशि अपने पास रखने को नही मिलेगी,

वरन् बिलो की जाच-पडताल करने और उन्हे पास करने के बाद राष्ट्रपति के सचिव उस राशि मे से भुगतान दिया करेंगे।

यह नियम और प्रथा पिछले साठ वर्षों से चली आ रही थी और इनकी आवश्यकता इसलिए प्रतीत हुई थी कि राष्ट्रपति का निवास-स्थान और उसके कार्यालय एक ही चारदीवारी के अन्दर थे। निजी भवन मे निजी कचहरी स्थापित करने के लिए कोई अवसर नही दिया। राष्ट्रपति का जीवन और परिवार सरकारी सम्पत्ति थे और उन्हे हर समय जनता की दृष्टि के सामने रहना चाहिए था।

मेरी ने सोचा, अच्छा यो ही सही। अगर उसका अस्तित्व सरकारी है तो वह ससार को यह दिखा देगी कि कार्यपालिका-भवन की स्वामिनी होने के नाते वह कितना उत्तम काम कर सकती है। उसने इन घरेलू कमरो को केवल उन कमरो के समूह के रूप मे ही नही सोचा जिसमे वह और अब्राहम और उनके बच्चे रहेगे, जिस प्रकार से कि वे एट्थ स्ट्रीट वाले मकान मे रहे थे, अपितु ह्वाइट हाउस की प्रथम मजिल के ओसारे के अतिरिक्त तथा मुख्य सीढियो के सिरे पर मुडने वाले द्वारो के पश्चिम की ओर के सारे भाग के सरक्षक के रूप मे उसने कुछ और ही सोच रखा था।

अब जबकि मेरी की सबसे बडी आकाक्षा पूरी हो गई थी और उसको सबसे बडा अवसर प्राप्त हो गया था, उसने अपने स्वभाव व वाणी पर नियत्रण पाने, दृढ इच्छाओ व अनिच्छाओ से छुटकारा पाने, सबके साथ मित्रतापूर्ण और अच्छा व्यवहार करने तथा कजूसी और फिजूलखर्ची मे सतुलन लाने का सकल्प कर लिया। लोगो को यह कहने का अवसर नही मिलेगा कि मेरी इस काम के योग्य नही थी या काम पूरा करने मे सुस्त सिद्ध हुई। उसके साथ-साथ उसने यह भी निश्चित कर लिया था कि वह ह्वाइट हाउस की वास्तविक स्वामिनी बनकर दिखाएगी।

मेरी को सबसे अधिक आश्चर्य इसपर था कि ह्वाइट हाउस पूर्णतः सरकारी था और कोई भी उसमे आ सकता था। राष्ट्रपति से मिलने आने वाला कोई भी व्यक्ति अथवा समिति का सदस्य सामने वाले द्वार से आकर, दालान को पार करके और मुख्य जीने पर चढकर सीधे प्रतीक्षालय मे अथवा निकोले के कार्यालय मे जा धमकता था। महत्वपूर्ण लोगो को सामान्य प्रतीक्षालय मे नही बैठना

होता था, अपितु वे उस समय तक ऊपर वाले हाल में बैठा करते थे जब तक कि क्लर्क आकर उन्हें कुछ सूचना न दे। सीनेटर, विधायक, पादरी, साहूकार, समाचारपत्र के प्रतिनिधि सभी राष्ट्रपति से प्राइवेट तौर से मिलने के लिए प्रतीक्षा करते थे।

नौकरी ढूंढने वालों की इतनी भीड़ रहती थी कि मेरी या घर के अन्य लोगों का मुख्य ज़ीने अथवा सामने वाले द्वार से आना-जाना बिल्कुल असंभव हो गया था। बड़ा ज़ीना मिलने वालों से पूरी तरह भरा रहता था, बरामदा भी भरा रहता था। भीड़ इतनी हो जाती थी कि लोग अन्दर गलियारों में भी घुसे आते थे, यहां तक कि रेड, ब्ल्यू और ग्रीन कमरे भी खचाखच भरे रहते थे। जब मेरी को हाल से होकर अपने कमरे से अपनी बहनों के कमरों को जाना होता था तो वह कमरों का चक्कर काटती हुई वहां पहुंचती थी। स्त्रियों और पुरुषों का शोर इतना अधिक होता था कि उनकी आवाज़ दीवारों को पार कर परले कमरो में सुनाई देती थी। मेरी तंग आकर ताला लगा देती थी क्योंकि कभी-कभी इनके अपने कमरों के द्वार भी खोल दिए जाते थे और विचित्र चेहरे अन्दर झांकने लगते थे। यह भीड़ पूरे दिन का काम समाप्त होने के बाद भी कम नहीं होती थी। घर के लोगों के भोजन कर लेने के पश्चात् अब्राहम लम्बे घेरे वाला लबादा पहन लेता था और नाम खुदे हुए स्लीपर पहनकर कार्यालय में गैस का लैम्प जलाकर बैठ जाता था। अंगीठी को अच्छी तरह सुलगा लेता और अर्धरात्रि तक आने वालों से भेंट करता रहता।

एक दिन दोपहर के पश्चात् वह आराम करने की इच्छा से मेरी के शयन-कक्ष में आया और आते ही सोफे में धंस गया। थकन के मारे उसकी बुरी दशा थी।

'मेरी, लोग तो मुझपर टिड्डी-दल की तरह टूट पड़े हैं।'

मेरी मुस्कराई और सोफे के किनारे पर बैठ गई।

'अब्राहम, अच्छा यह बताओ, राष्ट्रपति बनना तुम्हे अच्छा लगा?'

अब्राहम के होंठों पर मुस्कराहट दौड़ गई और उसने पूछा, 'क्या तुमने उस व्यक्ति की कहानी सुनी है जो अधमरा और निढाल हो गया था और जिसको लोग गाड़ी में लादकर नगर के बाहर ले गए थे और उस समय जब भीड़ में से किसीने उससे पूछा कि क्या तुम्हें यह सब कुछ पसन्द है, तो उसने उत्तर दिया

कि यदि कही इसमे प्रतिष्ठा की बात न होती तो मैं पैदल चलना अधिक पसन्द करता ?'

फिर अब्राहम गभीर हो गया ।

'साफ-साफ पूछो तो यह सब कुछ बहुत भारी तूफान मे जहाज के सचालन का भार अपने ऊपर लेना है। यदि मै फोर्ट समटर और फोर्ट पिकेन्स को सहायता न भेज सका तो वह काफिडरेट लोगो के हाथो मे चले जाएगे । किन्तु मै ऐसी कोई बात नही करना चाहता जिससे गोलीकाड आरम्भ हो जाए । नौकरिया ढूढने वालो से मुझे ऐसा आभास होने लगता है जैसे कोई व्यक्ति प्रासाद मे बैठा उसके कमरे वितरित कर रहा हो जबकि सम्पूर्ण प्रासाद आग की लपटो मे घिरा हुआ हो ।'

अगले कुछ दिनो के अन्दर मेरी को भी फोर्ट समटर और फोर्ट पिकेन्स जैसी समस्याओ का सामना करना था । इस शुक्रवार को वह प्रथम स्वागत-समारोह का प्रबन्ध कर रही थी । उसके तीन सप्ताह पश्चात् मेरी को प्रथम राज-भोज देना था और वह भी अब्राहम के समान ऐसी कोई बात नही चाहती थी जिससे झगडा पड जाए और लडाई आरम्भ हो जाए । साथ ही मेरी को दक्षिण वालो को भी सन्तुष्ट करना था, जिनका मुख्य उद्देश्य ही यह था कि ससार भर की राजधानियो मे लिकन और उसकी पत्नी का उपहास किया जाए। यदि वे सफल हो गए तो रेड, ब्ल्यू, ग्रीन और ईस्ट कमरे खाली नजर आएगे और उसीके साथ-साथ प्रशासन भी प्रभावहीन हो जाएगा। मेरी ने यह निश्चय कर लिया था कि अपनी शिक्षा, शिष्टाचार-सम्बन्धी अपने ज्ञान, स्वागत समारोह का प्रबध करने की अपनी योग्यता से वह अपने बारे मे सब अफवाहो और झूठी बातो को गलत सिद्ध कर देगी, अपने राष्ट्र तथा विदेशी राजदूतावासो मे प्रतिष्ठा प्राप्त करेगी । इन सकटपूर्ण दिनो मे वह अपने पति की यही सबसे बडी सेवा कर सकती थी ।

मेरी जानती थी कि वाशिगटन मे दक्षिणी भाग की स्त्रिया अमेरिका भर मे सबसे अच्छे कपडे पहनती है और वह यह भी जानती थी कि इस बात की पूरी जाच की जाएगी कि टाड-परिवार की रुचि क्या है अत उसने ह्वाइट हाउस मे रहने वाली स्त्रियो के लिए कपडे तैयार करने के लिए चार प्रथम श्रेणी के दर्जी बुलवा लिए। मेरी ने अपना गुलाबी रग का रेशमी जम्पर सिलवाने के

लिए एलेज़बेथ केकली नाम की एक सुन्दर हब्शिन को रख लिया। श्रीमती केकली के पास यह जम्पर तैयार करने के लिए केवल चार दिन थे। शुक्रवार की शाम को मेरी ने दावत के अवसर पर मोज़े पहन लिए, घाघरा पहन लिया और अगिया पहन ली। अगिया कमर पर आकर अच्छी तरह कसी हुई थी और इसके साथ-साथ लगा हुआ रेशमी पेटीकोट अनगिनत झालरें बना रहा था। गले मे वह मोतियो की माला पहने थी जोकि उसे उसके पिता ने दी थी। बालो में गुलाब के पुष्प लगे थे। किन्तु ह्वाइट हाउस की स्वामिनी के पास पहनने के लिए गाउन नही था। वह एकदम घबरा-सी गई और चिल्लाते हुए अपनी बहन एलेजबेथ से बोली :

'श्रीमती केकली ने श्रीमती जेफर्सन डेविस के वस्त्र तैयार किए थे। तुम्हारा क्या विचार है वह कही आए ही नही ?'

श्रीमती केकली ठीक एक घटे बाद गाउन आदि कपडे लेकर आई। देर के लिए उसने कोई क्षमा-याचना नही की और जब मेरी ने अपने-आपको दर्पण मे देखा तो उसने यह महसूस किया कि इसमे क्षमा-याचना की आवश्यकता भी नही थी क्योकि गुलाबी जम्पर बहुत ही सुन्दर बन पडा था। जब मेरी अपने शोभायुक्त परिवार के बीच मे खडी हुई तो गर्व से उसका हृदय प्रफुल्लित हो उठा। एलेज़बेथ भूरे और काले रेशमी वस्त्र पहने हुई थी, उसकी पुत्रिया नारगी और लाल रग के वस्त्रो में थी, लिज़ी हलके नीले रेशमी वस्त्र मे सजी हुई थी, उसकी लडकिया मार्गरेट और मारथा गुलाबी और सफेद रेशमी कपडो से सुसज्जित थी।

अब्राहम उद्घाटन-समारोह के अवसर का सूट, पालिश किए हुए काले जूते और बढिया चमडे के सफेद दस्ताने पहनकर आठ बजे से कुछ मिनट पूर्व आया। मेरी ने न्यूयार्क मे छः दर्जन सफेद दस्ताने खरीद लिए थे और वह जानती थी यह बहुत फिजूलखर्ची हुई है, किन्तु प्रत्येक स्वागत-समारोह पर हाथ मिलाने से कई दस्ताने बेकार हो जाते थे। जब अब्राहम ने मेरी का गाउन देखा, तो बहुत धीरे-से सीटी बजाता हुआ बोला :

'बडी आकर्षक लग रही हो !'

'धन्यवाद, राष्ट्रपति महोदय, साफ-साफ बात तो यह है कि आज नृत्य के अवसर पर मैं सबसे बाजी ले जाऊगी।'

'मैं अपने सभी टाड-परिवार से यह आशा करता हू कि वह आज रात को

लेक्सिगटन और स्प्रिगफील्ड के नाम को ऊंचा रखेंगे,' अब्राहम बोला।

वे मुख्य जीने से उतरकर बाहर दालान मे पहुचे जहा मेराइन बैंड बज रहा था और फिर ब्ल्यू कमरे के मध्य मे आकर खडे हो गए। इस कमरे मे कई फूलदानो मे ताजे पुष्प महक रहे थे।

आठ बजे मैदान के द्वार खोल दिए गए। कुछ ही मिनटो मे कमरा मन्त्रि-मण्डल के पदाधिकारियो और उनकी पत्नियो, कांग्रेस के सदस्यो, सुन्दर रग-बिरगे वस्त्रो से सुसज्जित सेना और नौसेना के पदाधिकारियो, बडी-बडी झालरो वाले और चमकीले वस्त्र पहने विदेशी राजनयिको से भर गया। अब्राहम अपना सीधा हाथ पुरुषो की ओर कर देता था और बाया हाथ महिलाओ की ओर। इसके बाद सरकारी भवनो के आयुक्त डाक्टर ब्लेक उनको मेरी से मिलाता था। मेरी ने सबका ऐसे ही स्वागत किया जैसे वह लेक्सिगटन के टाड-परिवार के समक्ष खडी हो और अपनी प्रसन्नता से सबको हर्षित कर रही हो। जिन व्यक्तियो को वह चेहरे से अथवा नाम से पहचान लेती उनके साथ बातचीत करने लगती और शेष लोगो की पक्ति कुछ देर के लिए रुक जाती। जिस प्रेम और आदर के साथ वह हाथ मिलाती और स्वागत करती, अतिथियो ने भी उत्तर मे वही प्रेम और आदर-भाव प्रदर्शित किया।

मेरी ने मन मे अनुभव किया कि लोग उसकी ओर बडे गौर से देख रहे है और वह यह भी भाप गई कि उसके गाउन की प्रशसा की जा रही है। मेरी ने कनखियो से अब्राहम को देखा, वह सबसे अधिक लम्बा था और अतिथियो के मध्य इस प्रकार खडा हुआ था जैसे इज़रायल के ऊपर साउल। अब्राहम उल्लसित दिखाई दे रहा था, उसके चेहरे पर शिष्ट मुस्कराहट थी, कोई किस्सा सुनाने अथवा किसी बात का स्मरण दिलाने के लिए वह अतिथियो को रोक लेता था और इसमे कोई सन्देह न था कि इसमे उसको बडा आनन्द आ रहा था।

भोज का समय आठ बजे से दस बजे तक का था, किन्तु दस बजे भी अतिथि चले आ रहे थे। द्वार पर इतनी भीड थी कि कई लोग खिडकियो से कूदकर ही अन्दर आ गए। लगभग साढे दस बजे के समय अब्राहम ने मेरी के कान मे कहा, 'मेरा हाथ तो इतना अकड गया मानो पक्षाघात हो गया हो' और भारी भीड के अन्तिम स्वागत के लिए वे अपने लिए मार्ग बनाते हुए पूर्वी

कमरे मे गए। तत्पश्चात् मेराइन बैंड ने 'याकी डूडिल डैल्डी' की धुन बजाई जोकि इस बात का सकेत थी कि समारोह समाप्त हो गया है। मुख्य ज़ीने की सबसे निचली सीढी पर खडे होकर डाक्टर ब्लेक ने उनको यह कहकर विदा दी :

'राष्ट्रपति और श्रीमती लिंकन, मै इस कार्यपालिका-भवन मे बहुत समय से आता-जाता रहा हू, किन्तु मुझे पिछली ऐसी कोई भी घटना याद नही आती जबकि भोज के अवसर पर इतने अधिक लोग आए हो।' राष्ट्रपति पियरस और राष्ट्रपति बुकानन के नीचे जिस अधिकारी ने काम किया था, डाक्टर ब्लेक की बात समाप्त होते ही बोला, 'और न शान और शौकत की दृष्टि से ही कोई और समारोह इससे बढकर रहा है।'

मेरी ने उनके उपकार के लिए उनका धन्यवाद किया। ऊपर चढते समय वह बोली

'फोर्ट पिकेन्स पर तो विजय पा ली है अब यदि समटर पर भी इसी प्रकार विजय हो जाए ''

८०

अगले दिन प्रात काल मेरी ने सब कुटुम्बीजनो को विदा किया। केवल लिज़ी को ही यह आग्रह करके रोक लिया था कि वह उसकी साथिन के रूप में यहा रह जाए। इसी शान्त और एकान्त वातावरण मे ही उसने दूसरे भोज की तैयारी कर ली। अब उस राजभोज का प्रबन्ध करना था जिसमे उसका यह कर्तव्य होगा कि वह उस अवसर पर उपराष्ट्रपति, मत्रिमण्डल के सदस्यो, सेनापति और नौसेना-अधिकारी के बीच मेल-जोल और एकता की भावना उत्पन्न करे। यह काम बड़ा कठिन था क्योकि अब्राहम ने क्रातिकारियो तथा रूढिवादियो, भूतपूर्व व्हिगो तथा भूतपूर्व डेमोक्रेटो, न्यूइगलैड और सीमावर्ती राज्यो के प्रतिनिधियों के बीच सतुलन रखने के उद्देश्य से अपने मत्रिमण्डल मे ऐसे

लोगो को चुन लिया था जो एक-दूसरे पर अविश्वास और एक-दूसरे को नापसंद ही नही करते थे, अपितु वे यह समझा करते थे कि उन्हे प्रधान के रूप में स्थान ग्रहण करना चाहिए। अब्राहम ने मेरी की इस बात को मान लिया कि दावतों मे अमेरिकी शराब भी दी जाए। मेरी को राजभोज के लिए उसकी बडी आवश्यकता प्रतीत हो रही थी।

उन्होने ब्ल्यू कमरे मे अतिथियो का स्वागत किया। मेरी उन लोगो का स्वागत कर रही थी जो उसके सरकारी परिवार से सम्बन्धित थे। विलियम सीवार्ड ने मेरी को बडे गौर से देखा। मेरीलैंड के सीमावर्ती राज्य से निर्वाचित पोस्टमास्टर जनरल मान्टगोमरी ब्लेयर, जो ड्रेड स्काट के मुकदमे मे वकील भी रह चुके थे और लम्बे-पतले तथा भयोत्पादक स्वभाव के व्यक्ति थे, आए थे। कनेक्टीकट से नौसेना के सचिव गीडियन वेल्स आए थे। इनकी दाढी और बाल इतने घने थे कि अब्राहम ने उन्हे 'दादा वेल्स' का नाम दे रखा था। इडियाना से आन्तरिक भाग के सचिव कलेब स्मिथ अपनी पत्नी-सहित आए थे। उनकी पत्नी के बाल सफेद थे और चेहरे पर मा की ममता के भाव झलक रहे थे। मेरी को उसका स्वभाव बडा अच्छा लगा। स्मिथ सचेत रहनेवाला तथा रूढिवादी स्वभाव का था। वह तुतलाकर बोला करता था। सभा मे डेविड डेविस के वचन से अब्राहम उसको मन्त्रिमण्डल मे सम्मिलित करने के लिए बाध्य हो गया था। युद्ध-विभाग के सचिव साइमन कैमरन को भी, जो लम्बा और कृश था, जिसके बाल और नेत्र भूरे रग के थे तथा जो एक ऐसा राजनीतिज्ञ था जिसका कोई सिद्धात न था, अब्राहम मत्रिमडल मे सम्मिलित करके सभा मे दिया हुआ वचन निभा रहा था। सालमन पी० चेज़ वित्त-विभाग का सचिव था। यह पहले सीनेटर और ओहायो का गवर्नर रह चुका था। आयु तिरेपन वर्ष की थी, किन्तु हृष्ट-पुष्ट था और उसकी नीली आखो मे बडी आकर्षण शक्ति थी। उसके साथ उसकी पुत्री केट भी आई थी जो नौजवान और सुन्दर थी तथा जिसके बारे मे सम्पूर्ण वाशिगटन मे यह प्रसिद्ध था कि उसकी एक ही आकाक्षा थी कि उसका पिता राष्ट्रपति बने और वह स्वय ह्वाइट हाउस की स्वामिनी बने। मन्त्रिमण्डल का अन्तिम सदस्य मिसूरी का अधिवक्ता जनरल एडवर्ड बेट्स था, जिसकी दाढी बहुत लम्बी थी, बुद्धिमान् था, भडकाए जाने पर झगडा कर बैठता था और एक अप्रसिद्ध वकील को महत्वपूर्ण न्यायाधीश के रूप मे नियुक्त

किए जाने पर उसने तुरन्त उसका विरोध किया था। अब्राहम ने बालो को अपने हाथ से सहलाया और खुली हथेली से अपनी दाई जाघ को मलते हुए बोला :

'भई बेट्स, अब मान भी जाओ। तुम उसे जितना बुरा समझते हो, वह उतना बुरा नही है। एक बार मुझे बारह मील चलकर न्यायालय पहुचना था और मेरे पास कोई घोडा भी नही था। जब उसकी बग्घी मेरे पास से होकर गुज़री तो वह उसको रोककर बोला . हलो लिंकन, बग्घी मे आ जाओ, जगह है।—बग्घी सडक के प्रत्येक गड्ढे और खड्ढे पर धक्के खाती जा रही थी। मुझसे नही रहा गया और मैने कहा जज साहब, मेरे विचार मे कोचवान ने आज प्रात कुछ अधिक पी ली है।—जज साहब ने खिडकी के बाहर गर्दन निकाली और चिल्लाकर बोले : अरे ओ दुष्ट, पी रखी है क्या ?—कोचवान ने बडी गम्भीरता से मुडकर देखा और बोला ' ईश्वर की सौगन्ध ! गत बारह मास से आज प्रथम बार आपने सही निर्णय दिया है।'

प्रत्येक व्यक्ति हसते-हसते लोट-पोट हो गया। बात आई और गई। भोजन-कक्ष मे जाते समय मेरी ने एक क्षण के लिए बात करने का अवसर प्राप्त कर ही लिया, 'तुम्हारी यह कहानिया अब भी शायद सबको अच्छी लगे। मुझे याद दिला देना ताकि मै आपको अपनी और अधिक दावतो मे निमन्त्रित कर सकू।'

सिर पर प्रचण्ड तूफान छाया हुआ था अत कोई भी खुशिया मनाने की मन स्थिति मे नही था, किन्तु फिर भी इधर-उधर की बाते हो रही थी। मेरी ने श्रीमती वाट के साथ खाने-पीने का जो प्रबन्ध किया था, वह बहुत ही अच्छा था। दोनों अगीठियो मे आग सुलग रही थी जिससे कमरा गर्म था। अतिथि-गण चार घण्टे तक गप्पे हाकते रहे और मेरी प्रसन्न होती रही कि कम से कम दावते देने-दिलाने का क्रम तो आरम्भ हुआ। जब बहुत देर बाद सब लोग उठे तो अब्राहम बोला .

'मैंने अपनी बैठक मे मन्त्रिमण्डल की बैठक बुलाई है। ऊपर मेरी प्रतीक्षा करो।'

मेरी सीढियो से ऊपर शयन-कक्ष मे चली गई ताकि कसी हुई पेटियो और गुलाबी रग के कई तहो वाले रेशमी वस्त्र को उतारकर आरामप्रद घरेलू वस्त्र पहन सके। फिर मेरी मेज़ पर लगे हुए दर्पण के समक्ष बैठ गई और अपने बालो

पर कघी करने लगी। कंघी करते समय उसने देखा कि उसके नेत्र प्रसन्नता से चमक रहे हैं। मेरी को याद आई कि आधी वसन्त ऋतु बीत चुकी है और इस ऋतु मे स्प्रिंगफील्ड मे उसके जो सिर-दर्द होने लगता था, इस बार कुछ भी नही हुआ है। क्या इसका कारण यह था कि उसकी आकाक्षा पूर्ण हो गई थी ? यह बात तो अब निश्चित थी कि राष्ट्रपति की पत्नी के बारे मे जो उल्टी-सीधी बाते कही जाती थी, वे अब दबने लगी थी।

मेरी चाहती थी कि अब्राहम के बारे मे भी ऐसा ही हो। उसके विरोधी उसपर भीरुता का दोषारोपण कर रहे थे क्योकि उसने विद्रोही राज्यो के विरुद्ध अथवा फोर्ट समटर के जत्थे को सहायता भेजने के बारे मे अभी तक कुछ भी नही किया था। एक समाचारपत्र ने तो यहा तक लिख दिया था कि 'ऐसे अवसर पर जबकि शासन नष्ट हो रहा है, अब्राहम उन चालीस हज़ार नौकरी ढू ढने वालो मे उलझा हुआ है जो प्रशासन के इर्द-गिर्द अपने हल्वे-माड के लिए मडरा रहे है।'

लेकिन जैसी भी सही वाशिगटन के लोग अब्राहम के ढीले-ढाले ढंग, झुके हुए कंधो और झूलती हुई भुजाओ, असाधारण रूप से लम्बे हाथो और उससे बडे पावो, शरीर पर ठीक तरह से न जचने वाले काले सूट, जिसके बारे मे समाचार-पत्रो मे यह लिख दिया गया था कि जैसे वह किसी मृतक के रक्षक की वर्दी हो, नीचे को ढलके हुए कमीज़ के कालर, जिसके बीच से उसकी पीले रग की गर्दन दिखाई देती थी, काले रग की रेशमी टाई, जिसकी गाठ बहुत बडी और बेढब थी और जिसके दोनो हिस्से कोट के इधर-उधर जा रहे थे, विचित्र से घरेलू चेहरे और सिर पर उलझे हुए केशो, जिनके लिए 'जगली रिपब्लिकन केश' की उपाधि दी गई थी, से अभ्यस्त न हो सके। उसे ठीक करने के लिए मेरी से जो कुछ भी बन पड रहा था, कर रही थी। वह उसके सूट को हर समय लोहा करके तैयार रखती। उसके कमरे मे उसने इतनी कमीज़े रख दी कि आवश्यकता पड़ने पर वह उन्हे दिन मे तीन बार बदल सकता था। किन्तु अब उसने अनु-भव किया कि उसे और भी प्रयत्न करना होगा और वाशिगटन के सर्वोत्तम दर्जियों को बुलाना होगा।

लगभग अर्धरात्रि के समय अब्राहम मेरी के कमरे मे आया। उसे देखकर मेरी के हृदय मे प्रेम का अथाह सागर उमड़ पड़ा और वह बोली :

'इस कार्यपालिका-भवन में सबसे बड़ी असुविधा यह है कि तुम्हारे लिए चाय का प्याला लाने के लिए बड़ी दूर रसोई में जाना पड़ता है ।'

अब्राहम एक जीर्ण आरामकुर्सी में धंस गया ।

'समटर के सम्बन्ध में हमें एक-दो दिन में ही निर्णय करना होगा । जनरल स्काट का कहना है कि सहायता नहीं भेजी जा सकती और हमें किला खाली कर देना चाहिए । नौसेना के कैप्टन फाक्स का, जिसे मैंने दो सप्ताह पूर्व चार्ल्स्टन भेजा था, कथन है कि स्टीमरों और सशस्त्र पोतों में भरकर सेना भेजी जा सकती है । इसी प्रकार मंत्रिमण्डल के सदस्यों के भी दो मत हैं । तीन मत तो इस पक्ष में हैं कि प्रत्येक दशा में वहां से निकल आना चाहिए और तीन इस पक्ष में है कि जैसे भी हो सामना करना चाहिए । कैमरन ने इस सम्बन्ध में अपना कोई मत नहीं दिया है । वर्जीनिया राज्य की सभा फरवरी से चालू है और वे उस समय तक उसको स्थगित नहीं करना चाहते जब तक कि उनको इस बात की संभावना रहेगी कि हम दक्षिणी कैरोलिना के विरुद्ध शक्ति का प्रयोग करेंगे । दक्षिणी कैरोलिना इस बात से परिचित है कि वर्जीनिया को संघटन में सम्मिलित करने का एकमात्र उपाय युद्ध प्रारम्भ करना है अथवा कम से कम गोलाबारी करना है । मैं वर्जीनिया के समक्ष यह शर्त रखूंगा कि बिना अलग हुए यदि वह अपना अधिवेशन समाप्त कर दे तो मै फोर्ट समटर खाली कर दूगा । एक किले की अपेक्षा यदि एक राज्य मिल जाए तो वह कोई बुरा सौदा नहीं रहेगा ।'

मेरी ने खिड़की के बाहर अन्धकार मे वर्जीनिया की सुप्त पहाड़ियों पर दृष्टि डाली : 'यदि वर्जीनिया संघ से अलग हो गया तो फिर वाशिंगटन और ह्वाइट हाउस भी विद्रोहियों की गोलाबारी से नहीं बच सकेंगे ।'

'मैंने यह आदेश जारी कर दिया है कि न्यूयार्क-पतन पर नौसेना के दो जत्थे चलने के लिए तत्पर रहें । पहला जत्था फोर्ट पिकेन्स के लिए प्रस्थान करेगा, और यदि हम वहां बिना कठिनाई के किनारे पर सेना उतारने में सफल हो गए तो मैं यह आदेश दे दूगा कि समटर को खाली कर दिया जाए और इस प्रकार से सरकार को अपनी प्रतिष्ठा नहीं खोनी पड़ेगी ।'

दो सप्ताह पश्चात् मेरी नाश्ता करने जा रही थी कि एक संदेहवाहक ने आकर उसे सूचना दी कि उसे प्रेसीडेन्ट के कार्यालय में बुलाया गया है । उसने अब्राहम को अंगीठी के सामने खड़े हुए देखा । वह जैक्सन की ओर देख रहा

था और उसके हाथ मे एक तार था। उसने वह संदेश मेरी को दे दिया। मेरी ने उसको पढा ·

'आज १२ अप्रैल प्रात.काल साढे चार बजे विद्रोहियो की किनारे पर लगी तोपो ने फोर्ट समटर पर गोलाबारी की। जनरल ब्यूरिगार्ड ने किले को छोड देने की माग की, किन्तु मेजर एन्डरसन ने इसके लिए मना कर दिया। फोर्ट समटर से भी गोलाबारी की जा रही है।'

मेरी ने अब्राहम की ओर देखा। उसका हृदय धडक रहा था।

'अब्राहम, इसका क्या अर्थ है ?'

अब्राहम दक्षिण की ओर एक बडी खिडकी पर जाकर खडा हो गया। बाहर घोर वर्षा हो रही थी। इस आधी और तूफान मे अब्राहम ने वर्जीनिया की पहाडियो के समक्ष खडे हुए प्रेसीडेन्ट वाशिंगटन के अपूर्ण स्मारक पर दृष्टि दौडाई। जब वह बोला तो उसका स्वर भर्राया हुआ था

'मुझे सेना को एकत्र होने का आदेश देना पडेगा।'

'अब्राहम, गृह-युद्ध ···अर्थात् हमारे अपने ही लोग एक-दूसरे को मारेंगे····?'

मेरी को इस बात से न तो क्रोध आया, न बुरा ही लगा, केवल उदास हो गई। उसने अब्राहम के गहरे भूरे नेत्रो मे झाककर देखा कि उनमे न तो घृणा के भाव थे और न प्रतिशोध के, केवल अथाह दु ख के भाव झलक रहे थे।

'मै इस लडाई को उस समय तक जारी रखूगा जब तक मैं सफलता प्राप्त न कर लू, अथवा मर न जाऊ, अथवा विजित न हो जाऊ, अथवा मेरा कार्यकाल न समाप्त हो जाए, अथवा काग्रेस या देश मेरा साथ न छोड दे।'

मेरी उसके पास जा खडी हुई। उसके नेत्रो मे आसू थे। अब्राहम के सन्धि के प्रयत्नो के अपेक्षाकृत गोलाबारी प्रारम्भ हो गई। कितना रक्तपात होगा, कितने जीवन नष्ट होगे और सारे राज्यो के एक बार फिर अब्राहम के प्रेसीडेन्ट होने के पूर्व देश कितना विनष्ट हो चुका होगा ?

मेरी ने अब्राहम के कन्धो पर अपना सिर रख दिया और उसके तथा उत्तर और दक्षिण दोनो भागो के लाखो परिवारो के बारे मे सोच-सोचकर बडी दुःखी होने लगी, जोकि एक ऐसे देश के भाग थे, जो उसका भी था और अब्राहम का भी और जहा के लोग उसके भी थे और अब्राहम के भी। कालान्तर मे घृणा और विनाश का साम्राज्य तो होगा ही, किन्तु कही प्रेम का भी तो साम्राज्य

होना चाहिए। ऐसे सकट के समय जिसके हाथ मे शासन की बागडोर हो, वह प्रेम, नम्रता और शिष्टता का व्यवहार करने का साहस कैसे कर सकता है ?

मेरी ने अपने पति के चेहरे की ओर देखा जिसपर चिन्ता की रेखाएं उभरी हुई थी, कपोल पिचके हुए थे, गड्ढे मे धसी हुई आखो में आसू थे, होंठ काप रहे थे और जिसका हृदय बिखरे हुए राष्ट्र की बात सोचकर वेदना और त्रास से दबा जा रहा था। क्या वह व्यक्ति अब्राहम हो सकता है ?

उसे अब्राहम बनना होगा।

८१

समटर पर गोलाबारी और पचहत्तर हजार सैनिक इकट्ठे करने के लिए राष्ट्रपति के आदेश की तुरन्त प्रतिक्रिया हुई। सीमावर्ती राज्यो ने आदेश को मानने से साफ-साफ मना कर दिया। केन्टुकी ने खुले शब्दो मे कहा, 'अपने ही साथी दक्षिणी राज्यो को दबाने के बुरे काम के लिए हम सेना का एक व्यक्ति भी नही दे सकते।' मसूरी के राज्यपाल ने तार भेजा कि 'आपकी माग गैर-कानूनी, असवैधानिक, क्रातिकारी, अमानवीय तथा पैशाचिक है और हम उसको पूरा नही कर सकते।' टेनेसी की ओर से उत्तर आया, 'ऐसे अधार्मिक युद्ध के लिए टेनेसी का कोई भी वीर अपनी तलवार खीचने को तैयार नही होगा।' किन्तु इलीनाइस से तार आया, 'राज्यपाल ने सेना के चालीस दस्तो का प्रबन्ध कर लिया है।' इडियाना से उत्तर आया, 'इस समय हमारे शिविर मे छः हजार व्यक्ति है और कल रात तक आठ हजार हो जाएगे।' ओहायो के राज्यपाल ने लिखा, 'मैने उसको पहले ही मान लिया है और जिन तेरह रेजीमेन्टो के नाम बताए गए थे, मेरे शिवर मे उससे अधिक सेना है। जनता मे कोई उत्तेजना उत्पन्न किए बिना मैं बीस रेजीमेन्ट से कम आपके पास नही भेजूगा।' वारमौन्ट से ह्वाइट हाउस को सूचना मिली, 'षड्यत्रकारियो के प्रयत्नो के विरुद्ध यहा का प्रत्येक नागरिक सरकार की सहायता करने के लिए तैयार

है।' आइयोवा के राज्यपाल ने तार भेजा, 'दस दिन पूर्व इस राज्य मे दो दल थे, आज हमारे यहा केवल एक ही दल है और वह नि सकोच भाव से सघ की सेवा करने को तैयार है।'

उत्तरी भाग मे देश-प्रेम का उत्साह विद्यमान है, यही केवल उनके लिए सुसमाचार था। अब्राहम की उद्घोषणा के दो दिन पश्चात् अर्थात् बुधवार को वर्जीनिया सघ से अलग हो गया और जैसाकि अब्राहम ने मेरी को बताया कि वर्जीनिया के साथ-साथ उत्तरी कैरोलिना, टेनेसी और अरकसास के राज्य भी उसके मार्ग का अनुकरण करेगे। दक्षिणी भाग के पास युद्ध के लिए धन भी होगा, बुद्धि भी होगी और जन-शक्ति भी होगी। सघ के शातिपूर्ण पुन सस्थान की सारी आशाए धूमिल हो चुकी थी और वाशिंगटन के सामने छोटी-सी नदी के उस पार सैनिक रूप से सबसे अधिक शक्तिशाली विद्रोही राज्य था।

अब्राहम ने जनरल विनफील्ड स्काट को ह्वाइट हाउस बुलाया। अभाग्य से चौहत्तरवर्षीय, हृष्ट-पुष्ट, बुद्धिमान् व निडर सैनिक, जो देश की नियमित सेना का सस्थापक था, वह अब सेना का सचालन उतनी योग्यता से नही कर सकता था जिस योग्यता से उसने १८१२ के युद्ध, मेक्सिकन युद्ध तथा इडियनो के साथ युद्धो मे सेना का सचालन किया था। मेरी ने देखा कि अब्राहम बडी व्यग्रता से कमरे मे इधर-उधर चक्कर लगा रहा है और उसे इतनी सुध भी नही है कि वह कुर्सी पर बैठकर पल भर के लिए आराम कर ले।

अब्राहम ने कहा, 'जनरल, मै साफ-साफ यह पूछना चाहता हू कि क्या वाशिंगटन की रक्षा की जा सकती है?'

जनरल स्काट ने अपनी पीली आखो को अपने थके हुए पलको से बन्द कर लिया।

'वाशिंगटन की रक्षा नही की जा सकती। राष्ट्रपति बुकानन ने सारी सेना पश्चिम की ओर भेज दी थी। प्रतिरक्षा के लिए मेरे पास केवल इक्कीस सौ व्यक्तियो की सेना है। जनरल ब्यूरिगार्ड के पास हजारो सैनिक है।'

अब्राहम ने परदा एक ओर को सरका दिया।

'मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि यदि मैं जनरल ब्यूरिगार्ड होता तो मै वाशिंगटन पर अधिकार कर लेता। किन्तु राजधानी के हाथ से चले जाने से उत्तरी भाग वालो को कितना बडा धक्का लगेगा!'

स्काट कुर्सी पर सीधा होकर बैठ गया और गर्व से बोला :

'नही, श्रीमान्, राजधानी को विद्रोही लोग नही जीत सकते, कार्यपालिका स्क्वेयर, व्हाइट हाउस, राज्य-विभाग, राज्य-कोष, युद्ध और नौसेना-विभागो की किलाबन्दी की जा सकती है और सफलतापूर्वक एक बडे घेरे का सामना किया जा सकता है,' फिर वह मेरी से बोला, 'किन्तु मैं यह सुझाव देता हू कि श्रीमती राष्ट्रपति और उनके बच्चो को तुरन्त उत्तर की ओर भेज दिया जाए।'

मेरी इस प्रकार सीधी खडी हो गई कि उसके पाच फुट के शरीर से टाड-परिवार की शोभा झलक पडी और मुट्ठी भीचकर बोली

'जार्ज वाशिगटन के चित्र को क्या मैं चौखटे से निकाल लू ?'

अब्राहम को हसी आ गई।

उन्हे अभी अपने बच्चो के साथ ऊपर के पुस्तकालय मे गए हुए कुछ ही मिनट हुए थे कि विलियम ने अपनी आखो मे दूरबीन लगाई और बडी बेचैनी से बोला :

'टाड, टाड, शीघ्र यहा आओ। वह सामने वर्जीनिया पर्वत पर तोपे पडी है।'

'देखो, देखो।' टाड ने भी कुछ देर दूरबीन से दक्षिण की ओर देखा और बोला, 'पिता जी, वे तो वहा से सीधे इस कमरे मे गोला फेक सकते है, है ना ?'

अब्राहम ने रुक्षभाव से उत्तर दिया, 'कोई बडी बात नही है। टाड, जाओ एक टोकरी ले आओ और जब गोले गिरे तो पकड लेना।'

दोनो लडके लपककर कमरे से बाहर निकल गए और सदा की तरह बुरी तरह से भागते हुए वापस आए। टाड चिल्ला रहा था, 'मा जी, पिता जी, आइए देखिए, हमने छत पर क्या किया है।'

आठ वर्ष के टाड ने मेरी को हाथ से पकडकर खीचना आरम्भ किया और दस वर्ष के विलियम ने अब्राहम को। और इस प्रकार ज़बरदस्ती वे दोनो उन्हे ऊपर के कमरे मे ले गए, जहा टूटा-फूटा फर्नीचर और सन् १८०० से आज तक के विभिन्न राष्ट्रपतियो के परिवारो द्वारा छोडी गई अनेक वस्तुए पडी हुई थी। फिर एक बीच के द्वार से वे दोनो उनको छत पर ले गए। वहा छत पर वर्जीनिया की ओर लडको ने तोपे लगाने के लिए कुछ लकडिया एकत्र कर ली थी और झरोखो मे आधी दर्जन बेकार राइफले रख दी थी।

टाड चिल्लाकर बोला, 'उनको आने दो, मै और विली उनका सामना करने

के लिए उद्यत हैं।'

अब्राहम ने दबे स्वर मे कहा·

'वेस्ट प्वाइट के हमारे अधिकाश पदाधिकारी अलग हुए राज्यो के है। गत चार वर्षो मे बुकानन ने दक्षिण को हमारी सेना, तोपे, बन्दूके और युद्ध-सामग्री लेने की छूट दे रखी थी। यदि कल ही हमको अपनी प्रतिरक्षा करनी पडे, तो टाड और विली का यह मोर्चा उतना ही दृढ सिद्ध होगा जितना कि शेष सारे उत्तरी भाग का।'

प्रत्येक दिन एक नई विपत्ति खडी हो जाती थी। बुधवार को वर्जीनिया अलग हुआ। गुरुवार को फेडरल सेना ने हार्पर फेरी पर तोपखाना और बारूद उडा दिया, क्योकि वह उसकी रक्षा करने के अयोग्य था, उधर बाल्टीमोर मे विद्रोहियो ने दगे आरम्भ कर दिए और वाशिगटन की सीमा पर रेल के मुख्य पुल को उडा दिया गया, शुक्रवार को नारफाक के सघीय नौसैनिक कारखाने और जहाजो को नष्ट कर दिया गया, ताकि वे दक्षिण वालो के हाथ न लग जाए; मासाचुसेट्स के छठे सैनिक जत्थे पर, जबकि वह बाल्टीमोर से परे गाडियां बदल रहा था, आक्रमण कर दिया गया, शनिवार को विद्रोहियो ने वाशिगटन की अन्तिम रेलवे लाइन को उडा दिया जिससे वाशिगटन उत्तरी क्षेत्र से बिलकुल कट गया और अब वहा न केवल रसद और डाक आनी बन्द ही हो गई, अपितु कोई सैनिक सहायता भी नही पहुच सकती थी। रविवार को तार की सारी लाइने काट दी गई जिससे वाशिगटन और उत्तरी क्षेत्र के बीच सचार का अन्तिम साधन भी समाप्त हो गया, सोमवार को जनरल स्काट ने सूचना दी कि लगभग दो हजार विद्रोही वर्नन पर्वत के पास तोपे लगा रहे है और कई हजार हार्पर फेरी से नदी के मार्ग से इधर की ओर बढ रहे है, जबकि बाल्टीमोर से विद्रोहियो के जत्थे पर जत्थे चले आ रहे हैं और अरक्षित पोटोमक नदी से होकर विद्रोहियो की तोपो वाली नावे चली आ रही हैं'' ···।

चार बजे के लगभग मेरी अब्राहम के पास गई और उससे घटे भर के लिए सैर के लिए चलने का आग्रह किया।

'दिन भर मे बस यही तो शुद्ध वायु प्राप्त होती है तुम्हे।'

किन्तु इस सोमवार के तीसरे प्रहर मेरी अब्राहम को सैनिक पदाधिकारियों

के जमघट से नहीं निकाल सकी और वह अकेली ही बग्घी में बैठकर घूमने को चल दी। सैर करने के उस अवसर पर पेनसिलवानिया एवन्यू प्रायः खचाखच भरा रहता था, किन्तु उस दिन सुनसान पड़ा था। सारी दुकानें बन्द थीं, खिड़कियां बन्द थी, यहां तक कि विलिअर्ड होटल, जो कुछ दिन पूर्व सैकड़ों अतिथियों से भरा हुआ रहता था, पूर्णतः खाली पड़ा था और सब जगह ऐसा सुनसान था मानो महामारी से नगर का दशम भाग नष्ट हो गया हो। विद्रोही-परिवार अपने घरों में ताला लगा रहे है और दक्षिण की ओर जा रहे है; उत्तरी क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों और सामान-सहित बग्घियों, बैलगाड़ियों, घोड़ों पर सवार होकर यहां तक कि पैदल भी नगर से भाग गए थे। सरकारी भवन भी खाली प्रतीत होते थे क्योंकि क्लर्क से लेकर सेना के सहायक-जनरल और नौसेना के कैप्टेन तक सभी सरकारी कर्मचारियों ने त्यागपत्र दे दिया था और विद्रोहियों से जा मिले थे। मुख्य भवनों के सामने सिपाही पहरा दे रहे थे और कोष के भवन के चारों ओर रेत की बोरियां पड़ी हुई थीं।

अब्राहम मेरी के लौटने के आधे घंटे बाद बैठक में आया। वह हतप्रभ-सा प्रतीत होता था।

'मै नदी के किनारे-किनारे तोपखाने तक गया और मैंने देखा कि द्वार खुले पड़े थे, कोई भी सैनिक पहरे पर नही था। मेरी, दक्षिणी सेना नदी पार करके सब कुछ ले जा सकती थी और हमें कानों-कान पता भी नहीं होता।'

'अब्राहम, तुम्हारी रक्षा के लिए क्या किया जा रहा है? क्या तुम्हारा जीवन तोपखाने के द्वारों के समान चौपट खुला पड़ा है?'

'अब जनरल स्टोन ने झाड़ियों में दुगुनी संख्या में सैनिक छिपा दिए है और नीचे तहखाने में एक पूरा जत्था रख दिया है। यदि लोग मुझे मार देंगे तो दूसरा व्यक्ति उनके लिए मुझसे बुरा ही सिद्ध होगा; किन्तु ऐसे देश में, जहां के लोगों के स्वभाव सीधे-सादे है और होने भी चाहिएं, मार डाले जाने की सम्भावना हर समय रहती है।'

मेरी ने रुक्षभाव से उत्तर दिया, 'क्षमा करना, यदि मै इस भाग्यवाद के प्राचीन सिद्धान्त को स्वीकार न करूं! मैं कोई उपराष्ट्रपति की पत्नी तो हूं नहीं जो भाग्य के भरोसे बैठी हो और इस प्रतीक्षा में हो कि उसके पति को तुम्हारे पद पर स्वयं ही आसीन होने का अवसर मिल जाए।'

निकोले ने सूचना दी कि छठी मैसाचुसेट्स रेजीमेंट के कुछ घायल सैनिक और पदाधिकारी मिलना चाहते है। मेरी भी अब्राहम के साथ ओवल कक्ष मे गई। जब कमांडिंग पदाधिकारी ने पूछा कि उत्तरी सैनिको का अधिकाश भाग किस क्षेत्र मे नियुक्त किया गया है, तो अब्राहम ने क्रोध के स्वर मे कहा

'मैं नही समझता कि कोई उत्तरी भाग शेष रह गया है। न्यूयार्क की सातवी रेजीमेन्ट केवल कल्पना की वस्तु है। हमारे भूगोल मे रोडे द्वीप का नाम ही नही रहा। अब केवल तुम ही उत्तर के वास्तविक रूप हो।'

अगले दिन प्रात काल मेरी छ बजे से पूर्व जाग गई और देखा कि अब्राहम पहले ही जा चुका था। जब वह वापस आया तो उसकी भूख समाप्त हो चुकी थी। वह नगर की रक्षा के प्रबन्ध का निरीक्षण करने गया था और उसने देखा था कि पोटोमाक नदी के किनारे फोर्ट वाशिंगटन का परमेश्वर ही रक्षक है, तोपे जीर्ण हो चुकी है, और गोलो मे जग लग चुकी है। नौसेना-क्षेत्र को अच्छी तरह तो रखा गया था, किन्तु उसके इतने सैनिक मारे जा चुके थे कि उसमे आक्रमण का सामना करने की शक्ति नही रह गई थी। नगर मे खाद्य का सभरण इतना कम था कि जार्ज टाउन मे सेना को आटे और अनाज के भण्डारो पर अधिकार करना पडा। उत्तर से सैनिक सहायता के बिना राजधानी की रक्षा असम्भव थी क्योकि यह समाचार आ रहे थे कि अलेग्जैंड्रिया के आस-पास पन्द्रह हजार, हार्पर फेरी पर आठ हजार और माउन्ट बर्नन पर दो हजार विद्रोही सैनिक तैयार बैठे है।

जान हे सदा की भाति इधर-उधर की बाते करता हुआ आया। वाशिंगटन मे जो दक्षिणी लोग रह गए हैं वे यह भविष्यवाणी कर रहे है कि जेफरसन डेविस शीघ्र ही अब्राहम की मेज पर बैठा काम कर रहा होगा और श्रीमती वैरिना डेविस मेरी के बिस्तर पर सो रही होगी। जब हे ने उनको बताया कि एक पादरी दक्षिण भाग गया है और अपने पीछे तहखाने मे बिल्ली के लिए तीन सप्ताह का भोजन छोड गया है क्योकि उसे आशा थी कि तीन सप्ताह के अन्दर ही विद्रोही सरकार स्थापित हो जाएगी और वह वापस आ जाएगा तो मेरी ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा

'किसी व्यक्ति को वहा भेजिए जिससे तहखाने मे घुसकर उस बिल्ली को व्हाइट हाउस ले आए।'

अब्राहम हंस पडा।

'ठीक कह रही हो मेरी, कम से कम उसे तो हम अपने विचारो का कर ही सकते है।'

किन्तु ये सब तो प्रसन्न करने की बाते थी। अगले दिन दोपहर को जब मेरी तीनो लडको के साथ बैठक मे बैठी हुई थी और लागफेलो की एक कविता जोर-जोर से पढ रही थी तो उसे मार्चिग करते हुए एक सैनिक बैड की ध्वनि सुनाई दी। अब्राहम कार्यालय से लपककर आया, उसके मुख पर पसीने की बूदे उभरी हुई थी और उसके पीछे-पीछे जनरल स्टोन भी भागा चला आ रहा था।

'अरे यह तो न्यूयार्क की सातवी रेजीमेट है। पूरे एक हजार सैनिक है। तीन दिन तक यह लोग अन्नापोलिस मे रुके रहे थे। फिर उन्होने आगे बढना प्रारम्भ किया था और अपने आगे की रेलवे लाइन ठीक कर दी थी। इस उत्तरी बरामदे मे आइए, वे लोग अभिवादन करेगे।'

मेरी ने दो लडको को बडी-बडी खिडकियो मे खडा कर दिया और स्वय अब्राहम के साथ नीचे वाले बरामदे मे जा खडी हुई। न्यूयार्क की सातवी रेजीमेट के सैनिक सुन्दर भूरी वर्दी मे थे, बैड की ध्वनि के साथ स्फूर्ति से कदम रख रहे थे और ह्वाइट हाउस के सामने से गुज़रते समय उच्च स्वर मे 'सम्यक्' कहते हुए और इन दोनो का अभिवादन करते हुए जा रहे थे। कुछ ही मिनटो मे आठवी मैसाचुसेट्स रेजीमेट भी आ पहुची और उसके पीछे-पीछे प्रथम रोडे द्वीप रेजीमेट'' और तत्पश्चात् उत्तर के प्रत्येक भाग से समाचारपत्र और तार आने लगे और डाक प्राप्त होने लगी।

घेरा समाप्त हो चुका था। न अब्राहम को, न उसके बच्चो को और न मेरी को नगर से भागना पडा अथवा राज्यकोष के भवन मे बन्द होना पडा और न ही वे लोग विद्रोहियो के हाथो मे आ सके। अन्यथा मेरी उस स्थिति मे पहुच चुकी थी जिससे ह्वाइट हाउस मे उसका निवास और शासनकाल देश के इतिहास मे सबसे छोटा रहता।

८२

समटर के घेरे के पूर्व अब्राहम की आलोचना की जा रही थी कि उसकी कोई भी ठीक नीति नहीं है और वह दृढ़तापूर्वक कोई भी पग नही उठा पा रहा है, किन्तु अब अब्राहम अपनी कार्यपालिका-शक्तियों को पूरी तरह से प्रयोग में ला रहा था। उसने तारघरों को अपने अधिकार में कर लिया, बन्दी प्रत्यक्षीकरण के लेख्य को निलम्बित कर दिया, दक्षिणी पत्तनों की नाकाबन्दी कर दी, सेना एकत्र करने का आदेश दे दिया, युद्ध-सामग्री खरीदने के लिए राज्यकोष से करोड़ों डालर निकाल लिए, ४ जुलाई तक कांग्रेस का अधिवेशन बुलाने के लिए मना कर दिया और इससे पहले कि कांग्रेस वाद-विवाद प्रारम्भ कर सके, अब्राहम ने इस प्रकार युद्ध की तैयारी के लिए काफी समय निकाल लिया। मेरी हर प्रातःकाल देखती कि किसीको भी मिलने आने देने से पूर्व अब्राहम सैनिक फाइलों को ही देखता और उनपर हस्ताक्षर करता; युद्ध के नक्शों तथा ग्यारह विद्रोही राज्यों के मुकाबले में सोलह उत्तरी राज्यो की जन-शक्ति और उत्पादन-शक्ति का अध्ययन करता, व्यक्तिगत शत्रुता, राजनीतिक विचारों में मतभेद तथा वैयक्तिक आकांक्षा के कारण मन्त्रिमण्डल के सदस्यों में उत्पन्न फूट को एकता में परिणत करने का प्रयत्न करता; घंटों सैनिक पदाधिकारियो से बात करता जिन्हें असंख्य लिपिकों, कृषकों, कारीगरों, विद्यार्थियों और वकीलों को, जिन्होंने कभी अपने हाथ में बन्दूक भी नहीं पकड़ी थी, सैनिक शिक्षा देनी सम्पूर्ण उत्तरी भाग को जो युद्ध के लिए बिलकुल भी तैयार न था और जिसके पास युद्ध-सामग्री तैयार करने के लिए जहाज़ का कोई भी उपयुक्त कारखाना नहीं था, संगठित करना था, राष्ट्र की उन सैकड़ों संस्थाओं के काम को ठीक करना था जो सेना की आवश्यकता के लिए असंख्य वस्तुएं खरीदने तथा बनाने का काम कर रही थी। मेरी को यह देखकर हर्ष होता कि जिस व्यक्ति ने सर्वदा ही यह कहा कि इतने उत्तरदायित्वपूर्ण पद को सभालने की न उसमे इच्छा है और न योग्यता ही है, उसमें इतने कामों को संभालने की वास्तविक योग्यता है।

अब्राहम के लिए सुबह व शाम एक थी, वह निरंतर काम मे जुटा रहता। अब नौकरी ढूढने वालों तथा परामर्शदाताओं का स्थान सना के पदाधिकारियों ने ले

लिया था। मेरी ने एक घटे के दौरान मे, जोकि उसने उसके कार्यालय मे एक कोने मे पडी कुर्सी पर कुछ बुनते हुए बिताया, अब्राहम को यही सलाह देते हुए सुना कि दक्षिण को जाने दो, उत्तर और दक्षिण के बीच एक दीवार बना दो, बाल्टीमोर को जला डालो, दक्षिण के सारे गद्दारो को पकडकर लटका दो, चार्ल्स्टन को नष्ट कर दो, मन्त्रिमण्डल के सदस्यो को त्यागपत्र दे देने दो, तीन लाख नवयुवको की एक सेना तैयार करो और सारे दासो को स्वतत्र करके उन्हे शस्त्र दे दो।

अन्त मे जब मेरी उसे कार्यालय से बाहर लाने और बिस्कुट, फल और केक खिलाने के लिए पुस्तकालय मे ले जाने मे सफल हो गई, तो वह बोली

'तुम इतने विस्तार मे क्यो जाते हो?'

अपनी आखें मसलता हुआ अब्राहम बोला :

'मेरी की राय जाने बिना मेरा काम नही चल सकता। इस तरह से मैं साधारण जनता के विचारो से अवगत रहता हू। उसी आदमी को देखो न, जोकि सुबह मिलने आया था और जो एक अच्छा उपदेशक प्रतीत होता था। मै तो नही चाहता था कि उससे बात करू, किन्तु हाथ मिलाते समय जब उसने कहा कि श्री राष्ट्रपति, आप देश के लिए वह सब कुछ कर रहे है जोकि एक व्यक्ति की शक्ति के भीतर है। आपके निर्वाचन-क्षेत्र के मतदाता होने के नाते मै आपसे कहता हू कि आप जो भी चाहे करे, मैं सदा आपका समर्थन करूगा।—मैं उससे इतना प्रसन्न हुआ कि मैंने कल उसे भोजन के लिए बुलाया है।'

मेरी भी बहुत व्यस्त रहती थी। सवेरे के समय ऊपर खुले पुस्तकालय मे बैठी वह एडवर्ड बेकर जैसे अपने पुराने मित्रो के साथ स्प्रिगफील्ड के गत जीवन के बारे मे बाते करती और शेवेलियर विकौफ जैसे, जोकि कई भाषाए जानता था और सुन्दर था, जिसको स्पेन की रानी ने उपाधि मे विभूषित किया था, और जिसकी फ्रास के राजपरिवार के साथ काफी घनिष्ठता थी, नये मित्रो के साथ यूरोप के राजदरबारो के जीवन के बारे मे चर्चा करती रहती। तीसरे पहर वह रेड रूम में पूर्व से आए निर्माताओ तथा कोषाध्यक्षो से मिलती जोकि वहां सुन्दर वस्त्र धारण किए हुए अपनी पत्नियो के साथ जूते और कैलीकूलीज के वस्त्र पहने देहाती लोगो के समीप बैठे होते। शाम को वह ब्ल्यू रूम मे वाशिंगटन के लगभग सभी कलाकारो, सगीतज्ञो, गायको, चित्रकारो अथवा

लेखको को और साथ ही सीनेटर समनर, जेम्स शील्ड्स, होरेस ग्रीले, ऐन स्टीफेन्स जोकि एक उपन्यासकार थी, केट चेज, श्रीमती गिडियन वेल्स, श्रीमती कलेब स्मिथ को भी बुलवा लेती। शनिवार को तीसरे पहर वह उपवन मे सर्व-साधारण को बुला लेती और प्रत्येक आने वाले को पुष्पो का एक गुच्छा देकर विदा करती।

अब मेरी ने ह्वाइट हाउस के लिए सामान खरीदने के उद्देश्य से लिज़ी के साथ न्यूयार्क जाने की योजना बनाई। अब्राहम ने उससे ब्रूस्टर की दुकान से एक खुली बग्घी खरीदकर लाने को भी कह दिया। ४ जुलाई को काग्रेस का अधिवेशन प्रारम्भ होने तक, जबकि अब्राहम उसके लिए और धन का प्रबन्ध करा सकता था, उसके पास व्यय के लिए केवल पाच हजार डालर थे। चादरो, तौलियो तथा शयन-कक्षो के लिए कम्बल तथा चटाइयो जैसी आवश्यक वस्तुओ के अतिरिक्त वह अधिकाश धन सरकारी कमरो के लिए चीज़े खरीदने पर खर्च करना चाहती थी, ताकि जनता पर उसका प्रभाव पडे।

वे पोटोमाक नदी से नाव पर सवार होकर गए, फिर अटलांटिक महासागर के किनारे-किनारे पर्थ अमबाय तक गए। वहा से वे बग्घी से न्यूयार्क पहुचे और मेट्रोपालिटन होटल मे जाकर टहरे। ब्रूस्टर की दुकान से एक सुन्दर बग्घी खरीदने के बाद मेरी ने ह्रम्फ्रे की दुकान पर खरीदारी प्रारम्भ की। वहा उसने तीन सौ गज़ चटाई सरकारी कार्यालय के लिए खरीदी और फिर स्टेवार्ट की दुकान से उसने रेड रूम के लिए गहरे लाल रग की उत्कृष्ट विल्टन दरी, ऊपर वाले अतिथि-कक्ष के लिए विल्टन छीट और अब्राहम के कार्यालय के लिए विल्टन की वस्तुए खरीदी। सरकारी भोजन-कक्ष के लिए उसने हफवूट की दुकान पर एक सौ नब्बे पीस वाले बैंजनी और सुनहरे चीनी सेट के लिए, जिसपर प्रेसीडेन्ट का नाम भी खुदा हुआ हो, आदेश दिया। साथ ही उसने भोजन के उपरात फल परोसने के लिए चीनी मिट्टी के बर्तन, चाय और नाश्ते के सेट, मिठाई की प्यालियो और उनसे मेल खाने वाले मदिरा के प्यालो, बोहेमिया के शीशे के सत्रह सौ पीस वाले सेट, जिसपर अमेरिका की पालिश चढी हुई थी, हाथी-दात की मूठ के भोजन करने के दस दर्जन और फल काटने के छ दर्जन चाकू खरीदे। इसके बाद वह विलियम एच० कैरील ऐण्ड ब्रदर की फर्नीचर की दुकान पर गई और उसने हत्थे वाली कुर्सिया, आरामकुर्सिया,

एक सोफा जिसपर फ्रासीसी साटन का कपडा चढा हुआ था और सुगन्धित लकडी की एक सुन्दर मेज़, पर्दो का सामान, फ्रास की किमखाब, सुगन्धित लकडी का पलग, तिपाइया और मेज़ तथा अतिथि-कक्ष के लिए बैजनी साटन के पर्दे खरीदे।

मेरी ने नये गाउन बनवाने के लिए फ्रास का कुछ सुन्दर कपडा भी खरीद लिया। जब लिजी ने इसपर आश्चर्य प्रकट किया कि मेरी इतना अधिक व्यय कर रही है, तो मेरी ने कहा

'लिज़ी, मुझे काफी व्यय करना है। वाशिगटन की स्त्रिया जो कुछ मैं पहनती हू उसकी बडी उत्सुकता से जाच-पडताल करती है। क्योकि मै पश्चिम मे ही पलकर बढी हू, इसलिए मेरी सारी बातो की ओर और भी अधिक ध्यान दिया जाता है।'

'बहन मेरी, मेरा उद्देश्य आलोचना करने का नही है। मेरे विचार मे तुम्हे अच्छे वस्त्र ही पहनने चाहिए, और इनके पहनने मे तुम्हे वाशिगटन की महिलाओ की इतनी परवाह नही करनी चाहिए जितनी इस बात की कि भैया लिकन भी तुम्हे हर समय सुन्दर वस्त्रो मे देखना चाहते है।'

जहा-जहा वह गई उसके पीछे-पीछे सवाददाता लगे रहते जो इस बारे मे पूछते कि वह क्या-क्या खरीद रही है?

जब वह वाशिगटन लौटकर आई तो अब्राहम ने पूछा, 'समाचारपत्रो ने लिखा है कि तुमने तीन हज़ार डालर का शाल खरीदा है, देखू मैं वह कैसा है?'

मेरी का मुख क्रोध से तमतमा उठा और बोली, 'तीन हज़ार डालर का शाल? मैंने तो तीन डालर का शाल भी नही खरीदा। अब्राहम, यह समाचार-पत्र वाले इतना निर्दयता का व्यवहार क्यो करते है? सवाददाता वस्तुत. मेरे पीछे-पीछे लगे रहे। उन्होने मेरी खरीदारी के बारे मे जिन-जिन दुकानो के बारे मे लिखा है कि मैने वहा से इतना-इतना सामान खरीदा, उन दुकानो में तो मैने प्रवेश भी नही किया।'

मेरी वाशिगटन के समाचार जानने के लिए उत्सुक थी, किन्तु अब्राहम उसके शयन-कक्ष मे अर्धरात्रि से पूर्व नही आया। उस समय मेरी फ्रेंच भाषा का उपन्यास 'पियरे गोरियो' पढ रही थी। अब्राहम मेरी के पास पैर फैलाकर बैठ गया और बताने लगा, 'उत्तरी भाग की ओर की रेलवे लाइन खुल गई

है, सघ के सैनिको ने बिना युद्ध के अलेग्जैड्रिया और वर्जीनिया की आर्लिगटन पहाडियो पर अधिकार जमा लिया है, ताकि ह्वाइट हाउस से विद्रोही झडे व तोपे न दिखाई दे सके, किन्तु वाशिगटन मे, जहा नालियो की तथा सफाई की व्यवस्था नही है, हजारो सैनिको के शराब पीकर मस्ती से घूमते रहने से नगर रहने योग्य नही रह गया है।

'जान हे कहता है कि वाशिगटन मे ऐसी दुर्गन्ध फैली हुई है, मानो दस हजार बिल्लिया मर गई हो और उनके शरीर से दुर्गन्ध छूट रही हो। प्रत्येक को आशका है कि कही बीमारी न फैल जाए, किन्तु मुझे सबसे अधिक चिन्ता अनुशासन के भग होने की है। यह सैनिक युद्ध करने के लिए आए थे, केवल सारे दिन कवायद करने और बिगुल बजाने के लिए ही नही। आलस्य मे पड़े ये सैनिक पदाधिकारियो से झगडा कर रहे है, केवल खेल के लिए उनकी बदूके छोड रहे है और अपराध कर रहे है · · । यदि मै उनको युद्ध मे नही लगाऊगा तो वे फिर किसी काम के नही रहेगे।'

जब अब्राहम अपने शयन-कक्ष मे गया तो एक बज चुका था। अब्राहम ने मेरी को गुडनाइट करते हुए कहा

'यह अच्छा हुआ कि तुम वापस घर आ गई।'

मेरी को यह जानकर प्रसन्नता हुई कि अब्राहम को अब भी उसकी उतनी ही आवश्यकता है।

८३

अब वर्जीनिया राज्य सैनिक भर्ती कर रहा था और अब्राहम को विश्वास हो गया था कि सघ-राज्य के विभाजन का निर्णय सीमात-राज्यो के हाथ मे था। वे राज्य थे केटुकी, मिसूरी, मेरीलैड, डेलवेयर। दासता-प्रथा वाले दक्षिण के राज्यो और उत्तर के स्वतत्र राज्यो के बीच की सीमा-रेखा इन्ही राज्यो से बनती थी। उनकी अपनी सीमाओ मे भी कही-कही दासता थी, किन्तु उनमे सघ

के साथ सम्बन्ध बनाए रखने की भावना भी थी। अब्राहम के मन मे अपनी जन्मभूमि वाले राज्य केंटुकी के लिए अधिक उत्सुकता थी।

उसने मेरी से कहा, 'मै तो समझता हू कि केंटुकी का राज्य चला गया तो मेरी पूरी हार ही हो जाएगी। केंटुकी चला गया तो हम मिसूरी को भी खो बैठेंगे और मेरीलैंड भी हमारे पास नही रहेगा। ये सब राज्य हमारे विरुद्ध है और हमारे सामने काम बहुत भारी है। हम दक्षिण के राज्यो के पृथक्करण के लिए भी तुरत तैयार हो सकते हैं, मुझे जोश स्वीड के विचित्र पत्र मिले है, उसने लिखा है कि जो लोग निश्चित रूप से देशभक्त है उन्हे शस्त्रास्त्र बाटे जाए, आखिर हमे उनके नेताओ को सघ का समर्थक बनाए रखना है।'

तभी मेरी ने बुकानन के समय के उपराष्ट्रपति जान ब्रेकिनरिज को भोज पर आमन्त्रित किया था जो अब्राहम के मुकाबले मे दास-प्रथा वाले राज्यो की ओर से राष्ट्रपति-पद का उम्मीदवार बना था तथा अब केंटुकी से सीनेटर चुना गया था। वह टाड-परिवार का घनिष्ठ मित्र रहा था इसलिए मेरी अपने दीर्घ-कालीन सम्बन्ध के कारण आशा करती थी कि उसे सघ के प्रति निष्ठावान् बना सकेगी। बयालीस वर्ष की आयु का ब्रेकनरिज, प्रतिष्ठित तथा गभीर प्रकृति का व्यक्ति था। उसने भोजन समाप्त करते हुए लिजी ग्रिम्सले को सम्बोधित करके कहा :

'बहन लिजी, तुम जो आशा करती थी कि तुम ह्वाइट हाउस मे जाकर रहोगी, उसके लिए मैं तुम्हे निराश नही होने दूगा,' उसकी आवाज मे कटु व्यग्य भरा हुआ था, 'जब कान्फेडरेसी का अधिकार हो जाएगा तो मैं तुम्हे वहा रहने के लिए आमन्त्रित करूगा।'

मेरी ने अपने खाने की प्लेट एक ओर रख दी और यह अनुभव करते हुए कि ब्रेकिनरिज ने परिहास के द्वारा अपने भावी राष्ट्रपति बनने की घोषणा कर दी थी, एक तीखे स्वर मे उत्तर दिया :

'तब तक उसके अतिथि-सत्कार करने मे हमे प्रसन्नता ही होगी।'

अगले दिन प्रात काल बेन हार्डिन हेल्म ह्वाइट हाउस मे आया। बेन वेस्ट प्वाइन्ट का स्नातक था और उसने टेक्सास मे सैनिक अनुभव प्राप्त किया था। उसने समटर के समक्ष अब्राहम को बताया कि वह फिर से सेना मे आना चाहता

है। अब्राहम ने उस नवयुवक का स्वागत किया।

बेन ने स्वीकार किया, 'राष्ट्रपति महोदय, मुझे आपसे आशा तो नही करनी चाहिए क्योकि निर्वाचन के समय मैने आपका विरोध किया था '

अब्राहम ने इस बात के प्रति उपेक्षा-भाव दिखाते हुए कहा

'अब तो केवल इस बात का महत्व है कि तुम्हारी सघ-राज्य के प्रति कितनी निष्ठा है' अब्राहम खिडकियो के बीच रखे ऊचे डेस्क के पास गया और एक खाने मे से एक मुहरबद लिफाफा ले आया, 'यह लो, मै तुम्हे वेतन-विभाग मे मेजर का पद देता हू ताकि तुम्हे दक्षिण के लोगो के विरुद्ध कभी तलवार न उठानी पडेगी।'

बेन अपने भूरे बालो मे उगलिया घुमाने लगा और बोला

'आप बहुत दयालु है...'

मेरी ने बेन के कधे पर अपना हाथ रखा और कहा :

'अब तुम वापस केटुकी चले जाओ और एमिली को ले आओ। उसे यहा ह्वाइट हाउस मे लाना। मै उसे अपने पास चाहती हू बेन, बिलकुल इसी तरह जैसे कि सेना को तुम्हारे जैसे विद्वान् और प्रतिष्ठित नवयुवको की आवश्यकता है।'

जब दो दिन पश्चात् बेन लौटा तो गृहयुद्ध की भयानकता के चिह्न उसके चेहरे पर अकित हो चुके थे।

'राष्ट्रपति महोदय तथा बहन मेरी, मै अभी सेना के अपने मित्र कर्नल राबर्ट ई० ली से मिलकर आया हू ...'

'हम कर्नल ली का अत्यधिक सम्मान करते है,' अब्राहम बीच मे ही बोला, 'जनरल स्काट निम्नपद स्वीकार कर सघ-सेना को उसके हाथो मे देने के लिए तैयार हो गया है।'

बेन की आवाज मे अवरोध था।

'कर्नल ली अपने इस निश्चय के कारण ही बीमार है, किन्तु वह कहता है कि वह अपने ही लोगो के साथ युद्ध नही करेगा। उसके बच्चो की जितनी भी सम्पत्ति है वह वर्जीनिया मे है। वह कहता है कि वह अपने बच्चो के विरुद्ध हाथ नही उठा सकता... वह अमेरिका की सेना से पदत्याग कर रहा है।'

इस बुरे समाचार को सुनकर सबसे पहले अब्राहम अपने-आपको सभाल

कर नम्र वाणी मे बोला

'यह बहुत बुरा आघात है। सघ को कर्नल ली की आवश्यकता है। किन्तु वह वर्जीनिया राज्य का है और वर्जीनिया सघ से अलग हो गया है।' उसकी वाणी मे दृढता आ गई और वह बोला, 'किन्तु तुम्हारा केंटुकी-राज्य तो सघ से अलग नही हुआ, वह राज्य तो हमारे विरुद्ध युद्ध नही कर रहा, न तुम्हे अपने घर और न अपने लोगो के विरुद्ध लडना पडेगा · '

जब बेन ने कोई उत्तर न दिया तो मेरी ऊचे स्वर मे बोली

'बेन, तुम तो विद्रोहियो से नही मिल रहे हो? ऐसा तो कोई भी कारण नही है। तुम न तो दासो के स्वामी हो और न ही बागान के मालिक हो····· '

बेन का सास भारी हो गया

'मैं ·· कानफेडरेट सेना मे भर्ती हो रहा हू।'

कमरे के वातावरण को कुछ अव्यक्त भावनाए विदीर्ण कर रही थी। तभी जब मेरी कमरे से बाहर जाने के लिए तैयार हुई, तो अब्राहम ने पिता के से प्रेमभाव से कहा

'मैं इस बात की प्रशसा करता हू कि तुमने आकर हमे बता दिया, यह तुम्हारे लिए सुगम नही था। अच्छा विदा, मुझे आशा है हम फिर मिलेगे··· अधिक प्रसन्नता के दिनो मे।'

बेन ने मेरी के गाल का विदासूचक चुम्बन लिया और मेरी को ऐसा अनुभव हुआ, मानो उसकी त्वचा झुलस गई है। अब्राहम ने अत्यधिक दुःख से कहा

'उसकी सहानुभूति उत्तर की अपेक्षा दक्षिण के प्रति थी। पर क्यो? यह ठीक है कि उसे राजभक्त होना चाहिए, किन्तु फिर भी यदि वह मेजर के पद की अवहेलना कर विद्रोहियो से मिलने के लिए तैयार है तो इस जैसे न जाने कितने अच्छे और ईमानदार व्यक्ति, जिनकी आत्मा उन्हे कचोटती होगी, हमसे अलग हो जाएगे।'

मेरी ने मन ही मन उत्तर दिया—केंटुकी के मेरे सभी सम्बन्धी। मुझे जिस बात का भय था वही हुआ, हमारा घर विभाजित हो जाएगा।

•

कई सप्ताह हलचल मे बीत गए, क्योकि मेरी घर का पुराना रग

उखाडने, खिडकियो और छतो आदि को साफ करने, बत्तीदानो और चित्रो को उतारकर साफ करने और न्यूयार्क से गालीचे आने पर चटाइया और गालीचे बिछाने के लिए मज़दूरो को ह्वाइट हाउस मे ले आई। मध्याह्न-पश्चात् मेरी उन सैनिक शिविरो मे जाया करती थी जो वाशिंगटन के चारो ओर लगे हुए थे और विशेषत 'शिविर मेरी-लिकन' मे जाया करती थी जो टाड और विलियम को बहुत पसद था। वे प्राय: चाय के समय लौटते थे और उस समय उन्हे दो बालक बड और होली टाफ्ट, टाड और विलियम की प्रतीक्षा मे खडे मिलते थे। उनके साथ उनकी सोलह वर्ष की बहन होती थी—जूलिया, जो एक सुन्दर लडकी थी। उसके बाल काले और घुघराले थे और वह टफेटा पहनती थी। उसे मेरी से बहुत प्रेम हो गया था जिसका एक कारण तो यह था कि मेरी उसे ह्वाइट हाउस के पुस्तकालय मे उपन्यास पढने देती थी, जबकि उसकी मा ने उसे इस तरह समय बिताने मे मना कर रखा था।

'मेरी, इसका क्या कारण है कि मै तुम्हारे साथ लडको और प्रेम आदि विषयो पर भी निश्शक बात कर सकती हू ? तुमने कभी भी अपने-आपको इतना ऊचा नही समझा कि मेरी कहानियो के प्रति सहानुभूति न रखो। मैं ऐसी साधारण-सी बातो से अपनी मा को कुपित करने का साहस भी नही कर सकती।'

'सभवत: इसलिए जूलिया, कि मैं सदा एक बेटी की कामना करती रही हू।'

टाड हास-परिहास द्वारा घर के वातावरण को सजीव बनाए रखता था। वह नौकरो को भी घबराहट मे डाले रहता था क्योकि जब वह ह्वाइट हाउस के गभीरतापूर्ण वातावरण मे अपनी गति-विधि द्वारा खिलखिलाहट पैदा कर देता अर्थात् तग पेट के कमर पर बटन लगाए कमरो मे भाग-दौड मचाता तो नौकरो मे भी हसी के फव्वारे छूट पडते थे। माली वाट ने तो उसका नाम 'जगली बिल्ली' रखा हुआ था। जब एक आगतुक ने एक नई गेद उपहार-स्वरूप दी तो उसने खुली ड्योढी को गेद खेलने का मैदान बना लिया और शीघ्र ही एक बडा शीशा तोड डाला। विलियम और टाफ्ट भयभीत होकर टूटे हुए शीशे के आसपास एकत्र हो गए।

टाड बोला, 'मै समझता हू कि पिता इसकी परवाह नही करेगे।'

उसके उच्चारण मे तनिक सुधार हो गया था, किन्तु अधिकतर लोग उसे

इस कारण अच्छी तरह समझ लेते थे कि वे उसे समझने के लिए कठिन श्रम करते थे।

'यह पिता का चेहरा देखने का शीशा नही है,' विलियम ने आपत्ति की, 'यह तो अमेरिकी सरकार का शीशा है।'

टाड इस उत्तर से प्रभावित तो हुआ किन्तु थोडी ही देर के लिए। वह भागकर रसोई मे चला गया और फिर लौटकर अपने बाए कधे और मखमल के गालीचे पर नमक ही नमक बिखेर दिया, फिर तीनो लडको को खीचता हुआ ऊपर पुस्तकालय मे ले गया और उनसे कहा कि वे उसे ईश्वर की प्रार्थना सिखाए, ताकि सात वर्ष तक उसे दुर्भाग्य का सामना न करना पडे। अब्राहम के कार्यालय मे जब एक महत्वपूर्ण सम्मेलन हो रहा था तो टाड ने गोली चलाकर, ढोल बजाकर सम्मेलन की कार्यवाही मे बाधा डाल दी। तब अब्राहम ने नम्रता से कहा

'बेटा, क्या तुम ऐसा नही कर सकते कि कुछ कम शोर करो,' और फिर वह अपनी चर्चा मे सलग्न हो गया।

जब नौकरो ने शिकायत की कि टाड और विलियम ने जान क्विन्सी ऐडम्स के काम से आज तक की जितनी भी परिचय-पर्चिया (विज़िटिग कार्ड) जमा हुई थी उनको सब कमरो मे, ऊपर हवा मे इस प्रकार उछाल-उछालकर बखेर दिया है मानो बर्फ गिर रही है और फिर तथाकथित बर्फ पर कुर्सी की स्लेज बनाकर चला दी है, तो इसपर मेरी ने उत्तर दिया

'बच्चो को आनन्द मनाने दो।'

जब दस दिन तक मेरी अनुपस्थित रही तो ऐसा लगा मानो अब्राहम ने नाश्ते के लिए परिवार के भोजन-गृह मे आना ही छोड दिया है। मेरी ने राष्ट्रपति के कार्यालय के दरवाजे को खटखटाया और बिना अनुमति प्राप्त किए अन्दर चली गई। उसने देखा कि वहा अब्राहम और उसके मत्रिमडल के सात सदस्य इस प्रकार बाधा पडने पर उसकी ओर देख रहे है। क्षण भर के मौन के पश्चात् अब्राहम ने धीमे से कहा :

'हा श्रीमती लिंकन, सरकार तुम्हारे लिए क्या कर सकती है?'

'सरकार नाश्ते के लिए आ सकती है।'

'किन्तु श्रीमती लिकन, हम कुछ महत्वपूर्ण विषयो का फैसला कर रहे

है'—सीवार्ड ने ऐसे आपत्ति भरे लहजे मे कहा कि जिसका यही अभिप्राय था कि वह तुरत लौट जाए।

'श्री सीवार्ड, क्या तुमने नाश्ता कर लिया है ?'

'क्यो, हा।'

'तब मैं तुम्हे यह बता देना चाहती हू कि श्री लिंकन आज प्रात' जब से जागे है उन्होने न तो नाश्ता किया है और न ही काफी तक पी है। यदि श्री लिंकन को अपनी शक्ति बनाए रखनी है तो अवश्य खाना चाहिए। तुम कार्यवाही मे बाधा तो नही चाहते, किन्तु मैं तुम्हे विश्वास दिलाती हू कि राष्ट्रपति मरकर तुम्हे कोई लाभ नही पहुचाएगा।'

अब्राहम मुस्कराया और अपने सिर को इस प्रकार बाई ओर झुका दिया, मानो कहना चाहता हो कि वह मरकर लाभ ही पहुचाएगा। फिर उसने सभासदो से अनुमति मागी। मत्रिमडल के सदस्यो की फटी-फटी-सी दृष्टि से मेरी यही समझ पाई कि वह उन्हे इतना ही विश्वास दिला पाई है कि श्रीमती लिकन बहुत व्यस्त रहती है।

इस बात के कारण प्राय नित्यप्रति डेमोक्रेटिक समाचारपत्रो मे मेरी के विरुद्ध बाते प्रकाशित होने लगी। उन्होने ऐसी साधारण-सी बातो को भी प्रकाशित किया कि मेरी जिन लोगो को सार्वजनिक उत्सवो मे आमन्त्रित करती है उनसे बहुत अतिथि-सत्कार प्राप्त करती है। टाड-परिवार के सैकडो लोग वाशिगटन मे बैठे हुए है और सघ-राज्य मे नौकरी प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील हैं। मेरी पर आरोप लगाया गया कि मेरी ने न्यूयार्क मे हजारो डालर व्यर्थ व्यय कर दिए है। यह आरोप भी लगाया गया कि उसकी अभिरुचि निकृष्ट और गवारू है। टाड घर आया तो उसके नाक से रक्त बह रहा था क्योकि लेफेट स्क्वेयर मे एक लडके से लड पडा था, जिसने कहा था कि लिंकन-परिवार के लोग गवार हैं। वाशिगटन स्टैंडर्ड ने समाचार दिया

'श्रीमती लिकन ऐसे बहुत-से कार्य कर रही है जिनसे राष्ट्रपति लिकन लोकप्रियता खो रहे है। उसका आचरण मूर्ख-गवार-का सा है, जिसे दुर्भाग्य से ऐसा उच्चस्तर प्राप्त हो गया है जिसकी वह पात्र नही।'

वह हाथ मे पत्रिका लिए हुए अब्राहम के पास पहुची और झुझलाह; मे बोली

'अब्राहम, हमें इन बेहूदा आरोपों मे से कुछ का उत्तर तो देना ही चाहिए। वह तीन हजार डालर के शाल का समाचार प्रत्येक छोटे से छोटे नगर में प्रकाशित हुआ है।'

अब्राहम ने उसे प्रश्रय दिया :

'मेरी, यदि हम उत्तर देने की बजाय यह सब आरोप पढ़ते रहे तो आरोपों को गढ़ने वाली दुकान स्वयं कुछ और व्यापार ढूंढेगी। हम जो कुछ करना जानते है या कर सकते है उसे सर्वोत्तम ढंग से करना चाहिए और अन्त तक उसी प्रकार करते रहना चाहिए। यदि अन्त में हमारा आचरण ठीक सिद्ध हुआ तो हमारे विरुद्ध जो कुछ कहा गया है उसका कुछ भी महत्व नही रहेगा। यदि परिणाम हमारी गलती को प्रमाणित करेगा तो चाहे दस देवता शपथ-पूर्वक कहें कि हम ठीक है, उससे भी कोई अन्तर नहीं पड़ेगा।'

मेरी विदेशी राजदूतों को दिए जाने वाले प्रथम राज्य-सहभोज की प्रतीक्षा कर रही थी। पहली बार जब राजदूतों को स्वागत-समारोह पर आमंत्रित किया गया था तो उन्होंने लिंकन-परिवार के प्रति स्नेह-भाव प्रकट किया था, इस बार मेरी को उनमें से कुछ-एक को मित्र बनाने की आशा थी। भोजनगृह में पुनः रोगन किया गया था और ताज़ा वायु आने की व्यवस्था की गई थी। उसने अभी रसोईघर की अधीक्षिका श्रीमती वाट के साथ मीनू की जांच की थी, और उसी समय उन्हे समाचार मिला कि स्टीफेन डगलस ने पिछले दिनों स्प्रिंगफील्ड की रिप्रेज़ेंटेटिव सभा में गर्मागर्म भाषण दिए कि देशद्रोह के वातावरण में देशभक्ति की आवश्यकता है और शिकागो में विगवाम के स्थान पर यह भाषण दिया था कि कोई भी व्यक्ति तब तक सच्चा डेमोक्रेट नही, जब तक कि वह देशभक्त न हो। उसके बाद वह ट्रीमौंट हाउस में बीमार पड़ गया था और कुछ दिनों की बीमारी के पश्चात् उसकी मृत्यु हो गई है।

अब्राहम शयनागार में था। उसकी आंखें रोने के कारण भीगी हुई थीं।

'मै अनुभव करता हूं कि मानो मेरा सबसे अधिक घनिष्ठ मित्र खो गया है,' वह बोला, 'किन्तु हम जीवन भर एक दूसरे के विरोधी रहे। हमें उसका अभाव बहुत महसूस होगा।'

'.......वह तो एक भाई की तरह था। मैं अठारह वर्ष की आयु के बाद ही स्टीव को मिली थी, किन्तु हमारा परस्पर सम्बन्ध बच्चों जैसा ही था।

बेचारी ऐडेल मैं उसे अभी पत्र लिखूगी,' मेरी यह कहते-कहते रुकी और फिर बोली, 'क्या तुम ह्वाइट हाउस पर काले झडे लहराओगे ? क्या मैं राजदूतो को सदेश भेज दू कि सहभोज स्थगित कर दिया गया है ?"

'सरकार का कार्य तो चलते रहना चाहिए 'चाहे किसी की भी मृत्यु हो।'

मेरी काले वस्त्र पहनना चाहती थी, किन्तु अब्राहम ने सोचा कि इससे पार्टी के आनन्द मे बाधा पहुचेगी, इसलिए मेरी ने गहरे हरे रग का टाफेटा और झालरदार कालर पहना और बालो मे कोई आभूषण अथवा फूल नही लगाया।

सहभोज पर भोजन बहुत स्वादिष्ट था और राजदूतो तथा मत्रियो के चटकीले-भडकीले राजचिह्न और उनकी महिलाओ के दरबारी वस्त्रो की चमक-दमक मे वार्तालाप भी प्रसन्नतादायक हो रहा था। जब मेरी फ्रासीसी और चिलियन राजदूतो के साथ फ्रासीसी भाषा मे बातचीत कर रही थी तो उसकी दृष्टि अब्राहम को ढूढने लगी और उसने देखा कि अब्राहम भी उसीकी ओर देख रहा था। जब राजदूत और उनकी पत्निया मेज़ पर नसवार की डिबिया एक-दूसरे को देने लगी तो मेरी और अब्राहम ने प्रसन्नता भरी दृष्टि से एक-दूसरे की ओर देखा।

कुछ दिनो पश्चात् मेरी ने 'न्यूयार्क स्टार' मे पढा :

'राष्ट्रपति ने मगलवार को राजदूतो को एक सहभोज दिया जो ह्वाइट हाउस मे आज तब किए गए आयोजनो की तुलना मे कई पहलुओ से सबसे सुन्दर समारोह था। आज तक राष्ट्रपति की मेज़ो को कृत्रिम फूलो से सजाया जाया करता था, किन्तु इस बार श्रीमती लिंकन की श्रेष्ठ अभिरुचि के कारण उन फूलो को सर्वथा तिलाजलि दे दी गई और उनके स्थान पर ह्वाइट हाउस के उद्यान से प्राकृतिक सुगधित फूल रखे गए। भोजन ऐसे ढग से परोसा गया जिससे श्रीमती लिंकन की सुरुचि का परिचय मिलता था और इस बात का पता लगता था कि उसने इस विभाग का बहुत अच्छा पर्यवेक्षण किया था।'

मेरी ने समाचारपत्र को छाती से लगा लिया और कहा, 'हमे बुरी आलोचना के साथ-साथ प्रशसा भी सुननी होती है और दोनो को सहन करना होता है, क्यो ठीक है न अब्राहम ?'

अब्राहम ने अपनी ऐनक के चादी के फ्रेम के ऊपर से गभीरतापूर्वक उसकी ओर देखा और कहा :

'घातक आघातो से प्रतिभा का सृजन होता है ।'

अब्राहम के इस कथन से मेरी को डाक्टर जान वार्ड का स्मरण हो आया। उसे ऐसा लगा मानो वह ट्रान्सिलवानिया विश्वविद्यालय मे सफेद बालो के गुच्छे वाले डाक्टर जान वार्ड के पास खडी है और डाक्टर खिडकी के बाहर झाक रहा है। मेरी ने उस समय उलझन और वेदना से कहा था, 'एक स्त्री के जीवन का मोड कहा है ?' और डाक्टर वार्ड ने उत्तर दिया था, 'तुम्हारी महत्वाकाक्षाओ और प्रतिभा के लिए यह हल तो असतोषजनक होगा, किन्तु सभवत. तुम्हे पति अथवा पुत्र द्वारा विश्व मे अपना स्थान बनाना होगा।'

अब्राहम ने कहा, 'घातक आघातो से प्रतिभा का सृजन होता है ।'

मेरी इस वाक्य मे यह भी जोड देना चाहेगी कि जीवित रहने के लिए प्रतिभा का सृजन न केवल आघातो मे से होना चाहिए, वरन् प्रेम से भी ।

८४

जून के मध्य मे वाशिगटन मे गर्मी और घुटन फैल गई, किन्तु मौसम की गर्मी के दबाव की अपेक्षा विद्रोह का तुरत दमन करने के लिए अब्राहम पर कही अधिक दबाव डाला जा रहा था। होरेस ग्रीले ने न्यूयार्क ट्रिब्यून मे एक आदोलन आरम्भ किया जो उत्तर के प्रदेश मे जगल की आग की तरह फैल गया

'रिचमाड चलो ! विद्रोही-सम्मेलन की बैठक २० जुलाई को वहा नही होने देनी चाहिए। उस तिथि तक राष्ट्रीय सेना को उस स्थान पर कब्ज़ा कर लेना चाहिए। रिचमाड चलो !'

अब्राहम कार्यालय मे लटके हुए वर्जीनिया के भौगोलिक मानचित्र के सामने खडा था।

'मैं तो बस यही सुनता हू—रिचमाड चलो ! मुझे भय है कि यदि हमने युद्ध आरम्भ न किया तो उत्तर के प्रदेश का उत्साह समाप्त हो जाएगा।' उसने

अपनी लम्बी उगली के साथ मान्सास की ओर संकेत किया जहा के बारे मे यह समाचार मिला था कि वहा कान्फेडरेटो ने तीस हजार की सेना एकत्र कर रखी है ।

'जब मैंने जनरल स्काट से कहा कि उसने क्यो प्रारम्भिक सर्वेक्षण का आदेश नही दिया ? तो उसने उत्तर दिया : मेरे पास ऐसा कोई पदाधिकारी नही जिसपर मैं इस कार्य के लिए निर्भर कर सकता । जो पदाधिकारी है वे किसी न किसी फदे मे फस जाएगे और हमारे इच्छा करने से पूर्व युद्ध आरम्भ कर बैठेगे ।—जब मैंने जनरल मैकडोवेल से पूछा कि उसे शत्रु की शक्ति और स्थिति के बारे मे क्या पता है, तो उसने शिकायत की कि उसके पास देश का कोई विश्वसनीय मानचित्र नही है और शत्रु-सेना की सख्या अथवा स्थिति का कुछ पता नही । केवल एक व्यक्ति, जिसके पास जासूसी की पूरी योजना है, वह तुम्हारा प्रिय जासूस ऐलन पिकर्टन है ।'

अब्राहम ने इसपर और विचार नही किया । उसकी मन स्थिति इस समय इतनी गभीर थी कि वह परिहास के लिए तैयार नही था ।

'मैकडोवेल इस ग्रीष्म-काल मे युद्ध नही करना चाहता । वह कहता है कि सेना को सगठित करना, अनुशासित करना और उसी समय आक्रमण करना, यह सब एक साथ करना गलती होगी । मैने उसे कहा कि तुम अभ्यस्त नही हो यह ठीक है किन्तु शत्रु भी अनभ्यस्त है । जनरल स्काट यह युद्ध मान्सास के स्थान पर नही चाहता । वह चाहता है कि पतझड अथवा शरद्-काल मे मिसीसिपी घाटी के निचले प्रदेश मे बडा आक्रमण किया जाए और फिर अन्तिम युद्ध न्यूओरलियन मे लडा जाए और इस प्रकार कान्फेडरेसी को समाप्त कर दिया जाए ।'

लिंकन ने मेरी की ओर देखा तो उसकी आखो मे वेदना टपक रही थी ।

सेनाओ की लम्बी-लम्बी पंक्तियो, खाने की सामग्री की गाडियो और एम्बुलेसो को वर्जीनिया की ओर जाते हुए देखकर वाशिंगटन मे विजय-सम्बन्धी विश्वास की लहर दौड गई । जनरल स्काट ने घोषणा की कि 'शनिवार तक हम रिचमाड मे पहुच जाएगे ।' किन्तु जब मेरी ने खिडकी के बाहर झाका तो उसने देखा कि अब्राहम अपने सिर पर फेल्ट हैट को पीछे की ओर सरकाए और लाल रूमाल से चेहरे को पोछते हुए तेजी के साथ युद्ध-विभाग की ओर जा रहा था ।

निस्सदेह उसका चितातुर होना स्वाभाविक था क्योंकि वाशिगटन मे कोई भी व्यक्ति समाचारपत्रो से जान सकता था कि उत्तर ठीक-ठीक कितनी सेना से आक्रमण कर रहा है और किस ओर से आक्रमण कर रहा है और लडाई कहा लडी जाएगी ।

शनिवार को सारा दिन मेरी अब्राहम से नही मिल सकी क्योकि ह्वाइट हाउस मे उन लोगो की भीड लगी हुई थी जो सेनाओं मे जाकर युद्ध देखने के लिए पास चाहते थे । उनमे न केवल समाचारपत्रो के सवाददाता और वेड, ट्रम्बल और शैडलर जैसे सीनेटर ही थे, वरन् उत्तेजित नागरिको के झुड के झुड भी थे जिन्होने अपने सब घोडे, गाडिया आदि इसी काम मे लगा दिए थे । खाने-पीने की वस्तुओ और शराब आदि की माग इतनी अधिक बढ गई थी कि होटल वालो ने मूल्य तीन गुना बढा दिए थे ।

मेरी शयनागार मे ही एक घूमने वाली कुर्सी पर बैठकर सिलाई का काम करती रही । उसके अन्तर मे खलबली-सी मची हुई थी, गला सूख रहा था, इस विचार से कि लोग इस प्रकार युद्ध-क्षेत्र की ओर जा रहे थे, मानो रविवार के दिन घूमने जा रहे हो । उसे बहुत दु ख अनुभव हो रहा था, विशेषत: वह ये कहा-निया सुनकर और भी दु खी थी कि काग्रेस के सदस्य पिस्तौल लेकर जा रहे थे कि कुछ शिकार ही कर लेगे और स्त्रिया दृश्य को अच्छी तरह देखने को नाटक देखने की ऐनके लेकर जा रही थी ।

सब कही लोग जोश के साथ कहते थे

'सोमवार तक यह विद्रोह अतीत की बात रह जाएगा ।'

मेरी भी व्यग्रतापूर्वक यही आशा कर रही थी ।

मेरी की आख खुली तो उषा-काल का सुहावना समय था । स्वच्छ-निर्मल समीर बह रहा था और सामने पोटोमाक नदी की रजत धारा बह रही थी । ग्यारह बजे वह अब्राहम के साथ बग्घी मे बैठकर न्यूयार्क एवन्यू के प्रेस्बीटेरियन गिरजा-घर मे गई । पादरी गरले का उपदेश सुनने के पश्चात् वह मौन गलियो मे से गुज़रकर ह्वाइट हाउस लौट आई । लोगो के झुड के झुड युद्ध-मत्रालय और राज्यकोष-भवन के सामने खडे समाचार की प्रतीक्षा कर रहे थे और दूरस्थ प्रदेश से आने वाली गोलाबारी की आवाज़ सुन रहे थे । उन्होने देखा कि उनके

दोनो लडके और तीनो टाफ्ट बालक पुस्तकालय मे थे ।

अब्राहम मेज़ पर बैठ गया और उसने बाइबल मे से जैकब तथा ईसू की कहानी पढी और पाचो बालको को वताया कि हर शिक्षित व्यक्ति को बाइबल और बाइबल की गाथाओ के बारे मे कुछ जानना चाहिए। जव वह बात समाप्त कर चुका तो मेरी ने पूछा ·

'जूली, हमारे बालक गिरजाघर जाना क्यो पसन्द करते है ?'

जूलिया ने उत्तर दिया, 'हमारा गिरजाघर आनन्द प्रदान करने वाला है ।'

विलियम ने इससे सहमति प्रकट की, 'हा, बहुत ही आनन्ददायक है । इससे अधिक आनन्द और उत्साह की और क्या बात हो सकती है ! अब तक पापा, जब डाक्टर स्मिथ आपके लिए प्रार्थना करते थे तो सब सघ-विरोधी लोग दरवाज़े बद कर देते थे और गिरजाघर छोडकर चले जाते थे । आज प्रात लेफ्टिनेट अपने कुछ सिपाहियो के साथ वहा था और उसने गिरजाघर के सामने घोषणा की पदाधिकारी मार्शल ने आदेश दिया है कि जो भी व्यक्ति यहा के कार्यक्रम मे बाधा डालेगा अथवा प्रार्थना के समय गिरजाघर छोडकर जाएगा उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा और जेल मे डाल दिया जाएगा ।—पापा, पादरी क्यो सदा आपके लिए देर तक प्रार्थना करते है ?'

'मेरा विचार है कि वे ऐसा समझते है कि मुझे उनकी प्रार्थना की आवश्यकता है,' अब्राहम ने उत्तर दिया । वह मुस्करा नही रहा था वरन् कुछ उदास और चिन्तित दिखाई देता था । वह क्षण भर खिडकी से बाहर झाकने के लिए मुडा और फिर कुछ गुनगुनाते हुए बोला, 'मेरा विचार है कि मुझे प्रार्थना की आवश्यकता है ।'

दूर से आने वाली गोलाबारी की आवाज़ तेज़ हो गई । विलियम ने पूछा :

'क्या पापा, यह आवाज़ वर्जीनिया के युद्ध की है ?'

'हा विली, ये बडी-बडी तोपे चल रही है ।'

'यह तो ऐसी आवाज़ है जैसे मा के दरवाजा बन्द करने पर होती है ।'

उसी समय किसीने दरवाजा खटखटाया और युद्ध-विभाग के सदेशवाहक ने एक तार अब्राहम को दिया । उसके म्लान मुख पर प्रसन्नता की लहर दौड़ गई । उसने तार मेरी के हाथ मे दे दी .

'शत्रु-सेना का मुख्य स्थान बुलरून जीत लिया गया है और शत्रु को सर्वथा

नष्ट कर दिया गया है।'

चार बजे अब्राहम ने मेरी को बताया कि वह जनरल स्काट के दफ्तर मे जा रहा है। वह आधे ही घंटे मे लौट आया और उसने बताया कि जनरल सोया हुआ था। उसे एक तार मिला था कि विद्रोहियो की सेनाए दो-तीन मील तक खदेड दी गई है।

'मेरी, अब मै काफी अच्छा अनुभव कर रहा हू। क्या हम बग्घी मगवाकर सैर के लिए जा सकते है?'

जब वे साढे छः बजे लौटे तो ताजगी अनुभव कर रहे थे। उन्होने देखा कि निकोले और हे ऊपर बैठे उनकी प्रतीक्षा कर रहे है। सचिव सीवार्ड अभी राष्ट्रपति को यह सूचना देने के लिए आए थे कि जनरल मैकडोवेल को पूर्णतः पीछे हटना पडा और बुलरन मे हार हुई है। वह राजधानी को बचाने के लिए और सेनाए बुलाने के हेतु जनरल स्काट से मिला है।

अब्राहम ने अविश्वास के भाव से सिर हिला दिया और तुरन्त युद्ध-विभाग की ओर चला गया। जब अब्राहम लौटा तो मेरी ने पूछा .

'अब्राहम, यह कितना बुरा है!'

'यह तो अत्यधिक बुरा है। हमे इस समाचार की पुष्टि मे मैकडोवेल से भी तार मिला है कि उसकी सेना नष्ट हो रही है और पुनः खडा करना कठिन है। वह सहायता के लिए चिल्ला रहा है।'

'वर्षा आरम्भ हो गई। ऐसा प्रतीत होता था कि इन विपत्ति के दिनो मे यह वर्षा कभी थमेगी ही नही। शाम के समय प्रायः बारह बार अब्राहम ह्वाइट हाउस से पैदल ही युद्ध-विभाग गया।

आधी रात को मेरी उससे सोने के लिए अनुरोध करने के हेतु उसके दफ्तर मे गई। वह काउच पर झुका हुआ था और सीनेटर वेड, कैंडलर और ट्रम्बल तथा कांग्रेस-सदस्य रिडल और सवाददाताओ से युद्ध का आखो देखा हाल सुन रहा था। एक ने कहानी आरम्भ की और दूसरे ने उसे आगे बढाया

'अत्यधिक गोलाबारी के साथ युद्ध आरम्भ हुआ, केवल धुए के बादल दिखाई देते थे और शस्त्रास्त्रो की खटखटाहट सुनाई देती थी। हम जगल मे आगे बढे और हमने देखा कि बारहवी न्यूयार्क-सेना मार्ग मे आराम कर रही थी और सामने सेकेंड ओहियो सेना थी। दूर मान्सास की ओर अत्यधिक धूल

उठ रही थी। सब कह रहे थे कि युद्ध समाप्त हो गया है, विद्रोही हार गए हैं और हमारे सैनिक आज की लडाई की समाप्ति के बारे मे आदेश की प्रतीक्षा करने लगे।

'दिन को जो अस्थायी सफलता मिली थी उसे सेना के दो-तिहाई भाग ने प्राप्त किया था जो एक लम्बी विश्रृंखलित पक्ति मे आगे बढ गई थी। वह सर्वथा थक चुकी थी और भूख तथा प्यास के मारे निढाल थी, और आगे बढने के लिए उनमे से बहुत कम पदाधिकारी और सैनिक मिल सकते थे। लगभग चार बजे विद्रोहियो ने अनुभव किया कि उनमे आक्रमण करने के लिए पर्याप्त शक्ति है। अकस्मात् थोडे-से घुडसवार जगल मे से होते पूरी तेजी के साथ टूट पडे। किसीने पुकारा ये विद्रोही हैं, बाहर आओ और मुकाबले के लिए तैयार हो जाओ।—वे हमसे ५० गज के अन्तर पर पहुच गए और हमारी भीड पर गोली चला दी। विद्रोही-घुडसवारो के तोपखाने ने गोलाबारी आरम्भ की।

'उस समय ऐसा लगा जैसे प्रत्येक सैनिक पदाधिकारी और नागरिक आतकित हो उठा और उसके मन मे भीरुता छा गई। किसी भी पदाधिकारी ने सैनिको को इकट्ठा करने का प्रयत्न नही किया। बस, सब के सब सेटर विले की ओर भाग खडे हुए। उन्होने अपने कम्बल, खाने-पीने का सामान और फिर बन्दूके तथा कारतूस तक फेक दिए। हमने उन्हे पुकारा और उन्हे यह बताने का प्रयत्न किया कि कोई खतरा नही है और उन्हे रुक जाना चाहिए। हमने रिवाल्वर निकाल लिए और उनपर गोली चलाने की धमकी भी दी, किन्तु सब प्रयत्न विफल हो गए। एक अकारण तथा व्यर्थ आतक फैला हुआ था। हमे भी लोगो के साथ ही चले आना पडा क्योकि न तो हम आगे बढ सकते थे और न ही रुक सकते थे क्योकि सडकें गाडियो से भरी पडी थी जो तेजी से गडगडाहट का शोर करती हुई लौट रही थी। काग्रेस-सदस्यो और नागरिको ने अपनी निजी गाडिया छोड दी और अपने-अपने बचाव के लिए इन भागने वालो मे मिल गए। भयभीत भीड का दृश्य बडा हृदय-विदारक और अपमानजनक था।'

अब्राहम ने धीरे-धीरे सिर ऊपर उठाया।

'तो तुम्हारी यह राय है कि हमने विद्रोहियो को पीटा और फिर उन्हीसे डरकर भाग खडे हुए।'

काग्रेस-सदस्य रिडल ने उत्तर दिया

'हम भाग खडे हुए, इसलिए हमारी हार हुई। युद्धक्षेत्र मे हमे हराया नही गया।'

प्रात मेरी तथा अब्राहम बग्घी मे बैठकर पेनसिलवानिया एवन्यू गए। मूसलाधार वर्षा हो रही थी। लाग ब्रिज पर सघ-सेना के हतोत्साहित सिपाही अकेले ही लडखडाते हुए अथवा टूटी-फूटी टुकडियो मे वर्जीनिया से लौट रहे थे। वे वर्षा से भीगे हुए थे और कीचड से लथपथ थे। उनके पास थैले, पेटिया और बदूके तक नही थी, जूते और बडे कोट नही थे। बहुत-सो के चेहरो और सिर पर रक्त के धब्बे लगे हुए थे।

वे सब थककर चूर हुए थे। कुछ तो अधाधुध ठोकर खाते थे और वर्षा से मुह छुपाने के लिए देहलीज पर गिर पडते थे। जिनमे प्याला थामने की शक्ति थी उन्हे महिलाए काफी के प्याले दे रही थी। दर्शकगण घबराए हुए और बेबस खडे थे और उन्हे इस दुखद दृश्य पर विश्वास नही होता था।

अब्राहम बग्घी से बाहर निकला तो एक सिपाही कहने लगा ·

'' · न जाने कितने ही मर गए हैं · गिना नही जा सका···वन शवो से भरा पडा है · लोग कमर के बल गिरे पडे हैं और उनके मुंह टोपियो से ढके हुए है। कुछ तो ऐसी भयानक स्थिति मे पडे है कि उनकी बाहे और टागे कट गई है·· एक को मैने वृक्ष के नीचे से घसीटा। उसकी गर्दन और खोपडी ही नही थी····।'

अब्राहम ने लौटने वाले घुडसवारो से प्रश्न पूछे जो काठियो पर निढाल पडे थे, तो उसे पता लगा कि लौटने वाली कुछ सेना वर्जीनिया की सेना से जा मिली है। ऐसा कोई प्रमाण नही मिलता कि जनरल स्काट नई सेना लाने पुराने लोगो को सगठित करने के लिए कोई प्रयत्न भी कर रहा है।

अब्राहम वापस बग्घी मे आ गया और सिर हाथो मे रखकर बैठ गया। ·

'मेरी समझ मे नही आता कि अब तक जनरल बीयरगार्ड क्यो नही आया। उसे पता लगना चाहिए कि हम लड भी नही सके।'

अब्राहम, क्या इन लोगो को ह्वाइट हाउस मे आने दें और वहा इन्हे गर्म-गर्म खाना दे ?'

अब्राहम ने उसकी बात नही सुनी। उनकी बग्घी रेल रोड के पास से

गुजर रही थी जहा कारो मे सैकडो सैनिको की भीड़ थी। ये वे लोग थे जिनकी भर्ती की तीन मास की अवधि समाप्त हो गई थी और वे सिर नीचा किए घबराई हुई दृष्टि से, केवल यह इच्छा कर रहे थे कि कान्फेडरेट-सेना के आक्रमण से पूर्व राजधानी से निकल जाए।

ह्वाइट हाउस मे प्रवेश करने पर अब्राहम ने मेरी से कहा .

'यह दिन दर्द भरी सूजन से भी अधिक कष्टदायी है, किन्तु हमे इससे हार नही माननी चाहिए। हमे अपने-आपको और सघ-राज्य को इस पराजय से उभारना होगा।'

उसने अपनी बाह मेरी के कधे पर डाल दी और जब वे सीढियो पर चढे तो उनका उत्साह फिर बध चुका था। वे पुन उसी काम, उसी दु खजनक विपत्ति मे व्यस्त हो गए जिसे उन्होने इतने जोश के साथ आरम्भ किया था।

८५

सारे वाशिगटन मे मातम का सा वातावरण छा गया। जितने भी आरोप लगाए गए उनसे एक गहन उदासी ह्वाइट हाउस मे छा गई। जब मेरी ने अब्राहम की आखो के नीचे पिचके हुए गालो पर झुरिया पडी हुई देखी तो मेरी यह निश्चय न कर सकी कि जनरल स्काट का ह्वाइट हाउस मे आकर चिल्लाते हुए यह कहना · मैं अमेरिका का सबसे भीरु व्यक्ति हू। मुझे पदच्युत कर देना चाहिए क्योकि जब मेरी सेना लडने और मुकाबला करने के लिए तैयार न थी तो मै भी जम नही सका।—अथवा डेमोक्रेटिक पत्रो का यह कहना अधिक कटु है कि रक्त का बहाना बद कर दिया जाए चाहे इसके लिए कान्फेडरेसी को स्वीकार करना पडे। समाचारपत्रो के लगभग डेढ सौ सम्पादको ने एक प्रार्थना-पत्र पर हस्ताक्षर करके भेजा था कि वर्तमान अपवित्र युद्ध को बद कर दिया जाए और उसे होरेस ग्रीले से एक पत्र मिला था

'यदि हमारा विनाश घातक है तो आज के बाद रक्त की जो भी बूद

बहाई जाएगी वह व्यर्थ जाएगी। यदि सच समाप्त हो गया है तो तुरंत युद्ध-विराम का प्रस्ताव रख देना चाहिए, ताकि शान्तिपूर्ण निबटारा हो हो जाए।' न जाने इनमे से कौन-सी बात अब्राहम को घुन की तरह खा रही थी।

मेरी ने देखा, अब्राहम हाथो को पीठ पीछे किए, सिर झुकाए तथा ठडी सास भरते हुए बैठक मे चक्कर काट रहा है। मेरी नही जानती थी कि उसे कैसे सात्वना दे 'बस वह वहा बैठी थी, ताकि जब भी अब्राहम कुछ कहे तो मेरी उसकी बात सुन सके।

'हमने इस हार से एक बात सीखी है, वह यह कि विद्रोह को दबाना साधारण बात नही है। उत्तर को युद्ध का कुछ पता नही। इस बारे मे हमे बहुत कुछ सीखना है और उसके आधार पर सेना का निर्माण करना है। सेनाधिपति होने के नाते, मै इस उत्तरदायित्व से छुटकारा नही पा सकता। अधाधुध काम करने से बहुत जानो की हानि होगी—दक्षिण के लोगो की भी और हमारी भी।'

उसने सबसे पहला काम यह किया कि जनरल जार्ज बी० मैक्लेलन को वाशिगटन बुलाया, जिसने पश्चिमी वर्जीनिया मे कुछ लडाइया जीती थी और उसे मैकडोवेल के स्थान पर नियुक्त किया।

वाशिगटन की अत्यधिक गर्मी से बचने के लिए मेरी ने योजना बनाई थी कि वाशिगटन से तीन मील दूर ५०० एकड भूमि मे पोटोमाक नदी तक फैले हुए छायादार वृक्षो और घास के मैदानो मे पहाडी के शिखर पर स्थित सोल्जर्स होम (सैनिक-गृह) की एडर्सन काटेज मे जाकर सारा परिवार रहे।

मेरी ने कहा, 'वहां जाने पर तुम्हे सोल्जर्स होम के चक्कर तो नही काटने पडेगे।'

'हमे यही बैठे रहना चाहिए''''।'

'ओह नही,' मेरी बीच ही मे बोली, 'मैं यहा बैठी अपने जख्मो को कुरेदना नही चाहती, सभवतः जब वाशिगटन के लोग हमे ह्वाइट हाउस मे कार्यरत देखेगे तो वे दूरबीन लेकर विद्रोही सेना को देखने के लिए जाना छोड देगे।'

काग्रेस ने मेरी के व्यय के लिए जो बीस हजार डालर की राशि दी थी

उससे उसने बहुत-से कारीगर भर्ती कर लिए और उन्हे भवन का बाहर का सारा भाग रोगन करने पर लगा दिया। आखिर सारे का सारा भवन सफेद रोगन से चमकने लगा। फिर उसने कारीगरो को अन्दर के लकडी के काम और छतो की सजावट करने पर लगा दिया। उसने दीवार पर लगने वाला नया कागज़ लगवा दिया और सभी लम्बी खिडकियो पर स्विट्ज़रलैड के कढाई के फीतो से बने पर्दे लटका दिए और फ्रासीसी गोटा-किनारी के पर्दे ईस्ट रूम पर लटकवा दिए।

उसने सुना कि नेपोलियन वाशिगटन आ रहा है, इसलिए उसने निकोले और हे को बुला भेजा और उनसे उन प्रतिष्ठित लोगो की सूची बनाने के लिए कहा जिन्हे नेपोलियन के स्वागत मे दिए जाने वाले राज्य-सहभोज पर आमन्त्रित करना था। जिस शेवेलियर विकौफ को नेपोलियन ने सम्मान-पदक दिया था उससे पूछकर मेरी ने फ्रासीसी प्रतिष्ठित लोगो के स्वागत के लिए आदेश दिए।

राज्य-सचिव सीवार्ड राजकुमार और उसके साथियो को ह्वाइट हाउस ला रहा था। श्रीमती केकले ने मेरी को चमकदार सफेद गाउन पहनने मे सहायता की और फिर वह अब्राहम के शयनागार मे गई। वहा उसने देखा कि अब्राहम खिडकी के पास एक कुर्सी पर बैठा हुआ है, उसने कुर्सी के नीचे लगी एक तख्ती पर एडिया टिका रखी है और ठुड्डी को घुटनो पर रखे हुए सूर्य के धुधले प्रकाश मे डाक पढ रहा है, जबकि एक नौकर उसकी दाढी बना रहा है।

'श्री लिकन, साढे छ बज गए हैं और राजकुमार तथा उसके साथी आधे घटे मे पहुच जाएगे।'

'मुझे केवल अपनी कमीज़ पहननी है और वह सुन्दर काला कोट पहनना है जो दर्ज़ी ने मेरे लिए बनाया है।'

मेरी अपनी बहन को बुलाने के लिए उत्तर की ओर लिजी के शयनागार मे गई। खिडकी से बाहर उसने देखा कि विलियम और बड सडक पर गेद खेल रहे हैं। सचिव सीवार्ड की बग्घी पेनसिलवानिया एवन्यू से उस ओर घूमी। जब बग्घी विलियम के निकट पहुची तो वह सीधा खडा हो गया, टोपी उतारी और एक दरबारी की तरह भूमि तक झुककर अभिवादन किया। राजकुमार नेपोलियन और उसके साथियो ने उसी प्रकार रस्मी ढग से झुककर अभिवादन

का उत्तर दिया। मेरी ने यह बात अब्राहम को उस समय बताई जब वे नौ-सेना के बैड की स्वागतसूचक ध्वनि के साथ नीचे उतरे।

उसने अब्राहम को बताया कि विलियम मे राजदूत बनने के गुण है।

अब्राहम देखते हुए बोला, 'अच्छा हुआ जो वहा टड नही था, वह तो पत्थर मार-मारकर राजकुमार को सडक से भगा देता।'

मेरी राजकुमार को लाल, नीले, हरे और पूर्वी कमरो मे ले गई। राजकुमार ने दीवारो पर लगे फ्रासीसी मखमली कागज और मिठाइयो पर बहुत हर्ष प्रकट किया। राष्ट्रपति के नये चीनी और शीशे के बर्तन आ गए थे। भोजन-गृह बहुत सुन्दर था। भोजनोपरात राजकुमार ने मधुर और इतने धीमे स्वर मे इस प्रकार कहा जिसे सामने बैठे हुए अब्राहम, सचिव सीवार्ड और लार्ड लीयन्स तथा पीछे बैठे अग्रेज राजदूत सुन पाए ·

'महोदय, राष्ट्रपति-भवन के भव्य अतिथि-सत्कार का आनन्द प्राप्त कर मै यह स्वीकार करने के लिए बाध्य हो गया हू कि केवल पेरिस ही समस्त विश्व नही है।'

प्रसन्नता से मेरी के चेहरे पर रक्तिमा दौड गई। किन्तु अगले दिन जब वह अपने शयनागार मे बैठी बिलो को एकत्र कर रही थी तो उसे यह जान चिन्ता हुई कि सहभोज पर नौ सौ डालर का व्यय हुआ था। उसने निकोले और हे को बुला भेजा। वे दोनो आकर उसके शयनागार के खुले दरवाजे के बीच खडे हो गए, जैसे अन्दर आने के लिए झिझक रहे हो।

'महानुभावो, मेरे पास ये गत रात के सहभोज के बिल है। क्या आप इन्हे ह्वाइट हाउस की चालू निधि मे से चुका देंगे ?'

सचिवो ने क्षण भर एक-दूसरे की ओर देखा फिर निकोले ने धीमी आवाज मे उत्तर दिया ·

'मुझे खेद है श्रीमती राष्ट्रपति, किन्तु हमे इस निधि मे से राज्य-सहभोज का व्यय चुकाने की अनुमति नही।'

'तो श्री निकोले, राजकुमार नेपोलियन और राजदूतो के सहभोज पर नौ सौ डालर व्यय करने के लिए राष्ट्रपति को क्यो बाध्य किया जाए जबकि इन लोगो के साथ अच्छे सम्बन्ध स्थापित करना हमारी सरकार के लिए महत्त्व-पूर्ण है ?'

'मै इस बात से सहमत हू, राष्ट्रपति को इसके लिए बाध्य करना तर्कसगत नही है, किन्तु मुझे इनका भुगतान करने का अधिकार नही है।'

फिर वह औपचारिक ढग से झुका, आधा मुडा और जाने की अनुमति-सूचक मेरी के सिर हिलाने की प्रतीक्षा की तथा चला गया और श्री हे भी उसके पीछे-पीछे हो लिया। मेरी ने इसमे अपमान अनुभव किया कि अब्राहम के सचिव उसके आदेश को अस्वीकार कर दे। तो फिर किस निधि से इन बिलो को चुकाया जाएगा ? माली का खाता काफी बडा है। जब श्री वाट आए तो मेरी ने उसे बताया कि वह उससे क्या करवाना चाहती है। उसने बडे याचना-भाव से पैतरा बदला

'श्रीमती लिंकन, भला मुझे इससे अधिक प्रसन्नता किस बात से हो सकती है, किन्तु मुझे तो प्रत्येक बिल सार्वजनिक भवनो के कमिश्नर को भेजना पडता है और यदि वह देख ले कि दस डालर का बिल ऐसा है जिसका व्यय पौधो और फूलो पर नही हुआ तो वह बिल को वापस भेज देगा। मेरे पास तो ऐसा कोई स्थान नही जहा मै ९०० डालर के पौधे लगा सकू, इतनी राशि से तो सब जगह पौधे ही पौधे दिखाई देगे।'

इसके पश्चात् मेरी ने ह्वाइट हाउस के प्रभारी आयुक्त वुड से पूछा कि वह मैदान के सुधार के खाते से बिलो को चुका सकता है अथवा नही ? श्री वुड ने साफ इन्कार कर दिया।

मेरी को अब क्रोध आ गया। उसने बिलो को एक बडे लिफाफे मे डाला और आन्तरिक सचिव कालेब स्मिथ को भेज दिया, जिसका विभाग ह्वाइट हाउस-सहित सभी सार्वजनिक भवनो का प्रभारी था और सार्वजनिक भवनो मे होने वाले उत्सवो के लिए उत्तरदायी था। बिल बडे विनम्र किन्तु निश्चयपूर्ण टिप्पणी के साथ लौटा दिए गए और टिप्पणी मे कहा गया कि आन्तरिक सचिव अपने विभाग को इन बिलो के भुगतान का प्राधिकार नही दे सकता।

रात होने तक यह कहानी सारे वाशिगटन मे फैल गई कि श्रीमती लिंकन ने राजकुमार नेपोलियन के सहभोज का व्यय किसी न किसी से करवाने के लिए अधाधुन्ध प्रयत्न किया है। जब लिज़ी श्रीमती चार्ल्स इमेस के यहा से, जोकि राजधानी का सास्कृतिक तथा गपशप का केन्द्र था, चाय पीकर लौटी तो उसने वह सब बातचीत शब्दश मेरी को सुना दी जो उसने निकोले और

हे के साथ की थी।

क्रोध मे आकर मेरी पुस्तकालय से बाहर निकल गई और क्लर्कों के दो कार्यालयो मे से गुजरकर निकोले के दफ्तर मे पहुच गई, जहा वह एक डेस्क पर बैठा पत्रो पर हस्ताक्षर कर रहा था और नवयुवक हे डाक छाट रहा था।

'श्री निकोले और श्री हे, मुझे तुम्हारी अनिष्ठा और बाते फैलाने की बुरी रुचि पर आश्चर्य होता है। ह्वाइट हाउस भले ही मेरे पति के लिए कार्यालय हो, किन्तु वह मेरे लिए घर भी है और तुम वहा मेरे घर के मेहमान होते हो। मैं तो कभी आशा भी नही कर सकती थी कि तुम हमारी बातचीत दूसरों को सुनाओगे अथवा विश्वासघात करोगे।'

हे का मु ह खुला का खुला रह गया और वह जान निकोले की ओर देखने लगा। निकोले का भी रग पीला पड गया, किन्तु उसने होश न गवाया

'कृपया यह तो बताइए कि हमने कौन-सा विश्वासघात किया है ?'

'मैंने आज प्रातः तुमसे जो बातचीत की थी, उसकी कहानी सारे वाशिंगटन मे फैली हुई है और ठीक उन्ही शब्दो मे जो हमने प्रयुक्त किए थे। यदि तुमने यह वार्ता किसीको नही सुनाई तो और किसने सुनाई ?'

'निश्चय ही मैं तो इस बारे मे कुछ नही कह सकता, श्रीमती लिंकन,' निकोले ने शातभाव से उत्तर दिया, 'किन्तु मैं सम्मानित व्यक्ति हू और ह्वाइट हाउस मे कभी भी जो शब्द मुझसे कहा गया है वह मेरे मुंह से बाहर नही निकला।'

उसके वक्तव्य की सचाई पर आपत्ति नही की जा सकती थी और यद्यपि जान हे के चेहरे पर अपमानसूचक भाव झलक आए थे, किन्तु मेरी यह जाने बिना न रह सकी कि उन दो व्यक्तियो के प्रति उसके आरोप निराधार थे। मेरी ने लडखडाती आवाज मे क्षमा-याचना की और अपने अत्यन्त महत्वपूर्ण निश्चय को तोड़ने पर खिन्न हृदय वह लौट आई। उसका यह निश्चय था कि वह कभी आवेश मे नही आएगी, किन्तु क्या एक सहभोज पर ९०० डालर व्यय करने होगे ?

जब वे शाम की सैर के लिए बग्घी मे बैठे तो उन्होने देखा कि अब्राहम के कई बार विरोध करने पर भी उनकी रक्षार्थ घुडसवार उनके साथ-साथ जा रहे थे। उनकी तलवारो और भालो की झनझनाहट से इतना शोर होता था कि वे बिना चिल्लाए एक-दूसरे की बात नही सुन सकते थे। अब्राहम ने आगे झुककर कहा

'सच तो यह है कि हमारे अगरक्षक इतने युवक और अग्न्यास्त्रो से इतने अनभ्यस्त दिखाई देते है कि किसी कातिल द्वारा गोली मारे जाने की अपेक्षा मुझे तो अनजाने मे चलाए गए इनके अस्त्र से आहत होने का अधिक भय है।'

अकस्मात् ऐसी आवाज़ आई मानो सारी घुडसवार सेना अत्यधिक गति के साथ उनके पीछे चली आ रही है। उन्होने मेरी और अब्राहम को धूल से भर दिया। उन्होने देखा कि वह जनरल मैक्लेलन था जो अपने अगरक्षको की शानदार टोली के साथ अपनी प्रकृतिजन्य तेज़ी के साथ लेफेयेट स्क्वेयर के पार अपने मुख्यालय मे जा रहा है। उसने बिखरी हुई सेनाओ को पूर्णत पुनर्गठित कर लिया था और उनमे युद्ध की चेतना पैदा कर दी जिससे बीयर-गार्ड पर आक्रमण का खतरा नही रहा था। उसने वाशिंगटन मे से गदगी दूर कर दी, भगोडो और शराबियो को निकाल दिया और इस प्रकार नगर की रक्षा के लिए अन्य खतरनाक बातो को दूर कर दिया। जब मेरी ने इस आकर्षक जनरल को पेनसिलवानिया एवन्यू की ओर जाते हुए देखा तो वह अब्राहम से बोली:

'यह बहुत प्रभावी पदाधिकारी है, क्या नही ?'

यद्यपि मैक्लेलन वेस्ट प्वाइट का स्नातक था जिसे युद्ध-विभाग ने यूरोपीय सेनाए और क्रीमियन युद्ध देखने के लिए विदेश भेजा था, किन्तु अब्राहम का उससे परिचय १८५७ मे हुआ था जब उसने इलीनाइस सेन्ट्रल का उपराष्ट्रपति बनने पर सेना से पद-त्याग किया था।

'मेरी राय तो यह है कि इसमे व्यवस्था की अद्भुत प्रतिभा है। वाशिगट

की रक्षा के लिए उसने जो किलेबदी की है वह तो ऐसी दिखाई देती है कि जैसे कभी तोडी नही जा सकती। यदि जैसा वह व्यवस्थापक है वैसा ही योद्धा हुआ तो कुछ ही महीनो मे विद्रोह समाप्त हो जाएगा।'

अब्राहम की मन.स्थिति के समझ लेने के पश्चात् मेरी ने अगस्त मास की गर्मी से बचने के लिए तथा बच्चो द्वारा छुट्टी मनाने के हेतु, न्यूजर्सी कोस्ट जाने की योजना बनाई। उसने हन्नाह शियरर को लिखा :

'आशा है कि हम लाग ब्राच आएगे और वहा एक सप्ताह या दस दिन ठहरेगे। हमे तीन विभिन्न होटलो ने आमन्त्रित किया है और हमे कमरे, गुसलखाना आदि देने का वचन दिया है। हमारे पास रेलवे पास है और इस यात्रा मे हमारा कुछ भी व्यय नही होगा। आजकल हमारे लिए व्यय करना वैसे भी कठिन है। मेरी बहुत इच्छा है कि तुम्हे अपनी सब कठिनाइयो से छुटकारा पाकर हमारे साथ इस यात्रा पर चले आना चाहिए। इससे तुम्हे आगामी वर्ष के लिए शक्ति मिलेगी। अपने साथ बच्चो को भी लाना, उनमे समय बहुत आनन्दमय बीतेगा।'

तुम्हारी प्रिय मित्र...

उसे हन्नाह का स्वीकृतिसूचक उत्तर मिला।

मेरी के वाशिगटन से प्रस्थान करने से पूर्व सघ-सेना एक और स्थान पर पराजित हुई। इस बार मिसूरी मे योग्य तथा लोकप्रिय जनरल नैथेनियल लायन ने विल्सन क्रीक पर अधिक शक्तिशाली सयुक्त सेना पर आक्रमण किया तो न केवल उसके बारह सौ सैनिक हताहत हुए अथवा खो गए, वरन् वह स्वय हृदय मे गोली लगने के कारण मर गया।

मेरी ने कहा कि यात्रा पर न जाया जाए, किन्तु अब्राहम ने अनुरोध किया कि वह योजना के अनुसार चली जाए। उसने विलियम, टाड और लिज़ी को एकत्र किया, महिलाओ की देखभाल के लिए श्रीमती वाट को साथ ले लिया, और बच्चो और सामान का ध्यान रखने के लिए बूढे विलियम को भी साथ ले लिया। फिलेडेल्फिया स्टेशन पर हन्नाह उसे मिल गई और फिर वे लाग ब्राच के लिए चल पडे जहा न्यूजर्सी का फैशनप्रिय समाज एकत्र हुआ था।

उन्हे सागर-तट पर सुन्दर कमरे मिल गए। मौसम बहुत अच्छा था। प्रात: वे चारो लड़को को सागर मे नहलाने के लिए ले गए। शाम के समय बालक

टट्टुओं पर सवार होकर उन्हे तेजी के साथ सागर-तट पर ऊपर-नीचे दौडा रहे थे, उस समय मेरी और हन्नाह तट के पहरेदारो के आश्रय का स्थान देखने के लिए गई या फिर सागर-तट की पहाडियो पर सैर करती रही जहा अस्त होते हुए सूर्य की रश्मिया अनेक रग पैदा कर रही थी।

हन्नाह ने कहा, 'मेरी, तुमने मुझे आमत्रित करके बडी कृपा की।'

'प्रिय हन्नाह, तुम नही जानती, मुझे मित्र की कितनी आवश्यकता है,' मेरी ने उत्तर दिया, 'जिसके साथ मे अपने मन की बात कर सकू या कभी-कभी अपनी मूर्खता की बाते ही कह सकू। मेरे आस-पास अनेक लोग रहते है किन्तु ह्वाइट हाउस मे मुझे बहुत अकेलापन अनुभव होता है। लिजी वापस स्प्रिगफील्ड चली जाएगी। ह्वाइट हाउस के मेरे सब मित्र इतने ही नये है जितना कि ह्वाइट हाउस का बाहर का रोगन। मै जो कुछ भी कहू वह नगर भर मे फैल जाता है।' मेरी चलते-चलते रुक गई, 'हन्नाह, क्या तुम' डाक्टर शियरर और बच्चे सब वाशिगटन आकर मेरे पास ह्वाइट हाउस मे रह सकते हो? यदि मै डाक्टर के लिए कोई नौकरी ढूढ दू • ?'

हन्नाह ने मेरी का हाथ अपने हाथ मे ले लिया और विनम्रभाव से नकारात्मक ढग से सिर हिला दिया।

'डाक्टर बहुत दक्ष नही है और यदि वह दक्ष भी होता तो भी वाशिगटन इस बात का विरोध करेगा कि तुम सारे परिवार को ह्वाइट हाउस मे रखो। समझा तो यह जाता है कि केवल राष्ट्रपति का परिवार वहा रहेगा। अनेक कामो के साथ-साथ ह्वाइट हाउस की भीड-भाड मे अकेले रहना भी तुम्हारे लिए एक काम है मेरी।'

मेरी निर्निमेष नेत्रो से सागर की ओर देख रही थी और उसके होठ कांप रहे थे।

मेरी ने हन्नाह को विश्राम करने का वचन दिया था इसलिए उसने केवल दो आमत्रण स्वीकार किए। एक तो औपचारिक स्वागत-समारोह और नृत्य था और एक औपचारिक नृत्य था जिसमे ग्रामीण लोगो को आमन्त्रित किया गया था। मैन्शन हाउस के शानदार नृत्य के लिए मेरी ने वे सफेद रेशमी वस्त्र पहने जो उसने नेपोलियन के आगमन पर बनाए थे। न्यूजर्सी के भूतपूर्व गवर्नर न्यूवेल ने अतिथियो का परिचय कराया। ग्यारह बजे के अवकाश पर जब मेरी

नृत्य-गृह के गिर्द घूमने के लिए उठी तो लोगो ने समझा कि वह खाना खाने के लिए तैयार हो गई है अत. वे सब तुरन्त भोजन-कक्ष मे चले गए और मेरी और उसके साथियो को अकेला नृत्य-गृह मे रहने दिया। जब श्री न्यूवेल ने हकलाते हुए क्षमा-याचना की तो मेरी ने प्रेम भरी मुस्कराहट के साथ कहा .

'मुझे भी उतनी ही भूख लगी है जितनी उन्हे। मै समझती हू कि सबके लिए काफी भोजन होगा।'

अगले दिन पूरब के मुख्य समाचारपत्रो ने, जिनमे से बहुत-सो के सवाद-दाता मेरी की गति-विधि का समाचार देने के लिए लाग ब्राच मे थे, उसकी चतुराई के बारे मे लिखा और उसका अतिथि-सत्कार करने वालो के विषय मे लिखा कि उन्होने उसके स्वभाव को कितना अधिक पसद किया था। 'न्यूयार्क हेरल्ड' ने 'श्रीमती लिंकन की गति-विधि' शीर्षक के अतर्गत एक स्तम्भ निकाला और उसकी तुलना सम्राज्ञी विक्टोरिया से की। उसने लिखा . 'श्रीमती लिकन अपने लम्बे चोगे, फूलो, चकाचौध करने वाली बत्तियो और रेशम की नर्म सरसराहट तथा सुन्दर फीतो के बादल मे एक सम्राज्ञी सी दृष्टिगोचर होती थी।'

वह न्यूयार्क के मार्ग से लौटी तथा उसने जूलिया टाफ्ट के लिए कुछ नये उपन्यास और अपने पुस्तकालय के लिए वाशिगटन इर्विग, काउपर और राबर्ट की 'होली लैड' की प्रतिया खरीदी।

जब मेरी ने नई ताजगी के साथ अपने कर्तव्यो को पुन: आरम्भ करने के हेतु व्हाइट हाउस के दरवाजे मे कदम रखा तो उसे पता लगा कि अब्राहम नये सकट मे फस गया है। वाशिगटन मे यह समाचार आया था कि जनरल जान सी० फ्रेमौट ने, जिसे अब्राहम ने मिसूरी मे सेना-निर्माण करने के लिए नियुक्त किया था, यह घोषणा कर दी कि उन सब लोगो के दास, जिन्होने सरकार के विरुद्ध शस्त्र उठाए थे, स्वतत्र है।

दासता के क्रातिकारी विरोधी तो अत्यधिक प्रसन्न हुए, किन्तु अब्राहम ने मेरी को सेट लुइ का तार दिखाया जिसमे लिखा था 'शायद ही कोई दिन बीतता होगा जब दासो की स्वतन्त्रता की घोषणा का विरोध न होता होगा अथवा केटुकी विरोधी-पक्ष मे चला गया है। जोश स्पीड का एक पत्र आया, लिखा था. 'फ्रेमौंट की मूर्खतापूर्ण घोषणा को मैंने जब से पढ़ा है मैं इतना

अधिक व्यथित हुआ हूं कि न खा सका हूं न सो सका हू। केंटुकी मे नीग्रो की स्वतन्त्रता के विरुद्ध इतनी अधिक भावनाए है कि इस सिद्धात पर दास-प्रथा वाले राज्यो के विरुद्ध लडाई लडना उत्तर के राज्यो के धर्म-सम्बन्धी अधिकार पर आक्रमण करने के समान है।' उत्तर के समाचारपत्रो ने घोषणा की कि सघ को बचाए रखने के लिए लडे गए युद्ध मे वे अपनी जाने तक बलिदान कर देगे किन्तु दासता-विरोधी युद्ध मे वे भाग नही लेगे।

अब्राहम आवेश मे दफ्तर के फर्श पर चक्कर काटने लगा।

'मेरी, मैं तो यही समझता हू कि इस सघर्ष मे दासता का प्रश्न इतना प्रधान नही है जितना कि हमारे लिए यह प्रमाणित करने की आवश्यकता है कि एक लोकप्रिय सरकार व्यर्थ नही है। हमे सदा के लिए यह फैसला करना है कि क्या एक स्वतत्र शासन मे अल्पसख्यको को यह अधिकार है कि वे जब चाहे, सरकार को भग कर दे? यदि हम असफल हुए तो इससे यह सिद्ध हो जाएगा कि जनता अपना शासन स्वय चलाने के योग्य नही। हमे देखना है कि क्या इस सरकार को बहुमख्यक बचा सकते है, इस बात को हमे कभी नही भूलना चाहिए कि यह नई और अद्भुत प्रकार की लोकतत्रात्मक सरकार, जोकि ससार भर मे अपने ढग की निराली है तथा जिसपर हमारी समस्त आशाए अवलम्बित है, नष्ट नही होगी। दासो को स्वतत्र करने की अपेक्षा सघ-सरकार की रक्षा को अधिक महत्त्व देना भले ही स्वार्थपूर्ण दिखाई दे, किन्तु यदि लोकतत्र समाप्त हो जाता है तो कोई भी राष्ट्र स्वतत्रता प्राप्त नही कर सकता।'

उसने एक लिपटे हुए मानचित्र को खोल दिया और सीमात-राज्यो की ओर सकेत करते हुए कहा, 'इस सारे प्रदेश को देखो जिसे हम ऐसे कार्य से खो बैठेगे।'

'तुम फ्रेमौट के आदेश को रद्द कर सकते हो,' मेरी ने सुझाव दिया, 'तुम उसके सेनाधिपति हो।'

'हा, किन्तु वह एक अच्छा व्यक्ति है और मैं उसे गिराना नही चाहता। मै उसे एक गुप्त पत्र लिखूगा और कहूगा कि वह स्वय इस आदेश को रद्द कर दे।'

मेरी ने अवकाश के दिनो मे जो मन शाति प्राप्त की थी वह अगले कुछ दिनो मे व्हाइट हाउस मे फैले तनाव के वातावरण के कारण नष्ट हो गई

क्योकि जनरल फ्रेमौट ने अब्राहम का सुझाव मानने से इन्कार कर दिया और अब्राहम को बाध्य होकर स्वयं उस आदेश को रद्द करना पडा था। दासता के क्रातिकारी विरोधी सीनेटरो ने उच्च स्वर से कहा, 'केवल दरिद्र घराने से उन्नति करने वाला व्यक्ति ही ऐसा व्यवहार कर सकता है।' मैसाचुसेट्स के सीनेटर ने कहा, 'हम इस प्रकार से विद्रोहियो पर विजय नही पा सकते।' पादरियो ने अपने मच से उसका विरोध किया। क्रातिकारियो के समाचारपत्रो और न्यूयार्क तथा बोस्टन के रिपब्लिकन नेताओ ने शपथ ली कि १८६४ मे लिंकन के स्थान पर फ्रेमौट को रिपब्लिकन उम्मीदवार बनाया जाए।

किन्तु जब स्प्रिंगफील्ड से एक पत्र आया जिसमे विलियम हर्नडन द्वारा अब्राहम पर किए गए आक्षेप का वृत्तान्त था, तो मेरी ने अब्राहम को निराशा से हाथ पटकते हुए देखा। हर्नडन ने कहा था :

'हे भगवान्! लिंकन क्या कर रहा है? इस राष्ट्र को नीग्रो-समस्या का अब या भविष्य मे सामना तो करना ही है। क्या वह समझता है कि वह खिलौनो की बदूको से गुलाब जल छिडककर इतने बडे विद्रोह को समाप्त कर सकता है? उसे तो किसी व्यक्ति को फासी पर लटकाकर अपनी इच्छा-शक्ति तथा दृढ निश्चय और चरित्र के लिए नाम कमा लेना चाहिए। यदि उसमे एक पुरुष को फासी पर लटकाने का साहस नही तो किसी बच्चे या स्त्री को ही फासी दे दे। यदि मै लिंकन होता तो मैं घोषणा कर देता कि सब दास स्वतत्र है, और मैं इस युग का महान् नेता बन जाता।'

अब्राहम मुस्कराया :

'मेरा साझेदार भी मेरे विरुद्ध हो गया है। क्या वह यह नही देख सकता कि इस समय स्वतत्रता की घोषणा करने से सीमात-राज्य हमारे हाथ से निकल जाएगे और यह युद्ध तथा सघ उसी बात को स्थायी बना देगे जिसके विरुद्ध वे लड रहे हैं? एक बार कान्फेडरेसी स्वतत्र प्रभुत्व-सम्पन्न राष्ट्र बन गया तो कोई भी वहा से दासता को एक हजार वर्ष तक समाप्त नही कर सकेगा। दक्षिण के राज्यो को सघ मे रखकर ही हम आखिर उन्हे दासता से मुक्त होने को बाध्य कर सकते है।'

उसी दिन मेरी ने सुना कि श्रीमती बेकले का इकलौता बेटा मिसूरी की एक लडाई मे मारा गया है। मेरी ने बैठकर नीग्रो दर्जी को एक सहानुभूति

का पत्र लिखा । श्रीमती केकले ह्वाइट हाउस मे आई तो रोने से उसकी आखे लाल हुई थी।

'मै नही जान सकी कि आपने मुझे जो पत्र लिखा था, उसका क्या अभिप्राय है ? मै यह नही सोच सकी कि व्यस्त रहने वाली श्रीमती लिंकन को मेरे तथा मेरे बच्चे के लिए शोक प्रकट करने का अवसर कैसे मिला ...'

'श्रीमती केकले, बेटो का बहुत मूल्य है, एक माता ही जान सकती है कि एक बेटे की मृत्यु क्या होती है ।'

श्रीमती केकले एक क्षण के लिए घूमी और फिर बोली, 'तुम बहुत अच्छी नारी हो श्रीमती लिंकन, तुम्हारा हृदय बहुत दयालु है। किन्तु तुम्हारे शत्रु भी है अत तुम्हे सावधान रहना चाहिए ।'

'इससे तुम्हारा क्या अभिप्राय है ?'

'एक दिन प्रात एक स्त्री मेरे कमरे मे आई और उसने मुझे एक पोशाक बनाने के लिऐ कहा । जब उसकी पोशाक तैयार हो गई तो उसने कहा श्रीमती केकले, तुम श्रीमती लिंकन को भली प्रकार जानती हो । अब सुनो, मैं तुम्हे एक सुझाव देना चाहती हू। मैने श्री लिंकन की अच्छाई के बारे मे बहुत कुछ सुन रखा है इसलिए मै उसके निकट पहुचना चाहती हू। क्या तुम अपनी मित्र श्रीमती लिंकन से कहकर मुझे उनके घर की नौकरानी की नौकरी दिला सकती हो ? इससे तुम्हे कई हज़ार डालर मिल जाएगे।'

आश्चर्य से मेरी का मुह खुला का खुला रह गया, "कई हज़ार डालर ? वह यहा क्या करना चाहती थी जिसका मूल्य वह इतनी बडी राशि से चुकाना चाहती थी ?'

अभी मेरी को आए कुछ ही दिन हुए थे कि जिन समाचारपत्रो ने बुलरन की पराजय और फ्रीमाट की स्वतन्त्रता की घोषणा को रद्द करने के बारे मे अब्राहम पर अधाधुध आक्षेप किए थे उन्होने मेरी पर भी आक्षेपो की बौछार कर दी। मेरी ने देखा कि 'हेरल्ड' के लेखो मे उसे जो दूसरी सम्राज्ञी विक्टोरिया कहा था और लिखा था कि वह लाग ब्राच मे शाही दरबारियो से घिरी हुई दिखाई देती थी और उसने भव्य फीतो से बना सुन्दर गाउन पहन रखा था, इसमे उस पत्र का कुछ और ही उद्देश्य था क्योकि अब छोटे कस्बो और गावो के

समाचारपत्रों ने जहा के लोग अत्यधिक श्रम से जीविका कमाते थे, उसकी यह आलोचना आरम्भ कर दी कि वह अपनी धन-सम्पत्ति का बहुत दिखावा करती है। उसे एक बिगडी हुई रमणी का नाम दिया गया और यह कहा गया कि विपत्ति के इन दिनो मे उसका ह्वाइट हाउस मे होना दुर्भाग्य का सूचक है। उसपर आरोप लगाया गया कि वह उत्तर के राज्यो के लिए अपमान है और उनके उद्देश्य को दुर्बल बना रही है। वह उस धन को व्यर्थ व्यय कर रही है जिसकी सघ को बदूको और दवाइयो के लिए आवश्यकता है, पराजय और मृत्यु के समग्र तुच्छ व्यवहार करती और भव्य रमणी होने के अयोग्य है। उत्तर के राज्य की एक मा ने उसे एक पत्र लिखा जो उस तक पहुचने से पूर्व 'एक्स-प्रेस' पत्र मे प्रकाशित हो गया। उसमे लिखा था :

'क्या नृत्य-कक्ष की मूर्खता ही तुम्हारे जीवन का क्रम रहेगा ? जब देश के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति की आखो के समक्ष दु ख के खतरे मे फसे प्रियजनो की चिन्ता साकार रहेगी, क्या तुम आनन्दोत्सव मनाने वाले दल के हास-परिहास मे ही समय और विचार को वृथा गवाती रहोगी और आत्महीन कीडो-सा जीवन बिताने वाले उन लोगो मे व्यस्त रहोगी जिन्हे अपनी व्यर्थता के लिए इन्ही बातो मे गुजाइश मिलती है ? जिस समय दिवालियापन, दरिद्रता और दुःख के बादल घिरे हुए है और इस सम्पन्न देश के हजारो घर विपत्तिग्रस्त है क्या आत्मबलिदान और रिपब्लिकन सादेपन का कोई पाठ नही सीखा जा सकता ?'

इस प्रकार एक और क्षेत्र मे प्रहार होने लगे। मेरी पर आरोप लगाया गया कि वह नियुक्तिया करने मे भी राष्ट्रपति के कार्य मे बाधा डालती है। यह सच है कि मेरी ने स्प्रिगफील्ड के अपने पादरी जेम्स स्मिथ को डडी के वाणिज्य-दूत का पद दिलाया था, डा० विलियम वालैस को पेमास्टर का पद, लेक्सिगटन के एक चचेरे भाई को पोस्टमास्टर का पद, टाफ्ट बालको के पिता पर जब उसके विभाग मे से किसीने गोली चलाई और वह वाशिंगटन छोडकर जा रहा था तो नई सरकारी नौकरी दिलाई, किन्तु अन्य सैकडो नौकरियो मे उसका कोई हाथ नही था जिनके बारे मे उसपर आरोप लगाए गए थे। एडवर्ड बेकर को कर्नल का पद भी अब्राहम ने उसकी प्रार्थना पर दे दिया था क्योकि बेकर ने मेक्सिको के युद्ध मे बहुत अच्छा काम किया था।

कहने को तो अब्राहम को हजारो नियुक्तिया करनी पडी थी और कोई

कारण नही था कि वह अपने अर्हता-प्राप्त मित्रो को नियुक्त न करना, अतः उसने वार्ड हिल लेमन को वाशिगटन का जिला मार्शल नियुक्त किया, साइमन फ्रासिस को फोर्ट वैकुवर का पेमास्टर और डाक्टर ऐ.सन को वाशिगटन प्रदेश का महासर्वेक्षक। भला मेरी को क्यो अपनी राय नही बतानी चाहिए। जो हजारो लोग अपने अथवा अपने मित्रो को नौकरिया प्राप्त कराने के लिए महीनो ह्वाइट हाउस मे इकट्ठे हुए रहे थे, क्या चरित्र और योग्यता की उन जितनी परख की क्षमता मेरी मे नही थी ?

उसने एक पत्र जनरल मीड को लिखा जिसकी खूब चर्चा हुई .

'मैं एक विशेष प्रार्थना करना चाहती हू, और पहले कभी मैंने आपसे कोई प्रार्थना नही की। आप कृपया केटुकी मे मेरे एक विशेष मित्र से पाच सौ से हजार तक घोडे खरीदे। सघ-राज्य के प्रति उसकी दृढ निष्ठा है और मुझे इसमे विशेष आनन्द प्राप्त होगा कि मेरे जन्म-प्रदेश केटुकी राज्य के कुछ घोडे युद्ध क्षेत्र मे होगे।'

इसकी अत्यन्त कटु आलोचना की गई

'ऐसा दिखाई देता है कि हम कोई भी ठीक काम नहीं कर सकते, पुस,' अब्राहम ने कहा, 'प्रात उठते ही इस प्रकार के प्रहारो का सामना करना बहुत कठिन है, किन्तु जब तक विद्रोह का दमन नही होता हमे भी सिपाहियो की तरह ही काम करते रहना होगा।' उसने मेरी के बालो को कानो से पीछे हटा दिया और उसकी गर्म थकी पलको को चूम लिया, 'हम उन यात्रियो की तरह है जो घोर अधेरे मे किसी जगली प्रदेश मे खो गए थे। एक तूफान आया। अकस्मात् ऐसा धक्का लगा कि वे घुटनो के बल गिर पडे। उनमे से एक ने प्रार्थना की . हे ईश्वर ! यदि तुम्हे इसमे अन्तर नही पडता तो कृपया हमे थोडा-सा प्रकाश और दे दो और यह शोर कुछ कम कर दो।'

मेरी हस पडी और अधिक स्वस्थ अनुभव करने लगी।

८७

सितम्बर के अन्त मे मेरी को सर्दी लग गई। इसे वॉशिंगटन के लोग मलेरिया बुखार कहा करते थे। मैक्लेलन ने सिनसिनाटी से उसे अगूरो का एक बक्स भेजा, सीनेटर समनर ने उसे फूलो का गुलदस्ता भेजा, कैलेब स्मिथ कविताओ का एक सुन्दर सग्रह लेकर आया, केट चेज उसके लिए दो नये आए फ्रांसीसी उपन्यास लाया। वह दस दिन रोग-शय्या पर पडी रही। स्वस्थ होने पर अब्राहम उसे जनरल मैक्लेलन की सेना दिखाने के लिए बग्घी मे ले गया। जनरल ने सारी सेना को नीली वर्दिया पहना दी थी और उसके सिपाही अपने प्रिय जनरल द्वारा निरीक्षण के समय बहुत ही चुस्ती के साथ चलते तथा ड्रिल करते थे और वे जनरल को लिटिल मैक कहकर पुकारा करते थे।

'अब्राहम, मै तो बहुत अधिक प्रभावित हुई हू। यह युद्ध कब करेगा ?'

कुछ देर विक्षुब्ध मौन रहा और फिर अब्राहम बोला

'यही तो उलझन है। वह कहता है कि अभी वह तैयार नही·······विद्रोहियो की सख्या उसकी सेना से अधिक है। उसने गुप्तचर प्रणाली को सगठित करने के लिए एलन पिकर्टन को वाशिगटन बुला लिया है। पिकर्टन ने ही उसे बताया है कि शत्रु सेना की सख्या अधिक है, किन्तु मै तो जीवन भर यह नही समझ सकता कि यह कैसे हो सकता है।'

'मेरा तो अनुमान है कि पिकर्टन शत्रु के सम्बन्ध मे जो भी सूचना देता है उसका सचाई से उतना ही सम्बन्ध होता है जितना कि नील प्रदेश की क्लियोपेट्रा के बारे मे मेरी बात से होगा।'

'जब तक मैक्लेलन तैयार न हो जाए, मै उसे लडने के लिए बाध्य नही करूगा। मुझे तीन क्रातिकारी सीनेटर मिलने के लिए आए थे। वे युद्ध मे मेरी सहायता के लिए आए थे और उनके साथ मेरा पुराना मित्र लीमैन ट्रम्बल था जो अब मेरी परवाह नही करता। उन्होने मुझे कहा कि मुझे अभी, आज ही लडाई आरम्भ कर देनी चाहिए क्योकि पराजय देर से अधिक बुरी नही है। किन्तु पराजय के लिए वे तो उत्तरदायी नही होगे जबकि मै उत्तरदायी हूगा। विद्रोहियो को हमारे ऊपर चढाई करके लडाई नही जीतनी है, उन्हे तो केवल

हमारे आक्रमण से रक्षा करनी है। उनका उद्देश्य तो केवल शक्ति प्राप्त करना और स्वतन्त्र राष्ट्र के रूप मे काम करना है।'

यदि मेरी और अब्राहम के लिए ह्वाइट हाउस का जीवन काल्पनिक स्वर्ग से कुछ कम था, तो भी उनके बेटे नये घर मे खूब आनन्द मना रहे थे। उन्हे निरंतर उपहार मिलते रहते थे और उन उपहारो मे मे उन्हे नेनी तथा नाको नाम की दो बकरिया सबसे अधिक प्रिय थी। वे उन बकरियो को गाडी मे जोत लेते थे और ह्वाइट हाउस के फर्श के खुले मैदान मे गाडी चलाया करते थे। टाड रात को नेनी को अपने साथ सुलाया करता था। एक बार नाको खो गई तो ह्वाइट हाउस के सभी नौकर-चाकर उसे ढूढते रहे और आखिर वह श्री वाट की सुन्दर फुलवाडी मे एक झाडी के नीचे मिली। वाट बहुत क्रुद्ध हुआ। कुछ ही दिन पूर्व टाड ने वे सब बेर खा डाले थे जिन्हे वाट ने राज्य के सहभोज को रखा था।

उसकी मा ने पूछा, 'टाड, ऐसा तुमने क्यो किया है ?'

टाड ने अपनी कुर्सी की टाग पर लात दे मारा और कहा, 'मै अब ऐसा नही करूगा। मा, मै तुम्हे वचन देता हू।'

अगले दिन शाम जूलिया टाफ्ट ने मेरी को सैनिको, नाविको, मालियो और नौकरो की भीड मे एक सर्कस देखने के लिए बुलाया। इन सब लोगो को पाच सेंट देने पर प्रवेश की अनुमति दी गई थी और पिछली सीढियो के पास एकत्र किया गया था। मेरी रसोइयो और ऊपर की मजिल की नौकरानी के बीच अगली पक्ति मे बैठी। टाड पर्दों के पीछे से आया। उसकी नाक पर चादी के फ्रेम की ऐनक लगी हुई थी। उसने गाना आरम्भ किया

'ओल्ड एब लिकन रेल की पटरी फाडा करता था
और अब वह कान्फेडरेसी को तोड देगा।

मेरी ने धीमी आवाज मे कहा, 'टाड, क्या तुम्हे यह गीत गाना चाहिए ?'

'पिता जी बुरा नही मानते। इसके अतिरिक्त ससार मे हर कोई जानता है कि वह रेल की पटरिया फाडा करते थे ?'

उसी समय जान हे घबराया हुआ वहा आया और बोला

'क्या तुम लडको मे से किसीके पास राष्ट्रपति की ऐनक है ? उन्हे कुछ सरकारी पत्र पढने है और वे ऐनक के बिना पढ नही सकते।'

'पापा से कहो कि ऐनक मेरे पास है,' टाड ने कहा, 'और उन्हे यहा आकर तमाशा देखना चाहिए।'

'वे नही आ सकते। उनके पास जनरल बैठे हुए है।'

टाड ने अनिच्छा से ऐनक उतारी और हे को देते हुए कहा, 'पापा को कह देना कि ज्यो ही जनरल चले जाए वह तुरन्त यहा आ जाए।'

कुछ ही मिनटो मे अब्राहम भी वहा आ गया, अपने पाच सेट दे दिए और मेरी तथा रसोइए के बीच सिकुडकर बैठ गया। बच्चों का हास-परिहास सुनकर अब्राहम खिलखिलाकर हस पडा।

उसने कहा, 'पता नही विली और टैडी के बिना मेरी क्या स्थिति होती, वे सदा किसी न किसी प्रकार मुझे प्रसन्न कर देते है।'

बच्चो ने एक सैनिक दल बनाया जिसका नाम मेरी लिकन जोब्स रखा। अब्राहम ने उन्हे फटी-पुरानी वर्दिया दे दी। जब मेरी को बाग से चीखने-चिल्लाने की आवाज़ आई तो उसने चिल्लाकर जूलिया टाफ्ट से कहा, 'यह क्या है?'

जूलिया टाफ्ट उस समय पुस्तकालय मे पढ रही थी, बोली

'बालक जैक को पुन दफन कर रहे है। जैक उनका गुड्डा है। वे प्राय प्रतिदिन उसका कोर्टमार्शल करते है और उसे गोली से मार देने का दड देते है। फिर वे गुलाब की झाडियो मे उसके लिए कब्र खोद उसमे दबा देते है।'

'जूली, उन्हे गुलाब के फूलो मे गढे नही खोदने चाहिए। वाट का कहना है कि इससे छोटे-छोटे पौधे मर जाते है।'

उन्होने जाकर देखा कि बच्चे एक नई खोदी कब्र के आस-पास खडे है और कब्र मे उनका गुड्डा पडा हुआ है। उसी समय वाट वहा आ पहुचा। उसने निस्सहाय व्यक्ति की सी क्रोध भरी दृष्टि से कब्र की ओर देखा। अकस्मात् उसकी भाव-मुद्रा की गभीरता क्षीण हो गई और वह बोला

'बच्चो, तुम जैक को क्षमा क्यो नही कर देते?'

टाड को यह बात अच्छी लगी। 'चलो हम पापा से कहेगे कि वह इसे क्षमा कर दे,' वह बोला।

अपने कार्यालय मे बैठे हुए अब्राहम ने हास्यपूर्ण गभीरता के साथ इस तर्क पर विचार किया:

'यह अच्छा कानून है कि कोई व्यक्ति एक ही अपराध के लिए दो बार

दडित नही किया जाएगा और तुमने तो पहले ही जैक को अनेक बार गोली से मारकर कब्र मे दबाया है। अतः मै समझता हू कि वह क्षमा का पात्र है।'

फिर डेस्क की ओर घूमकर उसने कागज के टुकडे पर लिखा और उसे टाड को दे दिया। लडके शोर मचाते हुए कमरे से बाहर निकल गए। अब्राहम ने कुछ चिंतित भाव से मेरी से कहा :

'मैं चाहता हू कि वे सब आराम से रहे। आजकल मेरी आलोचना हो रही है कि मैने एक नवयुवक को क्षमा प्रदान कर दी है जो अपनी चौकी पर सो गया था और जिसे उसके कमाडिंग जनरल अर्थात् मैक्लेलन ने गोली से मार देने का आदेश दिया था। शत्रु हमारे बहुत-से लोगो को मार रहा है अत मै यह सहन नही कर सकता कि स्वय हम अपने लोगो को मारे। मैंने उनसे कहा कि उसे गोली मारने की बजाय लडाई लडने दी जाए। दिन भर का कठिन श्रम करने के पश्चात् यदि किसी व्यक्ति का जीवन बचाने का मुझे अच्छा बहाना मिल जाए तो मुझे बहुत आराम अनुभव होता है।'

मेरी ने उसके कधे को थपथपाया और बोली, 'मैने तुम्हे एक बार यह कहते सुना था . मैं यह विश्वास नही करता कि सिपाही को गोली मार देने से उसमे कोई सुधार हो सकता है।—इसका अर्थ बहुत अच्छा है, विशेषत उन लडको की माताओ के लिए जिन्हे तुम बचाते हो।'

यदि टाड ह्वाइट हाउस की खिलखिलाहट था तो विलियम प्रेम का प्रतीक था। वह बहुत प्यारा बच्चा था और बिना शर्माए अपने माता-पिता के गले लग जाता और मुह चूम लेता था। टाड कई-कई दिन कही दिखाई ही नही देता था और पास ही टाफ्ट के घर मे खाता और सो रहता, क्योकि वह ह्वाइट हाउस मे सरकारी देख-रेख से बहुत तग आ गया था। विलियम अपना समय प्रात.कालीन धूप मे पुस्तकालय मे मेरी के पास कुर्सी पर बैठा बिताया करता था। उसने बहुत ध्यानपूर्वक अपने बाल बना रखे होते थे। और बाईं ओर को माग निकाली होती थी। वह बडी उत्सुकदृष्टि के साथ इर्विंग, लागफेलो, बनियन, अथवा प्रिय अग्रेजी कविताए पढा करता था और अपनी कहानियां तथा कविताए लिखा करता था।

विलियम टाड के हास्यपूर्ण खेल-तमाशो का खूब आनन्द उठाया करता

था, किन्तु साथ ही अपने जीवन मे भी व्यस्त रहता था। वह प्रतिदिन सवेरे अपने अध्ययन, प्यानो के अभ्यास और अपने शिक्षक के साथ काम करने का कार्यक्रम बना लेता था क्योकि वाशिंगटन के वे स्कूल बद हो गए थे जिनके व्यवस्थापक दक्षिण के लोग थे। मेरी विलियम की भावुक और अध्ययनशील प्रकृति पर गर्व किया करती थी और समस्याओ पर धीमे तथा ध्यानपूर्वक मन ही मन विचार करने के स्वभाव के अनुसार यह विचार किया करती थी कि विलियम बहुत कुछ अब्राहम से मिलता-जुलता है। सभवत. विलियम कवि अथवा उपन्यासकार बनेगा। हृदय मे ऐसी आशा सजोकर प्रसन्नता से उसका चेहरा रक्तिम हो जाता था।

यह अच्छा था कि बच्चे उनके जीवन मे उष्णता और सक्रियता पैदा कर देते थे अन्यथा ये दिन बहुत उदासी से भरे हुए थे। उनके मित्र कर्नल एडवर्ड बेकर ने जब एक सैनिक दस्ते के साथ पोटोमैक नदी के पार लीसबर्ग की ओर चढाई की थी तो भली प्रकार छुपी हुई कान्फेडरेट सेना ने बाल ब्लफ के स्थान पर उसपर आक्रमण कर दिया, पीछे नदी की ओर धकेल दिया। इस लडाई मे सघ-सेना के कई सौ सैनिक मारे गए, गिरफ्तार हुए और पोटोमैक नदी मे डूब गए। कर्नल बेकर भी मारा गया। विल्सन क्रीक के पश्चात् यह पहली महत्वपूर्ण लडाई थी और इसमे भी सघ-सेना बुरी तरह हारी थी।

उत्तर का प्रदेश घबरा गया, क्रोध और उत्सुकता भय और निराशा मे बदल गए। बुल रन, विल्सन क्रीक, बाल ब्लफ इन सभी लडाइयो मे पराजय ही मिली थी। क्या सघ-सेना के सभी सैनिक मारे जाएगे और आखिर लडने के लिए कोई भी न बचेगा और न ही सघ-राज्य रहेगा, जिसके लिए युद्ध लडने की आवश्यकता होगी ? काग्रेस के क्रातिकारी सदस्य अब्राहम पर यह आरोप लगाते थे कि उसने सेनाधिकारी जनरल डेमोक्रेट लगा रखे थे, स्टोन डेमोक्रेट था और उसने जान-बूझकर बेकर और उसकी सेना को मरवाने के लिए भेजा था, मैक्लेलन भी डेमोक्रेट था और उसका गुप्त उद्देश्य यह था कि कान्फेडरेटो के साथ कभी न लडा जाए जो वर्जीनिया मे इतने निकट थे कि उनका तोपखाना वाशिंगटन से देखा जा सकता था।

अब्राहम ने इन आरोपो की कटुता को अनुभव किया और वह जनरल स्काट को सघ-सेना के सेनापतित्व से हटाने के लिए बाध्य हो गया और उसने

अनुरोधपूर्वक यही कहा कि जनरल स्काट ही युद्ध करने से रोक रहा है। जनरल मैक्लेलन सेनापति बन बैठा, किन्तु वह अभी तक वाशिंगटन की किलेबन्दी मे ही लगा हुआ था।

लिंकन-परिवार सेना की एक बडी परेड देखने के लिए गया। जब जनरल मैक्लेलन निरीक्षण करने वाले अठारह सौ चुने हुए घुडसवारो का नेतृत्व करता हुआ सेना के पास से गुज़रा तो सैनिको ने तालिया बजाकर उसका स्वागत किया और शात मौन के साथ राष्ट्रपति लिंकन का स्वागत किया गया। जनरल ने अपने सहायको को सम्बोधित करते हुए कहा

'ये वीर योद्धा मुझसे कितना प्रेम करते है और उनके प्रेम से मुझे कितनी शक्ति मिलती है! यदि मै सरकार की बागडोर अपने हाथ मे लेना चाहू तो मुझे कौन रोक सकता है!'

उस दिन शाम को अब्राहम ने मेरी को बताया कि वह मैक्लेलन के पास जा रहा है और उससे अनुरोध करेगा कि वह आगामी युद्ध के बारे मे अपनी योजना बनाए, ताकि उस योजना पर मन्त्रिमण्डल और कर्मचारी विचार कर ले। आधे ही घण्टे मे वह लौट आया। उसकी मुख-मुद्रा से घबराहट लक्षित हो रही थी:

'मैं निश्चय ही आवेश मे नही हू, किन्तु कुछ क्रुद्ध अवश्य हू। मैने जनरल से जितने भी प्रश्न किए उन सबका जनरल ने एक ही उत्तर दिया यदि राष्ट्रपति को मुझमे विश्वास है तो न तो यह उसे अधिकार है और न ही आवश्यक है कि वह मेरी योजना को दूसरो की सम्मति के लिए रखे, किन्तु यदि आपका विश्वास इतना कम है कि आप सेनापति की राय को अन्य लोगो के मत से सुदृढ बनाना चाहते हैं तो आप मेरे स्थान पर किसी और को सेनापति बना दे जिसपर आपको पूर्ण विश्वास हो।—आज प्रात. मैने 'हेरल्ड' मे देखा था कि उसने उसका नाम 'लिटिल मैक' के स्थान पर 'लिटिल नेपोलियन' रख दिया है, अब नेपोलियन को कौन उत्तर दे सकता है?'

नवम्बर गुज़र गया, किन्तु अब भी रिचमाड पर आक्रमण की कोई योजना नही थी जिसकी माग उत्तर के समाचारपत्र और जनता अब्राहम से कर रहे थे। जब मास के अन्तिम सप्ताह मे आकाश पर बादल छाने लगे और हवा मे ठडक अनुभव होने लगी तो अब्राहम ने सीनेटर वेड, शैडलर और ट्रम्बल को राष्ट्रपति उद्यान को पार कर आते हुए देखा। उसने मेरी को खिड़की के पास बुलाया

श्रौर कहा :

'एक बार जब मै गांव के स्कूल मे जाया करता था श्रौर हम बारी-बारी बाइबल पढकर सुना रहे थे तो एक मूर्ख-से लडके ने शाड्राच श्रौर मेशाच को दु ख भरे लहजे मे पढकर सुनाया श्रौर एबेडनेगो को रुक-रुककर पढने लगा। इसपर उसे दड दिया गया। पढाई पुनः श्रारम्भ हुई श्रौर फिर अकस्मात् वही लडका दु ख भरे लहजे मे बोल उठा लो देखो—अगली कविता की श्रोर सकेत करते हुए जिसे उसको पढना था—फिर वही तीन मूर्ख श्रा गए है।'

वह कार्यालय मे चला गया श्रौर वहा बहुत देर तक समिति की बैठक मे बैठा रहा। जब वह लौटा तो बहुत थका हुश्रा तथा घबराया हुश्रा था, बोला :

'मुझे मैक्लेलन के मुख्यालय मे जाना होगा। टाड को मै अपने साथ ले जाऊगा श्रौर रास्ते मे सचिव सीवार्ड को साथ ले लू गा।'

जब कई घण्टे पश्चात् वे लौटे तो टाड ने वृत्तान्त सुनाया। वे मैक्लेलन के घर गए थे श्रौर उन्हे वहा यह सूचना मिली कि जनरल सेना के किसी पदाधिकारी के विवाह पर गया हुश्रा है। उन्होने एक घटा प्रतीक्षा की श्रौर उसके पश्चात् मैक्लेलन लौटा। उसे ड्योढी मे ही बता दिया गया कि श्री लिकन उससे मिलने के लिए बैठक मे प्रतीक्षा कर रहे हैं। किन्तु मैक्लेलन बिना उनसे मिले ऊपर की मज़िल पर चला गया। अब्राहम श्रौर सीवार्ड ने श्रौर श्राधा घटा उसकी प्रतीक्षा की श्रौर जनरल को पुन यह सूचना देने के लिए नौकर को भेजा कि राष्ट्रपति श्रौर सचिव उसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। नौकर जब सीढियो से नीचे श्राया तो उसने हकलाते हुए कहा कि जनरल सो गए है।

मेरी को यह सुनकर बहुत दु ख हुश्रा।

'अब्राहम, निश्चय ही तुमने उसे इतना बढावा दे दिया है।'

'मैक्लेलन हमे एक बार युद्ध जिता दे तो फिर मैं उसका यह बढावा समाप्त कर दू गा,' अब्राहम ने शान्तभाव से उत्तर दिया, 'शिष्टाचार अथवा व्यक्तिगत प्रतिष्ठा-सम्बन्धी बातो की परवाह करने से कोई लाभ नही होगा। मेरी तो यह राय है कि उसने बहुत शानदार सेना तैयार की है।'

'लडने के लिए अथवा प्रदर्शन के लिए ?' मेरी को अब्राहम के प्रति इस उपेक्षाभाव पर क्रोध श्रा रहा था श्रौर उसके गाल श्राग की तरह लाल हो गए थे, 'वह शानदार सैनिक-प्रदर्शन करता है, किन्तु सारा देश एक निर्णयात्मक

युद्ध चाहता है। हमारे पास दो लाख सशस्त्र और लडने के लिए तैयार सैनिक होने चाहिए ''''''

'श्री पिंकर्टन ने जनरल मैक्लेलन को सूचना दी है कि मन्साम मे कान्फेड-रेटो की ६० हज़ार सेना है। मैक्लेलन कहता है कि वह केवल ७६ हज़ार सैनिक तैयार कर सका है। वह कहता है कि उसे और सैनिको की आव-श्यकता है, और जब वे तैयार हो जाएगे तो वह लडाई के लिए तैयार होगा।'

'किन्तु हमे तो विजय की अत्यधिक आवश्यकता है, चाहे विजय कुछ ही मात्रा मे मिले '' ''

अगली सुबह बर्फ गिरी और उसके साथ ही बाल ब्लफ के पश्चात् सबसे सख्त आघात अब्राहम को पहुचा। जनरल मैक्लेलन ने अपने सैनिको को आदेश दे दिया था कि वे वृक्षो को गिराकर सर्दियो के लिए शिविर तैयार कर ले। उसकी सेना वसत की मधुर ऋतु आने से पहले नही लडेगी। अब्राहम गहरी उदासी मे खो गया। विद्रोहियो को और चार-पाच महीने मिल गए है जिनमे वे सेनाये भर्ती करना, उन्हे सम्भरण करना, रेलो और सचार-व्यवस्था को सगठित करना, नागरिको पर कर लगाना सीख लेगे और उत्तर के राज्यो को कपास न भेजकर यूरोप को भेजेगे तथा वहा से अपनी आवश्यकतानुसार वस्तुए मगवाएगे। दिन-प्रतिदिन उनकी सरकार अधिक सशक्त होती जा रही थी, अधिक पाव जमा रही थी, वे यूरोप के देशो को अपने राजदूत भेजकर उनसे प्रभुत्व-सम्पन्न राष्ट्र होने की मान्यता प्राप्त करने की व्यवस्था कर रहे थे और यूरोप से ऋण लेने, शस्त्रास्त्र खरीदने, अपने जहाज़ तथा गोला-बारूद बनाने का प्रबंध कर रहे थे। अप्रैल तक युद्ध एक वर्ष पुराना हो जाएगा और तब क्या विद्रोही राज्यो को पुनः सघ मे समाविष्ट किया जा सकेगा ?

उसने मेरी को सम्बोधित करते हुए धीमे से कहा, 'अब तो निर्णय हो गया। मेरे पुराने मित्र और समर्थक लीमैन ट्रम्बल ने इलीनाइस मे लोगो से कहा है, 'शान्ति-काल मे तो मै सफल राष्ट्रपति हो सकता था, किन्तु वर्तमान सकट का मुकाबला करना मेरे बस की बात नही।'

'यह व्यर्थ की बात है,' मेरी ने उत्तर दिया, 'तुमने सीनेटर वेड द्वारा स्वागत-समारोह मे सम्मिलित होने के लिए मेरे निमन्त्रण के उत्तर मे भेजे गए पत्र को

नही देखा है। सीनेटर वेड कहता है उत्तर-पश्चिम की सेना इस काम पर लगा दी गई है कि श्रीमती लिंकन बिना किसी बाधा के फ्रासीसी और नृत्यकला सीख सके।—ओह! अब्राहम, हमने क्या पाप किया है कि हमारे अपने ही लोग हमारे प्रति शत्रुओ से भी अधिक निर्दयी हो गए है ?'

अब्राहम ने एक हाथ उसकी कमर मे डाल दिया और उसे खिडकी के पास ले गया जहा दोनो बालक शरद् ऋतु का प्रथम हिमपात देख रहे थे।

टाड ने प्रसन्नभाव से कहा, 'प्राचीर के शिखर तक बर्फ पहुच गई है।'

विलियम ने खिडकी के बाहर ध्यानपूर्वक देखा और रुधे हुए गले से कहा, 'पापा के पास हमारे साथ खेलने को समय नही। मुझे तो विश्वास नही होता कि राष्ट्रपति बनना अच्छा है।'

अब्राहम ने लडको को पुकारा :

'आओ विली, हम स्लेज लेकर पहाडी पर खेलेगे। मुझे प्रमाण मिल गया है कि मै समय निकाल सकता हू और सरकार मेरे बिना अधिक अच्छी चलेगी। मेरी, क्या तुम आ रही हो ?'

८८

कुछ फेडरल सैनिक, जिन्हे बुल रन मे शत्रुओ ने गिरफ्तार कर लिया था, बन्दियो का विनिमय करने पर वाशिंगटन लौटे तो उन्होने रिचमाड जेल के प्रभारी एक मोटे और बर्बर कान्फेडरेट लेफ्टिनेंट की कहानिया सुनाई।

उस जेलर का नाम डेविड टाड था।

उत्तर के समाचारपत्रो ने यह बात भली प्रकार स्पष्ट कर दी कि वह श्रीमती लिकन का भाई था।

मेरी ने डेविड के विरुद्ध जो कहानिया सुनी, उनपर वह विश्वास न कर सकी। उसने उसके साथ बहुत अच्छा समय बिताया था, उसके साथ घुडसवारी करने जाया करती थी और लेक्सिगटन तथा ब्यूना विस्टा के आसपास के जगलो

मे घूमा करती थी । क्या युद्ध अच्छे-शिष्ट व्यक्ति को इतनी जल्दी बर्बर बना देता है ? मेरी को विश्वास न आया ।

किन्तु उत्तर के लोगो ने विश्वास कर लिया, अविश्वास का कोई कारण न था । एक बार बात आरम्भ हुई तो समाचारपत्रो ने बता दिया कि मेरी के तीन अन्य भाई अलेग्जैंडर, सैमुअल और जार्ज कान्फेडरेट सेना मे पदाधिकारी थे, उसका बहनोई बेन हार्डिन हेल्म केंटुकी के घुडसवार दस्ते का कर्नल था जिसे उसने विद्रोहियो के लिए भर्ती किया था और प्रशिक्षित किया था । श्रीमती लिंकन के ग्यारह चचेरे भाई केरोलीना लाइट ड्रेगून मे नौकर थे । उसकी बहन मरथा का विवाह कैप्टेन व्हाइट के साथ और बहन इलोडी का विवाह कर्नल डाउसन के साथ हुआ था और ये दोनो कान्फेडरेट सेना मे थे और उसकी मा अलबामा मे अपनी सघ-विरोधी लडकियो के साथ रह रही थी । उसके दक्षिण मे जन्म और शिक्षा के बारे मे लेख प्रकाशित हुआ जिनमे बताया गया कि उसका पिता दासो का स्वामी था और उसने दासो को सार्वजनिक चौक मे बेचा था । इससे पूर्व मेरी की आलोचना विरोधी-पक्ष के समाचारपत्रो ने की थी, अब रिपब्लिकन पत्रों ने लिखा .

'परिवार के दो-तिहाई लोग सघ-विरोधी है और एक-तिहाई दासता के पक्ष मे ।'

ऐसी कहानिया लोगो ने जबानी और परस्पर पत्रो द्वारा फैलाई। बडे नगरो के समाचारपत्रो से छोटे नगरो की पत्रिकाओ ने प्राप्त की, कि मेरी टाड के परिवार की सहानुभूति दक्षिण के पक्ष मे है, कि वह कान्फेडरेसी को जितना चाहती है, और कि अब सचाई का पता लग गया है कि श्रीमती लिंकन एक गुप्तचर है ।

उसपर आरोप लगाया कि वह दक्षिण की सेना के लिए जासूसी करती है, उसे कान्फेडरेट जनरल के पत्र आते है और वह उन्हे फेडरल सैनिक-शक्ति और आक्रमण की योजना के बारे मे समाचार भेजती है । वह सरकार के केन्द्र व्हाइट हाउस मे अपने प्रतिष्ठित पद का लाभ उठाती है और इस प्रयोजन के लिए कि दक्षिण उत्तर को हरा दे, वह राष्ट्रपति, मन्त्रिमडल और सेना की गुप्त योजनाओ को भेजती रहती है ।

क्या इससे बुल रन, विल्सन क्रीक और बाल ब्लफ की हारो का कारण

स्पष्ट नही हो जाता ? क्या यही कारण है कि जनरल मैक्लेलन की सेना ने अभी तक आक्रमण नही किया ?

ह्वाइट हाउस मे उसके नाम मे भेजे गए पत्रो मे आवेशपूर्ण बाते लिखी जाने लगी। शायद ही कोई ऐसा अपमानजनक नाम होगा जोकि उसे न दिया गया हो। बाल ब्लफ पर जो सैनिक मारे गए थे और जिन्हे अब लाग ब्रिज के नीचे नदी मे से निकाला जा रहा था उनके लिए मेरी को ही उत्तरदायी ठहराया गया और यह कहा गया कि उसपर सैनिक-कानून के अनुसार अभियोग चलाना चाहिए, उसे गोली मार देनी चाहिए और कि उसे कोडे मार-मारकर ह्वाइट हाउस से निकाल देना चाहिए।

सेक्रेटरी विलियम स्टाडार्ड, जो छब्बीस वर्ष की आयु का था और जिसे हाल ही मे ह्वाइट हाउस मे नियुक्त किया गया था, मेरी से बात करने के लिए आया। १८५८ के वाद-विवाद के समय वह इलीनाइस मे समाचारपत्र का सम्पादक था और उसने १८६० मे अब्राहम के निर्वाचन के लिए अनथक प्रयत्न किया था। ह्वाइट हाउस के कर्मचारियो मे से उसे मेरी ने सबसे अधिक सहानुभूतिपूर्ण पाया।

'श्री स्टाडार्ड, तुम कुछ घबराए हुए से प्रतीत होते हो।'

'उस बदमाश क्लर्क के पास, जो कागज तह करने का काम करता है, आपके बहुत-से पत्र थे और उसने उन सबको खोल लिया। अभी वह उन्हे पढ नही पाया था कि मैने उसे पकड लिया, किन्तु मै अब यह जानना चाहता हू कि उस क्लर्क का क्या करू ?'

स्टाडार्ड का अभिप्राय स्पष्ट था, क्लर्क गपशप और सूचना प्राप्त करने के लिए पत्रो को पढना चाहता था।

'श्री स्टाडार्ड, मैं चाहती हू कि मेरे लिए जितने पत्र आते है उन सबको तुम पढ लिया करो। तुमने बहुत-से देखे है और तुम जानते हो कि उनमे क्या लिखा होता है अत. तुम अवश्य जानते होगे कि मै ऐसा क्यो महसूस करती हू।'

'निस्सदेह श्रीमती लिंकन मैं जानता हू और मै यह अनुमति चाहता हू कि कि जिन पत्रो मे गाली-गलौज हो उन्हे कूडे मे फेक दिया करू। निकोले और हे अब राष्ट्रपति के पत्रो का यही करते है। मैं देखता हू कि आपके लिए इन विषैले पत्रो को पढना विष खा लेने के समान है।'

मेरी इस नवयुवक की भावना से प्रभावित हुई।

'कृपया ऐसा ही करें स्टाडार्ड, मैं आभारी हूगी।'

स्टाडार्ड खिडकी के पास चला गया और उसने पर्दों को हटाकर ह्वाइट हाउस के मैदान की ओर देखा।

'सभवत· आप मुझे एक और बात मे भी महायता करने देगी ? आपको समाचारपत्रो मे उन बातो के छपने पर बहुत दु.ख हुआ है जो केवल ह्वाइट हाउस के अन्दर रहने वाले लोगो को पता होनी चाहिए थी। मुझे पूरा विश्वास है कि मै उस व्यक्ति को जानता हू जो यहा की बातो को बाहर फैलाता है। मैंने उसे कई बार दरवाजे के बाहर खडे होकर बाते सुनते देखा है। आरम्भ से ही उसका यहा स्वागत किया जाता रहा है।'

मेरी का चेहरा क्रोध से लाल हो उठा।

'क्या हमारा मित्र ही हमारी व्यक्तिगत बातचीत की खबर पत्रो को देता है ?'

'हां श्रीमती लिंकन, वह हेनरी वीकाफ है।'

'वीकाफ ! मैं विश्वास नही कर सकती। वह तो एक योग्य व्यक्ति है।'

'मुझे विश्वास है कि यदि आप उसकी उपस्थिति मे जब केवल वही हो, जो विश्वासघात कर सकता हो, कुछ महत्वपूर्ण बातो के बारे मे झूठी बाते कह दें तो आप एक सप्ताह के अन्दर ही उसे पकड लेगी।'

स्टाडार्ड की बात ठीक निकली। वीकाफ को दो कहानिया न्यूयार्क हेरल्ड को भेजते हुए रगे हाथो पकड लिया। ये कहानिया मेरी ने इसी प्रयोजन के लिए मनघडन्त बनाई थी। वह जो पहले एक बार निकोले और हे के साथ झगडी थी, उस बात के फैलने का कारण भी यही व्यक्ति था जिसे उसने अपना मित्र और परामर्शदाता बना रखा था।

मेरी को एक मानसिक आघात पहुचा। वह अपने कमरे मे चली गई और आदेश दे दिया कि वह किसीसे नही मिलेगी क्योकि वह अपने परिवार के लोगो के सिवाय किसीसे भी मिलना सहन नही कर सकती थी।

तब पुन दिसम्बर के आरम्भ मे काग्रेस का अधिवेशन आरम्भ होने के एक सप्ताह पश्चात्, मेरी को अपना दु ख भूल गया क्योकि उसके पति को उससे सात्वना की आवश्यकता थी। दासता के क्रातिकारी विरोधियो ने बेंजामिन

वेड और जकारियाह शैडलर के नेतृत्व मे सीनेट और फिर हाउस मे एक बिल पास करवाया था जिसके द्वारा एक काग्रेस समिति को युद्ध के सचालन के बारे मे जाच करने का अधिकार दिया गया था। यद्यपि उनका उद्देश्य प्रशासन पर आक्षेप करने का नही था, किन्तु वे युद्ध का उत्साह के साथ सचालन करवाना चाहते थे। उन्होने तुरन्त बुल रन, विल्सन क्रीक और बाल ब्लफ मे हुई पराजयो की जाच आरम्भ कर दी और इसी प्रसग मे सेना-अधिकारियो की जाच भी आरम्भ की और उन्होने मतदान द्वारा अपने-आपको यह अधिकार भी दे दिया कि विजय प्राप्त करने के लिए आगामी योजनाओं के बारे मे भी सैनिक-अधिकारियो से प्रश्न पूछ सके। अब अब्राहम के मन मे वह बात थी जो उसने मेरी से कही थी कि, 'यह एक मूर्ख और अनुत्तरदायी समिति है जोकि सघ को हानि पहुचाकर भी दासो की स्वतन्त्रता प्राप्त करना चाहती है।'

समिति की शक्तिया विस्तृत थी किन्तु मेरी को इस बारे मे तब तक पता नही लगा जब तक कि विलियम स्टाडार्ड ने अपने किसी मित्र से यह न सुना कि वह समिति उसी दिन प्रात राष्ट्रपति-भवन के तहखाने मे बैठक करेगी, जहा वह श्रीमती लिंकन से पूछताछ करेगी।

'किन्तु किस बात की पूछताछ?' मेरी ने चिल्लाकर पूछा।

स्टाडार्ड ने बडी कठिनाई से बात जारी रखते हुए कहा :

'कि आप कान्फेडरेसी के गुप्तचरो को सूचनाए देती है। अपने इस कार्य के औचित्य के सम्बन्ध मे उनका यह दावा है कि यदि वे कहानिया सच है जो उन्होने सुनी है तो इससे ह्वाइट हाउस मे राष्ट्रपति के परिवार पर विद्रोह का आरोप सिद्ध हो जाता है। यदि उन्हे रोकना हो तो तुरन्त कुछ करना होगा।

जलते हुए आसू उसके गालो पर बहने लगे। स्टाडार्ड चला गया। यह अत्यन्त कष्टदायक अपमान था कि अमेरिका की सीनेट उसके विरुद्ध विद्रोह का आरोप लगा रही थी। राष्ट्र के इतिहास मे किसी भी राष्ट्रपति की पत्नी अथवा सम्बन्धी का ऐसा अपमान नही किया गया था। इससे तो उसका अन्त हो जाएगा, अब्राहम के शासन के शेष काल मे वह कोई और उपयोगी काम नही कर सकेगी। अब वह प्रमुख महिला नही रहेगी। वह सोचने लगी—मै बिस्तर-बोरिया बाधकर बच्चो-सहित स्प्रिंगफील्ड चली जाऊगी।

उसके बारे मे वाशिंगटन मे रहने वाले दक्षिण के लोगो मे अनेक अपमान-

जनक कहानिया फैली थी कि वह सुमस्कृत नही है, किन्तु मेरी ने उनकी परवाह नही की थी, कान्फेडरेटों के प्रति उसकी सहानुभूति के बारे मे और सघ-सेना के मृत-सैनिको के प्रति सहानुभूति के अभाव के बारे मे डेमोक्रेटिक पत्रो ने जो अनेक झूठे वृत्तात लिखे, मेरी ने उन्हे सहन कर लिया था क्योकि वे विरोधी-पक्ष के आरोप थे। उसे प्रतिदिन पागलपन और आवेश से भरे हुए पत्र आया करते थे जिन्हे वह सहन कर लेती थी क्योकि वह समझती थी कि ये लोग रोगी हैं, एक मित्र द्वारा विश्वासघात को भी उसने सहन कर लिया था किन्तु उसकी अपनी सरकार द्वारा उसके विरुद्ध कार्यवाही को वह कैसे सहन कर सकती थी ?

उसका सास तेज़ी से चलने लगा, छाती मे वैसा ही खालीपन-सा अनुभव होने लगा जैसाकि अत्यधिक दु ख के समय वह अनुभव किया करती थी, गले मे एक उफनता हुआ दर्द अनुभव होने लगा। अन्तर मे उठते हुए दर्द को दबाने के लिए उसने दात भीच लिए और आवेश को रोकने के लिए कुर्सी का बाजू पकड लिया। जब वह कुछ शात हुई तो उसने अपने पति को बुला भेजा।

यह सुनकर अब्राहम की आखो से आग बरसने लगी। वह पाव को ज़ोर से पटकता हुआ कमरे से बाहर चला गया, अपना भारी ऊनी कोट पहना और ह्वाइट हाउस से बाहर चला गया। उस समय उसका सिर आगे की ओर झुका हुआ था और अग-अग काप रहा था। मेरी ने उत्तर के एक शयन-कक्ष मे से उसे बाहर जाते हुए और पेनसिलवानिया एवन्यू की ओर बढते हुए देखा। अपनी इस विपत्ति मे मेरी का हृदय उसके प्रति सहानुभूति से भर गया, निस्सन्देह उस निर्जन मे जाते हुए वह सबसे एकाकी व्यक्ति दिखाई देता था।

वह खिडकी के पास मृतप्राय-सी खडी थी तभी उसने अब्राहम को मुख्य द्वार से वापस आते हुए देखा। उसने नर्म फेल्ट हैट पहन रखा था और सिर ऊपर उठा हुआ था।

वह बैठक मे जाकर उसकी प्रतीक्षा करने लगी। वह अन्दर आया और प्रेम से चुम्बन लेकर बोला

'तुम्हे अब कभी ऐसी मूर्खतापूर्ण बात की चिन्ता नही करनी होगी। अब यह बात समाप्त हो गई है।'

बस इतना कहकर वह चला गया।

१ जनवरी, १८६२ को जब सवेरे वह उठी तो उसने देखा कि सर्दी कम थी

और आकाश स्वच्छ था। नाश्ता जल्दी कर लिया और बच्चो के लिए नये कपडे निकाल लिए तथा अब्राहम को कह दिया कि दुपहर को आरम्भ होने वाले परम्परागत स्वागत-समारोह के लिए तैयार हो जाए। नौ बजे श्रीमती केकले उसके बाल संवारने और उनमे फूल तथा जवाहर गूथने के लिए आ गई। तेल लगाने से उसके बाल पूरी तरह काले पड गए थे। कितने ही वर्ष बीत गए जब उसे पहले-पहल पता लगा था कि उसके बाल काले होने लगे है और उसने अब्राहम से पूछा था कि तुम्हे रक्तिम बाल अधिक अच्छे लगते है ?

उसने अपनी घबराहट को छुपा लिया जबकि श्रीमती केकले ने उसे पेटीकोट और स्कर्ट को फैलाव देने वाला लोहे की तार का घेरा, जिसे वह स्लेटी रग के रेशम के नीचे पहना करती थी, पहनने मे सहायता की, क्योकि यह स्वागत-समारोह जो उसके दस मास तक ह्वाइट हाउस मे रहने के पश्चात् हो रहा था, उसके लिए बहुत महत्वपूर्ण था। उसके मन मे यह प्रश्न था कि क्या वाशिगटन के लोगो ने उसकी सद्भावना और देशभक्ति पर किए गए प्रहारो पर विश्वास किया है अथवा नही ? लोगो ने उसकी फिजूलखर्ची के बारे मे बहुत कुछ सुना था, किन्तु उन्होने पुन सजाए गए ह्वाइट हाउस को नही देखा था। अब जबकि उन्हे ह्वाइट हाउस को देखने का अवसर मिलेगा, तो उनपर क्या प्रभाव पडेगा ?

अब्राहम बारह बजे से कुछ मिनट पूर्व सफेद दस्ताने पहने, थके-मादे चेहरे के साथ पहुचा। यह स्वागत-समारोह अब्राहम के लिए भी एक परीक्षा थी कि वह वाशिंगटन के लोगो मे और उत्तर के लोगो के बीच कितना लोकप्रिय था ? वह कितना सफल हुआ था ? जब वह राष्ट्रपति-पद पर आसीन हुआ था तो सात राज्यो ने विद्रोह कर दिया था और अब ग्यारह राज्य सघ से पृथक् हो चुके थे; जब उसने पद की शपथ ली थी उस समय कही युद्ध की स्थिति नही थी, किन्तु अब सघ-राज्य वर्जीनिया से न्यूओर्लियन तक के युद्ध-क्षेत्र मे लडाई लड रहा था। जब उसने ह्वाइट हाउस मे प्रवेश किया था तो यूरोप सघ-राज्य का सम्मान करता था, किन्तु अब इगलैंड लडाई की धमकी दे रहा था क्योकि उत्तर की सेनाओ ने दक्षिण के दो प्रतिनिधियो को अग्रेज़ी जहाज से गिरफ्तार कर लिया था, फ्रास भी क्रुद्ध था क्योकि नाकाबदी के कारण उसे दक्षिण के राज्यो की कपास नही मिल रही थी और यह सभावना थी कि वह इगलैंड का

सहायक बन जाएगा। जब वह राष्ट्रपति बना था तो राजकोष घाटे मे नही था, राष्ट्र का कारोबार अच्छा था; अब राजकोष खाली था और उन्हे कागज के नोट छापने पड रहे थे, देश का व्यापार ठप्प पडा था। अब्राहम १० लाख डालर प्रतिदिन उस सेना पर व्यय कर रहा था जो लडती नही थी, देश मे अराजकता-सी फैल रही थी। शासन मे गडबडी और भ्रष्टाचार से भी इन्कार नही किया जा सकता था क्योकि युद्ध-सचिव कैमरन ने उन लोगो को ठेके दिए थे जिन्होने सेना को ऐसी बदूके भेजी जो चलती नही थी, बीमार घोडे दिए, गणवेश और बूट ऐसे दिए जो पहली ही वर्षा मे फट गए और खराब मास का सभरण किया।

नौसेना के बैड की सगीत-ध्वनि के साथ वे बारह से एक क्षण पहले नीचे उतरे और सेना तथा नौसेना के पदाधिकारियो, मन्त्रिमडल के सदस्यो और विदेशी राजदूतो तथा उनके सहायक पदाधिकारियो से मिलने के लिए ईस्ट रूम के दरवाज़े पर खडे हो गए। एक बजे दरवाज़े खोल दिए गए और लोगो की भीड ने प्रवेश किया।

उन्होने सुना कि सब ओर से, चाहे वे लोग नवागतुक थे या ह्वाइट हाउस को वर्षो से जानते थे, प्रशसा और अनुमोदन की आवाज़े आ रही थी। श्रीमती डान पियाट ने जो मेरी के साथ हैरिसबर्ग से गाडी मे आई थी और कई दिन तक ह्वाइट हाउस मे ठहरी थी, प्रसन्नभाव से कहा

'श्रीमती लिकन, यह तो आश्चर्यजनक परिवर्तन है। तुमने गदे और पुराने मकान को रत्न-सा जाज्वल्यमान बना दिया है।'

मेरी ने आभार प्रकट करने के भाव से उसका हाथ अपने हाथ मे लेकर दबाया। ऐडेल डगलस ने, जिसने काले वस्त्र पहन रखे थे और सिवाय सीनेट द्वारा उसके पति को श्रद्धाजलि भेट करने के अवसर के कभी सार्वजनिक उत्सवो पर नही आई थी, इस अवसर पर कहा .

'श्रीमती लिंकन, मुझे विश्वास था कि तुम ह्वाइट हाउस को भव्य बना दोगी'—फिर वह क्षणभर रुकी और कहने लगी, 'और मैं जानती हू कि तुमने यह सब कठिन परिस्थितियो मे किया है।'

जब उत्सव समाप्त हुआ तो वे मेरी के शयन-कक्ष मे गर्म पानी के प्यालों मे अपने दुखते हाथो को डुबोने और दिन भर के प्रसन्नतादायक विचारो का

विनिमय करने के लिए गए। अब्राहम ने मेरी को बताया कि उसने उसकी सुरुचि और निर्णयात्मकता की बहुत प्रशसा सुनी है।

मेरी ने धीमे से कहा, 'मेरे पिता यह सुनकर बहुत प्रसन्न होते। उन्होने ही मुझे यह सब सिखाया था।'

अब वह समस्या प्रस्तुत करने का समय था जिसे वह गत दो कठिन महीनो मे छुपाए रही थी। मेरी ने एक गहरी सास ली और फिर सायास शात लहजे मे कहा

'मुझे प्रसन्नता है अब्राहम, कि तुम इसका अनुमोदन करते हो क्योकि इसपर बहुत अधिक धन व्यय हुआ है।'

'अच्छा देखे, पहले तो छः हजार व्यय हुआ और फिर काग्रेस ने २० हजार डालर और दिए थे'

'मुझे खेद है अब्राहम, मै छब्बीस हजार डालर मे सारे भवन की सजावट नही कर सकी क्योकि मै घटिया सामग्री प्रयोग नही करना चाहती थी।'

अब्राहम ने तुरन्त सिर उठाकर उसकी ओर देखा, 'इसका क्या अभिप्राय है मेरी ?'

'एक बिल है जिसका भुगतान अभी नही हुआ। यह अन्तिम बिल है किंतु इसमे अनेक वस्तुए है।'

उसने बालो को आगे की ओर फेक दिया जैसाकि किसी बात को अस्वीकार करते हुए किया करता था।

'तुम्हारा अभिप्राय है कि तुमने विनियोजित राशि से अधिक व्यय कर दिया है।'

'हा! ६८५८ ८० डालर अधिक व्यय हुआ है। ये सब श्री कैरिल को देने हैं।'

'किन्तु मेरी, इसका भुगतान करने के लिए और पैसे नही है। तुमने ऐसा क्यो किया ?'

'क्योकि इस सारे काम पर इतना अधिक व्यय हो गया है। तुम स्वयं इन बिलो को देख लो। तुम देखोगे कि यह व्यय ऐसी कई वस्तुओ पर हुआ है जिनकी अत्यधिक प्रशसा की गई है।'

अब्राहम ने लेखा ले लिया और ऊचे स्वर मे पढना आरम्भ किया .

'चार कमरो और रहने के मकानो मे कागज लगाने का व्यय राष्ट्रपति का कमरा ४३२ ५० डालर, श्रीमती लिंकन का कमरा २५४ ४५ डालर ·····' फीकी हसी के साथ अब्राहम ने उसकी ओर देखा, 'मैं देखता हू कि तुम्हारा व्यय मुझसे आधा है।' ईस्ट रूम के लिए कागज पेरिस मे चुना गया, ८३२ डालर, रेड रूम ३९२ डालर; ब्ल्यू रूम ३९९ ५० डालर, मुलम्मा २०० डालर·······'

'इन मदो के लिए श्री वुड ने गत ग्रीष्म ऋतु मे मजूरी दी थी। इन्हे फ्रांस से मगवाने और लगवाने मे देर हो गई। जब तक कार्य समाप्त नही हुआ, मैं नही जान सकी कि कितना व्यय होगा। अब्राहम, मैने अभिलेख देखे है, एण्ड्रयू जैक्सन ने ह्वाइट हाउस की मरम्मत पर ४५ हजार डालर व्यय किए थे अर्थात् जितना मैंने व्यय किया है उससे १२ हजार डालर अधिक, मार्टिन वान बूरेन ने ६० हजार डालर व्यय किए थे अर्थात् मुझसे दुगुने, फ्रैंकलिन पियर्स ने कभी कोई सहभोज नही दिया था, किन्तु फिर भी उसने ह्वाइट हाउस की सजावट के लिए २५ हजार डालर व्यय करना आवश्यक समझा। श्री जेफरसन ने जो ह्वाइट हाउस के भाग बढाए थे उनपर पूरे तीस हज़ार डालर व्यय किए थे। श्री मुनरो ने फ्रास से फर्नीचर आदि मगवाकर ह्वाइट हाउस की नये सिरे से सजावट की थी। यह व्यर्थ व्यय नही है अब्राहम, न ही यह विनष्ट हो जाता है, यह तो कई वर्ष तक ह्वाइट हाउस की सुन्दरता को बढाए रखेगा।'

जब मेरी ने अन्य राष्ट्रपतियो द्वारा किए गए व्यय का विवरण बताया तो अब्राहम की मुखमुद्रा पर छाई हुई उदासी क्षीण हो गई :

'मैं तुम्हारे काम को व्यर्थ नही समझता, किन्तु मैं अब काग्रेस से पुन धन नही माग सकता। हमारे बहुत-से शत्रु है, उन्हे इससे हमारी आलोचना करने का बहाना मिल जाएगा। मैं यह राशि अपने पास से दे दूगा।'

वह उठा और अनेक कमरो मे से गुजरकर अपने दफ्तर मे गया और जब वह लौटा तो उसके हाथ मे कई वेतन-बिल थे। उनका जोड करने के पश्चात् उसने कहा, 'मैंने अभी तक इन्हे जमा नही किया। यह लगभग १३ हज़ार डालर का वेतन है। हम इसमे से ६,९०० डालर दे सकते है।'

'ईश्वर की सौगध, मैं तुम्हे तीन-चार मास की जीविका उस मकान पर व्यय नही करने दूगी जो हमारा नही है। यहा आज काफी काग्रेस-सदस्य थे

जिन्होने ह्वाइट हाउस की सजावट पर हर्ष प्रकट किया था, वे इस राशि का विनियाजन करवा देगे ।'

क्षण भर के मौन के पश्चात् उसने प्रार्थना भरे स्वर मे कहा :

'क्या इतने की ही आवश्यकता होगी ? हमे और धन तो नही मागना पडेगा ?'

'नही, और कुछ नही मागना होगा । जब तक छत न गिर पडे यह पर्याप्त होगा । मै भी तुम्हे टाड की तरह डेविड की सौगन्ध से वचन देती हू ।'

'बहुत अच्छा, यदि यही अन्त है तो मैं किसी ठीक अवसर पर काग्रेस से सात हजार डालर मागूगा । किन्तु जब तक सेना कम से कम एक लडाई न जीत ले तब तक हमे प्रतीक्षा करनी होगी · · ·नही तो उनसे जो बात तय हुई है वही रद्द हो जाएगी ।'

८९

नववर्ष-उत्सव के पश्चात् ह्वाइट हाउस मे प्रथम आगतुक विलियम हर्नडन था । मेरी की बहन एलेजबेथ ने उसे लिखा था कि सारे स्प्रिगफील्ड को ज्ञात है कि हर्नडन वाशिगटन मे इसलिए आ रहा है कि वह अपने वकालत के साझेदार से इटली के राजदूत का पद प्राप्त करेगा । दोपहर के समय जब अब्राहम दफ्तर मे हर्नडन से मिलकर लौटा तो वह मुस्करा रहा था

'मैं जानता था कि तुम चिंतित होगी कि मै उसे राजदूत नियुक्त कर दूगा, किन्तु वह तो यह चाहता है कि मैं नई पत्नी प्राप्त करने मे उसकी सहायता करूं । उसकी पहली पत्नी कुछ मास हुए मर गई है ।'

'एक नई पत्नी ? क्या तुम अपने मित्र डा० इसाकर जाकारी के शब्दो मे विवाह तय करने वाले हो ?'

अपने को विवाह तय कराने वाले व्यक्ति के रूप मे सोचकर अब्राहम मुस्कराया :

'वह पीटर्सबर्ग की सुन्दरी से विवाह करने का प्रयत्न कर रहा है। उसके होने वाले साले ने उसे वचन दिया है कि यदि बिली मुझसे उसको किसी ऐसे सरकारी पद पर लगवा सके जिससे काफी आय हो और काम की जगह हो, तो वह विवाह कराने मे सहायता करेगा।' यह कहते-कहते वह कुछ हिचकिचाया और फिर बोला, 'मैने उसे अन्तर्देशीय मामलो के सचिव स्मिथ के पास भेज दिया और आज रात को अपने साथ खाना खाने के लिए आमन्त्रित किया, हमे इतना तो करना ही था।'

मेरी कुर्सी पर सीधी होकर बैठ गई। उसने बडी कठिनाई से इस बात को सहन किया

'मै तो नही समझती।'

जनवरी के मध्य मे उसे तीन अनिवार्य राज्य-भोज देने थे। उनपर उसे पारिवारिक निधि मे से तीन हजार डालर व्यय करना होगा। लोगो के आरोपो और आक्षेपो से तग आकर वह औपचारिक भोजो का झझट मोल नही लेना चाहती थी, किन्तु उत्तर के लोगो और काग्रेस-सदस्यो की पत्नियो ने बहुत दबाव डाला कि उसे एक बहुत बडा भोज देना चाहिए क्योकि वाशिगटन मे मातम-सा छाया हुआ है, मैक्लेलन शरद् शिविर मे बन्द पडा है, अब्राहम ने उदासी भरे भाव से कहा है कि 'पासा पलट गया है' सभी निराश है, अब्राहम मत्रिमडल, काग्रेस, युद्ध-विभाग, नौसेना-विभाग तथा सरकारी कर्मचारी हतोत्साह है। यदि श्रीमती लिकन अपने हृदय द्वारा कुछ हर्षोत्साह का सृजन कर दे तो वाशिगटन का कर्मचारी-वर्ग नवोत्साह प्राप्त कर लेगा।

मेरी अब्राहम की प्रतीक्षा करती रही। वह उस रात सोने से पूर्व कुछ बात-चीत करने के लिए ग्यारह बजे शयनागार मे आया, तब उसने उसे बताया कि वह कार्यक्रमो मे से राज्य-सहभोजो को निकालकर एक बडा स्वागत-समारोह मनाना चाहती है।

अब्राहम कुर्सी पर सिकुड गया।

'मेरी, मुझे भय है कि इस प्रकार हम एक नियमित प्रथा को तोड देगे।'

'हा, किन्तु हमे बचत के साथ कुछ और भी सोचना चाहिए।'

मेरी का चेहरा लज्जा से रक्तिम हो गया और फिर उसने जल्दी से कहा, 'राज्य-सहभोजो की अपेक्षा सार्वजनिक स्वागत-समारोह अधिक लोकतन्त्रात्मक

है। तीस अतिथियो पर हमे जितना व्यय करना पडेगा उतनी राशि से ही हम नृत्य और न्यूयार्क के मेलार्ड द्वारा रात्रि के खाने की व्यवस्था कर सकते है। इस प्रकार हम मन्त्रिमडल, उच्चतम न्यायालय, काग्रेस, विभागाध्यक्ष, न्यायाधीश, राजदूत, जनरल एडमिरल और गवर्नर को निमत्रित कर सकते है '। नगर मे बहुत-से नवागतुक है, विदेशी लोग है, उन सबको हम स्वागत-समारोह मे बुला सकते है जिन्हे अन्यथा राज्य-सहभोजो मे नही बुला सकते'।'

अब्राहम ने अपने अधर को नीचे दबाया .

'मेरी, तुम तर्क खूब देती हो···'

'सचिव सीवार्ड ने पूछा था कि क्या अगले स्वागत-समारोह मे निमत्रण भेजे जाए ? हम ५०० लोगो को निमत्रित करेगे, ताकि सब लोग आराम से बैठ सके और सुविधापूर्वक नृत्य कर सके।'

तुरत इसका विरोध किया गया। उन लोगो ने विरोध किया जो राज्य-सहभोजो की प्रथा को त्यागना बुरा समझते थे, समाचारपत्रो के उन लोगो ने विरोध किया जिन्हे निमत्रित नही किया गया था, ऐसे गैर-सरकारी लोगो ने भी विरोध किया जो समझते थे कि उन्हे आमत्रित करना चाहिए था। विलियम स्टाडार्ड ने स्पष्टीकरण दिया कि यह एक सरकारी उत्सव है, किन्तु समाचार-पत्रो मे इतनी कटु आलोचना प्रकाशित होने लगी कि मेरी को कई सौ और निमत्रण-पत्र भेजने पडे, यद्यपि वह जानती थी कि ह्वाइट हाउस फैले हुए स्कर्टो से इतना अधिक भर जाएगा कि नृत्य की तो बात अलग रही, किसी के गिरने तक के लिए स्थान नही होगा।

काग्रेस के अस्सी दासप्रथा-विरोधी सदस्यो ने सीनेटर बेंजामिन वेड के नेतृत्व मे निमंत्रण अस्वीकार कर दिया जिसके लिए वह तैयार नही थी। उन्होने लिखा :

'क्या राष्ट्रपति और श्रीमती लिकन को पता है कि आजकल गृहयुद्ध हो रहा है ? यदि उन्हे पता नही तो श्री तथा श्रीमती वेड यह जानते है और इस कारण वे सहभोज और नृत्य मे भाग लेने से इन्कार करते है।'

मेरी का मन कराह उठा।

जनवरी के अन्त मे खूब वर्षा हुई, नगर की गलियो मे कीचड की नदिया

बहने लगी। मेरी को घोर सर्दी के उन दिनो का स्मरण हो आया जब वह अब्राहम, राबर्ट तथा एडवर्ड श्रीमती स्प्रिग के बोर्डिंग हाउस के पिछले भाग मे एक कमरे मे रहा करते थे। १ फरवरी को विशेष रूप से बहुत वर्षा हुई। उस दिन एडवर्ड को मरे ठीक बारह वर्ष हो गए थे। उसने जूलिया से रेड रूम मे आकर प्यानो बजाने के लिए कहा।

'वर्षगाठो के दिन मै बहुत निरुत्साहित अनुभव करती हू।'

उसने विलियम और टाड को खेल के कमरे की ओर जाते हुए देखा था, किन्तु शाम को उसने देखा कि वे अपने टट्टुओ पर सवार पोटोमाक नदी की ओर से आ रहे थे और सर्वथा भीगे हुए थे। सोने के समय उनके नाक बहने लगे थे और प्रात वे ठड और जुकाम से रुग्ण थे। उसे पारिवारिक पुस्तकालय मे एक अनौपचारिक भोज पर जाना था और शाम को रेड रूम मे कुछ लोगो से मिलना था, किन्तु वह कही न गई और लडको के पास ही बैठी रही।

जब अगले दिन भी बच्चे स्वस्थ न हुए तो मेरी ने डाक्टर राबर्ट के० स्टोन को बुला भेजा जो वाशिंगटन का मूल निवासी था और कोलम्बिया ज़िले के स्वास्थ्य-विभाग का अध्यक्ष रह चुका था। उसने बच्चो को भली प्रकार देखा और मेरी तथा अब्राहम को विश्वास दिलाया कि उन्हे केवल सर्दी लगी है, किंतु साथ ही यह भी कह दिया

'मै यह परामर्श देता हू कि बच्चो को अलग-अलग कर दे। इन्हे एक-दूसरे के निकट रखना ठीक नही।'

मेरी ने बडे प्रिंस आफ वेल्स कमरे मे आग जलाई, बिस्तरो को गर्म किया और फिर अब्राहम विलियम को कम्बल मे लपेटकर अतिथि-गृह के बिस्तर पर ले गया। मेरी तथा सेना की परिचारिकाओ की अवीक्षिका श्रीमती डोरोथिया डिक्स रात भर बारी-बारी दोनो रोगियो के कमरो मे रही। जब प्रात अब्राहम आया तो मेरी ने कहा

'ये बच्चे कुछ बीमार है और मै इसलिए चाहती हू कि आमत्रण-पत्र वापस ले लूँ।'

अब्राहम गभीर भाव से सोचने लगा

'किन्तु मातृत्व की प्रतिमूर्ति मेरी, प्राय आठ सौ आमत्रण-पत्र तो भेजे भी जा चुके है। मेरा विचार है कि उन्हे वापस न लिया जाए। खैर, हमे डाक्टर

स्टोन से पूछना चाहिए ।'

डाक्टर स्टोन यह देखकर कि विलियम का बुखार निरतर बढ रहा था, घबरा गया, किन्तु उसका यही विचार था कि समारोह का कार्यक्रम बद करने की आवश्यकता नही । मेरी सारी रात आग के सामने बैठी हुई विलियम को देखती रही, जिसका सास बहुत कठिनाई से निकलता हुआ प्रतीत होता था। टाड सो गया ।

यद्यपि वह दो रात सो नही सकी थी, किन्तु फिर भी वह मेलार्ड के साथ काम करने के लिए निचली मजिल मे चली गई, जो एक दिन पूर्व अपने रसोइयो और बैरो तथा खाने की अत्यन्त उत्कृष्ट सामग्री के साथ न्यूयार्क से आ गया था। मेरी ने श्रीमती वाट और ह्वाइट हाउस के सेवको-सहित सभी कमरो का एक चक्कर लगाया, ताकि यह देख ले कि सभी व्यवस्था ठीक कर दी गई है, फूल सभी प्रकार सजा दिए गए है और गुलदस्तो तथा मिठाई की प्लेटो को भर दिया गया है ।

सध्या समय डाक्टर स्टोन ने दोनो बच्चो को देखा और कहा कि टाड को कुछ खाने के लिए दिया जा सकता है और विलियम की स्थिति भी सुधर रही है । ऐसा आश्वासन पाने पर मेरी श्रीमती केकले के साथ वस्त्रागार मे चली गई और औपचारिक रूप से समारोह मे पहुचने के लिए तैयारी आरम्भ कर दी, शरीर की थकान दूर करने के लिए गर्म पानी मे स्नान किया और फिर शीशे के सामने बैठ गई जबकि श्रीमती केकली ने उसके बाल सवारे और काले तथा सफेद फूलो का एक गजरा बाध दिया । श्रीमती केकले ने उसे सफेद साटिन का गाउन, जो खुले गले और लम्बे पल्ले का बना हुआ था, पहनाने मे सहायता की।

आठ बजे मेरी विलियम के कमरे मे गई । वहा अब्राहम हाथ पीछे बाधे हुए आग के सामने खडा शोलो की ओर देख रहा था। उसने मेरी के गाउन की सरसराहट सुनी तो उसकी ओर देखा ।

'ओह ! आज रात हमारी बिल्ली की पूछ बहुत लम्बी है । मेरा विचार है कि यदि यह पूछ सिर के अधिक निकट होती तो अधिक सुन्दर लगता ।'

उन्होने ईस्ट रूम मे अतिथियो का स्वागत किया । जब सब अतिथियो से हाथ मिला चुके तो ग्रीन, ब्ल्यू और रेड बैठको मे गए । बरामदे के एक कोने मे नौसेना का बैंड बज रहा था । अब्राहम को नृत्य न करने का आदेश नही देना

पडा क्योकि नौ बजे तक इतनी भीड हो गई कि उसमे नृत्य करना तो एक ओर रहा, घूमना भी कठिन था।

बीच-बीच मे मेरी तीन बार पिछली सीढियो के मार्ग से विलियम के कमरे मे गई और इसी बीच अब्राहम भी दो बार वहा गया। बालक नीद मे कभी-कभी चिल्ला पडता था, किन्तु श्रीमती डिक्स ने बताया कि उसे किसी चीज़ की आवश्यकता नही।

जब मेरी और अब्राहम ग्यारह बजे खाने के कमरे मे पहुचे तो उन्हे पता लगा कि प्रबधक ने शाम को दरवाजा बन्द किया था और उसने ताली खो दी है। भीड रेड रूम और उसके पीछे ब्ल्यू रूम मे एकत्र हो गई, तभी किसीने कहा, 'सेनापतियो की मूर्खता के कारण सेनाए आगे नही बढ रही।'

आखिर जब दरवाज़े खुले तो मेरी यह देखकर हर्षमिश्रित आश्चर्य के भाव से चकित रह गई कि मेज़ पर बहुत सुन्दर ढग की बनी हुई मिठाइया रखी हुई है, बीच मे रखी हुई वस्तु 'यूनियन' नामक जहाज़ के आकार की थी जिसपर सितारो की धारियो का अमेरिकन झडा लगा हुआ था। एक ओर की मेज़ पर चीनी का फोर्ट समटर का नमूना बना हुआ था। एक जापानी प्याला शराब से भरा हुआ था। एक मिठाई की बनी हुई जलपरी जल-प्रपात पर खडी दिखाई गई थी। मेज़ पर तीतर, मुर्ग, बत्तख, बटेर और हिरन आदि का भुना हुआ मास रखा हुआ था और उसके चारो ओर मक्खी के छत्तो मे फल की बनी हुई क्रीम रखी थी।

जब सब अतिथि चले गए उस समय तीन बज चुके थे। सभी लोगो ने यही कहा कि गतवर्षों के सभी सहभोजो मे यह सर्वोत्तम था।

मेरी थकावट से चूर हुई अपने कमरे मे गई।

टाड धीरे-धीरे सशक्त हो गया, किन्तु विलियम अधिक पतला और दुर्बल होता चला गया। यद्यपि मेरी निरन्तर ध्यान रखती थी, किन्तु वह तब तक नही घबराई जब तक कि डाक्टर स्टोन ने उसे यह न बता दिया कि रोग मियादी बुखार का रूप धारण कर रहा है। डाक्टर स्टोन की सहमति से उन्होने डाक्टर नील हाल को परामर्श के लिए बुलाया।

१६ फरवरी को स्टाडार्ड एक लिपटे हुए समाचारपत्र की प्रति लेकर मेरी के पास आया।

'श्रीमती लिंकन, इसपर व्यक्तिगत और गोपनीय लिखा हुआ है, क्योकि यह आपके घर के निकट के एक गाव मे आया है अत मैने यह सोचा कि यह आपके किसी सम्बन्धी का है और मैंने इसे नही खोला।'

मेरी ने उसका धन्यवाद किया और फिर कागज को खोला तो उसमे उसे १५ फरवरी के मेनार्ड, इलीनाइस, एक्सिस नामक पत्र की प्रति मिली। उसमे जान हिल सम्पादक का दो स्तम्भ का लम्बा एक सम्पादकीय था जिसके पार्श्व मे निशान लगे हुए थे। यह न्यूसलेम मे अब्राहम के प्रारम्भिक जीवन की कहानी थी। उसमे एक पैरे पर अधिक निशान लगे थे :

'वह अब एक नये दृश्य का अभिनेता बन गया। उसे एक महिला से मिलने का अवसर मिला, जिसे वह सब प्रकार से अपने आप मे पूर्ण मालूम हुई। वह उसके विचारो और स्वप्नो की स्वामिनी बन गई। उसने तुरन्त उस रमणी को अपने विचारो से अवगत कराया और प्रत्युत्तर मे उससे प्रेम पाकर उसे प्रसन्नता हुई। अब्राहम को इससे बडा आनन्द मिलता था और वह उस दिन की प्रतीक्षा करने लगा जिस दिन वे एक आत्मा दो शरीर हो जाएगे। किन्तु विधि का विधान ऐसा था कि वह दिन कभी न आया। उस महिला का सौन्दर्य रोग से क्षीण हो गया और वह स्वर्ग सिधार गई। युवक ने अपना हृदय ही अपनी प्रेमिका को दे डाला था। इससे अधिक वह कर भी क्या सकता था। मृत प्रेमिका के शव के साथ वह कब्रिस्तान गया और जब उसके कफन पर मिट्टी के ढेले डाले जा रहे थे तो उस युवक की यही आकाक्षा थी कि वह भी उसके साथ कब्र मे सदा के लिए सो जाए। उसके जीवन मे घोर उदासी छा गई। उसके मित्रो ने देखा कि उसका व्यवहार विचित्र हो गया है और वह कल्पना के लोक मे ही भ्रमण करता रहता है। इस भय से कि कही वह आत्महत्या न कर ले, उसके मित्रो ने उसपर कडी निगरानी रखी।'

मेरी का शरीर अकड गया। वह कुछ सोचने अथवा समझने के योग्य नही रही। उसकी दृष्टि पुन गहरी स्याही से चिह्नित पैरे की ओर गई : 'वह उसके अतिरिक्त और किसीके सम्बन्ध मे नही सोच सकता था और हर समय इसी स्वप्न-लोक मे विचरण करता रहता था कि वे दोनो कब एकात्म हो जाएगे ''

उसके मृत शरीर को कब्र मे रखे जाते समय वह इच्छा कर रहा था कि उसे भी उसके साथ कब्र मे गाड दिया जाए।'

सर्वप्रथम मेरी के मन मे यह विचार आया कि हम लोगो की दृष्टि मे कितने हीन हो चुके है ! यह कहानी कल्पना के अतिरिक्त और कुछ नही हो सकती। क्या अब्राहम ने उससे यह नही कहा था कि उसने अपने जीवन मे उसके अतिरिक्त और किसी नारी से प्रेम नही किया है ? तो फिर वह और किसकी ओर सकेत कर सकता था ? अब्राहम ने मेरी ओवेन्स से कभी भी प्रेम नही किया था और न उसकी मृत्यु ही हुई थी, उसने अब्राहम को ठुकरा दिया था और उसे छोडकर चली गई थी। केन्टुकी मे लिकन के फार्म के निकट जो लडकी रहती थी, उसको अब्राहम अवश्य चाहता था, किन्तु इस बारे मे अब्राहम ने स्पष्ट रूप से नि सकोच होकर यह स्वीकार किया था कि वह उसे बुद्धू समझा करती थी और उससे दूर रहती थी। अब्राहम ने केट रोबी नाम की एक लडकी के बारे मे भी बताया था जो उसके साथ ही किसी देहाती स्कूल मे पढती थी, जिसकी उसने एक अक्षर-विन्यास परीक्षा मे 'डिफीड' शब्द मे अपनी आख की ओर सकेत करके उसकी सहायता की थी। न अब्राहम और न किसी अन्य व्यक्ति ने ही कभी इस बात की चर्चा की कि वह इस नवयुवती से प्रेम करता था, और वह भी उससे प्रेम करती थी और उससे उसकी सगाई हुई थी और उसकी मृत्यु ने उसे इस लेख के अनुसार क्या लिखा है उसमे ?

'उसके जीवन मे घोर उदासी छा गई, उसके जीवन मे परिवर्तन आ गया और वह उदास हो गया। उसके मित्रो ने देखा कि उसका व्यवहार कुछ विचित्र-सा हो गया है · '

मेरी उठ खडी हुई। उसके हाथ मे समाचारपत्र था और अब्राहम के कार्यालय मे जाने के लिए द्वार की ओर बढी। किन्तु ज्योही उसका हाथ साकँल तक पहुचा मेरी का सिर झुक गया, उसके मन मे एक दर्द उठा। उसने अनुभव किया कि वह इस विषय मे अब्राहम से बात न कर सकेगी, कम से कम इस समय तो नही·· ।

द्वार से लौटते समय भी उसे इस बात पर बडा ही क्रोध आया कि एक बुरी रुचि वाले व्यक्ति ने जान-बूझकर ऐसा लेख लिखा था और इसी उद्देश्य से अब्राहम की प्रशसा की थी कि उसके प्रारम्भिक जीवन के दु:खान्त प्रेम की

कल्पित कथा चारो ओर विख्यात हो और इससे राष्ट्रपति के परिवार मे झगडा पैदा करने के अतिरिक्त और कुछ भी लाभ न हो।

और इस शुभचिन्तक, गुमनाम मित्र ने 'मेनार्ड एक्सिस' के इस अक को उसके पास भेजने तथा साथ ही उसमे चोट पहुचाने वाले इस पैरे को रेखाक्ति करने से, जिससे वह मेरी की दृष्टि से रह न जाए, कितना कष्ट उठाया है ?

मेरी ने उस पत्र को अपनी मेज की पीछे वाली दराज़ मे रखकर ताला लगा दिया और स्वय विलियम के कमरे मे चली गई।

विलियम बहुत ही कमज़ोर हो गया था। श्रीमती केकली जो थोडा शोरबा बनाकर लाई थी, वह उसने उसको पिलाने का प्रयत्न किया, किन्तु विलियम को उसे पीने मे काफी कष्ट हुआ। मेरी ने धैर्य न छोडा, और आशा बनाए रखी तथा पीले और दिन पर दिन दुर्बल होते हुए बच्चे को देखकर भी उसने अपने आसू नही बहने दिए। किन्तु जब तीसरे प्रहर विलियम ने न्यूयार्क एवन्यू के प्रेस्बीटेरियन चर्च के पादरी से कहा

'डाक्टर गर्ले, मेरा जो धन बैक मे जमा है, उसे आप कृपा करके किसी धार्मिक सस्था को स्कूल के वास्ते दान मे दे दे,' तो मेरी फफक-फफक रोने लगी मेरे भगवान्, इसका क्या अर्थ है ? क्या विलियम जानता है कि वह मरने वाला है ? मेरी ने दु खी होकर अब्राहम की ओर देखा। क्या उसे बच्चे के स्वस्थ होने की कोई आशा नही रह गई ? वह ऐसे विचार अपने मन मे नही आने देगी !

अगले दिन अब्राहम दफ्तर नही गया। अब्राहम और मेरी बच्चे के पास ही बैठे रहे। तीसरे प्रहर के कुछ ही समय बाद विलियम का देहान्त हो गया। मेरी उसके बिस्तर के पास ही घुटनो के बल गिर पडी और उसने चादर मे अपना मुह छिपा लिया। तभी उसने अब्राहम को यह कहते हुए सुना :

'मेरा बेटा चला गया—वह सच मुझसे दूर चला गया।'

मेरी को बेहोशी के दौरे पडने लगे, उसका अग-अग दर्द से टूट रहा था और उसका दिमाग फटा-सा जा रहा था। धीमे स्वर मे वह सुन पाती थी कि अब्राहम उसको सान्त्वना दे रहा है। गर्म जल मे भीगे हुए वस्त्र से मुह धोते समय श्रीमती केकली उससे कुछ कह रही है तथा नर्स भी उससे कुछ सात्वना भरे शब्द कह रही है। ओरविल ब्राउनिंग, जो स्टीफेन डगलस के स्थान पर इलीनाइस से सीनेटर चुना गया था, अपनी पत्नी के साथ आया। अब्राहम ने उनके लिए अपनी बग्घी भेज दी थी। किसी ऐसे व्यक्ति का उसके साथ रहना जो उसके घर का हो, विवाह से पूर्व उनको जानता हो, विलियम को जन्म से जानता हो, अच्छा ही था।

अकस्मात् राबर्ट भी हार्वर्ड से आ गया और कमरे मे प्रविष्ट हुआ। मेरी का सबसे बडा पुत्र उसके पास सन्तप्त-चुपचाप खडा हो गया।

मेरी को झपकी आ गई। प्रात काल हुआ। अब्राहम उसके पलग के पास दु खी भाव से उसकी ओर झुके हुए बैठा था। अब्राहम ने दु ख से सास भरते हुए कहा, 'विलियम का मरना तो गजब हुआ ही, किन्तु मेरी, अब उसके बिना हमारा जीना ही कठिन हो गया है। पादरी गर्ले पूर्वी कमरे मे प्रार्थना कर रहे है। हमारे सारे मित्र वहा उपस्थित होंगे ''विली के मित्र भी '

मेरी ने अपनी आखे बन्द कर ली और अपना मुह तकिये मे छिपा लिया। अब्राहम ने उससे और अधिक कुछ नही कहा।

बोझिल पैरो के इधर-उधर चलने की आवाज़ को सुनकर मेरी चौक उठी। वह पहचान गई कि अब्राहम ही कमरे मे इधर से उधर चक्कर लगा रहा है। उसके रुकते ही उसने सुना कि अब्राहम सिसकिया ले-लेकर रो रहा है।

मेरी ने कम्बल एक तरफ को हटा दिए, स्लीपर पहने, अपने झुके हुए कधो पर चादर ओढी और द्वार से निकलकर अपने पति के शयन-कक्ष मे गई। उसने देखा कि अब्राहम कुर्सी पर बैठा हुआ और लम्बी तथा पतली उगलियो से अपने मुह को छिपाये हुए जोर-जोर से सिसकिया भर रहा है जिससे उसका शरीर हिल रहा है। पर्दे गिरे हुए थे और कमरे मे अधेरा था। मेरी उसके पास गई,

उसकी गोदी मे गिर पडी, उसके चेहरे से धीरे-धीरे उसके हाथो को हटाया और उसके गीले कपोलो तथा नेत्रो को चूम लिया।

'अब्राहम, तुम मत रोओ, तुम मत रोओ '

'आज गुरुवार है, केवल एक सप्ताह ही तो हुआ है , उसकी मृत्यु असहनीय है, मेरी।'

'प्रियतम, एडी की मृत्यु पर तुमने जो कुछ मुझसे कहा था, क्या वह तुम भूल गए ? परमपिता ही देने वाला है और वही लेने वाला है। यदि उस समय तुम्हारा यह विश्वास था, तो अब भी वही विश्वास करना चाहिए।'

कहने को तो मेरी कह गई, किन्तु उसने उस समय यह अनुभव किया कि पहले और अब मे मूल अन्तर क्या है। तब वे दोनो नौजवान थे और एडवर्ड के स्थान पर और पुत्र हो सकते थे, किन्तु अब और कोई बच्चा नही हो सकता था।

'केवल विली ही नही, और भी बहुत-से बच्चे युद्धक्षेत्र मे मर रहे है'·· बुल रन, बाल ब्लफ आदि युद्धक्षेत्रो मे अनेक बच्चे वहा मर चुके है और, और भी मरेंगे·· बिना सोचे-समझे और बिना किसी आवश्यकता के। मेरी, क्या तुम्हारा यह विचार है कि यदि हम स्प्रिंगफील्ड मे होते, यदि स्टीफेन डगलस राष्ट्रपति बन जाता, तो किसी भी मा-बाप को अपने पुत्र न खोने पडते ?'

मेरी अपने कपोलो को उसके कपोलो के साथ तब तक लगाए रही जब तक अब्राहम को ढाढस नही बधा। अब्राहम ने स्टूल पर रखे हुए बर्तन मे शीतल जल से मुह धोया। बाहर किसीने द्वार खटखटाया। अब्राहम ने द्वार खोला और देखा कि निकोले खडा है।

'श्री राष्ट्रपति, मैंने आकर बाधा पहुचाई, इसके लिए कृपया क्षमा करे; किन्तु स्याम के राजा का प्रतिनिधि इस सप्ताह मे तीसरी बार आया है और मेरे कार्यालय मे बैठा है। वह यह जानना चाहता है कि स्याम का राजा आपको जो हाथियो के बच्चे भेजना चाहता है, क्या आप उन्हे स्वीकार कर लेगे ?'

अब्राहम ने गम्भीरतापूर्वक मुस्कराते हुए मेरी की ओर देखा।

'कृपया स्याम के राजा को सूचना दे दीजिए कि मैं आदरपूर्वक इसे अस्वीकार करता हू। मेरे पास इस समय एक इतना बडा हाथी बधा है कि मेरा सारा ध्यान उसीपर केन्द्रित है और राष्ट्र के चुने हुए विद्वानो को इस सम्बन्ध

मे बडी चिन्ता है कि उसके साथ क्या किया जाए।'

मेरी ने अपने पति का दुःख तो कम कर दिया किन्तु वह अपना दुःख कैसे कम करे ? अपने शयन-कक्ष मे अकेले रह जाने पर उसने फिर कम्बल से अपना मुंह छिपा लिया और रो पडी। बार-बार वेदना तथा कष्ट भरे दौरे पडने से मेरी का स्वास्थ्य बिगड गया। उसे विलियम से बहुत स्नेह था और विलियम भी अपने स्नेहपूर्ण स्वभाव से अपनी मा को पूर्ण हृदय से प्रेम करता था। मेरी ने वे भयावनी घडिया कैसे बिताई और दुःख से भरे लम्बे-लम्बे दिन कैसे काटे ? वह बिस्तर से बाहर कैसे निकल सकी, कपडे पहन सकी, घर का काम-काज कर सकी, स्वागत-समारोहो मे जा सकी और एक पत्नी के कर्तव्य पूरे कर सकी ?

उस रात को नौ बजे एलेज़बेथ एडवर्ड के साथ ब्राउनिंग आ पहुची। बडी हड्डी तथा भूरे केश वाली एलेज़बेथ के स्वस्थ चेहरे और शान्त स्वभाव को देखकर मेरी को ढाढस बधा। मेरी को उस दिन का स्मरण हो आया जबकि एक पिकनिक पर वह हेनरी क्ले का भाषण सुन रही थी, उसे तुरन्त घर चले आने की सूचना मिली थी। प्रत्येक व्यक्ति की विचित्र दशा हो रही थी। नानी पारकर सिसक-सिसककर रो रही थी और ग्यारह वर्ष की एलेज़बेथ ने उसके कधे पर हाथ रखकर कहा था, 'आओ मेरी, तुम मेरे साथ ऊपर वाले कमरे मे चलो,' और उस समय से उसने उसकी मृत मा का स्थान ले लिया था। एलेज़बेथ ने ही उसको स्प्रिंगफील्ड बुलाया था और उससे कहा था कि उसके घर मे 'रिक्त स्थान' है।

एलेज़बेथ पलग के किनारे पर बैठ गई। उसने मेरी को अपनी भुजाओ मे ले लिया। मेरी चीख मार-मारकर रोती रही और अन्त मे निढाल होकर तकिये पर जा पडी।

जब मेरी बिस्तर से उठने योग्य हो गई तो प्रिंस आफ वेल्स के कक्ष मे, जहा विलियम मरा था, नही जा सकी। उसके द्वार मे ताला लगा दिया गया था। न मेरी उस कमरे मे जा सकी जहा विलियम का शव रखा गया था। उसने सारी दावते रद्द कर दी, तीसरे पहर के बाद एलेजबेथ उन लोगो से मिल लेती थी जो सहानुभूति प्रकट करने आते थे। जब शनिवार को तीसरे पहर राष्ट्रपति के पार्क मे, जहा वाशिंगटन के सभी लोग वसन्त की सुहावनी ऋतु मे हाथ मे हाथ डाले टहलते फिर रहे थे, नौसेना का बैंड बजा तो मेरी ने अब्राहम से उसे बन्द

कराने को कहा। अब्राहम ने मेरी से आग्रह किया कि वह अधिक भावुकता मे न पडे और अपने पर नियत्रण रखे, किन्तु फिर जब ४ मार्च को उसके सचिव पुस्तकालय मे उसको सयत रूप से बधाई देने आए तो अब्राहम ने धीरे से दोहराया :

'आज ४ मार्च है और एक वर्ष से मै अमेरिका के राष्ट्रपति-पद पर हू और यदि आपमे से किसीका यह विचार हो कि अमेरिका का राष्ट्रपति होना बहुत अच्छा है, तो वह इस पद को सभाल कर देखे।'

वसन्त प्रारम्भ होते ही मेरी सिर-दर्द से इतनी अधिक पीडित रहने लगी कि उसे अपने आपको प्रकाश से बचाना पडता, अचानक शोर-गुल सुनने पर वह सिर से पैर तक काप उठती। एलेजबेथ के घर मे बिताए बीस मास के जीवन मे, जब अब्राहम उसके जीवन से दूर हो गया था, उस समय मेरी ने जितनी दुर्बलता और मूर्छा की सी स्थिति अनुभव की थी वैसी ही अब वह कई बार अनुभव करती थी। कई-कई दिन वह बिस्तर से ही नही उठती और शोक की मूर्ति बनी बैठी रहती। कभी-कभी वह श्रीमती केकली द्वारा तैयार किए गए अमगलसूचक वस्त्र पहन लेती, नित्यप्रति के काम मे व्यस्त हो जाती; खाने की मेज पर स्वामिनी की तरह मुख्य स्थान ग्रहण करती, किन्तु उसे इस बात का ज्ञान नही रह गया था कि कल कौन-सा दिन होगा।

अप्रैल के प्रथम सप्ताह के अन्त मे टेनेसी मे शिलोह के स्थान पर भीषणतम युद्ध हुआ। विद्रोहियो ने अचानक जनरल यूलिसेस एस० ग्राट पर आक्रमण कर दिया। जनरल ग्राट ने अपनी सेना का पुन सगठन किया और विद्रोहियो पर आक्रमण कर दिया और उन्हे रणक्षेत्र से मार भगाया। यह युद्ध की प्रथम बडी विजय थी किन्तु सघ के तेरह हजार से अधिक सैनिको के मरने, जख्मी होने अथवा विद्रोहियो के हाथो मे पड़ जाने से ह्वाइट हाउस उद्विग्न हो उठा। सम्पूर्ण उत्तरी भाग त्रस्त हो उठा और उसने जनरल ग्राट को इस हत्या का उत्तरदायी ठहराया।

अब्राहम ने मेरी को बताया कि पेनसिलवानिया का राज्यपाल कुर्टिन, जो कि उसका बहुत बडा समर्थक है, हैरिसबर्ग से अलेग्जैडर के० मैकल्यूर को उसे इस बात के लिए सहमत करने के लिए भेजा है कि जनरल ग्राट को पदच्युत कर दिया जाए। हे, मैकल्यूर को पुस्तकालय मे ले आया। मेरी और उसके बीच

अभिवादन का आदान-प्रदान नही हुआ। वह आते ही जनरल ग्राट के विरुद्ध आग उगलने लगा, उसने उसको कसाई और शराबी बताया और कहा कि सम्पूर्ण उत्तरी भाग यह चाहता है कि उसे नौकरी से अलग कर दिया जाए।

मेरी को ऐसा प्रतीत हुआ कि मैकल्यूर से ग्राट को पदच्युत करने के लिए राष्ट्रपति कोई परामर्श न देकर उसको आदेश दे रहा है। अब्राहम गहन विचार मे मग्न था, उसका सिर झुका हुआ था। फिर धीरे-धीरे उसने अपना सिर ऊपर उठाया और कहा ·

'मै उस आदमी को नही हटा सकता, वह अच्छा योद्धा है।'

उस रात्रि को मेरी ने अनुभव किया कि एलेजबेथ उससे कुछ कहना चाहती है। एलेज़बेथ ने गहरी सास ली

'मेरी, मेरा विचार है कि अब मै तुम्हे बता ही दू हमारा भ्राता सैमुअल शिलोह के युद्ध मे······ ग्राट के विरुद्ध लडते हुए मारा गया है।'

'····· सैम मर गया '

मेरी के मस्तिष्क मे सुन्दर, चमकीले चेहरे वाले अपने भाई सैमुअल का, जोकि उसके समान ही विनोदप्रिय और उत्साहपूर्ण था और बेधडक घुड-सवारी करता था····· चित्र उभड आया। फिर यह चित्र उसकी आखो के सामने से विलीन होता गया और वह सोचने लगी कि सैमुअल भी चल बसा था। उसका हृदय दु ख से भर गया और वह एलेजबेथ से बोली

'मुझे उसकी याद बहुत सताती है और इच्छा होती है कि मैं भी मर जाऊ।'

मेरी फिर रोगग्रस्त हो गई। अप्रैल के पूरे मास वह बिस्तर पर ही पडी रही। जब कभी-कभी वह दर्पण मे अपना मुख देखती तो उसे अपनी आखो के नीचे वाले गड्ढे दिखाई देते और उसे अपनी आखो को देखकर भय लगने लगता था। मेरी की यह समझ मे नही आता था कि यदि एलेज़बेथ आकर उसकी सहायता न करती तो वह क्या करती।

· अन्त मे टाड के अकेलेपन मे मेरी का एकाकीपन विलीन हो गया।

'मा, मैं अपने साथ खेलते-खेलते थक चुका हू। मै किसीके साथ मिलकर खेलना चाहता हू।'

'मेरे टैडी, तुम्हे विली का अभाव अवश्य खलता होगा, क्यो है न ? हम

दोनो अस्तबल चलकर तुम्हारे खरगोशो के लिए घरो का प्रबन्ध करेगे।'

मेरी को टाड से और भी अधिक प्रेम हो गया क्योकि विलियम की मृत्यु से टाड की उतनी ही हानि हुई थी जितनी मेरी की। मेरी टाड के साथ अधिक समय व्यतीत नही कर रही थी क्योकि एक दूसरे को देखते ही उन्हे विलियम का ध्यान हो आता था। किन्तु अब्राहम ने अपना सारा ध्यान टाड पर केन्द्रित कर दिया। वह टाड के कमरे मे छोटी-सी मेज पर बैठकर अपना काम करता रहता और अपने पुत्र से कहता रहता, 'जब सरकारी काम के लिए मुझे हस्ताक्षर करने होते हैं तो मुझे अब्राहम लिकन लिखना पडता है किन्तु मुझे ए० लिकन अधिक पसन्द है।' अपने पिता जी को अपने पास काम करते हुए देखते रहने से टाड बहुत प्रसन्न रहता।

मई का महीना बीत गया और जून प्रारभ हो चुका था और उसके साथ ही ग्रीष्म ऋतु भी आ गई। मेरी को इसके अतिरिक्त और कुछ पता न था कि युद्ध रुका हुआ है और अब्राहम जनरल मैक्लेलन को आक्रमण करने के लिए तैयार नही कर सका था क्योकि जनरल को इस बात का पूरा विश्वास था कि संघ के पास कितनी भी सख्या मे सैनिक, बन्दूके अथवा घोडे हो, कान्फेडरेसी के समर्थको के पास यह सब चीजे उनसे अधिक ही है।

कई-कई दिन और कभी-कभी कई-कई सप्ताह मेरी के दु ख की सीमा ही न होती और वह कमरे मे पडी कई-कई घण्टे रोती रहती। अब्राहम प्रेम और सान्त्वना से भरी बाते करता, किन्तु फिर भी मेरी को सतोष न होता। उन्ही दिनो समाचारपत्रो मे बान प्वाइट नाम की एक लम्बी और क्षीण स्त्री अध्यात्मवाद के विषय पर लेख लिखा करती थी जो समाचारपत्रो मे छपते थे। क्योकि युद्ध प्रारम्भ होने से बहुत-से लोग आध्यात्मिक सभाओ मे जाने लगे थे, अत समाचारपत्रो ने भी इस विषय पर खूब लेख प्रकाशित करना प्रारम्भ कर दिए थे। उस स्त्री ने मेरी से कहा कि वह भी उसके साथ आध्यात्मिक सभा मे चला करे।

'कल मेरे साथ जार्ज टाउन मे श्रीमती लारी के यहा अवश्य चलिए। वह विलियम से सीधा सम्पर्क स्थापित करके तुमको यह बता देगी कि दूसरी दुनिया में उसका जीवन कैसा है।'

मेरी ने मना कर दिया किन्तु रात्रि भर वह सो नही सकी। जब अगली सुबह श्रीमती बान प्वाइट ने फिर इसके लिए आग्रह किया तो मेरी मे इतनी

शक्ति नही रह गई थी कि वह मना कर सके। श्रीमती लारी के यहा मेरी एक अधेरे कमरे मे एक मेज के चारो ओर अपरिचितो के साथ हाथ मे हाथ डाले बैठी रही। उसे कुछ ऐसी आवाजे सुनाई दी जैसे भूत नाच रहे हो, ढोल बज रहे हो और दूर पर घटिया बज रही हो। विलियम के जीवन की गूढ बाते मेरी को बताई गई। तो क्या श्रीमती लारी वास्तव मे विलियम की आत्मा से बातें कर रही थी ? श्रीमती लारी स्वय ही प्रश्न करती थी और विलियम की ओर से स्वय ही उत्तर देती थी। वह दूसरी दुनिया मे एडवर्ड के साथ रह रहा था। उसको इस बात का दु ख था कि मेरी इतना शोक मना रही है। उस रात वह ह्वाइट हाउस मे उसके शयन-कक्ष मे उससे मिलने आएगा।

मेरी घर आते ही बिस्तर पर जा लेटी। सूर्य अस्त होने पर उसे कुछ खाने को दिया गया और वह थकान के कारण सो गई। कुछ घटे पश्चात्—मेरी को केवल इतना ही पता था कि रात्रि गहन-अन्धकारपूर्ण तथा नीरव है—मेरी ने अर्धजाग्रतावस्था मे अपने बिस्तर के नीचे अलौकिक प्रकाश का अनुभव किया और उसे ऐसा प्रतीत हुआ कि विलियम स्वाभाविक मुस्कराहट के साथ उसके समक्ष खडा हुआ है।

मेरी तकिये से उछलकर बैठ गई। उसी समय वह प्रकाश विलीन हो गया। विलियम अन्तर्धान हो गया। सिर से पैर तक कापते हुए वह जैसे-तैसे बिस्तर से उठी, कपडे और स्लीपर पहने और अब्राहम के कमरे मे जा पहुची। मेरी ने देखा कि वह जाग रहा है और बाइबिल पढ रहा है। मेरी हर्ष के भावावेश मे अब्राहम के वक्षस्थल पर जा पडी।

'अब्राहम, विलियम जीवित है, विलियम जीवित है। यदि मैं विश्वास करू तो वह हर रात्रि को मुझसे मिलने आ सकता है।'

अब्राहम ने उसको लिहाफ ओढाया और उसके कधो के चारो ओर कम्बल लपेट दिया, ताकि उसका कापना रुके और फिर अच्छी तरह से उसे अपनी भुजाओ मे कस लिया।

'मेरी, तुम इन बातो पर विश्वास मत करो। यह लोग दुःखी हृदयो को अपना शिकार बनाते है। आत्माओ मे विश्वास करने की तुममे जो इच्छा उत्पन्न हुई है उसका कारण तुम्हारी बीमारी ही है। मुझे वचन दो कि इन बातो पर फिर विश्वास नही करोगी।'

मेरी ने कोई उत्तर नही दिया । अगले दिन प्रात.काल जब अब्राहम उसके कमरे मे आया तो देखा कि मेरी खिडकी के पास खडी है और उसकी आखे लाल और सूजी हुई है । उसने मेरी की कमर मे हाथ डालकर कहा .

'मेरी, सामने पहाडी पर वह हस्पताल देख रही हो न ? इस हस्पताल मे अधिकाश लोगो को केवल इसलिए ही आना पडा है कि वे अपनी भावनाओं पर नियन्त्रण नही पा सके।'

मेरी उसके बन्धन से अलग हुई । अब्राहम की चेतावनी जितनी मेरी के लिए थी उतनी स्वय उसके लिए भी प्रतीत होती थी ।

'आज तीसरे पहर मैं ज्यूडीशियरी स्क्वेयर के हस्पताल का निरीक्षण करने जाऊगा। तुम भी मेरे साथ चलो।'

मेरी ने काले वस्त्र धारण किए और क्रेप की एक लम्बी ओढनी ओढ ली। हस्पताल के भोजन-कक्ष मे उन्होने उन रोगियो से हाथ मिलाया जो स्वस्थ हो रहे थे और उनके कुटुम्ब व घर के बारे मे एक दो प्रश्न पूछे। इसके पश्चात् वे कमरो मे गए। यहा पर हाथ नही मिलाए गए, वातावरण मे मृत्यु मडराती हुई दृष्टिगोचर हो रही थी और प्रतीत होता था कि प्रत्येक के सीने पर असख्य जख्म लगे हुए हो। नवयुवक, जो पीले पडे हुए थे, जिनके चेहरो पर केवल हड्डिया ही दिखाई देती थी, जिनमे से किसीका हाथ नही था और किसीकी टाग नही थी, बुखार से जल रहे थे। मेरी प्रत्येक बिस्तर के पास जाकर खडी हो जाती, बात करने योग्य रोगियो से बात करती और जो रोगी नही बोल सकते उनके सूखे होठो और सूखी आखो का अपने हाथो से स्पर्श करती।

जब वे दोनो बग्घी पर वापस आए तो मेरी बोली, 'मैंने अपने व्यक्तिगत दु ख पर जो आसू बहाए, उनको सोचकर मुझे लज्जा आ रही है। वे आसू यदि इन रोगियो और मरणासन्न नवयुवको के लिए तथा उनकी माताओ के लिए, जो यहा उनकी देखभाल तथा परिचर्या के लिए नही आ सकती, बहाए जाते तो अच्छा रहता।'

'मेरी, अपने आपको बुरा-भला मत कहो। सबके प्रति सहानुभूति प्रकट करने के लिए अभी पर्याप्त मात्रा मे आसू है।'

उस रात मेरी ने भूतो के बजाय जीवितो के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

मेरी वाटिका मे गई और वहा से सारे खिले हुए पुष्पो को तोडकर लाने

को कहा और अपने तीसरे पहर के समय को रोगियो के कमरो मे व्यतीत करने के लिए वह ज्यूडिशियरी स्क्वेयर हस्पताल गई। वहा उसने रोगियो के तकियो पर ताजे पुष्प रखे, उन रोगियो से जो अपने जीवन से निराश हो चुके थे और जो बडी दूर से आकर यहा पर अकेले पडे हुए थे और मरने से पूर्व ही जिनके नेत्रो मे मृत्यु झलक रही थी, उनसे मेरी ने ढाढस बधाने वाली तथा आशा का सचार करने वाली बाते की।

अब मेरी ने दूसरे हस्पतालो के भी चक्कर काटने आरम्भ कर दिए। वह मिनेसोटा रो तथा आई स्ट्रीट पर डगलस हस्पताल, जो शल्य-चिकित्सको के हस्पताल के रूप मे विख्यात था और यूनियन होटल हस्पताल, जिसके सीलन भरे गलियारो से दुर्गन्ध निकल रही थी, जिसके एक-एक कमरे मे चालीस-चालीस रोगी थे और जिनका वातावरण आसपास रसोईघरो तथा अस्तबलो के होने से बडा गन्दा हो रहा था और रोगी मैले-कुचैले कम्बलो मे पडे हुए थे, देखने गई। साथ ही वह गिरजाघरो तथा कारखानो द्वारा व्यवस्थित हस्पतालो और पेटेन्ट आफिस के अजायबघर को भी जिसके प्रत्येक कमरे को वार्ड मे परिवर्तित कर दिया गया था, जिसके सगमरमर के फर्श को अच्छी तरह धो दिया गया था और जिसपर देश भर की स्त्रियो ने, जो यहा नर्स बनने आई थी, चटाई बिछा दी थी, देखने गई।

प्रतिदिन मेरी अकेली ही किसी नये हस्पताल को देखने जाती। किसीको पता नही होता था कि मेरी हस्पताल का निरीक्षण करने आ रही है और कुछ-एक स्थानो पर लोग उसे पहचान सके थे। जब मेरी को पता लगा कि रोगियो को छोटी-छोटी चीज़े जैसे मिश्री, केक, मुरब्बे आदि के लिए भी तरसाया जाता है, तो उसने यह आदेश दे दिया कि राष्ट्रपति के लिए भेट के रूप मे जो भी मिष्टान्न की वस्तुए अथवा शराब इत्यादि आए वह सब वस्तुए हस्पतालो मे पहुचा दी जाए और उसने रसोइयो से भी आग्रह किया कि फालतू समय मे वे जितना और खाना पका सके, पका दिया करे।

जब मेरी को पता चला कि हस्पतालो मे रविवार के दिन विशेष भोजन का कोई प्रबन्ध नही है, तो उसने ह्वाइट हाउस का भोजन-भडार खाली कर दिया और जब उसने देखा कि इससे काम नही चलेगा, तो उसने अपनी बचत मे से सौ डालर निकाले और वाशिगटन के प्रत्येक हस्पताल मे उस साप्ताहिक छुट्टी

के लिए काफी सामान भेज देने का आदेश दे दिया।

वार्डो के उदास वातावरण मे मेरी के आने से रोगियो के चेहरो पर जो हर्ष के भाव झलक जाते थे, उससे मेरी के टूटे हुए हृदय को भी आनन्द मिलता था। कुछ ही दिनो मे मेरी ने सैकडो जख्मी नवयुवको के नाम, और उनके घर के पते जान लिए और उनकी पारिवारिक बातो से परिचित हो गई। मेरी अपने साथ पत्र लिखने का आवश्यक सामान ले जाती और जो लडके पत्र लिखने के योग्य नही थे, उनकी ओर से तीसरे पहर के समय लगभग एक दर्जन पत्र लिखा करती थी।

मेरी प्रिय श्रीमती वर्डिन,

मैं आपके प्रिय पुत्र के निकट बैठी हुई हू और उसकी ओर से आपको पत्र लिख रही हू। वह बीमार और जख्मी है, किन्तु अब उसकी हालत अच्छी हो रही है। वह कहता है कि उसके लिए कोई चिन्ता न करे क्योकि शीघ्र वह स्वस्थ होकर वापस आएगा।

भवदीय,

श्रीमती अब्राहम लिकन

एक वृद्ध डाक्टर ने, जो सेवा-निवृत्ति के बाद इस सकट के समय सहायता करने के लिए आया था, अपने झुरियो पडे हाथो मे मेरी का हाथ ले लिया और वह बोला

'तो यह है वह स्त्री जिसके बारे मे समाचारपत्र कहते हैं कि वह अत्यधिक शोक प्रकट करती है। श्रीमती राष्ट्रपति, मैं चाहता हू कि वाशिगटन की कुछ और नारिया यह समझ सकती कि दु ख होता क्या है तो ये लडके जो घर जाने के लिए तरस रहे है, शीघ्र ही स्वस्थ हो जाएगे।'

हस्पतालो का चक्कर लगाते समय मेरी की केवल एक ही सहेली से भेट होती थी और वह थी आन्तरिक विभाग के सचिव की पत्नी श्रीमती स्मिथ। यह श्वेत केश वाली ममतापूर्ण स्त्री भी इस पुण्यकार्य मे सम्मिलित थी। जो काम एक स्त्री के बस के नही थे, उन्हे इन दोनो ने मिलकर करना आरम्भ किया, उदाहरणत नारगियो और निम्बुओ का प्रबन्ध करना जिनके बारे मे सैनिको का विचार था कि वे रोगियो के लिए आवश्यक नही है, किन्तु डाक्टरो के विचार मे उन्हे इन चीजो की बडी आवश्यकता थी। जब किसी और साधन से

इन चीज़ों का प्रबन्ध नही होता तो मेरी अपनी जेब से उनको खरीद लेती और किसी बात की परवाह न करती। फिर एक रहस्यपूर्ण बात यह भी घटित होने लगी कि घरेलू पुस्तकालय मे सीने-पिरोने की टोकरी मे उसे हर समय कुछ न कुछ धनराशि रखी हुई मिलने लगी।

ह्वाइट हाउस मे मेरी का सहायक और विश्वासपात्र विलियम स्टाडार्ड था। उसकी निष्ठा और सच्चाई मे कभी भी फर्क नही आता था। किसी प्रकार उसके मस्तिष्क मे यह बात समा गई कि राष्ट्रपति की पत्नी की रक्षा करना राष्ट्रपति, प्रशासन और सघ की सेवा करना है। एक दिन प्रात काल जब मेरी समाचार-पत्र पढ रही थी और ह्वाइट हाउस की सभी दावते रद्द करने तथा ग्रीष्म ऋतु मे मैरिन बैड को बजने से रोकने के बारे मे अपने विरुद्ध की गई टीका-टिप्पणी को देख रही थी, तो स्टाडार्ड ने मित्रतापूर्ण ढग मे कहा.

'श्रीमती लिंकन, अपने साथ हस्पतालो मे बाहर के लोगो को न ले जाकर आप बहुत बडा अवसर अपने हाथ से गवा रही है। यदि आप व्यवहार-कुशल होती, तो आप जब भी हस्पताल जाती, अपने साथ समाचारपत्रो के प्रतिनिधियो को, जो स्त्री और पुरुष दोनो ही होते, ले जाती और फिर आपके और रोगियो के बीच जो बातचीत होती, वे अपने आप उसे लिख लेते। सेक्रामेन्टो यूनियन के सवाददाता, नोआह ब्रुक्स का कहना है कि यदि आप ह्वाइट हाउस मे सवाददाताओ को फिर से आने की अनुमति दे दे और केक और काफी से उनका स्वागत किया करे, तो आप कई पत्रो का विषय अपने पक्ष मे कर सकती है' · और मेरी इस रद्दी की टोकरी का तो निश्चित रूप से ही।'

मेरी ने स्टाडार्ड के ऊनी कोट पर अपनी बीच की उगली रखी और मुस्कराते हुए बोली:

'यदि इस सबसे मै आत्मतुष्टि के अतिरिक्त कुछ और लाभ प्राप्त करना चाहती, तो फिर इसका मेरे लिए कोई महत्व ही न रह जाता। बहुत-से कष्ट तो मै स्वय स्वीकार कर लेती हू। सच तो यह है कि बाहर से हमपर जो दुख आते हैं, भाग्य हमे जिन विपत्तियो मे डाल देता है, ईश्वर जानता है कि वे काफी दुखद होती है, किन्तु हम अपने चरित्र तथा व्यवहार द्वारा अपने आपको जिस विपत्ति मे डाल देते है वास्तविक दुर्भाग्य वही होता है, किन्तु मिस्टर

स्टाडार्ड, मेरे इन विचारो की समाचारपत्रो को भनक भी नही मिलनी चाहिए ।'

कुछ दिन पश्चात् स्टाडार्ड भागता हुआ पुस्तकालय मे आया । वह बहुत प्रसन्न था और उसके हाथ मे न्यूयार्क ट्रिब्यून की एक प्रति थी ।

'मैं सौगध खाकर कहता हू कि मैंने इसकी खबर नही दी थी'''। मेरी ने उसके हाथो से पत्र ले लिया और पढने लगी

'हमारे जख्मी सैनिको के कष्टो को दूर करने के लिए श्रीमती लिंकन ने अपनी जेब से वाशिंगटन की प्रत्येक नारी से अधिक अशदान दिया है । प्रतिदिन हस्पताल के सामने उनकी गाडी दिखाई पडती है । और वहा वह ह्वाइट हाउस के रसोइयो मे तैयार की गई स्वादिष्ट वस्तुओ का स्वय अपने हाथो से वितरण करती है ।'

मेरी को वे शब्द याद आ गए जोकि उसने स्टाडार्ड से कहे थे और डा० वार्ड के भी जिसने भविष्य के बारे मे उसे यह कहकर आश्वासन दिया था कि मानव-जीवन मे चरित्र का जितना महत्व है उतना नियति की घटनाओ का नही। उन्होने ठीक ही कहा था । उसके बच्चो की मृत्यु के अतिरिक्त और जो कुछ भी अच्छा या बुरा मेरी के साथ हुआ था, वह स्वय उसकी आवश्यकताओ तथा प्रकृति के परिणामस्वरूप हुआ था ।

ग्रीक लोगो का यह कथन सत्य है कि भाग्य-देवता अनजाने मे ही दर्शन दे जाते है , किन्तु जब किसीको आत्मज्ञान हो जाता है तो उसकी स्वानुभूति कितनी प्रबल हो जाती है।

९१

मेरी की पुरानी रुचिया फिर से जग गई। गत महीनों मे जो कुछ महत्वपूर्ण बातें घटित हो चुकी थी, मेरी उनके बारे मे जानकारी प्राप्त करने के लिए आतुर हो उठी । अब्राहम प्रसन्न था कि अब वह फिर मेरी से बातचीत

कर सकता था।

सर्वप्रथम अब्राहम ने उसको शुभ समाचार सुनाया। सघ ने कुछ विशेष युद्धो मे विजय प्राप्त की थी। २५ अप्रैल को एक नौसैनिक दस्ते ने न्यूग्रोलियन पर अधिकार कर लिया था। भूमि पर अपनी सेना उतार दी थी और विद्रोहियो के सबसे बडे बन्दरगाह का नियत्रण अपने हाथ मे ले लिया था। वह स्वय रिचमाड के ठीक पीछे चेसापीक की खाडी पर स्थित मानरो किले तक गया था, उसने युद्धपोतो को विद्रोहियो के तोपखाने पर आक्रमण करने का आदेश दिया था, सघ की सेना के भूमि पर उतरने के लिए स्थान चुना था जिसके पश्चात् ही सेना ने नारफोक पर कब्ज़ा कर लिया, विद्रोहियो के छ हजार सैनिको को बदी बना लिया और विद्रोहियो को अपने प्रथम जगी जहाज़ 'मेरीमैक' को बारूद से उडाने के लिए बाध्य किया, जिसके बारे मे वाशिगटन के लोगो को बहुत समय से यह भय था कि किसी भी दिन वह जहाज़ पोटोमैक नदी से आकर राजधानी को उजाड देगा। यद्यपि मैक्लेलन को आक्रमण करने के लिए प्रेरित नही किया जा सका था, किन्तु फेयर ओक्स के युद्ध मे उसने दक्षिण की मुख्य सेना का सफलतापूर्वक मुकाबला किया।

अब्राहम ने युद्ध-सचिव साइमन कैमरान को पदच्युत कर दिया, किन्तु उसे पेनसिलवानिया मे साइमन कैमरान के सगठन का समर्थन फिर भी मिलता रहा क्योकि उसने उसे रूस मे राजदूत का पद प्रदान कर दिया जिस पद को अब कैसियस क्ले नही चाहता था, और निष्ठापूर्ण, योग्य और ईमानदार एडविन स्टैन्टन को युद्ध-सचिव नियुक्त किया था। जब मेरी को मालूम हुआ कि स्टैन्टन ही वह वकील था जिसने सिनसिनाटी मे मैकारमिक-मैनी के रीपर वाले मामले मे से अब्राहम को निकाल दिया था, तो उसने आश्चर्य से अपना सिर हिलाया। मगर क्योकि प्रत्येक व्यक्ति का यही विचार था कि स्टैन्टन इस काम के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति है, अब्राहम ने कहा कि 'यदि नया युद्ध-सचिव हमे विजय दिला दे, तो मै उसका सूटकेस भी उठाने के लिए तैयार हू।'

फिर अब्राहम ने कोलम्बिया के दासो को स्वतन्त्रता देने वाले एक विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए थे, यद्यपि वह इस बात पर अडा हुआ था कि उनके स्वामियो को सघ-निधि से प्रतिकर दिया जाए। अब जनतत्रीय सरकार की राजधानी मे दर्शको को जार्जिया पेन मे विचरण करते हुए जजीरो से जकडे

लोगो के काफिले के काफिले देखने को नही मिलेगे।

फिर अब्राहम अशुभ समाचार सुनाने मे कुछ झिझका। विजय की बजाय हार ही अधिक हुई थी और प्रगति के स्थान पर क्षति। उत्तरी भाग को मजबूत बनाने के लिए उसने सीमावर्ती सघनिष्ठ राज्यो को यह मनवाने का भरसक प्रयत्न किया कि वे प्रतिकर लेकर दासो को स्वतन्त्र कर दे, किन्तु उन राज्यो ने इसे तुरन्त अस्वीकार कर दिया। जब विद्रोही सेना ने मान्सास खाली किया तो पता चला कि बडी-बडी तोपे और भारी तोपखाना, जिसने मैक्लेलन को इतना भयभीत कर दिया था कि उसने आक्रमण करने का साहस नही किया था, केवल लकडियो के लम्बे-लम्बे लठ थे, जिनपर काला रग कर दिया गया था और जो तोपो की तरह दिखाई देते थे। वे बिलकुल ऐसी ही लकडियो की तोपे थी जैसी विलियम और टाड ने ह्वाइट हाउस की छत पर गाड दी थी। पिंकर्टन की यह सूचनाए भी कि विद्रोही सेना सघ की सेना से कही अधिक है, बिलकुल झूठी सिद्ध हुई। विद्रोहियो की एक अत्यधिक फुर्तीली सेना के विद्युत् गति से आक्रमण करने वाले सेनापति स्टोनवाल जैक्सन ने सघ-सेना को विचेस्टर, क्रास कीज़, पोर्ट रिपब्लिक के स्थानो पर हराया था, यद्यपि अब्राहम ने उसे घेरने तथा उसकी सेना को विनष्ट करने के बडे प्रयत्न किए थे। जब अब्राहम ने मैक्लेलन को हवाई मार्ग स रिचमाड पर आक्रमण करने का आदेश दिया तो मैक्लेलन ने उसके विपरीत समुद्री मार्ग से जाने की योजना प्रस्तुत कर दी थी। यहा पर भी अब्राहम उसको आक्रमण करने के लिए तैयार नही कर सका था।

अब्राहम ने कहा, 'मुझे उससे उच्च सेनापति का पद लेना पडा। अब उसके नेतृत्व मे पोटोमैक की सेना है। वह रिचमाड से केवल पाच मील के फासले पर है। यदि इस बार भी उसने कुछ नही किया तो हम बुरी तरह मारे जाएगे।

जून के अन्त मे अर्थात् बुल रन के युद्ध मे सघ की हार के ग्यारह मास बाद जनरल मैक्लेलन ने अपनी सेना को आक्रमण करने के लिए तैयार किया। प्रारम्भ से ही बुरे समाचार मिले। मैकेनिक्सविले पर मैक्लेलन तो हिचकिचाता ही रहा और जनरल राबर्ट ई० ली ने उसपर पहले आक्रमण कर दिया। गेनिस मिल, ह्वाइट ओक स्वाम्प, फ्रेयर्स फार्म, मालवर्न हिल के स्थानो पर सात दिन

तक भीषण युद्ध हुआ, किन्तु मैक्लेलन सदा ही प्रतिरक्षा मे ही लगा रहा। वह मालगोदामो मे आग लगा देता और छोड देता। एक स्थान पर तो वह इतनी बुरी तरह फस गया था कि सम्पूर्ण सेना के विनष्ट हो जाने की आशका उत्पन्न हो गई थी। सघ का कोई भी प्रयोजन हल नही हुआ था और जब उत्तरी भाग के लोगो को ली की सेना को नष्ट करने अथवा रिचमाड पर अधिकार जमाने मे मैक्लेलन की सुसगठित और सुव्यवस्थित सेना की असफलता और बडी सख्या मे सैनिको के मारे जाने का समाचार मिला तो वे बडे निराश और हतोत्साह हो गए।

कोई भी निन्दा से न बच सका। जनरल मैक्लेलन को कायर तथा निर्बल बताया गया, युद्ध-सचिव स्टैटन को मूर्ख घोषित किया गया, राज्य-सचिव सीवार्ड को कार्य मे बाधक ठहराया गया राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के बारे मे कहा गया कि वह कमजोर प्रकृति का व्यक्ति है, जोकि धीरे-धीरे किन्तु निश्चित रूप मे राष्ट्र को नष्ट कर रहा है।

रात के समय जब अब्राहम चुपचाप अपनी मेज़ पर बैठा काम कर रहा था, तो मेरी उसके पास बैठी थी। उनका पुराना मित्र ओरविल ब्राउनिग कमरे मे आया और व्यग्रता से बोला :

'श्री राष्ट्रपति, आपके ऊपर अत्यधिक भार है अत आपको इतनी देर तक रात मे काम नही करना चाहिए। आपके लिए विश्राम की अत्यन्त आवश्यकता है।'

अब्राहम ने कागज़ो से दृष्टि उठाई और ब्राउनिग के कथन को चुनौती-सी देती हुई वाणी मे उत्तर दिया·

'ब्राउनिग, हम सबको एक दिन मरना है।'

मेरी ने अब्राहम के चिताग्रस्त चेहरे को देखा और फिर अपने मन ही मन मे प्रार्थना की कि हे परमेश्वर! अब्राहम पर कोई विपत्ति न आए।

· अब्राहम को पद सभाले हुए सोलह मास हो गए थे, किन्तु विद्रोह के समाप्त होने की आशाए उसके पद सभालने के दिन से भी अधिक क्षीण हो गई थी और ऊपर से इग्लैड और फ्रास युद्ध की धमकी दे रहे थे। जिसको उन्होंने एक घरेलू झगडा समझा था और सोचा था कि बिना किसी पक्ष को अधिक हानि हुए वह तय हो जाएगा अथवा आपस मे समझौता हो जाएगा, अब एक ऐसा हत्याकांड

दिखाई पड़ने लगा था जो उस समय तक समाप्त नही होगा जब तक कि राष्ट्र का एक-एक भवन और राज्य नष्ट न हो जाए।

मेरी जानती थी कि अब्राहम को इस कारण भी महान् दुःख पहुचा है कि न्यूयार्क, पेनसिलवानिया, ओहायो, इडियाना और इलीनाइस, जिन सबने १८६० मे रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारो के पक्ष मे मत दिया था, अक्तूबर और नवम्बर के काग्रेस के चुनाव मे डेमोक्रेट पार्टी के उम्मीदवारो को अपना मत देने वाले थे और इस प्रकार वे रिपब्लिकन पार्टी के शासन को और राष्ट्रपति लिंकन को अस्वीकार कर देगे। काग्रेस मे डेमोक्रेट पार्टी के लोगो का बहुमत हो जाएगा, जो सन्धि के लिए प्रयत्न करेंगे और कान्फेडरेसी को स्वतन्त्र राष्ट्र के रूप मे स्वीकार कर लेगे और सघ का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।

अब्राहम फर्श पर चक्कर लगा रहा था, उसका मन अत्यधिक व्यग्र था।

'मेरी, मै तो बहुत बुरी तरह घिर गया।'

मेरी ने दुःख से कहा, 'और मैने तुम्हारे लिए क्या यह सोचा था कि तुम किसी विपत्ति मे फस जाओ।'

अब्राहम कमरे की खिडकी के पास चक्कर लगाकर बीच की मेज के पास मेरी की कुर्सी के सामने आकर खडा हो गया। उसके नेत्र क्रोध से जल रहे थे।

'मेरी, तुम्हारी अपेक्षा और कोई भी इस बात को अच्छी तरह नही जानता कि इस सघर्ष मे मेरा मुख्य उद्देश्य सघ को बचाना रहा है, दासता की रक्षा अथवा उसे नष्ट करना नही। यद्यपि प्राय: मैंने अपनी यह इच्छा व्यक्त की है कि सब जगह मानव स्वतत्र हो जाए, किन्तु मेरा प्रथम कर्तव्य सघ की रक्षा करना है। यदि किसी भी दास को स्वतत्र किए बिना मैं सघ की रक्षा कर सका तो मै करूगा और यदि मै सारे दासो को स्वतत्र करके सघ की रक्षा कर सका तो मै वह करूगा, यदि मै कुछ दासो को स्वतत्र करके तथा शेष दासो को उनकी दशा पर छोडकर सघ की रक्षा कर सका तो भी मै वह करूगा।'

अब्राहम का स्वर बहुत तेज हो गया और वह भर्राई आवाज मे बोला :

'हमने अपनी पूरी शारीरिक शक्ति लगा दी है किन्तु वह पर्याप्त सिद्ध नही हुई है। अब हमे अपनी आत्मिक शक्ति की भी सहायता लेनी पडगी। मै जानता हू कि इसका अर्थ होगा दक्षिण का पूर्ण विनाश, जिस स्थिति को बचाने

के लिए मै रातोरात जागा हू और उन्मत्त की भाति मैने काम किया है। पर अब दक्षिण को बचाने के बारे मे सोचना व्यर्थ है क्योकि उसके साथ साथ हम भी मिट रहे है।'

मेरी के हृदय की धडकन तेज हो गई।

'अब्राहम, तुम तो दासो की स्वतत्रता की घोषणा करने वाले हो।'

'यदि मै पहले यह कर बैठता, तो जल्दबाजी हो जाती। सीमावर्ती राज्य अब हमारे साथ है और वहा पर सघ की सेनाए तैनात की जा चुकी हैं। यदि यह काम कल किया जाए तो बहुत विलम्ब हो जाएगा। अब उत्तरी भाग युद्ध से पीछा नही छुटा सकेगा, भले ही डेमोक्रेट पार्टी की अगले चुनाव मे विजय हो जाए क्योकि युद्ध और राष्ट्र और नीग्रो लोगो की स्वतत्रता के प्रश्न एक दूसरे से सम्बद्ध रहेगे।'

अब्राहम का स्वर स्थिर हो गया और उसकी आखो से उसके आतरिक सौदर्य को प्रकट करने वाली ज्योति फूट पडी।

'हम अब भी यह सिद्ध कर दिखाएगे कि लोग अपना शासन स्वय करने के योग्य है।'

यद्यपि मेरी को दक्षिण से पूर्णत सहानुभूति थी, और वह अपने मित्रो तथा पडोसियो के बारे मे, जोकि नेक स्वामी और अच्छे नागरिक थे, जिन्होंने अपनी सारी सम्पत्ति बागो तथा हब्शियो पर लगा दी थी, जो सज्जन थे और जिन्होने दासता की नीव नही डाली थी, अपितु यह प्रथा उन्हे अपने पूर्वजो से उत्तराधिकार मे मिली थी और जोकि अब नष्ट कर दिए जाएगे, सोच-सोचकर उदास हो रही थी; किन्तु इस सहानुभूति और दु ख के पीछे मेरी के हृदय मे हर्ष की लहरे भी दौड रही थी क्योकि इससे उस बुराई का अन्त हो जाएगा जोकि कैसियस क्ले के कथनानुसार 'अन्तिम बुराई' है। फिर उसके पश्चात् कोई भी छोटी बालिका अपनी दादी के घर मे खडी होकर मैकेनिक्स एले के उस पार बाडो मे खडे दासो की दबी हुई आहे नही सुनेगी, न हब्शियो की पीठ पर कोडे पडते हुए देखेगी, न नीलाम मे बच्चों को उनके माता-पिता से छीने जाते हुए देखेगी और न कभी उसके पिता जैसे सज्जन व्यक्ति व्यापारी होने के नाते दासो को पब्लिक स्क्वेयर मे बेचेगे और दासता को कायम रखने के दोषी बनेगे।

अब्राहम धीरे-धीरे बोल रहा था .

'विजय शीघ्र ही नही मिल सकेगी। अभी और अधिक नवयुवको को मरना होगा और माता-पिताओ को अपने बच्चो मे हाथ धोना होगा। किन्तु इस दु.ख की पूर्ति के लिए निश्चित रूप से एक महान् उद्देश्य की प्राप्ति होगी।'

अब्राहम बीच की बडी मेज पर ही बैठ गया। उसने अपनी जेब से कागजो के असख्य टुकडे निकाल-निकालकर मेज पर इकट्ठे कर लिए और फिर अपने मुख को थोडा घुमाकर मुस्कराते हुए बोला :

'देखा, मेरी, अब मै अपनी पुरानी चालो पर उतर आया हू।'

जब अब्राहम ने अपना कलम उठाया तो मेरी उसके सामने ही बैठ गई और मुस्करा दी।

'अब्राहम, जरा स्पष्ट करके लिखना।'

९२

वे ह्वाइट हाउस से तीन मील दूर सोल्जर्स होम मे स्थित एण्डर्सन की कुटिया मे नगर की ग्रीष्मकालीन गर्मी से बचने के लिए आ गए थे। मेरी कुटिया के बरामदे मे बाहर आई। वहा की घास अभी ताजा कटी थी और उसकी गध वायुमडल मे फैल रही थी। ऊपर आकाश मे तारे टिमटिमा रहे थे। बैठक मे लगे घडियाल ने ग्यारह बजाए। अब अब्राहम के घर लौट आने का समय हो गया था। मेरी ने चबूतरे के नीचे की सीढी पर बैठकर जूते तथा जुराबे उतार दी और पहाडी के उस हरे-भरे शिखर पर घूमने लगी। शिखर पर खडे हुए उसने नीचे वाशिंगटन की बत्तियो के प्रकाश की ओर देखा। अब्राहम प्राय. शाम के भोजन के पश्चात्, सेना के स्लेटी रग के घोडे पर सवार होकर ह्वाइट हाउस लौट जाया करता था। इस घोडे का नाम वार्ड हिल लेमन ने ओल्ड एब (बूढा एब) रखा हुआ था। मेरी को इस बात की चिन्ता नही थी कि उसे घर पर अकेले रहना पडता था क्योकि यहा का वातावरण शान्तिपूर्ण था। अब्राहम को शाम के समय काम करना होता था और डाक-विभाग को छोडकर कही

जाना उसके लिए कठिन था और प्राय स्प्रिंगफील्ड तथा एट्थ सर्किट से अब्राहम के मित्र जोश स्पीड वार्ड हिल लेमन, ओरविल ब्राउनिंग और दर्जनो अन्य लोग कार्यालय मे उसके चारो ओर एकत्र हो जाते थे और उसे बाते सुनाया करते थे। उसे भी सगी-साथियो और हास-परिहास की आवश्यकता थी।

११ जुलाई को अब्राहम ने जनरल हेनरी डब्ल्यू हेलेक के स्थान पर जनरल विनफील्ड स्काट को सेना का नेतृत्व दे दिया जिसने पोटोमैक-स्थित मैक्लेलन की सेना को आदेश दिया कि वह तुरन्त जलमार्ग द्वारा जाकर जनरल पोप की वर्जीनिया-स्थित नई सगठित सेना से जा मिले। किन्तु दक्षिणी राज्यो के सेनापति स्टोनवाल जैक्सन ने पहले सेडार पर्वत पर आक्रमण कर दिया और जनरल पोप की सेना को बुरी तरह पराजित किया।

एक मास हो चुका अब्राहम ने दासो की स्वतन्त्रता की घोषणा लिख दी थी और अपने मत्रिमडल को पढकर सुना दी थी। मत्री सीवार्ड की यह धारणा थी कि स्वतन्त्रता-घोषणा सैनिक-विजय के पश्चात् होनी चाहिए न कि पराजय के पश्चात्, क्योकि पराजित होकर ऐसी घोषणा करना एक निराशापूर्ण कृत्य दिखाई.देगा। क्योकि घोषणापत्र लिखने के कुछ सप्ताह पश्चात् ही एक पराजय का ही मुह देखना पडा था इसलिए अभी तक वह घोषणा डेस्क मे ही पडी थी।

मेरी को पहाडी की चढाई पर चढते हुए ओल्ड एब की टाप सुनाई दी और उस ओर गई। तभी गोली की आवाज़ ने रात्रि के शान्त वातावरण को विदीर्ण कर दिया और फिर घोडे के तेज दौडने की आवाज़ सुनाई दी। मेरी भागकर अस्तबल की तरफ भागी।

'अब्राहम, यह गोली की आवाज़ कैसी थी ?'

'नही, प्रिय, यह गोली की आवाज़ नही थी, केवल शोर था जिसके कारण ओल्ड एब घबराकर तेजी से यहा चला आया है।'

'तुम्हारा हैट कहा है ?'

'· हैट ? ···ओल्ड एब इतना तेज़ भागा कि इसने मेरे आठ डालर के मूल्य के हैट को उडा दिया। मैं सुबह को उसे ढूढ लगा।'

'हम अभी ढूढेगे।'

सडक पर कोई पचास गज़ नीचे मेरी ने उसके धूलि-धूसरित काले हैट को

ढूढ लिया और देखा कि उसके एक ओर बीच मे गोली से सुराख हो गया था। उसने विस्फारित नेत्रों से अब्राहम की ओर देखा।

'यह गोली दो इच नीचे लग जाती तो हैट के साथ ही तुम्हारा सिर भी उड जाता।'

'यह तो किसी गुरिल्ले योद्धा ने अनजाने मे गोली चलाई है,' उसकी रगत फीकी पड गई और उसने स्वर को कुछ बदलते हुए कहा, 'हमे यह ध्यान रखना चाहिए कि इस बात को समाचारपत्रो को पता न लगे। ऐसा हम कर सकेगे न ? इसका कोई लाभ नही कि सभी लोग भयभीत हो।'

'अब्राहम, ह्वाइट हाउस को आते-जाते समय तुम्हे अपने साथ घुडसवारो का दस्ता रहने देना चाहिए। और कृपया मुझे यह मत कहना कि एक राष्ट्रपति के लिए यह उचित नही होगा कि उसे सशस्त्र घुडसवार घेरे रहे, तब तो वह अपने आपको सम्राट् समझने लगेगा।'

उन्होने नीचे के कमरे की बत्तिया बुझा दी, जहा खाली फर्नीचर पडा था और बन्द हवा की गन्ध थी। फिर वे तिरछी सीढी पर चढकर भूरे रंग के प्लास्टर वाले शयनागार मे पहुचे जहा महोगनी का पलग, शीशा और मुह-हाथ धोने के बर्तन रखे हुए थे। अब्राहम ने अपना कोट बिस्तर पर डाल दिया और सामने की खिडकी के पास जाकर पोटोमैक नदी के उस पार दक्षिण की ओर देखने लगा।

मेरी ने परामर्श दिया, 'अब तो प्राय आधी रात होने को है, कुछ देर सो लो।'

उसने खिडकी की ओर पीठ फेर दी।

'बहुत अच्छा, मेरी, मै अभी सो जाऊगा। किन्तु सो जाने पर भी मुझे शान्ति अनुभव नही होती। मेरी थकावट को सुखद स्पर्श नही मिलता।'

अगली सुबह वे ६ बजे उठ खडे हुए क्योकि अब्राहम को युद्ध-विभाग के तारघर मे सात बजे पहुचना था। धूप तेज थी और जब अब्राहम ने अपना हैट उठाया तो मेरी ने उसे बताया कि वह वापस ह्वाइट हाउस जा रही है क्योंकि इससे आधी रात के समय उसे अकेले घर नही आना पडेगा।

अब्राहम के लिए न केवल जनरल पोप ने जो युद्ध मे पराजित हुआ था, और मैक्लेलन ने जिसने आक्रमण न किया और अमूल्य समय गवा दिया था,

कठिनाइया उपस्थित की वरन् अपने नये युद्ध-सचिव एडविन स्टैटन के साथ भी उसकी ठीक नही निभ रही थी। वह सचिव युद्ध-विभाग को इतनी कठोर दासता के साथ चला रहा था कि उसके अधीनस्थ नित्य प्रति आकर शिकायते करते थे कि स्टैटन का व्यवहार तानाशाही है।

इलीनाइस का काग्रेस-सदस्य ओवेन लवज्वाय एक दिन उनके पास दुपहर के खाने पर आया और उसने सुझाव दिया कि पूर्वी तथा पश्चिमी सेनाओ को एक कर दिया जाए। अब्राहम ने इनकी मजूरी का एक पत्र उसे देकर स्टैटन के पास भेजा। अब्राहम और टाड अभी खाना खा ही रहे थे कि लवज्वाय बहुत क्रोध मे भरा हुआ लौट आया।

'जब मैंने तुम्हारा पत्र सचिव स्टैटन को दिया तो वह बोला, 'राष्ट्रपति तो मूर्ख है।'

मेरी और टाड को इसपर क्रोध आ गया। अब्राहम केवल मुस्करा दिया।

'अच्छा, यदि स्टैटन ऐसा कहता है तो मै समझता हू कि मै ऐसा ही हूगा क्योकि प्राय. वह ठीक ही कहा करता है।'

उस दिन मध्याह्न-पश्चात् स्टैटन राष्ट्रपति के कार्यालय मे आया। युद्ध-विभाग के कार्यालय मे वापस पहुचने का मार्ग दक्षिण उद्यान मे से था, जहा टाड माली के नये फव्वारे के साथ खेल रहा था। जब स्टैटन टाड के निकट पहुचा तो टाड ने फव्वारे का मुह स्टैटन की ओर कर दिया और पानी की धार सीधे उसके मुह पर पडी और फिर टाड ने फव्वारे को ऊपर-नीचे करना आरभ कर दिया और स्टैटन को सिर से पाव तक पानी से नहला दिया।

निचुडते कपडो के साथ और क्रोध से कापते हुए स्टैटन लडके को मेरी और अब्राहम के पास लाया।

तभी टाड ने चिल्लाकर कहा, 'मैने इन्हे यह जता दिया है कि मेरे पिता को मूर्ख कहने का क्या परिणाम होता है।'

मेरी तथा अब्राहम ने एक-दूसरे को देखा और आखो ही आखो मे कुछ कहा। फिर अब्राहम ने अपने सचिव को सम्बोधन करते हुए कहा

'स्टैटन, अच्छा तो यह होगा कि तुम टाड के साथ शाति की सधि कर लो। तुम जो हर किसीसे क्रुद्ध होते हो और बरस पडते हो इससे अनेक लोग तुम्हारे विरोधी बनते जा रहे है और तुम मुझे या मेरे बारे मे जो कुछ कहते रहते हो

उसका बुरा मानने वाला केवल टाड ही नही। यदि तुम इस लडके को मित्र बना लो तो तुम युद्ध जीतकर सघ-राज्य की रक्षा करने के योग्य बन सकोगे।'

दो दिन पश्चात् स्टैंटन उसके पारिवारिक निवास मे पहुचा और नौ वर्ष के टाड को सयुक्त राज्य अमेरिका के स्वयसेवको के लेफ्टिनेट का पद प्रदान किया तथा सघ-राज्य की झब्बेदार वर्दी प्रदान की। इस प्रकार व्हाइट हाउस के उस झगडे का निबटारा हो गया।

दलदलो के कारण वाशिगटन के वायुमण्डल मे दुर्गन्ध और घुटन थी, किंतु उससे भी अधिक घुटन सारी राजधानी मे फैले हुए मौन के कारण थी। ऐसा बहुत कम होता था, पर जब कभी मेरी ठडे शरबत अथवा तनिक आराम के लिए अब्राहम को निवास के कमरो मे ले जाती थी तो वह उसे बताया करता था कि जनरल पोप की वर्जीनिया प्रदेश की ४० हजार नवयुवको की सेना बुल रन के दक्षिण मे कही खो गई है। उनकी ओर से तीन दिन से न तो कोई तार आया है और न ही कोई सदेश मिला है। जनरल मैक्लेलन जो आखिर अपनी सेना को एक्वीवा क्रीक मे ले गया था, जो स्थान बुल रन से २५ मील दक्षिण मे है, तब तक वर्जीनिया की सेना से नही मिलेगा जब तक जनरल हेलेक उसे यह विश्वास न दिला दे कि सामूहिक सेना का सेनापति वह होगा न कि पोप।

'मै आधा समय तो अपने जनरलो को ढूढने मे लगा देता हू,' अब्राहम ने दुख भरे स्वर मे कहा, 'और आधा समय युद्धक्षेत्र से समाचार प्राप्त करने मे लग जाता है।'

अब अगस्त के अन्त मे उन्हे पता लगा कि क्यो पोप की सेना का कोई समाचार नही मिला था। विद्रोहियो के एक बडे सैनिक-दल ने पोप की सेना और वाशिगटन के बीच मोरचे सभाल लिए थे। शुक्रवार को सारा दिन उन्हे तोपो की आवाजे सुनाई देती रही। मेरी अब्राहम का ध्यान बटाने के हेतु उसे अपने साथ उद्यान मे घुमाने के लिए ले गई और ग्रीष्म ऋतु के खिले हुए फूल दिखाती रही।

लिंकन ने अनमने भाव से कहा·

'मैं रग नही बता सकता इसी कारण मैं फूलो की ओर ध्यान नही देता।'

दूसरे दिन भी वर्जीनिया पहाडियो से परे तोपो के धमाके सारा दिन सुनाई

देते रहे। दोपहर के समय हवा की दिशा बदली तो बारूद और धुए की गन्ध ह्वाइट हाउस मे आने लगी। आधी रात के समय जब पुस्तकालय मे बैठे हुए वे खिडकियो मे आने वाले पतगो को उडाने के लिए पखो का प्रयोग कर रहे थे तो जान हे जनरल हेलेक्क की ओर से सदेश लेकर आया कि शताब्दी का सबसे बडा युद्ध लडा जा रहा है और हेलेक ने सभी लोगो को पोप की सहायता के लिए भेज दिया है और कि सूर्योदय के समय प्रसन्नतादायक समाचार मिलेगा।

जब कुछ घटे पश्चात् मेरी जागी तो उसने देखा कि अब्राहम उसपर झुका खडा है और उसके चेहरे पर हवाइया उड रही हैं।

'मेरी, हमारी फिर हार हुई है। जनरल पोप की सेना को खदेड दिया गया है।'

मेरी हडबडाकर उठी।

'किन्तु, यह कैसे हो सकता है! मैक्लेलन की सेना तो बहुत ही थोडी दूरी पर थी?'

'मैक्लेलन पोप के पास पहुचा ही नही। मुझे इसी बात का भय था और यही हुआ। जनरल ली बडी तेजी के साथ अपनी सेना को उत्तर की ओर लाया और स्टोनवाल जैक्सन से जा मिला और हमारी सेना को विनष्ट कर दिया। बुल रन की हमारी यह दूसरी हार है।'

वे दोनो सिक्स्थ स्ट्रीट के घाट पर जा पहुचे जहा शव और आहत सिपाही नौकाओ मे भर-भरकर लाए जा रहे थे। उनकी सीटी की आवाज़ से दुखद समाचार के आगमन की सूचना मिल रही थी। नदी-तट पर खडे मेरी ने देखा कि शवो को चादरो मे लपेटा हुआ था। सर्वथा मौन वातावरण मे नौकाए लगर डाल देती थी और हस्पताल के कर्मचारी भी मौन साधे हुए स्ट्रेचर लेकर नौकाओ पर जाते थे और डेक के प्रत्येक इच पर बडे ध्यानपूर्वक चलते थे कि कही वहा पडे हुए किसी ज़ख्मी पर पाव न पड जाए। वे पीले पिचके चेहरो वाले ज़ख्मियो को लेकर आते और एम्बुलेंस गाडिया उन्हे हस्पतालो मे ले जा रही थी।

अब्राहम की आखो मे आसू भर आए और वह बोला, 'ओह! ये बेचारे, यह दुख, लाखो जानो की हानि, कितना भयानक है! मै तो यह सब सहन नही कर सकता।'

हज़ारो लोग गाडियो, बग्घियो और ठेलो मे सवार होकर राजधानी को उसी

प्रकार छोडने लगे जैसे १८६१ मे लोग भाग गए थे। खजाने के भवन के सामने सीमेट के थैले लगा दिए गए। युद्ध-विभाग के आवश्यक कागजो को घुडसवारो द्वारा कही और भेज दिया गया और असैनिक कर्मचारी गलियो मे ड्रिल करने लगे।

मेरी लिंकन जनरल हस्पताल मे अपना समय गुजारने लगी और वहा जख्मी सिपाहियो को सुख-सुविधा पहुचाने के लिए जितना कर सकती थी, करती थी। गेलरियो के फर्श पर बिछे कम्बलो पर जख्मी पडे हुए थे। शल्यगृह मे भी जख्मी थे जहा डाक्टर शेष शरीर को विष से बचाने के हेतु जख्मी बाहो और टागो को काट रहे थे तथा उनकी पीठो और आतो से गोलिया निकाल रहे थे। मेरी सोचने लगी, आखिर मृत्यु ही विजयी होती है। हम तो केवल काम करते है, आशा करते हैं और युद्ध करते है, और केवल थोडी-सी जीत प्राप्त करते है, किन्तु मृत्यु पूर्ण विजय प्राप्त करती है।

मेरी शाम के समय घर पहुची तो देखा कि अब्राहम अत्यन्त दुखी अपने दफ्तर मे इधर-उधर घूम रहा है। जब उसने मेरी के आने की आहट सुनी तो चिल्लाकर बोला:

'मैक्लेलन चाहता था कि पोप की हार हो, किन्तु उसने जो कुछ किया उससे वह इतना डर गया है कि उसे जुलाब लग गए है। हेलेक स्नायु-रोग से पीडित बिस्तर पर पडा है। सचिव चेज कहता है कि अब और धन नही प्राप्त किया जा सकता। सचिव स्टैटन कहता है कि पोप राष्ट्र के लिए अपमान सिद्ध हुआ है, हमारी सेनाए पराजित हो रही है, हमारे जनरल अपमानित हो रहे है, धन समाप्त हो गया है। मेरी तो समझ मे नही आता कि क्या करू ? मेरी, मुझे क्या करना चाहिए ?'

मेरी फीकी-सी मुस्कराहट के साथ बोली

'हमे कुछ खा लेना चाहिए नही तो जब जनरल ली हमारी पराजय स्वीकार करने के लिए ह्वाइट हाउस आएगा तो हम उसका स्वागत करने के योग्य भी नही होगे।'

अब्राहम ने अपने झुके हुए कधो को सीधा किया।

'वे हमारा निबटारा करने से पूर्व तो हमारी आत्मा मे लोहे की सलाखे गाड देंगे, क्या नहीं ?'

मेरी को उन शवो का ध्यान आ गया, जिन्हे उसने नौकाओ पर चादरो से ढके हुए देखा था ।

'मै तो कभी-कभी यह सोचती हू कि हमारे पास अब यही कुछ रह गया है। आत्मा तो रही नही वरन् उसके स्थान पर वे लोहे की सलाखे है जो उन्होने गाडी है ।'

नीद तो कही नाम को भी नही थी, वे एक-दूसरे के शयनागार तक नगे पाव टहलते रहे । प्रात होते ही मेरी ने कपडे बदले, बग्घी मे ह्वाइट हाउस के सब फूल, मदिरा, खाद्य-पदार्थ रखे, फिर अपनी अलमारी से अपने बचाए हुए सब पैसे निकाल लिए तथा और वस्तुए खरीदने के लिए चली गई । ज्यूडीशियरी स्क्वेयर हस्पताल के सामने नगे शव कतारो मे रखे हुए थे और बढई उनके ताबूत मे कीले लगा रहे थे । मेरी के पास से बग्घिया और गड्डे शवो से भरे हुए गुजरे जो सोल्जर्स होम के कब्रिस्तान की ओर जा रहे थे ।

पोप की सेना के चौदह हजार व्यक्ति मारे गए थे और जनरल ली की सेना के नौ हजार व्यक्ति खेत रहे । मैक्लेलन के विरुद्ध प्रमाण बढते जा रहे थे। सबसे बडा प्रमाण यह था कि उसने अब्राहम को तार भेजा था कि 'पोप को अपना झमेला स्वय हल करने दिया जाए ।' दूसरा प्रमाण था कि जब बीस हजार व्यक्तियो की सेना के सेनापतियो को, जो युद्ध के लिए तैयार बैठे थे, बताया गया कि जनरल मैक्लेलन का क्या दावा है तो वे लडाई लडने के लिए तैयार न रहे।

दूसरे दिन नाश्ते के समय अब्राहम मौन था । उसे युद्ध-विभाग से समाचार मिला था कि जनरल ली की सेनाए मेरीलैड मे बढ आई है और इस प्रकार विद्रोही सेनाओ को पेनसिलवानिया तक खुला मार्ग मिल गया है । पहली बार एक विद्रोही सेना ने उत्तर पर आक्रमण किया था । अब यह प्रश्न नही रहा था कि उत्तर, दक्षिण को जीत सकता है अथवा नही, किन्तु अब तो यह प्रश्न पैदा हो गया कि कही दक्षिण प्रदेश उत्तर पर अधिकार न जमा ले । अब्राहम ने काफी का प्याला प्लेट पर फेक दिया ।

'मेरे पास अब कोई और साधन नही है । हमारे पास जो भी औजार है उन्हे प्रयोग करना होगा । सेना मे ऐसा कोई भी नही जो उस जितनी योग्यता से इन किलो का प्रबन्ध कर सकता हो । दूसरो को युद्ध के लिए तैयार करने मे इससे अधिक कुशल व्यक्ति कोई नही है ।'

मेरी आश्चर्यभाव से उसकी ओर देखती रही।

'निश्चय ही तुम मैक्लेलन की बात तो नहीं कर रहे ?'

'मैं अभी उसके घर जा रहा हू और उससे कहूगा कि वह पोप की सेना का नेतृत्व करे। अब इसीसे राजधानी के बचाए जाने की आशा हो सकती है।'

मेरी बिना हिले-डुले कुर्सी पर बैठी रही। सघ के समाचारपत्र मैक्लेलन के विरुद्ध थे। मत्रिमडल के सदस्य उसके विरुद्ध जी का उबाल निकाला करते थे। मेरी यह अनुमान लगा सकती थी कि जब अब्राहम ने अपने निर्णय की सूचना दी तो उसे लोगो के कितने क्रोध का सामना करना पडेगा।

किन्तु अब्राहम की बात सत्य निकली। मैक्लेलन ने, जो अपने खुले आम विरोध से प्रपीडित था, एक चमत्कारपूर्ण सगठन कर दिखाया। अडतालीस घटे के भीतर उसने जनरल ली का पता लगाने के लिए एक टुकडी भेज दी और अगले दिन उसने अपनी सेना को आगे बढा दिया। एक बार फिर मेरी को उत्तर की ओर के बरामदे मे अब्राहम के साथ खडे होकर उस सघीय सेना को देखने के लिए जाना पडा, जो विद्रोहियो को दबाने के लिए जा रही थी।

अब्राहम ने उच्च स्वर मे कहा, 'मैं ईश्वर के समक्ष शपथ लेता हू कि यदि जनरल ली को पेनसिलवानिया से खदेड दिया गया तो मै उस अवसर को दासो की स्वतत्रता की घोषणा करके मनाऊगा। इससे लोगो की भावनाए सतुष्ट होगी।'

मेरी ने धीमे से कहा, 'आमीन।'

एक सप्ताह पश्चात् यह सदेश मिला कि मैक्लेलन ने एक विद्रोही सदेशवाहक को पकड लिया है जो जनरल जैक्सन के नाम जनरल ली का आदेश ले जा रहा था। ये दोनो महान् सेनाए मेरीलैंड मे ऐंटीटाम की खड्ड मे एक-दूसरी पर पिल पडी और यह पहला युद्ध था जो उत्तर प्रदेश की सीमा मे हो रहा था। पहले दिन की समाप्ति पर दोनो सेनाओ के बीस हजार सैनिक उद्यानो और पकी फसलो मे मृत और घायल पडे थे। जनरल ली भी बुरी तरह आहत हुआ था और उसे अपनी सेना को वापस वर्जीनिया ले जाना पडा था।

अब्राहम ने कहा, 'मेरी, अब वह समय आ गया है। कितना अच्छा होता जो अधिक अच्छी स्थिति होती, अधिक अच्छा समय होता! किन्तु मैं अपना वचन पूरा करने वाला हू।'

स्वतन्त्रता की घोषणा समाचारपत्रो को भेज दी गई । १ जनवरी, १८६३ को इस ग्राशय का कानून बनने वाला था । इस घोषणा-पत्र की कैसी प्रतिक्रिया हुई है यह जानने के लिए एक रविवार की शाम को वे देश भर के समाचार-पत्रो को लेकर बैठ गए। अब्राहम फर्श पर उल्टा लेटा हुआ सम्पादकीय पढ रहा था। होरेस ग्रीले नामक सम्पादक ने शीर्षक दिया था 'ईश्वर अब्राहम को सुखी रखे ।' 'शिकागो ट्रिब्यून' ने लिखा था · 'राष्ट्रपति ने दृढता का परिचय दिया है और ऐसी महानतम घोषणा पर मुहर लगा दी है जैसी कि आज तक किसी मनुष्य ने नही की ।' उत्तर के अधिकतर लोगो को इस घोषणा से प्रोत्साहन मिला और वे सोचने लगे कि 'एक बार युद्ध जीत लिया तो फिर दासता का कलक सदा के लिए मिट जाएगा और हमे स्वतन्त्र राष्ट्रो के सामने शर्म से सिर नही झुकाना पडेगा ।'

किन्तु डेमोक्रेटिक समाचारपत्रो ने अब्राहम को धोखेबाज कहकर उसका विरोध किया और यह आरोप लगाया कि उसने सघ-राज्य की रक्षा का बहाना करके देश को युद्ध मे धकेल दिया है जबकि उसका वास्तविक उद्देश्य दासो को स्वतन्त्र कराना ही था। 'न्यूयार्क हेरल्ड' ने आरोप लगाया था कि 'उसने दासता-विरोधियो को दाना डाला है ।' 'न्यूयार्क वर्ल्ड' ने कहा कि वह क्रातिकारी हठधर्मी के प्रवाह मे बह गया है। वाशिंगटन के पत्र 'नेशनल इटेलिजेसर' ने सम्पादकीय मे लिखा : 'हमे तो अब केवल इस बात से प्रसन्नता होगी कि राष्ट्रपति की इस घोषणा से कोई हानि नही हुई ।' सबसे निर्दयतापूर्ण प्रहार 'लंदन टाइम्स' ने किया और उसके सम्पादकीय लेख को अमेरिका के सभी समाचार-पत्रो ने प्रकाशित किया, जिसमे लिखा था 'क्या लिंकन के नाम को उन राक्षसो की सूची मे रखा जाए जो एक अनोखी किस्म के हत्यारे और कसाई हुआ करते है ?'

अब्राहम अपने घुटनो को हाथो से पकडे हुए तथा उनपर ठुड्डी रखे असमजस से मे बैठा मेरी की ओर देख रहा था, बोला .

'तुम जानती हो कि मेरे मन मे क्या प्रश्न उठता है ? अब्राहम, तुम मनुष्य

हो या कुत्ते ?'

'मुझ आशा है कि तुम मनुष्य ही हो, अन्यथा मै क्या हूगी ? मुझे तो इस विचार से ही घृणा होती है ।'

इससे अब्राहम के चेहरे पर मुस्कराहट उभर आई ।

उसने मैक्लेलन की सेना का निरीक्षण करने के लिए ऐंटीटाम के लिए प्रस्थान किया । मैक्लेलन ने जनरल का पीछा नही किया और ली अपनी सेना को सुरक्षित वापस पोटोमैक नदी के पार ले गया । ऐंटीटाम के युद्ध से पूर्व की स्थिति पुन. हो गई किन्तु युद्ध अभी समाप्त नही हुआ था । जब लिकन लौटा तो उसके चेहरे पर वेदना के चिह्न लक्षित हो रहे थे । उसकी बाई आख की पुतली ऊपर चढी हुई थी । उसने थके हुए लहजे मे कहा, 'मुझे फिर उन्माद (हाइपो) रोग हो गया ।'

मेरी की दृष्टि उसके उतरे हुए और विवर्ण चेहरे का ध्यानपूर्वक निरीक्षण करने लगी । उसकी आखो की उदासी भरी गहराई मे मृत्यु की सी छाया दिखाई दे रही थी । वह प्राय लडखडाता हुआ डेस्क पर पहुचा और बैठ गया तथा ऐसी आवाज मे जो मानो किसी कब्र मे से निकल रही हो, कठिन परिस्थितियो और आने वाली विपदाओ की बाते करने लगा कि यह युद्ध कितना लम्बा और हिसापूर्ण होगा और कि क्षितिज पर कही भी प्रोत्साहन और आशा की किरण दिखाई नही देती ।

मेरी का अन्तर काप उठा । निरतर सैनिक पराजयो और अनेक दलो तथा व्यक्तियो की ओर से पडने वाले दबाव पर भी वह आज पहली बार अपने भयानक रोग से ग्रस्त हुआ था । मेरी ने विलियम नामक नौकर से कहा कि वह नीचे स्नानागार मे टब को पानी से भर दे । फिर उसने नये कपडे निकाल दिए और पास की रसोई से सगतरो की एक प्लेट उसके लिए लाई । अब्राहम जब ऊपर आया तो उसके चेहरे की हजामत बनी हुई थी और नये कपडे पहने हुए था किन्तु उसकी आखे अभी तक ऊपर को चढी हुई थी । जब मेरी ने पूछा कि उसने पोटोमैक की सेना को कैसा पाया तो उसने उदासी भरे लहजे मे धीमे से उत्तर दिया

'क्या तुम समझती हो कि यह पोटोमैक की सेना है ? यह तो मैक्लेलन के सरक्षको की सेना है । मैने कहा था कि यदि उसने जनरल ली को भाग जाने

दिया तो मै उसे पदच्युत कर दूगा। मै एक कुद अस्त्र से कुछ भी तो नही कर सकता, किन्तु उसके स्थान पर किसे रखू ?'

बस वह इतना ही कह पाया और फिर गहरी उदासी मे खो गया। मेरी सारी रात शयनागार मे उसके टहलने की आवाज सुनती रही। प्रात के समय उसके कार्यालय का दरवाजा बद था और ऐसा प्रतीत होता था कि उसमे ताला लगा हुआ है। दूसरे दिन उसने कोई बात न की। ज्यो-ज्यो मेरी अपने मन को तसल्ली देती कि उसकी उदासी दो दिन मे समाप्त हो जाएगी, उसकी अपनी स्नायु-चेतना विक्षुब्ध होती जा रही थी।

समाचार और भी खराब होते गए। राज्य के चुनाव मे उन्हे हार मिली और बदनामी हुई। न्यूयार्क, पेनसिलवानिया, ओहायो, इडियाना और न्यूजर्सी के सब राज्यो मे, जहा १८६० मे अब्राहम ने विजय प्राप्त की थी, इस बार डेमोक्रेटो की जीत हुई थी। इलीनाइस के विधानमण्डल मे भी डेमोक्रेटो का बहुमत हो गया था। मेरी के चचेरे भाई जान टी० स्टुअर्ट ने एक स्वतन्त्र उम्मीदवार के रूप मे अब्राहम के रिपब्लिकन मित्र लियोनार्ड स्वेट को काग्रेस-सदस्यता के निर्वाचन मे हरा दिया था। न्यूयार्क का नया गवर्नर होरेशियो सेमूर भी एक डेमोक्रेट था जो अब्राहम का निरतर विरोध करता आया था। अब्राहम अल्पसख्यको के उम्मीदवार के रूप मे जीता था और अब उसके समर्थक और भी अधिक अल्पसख्या मे थे।

विलियम अतिथिगृह मे आया जहा मेरी उपहारो के रूमालो पर फीता लगाने मे व्यस्त थी।

'श्री लिंकन ने नही खाया, तीन दिन हो गए आज। श्रीमती लिंकन, क्षमा करना। रसोइये ने खाना मेज़ पर रख दिया। आप किसी तरह लिंकन को ले आए।'

वह बडे हाल मे गई और फिर वहा से कार्यालय की ओर गई। अब्राहम के कार्यालय मे एक बडे मेज़ के चारो ओर मन्त्रिमण्डल के सदस्य बैठे हुए थे। अब्राहम मौन था, किन्तु वातावरण मे वाद-विवाद की गध थी और मन्त्री सीवार्ड और चेज़ एक-दूसरे की ओर रोष भरी दृष्टि से देख रहे थे। मेरी अब्राहम के पास गई।

'अब्राहम ! विलियम ने मुझे बताया है कि तुमने उस खाने को छुआ तक

नही जो मैने भेजा था। जब तक तुम मेरे साथ नही चलोगे, मै यहा से नही जाऊगी।'

अब्राहम उठ खडा हुआ और भर्राई हुई आवाज मे बोला, 'बहुत अच्छा मेरी।'

मेरी अपने घर की ओर चल पडी, अब्राहम उसके पीछे था। दरवाजे पर पहुचकर अब्राहम ने मेरी को कोहनियो से पकडकर उठा लिया और उसे बाहर खडा कर दरवाजा खोल दिया।

उस दिन शाम को लेक्सिगटन से पत्र आया जिसमे मेरी के लिए यह समाचार था कि उसका भाई डेविड मिसिसिपी मे इतनी बुरी तरह जख्मी हुआ कि बच नही सका। उसी डाक मे ८ नवम्बर का 'हार्पर वीकली' पत्र था जिसमे देश को यह समाचार दिया गया था कि राष्ट्रपति की पत्नी का जो भाई हाल ही मे मारा गया है वह वही व्यक्ति है जो रिचमाड मे सघीय सेनाओ का जेलर था। आगे लिखा था···सभवत भावनाओ के इसी अन्तर के कारण ह्वाइट हाउस मे नेतृत्व करने वाली महिला के विचारो के बारे मे सच्चे-झूठे अपवाद फैले हुए थे।

मेरी को कपकपी होने लगी। जब श्रीमती केकली ने उसे कम्बल उढा दिया तो डेविड के लिए उसके आसू बह निकले जिसके लिए वह केवल छुपकर ही रो सकती थी क्योंकि अब्राहम भी चिन्ता से रुग्ण था।

श्रीमती केकली उसके लिए गर्म-गर्म चाय लाई।

मेरी ने आह भरते हुए कहा, 'श्रीमती केकली, मुझे पता नही तुम्हारे बिना मेरा क्या हाल होता। इन परिस्थितियो मे तो मैं चल बसूगी ··'

कुछ दिनो पश्चात् जब अब्राहम प्रात· उठा तो उसका सिर-दर्द दूर हो चुका था और आखो की पुतलिया अपने स्थान पर पहुच गई थी। वह मेरी के कमरे मे आया। उसके चेहरे पर मुस्कराहट खिल रही थी। उसने मेरी को चूम लिया।

उस दिन मेरी और श्रीमती कैलेब स्मिथ ने हस्पतालो मे क्रिसमस का खाना पहुचाने का काम आरम्भ कर दिया। वे कई महीनो से चन्दा इकट्ठा कर रही थी और उनके पास मुर्ग, बटेर, ताजा मक्खन, केक और पुडिंग खरीदने के लिए

काफी धन हो गया था।

अब्राहम का स्वास्थ्य ठीक होने का एक और भी कारण था। वह यह कि जनरल ऐम्बरोज ई० बर्नसाइड को पोटोमैक सेना का सेनापति नियुक्त करने से उसकी पुनः आशा बध गई थी। शाम को मेरी अपने शयनागार मे हस्पतालो के लिए वस्तुए तैयार कर रही थी और अब्राहम ने पास बैठे हुए उसे सक्षेप रूप मे बताया कि बर्नसाइड ने रिचमाड पर आक्रमण करने की क्या योजना बना रखी है। जनरल बर्नसाइड ने वचन दिया था कि यदि सभरण के प्रभारी जनरल हेलेक उसे रैपेहानक नदी पार करने के लिए किश्तियो के पुल तैयार कर दे तो वह तुरन्त आगे बढ जाएगा।

एक सप्ताह बीत गया और बर्नसाइड ने अपनी सेना को आगे नही बढाया क्योकि नौका-पुल नही भेजे गए थे। इस बीच जनरल ली को रिचमाड के मार्ग के मध्य मे फ्रेडरिक्सबर्ग के ऊचे स्थान पर मोर्चे बाधने के लिए काफी समय मिल गया था। बर्नसाइड को विश्वास था कि वह स्वय नौकाओ का पुल बनाकर रैपेहानक नदी को पार कर सकेगा और अपनी एक लाख दस हजार की सेना द्वारा जनरल की ७२ हजार लोगो की सेना को मार भगाएगा।

अब्राहम पल भर के लिए भी सो न सका। मेरी शुक्रवार को सारी रात अब्राहम के साथ जागती रही क्योकि बर्नसाइड ने कहा था कि वह शनिवार को प्रात. आक्रमण करेगा। समाचार मिल रहे थे कि दोनो सेनाए परस्पर जूझ पडी है। मध्याह्न-पश्चात् मेरी अब्राहम के साथ युद्ध-विभाग मे गई जहा तार के यत्र खटाखट बज रहे थे 'भयानक युद्ध हो रहा है। हर मिनट बाद जख्मी पहुच रहे है', 'बदूको की आवाज कानो को बहरा कर रही है', 'युद्ध की प्रगति के बारे मे कुछ निश्चित नही कहा जा सकता।' शाम को छ बजे जब अधेरा हो चुका था, तो समाचार मिला कि गोलाबारी बद हो गई है, किन्तु इस बारे मे कुछ पता न लगा कि किस पक्ष का पलडा भारी रहा है।

रविवार को कोई समाचार न मिला। युद्धक्षेत्र से कोई भी तार या सदेश न आया। घटिया तक न बजी। कितने ही गिरजाघरो को हस्पताल बना दिया गया था। उनके पारिवारिक निवास मे सर्वथा शाति थी। कोई मिलने नही आया। रात को नौ बजे जब यह समाचार मिला कि 'न्ययार्क ट्रिब्यून' का प्रतिनिधि हेनरी विलार्ड, विलार्ड नामक स्थान पर देखा गया है और वह युद्ध का

आखो-देखा हाल बताता है, तो अब्राहम ने उसे बुला भेजा। वह तुरन्त वही धूलि-धूसरित और पसीने से भरे कपडे पहने हुए आया जो उसने युद्धक्षेत्र मे पहन रखे थे। जब उसे ऊपर के अतिथिगृह मे लाया गया तो अब्राहम ने कहा .

'आप आए, इसके लिए मैं आभारी हू। श्रीमती लिकन और मै युद्ध की खबरे जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं। अब तक हमको बहुत ही कम खबर मिली है।'

मेरी खिडकी के पास वाली कुर्सी पर जा बैठी और वे दोनो मेज पर एक दूसरे के आमने-सामने बैठे रहे। मेरी ने सुना वह भयानक कहानी थी। जनरल बर्न-साइड ने अपनी सेना को उन खुले मैदानो मे झोक दिया जो जनरल ली के तोपखाने के क्षेत्र मे थे, फिर वे ढलान के ऊपर चढे जहा खदको मे बैठे विद्रोहियो ने उनको बुरी तरह कत्ल कर दिया। सघीय सेना के बारह हजार से अधिक सैनिक हताहत हुए है।

तभी पेनसिलवानिया का गवर्नर कर्टिन कमरे मे आ धमका और उसने बताया कि सघीय सेनाओ की पक्तिया की पक्तिया अत्यधिक साहस के साथ तोपो और गोलो के नरक मे गर्क हो रही है।

'राष्ट्रपति महोदय, यह युद्ध नही यह तो सामूहिक कत्ल है।'

अब्राहम के पाव लडखडाए। मेरी उसकी ओर भागी। वह सिर से पाव तक काप रहा था। गवर्नर कर्टिन ने अपने आवेश को सयत करते हुए कहा .

'राष्ट्रपति महोदय, मुझे आपका दु ख देखकर बहुत शोक हुआ है। मैने आपको जो दु:ख दिया है उसका मुझे अफसोस है।'

सारी रात मेरी कमरे मे भारी कदमो से घूमते अब्राहम की आहट सुनती रही। वह सोचने लगी, जिस व्यक्ति के कधो और हृदय पर इतना बोझ है उसके कदम भारी ही होगे।

अगले दिन शाम को मेरी ने फिर शव उठाने वाली नौकाओ की सीटी सुनी, जो घाट पर पहुच रही थी। वाशिंगटन की सभी एम्बुलेंसे हताहतो को उठाने के लिए घाट पर पक्तियो मे तैयार खडी थी। घोडे सिर नीचे किए, बिना हिले-जुले खडे थे। सफाई आयोग के सदस्य हाथो मे मशाले लिए खडे थे और उस भयानक दृश्य को प्रकाशित कर रहे थे।

मेरी ने किसीको ज़ोर से पुकारते सुना 'नौका दिखाई दे रही है' और एक और नौका विपत्ति और मृत्यु का माल लिए हुए आ पहुची। सारी रात, अगला सारा दिन और फिर सारी रात खुले मैदानो, नालो से टूटी हुई सडको और फ्रेडरिक्सबर्ग की खुश्की ढलानो पर हज़ारो सैनिक मारे गए।

सारा उत्तर प्रदेश फ्रेडरिक्सबर्ग का मैदान बन गया, जहा अब्राहम के समस्त प्रशासन पर सब ओर से कठोर प्रहार और आक्षेप किए जा रहे थे। युद्ध-सम्बन्धी समिति ने जनरल बर्नसाइड को बुलाया और इतने गुप्त रूप से उससे पूछताछ की कि अब्राहम को सारा ब्योरा 'न्यूयार्क ट्रिब्यून' मे पढना पडा। बर्नसाइड पर यह आरोप लगाया गया कि उसने 'सेना को शत्रु के हाथो मे डाल दिया है।'

अब्राहम मेरी के निकट बैठा था। वह बहुत दुखी और बेचैन था। वह अपने ठडे हाथो मे उसकी उगलिया पकडे हुए था।

'मैने बर्नसाइड की नियुक्ति की थी, मैने उसको अपनी योजना के अनुसार ही आक्रमण करने की अनुमति दी थी। यह असफलता मेरी असफलता है। सभी विफलताओ का उत्तरदायित्व मुझपर है।'

'तब तो अन्तिम विजय भी तुम्हारी ही होगी,' मेरी ने उत्साह के साथ कहा।

९४

अब मेरी के पास हस्पतालो के अधीक्षको को क्रिसमस के खाने बाटने का काम था। वह अपना सारा दिन ठडे और सील भरे तहखाने मे बिताया करती थी, जहा ग्रामीण धर्मशालाओ जैसी गध आती थी। वहा वह इस बात का प्रबन्ध करती थी कि प्रत्येक हस्पताल की गाडी पर्याप्त मात्रा मे खाद्यान्न ले जाए। क्रिसमस से एक दिन पूर्व तहखाने के भडार को साफ कर दिया गया। मेरी थककर चूर हो गई, किन्तु अभी नववर्ष के स्वागत-समारोह की तैयारी करनी

थी । उसे याद आया कि उसन वाशिगटन के लोगो को यह दिखाने के लिए कि उसने ह्वाइट हाउस को कितना सुन्दर सजाया है, पहला स्वागत-समारोह बहुत उत्साह के साथ मनाया था । अब सारे वाशिगटन मे ऐसी उदासी और क्षोभ का वातावरण छाया हुआ था जैसे वह किसी पराजित सेना का शिविर हो । भोज देने की उसकी तनिक भी इच्छा न थी ।

नववर्ष-दिवस को प्रातः शीशे मे अपने चेहरे को देखकर उसे कोई प्रसन्नता न हुई । उसका चेहरा कठोर प्रतीत हुआ और यद्यपि वह अभी ४४ वर्ष की थी, किन्तु अधिक बूढी प्रतीत होती थी । उस दुख तथा उदासी से भरे दिन को मेरी की आखो मे चमक नही थी, बाई आख के नीचे काला घेरा-सा बन गया था । मेरी ने अपना मातमी लिबास उतार दिया और काली मखमल का झालरदार गाउन पहन लिया । फिर वह अब्राहम के साथ राजदूतो, सेना तथा नौसेना के प्रतिनिधियो, न्यायाधीशो और सीनेट तथा काग्रेस के सदस्यो का स्वागत करने के लिए नीचे चली गई । ग्यारह बजे जन-साधारण को आने की अनुमति दे दी गई । बहुत-से लोग आए और सार्वजनिक कमरो तथा बरामदो मे खूब-खूब भीड जमा हो गई । बहुत-से लोग पक्तियो मे थोडी देर खडे होकर अब्राहम और मेरी से हाथ मिलाते हुए कुछ उत्साह भरे शब्द कहते थे । मेरी ने देखा, स्वागत-समारोह न करके उसने गलती की थी क्योकि उदासी और आन्तरिक तनाव के होते हुए भी सरकार द्वारा आयोजित किया जाने वाला यह समारोह कार्यनिष्ठा का प्रतीक था ।

दोपहर के पश्चात् अब्राहम उसे सीढियो के ऊपर ले गया और उनके पीछे-पीछे मत्रिमडल और काग्रेस के एक दर्जन सदस्य थे । उसने डेस्क के एक खाने मे से स्वतन्त्रता-घोषणा निकाली जिसे उसने गत रात विलियम स्टाडार्ड से वहा रखाया था । उसमे अब्राहम ने उन विद्रोही राज्यो के नाम दर्ज कर दिए थे जिनपर घोषणा-पत्र लागू होगा ।

वह बडे मेज के बीच मे अपनी विशेष कुर्सी पर बैठ गया और लोग उसके पीछे जमा हो गए । मेरी उसके एक ओर बैठ गई । मेरी ने पढा

'अमेरिका की सरकार के विरुद्ध इस सशस्त्र विद्रोह के समय, अमेरिका की सेना और नौसेना का मुख्य सेनापति होने के नाते, मैं अमरीका का राष्ट्रपति ईसा वर्ष १८६३ के जनवरी मास के प्रथम दिन को, उस विद्रोह को दबाने के

उपयुक्त साधन के रूप मे यह आदेश और घोषणा करता हू कि उक्त राज्यो और राज्य प्रदेशो मे जितने भी दास है वे सब आज से स्वतत्र होगे··

'इसके अतिरिक्त मै यह भी घोषणा करता हू और बता देना चाहता हू कि किलो, युद्धक्षेत्रो, केन्द्रो तथा अन्य सम्बन्धित स्थानो और सब प्रकार के नौवहन के लिए ऐसे सभी लोगो को भर्ती किया जाएगा, जो स्वस्थ होगे।

'सत्यभावपूर्ण, न्यायपूर्ण तथा सविधान के अनुकूल समझे जाने वाले इस एक्ट के आधार पर और सैनिक आवश्यकता के आधार पर मैं यह कामना करता हू कि विश्व कृपापूर्ण भाव से अपनी सम्मति दे और सर्वशक्तिमान् परमेश्वर कृपादृष्टि रखे ।'

अब्राहम ने दवात मे लेखनी डुबोई और लोगो से निरतर कई घटे तक हाथ मिलाते रहने के कारण थकावट से सूजे हुए हाथ को ऊपर उठाए रखा। उसकी उगलिया काप रही थी।

उसने कहा, 'आज इस पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए मैं इस बारे मे जितना निश्चित हू कि मै एक अच्छा कार्य कर रहा हू, इतना निश्चय मुझे जीवन मे कभी नही हुआ; किन्तु यदि हस्ताक्षर करते हुए मेरे हाथ कॉपे तो लोग कहेगे कि मै हस्ताक्षर करते हुए हिचकिचाया था।'

मेरी बोली, 'जब दासता का अन्त हो गया तो जिन लोगो को तुम स्वतत्र कर दोगे, वे इस बारे मे कभी चिन्ता नही करेंगे कि तुम्हारे हस्ताक्षर कैसे दिखाई देते है।'

उसने बिना मुस्कराए मेरी की ओर देखा।

'खैर, वह तो हो ही रहा है।'

उसने हाथ को रोका और धीरे किन्तु स्थिर हाथ से लिखा

अब्राहम लिंकन

सहिष्णुता के कारण लोगो ने उससे मिलाने के लिए हाथ आगे नही बढाया, बल्कि बधाई दी। जब वे सब चले गए तो उसने दृढभाव से मेरी से कहा :

'मै इस बात से सहमत नही कि दासता समाप्त हो गई है। हम उन मछेरो की तरह है जो ह्वेल मछली के पीछे वर्षो से लगे हुए हैं और आखिर हमने उस देव की पीठ मे छुरा घोप दिया है, अब हमे देखना है कि नाव को किस ओर

ले जाए क्योकि यदि इस देव ने पूछ हिला दी तो हम अनन्त की गहराई मे विलीन हो जाएगे ।'

'तुमने विवाह के समय मुझे जो अगूठी दी थी, उसपर खुदवाया था कि अमरता मे प्रेम का वास है। ओह अब्राहम ! जब यह युद्ध समाप्त होगा तो क्या हम इस ससार को अधिक दिन देख पाएगे और क्या प्रेम के लिए समय होगा ?'

जनरल मड ने सेना की बागडोर सभाल ली। सेनाए सर्दियो की बैरको मे चली गईं। व्हाइट हाउस मे भी शाति फैल गई, जिसपर अब्राहम फ्रेड्रिक्सबर्ग की हार का दु:ख भूल गया। मेरी भी स्वस्थचित्त हो गई थी और वह अनुभव करने लगी कि वह पुन. स्वस्थ और सुन्दर हो जाएगी और उसकी आख के नीचे की झाईं दूर हो जाएगी।

फरवरी मे हिमपात हुआ और उसके बाद शीघ्र ही वसत का आगमन हुआ। राष्ट्रपति के उद्यान मे चिडिया चहचहाने लगी और हरे-भरे मैदान के चारो ओर खिले हुए फूलो की झाडियो ने उद्यान की शोभा को बढा दिया। न तो अब्राहम और न ही मेरी का नाटक देखने का शौक कम हुआ। युद्ध के प्रथम वर्ष मे बहुत कम अभिनेता वाशिगटन मे आए और अब्राहम भी इतना अधिक व्यस्त था कि नाटक के लिए समय नही निकाल सकता था। अब मेरी उसे गाउनोड और वर्डी के सगीत नाटक देखने के लिए ले गई। 'हेनरी चतुर्थ' नाटक मे जेम्स एच० हैकेट द्वारा फालस्टाफ का अभिनय दिखाने का आयोजन किया और जान विलकेस बूथ ने घोषणा की कि वह ग्रूवर थियेटर मे शेक्स-पियर का नाटक प्रदर्शित करेगा।

मित्रो के अनुरोध पर मेरी मान गई कि पी० टी० बरनम के सर्कस के विख्यात बौने अभिनेता टाम थम्ब को व्हाइट हाउस मे भोज दिया जाए। जब राबर्ट, जो उन दिनो कालेज मे पढ रहा था, मेरी के कमरे मे आया तो मेरी ने कहा :

'राबर्ट, कपडे पहन लो और नीचे हमारे साथ आओ।'

'नही मा, मैं टाम थम्ब का स्वागत करने मे सहायता नही करना चाहता। सम्भवत: कर्तव्य के सम्बन्ध मे मेरी धारणा तुमसे भिन्न है।'

मेरी शृगार-मेज के पास रखी पहियेदार कुर्सी पर घूम गई और बोली :

'टाम थम्ब और उसकी पत्नी का स्वागत करने मे क्या बुराई है ? वे लोग अंग्रेज और फ्रासीसी सम्भ्रात घरो मे सम्मानित अतिथि रह चुके है। न्यूयार्क का सबसे उच्च समाज उनके विवाह-समारोह मे सम्मिलित हुआ था और वेडर-बिल्ट और बेलमान्ट-परिवारो ने उन्हे उपहार दिए थे।'

'मैं समझता हू कि यह आयोजन अच्छी रुचि का परिचय नही देता।'

'वाशिंगटन के सभी लोगो ने इस आमन्त्रण को स्वीकार कर लिया है। मत्रिमडल और काग्रेस के सदस्य और जनरल अपने परिवारो को ला रहे हैं। और तो और केट चेज भी आ रहा है।'

'इस प्रकार के आयोजन तो लज्जा के विषय है, अत मैं नही आऊगा।'

उन्होने एक-दूसरे की ओर निर्भाव दृष्टि से देखा।

जब से वे ह्वाइट हाउस मे आए थे, अब्राहम ने पहली बार अप्रैल के आरम्भ मे परिवार के लिए भ्रमण का आयोजन किया। उसकी योजना थी कि एक सप्ताह के लिए पोटोमैक की सेना मे जाकर रहा जाए। स्प्रिगफील्ड से उनका पुराना मित्र डा० आन्सन हेनरी वाशिंगटन के प्रदेश से आया था, जहा महा-पर्यवेक्षक के पद पर नियुक्त था। अब्राहम ने उसे भी साथ चलने का आमन्त्रण दिया।

वे नौसेना के पत्तन से कैरी मार्टिन जहाज मे चल पडे। अगले ही दिन हिमपात हुआ। एक्विआ क्रीक पोटोमैक की सेना को राशन-सामग्री पहुचाने के भडार का बहुत बडा केन्द्र था। यहा पहुचकर वे लोग एक भारवाहक कार मे सवार हुए जिसे फूलो और झडियो आदि से सजा रखा था। फालमाउथ मे ये लोग दो बग्घियो मे सवार हो गए और उनके साथ-साथ घुडसवार सेना के एक दस्ते ने प्रस्थान किया। ये सब जनरल जोजेफ हूकर के मुख्यालय (हेडक्वार्टर) मे पहुचे। जनरल जोजेफ हूकर को जनरल बर्नसाइड के स्थान पर नियुक्त किया गया था। दूसरे दिन योद्धा हूकर ने एक शानदार परेड का दृश्य प्रस्तुत किया अर्थात् अब्राहम ऊचा रेशमी हैट पहने जनरल के साथ घोडे पर सवार होकर परेड का निरीक्षण करने के लिए गया। टाड घुडसवार दस्ते के साथ अपने घोडे पर था और उसकी स्लेटी वर्दी उसके पीछे लहरा रही थी।

मौसम ठडा न रहा। यद्यपि डाक्टर स्टोन ने अब्राहम को परामर्श दिया था कि वह कुछ दिन छुट्टी मनाए, किन्तु अब्राहम ने उत्तर दिया, 'दो-तीन

सप्ताह की छुट्टी से मुझे लाभ नही होगा क्योकि मैं अपने विचारो से तो मुक्त नही हो सकता।' मेरी ने देखा कि उसमे प्रसन्नता के भाव लक्षित हो रहे थे और वह परिहासपूर्ण कहानिया सुनाने लगा था। यह जानकर कि रैपेहानक नदी के उस पार के विद्रोहियो ने सघीय सैनिको से यह पूछा था कि क्या एब और उसकी पत्नी आ पहुचे है, तो मेरी और टाड ने अनुरोध किया कि वे मक्खन की टिकिया को अवश्य देखेंगे। विद्रोहियो का नाम मक्खन की टिकिया पड गया था और सरकारी सेनाओ को हरी घटी। वे परस्पर इतने मित्र बन गए थे कि आपस मे समाचारपत्रो, चाकुओ, तम्बाकू और कॉफी का विनिमय करने लगे थे। जब टाड ने चौकी के सैनिको को एक-दूसरे को पुकारते हुए सुना तो उसने पूछा

'जब वे मित्र है तो वे परस्पर लडते क्यो है ?'

मेरी ने बेटे को बाहो मे बाध किया और कहा, 'वे बच्चे है बेटा।'

छः दिन पश्चात् लिंकन-परिवार नया उत्साह प्राप्त कर वाशिंगटन लौट आया। जब नौसेना के सचिव वेलेस ने मेरी को आकर बताया कि लोग चाहते हैं नौसेना का बैंड शनिवार की शाम का सगीत-कार्यक्रम पुनः आरम्भ कर दे तो मेरी ने इसके लिए अनुमति दे दी। अब्राहम को विश्वास था कि उसकी अधिक अच्छे शस्त्रो से सुसज्जित सेना आखिर ली को हरा देगी यदि जनरल हूकर ने योग्यता से उसका प्रयोग किया।

१ मई को पोटोमैक सेना ने उसी फ्रेडरिक्सबर्ग पर कब्जा करने के लिए हलचल आरम्भ की जहा जनरल बर्नसाइड की सेनाओ का कत्ल हुआ था। अब आक्रमण की योजना जनरल हूकर ने बनाई थी जिसने व्हाइट हाउस को यह सूचना भेजी थी कि वह इतना तीव्र आक्रमण करेगा कि युद्ध-सम्बन्धी सूचनाए नही भेज सकेगा। छः दिन और रात के पश्चात् आखिर युद्ध का समाचार सरकार को पहुचा। हूकर का आक्रमण सफलतापूर्वक आरम्भ हुआ किन्तु जनरल ली ने प्रत्युत्तर मे आक्रमण कर दिया। जनरल हूकर कुछ जख्मी हो गया। उसका अन्दाज़ गलत निकला था क्योकि स्टोनवाल जैक्सन ने उसकी सेना को दो भागो मे बाट दिया। जब जनरल ली के मुकाबले मे हूकर के सेनापतित्व मे आधी सेना रह गई तो उसने हूकर को पूर्णत: पीछे हटने के लिए बाध्य कर दिया। सघ-सेना के वे सत्रह हज़ार नवयुवक, जिन्हे अब्राहम और मेरी ने परेड

करते हुए देखा था, जब वे सिर ऊचे किए महान् आशाए हृदय मे सजोए चल रहे थे, अब चासलर्स विले के आसपास के घने जगल और झाडियो मे मृत और आहत पडे थे।

अब्राहम ने भर्राई हुई आवाज मे धीमे से कहा, 'हे ईश्वर, यह देश क्या कहेगा, देश के लोग क्या कहेगे ?'

२ जुलाई को सोल्जर्स होम मे अत्यधिक गर्मी थी। वाशिगटन की गर्मी से बचने के लिए वे लोग पुन सोल्जर्स होम मे आकर ठहरे हुए थे। उस दिन सवेरे प्राय. तीन बजे तक अब्राहम घर नही लौटा और सात बजे वह युद्ध-विभाग के तार-विभाग मे चला गया क्योकि जनरल ली ने पेनसिलवानिया पर आक्रमण कर दिया था। अब्राहम ने हूकर के स्थान पर जनरल जार्ज जी० मीड को नियुक्त किया और एक दिन पहले ही गेटिसबर्ग नाम के छोटे-से नगर मे दोनो सेनाओ की मुठभेड हुई थी। मेरी भी ह्वाइट हाउस मे जाकर गति-विधि के बारे मे ताजा समाचार को जानने के लिए बहुत उत्सुक थी।

कोचवान जेहू एक खुली बग्घी ले आया जिसमे उसी रग के काले घोडे जुते हुए थे। जब बग्घी समतल मैदान पर नीचे उतर रही थी तो ताज़ी शीतल पवन लगने लगी। लगभग दस बजे होगे जब जेहू ने माउट प्लीजैट हस्पताल के निकट खुले मैदान मे एक छोटे मार्ग पर घोडो को घुमाया। मेरी पखा डुला रही थी और कोलम्बिया कालेज की ओर देख रही थी। तभी उसे ऐसी आवाज़ सुनाई दी जैसे लोहे के लठ की चोट पडी हो। कोचवान के बैठने की जगह इस प्रकार ऊपर की ओर उठी जैसे स्प्रिग से उछल गई हो। सीट और जेहू हवा मे लटक रहे थे। घोडे डर गए और बुरी तरह भाग निकले।

मेरी ने तेजी से आसपास की स्थिति को देखा और समझ गई कि यदि उसने शीघ्रता न की तो बग्घी उलट जाएगी। यदि वह कूद जाए तो इतनी दूर छलाग लगानी होगी कि पहियो की लपेट मे न आए। " वह अपनी स्कर्ट को ऊपर उठाकर कूद पडी।

दो-तीन कदम तो वह दौडती रही और फिर गिर पडी। उसका सिर किसी सख्त और तेज वस्तु से टकराया। उसे ऐसा अनुभव हुआ मानो उसने टाड के लिए ४ जुलाई को जितने पटाखे खरीदे थे वे सब उसके मस्तिष्क मे फट रहे

थे। उसने अपना हाथ सिर के पीछे रखा और जब उसे सामने लाई तो वह लहू से भरा हुआ था। उसे अनेक आवाजे सुनाई दी और फिर उसे उठाया गया और मैदान के पार माउट प्लीजेंट हस्पताल मे लाया गया। हस्पताल के सामने के दरवाज़े मे खडे एक व्यक्ति ने अपने आपको डाक्टर बताया।

'इन्हे शल्य-चिकित्सागृह मे ले जाओ।'

उसने आखे खोली तो देखा कि उसे एक साफ-सुथरे कमरे मे मेज पर लिटाया जा रहा था। मेज पर रबड-क्लाथ बिछा हुआ था। सामने वह महोगनी के बक्स मे शल्य-चिकित्सा के औजार देख रही थी। डाक्टर मेरी के पीछे खडा था। उसने विश्वास दिलाते हुए कहा :

'ऐसा प्रतीत होता है कि कोई हड्डी नही टूटी। श्रीमती लिकन, मुझे आपके थोडे-से बाल काटने होगे ताकि तुम्हारे सिर के पिछले भाग का जख्म साफ कर दिया जाए। हम राष्ट्रपति लिकन को सदेश भेज देगे।'

'ऐसा न करना डाक्टर, इससे तो वे भयभीत हो जाएगे।'

'जैसी आपकी इच्छा। मैं जख्म को सीने लगा हू, सभवतः इससे कुछ कष्ट होगा।'

मेरी ने उसकी ओर देखा। वह ऐनक पहने हुए एक सुन्दर नवयुवक था। उसने एक बक्स मे से सूई और धागा निकाला, धागे को मुह से गीला किया तथा लपेटकर उसके मुह को तीखा किया। तब मेरी को अनुभव हुआ कि एक सूई उसकी खोपडी की त्वचा मे से गुजर रही है। दर्द उसे केवल कधे मे हो रहा था जो आग की तरह झुलस रहा था। डाक्टर ने जख्म को मोम से ढक दिया, सिर पर पट्टी बाध दी और बग्घी तक पहुचने मे उसकी सहायता की।

एक हाथ को डाक्टर ने सहारा दिया तथा दूसरे को कोचवान ने और इस प्रकार वह सीढियो पर चढकर शयनागार मे पहुची तथा एक पीली रेशमी टोपी पहनकर उसने भद्दी पट्टी को छुपा लिया। फिर उसने हाल मे काम करने वाले डाक्टर को सदेश भेजा कि वह अब्राहम को बुला लाए।

अब्राहम भागता हुआ आया। वह इतना घबराया हुआ था कि उसकी गति-विधि से मेरी को इतनी प्रसन्नता हुई कि वह सोचने लगी कि इस दुर्घटना से उसे लाभ ही हुआ है। धीरे-धीरे अब्राहम और डाक्टर की आवाज़े मद्धम होने लगी। मेरी को ऐसा लगा मानो उसे नीद आ रही है।

९५

मेरी ने पलक खोली । कमरे मे अधेरा था । उसने सिर घुमाने का प्रयत्न किया । उसकी दूसरी आख भी खुल गई ।

वह सोचने लगी, वह कहा है ? क्या लेक्सिगटन के मेन स्ट्रीट वाले घर मे ? तो फिर एन का बिस्तर कहा है ? नही, यह अवश्य एट्थ स्ट्रीट वाला मकान होगा । मेरी एक कोहनी के बल ऊपर उठी और उसने अखरोट की लकडी वाली अलमारी को देखने के लिए इधर-उधर दृष्टि दौडाई । किन्तु ऐसी कोई वस्तु दिखाई न दी । वह सामने कमरे के बीच कुर्सी पर बैठा कौन सो रहा है ? उसका सिर भारी-भारी क्यो है ? ऐसा लगता है मानो सिर स्थायी तौर पर गर्दन से नही लगा हुआ ।

उसने कुर्सी पर लेटी हुई स्त्री पर दृष्टि जमा दी । वह कौन है ? अब उसे स्मरण हो आया कि वह परिचारिकाओ की अध्यक्ष महोदया डोरोथी डिक्स थी । वह विलियम की परिचर्या के लिए आई हुई थी, तो फिर वह उसके कमरे मे क्यो बैठी है ? सभवत विलियम सो गया होगा और श्रीमती डिक्स उसके पास बैठने के लिए आ गई होगी, क्योकि वह जानती थी कि मेरी विलियम के कारण बहुत चिंतित थी ।

अब मेरी की समझ मे आ गया कि वह कहा है । वह ह्वाइट हाउस मे थी । वह ५ फरवरी के स्वागत-समारोह की तैयारी कर रही थी । अब्राहम ने इस विचार को पसद नही किया था कि तीन राज्य-भोजो के स्थान पर एक स्वागत-समारोह का सहभोज किया जाए और पास जारी किए जाए, किन्तु मेरी ने उसे मना लिया था । मेरी को तीन सौ फालतू आमत्रण-पत्र भेजने थे अन्यथा महिला-समाज को बहुत हानि होगी ।

किन्तु नही, प्रतीक्षा करो । विलियम और टाड दोनो बीमार थे । वे अपने घोडो पर सवार होकर पोटोमैक गए और वहा भीग गए थे ।

उसे टाड की देखभाल करनी चाहिए, उसके सीने मे सर्दी लग जाने का हमेशा डर रहता है; डाक्टर स्टोन ने तो स्पष्टत. इस बच्चे के बारे मे चिंता जाहिर की थी । शायद यह अच्छा होगा कि वह आमन्त्रणो को रद्द कर दे ?

थककर उसने अपने विचार-प्रवाह को बदल दिया। जब वह पुन. जागी ो आकाश दूधिया रग का दिखाई दिया।

अब्राहम नही चाहता था कि मेरी भोज का आयोजन रद्द कर दे। आखिर यह एक सरकारी आयोजन था। लडके तो कल तक अच्छे हो ही जाएगे।

फिर क्या बात थी जिसके कारण वह अन्दर ही अन्दर घुल रही थी? ऐसी क्या बात थी जिसने उसके अस्तित्व को झझोड के रख दिया था? तभी अकस्मात् उसका मन रोष से भर गया, सोचने लगी वह किस प्रकार का व्यक्ति होगा जिसने इस प्रकार का लेख लिखा। एक तरफ तो राष्ट्रपति की प्रशसा करने का बहाना और दूसरी ओर उसके विवाह और उसकी पत्नी का परिहास! उसने सोचा कि वह इस लेख को अब्राहम के पास ले जाएगी और उससे उसे मालूम हो जाएगा कि इसमे लेशमात्र भी सत्य नही है।

इस घृणास्पद व्यक्ति ने क्या कहा है? वह उस दिन की प्रतीक्षा कर रहा था जब दो आत्माए एक शरीर धारण करेगी।

मेरी की दृष्टि के समक्ष अब्राहम तथा एक अन्य नाम-स्वरूपहीन महिला का छायाचित्र-सा घूम गया जिससे वह विक्षुब्ध हो गई। उसे अवश्य यह पता लगाना चाहिए कि वह लडकी कौन है क्योकि उसने सोच लिया कि ऐसी लडकी अवश्य रही होगी। जो लोग न्यूसलेम मे रह चुके थे अथवा जो लोग उन दिनो उसे जानते थे और ओरविल ब्राउनिंग, जिसे अब्राहम ने मेरी ओवेन्स के बारे मे पत्र लिखा था तथा अपने चचेरे भाई जान स्टुअर्ट और स्टीफेन लोगन तथा साइमन फ्रासिस आदि सभी से वह पूछेगी।

उसे फिर विलियम का ध्यान आ गया। टाड स्वस्थ हो गया था, किन्तु विलियम बहुत बीमार था। मेरी बिस्तर से बाहर निकली और हाल वाला कमरा पार करके प्रिस आफ वेल्स नामक कमरे मे पहुची। वह बन्द क्यो था? वह चाबी लाई और दरवाजा खोला।

कमरा खाली था। विलियम जालीदार बिस्तर पर नही पडा था। अब्राहम पिछले कुछ दिनो से पलग पर सोया करता था, वह भी यहा पर नही था।

मेरी को ऐसा अनुभव हुआ कि उसका सिर फट रहा है। उसने अपने पीछे लिजी की आवाज सुनी। एक परिचारिका उसके पास आई

'श्रीमती लिकन, आपको इस प्रकार घूमना-फिरना नही चाहिए। डाक्टर

कहता है कि आपको शात लेटे रहना चाहिए ।'

वह सोचने लगी, भला उसे बिस्तर मे क्यो पडे रहना चाहिए ? निस्सदेह कई राते बिना सोए लडको के पास बैठे बिता दी थी जिसके कारण वह सो न सकी थी और निढाल गई थी, किन्तु अब दिन निकल आया था और उसे बहुत अधिक काम भी करना था। भोजन-व्यवस्था करने वाला मेलार्ड अपने रसोइयो और वेटरो के साथ न्यूयार्क से आ रहा था।

उसके पाव लडखडाने लगे। परिचारिका ने बढकर उसका हाथ थाम लिया और उसे वापस बिस्तरे पर ले गई। जब उसने अपना सिर सिरहाने पर रखा तो उसे टीस-सी अनुभव होने लगी। क्या वसन्त ऋतु आरम्भ हो गई थी ? क्योकि ऐसा सिर-दर्द तो वसन्त काल मे ही हुआ करता था। कितनी विचित्र बात है कि वह यह स्मरण नही कर सकी कि वर्ष का कौन-सा काल है।

सिर अधिक जोर से फटने लगा। उसे ऐसा अनुभव हुआ कि दर्द चारो ओर फैल-फैलकर सारी खोपडी मे व्याप्त हो रहा था। तभी वह मूर्च्छित हो गई।

जब वह जागी तो उसे जुलाई मास की सख्त गर्मी अनुभव होने लगी। अब उसे पता लगा कि क्यो उसे विलियम नही मिला, वह तो मर चुका था। बच्चो मे सबसे अधिक प्रिय बालक उससे छिन गया था। वह विलियम के बिना कैसे जी सकेगी ? कैसे वह पीडा और एकाकीपन का अनन्त काल व्यतीत कर सकेगी ?

जहा तक इस जान हिल और अब्राहम के प्रारम्भिक प्रेम के बारे मे उस वैमनस्यपूर्ण झूठे लेख का सम्बन्ध था, उसे अब्राहम को दिखाने से कोई लाभ नही होने वाला था। वह अपना कन्धा हिलाएगा और इसकी सचाई से इन्कार कर देगा और कहेगा, 'रहने भी दो मेरी, यह बदनामी स्वय समाप्त हो जाएगी।'

उसी समय अब्राहम कमरे मे आया। उसके चेहरे पर विशद मुस्कान थी और उसने प्रात कालीन समाचारपत्रो मे से एक समाचार सुनाया जिसमे लिखा था कि मेरी को घातक जख्म लगा है। उसने मेरी का परिहास किया कि उसने जान-बूझकर पत्रकारो को गलत समाचार दिया है। मेरी ने उसीकी सी पतली आवाज बनाकर कहा

'अच्छा तो यह होगा कि तुम राबर्ट को तार दे दो कि मैं ठीक-ठाक हू,

अन्यथा वह मातम मनाने के लिए भागा हुआ चला आएगा ।'

मेरी पूर्णत ठीक न थी । डाक्टर स्टोन ने उसे विश्वास दिलाया कि उसका जख्म साफ है और ठीक हो रहा है । किन्तु उसे यह चेतावनी दे दी कि अन्दर की हड्डी के हिल जाने का भय है । नि सन्देह आघात के जोर के कारण उसके मस्तिष्क मे उथल-पुथल-सी हो गई थी और विचारक्रम मे भी उथल-पुथल-सी हो गई थी । केवल इतना ही नही कि वह विचारो को केन्द्रित नही कर सकती थी, किन्तु ऐसा प्रतीत होता था कि उसके सिर को अन्दर से किसीने जकड लिया है । वह कोई ऐसी स्वच्छद शक्ति थी जो उसके विचारो को समय, स्थान और कल्पना की सीमा मे इतनी तेजी से आगे-पीछे ले जाती थी कि उसे यह निश्चय नही होता था कि वह किस घर मे है, कौन-सा वर्ष है और वह कौन-से सकट मे पडी है ।

टाड अत्यधिक अशान्ति के साथ कभी मेरी के शयनागार से बाहर चला जाता, कभी उसके बिस्तर के निकट फर्श पर बैठ जाता और अपने उस नये चाकू से छडी को छीलता रहता जो अब्राहम ने उसे दिया था । यद्यपि वह दस वर्ष से अधिक आयु का हो गया था, वह न तो पढ सकता था न लिख सकता था । मेरी ने उसके लिए एक अध्यापक रखा हुआ था ताकि उसे एक साथी मिला रहे और साथ इसलिए कि लडके मे कुछ दिखाने अथवा बताने पर ज्ञान प्राप्त करने की क्षमता थी । मेरी अपनी उगलिया उसके घने भूरे बालो मे फेरने लगी ।

'टाड, तुम हाल से परे के छोटे शयनागार को नाट्यगृह क्यो नही बना लेते ? मुझे विश्वास है कि वहा मच बनाने के लिए पिता बढई को बुलवा देंगे ।'

टाड ने अपनी बाहे मेरी के गले मे डाल दी और उसे चूम लिया और फिर भागता हुआ अब्राहम के कार्यालय की ओर चला गया ।

राबट पिता का तार मिलने पर अगली सुबह पहली गाडी से आ गया ।

'पिता ने तो लिखा था कि तुम्हे साधारण चोट आई थी, किन्तु मैंने समाचारपत्र मे पढा कि तुम्हारा सिर एक चट्टान से टकराया है । इसलिए मेरी इच्छा हुई कि तुम्हारे पास आ जाऊ ।'

'धन्यवाद, बौबी !'

चार वर्ष पहले से जब राबर्ट एक्सेटर चला गया था, मेरी ने आज पहली बार उसे उसके बचपन के नाम से पुकारा था और फिर उसने अनुभव किया कि जब राबर्ट ने उससे दुर्घटना का सारा ब्योरा पूछा तो पहली बार ही उसे अपने सबसे बडे बेटे से प्यार मिला था। उसने मेरी के शयनागार मे ही अपने माता-पिता के साथ भोजन करने का अनुरोध किया और यह बताया कि उसने निश्चय किया है कि जब अगले वर्ष वह हार्वर्ड से स्नातक की परीक्षा पास कर लेगा तो वह वकालत के कालेज मे प्रवेश प्राप्त करेगा। अब्राहम जिस चाकू से मास का टुकडा काट रहा था उसे उसने नीचे रख दिया और बोला :

'राबर्ट, तुम मुझसे अच्छे वकील बनोगे। भाई स्टुअर्ट से जितनी पुस्तके मुझे मिल सकती थी, उन्हे पढ-पढकर ही मैंने कानून सीखा है। बहुत-सी पुस्तके तो मैं न्यूसलेम से स्प्रिंगफील्ड तक के बीस मील के मार्ग को तय करते-करते ही पढ डालता था।'

न्यूसलेम का उल्लेख होते ही मेरी के मस्तिष्क मे टीस-सी उत्पन्न हुई और वह बोल उठी :

'ग्रामीण वकील के रूप मे तुम बुरे तो नही रहे।' किन्तु उसके स्वर मे इतनी गम्भीरता थी कि किसीको उसकी इस बात पर हसी नही आई।

अब्राहम ने जब मेरी को कुछ व्यग्र देखा तो उसने उसको कुछ शुभ समाचार सुना दिए : गेटिसबर्ग के पीछे सेमेटरी पहाडी पर जनरल मीडे की सेना ने युद्धस्थल बना लिए है और आग्नेयास्त्रो के सबसे बडे स्थल-युद्ध मे, ऐसा कि सयुक्त राज्य अमेरिका मे आज तक कभी पहले नही लड़ा गया, जनरल ली की सेना को पीछे खदेड दिया है और विद्रोहियो की लगभग आधी सेना मृत्यु के घाट उतारी जा चुकी है। जनरल ग्राट ने विक्सबर्ग पर अधिकार कर लिया है और विद्रोहियो के अस्सी हजार सैनिको को बन्दी बना लिया है। अब मिसिसिपी का सम्पूर्ण भाग सघ के अधिकार मे है।

मेरी ने ईश्वर को धन्यवाद दिया कि इस समय सारी बात स्पष्ट तो हुई, किन्तु मस्तिष्क मे इतनी देर तक उन बातो का जमघट रहा कि उसके सिर मे दर्द होने लगा जिससे वह सारी रात एक पल के लिए भी नही सो पाई और तकिए मे कभी इस ओर कभी उस ओर मुह को छिपाए हुए कराहती रही क्योकि वह नही चाहती थी कि दूसरे कमरे मे अब्राहम उसके कराहने की आवाज़ को

मुने। डा० स्टोन उसको एक ओषधि दे गया था जिसको उसने शीतल जल मे मिश्रित कर लिया। जब उसके सिर का दर्द समाप्त हुआ तो वह उसके वक्ष-स्थल मे होने लगा जैसे मानो वह एक स्थान से हटकर दूसरे स्थान मे समा गया है।

प्रात काल उसने आइज़क न्यूटन को बुलाया। उसके केश श्वेत थे और वह फिलेडेल्फिया का निवासी था। पहले उसकी आइसक्रीम की दुकान थी जिससे उसे बडी आमदनी हुई थी। उसने एक फार्म भी खरीद लिया था और क्रीम निकालने का काम करने लगा था। फिर उसे कृषि-विभाग का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया था। विलियम की मृत्यु के पश्चात् वह मेरी के बहुत निकट आ गया था। जब सारे व्यक्ति मेरी के रुदन से उकता गए थे, तो वह घटो न्यूटन के कन्धो पर मुह रखे रोती रहती थी। न्यूटन अक्सर जार्ज टाउन श्रीमती लारी से, जो एक ब्रह्मवादी महिला थी, मिलने जाया करता था। मेरी ने उससे कहा कि एक दिन उसे भी अपने साथ ले जाए, किन्तु यह कहने से पूर्व मेरी ने उसको यह सौगन्ध खिला दी थी कि वह इस भेद को प्रकट न करे।

जब भी मेरी श्रीमती लारी से आध्यात्मिक विषय पर चर्चा करके आती, तो उस रात उसकी आख खुल जाती और वह देखती कि विलियम उसके पलग के निकट खडा है। श्रीमती केकली ने बताया .

'मैं वाशिंगटन मे जिन अन्य स्त्रियो के वस्त्र तैयार करती हू, उन्होने मुझे बताया कि कोलचेस्टर नाम का एक व्यक्ति भूत-प्रेत विद्या मे बडा ही पारगत है। सारी स्त्रिया वहा सिर से लेकर पैर तक पर्दे मे ही जाती है जिससे आपको कोई पहचान भी नही सकेगा।'

तीसरे पहर के समय मेरी वाशिंगटन की बाहरी सीमा पर स्थित एक घर में गई। वहा वह एक अन्धकारपूर्ण कमरे मे अन्य स्त्रियो के साथ बैठ गई। उसने घटियो और बैजो के बजने की ध्वनि को और टक-टक तथा कुरेदने जैसे स्वर को सुना। मेरी ने देखा कि कोलचेस्टर मे हृदयग्राह्यता और आकर्षण की बड़ी ही शक्ति है। वह किसी प्रकार जान गया कि आज उसके यहा मेरी आई हुई है। अगले दिन ही वह मिलने चला आया और उसने प्रार्थना की कि ह्वाइट हाउस मे अपनी शक्तियो के प्रदर्शन के लिए उसे अवसर प्रदान किया जाए। मेरी सह-मत हो गई। उसने श्रीमती केकली को निमन्त्रित किया और क्योकि स्टाडार्ड

बाहर गया हुआ था, अत. मेरी ने नोआह ब्रुक्स को, जो एक समाचारपत्र-विक्रेता था और जिसपर मेरी और अब्राहम दोनो ही विश्वास करते थे, बुला भेजा। उसने ही विनीत भाव से आने से मना कर दिया।

मेरी ने इस-काम के लिए वह समय रखा जबकि अब्राहम सामान्यतः युद्ध-विभाग के तारघर चला जाता था। कोलचेस्टर ने बैठक मे अधेरा कर दिया और दूसरी दुनिया से सम्पर्क स्थापित किया। अगले दिन कोलचेस्टर के पास से मेरी को एक पत्र प्राप्त हुआ जिसमे उसने लिखा था कि वह 'उसके लिए युद्ध-विभाग से एक पार-पत्र दिलवाए, अन्यथा वह उसके बारे मे ऐसी बातें कहेगा जो अप्रिय होगी।' मेरी ने नोआह ब्रुक्स को बुलवाया और उसे वह पत्र दिखाया। ब्रुक्स ने उस व्यक्ति की धृष्टता पर अविश्वास-सा प्रकट करते हुए सिर हिलाया

'जब आपने मुझे यहा कोलचेस्टर के कृत्य देखने को बुलाया था तो मुझको बडा कौतूहल हुआ और मै एक डालर खर्च करके उसके घर गया। हमको मेज के इर्द-गिर्द बैठा दिया गया। तत्पश्चात् ढोल की ढम-ढम और घटियो की टन-टन से कमरे की शाति भग की गई। मैं उठा और मेरे हाथ मे एक ठोस और मासल हाथ आ गया। इस हाथ मे एक घटी थी जिसको एक ढोल पर जोर-जोर से मारा जा रहा था। मैं चिल्लाया, 'प्रकाश करो!' जब गैस जलाई गई तो मैने देखा कि मेरे हाथ मे कोलचेस्टर का हाथ है। इस दुष्ट को बुलाइए, मै उससे निबट लू गा।'

अब्राहम युद्ध-विभाग से लौटा। प्रथमत उसने हाल की घटनाओ के बारे मे बताया। जनरल मीडे ने जनरल ली की तितर-बितर सेना का पीछा नही किया जिससे जनरल ली पोटोमैक को पार करके सुरक्षित तौर से वर्जीनिया पहुच गया। इसके बदले मे मीडे ने अपनी सेना को बधाई दी कि उसने अपनी भूमि से दुश्मन को मार भगाया।'

• 'मैक्लेलन ने भी इसी मार्ग को अपनाया था और यह समझकर कि पेनसिल-वानिया और मेरीलैड सुरक्षित हो गए है, उसने उसको विजय का स्वरूप दे रखा था। क्या हमारे जनरलो के मस्तिष्क से वह बात कभी नही निकल सकती और क्या वे कभी इस बात को नही समझ सकते कि सम्पूर्ण देश हमारा है?'

उसने मानचित्र को, जिसका वह अध्ययन कर रहा था, लपेट लिया और फिर बड़े ही गभीर भाव से मेरी की ओर देखा।

'देखो मेरी, यही बात कुछ कम बुरी न थी कि तुम इन सभाओ मे सम्मिलित होती हो और यह सोचकर अपने आप को भ्रम मे डालती हो कि विलियम रात्रि के समय तुम्हारे कमरे आ जाएगा इसपर तुमने उस दुष्ट को ह्वाइट हाउस मे ऐसी सभा करने दी ? इससे लोग यह समझेगे कि प्रेसीडेन्ट भूत-प्रेतो मे विश्वास रखता है और वह इन बातो को मानता है। यह हमारा घर नही है। हम साधारण नागरिक नही है। हमे ऐसा कोई भी काम नही करना चाहिए जिससे प्रेसीडेन्ट के पद पर अथवा कार्यपालिका-भवन पर लाछन आए।'

मेरी ने सोचा कि अब्राहम बिलकुल राबर्ट की तरह मुझे डाट रहा है।

अगस्त मास के प्रारम्भ मे उसका लाल केशो वाला भाई अलेग्ज़ैडर बैटन रोज के युद्ध मे मारा गया। लेक्सिगटन से स्प्रिगफील्ड जाने से पूर्व वह बचपन मे अलेग्ज़ैडर को कन्धो पर उठाए-उठाए फिरती थी। सारे भाइयो मे अलेग्जैडर ही उनके उद्घाटन-समारोह मे सम्मिलित होने आया था और उसे अपनी बहन के सौभाग्य पर बडा गर्व तथा हर्ष था। जब मेरी ने यह समाचार सुना तो उसने अपने शयन-कक्ष का द्वार बन्द कर लिया और घुटनो मे मु ह छिपाकर रोने लगी :

'हाय, मेरे एलेक्स, क्या तुम्हे भी मरना था ?'

मेरी बडी उदास रहने लगी। वह हर समय किसी न किसी चिन्ता मे डूबी रहती थी। स्प्रिगफील्ड मे जो सामान वे अपने मित्रो के यहा छोड आए थे, वह पडा सड रहा था। उसकी बहन एन उसके बारे मे बुरी-बुरी बातें फैला रही थी, उसको 'रानी मेरी' के नाम से बदनाम कर रही थी और यह कहती फिरती थी कि अब मेरी का दिमाग बडा ऊचा हो गया है और वह अब अपनी छोटी बहन को कुछ दिनो के लिए ह्वाइट हाउस कैसे बुला सकती है। अब मेरी नौकरो को कुछ भी बताते समय चढ जाती थी और किसी समय कुछ भी आदेश दे देती थी, जबकि पहले वह उनके साथ बडा अच्छा व्यवहार करती थी। मेरी केट्चेज से लड बैठी कि स्वागत-समारोहो के अवसर पर वह अपना एक अलग ही दरबार लगाकर बैठ जाती है। उसने निकोले और हे से भी इस बात पर झगडा कर लिया कि सौ डालर प्रतिमास का वेतन, जोकि एक नौकर के लिए, जिसके स्थान पर अभी तक कोई भी व्यक्ति नही रखा गया है, मिलता है, उसे दे दिया

जाए ताकि वह उस राशि को ह्वाइट हाउस के लिए वस्तुएं मंगाने और आमोद-प्रमोद की व्यवस्था करने मे व्यय कर सके। निकोले ने उत्तर दिया :

'उस रुपये को किसी नौकर को ही दिया जा सकता है, अन्यथा उसे सरकार को वापस करना होगा।'

जान हे ने कहा, 'वह रुपया हमारा नही है। कानून से वह जिस काम के लिए नियत किया गया है, उसके अतिरिक्त हम उसको किसी और काम पर व्यय नही कर सकते।'

मेरी ने इसको पसन्द नही किया कि यह छोटा-सा लडका उसको भाषण सुनाए।

'मैंने तुम दोनो को अपने घर मे रखा है, तथापि तुम मेरे साथ ही स्वेच्छाचारिता का व्यवहार कर रहे हो!'

अगले दिन ही दोनो सचिव होटल मे रहने चले गए। अब्राहम को उनका जाना अच्छा नही लगा। सायकाल को वे अपनी डाक छाटने के लिए कार्यालय आ जाते थे। अब्राहम उनके पास जाकर उन्हे आर्टेमस वार्ड अथवा पेट्रोलियम वी० नेस्बी के मनोरजक अध्याय सुनाने मे आनन्द का अनुभव करता था।

कुछ दिन पश्चात् बोस्टन और मानहटन से आई कुछ महिलाओ को एक विशेष दावत दी गई। यद्यपि मेरी ने उनका हार्दिक स्वागत किया किन्तु वे महिलाए जो सिर से पैर तक काले मातमी वस्त्र पहने हुए थी, मेरी के गहरे लाल वर्ण के वस्त्रो को आश्चर्य-भाव से देख रही थी। जब न्यूयार्क की महिलाए रग-बिरगे रेशमी वस्त्रो और चमकते हुए हीरो मे सुसज्जित होकर आईं तो मेरी को बडी प्रसन्नता हुई कि उससे उन महिलाओ का ध्यान उसकी ओर से हट गया था। जब खाना खाने के लिए ईस्ट रूम तक सब अतिथियों को पहुचाने का समय आया, तो मेरी अब्राहम के पास जा खडी हुई और उसका हाथ पकडकर बोली.

'ढाई वर्ष से तुम इस चिन्ता मे हो कि तुमको एक ऐसी महिला मिले, जो तुम्हारे साथ सबसे आगे चले। यह प्रथा व्यर्थ है। राष्ट्रपति को ही प्रत्येक कार्य मे आगे रहना चाहिए और तुम्हारी पत्नी होने के नाते मैं तुम्हारे साथ आगे-आगे चलूगी।'

अब्राहम ने अपनी भौहो को ऊपर उठाया किन्तु मना नही किया।

एक छोटी-सी दावत का आयोजन था। मेरी ने महिला-अतिथियो की सूची

को ध्यानपूर्वक देखा। मेरी को अब्राहम के साथ कष्ट पाते कई वर्ष बीत चुके थे। अत: अब उसका यही निश्चय था कि वह किसी नौजवान और सुन्दर नारी को राष्ट्रपति की विनोदपूर्ण उक्तियो पर खुलकर हसने और उसकी ओर आदर भरी दृष्टि से देखने नही देगी।

एक दिन प्रात काल मेरी ने अब्राहम के कार्यालय का द्वार खोला। कमरे के मध्य मे अब्राहम खडा था। उसके समक्ष एक आकर्षक नारी घुटनो के बल बैठी हुई थी और उसकी भुजाए अब्राहम के पैरो पर थी।

मेरी ने कहा, 'ऐसा दृश्य मैने जीवन भर नही देखा।'

नारी उठ खडी हुई और लज्जा के मारे गडी जा रही थी।

'श्रीमती लिकन, मै राष्ट्रपति से प्रार्थना कर रही थी कि वे सरकार से मेरा रुपया दिला दे।'

'मेरी ने तीव्र स्वर मे कहा, 'तुम्हे यह कैसे विचार आ गया कि फर्श पर बैठने से तुम्हारा दावा मजबूत हो जाएगा ?'

स्त्री चली गई। अब्राहम मेरी से बोला :

'देखो देवी जी, व्यर्थ मे अपने अपयश का कारण स्वय मत बनो। उसके जिले के काग्रेस मैन की प्रार्थना पर ही मैने उससे भेट की थी। कही तुम्हारे हृदय मे ईर्ष्या के भाव तो उत्पन्न नही हो गए और वह भी सगमन कस्बे के उस घरेलू व्यक्ति के बारे मे जिसके साथ सहृदया मेरी टाड के अतिरिक्त पेडेस्ट्रियन क्लब की और कोई भी लडकी चलने को तैयार न थी ?'

'सहृदया' शब्द सुनकर मेरी कुछ नम्र हुई और अब्राहम जानता था कि उस शब्द का यह प्रभाव होगा।

मेरी ने अपने दु खते हुए सिर को उगलियो से सहलाते हुए कहा

'ओ, अब्राहम, मुझसे एक बार कह दो कि न्यूसलेम वाली उस लडकी की बात सच नही है, वह सब झूठ है। मुझसे कह दो कि तुमने सारी आयु केवल, मुझ ही से प्रेम किया है।'

अब्राहम ने मेरी के चेहरे पर व्यग्रता के चिह्न देखे। उसने उसके कंधो पर अपना हाथ रख दिया।

'तुम, टाड और राबर्ट वर्मौन्ट पर्वत पर कुछ समय के लिए क्यों नही चले जाते ? तुम्हारे मन को शान्ति मिलेगी। मै भी थोडे दिनो बाद वहा आ

जाऊगा ।'

'अब्राहम, प्रण करते हो न ? मैं तो यहां की गर्मी, खटमलो और दु ख से वस्तुत: बचना चाहती हू, किन्तु तुम ठीक कहते हो न कि तुम वहा आ जाओगे ?'

सारी तैयारी कर दी गई। मेरी को केवल अपने पुत्रो को बुलाना पडा। वह बग्घी मे सवार हो गई और फिर न्यूयार्क के लिए गाडी मे बैठ गई। उनके आने के समाचार न्यूयार्क के समाचारपत्रों मे प्रकाशित कर दिए गए थे। जब वे मेट्रोपालिटन होटल पहुचे तो ब्रुकलिन नौसेना के नायको ने उनसे पूछा कि क्या श्रीमती प्रेसीडेन्ट लिंकन उत्तरी कैरोलिना के पदाधिकारियो तथा उनकी पत्नियो से मिलने के लिए पत्तन तक चलना चाहेगी ?

जब मेरी ने जहाज के तख्ते पर पैर रखा तो उसने देखा कि उसके और स्वागत-मच के बीच विद्रोहियो का झडा फैला दिया गया है और इधर-उधर से चलकर वहा तक पहुचने का कोई मार्ग नहीं है। उसके सकोच को देखकर उत्तरी कैरोलिना के कैप्टेन रिचार्ड डब्ल्यू० मीडे ने कहा :

'श्रीमती प्रेसीडेन्ट, क्या कोई विशेष बात है ?'

'मैं एक झडे को पैरो के नीचे रौदकर नही चलना चाहती।'

'श्रीमती लिंकन, यह तो दुश्मनो का झडा है।'

मेरी ने गर्व से उत्तर दिया, 'राष्ट्रपति का कहना है कि हमे उन्हे दुश्मन नही समझना चाहिए। दक्षिण के कई अच्छे नवयुवक मर गए है। यद्यपि उन्होने अपना जीवन एक गलत ध्येय के लिए बलिदान किया है, किन्तु मुझे यह शोभा नही देता कि मैं उस ध्वज को अपने पैरो से कुचलू जिसके लिए उन्होने अपना जीवन दिया है। कैप्टेन, मुझे बडे दु ख से यह कहना पडेगा कि आप यह झडा यहा से उठा लीजिए, अन्यथा मैं आपके अधिकारियो और उनकी पत्नियो से मिलने मच तक नही पहुच सकती।'

क्या यह जाल था ? क्या जिसने भी ऐसा सोचा था, उसने यह जान लिया था कि वह कुछ भी करे किन्तु उसकी आलोचना अवश्य होगी ? क्या किसीने उसको इतनी कठिन परिस्थिति मे डालने की बात सोची थी ? या फिर यह सब कुछ अनजाने मे ही हो गया था ? मेरी ने सोचा कि यह सब कुछ अनजान मे बिना सोचे-समझे ही किया गया है, किन्तु इन सब बातो का उसके मस्तिष्क पर इतना अधिक प्रभाव पडा कि उसके सिर मे ज़ोर का दर्द होने लगा।

उसकी इच्छा हुई कि उसे बर्फ या अग्नि कुछ भी मिल जाए जिसको लगाकर उसे आराम मिले।

मेरी की इच्छा थी कि इतना और कह दे कि 'मेरे कई भाई जिसके लिए अपने जीवन को बलिदान कर चुके है और जिसपर उन्हे इतना अगाध विश्वास है, उस ध्वज को मै पैरो के नीचे नही कुचलूगी,' किन्तु उसने अपने आपको सयत कर लिया, किन्तु उसके आन्तरिक सघर्ष ने उसके दु.ख को और भी बढा दिया। वह सोचने लगी कि जबकि केवल युद्धक्षेत्रो मे ही नही, अपितु उसके अन्दर भी लडाई छिडी हुई है तो इस दशा मे वह कब तक जीवित रह सकेगी।

९६

मेरी को मैंचेस्टर बहुत भाया। वर्मौन्ट मे गर्मी के दिन बिताने के लिए सर्वोत्तम स्थान था। उसका एक कारण यह भी था कि न्यूइगलैंड के इस छोटे-से नगर के एक-से मकान और सफेद स्तम्भ वाले बरामदे, जिनके सामने घास के मैदान और पथरीली सडकें थी, मेरी को लेक्सिगटन की याद दिलाते थे। सडक के दोनो ओर सगमरमर से बनी पटरियो पर चलने मे टाड को बडा ही आनन्द आता था।

मेरी को यह विश्वास हो गया था कि उसके सिर मे उठने वाली टीसो की यदि कोई औषधि है तो वह यही भीनी-भीनी पर्वतीय वायु और यहा का शातिपूर्ण जीवन है। अब्राहम प्राय उसके पास पत्र लिखता रहता था

एग्जिक्यूटिव मैशन, वाशिगटन्
८ अगस्त, १८६३

मेरी प्रिय,

प्रिय टाड को बता देना कि बेचारी 'नैनी बकरी' गुम हो गई है और श्रीमती कुथबर्ट तथा मैं उसके लिए बडे चिन्तित हैं। जिस दिन तुम गई थी, नैनी टाड के पलग पर बैठी जुगाली कर रही थी, किन्तु अब कही गुम हो गई

है और तब से उसका पता नहीं लगा है।

यहां वायुमंडल खुश्क और बहुत गर्म है।

केन्टुकी का चुनाव बहुत अच्छा रहा है····। श्री क्रीटेन्डन की मृत्यु पर कैसियस के भ्राता ब्रूट्स क्ले को कांग्रेस के चुनाव के लिए खड़ा किया गया था और वह निर्वाचित हो गया है। बाकी फिर।

भवदीय,
अब्राहम लिंकन

टाड को खेलने-कूदने के लिए अपनी आयु के मित्र मिल गए। वह दिन भर गायब रहता और खेलता-कूदता रहता। राबर्ट में घूमने की बडी उत्कंठा रहती और वह मेरी को ग्रीन पर्वत के वनों में घुमाने ले जाता। वनों में चारों ओर फल और फूल महकते थे। या फिर वह इक्वीनाक्स पर्वत का दृश्य देखने के लिए मेरी के साथ बरामदे में बैठा रहता। मेरी ने राष्ट्र की पूंजी के बारे में काफी पुस्तकें एकत्र कर ली थीं और प्रतिदिन एक या दो घटे कार्यपालिका-भवन का इतिहास पढ़ती थी।

अधिकांश लोगों को यह भवन बड़ा ही दु:खदायी सिद्ध हुआ था। एण्ड्रयू जैक्सन को, जिसकी पत्नी राशेल का १८२८ के आंदोलन मे इतना निरादर हुआ था कि उसकी मृत्यु हो गई, उसे इसमें एकाकी आठ वर्ष व्यतीत करने पड़े थे। विलियम हेनरी हैरीसन वहां केवल एक मास निवास करने के पश्चात् ही मर गया था। हैरीसन के उत्तराधिकारी जान टेलर की पत्नी भी इस भवन में कुछ अधिक समय नहीं रह सकी और शीघ्र ही पक्षाघात से मर गई। जकारी टेलर केवल डेढ़ वर्ष प्रेसीडेन्ट रहने के पश्चात् ही व्हाइट हाउस में मर गया। श्रीमती मिलार्ड फिल्मोर अपने पूरे कार्यकाल मे अस्वस्थ रहीं और इस कार्यपालिका-भवन को छोड़ने के तीन सप्ताह पश्चात् ही विलार्ड होटल में मर गई। लोगों का विचार था कि राष्ट्र की प्रमुख महिला होने के नाते उनपर सामाजिक जीवन का इतना बोझ पड़ा कि उसीके कारण उनकी मृत्यु हो गई। श्रीमती फिलमोर के बाद श्रीमती फ्रैंकलिन पियर्स का यहां आगमन हुआ। वाशिंगटन आने से तीन सप्ताह पूर्व ही उनके साथ एक रेलवे-दुर्घटना हुई जिसमें उनके तीन बच्चों में से सबसे छोटा उनकी आंखों के सामने ही गाड़ी का डिब्बा नदी में गिर जाने से मर गया था। इस धक्के से वह कभी भी नहीं उभर पाई और

ह्वाइट हाउस की स्वामिनी के रूप मे ठीक रूप से कार्य नही कर सकी । जेम्स बुकानन अविवाहित था और उसके शासन के चार वर्षो की अवधि मे यह भवन प्राय. सूना ही रहा ।

अगस्त समाप्त होते ही अब्राहम के पत्र भी कम आने लगे। उसने अपने आने के बारे मे उसे कुछ नही लिखा। उसके तारो मे युद्ध के समाचारो के अतिरिक्त और कुछ नही होता था .

एग्जिक्यूटिव्ह मैशन
वाशिगटन डी० सी०
२९ अगस्त, १८६३

सब कुशल है। फोर्ट समटर को गोला-बारूद से नष्ट कर दिया गया और वह दुश्मन के लिए किसी काम का नही रह गया है। यहा पर यह विश्वास किया जाता है, किन्तु यह निश्चित नही कि हमारी सेना ने फोर्ट समटर और फोर्ट वैगनर दोनो पर ही अधिकार जमा लिया है। यह भी निश्चित है कि जनरल गिल्मोर ने चार्ल्सटन शहर के अन्दर गोलाबारी की है।

अब्राहम लिकन

वाशिगटन, डी० सी०
६ सितम्बर, १८६३

सब ठीक है। कोई नवीन समाचार नही। जनरल बर्नसाइड ने नाक्स विले, (टेनेसी) पर अधिकार कर लिया है।

अब्राहम लिकन

राबर्ट वोस्टन वापस चला गया और मेरी टाड के साथ अकेली रह गई। अब्राहम के तार अब केवल तीन शब्दो के ही अर्थात् 'सब कुशल है' आने लगे। मेरी को यहा रहकर जो आराम मिला था तथा उसके स्वास्थ्य मे जो वृद्धि हुई थी, किन्तु इस आशका से कि अब अब्राहम को उसकी आवश्यकता नही रह गई है और वह उसको अपने पास नही रखना चाहता है, उसका स्वास्थ्य फिर बिगडने लगा। प्रेम और विवाह की स्थिति कितनी परिवर्तनशील होती है, कभी उसमे हर्षोल्लास का उज्ज्वल प्रकाश होता है, और कभी उसमे दु:ख और निराशा की अन्धकारपूर्ण रात, जिसमे वे सारी बुराइया उत्पन्न हो जाती है जिनका प्रभाव शरीर और आत्मा पर भी पड़ता है।

सितम्बर मास बीतने वाला था। हल्की ठंड पड़ने लगी थी। मेरी को जुकाम हो गया। उसने अपने घर के निकट न्यूयार्क के फिफ्थ एवन्यू होटल में जाने और वहीं रहते हुए वापस बुलाने के लिए अब्राहम के पत्र की प्रतीक्षा करने का निश्चय किया। मेरी ने यह अनुभव किया कि मन ही मन में कुढ़ते रहने और व्यर्थ की बातों पर विचार करने से ही उसकी प्रसन्नता समाप्त हुई है। उसे स्वयं ही साहस बांधना चाहिए, अपने को प्रसन्नचित्त रखना चाहिए, कदापि इस मनहूस शब्द 'दर्द' का उल्लेख नहीं करना चाहिए और न अपने आपको भावनाओं के चक्कर में डालना चाहिए। यदि स्वयं उसमें इतना साहस नहीं कि वह 'एक्सिस' लेख को अब्राहम के पास ले जाए क्योंकि इसमें यह आशंका थी कि कहीं अब्राहम यह न मान बैठे कि उस कहानी में वस्तुतः कुछ सचाई थी, तो फिर व्यर्थ में ही वह अपनी ईर्ष्या की भावना को क्यों बढ़ाए? उसे स्वयं को पुनः सुन्दर बनाना चाहिए, प्रसन्न रखना चाहिए और अपने मन को समझाना चाहिए कि आहें भरने से हंसना अच्छा है।

मेरी न्यूयार्क में कुछ ही दिन रही होगी कि उसे ह्वाइट हाउस की नौकरानी, श्रीमती कुथबर्ट से प्रेसीडेन्ट का यह संदेश मिला कि 'वाशिंग्टन की दशा रोगीवत् है और तुम किसी भी हालत में न आना।' मेरी को बड़ा दुःख हुआ किन्तु उसे अपना संकल्प याद आया। अगले दिन उसे एक तार मिला :

एग्जिक्यूटिव मैंशन वाशिंगटन,
२२ सितम्बर, १८६३

श्रीमती कुथबर्ट मेरी बात को ठीक तरह से नहीं समझ पाई। मैंने उससे यह कहने को कहा था कि यह तुम्हारी इच्छा है, तुम चाहो तो वहीं रहो, नहीं तो आ जाओ। मैंने उससे यह नहीं कहा था कि वाशिंगटन का मौसम गंदा है और तुमको किसी भी हालत में नहीं आना चाहिए। मैं तो यह अनुभव करता हूं कि वाशिंगटन का मौसम आजकल जितना स्वास्थ्यवर्द्धक है वैसा कभी नहीं रहा, और मैं सच तुमसे मिलना चाहता हूं।

अब्राहम लिंकन

मेरी को ऐसा अनुभव हुआ कि अब्राहम को उसकी फिर आवश्यकता प्रतीत हुई है। उसने अब्राहम को तार भेजा कि स्टेशन पर उसे लेने के लिए बग्घी कब पहुंच सकती है?

मेरी होटल के कमरे से चलने ही वाली थी कि उसे एक और तार मिला। इसमे अब्राहम ने संघ के जनरल रोजक्रान्स और विद्रोहियो के जनरल ब्राग के बीच चिकामाउगा के युद्ध का हाल लिखा था

२४ सितम्बर, १८६३

परिणाम यह है कि हमारी काफी हानि हुई है, इस रूप मे कि युद्ध के समाप्त होने के बाद हम वहां से भाग आए और हमारा तोपख़ाना और ज़ख्मी सैनिक दुश्मनो के हाथो मे चले गए और उसके बदले में हमारे हाथ कुछ नही लगा। हमारे जनरल पदाधिकारियो मे से एक मारा गया और तीन अथवा चार ज़ख्मी हुए है। ब्रिगेडियर सभी मारे गए है। विद्रोहियो के बारे मे प्राप्त जानकारी के अनुसार उनके छः पदाधिकारी मारे गए है जिनमे तुम्हारा जीजा हेल्म भी है।

बेन, एमिली का पति, जिसके लिए अब्राहम ने संभरण-विभाग में मेजर का पद प्रदान किया था ताकि उसे लडना या मरना न पडे, अब मार डाला गया था। एमिली, उसकी प्रिय छोटी बहन, अब विधवा हो गई थी।

मेरी रो पडी, 'मेरे कितने भाई मारे जा चुके हैं, सैमुअल, अलेग्जैंडर, डेविड, बेन। क्या अब वह समय भी आने वाला है, जबकि हम सब मर चुके होगे ?'

मेरी अपने चेहरे पर मुस्कराहट लाई और बरामदे मे खडी भीड मे से निकलकर गाडी मे जा बैठी।

मेरी सफेद कश्मीरी गाउन पहने, जिसको वह न्यूयार्क से लाई थी, अपने शयन-कक्ष मे बैठी थी। अब्राहम उसके पास बैठ गया। उन दोनो के सामने मेज़ पर फलो का प्याला और मिश्री का डिब्बा रखा हुआ था। तेल के लैम्पो की लौ मन्द कर दी गई थी। मन्द प्रकाश मे अब्राहम बुरा नही लग रहा था, उसका चेहरा यद्यपि पतला था किन्तु उसपर चमक थी। मेरी के कपोल भी चमक रहे थे। पर्वतो पर जाने से उसका स्वास्थ्य अच्छा हो गया था। मेरी प्रसन्न थी कि वह ह्वाइट हाउस मे अपने शयन-कक्ष मे वापस आ गई है, उसका पति उसके पास है, आश्वासन और प्रेम का अनुभव कराने वाला उसका हाथ उसके ऊपर है तथा अब्राहम के मुख से गत दो महीनो की घटनाओ का वर्णन सुनते समय वह उसकी मधुर अनुनासिक वाणी का रसास्वादन कर पा रही है।

'तुम्हारी मा ने मुझे लिखा है कि उन्हे अटलान्टा जाने के लिए एक पास दिला दूं ताकि वह एमिली और उसकी दो पुत्रियो को लेक्सिंगटन ला सकें।

मैं पास भेज रहा हू ।'

मेरी ने कहा, 'धन्यवाद ! तुम सदा ही मेरे परिवार के प्रति कृपालु रहे हो ।'

सैनिक स्थिति अब भी शोचनीय दशा मे थी । रोजक्रास की हार पुनः गलत निर्णय के फलस्वरूप हुई थी । बिना मुकाबले के ही चाटानूगा पर अधिकार करने के उपरात उसने दक्षिण की ओर ब्राग का पीछा किया और एक ऐसी स्थिति मे फस गयी जिसमे ब्राग की सेना का अच्छी तरह मोर्चाबन्दी करके उसका मुकाबला कर सकता था ।

अब्राहम ने दु.ख से कहा, 'मुझे रोजक्रान्स को भी हटाना पड रहा है । हमारे पास केवल एक जनरल है जो युद्ध करेगा और विजयी होगा और वह है यूलिसेस एस० ग्रान्ट । मैं उसे मिसिसिपी के नये डिवीजन का सेनापति बना रहा हू ।'

एक दिन नवम्बर मास के मध्य अब्राहम भोजन के पश्चात् सेब खाता हुआ बैठक मे आया । उसकी आखें कही दूर लगी हुई थी :

'सीनेटर समनर ने मुझको एक बहुत बडे व्यापारी का पत्र दिया है जिसमे मुझसे यह कहा गया है कि किसी अवसर पर आकर मैं लोगो को यह बता दू कि इस युद्ध का उद्देश्य क्या है । उन्नीस तारीख को एक समाधि पर श्रद्धाजलि अर्पित करनी है और मुझे भाषण देने को निमन्त्रित किया गया है । मैं जनता के सामने बहुत समय से नही बोला हू, किन्तु मेरा विचार है कि भाषण करने के लिए यह उपयुक्त स्थान और उपयुक्त अवसर होगा । भाषण मे मुझे क्या-क्या कहना है, उसकी बहुत-सी बाते तो मैंने मन मे सोचली हैं ।'

अब्राहम एक बडी मेज़ पर बैठ गया । उसने एक सरकारी कागज उठाया और प्रथम पृष्ठ भर दिया । पृष्ठ के अत मे लिखे हुए वाक्याश को काट दिया और दूसरे पृष्ठ पर लगभग छः पक्तिया लिखी ।

'भाषण छोटा ही है किन्तु मुझे इससे अधिक कुछ नही कहना है । गाड़ी से जाते समय मैं इसको फिर से लिख लूगा ।'

उसने दोनो कागज मेरी के हाथ मे दे दिए । मेरी ने पढना प्रारम्भ किया

'सतासी वर्ष पूर्व हमारे पूर्वजो ने स्वाधीनता के सिद्धान्त पर तथा इस

उद्देश्य को सामने रखकर कि 'सब व्यक्ति जन्म से समान है' इस महाद्वीप पर एक नवीन राष्ट्र की नींव डाली थी।

'अब हम गृहयुद्ध में संलग्न है और इस बात की परीक्षा कर रहे है कि यह राष्ट्र अथवा कोई राष्ट्र जो इस प्रकार के सिद्धान्त पर आधारित हो, अधिक समय तक टिक सकता है अथवा नहीं। हम उस युद्ध के बहुत बड़े मैदान में एकत्र हुए है। हम इसके कुछ भाग को उन शहीदों को समर्पित करने आए है जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन दिया था, ताकि उनकी आत्माएं सदा के लिए यहां विश्राम कर सकें और राष्ट्र जीवित रह सके। हमारा ऐसा कार्य औचित्य-पूर्ण हो सकता है किन्तु व्यापक अर्थ मे हम इस भूमि को समर्पित नहीं कर सकते, हम यहां पर उनकी समाधि की प्रतिष्ठा कर इस भूमि को पवित्र नहीं बना सकते, उन वीर पुरुषों ने जिन्होंने यहां युद्ध किया और शहीद हुए अथवा जीवित हैं, इस भूमि को इतना पवित्र बना दिया है कि उस पवित्रता को बढ़ाने या घटाने की शक्ति हममें नहीं। जो कुछ हम यहां कह रहे है, विश्व उसकी ओर न तो ध्यान देगा और न ही उसको याद रखेगा, किन्तु उन वीरों ने जो कुछ किया उसको वह कदापि नहीं भूल सकता।

'हम जीवितों का यह कर्तव्य है कि हम यहां खड़े हों और अपने आपको उस महान् कार्य की पूर्ति के लिए समर्पित करे जोकि हमें करना शेष है—कि हम उन शहीदों का उदाहरण अपने समक्ष रखकर उस कार्य की पूर्ति के लिए और प्राणपण से लग जाएं जिसके लिए उन्होंने अपने जीवन का बलिदान किया, कि हम यहां पर संकल्प करे कि उन शहीदों का त्याग निरर्थक नहीं जाएगा, कि राष्ट्र में स्वतन्त्रता का नवोदय होगा और वह सरकार जो सर्वसाधारण की है तथा सर्वसाधारण द्वारा ही बनाई गई है, इस संसार से लुप्त नहीं होगी।'

मेरी ने अब्राहम की ओर देखा और धीरे से कहा :

'अब्राहम, यह भाषण बड़ा हृदयद्रावक है।'

अगले दिन प्रातःकाल वह गेटिसबर्ग चला गया। दूसरे दिन अर्धरात्रि को जब वह वापस आया तो मेरी उसकी प्रतीक्षा कर रही थी। उसका चेहरा बहुत गंभीर था।

'भाषण कैसा रहा ?'

अब्राहम चिन्ता मे डूब गया ·

'मेरा विचार है, ठीक ही रहा। मैसाचुसेट्स का प्रसिद्ध वक्ता पूरे दो घंटे तक बोलता रहा और उसने श्रोताओ के हृदयो पर पूर्ण अधिकार जमा लिया। मेरे भाषण को केवल ढाई मिनट लगे, इसलिए मेरा विचार है कि भीड के सभलने से पूर्व ही मेरा भाषण समाप्त हो गया था। लोगो ने थोडी-बहुत ताली बजाई, अधिक नही। मेरी, मै बहुत थकान महसूस कर रहा हू, पता नही क्यो।'

डा० स्टोन ने पहले तो बताया कि ठड लग गई है, फिर कहा कि गर्दन-तोड बुखार है और जब चेहरा सुर्ख हो गया तो उसने बताया कि लाल बुखार है, किन्तु बाद को पता चला कि एक प्रकार की छोटी चेचक है। अब्राहम ने मंद मुस्कान के साथ मेरी की ओर देखा और कहा :

'मेरी, अन्ततोगत्वा, मुझे ऐसी चीज़ तो मिली जिसे मैं सबको दे सकता हू।'

अब्राहम की धारणा गलत थी। यह समाचार प्रकाशित होते ही उसे ह्वाइट हाउस छोडनी पडा। वह बिस्तर मे ही काम करता और वही उसे जनरल ग्राट के तार मिल जाते है। उसे समाचार मिला कि चट्टानूगा के दक्षिण मे, जहा उसने जनरल रोज़क्रान्स को हटाकर जनरल ग्रान्ट को नियुक्त किया था, विजय हुई है और जनरल ग्रान्ट ने विद्रोही जनरल ब्राग को भी हरा दिया है। जिन दिनो अब्राहम स्वस्थ हो रहा था, मेरी और टाड उसके पास थे। इस बीच एमिली और उसकी मा के बारे मे यह तार मिला कि जब ये दोनो स्त्रिया चेसापीक खाडी पर स्थिति मोनरो किले के पास पहुची तो एमिली ने सघ के प्रति निष्ठा की शपथ लेने से मना कर दिया, जोकि दक्षिण से सघ-राज्य-क्षेत्र मे प्रवेश पाने से पूर्व प्रत्येक को लेना अनिवार्य था और कहा कि इस प्रकार की शपथ लेना उसके मृत पति के प्रति विश्वासघात करना होगा।

मेरी ने कहा, 'बेचारी दुःखी और चिन्तित है कि उसका साहस अभी नही टूटा है।'

अब्राहम ने गभीरतापूर्वक कहा, 'कभी भी किसी दक्षिण-निवासी का साहस नही टूटा, अन्यथा अभी तक यह युद्ध समाप्त हो जाता।' उसने तार का एक फार्म उठाया और लिखा .

उसे मेरे पास भेज दो।

अब्राहम लिंकन

विलियम की मृत्यु के बाद मेरी ने प्रथम बार प्रिंस आफ वेल्स के अतिथि-कक्ष मे प्रवेश किया और नई पीली बत्तिया जलाकर कमरे को जगमगाया। जो एमिली केवल कुछ ही वर्ष पूर्व बडी ही सुन्दर लगती थी, जिसके कपोल गुलाबी थे और जिसके ओष्ठो पर सदा ही मुस्कान विराजमान रहती थी, काले वस्त्रो मे शोक की सी मूर्ति बनी आई। उसके साथ उसकी चार वर्ष की एक पुत्री थी। उसकी छोटी बच्ची को बेट्सी लेक्सिंगटन ले गई थी।

मेरी ने अपने शयन-कक्ष मे अगीठी के सामने दो व्यक्तियो के लिए भोजन लगाने को कहा। उसने देखा कि एमिली का बर्ताव घर जैसा है। वे दोनो एक-दूसरे को देखकर बडी हर्षित हुईं किन्तु उनका यह मिलना किसी शुभ अवसर पर न था। एमिली ने कहा, 'इस समय जख्म ताजा और गहरा है किन्तु भविष्य भी अन्धकारपूर्ण ही दिखाई दे रहा है।' लेक्सिंगटन के पुराने मित्रो की चर्चा छिडने पर मेरी ने कहा .

'अरे हा, एमिली, अगले सप्ताह मेरा पैतालीसवा जन्म-दिवस है और मैं तो बूढी होती जा रही हू, मै चाहती हूं कि अपने निकटतम मित्रो की एक छोटी-सी पार्टी की जाए। मेरी यह परम इच्छा है कि जबकि यह ह्वाइट हाउस अतिथियो से परिपूर्ण हो, तो तुम भी उस प्रसन्नता के अवसर पर यहा उपस्थित हो।'

भोजन के पश्चात् मेरी एमिली को नीचे ले गई। रेड, ब्ल्यू और ईस्ट कमरो के लैम्प जलाए, ह्वाइट हाउस के किस्से सुनाए और साथ ही आद्योपात यह भी सुना डाला कि इसकी किस-किस तरह से पुनः सजावट की गई।

अगले दिन प्रातःकाल बडी ठड थी। जब तीसरे पहर सूरज निकला तो मेरी एमिली को बन्द बग्घी मे बैठाकर वाशिंगटन के दृश्य दिखाने ले गई। मेरी ने इस बात का पूर्ण ध्यान रखा कि एमिली अपने दु.ख को भूली रहे, किन्तु वह अपने आपको जितना कर सकती थी, उससे वह कही अधिक था क्योंकि सम्पूर्ण उत्तरी भाग यह सोचकर बडा ही परेशान था कि श्रीमती प्रेसीडेन्ट की बहन को जिसने सघ के प्रति निष्ठा की शपथ नही ली, उस बात के पारितोषिकस्वरूप उसको प्रेमपूर्वक कार्यपालिका-भवन मे बुलाकर रखा गया है।

समाचारपत्रो ने एक बार फिर मेरी के दक्षिणी होने पर चर्चा उठाई और उसकी निष्ठा पर संदेह किया। इसी बीच मेरी को दक्षिणी भाग का समाचार-

पत्र भी मिल गया और उसने देखा कि इसमे भी मेरी को गद्दार कहा गया है और इसमे उससे इस बात का कारण पूछा गया है कि जबकि वह दक्षिण की ही रहने वाली थी तो फिर वही वापस क्यो नही आ जाती। मेरी चिल्ला उठी :

'एमिली, मेरा चुम्बन लो और मुझसे कहो कि तुम मुझसे प्रेम करती हो। मैं तो उत्तर और दक्षिण दोनो की बलिदान की बकरी बनी हुई हू।'

बाहर हाल मे अब्राहम के लचककर चलने की आवाज सुनाई दी। मेरी ने अपने चेहरे पर मुस्कराहट उत्पन्न की। एमिली आश्चर्य से पीछे हट गई। मेरी ने बताया :

'मैं नही चाहती कि वे मेरे नेत्रो मे अश्रु देखे। उनके ऊपर काफी चिन्ताएं है।'

जब अब्राहम उन्हे नमस्कार कहकर कार्यालय चला गया तो मेरी ने पूछा :

'क्या, एमिली, हम कभी इन दुःस्वप्नो से छुटकारा नही पा सकेगे ?'

एमिली ने विचारपूर्वक कहा, 'नही, बहन मेरी, इसमे कुछ ऐसी बाते है जिनसे हम कभी छुटकारा नही पा सकेंगे, किन्तु इसमे कुछ अच्छी बाते भी हैं, उदाहरण : तुम्हारे और अब्राहम के हृदयो मे एक-दूसरे के लिए जो प्रेम-भाव है। आज प्रात की ही बात है, लिकन भैया मुझसे बोले . नन्ही बहन, तुम गर्मियो के दिन हमारे साथ सोल्जर्स होम मे बिताओगी न ? तुम और मेरी एक-दूसरे को बहुत चाहती हो। तुम्हारा उसके साथ रहना उसके लिए अच्छा है। मुझे मेरी की बडी चिन्ता है। मानसिक तथा शारीरिक दोनो प्रकार का बोझ जोकि उस-पर पडा है, उसको वह मुझसे नही छिपा सकती।'

इसी बीच में उनका चचेरा भाई जान स्टुअर्ट, जो हाल ही मे स्प्रिंगफील्ड से कांग्रेस मे चुना गया था, आ गया। वह और मेरी प्रेमपूर्वक एक-दूसरे से गले मिले। सांय को सबने इकट्ठे ही भोजन किया और फिर रेड कमरे मे चले गए। टाड एमिली की पुत्री कैथराइन के साथ अंगीठी के सामने बैठा उसको फोटो दिखा रहा था। उसने अपने पिता का फोटो उठाया और अपनी चार वर्ष की मौसेरी बहन को देते हुए बोला :

'यह प्रेसीडेन्ट हैं।'

कैथराइन ने बडे विश्वासपूर्वक अपना सिर हिलाते हुए कहा .

'नहीं, यह प्रेसीडेन्ट नहीं है। मिस्टर डेविस प्रेसीडेन्ट है।'

टाड ने पूरी शक्ति से नारा लगाया, 'एब लिंकन ज़िन्दाबाद !'

कैथराइन ने भी उतने ही उत्साह से नारा लगाया, 'जेफ डेविस जिन्दाबाद।'

एक सदेशवाहक ने एक पत्र लाकर दिया कि जनरल डेनियल सिकलेस, जिसकी गेटिसबर्ग के युद्ध मे एक टाग जाती रही थी, न्यूयार्क के सीनेटर इरा-हैरिस के साथ बरामदे मे प्रतीक्षा कर रहे है और वे विशेष रूप से श्रीमती हेल्म से मिलना चाहते है। जनरल लकडी की टाग पर लगडाते हुए कमरे मे आया।

'श्रीमती हेल्म, मैने सीनेटर हैरिस को बताया कि आप ह्वाइट हाउस मे ठहरी हुई है और अभी-अभी दक्षिण से आई है, इसलिए शायद आप उनको उनके पुराने मित्र जनरल जान सी० ब्रेकिनरिज के बारे मे कुछ जानकारी दे सके।'

'जनरल, मुझे खेद है, जनरल ब्रेकिनरिज से कुछ समय से मेरी भेट नही हुई।'

सीनेटर हैरिस ने एमिली से दक्षिण की सेनाओ के बारे मे पूछा कि उनकी भर्ती कैसी चल रही है और उनके पास खाने-पीने का सामान और कितना है। एमिली ने नम्रतापूर्वक उत्तर दिया कि उसको इन बातो के बारे मे कोई ज्ञान नही है।

हैरिस ने ज़ोर से कहा, 'हम लोगो ने विद्रोहियो को चटानूगा मे बुरी तरह से हराया और मैने सुना है कि वे दुष्ट लोग डरपोक खरगोशो की तरह भाग खडे हुए।'

एमिली ने भर्राई हुई आवाज़ में उत्तर दिया :

'बुल रन पर आपने ही तो उनके लिए ऐसा उदाहरण उपस्थित किया था।'

सीनेटर हैरिस मेरी को सम्बोधित करके बोला :

'राबर्ट सेना मे क्यो नही है ? वह अब देश की सेवा करने के लिए काफी बडा और शक्तिशाली हो चुका है।'

मेरी की ऐसी दशा हो गई कि जैसे काटो तो शरीर मे खून नही।

'सीनेटर हैरिस, राबर्ट सेना मे जाने की तैयारी कर रहा है। वह बहुत समय से जाने की सोच रहा था। यदि कोई गलती है तो मेरी है। मैंने उससे आग्रह किया कि स्नातक होने तक वह कालेज में ही रहे क्योकि मेरा विचार है कि

शिक्षित व्यक्ति अधिक सूझ-बूझ से देश की अधिक सेवा कर सकता है।'

सीनेटर हैरिस अपनी बडी उगली मेरी की ओर करके बोला, 'मेरा केवल एक ही पुत्र है और वह देश के लिए लड रहा है।'

फिर वह एमिली से बोला, 'श्रीमती जी, अगर मेरे बीस पुत्र होते, तो वे सभी विद्रोहियो के विरुद्ध लडते होते।'

एमिली ने उत्तर दिया, 'सीनेटर हैरिस, यदि मेरे बीस पुत्र होते तो एक-एक आपके पुत्रो के विरुद्ध लडता होता।'

एमिली लपककर कुर्सी से खडी हो गई और कमरे के बाहर चली गई।

जनरल सिकलेस ने एमिली के व्यवहार के बारे मे अब्राहम से शिकायत की। अब्राहम जान स्टुअर्ट की ओर मुडा और आख का सकेत करते हुए बोला :

'एमिली की वाणी टाड-परिवार के समान ही तीक्ष्ण है।'

अब्राहम ने तो हसी मे बात टालने का प्रयत्न किया था, किन्तु उससे जनरल सिकलेस क्रोधित हो उठा और वह मेज पर मुक्का मारते हुए चिल्लाकर बोला

'आपको अपने घर मे इस राजद्रोही को नही रखना चाहिए।'

जनरल अपनी सीमा से कही आगे बढ गया था।

अब्राहम ने दृढतापूर्वक कहा, 'क्षमा कीजिए जनरल सिकलेस, मेरी पत्नी और मै अपने अतिथियो को स्वय ही चुनते है। इस विषय मे हम अपने मित्रो से न तो परामर्श चाहते हैं और न सहायता। इसके अतिरिक्त वह बेचारी 'राजद्रोही' इसलिए यहा आई है क्योकि मैंने उसे यहा आने का आदेश दिया था। वह स्वय अपनी इच्छा से यहा नही आई।'

अगले दिन कलेवा के समय एमिली ने कहा :

'बहन मेरी, भैया लिंकन ! मुझे यहा रहते हुए एक सप्ताह हो गया है। कल रात्रि की घटना से यह सिद्ध हो गया कि मैं आप लोगो के लिए केवल परेशानी का कारण ही बनूगी। बहन मेरी, तुम्हारे साथ रहने की तो मेरी बडी इच्छा है, किन्तु तुम तो समझती हो कि मेरा अब यहा से चले जाना ही ठीक है।'

मेरी कुछ भी न बोल सकी। अब्राहम ने मधुरतापूर्वक कहा :

'हम जानते है। मै इसका प्रबन्ध किए देता हू कि तुम्हारे पत्र तुमको सुर-

क्षित रूप से मिल जाए ।'

उस दिन तीसरे पहर वे लोग एमिली को घर के जीने से नीचे ले गए और घर के भोजन-कक्ष से होकर उत्तरी बरामदे मे उसे बग्घी मे बैठा दिया । जब काले परिधानो से सुसज्जित एमिली की बग्घी रवाना हो गई तो अब्राहम ने मेरी के कन्धे पर हाथ रखा और कहा .

'मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि अब मैं कभी भी प्रसन्न नही हो सकूगा। यदि नरक का प्रधान होना भी उतना ही कठिन काम है जिसका मुझे यहा अनुभव हो रहा है, तो मेरे हृदय की सारी सहानुभूति शैतान के साथ है ।'

९७

सन् १८६४ के आने के साथ-साथ राजनीतिक स्थिति मे एक नवीन परिवर्तन आ गया। दोनो दल राष्ट्रपति के चुनाव के लिए उम्मीदवारो के नाम-निर्देशन के लिए सभाए कर रहे थे । एक के बाद दूसरी सैनिक हार के होते रहने तथा उत्तरी भाग मे इस आशका के फैलने से कि विद्रोह कभी भी समाप्त नही होगा, डेमोक्रेट दल की स्थिति दृढ हो गई थी । डेमोक्रेट लोग सोच रहे थे कि वे अपने सर्वप्रिय व्यक्ति जनरल जार्ज बी० मैक्लेलन को नाम-निर्दिष्ट करेंगे और 'किसी भी मूल्य पर शाति' के लक्ष्य को सामने रखकर चुनाव लडेगे ।

राज्यकोष का सचिव चेज़ अब्राहम के मन्त्रिमण्डल मे इस दृढ विश्वास के साथ सम्मिलित हुआ था कि रिपब्लिकन दल की ओर से सयुक्त राज्य का अगला प्रेसीडेट वह बनेगा । उसकी लड़की की राजनीतिक नीति के कारण मेरी और केटी चेज़ के बीच सम्बन्ध बिगड गए थे । चेज़ के समर्थको ने कसास के सीनेटर पोमेरी द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र परिचालित किया जिसमे इस बात पर ज़ोर दिया गया था कि केवल सचिव चेज़ ही राष्ट्र की रक्षा कर सकता है । यह परिपत्र किसी प्रकार समाचारपत्रो मे प्रकाशित हो गया और उससे चेज़ इतना घबराया कि उसने अपना त्याग-पत्र दे दिया ।

मेरी और राबर्ट, जोकि छुट्टियो मे घर आया था, बैठक मे थे जब अब्राहम हसते हुए चेज़ के त्याग-पत्र के साथ वहा आया ।

मेरी ने कहा, 'मुझे आशा है कि तुम त्याग-पत्र स्वीकार कर लोगे ।'

राबर्ट ने कहा, 'इस पोमेरी परिपत्र को पढने के पश्चात् तो अवश्य ही स्वीकार करना पडेगा ।'

अब्राहम ने उत्तर दिया, 'राबर्ट, मैं इसे नही पढूंगा । मै इन बातो के बारे मे भी कुछ नही जानना चाहता हू और न यह चाहता हू कि मेरे मित्र मुझको इस बारे मे कुछ बताए । चेज़ ने राज्यकोष-सचिव के रूप मे बडा ही आश्चर्यजनक काम किया है । केवल व्यक्तिगत विचारो के आधार पर मैं उसके त्याग-पत्र को स्वीकार नही करूगा । मैं द्वेष-भावना से कुछ भी नही करूगा । जो समस्याए मेरे सामने है उन्हे द्वेष-भावना से कभी भी नही सुलझाया जा सकता ।'

जब मेरी ने प्रथा के अनुसार राजभोज के लिए निमन्त्रण-सूची बनाई, जिसमे मन्त्रिमण्डल के सदस्य आदरणीय अतिथियो के रूप मे आने वाले थे, तो मेरी ने सोचा कि वह मन्त्री चेज़ अथवा उसकी पुत्री को निमत्रण नही भेजेगी; यदि हमे आस्तीनो के साप ही पालने है, तो यह आवश्यक नही कि उन्हे अपने हाथो से ही दूध पिलाया जाए ।

प्रत्यक्षतः सचिव चेज़ को बुलाने का एक ठोस कारण था; सावधान जान निकोले ने इस बात को बडे ही तर्कपूर्ण ढग से कहा :

'श्रीमती लिंकन, राजभोजो के लिए अतिथि-सूचियो की जाच करना मेरा कर्तव्य है । आपने इसमे चेज़-परिवार को नही रखा है । आप ऐसा नही कर सकती, यह शिष्टाचार के विरुद्ध होगा । ऐसे कई दायित्व है जिन्हे प्रथम महिला को पूरा करना चाहिए । मै आपसे प्रार्थना करता हू कि आप इसपर पुनर्विचार करे ।'

'मैं पुनर्विचार नही करूगी ।'

निकोले उदासीनतापूर्वक झुका और चला गया ।

मेरी अगली दो राते नही सो सकी । तीसरी रात्रि के मध्य मे उसने अपने मन मे यह स्वीकार किया कि वह गलती पर थी । वह जल्दी उठ गई, सचिव चेज़ और उसकी पुत्री के पास निमन्त्रण भेजा और साथ ही जान निकोले को यह कहला भेजा कि वह उनके साथ ही घर पर कलेवा करे । निकोले शिष्टता-

पूर्वक, किन्तु गम्भीर भाव से बैठा रहा।

'मिस्टर निकोले, मैं क्षमा चाहती हू। मैंने वेज-परिवार को निमन्त्रण भेज दिए हैं। मुझे पूर्ण आशा है कि आप स्वय राजभोज मे सम्मिलित होकर मुझे क्षमा प्रदान करेंगे।'

'धन्यवाद, श्रीमती लिकन। मैं प्रसन्नतापूर्वक इसे स्वीकार करता हू। मैं पहले से ही यह जानता था कि प्रेसीडेन्ट की पत्नी होने के नाते तुमसे जो अपेक्षित है उसे तुम पूरा करोगी।'

प्रेसीडेन्ट की पत्नी से अपेक्षित ? हा, वही तो सब कुछ मेरी को करना चाहिए। किन्तु कोई भी अब्राहम की तरह उच्च कैसे हो सकता है जो अपने अत्यधिक निकट सरकारी परिवार के एक सदस्य से धोखा खाने के बाद भी उससे नम्रतापूर्वक यह कहे, 'मैं द्वेष-भाव से कुछ नही करूगा। जो समस्याए मेरे समक्ष हैं, वे द्वेष-भाव से नही सुलझाई जा सकती', और जबकि उसे अपने सबसे बडे दुश्मन से पूरा बदला लेने का अवसर मिला था, तो उसने कहा था :

'जेम्स शील्ड्स के साथ झगडा समाप्त होने के दिन से आज तक मैंने कभी जान-बूझकर किसीको चोट पहुचाने का प्रयत्न नही किया।'

मेरी अपनी आत्मा को स्वय इतना उच्च नही बना सकी किन्तु उसे अपने पति पर कितना गर्व था ! कितने विशाल हृदय को लेकर अब्राहम अपने जीवन मे आगे बढा था ! उसने सहस्रो गुटो के धक्के सहन किए थे जोकि उसको कभी इधर और कभी उधर धकेलते रहे यहा तक कि उसके शरीर और मस्तिष्क की रग-रग आघातो से नीली-पीली हो गई। मेरी की कितनी प्रबल इच्छा थी कि वह उसके योग्य बन सके !

प्रारंभ मे वसत की ऋतु बहुत खराब रही। युद्ध की स्थिति मे कुछ शिथिलता उत्पन्न होने का उन लोगो ने लाभ उठाया और वे फोर्ड का नया थियेटर देखने के लिए गए, जोकि बैपटिस्ट चर्च के नमूने पर, जिसे हाल ही मे जला दिया गया था, बनाया गया था। थियेटर मे प्रेसीडेन्ट के परिवार के लिए एक काफी बडा स्थान बनाया गया था जहा से गत शरद् ऋतु मे उन्होने मैगी मिचेल को फ्रैंचन, और क्रिकिट मे और जान विलकेस बूथ को मार्बुल हार्ट मे देखा था। ग्रोवर के फिर से सुसज्जित थियेटर मे भी प्रेसीडेन्ट के बैठने के लिए अलग स्थान

था। वहा के डर फ्रिमुज और मारथा देखने गए।

मेरी मगलवार की रात्रि को नियमित रूप से दावते किया करती थी। ८ मार्च को जबकि ब्ल्यू-कक्ष अतिथियो से भरा हुआ था, तो एकाएक द्वार पर एक नाटे कद का व्यक्ति मटमैली और जीर्ण सैनिक वर्दी पहने आ खडा हुआ। दाढी-युक्त उसके मुख के एक कोने मे सिगार दबा हुआ था। गठे हुए तथा बेढगे शरीर का व्यक्ति था और उसकी चाल से ऐसा प्रतीत होता था जैसे मानो जलपोत आगे बढ रहा हो। जब उसने जोर मे अब्राहम से हाथ मिलाया तो मेरी ने अनुभव किया कि वह व्यक्ति अवश्यमेव यूलिसेस एस० ग्रान्ट होगा और अवश्य इस उद्देश्य से वाशिगटन आया होगा कि उसे सयुक्त राज्य अमेरिका की सारी सेनाओ का लेफ्टिनेंट जनरल नियुक्त कर दिया जाए। सचिव सीवार्ड ने जनरल ग्राट को मेरी से मिलाया। मेरी ने उससे हाथ मिलाया।

'जनरल, आपको यहा देखकर मुझे बडा हर्ष हुआ है।'

'धन्यवाद, श्रीमती लिकन, यदि मुझे पता होता कि पार्टी हो रही है तो मै नही आता'

'अरे नही, जनरल, इससे और अच्छा समय आपके आने के लिए कौन-सा होता! इन लोगो की ओर तो देखिए, प्रत्येक आपसे हाथ मिलाने को आतुर है।'

अथितियो ने चिल्लाकर उसका समर्थन किया और तालिया बजाई। ग्राट लडकियो की तरह लज्जित हो गया। उसके मस्तक की एक-एक रग रक्त के तेज सचार से उभड़ आई और उसकी भूरी भौंहो से पसीने की बूदे ढलने लगी। वह मेरी से बोला :

'मैंने इतनी गर्मी किसी युद्धक्षेत्र मे भी नही देखी।'

यह जानकर कि ग्राट वाशिगटन मे चार दिन तक रहेगा, मेरी ने शुक्रवार की शाम को एक पार्टी देने की योजना बनाई और वाशिगटन के बारह मुख्य सैनिक पदाधिकारियो को निमन्त्रित किया। अतिथियो के आने के कुछ ही समय पूर्व अब्राहम झेपते हुए उसके कमरे मे आया।

'मेरी, मुझे खेद है कि हमारा शेर चला गया है। वह पश्चिम जाने वाली गाडी पकडने के लिए स्टेशन गया है। मैने उससे कहा कि श्रीमती लिकन की पार्टी उसके बिना ऐसी ही होगी जैसी 'हैमलेट' नाटक मे हैमलेट ही न हो। उसने मुझे बताया कि वह हमारी आवभगत से बडा प्रसन्न हुआ है, किन्तु समय

की महत्ता को देखते हुए उसे क्षमा किया जाए ।'

मेरी के कपोलों पर लाली दौड़ आई, किन्तु उसने कुछ कहा नहीं ।

ह्वाइट हाउस और उत्तरी भाग में पुनः उत्साह का संचार हो गया क्योंकि जनरल ग्रांट पोटोमैक की सेना का पुनर्संगठन कर रहा था और जनरल ली पर एक बहुत बड़ा आक्रमण करने के लिए मोर्चा बना रहा था और जनरल विलियम टी० शेरमन, जो स्थानीय युद्धों में संघ के सेनापतियों के मुकाबले में सबसे अधिक सफल रहा था, जार्जिया के मार्ग से अपनी सेना आगे बढ़ा रहा था ।

उत्तर की सेना के जत्थे जनरल ग्रांट की पोटोमैक सेना में सम्मिलित होने के लिए वाशिंगटन से होकर जा रहे थे । फिर ४ मार्च को ग्रांट ने उस सेना को रैपीडान के पार भेज दिया और उस घने वन मे प्रवेश किया जहां जनरल ली अपनी सेना के साथ छिपा बैठा था । तीन दिन तक घमासान युद्ध होता रहा और इस बीच ग्रांट के पास से कोई संदेश नहीं आया जिससे अब्राहम की नींद उजड़ गई और वह कुछ समाचार प्राप्त करने के उद्देश्य से पूरी राजधानी में इधर-उधर भटकता फिरा ।

उसने अन्त में कहा, 'जनरल ग्रांट घने वनों में घुसकर जनरल ली के पीछे लगा हुआ है । उसके बाहर आने तक प्रत्येक को प्रतीक्षा करनी होगी ।'

'तो फिर तुम भी क्या बिस्तर में जा घुसोगे और अपने सिर पर कम्बल लपेट लोगे ?'

आठ दिन के युद्ध के पश्चात् यह समाचार मिला कि ग्रांट की सेना दलदल में जा फंसी है और उसने यद्यपि जनरल ली की सेना को भारी नुकसान पहुंचाया था, किन्तु उसे घेरने अथवा घने वन से उसे खदेड़ने में सफल नहीं हुआ था । ग्रांट की तिहाई सेना मारी जा चुकी थी, किन्तु वह वहीं डटा रहा और उसने तार से समाचार भेजा :

'यदि पूरी ग्रीष्म ऋतु भी बीत जाए तब भी मैं यहीं पर लड़ाई लड़ता रहूंगा, हिलूगा नहीं ।'

अब्राहम चिंतित था, किन्तु उसे पुनः आश्वासन हो गया ।

'ग्रांट प्रथम जनरल है जिसपर मुझे भरोसा है । मुझे प्रसन्नता है कि मुझे ऐसा व्यक्ति मिला जो मेरी सहायता लिए बिना आगे बढ़ सकता है ।'

३ जून को ग्रान्ट ने रिचमांड से उत्तर-पूर्व की ओर नौ मील पर ली पर

आक्रमण किया। उसने ह्वाइट हाउस को सूचना दी कि जनरल एक बार फिर दृढ प्रतिरक्षात्मक मोर्चा बनाने मे सफल हो गया है; किन्तु इस युद्ध मे सघ के जितने सैनिक मारे गए उससे ग्राट भी चकित हो गया। पाच एकड भूमि पर लाशे ही लाशे पडी थी और इतनी लाशे थी कि पैर रखने तक की गुजाइश नही थी, इतनी दुर्गन्ध फैल रही थी कि सहन नही की जा सकती थी, किन्तु जनरल ग्राट ने मृतो को गाडने के लिए भी युद्ध रोकने से मना कर दिया था।

वाशिगटन मे प्रत्येक व्यक्ति के मुख से जनरल ग्राट को 'कसाई' कहते हुए सुनकर मेरी चिल्लाकर बोली, 'अब्राहम, क्या तुम उसे रोक नही सकते ? यदि तुम नही रोकोगे तो वह उत्तर के प्रत्येक युवक को मरवा देगा।'

'नही, मैं उसे नही रोक सकता। यदि मैं ऐसा करूगा तो किसी प्रकार युद्ध समाप्त नही हो सकता। क्या तुम किसी व्यक्ति को काम करने के लिए नौकरी पर रखकर वह काम स्वय करती हो ? यह ठीक है कि हमारी बहुत हानि हो रही है, किन्तु यह भी तो देखो कि वह जनरल ली की शेष सेना को कितनी बुरी तरह से समाप्त किए जा रहा है। ड्रेउरी ब्लाफ पर हमारा जनरल बटलर उल्टे पाव भाग खडा हुआ था, जनरल साइगेल ने शेनानडोआह घाटी मे मार खाई थी, रेड नदी के युद्ध मे बैंक्स की सेना लगभग मारी ही जा चुकी थी, शेरमन अटलान्टा पर बढ रहा है किन्तु धीरे-धीरे। यदि मैंने ग्राट का साथ दिया तो वह अवश्य विजयी होगा।'

जनरल ग्राट ने रिचमाड के दक्षिण की ओर जाकर जनरल ली के उन भागो पर आक्रमण किया जहा से उसे रसद और सैनिको इत्यादि से सभरण किया जाता था, ताकि ली मैदान मे आकर लडने के लिए बाध्य हो जाए; किन्तु जनरल ली ने पीटर्सबर्ग की पहाडियो पर किलेबन्दी कर ली और ग्राट को नगर पर घेरा डालना पडा।

सचिव चेज के समर्थको तथा असतुष्ट उन्मूलनवादियो के प्रयत्नो के बावजूद रिपब्लिकन दल की एकता भग नही हुई। जून के प्रारम्भ मे बाल्टिमोर मे रिपब्लिकन दल की जो सभा हुई उसमे अब्राहम लिकन को ही यह कहकर पुनः नाम-निर्देशित किया गया कि 'नदी के मध्य मे घोडे बदलना बुद्धिमानी नही है।'

युद्ध-विभाग के डाक-कार्यालय से जब अब्राहम यह समाचार लाया तो मेरी ने कहा, 'स्प्रिंगफील्ड मे मैने यह भविष्यवाणी की थी न कि जैक्सन के पश्चात्

तुम ही वह प्रथम प्रेसीडेन्ड होगे जिसे दूसरी बार के लिए चुना जाएगा।'

'वाह मेरी, वाह, मै कोई चुन थोडे ही लिया गया हू, केवल नाम-निर्देशन ही तो हुआ है। दूसरी बार चुना जाना सम्मान की बात तो है, किन्तु बडा भारी परिश्रम भी तो करना होगा।'

कन्वेन्शन का विश्वास-मत प्राप्त होने तथा पुन. नाम-निर्देशन पर मेरी को अत्यधिक प्रसन्नता हुई और उसने बोस्टन जाने का कार्यक्रम बनाया क्योकि राबर्ट को हारवर्ड विश्वविद्यालय मे स्नातक की डिग्री मिलने वाली थी। साथ ही उसने एडर्मन कुटिया को नवीन रूप देने की भी योजना बनाई, ताकि गर्मिया बिताने के लिए उनके पास एक सुन्दर स्थान हो जाए। अपने निकटतम मित्रों को एक अनौपचारिक दावत दी और उसके पश्चात् वे थियेटर देखने गए। अब्राहम ने एक विवादग्रस्त नियुक्ति के प्रश्न पर मत्रिमडल से सचिव चेज़ का त्याग-पत्र स्वीकार कर लिया।

जनरल ली सघ के योग्य सैनिक जनरलो को छकाता रहा। जुलाई के आरम्भ मे उसने जनरल जुबल अर्ली को ग्राट की सेना की ओर और उत्तर की ओर वाशिगटन पर आक्रमण करने के लिए भेजा। जनरल अर्ली ने रेल की लाइने तथा तार की लाइने काट दी। मेरीलैंड के ग्रामो से भय से त्रस्त लोग आकर राजधानी मे भर गए; प्रत्येक समर्थ व्यक्ति को कोलम्बिया जिले की सेना मे भर्ती कर लिया गया और सारे-सारे दिन गली-कूचो मे कवायद कराई जाती। कार्यपालिका-भवन मे तोपे छूटने की आवाज सुनाई देती थी और ग्रीष्म ऋतु के निवास-स्थान मे तो वह आवाज और भी जोर से सुनाई देती थी क्योकि वह स्थान युद्धक्षेत्र से केवल तीन मील ही दूर था।

मेरी अब्राहम के साथ एक सरकारी पार्टी मे सम्मिलित स्टीवेन्स किले गई। वहा किले की बुर्ज पर खडे होकर मेरी और अब्राहम ने जनरल अर्ली की सेना को आक्रमण करते हुए देखा। उनसे कुछ ही दूर पर खडा सघ का पदाधिकारी, गोली लग जाने से मर गया। एक नवयुवक पदाधिकारी अब्राहम पर चिल्लाया:

'अरे ओ मूर्ख, नीचे चले जाओ अन्यथा गोली लग जाएगी।'

सघ की दो रेजीमेंटों ने विद्रोही-सेना का मुकाबला किया और विद्रोहियो को खेतो से परे भगा दिया। सघ की सेना ने पीछा नही किया। सचिव स्टैन्टन ने मेरी से कहा·

'मैं चाहता हू कि मैं आपकी पूरी आकृति का एक ऐसा चित्र बनाऊ जिसमे आपको इसी प्रकार स्टीवेन्स किले की बुर्ज पर खडे हुए तथा लडाई को देखते हुए दिखाया गया हो।'

मेरी ने उत्तर दिया, 'बहुत अच्छा और सचिव साहब, मै आपको इस बात का विश्वास दिला सकती हू कि यदि मेरे साथ कुछ स्त्रिया होती तो विद्रोही इस प्रकार बचकर न निकल भागते।'

अब्राहम ने अपना मुख घुमा लिया ताकि स्टैन्टन उसको हसते हुए न देख सके।

१८ जुलाई के अब्राहम ने पाच लाख नवयुवको के लिए देश से दूसरी प्रार्थना की। इस प्रार्थना से पूरे उत्तरी भाग मे विरोध की लहर दौड गई और न्यूयार्क मे तो दगा होने की आशका पैदा हो गई। अगस्त के मध्य मे, जबकि ग्रांट अब भी पीटर्सबर्ग मे फसा हुआ था, रिपब्लिक दल के नेताओ ने अब्राहम को सूचना दी कि उसका निर्वाचित होना असम्भव है। थर्लोवीड ने कहा, 'न्यूयार्क के किसी व्यक्ति को इसमे सन्देह नही हे और न मुझे अन्य राज्यो मे ही ऐसा कोई व्यक्ति दिखाई पडता है जो सफलता की आशा दिला दे।' न्यूयार्क टाइम्स के सम्पादक हेनरी जे० रेमड ने लिखा कि अब्राहम के विरुद्ध लहर काफी ज़ोर पकड रही है और यदि निर्वाचन हुआ तो इलीनाइस, पेनसिलवानिया और इडियाना मे भी अब्राहम की बुरी तरह हार होगी।

मेरी ने पूछा, 'क्या कोई ऐसा उपाय नही है कि तुम बाहर जाकर मत प्राप्त कर सको ?'

'नही, मै राजनीति की गाडी नही चला पाऊगा। उसके बिना ही मै कई विपत्तियो मे फसा हुआ हू। यह जनता का काम है। यदि वे अग्नि की ओर अपनी पीठ कर लें और अपने पिछले भाग को झुलसाए तो उन्हे पता चलेगा कि उनके शरीर पर फफोले ही फफोले है।'

मेरी ने उदास होकर कहा, 'हमारे शरीर पर भी तो फफोलो के अतिरिक्त और कुछ नही होगा।'

'डेमोक्रेट पार्टी नि सन्देह रूप से जनरल जार्ज मैक्नेलन को नाम-निर्देशित करेगी। अत मैं मत्रिमडल के लिए एक टिप्पणी लिखूगा जिसपर मैं मुहर लगा दूंगा और प्रत्येक सदस्य से उसपर हस्ताक्षर करने को कहूगा।'

जब अब्राहम ने नोट लिख लिया तो उसने उसे मेरी को दे दिया :

२३ अगस्त, १८६४

आज प्रात काल, जिसकी पिछले कुछ दिनो से भी सम्भावना रही है, यह बात अत्यधिक सभाव्य प्रतीत होती है कि यह प्रशासन पुन निर्वाचित नही होगा। उस समय मेरा यह कर्तव्य होगा कि जो भी प्रेसीडेन्ट चुना जाए उसको मै इस प्रकार से सहयोग प्रदान करू जिससे निर्वाचन से शपथ के दिन तक सघ की रक्षा हो जाए, क्योकि उसका निर्वाचन ऐसे नियमो पर हो रहा है कि उसके बाद सघ की रक्षा करना सम्भव नही हो सकेगा।

मेरी ने अब्राहम की ओर देखा

'तब ४ मार्च को तुम बग्घी मे बैठकर मैक्लेलन को लेने विलार्ड जाओगे ताकि राजधानी मे उसका शपथ-समारोह सम्पन्न हो सके, और क्या तुम और मै उसी तरह उदास, दुःखी और चिडचिडे होकर ह्वाइट हाउस से बाहर निकलेगे जैसे मि० बुकानन गए थे ?'

'दु खी और उदास तो हम लोग अवश्य होगे, किन्तु मै नहीं समझता कि चिढने की भो कोई आवश्यकता होगी ? हमसे जो कुछ बन पडा किया और उससे अधिक और कोई मनुष्य हमसे क्या चाह सकता है ?'

'उसके बाद हम लोग क्या करेगे ?'

'उसके बाद ?' अब्राहम की भौहे ऊपर उठ गई, 'एट्थ स्ट्रीट के घर मे वापस चले जाएगे और फिर वही वकालत प्रारम्भ कर देगे•••••••'

'लिकन और हर्नडन कम्पनी तो आरम्भ नही कर दोगे फिर !'

अब्राहम तनिक हिला-डुला और बोला :

'जीविका तो कमानी ही है। कानून मेरा व्यवसाय है।'

मेरी की रगो मे टाड-वश का रक्त खौल उठा और उसमे मुकाबला करने की भावना प्रबल हो गई। वह कूदकर खडी हो गई और अब्राहम के पास चली गई :

'मुझे रत्ती भर भी विश्वास नही है। मैं नही समझती कि इस देश के लोग इतने अधे होगे। वे कभी तुमको मैक्लेलन के घोडे की लगाम पकडने का आदेश नही देगे। तुम एक अच्छे प्रेसीडेन्ट सिद्ध हुए हो, तुमने शासन के विभिन्न मत वाले गुटो को एक साथ रखा है और ऐसी समस्याओ का मुकाबला किया है जो

देश के समक्ष कभी भी नही आईं। यदि जनरल युद्ध न जीत सके, तो इसमे तुम्हारी तो गलती नही है, तुम कोई वेस्ट प्वाइट के स्नातक तो नही हो।'

'नही, मैं तो केवल एक देहाती स्कूल का स्नातक हू।'

मेरी के नेत्रो मे आग की ज्वालाएं निकल रही थी।

'तुम मुझे थर्लोवीड की भविष्यवाणी सुना सकते हो, टाइम्स से मिस्टर रेमड के पत्रो को पढकर मुझे सुना सकते हो, इडियाना और इलीनाइस की सारी राये मुझे बता सकते हो ·· किन्तु जब नवम्बर मे लोग मत डालने जाएगे तो तुम देखोगे कि तुम्हे पुन· निर्वाचित किया गया है, वे तुमको हराकर इस पद से कदापि नही हटाएगे।'

अब्राहम ने नम्रता से उत्तर दिया, 'अच्छा मेरी, हम लगभग साढे तीन वर्ष से इस पद पर है और सघ के सबसे बडे शुभचिंतक भी यह स्वीकार करते है कि यह युद्ध के सबसे अधिक सकटपूर्ण दिन हैं। उत्तरी भाग मे यह कहा जा रहा है कि 'लिंकन का कोई भी हितैषी नही है। ग्रीले का कहना है कि मै पहले ही हार चुका हू। न्यूयार्क मे एक आदोलन चलने वाला है जिसका उद्देश्य यह है कि मुझे अपना नाम वापस लेने के लिए कहा जाए, क्योकि उनका विचार है, मैं रिपब्लिकन पार्टी की हार का कारण बनने के अतिरिक्त और कुछ नही कर सकता।'

अब्राहम मेरी की ओर देखकर मुस्कराया

'मेरे समर्थन के लिए यदि कुछ है तो केवल तुम्हारा ही दृढ निश्चय है कि मैं नही हारूगा।'

मेरी की भविष्यवाणी को सघ के जनरलो ने सच कर दिखाया। २ सितम्बर को जनरल विलियम, टी० शेरमन ने अटलान्टा पर अधिकार कर लिया, १६ सितम्बर को जनरल फिलिप एच० शेरीडन ने पूरी तरह से शेनानडोआह घाटी के युद्ध मे जनरल अर्ली को हरा दिया। जनरल ग्राट ने पीटर्सबर्ग पर जनरल ली की सेना को इतनी अच्छी तरह से घेर लिया कि उसकी सेना हारती हुई विद्रोही सेनाओ की कोई सहायता नही कर सकी और सघर्ष से अलग पडी रही।

लिंकन के जो विरोधी थे वे अब बिगुल बजाने लगे। होरेस ग्रीले ने

घोषणा की, 'मै मैक्लेलन से घृणा करता हू ।' थर्लो वीड और सारी रिपब्लिकन समितिया पूरे तन, मन, धन से उसके लिए काम करने मे जुट गई और अन्त मे अब्राहम ने भी अपने लिए कुछ काम किया । उसने यह बात पक्की कर ली कि जनरल शेरमन अपनी लगभग तीस रेजीमेटो को मत देने के लिए घर जाने की अनुमति दे देगा ।

इस चुनाव-आदोलन मे कटुता अपनी चरम सीमा तक पहुच गई। प्रेसीडेन्ट लिंकन और उसकी पत्नी के विरुद्ध समाचारपत्र, इश्तहार, पत्र-पत्रिकाए छपवाने तथा भाषणो का प्रबन्ध करने मे बहुत धन व्यय किया गया। यह आरोप लगाए गए कि रिपब्लिकन शासन युद्ध समाप्त करने मे असफल रहा है। दासो की स्वतन्त्रता की घोषणा पर भी टीका-टिप्पणी की गई। उत्तरी भाग के डेमोक्रेट जानते थे कि जनरल मैक्लेलन के प्रेसीडेन्ट बनने से दास-प्रथा जारी रह सकेगी क्योकि वह आते ही सैनिक सन्धि की घोषणा कर देगा, अब्राहम की दासो की स्वतन्त्रता-घोषणा को रद्द कर देगा और दक्षिण को स्वतन्त्रता प्रदान कर देगा। इसी कारण से सभी रिपब्लिकन अनुयायियो को, यहा तक कि उन लोगो के लिए भी सर्वसाधारण मे यह कहा था कि 'यह शासन राजनीतिक, सैनिक तथा वित्तीय दृष्टियो से असफल रहा है और इसको जारी रखना देश के लिए दु ख का कारण बनेगा ।' अब्राहम को मत देना पडा, अन्यथा सघ की सुरक्षा और चार वर्षो के रक्तपात का उद्देश्य मिट्टी मे मिलता हुआ प्रतीत होता था ।

चुनाव के दिन आकाश मेघाच्छन्न था और सर्दी थी। सुनसान गलियो मे आंधी के कारण वर्षा के थपेडे दीवारो पर लग रहे थे। अब्राहम और टाड एक दक्षिणी खिडकी पर खडे होकर ह्वाइट हाउस के रक्षको को मत डालते हुए देख रहे थे। दोपहर के भोजन के समय मेरी ने अब्राहम से पूछा कि क्या आशा है?

'कुछ भी निश्चित नहीं है। यह बडी अनोखी-सी बात है कि मेरे लिए भी, जिसकी किसीसे बदला लेने की बिलकुल भी भावना नही है, चुनाव के लिए जनता के समक्ष कटुतापूर्ण शास्त्रार्थों मे भाग लेने के लिए जाना पडे ।'

सायं को चाय आदि पीने के पश्चात् अब्राहम और जान हे गीले मैदानो से होकर युद्ध-विभाग के तारघर मे गए। लगभग दस बजे मेरी को तारो का एक बडल मिला जिसमे यह बताया गया था कि इंडियाना, मैसाचुसेट्स, न्यूयार्क मे

अब्राहम को अधिक मत मिले है यद्यपि विरोधी-पार्टी के मत कुछ ही कम थे। मेरी ने सन्देशवाहक से पूछा कि क्या प्रेसीडेण्ट ने कुछ कहलाकर भेजा है।

सन्देशवाहक ने उत्तर दिया, 'हा, श्रीमती जी, यह डाक शीघ्र ही पहुचा आओ क्योकि श्रीमती लिंकन को मुझसे अधिक चिन्ता है।'

ग्यारह बजे मेरी ने टाड को सुला दिया। प्रात.काल तीन बजे के लगभग अब्राहम वापस आया। युद्ध-विभाग ने अब्राहम को भुनी हुई मछलिया खाने को दी थी। अब यह पता चल गया था कि न्यूजर्सी, डेलावेयर और केन्टुकी के अलावा प्रत्येक राज्य मे अब्राहम को अधिक मत मिलेंगे। मेरीलैंड मे एक शक्तिशाली दुश्मन की हार के बारे मे मेरी कुछ कहे बिना नही रह सकी। अब्राहम ने उत्तर दिया :

'मुझ मे द्वेष की भावना शायद बहुत ही कम हो किन्तु मैंने यह कभी नही विचारा था कि इसका अच्छा परिणाम निकलेगा। आदमी के पास इतना समय ही कहा है कि वह आधा जीवन झगडो मे ही बिता दे। यदि कोई व्यक्ति मुझपर आक्रमण करना बन्द कर देता है तो मै उसकी पिछली बात को कभी याद नही रखता। दक्षिण के बारे मे भी मेरा यही विचार है। हमे मित्रता और सहायता के भाव से शान्ति स्थापित करनी चाहिए ताकि वे शीघ्रातिशीघ्र अपने पैरो पर खडे हो सके।'

मेरी ने विजयोल्लास मे अपनी बाहो मे अब्राहम को कस लिया

'अब्राहम, मुझे सब मालूम हो गया है, तुम घर के सन्त हो तो मैं पैगम्बर बनूगी।'

९८

निर्वाचन के बाद कुछ सप्ताह तक बडा ही काम रहा। मेरी ने देखा कि इतना काम पहले कभी नही रहा था। जनरल ग्राट, जिसकी सेना का बहुत बडा भाग ग्रीष्म और पतझड की ऋतुओ मे किए गए आक्रमणो मे नष्ट हो चुका था,

आने वाली वसत ऋतु मे जनरल ली पर आक्रमण करने के लिए फिर से सेना तैयार कर रहा था, शेरीडन शेनानडोआह घाटी की सफाई करा रहा था, ताकि नया वर्ष प्रारम्भ होते ही यह जनरल ग्रान्ट की सेना मे सम्मिलित हो सके, अटलान्टा को जीतने के पश्चात् शेरमन ने बिना किसी रसद अथवा सामान के पूरे जार्जिया मे फैलना प्रारम्भ कर दिया था, ताकि इस राज्य को युद्ध से बचाया जा सके और शावानाह की महत्वपूर्ण बन्दरगाह दुश्मनो के हाथो मे न पड जाए।

अब्राहम को शेरमन की बडी चिन्ता थी क्योकि विद्रोही समाचारपत्रो मे यह समाचार प्रकाशित हुआ था कि उसके सैनिको के पास न हथियार है और न खाने का सामान। किन्तु दक्षिण से और जो खबरे आ रही थी वे बडी उत्साह-जनक थी। विद्रोही राज्य चार वर्ष तक कडा मुकाबला करने के बाद धन और जनशक्ति मे अपने से कई गुने बडे दुश्मन को रोके रखने मे अब अपने आपको असमर्थ पा रहे थे। सघ की नौसेना ने विद्रोहियो के कई पत्तनो पर नाकेबन्दी कर ली थी; मिसिसिपी पर भी सघ का अधिकार हो गया था जिसके फलस्वरूप अरकसास, ल्यूसियाना और टेक्सास से रसद का सम्भरण बन्द हो चुका था; ली की सेना के पास रसद की कमी हो गई और वाशिगटन मे यह खबरे पहुच रही थी कि लडाई के अगले मोर्चों पर उसके लोग ठिठुरे हुए आते थे; उसके सैनिको ने भागना आरम्भ कर दिया था और रात के समय भागकर वे अपने घर चले जाते थे ताकि वे अपने घर वालो को शेरमन से बचा सके।

पहले सघ की सेना की हार पर हार हुई थी, अब विजय के सन्देश मिल रहे थे। सघ के जनरल जार्ज टामस ने नैशविले के युद्ध मे विद्रोही-सेना के जनरल हुड को इतनी बुरी तरह हराया कि वह फिर कभी नही उठ सका। क्रिसमस की रात को जनरल शेरमन का तार आया, 'इस शुभावसर पर भेट-स्वरूप सावानाह को स्वीकार कीजिए।' शेरमन जहा जाता था सब कुछ उजाड देता था और मार्ग मे प्रत्येक भवन और बाग को जलाता हुआ बढता जाता था। जार्जिया का क्षेत्र लडाई की सीमा से बाहर था और अब शेरमन पूरी तरह से स्वतत्र था कि कैरोलिना से होकर उत्तर को बढ जाए और अपनी अनुभवी सेना के साथ ग्रान्ट से जा मिले।

इन विजयो से देश मे कितनी आशाए बढ गई थी, यह बात नववर्ष के स्वागत-समारोह मे स्पष्ट हो गई। सोमवार, २ जनवरी, १८६५ को ह्वाइट हाउस

मे इतनी अधिक भीड इकट्ठी हो गई, जितनी पहले कभी नही हुई थी। अब जबकि यह दिखाई दे रहा था कि विद्रोह शान्त हो जाएगा, अब्राहम ने सोचा कि युद्ध के समय सकटकालीन उपायो के स्थान पर सयुक्त राज्य अमेरिका के सविधान मे सशोधन कर दिया जाए, ताकि दासो की स्वतन्त्रता का कानून देश का स्थायी कानून बन जाए। उसने सीनेट मे तो तेरहवा सशोधन पारित करा लिया, किन्तु हाउस मे उसे अस्वीकार कर दिया गया। हाउस के अगले अधिवेशन मे मेरी उसको फिर एक बार सगमन जिले के राजनीतिज्ञ के रूप मे काम करते हुए देखकर बडी प्रसन्न हुई। अब्राहम ने तीन डेमोक्रेटो को लालच देकर अपनी ओर कर लिया था। एक से उसने यह प्रतिज्ञा की कि वह उसके भाई को सरकारी नौकरी दिला देगा, दूसरे को आश्वासन दे दिया कि वह जो चुनाव लडना चाहता है उसमे अब्राहम उसकी सहायता करेगा और तीसरे को उसने रेलवे के मत दिलाने की प्रतिज्ञा कर ली। अब्राहम उस रेलवे का प्रतिनिधि था और उस रेलवे के सामने कुछ वैधानिक कठिनाइया भी आ रही थी।

३१ जनवरी को हाउस ने तेरहवा सशोधन पारित कर दिया। वाशिगटन मे सौ तोपो का अभिवादन दिया गया। कार्यपालिका-भवन मे समाचार पहुचे कि मेरीलैड, अरकसास और ल्यूसियाना ने अपने यहा दास-प्रथा समाप्त कर दी है। प्रेसीडेन्ट लिंकन को धन्यवाद देने के लिए एक बहुत लम्बा जलूम ह्वाइट हाउस पहुचा। अब्राहम बाहर बरामदे मे मेरी के साथ खडा हो गया और वे जनता के नारो के उत्तर मे हाथ हिला-हिलाकर उनका अभिवादन करने लगे। जब सगीत की आवाज कुछ मन्द हुई तो वह मेरी की ओर मुडा और बडी सहृदयता से बोला

'अब वस्तुस्थिति मे जो मोड आ गया है उससे यह स्पष्ट है कि यह मेरे प्रशासन-काल का सबसे मुख्य काम हो गया है और यह उन्नीसवी शताब्दी की सबसे महान् घटना है।'

वापस आकर अब्राहम पुस्तकालय मे इधर-उधर टहलने लगा। उसका सिर उसके सीने पर झुका हुआ था और विचार-मग्न था। मेरी सीने-पिरोने मे लगी थी किन्तु इस बात की प्रतीक्षा मे थी कि वह कुछ कहे।

'मेरी, तुम जानती हो कि मेरा सदा यह विश्वास रहा है कि दासता का उत्तरदायित्व हमारे सभी राज्यो पर है। यदि दक्षिणी राज्य कल यह युद्ध समाप्त

कर दे और अपनी इच्छा से-दासता का उन्मूलन कर दे तो मै समझता हू कि सघीय सरकार उनके स्वामियो को अवश्य प्रतिकर देगी। प्रतिकर के रूप मे दी जाने वाली राशि का स्थूल रूप मे अनुमान लगाने पर वह लगभग चालीस लाख डालर आई है। मेरे विचार मे इस राशि से काम चल जाएगा।'

मेरी ने ऊपर देखे बिना कहा, 'दक्षिण के लोगो को अपने पैरो पर खडे होने के लिए आर्थिक सहायता मिल जाएगी और वे किराए पर मजदूर रखकर बागानो मे काम आरम्भ कर सकेगे, किन्तु क्या उत्तर वाले इस युद्ध के पश्चात्, जो लगभग समाप्त हो चुका है, विजित दुश्मन के प्रति इतनी उदारता का व्यवहार कर सकेगे ?'

'मै कल प्रातः मन्त्रिमडल के समक्ष ऐसा प्रस्ताव रखने वाला हू।'

अगले दिन मन्त्रिमडल की बैठक के बाद जब अब्राहम कमरे मे आया तो वह कुछ उदास था।

'कोई भी आशा नही है। उन्होने सर्वसम्मति से इसका विरोध किया है। हम और अधिक लड़ाइया व रक्तपात बचा सकते थे तथा घृणा के उन्मूलन के लिए और भी बहुत कुछ कर सकते थे ··वे इसके इतने विरोध मे थे कि मैंने उनसे कहा कि वे मेरे प्रस्ताव के बारे मे कोई चर्चा न करे।'

मेरी को कुछ भी ज्ञात न था कि इस बात के लिए अब्राहम की निराशा उत्तरदायी थी अथवा कई वर्षों के कठिन परिश्रम के बाद की थकावट, किन्तु अगले ही दिन अर्थात् उसके छप्पनवे जन्म-दिवस से ठीक एक दिन पूर्व मेरी को उसके कार्यालय से झगडे की सी दशा मे ज़ोर-ज़ोर से बोलने की आवाज़ सुनाई दी। वह लपककर वहा पहुची और देखा कि जोश का भाई महाधिवक्ता जेम्स स्पीड अब्राहम को ताडना दे रहा है कि उसने सघ के उन सैनिको को, जो लडाई से भागने के अपराधी थे, क्षमा कर दिया है। अब्राहम कुर्सी से उछलकर खडा हो गया और चिल्लाते हुए बोला :

'यदि तुम्हारा विचार है कि मैं अपनी इच्छा से रक्त की एक बूद भी बहाऊगा तो····'

अब्राहम का चेहरा स्वयं ही रक्तहीन और खुश्क होता हुआ दिखाई दिया, मानो एक बहुत बड़े घाव के लगने से सारा रक्त निकल गया है। वह अपनी कुर्सी पर लुढक गया और बेहोश हो गया।

मेरी ने उसे बिस्तर पर लिटा दिया। डा० स्टोन के आने तक अब्राहम को होश आ चुका था और वह चेहरे पर एक फीकी मुस्कराहट लाने का प्रयत्न कर रहा था। डा० स्टोन ने मेरी से कहा :

'मैं प्रेसीडेन्ट साहब को बताता रहा हू कि वे काफी थक चुके हैं। श्रीमती लिंकन, आप उन्हे कम से कम एक या दो दिन तक बिस्तर से उठने न दीजिए और उन्हे अधिक काम भी मत करने दीजिए।'

मेरी ने कई दिन अब्राहम के बिस्तर के पास चुपचाप बैठे बिताए। वह कुछ न कुछ पढती रहती, हाना शियरर और लिजी ग्रिम्सले को पत्र लिखती रहती और ऐडेल डगलस के भाई की सिफारिश करती रहती क्योकि उसे सेना से निकाला जाने वाला था। अब्राहम फोनिक्स द्वारा वर्णित कैलिफोर्निया के जीवन के विनोदपूर्ण वर्णनों से अपना चित्त प्रसन्न रखता था।

समय इतनी शीघ्रता से बीता कि मेरी को कुछ भी पता न चला कि कितने दिन व सप्ताह बीतते चले जा रहे है। दूसरे शपथ-समारोह से पूर्व वह कुछ दिन बिताने के लिए न्यूयार्क चली गई। वहा उसने नीलम और मोतियो के नैकलेस, हीरे की अगूठिया, घडिया, फूलदान, काफी और आइसक्रीम के चम्मच, चादी की थालिया और ह्वाइट हाउस के लिए एक सोने का डिब्बा खरीदा। मेरी ने देखा कि वह अतिरिक्त व्यय कर सकती है क्योकि उन्होने अपने पहले चार वर्षो के वेतन से लगभग ७० हजार डालर बचा लिए थे।

४ मार्च को मेरी सवेरे जल्दी ही उठ गई। श्रीमती केकली ने उसे काली मखमल के नये वस्त्र पहनाए। मेरी को आशा थी कि दूसरे शपथ-समारोह पर सैनिक-प्रदर्शन अथवा खिडकियो पर सिपाही बैठाने की आवश्यकता नही होगी और वह अवसर बडी प्रसन्नता से बीतेगा, किन्तु सारी रात प नी बरसता रहा और पेनसिलवानिया एवन्यू पर कीचड ही कीचड हो गई। आकाश पर बादल छाए रहे और कीचड से लथपथ पटरियो पर खडे हुए दर्शक ठडी वायु के थपेडे खा रहे थे।

ग्यारह बजे मेरी राबर्ट, आइयोवा के सीनेटर हार्लन और उसकी सुन्दर पुत्री मेरी, जोकि प्रथम लडकी थी जिसकी ओर राबर्ट आकर्षित हुआ था और उसमे उसने कुछ रुचि दिखाई थी, के साथ जाकर ह्वाइट हाउस के सामने खडी

बग्घी मे बैठ गई। पश्चिमी द्वार पर उनकी बग्घी कुछ देर रुकी रही क्योकि सारा मार्ग उन सैनिको से भरा हुआ था जिन्हे परेड करनी थी और जो कीचड और पानी मे लथपथ थे। मेरी ने सबसे पहले टेनेसी के एंड्र्यू जानसन को उप-राष्ट्रपति-पद की शपथ उठाते हुए देखा। इस समारोह मे लोग बडे परेशान से हो गए क्योकि जानसन शराब पिए हुए था और उसने कुछ बेकार का लम्बा-सा भाषण दे डाला था। मेरी राष्ट्रपति-भवन के द्वार से निकलकर मच पर आ गई। ठीक उसी समय बादलो के पीछे से सूर्य भगवान् उदित हुए और लोग इसके प्रकाश और गर्मी को पाकर हर्षित हो उठे।

काला सूट और लम्बा कोट पहने अब्राहम मच के आगे आकर खडा हो गया। उच्चन्यायाधिपति सालमन पी० चेज़ ने, जिसको अब्राहम ने रोजरटेनी की मृत्यु के बाद सर्वोच्च न्यायालय का उच्चन्यायाधिपति नियुक्त किया था, उसको शपथ दिलाई। मेरी ने केट चेज़ की ओर देखा जोकि अपने पिता के दूसरी ओर बैठी हुई थी और जिसके चेहरे पर गम्भीरता के भाव थे।

भीड मे स्तब्धता छा गई। सब ऊपर की ओर देखने लगे। अब्राहम ने बोलना आरम्भ किया। सर्वप्रथम उसने सेना द्वारा की गई प्रगति पर प्रकाश डाला फिर बताया कि उसके वर्तमान भाषण और चार वर्ष पूर्व दिए गए उसके अभिभाषण मे क्या अन्तर है ·

'तब इसी स्थान पर खडे होकर मैं जबकि अपने भाषण मे इस बात पर ज़ोर दे रहा था कि बिना युद्ध के सघ की रक्षा की जाए, उधर शहर में षड्-यन्त्रकारी इसे बिना युद्ध के नष्ट करने व छिन्न-भिन्न करने के प्रयत्नो मे लगे हुए थे। दोनो पक्ष युद्ध के विरोध मे थे किन्तु उनमे से एक युद्ध करना चाहते थे चाहे राष्ट्र विनष्ट हो जाए और दूसरे को इसलिए युद्ध स्वीकार करना पडा कि कही राष्ट्र नष्ट न हो जाए।

'किसी भी पक्ष को यह आशा न थी कि युद्ध इतना लम्बा हो जाएगा और इतना भीषण रूप धारण कर लेगा, जितना कि इस समय इसने धारण कर लिया है। दोनो मे से किसीको इसका भान न था कि जिस उद्देश्य के लिए लडाई लडी जा रही है, वह युद्ध समाप्त होने पर समाप्त होगा अथवा उसके पूर्व ही। दोनो ओर वालो का यह विचार था कि सरलता से विजय प्राप्त हो जाएगी और युद्ध के परिणाम इतने मूलभूत व स्तम्भित कर देने वाले नही होगे।'

फिर चार वर्ष पूर्व की भाति अब्राहम ने अपने हाथ हवा मे इस प्रकार फैला दिए, मानो वह सारी भीड को और समस्त राष्ट्र को अपने हृदय से लगा लेना चाहता हो और कहा :

'किसीके प्रति द्वेष-भाव न रखते हुए और सबके प्रति प्रेम का भाव रखते हुए ईश्वर द्वारा बताए गए सत्य के प्रति अटल विश्वास रखते हुए हम सब उस कार्य को पूरा करने मे लग जाए, जिसका हमने बीडा उठाया है, और राष्ट्र के घावो की मरहम-पट्टी करने, युद्ध मे वीरगति प्राप्त करने वालो की विधवा पत्नियो और अनाथ बच्चो की सेवा करने के लिए और वह सब कुछ करने के लिए, जिससे हमारे बीच और अन्य राष्ट्रो के बीच स्थायी शान्ति स्थापित हो सके, कटिबद्ध हो जाए।'

मेरी आखे बन्द किए बैठी हुई थी और सोच रही थी कि उसको अब्राहम के साथ विवाहित जीवन व्यतीत करते हुए तेईस वर्ष हो चुके है और अब वह पूर्ण विश्वास के साथ इस निष्कर्ष पर पहुच गई है कि अब्राहम वकील या राजनीतिज्ञ अथवा शासक न होकर एक कवि है और वस्तुत· कवि बनने की ही सदा से उसकी अभिलाषा रही है।

उस शाम दावत ठीक तरह से नही हो सकी क्योकि ह्वाइट हाउस मे लगभग पन्द्रह हजार नर-नारी हुडदग मचाते हुए घुस आए। वे मेजो-कुर्सियो पर कूदने-फादने लगे, फूलदानो को तोडने लगे और अच्छी-अच्छी और मूल्यवान चीजो को उठाकर अपने साथ ले जाने लगे। पूरे चार घटे बाद जब ह्वाइट हाउस उन लोगो से खाली हुआ तो मेरी और अब्राहम कमरो मे गए और देखा कि उनकी ऐसी दशा कर दी गई है, मानो विद्रोहियो की एक सेना ने यहां डेरे डाल दिए हो और उन्हे मनमानी करने की अनुमति दे दी गई हो। ईस्ट रूम की खिडकी से गज भर रेशमी कपडा ही कोई काट कर ले गया था और एक तो ग्रीन रूम के द्वार का पर्दा ही लेकर चलता बना था। रेशमी परदों पर पुष्पो के नमूने छोटे चाकुओ से काटे गए थे। दावत वाले कमरे बुरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गए थे। अब्राहम यह सब कुछ देखकर भौचक्का-सा हो गया

'मेरी, लोग ऐसा क्यो करते है ? उन्होने साहस कैसे कर लिया ? अन्ततोगत्वा यह उनकी ही तो सम्पत्ति है और यह उनका अपना ही तो ह्वाइट हाउस है।'

'हा, शायद इसीलिए उन्होने यह सब कुछ किया। उन्होने सोचा कि सब कुछ उनका अपना है और वे जो चाहे कर सकते है। तुम कल कांग्रेस की बैठक बुला लो और इस सारे नुकसान को दिखा दो क्योकि इस सबको फिर से ठीक करने के लिए मुझे धन की आवश्यकता पडेगी।'

९९

मेरी ने अपनी सारी शक्ति इस भोज और नृत्य के आयोजन में लगा दी थी और अपने लिए चमकीले रेशम तथा झालर का एक गाउन बनवाया था तथा एक सुन्दर पखा और ओढनी बनवाई थी। इसपर मेरी ने दो हज़ार डालर व्यय किए थे। इस सहभोज मे उसने रिपब्लिकन पार्टी के बहुत-से सदस्यो, उनके परिवारो और मित्रो को आमन्त्रित किया था। अब वह बहुत थक चुकी थी।

इस अवसर पर उसकी बहन एलेज़बेथ की लडकी जूलिया बेकर ने वाशिंगटन नगर मे एक नया शगूफा पैदा कर दिया। वह समारोह के अवसर पर अपने पति के साथ आई थी और हाल के पार के प्रिस आफ वेल्स रूम मे ठहरी हुई थी। एक दिन जब उसका पति सोया हुआ था तो लोगो ने देखा कि वह एक बन्द बग्घी मे एक और व्यक्ति के साथ दिन के प्रकाश मे नगर मे घूमती रही। अगली रात अकस्मात् मेरी की आंख खुली तो उसने देखा कि अब्राहम रात्रि का लम्बा गाउन पहने उसके पलग के पास खडा है।

'मेरी, मैं तुम्हे जगाना तो नही चाहता था, किन्तु इस समय दो बजे हैं और जूलिया पुस्तकालय मे इतने ऊचे स्वर मे बातचीत कर रही है कि मैं सो नही सकता।'

मेरी वस्त्र तथा स्लीपर पहनकर बैठक मे गई। जूलिया के पास जो व्यक्ति बैठा था वह उसका पति नही था। मेरी ने भतीजी को बुलाकर कहा कि वह स्प्रिंगफील्ड वापस चली जाए।

निनियन ने अब्राहम से बहुत अनुरोध किया था कि क्योकि उसकी स्थिति अच्छी नही अत' उसे सविदा कमिश्नर नियुक्त किया जाए । अब्राहम ने प्रार्थना स्वीकार कर ली, किन्तु स्प्रिगफील्ड के विश्वस्त मित्रो ने उसे सूचना दी कि निनियन डेमोक्रेटो और विशेषत' ऐसे लोगो को ठेके देकर पैसे कमा रहा है जो सघ-शासन के शत्रु है और सेना को रद्दी माल दे रहे है । अब्राहम ने निनियन को वाशिगटन बुला भेजा और आरोपो की जाच करने के पश्चात् उसे शिकागो के क्वार्टरमास्टर के विभाग मे स्थानान्तरित कर दिया जहा उसे ठेके देने का कोई अधिकार न रहा ।

इधर एलेज़बेथ ने एक क्रोध भरा पत्र लिखा और उधर मेरी की बहन एन के पति का झमेला खडा हो गया । एक दिन मध्याह्न-पश्चात् अब्राहम बडी तेजी के साथ मेरी के शयनागार मे आया और एक पत्र उसके आगे रखते हुए बोला :

'लो सुनो, तुम्हारे बहनोई ने मुझे क्या लिखने का साहस किया है—यदि आप मुझे उचित अवसर पर ज़रा-सा सकेत दे दे कि युद्ध और विपत्ति का युग समाप्त होने वाला है तो मैं अपना कई हजार डालर का माल मूल्य गिरने से पूर्व ही बेच दू । मै इस सूचना को गुप्त रखूगा और आप मुझे गैरसरकारी पते पर न्यूयार्क मे पत्र भेज सकते है, किसीको तनिक भी पता न लगेगा .'

अब्राहम ने पत्र नीचे रख दिया । उसका चेहरा क्रोध और घृणा से तमतमा रहा था ।

मेरी की बहन मारथा ने और भी अधिक बडी चोट लगाई । उसका पति क्लेमेट ह्वाइट कान्फेडरेट सेना मे कैप्टेन था । मारथा ने पत्र द्वारा पूछा कि क्या वह भैया लिकन और बहन मेरी से मिलने के लिए वाशिगटन आ सकती है । अब्राहम ने उसे पास दिए जाने की अनुमति दे दी । जब मारथा रिचमाड लौटते हुए सीमा पर से गुजरी तो न्यूयार्क ट्रिब्यून ने एक कहानी प्रकाशित की जिसमे यह आरोप लगाया कि मारथा ने अपने सामान की तलाशी देने से इन्कार कर दिया था और यह डीग मारी थी कि उसके ट्रको मे निषिद्ध माल है और राष्ट्रपति ने उन्हे खोलने का निषेध कर रखा है । कई सप्ताह तक देश के समाचारपत्रो मे ये समाचार प्रकाशित होते रहे कि मारथा ह्वाइट अपने ट्रको मे कुनीन भरकर विद्रोहियो के लिए ले गई है जबकि यह ओषधि बहुत आव-

श्यक है और कि मारथा ने राष्ट्रपति तथा श्रीमती लिंकन की आखो में धूल झोकी है।

'अब्राहम, अब मेरी समझ मे आ रहा है कि दोनो मे से किसी भी पद-धारण-समारोह पर तुम्हारा कोई सम्बन्धी क्यो नही आया,' मेरी ने विनीत भाव से कहा, 'तुमने कभी उनमे से किसीको कोई छोटा-सा पद भी नही दिया और न ही तुम्हारे परिवार का कोई परिचित व्यक्ति ही ह्वाइट हाउस में आया है। मुझ अकेली का परिवार ही हम दोनो के लिए बहुत रहा है।'

अब्राहम ने अनमने भाव से मुस्कराते हुए कहा, 'मेरा चचेरा भाई डेनिस-हैक्स अपने दामादो के लिए व्यापार की अनुज्ञप्ति मागने आया था जो मैंने दे दी, किन्तु तुम्हे उस बारे मे नही बताया।'

मेरी को फिर बहुत सिर-दर्द रहने लगा। अब वह अनुभव करने लगी कि उसके मस्तिष्क पर प्रभाव पडने लगा और उसकी खोपडी पर जलन-सी अनुभव होती थी और बडा खिचाव-सा पैदा होता था। कई दिन तक वह किसीमे बात तक न कर सकी। यहा तक कि टाड मे भी बात नही करती थी और वह बिचारा अकेला ही कमरे मे घूमता रहता था। जब विलियम स्टाडार्ड को टाइफाइड हो गया और वह वाशिंगटन से चला गया तो मेरी को अनुभव हुआ कि ह्वाइट हाउस से उसका सर्वश्रेष्ठ मित्र चला गया है। मेरी निराशा-सी अनुभव करने लगी

'मुझे तो उन्माद हो गया है,' वह धीमे-से बोली।

एक शाम को मेरी बाध्य होकर निचली मजिल मे गई क्योकि कुछ अतिथि आ रहे थे, किन्तु सीनेटर समनर से झगडा हो गया। सीनेटर समनर दक्षिण के राज्यो का शासन उन लोगो के हाथ मे देने के लिए तैयार न था, जिन्होने सघ के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया था। समनर अत्यधिक क्रुद्ध होकर चला गया। अगले दिन प्रात. मेरी को क्षमा-याचना करनी पडी। उसने लिखा :

कल मैंने आपके प्रति अपने व्यवहार मे जिस प्रकार की भूल की उसकी क्षतिपूर्ति शब्दो से तो नही हो सकती। अतः मेरा निवेदन है कि आपकी मेज़ को सजाने के जो थोडे-से ताज़े फूल भेज रही हू इन्हे शाति की छोटी-सी भेंट के रूप में स्वीकार करें।'

आशा है कि आपकी दयालु प्रकृति मुझे क्षमा कर देगी।

भवदीय
मेरी लिंकन

अब्राहम युद्धक्षेत्र मे जाने की योजना बना रहा था। वह आशा कर रहा था कि जब रिचमाड पर विजय प्राप्त हो और जनरल ली हथियार डाले तो वह भी वहा पर उपस्थित हो। मेरी को स्मरण था कि जब १८६३ की वसत ऋतु में वह पोटोमैक के क्षेत्र मे गई थी तो उसने अपने अन्तर मे नवचेतना के सचार का अनुभव किया था। टाड भी साथ जा सकता था और वे राबर्ट से भी मिल सकेंगे क्योकि मेरी ने अब्राहम से कहकर राबर्ट को ग्राट के स्टाफ मे नियुक्त करवा दिया था।

अब्राहम ने मेरी के अनुरोध को स्वीकार कर लिया।

२३ मार्च को उन सबने 'रिवर क्वीन' जहाज़ मे छठी स्ट्रीट की बन्दरगाह से प्रस्थान किया। मेरी और अब्राहम को केप्टेन का कमरा मिल गया और टाड तथा श्रीमती केकली को साथ वाले कमरे दिए गए। अगली रात वे सिटी प्वाइट पहुच गए जहा पत्तन पर खडी नौकाओ मे रग-बिरगी बत्तिया जल रही थी। वह छोटा-सा नगर तट की चट्टानो के ऊपर बना हुआ था और शिखर पर जनरल ग्राट के मुख्यालय की बत्तिया जगमगा रही थी।

अगली सुबह राबर्ट कप्तान का लिबास पहने उनके कमरे मे आया। वह सीधा जनरल ग्राट के सैनिक मुख्यालय से आ रहा था। उसने माता-पिता को बताया कि प्रात सरकारी और विद्रोही सेनाओ मे एक भारी झडप हुई थी क्योकि कान्फेडरेटो ने सरकारी सेना को चीरकर अपनी सेना की दो टुकडियों को मिलाने का प्रयत्न किया था।

उसके एक घटा पश्चात् मेरी और अब्राहम एक सैनिक गाडी मे सवार होकर, जो बडी धीमी चाल से चलती थी और जिसके इजन मे से खूब धुआ निकलता था, माल पहुचाने के लिए बनाई गई रेल के मार्ग से युद्धक्षेत्र की ओर चल पडे। जब मेरी गाडी से उतरी तो वह यह देखकर भय से स्तम्भित हो गई कि मैदान मे सघ-सेना और कान्फेडरेटो के सैकडो सिपाही हताहत पडे थे और कुछ लोग कब्रे खोद रहे थे। स्वास्थ्य-विभाग के लोग जख्मियो का उपचार कर रहे थे और कान्फेडरेट हस्पताल के लोग शाति का झण्डा लहराते

हुए अपने मृत सैनिको को कब्रो मे दबा रहे थे ।

जनरल ग्राट के सचिव एडम बेडियु ने उसे और श्रीमती ग्राट को, जो एक भारी-भरकम शरीर की भैगी रमणी थी, सहारा देकर एक अधखुली बग्घी मे बैठाया और फिर बेडियु स्वय दोनो स्त्रियो के सामने बैठ गया । अब्राहम और अन्य पुरुष घोडो पर गए । सडक पर जगह-जगह दलदल और गढे थे जिनके कारण बग्घी हिचकोले खा रही थी । मेरी ने अपना हाथ सिर पर रख लिया जो ज़ोर से धडक रहा था । एडम बेडियु ने कहा :

'मै समझता हू कि अब शीघ्र ही एक निर्णयात्मक युद्ध होने वाला है। सैनिक पदाधिकारियो की सब पत्निया घर भेज दी गई हैं। केवल जनरल चार्ल्स ग्रिफिन की पत्नी नही गई । उसने राष्ट्रपति से विशेष अनुमति प्राप्त कर ली है ।'

मेरी अपनी जगह से उछल पडी ।

'जनाब, क्या मतलब है इस बात का ? क्या वह राष्ट्रपति से अकेली मिली थी ?'

बेडियु ने चकित भाव से उसकी ओर देखा और उसके चेहरे पर एक खिन्नता भरी मुस्कराहट उभर आई ।

'यह आपकी हसी तो बहुत रहस्यपूर्ण है । मुझे बग्घी मे से उतर जाने दो। मैं राष्ट्रपति से पूछूंगी कि क्या वह अकेले उससे मिले थे ?'

बेडियु मौन बैठा रहा, किन्तु श्रीमती ग्राट ने विनीत भाव से कहा :

'श्रीमती लिंकन, हम थोडी ही देर मे युद्धक्षेत्र मे पहुच जाएगे । कृपया बैठी रहिए और उद्विग्न न हो ।'

वे निरीक्षण के मैदान मे पहुच गए । जनरल मीड आगे बढा और उसने हाथ का सहारा देकर मेरी को बग्घी से उतारा और वे दोनो कुछ कदम हाथ मे हाथ डाले चलते रहे ।

'जनरल मीड, क्या श्रीमती ग्रिफिन ने यहा युद्धक्षेत्र मे रहने की अनुमति राष्ट्रपति से प्राप्त की है ?'

जनरल मीड ने उसके व्यथित चेहरे की ओर देखा और धीरे से उत्तर दिया :

'यह तो सर्वथा असभव है, श्रीमती लिंकन, उन्हे अनुमति तो युद्ध-मंत्री

स्टैंटन ने भेजी है जिनके पास उन्होने प्रार्थना-पत्र भेजा था ।'

मेरी वापस बग्घी मे लौट आई और विजय की मुद्रा मे बेडियु और श्रीमती ग्रांट से बोली, 'जनरल मीड ने मुझे आश्वासन दिया है कि श्रीमती ग्रिफिन को अनुमति राष्ट्रपति ने नही दी, वरन् श्री स्टैंटन ने दी है ।'

तत्पश्चात् एक मौन का वातावरण बना रहा जिसमे मेरी ने देखा कि वे दोनो उलझन का सा अनुभव कर रहे थे, अपने सम्बन्ध मे नही वरन् उसके लिए । मेरी ने तेज़ी से अपना सिर हिलाया जैसे अपने विचारो को स्पष्ट समझने का प्रयत्न कर रही हो । उसने सोचा कि उसे अपने ऊपर काबू रखना चाहिए ।

उस शाम को मेरी और अब्राहम ने रिवर क्वीन के डिब्बे के शान्त वातावरण मे खाना खाया । अगली सुबह जब मेरी पत्तन पर गई तो उसने देखा कि शरद्-काल की ठडी हवा समाप्त हो चुकी थी और मद सुगधित समीर चल रही थी तथा सूर्य चमक रहा था । पत्तन पर जहा एपोमेटक्स और जेम्स नदियो का सगम था, सेना की लडाकू नौका मे माल-असबाब तथा यात्री ले जाने वाली अनेक नौकाए खडी थी । 'रिवर क्वीन' का लगर उठा दिया गया और वह जेम्स नदी के प्रवाह मे चल पडी । धूप निकली हुई थी । तट पर शेरीडन की सेना के सिपाही तैर रहे थे, स्नान कर रहे थे, अपने घोडो को पानी पिला रहे थे और स्कूल के बच्चो की तरह परस्पर हास-परिहास कर रहे थे तथा गीत गा रहे थे । रिवर क्वीन अब सैनिक नौकाओ की पक्तियो मे से गुज़री जो रग-बिरगी झडियो से सजी हुई थी । अब्राहम मेरी के हाथ मे हाथ डाले और ऊचा रेशमी हैट पहने रिवर क्वीन के तख्ते पर खडा था और सैनिक-नौकाओ पर खडे सैनिक नारे लगा रहे थे तथा तालिया बजा रहे थे ।

सिटी प्वाइट को पार करके वे नौका से उतरे । इस बार उन्हे एक स्प्रिग वाली बग्घी मे बैठाया गया था, ताकि मेरी और श्रीमती ग्राट परेड के मैदान में आराम से पहुंच जाए जहा जेम्स की सेना की परेड जनरल ओर्ड के सेनापतित्व मे होने वाली थी । एडम बेडियु अब भी उनके साथ बग्घी मे था और उसके साथ एक और करनल पोरटर भी था ।

सडक के दोराहे पर गाडीवान रास्ता भूल गया और उनकी बग्घी जगल मे जा पहुची जहा से उन्हे वापस आना पडा । कीचड अभी सूखा था इसलिए बग्घी धीमी गति से चल रही थी । अब उन्हे यह घबराहट थी कि सभवत:

वे परेड ही न देख सके, जिसके लिए वे आए थे। मेरी ने निश्चय किया कि वह गाडी से उतरकर शेष जितने मील मार्ग है, उसे पैदल तय करे। उसने गाडीवान को रुकने के लिए कहा, किन्तु जब उसने बग्घी मे से एक कदम बाहर रखा तो उसने देखा कि सडक पर घुटने-घुटने कीचड है। वह पुनः अपने होठ को चबाती हुई बग्घी के कोने मे बैठ गई।

वे परेड के मैदान मे लगभग दो घटे देर से पहुचे। जेम्स की सेना की परेड का भव्य दृश्य तो समाप्त हो चुका था, किन्तु मेरी जब पहुची तो उसने देखा कि अब्राहम घोडे पर सवार जनरल ग्राट और आर्ड के साथ बैड के सगीत की धुन पर शस्त्रधारी सैनिको के मध्य मे से गुजर रहा था। अब्राहम के साथ-साथ एक और स्त्री घोडे पर सवार जा रही थी।

मेरी ने सामने बैठे पदाधिकारी से पूछा .

'राष्ट्रपति के पास वाले घोडे पर कौन स्त्री है ?'

'वह तो श्रीमती ओर्ड है अर्थात् जिस सेना का निरीक्षण किया जा रहा है उसके सेनापति की पत्नी।'

'वह राष्ट्रपति के साथ-साथ घोडे पर सवार होकर क्यो चल रही है ? उसे क्या अधिकार है कि वह राष्ट्रपति की पत्नी होने का बहाना करे ?'

'ओह, मुझे विश्वास है कि वह ऐसा बहाना नही कर रही, श्रीमती लिंकन,' श्रीमती ग्राट ने उत्तर दिया, 'आपको तो सभी जानत है। ऐसा तो केवल इस कारण हुआ है कि हमे पहुचने मे देर हो गई है।'

उस समय राज्य-सचिव का भतीजा मेजर सीवार्ड, जो प्राय. ह्वाइट हाउस मे आया करता था, घोडे पर सवार मुस्कराता हुआ आया :

'राष्ट्रपति का घोडा बहुत बहादुर है। वह श्रीमती ओर्ड के साथ चलने की जिद कर रहा है।'

अब यह कहानी भी समाचारपत्रो मे प्रकाशित की जाएगी कि किस प्रकार श्रीमती लिंकन को पीछे खदेड दिया गया। यह भी 'मेनर्ड एक्सिस' मे प्रकाशित प्रवाद के समान एक और प्रवाद होगा।

श्रीमती ओर्ड ने जब मेरी की बग्घी को आते हुए देखा तो उसने अब्राहम और जनरल ओर्ड के घोडो के बीच मे से अपना घोडा निकाला और सीधी मेरी के पास आ पहुची ·

'श्रीमती लिंकन, मुझे बहुत प्रसन्नता है कि आप आ पहुंची। दुर्भाग्य से आप-को देर हो गई तो जनरल ने सोचा कि मुझे आपका स्थान लेना चाहिए।'

'आप मेरा स्थान लेंगी ? श्रीमती ओर्ड, मै आपको यह बता देना चाहती हूं कि मेरी जगह कोई नहीं ले सकता। भविष्य मे यदि आप राष्ट्रपति की पत्नी का रूप धारण नहीं करें तो मैं आभारी हूंगी।'

श्रीमती ओर्ड रो पड़ी।

श्रीमती ग्रांट ने कहा, 'श्रीमती लिंकन, मै समझती हूं कि आपको श्रीमती ओर्ड से ऐसी बात नही कहनी चाहिए। वह तो केवल अपने पति के आदेश का पालन कर रही थी।'

'यदि आप उसका पक्ष न लें तो बहुत कृपा होगी। आपको मेरे प्रति निष्ठा-वान होना चाहिए क्योकि मैं देश की प्रमुखतम महिला हूं। मैं तो यह समझने लगी हूं कि यह सब षड्यन्त्र था।'

अब बिलकुल सन्नाटा छा गया। श्रीमती ओर्ड और मेजर सीवार्ड अपने-अपने घोड़ों पर बैठकर परे चले गए। श्रीमती ग्रांट ने भी अनुमति मागी और मेरी को अकेली छोड़कर चली गई। मेरी ने गाड़ीवान को आदेश दिया कि वह उसे वापस 'रिवर क्वीन' में ले जाए।

वापसी की यह यात्रा एक भयानक स्वप्न जैसी थी जिसमें वह प्राय: अर्ध-विमूर्छित स्थिति मे पड़ी सोच रही थी कि उसका अपमान हुआ है और वह मन ही मन जल रही थी। सोच रही थी कि सब उसके विरुद्ध है और यदि उनके बस में हो तो उसे प्रमुख महिला के पद से हटा दें और स्वय उसका स्थान ग्रहण कर लें। किन्तु वह ऐसा नही होने देगी। उसने बहुत दुःख उठाए थे और बहुत कुछ सहन किया था और अब वह लोगों के परिहास का पात्र नही बनना चाहती थी। अब्राहम भी तो इस आरोप से मुक्त नहीं था, वह भी परेड के कार्यक्रम को रोककर उसकी प्रतीक्षा कर सकता था, उसे उसके लिए इतना तो करना ही चाहिए था।

मेरी ने अपना कमरा अन्दर से बन्द कर लिया और तकिये में मुंह छुपाकर लेट गई। उसके सिर में सख्त दर्द होने लगा। जब अब्राहम लौटा तो अंधकार हो गया था। उसने कई बार दरवाज़ा खटखटाया।

'मेरी, क्या तुम अन्दर हो ? क्या मैं अन्दर आ सकता हूं ?'

मेरी ने दरवाजा खोला तो अब्राहम झुका हुआ खडा था और उसके चेहरे पर उदासी छाई हुई थी।

'मेरी, मुझे बहुत खेद है कि तुम्हारा गाडीवान रास्ता भूल गया था, किन्तु सेनाए कई घटे तक प्रतीक्षा मे खडी रही और मैंने सोचा कि उनसे अधिक प्रतीक्षा करवाना उचित नही।'

'इसलिए तुमने एक और स्त्री को अपने साथ निरीक्षण करने के हेतु चुन लिया। वह स्थान मेरा था, और कोई भी उसे ग्रहण नही कर सकता था। तुमने सेनाओ पर यह प्रकट किया कि वह स्त्री राष्ट्रपति की पत्नी है। सब समाचार-पत्र इसे एक कहानी बनाकर प्रकाशित करेंगे।'

अब्राहम आश्चर्यचकित रह गया

'किन्तु समाचारपत्रो को ऐसी छोटी घटना को क्यो तूल देना चाहिए! सेनाओ ने श्रीमती ओर्ड को पहले देख रखा है। उसे युद्धक्षेत्र मे रहने की अनुमति प्राप्त है। ईश्वर जानता है कि हमारे ऊपर सभी सम्भव आरोप लगाए गये है, किन्तु कभी भी किसी समाचारपत्र ने कभी किसी अन्य की स्त्री से मेरा सम्बन्ध नही बताया।'

मेरी लजा गई। उसके सिर मे दर्द की लहरे इस प्रकार उठने लगी जैसे एक साथ कई गोलिया आ लगी हो। किन्तु मेरी ने उसे यह बताना उचित न समझा कि यह एक ऐसा अपमान था जिसे वह कभी भी व्यक्त नही करेगी। अब्राहम ने उसे सिरहाने पर से उठाया।

'क्या तुम अब वस्त्र नही बदलोगी? मैंने जनरल ग्राट, श्रीमती ग्राट और उनके कर्मचारियो को खाने पर बुलाया है। वे अपने साथ बैंड भी ला रहे हैं।'

'क्या श्रीमती ओर्ड भी आएगी?'

'जनरल ओर्ड तथा श्रीमती आर्ड भी आएगी।'

'तो फिर मैं नही आऊगी।'

मेरी अब अपनी व्यथा और घबराहट पर काबू न रख सकी। वह ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी और अपना चेहरा उसकी बाहो मे छुपा लिया। अब्राहम खडा उसके बालो को सहलाने लगा।

मेरी ने निश्चय किया कि वह वापस वाशिंगटन चली जाएगी।

वाशिंगटन पहुचकर जब वह अपने कमरे मे अकेली बैठी थी तो उसे अनु-

भव हुआ कि वह कितनी बुरी बात कर बैठी थी। ओह ईश्वर, वह अपने आपको इसके लिए कैसे क्षमा कर सकती है? वह सोचने लगी : मैं इस सिर-दर्द का क्या करूं जिसके कारण मेरा स्वभाव ही बिगड़ जाता है, निर्णय की शक्ति समाप्त हो जाती है और वर्षों का निश्चय तथा संयम समाप्त हो जाता है।

अब्राहम उसे ऐसे तार भेजा करता मानो वहां कोई विशेष बात नहीं हो रही थी और युद्ध का वृत्तान्त इस प्रकार लिखा करता जैसे वह चार वर्ष से युद्ध-कौशल और लड़ाइयों का परिणाम बताया करता था।

अमेरिका का सैनिक मुख्यालय
सिटी प्वाइट
अप्रैल, २, ७/४५, १८६५

श्रीमती अ० लिंकन,
वाशिंगटन, डी० सी०

गत रात जनरल ग्रांट ने तार भेजा है कि शेरीडन ने अपनी घुड़सवार सेना और पांचवी रेजीमेंट की सहायता से तीन ब्रिगेड माल-असबाब की एक गाड़ी और तोपखाना कब्जे में कर लिया है...। आज प्रातः जनरल गांट ने सारे क्षेत्र मे युद्ध का आदेश दे दिया है।

अ० लिंकन

कुछ ही घटे पश्चात् सिटी प्वाइट से एक और तार आया :

श्रीमती अ० लिंकन : आज साढ़े चार बजे शाम जनरल ग्रांट ने तार भेजा है कि उसने निचली नदी से ऊपर वाली नदी तक पूरे पीटसबर्ग का घेरा डाल लिया है और पिछले बुधवार से अब तक बारह हज़ार विद्रोही सैनिकों को बदी बनाया है और पचास तोपें कब्ज़े में की हैं। उसने मुझे बुलाया है कि उसे प्रातः युद्धक्षेत्र में मिलू....।

अ० लिंकन

अगले दिन समाचार आया कि जनरल ली ने पीटर्सबर्ग खाली कर दिया है और उसके कुछ ही घटों बाद जनरल ग्राट ने रिचमांड पर कब्जा कर लिया। विद्रोही-सेना और सरकार ने रिचमांड को भी खाली कर दिया। किन्तु कुछ भयानक समाचार भी थे। युद्ध-विभाग ने सूचना दी थी कि हार का बदला लेने के लिए अब्राहम को कत्ल करने का षड्यन्त्र रचा जा रहा है। मेरी ने तुरन्त

वाशिंगटन-पुनिस के प्रोवोस्ट मार्शल को लिख भेजा कि जोजेफ शेल्डन और जान एफ० पारकर को ह्वाइट हाउस मे नियुक्त कर दिया जाए। रात को वे पदाधिकारी और अन्य सैनिक ह्वाइट हाउस मे आ गए....

अब्राहम लौट आया। वह अत्यधिक प्रसन्न था। रास्ते मे ही उसे समाचार मिला था कि जनरल ली ने जनरल ग्राट के सामने हथियार डाल दिए थे। ज्योही जनरल जानस्टन, जनरल शरमन के समक्ष शस्त्र डालेगा, दोनो राज्यो का युद्ध समाप्त हो जाएगा।

१००

अब्राहम ने यह घोषणा की थी कि १४ अप्रैल, गुड फ्राइडे के दिन युद्ध समाप्त होने का उत्सव मनाया जाए और ईश्वर का धन्यवाद किया जाए। उस दिन प्रातः जब मेरी की आख खुली तो उसने देखा कि वसत ऋतु का मधुर प्रभात था। आज से पूरे चार वर्ष पूर्व मेजर राबर्ट एडर्सन को समटर के किले से अमेरिका का झडा उतारना पडा था। आज वह उस झडे को किले पर पुनः लहराएगा। गत रविवार से ही जब जनरल ली ने एपोमेटक्स के स्थान पर शस्त्र डाल दिए थे। नगर भर मे खुशिया मनाई जा रही थी और इस उत्सव के मनाने मे इतनी अधिक तोपे चलाई गई थी कि नगर के भवनो की कई खिडकियो के शीशे टूट गए थे। गिरजाघर की घटिया बजने लगी, दुकानें बन्द हो गईं। सडको और गलियो मे लोगो के झुड के झुड एकत्र हुए थे। भवनो पर झंडे लहराए गए। रात को वाशिंगटन दीपमाला से जगमगा उठा; हर घर, दुकान, होटल और सरकारी भवन पर सैकडो मोमबत्तिया जलाई गईं, दीवारो के साथ लैम्प लटका दिए गए। चमकीले बैड जगह-जगह गलियो मे बजाए जा रहे थे और सब कही आतिशबाजी और पटाखे बजाए जा रहे थे।

जब मेरी उठी तो सात बज चुके थे। अब्राहम डेस्क पर बैठा काम कर रहा था। उसने जनरल तथा श्रीमती ग्राट को उस शाम उनके साथ फोर्ड थियेटर

मे 'आवर अमेरिकन कज़िन' नामक नाटक मे लारा कीन का अभिनय देखने के लिए आमन्त्रित किया था ।

शाम को आठ बजे मेरी और टाड अब्राहम को नाश्ते के लिए निचली मज़िल के खाने के कमरे मे ले गए । कैप्टेन राबर्ट लिंकन भी आ पहुचा । उसकी वर्दी धूल से भरी हुई और पुरानी हो चुकी थी और उसकी दाढी तीन दिन से बढी हुई थी । उसने सबका स्नेहसूचक चुम्बन लिया ।

'तुम एपोमेटक्स मे जनरल ग्राट के साथ थे,' अब्राहम ने गर्व के साथ कहा, 'हमे बताओ जनरल ली ने किस प्रकार शस्त्र डाले थे ?'

अब्राहम ने जनरल ग्राट से प्रार्थना की थी कि वह जनरल ली और उसके आदमियो से अच्छा व्यवहार करे । राबर्ट द्वारा दिए गए समाचार से यह बात सिद्ध हो गई कि ग्राट ने राष्ट्रपति का ठीक अनुसरण किया था । दक्षिण के भूखे सिपाहियो को सघ के भडार मे से भोजन दिया गया और उनसे यह लिखवाकर ले लिया कि वे कान्फेडरेसी के लिए युद्ध नही करेगे । पदाधिकारियो को अपने शस्त्र और निजी सामान ले जाने दिया गया और सैनिको के पास हल चलाने के लिए घोडे-खच्चरे रहने दी ।

'मै जनरल ली का एक चित्र अपने साथ लाया हू'—राबर्ट ने अन्त मे यह कहा और वह चित्र अब्राहम को दे दिया । अब्राहम ने उसे मेज़ पर अपने सामने रख लिया और बोला :

'यह तो सुन्दर चेहरा है,' अब्राहम ने गम्भीर भाव से कहा, 'यह चेहरा तो श्रेष्ठ और वीर पुरुष का है । मुझे प्रसन्नता है कि आखिर युद्ध समाप्त हो गया है ।'

मेरी ने मेज़ के परले सिरे से अपने पति को देखा । उसने उसी प्रात: दाढी बनाई थी । उसके गालो पर रौनक थी । उसके बालो और मूछो मे कघी हुई थी और उसने नया इस्त्री किया हुआ सूट पहन रखा था ।

मेरी ने गूजती हुई आवाज़ मे कहा, 'श्रीमान् राष्ट्रपति, आज प्रात अवश्य किसीकी प्रतीक्षा कर रहे होगे ? क्या यह कोई गायिका है, पैटी अथव लारा कीन ?'

यह देखकर कि वह अन्य स्त्रियो के बारे मे परिहास कर सकती है, अब्राहम की आखो मे एक चमक पैदा हो गई ।

'ओह, नही, किसी सुन्दर रमणी की तो प्रतीक्षा नही है, मेरी, सभा का अध्यक्ष शूलियर कालफैक्स नौ बजे आ रहा है, उसके पश्चात् मेरीलैंड का सीनेटर जान ए० केसवेल अपने एक मित्र को, जो कान्फेडरेटो के कारागार मे है, मुक्त करवाने की सिफारिश करने के लिए आ रहा है। फिर 'हमारा पुराना मित्र रिचर्ड येट्स, जो हाल ही मे सीनेटर का सदस्य चुना गया है, अपने साथ करनल विलियम केलाग को ला रहा है जिसे वह न्यूओर्लियन पत्तन का कलक्टर नियुक्त करवाना चाहता है। स्पेन के लिए हमारा नया राजदूत जान हेल अनुदेश प्राप्त करने के लिए आ रहा है। कुछ सीनेटर और रिप्रेजेंटेटिव इस विषय पर विचार-विमर्ष करने के लिए आ रहे हैं कि वर्जीनिया और लूसियाना मे कैसी सरकारे स्थापित की जाए। इसके अतिरिक्त मुझे शीघ्र ही युद्ध-विभाग मे यह पता लगाने के लिए जाना है कि क्या जनरल जानस्टन ने जनरल शरमन के समक्ष हथियार डाल दिए है अथवा नही और फिर मुझे ग्यारह बजे कार्यालय मे पहुचना है, जहा मत्रिमडल की बैठक हो रही है, जिसमे जनरल ग्राट भी होगा।'

मेरी उठी और अब्राहम का मुह चूम लिया।

'नित्य की तरह तुम सुबह तो अकर्मण्य रहोगे राबर्ट, किन्तु शाम को तो तुम्हे छुट्टी है। क्या तुम 'आवर अमेरिकन कज़िन' नाटक देखने आओगे ?'

'धन्यवाद मा, मैं तो दो सप्ताह से बिस्तर पर नही सोया, आज जल्दी सोना चाहता हू।'

टाड ने ऊचे स्वर मे कहा, 'क्या मा मैं राबर्ट के स्थान पर आ सकता हूं ?'

ग्रोवर थियेटर से एक सदेश पहुचा था जिसमे राष्ट्रपति और उसके साथियो को 'अलादीन, या वडरफुल लैम्प' देखने के लिए आमत्रित किया गया था। मेरी ने टाड को इस नाटक की कुछ कहानी सुनाई और कहा, 'टाड, मैं समझती हू कि तुम्हें और तुम्हारे अध्यापक को 'अमेरिकन कज़िन' की अपेक्षा यह नाटक अधिक अच्छा लगेगा। आज रात यही समझ लो कि तुम राष्ट्रपति लिंकन हो और इस नाटक मे चले जाओ।'

मेरी ने दोपहर का खाना आज अपने दोनो बेटो के साथ निचली मज़िल पर ही खाया, अब्राहम अभी तक मन्त्रिमडल की बैठक मे था। बाद मे वह बैठक मे आया और उसने मेरी को बताया कि कनेक्टीकट के मेजर जे० बी० मरविन को जहा जाना था वहा जा नही सके इसलिए क्या वह दो व्यक्तियो का खाना

वहां मंगवा सकेगी ? मरविन यह योजना लाया था कि पानामा के स्थान पर नीग्रो सेनाओं की सहायता से सागर को मिलाने वाली एक नहर खोदी जाए और मेरी भी इस योजना को सुनना चाहती थी।

मेरी ने काले ऊनी कपड़े का जम्पर पहना। उसपर सफेद धारीदार कालर और वक्ष पर लटकती हुई झालर उसे एक नई सुन्दरता प्रदान कर रही थी। चार बजे से कुछ पूर्व अब्राहम अपने साथ एक व्यक्ति को लेकर मेरी के कमरे में आया। वह आयरिश मेरी थी जिसने १८६० के चुनाव में बड़ी निष्ठा के साथ उनके पास स्प्रिंगफील्ड में काम किया था। मेरी ने बड़े प्रेम-भाव के साथ हाथ मिलाया :

'तुमसे मिलकर बहुत प्रसन्नता हुई। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति ने तुम्हारे पति को सेना से छुट्टी देने का आदेश दे दिया होगा।'

'ओह हां श्रीमती लिंकन, उन्होंने यह काम कर दिया है। वे तो सदा ही एक श्रेठ व्यक्ति हैं।'

एक दिन पहले फलों का एक टोकरा उपहार के रूप में आया था, उसे मेरी ने उस लड़की को दे दिया। उसने अभिवादन किया और चली गई।

अब्राहम ने मेरी का हाथ पकड़ा और उसे सोफे पर अपने पास बैठा लिया :

'मुझे केवल एक बात की चिंता है और वह यह कि कांग्रेस में जो क्रांतिकारी सदस्य हैं वे एक कठोर शान्ति चाहते हैं अर्थात् उनका अभिप्राय है कि दक्षिण को अत्यन्त कठोर दंड दिया जाए। यदि हमने बुद्धिमत्ता और समझ से काम लिया तो हम इन राज्यों को अपना मित्र बनाने में सफल हो जाएंगे और दिसम्बर में होने वाले कांग्रेस के अधिवेशन से पूर्व ही इन राज्यों में व्यवस्था हो जाएगी, और उनकी सरकारें सफलतापूर्वक कार्य करने लगेंगी। कांग्रेस में ऐसे लोग है जिनके मन में घृणा और बदले की भावना है। मुझे इस भावना से न तो सहानुभूति है और न ही मैं इसे पसंद करता हूं।'

वह सोफे से उठ खड़ा हुआ और उस खिड़की के पास जा खड़ा हुआ जहां से राष्ट्रपति का उद्यान, पोटोमैक नदी और वर्जीनिया की सुन्दर पहाड़ियां दिखाई दे रही थीं।

'मुझे आशा है कि किसीपर अत्याचार नहीं किया जाएगा, अब और खूनखराबा नहीं होगा। हमारे कुछ बहुत अच्छे मित्रों की यह इच्छा है कि हम

उन राज्यो के स्वामी बन बैठे, उनपर अपना आदेश चलाए और उन लोगो के साथ ऐसा व्यवहार करे जैसे वे नागरिक न हो। ये लोग उन्हे अधिकार नही देना चाहते। यदि हम शान्ति और सगठन चाहते है तो हमे घृणा और विरोध के भाव को समाप्त कर देना चाहिए।'

'अब्राहम, जैसे तुमने युद्ध जीता है, तुम्हे शान्ति भी जीतनी चाहिए।'

चौकीदार ने आकर बताया कि बग्घी तैयार है। वे सीढ़ियो से उतरकर ड्योढी मे पहुच गए। सीढियो के नीचे एक सिपाही खडा था जिसका एक ही हाथ था, वह बोला :

'यदि मै अब्राहम लिंकन से हाथ मिला सकू तो मै दूसरा हाथ भी भेट कर सकता हू।'

अब्राहम ने सिपाही का हाथ अपने हाथ मे ले लिया और उसका नाम और रेजीमेट के बारे मे पूछा तथा उसकी वीरता की प्रशसा की।

जब वे बाहर के बरामदे मे पहुचे तो सूरज बादलो के पीछे जा चुका था। अब्राहम ने गाडीवान से कहा कि वह उन्हे सोल्जर्स होम से आगे देहाती प्रदेश मे ले जाए। ग्रामीण प्रदेश की सैर करते हुए, मेरी का हाथ अपने हाथ मे लेकर अब्राहम ने कहा

'मै बहुत प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हू क्योकि आज मै समझता हू कि युद्ध समाप्त हो गया है। भविष्य मे हमे अधिक प्रसन्नचित्त रहना चाहिए, युद्ध और विली की मृत्यु के कारण हमारी अवस्था बहुत दुःखद रही है।'

मेरी ने उत्तर दिया, 'हमे बहुत विपत्तियो का सामना करना पड़ा है।'

'हमने कुछ धन जमा किया है और इस पदावधि मे कुछ और जमा कर लेगे। फिर हम वापस इलीनाइस चले जाएगे और मैं स्प्रिंगफील्ड अथवा शिकागो मे वकालत का दफ्तर खोलूगा।'

'किन्तु अब्राहम, यह सब करने से पूर्व तो हम खूब लम्बी छुट्टी मनाएगे, क्या नही?'

'हा मेरी, हम अपनी छुट्टी यूरोप मे मनाएगे, जिसका तुम जीवन भर स्वप्न देखती रही हो।'

मेरी ने सिर उठाकर उसकी ओर देखा। उसके भाव से सचाई लक्षित हो रही थी। वह सोचने लगी यूरोप की सैर, कितना अच्छा होगा!

जब वे ह्वाइट हाउस की ओर मुडे तो उन्होंने देखा कि इलीनाइस के उनके दो मित्र उद्यान को पार कर राजकोष की ओर जा रहे थे।

अब्राहम ने पुकारा, 'इधर आओ बच्चो, इधर आओ।'

मेरी मन ही मन मुस्कराई, अब्राहम के लिए ये सब बच्चे ही है।

परिवार ने अकेले खाना खाया। मेरी को अब्राहम से यह जानकर निराशा हुई कि जनरल ग्रांट और श्रीमती ग्राट ने उनके साथ नाटक देखने का आमन्त्रण अस्वीकार कर दिया है। मेरी समझ गई कि श्रीमती ग्राट ने मेरी की अशिष्टता का प्रत्युत्तर दिया है। उसने सोचा, मै किसी उचित समय पर अपने ही ढग से श्रीमती ग्राट से सुलह कर लूगी। उसने सीनेटर हैरिस की लडकी और उसके मगेतर मेजर राथबोन को आमन्त्रित कर लिया कि ग्राट की बजाय वे लोग इनके साथ चले।

मेरी ने काला रेशमी गाउन पहना जिसपर छोटे-छोटे सफेद फूल बने हुए थे, और अच्छी प्रकार बाल गूथकर सिर पर सफेद मलमल की सुन्दर टोपी पहन ली जिसपर काला तथा सफेद फीता लगा हुआ था। जब अब्राहम तार-घर का आखिरी चक्कर लगाकर आया तो उसके चेहरे से थकावट लक्षित हो रही थी :

'मेरी, मेरी तो यह इच्छा है कि आज का कार्यक्रम रहने दे।'

'ठीक है तुम मत जाओ, तुम सारा दिन काम करते रहे हो।'

'किन्तु सबको पता है कि हम वहा आ रहे है और मै लोगो को निराश नही करना चाहता। इसके अतिरिक्त यदि मैं घर पर रहा तो सारी शाम लोग मिलने के लिए आते रहेगे। मुझे उन सबसे हाथ मिलाना पडेगा, उनसे बात-चीत करनी पडेगी, आराम तो मुझे फिर भी नही मिलेगा।'

थियेटर जाने का समय हो चुका था। इधर अध्यक्ष कोलफैक्स और जार्ज ऐशमन मिलने के लिए रेड रूम मे प्रतीक्षा कर रहे थे। मेरी ने एक व्यक्ति को भेजा कि नीचे जाकर अब्राहम को बुला लाए, किन्तु जब वह ऊपर आया तो रास्ते मे मिसूरी के सीनेटर हैडर्सन उसे मिल गए जो दक्षिण के राज्यो के पुनर्निर्माण के विषय मे अब्राहम के साथी थे। जब मेरी अब्राहम के साथ उसके शयनागार में गई ताकि उसे बडा कोट पहना दे तो सदेश मिला कि नेवदा के सीनेटर विलियम स्टेवार्ट और न्यूयार्क के जज नाइल्स सियरले मिलना चाहते

है। अब्राहम ने उत्तर भेजा कि मैं श्रीमती लिंकन के साथ थेयेटर जा रहा हूं और इस कार्यक्रम को स्थगित नही कर सकता। कल प्रात: दस बजे आने की कृपा कीजिए और मुझे आपसे मिलकर प्रसन्नता होगी।

मेरी ने अपना मखमल का काला कोट पहना, छोटा पखा और लाल धारी वाले काले डिब्बे मे रखी नाटक देखने की ऐनक उठाई।

नाटक के लिए उन्हे अब आधे घटे की देरी हो चुकी थी।

वे बग्घी मे बैठे और ऊची गद्दी पर कोचवान फ्रांसिस बर्न्स घोड़ो की लगामे थामे हुए बैठ गया, जबकि अब्राहम का अगरक्षक चार्ल्स फोर्ब्स सहारा देकर बैठाने के लिए बग्घी के दरवाज़े पर खडा था। गाडी को कावलस्टोन गलियो मे तेज़ी से ले जाया गया ताकि क्लारा हैरिस और मेजर राथबोन को उनके घर से साथ लिया जाए और फिर उनको लेकर वे सीधे थियेटर की ओर चल पडे। ई तथा एफ के बीच की टेन्थ गली मे फोर्ब्स पैदल चलने के लिए उतर पडा और उसने मेरी अब्राहम तथा अब्राहम को उतरने मे सहायता के लिए दरवाज़ा खोल दिया। थियेटर के सामने कीचड के ऊपर एक सफेद तख्ता रखा हुआ था जिससे वे सुगमता से उसे पार कर थियेटर पहुंच गए। पुलिस-अधिकारी जान पारकर, जिसे मेरी ने ह्वाइट हाउस मे नियुक्त करवाया था, वहा उनकी प्रतीक्षा कर रहा था।

बरामदा खाली पडा था क्योंकि साढे आठ बज चुके थे और नाटक को आरम्भ हुए आधा घटा हो चुका था। थियेटर का एक व्यक्ति, जो उनकी प्रतीक्षा मे खडा था, उन्हे सीढियो के ऊपर ले गया और ढलान पर बने छोटे कमरे मे उन्हे बैठा दिया। उस कमरे के बाहर एक सफेद दरवाज़ा था, फिर अन्दर के कमरे का एक और दरवाज़ा था और उसके पश्चात् उनके बैठने का स्थान बना हुआ था।

मेरी सबसे आगे-आगे चली और उसने सबसे पहले उस कमरे मे कदम रखा जहां गालीचा बिछा हुआ था और दीवारो पर फूलदार अबरी लगी हुई थी। छत से लेकर फर्श तक नाटिंघम के फीते से घने बुने हुए पर्दे लटक रहे थे। इस प्रकार उनका कमरा बिलकुल एकात मे था, किन्तु लोगों ने उन्हें देख लिया और कुछ लोगो ने तालिया बजाईं, अभिनेता एक क्षरण के लिए रुक गए और जब वे बैठ गए तो फिर उन्होने अभिनय आरम्भ कर दिया।

बाक्स कमरे में सुविधाजनक कुर्सियां थीं, एक सोफा था और अब्राहम के लिए एक झूलती कुर्सी थी। मेरी सबसे अगली कुर्सी पर बैठ गई और उसके बाईं ओर परदे के पीछे झूलती कुर्सी पर अब्राहम बैठ गया। यहां उसे इसलिए बैठाया गया कि लोग न देख सकें। मेरी के निकट कुमारी हैरिस बैठ गई और अपनी मंगेतर के पीछे मेजर हैथबोन ने जगह ले ली। पारकर पिछले कमरे में उनके बाक्स कमरे के दरवाज़े पर खड़ा हो गया। फोर्ब्स, जो प्रायः इस परिवार के साथ थियेटर आया करता था, बाक्स कमरे के बाहर बैठ गया और नाटक देखने लगा।

उन्होंने नाटक पहले भी देख रखा था किन्तु अब्राहम यह देखकर प्रसन्न होता था कि अंग्रेज़ अमेरिकनों को सत्रह फुट लम्बा, घुटनों तक लटके हुए काले बाल और हाथ मे बेलचे तथा चाकू लिए हुए दिखाते है। दृश्य समाप्त होने पर वे बाक्स कमरे से बाहर जाने की अपेक्षा वहीं बैठे बातचीत करते और हंसते रहे।

तीसरा दृश्य आरम्भ होने पर सर्दी बढ़ चुकी थी। मेरी ने अब्राहम से बड़ा कोट पहन लेने के लिए कहा। वह खड़ा हुआ और कोट पहनकर पुनः झूलती कुर्सी प्रर बैठ गया। मेरी ने अपनी कुहनी उसके घुटने पर रख दी और गोद में झुककर उसकी ओर देखते हुए मुस्कराने लगी। वह बोली :

'तुम्हारी ओर इस प्रकार झुके हुए देखकर कुमारी हैरिस क्या सोचेगी ?'

अब्राहम ने प्रेम-भाव से मुस्कराते हुए कहा :

'वह इस बारे में कुछ भी नहीं सोचेगी।'

१०१

उनके पीछे एक ज़ोर का धमाका हुआ जैसे कोई विस्फोट हुआ हो। मेरा अब्राहम की गोद मे से उछल पड़ी। बाक्स कमरा सफेद धुएं से भर गया।

मेरी ने अब्राहम की पलकों को धीरे-धीरे बंद होते देखा जैसे वह सो रहा हो। अब्राहम पीछे की ओर झुक गया और उसके होंठों पर आई मुस्कराहट

विलीन हो गई। झूलती कुर्सी, जो उनकी बातचीत के समय आगे की ओर झुकी हुई थी, झटके के साथ पीछे हट गई और उसका सिर कुर्सी की पीठ से उठा हुआ दीवार से जा टिका। मेरी की एक चीख निकल गई।

पहली बार उसने एक अपरिचित व्यक्ति को बाक्स कमरे मे देखा जिसके काले बाल, काला सूट, परिचित-सा चेहरा, हिंसापूर्ण फटी-फटी आखे थी। वह पहले अब्राहम की ओर घूरता रहा और फिर उसने मेरी की ओर देखा।

मेजर रैथबोन बाक्स के दूसरे कोने मे कुर्सी से झपटा और उस काले अपरिचित व्यक्ति पर टूट पडा। वे दोनो मेरी के इतना निकट गुत्थमगुत्था हो रहे थे कि वह उनकी जोर-आजमाई को अनुभव कर रही थी। तब एक तेज चाकू चमका और उसका भरपूर वार और उसके साथ रैथबोन की चीख की आवाज सुनाई दी।

वह काली आकृति वाला व्यक्ति मेरी और अब्राहम के बीच मे से तेजी से गुजरा और बाक्स की सलाखो तक पहुच गया। रैथबोन भी मेरी के पास से गुजरा और उसने अपरिचित को पकडने के लिए हाथ बढाए। उस लम्बे चाकू का एक और वार हुआ और वह काला आदमी नीचे मच पर कूद पडा। रैथबोन ने चिल्लाकर कहा, 'इस व्यक्ति को पकड लो।'

अब्राहम के सामने मेरी घुटनो के बल गिर पडी और घिसटकर उस तक पहुचते हुए उसका चेहरा अपने हाथो मे ले लिया :

'अब्राहम, तुम्हे कहा चोट लगी है ? क्या हुआ है ? मुझे बताओ।'

अब्राहम का सिर मेरी के हाथो मे जा गिरा। उसने न तो आखे ही खोलीं और न ही कुछ बोला। मेरी ने अनुभव किया कि उसका शरीर ढीला पड रहा है। उसने उसे आलिगन मे ले लिया और फिर उसे कुर्सी मे सीधा करके पकडे रखा। अब्राहम का सिर मेरी के कधो पर आ गिरा। मेरी ने उसे छाती से लगाए रखा ताकि वह गिर न पडे। उसे अब्राहम की सास अनुभव नही हुई। उसने सुना, रैथबोन लोगो से डाक्टर को बुलाने के लिए कह रहा था।

'अब्राहम, मुझसे बोलो तो, तुम्हे कहा चोट लगी है ?'

बाक्स कमरे का दरवाजा खुला और एक गणवेशधारी व्यक्ति तेजी से उसके पास आकर बोला :

'श्रीमती लिकन, मैं जनरल हस्पताल का डाक्टर लीले हू।'

'डाक्टर, इन्हें संभालो।'

डाक्टर लीले और रैथबोन ने, जिसकी बांह के घाव से अत्यधिक खून बह रहा था, अब्राहम को उठाकर फर्श के गालीचे पर लिटा दिया। मेरी उनके पास खड़ी हो गई। उसका हृदय इतनी तेज़ी से धड़क रहा था कि उसे डाक्टर लीले की बात सुनने के लिए अपने आपको संयत करना पड़ा, 'कधे पर खून ही खून है···संभवतः चाकू का घाव है···कोट और कमीज़ को फाड़ दो।'

बाक्स कमरे में लोग एकत्र हो गए। लारा कीन मेरी को सांत्वना देने लगी, एक और अभिनेता पानी ले आया। एक और व्यक्ति सहायता करने लगा, उसने अपने आपको जूलिया का भाई डाक्टर चार्ल्स सेबिन टाफ्ट बताया। और डाक्टर भी आ गए। डाक्टर लीले अब्राहम के फेफड़ों में हवा भरने का प्रयत्न कर रहा था। उसने अब्राहम के गले में कुछ ब्रांडी डाली।

'क्या हम इन्हें घर नहीं ले जा सकते,' मेरी ने अनुरोधपूर्वक कहा, 'वहां अच्छा उपचार हो सकेगा।'

'श्रीमती लिंकन, नहीं, इन्हें ह्वाइट हाउस तक पहुंचाने में तो इनकी मृत्यु हो जाएगी।'

'मृत्यु! क्या अब्राहम की मृत्यु हो जाएगी?'

मेरी घुटनों पर बैठ गई और उसने अब्राहम के सिर के नीचे अपना हाथ रखकर उसे ऊपर उठाया। मेरी के दायें हाथ ने अब्राहम के सिर को जहां से पकड़ा हुआ था वहां मेरी को कुछ गीली और लेसदार चीज़ अनुभव हुई। उसने हाथ ऊपर उठाया तो वह खून से लथपथ था। वह गुमसुम हाथ की ओर देखती रही, उसे कुछ समझ में न आया। फिर उसकी दृष्टि डाक्टरों की ओर गई, जो उसकी ओर ही देख रहे थे। एक क्षण पश्चात् डाक्टर लीले ने कहा :

'खेद है श्रीमती लिंकन! राष्ट्रपति को····सिर में पीछे गोली लगी है।'

हाल में चार सिपाही भी थे। उन चारो और तीन डाक्टरों ने मिलकर अब्राहम को उठाया और उसे थियेटर से बाहर ले गए। मेरी को मेजर रैथबोन ने सहारा दिया और वह पीछे-पीछे चली आई। टेन्थ स्ट्रीट में इतनी भीड़ एकत्र हो गई थी कि सेना के एक कप्तान को तलवार के द्वारा रास्ता बनाना पड़ा। अब्राहम को पांव और कंधों से उठाए हुए ले जा रहे थे जबकि मध्य में से उसका शरीर ढुलक रहा था। और सिपाही आ गए और उन्होंने अब्राहम की कमर

के नीचे हाथ डाला।

ऊपर आकाश मे चाद पर घने बादल छा गए थे।

डाक्टर लीले जिस सामने वाले घर मे उसे ले जा रहा था, वह बन्द पडा था। दूसरे घर के दरवाजे पर एक व्यक्ति हाथ मे मोमबत्ती लिए खडा था, उसने उन्हे अपने घर बुला लिया। कुछ सीढिया चढकर वे एक बडे कमरे के दरवाज़े के सामने पहुच गए, फिर दो दरवाज़े पार करने पर एक कमरा था जिसमे एक बिस्तर बिछा हुआ था। सिपाही चले गए। दुःख भरे तथा उत्सुक लोगो की भीड को भी बाहर भेज दिया गया। पलंग के पास एक कुर्सी मेरी के लिए रख दी गई। वह अब्राहम का हाथ अपने हाथ मे लेकर आगे की ओर झुकी हुई बैठ गई।

पलग इतना छोटा था कि अब्राहम का शरीर पूरा न आया और उसके घुटने इकट्ठे करके उसे लेटाना पडा। डाक्टरो ने पलग के निचले पाये उखाडने चाहे किन्तु वे न उतार सके। डाक्टर लीले ने उसे तिकोना लेटा दिया जैसे वह स्प्रिंगफील्ड मे सोया करता था।

उसके सिर के नीचे गद्दे रख दिए गए। पलग को कमरे के मध्य में कर दिया गया ताकि अब्राहम गैस के प्रकाश के ठीक नीचे आ जाए। डाक्टर टाफ्ट उसके ज़ख्म पर हाथ रखे खडा था।

कमरा डाक्टरो से भर गया। मेरी उनकी कानाफूसी सुन रही थी, किन्तु कोई शब्द उसके पल्ले नही पड रहा था। अब्राहम के पाव मे अभी तक चमडे के भारी जूते थे और शरीर पर लम्बा भारी कोट था। डाक्टर लीले ने मेरी से कहा कि वे उसके कपडे उतारना चाहते है ताकि यदि कोई और घाव हो तो पता लग जाए और उन्होंने मेरी से कहा, 'क्या आप दूसरे कमरे मे चली जाएंगी?'

क्लारा हैरिस ने उसे सहारा देकर उठाया। मेरी हाल कमरे में से गुज़र-कर पहले कमरे मे आ गई जहा बिलकुल अधेरा था। जगली फूलो की इतनी अधिक सुगन्ध आ रही थी कि मेरी के लिए सास लेना कठिन हो गया। उसने कहा कि राबर्ट, डाक्टर स्टोन, श्रीमती केकली, और श्रीमती वालैस को बुलाया जाए। फिर वह अपने हाथो में मुह छुपाकर बैठ गई।

डाक्टर टाफ्ट ने आकर कहा कि अब वह राष्ट्रपति के समीप जाकर

बैठ सकती है। उनपर कम्बल डाल दिए गए हैं और अभी तक वे मूर्छित हैं। अब्राहम के सिर के नीचे तकिये पर साफ तौलिये रख दिए गए थे जिनपर खून के धब्बे पड़ गए थे। मेरी पास खड़ी हो गई और चिल्लाकर बोली :

'अब्राहम, तुम जीवित रहो, तुम अवश्य जीवित रहो।'

पादरी गर्ले आ पहुंचा और वह अब्राहम तथा मेरी के बीच घुटनों के बल बैठकर प्रार्थना करने लगा। डाक्टर स्टोन भी आ गया। उन डाक्टरों ने उसे ज़ख्म के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अब्राहम के होंठ खोलकर ब्रांडी डाली गई, किन्तु वह नीचे न उतरी।

लोगों का एक तांता बंध गया। मंत्रिमंडल के सदस्य आ गए। सीनेटर समनर आ गया जिसने मेरी के कंधों के गिर्द हाथ रखा। अध्यक्ष कालफैक्स तथा और आधी दर्जन डाक्टर आ गए जिससे कमरे में दम घुटने लगा। ताज़ी हवा के लिए बरामदे में खुलने वाला एक दरवाज़ा और खिड़की खोल दिए गए।

राबर्ट भागता हुआ कमरे में आया और पलंग की ओर जाने लगा, किन्तु डाक्टर स्टोन उसे एक ओर ले गया और कोई ऐसी बात कही जिससे वह फूट-फूटकर रो पड़ा। वह अपनी मां के पास आया और बच्चे की तरह उसकी गोद में सिर रखकर रो पड़ा। मेरी उसके बाल सहलाने लगी और अब्राहम के चेहरे को ध्यानपूर्वक देख रही थी। उसका चेहरा बाईं ओर अन्दर को पिचकता जा रहा था और जैसाकि प्रत्येक संकट के समय होता था, उसकी आंखें असंतुलित हो गई थीं और बाईं पुतली ऊपर जा लगी थी।

डाक्टरों ने ज़ख्म मे से गोली ढूंढकर निकालने का निश्चय किया। एक बार फिर मेरी को कमरा छोड़कर जाने के लिए कहा गया। राबर्ट उसे सहारा देकर सामने की बैठक में ले गया। जब मेरी को पुनः कमरे में लौट आने की अनुमति दी गई तो उसने देखा कि अब्राहम की हालत और भी अधिक खराब हो चुकी थी। उसकी बाईं आंख काली पड़ गई थी और सूज गई थी और सांस उखड़ रहा था। मेरी की इच्छा हो रही थी कि अब्राहम के साथ लिपट जाए और उसकी पलकों और मुंह को एक बार चूम ले तथा उसके शरीर में अपना प्रेम और चेतना भर दे। वह राबर्ट से बोली :

'टाड को ले आओ, वह टाड से अवश्य बोलेगा क्योंकि उससे अब्राहम को बहुत प्यार है।'

क्षण भर मौन छाया रहा। किसीने कहा, 'नहीं'। इसपर मेरी फूट-फूटकर रो पड़ी।

'ओह मेरा नन्हा टैडी, एक बार तो अपने पिता को देख ले।'

कोई वहां से हिला नहीं।

मेरी राबर्ट के साथ बैठक में बैठी रही। वहां गैस जला दिया गया था। वहीं बैठे-बैठे रात बीतती गई।

मेरी पुनः अब्राहम के पास गई। अब उसकी आकृति बुरी तरह बिगड़ चुकी थी और सांस भारी हो गया था। डाक्टर बिस्तर के आसपास खड़े थे और उसकी कोई सहायता नहीं कर रहे थे, बस सिर नीचा किए खड़े थे। सीनेटर समनर अब्राहम के बिलकुल निकट उसका हाथ पकड़े बैठा था और सिसकियां भर-भरकर रो रहा था।

एकदम मेरी का ध्यान कमरे की ओर गया। वहां चौबीस व्यक्ति खडे थे, कुछ ने काले वस्त्र पहन रखे थे और कुछ गणवेशधारी थे। अब्राहम के पीछे दीवार पर एक चित्र लटक रहा था जोकि रोज़ा बोन्योर का 'हार्स फेयर' नामक चित्र था। एक अलमारी पड़ी थी, एक अंगीठी थी, हाथ धोने वाला स्टूल था। फर्श पर गालीचा बिछा था जिसका पता उसे तभी लगा जब वह विमूर्छित अवस्था में फर्श पर गिर पड़ी।

जब मेरी को होश आया, डाक्टर स्टोन उसे होश में लाने की दवाई दे रहा था। सब अनुशासन और संयम जाता रहा। अब्राहम मर रहा था और वे लोग कुछ भी नहीं कर रहे थे। काश अब्राहम उसकी आवाज़ सुन सकता! मेरी ने अपने होंठ उसके होंठों पर रख दिए और चिल्ला उठी :

'प्रिय, बस एक क्षण के लिए तुम जीवित हो जाओ। मुझसे बात तो कर लो, अपने बच्चों से एक बार बोल तो लो।'

मेरी ने उसकी आवाज़ सुनने का प्रयत्न किया। कमरे में लोगों के रोने के अतिरिक्त कोई आवाज नहीं आ रही थी, या फिर युद्ध-सचिव के निरंतर आदेश देने की आवाज़ आ रही थी।

उसके अन्तर की गहराई से एक चीख निकल गई। वह घुटनों पर गिरकर

अब्राहम के तकिये से लिपट गई। अपनी दु खद निराशा मे वह जितने भी ज़ोर से रो सकती थी, रो पडी। फिर उसने सख्त आवाज़ मे किसीको कहते सुना .

'इस स्त्री को ले जाओ और फिर अन्दर न आने दो।'

यह स्टैंटन की आवाज़ थी।

वह बस इतना सोच सकी, 'जब अब्राहम मेरी रक्षा करने के योग्य नही रहा तो मैं एक क्षण मे 'वह स्त्री' हो गई हू। ओह अब्राहम, अब्राहम, तुम्हारे बिना मेरा क्या होगा ?'

कुछ लोगो ने उसे फर्श पर से उठा लिया और उसे सहारा देकर धीरे-धीरे हाल से बाहर ले जाकर सोफे पर बैठा दिया। वह वहा बैठी मन ही मन रोती रही, पुनः उठी, अब्राहम की ओर जाने का प्रयत्न किया, किन्तु फिर अपने आपको सभाल लिया।

समय बीतता गया—कितने ही मिनट बीत गए, कितने ही घटे बीत गए। मेरी को समय और परिस्थिति का कुछ ज्ञान न रहा। उसे जगत् की कोई चेतना न रही। वह कितनी निर्जीव थी, उसमे कितना जीवन था ? उसे कुछ पता न था, न ही इसकी चिन्ता थी।

प्रात हुई, उदासियो और विपत्तियो से भरी प्रात.। राबर्ट उसे लेने के लिए आया। वह उसे हाथ से पकडे, अन्धकारपूर्ण हाल कमरे मे गुज़रता हुआ उस कमरे मे ले गया जहा अब्राहम पडा हुआ था। उसने अन्दर प्रवेश किया। लोग एक ओर हट गए। उसने अब्राहम की ओर देखा।

वह मर चुका था।

मेरी उसके सीने से लिपट गई और चेहरे का बार-बार चुम्बन लेने लगी।

'ओह मेरे ईश्वर ! मैंने अपने पति को मरने दिया है।'

मेरी को अपने शयनागार की सब जानी-पहचानी वस्तुए असह्य लगने लगी अत' वह छोटे अतिथि-गृह मे जाकर लेट गई ।

दरवाज़े के पास लोगो के आने-जाने की और उनके तथा डाक्टरो के बोलने की दबी-दबी आवाजे सुनाई दे रही थी । अब्राहम को प्रिंस आफ वेल्स कमरे में लाकर लेटा दिया गया था ।

शनिवार को प्रात. आकाश स्वच्छ था और सूर्य चमक रहा था ।

मेरी ज़ोर से बोली, 'अब जब अब्राहम की मृत्यु हो चुकी है तो सूरज कैसे चमकता रह सकता है !'

कमरे मे केवल टाड ही था । वह बोला .

'यह इस बात का प्रतीक है कि पिता स्वर्ग मे प्रसन्न हैं। यहा आने के पश्चात् तो वह कभी भी प्रसन्न नही हुए । यह स्थान उनके लिए अच्छा नही था ।'

मेरी की इतने ज़ोर से हिचकिया बध गईं कि सिर से पाव तक उसका शरीर कापने लगा । जब उसने तकिये मे सिर उठाया तो देखा कि टाड अपने विषाद-युक्त चेहरे को बिस्तर मे छुपा रहा है :

'मा, इस प्रकार मत चिल्लाओ, नहीं तो मेरा हृदय टूट जाएगा ।'

मेरी ने हाथ बढाकर उसे गोद मे ले लिया ।

'टाड, आज रविवार है न, मुझे कागज और लेखनी ला दो, डाक्टर गर्ले को पत्र लिख दूं कि मातमी-प्रार्थना का प्रबन्ध कर दे ।'

उसने पत्र लिख दिया । बात को स्पष्ट रूप में लिखने के प्रयत्न मे ही उसकी चेतना क्षीण हो गई और वह मूर्छित हो गई और उसके मस्तिष्क मे उलझे-उलझे चित्र उभर आए और मन विक्षिप्त हो गया ।

एक धमाका-सा हुआ । मेरी चीखती हुई बिस्तर से उछल पडी । श्रीमती केकली जल्दी से कमरे मे आई और उसने मेरी को पुन: बिस्तर पर लेटा दिया ।

'श्रीमती लिंकन, ईस्ट रूम मे बढई काम कर रहे है। वे कील ठोक रहे हैं।'

'उनकी प्रत्येक कील गोली की तरह लगती है । क्या तुम उन्हे रोक नहीं सकती ?'

राबर्ट चुपके से कमरे मे आ गया था।

'मा, वे ताबूत " बना रहे है।'

सारा दिन लोगो के प्रिस आफ वेल्स कमरे मे जाने की आवाज आती रही। राबर्ट उन लोगो के परिचय-पत्र लेकर आया जो शोक प्रकट करने आए थे।

'राबर्ट, मैं इतनी बीमार हू कि किसीसे भी मिल नही सकती।'

उसके पास एलेजबेथ होती तो अच्छा होता, किन्तु एलेजबेथ ने कोई सदेश नही भेजा।

डाक्टर स्टोन उसे चित्त को शात करने वाली दवाई देता रहा।

मेरी अर्धसुषुप्त अवस्था मे पडी रही। उसे ऐसा लगा मानो तोपे चलाई जा रही है, वाशिगटन का घेरा डाल लिया गया है, अब्राहम अभी जीवित है"

राबर्ट उसके बिस्तर के पास कुर्सी पर बैठा था।

'मा, प्रार्थना का समय हो गया है। डाक्टर गरले उपदेश दे रहे हैं। श्रीमती केकली और श्रीमती गर्ले वस्त्र बदलने मे तुम्हारी सहायता करेगी। क्या तुम अब उठोगी नही ? चलो, हम तुम्हे ईस्ट रूम मे ले जाए।'

नगर के गिरजो मे मातमी घटिया बज रही थी। धीरे-धीरे पहले उसके हाथ, फिर बाहे, कधे, छाती सब कापने लगे, सारे शरीर मे अकडन और कपन पैदा हो गया। उसने कम्बल सिर पर ओढ लिया।

मकान मे शाति थी। श्रीमती केकली कोने मे बैठी थी। दरवाज़ा खुला, और डाक्टर आन्सन हेनरी ने प्रवेश किया। मेरी ने उसके गले मे बाहे डाल दी और उससे चिपटकर ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी। फिर उसने आखिरी दिन का वृत्तान्त सुनाया, इससे उसे सात्वना मिली।

दोपहर को पुन गिरजाघर की घटिया बजी, छोटी तोपे चलाई गई। समय हो गया था।

मेरी बिस्तर से उठी और रात के लिबास मे ही खिडकी के पास जा खडी हुई। नीचे नार्थ ड्राइव और पेनसिलवानिया दिखाई दे रहा था। छः घोडो वाली बग्घी दालान मे से गुज़री, जो चारो ओर से बन्द थी। पेनसिलवानिया मे लोग पक्तियो मे खडे थे, वृक्षो और छतो पर भी लोग एकत्र थे, सैनिक बैड निधन की धुन बजा रहा था। बग्घी के पीछे-पीछे धीमे कदमो से सेना चली जा रही थी।

अब मेरी की आंखो के आसू सूख चुके थे। मेरी को केवल हृदय-विदारक

शून्यता का अनुभव हो रहा था । उसे स्मरण हो आया, जब पहली बार उन्होने ह्वाइट हाउस मे प्रवेश किया था तो उसने अब्राहम की बाह मे बाह डालकर कहा था, 'अब्राहम, हम घर पहुच गए है।'

कितनी ही बार वह खिडकी मे खडी होकर उसे उद्यान मे से गुजरकर युद्ध-विभाग और राजकोष की ओर जाते हुए देखा करती थी । अब वह अन्तिम बार उस द्वार से बाहर जा रहा था ।

स्प्रिगफील्ड मे मेरी ने कहा था, 'यदि मुझे विनष्ट ही होना है तो क्यो न मेरा विनाश एक महान् दु खात घटना से हो, जिसमे मै एक महान् और उच्च उद्देश्य के लिए अपनी प्रसन्नता को बलिदान कर दू ।'

वह सोचने लगी, मैंने इतने ऊचे स्वर मे पुकारकर यह कहा था कि देवताओ ने सुन लिया ।

राबर्ट ने प्रवेश किया और कहा .

'मैने जज डेविड डेविस को तार भेजा है कि वह वाशिगटन आ जाए। हमारे लिए वह सब व्यवस्था करेगे । उन्होने, मैंने तथा ओरविल ब्राउनिग ने यही सोचा है कि पिता को स्प्रिगफील्ड मे दफनाया जाए । वही तो पिता ने अपना जीवन आरम्भ किया था और वही उन्हे सफलता मिली थी ·'

'स्प्रिगफील्ड के साथ तो मेरी इतनी स्मृतिया सम्बद्ध हैं कि मेरे लिए यह सब असह्य हो जाएगा इसलिए शिकागो या सभवत' अन्य कोई स्थान अच्छा रहेगा । मैं चाहती हू कि विली को कब्र से निकालकर पिता के साथ दबाया जाए ।'

'हा मा, मन्त्रिमडल आज सारा दिन मातमी गाडी के लिए प्रबध करती रही है । उनकी योजना है कि पिता को उसी मार्ग से वापस ले जाया जाए जिससे वे वाशिंगटन आए थे । प्रत्येक राज्य मे सरकारी सम्मान के हेतु शव को रखा जाएगा । न्यूयार्क के सिटी हाल मे और फिर फिलेडेल्फिया के इडिपेडेस हाल मे···'

यह सुनते-सुनते मेरी का शरीर अकड गया । उसने मौत को कभी देखा न था । अब बेचारे अब्राहम को नगर-नगर मे घुमाया जाएगा और असख्य लोग उसके मृत और निस्सहाय शरीर को देखेगे ।

'पिता पहले ही बहुत थक चुके है । उन्हे हजारो मील तक गाडी मे औ

नगरो की गलियो मे नही घुमाना चाहिए। उन्हे कह दो कि मैं मातमी गाडी का आयोजन नही चाहती।'

राबर्ट एक घटे मे लौटा। उसके चेहरे पर उदासी छाई हुई थी·

'वे कहते है अब पिता केवल हमारा नही, वह तो अब राष्ट्र की अमर प्रेरणा है।'

श्रीमती केकली ने मेरी का चेहरा गर्म पानी से धोया, उसके बाल सवारे और उसने पीछे तकिए टिका दिए। मेरी ने टाड के बारे मे पूछा।

'मैने आज उसे श्री लिकन के कार्यालय मे उनके डेस्क के नीचे छुपा हुआ पाया था। जब मैंने उसे जगाया और पूछा कि क्या वह नीचे नाश्ता करने नही जाएगा, तो उसने उत्तर दिया, 'पापा मर गए है, मैं उन्हे कभी नही देख सकूगा।'

'उसे मेरे पास ले आओ। यदि नन्हे टैडी का ध्यान न होता तो इन विपत्तियो से छुटकारा पाने के लिए मै तो मृत्यु के लिए ही प्रार्थना करती।'

टाड कमरे मे आ गया। उसका चेहरा उतरा हुआ था और जैसे दुःख और विपत्ति के समय अब्राहम की आखे दो अधेरे गड्ढो के समान हो जाती थी, इस समय टाड की आखे भी वैसी ही दिखाई देती थी। मेरी को हाल मे कोई व्यक्ति दिखाई दिया और उसने पूछा

'कौन है, श्रीमती केकली ?'

'अगरक्षक श्री पारकर है।'

'उससे कहो मेरे पास आए।'

पारकर ने प्रवेश किया। उसके चेहरे पर चिंता लक्षित हो रही थी और आखे अर्धनिमीलित थी। वह काप रहा था।

'तुम उस समय हत्यारे को रोकने के लिए द्वार पर क्यो नही थे ?' मेरी ने क्रोध भरे स्वर मे पूछा।

पारकर ने सिर झुका लिया

'मैं बहुत पछता रहा हू। किन्तु मुझे यह विश्वास नही था कि कोई ऐसे भले व्यक्ति को ऐसे सार्वजनिक स्थान मे मारने का प्रयत्न करेगा। इसी विश्वास के कारण मैं असावधान हो गया। मै नाटक की ओर आकृष्ट हो गया और हत्यारे को बाक्स कमरे मे घुसते हुए नही देख सका।'

'तुम्हे उसे देखना चाहिए था। तुम असावधान कैसे हो सकते थे,' इतना कह मेरी तकिए पर गिर पडी और उसने अपना चेहरा हाथो से ढक लिया, 'जाओ, तुम ऐसे व्यक्ति नही हो जिसे मै क्षमा नही कर सकती, मै तो केवल हत्यारे को ही क्षमा नही कर सकती।'

'यदि पिता जीवित होते', टाड बोला, 'तो वे उसे भी क्षमा कर देते जिसने उनपर गोली चलाई थी। पिता सभी को क्षमा कर दिया करते थे।'

सात्वना के अनेक पत्र आए। अपरिचित लोगों के ऐसे भावुकतापूर्ण पत्र आए कि हृदय को द्रवित कर देते थे। उन्होने लिखा कि वे अपने मृत राष्ट्रपति से कितना प्रेम करते थे, उसका कितना आदर करते थे। बेट्सी एमिली, लेबी, डाक्टर वालैस, लिज्जी ग्रिम्सले और हना शीयरर के पत्र आए। किन्तु न तो एलेजबेथ आई और न ही परिवार का कोई अन्य व्यक्ति।

राबर्ट ने पूछा .

'मां, क्या अब तुम्हारी स्थिति अच्छी है ? क्योकि अब हमे सामान बाधना आरम्भ करना चाहिए। अब तो राष्ट्रपति जानसन को यहा आकर रहने का अधिकार है।'

'राबर्ट, मेरी हालत तो अभी बुरी है। मै कैसे उठकर सामान बाध सकती हू। मै तो यह भी नही जानती कि मै कहा जाऊगी ?'

'हम एट्थ स्ट्रीट वाले मकान मे ही जाएगे।'

'नही, मै वापस स्प्रिगफील्ड नही जा सकती। वहा तो मै बीते दिनो की स्मृतियो मे ही खो जाऊंगी।'

जान हे ने उनकी सहायता की। वह एक प्रभावी सीनेटर से मिला जो एड्रचू जानसन का परम मित्र था, और उससे अनुरोध किया कि वह जानसन से श्रीमती लिकन को यह कहलवा दे कि ह्वाइट हाउस खाली करने की ऐसी कोई जल्दी नही है। राष्ट्रपति जानसन ने सदेश भेज दिया।

हे मातमी गाडी पर चला गया था। मेरी ने पत्र द्वारा इस दयापूर्ण कार्य के लिए उसका धन्यवाद किया।

अब्राहम के मारे जाने के तीन सप्ताह पश्चात् अर्थात् ४ मई को राबर्ट ने सदेश भेजा कि अब्राहम को स्प्रिगफील्ड के ओकरिज कब्रिस्तान मे दफना दिया गया है।

अब्राहम के दफन होते ही उसका शासन सरकारी तौर पर समाप्त हो गया।

कोई भी ह्वाइट हाउस में नहीं आता था, ऐसा लगता था मानो उन्हे परित्यक्त कर दिया गया है। अंगरक्षक, नौकर-चाकर सभी चले गए। मेरी उस मौन उदासी को सहन न कर सकी।

रात के घने अंधकार में उसे आवाज़ें सुनाई दिया करतीं, दबी-दबी आवाज़ें और लोगों के भागने की आहट। श्रीमती केकली ने बताया कि कुछ लोग रात के समय सरकारी कमरों में सोफे और कुर्सियां तथा झालरदार पर्दे फाड रहे है, और गुलदस्ते, चांदी की प्लेटें, खाना पकाने की प्लेटें और फर्नीचर चुराकर ले जा रहे है।

'श्रीमती लिंकन, अधिकारियों का यह कहना है कि सब आपका दोष है। वे कहते है कि कई वर्ष पूर्व आपने प्रबन्धक को निकाल दिया था और यहां कोई भी देखभाल करने वाला नहीं है।'

मेरी के चेहरे पर गुस्से के भाव उभर आए :

'मंत्री स्टैटन के पास तो वाशिंगटन में सारी सेना है। उसे केवल इतना ही तो करना है कि वह सेना का एक दस्ता यहां नियुक्त कर दे।'

श्रीमती केकली ने गहरी दृष्टि से उसकी ओर देखा :

'वे कहते हैं कि आप इतने दिन यहां रह चुकी है कि अब यहां रहना उचित नही है। वे कहते है कि अब आपको चले जाना चाहिए, ताकि राष्ट्रपति जानसन यहां आकर रह सकें और राष्ट्र का कार्य-प्रबन्ध कर सकें और ह्वाइट हाउस की रक्षा कर सकें।'

मेरी बिस्तर पर लेट गई और आंखों से अविरल अश्रुधारा बहने लगी।

श्रीमती केकली ने वस्त्र पहनने में उसकी सहायता की। अब्राहम की मृत्यु के पश्चात् मेरी पहली बार अपने शयनागार में गई और इस तरह लड़खड़ाती हुई लौट आई मानो किसीने धक्का दे दिया हो, किन्तु फिर साहस करके अन्दर चली गई।

तहखाने में जितने भी ट्रंक और बक्स थे उन्हें मेरी ने ऊपर मंगवा लिया और सामान बांधने में पूर्णतः व्यस्त हो गई और उन वस्तुओं को एकत्र करने

लगी जो लिकन-परिवार स्प्रिगफील्ड मे अपने साथ लाया था अथवा पिछले चार वर्षों मे उन्होने खरीदी थी ।

अब्राहम के कमरे मे जाने का उसका साहस नही होता था । उसने अब्राहम के वस्त्र और वस्तुएं मगवा ली और उन्हे उसके मित्रो, मिलने-जुलने वालो और उसके प्रिय कर्मचारियो को दे दिया । हीरे से जडा हुआ सोने का वह बटन जो अब्राहम ने उस रात पहन रखा था जब उसकी हत्या हुई थी, डाक्टर चार्ल्स सेबिन टाफ्ट को दे दिया, एक बेत चार्ल्स समनर को और दूसरा एक संदेशवाहक स्लेड को दे दिया । उसने अन्तिम दिन जो हैट पहना था वह पादरी गरले को दे दिया और कघा तथा ब्रश श्रीमती केकली को दे दिए ।

मेरी अपनी वस्तुओ मे से कोई भी न दे सकती थी, यहा तक कि वह अपने सबसे पुराने वस्त्र भी न छोड़ सकी । उसने टोपियो, बटुओ, शालों, फर, झालरो, छोटी से छोटी वस्तुओ अर्थात् धागा, रिबन और बटन तक को अपनी अनन्य निधि के समान एकत्र कर लिया क्योकि उसे भय था कि उसके पास अपना और बच्चो का पालन-पोषण करने के लिए भी पैसा नही रहेगा । इसलिए उसने बक्स और ट्रक भर लिए और प्रातः से शाम को आठ बजे तक सामान को बाधने और बद करने मे इस प्रकार तल्लीन रही मानो काम ने ही उसे शक्ति प्रदान कर दी हो ।

राबर्ट को यह सब कुछ अच्छा नही लगा :

'इन फटी-पुरानी चीजों को ले जाना व्यर्थ है। बारह ट्रंको की तो बात अलग रही यहां लगभग पचास-साठ तो बक्स ही हो गए है। भला आप फटे वस्त्रो का क्या करेंगी ?'

'चिन्ता न करो राबर्ट, मै इन्हें भी किसी न किसी उपयोग मे ले आऊंगी ।'

'नही, आप इन्हे ले जाएंगी । लोगो मे यह बात फैल गई है कि आप निचली मजिल की बहुमूल्य वस्तुए ले जाने के लिए इन बक्सो मे भर रही है ।'

मेरी की आखे फटी-फटी-सी रह गई :

'वे कितने निर्दयी हैं ! मैंने यहा की कोई भी वस्तु नही ली । केवल तुम्हारे पिता का वह स्टैंड ले जा रही हू जिसपर वे अपने ब्रश और रेज़र रखा करते थे । वे इससे इतना प्यार करते थे कि उन्होने कहा था कि द्वितीय पदावधि की समाप्ति पर मैं इसके स्थान पर दूसरा स्टैंड रखकर इसे ले जा सकती हू । इसे

मैं टैडी के लिए ले जा रही हूं।'

राबर्ट अधीर हो उठा।

'जब हर कोई कह रहा है कि हमें अब यहां से निकल जाना चाहिए तो आप भला इस सारे सामान को एकत्र करने में और कितने दिन लगाएंगी ? मैं तो आशा करता हूं कि जिस डिब्बे में आपका यह लूट का माल शिकागो जा रहा होगा, उसमें ईश्वर आग लगा देगा।'

'लूट का माल ! क्यों तुम मेरी अपनी वस्तुओं को लूट का माल कहते हो ?'

'क्योंकि यह उत्तरदायित्वहीन कार्य है····बस एक सनक है। यदि आप इन व्यर्थ की वस्तुओं को बांधना बंद नहीं करतीं तो मेरा इनसे कोई वास्ता नहीं। यह कुरुचि और गलत निर्णय का लक्षण है।'

कुरुचि, गलत निर्णय, लूट का माल····? यह सब सुनकर उसकी स्मृतियां जाग उठीं कि किस प्रकार प्रमुख महिला के रूप मे जब वह वाशिंगटन आई थी तो यहां की बुरे स्वभाव की घमंडी महिलाओं ने भी उसकी प्रशंसा की थी। सफेद फूलों वाली साटिन और उसके साथ की टोपी से तो उसने राजदूतों को भी प्रभावित किया था ?

मेरी ने अपना सिर पीछे की ओर डाल दिया। उसके माथे पर दो लाल चिह्न उभर आए थे। राबर्ट निर्भाव दृष्टि से उसकी ओर देख रहा था।

'मेरा विचार है कि राबर्ट, तुम बहुत कुछ कह चुके हो। अच्छा होगा कि तुम अब चले जाओ।'

सामान तैयार हो गया। इसमे मेरी और टाड की ही वस्तुएं थीं। उसने बिलों की बहुत-सी प्रतियां एकत्र कर लीं। ये बिल उन वस्तुओं के थे जो उसने पिछले कुछ महीनों में खरीदी थीं। फिर उसने डाक्टर हेनरी को बुला भेजा।

'क्या आप इतनी कृपा करेंगे कि इन बिलो का मेरी खातिर भुगतान कर दें। ये बिल उन वस्तुओं के है जो मैने न्यूयार्क में खरीदी थीं। ये सात हजार डालर हैं और यह समझती हूं कि इससे बिलों का भुगतान हो जाएगा।'

उसकी शिकागो जाने वाली गाड़ी छः बजे छूटती थी।

अब्राहम की मृत्यु हुए पांच सप्ताह हो चुके थे।

मेरी अपने भारी काले मातमी वस्त्रों में सिकुड़ी-सी बैठी थी और काला पर्दा ओढ़े हुए थी; किन्तु वह जानती थी कि वह अन्तिम बार अब्राहम के शयनागार

और एक बार उनके बैठने के कमरे और अब्राहम के कार्यालय को देखे बिना नहीं जा सकती।

मेरी के मन में स्मृतियों का एक जमघट लग गया, कैसे वे चार वर्ष श्री तथा श्रीमती लिंकन के रूप में रहे थे, वे कैसे पहले-पहल इस ह्वाइट हाउस में आए थे जहां से वर्जीनिया की पहाड़ियों का भव्य दृश्य दिखाई देता था। दफ्तर में एंड्र्यू जैक्सन का चित्र लटका हुआ था और संघ राज्य को संगठित रखने के बारे में अब्राहम की शपथ अंकित थी। फिर उसे स्मरण हो आया कि कैसे सेनाएं बुलाई गईं, बुलरन फ्रेडरिक्सबर्ग और गेटिसबर्ग की विपत्तियां आईं, जिनमें अनेक नवयुवक मारे गए। फिर वह बड़ा महोगनी का मेज़ जिसपर मेरी के सामने बैठकर स्वतन्त्रता-घोषणा लिखी थी और उसकी अनुमति प्राप्त करने के लिए घोषणा-पत्र पढ़ने के लिए उसे दिया था।

अब्राहम का शयनागार, जिसमे एक बड़ा पलंग बिछा था! जिन दिनों उनके बेटे की मृत्यु हुए एक सप्ताह हो गया और मेरी उसे सांत्वना देने के लिए वहां आई थी तो अब्राहम के भारी पांव की आहट कैसी थी! पुस्तकालय की बैठक जिसमें बैठकर मेरी ने ह्वाइट हाउस की सजावट की योजना बनाई थी जिससे वह भवन सरकार का केन्द्र स्थान बनकर नई रौनक से चमकने लगा था....और इसमें उन्होंने स्नेह और सहवास के मधुर दिन बिताए थे....अब वह अब्राहम के बिना कितनी एकाकी रह गई है!

टाड उसके पास आया।

'मां, जाने का समय हो गया है। बग्घी प्रतीक्षा कर रही है।'

वे मुख्य सीढ़ियों से नीचे गए और दरवाज़े में से गुज़रकर दालान में पहुंचे। वह ऊपर की सीढ़ी पर खड़ी होकर उद्यान और पथ की ओर देखने लगी।

उसका हृदय निश्चेष्ट और निर्जीव हो गया था। रो-रोकर वह प्रायः अंधी-सी हो गई थी। वह कैसे उपेक्षापूर्ण और विरोधी विश्व का सामना करेगी! वह चाहती थी कि वहीं सीढ़ियों के ऊपर ही उसकी मृत्यु हो जाए।

उसने अपना बायां हाथ उठाया और विवाह की अंगूठी उतार ली। उसे ऐसा लगा मानो अंगूठी पर चिर-अंकित शब्द अंधकार की गहनता में से उभर

रहे है, शनैः-शनैः अधिक स्पष्ट होते जा रहे । आंखिर वे अनन्य सत्य के रूप में सजीव हो उठे :

प्रेम अमर है।

बस यही तो उसके पास बचा था : अर्थात् अब्राहम और उसके प्रेम का आदान-प्रदान।

उसने टाड का हाथ अपने हाथ में लिया और वे दोनों सीढ़ियों से नीचे उतर गए।